अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
56वीं वार्षिक रिपोर्ट

2011-2012

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली - 110029

संयुक्त रूप से संपादित :

डॉ. संदीप अग्रवाला, बाल शल्यचिकित्सा विभाग
डॉ. संजय आर्य, अस्पताल प्रशासन विभाग एवं कुल सचिव
डॉ. रोहित भाटिया, तंत्रिका विज्ञान विभाग
डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता, डॉ. रा.प्र. नेत्रविज्ञान केन्द्र
डॉ. राकेश लोढ़ा, बालरोग विभाग
डॉ. कल्पना लूथरा, जैवरसायन विभाग
डॉ. गोविन्द माखारिया, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग
डॉ. रामकृष्णन, हृदविज्ञान विभाग
डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्यचिकित्सा विभाग
डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग
डॉ. राकेश यादव, हृदविज्ञान विभाग एवं उप-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

मार्च 2013

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.) की स्थापना सन 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में इसकी सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना, भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थानों के लिए चिकित्सा शिक्षा का एक उच्च स्तरीय निदर्शन करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्त्वपूर्ण शाखाओं में कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना; तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएं हैं। संस्थान द्वारा स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा तथा परा-चिकित्सीय पाठ्यक्रमों में शैक्षिक कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं तथा अपनी ही डिग्रियाँ प्रदान की जाती हैं। यहां 52 विषयों में शिक्षण एवं अनु अग्रणी है। एक वर्ष में संस्थान के संकाय-सदस्यों तथा अनुसंधानकर्ताओं के 1500 से भी अधिक अनुसंधान प्रकाशन प्रकाशित हुए हैं। संस्थान द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है, जिसमें छात्रों को बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग तथा बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र) उपाधियों हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

सात अतिविशिष्टता केंद्रों एवं अडतीस नैदानिक विभागों द्वारा पूर्व एवं परा-नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार की बीमारियों का व्यावहारिक रूप से उपचार किया जाता है। संस्थान द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में 50 बिस्तरों वाला एक अस्पताल भी चलाया जाता है जिसमें सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के माध्यम से लगभग 7.7 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान - एक दृष्टि में

2011-2012

स्थापना वर्ष 1956

शिक्षण विभाग एवं केंद्र	52	चिकित्सा स्नातक	2596
संकाय सदस्य (स्वीकृत 823)	498	स्नातकोत्तर	7943
गैर-संकाय सदस्य (स्वीकृत 10847)	8702	नर्सिंग/पैरा मेडिकल स्नातक	2481
स्नातक-पूर्व छात्रों की संख्या	673	पत्रिकाओं/सार के रूप में प्रकाशन	1733
स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या	1383	पुस्तकों/मोनोग्राफ्स में अध्याय	240

अस्पताल सेवाएं

अस्पताल/केंद्र	ओ.पी.डी. रोगी सं. (आपात सहित)	दाखिले	शल्य चिकित्सा (ऑ./प्र.)	बिस्तर (सामान्य)	बिस्तर (प्राइवेट)	कुल बिस्तर संख्या
मुख्य अस्पताल	1522821	77055	73851	982	165	1147
डॉ. रा. प्र. केन्द्र	397538	33881	32879	281	21	302
डॉ. बी.आर.ए.सं.रो.कैं.अ.	84071	28872	6085	167	15	182
हृदवक्ष केन्द्र	145497	11537	4252	174	32*	206
तंत्रिका विज्ञान केन्द्र	109504	6876	3129	174	31	205
एनडीडीटीसी	73070	875	0	50	0	50
सी. सी. एम.	218064	7527	1572	50	0	50
जय प्रकाश ना. ए. ट्रॉमा केंद्र	78077	4904	5052	186	0	186
सी.डी.ई.आर.	127896	143	10589	0	0	0
कुल	**2756538**	**171670**	**137383**	**2064**	**264**	**2328**

*एक बिस्तर (प्राइवेट) का उपयोग हृदवक्ष केन्द्र द्वारा 6 माह एवं तंत्रिकाविज्ञान केन्द्र द्वारा 6 माह के लिए किया गया।

अस्पताल में रहने की औसत अवधि (दिन)*	:	**5.5 दिन**
औसत बिस्तर अधिभोग (%)*	:	**81.6%**
शुद्ध मृत्यु दर(%)*	:	**2.2%**
संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (%)*	:	**8.3%**

*ये आंकड़े केवल एम्स मुख्य अस्पताल के लिए हैं।

विषय-सूची

1. निदेशक की समीक्षा 1
2. संस्थान निकाय, एम्स 7
3. शैक्षिक अनुभाग 13
4. परीक्षा अनुभाग 21
5. सामान्य प्रशासन 26
6. मुख्य अस्पताल 28
7. नर्सिंग महाविद्यालय 50
8. अनुसंधान अनुभाग 58

9. विभाग

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान 60
9.2 शरीर रचना विज्ञान 65
9.3 जैव रसायन 74
9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी 84
9.5 जैव भौतिकी 88
9.6 जैव सांख्यिकी 93
9.7 जैव प्रौद्योगिकी 100
9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 105
9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान 116
9.10 आपात चिकित्सा 120
9.11 अंतःस्राविकी एवं चयापचय 122
9.12 न्याय चिकित्सा 127
9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण 131
9.14 जठरांत्र शल्य-चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण 139
9.15 रुधिर विज्ञान 143
9.16 अस्पताल प्रशासन 149
9.17 प्रयोगशाला चिकित्सा 154
9.18 काय-चिकित्सा 167
9.19 सूक्ष्म जैव विज्ञान 174
9.20 वृक्क विज्ञान 185
9.21 नाभिकीय चिकित्सा 191
9.22 नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद 193
9.23 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 198
9.24 अस्थि रोग विज्ञान 213

9.25 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ई.एन.टी.) 218
9.26 बाल चिकित्सा विज्ञान 223
9.27 बाल शल्य चिकित्सा 247
9.28 विकृति विज्ञान 254
9.29 भेषजगुण विज्ञान 263
9.30 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास 270
9.31 शरीर क्रिया विज्ञान 273
9.32 मनोचिकित्सा 282
9.33 पुल्मोनरी मेडिसीन एवं निद्रा विकार 288
9.34 विकिरण निदान 292
9.35 प्रजनन जैव विज्ञान 305
9.36 शल्य चिकित्सा 309
9.37 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 320
9.38 मूत्ररोग विज्ञान 326

10. केंद्र

10.1 हृदवक्ष विज्ञान केंद्र 332
10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र 356
10.3 डॉ. बी. आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल 363
10.4 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र 386
10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र 402
10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) 432
10.7 तंत्रिका विज्ञान केंद्र 439

11. केंद्रीय सुविधाएं

11.1 बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय 463
11.2 कैफेटेरिया 466
11.3 केंद्रीय पशु सुविधा 469
11.4 केंद्रीय कार्यशाला 472
11.5 कंप्यूटर सुविधा 475
11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा 481
11.7 छात्रावास अनुभाग 484
11.8 इंस्टीट्यूशन एथिक्स कमेटी 487
11.9 के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र 490

12. प्रकाशन 493

13. वित्त प्रभाग

13.1 बजट एवं वित्त 590
13.2 लेखा-परीक्षा रिपोर्ट 646

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

संगठन संरचना

संस्थान निकाय

↓

शासी निकाय

↓

- वित्त समिति
- चयन समिति
- शैक्षिक समिति
- संपदा समिति
- अस्पताल प्रबंध समिति

1. निदेशक की समीक्षा

मुझे वर्ष 2011–2012 के लेखों का लेखा परीक्षित विवरण तथा 56वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) परिवार की उपलब्धियां, शिक्षा, अनुसंधान तथा सेवा के मुख्य महत्त्व के प्रति साझी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। मुझे इस रिपोर्ट में पिछले कुछ वर्षों की विशिष्ट उपलब्धियों में से कुछ उपलब्धियों को सहर्ष प्रदर्शित करते हुए खुशी हो रही हैं और मुझे एम्स परिवार के अनेक सदस्यों के प्रति जो कई प्रकार से एम्स की सेवा में संलग्न है, का आभार व्यक्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

भारत में स्नातकोत्तर एवं स्नातकपूर्व स्वास्थ्य उपचार शिक्षा हेतु एक मजबूत पाठ्यक्रम आधार का विकास करने के उद्देश्य से भारतीय संसद द्वारा 1956 में एक अधिनियम द्वारा स्थापित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उच्च स्तरीय स्वास्थ्य उपचार शिक्षा, अनुसंधान एवं सेवा के मानदण्ड प्राप्त करने में सतत प्रयासरत है। इसे भारत तथा पूरे विश्व में एक ऐसे स्वास्थ्य उपचार संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ आयुर्विज्ञान शिक्षा के साथ अद्यतन अनुसंधान और गुणवत्ता स्वास्थ्य उपचार का श्रेष्ठ सम्मिश्रण है।

शिक्षा : भारत में अग्रणी एवं वैश्विक साझेदारी की ओर बढ़ते कदम

संस्थान में 10,000 से अधिक कार्मिक शक्ति है जिसमें 750 संकाय सदस्यों सहित रेजीडेंट डॉक्टर, नर्सें, परा–चिकित्सा कर्मी, वैज्ञानिक, गैर–चिकित्सीय अधिकारीगण तथा स्टाफ सदस्य सम्मिलित हैं। संस्थान द्वारा बड़ी संख्या में विशेषज्ञों (एम डी/एम एस), उच्च–विशेषज्ञों (डी एम/एम सी एच), पी–एच. डी. स्कॉलर तथा संबद्ध स्वास्थ्य एवं आधारभूत विज्ञान विशेषज्ञों और नर्सों तथा परा–चिकित्सा कर्मियों को तैयार किया जाता है। वर्श 2011–2012 में संस्थान द्वारा विभिन्न विषयों में 465 डिग्रियां प्रदान की गईं। संस्थान द्वारा अपनी अल्पकालीन प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत 649 प्रशिक्षुओं को अल्पकालीन तथा 5 प्रशिक्षुओं को दीर्घकालीन स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त संस्थान में वि.स्वा.सं. फैलोशिप कार्यक्रम के तहत 32 वि. स्वा.सं. फैलो (विदेशी नागरिक), डब्ल्यू एच ओ–इन–कंट्री फैलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम (2011–12) हेतु 12 वि.स्वा.सं. फैलो (भारतीय नागरिक), 51 स्नातकोत्तर एवं 35 स्नातकपूर्व विदेशी नागरिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

भविष्य के अग्रणीय चिकित्सकों को तैयार करने के लिए, संस्थान द्वारा लगातार समीक्षा की जाती है कि किस प्रकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित चिकित्सा को पढ़ाया जाता है। संस्थान द्वारा यह प्रयास रहता है कि प्रतिबद्ध प्रशिक्षण द्वारा विश्व में आयुर्विज्ञान शिक्षा की सर्वश्रेष्ठ तकनीकों को विवेकपूर्ण ढंग से भारत में समेकित किया जाए। वर्ष 2011–12 के दौरान एम्स तथा मीजी फार्मास्युटिकल युनिवर्सिटी, जापान द्वारा स्वास्थ्य विज्ञान के आपसी सहमति के क्षेत्रों के सहयोगी विकास हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सहयोग के क्षेत्रों में दोनों संस्थानों में संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान, छात्रों का प्रशिक्षण एवं उनका आदान–प्रदान, अनुसंधान गतिविधियों में सहयोग, आपसी सहमति के विषयों पर शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा अनुसंधान और अनुभव पर आधारित वैज्ञानिक ज्ञान को साझा करना, सम्मिलित है। संस्थान द्वारा वर्ष के दौरान फुप्फुसी चिकित्सा, शल्यक अर्बुदविज्ञान एवं जरा चिकित्सा में नए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (डी एम, एम सी एच, एम डी) भी आरंभ किए गए। छात्रों और रेजीडेन्ट डॉक्टरों के लाभ के लिए प्रायोगिक प्रयोगशालाओं तथा शल्यक स्थितियों में व्यावहारिक कौशल विकास सहित आयुर्विज्ञान शिक्षा हेतु चिकित्सा अनुरूपण पद्धतियों के माध्यम से नए कौशल अभिग्रहण पद्धतियों को क्रियान्वित किया जा रहा है। ग्रामीण एवं जन–स्वास्थ्य व्यवहारों में स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों दोनों के लिए प्रशिक्षण देने हेतु हमारे पास बल्लभगढ़ समुदाय अस्पताल में एक सशक्त ग्रामीण स्वास्थ्य उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम भी है।

यह संस्थान की सक्रियता सहित अग्रणीय चिकित्सकों, बौद्धिक कठोरता तथा 21वीं सदी के स्वास्थ्य उपचार हेतु उपयुक्त व्यावसायिकता के साथ विकसित करने के प्रति एकनिष्ठ समर्पण का ही परिणाम है कि संस्थान ने इंडिया टूडे के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा महाविद्यालय के सर्वेक्षण में अपना सर्वोच्च स्थान बनाए रखा जबकि इस लीग तालिका में बाद के स्थानों पर बड़े बदलाव देखे गए। एम्स, निम्नलिखित मानदण्डों के बड़ी संख्या में किए मूल्यांकन में भारत का सबसे अधिक सम्मानित संस्थान बना रहा। ये मानदण्ड थेः—निधिकरण, स्टाफ, छात्र, महत्त्व, प्रतिष्ठा, शिक्षण, अनुसंधान और नैदानिक उपचार। हमारे स्कॉलरों द्वारा भारत तथा विदेश में चिकित्सा, विज्ञान एवं शिक्षा और जैव आयुर्विज्ञान प्रयोगशालाओं के संस्थानों का नेतृत्व किया जाता है। विशेषतः उन्होंने राष्ट्रीय महत्व के स्वास्थ्य उपचार विषयों पर कई विशेषज्ञ समूहों को भी सहयोग प्रदान किया। इसलिए इस बात पर कोई हैरानी नहीं होगी कि केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में हाल ही में खोले गए छः एम्स जैसे संस्थानों में हमारे पाठ्यक्रम पर आधारित एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम डिजाइन किए गए। एम्स संस्थान में वास्तविक शिक्षा प्राप्ति वातावरण की स्थापना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के साथ सहयोग के माध्यम से इन संस्थानों का पोषण एवं संरक्षण करने में एक बड़ी भूमिका निभाने वाला है।

एक ऐसी संस्कृति, जो मूल्यों को बढ़ावा देती है और विविधता के समावेश, संरक्षण तथा सेवा को उन्नत करने को प्रोत्साहित करने के प्रयास में, संस्थान द्वारा विविध छात्र समुदाय के हितों की रक्षा करने के लिए एक छात्र कल्याण अधिकारी की नियुक्ति की गई है। नए दाखिल हुए एम बी बी एस छात्रों के व्यक्तित्व एवं शैक्षिक समृद्धि के लिए एक नए पूर्वाभिमुखीकरण कार्यक्रम को भी अंतिम रूप दिया गया है।

अनुसंधानः भारतीय परिदृश्य के साथ उत्कृष्ट अनुसंधान

संस्थान उच्च गुणवत्ता के आधारभूत एवं नैदानिक अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 2011—12 में 600 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की गई और संस्थान द्वारा 65 करोड़ रुपये से अधिक के बाहरी अनुसंधान अनुदान प्राप्त किए गए जो कि पिछले वर्ष से 25% से अधिक की विश्वसनीय वृद्धि है। हमारे संकाय सदस्य अग्रणीय तथा आधुनिक जैव—आयुर्विज्ञानी क्षेत्रों जैसेः— संरचनात्मक जैवविज्ञान, वायरल हेपेटाइटिस, प्रतिरक्षाविज्ञान, जैवप्रौद्योगिकी, विषाणु विज्ञान, नवजात विज्ञान, भ्रूण चिकित्सा, मधुमेह, जानपदिकरोगविज्ञान तथा कैंसर में महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान अनुदानों को प्राप्त करने में सफल रहे हैं। आशा है कि इन परियोजनाओं के प्रभावशाली परिणाम सामने आएंगे और हमारी जनता को इससे लाभ मिलेगा। वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय—सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 1700 से अधिक अनुसंधान पत्र तथा 250 से अधिक मोनोग्राफ, पुस्तकों में अध्याय और पुस्तकें प्रकाशित कीं। वर्ष के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा 150 से अधिक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा सम्मेलन, कार्यशालाओं तथा क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

नवीन स्वास्थ्य उपचार उत्पादों को वहन करने योग्य लागत पर उपलब्ध कराने वाली परियोजनाओं को विकसित करने एवं अनुसंधान में सहयोग प्रदान करने हेतु एम्स वैलकम ट्रस्ट, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, भारत सरकार के साथ अपनी भागीदारी में लगातार सक्रिय है। इसी प्रकार एम्स जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित स्टेनफोर्ड—इंडिया बायोडिजाइन कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। राष्ट्रीय निकाय जैसेः— भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा एम्स के विभिन्न विभागों से जन महत्व तथा राष्ट्रीय सम्बद्धता के स्वास्थ्य विषयों पर अध्ययन संचालित करने का नियमित रूप से अनुरोध किया जाता है।

संस्थान द्वारा स्थानान्तरीय भेदन को तीव्र करने के लिए चिकित्सा विषयों में एकीकरण एवं सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए अत्यधिक पहल की गई। कन्वर्जेन्स केन्द्र द्वारा रोगियों को नई उपचार विधियों में गति लाने हेतु नए तरीकों की खोज के लिए व्यापक नैदानिक तथा स्थानान्तरीय सहयोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके द्वारा एम्स में नैदानिक अनुभवों सहित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों हेतु डाटाबेस जनित करके एवं शरीर रचना विज्ञान, विकृति विज्ञान, शरीरक्रिया विज्ञान, जैव रसायन, भेषजगुण विज्ञान और सूक्ष्म जैव विज्ञान विभागों हेतु आंतरिक अतिरिक्त सुविधाओं के लिए ज्ञान–केन्द्र के रूप में सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

पशु–अनुकूल आधार संरचना को विकसित करने के प्रयास में एम्स द्वारा अपनी केन्द्रीय पशु सुविधा में रह रहे पशुओं के लिए अहातों एवं उनके घेरे के स्थान को उन्नत किया गया है। कुछ वृद्ध पशुओं का संजय गाँधी पशु उपचार केन्द्र में भी पुनर्वास किया गया। संस्थान द्वारा अपने तकनीकी सहायकों हेतु पशु अनुरक्षण एवं स्वास्थ्य पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आरंभ किया गया।

संस्थान में अनुसंधान तथा शिक्षण के कार्य के लिए महत्वपूर्ण है कि चिकित्सकों और वैज्ञानिकों की अगली पीढ़ी को शिक्षित करने हेतु प्रभावी नई पद्धतियों को विकसित करने का एक निरंतर अभियान चलाया जाए जिसमें उन्हें यह सिखाया जाए कि तेजी से विकसित हो रहे स्वास्थ्य उपचार व्यवसाय अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कला और चिकित्सा विज्ञान दोनों का ही व्यवहार में समावेश किस प्रकार किया जाए। इस प्रयास को प्रारंभ करने के लिए, संकायाध्यक्ष एवं उप–संकायाध्यक्ष, अनुसंधान के अंतर्गत अनुसंधान अनुभाग को बढ़ाया गया एवं पुनर्व्यवस्थित किया गया। इन प्रयासों की सफलता को स्पष्ट रूप से निदर्शित करते हुए, आघात, मस्तिष्क अर्बुद, मूल कोशिका अध्ययनों, औषध डिजाइनिंग, प्रोटीन अनुसंधान, आनुवंशिकी तथा प्रतिरक्षाविज्ञान जैसे क्षेत्रों में 126 नई परियोजनाएं आरंभ करने के लिए प्रतिभाशाली युवा संकाय सदस्यों को 3 करोड़ रुपये की अंतरंग अनुदान राशि वितरित की गई।

अनुसंधान कार्य के अद्धितीय आकार तथा विस्तार से कभी–कभी लम्बे समय, देर रात तक कार्य, पूरी जानकारी, बाधाओं एवं अग्रिमों की अनगिनत कहानियां धुंधली हो जाती है। निम्नवर्णित अनुसंधान, एम्स में पर्यवेक्षण तथा खोज के विस्तार की झलक मात्र दर्शाते हैं। बाल चिकित्सा विभाग द्वारा एक ऐसी दवाई तैयारी की गई है जिससे शिशु श्वसन पीड़ा लक्षण (आई आर डी एस) से नवजात मृत्युओं को रोका जा सकता है। अस्थिरोग विभाग द्वारा एक नई गैर–शल्यक उपचार तकनीक विकसित की गई है जिसमें गैर–उपचारात्मक फ्रैक्चरों में अस्थि ग्राफ्ट शल्य चिकित्सा के विकल्प के रूप में फ्रैक्चर वाले स्थान में प्लेटलेट के इंजैक्शन लगाए जाते हैं। भारत के बहुकेन्द्रीय अध्ययन के एक भाग के रूप में हृद्विज्ञान विभाग द्वारा प्रदर्शित किया गया है कि बैलून जैसे एक यंत्र–सीक्वप्लास्टी, जो कि दवाओं से लेपित होता है, यह यंत्र कई रोगियों में स्टेंट का एक अच्छा प्रतिस्थापन हो सकता है। संस्थान में अर्बुदविज्ञानियों द्वारा कीमोथेरेपी की गंभीरता, जिससे मिचली तथा उलटी होती है, को कम करने में अदरक की जड़ के चूर्ण की उपयोगिता का निदर्शन किया गया। भेषजगुणविज्ञान विभाग द्वारा संचालित एक पशु अध्ययन में यह परामर्श दिया गया है कि रूमेटॉइड आर्थराइटिस का उपचार करने में धनिया महत्वपूर्ण चिकित्सीय भूमिका निभाता है। नैदानिक मनोचिकित्सकों द्वारा संचालित एक अध्ययन में यह परामर्श दिया गया कि नियम तथा विनियमों को सख्ती से लागू करने, प्रयोक्ता–अनुकूल जन परिवहन तथा व्यावहारिक (जैसेः– भीड़ के समय यात्रा न करना, वैकल्पिक मार्गों का चयन करना) एवं भावनात्मक (जैसेः–संगीत सुनना, किसी का ध्यान भंग करना) नीतियों को अपनाने से सड़क पर होने वाले झगड़ों के मामलों को रोकने में मदद मिल सकती है।

भारत तथा विदेश में जैव आयुर्विज्ञान चिकित्सा में महान सफल व्यक्तियों को एक श्रद्धांजलि के रूप में, एम्स द्वारा निम्नलिखित वैज्ञानिक एवं चिकित्सकों को प्रतिष्ठित व्याख्यान (डॉ. उर्मिल बी.के. कपूर व्याख्यान, डॉ. एल.के. भूटानी व्याख्यान, आचार्य केशो राम लोमास मेमोरियल व्याख्यान, सर्वेश्वरी मेमोरियल व्याख्यान तथा एन. गोपीनाथ व्याख्यान) प्रदान किए गएः– डॉ. मेयिल वाहनान नटराजन, कुलपति, तमिलनाडू एम जी आर विश्वविद्यालय, चेन्नई, डॉ. वाई.के. चावला, निदेशक, पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़; डॉ. सुजॉय के. गुहा, आचार्य, जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी, आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय, आई आई टी खडगपुर, डॉ. तकेशी कवासे, मानद आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान विद्यालय, किइयो विश्वविद्यालय, टोक्यो तथा डॉ. क्षितिज कपूर, संकायाध्यक्ष एवं विद्यालय–अध्यक्ष, मनोचिकित्सा संस्थान, किंग्स कॉलेज, लंदन, यू के। यह ध्यान देने योग्य है कि डॉ. क्षितिज कपूर ने एम्स में स्नातकपूर्व के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

नैदानिक उपचारः संवेदना सहित गुणवत्ता

एम्स मुख्य अस्पताल एवं इसके केन्द्रों– हृद्वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र (हृ.तं.कें.), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र (जे.पी.एन.ए.टी.सी.), डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (डॉ. बी.आर.ए.सं.रो.कैं.अ.), डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केन्द्र (आर.पी.सी.ओ.एस.), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सी.डी.ई.आर.) तथा व्यवहारपरक विज्ञान केन्द्र (राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र, एन.डी.डी.टी.सी.) के बिस्तरों की संख्या दिवस उपचार बिस्तरों सहित कुल 2424 है। वर्ष 2010–2011 के दौरान, संस्थान में 25 लाख से अधिक ओ.पी.डी. रोगियों को देखा गया, लगभग 1.7 लाख रोगियों को भर्ती किया गया और 1.4 लाख ऑपरेशन निष्पादित किए गए जिसमें अत्यधिक जटिल ऑपरेशन भी सम्मिलित थे। संस्थान द्वारा रोगी उपचार सेवाओं में आदर्श पैरामीटर बनाए रखे गए जिसमें औसत बिस्तर अधिभोग 80% से अधिक तथा अस्पताल में भर्ती रहने का औसत लगभग 6 दिन है। एम्स अस्पताल में सकल मृत्यु दर 3 प्रतिशत से भी कम दर्ज की गई है। अपने विशेष अभिगम के साथ, एम्स समुदाय बिना किसी सीमाओं के विकाशशील विश्व को अंगीकार कर रहा है। संस्थान में उपचार हेतु आने वाले विदेशियों विशेषकर दक्षिणी एवं दक्षिणी–पूर्वी एशिया से आने वाले रोगियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। यह प्रवृत्ति प्रमुख रूप से तंत्रिकाशल्य चिकित्सा विभाग, अस्थिरोग विज्ञान विभाग, अर्बुद्ध विज्ञान विभाग एवं शल्यचिकित्सा विभाग में थी।

झज्जर, हरियाणा में नए एम्स परिसर का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। सेवाएं उपलब्ध करवाने के अलावा इस परिसर में संक्रामक रोगों, आणविक कायचिकित्सा, पोषण, कैंसर सहित गैर–संचारी रोगों के नियंत्रण, टीका विकास एवं पुनर्जननात्मक विज्ञानों में उत्कृष्ट केन्द्र होंगे। वृद्धों के स्वास्थ्य उपचार हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एन.पी.एच.सी.ई.) को स्पोर्ट करने के लिए संस्थान में एक जराचिकित्सा विभाग प्रारंभ किया गया। एन.पी.एच.सी.ई. कार्यक्रम द्वारा वृद्धावस्था वार्डों, पुनर्वास केन्द्रों एवं जिला स्वास्थ्य उपचार डिलीवरी सिस्टम में विभिन्न स्तरों पर वृद्धावस्था क्लिनिकों की स्थापना पर विचार किया जाता है; और वृद्धावस्था में निवारक, उपचारात्मक एवं पुनर्वासात्मक हस्तक्षेप आरंभ किया जाता है।

प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति के साथ अपने को बनाए रखते हुए, संस्थान में अपने वर्तमान गामा नाइफ के स्थान पर मस्तिष्क विकारों के उपचार हेतु एक नए गामा नाइफ की स्थापना की गई है। गामा नाइफ उपचार में मस्तिष्क में एक लघु एवं गंभीर रूप से लक्षित स्थान पर एक सिंगल और विकिरण की एक उच्च्य खुराक देना सम्मिलित होता है। नई अति–आधुनिक मशीनें उपचार की पहुंच को एनाटॉमीक्ल ढ़ांचों में एक बड़े क्षेत्र में विस्तार प्रदान करती हैं। नई प्रौद्योगिकी के कारण कम आघात, तीव्र स्वास्थ्य लाभ, अस्पताल में भर्ती रहने की कम अवधि एवं बहुत कम सर्जरी से संबंधित जटिलता होती हैं। संस्थान द्वारा एक नई इंट्रा–ऑपरेटिव एम.आर.आई. मशीन भी प्राप्त की गई है जिसको 'ब्रेन स्यूट्स' के रूप में भी जाना जाता है, जो कि मस्तिष्क के ऑपरेशनों के परिणामों में सुधार लाने तथा तीव्रता से स्वास्थ्य लाभ को सुनिश्चित करने में सहायता करेगी। यह चिकित्सकों

को ऑपरेशन करते समय मस्तिष्क के क्षेत्र के मल्टीप्ल 3 डी– स्कैन को साक्षात देखने में सक्षम करेगी जिसके कारण सर्जरी की परिशुद्धता में बढ़ोतरी होगी। एक तेज, और अधिक विशुद्ध एवं विस्तृत 3–डी इमेजिंग प्रौद्योगिकी ब्रेस्ट टोमोस्न्थिेसिस के आ जाने से स्तन कैंसर का पता अच्छी तरह से लगाया जा सकेगा जो कि अब संस्थान में उपलब्ध है। ब्रेस्ट टोमोस्निथेसिस तकनीक पारम्परिक इमेजिंग और एम.आर.आई. एवं सी.टी. स्कैन जैसी उत्कृष्ट इमेजिंग तकनीकों के बीच के फासले को पाटती है। संस्थान द्वारा विकृतिविज्ञान एवं प्रयोगशाला कायचिकित्सा में रोगों के निदान के साथ–साथ कोशिका जीवविज्ञान, टीका विकास एवं जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान में प्लेटफार्म आधारित तकनीकों का प्रयोग किया गया है। इन नव–परिवर्तनों से उच्च गुणवत्ता वाले रोगी उपचार की प्राप्ति देश में प्रत्येक नागरिक की पहुंच में हो गयी है।

स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने में आधुनिकीकरण में लोगों की मुख्य भूमिका होनी चाहिएं। संस्थान की अद्धितीयता उसके क्रियाकलापों में व्यक्ति–केन्द्रीत होने से प्रतिपादित होती है। दवा प्राप्ति पर लोक–व्यय को बढ़ाने से निःशुल्क आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में सर्वव्यापक स्वास्थ्य विस्तार सिफारिश पर योजना आयोग के विशेषज्ञ समूह की नीति को विचार में रखते हुए संस्थान की शासी निकाय तथा संस्थान निकाय द्वारा एक सुव्यवस्थित औषधि प्रबंधन सिस्टम की स्थापना हेतु एक योजना अनुमोदित की गई है, जिसके तहत एक फार्मेसी ''आवश्यक दवाइयां'' रोगियों को निःशुल्क प्रदान करेगी। इसके अलावा अस्पताल में चौबीस घंटे कार्यरत दवाइयों की एक दुकान इस शासनादेश से खोली गई है जहां पर एम्स के बहिरंग विभाग के रोगियों को लिखी गई सभी दवाइयां और ऑपरेशन का सामान अधिकतम खुदरा मूल्य पर 56% छूट के साथ उपलब्ध करवाया जाएगा। संस्थान निकाय द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि सभी बी.पी.एल. कार्डधारकों (गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले) को निःशुल्क उपचार उपलब्ध करवाया जाए। संस्थान द्वारा अपनी सभी नैदानिक सेवाओं और डी.एन. ए. प्रयोगशाला को मानकीकृत सेवाओं हेतु नेशनल एक्रीडिएशन बोर्ड फार टेस्टिंग एंड कैलीबरेशन लैब्रोट्ररिज (एन.ए.बी.एल.) द्वारा प्रत्यायित करवाने का निर्णय भी लिया गया।

संस्थान के चिकित्सकों एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा बीमारी से पीड़ित मानव के उत्थान की सेवा में अपनी जानकारी एवं सृजनात्मकता का आपस में आदान–प्रदान किया जबकि पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। हृद्वक्ष सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, अस्थिरोग, नेत्र सर्जरी, मधुमेह, रोबोटिक एवं न्यूनतम रक्तस्राव सर्जरी में अग्रणीय रोगी उपचार सेवा की गई। ट्रॉमा केन्द्र के चिकित्सकों द्वारा तीव्र एवं आपात उपचार चिकित्सा हेतु मार्गदर्शी सिद्धांत तथा एक सुरक्षित चिकित्सा प्रोटोकोल विकसित किया गया। नाक, कान, गला रोग विभाग (ई.एन.टी.) के चिकित्सकों द्वारा भारत में गले के कैंसर की प्रथम रोबोटिक सर्जरी की गई। इन चिकित्सकों द्वारा सर्जरी हेतु ट्रांसओरल रोबोटिक रूट का उपयोग किया गया जिसमें रोबोट का हाथ मुंह के रास्ते गले के अंदर जाता है और कोई भी बाहरी चीरा नहीं लगाया जाता है। भारत में विभिन्न राज्यों में औषध व्यसन की गंभीर समस्या से निपटने हेतु एक अति सक्रिय कार्यक्रम के दौरान संस्थान के राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र तथा संयुक्त राष्ट्र औषध एवं अपराध कार्यालय द्वारा भटिण्डा, कपूरथला, दिल्ली, मुम्बई तथा ईम्फाल में नशा करने वालों के लिए एक मैथाडॉन अनुरक्षण उपचार कार्यक्रम चलाया गया। संस्थान द्वारा निरंतर रूप से आम जनता के लिए उपयोगी स्वास्थ्य विषयों पर नेतृत्व की भूमिका निभायी गई। समेकित बाल विकास सेवाओं, आयोडीन न्यूनतः रोग उपचार कार्यक्रम, प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य, डायरिया रोग, एड्स नियंत्रण एवं असंक्रमणीय रोगों सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में संस्थान द्वारा अत्यधिक योगदान दिया गया।

हमारा सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य प्रणाली आधुनिकीकरण, शिक्षा एवं नीति में अग्रणीय विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने हेतु अपने अभियान में सक्रिय रूप से कार्यरत है। केन्द्र के संकाय सदस्य प्राथमिक उपचार, संक्रमण रोग,

मातृत्व एवं नवजात स्वास्थ्य, सर्जरी, असंक्रमणीय रोग तथा स्वास्थ्य प्रणालियों जैसे अनेक क्षेत्रों में केन्द्रीकृत होकर कार्यरत है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभाता आ रहा है।

संसद द्वारा संस्थान को दिये गए शासनादेश के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराने में संस्थान द्वारा ईमानदारी से प्रयास किये जा रहे हैं। देशवासियों को गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य उपचार सेवा प्रदान करने के सरकार के कार्यक्रम को सहयोग प्रदान करने के प्रति संस्थान प्रतिबद्ध है। मुझे आशा है कि संकाय–प्रतिभा के विशाल भंडार, रोगियों, विस्तृत सहयोगी नेटवर्क तथा राष्ट्र के प्रति वचनबद्धता के परिणामस्वरूप संस्थान द्वारा शिक्षा अनुसंधान तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समुदायों को सेवाएं प्रदान करने में नेतृत्व की भूमिका निभाई जाती रहेगी।

रमेश डेका

आचार्य आर.सी. डेका

निदेशक, अ.भा.आ.सं.

2. संस्थान और इसकी समितियां

संस्थान निकाय

1.	**श्री गुलाम नबी आजाद** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष
2.	**श्रीमती सुषमा स्वराज, सांसद (लोक सभा)** 8, सफदरजंग लेन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
3.	**श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)** 33, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली-110011	सदस्य
4.	**डॉ. ज्योति मिरधा, सांसद (लोक सभा)** 31, मीना बाग, नई दिल्ली 875, सेक्टर-17बी, गुड़गांव, हरियाणा 122001	सदस्य
5.	**प्रो. दिनेश सिंह** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन)
6.	**श्री के. चंद्रमौली** सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (31 अगस्त 2011 तक)
	श्री अनिल कुमार सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (14 अक्टूबर से 16 नवम्बर 2011 तक)
	श्री पी.के. प्रधान सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (17 नवम्बर 2011 से)
7.	**डॉ. आर. के. श्रीवास्तव** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन) (30 नवम्बर 2011 तक)
	डॉ. जगदीश प्रसाद महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन) (1 दिसम्बर 2011 से)

8. **डॉ. एम.के. भान** सदस्य
सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 7वां तल,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सी जी ओ कॉम्प्लेक्स
लोधी रोड, ब्लॉक 2, नई दिल्ली - 110003

9. **डॉ. एस. पी. अग्रवाल** सदस्य
महा सचिव, इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी,
रफी मार्ग, नई दिल्ली

10. **प्रो. के. सी. पांडे** सदस्य
प्राणी विज्ञान विभाग, लखनऊ यूनिवर्सिटी,
लखनऊ 226007

11. **सुश्री विभा पुरी दास** सदस्य
सचिव,
उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

12. **प्रो. के. के. तलवार** सदस्य
अध्यक्ष,
राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी,
अंसारी नगर, नई दिल्ली 110029

13. **प्रो. आर. ए. बड़वे** सदस्य
निदेशक,
टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, डॉ. ई. बॉरजेस रोड
लोवर पारेल, मुंबई

14. **डॉ. रमाकांत पांडा** सदस्य
उपाध्यक्ष, एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट, बांद्रा ईस्ट
मुंबई, महाराष्ट्र

15. **डॉ. अब्दुल हामिद जरगर** सदस्य
निदेशक, शेर.ए.कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस
सौरा, श्रीनगर- 190011, जम्मू और कश्मीर

16. **श्री नावेद मसूद** सदस्य
अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार (31 अगस्त 2011 तक)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011

	श्री आर.के. जैन अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (14 अक्टूबर 2011 से)
17.	**प्रो. आर. सी. डेका** निदेशक, अ.भा.आ.सं.	सदस्य-सचिव
18.	**श्री देबाशीष पांडा** संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	विशेष आमंत्रित
19.	**डॉ. रानी कुमार** संकायाध्यक्ष (शैक्षिक), अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली	विशेष आमंत्रित
20.	**डॉ. डी. के. शर्मा** चिकित्सा अधीक्षक अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली	विशेष आमंत्रित

शासी निकाय

1.	श्री गुलाम नबी आजाद	अध्यक्ष
2.	श्रीमती सुषमा स्वराज, सांसद (लोक सभा)	सदस्य
3.	श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य
4.	सुश्री. विभा पुरी दास	सदस्य
5.	श्री के. चंद्रमौली	सदस्य (31 अगस्त 2011 तक)
	श्री पी.के. प्रधान	सदस्य (12 दिसम्बर 2011से)
6.	प्रो. के.के. तलवार	सदस्य
7.	डॉ. आर.ए. बडवे	सदस्य
8.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव	सदस्य (पदेन) (30 नवम्बर 2011 तक)

	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (11 नवम्बर 2012 से)
9.	डॉ. एस.पी. अग्रवाल	सदस्य
10.	श्री. नावेद मसूद	सदस्य (31 अगस्त 2011 तक)
	श्री आर.के. जैन	सदस्य (12 दिसम्बर 2011 से)
11.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य-सचिव
12.	श्री देबाशीष पांडा	विशेष आमंत्रित
13.	प्रो. रानी कुमार	विशेष आमंत्रित
14.	डॉ. डी. के. शर्मा	विशेष आमंत्रित

स्थायी वित्त समिति

1.	श्री के. चंद्रमौली	अध्यक्ष (31 अगस्त 2011 तक)
	श्री पी.के. प्रधान	अध्यक्ष (12 दिसम्बर 2011 से)
2.	श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य
3.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव,	सदस्य (30 नवम्बर 2011 तक)
	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (11 जनवरी 2012 से)
4.	श्री नावेद मसूद	सदस्य (31 अगस्त 2011 तक)
	श्री आर.के. जैन	सदस्य (12 दिसम्बर 2011 से)
5.	सुश्री विभा पुरी दास	सदस्य
6.	डॉ. एस. पी अग्रवाल	सदस्य
7.	प्रो. दिनेश सिंहसदस्य	सदस्य
8.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य-सचिव
12.	डॉ. रानी कुमार	विशेष आमंत्रित

13.	श्री देबाशीष पांडा	विशेष आमंत्रित

स्थायी शैक्षिक समिति

1.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव	अध्यक्ष (30 नवम्बर 2011 तक)
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, सांसद (लोकसभा)	सदस्य
3.	प्रो. दिनेश सिंह,	सदस्य
4.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य
5.	सुश्री विभा पुरी दास	सदस्य
6.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
7.	प्रो. के. सी. पांडें	सदस्य
8.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
9.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य-सचिव

स्थायी चयन समिति

1.	डॉ. आर. ए. बडवे	अध्यक्ष
2.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव	सदस्य (30 नवम्बर 2011 तक)
	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (11 जनवरी 2012 से)
3.	सुश्री विभा पुरी दास	सदस्य
4.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य
5.	प्रो. के. के. तलवार	सदस्य
6.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
7.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
8.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य-सचिव

स्थायी संपदा समिति

1.	डॉ. एस. पी. अग्रवाल	अध्यक्ष
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, संसद-सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3.	श्री नावेद मसूद	सदस्य (31 अगस्त 2011 तक)
	श्री आर.के. जैन	सदस्य (12 दिसम्बर 2011 से)
4.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य
5.	प्रो. आर. ए. बडवे	सदस्य
6.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव,	सदस्य (30 नवम्बर 2011 तक)
	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (11 जनवरी 2012 से)
7.	डॉ. के. के. तलवार	सदस्य
8.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य-सचिव

स्थायी अस्पताल प्रबंध समिति

1.	श्री मोती लाल बोरा, संसद सदस्य (राज्य सभा)	अध्यक्ष
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, संसद-सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3.	डॉ. आर. ए बडवे	सदस्य
4.	प्रो. के.सी. पांडे	सदस्य
5.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
6.	प्रो. के. के. तलवार	सदस्य
7.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
8.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य-सचिव

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष

रानी कुमार

उप-संकायाध्यक्ष

राकेश यादव

कुल-सचिव

वी. पी. गुप्ता (31.01.2012 तक) | संजय कुमार आर्य (01.02.2012 से)

शैक्षिक अनुभाग नीतियां, योजनाएं विकसित करता है तथा शैक्षिक गतिविधियां कार्यान्वित करता है। इन गतिविधियों में चिकित्सा, नर्सिंग, तथा परा-चिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर एवं परा-चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता है।

स्नातक-पूर्व शिक्षा

इस अनुभाग द्वारा नए छात्रों के लिए प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताओं, पाठ्यक्रम विकसित करने एवं संशोधित करने तथा स्नातक-पूर्व छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन सहित शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रबंध किया जाता है। विभिन्न पाठ्यक्रम इसप्रकार है :- एम.बी.बी.एस., बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी तथा नेत्र विज्ञान तकनीक जैसे परा-चिकित्सा पाठ्यक्रम तथा बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाण पत्र) तथा बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम।

काय चिकित्सा एवं शल्य विज्ञान स्नातक (एम.बी.बी.एस.)

वर्तमान स्नातक-पूर्व स्तर पर शिक्षा के पैटर्न को पुनरीक्षित किया गया तथा जुलाई 2004 से कार्यान्वित किया गया। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की अवधि साढ़े पाँच वर्ष की ही है जिसमें एक वर्ष का अनिवार्य इंटर्नशिप प्रशिक्षण भी सम्मिलित है। इस अवधि के दौरान प्रशिक्षण निम्नानुसार हैं :

एक वर्ष : पूर्व - नैदानिक प्रशिक्षण

डेढ वर्ष : परा - नैदानिक प्रशिक्षण

दो वर्ष : नैदानिक प्रशिक्षण

एक वर्ष : रोटेटिंग इंटर्नशिप (अनिवार्य)

अगस्त, 2008 से एम.बी.बी.एस. की सीटें 50 से बढ़कर 77 सीटें हो गई हैं। इन 77 सीटों में से 5 सीटें विदेशी नागरिकों के लिए आरक्षित होती हैं और इन 5 सीटों के लिए स्क्रीनिंग तथा प्रवेश विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की अनुशंसा पर किया जाता है। शेष 72 सीटों (11 अनुसूचित जाति, 6 अनुसूचित जनजाति, 19 ओ.बी.सी. तथा 36 सामान्य श्रेणी उम्मीदवार) पर छात्रों का चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। 3 प्रतिशत सीटें समस्तर आधार पर शारीरिक रूप से अस्थिजन्य विकलांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2011-12 के दौरान 40,551 आवेदक थे और जिसमें से दिनांक 01 जून, 2011 को आयोजित हुई प्रवेश परीक्षा में 29,054 उम्मीदवार बैठे। 31 मार्च, 2012 तक स्नातक-पूर्व (एम.बी.बी.एस.) छात्रों की पंजी पर कुल संख्या 56 इंटर्न सहित 311 थी।

प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम एम.बी.बी.एस. परीक्षा में प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 6 छात्रों को क्रमशः 750/- रु. तथा 500/- रु. प्रतिमाह की मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

एम.बी.बी.एस. छात्रों के लिए ग्रीष्म फेलोसिप भी उपलबध है जिसमें 500/- रूपये प्रतिमाह वजीफे के रूप में (स्टाइपेन) दिया जाता है। छात्र एवं संकाय के सदस्य के के पर्यवेक्षण के अंतर्गत करते हैं।

परा-चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा प्रकोष्ठ

परा-चिकित्सा एवं नर्सिंग छात्र-छात्राओं का प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों का संचालन इस प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है। 62 छात्रों के एक बैच को बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग में प्रवेश दिया गया। अगस्त, 2011 में 26 छात्रों के एक बैच को बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। अगस्त, 2011 में 15 छात्रों को बी.एस-सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक में तथा 9 छात्रों को बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी में प्रवेश दिया गया।

नर्सिंग तथा परा-चिकित्सा पाठ्यक्रमों में वर्तमान छात्र संख्या निम्नानुसार हैं :-

नर्सिंग पाठ्यक्रम	**छात्रों की संख्या**
बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र)	51
बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग	245
परा-चिकित्सा पाठ्यक्रम	
बी.एस-सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक	42
बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	24

स्नातकोत्तर शिक्षा प्रकोष्ठ

जूनियर तथा सीनियर रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश, चयन तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियों का संचालन शैक्षिक अनुभाग द्वारा किया जाता है। यह अनुभाग सीनियर रेजीडेंटों से संबंधित सभी सेवा मामले भी देखता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में पी-एच.डी., डी.एम., एम.सी-एच, एम.डी., एम.एस., एम.डी.एस., एम.एच.ए., एम.एस-सी. तथा एम. बायोटेक पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा किया जाता है जो कि वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है (सिवाय एम.एस-सी. तथा एम. बायोटेक जिसमें वर्ष में एक बार प्रवेश दिया जाता है)। विदेशी नागरिकों को भी प्रवेश परीक्षा के द्वारा प्रवेश दिया जाता है।

वर्ष 2011-12 के दौरान उपर्युक्त वर्णित पाठ्यक्रमों में कुल 500 प्रायोजित तथा विदेशी नागरिकों और छात्रों को प्रवेश दिया गया। छात्रों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम का नाम**	**जुलाई 2011 सत्र के दाखिले**	**जनवरी 2012 सत्र के दाखिले**	**कुल दाखिले खुला/प्रायोजित**
1.	एम-एससी./एम.बायोटेक/ एम-एससी नर्सिंग	51	लागू नहीं*	51
2.	एमडी/एमएस/एमडीएस/ एमएचए	148	131	279
3.	डीएम/एमसीएच	32	38	70
4.	पीएच-डी.	44	56	100
	कुल	**275**	**225**	**500**

*दाखिले वर्ष में एक बार किए गए।

31 मार्च, 2012 तक स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1383 थी। दिनांक 31.03.2012 तक रोल पर पीएच-डी सहित 1383 स्नातकोत्तर छात्रों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत छात्रों की संख्या
1.	पीएच-डी	448
2.	डीएम	139
3.	एम-सीएच	86
4.	एमडी/एचएचए	491
5.	एमएस	84
6.	एमडीएस	35
7.	एम-एससी/एम. बायोटेक/एम-एससी. नर्सिंग	100
	कुल	**1383**

स्नातकोत्तर छात्रों का विषयवार विवरण निम्नानुसार हैः

पी-एच.डी.	**सामान्य**	**प्रायोजित**
शरीर रचना विज्ञान	28	-
जैव रसायन	40	-
जैव भौतिकी	46	-
जैव सांख्यिकी	05	1 (सेवारत)
जैव प्रौद्योगिकी	23	-
हृद् विज्ञान	01	-
हृद् जैव रसायन	03	-
हृद् विकरण विज्ञान	03	1
त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	02	-
न्याय चिकित्सा	02	-
जठरांत्र रोग विज्ञान	06	-
तंत्रिका शल्य चिकित्सा	04	-
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	01	2 (सेवारत)
रुधिर विज्ञान	13	1 (सेवारत)
सी. टी. वी. एस.	05	-
प्रयोगशाला चिकित्सा	19	-
चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	04	-
चिकित्सा भौतिकी	04	1
काय चिकित्सा	13	-
सूक्ष्म जैव विज्ञान	31	-

तंत्रिका विज्ञान		16	-
नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद		09	-
नाभिकीय चिकित्सा		05	-
नाक, कान तथा गला रोग विज्ञान (ई.एन.टी.)		01	-
नेत्रविज्ञान		10	2
नेत्र भेषजगुण विज्ञान		02	-
नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान		03	-
सामुदायिक नेत्रविज्ञान		03	-
नेत्र विकृति विज्ञान		03	-
नेत्र जैवरसायन		04	-
बाल रोग विज्ञान		20	-
विकृति विज्ञान		10	-
सामुदायिक चिकित्सा केंद्र		02	-
अंतः स्त्राविकी		08	-
बाल शल्य चिकित्सा		02	-
तंत्रिका - जैव रसायन		08	-
भेषजगुण विज्ञान		19	-
शरीर क्रिया विज्ञान		26	2
मनोचिकित्सा		12	-
विकिरण अर्बुद विज्ञान		03	-
प्रजनन जैव विज्ञान		04	-
शल्य चिकित्सा		03	1 (सेवारत)
प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी		10	1
कुल	**448**	**436**	**12**

डी.एम.	**सामान्य**	**प्रायोजित**
हृद संवेदनाहरण विज्ञान	6	2
हृद विज्ञान	16	3
नैदानिक रुधिर विज्ञान	5	3
अंतःस्त्राविकी	8	3
जठरांत्र रोग विज्ञान	10	3

रुधिर विकृति विज्ञान		4	1
चिकित्सा अर्बुद विज्ञान		12	2
नवजात विज्ञान		4	2
वृक्क विज्ञान		8	4
तंत्रिका - संवेदनाहरण		8	3
तंत्रिका विज्ञान		15	3
तंत्रिका विकिरण विज्ञान		3	-
बाल तंत्रिका विज्ञान		6	2
नैदानिक भेषजगुण विज्ञान		3	-
कुल	**139**	**108**	**31**

एम.सी-एच.		**सामान्य**	**प्रायोजित**
हृद्वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा		16	2
जठरांत्र शल्य चिकित्सा		9	3
तंत्रिका शल्य चिकित्सा		28	2
बाल शल्य चिकित्सा		12	3
मूत्र रोग विज्ञान		8	3
कुल	**86**	**73**	**13**

एम.डी.	**सामान्य**	**प्रायोजित**
संवेदनाहरण विज्ञान	32	02
शरीर रचना विज्ञान	16	-
जैव रसायन	11	-
जैव भौतिकी	11	-
सामुदायिक चिकित्सा	19	-
त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	12	03
न्याय चिकित्सा	10	-
अस्पताल प्रशासन	06	05
प्रयोगशाला चिकित्सा	06	-
काय चिकित्सा	47	03
सूक्ष्म जैव विज्ञान	13	-

नाभिकीय चिकित्सा		12	03
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान		36	03
नेत्र विज्ञान		93	01
बाल रोग विज्ञान		25	03
विकृति विज्ञान		19	01
भेषजगुण विज्ञान		12	-
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास		08	-
शरीरक्रिया विज्ञान		16	-
मनोचिकित्सा विज्ञान		26	01
विकिरण निदान		22	03
विकिरण चिकित्सा		09	-
जरा चिकित्सा		02	-
कुल	**491**	**463**	**28**

एम.एस.			
अस्थि रोग विज्ञान		17	03
नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान		17	02
शल्य चिकित्सा		42	03
कुल	**84**	**76**	**08**

एम.डी.एस.			
कंजरवेटिव डेंटीस्ट्री एंड इंडोडोंटिक्स		08	01
ऑर्थोडोंटिक्स		08	02
प्रोस्थोडोंटिक्स		07	-
ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी		08	01
कुल	**35**	**31**	**04**

एम.एस-सी.	**सामान्य**	**प्रायोजित**
शरीर रचना विज्ञान	05	-
जैव रसायन	06	03

जैव भौतिकी		01	-
प्रफ्यूजन प्रौद्योगिकी		05	-
जैव प्रौद्योगिकी		24	01
नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी		05	01
भेषजगुण विज्ञान		07	-
शरीर क्रिया विज्ञान		04	-
एम.एस-सी. नर्सिंग			
हृद् विज्ञान/सी.टी.वी.एस. नर्सिंग		09	01
तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग		09	-
बाल चिकित्सा नर्सिंग		08	01
मनोचिकित्सा नर्सिंग		10	-
कुल	**100**	**93**	**07**

वेतन : छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार रेजीडेंटों का वर्तमान वेतन निम्नानुसार है :-

जूनियर रेजीडेंट 15,600 - 39,100 रु.. (ग्रेड वेतन 5400 रु.) तथा नियमानुसार भत्ते

सीनियर रेजीडेंट 15,600 - 39,100 रु. (ग्रेड वेतन 6600 रु.) तथा नियमानुसार भत्ते

प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनुभाग द्वारा आयुर्विज्ञान एवं परा-चिकित्सा दोनों के लिए अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 649 अल्पकालीन एवं 5 दीर्घकालीन प्रशिक्षणार्थी थे।

इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों में विश्व स्वास्थ्य संगठन छात्रवृति कार्यक्रम के अंतर्गत 32 वि.स्वा.सं. फेलो (विदेशी नागरिक), वि.स्वा.से.-इन-कंट्री फेलोसिप प्रोग्राम (2011-12) हेतु 12 वि.स्वा.सं. फेलो (भारतीय) तथा 51 विदेशी राष्ट्रीय को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अनुभाग द्वारा विदेशी स्नातकपूर्व आयुर्विज्ञानी छात्रों की चयनित प्रशिक्षण से संबंधित कार्यों का निष्पादन किया जाता है- वर्ष के दौरान 35 विदेशी स्नातकपूर्व चिकित्सा छात्रों ने चयनित प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समिति बैठकें

शैक्षिक समिति, स्टाफ काउंसिल, संकाय बैठकें तथा संकायाध्यक्ष समिति की बैठकें आयोजित करने का उत्तरदायित्व शैक्षिक अनुभाग का है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आयोजित हुई बैठकों का विवरण निम्नानुसार हैं :-

शैक्षिक समिति	03
स्टाफ काउंसिल	01
संकाय	07
शोध प्रस्तुतिकरण	06

व्याख्यान

वर्ष 2011-2012 के दौरान शैक्षिक अनुभाग द्वारा निम्नलिखित व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

क्र.सं.	व्याख्यान	व्याख्यानदाता	व्याख्यान की तिथि, समय तथा स्थान
1.	तृतीय डॉ. उर्मिल बी.के. कपूर व्याख्यान	डॉ. माइन वहानान नटराजन, कुलपति, तमिलनाडु एमजीआर विश्वविद्यालय, चेन्नई	21 अक्टूबर 2011, सायं 04 बजे, व्याख्यान कक्ष- 1
2.	तृतीय डॉ. एल.के. भुटानी व्याख्यान	डॉ. वाई.के. चावला, निदेशक, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़	28 नवम्बर 2011, सायं 04 बजे, व्याख्यान कक्ष-1
3.	चतुर्थ प्रोफेसर केशो राम लूमस स्मारक व्याख्यान	डॉ. सुजॉय के. गुहा, प्रोफेसर, बायोमेडिकल साइंस एवं टैक्नोलॉजी, आई.आई.टी., खड़गपुर	12 दिसम्बर 2011, सायं 04 बजे, व्याख्यान कक्ष-1
4.	22वां सर्वेश्वरी स्मारक व्याख्यान	डॉ. ताकेशी कवासी, माननीय प्रोफेसर, तंत्रिकाशल्य चिकित्सा विभाग, स्कूल ऑफ मेडिसीन	14 फरवरी 2012, सायं 04 बजे, जवाहरलाल सभागार
5.	तृतीय डॉ. एन. गोपीनाथ व्याख्यान	डॉ. क्षितिज कपूर, डीन एवं हेड ऑफ स्कूल, इंस्टीट्यूट ऑफ साइकेट्री विंग्स कॉलेज, लंदन, यू.के.	24 फरवरी 2012, सायं 04 बजे, व्याख्यान कक्ष-1

दीक्षांत समारोह

संस्थान का 39वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 21 दिसम्बर, 2011 को जवाहर लाल सभागार में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने विशिष्ट छात्रों को संस्थान पदक/पुरस्कार प्रदान किए तथा उपस्थित जन-समूह को संबोधित किया। अध्यक्ष, एम्स एवं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद द्वारा उपाधियां प्रदान की गईं।

अनुसंधान

आंतरिक अनुसंधान निधि एवं इसके वितरण संबंधी कार्य जो कि पहले शैक्षिक अनुभाग द्वारा किया जाता था, इस वर्ष से इस कार्य को अनुसंधान अनुभाग को सौंपा गया।

4. परीक्षा अनुभाग

प्रभारी आचार्य (परीक्षा)

कौशल के. वर्मा

उप-संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

नन्द कुमार

सहायक नियंत्रक

बी. के. जोशी

लेखा अधिकारी

एस. के. टिक्कू

वर्ष 2011-2012 के दौरान निम्नलिखित व्यावसायिक तथा प्रवेश परीक्षाएं संचालित की गई थीं।

स्नातकोत्तर एवं स्नातक-पूर्व व्यावसायिक परीक्षा

व्यावसायिक परीक्षाएं

क्र.सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			परीक्षा में बैठे	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1	**मई 2011**	अंतिम स्नातकोत्तर/पोस्ट-डॉक्टरल (एमडी/एमएस/एमडीएस/डीएम/एम-सीएच/एमएचए)	133	2	124	7
2	-तदैव-	एम. एस-सी. (नर्सिंग), चरण I	19	0	19	0
3	-तदैव-	एम. एस-सी. (नर्सिंग), चरण II	19	0	19	0
4	-तदैव-	द्वितीय एम. बी. बी. एस. (पूरक)	7	0	7	0
5	-तदैव-	अंतिम एम. बी. बी. एस. (पूरक)	7	2	3	2
6	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण IV	49	0	48	1
7	-तदैव-	बी. एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र), चरण II	21	0	21	0
8	-तदैव-	बी. एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र), चरण 1	23	0	21	2
9	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण I	63	0	53	10
10	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण III	59	0	58	1
11	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण II	57	0	56	1
12	जुलाई 2011	बी. एस-सी. (ऑ.) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण III	10	0	7	1+2*
13	-तदैव-	बी.एस-सी.(ऑ) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण II	6	0	5	1
14	-तदैव-	बी.एस-सी.(ऑ) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण III	7	0	7	0
15	-तदैव-	प्रथम व्यावसायिक एम.बी.बी.एस.	81	1	64	10+6*
16	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑ) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण I	9	0	6	1+2*

17	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑ.) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण II	12	0	8	2+2*
18	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण I	16	0	11	4+1*
19	अगस्त 2011	प्रथम एम.बी.बी.एस. व्यावसायिक (पूरक)	16	0	12	4
20	नवम्बर 2011	बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चि. प्रौद्योगिकी चरण II (पूरक)	1	0	1	0
21	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑ) नेत्रविज्ञान तक. चरण III (पूरक)	3	0	2	1
22	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑ) रेडियोग्राफी में चि. प्रौद्योगिकी चरण I (पूरक)	2	0	2	0
23	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान तकनीक चरण I (पूरक)	4	0	2	2
24	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑ) नेत्रविज्ञान तक. चरण II (पूरक)	3	0	2	1
25	दिसम्बर 2011	अंतिम स्नातकोत्तर/पोस्ट डॉक्टरल (एमडी/एमएस/एमडीएस/डीएम/एम-सीएच/एमएचए)	119	1	110	8
26	-तदैव-	बी.एस-सी. (नर्सिंग) चरण II (पूरक)	4	0	3	1
27	-तदैव-	अंतिम एम.बी.बी.एस व्यावसायिक	54	8	41	5
28	-तदैव-	द्वितीय एम.बी.बी.एस व्यावसायिक	78	0	62	4+12*
29	-तदैव-	बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र) चरण I (पूरक)	2	0	2	0
30	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण I (पूरक)	10	0	9	1
31	-तदैव-	बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र) चरण II (पूरक)	1	0	1	0
32	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण III (पूरक)	4	0	4	0
33	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण IV (पूरक)	7	0	7	0
34	जनवरी 2012	अंतिम एम.बी.बी.एस. (कंपार्टमेंटल परीक्षा)	4	0	4	0
		महायोग :	**910**	**14**	**801**	**70+25***

* उपस्थिति में कमी के कारण योग्य नहीं।

प्रवेश परीक्षाएं

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम**	**परीक्षा की तिथि**	**आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या**	**परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की संख्या**
1	एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. (एम्स) जुलाई 2011	08.05.2011	22381	19929
2	डी.एम./एम.सी-एच./एम.एच.ए. जुलाई 2011	15.05.2011	1745	1436
3	एम.बी.बी.एस. (एम्स) अगस्त, 2011	01.06.2011	40551	29054
4	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग 2011	12.06.2011	1175	782
5	बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) 2011	18.06.2011	141	82
6	बी.एस-सी. (ऑनर्स) परा-चिकित्सा पाठ्यक्रम 2011	04.06.2011	205	158
7	एम.एस-सी. पाठ्यक्रम 2011	09.07.2011	344	200
8	एम.एस-सी. नर्सिंग 2011	26.06.2011	779	605

9	एम. बायोटेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा 2011	16-07-2011	790	407
10	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा, जुलाई 2011	17.07.2011	1264	892
11	पी.एच-डी. जुलाई 2011	03.07.2011	482	331
12	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा, जनवरी 2011	15.01.2012	485	418
13	एमडी/ एमएस/ एम.सी-एच. (6 व्र्षीय)/ एमडीएस (एम्स) जनवरी 2012	13.11.2011	47432	38532
14	डी.एम. / एम.सी-एच./ एम.एच.ए. जनवरी 2012	11.12.2011	1895	1530
15.	अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाः एम.डी./ एम.एस./ डिप्लोमा/ एम.डी.एस.-2012	08.01.2012	71968	69069
16.	पीएच. डी. जनवरी 2012	22.01.2012	497	312
	महायोग		**192134**	**163737**

दिनांक 1 अप्रैल, 2011 से 31 मार्च, 2012 तक पीएच. डी. मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवार : 52

भर्ती हेतु परीक्षाएं

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	लिखित परीक्षा	साक्षात्कार	आवेदक	बैठे	परिणाम
1.	जूनियर इंजीनियर	–	19.04.2011	425	246	23.04.2011
2.	नेत्रविज्ञान तकनीक ग्रेड 1	07.08.2011	–	120	100	स्तर 1 08.08.2012
3.	सिस्टर ग्रेड 11	21.08.2012	26.09.2011–01.10.2011	33772	28100	07.08.2011
4.	मेडिकल चिकित्सक	24.08.2011	19.09.2011	63	31	20.09.2011
5.	तकनीशियन (विकिरण चित्रण) ग्रेड 11	04.02.2012 मार्च 2012	17, 19, 30	343	277	30.03.2011
6.	एमएसएसओ ग्रेड 11	26.02.2012	28.03.2012–	370	264	30.03.2011
			कुल योग	**35093**	**29018**	

संचालित की गई प्रवे ा परीक्षाएं :

1. एम.डी. / एम.एस. / डिप्लोमा / एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत ओपन मेरिट सीटों के कोटे हेतु अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा दिनांक 08.01.2012 को भारत के 15 शहरों में स्थित 156 केन्द्रों (स्थानीय 36,बाहरी 120) पर आयोजित की गई। परीक्षा परिणाम दिनांक 03 मार्च, 2012 को घोषित किए गए।

2. जुलाई, 2011 सत्र से प्रारम्भ होने वाले एम.डी./ एम.एस./ एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों हेतु एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा दिनांक 8 मई, 2011 को 52 केन्द्रों (स्थानीय 22, बाहरी 30) पर तथा जनवरी 2012 सत्र हेतु 86 केन्द्रों (स्थानीय 28, बाहरी 58) पर 13 नवंबर, 2011 को आयोजित की गई। परीक्षा परिणाम क्रमशः 27 मई, 2011 तथा 29 नवम्बर, 2011 को घोषित किए गए।

3. जुलाई 2011 तथा जनवरी 2012 सत्रों के लिए डी.एम. / एम.सी-एच. तथा अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर जैस विभिन्न पोस्ट-डॉक्टरल (अति-विशिष्टता) पाठ्यक्रमों के लिए चयन द्वि-स्तरीय निष्पादन मूल्यांकन के आधार पर क्रमशः 15 एवं 23 मई, 2011 तथा 11 एवं 19 दिसंबर 2011 के दौरान किया गया।

4. संस्थान द्वारा क्रमशः दिनांक 17 जुलाई 2011 तथा 15 जनवरी 2012 को सीनियर रेजीडेंटों/सीनियर डेमोंस्ट्रेटरों के पद हेतु एक लिखित परीक्षा आयोजित की गई।

5. जुलाई, 2011 तथा जनवरी, 2011 सत्रों से प्रारंभ होने वाले पी-एच.डी. कार्यक्रम में पंजीकरण हेतु उम्मीदवारों का चयन क्रमशः 4 जुलाई, 2011 तथा 22 जनवरी, 2012 तक किया गया। परिणाम क्रमशः 12 जुलाई, 2011 तथा 30 जनवरी, 2011 को घोषित किए गए।

6. एम्स के एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिनांक 01 जून, 2011 को भारत के 11 शहरों में 88 (स्थानीय 35 तथा बाहरी 53) केंद्रों पर आयोजित की गई।

7. बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग प्रवेश परीक्षा दिनांक 12 जून, 2011 को दिल्ली तथा तिरुवनंतपुरम में आयोजित की गई।

8. अगस्त, 2011 सत्र हेतु एम.एस-सी. तथा एम. बॉयोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा क्रमशः 9 तथा 16 जुलाई, 2011 को दिल्ली में आयोजित की गई।

9. एम.एस-सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिल्ली में दिनांक 26 जून, 2011 को आयोजित की गई। दाखिला मेरिट आधार पर दिनांक 15 एवं 19 जुलाई, 2011 को आयोजित हुई काउंसलिंग के माध्यम से किया गया1

10. बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिल्ली में दिनांक 18 जून 2011 का आयोजित की गई, तत्पश्चात दिनांक 22 जून 2011 को उम्मीदवारों का वैयक्तिक मूल्यांकन किया गया।

11. परा-चिकित्सा पाठ्यक्रमों - बी.एस-सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान तकनीक एवं बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्साप्रौद्योगिकी में अगस्त, 2011 सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा दिनांक 4 जून, 2011 को दिल्ली में एक केंद्र पर आयोजित की गई। इन दोनों पाठ्यक्रमों में छात्रों का प्रवेश मेरिट आधार पर काउंसलिंग के माध्यम से सीटों का आबंटन करके दिनांक 14 और 21 जुलाई, 2011 को किया गया।

12. परीक्षा अनुभाग द्वारा संस्थान में निम्नलिखित पदों हेतु लिखित / कौशल परीक्षा भी आयोजित की गईः-

    i) 6 मार्च, 2011 को कनिष्ठ अभियंता की परीक्षा आयोजित की गई। दिनांक 19.04.2011 को साक्षात्कार का आयोजन किया गया।

    ii) दिनांक 7 अगस्त, 2011 को नेत्रविज्ञान तकनीशियन ग्रेड-1 की परीक्षा आयोजित की गई।

    iii) दिनांक 21 अगस्त, 2011 को सिस्टर ग्रेड-।। की परीक्षा आयोजित की गई। दिनांक 26 सितम्बर, 2011 से 01 अक्टूबर, 2011 तक साक्षात्कार आयोजित किया गया।

    iv) दिनांक 24 अगस्त, 2011 को चिकित्सा भौतिक विज्ञानी की परीक्षा आयोजित की गई। दिनांक 19 सितम्बर, 2011 को साक्षात्कार आयोजित किया गया।

    v) दिनांक 4 फरवरी, 2012 को तकनीशियन (विकिरण विज्ञान) ग्रेड-।। की परीक्षा आयोजित की गई। दिनांक 17, 19 एवं 20 मार्च, 2012 को साक्षात्कार आयोजित किया गया।

    vi) दिनांक 26 फरवरी, 2012 को एम एस एस ओ ग्रेड-।। की परीक्षा आयोजित की गई। दिनांक 19 सितम्बर, 2011 को साक्षात्कार आयोजित किया गया।

अन्य गतिविधियों में सहभागिता :

1. परीक्षा अनुभाग एम्स स्नातकोत्तर, बी.एस-सी. (ऑनर्स) परा चिकित्सा, एम.एस-सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों हेतु काउंसलिंग तथा बी.एस-सी. (नर्सिंग) पोस्ट प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु साक्षात्कार में सक्रिय रूप में भाग लेता है।

2. परीक्षा अनुभाग द्वारा बी. पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरन, नेपाल से स्नातकोत्तर छात्रों के शोध के मूल्यांकनकार्य में समन्वय कर रहे हैं।

3. अनुभाग द्वारा वर्ष 2011 से उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय के लिए एम बी बी एस प्रवेश परीक्षा का भी आयोजन करता रहा है और इस वर्ष यह परीक्षा दिनांक 24 जुलाई, 2011 को आयोजित की गई।

4. परीक्षा अनुभाग द्वारा भारत और विदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के उनकी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान की जाती है।

महत्त्वपूर्ण घटनाएं

परीक्षा अनुभाग द्वारा संचालित परीक्षा में और अधिक नियंत्रण एवं संतुलन बनाए रखने को प्रारम्भ करने के उपाय के रूप में परीक्षा व्यवस्था की पूर्ण गोपनीयता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए, बाहरी केंद्रों के प्रश्न-पत्रों को अब स्वीकृत बैंकों में सुरक्षित रखा जाता है। छद्म व्यक्तित्व के किसी भी प्रकार के मामले से बचने के लिए प्रवेश परीक्षा के दौरान सभी उम्मीदवारों के डिजीटल फोटोग्राफ तथा अंगूठे का निशान लिया जाता है। इसके अलावा परीक्षा केन्द्र की मुख्य प्रवेश परीक्षाके समय प्रत्येक प्रत्याशी की शारीरिक जांच आरंभ की गई है ताकि परीक्षा के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग की रोकथाम की जा सके।

परीक्षा अनुभाग ने जनवरी 2010 से विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने के लिए ऑन लाइन आवेदन सिस्टम प्रारंभ किया है। उम्मीदवार अब ऑन लाइन आवेदन कर सकते हैं और अपने प्रवेश पत्र इंटरनेट से डाउनलोड करके प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रोस्पेक्ट्स तथा आवेदन पत्र प्राप्त करने की कठिनाई से उबरने के लिए किया गया है, जिसके बारे में समय समय पर प्रत्याशियों द्वारा सूचित किया गया। आवेदन पत्रों को जमा करने की ऑनलाइन विधि आरंभ होने के बाद अब प्रोस्पेक्ट्स-सह-आवेदन पत्र की अनुलब्धता की समस्या का पूरी तरह समाधान कर दिया है।

अनुभाग द्वारा आवेदन के शुल्क की राशि के भुगतान करने के तरीकों की समग्र प्रणाली (डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड,ऑनलाइन स्थानांतरण आदि) को 2012 सत्र से भी आरंभ किया गया। अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा में, प्रत्येक उम्मीदवार को लिखने के लिए पेन उपलब्ध करवाया गया। ऐसा उनके द्वारा लाए जाने वाले अपने पेन में निर्मित किसी इलेक्ट्रॉनिक विशेषता के उनके द्वारा प्रयोग किए जाने को रोकने हेतु किया गया था। परीक्षा के दौरान उम्मीदवार की पहचान की प्रामाणिकता में संदेह होने के मामले में उनकी फोटोग्राफी (स्नेपशॉट) की जा रही है।

एम्स प्रतिनिधि द्वारा मुद्रा के हस्तांतरण के संबंध में नामित परीक्षा केंद्रों को अग्रिम में डिमांड ड्राफ्ट / बैंकर्स चैक के माध्यम से 90 से 95 प्रतिशत राशि भेजकर नकद राशि के लेन-देन को कम कर दिया गया है।

श्रेष्ठ मार्किंग के लिए ओ एम आर शीट की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। पारदर्शिता हेतु ओ एम आर शीट में (शब्दों एवं अंको में) अनुपयुक्त (बिना उत्तर दिए) प्रश्नों को भी लिखने के लिए आरंभ किया गया है।

5. सामान्य प्रशासन

उप-निदेशक (प्रशासन)
विनीत चौधरी, भा.प्र.से.

मुख्य प्रशासन अधिकारी
अतर सिंह

वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
ई. एल. लाकड़ा(31.12.2011 तक)
के. के. वैद्य

प्रशासन अधिकारी

अस्पताल/ह.तं.कें.
आर.के. शर्मा (11.10.2011 से)

भर्ती एवं छात्रावास
रवि चौहान

सामान्य, संपदा एवं परिवहन
वी. वी. मिश्रा

जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र
ए.के. निम

विधि प्रकोष्ठ
भागीरथ झा
(01.08.2011 तक)

संकाय प्रकोष्ठ
ललित कुमार

स्था. अनुभाग (नि.का.)
धीरज

अनुसंधान अनुभाग
ए.के. गौतम

सहायक प्रशासन अधिकारी

एन.डी.डी.टी.सी.
उदय सिंह

सीटी और एनएस केंद्र
श्याम लाल

जेपीएनएटी केंद्र
महेश कुमार शर्मा

सीडीईआर
नरेंद्र कुमार

डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ.
रेनू भारद्वाज

आर.टी.आई./स्था. अनुभाग-II
गोपाल दत्त (05.01.2012 से)

ई.एस.डी.
ललित ओरॉव

वित्त प्रभाग
अशोक कुमार गुप्ता

सुरक्षा

उप-मुख्य सुरक्षा अधिकारी
राजीव लोचन
आर.एस. रावत

भंडार

भंडार अधिकारीगण
एस.एस.भदौरिया
वी.एम.एस. गांधी (08.08.2011 तक)
के.डी. शर्मा
प्रदीप कुमार गुप्ता

इंजीनियरी सेवा विभाग

अधीक्षण अभियंता
बी. एस. आनंद

कार्यकारी अभियंता
एम. रस्तोगी
एस. भास्कर

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग से संबंधित मामले, भंडार, सतर्कता एवं जनसंपर्क क्रियाकलापों सहित सामान्य प्रशासन का पर्यवेक्षण उप-निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों की देखभाल करने के लिए विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों और स्टाफ सदस्यगण की सहायता से किया जाता है। इन शाखाओं की गतिविधियों का एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

स्टाफ की नियुक्ति, सांविधिक समितियों की बैठकों की व्यवस्था, संपदा एवं सम्पत्ति प्रबंधन, उपकरण, सामग्री एवं उपभोज्यों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों के कल्याण सहित स्थापना अनुभाग और सामान्य प्रशासन से संबद्धसभी मामलों की देखभाल इस अनुभाग द्वारा की जाती है।

मुख्य अस्पताल, सभी केन्द्रों तथा प्रशासन सहित संस्थान की कुल स्वीकृत स्टाफ की संख्या 11,670 है। इनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :-

क्र. सं.	**श्रेणी/समूह**	**स्वीकृत संख्या**	**वर्तमान स्टाफ**
1.	संकाय	823	498
2.	समूह 'क' (गैर-संकाय)	553	406
3.	समूह 'ख'	5,531	4,344
4.	समूह 'ग' एवं 'घ'	4,763	3,952
	कुल	**11,670**	**9,200**

6. अस्पताल

चिकित्सा अधीक्षक

डी.के. शर्मा

आचार्य

सिद्धार्थ सतपति

सह-आचार्य

आई.बी.सिंह — संजय आर्य

बिस्तरों	संख्या
मुख्य अस्पताल तथा प्राइवेट वार्ड्स	1045
बेसिनेट्स	25
हृद् तंत्रिका केंद्र	411

अस्पताल कार्य निष्पादन विवरण	2011-12		2010-11		
	मुख्य अस्पताल	ह.तं.कें. अस्पताल	मुख्य ह.तं.कें.	ह.तं.कें.	टिप्पणियां
अस्पताल में ठहरने की औसतन अवधि (दिनों में)	5.4	6.7	5.3	7.3	बिस्तरों का प्रभावी उपयोग दर्शिता होता है।
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	81.6	77.4	80.9	77.6	प्रभावी अधिभोग दर्शाता है।
शुद्ध मृत्यु दर (%)	2.2	3.6	2.6	4.1	अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार रोगियों की अधिक संख्या में भर्ती के बावजूद निम्न मृत्यु-दर को दर्शाते हैं
संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (%)	8.3	-	8.1	-	

कृपया विवरण हेतु तालिका 1 एवं 2 देखें।

6.1 चिकित्सा अभिलेख सेवाएं (अस्पताल)

मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी और उप-रजिस्ट्रार, जन्म एवं मृत्यु

एन.के.शर्मा

शिक्षा एवं प्रशिक्षण

निम्नलिखित विद्यार्थी समूहों ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) और बाह्य रोगी विभाग का दौरा किया। इस समूहों हेतु एम्स में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन विषय पर श्री एन.के. शर्मा द्वारा संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

1. सेंट स्टीफन अस्पताल, नई दिल्ली से चिकित्सा अभिलेख विज्ञान पाठ्यक्रम में स्नातक एवं एमआरटी के 10 छात्रों ने दिनांक 8 अप्रैल 2011 में दौरा किया।
2. नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स की 23 एम-एससी (पीसी), 19 अप्रैल 2011.
3. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स के बी.एससी (पीसी) नर्सिंग छात्रों ने 4 अगस्त, 2011 को दौरा किया।
4. क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लौर, तमिलनाडु से चिकित्सा अभिलेख विज्ञान पाठ्यक्रम में स्नातक के 15 छात्रों ने 7 फरवरी, 2012 को दौरा किया।

बैठकें

इस अनुभाग के विभिन्न अधिकारियों ने अनेक बैठकों में भाग लिया। इसका विवरण निम्न प्रकार हैः

1. मृत्यु के (एम सी सी डी) सहित साफ्टवेयर संबंधी स्वास्थ्य मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग, एन डी एम सी, पालिका केन्द्र, नई दिल्ली 11 अप्रैल 2011.
2. डॉ. एस पी एम सिविक केन्द्र, जे एल एन मार्ग नई दिल्ली के कार्यालय में डेंगू/चिकनगुनिया के ऑनलाइन नोटिफिकेशन के कार्यान्वयन की स्थिति पर समीक्षा बैठक, 20 मई 2011.
3. चीफ रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय द्वारा आयोजित जन्म एवं मृत्यु के पंजीकरण के कार्य में प्रशिक्षण, 29 नवम्बर 2011.
4. चीफ रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार एवं निदेशालय अर्थशास्त्र एवं सांख्यकी, एन डी एम सी, पालिका केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एम सी सी डी एवं आई सी डी-10 के कार्य पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 जनवरी 2012.
5. चिकित्सा अभिलेख (एम ई डी आर ई सी ओ एन), पर वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र एवं हेल्थ रिकार्ड एसोसिएशन ऑफ इंडिया, दिल्ली 3-4 फरवरी, 2012.

न्यायालय में उपस्थिति :

दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर के विभिन्न न्यायालयों से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग में कुल 1123 सम्मन/नोटिस (औसतन 4 सम्मन प्रतिदिन) प्राप्त हुए।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण :

केंद्रीय भर्ती कार्यालय तथा मुख्य अस्पताल के पूछताछ कार्यालय का कम्प्यूटरीकरण किया गया है।

अंतरंग रोगी सेवाएं

अस्पताल देश भर से तथा विदेश से आने वाले रोगियों की निरंतर बढ़ती संख्या के बावजूद रोगी उपचार सेवा तथा गुणवत्ता को बनाए हुए है। वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल तथा हृद तंत्रिका केंद्र की विभिन्न नैदानिक यूनिटों में कुल 95,611 रोगियों को भर्ती किया गया था (तालिका 1)। विभाग-वार, राज्य-वार तथा। लिंग-वार भर्ती का विवरण तालिका 2 से 4 में दिया गया है। विभिन्न शल्यक विधाओं में निष्पादित किए गए कुल ऑपरेशनों की संख्या तालिका-5 में दी गई है।

अभिलेखों को आसानी से खोजने के लिए क्रमबद्ध तरीके से वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन अभिलेखों को कम्पेक्टर्स में भंडारित किया जाता है। हृद तंत्रिका केंद्र के सभी अंतः रोगियों के रिकॉर्ड का रख-रखाव भी मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा किया जाता है।

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ :

यह कार्यालय वर्ष भर चौबीसों घण्टे अर्थात् 365 दिन X24 घण्टे कार्य करता है। इस कार्यालय द्वारा मुख्य अस्पताल एवं हृदवक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र के अंतरंग क्षेत्रों के सभी भर्तियां निष्पादित की जाती है। यह रोगी पंजीकरण, भर्ती पर्ची (फेस शीट) का सृजन, परिचर पास जारी करना, रोगी एवं एम्स के बारे में सही सूचना एवं तीव्रता से सामान्य जानकारी प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करता है। यहां पर स्टाफ शिफ्ट के कार्य करते हैं और इस कार्यालय में स्वागत अधिकारी, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन तथा अन्य लिपिकीय एवं अस्पताल स्टाफ कार्यरत हैं।

बहिरंग रोगी विभाग एवं विशिष्टता निदानशालाएं

मुख्य अस्पताल के सामान्य बहिरंग रोगी विभाग तथा विशिष्टता निदानशालाओं में कुल 15,22,821 रोगी उपचार हेतु आए। बहिरंग रोगी भार का विवरण तालिका-6 में दिया गया है।

तालिका 1 वार्षिक सांख्यिकी स्वास्थ्य बुलेटिन

क्र.सं.	विवरण	मुख्य अस्पताल	हृद तंत्रिका केंद्र	कुल
1.	कुल भर्ती किए गए रोगी	77198	18413	95611
	क. वयस्क एवं बच्चे	74806	-	-
	ख. नवजात शिशु	2392	17520	92958
2.	अस्पताल से डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल सं.	75438	17520	92958
	क. वयस्क एवं बच्चे	73206	-	73206
	ख. नवजात शिशु	2232	-	2232
3.	उपचार के कुल दिन	413237	117628	530865
	क. वयस्क एवं बच्चे	395323	-	395323
	ख. नवजात शिशु	17914	-	17914
4.	ठहरने की औसत अवधि (एएलएस)	5.5	6.7	5.7
	क. वयस्क एवं बच्चे	5.4	-	-
	ख. नवजात शिशु	8.0	-	-
5.	अस्पताल में रोगी उपचार दिनों की कुल संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	319594	116455	436049
	क. वयस्क एवं बच्चे	316947	-	-
	ख. नवजात शिशु	2647	-	-
6.	रोगियों की दैनिक औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	873	318	1191

	क. वयस्क एवं बच्चे	866	-	-
	ख. नवजात शिशु	07	-	-
7.	औसत बिस्तर अधिभोग (प्रतिशत)	81.6	77.4	81.8
	क. वयस्क एवं बच्चे	82.8	-	-
	ख. नवजात शिशु	28.9	-	-
8.	अस्पताल में जन्म	2392	-	2392
	क. बालक शिशु	1302	-	1302
	ख. बालिका शिशु	1090	-	1090
	ग. इंटर सेक्स	-	-	-
9.	कुल मृत्यु (नवजात शिशु सहित)	1068	856	1924
	क. 48 घण्टे के भीतर मृत्यु	843	225	856
	ख. 48 घण्टे के बाद	225	631	856
	ग. सकल मृत्यु दर (प्रतिशत में)	3.3	4.9	3.6
	घ. शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत में)	2.2	3.6	2.5
10.	आपातकालीन में उपस्थित रोगी	113092	-	113092
	आपातकालीन में मृत्यु	766	-	766
	आपातकालीन में पहले से मृत शरीर लाए गए रोगी	639	-	639

तालिका 2 विभाग बार वर्गीकरण, छुट्टी और मृत्यु दर (मुख्य अस्पताल + हृद तंत्रिका केंद्र)

विभाग	दाखिले	अस्पताल से छुट्टी	उपचार के दिन अवधि	ठहरने की औसत	मृत्यु			शुद्ध मृत्यु दर(%)	
					कुल	48 घंट के भीतर	48 घंटे के बाद	सकल	शुद्ध
कायचिकित्सा 1	1278	1227	13503	11.0	263	105	158	21.4	14.1
कायचिकित्सा 2	1221	1187	10914	9.1	252	100	152	21.2	14.0
कायचिकित्सा 3	1374	1333	14064	10.5	312	102	210	23.4	17.0
शल्यचिकित्सा 1	1454	1389	10834	7.8	35	6	29	2.5	2.1
शल्यचिकित्सा 2	1917	1868	12434	6.6	41	10	31	2.2	1.7
शल्यचिकित्सा 3	972	936	10025	10.7	23	7	16	2.5	1.7
शल्यचिकित्सा 4	1929	1850	11372	6.1	15	2	13	0.8	0.7
अस्थिरोगविज्ञान 1	1957	1905	15596	8.2	6	1	5	0.3	0.3

अस्थिरोगविज्ञान 2	2278	2239	18113	8.0	7	–	7	0.3	0.3
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 1	4628	4543	21822	4.9	4	0	4	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 2	3172	3111	18437	5.9	4	0	4	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 3	3435	3329	17833	5.3	10	0	10	0.3	0.3
वृक्कविज्ञान	5595	5541	21713	3.9	172	51	121	3.1	2.2
अंतःस्राविकी	538	508	9609	19.0	8	1	7	1.6	1.4
जठरांत्र रोग विज्ञान	2647	2598	21778	8.3	513	185	328	19.7	13.6
रुधिरविज्ञान	9919	9854	31654	3.2	275	85	190	2.8	1.9
मनोचिकित्सा	248	207	5507	26.6	2	0	2	0.1	0.1
मूत्ररोग विज्ञान	5285	5146	20293	4.0	18	5	13	0.3	0.3
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	1670	1601	6677	4.1	4	2	2	0.2	01
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	1378	1347	5138	3.8	3	0	3	0.2	0.2
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	1294	1263	5248	4.1	9	1	8	0.7	0.6
त्वचा रोग	5319	5292	16584	3.1	8	1	07	0.1	0.1
नवजातविज्ञान	2247	2232	17914	8.0	9	9	–	0.4	0
निओनेटल आई सी यू	172	158	1070	6.7	50	18	32	31.6	22.9
कंगारू माता देखभाल वार्ड	55	52	329	6.3	–	–	–	–	0
बाल रोग 1	2810	2744	9141	3.3	56	17	39	2.0	1.4
बाल रोग 2	1564	1532	9008	5.8	50	13	37	3.3	2.4
बाल रोग 3	5780	5511	13285	2.4	77	22	55	1.4	1.0
बालशल्य चिकित्सा	2586	2521	20288	8.0	61	14	47	2.4	1.9
विकिरणविज्ञान	53	48	71	1.4	11	7	4	22.9	9.8
दंत शल्यचिकित्सा	143	140	1530	10.9	1	–	1	0.7	0.7
नाभिकीय चिकित्सा	484	478	646	1.3	2	1	1	0.4	0.2
जठरांत्र एवं लिवर	937	913	16347	17.9	67	11	56	7.3	6.2
शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	42	35	1589	45.4	–	–	–	–	0
आई आर सी एच	495	482	2540	5.2	107	67	40	22.2	9.6
संवेदनाहरणविज्ञान	322	318	331	1.0	–	–	–	–	0
कुल (मुख्य)	**77198**	**75438**	**413237**	**5.5**	**2475**	**843**	**1632**	**3.3**	**2.2**
हृदविज्ञान	7763	7710	28890	3.74	203	97	106	2.6	1.4
सी टी वी एस	3774	3734	35592	9.5	307	38	269	2.2	7.3

तंत्रिकाविज्ञान 1	1524	1372	9591	7.0	77	23	54	5.6	4.0
तंत्रिकाविज्ञान 2	1366	1190	8075	6.8	55	15	40	4.6	3.4
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा 1	1884	1647	17295	10.5	113	27	86	6.9	5.3
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा 2	2096	1861	18162	9.7	101	25	76	5.4	4.1
तंत्रिका संवेदनाहरण	6	6	23	3.8	–	–	–	–	–
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	**18413**	**17520**	**117628**	**6.7**	**856**	**225**	**631**	**4.9**	**3.6**
महायोग कुल (मुख्य + ह.तं.केन्द्र)	**95611**	**92958**	**530865**	**5.7**	**3331**	**1068**	**2263**	**3.6**	**2.5**

परिशिष्ट 3 अंतरंग रोगियों का राज्यवार वर्गीकरण

राज्य	**मुख्य अस्पताल**	**हृद तंत्रिका केन्द्र**	**कुल**
दिल्ली	37770	5450	43220
उत्तर प्रदेश	16995	4432	21427
हरियाणा	8187	1883	10070
बिहार	7386	3341	10727
राजस्थान	1075	625	1700
पंजाब	246	234	480
अन्य राज्य	5334	2392	7726
अन्य देश	205	56	261
कुल	**77198**	**18413**	**95611**

तालिका 4 अंतरंग रोगियों का लिंगवार वर्गीकरण (मुख्य अस्पताल + हं.तं.के.)

स्थान	**पुरुष**	**स्त्री**	**बालक शिशु**	**बालिका शिशु**	**कुल**
मुख्य अस्पताल	30150	28317	13113	5618	77198
हृद तंत्रिका केन्द्र	9287	4346	3336	1444	18413
कुल	**39437**	**32663**	**16449**	**7062**	**95611**

तालिका 5 शल्य चिकित्सा प्रक्रिया

विभाग	**बड़े**	**छोटे ऑपरेशन**		**कुल**
		अंतरंग	**बाह्य**	
शल्यचिकित्सा 1	636	373	3239	4248
शल्यचिकित्सा 2	988	349	3000	4337
शल्यचिकित्सा 3	571	108	2723	3402

शल्यचिकित्सा 4	902	337	2536	3775
जठरांत्र एवं लिवर प्रत्यारोपण	569	1	–	570
मूत्ररोग विज्ञान	1331	275	10765	12371
प्रसूति विज्ञान	1014	237	–	1251
स्त्रीरोग विज्ञान	1229	1408	–	2637
ऑटोलेरिन्जोलॉजी	2267	1952	31006	35225
अस्थिरोग 1	1299	500	–	1799
अस्थिरोग 2	1136	685	–	1821
बाल शल्यचिकित्सा	1715	185	157	2057
दंत शल्यचिकित्सा	103	01	–	104
आपात विभाग	-	250	-	250
योग (मुख्य)	13760	6661	53426	73847
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा	4252	-	-	4252
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 1	1293	149	-	1442
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 2	1429	258	-	1687
योग (हृद तंत्रिका कंन्द्र)	6974	407	-	7381
महायोग (मुख्य + हृद तंत्रिका केन्द्र)	20734	7068	53426	81228

तालिका 6. ओ.पी.डी. एवं विशिष्टता निदानशालाओं में उपस्थिति

चिकित्सा विभाग	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
कायचिकित्सा			
1. सामान्य ओ पी डी	62252	63640	**125892**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) वक्ष	2593	3795	**6388**
(ii) रियूमेटोलॉजी	42	6519	**6561**
(iii) जेरियाट्रिक	5904	6612	**12516**
(iv) निद्रा संबंधी श्वास विकार	2626	2912	**5538**
(v) नाभिकीय चिकित्सा	1212	5787	**6999**
(vi) एंडोक्राइनोलॉजी	10133	26553	**36686**
(vii) वृक्क	6316	23327	**29643**
(viii) गुर्दा प्रतिरोपण	82	4571	**4653**
(ix) रियूमेटोलॉजी	367	1304	**1671**

रुधिरविज्ञान	3098	23187	**26285**
जठरांत्र रोग विज्ञान	16612	42509	**59121**
बाल चिकित्सा			
1. सामान्य ओ पी डी	33068	42444	**75512**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) स्वस्थ शिशु	390	419	**809**
(ii) फॉलोअप टी बी	391	1855	**2246**
(iii) वृक्क	504	4374	**4878**
(iv) बाल तंत्रिकाविज्ञान	849	2242	**3091**
(v) बाल वक्ष निदानशाला	613	3363	**3976**
(vi) उच्च जोखिम नवजात	298	2873	**3171**
(vii) आनुवंशिक एवं जन्म दोष क्लिनिक	2622	1469	**4091**
(viii) ओंकोलॉजी	196	1357	**1553**
(ix) बाल विकास	139	143	**282**
(x) एंडोक्राइनोलॉजी	443	1245	**1688**
(xi) न्यूरोसिस्टी.	352	1378	**1730**
(xii) पी सी एस सी	62	486	**548**
(xiii) रियूमेटोलॉजी	191	1501	**1692**
(xiv) मायोपैथी	457	755	**1212**
त्वचा रोग विज्ञान			
1. सामान्य ओ पी डी	32003	38013	**70016**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) यौन संक्रमित रोग	751	429	**1180**
(ii) एजर्ली	507	1258	**1765**
(iii) कुष्ठ रोग	427	2225	**2652**
(iv) पिगमेन्टेशन	371	1915	**2286**
(v) मनोलैंगिक	–	–	**–**
(v) त्वचा शल्य चिकित्सा	468	805	**1273**
मनोचिकित्सा			
1. सामान्य ओ पी डी	1790	–	**1790**
2. विशिष्टता क्लिनिक			

(i) वाक-इन-क्लिनिक	12078	30069	**42147**
(ii) बाल-मार्गदर्शन	507	560	**1067**
शल्यक विभाग	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
शल्यक विभाग	38720	27235	**65955**
मूत्ररोग विज्ञान	12978	31594	**44572**
जी.आई. शल्य चिकित्सा	2047	5583	**7630**
बाल शल्य चिकित्सा			
1. सामान्य ओ पी डी	5521	11520	**17041**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) हाइड्रोसेफालस	6	144	**150**
(ii) इंटर सेक्स	3	151	**154**
(iii) बाल मूत्ररोग विज्ञान	423	3247	**3670**
(iv) क्रेनियोसाइनोस्टोसिस	3	9	**12**
संवेदनाहरण			
1. पीड़ा	914	2004	**2918**
2. संवेदनाहरण-पूर्व क्लिनिक	6680	1307	**7987**
अस्थि रोग			
1. सामान्य ओ पी डी	44762	42962	**87724**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) फिजियोथेरेपी	21449	30952	**52401**
(ii) व्यावसायिक थेरेपी	1274	9320	**10594**
(iii) हाइड्रोथेरेपी	4311	8901	**13212**
(iv) फोलोअप	–	8258	**8258**
(v) ट्यूबरकुलोसिस	254	890	**1144**
(vi) पोलियो	–	–	–
(vii) स्कोलियोसिस	596	1498	**2094**
(viii) हस्त	997	1370	**2367**
(ix) सी टी ई वी	132	1270	**1402**
(x) संधिशोथ	–	–	–
(xi) खेल	139	129	**268**

नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान एवं आर यू ए एस			
1. सामान्य ओ पी डी	38558	39322	**77880**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) श्रवणविज्ञान	92	56	**148**
(ii) वाक	1101	1391	**2492**
(iii) श्रवण	723	1706	**2429**
(iv) वाणी	712	819	**1531**
(v) वर्टिगो	74	49	**123**
(vi) नासाविज्ञान	76	47	**123**
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान			
1. सामान्य ओ पी डी	30016	55343	**85359**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) प्रसवोत्तर	8	2	**10**
(ii) वन्ध्यता	–	–	**–**
(iii) आई वी एफ	408	1847	**2255**
(iv) परिवार कल्याण	8286	4324	**12610**
(v) प्रसव पूर्व	676	3912	**4588**
(vi) अंतःस्राविकी स्त्रीरोग विज्ञान	72	107	**179**
(vii) उच्च जोखिम सगर्भता	2153	12504	**14657**
(viii) ऑपरेशन के बाद (स्त्री रोग)	165	17	**182**
(ix) रजोनिवृत्ति	–	–	**–**
विकिरण चिकित्सा	633	41297	**41930**
अन्य			
1. आपात चिकित्सा	113092	–	**113092**
2. ई.एच.एस.	97671	68445	**166116**
3. पोषण	4317	1190	**5507**
4. भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	23550	82166	**105716**
यौन एवं विवाह परामर्श	1830	1903	**3733**
कुल	**666136**	**856685**	**1522821**

6.2 अस्पताल आहार सेवाएं

मुख्य आहारविद्

डॉ. (श्रीमती) अलका मोहन चुटानी

वरिष्ठ आहारविद्

डॉ. (श्रीमती) परमीत कौर

आहारविद्

श्रीमती स्वप्ना चतुर्वेदी

सहायक आहारविद्

श्रीमती गुरदीप कौर	श्रीमती रीचा जायसवाल	श्रीमती वसुंधरा सिंह
श्रीमती अंजली भोला	श्रीमती मोनिता गहलोत	

अंतरंग रोगियों को परोसे गए विभिन्न आहारों की संख्या (मुख्य अस्पताल एवं केन्द्र)

आहारों की कुल संख्या	-	6,51,630
सामान्य आहार	-	3,39,295
अर्धठोस आहार	-	30,656
चिकित्सीय आहार	-	1,45,410
किचन आधारित एन्टरल भोजन	-	32,517
प्राइवेट वार्ड हेतु आहार	-	1,03,752

पोषण क्लिनिक

पुराने ओपीडी रोगी	-	4,317
पुरुष	-	2,245
महिला	-	2,072
नए ओपीडी रोगी	-	1,190
पुरुष	-	647
महिला	-	543
अंतरंगरोगी	-	6875

6.3 कल्याण एकक

कल्याण अधिकारी

प्रीति आहलूवालिया

कल्याण एकक द्वारा रोगियों एवं कर्मचारियों की कल्याण सेवाओं का आयोजन किया गया।

रोगी कल्याण

रोगी उपचार : दान के रूप में रु. 38,64,000 - (लगभग) एकत्रित किए गए।

उद्देश्य	दान	दानकर्ता
मुख्य अस्पताल तथा केंद्रों में	3,25,000	इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसायटी
उपचार कराने वाले गरीब तथा	2,54,851	साहू जैन ट्रस्ट
जरूरतमंद रोगियों के उपचार	1,62,000	बैज नाथ भंडारी पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट
एवं शल्य चिकित्सा हेतु।	1,26,401	लाल देवी धर्मार्थ न्यास
	1,20,000	जवाहर भवन ट्रस्ट
	66,500	चेतनालय
	25,000	सेवा प्रकल्प महिला मंडल न्यास
	16,000	विजय गुजराल फाउंडेशन
	2,46,000	अन्य दानदाता
एम्स निर्धन रोगी निधि लेखा	35,000	कर्नल यश भटनागर
	12,000	सुश्री अंजना आहलूवालिया
	5,000	मेजर रंजीत सिंह
कैंसर रोगियों को निःशुल्क उपलब्ध	22,76,028	गोपाल फाउंडेशन
करवाई गई कैंसर-रोधी दवाएं।	1,94,246	डॉ. चेतन मेमोरियल डिवाइन ट्रस्ट

उपर्युक्त के अतिरिक्त, गरीब रोगियों को, राष्ट्रीय आरोग्य निधि, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान तथा अन्य सरकारी तथा गैर-सरकारी एजेंसियों से, उनके उपचार के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन किया जा रहा है तथा उनकी सहायता की जा रही है।

अस्पताल निर्धन रोगी निधि से निर्धन रोगियों को सहायता भी प्रदान की जाती है और उनकी दाखिले, लेवी प्रभारों में छूट, जांच प्रभारों आदि में छूट के लिए मार्गदर्शन तथा सहायता भी की जाती है।

निःशुल्क शव वाहन सुविधा :

दुःखी संबंधियों द्वारा मृत शरीर को अपने घर/शमशानघाट, दिल्ली में आसानी से ले जाने के लिए श्री साईं भवन समाज (पंजी) के माध्यम से निःशुल्क वाहन सेवा प्रदान की जा रही है।

धर्मशालाएं

कल्याण गतिविधि के रूप में, एम्स अस्पताल समाज कल्याण सोसायटी के तत्त्वावधान में राजगढ़िया विश्राम सदन, सुरेका विश्राम सदन तथा श्री साईं विश्राम सदन द्वारा एम्स तथा इसके केंद्रों में उपचार करवा रहे 14,000 से भी अधिक रोगियों तथा उनके तीमारदारों को आश्रय प्रदान किया गया। विशेष मामलों में विश्राम सदनों में रहने वाले जरूरतमंद गरीब रोगियों के लिए दानकर्ताओं के माध्यम से भोजन का प्रबंध किया गया। संस्थान द्वारा रोगियों एवं उनके परिचरों की सहायता हेतु धर्मशाला से अस्पताल तक आने-जाने के लिए वाहन सुविधा प्रदान की जाती है।

सपना (गैर सरकारी संगठन) ने सप्ताह में एक बार राजगढ़िया विश्राम सदन के उन निवासियों को सूखा राशन वितरित किया जो गरीबी रेखा से नीचे हैं। इसके अतिरिक्त, राजगढ़िया विश्राम सदन में रह रहे रोगियों को प्रति दिन आधा लीटर दूध भी वितरित किया गया। विश्राम सदन के निवासियों के लाभ हेतु कैंसर रोगी सहायता संघ के द्वारा सप्ताह में एक बार निःशुल्क योगा की कक्षाओं का आयोजन किया गया।

कर्मचारी कल्याण :

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति :

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति के मामलों पर विचार किया गया। परिवार के सदस्यों को हुई भारी क्षति को सहन करने तथा जो जिम्मेदारियां उन पर आ गई हैं, उन्हें निभाने में सक्षम बनाने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु परामर्श सेवाएं तथा नैतिक समर्थन प्रदान किया गया। आवश्यकता पड़ने पर, मृतक कर्मचारियों के अंतिम संस्कार पर होने वाले खर्च के लिए भी उनके संबंधियों की सहायता की गई।

परामर्श सेवाएं

कर्मचारियों, रोगियों तथा उनके संबंधियों को उनकी शारीरिक, सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, पारिवरिक तथा वैवाहिक समस्याओं पर काबू पाने/समाधान करने के लिए उन्हें सक्षम बनाने हेतु परामर्श सेवाएं प्रदान की गई और इसके द्वारा उनकी सामाजिक गतिविधियों में वृद्धि हुई।

शिकायतों का निवारण

स्टाफ-सदस्यों तथा रोगियों की शिकायतों का समाधान करने के लिए सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

मनोरंजन एवं सुख-सुविधाएं क्लब (आर एवं ए सी)

कल्याण एकक आर एंड ए सी के चुनाव आरंभ करने और पर्यवेक्षण में संबद्ध रहा है ताकि कर्मचारियों के लाभ हेतु खेलकूद की गतिविधियों को आरंभ किया जा सके। एकक द्वारा हमारे कर्मचारियों को अंतर-मंत्रालय टूर्नामेंट में भाग लेने केलिए सहायता भी की जाती है।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न विषय पर वार्ता

कर्मचारी कल्याण समिति द्वारा संकाय, रेजीडेंट डॉक्टर, अधिकारियों, नर्सों, स्टाफ एवं छात्रों के हित में 20 जुलाई, 2011 को 'कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती कुलजीत कौर, सदस्य, अखिल भारतीय महिला सम्मेलन ने व्याख्यान दिया।

6.4 अस्पताल विलिंग अनुभाग

वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्त की गई दान की राशि तथा उपगत व्यय/रोगियों को भुगतान की गई राशि का विवरण निम्नानुसार है:-

दानकर्ताओं से प्राप्त दान	:	**रु. 2,88,574**
(बैंक ब्याज + दान + निर्धन निधि बॉक्स)		
194 रोगियों को किया गया भुगतान	:	**रु. 78,295**

(निर्धन रोगियों को राशि का वितरण वर्ष के दौरान दानकर्ताओं से प्राप्त दान - राशि तथा 'एम्स निर्धन निधि खाता' में पिछली बकाया पड़ी राशि में से किया गया है।)

6.5 चिकित्सा समाज कल्याण एकक

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी
आर.सी. मिश्रा

चिकित्सा समाज कल्याण एकक चिकित्सा अधीक्षक तथा प्रभारी अधिकारी, एमएसएसओ के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षणाधीन एक केंद्रीय समाज कल्याण एकक के रूप में कार्य करता है। इस एकक में 9 चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (एमएसएसओ) हैं जिनमें एक मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी, एक पर्यवेक्षी चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी चार चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड I तथा तीन चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड II है।

यह एकक अस्पताल प्रशासन, एम्स संकाय, कर्मचारी वर्ग तथा रोगियों के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एकक द्वारा निम्न सेवाएं प्रदान की गई।

1. **प्राइवेट (निजी) रेफरल :-** लोकहित याचिका तथा माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के मद्देनजर यह निजी अस्पतालों के लिए अनिवार्य है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के उन रोगियों को आवश्यक निःशुल्कउपचार प्रदान करें जिन्हें सरकारी अस्पतालों से निजी अस्पताल में उपचार हेतु भेजा जाता है/संदर्भित किया जाता है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के निर्देश के अनुसार, एकक ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी से 144 रोगियों को अभिज्ञातकिया, उन्हें अभिप्रेरित किया तथा नोडल अधिकारी, एम्स तथा अन्य निजी अस्पतालों के समन्वयन में कागज़ी कार्रवाई पूर्ण करने के पश्चात इन रोगियों को निःशुल्क उपचार तथा आगामी प्रबंधन हेतु अभिज्ञात निजी अस्पतालों में भेजा/संदर्भित किया।

2. **पुनर्वास :-** चिकित्सा समाज कल्याण एकक ने रोगियों, उनके रिश्तेदारों, कर्मचारियों, पुलिस कार्मिकों तथा अन्य सरकारी और गैर सरकारी अभिकरणो के साथ संरचित साक्षात्कार तथा चर्चाएं की तथा वह विभिन्न अभिकरणो में 350 रोगियों का सफलतापूर्वक पुनर्वास करने में समर्थ रहा।

3. **परामर्श/काउंसलिंगः-** लगभग 60,000 रोगियों को निदान तथा रोग दीर्घीत प्रक्रियाविधियां एवं जटिल जांच, प्रोगनोसिस तथा उपचार एवं अनुवर्ती उपचार के महत्व के बारे में परामर्श दिया गया। इसके अतिरिक्त, परिवार को भी स्वास्थ्य शिक्षा दी गई कि स्वस्थ जीवन का अनुरक्षण किस प्रकार करना है।

4. **वित्तीय सहायताः-** राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के मद्देनज़र तथा राष्ट्रीय रोग सहायता निधि के दिशानिर्देश के अनुसार, 329 रोगियो के आवेदनों की उचित प्रकार संवीक्षा की गई, उनका आकलन किया गया तथा उन्हें एनआईएएफ उप समिति केसमक्ष प्रस्तुत किया गया तथा इन रोगियों के लिए 10,83,73,858 रुपए की राशि स्वीकृत की गई जिनका उपचार एम्स में जीवन संकट कारी रोगों के लिए किया जा रहा है।

5. **निर्धन निधि का संवितरणः-** 151 निर्धन रोगियों को 30,000 रुपए की राशि संवितरित की गई जिन्हें उपचार तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए तत्काल वित्तीय सहायता की आवश्यकता थी।

6. **कल्याण तथा प्रशासनिक क्रियाकलापः-**

(i) लगभग 12,215 गरीब रोगियों को विभिन्न सरकारी संगठनों के माध्यम से 7,50,000 रुपए मूल्य की चिकित्सीय तथा अन्य सहायता उपलब्ध कराई गई। इन रोगियों को सहायतार्थ दवाइयां, कंबल, कैथेटर तथा अन्य उपकरण चिकित्सा समाज कल्याण एकक के सहयोग से मुख्य ओ पी डी ब्लॉक में प्रदान किए गए।

(ii) एकक द्वारा संत कौर मेमोरियल ट्रस्ट, विकास ज्योति, आह्वान एवं स्वैक्षिछक दानदाता मि. विवेक जैसे स्वैच्छिक एजेंसियों के माध्यम से 25 बहुत गरीब एवं जरूरतमंद रोगियों की सहायता की गई।

(iii) बाल चिकित्सा वार्ड में दीवाली मनाई गई। बच्चों को अस्पताल में घरेलू माहौल देने के लिए उनमें फल, खिलौनों, मिठाइयों का संवितरण किया गया। पूजा भी की गई। इस समारोह में माननीय निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, विभाग प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्यगण उपस्थित थे।

7. **रेलवे रियायती सुविधाएं :-** लगभग 7,000 रोगियों को, जो कि कैंसर, टी.बी., कुष्ठ, थैलेसिमिया, मुक एवं बधिर तथा गुरदा के रोग जैसी भयंकर बीमारियों से पीड़ित थे, रेलवे रियायत प्रपत्र उपलब्ध कराए गए तथा उन्हें एम्स में अनुवर्ती उपचार के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया। यह सुविधा दिल्ली के बाहर से आनेवाले रोगियों के लिए बहुत ही उपयोगी है।

8. **आवास :-** लगभग 2230 रोगियों को उनके रिश्तेदारों सहित अस्पताल के निकट विभिन्न धर्मशालाओं में आश्रय दिया गया।

9. **लेवी प्रभारों की छूट :-** आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के 4500 से अधिक रोगियों को गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्डों तथा अन्य प्रमाणपत्रों की समुचित जांच करने के पश्चात् एक्स-रे, रक्त, सीटी स्कैन, एमआरआई इत्यादि जैसी विभिन्न छूटों के लिए विचार में लिया गया। कुछ मामलों में, एम एस एस ओ ने उन रोगियों के संबंध में स्वयं अपने आप पहल की जिनके पास दस्तावेजी साक्ष्य नहीं थे किन्तु जो विभिन्न प्रकार की जांच तथा प्रवेश प्रभारों के भुगतान हेतु यथार्थ रूप से गरीब प्रतीत होते थे।

10. **वार्डो से परामर्श तथा मांग :-** लगभग 475 अंतरंग रोगियों को जो कि चिकित्सा का व्यय वहन करने में असमर्थ थे उन्हें विभिन्न वार्डों से संकाय सदस्यों द्वारा हमारे पास चिकित्सीय, सर्जिकल तथा अन्य उपकरण उपलबध कराने के लिए सामाजिक आर्थिक स्थिति का आकलन करने के लिए भेजा। रोगी की सामाजिक आर्थिक स्थिति का आकलन करने के पश्चात उचित संस्तुतियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। इसके अतिरिक्त, अज्ञात परिचारक रहित रोगियों के लिए परिचारकों की व्यवस्था की गई।

11. **रेफरल :-** चिकित्सा समाज सेवा अधिकारियों द्वारा आपात कालीन विभाग में रोगियों की मनोसामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए चौबीस घंटे सेवाएं प्रदान की जाती है। वे चिकित्सा दल के साथ रोगी को सफदरजंग अस्पताल और अन्य सरकारी अस्पतालों में बिस्तर की अनुपलब्धता पर रोगी को वहां पर भेजने में समन्वय करते हैं। वे रोगी एवं उनके परिचरों के साथ परामर्श करके दाखिले एवं उपचार हेतु अन्य निजी अस्पतालों में भेजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। समीक्ष्य वर्ष के दौरान कुल 11414 रोगियों को अन्य अस्पतालों मे स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

12. **स्वास्थ्य शिक्षा :-** समाज कार्य विद्यार्थियों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यकर्ताओं की सहायता से बाल शल्यचिकित्सा तथा स्त्री रोग विज्ञानी वार्डों में वैयक्तिक स्वच्छता के अनुरक्षण, संतुलित पोषण स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण एवं ऑपरेशनपूर्व एवं ऑपरेशन पश्चात देखभाल के संबंध में क्रियाकलाप संचालित किए गए।

13. **प्रशिक्षण एवं अध्यापन :-** निम्न विश्वविद्यालयों से 13 एमएसडब्ल्यू विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गयाः-

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- काशी विद्यापीठ, उत्तर प्रदेश
- मेरियन कॉलेज ऑफ कुट्टीकनम, केरल
- जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
- भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय, दिल्ली

(i) बी.आर. शेखर, पर्यवेक्षक चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ने अस्पताल सेवाएं एवं चिकित्सा समाज कल्याण एकक की भूमिका के संबंध में सेंट जोसफ कॉलेज, देवगिरी, केरल के समाज कार्य विभाग से 25 एम एस डब्ल्यू छात्रों तथा 2 संकाय सदस्यों हेतु अभिविन्यास का आयोजन किया।

(ii) बी.आर. शेखर, पर्यवेक्षक चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ने अस्पताल सेवाएं एवं चिकित्सा समाज कल्याण एकक के कार्य संबंधी अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन भोपाल स्कूल ऑफ सोशल वर्क के समाज काय विभाग के 30 एम एस डब्ल्यू छात्रों तथा 4 संकाय सदस्यों द्वारा एम्स में आगमन के दौरान किया गया।

14. **गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए गुर्दा प्राधिकार :-** मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम 1995 के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी को रीनल प्राधिकार समिति, एम्स के लिए समन्वयक तथा नोडल अधिकारी का उत्तरदायित्व दिया गया चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी श्री अनिल माली के समन्वयन के साथ, असंबद्ध किडनी (गुर्दा) प्रत्यारोपण के 34 मामलों का आकलन किया गया। अनापत्ति प्रमाण हेतु विभिन राज्य वृक्क प्राधिकार समिति एवं अन्य देशों के दूतावासों के साथ आवश्यक विचार-विमर्श किया गया। गुरदा दानदाताओं एवं उनके नजदीकी रिश्तेदारों को वृक्क प्रत्यारोपण के संबंध में इसके परिणामों के बारे में अवगत कराया गया। अधिनियम के अनुसार अपेक्षित दस्तावेजों कोउपलब्ध कराने तथा निरीक्षण किया गया ताकि अंग प्रत्यारोपण में वित्तीय प्रबंधों को रोका जा सके। संबंधित मामलों को प्राधिकार समिति में विचार-विमर्श एवं रिकार्डिंग हेतु प्रस्तुत किया गया। इस समिति के अनुमोदन के पश्चात फाइल को रिकार्ड हेतु एक एस कार्यालय में जमा करा दिया गया।

15. **मार्गदर्शन :-** अस्पताल प्रक्रिया विधि तथा सेवाओं के बारे में उचित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए, उचित प्रशिक्षण प्राप्त 25 अस्पताल समाज मार्गदर्शकों को अस्पताल/कैजुअल्टी के विभिन्न काउंटरों पर तैनात किया गया। अस्पताल सेवाओं के बारे में अधिकतम रोगियों को आवश्यक जानकारी दी गई।

6.6 रक्त कोष (अस्तपाल)

I.	**दानकर्त्ता कक्ष**	
1.	रोगियों के रिश्तेदार - दानकर्त्ता	9043
2.	स्वैच्छिक - दानकर्त्ता	25882
	रक्तदान शिविर से	6632
	एम्स रक्त कोष से	19250
3.	एकलदाता प्लेटलेट	919
4.	निम्न से एकत्रित	
	सीएनसी	996
	आईआरसीएस	729
	अन्य	3541
	जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र	354
	कुल संग्रहण	**41264**
	कुल आयोजित शिविर	**83**
II.	**नैमिक प्रयोगशाला**	
1.	कुल रोगी	51770
2.	एबीओ ग्रुपिंग	134298
3.	आर एच	91457
4.	ओपीडी ग्रुपिंग एवं आर.एच.	4211
5.	क्रॉस मैच (आपात/नैमिक)	70169
6.	डोनर ग्रुपिंग	82528
7.	आईसीटी	1271
8.	कुल टाइट्रे	161
9.	कुल ए./बी.	47559
10.	डी.सी.टी.	701
11.	जारी रक्त	39006
12.	प्राप्त रक्त	725
13.	स्मॉल यूनिट	863
14.	अलग किया गया रक्त	1616
15.	रक्त जारी लेकिन चढ़ाया नहीं	शून्य
16.	प्राइवेट वार्डों को जारी रक्त	2468
17.	प्राइवेट वार्डों को जारी अवयव	2699

18.	बाहरी अस्पतालों को जारी रक्त	622
19.	बाहरी अस्पतालों को जारी अवयव	68
20.	क्रॉस मैच किया गया परंतु चढ़ाया नहीं गया	11732
21.	आईआरसीएच को जारी रक्त	5805
22.	इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी को जारी रक्त	12
23.	सीएनसी को जारी रक्त	114
	कुल	**549849**
III.	**विशेष प्रक्रिया प्रयोगशाला**	
1.	छोटे वर्गीकरण	4417
2.	रिजेंट सेल थ्रोइंग	1028
3.	डीएटी	351
4.	क्रॉस मैचिंग विसंगति	422
5.	समूह विसंगति	42
6.	एबी स्क्रीनिंग	329
7.	अवयव क्यू.सी.	114
8.	ई.क्यू.ए.एस.	02
9.	एंटी बॉडी पहचान	152
10.	एंटीसेरा क्यू.सी.	157
	कुल	**7014**
IV.	**अवयव प्रयोगशाला**	
1.	प्लेटलेट समृद्ध सान्द्रण	31860
2.	फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा	23010
3.	तरल प्लाज्मा	13958
4.	क्रायोप्रीसिपीटेट	945
5.	लाल रक्त कोशिकाएं	39137
	कुल तैयार किए गए अवयव	**108910**
V.	**संक्रमण प्रयोगशाला**	
1.	एचआईवी जांच	30098
2.	एचबीवी जांच	40800
3.	एचसीवी जांच	41652
4.	वीडीआरएल	37614
	कुल	**1501**

6.7 नर्सिंग सेवाएं

नर्सिंग सेवाओं का संगठन

मुख्य परिचर्या अधिकारी (सी एन ओ)

⇓

परिचर्या अधीक्षक

⇓

उप परिचर्या अधीक्षक (डी एन एस)

⇓

सहायक परिचर्या अधीक्षक (ए एन एस)

⇓

स्टाफ नर्सेस ग्रेड 1

⇓

स्टाफ नर्सेस ग्रेड 2

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगी और समुदाय को उच्च गुणवत्ता नर्सिंग देखभाल प्रदान करना है। नर्सिंग कार्य में एक पर्यावरण है जो कि अस्पताल में अन्य संबद्ध विषयों के अन्य सदस्यों सहित रोगी को व्यापक उपचार प्रदान करने के व्यावसायिकता और विशिष्टता को प्रोत्साहित करती है।

स्टाफ संख्या

मुख्य नर्सिंग कार्यबल में विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित को शामिल किया जाता है। स्टाफ निरीक्षण एकक (एस आई यू) मानको पर स्टाफिंग आधारित है।

मुख्य अस्पताल में स्वीकृत स्टाफ की संख्या

मुख्य परिचर्या अधिकारी	1 (कार्यकारी सी एन ओ)
परिचर्या अधीक्षक	1
उप परिचर्या अधीक्षक	14
सहायक परिचर्या अधीक्षक	83
ग्रेड 1 नर्सिंग स्टाफ	423
ग्रेड 2 नर्सिंग स्टाफ	1139
कुल	**1661**

अभिविन्यास/विवरण सत्र

नवीन ग्रेड-2 स्टाफ नर्सों की भर्ती के समय समान्यतया अस्पताल की नीतियों एवं कार्य प्रणाली एवं विशेष नर्सिंग सेवा के परिप्रेक्ष्य से अवगत कराने के लिए पदनामित नर्सिंग कार्मिकों द्वारा एक योजनाबद्ध अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

वर्ष 2011-12 में 114 नवीन भर्ती की गई नर्सों को विभिन्न पहलुओं यथा अस्पताल का खाका, विभिन्न विभाग, ओ पी डी सारणी और उनकी ड्यूटी एवं जिम्मेदारियों के संबद्ध में अभिविन्यास प्रदान किया गया।

वर्ष 2012 में, 222 नई भर्ती की नर्सों के लिए सेवा कालीन शिक्षा विभाग से विशेषज्ञों द्वारा एक सप्ताह की अवधि (15 से 22 जनवरी 2012) का संरचनात्मक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत के बाहर के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से आगंतुकों के लिए नर्सिंग सेवा से विशेषता द्वारा अभिविन्यास/विवरण सत्रों का आयोजन किया गया।

सतत नर्सिंग शिक्षा

नर्सिंग स्टाफ शिक्षा वर्षभर सेवाकाल में चलती रहती है और सतत शिक्षा कार्यक्रमों का उद्देश्य नैदानिक ज्ञान का अद्यतन एवं व्यावसायिक नर्सिंग केयर के मामलों में सुधार किया जाए।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

एक कुशल सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम को जनवरी 2011 में आरंभ किया गया है। आरंभ में इसे एक सप्ताह में दो बार एक-एक घंटे की कक्षाओं में किया गया, इस योजना के साथ कि बाद में इसे बढ़ाकर 4 घंटे का किया जाएगा।

सरलीकरणकर्ता	:	श्रीमती एस.बी. सैमुअल, सी एन ओ (कार्यकारी)
परामर्शदात	:	श्रीमती आशा बी.एस. बेदी, परिचर्या अधीक्षक जनवरी 2012 तक
		श्रीमती अनसम्मा लीलकंतन, डी एन एस, फरवरी 2012 से
शिक्षक	:	श्रीमती रिबाका जे. हेराल्ड, ग्रेड 1 नर्सिंग स्टाफ

वर्ष 2011-12 के दौरान मुख्य अस्पताल में विभिन्न विभागों से 2450 नर्सें इस कार्यक्रम में उपस्थित हुईं। निम्नलिखित सारणी के अनुसार व्याख्यान प्रदान किया गया:

क्र.सं.	विषय	अवधि
1.	प्रवेश एवं अभिविन्यास कार्यक्रम	जनवरी
2.	स्वास्थ्य देखभाल संबद्ध संक्रमण एवं संक्रमण नियंत्रण	फरवरी-मध्य-मार्च
3.	पूर्व एवं उत्तर सम्यक नर्सिंग उपचार	माध्य-मार्च-अप्रैल
4.	हेल्थ केयर सेटिंग में सुरक्षित नर्सिंग प्रक्रम	मई-मध्य-जून
5.	यांत्रिक वायु संचार	मध्य-जून-जुलाई
6.	कार्डियो पुल्मोनरी पुनरूजीवन	अगस्त-मध्य-सितम्बर
7.	आपात नर्सिंग	मध्य-सितम्बर-अक्टूबर
8.	रोगी का दाखिला एवं डिस्चार्ज	नवम्बर-मध्य-दिसम्बर

सेवाकालीन कक्षाओं के अलावा नर्सिंग स्टाफ की ज्ञानवर्द्धन एवं नैदानिक क्षमताओं में वृद्धि हेतु वाह्य व्याख्यानदाताओं का भी प्रबंध किया गया। इनमें शामिल हैः

1. नाभिकीय चिकित्सा एवं नर्सिंग देखभाल। सितम्बर 2011 (नाभिकीय चिकित्सा विभाग)
2. नाभिकीय चिकित्सा में विकिरण सुरक्षा के प्रारंभिक ज्ञान। सितम्बर - अक्टूबर 2011 (नाभिकीय चिकित्सा विभाग, 4 कक्षाएं)
3. नोकोकोमियल संक्रमण एवं प्रभावी हस्तक्षेप। 14 दिसम्बर 2011 (अस्पताल प्रशासन विभाग)

नर्सिंग में उच्चतर शिक्षा

एम्स में नर्सिंग सेवाएं उच्चतर अध्ययन के लिए सरलीकृत प्रचुर अवसरों द्वारा नर्सिंग केयर की गुणवत्ता को सुधारने पर मुख्यतः ध्यान केन्द्रित रहता है। पांच वर्ष की नियमित सेवा के पश्चात, नर्सें पूर्ण वतन सहित उच्च अध्ययन को जारी रखने के लिए योग्य हो जाती हैं। इस समय 4 नर्सें पोस्ट बेसिक बी एस सी नर्सिंग कार्यक्रम एवं 2 एम-एससी. नर्सिंग कार्यक्रम कर रही हैं। नर्सों को जिन्होंने नर्सिंग में स्नातक किया है उन्हें उच्चतर उपाधि भत्ता प्रदान किया जाता है।

सम्मेलन एवं कार्यशालाओं में उपस्थिति

वर्ष 2011-12 के दौरान मुख्य अस्पताल में विभिन्न विभागों से अनेक नर्सों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सममेलनों/कार्यशालाओं में भाग लिया।

1. इंडोकॉन पर 12वां वार्षिक सम्मेलन, 2-24 अप्रैल, 2011, मुम्बई।
2. वार्ड सिस्टर के लिए मैनेजेरियल स्किल अद्यतन पर कार्यशाला, 4-10 मई, 2011, आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली।
3. स्तनपान एवं स्तनकाल प्रबंधन, 2 अगस्त, 2011, एम्स
4. नवजात एवं यंग चिल्ड्रेन का नर्सिंग प्रबंधन, अगस्त, टी एन ए आई।
5. गुणवत्ता सक्षमता एवं अनुसंधान पर केन्द्रित नर्सिंग केयर की महत्ता। 10 सितम्बर, 2011, सी एम सी, लुधियाना।
6. 7वां इंडो-यू एस इमरजेंसी मेडिसिन सम्मिट एंड इनकान, 6ठा इमरजेन्सी नर्सिंग सम्मेलन, 30 सितम्बर - 2 अक्टूबर, 2011, एम्स।
7. आपात स्वास्थ्य देखभाल में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला, 27 अक्टूबर, 2011, एम्स।
8. बेडसोर चुनौतियां कैविलॉन एन एस बी एफ द्वारा आयोजित, 8 नवम्बर, 2011, एम्स।
9. 'देखरेख में संबंधित संकट' विषय पर लाइव वर्कशाप पर चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं सी एम ई। 9-13 नवम्बर, 2011, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, एम्स।
10. 21वीं वार्षिक आम बैठक, इंडियन ओस्टिोमी सोसायटी, 20 नवम्बर, 2011, एम्स।
11. इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे, 28 नवम्बर, 2011, एम्स।
12. ग्लोबल फंड प्रोजेक्ट साउण्ड- 7 के अंतर्गत एच आई वी, एड्स प्रीवेंशन केयर सपोर्ट एंड ट्रीटमेंट, अक्टूबर-दिसम्बर, 2011, एम एम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अम्बाला कैंट, अम्बाला।
13. भारतीय नवजात नर्स संघ का तृतीय वार्षिक सम्मेलन, 9-11 दिसम्बर, 2011. आर के जी मेडिकल कॉलेज एंड गवर्मेंट कॉन. एस एस एम हॉस्पिटल, पश्चिम बंगाल।
14. पोषण सप्ताह, आहार विज्ञान विभाग (3 विषयों), एम्स
15. ऑप्रेशन थियेटर नर्सेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 27-29 दिसम्बर, 2011, औरंगाबाद।
16. नर्सिंग प्रशासन एवं प्रभावी रोगी देखभाल हेतु पर्यवेक्षण, 11-18 जनवरी, 2012, टी एन ए आई।

कंसलटेंसी एवं विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता

विभिन्न विभागों से नर्सों ने पिछल साल विभिन्न कार्यशालाओं में स्किल स्टेशन एवं हैंड्स-ऑन-ट्रेनिंग सत्रों पर सरलीकरण के रूप में भाग लिया।

विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से पधारे अतिथि

एम्स के नर्सिंग विशेषज्ञों ने भारत के बाहर विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से समूह हेतु निष्पादित अभिविन्यास की सूची निम्नानुसार है:

1. आर एन एस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एन एच-17, मुरूदेश्वर, कर्नाटक। 7 अप्रैल, 2011 (40 बी-एससी. नर्सिंग की अंतिम वर्ष की छात्रा एवं संकाय)।

2. कॉलेज आफ नर्सिंग, सी एम सी, वेल्लोर। 21 सितम्बर, 2011 (9 एम-एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राएं एवं संकाय)3. एस डी पी एस कॉलेज आफ नर्सिंग, खंदुरा रोड, इंदौर, 12 अक्टूबर, 2011 (18 बी-एससी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्राएं एवं संकाय)।

4. पी जी हिन्दूजा नेशनल हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिवर्च सेंटर, अंधेरी ईस्ट, मुम्बई, 17 अक्टूबर, 2011 (19 एम-एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राएं एवं 30 बी-एससी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्राएं)।

5. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, श्री रामाकृष्ण इंस्टीट्यूट आफॅ पैरामेडिकल सांईसेज, कोयम्बटूर, 20 अक्टूबर, 2011 (48 एम-एससी नर्सिंग प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राएं एवं संकाय)।

6. सेंट जार्ज कॉलेज आफ नर्सिंग, बंगलोर, 24 अक्टूबर, 2011. (21 बी-एससी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष एवं 2 वर्ष जी एन एम की छात्राएं)।

7. कॉलेज आफ नर्सिंग, आर्म फोर्स मेडिकल कॉलेज, पूना। 16 नवम्बर, 2011 (16 प्रशिक्षु अधिकारी)।

7. नर्सिंग महाविद्यालय

प्रधानाचार्या

डॉ. मंजू वत्स

व्याख्याता

सुश्री मीना अग्रवाल	डॉ. संध्या गुप्ता (प्रतिनियुक्ति पर)	सुश्री राचेल एंड्र्यूज
सुश्री आशिया कुरैशी	सुश्री दीपिका सी. खाखा	सुश्री कमलेश शर्मा

वरिष्ठ नर्सिंग ट्यूटर

सुश्री गीता राजदान

नर्सिंग ट्यूटर

सुश्री किरन सिंह सिमक	सुश्री गायत्री बतरा (अध्ययन अवकाश पर)	सुश्री पूनम जोशी
सुश्री सुचेता	सुश्री शशि मेवार	सुश्री बबीता साहू
सुश्री फिलोमिना थॉमस	सुश्री मीना एरा	सुश्री सीमा सचदेव
सुश्री उज्ज्वल दहिया	सुश्री अनुभा डी.	सुश्री अदीति सिन्हा
सुश्री नीलमा	सुश्री नेमखोलम	सुश्री हंसराज

महत्वपूर्ण

कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा 10 कार्यशालाओं का आयोजन और 700 नर्सों को प्रशिक्षत किया गया।

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

1. बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग : चार वर्षीय पाठ्यक्रम से 55 छात्र स्नातक हुए।
2. बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र) दो वर्षीय पाठ्यक्रम से 22 छात्र स्नातक हुए।

स्नातकोत्तर

1. एम. एस-सी. नर्सिंग - दो वर्षीय एम.एस-सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम से 19 छात्र उत्तीर्ण हुए। उन्नीस छात्रों ने इस वर्ष निम्नलिखित विशिष्टताओं में प्रवेश लिया:

   क. पेडियाट्रिक नर्सिंग

   ख. मनोरोग नर्सिंग

   ग. हृदविज्ञान/ सी टी वी एस नर्सिंग

   घ. तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग

2. नर्सिंग कॉलेज ने भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से 11 आगंतुक समूहों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम/संक्षिप्त सत्रों का आयोजन किया।

3. समीक्ष्य वर्ष के दौरान कॉलेज के संकाय सदस्यों ने सतत नर्सिंग/आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों के लिए 20 कार्यशालाओं/सम्मेलनो में भाग लिया और व्याख्यान दिए।

4. संकाय सदस्यों ने भारत में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए परीक्षक के रूप में कार्य किया।

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा (सी एन ई)

नर्सिंग कॉलेज ने निम्नलिखित सी एन ई कार्यक्रमों/ अल्पावधि पाठ्यक्रमों/ संगोष्ठी/ कार्यशालाओं का आयोजन कियाः

1. 'गंभीर उपचार नर्सिंग अद्यतन', 7-8 फरवरी, 2011, एम्स अस्पताल से कुल 33 नर्सों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। सुश्री कमलेश शर्मा, व्याख्याता एवं सुश्री पूनम जोशी ट्यूटर समन्वयक थीं।

2. 'हृद आपातकालीन प्रबंधन पर नर्सिंग अद्यतन', विषय पर कार्यशाला, 13-15 फरवरी, 2011. इसमें एम्स अस्पताल से 36 नर्सों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। श्रीमती राचेल एंड्रूज समन्वयक थीं।

3. 'नर्सिंग में प्रभावी मानव संबंध एवं संचार' विषय पर दिनांक 16-17 फरवरी, 2011 को कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में एम्स अस्पताल की कुल 25 नर्सों ने भाग लिया। श्रीमती आशिया कुरैशी, व्याख्याता इसकी संयोजक थी।

4. 'गंभीर रूप से बीमार बच्चों की देखभाल पर नर्सिंग अपडेट' विषय पर दिनांक 27-29 फरवरी, 2011 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। नवजात पुनरूज्जीवन कार्यक्रम विषय पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला एम्स अस्पताल की कुल 26 नर्सों ने भाग लिया। श्रीमती पूनम जोशी, ट्यूटर इसकी संयोजक थी।

5. 'नर्सेज हेतु कंगारू माता' विषय पर राष्ट्रीय नवजात विज्ञान फोरम, दिल्ली के सहयोग से दिनांक 8 सितम्बर, 2011 को चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, दिल्ली में कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिल्ली के विभिन्न अस्पताल से 60 से अधिक नर्सों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. मंजू वत्स, प्रधानाचार्या, इस कार्यशाला की संयोजक थीं।

6. 'एक्टिव एंड हेल्दी एजिंग' विषय पर 14 अक्टूबर, 2011 को कॉलेज के वार्षिक दिवस के दौरान एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 370 से अधिक नर्सें, भागीदारों, छात्रों एवं एम्स अस्पताल के अलावा ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। संयाजकः सुश्री आर एड्रूंज व्याख्याता थी।

7. 'तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग अद्यतन' 5-7 मार्च, 2011 को आयोजित किया गया। एम्स अस्पताल से कुल 25 नर्सों ने इसमें भाग लिया। संयोजकः सुश्री मीना अग्रवाल, व्याख्याता थी1

8. 'मानसिक रोगों की रोकथाम पर नर्सिंग अपडेट' विषय पर दिनांक 21-23 मार्च, 2011 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें एम्स अस्पताल से सभी 25 नर्सों ने भाग लिया। सुश्री दीपिका खाखा व्याख्याता इसकी संयोजक थी।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलना आयोजित

1. इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सेज, कोलकता के तृतीय वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में 'साक्ष्य आधारित नर्सिंग व्यवहार विषय पर' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 40 से अधिक नर्सों ने कार्यशाला में उपस्थित थी तथा पूरे भारत से 350 से अधिक नर्सों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। डॉ. मंजू वत्स, प्रधानाचार्या, इस कार्यशाला और सम्मेलन की समन्वयक थी।

2. राष्ट्रीय नवजात रोग विज्ञान फोरम के 31वें वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में 'नवजात पुनरूज्जीवन कार्यक्रम विषय पर कार्यशाला का आयोजन दिनांक 15 दिसम्बर, 2011 को चेन्नई में किया गया। कुल 60 से अधिक नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. मंजू वत्स, प्रधानाचार्य इसकी अध्यक्षा थी।

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. मंजू वत्स

1. 'नवजातों के परिप्रेक्ष्य एवं सिद्धांत' 'नवजात एवं युवा बच्चों का नर्सिंग प्रबंधन' विषय पर कार्यशाला, ट्रेड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
2. 'प्रायोगिक अनुसंधान डिजाइन' वीडियो कांफ्रेंसिग, पी एच डी कंर्सोटियम, इंडियन नर्सिंग कौंसिल, नई दिल्ली।
3. 'इविडेंस वेस्ड प्रैक्टिस', वीडियो कांफ्रेंसिग, पी एच डी कंर्सोटियम, इंडियन नर्सिंग कौंसिल, नई दिल्ली।
4. 'रिसर्च क्रिटिक' वीडियो कांफ्रेंसिग, पी एच डी कंर्सोटियम, इंडियन नर्सिंग कौंसिल, नई दिल्ली।
5. 'नवजात देखभाल में शक्ति, कमजोरी एवं चुनौतियां' होम इ फैसिलिटी नर्सिंग' भारत में नवजात देखभाल' की कंटीनम आधारित साक्ष्यों पर राष्ट्रीय नवजात सप्ताह एडवोकेसी इवेंट' कल, आज और कल।
6. 'नर्सिंग, शिक्षा एवं सेवाओं में गुणवत्ता आश्वासन' अतिथि व्याख्यान, सी एम ई, स्थापना दिवस कार्यक्रम, नर्सिंग कॉलेज, आर आई एम एस, मणिपुर।
7. 'साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस का परिप्रेक्ष्य' साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस पर सम्मेलन पूर्व कार्यशाला, तृतीय वार्षिक सम्मेलन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सेज, कोलकाता।
8. नवजातों में पुनरूज्जीवन का पर्यावलोकन एवं शरीरक्रिया विज्ञान नर्सेस सी एम ई 31 वां राष्ट्रीय समारोह, राष्ट्रीय नवजात रोग विज्ञान फोरम, एन ई ओ सी ओ एन 2011 चेन्नई।
9. 'नवजात नर्स प्रैक्टिसनर : भारतीय परिप्रेक्ष्य, नर्सेज सी एम ई, राष्ट्रीय नवजात रोग विज्ञान फोरम का 31वां वार्षिक सम्मेलन नियोकॉन 2011, चेन्नई।
10. गंभीर उपचार नर्सिंग में नीतिपरक एवं विधि संबंधी मामले, गंभीर उपचार नर्सिंग अपडेट, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स।
11. नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रमः प्रस्तावना एवं शरीरक्रिया विज्ञान, गंभीर रूप से रूग्ण बच्चों के उपचार पर नर्सिंग अपडेट, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स।
12. 'मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग में नीतिपरक मामलें', मेंटल हेल्थ अपडेटः मानसिक रोगों की रोकथाम, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स।

सुश्री एम. अग्रवाल

1. अचेत रोगी का उपचार प्रबंध, पान अफ्रिका ई-नेटवर्क परियोजना का सी एम ई कार्यक्रम, सितम्बर 2011.
2. सिर के आघात से पीड़ित रोगी का उपचार प्रबंधन, पान अफ्रिका ई-नेटवर्क परियोजना का सी एम ई कार्यक्रम, दिसम्बर, 2011.
3. वयस्क एवं बाल सी जी एस के बीच अंतर, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र पर संबंधित विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
4. स्वास्थ्य विज्ञान में साक्ष्य आधारित प्रथा का परिप्रेक्ष्य, प्रायोगिक अनुसंधान अध्यापन द्वारा प्रदत्त गुणवत्ता उपचार, 15 वां एन आ एस आई सम्मेलन, फरीदकोट।

सुश्री राचेल एंड्रयूज

1. नर्सिंग कार्मिकों हेतु हृद आपात एवं नर्सिंग उपचार प्रबंध, इंडो-यू एस सम्मेलन।

सुश्री आशिया कुरैशी

1. ई एम विभाग में विधिक विचार, एम्स ट्रॉमा केन्द्र द्वारा आयोजित आपात एवं ट्रॉमा में प्रवीणता विकास पर अंतर्राष्ट्रीय ई एम सम्मेलन 2011.
2. जराचिकित्सा उपचार में परिचर्या हेतु चुनौतियां सक्रिय एवं स्वास्थ्य एजिंग पर संगोष्ठी, वार्षिक दिवस, नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स।

सुश्री दीपिका सी. खाखा

1. अनुसंधान डिजाइन- प्रायोगिक एवं इतर प्रायोगिक, टेलीकांफ्रेंसिंग इग्नू, दूरदर्शन के ज्ञानदर्शन चैनल द्वारा प्रसारित।
2. 'चिंता विकारों का उपचार प्रबंध, 2 सत्र, इग्नू, दूरदर्शन के ज्ञानदर्शन चैलन द्वारा प्रसारित।
3. 'तीव्र गुर्दा क्षति से पीड़ित रोगी का उपचार प्रबंध पान अफ्रिका ई-नेटवर्क परियोजना हेतु एम्स द्वारा टेली कांफ्रेंसिंग।
4. 'प्रभावी संचार तकनीकी एवं उपचारिक संचार, पान अफ्रिका ई-नेटवर्क परियोजना हेतु एम्स टेली कांफ्रेंसिंग।
5. अध्ययन डिजाइन पर अतिथि व्याख्यान, नर्सिंग रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया के 15वें वार्षिक सम्मेलन, 17 नवम्बर, 2011, बाबा फरीद विश्वविद्यालय, पंजाब।
6. बर्न आउट की उपचार प्रबंध एवं रोकथाम, आपात स्वास्थ्य उपचार प्रणाली में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग विषय पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला, 28 अक्टूबर 2011, एम्स।
7. एम आई सी/ एड्स कौंसिलिंग पर अभिमुखी कार्यक्रम, आई सी टी सी काउंसलरों का प्रशिक्षण, अदीति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
8. 'कांफिलिक्ट मैनेजमेंट, रिजोलविंग ट्रांसफरेंश एंड काउंटर ट्रांसफरेंस जी एफ ए टी एम आर 7, का सहायक पर्यवेक्षण हेतु सत्र, सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मीलिया इस्लामिया।
9. 'समूह गतिकी, सामुहिक सौदेबाजी, द्वंद प्रबंधन', प्रभावी रोगी देखभाल प्रबंधन हेतु नर्सिंग प्रशासन पर टी एन ए आई कार्यशाला, श्रेणी 24, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।
10. एच आई वी/ एड्स क्लाइंट्स हेतु शोक एवं वियोग काउंसलिंग, आई सी टी सी काउंसलरों का प्रशिक्षण अदीति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
11. आई पी आर एवं संचार, गंभीर स्वास्थ्य उपचार नर्सिंग अपडेट कार्यशाला, नर्सिग महाविद्यालय, एम्स।
12. मानव संबंधों को सुधारने हेतु परामर्शदाता मेघा, प्रभावी मानव संबंध नर्सिंग अपडेट कार्यशाला, एम्स।
13. नैदानिक शिक्षण विधि, रूफैंदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शैक्षिक विज्ञान में प्रभावी शिक्षण लर्निंग एवं आकलन रणनीतियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

सुश्री कमलेश शर्मा

1. 'नवजातों में थर्मोरिगुलेशन हेतु साक्ष्य आधारित हस्तक्षेप', तृतीय वार्षिक सम्मेलन, नवजात नर्सेज का भारतीय संगठन, कोलकाता।
2. 'नर्सिंग में नेतृत्व', नर्सिंग में प्रभावी मानव संबंध एवं संचार प्रवीणता विषय पर कार्यशाला, कालेज ऑफ नर्सिंग, एम्स।
3. 'एन आर पी का प्रारंभिक कदम', गंभीर रूप से बीमार बच्चों की देखभाल पर नर्सिंग अद्यतन नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स।

4. मानसिक रोगों की रोकथाम में नर्सों की भूमिका, मानसिक रोगों की रोकथाम विषय पर अद्यतन, कालेज आफ नर्सिंग, एम्स।

5. अनुसंधान अध्ययन हेतु विकसित वैचारिक फ्रेमवर्क, अनुसंधान प्रणाली विज्ञान पर कार्यशाला, कालेज आफ नर्सिंग, पी जी आई एम एस रोहतक, हरियाणा।

6. 'कंगारू माता देखभाग' के एम सी कार्यशाला, वार्षिक सम्मेलन, राष्ट्रीय नवजात विज्ञान फोरम, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, दिल्ली, 8 सितम्बर, 2011.

7. 'वक्ष रोग की पड़ताल एवं रोकथाम', वक्ष स्वास्थ्य जागरूकता दिवस संगोष्ठी, कायचिकित्सा विभाग, एम्स, 22 अक्टूबर, 2011.

सुश्री पूनम जोशी

1. अस्थिरोग शल्य चिकित्सा करवा रहे रोगियों का नर्सिंग प्रबंधन, टेलीमेडिसीन सुविधा के तहत पी ए एन अफ्रिका ई-नेटवर्क का सी एम ई कार्यक्रम, एम्स।

2. हाइड्रोसिफोलस से पीड़ित बच्चे की देखभाल, टेलीमेडिसीन सुविधा के अंतर्गत पी ए एन अफ्रिका ई-नेटवर्क का सी एम ई कार्यक्रम, एम्स।

3. 'नवजात देखभाल व्यवहार का सामाजिक आर्थिक निर्धारण' तृतीय आई ए एन एन सम्मेलन, कोलकाता, नवम्बर 2011.

4. 'एक्जलरी टैम्प्रेचर टेकिंग हाऊ लॉग?' तृतीय आई ए एन एन सम्मेलन, कोलकाता, नवम्बर 2011.

5. साक्ष्य आधारित व्यवसायों के संबंध में नर्सिंग कार्मिकों का ज्ञान, आचार व्यवहार एवं व्यवसाय एन आर एस आई वार्षिक सम्मेलन, फरीदकोट, नवम्बर 2011

सुश्री शशि मवार

1. 'आपात विभाग में रोगी का आकलन', इंडो-यू एस इमरर्जेंसी कांफ्रेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

2. 'प्रौढ़ की समस्याएं एवं उनका उपचार' पान अफ्रीका हेतु टेलीमेडिसीन।

3. 'बेसिक लाइफ सपोर्ट' पान अफ्रीका हेतु टेलीमेडिसीन।

4. 'कान्कलिक्ट मैनेजमेंट' नर्सिंग प्रशासन विषय पर कार्यशाला, एम्स।

5. 'स्टाफ डेवलपमेंट' नर्सिंग प्रशासन विषय पर कार्यशाला, एम्स।

सुश्री अदीति सिन्हा

1. चिकित्सा आपातों का प्रबंधन क्रिटकल केयर नर्सिंग अपडेट, एम्स।

2. 'थ्रोम्बोलाइटिक थेरेपी कार्डियो नर्सिंग अपडेट, फरवरी 2012, एम्स।

सुश्री मोनिका सभरपाल

1. इंटर पर्सनल रिलेशनसिप, नर्सिंग अपडेट कालेज आफ नर्सिंग, एम्स।

2. मुक्स पत्र प्रस्तुतीकरण, 10वीं राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडियन सोसायटी आफ साइकेट्रिक्स नर्सेस, 10-12 मार्च, 2012 देहरादून।

3. क्राइसेस इंटरवेंशन, नर्सिंग अपडेट, प्रीवेंशन आफ मेंटल इलनेस, कालेज आफ नर्सिंग, एम्स।

सुश्री सीमा सचदेव

1. 'हैंडिंग डिफाईबेंटर एंड डुइंग सी पी आर' क्रिटिकल केयर नर्सिंग अपडेट, फरवरी 2012, एम्स।
2. पोस्टर प्रस्तुतीकरण, एक्यूट केयर सेटिंग में मेडिकेशन चूक, इंडो यू एस इमर्जेंसी मेडिसीन सम्मिट, अक्टूबर 2011.

श्रीमती नीमखोलम

1. 'मैनेजमेंट आफ सर्जिकल इमरजेंसीज' क्रिटकल केयर नर्सिंग अपडेट, 7-8 फरवरी, 2012, एम्स।

अनुसंधान

जारी

विभागीय परियोजनाएं

1. भारत में चूने हुए अस्पतालों से प्रसूतियों पर आंकड़ों के आधार पर प्रसूतियों की आवृतियां की पहचान पर एक अध्ययन सुश्री फिलोमिना थॉमस।
2. क्या स्तनपान व्यवहार में सुधार हेतु नवजात स्तनपान शिक्षा उपयोगी है? प्राइमी ग्रेविडा पर एक अध्ययन का आयोजन, सुश्री फिलोमिना थॉमस।

प्रकाशन

पत्रिकाएं

1. शर्मा के के, वत्सा एम, डोमेस्टिक वायलेस अगेस्ट नर्सेस बाई देयर मारटिटल पार्टनर्सः ए फैसिलिटी बेस्ड स्टडी एट ए टेरटरी केयर हॉस्पिटल। इंडियन जे. कम्यूनिटी मेड 2011, 36:222-7
2. मेवार एस. नान कंप्लांएस टू दी कंटीन्यूस एम्बुलेट्री पेरिटोनियल डायलेसिस प्रोसिजर इनक्रीज दी रिस्क आफ पेरीटोनिटिस। इनट यूरोलो. 2011 डी ओ आई 10.1007/एस 11255-011-0079-7
3. खाखा डी सी। करबिंग सिगमाः ए प्रोमिसिंग स्टेप फारवर्ड इन दि फाइट अगेस्ट एच आई वी/ एड्स। नर्सिंग जे इंडिया 2011, 102 (12):308-9।

पुस्तकों में अध्याय

1. खाखा डी। साइकोलॉजिकल आस्पेक्ट आफ एच आई वी/ एड्स। कोर्स 11, ब्लॉक 2, यूनिट 4. मैनुवल फार डिप्लोमा इन साइकेट्रिक नर्सिंग। नई दिल्लीः इग्नू, 2011.
2. खाखा डी, । एंजाइटी सिआर्डरस एंड फोबिग सिआर्डस थ्योरी। कोर्स ।।, ब्लॉक 4, यूनिट ।।। मैनुवल फार डिप्लोमा इन साइकेट्रिक नर्सिंग, नई दिल्ली, इग्नू, 2011।

पुस्तकें

1. खाखा डी। नीड्स एंड कनर्सस आफ एडोलेसेंट। फंडामेंटल्स आफ एडोलेसेंस। फर्स्ट एडि. नई दिल्लीः इग्नू, 2011:38-46.

सार

1. राजू जे.पी., ठुकराल ए, वत्स एम, ब्रेस्टफिडिंग प्रोब्लस डयूरिंग फर्स्ट थ्री पोस्टनेटल डेज इन ए टेरटरी केयर हॉस्पिटल यूनिटः ए प्रोस्पेक्टिव कोहार्ट स्टडीः सोसल नियोनेटोलॉजी गोल्ड मेडल एवार्ड पेपर। 31 एनुवल कंसेसन आफ नेशनल नियोनेटोलोजी फोरम, चेन्नई दिसम्बर 2011

2. जोशी पी, ठुकराल ए, जोशी एम, देवरारी ए के, वत्स एम। कम्परीजन द इफेक्टिवनेस आफ वेबिनार एंड पार्टीसिऐट्री लर्निंग ऑन ई एन बी एसी इन दि क्लासरूम इन टर्मस आफफ एक्यूजिशन आफ नॉलेज एंड स्किल्स आफ स्टूडेंट नर्सेसः ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। एबेस्ट्रेक्स पोस्टर पी/165/मिस. पी पी 177-8. 31 एनुवल कंनवेंशन आफ नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम, चेन्नई, दिसम्बर 2011.

3. बालामुर्गन ई, अग्रवाल एम, त्रिपाठी एम. ट्राइगरिंग फैक्टर्स आफ सिजर्स इन द पिपुल विद इपिलेप्सी। बेस्ट पेपर अवार्ड। 18 इंटरनेशनल इपिलेप्सी कांग्रेस, कोच्चि, 25-26 फरवरी 2012।

रोगी उपचार

1. संकाय और छात्रों ने संस्थान के सभी नैदानिक विभागों की बहिरंग रोगी एवं अंतरंग रोगी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

2. संकाय एवं छात्रों ने निम्नलिखित का आयोजन किया एवं इसमें भाग लियाः

(i) राष्ट्रीय राजधारी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित दक्षिण दिल्ली के 6 केंद्रों में पल्स पोलियो कार्यक्रम के चार दौर में भाग लिया। सुश्री शशि मेवार ने कार्यक्रम का समन्वय और पर्यवेक्षण किया।

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों में 62 स्वास्थ्य शिक्षा सत्रों एवं विभिन्न स्वास्थ्य विषयों जैसे हाइपरटेंशन, टीकाकरण, नवजात देखभाल, पोस्टनेटल देखभाल आदि पर एम्स की ओ पी डी एवं 118 से अधिक शहरी गंदी बस्ती में आयोजित।

(iii) सभी स्वास्थ्य संबंधित दिवसों जैसे टी बी दिवस, कुष्ठ दिवस, तम्बाकू विरोधी दिवस, कैंसर, एचआईवी/एडस आदि पर शहरी गंदी बस्ती के लिए विभिन्न स्वास्थ्य रोकथाम एवं उन्नति संबंधी विषयों पर 18 प्रदर्शनियों और 18 रोल प्ले का आयोजन किया गया।

(iv) अम्बेडकर नगर के विभिन्न ब्लॉकों में 9 सर्वेक्षणों का आयोजन किया गया, इन ब्लॉकों में मौजूदा समस्याओं को पहचान करना एवं 9 निरोधक उपायों को क्रियान्वित करना।

(v) शल्योपरांत देखभाल करने पर हृद विज्ञान एवं सी टी वी एस रोगियों के लिए 58 स्वास्थ्य शिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया, इसमें द्वितीयक संक्रमणों की रोकथाम, उपचार माडेलिटीज का महत्व, सामान्य देखभाल एवं अनुवर्ती उपचार शामिल थे।

(vi) राजकुमारी अमृत कौर बाल ओ पी डी एवं अम्बेडकर, नई दिल्ली में स्तनपान सप्ताह एवं नवजात सप्ताह का आयोजन किया गया एवं नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स की नर्सिंग छात्राओं के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. मंजू वत्स

पी एच डी हेतु नर्सिंग में अध्ययन के बोर्ड की सदस्य नामित किया गया, एम एम विश्वविद्यालय, अम्बाला, नर्सिंग में अध्ययनबोर्ड स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर की सदस्या के रूप में नामित, पी जी आई एम एस, रोहतक, संकायाध्यक्ष नामित किया गया, नर्सिंग संकाय, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय फरीदकोट, पंजाब नामित सदस्य, वित्त समिति, शैक्षिक परिषद एवं योजना परिषद, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट पंजाब, सदस्य राष्ट्रीय संपादकीय सलाहकार परिषद (1) प्रिज्म नर्सिंग प्रैक्टिस- जनरल आफ क्लिनिकल नर्सिंग- एजूकेशन, ट्रेनिंग एंड कैरियर डेवलपमेंट, (पहले इसे दि जनरल आफ नर्सिंग के नाम से पुकारते थे)। प्रिज्म बुक्स के त्रैमासिक प्रकाशन, बैंगलोर, इसमें सन 2005 से आरंभ से, (2) जर्नल आफ नर्सिंग प्रैक्टिस एंड रिसर्च, पब्लिकेशन आफ एस के आई एम एस श्रीनगर, (3) नर्सिंग शिक्षा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, दिल्ली से प्रकाशित, अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की सदस्य नामित, नवजात नर्सिंग की पत्रिका, नवजात नर्सेस संघ की सरकारी पत्रिका, एल्सिवर द्वारा प्रकाशित,

नर्सिंग विभाग हेतु प्रक्रिया साहित्य के विकास पर कार्यशाला हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, बी पी के आई एच एस, घरन, नेपाल, कालेज आफ नर्सिंग, आर आई एम एस, मणिपुर के संस्थापन दिवस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित, इंडियन एसोसिएशन आफ नियोनेटन नर्सेस का अध्यक्ष निर्वाचित, स्वास्थ्य एवं परिवार कलयाण मंत्रालय, मातृत्व स्वास्थ्य पर विशेष तकनीकी समूह में सदस्य के रूप में नामित, आई एन सी पी एच डी कन्सोरटियम की कोर ग्रुप की सदस्य, इंडियन नर्सिंग कौंसिल की कार्यकारी सदस्य, सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली एवं सर्विसेस यू एस - इंडिया हेल्थ इनिसिएटिव पर कार्यरत समूह की सदस्य, एम ओ एच एफ डब्ल्यू, सदस्य बारहवीं योजना, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय हेतु सुदृढ़ नर्सिंग क्षेत्र हेतु रणनीति पर कार्य समूह, सदस्य, एम सी आई के बी एस सी (सामुदायिक स्वास्थ्य) हेतु पाठ्यक्रम समिति, सभापति, ट्रॉमा केयर में नर्सेस की भूमिका पर सत्र, अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस एवं चतुर्थ वार्षिक सम्मेलन, इंडियन सोसायटी फार ट्रामा एंड एक्यूट केयर जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, संचालकपेनल वार्ता, नवजात नर्सिंग में विशेषज्ञता- अनुसंधान प्राथमिकताएं, विशेषज्ञता, नवजात देखभाल में नर्सों की महत्वूपर्ण भूमिका, पूर्ण सत्रः साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस विषय पर कार्यशाला, इंडियन एसोसिएशन आफ नियोनेटल नर्सेस के तृतीय वार्षिक सम्मेलन, कोलकाता।

सुश्री एम अग्रवाल

फरीदकोट में आयोजित 15वें एन आर एस आई सम्मेलन के दौरान नर्सिंग शिक्षा से संबंधित विषयों पर पेनल वार्ता में भाग लिया, दिसम्बर में बैंगलोर में आयोजित एन आर एस आई एवं वार्षिक तंत्रिका सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

सुश्री आशिया कुरैशी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा केन्द्र द्वारा आयोजित आपात स्वास्थ्य उपचार में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी विषय पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की।

सुश्री दीपिका खाखा

सचिव, उत्तरी जोन, नर्सिंग रिसर्च सोसायटी आफ इंडिया, इग्नू के डिप्लोमा इन साइकेट्रीक नर्सिंग की पाठयक्रम डिजाइन समिति की सदस्य, बाबा फरीद विश्वविद्यालय, पंजाब के नर्सिंग रिसर्च सोसायटी आफ इंडिया के 15वें वार्षिक सम्मेलन में मुक्त पत्र प्रस्तुतीकरण पर सत्र की अध्यक्षता की।

सुश्री कमलेश शर्मा

जून एवं अगस्त 2011 में कालेज/ स्कूलों का निरीक्षण करने हेतु इंडियन नर्सिंग कौंसिल के तदर्थ निरीक्षक के रूप में कार्य किया, भारत में एच पी वी स्क्रीनिंग का कार्यान्वयन विषय पर पेनल वार्ता हेतु पेनलिस्ट, सेटेलाइट संगोष्ठी, दि इंटरनेशलन गायनकोलाजी कैंसर सोसायटी (आई जी सी एस) स्त्रीरोग विज्ञानी कैंसरों पर बैठक, नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2011, मौखिक पत्र प्रस्तुतीकरण पर सत्र की अध्यक्षता की, नर्सिंग संगोष्ठी, दि इंटरनेशलन गायनकोलॉजी कैंसर सोसायटी (आई जी सी एस) स्त्री रोग कैंसर विषय पर क्षेत्रीय बैठक 2-3 अप्रैल, 2011, नई दिल्ली, ट्रामा 2011 - एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की, सी एम ई कम लाइव वर्कशाप एवं इंडियन सोसायटी फार ट्रामा एंड एक्यूट केयर के चतुर्थ सम्मेलन (आई एस टी ए सी), एम्स, नई दिल्ली, इंडियन एसोसिएशन आफ नियोनेटल नर्सेस, कोलकाता के तृतीय वार्षिक सम्मेलन में नवजात नर्सिंग की मानवता पहलू पर सत्र की अध्यक्षता की, सामान्य आपातकालीन घटनाएं विषय पर सत्र की अध्यक्षता की, क्रिटकल केयर नर्सिंग अपडेट, कालेज आफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्लीं

सुश्री शशी मेवार

डिजीज वार्डन का आर्थिक मूल्यांकन पर वि. स्वा. संगठन, एच आई टी ए पी, थाइलैंड, जनवरी 2012, आपदा प्रबंधन पर सत्र की अध्यक्षता की, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडो. यू एस इमर्जेंसी विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिनांक 01 अक्टूबर, 2011.

8. अनुसंधान अनुभाग

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

ए. बी. डे

उप-संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

आर. गोस्वामी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को प्रदत्त शासनादेश के अनुसार, अनुसंधान को एक महत्वपूर्ण घटक माना गया है। संस्थान, आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त स्वास्थ्य विज्ञान दोनों क्षेत्रों में उच्च - गुणवत्ता अनुसंधान संचालन में सबसे अग्रणी है। समीक्ष्य वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय वर्ग द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए लगभग 68 करोड़ रुपए की राशि का बाह्य अनुदान प्राप्त किया। वर्तमान में 636 बाह्य निधिकृत परियोजनाएं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में चलाई जा रही है।

अनुसंधान अनुभाग में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित सभी बाह्य अनुसंधानों से संबंधित प्रशासनिक कार्य कियाजाता है। अनुसंधान सलाहकार परिषद् का गठन निदेशक महोदय द्वारा निम्नानुसार किया गया हैं :-

अनुसंधान सलाहकार परिषद (मूलभूत चिकित्सा / संबद्ध विज्ञान)

1.	आचार्य आर. सी. डेका, निदेशक, एम्स	अध्यक्ष
2.	प्रो. कृष्णन एन. गणेश, निदेशक भारतीय विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, पुणे	सदस्य
3.	प्रो. सैयद हसनैन, सम्मानित आचार्य, जैव विज्ञान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	सदस्य
4.	आचार्य एन. आर. जगन्नाथ, प्रमुख, एनएमआर सुविधा, एम्स	सदस्य
5.	आचार्य एस. पी. त्यागराजन, निदेशक और मुख्य सलाहकार, श्री रामचंदन यूनिवर्सिटी, पोरुर, चैन्नई	सदस्य
6.	आचार्य बलराम भार्गव, हृद रोग विज्ञान विभाग/ बायो-डिजाइन, एम्स	सदस्य
7.	आचार्य आनंद मोहन, आचार्य, इलेक्ट्रोनिक विभाग प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू, वाराणसी	सदस्य
8.	आचार्य मधु खुल्लर, प्रायोगिक कायचिकित्सा विभाग पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़	सदस्य
9.	आचार्य ए. बी. डे, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान अनुभाग, एम्स	सदस्य-सचिव

अनुसंधान सलाहकार परिषद (क्लिनिकल)

1.	आचार्य, आर. सी. डेका, निदेशक, एम्स	अध्यक्ष
2.	आचार्य टी. एम. महापात्रा, निदेशक, आईएमएस-बीएचयू वाराणसी	सदस्य
3.	आचार्य एस. के. शंकर, निदेशक, एनआईएमएचएएनएस, बैंगलोर	सदस्य
4.	आचार्य, एन.के. मेहरा, अध्यक्ष प्रतिरक्षा प्रतिरोपण एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी	सदस्य
5.	आचार्य एस. के. पांडा, प्रमुख, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स	सदस्य
6.	आचार्य, नरेंद्र के. अरोड़ा, कार्यकारी निदेशक, इनक्लेन ट्रस्ट इण्डिया, नई दिल्ली	सदस्य
7.	आचार्य, के. एम. श्याम प्रसाद, कुलपति मार्टिन एल. क्रिश्चियन विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय	सदस्य
8.	आचार्य नीरज के. सेठ, वरिष्ठ सलाहकार (स्वास्थ्य) योजना आयोग, नई दिल्ली	सदस्य
9.	आचार्य, ए. बी. डे, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान अनुभाग, एम्स	सदस्य-सचिव

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

चन्द्रलेखा

आचार्य

एम.के. अरोड़ा	डी.के. पवार	रविन्द्र कुमार बत्रा
एस.राजेश्वरी	अंजन त्रिखा	माया देहरान
लोकेश कश्यप	दिलीप शिन्दे	गंगा प्रसाद

अपर आचार्य

वीरेन्द्र के. मोहन	विम्मी रिवाड़ी	वनलाल एम.दारलोंग

सह–आचार्य

ज्योत्सना पुंजपी.पांडे	रश्मि रामचन्द्रन	अंजोली छाबड़ा रेनू सिन्हा

सहायक आचार्य

ए.पी. भल्ला	दालिम वैद्य	देवलीना गोस्वामी

शिक्षा

आयोजित आयुर्विज्ञान शिक्षा जारी :

3–4 मार्च 2012 को, बेथ इजराइल अस्पताल, हावर्ड मेडिकल स्कूल के एक शिक्षण अस्पताल के साथ, एम्स, नई दिल्ली में (i) यू एस जी तंत्रिका ब्लॉक, (ii) अनुसंधान प्रणाली विज्ञान (iii) टी ई ई पर कार्यशाला तथा एम्स –बी आई डी एम सी एनेस्थीसिया अपडेट्स ।

आयोजित :

- 16–17 अक्टूबर 2011 को, हपानिया त्रिपुरा के अगरतला मेडिकल कॉलेज में, बाल–चिकित्सा एनेस्थीसिया पर कार्यशाला व सी एम ई ।
- 14–15 मार्च 2012 को, ढाका में, स्टडी ऑफ पेन पर बंगालादेश सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन मे बाला चिकित्सा एनेस्थीसिया पर कार्यशाला ।
- डॉ. आर . एम. एल. अस्पताल , नई दिल्ली में कठिन वायुमार्ग (एयरवे),एयरवे 2012 पर कार्यशाला ।

प्रदत्त व्याख्यान :–

डॉ. चन्द्रलेखा : 5	**डॉ. एम.के. अरोड़ा : 4**	**डॉ. डी.के.पवार : 11**
डॉ. एस. राजेश्वरी : 4	**डॉ. अंजन त्रिखा : 10**	**डॉ. विम्मी रिवाड़ीः 9**
डॉ. अंजोली छाबड़ा : 3	**डॉ. गंगा प्रसाद : 1**	**डॉ. रश्मि रामचन्द्रन : 3**
डॉ. वी. दारलोंग : 1	**डॉ. रविन्दर कुमार पांडे : 2**	

अनुसंधानः

विभागीय परियोजनाएँ

जारी :

1. इन्सीडेन्स ऑफ एक्सीडेन्टल वीनियस कैन्यूलेषन ड्यूरिंग एलीड्यूरल कैथेटर प्लेसमेंट ऑफ्टर प्रायर एपीड्यूरल इंजेक्शन ऑफ नार्मल सैलाइन एण्ड हैड डाउन पोजीशन।
2. गम्भीर रूप से बीमार रोगियों मे सैडेशन का आकलन करने केक लिए बाईसेप्ट्रल इन्डेक्स तथा एन्ट्राफी की तुलना।
3. फंशलल एन्डोस्कोपी साइनस एर्जरी (एफ ई एस एस)में ब्लड लॉस को कम करना : सेफ्टी एण्ड एफीकेसी ऑफ डिलटाइजम एण्ड मैग्नीजियम सल्फेट एज एडजंट्रावीनस नेस्थीसिया [टीआईवीए]
4. पूरे घुटने की आर्थोप्लास्टी में ऑपरेशन के बाद दर्द मे राहत : सिंगल शॉट '3 इन'। फीमोरल नर्व ब्लॉक बनाम इन्ट्राआटिकुलर इनफिल्ट्रेशन।
5. बच्चों में ऑरोथ्राचेअल इनटुबेशन के लिए एयर क्यू आई एल ए एक नाली (कॉन्ड्यूर) के रूप में : ऐन इन्टरवेन्शनल क्लीनिकल ट्रायल।
6. ए प्रोस्पेक्टिव रेन्डोमाइजड डबल –बाइन्डेड काम्पेरिजन ऑफ क्राइस्टालाइड बनाम कोलोआईड कोलोड विथ फिनिलीफ्रीन इन्फ्यूजन ड्यूरिंग स्पाइनल एनेस्थीसिया फॉर इफेक्टिव काईसारीएन डिलिवरी :मातष्क (मेरेर्नल) हाइमोडायनेमिक्स तथा फाइटल एसिड –बेस स्टेटस पर प्रभाव ।
7. सुबाराचनायड ब्लॉक मे , सर्जरी वाले रोगियों में सैडेशन को मॉनीटर करने के लिए स्पेक्ट्रल एम्ट्राफी का प्रयोग।
8. एनट्रोफी और एन एम टी का प्रयोग कर डायबेटिक आटोन्यूरोपैथी वाले रोगियों में इनसोफ्लूरोन तथा वीकूरोनियम की आवश्यकता।
9. रोगी जो लेप्रोस्कोपिक चोलेसीस्टीकोनामी करा रहे है, उनमें एनेल्जेसिक रेजीमेन्स की क्षमता (ए फी के सी) का मूल्यांकन।
10. वयस्क रोगियों तथा पोस्ट–ऑपरेटिव फारयन्गोलारीन–मारबीडिटी में ऑक्सीजन, ऑक्सीजन –नाइट्रोक्साइड, आक्सीजन एयर तथा एयर का प्रयोग कर प्रोसील एल.एम. ए. में कफ प्रेशर मानीटरिंग।
11. ओपन गायनेकालाजिकल सर्जरी वाले रोगियों में इन्ट्राआपरेटिव तथा पोस्ट ऑपरेटिव एनेल्जीसिया के लिए मॉरफीन तथा नालबुफीन की तुलना।
12. रोगी जो ट्यूबल लीगेशन तथा लोकल एनेस्थीसिआ के अंतर्गत एम टी पी करा रहे है के लिए ऑपरेशन पूर्व एनेल्जीसिया देने के लिए, डेक्सभीडीटोभीडाउन की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता।
13. बच्चे जिनकी इन्फ्रा अम्बीलिकल सर्जरी हो रही है, उनमें यदि काउडल ब्लॉक सहायक है तो इन्ट्रावेनोस पैरासेटामॉल से सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता ।
14. लेपरास्कोपिक हरनिया को ठीक करने के बाद पेरीआपरेटिव एनेल्जीसिया के लिए टी ए पी ब्लॉक की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता।
15. वयस्क रोगियों में लेपरोस्कोपिक इनज्यूनल हार्निया को ठीक करने के लिए, ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की एनेल्जेजिसस की प्रभावोत्पादकता : एक यादषच्छिक नियंत्रित ट्रायल ।
16. प्रोपोफोल या प्रोपोफोल–डेक्समीडिटोमीडाइन एनेस्थीसिया के अंतर्गत लैरिन्जीअल सर्जरी कराने वाले वयस्कों मे टी सी आई –टी आई वी ए के साथ टाइट्रेनिंग एनेस्थेटिक आवश्यकता के लिए एन्ट्रोफी मानीटरिंग ।

17. जनरल एनेस्थीसिया के अंतर्गत मोतियाबिंद की सर्जरी कराने वाले बाल रोगियो में इन्टट्राआपरेटिव एनेल्जीसिआ के लिए इन्ट्रावेनस पैरासेटामाल तथा इन्ट्रावेनस फेन्टानिल की तुलना ।

18. आपरेशन पूर्व दर्द तथा इन्ट्राआपरेटिव आक्यूलोकर्डिक रिफ्लेस से बचने के लिए बाल रोगिया में स्क्वीन्ट सर्जरी में सबटेनॉन्स ब्लॉक की प्रभावोत्पादकता एक याद्वाच्छिक नियंत्रित ट्रायल ।

19. इन्टोन्सिव केयर यूनिट मे सैडेशन के आकलन के लिए, एन्ट्राफी का मूल्यांकन।

20. गम्भीर रूप से बीमार रोगियों में सैडशन के आकलन के लिए बीआईएस तथा एन्ट्राफी की तुलना ।

पूर्ण

1. सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत पर्कुटेनियस्त नेफ्रोलीथोटॉमी करवा रहे वयस्कों के लिए इन्ट्राविनस फेनटानिल की तुलना में पैरावर्टिब्रल बूपीवेकाइन प्रोफाइल की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता का अध्ययन ।

2. एफ ई एस एस करा रहे रोगियों मे ब्लड–जॉस को कम करने के लिए, प्रोपोफोल टी आई वी ए. को जोड़ने के लिए एम जी एस ओ 4 तथा डिल्टियाजिम की तुलना ।

3. लॉग –टर्म ऑउटकम एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ फालोइंग लेप्रोस्कोफिक रिपेयर ऑफ इनसीजनल एण्ड वेन्ट्राल हार्निया की तुलना, ट्रैक्र्स या सुतुर्ड मेश फिक्सेशन के साथ–एक प्रत्याशित , याद्वाच्छिक, नियंत्रित अध्ययन ।

4. लेप्रोस्कोपिक हार्निया रिपेयर के लिए टीईपी तथा टी ए पी पी तकनीको का प्रयोग कर क्रानिक ग्रोइन पेन तथा क्वालिटी ऑफ लाइफ की तुलना–एक याद्वाच्छिक नियंत्रित अध्ययन ।

5. लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रीक्टोमी करा रहे, बहुत अधिक मोटापे वाले रोगियों में आक्सीजनेशन ऑफ प्रेशर कन्ट्रोल्ड वेन्टिलेशन तथा वाल्यूम कन्ट्रोल्ड वेन्टिलेशन पर प्रभाव तथा आक्सीजनेशन पर एल्वीओलर रिक्रूटमेंट का प्रभाव।

6. लापरोस्कोपिक तथ ओपन इन्ज्यूनल हार्निया रिपेयर के बाद क्रानिक ग्रोइन दर्द टेस्टीकूलर फंशन तथा लाइफ की गुणवत्ता –एक याद्वाच्छिक नियंत्रित ट्रायल ।

7. हास्पीटलाइजेशन के दौरान सर्जिकल रोगियों में रिस्क और मारबिडिटी बढ़ाने वाले फैक्टरों का विश्लेषण –एक पूर्व प्रभावी विश्लेषण ।

8. पी सी एन एल के बाद प्रीआपरेटिव एनेल्जीसिया में पैरावर्टीब्रल ब्लॉक की प्रभावोत्पादकता ।

9. लेप्रोस्कोपिक कोलीस्टेकॉमी के लिए एनेल्जिसिक तकनीको की तुलना ।

10. तीन भिन्न रोगी स्थिति –परम्परागत (15 डिग्री ट्रेन्डीलीन्बर्ग), आधे बैठे हुए [30 डिग्री सिर ऊपर], तथा बांई करवट लेटी हुई स्थिति में फिजीबिलिटी तथा कम्पैरिजन ऑफ द टेकनीक ऑफ अल्ट्रासाउन्ड गाइडेड सेन्ट्रल वेनोअस कैथेटर प्लेसमेंट वाया इन्टर्नल जगुलर वेन ।

सहयोगी परियोजनाएं

1. क्वान्टिटेटिव एस्टीमेशन ऑफ इनडीसेस फॉर काम्पोनेन्टस ऑफ बैलेन्स्ड एनेस्थीसिया यूर्जिग इलेक्ट्रोएन्सीफालोग्राफिक सिगनल्स फ्राम सब–ट्यमेन प्राईमेट्स [सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग,इन्डियन इन्सट्रीट्यूट ऑफ टेक्नालाजी, दिल्ली तथा सेन्ट्रल साइन्टिफिक इन्स्ट्रसूमैंट्स आर्गनाइजेशन, चण्ड़ीगढ़]

2. डिवलप्मेंट ऑफ ऐन एनेस्थीसिया डिलिवरी वर्क स्टेशन [सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग,इन्डियन इन्सट्रीट्यूट ऑफ टेक्नालाजी, दिल्ली तथा सेन्ट्रल साइन्टिफिक इन्स्ट्रसूमैंट्स आर्गनाइजेशन, चण्ड़ीगढ़] ।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 43 सार लेख : 2 पुस्तकों में अध्याय –2

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य चन्द्रलेखा को फेलोशिप ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थीसिओलाजिस्ट [एफ आई सी ए] से पुरस्कृत किया गया; ब्यरों ऑफ इंडियन स्टैन्डर्डस [बी आई एस] के कार्यकारी सदस्य तथा अध्यक्ष एनोस्थिटिक, रीसुसिटेशन एण्ड एलाइड रूप मे नामित; नामित अध्यक्ष, अकादमिक समिति इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थीसिओलाजिस्ट; नामित न्यासी सदस्य , न्यासी बोर्ड, इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थीसिओलाजिस्ट ; नामित सदस्य, गवर्निंग बॉड़ी , इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थीसिओलाजिस्ट ; महात्मा गॉधी मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइन्सेस, नई मुम्बई , सिनाटे के नामित सदस्य ; (i) 14 मई 2011 को के. जी. एम.सी. लखनऊ में, एयर वे पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ii) 14 मई, 2011 को एम्स, नई दिल्ली मे, कार्डिएक एनेस्थीसिया सम्मेलन (iii) 3–4 मार्च 2011को एम्स, नई दिल्ली मे, एनेस्थीसिया अपडेट के दौरान पेडिएस्ट्रिक बाल एनेस्थीसिया , (iv) 7–8 अप्रैल 2012 को मेदान्ता अस्पताल, द मेडीसिटी , गुडगॉव में इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थिओलजिस्ट मिडटर्म कान्फ्रेंशन तथा कान्वोकेशन में, (v) ब्लड तथा कोएग्यूलेशन पर सिम्पोजियम (vi)3 दिसम्बर 2011 को, एम.ए.एम. सी नई दिल्ली मे, चेंजिंग ट्रेन्ड्स इन आब्सटीट्रिक एनेस्थीसिया सी एम ई के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता ।

डॉ. एम. के. अरोड़ा ने 24–28 जून 2011 को, टोरोन्टो में, कनाडियन एनेस्थीसिया एण्ड पेन सत्र में सर्वोत्तम पेपर पुरस्कार जीता ; 24–28 जून 2011 को, कनाडियन एनेस्थीसिया सोसाइटी की बैठक मे दो पेपर प्रस्तुत किए ; 6 नवम्बर 2011 को आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली मे, डिफिकल्ड एयर वे कानफरेंस मे, पैनल विचार विमर्श मे भाग लिया ।

डॉ.एस. राजेश्वरी 1–21 नवम्बर 2011 को, वाशिंटन स्कूल ऑफ मेडिंसन में विजिटिग फैकेल्टी [ट्रेकिया–ओइसोफागियल फिशुला के प्रबंधन पर इनटरेक्टिवसत्र आयोजित किया तथा स्नातक –पूर्व प्रशिक्षण के लिए स्टीम्यूलेटर के प्रयोग पर विचार विमर्श]

डॉ. विमी रेवारी 3–4 मार्च 2021 को एम्स, नई दिल्ली मे, केस डिस्कशन इन द एम्स बी आई डी एम सी एनेस्थीसिया अपडेट में मॉडरेटर रही ।

रोगी उपचार

निश्पादित सर्जरी/प्रकियाओं की संख्या

मुख्य ऑपरेशन थिएटर

सामान्य सर्जरी – 3995 गेस्ट्रोइन्टस्टाइनल सर्जरी –507 यूरोजॉजी– 1311 ओटोर्हिनोलरीन्गोलोजी – 991 गायनाकोलाजी – 1058 पेडिएट्रिक सर्जरी –1784 दंत सर्जरी – 89

पेरीफिरियल ऑपरेशन थियेटर्स

प्रसूति तथा आई वी एफ – 2635 आर्थोपेडिक्स 2226 (विकलांग)

डॉ.आर.पी. सेंटर फॉर ओफ्थैलमिक साइन्सेस

जी. ए. के अंतर्गत रोटीन – 5461

जी.ए. के अंतर्गत आपातकाल – 1422

एम ए सी के अंतर्गत सर्जरी –144

इन्टरवेंशनल पीड़ा प्रबंधन प्रकियाएँ – 271

पेरीफेरी में जी.ए. के अंतर्गत प्रकिया

माडीफाइड इलेक्ट्रोकानवुल्सिव थिरेपी –99

आर आई स्कैन –1141

बाल चिकित्सा (पेडिएट्रिक) अल्ट्रासाउन्ड (आर पी केंद्र) –126

डिजिटल सब्सट्रेक्शन एनजिओग्राफी – 47

एक्ट्राकोरपोरियल स्टॉकवेव लीथोट्रिप्सी – 2

गहन चिकित्सा केंद्र (ए.बी. 8)

प्रवेष प्राप्त रोगी – 364

वार्ड मे स्थानान्तरित रोगी – 268

रोगी जिनकी मष्त्यु हो गई – 85

आपातकालीन प्रकिया

किए गए केस – 2898

सुनी गई काल्स – 2070

एनेस्थीसिया पूर्व क्लीनिक

पुराने रोगी – 814 नए रोगी – 6814

9.2 शरीर रचना विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

रानी कुमार

आचार्य

शशि वधवा	आर.डी.मेहरा	टी.एस. रॉय

अपर आचार्य

ए. शरीफ	पुष्पा धर	एस बी. रे
टी.के. दास	रीमा दादा	अरूंधती शर्मा
(इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)	रेणु ढींगरा	(जेनेटिक्स)

सह–आचार्य

टी.सी. नाग	रितु सहगल
(इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोपी)	

विशिष्टताएं

एम्स में पहली बार विभाग ने एक ई. लर्निंग सुविधा तथा अधिगम प्रबंधन प्रणाली स्थापित की है । यह एक स्टेट–ऑफ द–आर्ट सुविधा है जिसमें हाई स्पीड़ इन्टरनेट का प्रयोग कर ,विभाग की शिक्षण तथा अधिगम के कार्य पूरे किए जा सकते है । इसके अतिरिक्त, विभाग ने स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और कॉलेजों को प्रशिक्षण प्रदान किया है । इसने कई काडावेरिक कार्यशालाओं का आयोजन करने में मदद की है जिसने विभिन्न विभागों यथा–तंत्रिका शल्यचिकित्सा, आस्थि रोग विज्ञान विभाग, दंत शल्य चिकित्सा, एनेस्थीसिया आदि के कार्मिकों को प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित किया है । बहुत से सदस्यों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों में अतिथि संकाय के रूप में कार्य किया है और भारत तथा विदेश में अतिथि तथा आमंत्रित प्रवक्ता के रूप में व्याख्यान दिया है । संकाय तथा विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय फोरम मे अपना अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया है तथा तंत्रिका विज्ञान एंब्रियोलॉजी तथा जेनेटिक्स सहित शरीर रचना विज्ञान के विभिन्न आयार्मो पर अपने पोस्टर तथा प्लैट फार्म प्रस्तुतिकरण के लिए कई पुरस्कार जीते है । संकाय अनुसंधान कार्यो में लगी है जिसे आंतरिक तथा बाह्य आर्थिक सहायता प्राप्त है तथा उनके सह– पुनरालोकित प्रकाशनों में उल्लेखनीय अनुसंधान प्रकाशित हुए हैं । संकाय, भारत तथा विदेशों में, स्नातक तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए कोर्स पाठ्यक्रम विकसित करने के साथ ही साथ कई समितियों के सदस्य के रूप मे कार्य करती रही है । वे कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के भी सदस्य रहे है तथा अंतरंग और बहिरंग अनुसंधान प्रोजेक्टों के समीक्षक के रूप में भी कार्य किया है । विभाग ने विभिन्न अनुवांशिक तथा मैटाबालिक अनियमितता के लिए, जॉच और काउन्सलिंग सेवा के माध्यम से मरीजों को सुविधा प्रदान कर तथा मरीजों की देखभाल कर अस्पताल में अपनी सेवाएं उपलब्ध कराई है।

शिक्षा

नवीन भौक्षिक गतिविधि

स्टेट ऑफ आई ई–लर्निंग सुविधा (एम्स शेल्फ) तैयार की गई है, जिसमें विभाग में हाई स्पीड़ इन्ट्रॉनेट का प्रावधान है, जो दो चाल सर्वरों उबंतू (चर्चित लाइनेक्स वितरण) सर्वर ऑपरेंटिंग सिस्टम से चालित है जो कि निःशुल्क और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (फोस) है । वर्तमान में यह (एम्स शेल्फ) की सुविधा, विभाग मे ही संकाय सदस्य स्नातकोत्तर तथा स्नातकपूर्व विद्यार्थियों के बीच उपलब्ध है। यह सुविधा बहुत अधिक स्कैलेबल है तथा पूरे एम्स मे तथा इन्टरनेट मे यह सुविधा उपलब्ध है ।

विभाग के शिक्षण–अधिगम क्रियाकलापों को प्रशासित करने के लिए ई–लर्निंग सुविधा में अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) को क्रियान्वित किया गया है। यह अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) मॉड्यूलर आलजेक्ट ओरिएन्टेड डायनमिक लर्निंग एन्वायरोनमेंट (मूड डीएलआई) पर आधारित है, जो कि एक बहुत ही शक्तिशाली तथा चर्चित निःशुल्क व ओपन स्रोत वर्चुअल अधिगम परिवेश है, जिसमें विश्वभर के 75,000 से अधिक शैक्षिक संस्थानों में यह इन्सटाल्ड है। वर्तमान में अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) का प्रयोग शरीर रचना विज्ञान के पाठ्यक्रमों के लिया किया जा रहा है। हालंकि अन्यविभागों के लिए भी इसका विस्तार किया जा सकता है, जिससे पूरे एम्स मे शिक्षण–अधिगम क्रियाकलापों के परस्पर जुडाव तथा अधिगम स्रोत सामग्री को बनाने और परस्पर शेयर करने में बहुत प्रोत्साहन मिल सकेगा ।

अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

एम.एस. सी दृ के दो विद्यार्थियों, तथा जे.एन.यू. से एक एम. एस. सी. विद्यार्थी ने तांत्रिका शरीर रचना तकनीकों, क्रायोसैटिओंग, इमियूनोहिस्टोक्यिूस्ट्री, वेस्टर्न फ्लोटिंग, न्यूक्लियर मैनेटिक रिसोनेन्स अध्ययन के लिए तंतुओ के लियोफिलिजेशन, तथा विभिन्न साइटोजेनेटिक तथा मॉड्यूलर जेनेटिक तकनीकों मे प्रशिक्षण प्राप्त किया है ।विभाग के संकाय सदस्यों ने तंत्रिका शरीर रचना विज्ञान तथा मानव आनुवंशिकी पर एम.एस.सी. तांत्रिका विज्ञान तथा एम.एस.सी. ह्यूशन मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स, जिवाजी विश्वद्यिालय, ग्वालियर के लिए व्याख्यान दिए है । जो एम सी. नागपुर के संकाय सदस्यों को साइटोजेनेटिक तथा तांत्रिका कल्चर पर आधारित मूल तकनीकी पर प्रशिक्षण प्रदान किया है । विभाग मे दस किशोर वैज्ञानिक पुरस्कार योजना के विद्यार्थियो ने छोटे प्रोजेक्ट पर कार्य करना आरम्भ किया जिसमे से एक विद्यार्थी को शिक्षावृत्ति भी प्रदान की गई है ।

कार्यशालाएं

वर्ष के दौरान विभाग ने तांत्रिका शल्य चिकित्सा, आस्थिरोग विज्ञान विभाग, दंत शल्य चिकित्सा तथा एनेस्थीसिया के विभागों के लिए, सात शव कार्यशालाओं के आयोजन को प्रोत्साहित किया ।

प्रदत्त व्याख्यान –

डॉ. शशि वधवा : 2	**डॉ. आर.डी. मेहरा : 2**	**डॉ. टी.एस.राय. : 6**
डॉ. पुष्पा धर : ।	**डॉ. रीमा दादा : 8**	**डॉ. अरूंधती भार्मा : 2**

राश्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुति : 48

अनुसंधान

वित्तपोशित परियोजनाएं

जारी

1. इन्फ्लूएन्स ऑफ प्रिनेएल क्रॉनिक न्वायज एकसपेजर ऑन ब्रेन स्टेम ऑडिटोरी न्यूक्ली;हिप्पाकेम्पस एंड स्पाशियल मेमोरी इन चिक्स। डा. शशि वधवा, डी.बी.टी. 2008–2011, निधियॉ : 65.49 लाख रूपये ।
2. मालिक्यूलर स्टडीज ऑफ दि एक्साइटेटरी सिनेटिसस ऑफ दि ऑडिटरी कोर्टेक्स इन डेवेलपिंग चिक [गैलस डोमेक्टीकल] एक्सपेज्ड टू प्रीनेटल क्रोनिक नॉयस। शशी बवधा , सी.एस. आई. आर. , 2011 –13 , 13.2 लाख रूपये।
3. स्टडीज ऑन ओवरीएक्टॉमी इन्डयूस्ड रैट सेरेबलम एण्ड देयर रिस्पांस टू एक्ट्राडियल एण्ड टेमोक्सीफेन थैरेपी । आर. डी. मेहरा, र्आ.सी. एम. आर, 2008–12, 9.36 लाख रूपये ।
4. एक्ट्रोजन इन्ड्यूजड रेग्यूलेशन ऑफ कॉम्प्लीमेंट सिस्टम इन रैट ब्रेन : ऐन एप्रोच टू अण्डरक्टेंड न्यूरोप्रोटोक्टिव एण्ड एन्टी – इन्फ्लेमेटरी रोल ऑफ द हारमोन । आर.डी. मेहरा, आई दृ सी. एम. आर., 2011–14, 38.04 लाख रूपये ।

5. एस्ट्रोजन मेनोपाज एण्ड द एजिंग ब्रेन : ऐन एक्सपेरीमेंटल एप्रोच टू अण्डरस्टेंड द मेनोपाजल इफेक्ट्स इन नॉन–रीप्रोडक्टिव एरिया ऑफ ब्रेन एण्ड एस्ट्रोजन–लाइक कम्पाउन्ड्स एज थिरेपीचूटिक इन्टरवेंशन । आर.डी. मेहरा., आई. सी. एम. आर., 2011–14 , 28.0 लाख रूपये ।

6. एस्ट्रोजन मीडिएटेड इम्यून रेग्यूलेशन एण्ड न्यरोप्रोटेक्शन इनर फीमेल रैट आईपोकैम्पस । आर.डी. मेहरा., आई. सी. एम. आर.,, एस आर एफ, 2011–14 , 6.96 लाख रूपये ।

7. ए स्टेरियोलॉजिकल स्टडी ऑफ एज रिलेटेड मॉर्फोलॉजीकल एण्ड न्यरोकोमिकल चेजेंज इन दउ ह्यूमन कॉकलियर न्यूक्लियस । डी. एस. राय, आई. सी. एम. आर.,2010–13, 29.28 लाख रूपये ।

8. सिलेक्टिव न्यरोट्रांसमीटर एण्ड न्यरोपेपटाइड रिसेप्टरस एजटारगेट्स फॉर रिलीविंग पोस्ट ऑपरेटिव पेन इन काम्बीनेशन विध लोपरामाइड, ए म्यू ओपीओइड रिसेप्टर एगोनिस्ट, आफ्टर इन्ट्राथेकल एड्मिनिस्ट्रेशन इन रैट्स । एस बी. राय, डी. बी.टी., 2011–14, 80.05 लाख रूपये ।

9. जेनेटिक एण्ड डी.एन.ए. फैमेंटेशन स्टडी इन इनफर्टाइल कपल्स ऑप्टिंग फॉर ए.आर.टी. एण्ड कपल्स एक्सपेरिएंसिग रिकरेंट आई.वी. एफ./आई.सी. एस. आई. फेलियर । आर. दादा, आई. सी. एम. आर.,2008–11, 5 लाख रूपये ।

10. आर.एस.ए. मे शुक्राण कारक (आक्सीडेटिव तनाव, डी.एन.एस. क्षति) की भूमिका । आर.दादा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2010–13 , 15 लाख रूपये ।

11. जेनेटिक बैसिस अण्डरलाईंग स्टीवेन्स की पहचान के लिए एक अध्ययन :जॉनसन (सेन्ड्रोम एस.जे.एस.) ए.शर्मा, आई.सी. एम. आई., 2011–14, 22 लाख रूपये ।

12. आनुवांशिक संबंध तथा मोनो आमीनराजिक, जी.ए.बी. एराजिक तथा लोकोहोल निर्भरता में ब्रेन इमेजिंग के साथ ग्यूटामीनार्जिक पाथवे जेनी पॉलीभारफिजम [पी.ई.टी/एस.पी.ई.सी.टी.] मे परस्पर संबंध , ए.शर्मा , आई.सी. एम. आई., 2011–14, 29.0 लाख रूपये ।

13. उत्तर भारतीय रोगी जनसंख्या मे एण्डोघीलिअल डाइस्ट्रोफिज के मालिक्यूलर विश्लेषण पर एक अध्ययन । ए. शर्मा, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2011–12, 1 लाख रूपये ।

14. उत्तर भारतीय बच्चों मे हॉरमोन वर्धन की कमी पर म्यूटेशनल विश्लेषण । ए.शर्मा, आई.सी.एम. आई.–एस आर एफ, 2011–13,

पूर्ण

1. टू स्ट्डी दि इफेक्ट्स ऑफ एण्टीऑक्सिडेंट सप्लीमेंटेशन ऑन न्यूरोनल पापुलेशन्स ऑफ रैट हिप्पोकैम्पस फार्लोईंग सोडियम आर्सेनाइट एक्सपोजर डयूरिंग अर्जी पोस्टनेटल पीरियड। पी. धर, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2009–11,, 1.70 लाख रूपये ।

2. ए स्टडी ऑन दि नोवेल एनालजेसिक इफेक्ट इन्ट्रास्पाइनल लोपेरामाइड इन ए म्यूरिन मॉडल ऑफ पोस्ट सर्जिकल पेन। एस.बी.राय, आई.सी. एम. आई., 2008–11, 30.2 लाख रूपये ।

3. केराटोकोन्स में वी एस एक्स–1 जोन मे म्यूटेशन की संभावित उपस्थिति का मूल्यांकन करना ए.शर्मा, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2009–11 2 लाख रूपये ।

4. इफेक्ट ऑफ प्रीक्लाम्पिटिक सेरा ऑन ट्रोफोब्लास्टिक इनवेजन एण्ड ऑसीडेटिव स्ट्रेस : एन. इन. विट्रो स्टरी । आर.ढींगरा, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2011:12, 1 लाख रूपये ।

5. पुराने होते मानव रेटीना में आक्सीडेटिव तनाव के चिन्हांककों का सेल्यूलर स्थानीकरण।टी.सी. नाग, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2011–12 एक लाख रूपये ।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ब्रेनस्टेम ऑडिटोरि न्यूक्लीआई, हाइपोकैम्पस तथा गालों मे श्रवण संबंधी छाल मे प्रसवपूर्ण क्रानिक नायज एक्सपोजर ऑन हिस्टोन एसिटिलेशन ।
2. ब्रेन एजिंग तथा तांत्रिका क्षय : एस्ट्रोजेन तथा ग्लूकोकोरटीकोइड्स की तांत्रिका संरक्षण तथा जैव नियंत्रण मे भूमिका ।
3. मानव श्रवण प्रणाली का विकास ।
4. बाल तथा वयस्क व्यक्ति की पोन्क्रिएटिक डक्ट प्रणाली का आकषति विज्ञान ।
5. रैट सेरिबलम के विकास के दौरान सोडियम आरसेनाइट इन्ड्यूस्ड न्यूरोटासिसिटी पर एन्टी ऑक्सीडेण्ट का प्रभाव ।
6. रैट किडनी के विकास के दौरान आर्सेनिक इन्ड्यूस्ट ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस पर एक्सोजेनस एल्फा लिपोइक एसिड का प्रभाव।
7. रैट किडनी पर आरम्भिक पूर्व प्रसव अवधि केक दौरान आसेनिक एक्सपोजर का प्रभाव ।
8. मानसिक रन्ध्रक के मारफोलाजिकल तथा मारफोमीट्रिक लक्षणों का रेडियोग्राफिक मूल्यांकन ।
9. वयस्क मादा–रैट के अनुमास्तिष्क में एस्ट्रोजन तथा एस्ट्रोजन जैसे काम्पाउण्ड का प्रभाव : एक हिस्टोकैमिकल तथा मालीक्यूलर अध्ययन । मादा रैट हिप्पोकैम्पस में तांत्रिका संरक्षण तथा एन्टीइन्फ्लेमेट्री तत्वों का रोगक्षमता नियंत्रण ।
10. शव वयस्क मानव ह्दय में मीटरल तथा ट्रीक्यूस्पिड वाल्वों की मार्फोमीटरी ।
11. रैट मे चुने हुए न्यूरोट्रॉस्मीटर्स, न्यूरोमाड्यूलेटर्स के अभिव्यंजन तथा रीढ़ की हड्डी में उसके अभिग्राहक तथा ऑपरेशन –पूर्व पीड़ा के दौरान डीजल रूट गैगलिऑन पर एक अध्ययन ।
12. सिटी स्कैन और डिजिटल इमेजेज का प्रयोग करते हुए लम्बर पेडिसल की मार्फोमीटरी।
13. गर्भापक्षेपक के रोगननन में ह्रदय संबंधी अनुवांशिक कारकों के वितरण की भूमिका ।
14. प्रीकाल्मासिया में, एन्डोप्लाजमिक रेटिकुलम मे एस–वी ई.जी.एफ.आर. की भूमिका ।
15. भारतीय जनसंख्या मे उच्च निकट दर्षष्टि की आनुवांशिकी का मूल्यांकन : एक अन्वेषणात्मक अध्ययन ।
16. कोरनियल एन्डोथीलिअल डाईस्ट्रोफिज की रोग–विषयक, हिस्टोपैथोलॉजिकल तथा जेनिटिक विशिष्टताएं ।
17. न्यूरोब्लास्टोमा में मॉलिक्यूलर जेनेटिक विश्लेषण के लिए फाइन नीडल एस्पीरेशन साईटोलॉजी का आकलन ।
18. नीयोनेटल चिक रेटिना मे मार्फोलॉजिकल तथा बॉयोकेमिकल परिवर्तन जिसके परिणाम से फोटोपीरियड गणकों का एक्सपोजर ।

पूर्ण

1. प्रसव–पूर्व अत्यधिक ध्वनि स्टिमूलेशन के बाद चिक हिप्पोकैम्पस में कैल्शियम बंधक प्रोटीन केलबिन्डीन की अभिव्यक्ति।
2. बाडे वन चिक हिप्पोकैम्पस एण्ड ऑडिटरी न्यूक्लाई फोलोईंग प्रोनेटल पैटर्नड एण्ड अनपैटर्नड सांऊंड स्टिमुलेशन ।
3. घरेलू –मुर्गे मे ऑडिटरी कॉर्टेक्स की मॉर्फोलॉजी पर प्रसव–पूर्व निरंतर ध्वनि उद्भासन का प्रभाव ।
4. मनव ट्रोक्लियर, एब्डुसेंट तथा कोकलियर नर्व में आयु परिवर्तन ।
5. विकासशील चूहा हिप्पोकैम्पस मे आर्सेनिक प्रेरित विषाक्तता पर एंडी–ऑक्सीडेंट खुराक के रूप मे लिपोइक अम्ल का प्रभाव ।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. रोल एफ टी एन एफ इन द पैथोजेनेसिस ऑफ एक्सपेरिमेंटल एक्यूट पेनाक्रिएटिटिस एण्ड द इफेक्ट ऑफ एन्टी–टी एन एफ–ए थिरेपी इन एटेन्यूएटिंग द सिविरीटी ऑफ पेनक्रिएटिटिस एण्ड इन द सबसिक्यूएण्ट रीजेनेरेशन ऑफ द
2. पेनक्रियाज [गेस्ट्रोएन्टरोलाजी विभाग] बोनमैरो मालिक्यूलर के साथ कम्बीनेशन में बोनमैरो मालिक्यूलर केक एड्मिनिस्ट्रेशन बनाम बी एम एस सी एलेन इन मिडिल सेरिबरल आरट्री ऑक्लूजन मॉडल ऑफ स्ट्रोक की परस्पर तुलना । [तांत्रिका विज्ञान विभाग] ।
3. रैट्स मे मेलोटोनिन के साथ कम्बीनेशन मे बोनमैरो मालिक्यूरल केक एड्मिनिस्ट्रेशन बनाम बी एम एस एन सी एलेन इन मिडिल सेरिबरल आरट्री ऑक्लूजन मॉडल ऑफ स्ट्रोक की परस्पर तुलना ।[तांत्रिका विज्ञान विभाग] ।
4. फेज–III क्लीनिकज ट्रायल विध इन्ट्राविसल इनजक्टेबल मेल कान्ट्रासेप्टिव आर.आई.एस. यू.जी. जीव –[रसायन विज्ञान विभाग] ।
5. बेलफारोफिभोसिस मे क्लीनिकल, रेडियोलाजिकल तथा जेनेटिक अध्ययन –[आर.पी.सेंटर]
6. सी.एच 13 एल। मे जैनेटिक भिन्नाताओं की जॉच तथा भारतीय अस्थमा रोगियों में वाई दृके. एल. 40 के उत्पन्न होने के प्रभाव –[जीव विज्ञान विभाग]
7. कॉनजीनीटल कैटरेक्ट में मालीक्यूलर विश्लेषण –[आर.पी.सेंटर]
8. लेनाक्स गैसटाउट सेनड्रोम के साथ रोगियों मे एक अनुबद्व थिरेपी के रूप में रिफ्लेक्सोलॉजी का का मूल्यांकन तथा एल.जी. एस में जी पी आर–65 की म्यूटेशन स्क्रीनिंग –[जीव विज्ञान विभाग]
9. क्वेल डॉक्सीसिलाइन की क्षमता तथा बॉझ पुरूषों मे ऑक्सीडेटिव स्टेट्स पर डिक्लोफिनेक के साथ मिलाकर, तुलना करने के लिए, याद्वाच्छिक संयमित परीक्षण [प्रसुति तथा स्त्री रोग विज्ञान विभाग एल एच. एम. सी, नई दिल्ली]
10. त्नाव के मार्कर तथा माइल्ड काग्नीटिव इम्पेयरमेंट तथा डीमेन्टिया के साथ उनका सहयोग –[जीव विज्ञान विभाग]
11. फाईब्रोमयालगिया रोगियों की दर्द की स्थिति पर मैगनेटिक फील्ड मे क्रानिक एक्सपोजर पर एक अध्ययन [शरीर विज्ञान विभाग]
12. असाध्य एपिलेप्सी में मॉलीक्यूलर क्लीनिकल प्रोफाइल [तांत्रिका विज्ञान विभाग]
13. कागजीनीटल एड्रीनल हाइपरप्लासिआ –जीनोटाइप फीनोटाइप कोरिलेशन [अंतस्त्राव विज्ञान विभाग
14. मॉलीक्यूलर इटीयोलाजी अण्डरलाइंग स्केलेटल डाइस्प्लाजिया पर एक अध्ययन [अंतस्राव विज्ञान विभाग]
15. सी.एम.एल. रोगियों मे प्रोग्राम की बाइलॉजी समझने के लिए जैनिस का माड्यूलेशन (हैमाटोलोजी विभाग)
16. द एसोसिएशन ऑफ मोनोएमिनर्जिक पाथवे जेनी पालीभरफिजम तथा शराब निर्भरता पर एक अध्ययनएन डी डी टी सी विभाग
17. द स्पैक्ट्रम ऑफ 11 पी 13 तथा 11 बी 15 डिलीशन्स इन विल्म्स ट्यूमर विध हिस्टोलाजिकल कोरिलेशन (पैथोलॉजी विभाग)
18. फीजिबिलिटी स्टडी ऑफ ए नॉवल इन्ट्राओसिअस एसेस डिवाइस फॉर इमेरजेन्सी वॉस्कुलर एसेस कार्डिएक रेडियोलॉजी विभाग आई आई टी और स्टैन फोर्ड विश्वविद्यालय के साथ स्टैनफोर्ड इंडिया बायोडिजइन द्वारा सहयोग ।
19. घरेलू मुर्गे मे प्रीनेटल रिपीटीटिव ऑडीटोरी के बाद वीजुअल कार्टेक्स का फंशनल विकास (शरीर विज्ञान विभाग)

पूर्ण

1. एक एन्जिओटनसिन टाइप –I रिसेप्टर ब्लॉकर, इरबीसारटन इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल ऑफ इसचेमिआ–रिपरफ्यूजन इन्ज्यूरी की जॉच करने के लिए औषध वैज्ञानिक तथा मालीक्यूलर मैकेनिजन पर एक अध्ययन (औषधविज्ञान विभाग)

प्रकाशन

पत्रिकाएँ : 26 सार : 8 पुस्तकों में अध्याय : 6

रोगी की देखभाल

आनुवंशिकी नैदानिक परीक्षण तथा काउन्सलिंग सेवाएँ

पी सी आर द्वारा वाई. क्यू माइक्रोडिलीशन विश्लेषण 54/सेमिनल आर ओ एस एस्टीमेशन –202 कारयोटाइपिंग :490, हृदय रोग मामलों मे कारयोटाइपिंग 20

भावों का संलेपन

संवहन हेतु 847 शिक्षण/अनुसंधान हेतु :25

फ्लूरोसिस प्रयोगशाला : फ्लूराईड अनुमानन परीक्षण

मूत्र / रक्त/सीरम–102 पेय जल – 141

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य शशि वाधवा ने 26 मई , 2011 को मानेसर, हरियाणा मे नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर मे वैज्ञानिकों के नियमितिकरण के लिए आकलन समिति हेतु विशेषज्ञ सदस्य के रूप मे कार्य किया 2 नवम्बर 2011 को अमेटी विश्वविद्यालय परिसर, हरियाणा में मुख्य अतिथि थी तथा उन्होंने डी एस टी द्वारा स्पान्सर्ड इन्सपायर इन्टरनशिप इन्सटीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस (बी आई एम एस) में एम बी बी एस प्रोग्राम के लिए कोर्स पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए एम्स से गई संकाय टीम के सदस्य के रूप में 4–7 नवम्बर 2011 को भूटान का दौरा किया; स्टेम सेल रिसर्च एण्ड थिरेपी के लिए, राष्ट्रीय एपेक्स समिति की सदस्य;निरीक्षण मेडिकल काउन्सिल ऑफ इन्डिया; 'भारत तथा दक्षिण एशियाई क्षेत्र सेप्लाब्लम बेस्ड लर्निंग एक्सपीरिएन्स' पर संगोष्ठी 'पी बी एल –प्रामिसेस एण्ड पिटफाल्स' पर संगोष्ठ बनाम कार्यशाला, मे 21 फरवरी 2012 को सी एम ई टी, एम्स, नई दिल्ली मे भाग लिया तथा अध्यक्षता की; एन बी आर सी , मानेसर के इन्टीग्रेटेड पी. एच. डी पाठ्यक्रम के लिए पेपर सेंटर रही; एन बी ई. द्वारका , नई दिल्ली मे शरीर रचना विज्ञान में डी एन बी के लिए माइरेटर तथा ऑनसाइट एसेसर; हैदराबाद विश्वद्यिालय से पी एच डी थीसेस की बाह्रय परीक्षक ; राष्ट्रीय अनुसंधान विकास कार्पोरेशन (एन आर डी सी) डी एस आई आर का उद्यम , विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, की पुरस्कार अवार्ड समिति की सदस्य ; 13 मार्च 2012 को एन. आई. एम. एस. , आई सी एम आर परिसर,नई दिल्ली में डी एच आर लघु/दीर्घ प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ जुड़ने हेतु, विशेषज्ञ ग्रुप की बैठक मे भाग लेने के लिए, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार द्वारा आमंत्रित किया गया**;** शरीर रचना विज्ञान विभाग तथा एस्टेट और परिवहन संबंधी प्रशासनिक मामलों केलिए आर.टी. आईके अंतर्गत डिस्क्लोजर हेतु प्रभारी अधिकारी, इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप फैसिलिटी एस्टेट अधिकारी [सार्वजनिक परिसर] तथा केंद्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी [सी पी आई ओ]; विभिन्न एम्स समितियॉ ;अध्यक्ष, शिक्षण शेड्यूल समिति; सदस्य, डीन्स समिति ; सदस्य पेटेंट सेल समिति ; सदस्य, स्टेम सेल अनुसंधान तथा थिरेपी के लिए संस्थागत समिति;सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जे एनाटामिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया ; तांत्रिका विज्ञान अनुसंधान परियोजनाओं तथा आई सी एम आर तथा डी बी टी हेतु वार्षिक परियोजना रिपोर्ट का पुनरावलोकन किया है।

आचार्य राज मेहरा को नवम्बर 2011 को इंडियन काउन्सिल फॉर मेडिकल रिसर्च, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, द्वारा वर्ष 2007 के लिए 'कशानिका ओरेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया ; फरवरी 2012 , को के.ईसी.एस.एस. द्वारा चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में 'कश्मीर एडुकेशन कल्चर एण्ड साइंसेस सोसाइटी' आर्काइवर्स अवार्ड ' से सम्मानित किया गया ; अप्रैल 2011 कोसी एस एम. मेडिकल युनिवर्सिटी लखनऊ मे, शरीर रचना विज्ञान के संकाय सदस्यों के चयन के लिए चयन चयन समिति सदस्य; अप्रैल 2011 को पंजाब सेंट्रल युनिवर्सिटी भटिंडा, मे बायोसाइन्सेस के संकाय सदस्यों के चयन के लिए चयन समिति सदस्य; डी बी टी केक क्रानिक रोग जीव विज्ञान–तांत्रिका विज्ञान टास्क फोर्स के सदस्य तथा मई, जुलाई, दिसम्बर 2011 तथा फरवरी 2012 मे बैठकों मे भाग लिया; अकादमी के ज्योत्सना रघुनाथ भट्टाचार्य पुरस्कार के लिए तथा ' फेलोज फॉर द अकादमी' चयन के लिए समीक्षक; देश के विभिन्न राज्यों मे चार आरम्भ करने के लिए भौतिक तथा अन्य शिक्षण सुविधाओं के आकलन के लिए, निरीक्षक, एम सी आई के रूप मे कार्य किया; 30 अक्टूबर –1 नवम्बर 2011 नई दिल्ली को, इंडियन अकादमी ऑफ न्यूरोसाइन्सेस केक 29वें सम्मेलन में, 'न्यूरोसाइन्सेस तथा न्यूरोप्रोटेक्शन : कान्सेप्ट्स एण्ड मैकेनिजम' पर अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी, दिसम्बर, 2011 को इंदौर मे एटानामिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया केक 59 वे राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्रों की अध्यक्षता; फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलाजिकल सोसाइटी ऑफ एशिया ओसिआनिआ, इन्टरनेशनल कांग्रेस , आयोजन समिति के सदस्य तथा मार्च 2012 मे एक सत्र मे अध्यक्षता की; प्रदर्शनी, 'उच्चरक्तचाप के रोगियों की देखभाल' पर संगोष्ठी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित, 56 वें संस्थान दिवस आयोजन की अध्यक्षता ;जनवरी 2012 को, एम्स तथा पी ई टी ए [भारत मे पशुओं के एथिकल उपचार के लिए लोग] द्वारा 'एम बी बी एस शिक्षा मे आधुनिक तकनीक का प्रयोग : एक प्रयास' पर संस्थाओं तथा विश्वविद्यालयों में 'एम बी बी एस, एम डी [शरीर रचना विज्ञान], एम एस सी [न्यूरोसिसी] तथा पी.एच.डी के लिए परीक्षक; आई सी एम आर, जैवप्राविधि विभाग (डी बी टी), विज्ञान तकनीकी विभाग (डी एस टी) के लिए तांत्रिका विज्ञान अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की तथा मस्तिष्क अनुसंधान पर प्रकाष, तात्रिका विज्ञान पत्रों, विज्ञान तथा जीव –विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं [जर्नल्स] के लिए पॉडुलिपियों की समीक्षाय; एम्स की विन्डों एसी समिति के अध्यक्ष; एम्स की एनिमल एदिक कमेटी के सदस्य; फरवरी 2012 में, एम्स के विद्यार्थी यूनियन चुनावों मे चुनाव आयुक्त के रूप मे नामित तथा आर.डी. ए. चुनावों के लिए 'आब्जर्वर' ।

आचार्य टी. एस.रायः पेंक्रियाज के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य बने रहे, भारत के मेडिकल कॉलेजों के लिए, भारत की मेडिकल काउन्सल की विशेषज्ञ समिति कके कोआडिनेटर तथा सदस्य; अलीगढ़ विश्वविद्यालय के शरीर रचना विज्ञान विभाग, की बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य; क्लीनिकल अनाटमी, पेंक्रिआज नेशनल मेडिकल जनरल ऑफ इंडिया ब्रेन रिसर्च, क्लीनिक्स तथा प्रोक्टिर्स केक लिए पॉडुलिपियों तथा सरकारी फडिंग एजेन्सियों को जमा की गई विभिन्न अनुसंधान संगठनों के तांत्रिका विज्ञान पर प्रोजेक्टो का पुनरावलोकन; जर्मनी, बारमहेरजीगेन ब्रूडर ट्रीगर, क्रान्क्एन्हाउस डेर, न्यूरोसर्जरी विभाग, केक एन्डोस्कोपिक ट्रान्सनेजन एप्रोचल टू द स्कल बेस पर 12 वे हैंड्स ऑन वर्कशाप में भाग लिया; यूनिवर्सिटेट्स मेडिजन माइन्ज, जर्मनी केक, इन्सटीट्यूट ऑफ फंशनल एण्ड क्लीनिकल एनाटमी गए; 12–16 नवम्बर 2011 को, यू.एस.ए वाशिंटन डी.सी. के सोसाइटी ऑफ न्यूरोसाइन्स की, 41 वीं वार्षिक बैठक, न्यूरोसाइक्स, मे भाग लिया; 17–18 फरवरी 2012 को एम्स नई दिल्ली के, कार्डियोवस्कुलन रिसर्च कन्वजेंन्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. पुष्पा धर, एम बी बी एस, फेज–। के लिए टीजिंग शेड्यूज समिति की सदस्य तथा सी.सी.एच (भारत सरकार) मे सी एम ई प्रोग्रोमों की वर्कशाप की रिसोर्स व्यक्ति बनी रही; मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली के, शरीर रचना विज्ञान विभाग में, 23:24 मार्च 2012 को, 'प्रिवेन्शन तकनीक इन ह्यूमन बॉडी, एम्बाल्मिंग एण्ड म्यूजियम तकनीको' पर कार्यशाला मे वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ.एस.बी. रे जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मे एम एस सी तांत्रिका विज्ञान केक विद्यार्थियों को पाने के लिए, विजिटिंग संकाय केक रूप में हैं; तात्रिका जीव विज्ञान के विभिन्न आयामों पर तीन एम बी बी एस विद्यार्थियों ने ग्रीष्म अनुसंधान प्रोजेक्ट किए; युरोपियन जर्नल ऑफ पेंन, इंडियन जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बॉयोलाजी तथा इंडिन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च मे जमा की गई पॉडुलिपियों के लिए समीक्षक; विभिन्न फडिंग एजेन्सियों के लिए अनुसंधान प्रोजेक्टों की समीक्षा की।

डॉ.रीमा दादा और उनके विद्यार्थी को विद्यार्थी ट्रेनी तथा मेंटर सत्र मे सम्मानित किया गया तथा 1:2 अप्रैल 2011 को, अमेरिकन कांग्रेस ऑफ एन्ड्रोलाजी, मान्ट्रीएल, कनाडा की 35 वी वार्षिक बैठक मे लालेर फाउन्डेशन अवार्ड मिला; 14 अक्टूबर 2011 को, ओर लैन्डो फ्लोरिडा में ए.एस.आर.एम. बैठक मे, 44 वे वार्षिक स्नातकोत्तर प्रोग्राम मे भाग लिया, चण्डीगढ़ मे आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'पैथोजेनिक एम टी सीक्वेन्स वेरिएशन इन ओवा एण्ड ब्लस्टोसाइट इन्पैक्ट ऑन आर्ट' के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ; एक एम बी. बी. एस. विद्यार्थी ने स्पर्म्स डी एन ए की क्षति पर कार्य किया तथा के वी पी वाई फेलोशिप पुरस्कार से सम्मानित किया गया; मेडिकल रिसर्च काउन्सल फेलोशिप्स, इडम्वर्ग तथा ईरान मे, रीप्रोडक्वि बायोमेडिसन तथा स्टेम सेल्स, पर रोयान अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कारों के लिए जूरी सदस्य रही, जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक बॉयोकेमिसएट्री, द ओपन एन्ड्रोलाजी जर्नन तथा इन्टर्नेशनल जर्नल ऑफ मेडिसन, की सम्पादकीय बोर्ड की सदस्य, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एन्ड्रोलोजी तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ फर्टिलिटी के सदस्य के रूप मे नामित; पुरूष बॉझपन पर आई सी एम आर टास्क फोर्स की सदस्य; जर्नल ऑफ रीप्रोडक्शन एण्ड कन्ट्रासेप्शन, पी.एल.ओ.एस. वॉन, अमेरिकन जर्नल, ऑफ ह्यूमन जेनिटिक्स,आर.बी.एन.ऑन लाइन, इंडियन जर्नन ऑफ मेडिकल रिसर्च, एन्ड्रोलोजिआ, फर्टिलिटी एण्ड स्टीरीलिटी, मीटोचोन्ड्रिअन, बी एम जी केस रिपोर्ट, एन्ड्रोलोजिआ,जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक न्यरोलॉजी, जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक बॉयोकेमिस्ट्री, इंडियन जर्नन ऑफ उरोलॉजी,जेनिटिक्स एण्ड मालीक्यूनर रिसर्च, करेंट पडिएट्रिक्स रिसर्च, ह्यूमन रिप्रोडक्शन, एक्सपर्ट रिव्यूज इन गायनेकोलाजी एण्ड ओब्सट्रीटिक्स, एशियन जर्नल ऑफ एन्ड्रोलाजी ,इंडियन जर्नल ऑफ बायोकेमेस्ट्री एण्ड बायो– फिजिक्स, ब्रेस्ट केंसर रिसर्च एण्ड ट्रीटमेंट तथा डीबीटी, आई सी एम आर, इन्डो–यू एस साइन्स एण्ड टेक्नालॉजी फोरम तथा वेलकम ट्रस्ट के लिए समीक्षक, अनुवांशिकी पर तीन एम डी तथा 2 पी एच डी शोधों का मूल्यांकन किया; नवम्बर 2011 को, जी एन डी यू मे एड्वांस जेनेटिक्स पाठ्यक्रम के लिए तथा अगस्त 2011 को, रोहतक की पंडित बी डी शर्मा विश्वविद्यालय मे बी एस सी जेनेटिक्स मे बाह्य परीक्षक क रूप में कार्य किया; एम्स कम्बोकेशन, एम्स संस्थान दिवस प्रदर्शनी तथा सांस्कृतिक संध्या, तथा एन्टीरैगिंग समिति के लिए कोर समिति सदस्य; रीकॉम्बीनेन्ट जी एन ए. रिसर्च पर इन्स्टीय्यूट बॉयोसेफ्टी समिति के सदस्य; स्वायत्त संस्थानों मे अनुसंधान कार्यो के स्तर मे सुधार को देखने के लिए संस्थान समिति के सदस्य; टेलोमयर तथा एजिंग तथा किस तरह लॉइफ स्टाइल मे सुधार । परिवर्तन से रीप्रोडक्टिव, हैल्थ में बहुत अधिक सुधार पर टाइम्स ऑफ इंडिया मे लेख ; अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एन्ड्रोलाजी, मोन्ट्रिअल, कनाडा की 36 वीं बैठक मे, दादा. आर. रोल ऑफ फॉदर इन आर एस ए के लिए 2011 एन आई एच पुरस्कार प्राप्त किया; 3–5 मार्च 2012, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ ,भारत में जेनेस, जेनेटिक्स तथा जेनोमिक्स पर टूड एण्ड टूमारो – ह्यूमेन कंसर्न्स, इंडियन सोसाइटी ऑफ ह्यूमेन जेनेटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, दादा. आर. स्पर्म्स मॉलीक्यूलर फैक्टर्स रो इन इडियोपैथिक इनफर्टिलिटी के लिए बेस्ट पोस्टर पुरस्कार।

डॉ. अरून्धती भार्मा–पूरे भारत मे डी एम कोर्स के लिए मेडिकल जेनेटिक्स पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए कोर समिति के विशेषज्ञ सदस्य सदस्य के रूप में कार्य किया; इसी के प्रतिपादन तथा तदनुसार संशोधन से जुड़ी रही जो कि एम सी आई मे जमा की गई; हारमोन केक विकास की कमी के आनुवांशिक आधार पर उनके के टीम वर्क को, पुणे मे, अंतर्राष्ट्रीय जूरी द्वारा स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया; भारत के गाइनेलाजिकल एडोक्राइन सोसाइटी [जी ई एस आई] के आजीवन सदस्य; जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के, मॉलीरक्यूलर ह्यूमेन जेनेटिक्स विभाग, आनुवांशिकी केक लिए बाह्य संकाय; आनुवांशिक परीक्षण की महत्ता का प्रयार–प्रसार करने के लिए स्वास्थ्य तथा चिकित्सा अनुसंधान पर कार्यशाला तथा संस्थान दिवस पोस्टर प्रदर्शनी मे भाग लिया; आनुवंशिकी के क्षेत्र मे एम बी बी एस विद्यार्थियों तथा वरिष्ठ संकाय को प्रशिक्षण दिया; जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर मे एम एस सी मॉलिक्यूलर ह्यूमन जेनेटिक्स के, प्रेक्टिकल तथा वायवा परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक; ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के पी एच डी शोध ग्रेथ, के बाह्य परीक्षक, डी बी टी टी तथा सी.एस.आई.आर. के लिए परियोजनाओं की समीक्षा की तथा राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स से लेखों/पेपरों की समीक्षा की ।

डॉ. रेनू ढींगरा–बीजिंग चीन में होने वाली आई सी पी 2012 के लिए, जनवरी 2012 मे अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान समिति की सदस्य चुनी गइ; एम्स की टीचिंग शेड्यूल समिति की सदस्य तथा डी.ए.एस.एम.ओ. एस; एम्स के अप्रत्यक्ष शिक्षण के लिए अकादमिक एडवाइजरी पेनल की सदस्य; विद्यार्थी आचरण के लिए नियमों हेतु समिति की सदस्य; जर्नन ऑफ इन्टर्नेशनन

सोसाइटी ऑफ ल्लास्टीनेशन, समीक्षक तथा सम्पादकीय बोर्ड की सदस्य; आई सी एम आर को प्रस्तुत अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षक।

डॉ.टी. सी. नाग फार्मेक्यूटिकल बॉयोलाजी तथा इंडियन जर्नल ऑफ आप्थेल्मोलॉजी के लिए समीक्षक; इन्टरनेशनल सोसाइटी फॉर आई रिसर्च, यू एस एस, के सदस्य है भारत मे, पुणे में, 1–3 दिसम्बर 2011 का, भारत की एन्डोक्राइन सोसाइटी के 41 वें वार्षिक सम्मेलन मे उत्तर भारत से आइसोलेटेड तथा कम्बाइन्ड पिट्यूटरी ग्रोथ हारमोन की कमी वाले रोगियों पर आनुवांशिक [जेनेटिक] अध्ययन : बिरला एस, ज्योत्सना वी पी, खादगावात आर, जैनवी, गर्ग एम के, शर्मा ए : पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ मोखिक प्रस्तुतिकरण के लिए एम.एस. सेठ मेडल से पुरस्कृत किया गया ।

डॉ.सरोज भार्मा –पी एच डी विद्यार्थी को, नई दिल्ली में, डी आई पी ए एस मे, 30 अक्टूबर–1 नवम्बर 2011 को, इंडियन अकादमी ऑफ न्यरोसाइन्स के 29 वी वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाहियों में : शर्मा एस, नाग टी सी, भारद्वाज डी, राय टी एसः ह्यूमेन कोक्ह्लीअर न्यूक्लीअस का स्टीरियोलाजिकल अध्ययन पर पेपर के लिए, सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतिकरण के लिए एस एस प्लामर पुरस्कार प्रदान किया गया।

9.3 जैव रसायन

आचार्य एवं अध्यक्ष

नीता सिंह

आचार्य

सुब्रता सिन्हा (प्रतिनियुक्ति पर) डी.एन.राव निभृति दास
एस.एस.चौहान एम.आर.राजेश्वरी

अपर आचार्य

पी.पी. चट्टोपाध्याय कल्पना लूथरा अल्पना शर्मा
कुंजगा चोसडॉल

सहायक आचार्य

एन.सी. चन्द्रा [तदर्थ]

विशिष्टताएं

- एम.बी.बी. एस विद्यार्थियो के लिए एक नवीन शिक्षण माड्यूल, आबजोक्टिवली तैयार की गई प्रेक्टिकल परीक्षा [ओ.एस. पी.ई] आरम्भ की गई।
- पॉच एम बी. बी. एस विद्यार्थियो को, जिन्होंने विभाग मे ग्रीष्म अनुसंधान प्रोजेक्ट किया है, डी एस टी द्वारा प्रतिष्ठित के वी. पी. वाई फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- विभाग मे 35 अनुसंधान परियोजनाएं चल रही है जो विभिन्न राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय एजेन्सियों यथा–डी बी टी, टी एस टी, आई सी एम आर, सी एस आई आर, डी आर डो ओ, इन्डो कनाडियन तथा इन्डो– यू.एस द्वारा रू. 12.68 करोड़ की राशि वित पोषित की गई।
- इन्डेक्स्ड राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय जरनलों में 49 प्रकाशन तथा 39 अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञानिक फोरा पर विभाग के संकाय ने अपने अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किए ।
- विदेशों के सुप्रसिद्व वैज्ञानिको द्वारा विभ्रग मे तीन अतिथि व्याख्यान दिए गए ।
- रोगियों के उपचार के लिए, निःशुल्क बहुत सारे ट्यूमर मार्कर परीक्षण किए गए ।

शिक्षा :

स्नातक पूर्व

विभाग ने अपना स्नातक–पूर्व शिक्षक कार्यक्रम जारी रखा, जिसमे एम.बी.बी. एस (दो सेमिस्टर), नर्सिग (एक सेमिस्टर) और बी. एस. सी (ऑनर्स नर्सिग), (एक सेमिस्टर), शामिल है। जैव रसायन संकल्पनाओं के स्व–निदेशित तथा संदर्भगत अधिगम को सुकर बनाने केलिए समूह चर्चाओं के लिए नए समस्याधारित माड्यूल शामिल किए गए हैं! पूर्व स्नातक विद्यार्थी अब चयनित आधारिक प्रतिरक्षा विज्ञानी तथा आण्विक जीव विज्ञान तकनीकों का निष्पादन बेंच स्तर पर करते है।

स्नातकोत्तर

इसमें 10 एम.एस.सी., 13 एम डी तथा पंजीकश्त 35 पी एच डी विद्यार्थी शामिल हैं ।

अल्पकालीन प्रशिक्षण

6–11 जून 2011 को बर्मा के दो डब्लू एच ओ फैलोज को दो सप्ताह का प्रशिक्षण दिया गया; 31 अक्टूबर ,22 नवम्बर 2011 को, कोरिया से चार डब्लू एच ओ फैलोज का प्रशिक्षण दिया गया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की ओर से एम बी बी एस के विद्यार्थियों को अनुसंधान मे ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण दिया गया। एम बी बी एस (प्रथम वर्ष), के ग्यारह विद्यार्थियों ने ग्रीष्म अंनुसंधान परियोजनाएं निष्पादित की। संपूर्ण भारत से आठ स्नातकोत्तर/पूर्व स्नातक विद्यार्थियो को अल्पावधि प्रशिक्षण दिया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. नीता सिंह : 4 **डॉ. डी. एन. राव : 10** **डॉ. निभृति दासः 5**

डॉ. एस.एस. चौहान : 1 **डॉ.एम.आर. राजेश्वरी : 1** **डॉ. पी. चट्टोपाध्यायः 1**

डॉ. अल्पना भार्मा : 1

अनुसंधान –
वित्तपोशित परियोजनाएं
पूर्ण

1. सर्वाइकल कैंसर के माउस मॉडल में अलग–अलग एडजुवें उपयोग करते हुए एच पी वी 16 से उत्पादित टी कोशिश प्रबल सिंथेटिक पेप्टाइड की इम्यून प्रक्रिया का अध्ययन करना/नीता सिंह/डीबीटी, 2008 –मार्च 2012 रू. 25.27 लाख।
2. पुरूषों मे एपिडिडिमल स्पर्मेटोजोआ की मार्फोलाजी, कार्यात्मक तथा क्रोमेटिन स्तर पर एपिडिडिमिस के दीर्घावधिक अवरोध के प्रभाव मूल्यांकन के लिए अध्ययन 1 डी .एन.राव। आई.सी. एम.आर., 2008–11, रू. 19.36 लाख ।
3. मल्टीपल एंडीजन पेप्टाइड मार्ग (एम ए.पी), जिसमें प्लेग टीके के नेनो कणों मे एफ –1 और वाई पोस्टिस के वी एंटीजन के बी.टी. कंस्ट्रक्ट निहित हैं ! डी.एन.राव, आई सी. एम आर, 2008–11, रू. 47.36 लाख ।
4. कोड के साथ जुड़े क्रानिक इम्यून एक्टीवेशन : हाइपोरेस्पान्सिवनेस तथा एनिग्री की भूमिका । डी. एन. राव, आई .सी. एम.आर., 2007–10, रू. 14.35 लाख ।
5. ट्यूमर सेल लाइन्स मे, मैकेनिजम ऑफ रेग्यूलेशन ऑफ ह्यूमेन डीपेंपटीडाइल पेपटीडेस–III एसपेंशन। एस. एस. चौहान, डी आर डी ओ, 2008–11 रू. 50.867 लाख ।
6. एच आई वी I के प्रोविरल डी एन ए से ग्रासित शिशु रोगी से , एच आई वी I वायरस के, रिवर्स ट्रास्क्रिप्टेस एण्ड प्रोटीएस जेनेसमे, ड्रग सलेक्टेड म्यूटेशन । कल्पना लूथरा, एम्स, 2010–12 रू. 2 लाख ।
7. सामान्य इन्फेक्शन मे एच आई वी I आवरण की विशिष्टताएंः इम्यूनोफोकसिंग वैक्सीन का विकास । कल्पना लूथरा, आइ सी एम आर, 2010–12 रू. 32 लाख।
8. एच आई वी I (क्लेड–सी) के ग्लाइकोप्रोटीन आवरण के विरूद्व साइट–सलेक्टेड मानव मानोक्लोनल एन्टीबाडीज का उत्पादन तथा विशिष्टताऍ । कल्पना लूथरा, डीबीटी, 2009–12, रू. 55 लाख।
9. मल्टी माइलोमा मे अतिरिक्त मैट्रिक्स प्रोटीन्स पर अध्ययन। अल्पना शर्मा, एम्स, 2009–11, रू. 2 लाख ।
10. इन्सुलिन, थारोजिन तथा बेन्जो–(ए) पाइरिने की उपस्थिति मे एल डी एल रिसेप्टर [एन डी एल आर] तथा ट्यूरम सप्रेसर प्रोटीन्स के बीच अभिव्यंजना तथा/या प्रतिलेखन पर एक तलनात्मक अध्ययन । एन.सी.चन्द्रा, एम्स, 2008–11 रू. लाख

11. ऐनइ न विट्रो साइलेसिंग ऑफ एन्डोजेनस ऑक्सीडाइजु –एल डी एल–रिसेप्टर (एल ओ एस– I) जेनी बाई एस आई आर एन ए : एन एफ –के बी एक्टीवेटेड एक्सप्रेशन ऑफ प्रोइन्फ्लेमेट्री साईटोकिन्स तथा संबंधित एथ्रोजिनिक प्रोटीन्स एन्टी इन्फ्लेमेट्री साइटोकिन्स मेडिकेटेड रिस्पान्सेस के विरूद्व इसका आकलन पर एक अध्ययन। एन.सी. चन्द्रा, डीबीटी, 2007–11, रू. 33.75 लाख।

जारी

1. मानव स्वास्थ्य पर गैर – आयोनाइजिंग इलेक्ट्रो मैग्ननेटिक क्षेत्रों (ई.एम.एफ) का प्रभाव –(नीता सिं, आई.सी.एम.आर, 2010–15, रू. 91.73लाख।

2. एच.पी. वी 18 चिमेरिक टीका प्रत्याशी का विकास । नीता सिंह ,डीबीटी, 2011–13, रू.23.85 लाख ।

3. विकसित कैंसर सर्विक्स के प्रंबंधन मे कुरकुमिन का आंकलन । नीता सिंह ,डीबीटी, 2006–12, रू 59 लाख ।

4. मानव स्वास्थ्य पर गैर – आयोनाइजिंग इलेक्ट्रामेग्ननेटिक क्षेत्र (ई.एम.एफ) का प्रभाव । डी.एन.राव. आई.सी.एम.आर, 2010–15, रू. 80.92 लाख।

5. इन्ट्रानेजन इन्लेक्टिबल पुरूष कान्ट्रासेप्टिव आर आई एस यू जी के साथ फेज III नैदानिक प्रयोग । डी.एन.रा. आई सी एम आर, 2008–12 रू. 6.46 लाख ।

6. वाई एस सी एफ एन्टीजन का प्रयोग करके प्लेग के लिए टीका विकसित करना । डी.एन.राव. आई सी एम आर, 2010–12, रू. 8 लाख ।

7. कोढ़ रोग अनुक्रम के दौरान, क्रोमाटीन रीमॉडालिंग द्वारा फॉक्स पी 3. मेडिकेटेड इम्यून सप्रेशन मेकेनिजम का आकंलन डी.एन.राव. आई सी एम आर, 2011–13, रू. 12 लाख।

8. चिकनगुनिया वॉयरस संक्रमण के लिए आई जी एम आधारित निदान का विकास करना डी.एन.राव. आई सी एम आर, 2010–12, रू. 10 लाख ।

9. चिकनगुनिया वॉयरस के ई–1, ई 2 तथा ई 3 प्रोटीन्स का क्लोन तथा प्रस्तुतिकरण करना तथा सबयूनिट टीका विकसित करने हेतु ,बी एवं टी सेल एपीटोप को पहचाननने के लिए इन क्रमों सिन्थेटिसाइज पेपटाइड स्पैनिंग । डी.एन.राव, डी आर डी ओ, 2011–14, रू. 36 लाख ।

10. दैनिक बनाम साप्ताहिक लौह अनुपूरण ले रही गर्भवती महिलाओं में आक्सीडेटिव तनाव का अनुमानन। डी.एन.राव. आई सी एम आर, 2011–13, रू. 17.15 लाख ।

11. उत्कट मलेरिया के प्रति पाथेफिजियालाजी तथा संवेदनीयता के संबंध मे कम्पलीमेंट रिसेप्टर टी. एन.एफ., नाईट्रिक आक्साईड तथा संबंधित जीन पोलीमाफिज्म । निभषति दास, आई सी एम आर, 2009–12, रू. 29.95 लाख ।

12. सिर तथा ग्रीवा कैंसर चिन्हांककों को नैदानिक परखों में अनुलेखित करना । एस.एस. चौहान, डी.बी.टी. [इंडो कनाडा], 2010–13 रू. 78.95 लाख ।

13. जीन विनियम की जीन रोधी कार्यनीति : डी एन ए. ट्राइप्लेक्सिस का निर्माण तथा स्थिरता तथा कोशिश रेखाओं मे एच एम जी ए आई अभिव्यक्ति पर उनका कैसररोधी क्रिया कलाप । एम आर राजेश्वरी, डी एस टी, 2010–13, रू. 53 लाख।

14. चूहा मॉडल प्रणाली का प्रयोग करते हुए हेपाटोमा में एक ग्राही टाइरोसिन किनेस सीमेंट की अभिव्यक्ति पर डी.एन. ए बाईडिंग लिगेड के प्रभाव संबंधी अध्ययन ।

15. प्लाज्मा मे परिवर्ती रूप से अभिव्यक्त प्रोटीन की परिचालनकारी कोशिश मुक्त एम आर एन ए. प्रजातियों का लक्षणीकरण तथा फ्रेड्रिक के अटाजिया के आण्विक पैथोजेनेसिस के साथ उसे सह संबंधित करना । एम.आर. राजेश्वरी, डी एस टी,आई सी एम आर 2010–13, रू. 28.80 लाख ।

16. एसीनेटोवेक्ट बाऊमनी के कार्बापेनेमरोधी स्ट्रेनों मे बी. लैक्टामेज की प्रवष्त्ता की पहचान तथा लक्षणीकरण । एम.आर. राजेश्वरी, डी एस टी,आई सी एम आर 2010–13, रू. 27.14 लाख ।

17. एच आई वी टीके के डिजाइन के लिए भारतीय तथा दक्षिण अफ्रीकी एच आई वी –I सबटाइप सी. वायरसों पर न्यूट्रलाइजिंग एन्टीबाडी एपीटोप्स की पहचान । कल्पना लूथरा , डी एस टी, 2011–14, रू. 68.4लाख ।

18. एच आई वी– I संक्रमित भारतीय बच्चों में एन्टीबाडी प्राति क्रिया को निक्रिय करना तथा आंनुवांशिक विविधता का लक्षण वर्णन । कल्पना लूथरा, आई सी एम आर, 2011–14, रू. 29 लाख ।

19. एच आई वी– I संक्रमण मे डेन्ड्रीटिक कोषों का प्रक्रियात्मक लक्ष्य वर्णन । कल्पना लूथरा , डी एस टी, 2012–15, रू. 37 लाख ।

20. गंभीर रूप से संक्रमित भारतीय शिशु / बाल रोगियों मे एच आई वी– I क्लेड सी एनवीलोप का विकास । कल्पना लूथरा, डी एस टी, 2012–15, रू. 19.89 लाख ।

21. संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों की थरेपी लक्षित जीन संचरण एवं दीर्घकालिक विशेष माड्यूलेशन के लिए जीन अभिव्यक्ति। पी. चट्टोपाध्याय । डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2009–12, रू. 51.50 लाख ।

22. ग्लियल ट्यूमरों तथा कोशिका रेखाओं की स्टेमनेस मे हाइपोक्सिया तथा पी –54 एच आई वी– I एक्सिस । पी. चट्टोपाध्याय डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2011–13, रू. 33.54 लाख ।

23. प्रोमीटर मीडिएटिड ट्यूमर सेल टार्गेटिंग बाई एस. आई. आर. एन. ए. मीडिएटिड जीन साइलेसिंग । पी. चट्टोपाध्याय डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2011–13, रू. 33.54 लाख ।

24. पार्थेनियम अभिप्रेरित संपर्क त्वचा रोग के रोगियों मे टी. कोशिकाओं मे टेलीमीरेस क्रियाकलापों तथा टेलोमीर लम्बाई तथा रोग की गंभीरता के साथ इसका सह–संबंध । अल्पना लूथरा, आई सी एम आर, 2008–12, रू. 34 लाख ।

25. मल्टीपल माइलोमा मे एंजियोजेनिक कारकों तथा साइक्लूजाइजिनेस की भूमिका । अल्पना लूथरा, आई सी एम आर, 2009–12, रू. 24 लाख ।

26. ऑटोइम्यून त्वचा विकारों : पेम्फिग्स वल्गेरिस के पैथोजेनेसिस में ए ए टी कोशिकाओं तथा इसके स्केंवेंजर ग्राही [एस सी ए आर टी] का अध्ययन । अल्पना लूथरा, आई सी एम आर, 2011–14, रू. 45.31 लाख ।

27. उपचार–I तथा उपचार –2 किस्म के साइटोकिन जीन पीलीमार्फिजम का अध्ययन तथा पोर्थेनियम अभिप्रेरित संपर्क त्वचा रोग के साथ उनका संबंध । अल्पना लूथरा, आई सी एम आर, 2010–13,रू. 25.33 लाख ।

28. माल्टिपल माइलोमा में , फिबुलिन– तथा नाइडोजन [एक्ट्रासेल्यूर माट्रिक्स प्रोटीन] के सर्कुलेटरी स्तरों का अध्ययन । अल्पना लूथरा, आई सी एम आर, 2011–12, रू. 2 लाख ।

29. मान ग्लियल टयूमेरीजेनिसिस मे ड्रोसोफिला ट्यूमर सप्रेसर जीन होमोलॉग, एफ ए टी की भूमिका का एक पात्रे अध्ययन । कुनजांग चोसडोल । डी आर डी ओ, 2008–12, रू. 46.42 लाख ।

30. टू एनालाईज दि लिंक बिटावीन कैंसर एण्ड इन्फलेमेशन बाई स्टडिंग दि इंटरएक्शन बिटवीन फैट– I एंड साइक्लूलाइजिनेस 2 [सी ओ एक्स ओ 2] एट दि लेवल ऑफ सिग्नल ट्रांसडक्शन सेल ग्रोथ प्रापर्टिज एण्ड एक्सप्रेशन ऑफ इन्फ्लेमेटरी माड्यूलेटर्स । कुनजांग चोसडोला डी एस टी, 2011–14 रू. 20.24 लाख ।

31. ग्लियोब्लास्टोमा मे हाईपॉक्सिया तथा नॉच सिग्नलिंग रु प्रतिकूल फोनोटाइप के लिए निहितर्थ । कुनजांग चोसडोला, आई सी एम आर, 2009–12 रू. 30.50 लाख ।

32. प्रमुख सल्यूलर विनियामक एवं अनुकूलनकारी पाथवेज के संदर्भ मे हाइपाक्सिया के प्रति अल्पावधि तथा दीर्घावधिक उदभासन के तहत ग्लियोब्लास्टोमा कोशिका लाइनों जीन अभिव्यक्ति की तुलना । कुनजांग चोसडोल, आई सी एम आर, 2009–12 रू. 30.50 लाख ।

33. अंतर कोशिका कोलेस्ट्रॉल होम्योस्टोसिस तथा कोशिश प्रोलिफिरेशन । एन सी चन्द्रा, परमाणु उर्जा विभाग, नामिकीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, , 2009–12 रू. 15 लाख ।

34. नामिकीय कोलेस्ट्रॉल तथा सामान्य तथा ट्यूमर कोशिका रेखाओं मे कोशिका चक्र प्रोटीनों की अभिव्यक्ति संबंधी अध्ययन। एन सी चन्द्रा, आई सी एम आर, 2009–13 रू. 30.48 लाख ।

35. कोलेस्ट्रॉल होम्योस्टोसिस, कोशिका प्रोलीफिरेशन तथा इम्यून प्रति क्रिया रे रेग्यूलेटरी आयामों पर डीमीथाई लार्सिनिक [ऐसिड डी एम डी] की मेटाबालिक भूमिका । एन सी चन्द्रा, आई सी एम आर, 2011–14 रू. 32 लाख ।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. हेपाटिटस बीवाइरस के विरूद्व पोटन्शिचली न्यूट्रिलाइनिंग रीकोम्बिनेन्ट एन्टीबॉडीज का उत्पन्न होना ।

जारी

1. सर्विकल कार्सीनोजेनेसिस की प्रगति एक कार्बन मेटाबालिज्म की भूमिका :अंर्तदर्षष्टि।
2. एपीथीलियल अंडाशय कैंसर मे मिटोकोड्रिया की भूमिका एक एनविवों तथा इन विट्रो अध्ययन ।
3. एपीथीलियल अंडाशय कैंसर मे उपचार के परिणाम के साथ आण्विक चिन्हांककों का विश्वलेषण तथा सह–संबंध ।
4. प्राथमिक एपिथिलियल अंडाशय कैंसर के इलाज के लिए एपाफप्टॉटिक मार्गो को लक्ष्य बनाना ।
5. एच पीवी 18 प्रत्याक्षी टीका प्रोटोटाइप का विकास ।
6. सर्विकल कैंसर कोशिकाओं मे मोरिंडा सिटरीफोलिया के कार्य के आष्विक प्रक्रम मे अंतदर्षष्टि ।
7. इंटरएक्शन ऑफ माइको बैक्टीरियम ट्यूबर कुलोसिस सीक्रेटरी एंटीजन ई एस.ए.टी 6 एण्ड सी ई पी.10 विथ कम्प्लीमेंट रिसेप्टर्स, कैल्शियम सिग्नलिंग एण्ड एंरी माइक्रोबियल फंशन्स ऑफ मैक्रोफिजीज ।
8. रूमेटायड आर्थिरिटीज के संबंध में रक्त कोशिकाओ में काम्पलीमेंट ग्राही 1 तथा 2 [सी आर 1 तथा सी आर 2] के स्तर।
9. एंडोथीलियल नाइट्रिक आक्साईड सिंघेज जीन पोलीमार्फिज्म एवं रूमेटायड आर्थिरिटीज।
10. उत्तरी भारतीय लोगों ए पीओ–ए 4 जीन पोलीमार्फिज्म [टी एच आर 347 एस आई आर तथा जी एल एन 360 एच आई एस] तथा कोरोनरी धमकी रोग के बीच संबंध।
11. रियूमेटाइड अर्थराइटिस के संबंध मे ल्यूकोसाइट कॉम्लीमेंट रिसेप्टर 1 और सी डी 59 [प्रोटेक्टिन]के अभिव्यक्ति और मॉड्यूलेशन ।
12. रूमेटाइड आर्थिरिटीज के पैथाफिजियालाजी एवं नैदानिक रोग क्रियाकलाप के संबंध मे कम्पलीमेंट रेग्युलेटरी प्रोटीन डी ए एफ [सी डी 55] तथा एम सी पी [सी डी 46] की अभिव्यक्ति तथा मॉड्यूलेशन ।

13. हमगल जीन के विभिन्न क्षेत्रों के साथ थर्मोडॉयनमिक स्टेबिलिटी ऑफ वाइन्डिग ऑफ ट्रीप्लेक्स फामिंग ओलीगोन्यूलीटाइड्स तथा हमगल हावभावों पर उसके प्रभाव ।

14. डी एन ए. कन्टेनिंग [जी ए ए] [या [सी ए जी] ट्रीन्यूक्लीओटाइड रिपीट्स तथा प्रोटीओमिक विश्लेषण इन फ्राइड्रिक्स अटाजिआ [एफ आर डी ए] तथा स्पाइनोसरीबलर अटाजिआ [एस सी ए] एसोसिएटेड विथ दीज रिपीट्स पर संरचनात्मक अध्ययन ।

15. असाइनीटोबेक्टर बाऊमान्नी की आंतरिक झिल्ली की कार्बापीनीमास [ब–लेक्टामास]तथा प्रोटीओमाइसेस पर जैव –रासायानिक तथा जैव –भौतिक अध्ययन ।

16. कैंसर मे, इन वाइट्रो स्टेबिलिटी या थर्मोडायनामिक्स ऑफ डी एन ए ट्रीपल हीलीसेस , एच एम जी बी –I पर लक्षित तथा एच एम जी बी –Iअभिव्यक्ति पर प्रभाव ।

17. एच पी वी 18 की ई–6 तथा ई –7 आनकोप्रोटीन्स की जीन अभिव्यक्ति का मॉडष्यूलेशन ।

18. एच आई वी 1 अभिव्यक्ति का डी एस आर एन ए मीडिएटेड मॉड्यूलेशन ।

19. एल्फा फीटोप्रोटीन प्रोमोटर का प्रयोग करते हुए लक्ष्य की गई थिरेप्यूटीज का विकास ।

20. ट्यूमर विशिष्ट लक्ष्य के लिए प्लेसेन्टल जैसे एल्कलाइन फास्फेट्स का प्रयोग ।

21. ग्लाइअल ट्यूमर कोशिका रेखा की आक्सीजन कन्सनट्रेशन, पी 53–एच आई सी 1 एक्सेज तथा स्टेमनेस विशिष्टताऍं।

22. एच आई वी. 1 क्लेड–सी वायरस की इम्यूनोलॉजिकल विशिष्टताऍं ।

23. इन्सूलिन के प्रतिरोधन मे पी पी ए आर वाई, आई आर एस –1 तथा टी एन एफ–ए का जेनेटिक पालीमर्फिजम तथा मेटाबालिक प्रो्इल के साथ उसका जुड़ाव ।

24. एच वाई वी –1 (क्लेड –सी) का एनवेलोप ग्लाइकोप्रोटीन के विरूद्व मानव एन्टीकाडीज का उत्पादन तथा विशिष्टताऍं।

25. एच आई वी –1 क्लेड सी के एनवलॉप जीपी के विरूद्व सिंगल चेन वेरिएबल रीजन [एस सी एफ वी एन्टीबाडीज का विकास तथा विशिष्टताऍं ।

26. एच आई वी –1 क्लेड सी के एनवलप ग्लाइकोप्रोटीन जी पी 160 की इम्यूनोलाजिकल विशिष्टताऍं ।

27. टी एच 1 तथा टी एच 2 साइटोकिन जीन पालीमाफिज्म इन पार्थीनियम इन्ड्यूज्ड कान्टेट डरमाटीटिस ।

28. पेम्फिगस वल्गेरीज मे टी एच –17 तथा टी रोग कोशिकाओं के साइटोकिन्स, ट्रांस्क्रिप्शन कारकों के मोकिन ग्राहियो तथा उनके लिगेंड का अध्ययन ।

29. ब्लैडर के ट्राजिशनल कोशिका कार्सीनो के रोगियों मे टी एच 17 कोशिकाओं के ट्रांस्क्रिप्शन कारक तथा साइटोकिन्स,की अभिव्यक्ति ।

30. मनव ग्लीएल ट्यूमर में एफ ए टी (ट्यूमर सुप्रेसर) पाथवे की विशिष्टताऍं ।

31. नॉच एवं संबंधित पाथवेजः ग्लीएल ट्यूमेरीजीनेसिसऔर इाईपोक्सिया मे उनका पारस्परिक प्रभाव।

32. हैपाटीटिस –बी वायरस के लिए रीकाम्बीनेंट इम्यून एन्टीबॉडी लाइब्रेरीज को विकसित करना तथा विशेष्टताऍं ।

33. ग्लीओमा एफ ए टी 1 तथा सूजन से संबंधित पाथवेज ।

34. ग्लीओब्लासटोमा मल्टीफॉर्मे मे जोच सिगनलिंग मालीक्यूल्स, एपीथीलिअल–मीसेन्चाइमल ट्रांजीशन (ई एम टी) मार्कर तथा एच आई एफ 1 अभिव्यक्ति एल्फा का अध्ययन तथा परस्पर संबंध देखना ।

35. एफ ए.टी. 1 तथा वाई ए पी 1: प्रक्रियात्मक परस्पर संबंध तथा ग्लीओमा कोशिकाओं के जीवित रहने तथा प्रचुरोद्भवन मे उसकी भूमिका ।

36. मनुष्य के मोटापे मे लेपटिन तथा संबंधित प्लाजमा रिस्क फैक्टर्स ।

37. प्रो एंटीइंफ्लेमेटरी साइटोकाइन्स पर आथ्सीकृत एल डी एल ग्राही का माड्यूलेशन और इसका प्रभाव ।

38. सामान्य प्रोस्टेट, मष्दु प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया तथा कार्सीनोमा प्रोस्टेट के मामलो मे सेल साइकल प्रोटीन [साइक्लिन ई तथा सी डी के 2] की अभिव्यक्ति तथा कोलेस्ट्राल होम्योस्टेसिसः एक प्रोयोगिक अध्ययन ।

39. सामान्य तथा गंभीर लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया के रोगियों के लिम्फोसाइट मे कोलेस्ट्रोल होम्योस्टेसिस की अंतदषष्टियॉ : एक मामला नियंत्रण प्रायोगिक अध्ययन।

40. चूहा मॉडल मे इम्यूनोजेन, मिटोजेन तथा रसायन कार्सीजेन का प्रयोग करते हुए टी–कोशिकाओं द्वारा इंट्रासेल्युअर कोलेस्ट्रोल तथा इम्यूनोजेनिक अनुक्रिया के पुनर्निवेशन विनियमन का अध्ययन ।

41. इम्यूनोजेन, मिटोजेन तथा रसायन कार्सीजेन द्वारा चहा मॉडल में बी कोशिका प्रयुरोभवन पर कोलेस्ट्रोल होम्योस्टेसिस तथा इम्यूनोजेनिक अनुक्रियाऍ ।

42. इंट्रा सेल्युलर कोलेस्ट्रोल होम्योस्टेसिस तथा साईकिल प्रोटीनों संबंधी अध्ययन ।

43. इंट्रा सेल्युलर कोलेस्ट्रोल होम्योस्टेसिस पर इन्सुलिन की मॉलीक्यूलर भूमिका ।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. स्तन कैंसर के रोगियों के सीरम में परिचालनकारी ट्यूमर,डी एन ए का मूल्यांकन [मेडिकल ऑन्कालाजी विभाग]

2. एम ए 10 कोशिकाओं पर कोबाल्ट क्लोराइट अभिप्रेरित हाइपॉक्सिया की भूमिका [प्रजनन जीव विज्ञान विभाग]

3. एसिनोबैक्टर बौमानी के बाहरी झिल्ली प्रोटीनों, बीटा लक्टामेस का प्रथक्करण और [विश्लेषण माइक्रोबाइलॉजी विभाग]

4. दंत निकासी तथा दंत रिफ्रेक्शन के दौरान जी सी एफ मे इंटरल्यूकिन 1 अल्फ के स्तरों का तुलनात्मक मूल्यांकन [दंत शल्य चिकित्सा विभाग]

जारी

1. तांत्रिका विज्ञानी विकारों फ्रेड्रिक अटाक्सिया तथा स्पिनियों सेरेवेलर अटाक्सिया 2,3,13के नैदानिक प्रोटियोमिक्स, सी ए एन तथा अन्य जैव रसायनी प्राचल [तांत्रिका विज्ञान प्रभाग]

2. हेमोरहाजिक शॉक रोगियो ंके निदान के लिए, थेराप्यूटिक एड्जेवेन्ट्स के रूप मे एस्ट्रोजेन की सुरक्षा तथा प्रभावात्मकता पर अध्ययन (ट्रामा सेंटर)

3. स्टेम सेल डिफरेसिएशन के माध्यम से इनवाइट्रो दषष्टिकोण तथा हेमोरहाजिक शॉक रोगियो ंके साथ ट्रामाविक्टिमों में रिकोम्बीनेंट ह्यूमन एराईथ्रोपोइटिन की भूमिका ।

4. मीटोचऑन्ड्रीअल सी एन ए, सीएनए तथा अन्य जैव रासायनिक पैरामीटर्स ऑफ न्यारोलाजिकल रिसआर्डर फ्राइड्रीच एटाजिआ तथा स्पीनियोसेरिबसर एट्राजिआ 2,3,12 [तांत्रिका विभाग]

5. गंभीर इसेचमिक स्ट्रोक के लिए ब्लड–बायोमार्कर्स के नैदानिक पैनल का विकास [तांत्रिका विभाग]

6. क्रिप्टोस्पोरिडम के पोषी पर जीवी अंतः क्रियात्मक प्रोटीनों का प्रोटियोमिक विश्लेषण [माइक्रोबायोलाजी विभाग]

7. उत्तर भारत से साल्मोनेला एंटेरिका सिरोटाइप टाइफी विभेंदो का लक्षणीकरण [माइक्रोबायोलाजी विभाग]

8. श्वसनीय घबराहट तथा श्वसनीय अपवर्तन के दौरान जी सी एफ मे इन्टरल्यूकिन के स्तरों का एक तुलनात्मक मूल्यांकन [दंत शल्य चिकित्सा विभाग]

9. प्लाजमोडियम वाइवैक्स ट्राइप्टोफैन रिच एन्टीजन्स का एक संरचनात्मक श्रेणीकरण [जैव प्रविधि विभाग]

10. पूरे कूल्हे के बदले जाने वाले रोगियों मे साइटोकिन्स तथा आस्टियोलिसेस के साथ उनके परस्पर संबंध का मूल्यांकन।

11. विटिलगो के मेलानोसाइट ट्रांसप्लांट किए गए रोगियों मे केट कोलामाईन्स का अध्ययन [त्वचा रोग तथा रतिज रोग विज्ञान विभाग, एम्स]

12. विटिलगो के मेलानोसाइट ट्रांसप्लांट विटिलगो के मेलानोसाइट ट्रांसप्लांट किए गए रोगियों मे केट कोलामाईन्स का अध्ययन [त्वचा रोग तथा रतिज रोग विज्ञान विभाग]

13. विटीलिगो में टी रेग्यूलेटरी कोशिकाओं पर अध्ययन [त्वचा रोग तथा रतिज रोग विज्ञान विभाग]

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 49 सार : 6 पुस्तकों मे अध्यायः 3

रोगी उपचार

टयूमर मार्कर–907

प्रोस्टेट स्पेसिफिक एन्टीजन – 42 नमूने

सी ई ए –––– 482 नमूने

सी ए 19.9 ––– 361 नमूने

ए एफ पी ––– 22 नमूने

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग के निम्नलिखित विद्यार्थियों ने पुरस्कार जीते :–

- **राजेश कुमार**, पी एच डी विद्यार्थी, सर्वोत्तम पोस्टर के लिए मेडल, 'जनरेशन एण्ड कैरेक्टराईजेशन ऑफ ह्यूमन मोनोक्लोनल सिंगल चेन वेरिएबल फ्रैगमेंटस अगेन्स्ट एनवलप थर्ड वेरएबल रीजन (V3) ऑफ एच आई वी –। क्लेड सी' शीर्ष पेपर, एच आई वी और संक्रमण रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी, 20–22 जनवरी 2012 ।
- **विवक आनंद,** पीएचडी विद्यार्थी, सर्वोत्तम पेपर पुरस्कार तथा ट्रेवल बुरसारी'ऑग्मेटेड टेलीमीरास एक्टीविटी एण्ड साईटोकिन्स इन टी एच सेल्स ऑफ पार्थेनियम डरमाटिटिस रोगी'विषय पर पेपर, एलर्जी तथा क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ऑफ यूरोपियन अकादमी(ईएएसीआई) , इस्टानबुल, टर्की, 11–15 जून 2011 ।
- **देवयानी आनंद**, पी एच डी विद्यार्थी मौखिक प्रस्तुतिकरण के लिए प्रथम पुरस्कार 'एसप्रेशन एण्ड सिग्निफिकेंस ऑफ काम्प्लीमेंट रिसेप्टर। टी एन एफ –ए. एण्ड आई एल–10 इन रेयूमाटोइड आर्थिरीटिस' विषय पर पेपर, ओपनिंग न्यू होराइजोन इन क्लीनिकल बायोकेमेस्ट्री पर संगोष्ठी (एसीबीआई दिल्ली चैप्टर) , नई दिल्ली, 21 जनवरी 2012
- **अल्बीना अंजुमन**, पी एच डी विद्यार्थी, पी एच डी स्कॉलर द्वारा सर्वोत्तम प्रकाशित कार्य के लिए डॉ. अरूण फोतेदार मेमोरियल एम्सोनियन पुरस्कार, 1 अक्टूबर 2011 तथा सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार, 'इवोल्यूशन ऑफ ए डबल–ब्लाइड ओरल कान्ट्रास्पेक्टिव (डी सोजेस्ट्रल एण्ड एथिनियल एस्ट्रोडियोल) ऑन द फंशनल इफेक्टिवनेस ऑफ लो डन्सिटी लिपोप्रोटीन

रिसेप्टर (एल डी एल आर) इन विट्रो' विषय पर पेपर, भारतीय फार्माकोलोजिकल सोसाइटी का 44 वीं वार्षिक सम्मेलन, मनीपाल, कर्नाटक, 19–21 दिसम्बर 2011

- सीमा चुग, एम एस सी की विद्यार्थी, सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार, 'रोल ऑफ टी एच 17 सेल्स इन ट्राजीशनल सेल कार्सिनोमा ऑफ यूरिनरी ब्लैडर' विषय पर पेपर, फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ एशिया ओसिएनिआ (एफ आई एम एस ए) की 5वीं कांग्रेस, नई दिल्लीः 14–17 मार्च 2012

आचार्य नीता सिंह को 2012–14 में केंसर अनुसंधान भारतीय एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया; क्लीनिकल जैव रसायन पर भारतीय जर्नल, सम्पादकीय बोर्ड की सदस्य थी, केंसर अनुसंधान के लिए भारतीय एसोसिएशन (दिल्ली चैप्टर) की सचिव, इन्टर्नेशनल यूनियन अगेन्स्ट केंसर (यूआईसी सी), अमेरिकन एसोसिएशन फॉर केंसर अनुसंधान (ए ए सी आर), इंडियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलाजिस्ट, भारतीय महिला वैज्ञानिक एसोसिएशन, फेफडों के केंसर पर भारतीय सोसाइटी तथा इंडियन सोसाइटी फॉर फ्री रेडिकल रिसर्च इन इंडिया, आई ए सी आर, ए सी बी आई की सदस्य बनी रही; डी एस टी की महिला वैज्ञानिक योजना की लाईफ साइन्सेस समिति के लिए विषय विशेषज्ञ/समिति सदस्य थी, सी सी आर एच विशेषज्ञ/वैज्ञानिक समति की सदस्य; एम्स की बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय समिति अस्पताल प्रबंधन समिति तथा एन्टीरैगिंग समिति की सदस्य; संस्थानिक एथिक्स समिति, जे एन यू, नई दिल्ली की सदस्य; जैव रसायन एन बी ई के लिए पेपर सैटर, माइरेटर तथा ऑनसाइट असेसर, एम सी आई निरीक्षक, ईएसआई कार्पोरेशन, नई दिल्ली में संकाय पदो ंके लिए चयन समिति की सदस्य; डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर, सीएसआईआर, सीसीआरएचएन, विज्ञान तथा प्रोद्योगिकी काउन्सिल, उ.प्र., इन्डो फ्रेंच, इन्डो यू एस के लिए परियोजना पुनरीक्षक; मालीक्यूलर तथा सेल्यूलर जीव विज्ञान, इनटल जे. गाइनिकोल केंसर, क्लीनिकल जैस–रसायन का भारतीय जर्नल, वर्तमान विज्ञान के लिए पुनरीक्षक; जे एन यू, मुंबई विश्वविद्यालय, केरल विश्वविद्यालय आदि के बाह्य परीक्षक; 'पोटोन्शियल टारगेट इन केंसर सर्विक्स' 'मैलिंगनेन्सी पर लक्षित थिरेपी भविष्य कहॉ है' पर 27 वीं रेनबैक्सी साइन्स फाउन्डेशन राउन्ड टेबल कान्फ्रेन्स, एम्स, नई दिल्ली, 12 नवम्बर 2011 में सत्रों की अध्यक्षता की; 26–29 जनवरी 2012 मे मुंबई मे इंडियन एसोसिएशन फॉर केंसर अनुसंधान की 31 वीं वार्षिक कन्वेंशन के संत्र मे सह–अध्यक्षता की ।

आचार्य डी एन राव तीन वर्ष के लिए एफ आई एम एस ए के उपाध्यक्ष चुने गए थे; भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान के सचिव चुने गए थे; वह सी ए एफ के प्रभारी अधिकारी थे तथा दिल्ली में विभिन्न संस्थानों के एथिक्स समिति सदस्य थे; विभिन्न बाहरी वित्त एजेन्सियों के परियोजना पुनरीक्षण सदस्य, एस ए सी सदस्य; विभिन्न मेडिकल कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में चयन समिति सदस्य ; एम्स तथा दिल्ली के अन्य संस्थानों के छोटे पशुओं , मनुष्य तथा स्टेम सेल के एथिकल समिति सदस्य ।

आचार्य निभृति दास भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसाइटी के खचांजी थे; सदस्य, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन; आई ए आर एस की कार्यकारी समिति; 17–.18 फरवरी 2012 को एम्स में कार्डियोवस्कुलर रिसर्च कनवर्जेस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मे एक सत्र की अध्यक्षता की; पीबीएल–आश्वासन तथा कमियां पर संगोष्ठी बनाम कार्यशाला के संयुक्त आयोजन सचिव; 17–18 फरववरी 2012 को एम्स, नई दिल्ली में, कार्डियोवसकुलर रिसर्च कनवर्जेस पर अंतर्राट्रीय सम्मेलन में 'वोस्कुलेचरः बेसिक बाईलॉजी टू इंजीनियरिंग' के सत्र की अध्यक्षता की; 21 फरवरी 2012 को एम्स, नई दिल्ली में 'समस्या आधारित अधिगमः आश्वासन तथा कमियॉ, के एल विज सीएमईटी,' पर कार्यशाला के एक सत्र में सह–अध्यक्ष।

आचार्य एस एस चौहान जैव आयुर्विज्ञान की भारतीय अकादमी के फाउन्डर उपाध्यक्ष चुने गए; सदस्य, अनुसंधान स्टाफ की केन्द्रीय चयन समिति, एपेस्स कान्डेमनेशन समिति, संस्थान दिवस आयोजन समिति तथा एम्स की जैव प्रौद्योगिकी शिक्षण सलाहकार समिति।

आचार्य एम.आर. राजेश्वरी को, 5–7 मई 2011 मे स्टासबाउर्ग फ्रांस की , एफ ए आर ए सम्मेलन में, पेपर प्रस्तुत करने पर, फ्राइड्रेच एटेक्सिया रिसर्च एलाइन्स, यू एस एं द्वारा फैलोशिप प्रदान की गई; कार्यकारी काउन्सिल, सोसाइटी ऑफ न्यूरोकैमिस्ट

ऑफ इंडिया (2012–15) के चुने हुए सदस्य; कार्यकारी समिति सदस्य, भारत की डी एन ए सोसाइटी; एम एच आर डी की एन एम ई आई सी टी पर स्टेंडिंग कमेटी, परियोजना पुनरीक्षण समिति (न्यूरोकैमिंस्ट्री), आई सी एम आर तथा यू जी सी की समितियॉ और एन ए बी एल की चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; एसोसिएट संपादक, जर्नल ऑफ इन्टीग्रेटेड ओमिक्स; बाल जैव रसायन पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के लिए पुनरीक्षक, प्लोसवन, मालीक्यूलर जीवविज्ञान रिपोर्ट पर जर्नल, मालीक्यूलर संरचना पर जर्नल, भौतिक रसायन पर जर्नल, मालीक्यूलर बायोसिस्टम्स, अमेरिकन रसायन सोसाइटी, डी एन ए तथा कोषिका जीवविज्ञान के पुनरीक्षक; आई सी एम आर के लिए परियोजना प्रस्ताव के पुनरीक्षक; दिल्ली विश्वविद्यालय तथा जे एन यू के पी एच डी तथा एम टेक शोध ग्रंथों के बाह्य परीक्षक; 4–7 जुलाई 2011 को बंगलोर में, विज्ञान के भारतीय संस्थान में, गणतीय जीवविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मे भाग लिया ।

डॉ. कल्पना लूथरा ने सर्वोत्तम मौखिक पेपर पुरस्कार जीता तथा 'न्यूट्रलाइजेशन ऑफ टायर–2 वायरसेस एण्ड एपीटोपे प्रोफाइलिंग ऑफ प्लाजमा एन्टीबॉडीज फ्राम सबटाइप–सी एच आई वी –। संक्रामित उत्तर भारतीयों : इम्प्लीकेशन्स फॉर एम पी ई आर निर्देशित एच आई वी –। न्यूट्रलाईजेशन' विषय पर पेपर जो 20–22 जनवरी 2012 को चेन्नै में, एच आई वी तथा संक्रामित रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी मे प्रस्तुत किया , पर मेडल प्राप्त हुआ ।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. रोमन रेड्डी गन्टा, प्रोफेसर , कन्सास स्टेट विश्वविद्यालय , मानहाटन, यू एस ए, ने 13 जून 2011 को 'इवेल्यूशन ऑफ एहर्लिचिया शाफिएन्सिस एडाप्टेशन टू वर्टिब्रेट एण्ड टिक होस्ट्स ' पर व्याख्यान दिया।
2. डॉ. जामिमुद्दीन अहमद, रोग विषयक जॉच विभाग, रॉकफैलर विश्वविद्यालय, न्यूयार्क , यू एस ए ने 'लिसन टू यूअर हार्ट! द लिंक बिटवीन टिशू फैक्टर एण्ड प्लैटलेट्स इन हार्ट अटैक एण्ड सडन डेथ' विषय पर 21 नवम्बर 2011 को व्याख्यान दिया।
3. डॉ. सुरेश अलाहारी ने 13 फरवरी 2012 को 'ब्रेस्ट कैंसर के बढ़ने में माइक्रो आर एन ए की महत्वपूर्ण भूमिका को समझना' विषय पर व्याख्यान दिया।

9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी

आचार्य एवं अध्यक्ष

आलोक आर. रे

आचार्य

स्नेह आनन्द | हरपाल सिंह

सह–आचार्य

वीणा कौल

प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी–I

निवेदिता के.गोहिल

वरिष्ठ डिजाइन अभियंता

एस.एम.के. रहमान

वैज्ञानिक

जे.सी. भारद्वाज

सेवा मुक्त फैलो

डी. मोहन

शिक्षा

प्रदत्त व्याख्यान/वैज्ञानिक प्रस्तुतिकरण

डी.मोहन – 7

एस. आनन्द – 1

हरपाल – 1

अनुसंधान

वित्तपोशित परियोजनाएं

1. मसल मे आर्निका मोनटाना की प्रभावोत्पादकता के लिए एक पॉयलर अध्यन। स्नेहआनन्द, सी सी आर एच, 2011:12, रू. 25 लाख ।
2. इन्डीजिनस नॉन इनवेसिव ब्लड ग्लूकोज मॉनीटरिंग तकनीकों का मूल्यांकन । स्नेह आनन्द, आई.सी.एम.आर., 2012–12, रू. 71.39 लाख ।
3. न्यूरोसर्जरी के लिए कम –कीमत वाले प्रभारी एन्डोस्कोपिक औजारों का विकास (वैन्ट्रिकुलर, इन्ट्र–क्रानियल तथा स्कूल–आधारित सर्जरी) स्नेह आनन्द डी एस टी 2012–15, रू. 86.03 लाख ।
4. आपात्कालीन तथा गहन चिकित्सा सेटिंग मे स्वास्थ्य चिकित्सा कामगारों कोजन संज्ञान की मानीटरिंग और चिकित्सा –त्रुटियों से उसका संबंध ।

5. स्टेनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन कार्यक्रम , ए.आर. रे डी बी टी, 2007–13 रू. 100.64 लाख,

6. प्रत्यारोपण और चिकित्सा उपकरणों का विकास । ए.आर. रे डी बी टी, 2007–11 (प्रगति पर) रू. 22.2 लाख,।

7. रक्त वाहिकाओं की ऊतक इंजीनियरी के लिए जैव अवक्रमणीय स्केफोल्ड का विकास । , 2007–11(प्रगति पर) रू. 26. 86 लाख,।

8. स्केफोल्ड बेस्ट कंट्रोल ऑफ कोन्ड्रोसाइट फेनोटाइप : टूवार्डस इंजीनियरी ऑफ इन वर्टेब्रल डिस्क टिशू । ए.आर. रे, डी एस टी, 2009–12, रू. 27.54 लाख ।

9. जैव चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए नेनोसिल्वर नेनोहाइड्रोजेल्स का विकास । डी बी टी, 2009–12,रू. 83.11 लाख,।

10. जैव मिश्रित स्केफोल्ड पर अस्थि ऊतक इंजीनियरी के लिए ओस्टियोब्लास्ट में से काइमल स्टेमसे का 3 डी– एक्सपेंशन और डिफरेशिएशन । ए.एन.रे, आई सी एम आर, 2010–13, रू. 20.12 लाख ।

11. इंटेलिजेंट नेनोपार्टिकल्स का प्रयोग करते हुए लक्षित ड्रग डिलिवरी द्वारा कॉम्बैट कैंसर पर एक बहु आयामी [मल्टी डिसिप्नेरी] दृष्टिकोण । वीणा कौल,डी बी टी, 2010–13,रू. 59 लाख

12. इलेक्ट्रोपोर्टेशन द्वारा रियोमेटोयड गठिया के उपचार के लिए ड्रग लोटेड नेनोपार्टिकल्स की ट्रांसडरमल डिलिवरी : एम कम्बीनेशनल दृष्टिकोण। वीणा कौल,डी बी टी, 2009–12,रू. 14.5 लाख

13. खाद्य जनक रोगाणुओं के तीव्र संसूचन के लिए प्रकार्यकष्त पोलीमेरिक सामग्री का विकास । हरपाल सिंह, डी एस टी, 2011–14, रू. 26.20 लाख ।

14. कैंसर जॉच तथा उपचार के लिए बहु प्रकार्यकष्त बायोग्रेडबल नेनोपार्टिकल्स (एन.पी. एस) नैनो क्रिस्टल्स का विकास । हरपाल सिंह, डी एस टी , 2011–14, 48.14 लाख ।

15. इंटरएक्शन ऑफ इंडोथेलियल सेल्स विद एडवांस्ड ग्लाईकेशन एण्ड प्रॉडक्ट्स । निवेदिता के गोहिल , सी एस आई आर, रू. 8.4 लाख ।

16. एच बी–ए जी ई का इसके ऑटोफ्लूरेसेंस का प्रयोग करते हुए अभिनव दीर्घावधिक ग्लाईसेमिक सूचकांक के रूप में नैदानिक परीक्षण । निवेदिता के गोहिल, डीबीटी, 33.7 लाख ।

17. खरगोसों की फैलोपीन ट्यूब में इम्प्लांट के रूप में आर.आई एस यू जी के दीर्घकालीन प्रभाव । जे.सी. भारद्वाज, आई सी एम आर, 201 –15 रू. 39.21 लाख ।

18. स्टीरीन मेलेयक एनीहाईड्राईड (एस एम ए) अनुप्रयोग के पश्चात् वैजीनल माइक्रोबियल फ्लोरा एवं शुक्राणुओं का मूल्यांकन। जे.सी. भारद्वाज , आई आई टी खडकपुर ,2010–12, रू. 2.42 लाख ।

19. सामान्य पुरूष तथा महिला वॉलेन्टीचरों के ह्दयमाटोलोजिकल तथा जैव रायायनिक मापदण्डों पर नॉन –ऑयानिजिग इलेक्ट्रोमेगनेटिक फील्ड (ई.एम.एफ) के प्रभाव । (आई सी एम आर सेलफोन टास्ट फोर्स अध्ययन का एक भाग) जे. सी. भारद्वाज आई सी एम आर, 2012–15,रू. 49.98 लाख ।

20. चूहों के एपिडीडाईमस तथा टेस्टीज मे आर आई एस यू जी अंतर्वेशन का प्रभाव । जे.सी. भारद्वाज, आई आई टी खडकपुर, 2011–12, रू. 3.06 लाख ।

अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अंतर विभागीय समन्वयन :–

1. मनुष्यों पर अनुसंधान, डॉ. डी एन राओ, जैव रासायानिक विभाग ।

2. खरगोशों पर अनुसंधान ,डॉ. संदीप माथुर, विकृति विज्ञान विभाग ।

3. जैव रासायनिक पैरामीटर, डॉ. ए. के श्रीवास्तव , प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग ।

4. चूहों पर अनुसंधान , डॉ. टी के. दास, शरीर रचना विभाग ।

प्रोद्योगिक स्थानान्तरण और पेटेंट

1. **स्नेह आनन्द**, यू. सिंह , राहुल रिबैरी, शक्ति श्रीवास्तव, आशुतोष मिश्रा, दीपक जोशी, रमनदीप सिंह, कोन्ट्रोलेटरल लिम्ब कन्ट्रोल्ड प्रोस्थेटिक घुटने का जोड़ (398 / डीईएल / 2012)

2. **निवेदिता के गोहिल**, जैव वैज्ञानिक द्रवों में धातुओं के मापन के लिए एक परीक्षण किए और विधि (पीसीटी / आईएन 2009 / 000696) ।

3. **वीना कौल**, मनीष जैसवाल । घाव को ठीक करने के लिए एक तिहरी सतह वाली पट्टी

4. **हरपाल सिंह** ,हीट सीलेबल कोटिंग्स ऑनट् पेपर फॉर एडहीसन विथ पी वी सी पॉलीएस्टर तथा पालिस्टीरीनी फिल्म्स फॉर पैकिंग एल्लीकेशन (तकनीक स्थानांतरित की कुमार प्रिंटर्स, ओखला, नई दिल्ली)।

5. **हरपाल सिंह**, पेसिलीन से 6–एमीनोपेसीलिनिक के उत्पादन के लिए फंशनलाइज्ड् एक्रीलिक्स पर एमीनोएक्लास का इम्मोबिलाइनेशन । (तकनीकी स्थानांतरित की, एसएल आर्थोबाओम्ड, फरीदाबाद, हरियाणा)

6. **हरपाल सिंह**, कूल्हें और घुटने के जोड़ों को जोड़ने के लिए एन्टीमाइक्रोबाइचल एक्रीलिक बोन सीमेंट, तकनीकी स्थानांतरित की, एसएल आर्थोबाओम्ड, फरीदाबाद, हरियाणा)

संस्थापित की गई मुख्य सुविधाएं /उपस्कर

अल्ट्रासेंट्रिफ्यूज , मेमेलियन टिशू प्रयोगशाला और जैल परमिएशन क्रोमेटोग्राफी ।

प्रकाशन

जरनल / पत्रिकाएं : 24

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में वैज्ञानिक प्रस्तुतियां

1. कोल वी, गुलाटी एन । इमेजिंग और कैंसर को टार्गेट करने के लिए तापमान संवेदनशील नैनोपर्टिकलों का आकलन । दूसरी नैनोट डे सम्मेलन, हवाई, यू एस ए, 11–15 दिसम्बर, 2011

2. जयसवाल एम, कोल वी । चर्म तंतुओ को पुनः पैदा करने के लिए, पॉली (एक्राइलिक एसिड–हाइड्रोक्जाईथाईल मीथाक्राइलेट) /जैलेटिन के हाइड्रोजल आधारित 3–डायमेन्शनल स्कैफोल्ड्स के मनो–रासायनिक तथा जीव वैज्ञानिक प्रोपर्टीज का आंकलन । चौथी इन्डो आस्ट्रेंलियन कान्फरेंस ऑन बायोमेटीरियल्स, टिशू इंजीनियरिंग तथा रीजनरेटिव मेडिसन । सोसाइटी ऑफ बायोमेटीलियल तथा आर्टिफिशियल आर्गन, वल्लम विधानगर, गुजरात, भारत,फरवरी, 2012 ।

3. गोहिल एन. के । हाइपोसिया तथा एड्वांस्ड ग्लाइकेटेडसिरम एल्बूमिन इन्ड्यूस्ड अभिव्यक्ति ऑफ एच आई आई एफ –एल ए इन ह्यूमन अम्बीकिलकल वेन एन्डोथीलियल सेल्स (एच यू वी ई सी), इंटरनेशनल यूनियन ऑफ बायोकैमिस्ट्री एण्ड मालीक्यूलर वायोलाजी मेरीडा, यूकाटन मैक्सिको के 13 वें अंतर्राष्ट्रीय के साथ सेल सिगनलिंग नेटवर्क सम्मेलन (सी.एस.एन 2011), 20–28 अक्टूबर 2011 ।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य डी. मोहन ने 1 जून 2013 को, यूनीवर्सिटी ऑफ दिलावर, निवार्क (डीई) यूएसए, से विशिष्ट कैरियर पुरस्कार प्राप्त किया; 25–27 अक्टूबर 2011 को, चीन में, बीजिंग में वार्षिक वोलवो अनुसंधान तथा शैक्षिक फाउन्डेशन कार्यशाला में भाग लिया; 12 अप्रैल 2012 को, जापान, टोकियों में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ट्रैफिक एण्ड ;सेफ्टी साइन्सेज (आईएटीएस एस) की

बैठक मे भाग लिया; 20–27 जनवरी 2012 को, स्पेन में पालमा में, इंटरनेशनल रिसर्च काउन्सिल ऑन द बायोमैकेनिक ऑफ इम्पैक्ट्स (आई आरसीओबीआई)की बैठक मे भाग लिया; 17–27 मई 2011 को, लेईपजिग , जर्मनी मे, द इन्टर्नेशनल ट्रांस्पोर्ट फोरम 2011 : ट्रासपोर्ट फॉर सोसाइटी मे भाग लिए; 30 जून 2011 को फांस मे, लियॅान में साइन्टिफिक कमेटी ऑफ डब्लूसीटीआरएस की बैठक मे भाग लिया ;20 वीं इन्टर्नेशनल सेफ कम्यूनिटी कान्फरेंस, फालम दरारना, स्वीडन की काउन्सिल बैठक मे भाग लिया तथा 1–16 सितम्बर 2011 को, पोलेंड में, क्रकाऊ मे, बायोमैकेनिक्स ऑफ इन्डयूरी(आईआरसीओबीआई) के सत्र की अध्यक्षता की ।

आचार्य ए. आर. रे ने , 27 फरवरी 2012 –1 मार्च 2012 को, यूनिवर्सिटी ऑफ वासेडा, जापान मे, बायोमैकेनिकल इंजीनियरिंग पर, एस डी एस टी जे एस टी वर्कशाप की बैठक मे भाग लिया।

डॉ.वीणा कौल ने 21–23 दिसम्बर 2012 को कोच्ची , केरल में, एनएएन ओबीआईओ, 2012 नैनोटेक्नालाजी ऐंट द बायोमैडिकल इन्टफेस पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मे भाग लिया।

डॉ. जे.सी. भारद्वाज ने रीप्राडाक्टिव हेल्थ विथ एम्फेसिस ऑन स्ट्रेंटीजीज फॉर फेमिली प्लानिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 19–21 फरवरी 2012 को, नई दिल्ली में, द इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रीप्रोडक्शन एण्ड फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ) की 22वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया; 11–12 नवम्बर 2011 को, नई दिल्ली में, एन आर डी सी तथा आई सी एम आर द्वारा आयोजित, इन्टलेक्चुअल प्रोपर्टी तथा इनोवेशन मैनेजमेंट इन मेडिकल रिसर्च पर कार्यशाला मे भाग लिया।

9.5 जैव भौतिकी

प्रतिष्ठित जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान आचार्य

टी.पी. सिंह

अपर आचार्य एवं अध्यक्ष

पुनीत कौर

अपर आचार्य

सविता यादव सुजाता शर्मा

सह–आचार्य

कृष्णा दलाल ए.श्रीनिवासन

वैज्ञानिक

शर्मिष्ठा डे एस.भास्कर सिंह आशा भूषण

शिक्षा

स्नातकोत्तर

संकाय तथा वैज्ञानिक पी.एच.डी. की उपाधि एम.एस.सी(जैव भौतिकी) तथा एम.डी.(जैव भौतिकी) के लिए विद्यार्थियों को पढ़ाने तथा उनका मार्गदर्शन करने मे सक्रिय रूप से कार्यरत हैं ।

अल्पावधिक तथा दीर्घावधिक प्रशिक्षण

एम्स से एम. बी. बी. एस. विद्यार्थियों को अनुसंधान मे ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया । पांच एम.बी.बी.एस. (प्रथम वर्ष) के विद्यार्थियों ने विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं मे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की किशोर वैज्ञानिक पुरस्कार योजना (के.वी पी आई) के लिए परियोजना कार्य का संचालन किया तथा चार विद्यार्थियों को फैलोशिप प्रदान की गई है । विभाग ने विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से एम .एस. सी. तथा एम. टेक विद्यार्थियो को दीर्घावधिक तथा अल्पावधिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया ।

कमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यालाएं /संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित सम्मेलन

1. संरचनात्मक जीव विज्ञान के वर्तमान प्रवषत्तियॉ –2012 2 अप्रैल 2012 , डॉ. सुजाता शर्मा ।
2. चिकित्सा शास्त्र में सूचना विज्ञान –16 –18 फरवरी, 2012 डा. पुनीत कौर ।
3. बेहतर कार्य परिवेश निर्माण के लिए सम्प्रेषण 2011, कार्यशाला–2011 , डा. सविता यादव ।

प्रदत्त व्याख्यान

टी. पी. सिंह –9

पुनीत कौर – 4

सविता यादव–1

सुजाता भार्मा–1

कृष्णा दलाल–3

प्रस्तुत पेपर/पोस्टर

1. मनीष महान, पल्लवी मनराल, मयंक सारस्वत, एन के. शुक्ला, ए.श्रीनिवासन, सविता यादव । प्लाउसिबल प्रोटीन मार्कर्स ऑफ स्कामोअस सेल कार्सिनोमा की पहचान कि लिए एक अध्ययन, ए.ए.सी. आर, वार्षिक बैठक 2012, मैक कोरामिक प्लेस, शिकागो, इलीनोइस, 31 मार्च–4 अप्रैल 2012
2. अनिल कुमार तोमार, बलविन्दर सिंह सूच, सरमान सिंह, सविता यादव । मानवीय सेमिनल प्लाजमा का कोनकानारलाइन ए बाइंडिग ग्लाइकोप्रोटीन्स का आईसीजेशन, पहचान तथा इन–सिलिकों विश्लेषण,परिवार नियोजन के लिए रणनीतियों पर जोर देते हुए प्रजनक स्वास्थ्य संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रजनन तथा जनन क्षमता पर अध्ययन के लिए भारतीय समाज की 22 वीं वार्षिक बैठक (आई एस एस आर एफ), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली 19–21 फरवरी 2012 ।
3. सरला नागलोट,समिष्ठा डे, कृष्णा दलाल । अवस्थमा की तीव्रता मे शिटिनेस–लाइक प्रोटीन पोलीमोर्फिसेम्स की भूमिका, बिमारियों के बायोमार्कस –लक्षण तथा चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन , जवाहरलाल नेहरू इन्सटीट्यूट ऑफ इएड्रवांस स्टडीज (जे एन आई ए एस), हैदराबाद, 24–25 फरवरी 2012 , द्वितीय सर्वोत्तम पेपर प्रस्तुतीकरण से पुरस्कृत ।
4. प्रियंका वर्मा, कृष्णा दलाल, भारतीय जनसंख्या में घुटने की आस्टियोआर्थिराइटिस (गठिया) में सीरम कार्टिलेज ओलीगोमिरिक मैट्रिक प्रोटीन (सी एम एम पी)के स्तर, बिमारियों के बायोमार्कस लक्षण तथा चुनौतियो पर राष्ट्रीय सम्मेलन, आस्टियोआर्थिराइटिस जवाहरलाल नहेरू इन्सटीट्यूट ऑफ इएडवांस स्टडीज (जे एन आई ए एस), हैदराबाद , 24–25 फरवरी 2012।
5. प्रियंका वर्मा, कृष्णा दलाल । ए डी एम टी एस–4 तथा ए डी एम टी एस–5 की एन्जाइम्स इन आस्टियोआर्थिराइटिस, लेनजोऊ इन्टरर्नेशनल फोरम ऑन क्लीनिकल मेडिसन डिवलप्मेंट, लैजोऊ, चीन, 28–30 अक्टूबर– 2011 ।
6. प्रियंका वर्मा, कृष्णा दलाल । भारतीय जनसंख्या में घुटने की आस्टीयोआर्थिराइटिस में सीरम कार्टिलेज ओलीगोमिरिक मैट्रिक प्रोटीन (सी एम एम पी)के स्तर,हड्डियों पर मॉसपेशियों तथा जोड़ों की बीमारियों (बी एम जे.डी) में कानसेस्स तथा डायबिटीज पर वर्ल्डकांग्रेस , सेंटर कोनवसेन्सिओन्स इन्टर्नेसियोनल बार्सिलोना (सीसी आई बी) , ल्लाका दे विल्ली ब्लान्डेट, बार्सिलोना , स्पेन, 19–22 जनवरी 2012।
7. कृष्णा दलाल, ई डी बी मरान, के जी वर्मा, एम त्रिपाठी, एस. महाजन । डायबिटीज के लिए उपचार तथा विकसित तकनीकों पर 5वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन , बार्सिलोना, स्पेन , 8–12 फरवरी, 2012

8. अनुसंधान

वित्त पोशित परियोजनाएं

जारी

1. प्रोटीन संरचना निर्धारित तथा औषध अभिकल्प, डा. डी.पी. सिंह, जैव प्रोद्योगिकी विभाग, रू. 55 लाख, 2009–14 ।
2. आई सी एम आर के जैव चिकित्सा सूचना विज्ञान केंद्र , डा. पुनीत कौर आई सी एम आर, रू. 80लाख , 2006–12 ।
3. पेपिडोग्लाईकेन रिकोग्निशन प्रोटीनों के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, डा. पुनीत कौर , डी टीएस, रू. 32.5 लाख, 2006–11 ।
4. मानवन सेमिनल प्लाजमा मे हेपरिन बाइंडिग प्रोटीनो का शुद्विकरण , जैव रसायन तथा कार्यात्मक लक्षण वर्णन , सविता यादव, डी बी टी, 2008–12 ।

5. साइजिगिम , कुमीनी बीजों से एन्टी डायाबिटिक प्रोटीन का पष्थक्कीकरण तथा शुद्विकरण। सविता यादव (मेंटर के रूप में), डी एस टी 2010–13।

6. लाजीनीरिया साईसीरारिया के बीजों से शुद्विकरण, एन बी एस–एल आर आर प्रोटीनः वर्गीकरण तथा अनुक्रियात्मक अध्ययन।सविता यादव (मेंटर के रूप में), डी एस टी 2010–15।

7. एन्टीफगल प्रोटीन को अलग तथा शुद्व करने के लिए साइट्रूलस लानाटुस प्रोटीओमी की स्क्रीनिंग पर्यावरण प्रदूषण के एड रिडक्शन के लिए , बायो– फांजिसाइड्स के फार्मुलेशन की ओर एक कदम। सविता यादव, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, 2012–15।

8. एच ई 4 : मानव प्रजनन में एक सशक्त बहुमुखी भूमिका, सविता यादव, डी एस टी, 2012–15।

9. परंजीपेट्ट ई तट के साथ मोल्लस्क से शेल प्रोटीन्स की विविधता, (भारत का पूर्वी समुद्रतट), ए श्रीनिवासन

10. प्रोटीन इन्ट्रेक्शन ऑफ एल्जीमर्स पेप्टाइडः पिकिंग दोज रेलिवेन्ट टू पैथोजनिसिस। ए. श्रीनिवासन, आई सी एम आर, रू. 29.19 लाख।

11. आर एम एस यू जी इन्जक्टेउ बनाम एन एस सी विषयों के साथ मानव उपचारित मे स्पर्मस प्रोटीन्सव, लिपिड्स तथा स्पर्म के फंशनल पैरामीटरों की अभिव्यक्ति : एक तुलनात्मक अध्ययन। ए श्रीनिवासन, आई सी एम आर, रू. 14.94 लाख।

12. लेक्टोपेरोक्सिडेस के संरचनात्मक और कार्यात्मम अध्ययन। सुजाता शर्मा, डी एस टी , 2012–15 रू. 19.9 लाख ।

13. लैक्टोफरिन के सी –टर्मिनल हॉफ सी लोब की सरंचना तथा प्रकार्य एवं एन एस ए आइ डी अभिप्रेरित गेस्ट्रोपेथी को कम करने के लिए एक एजेंट के रूप में इसका अनुप्रयोग। सुजाता शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, रू. 42 लाख, 2011–2014।

14. एलर्जेनिक रोधी औधधियों की खोज मेः एलर्जेनिक रोधी लिजेंडों के संरचना धारित डिजाइन एवं पौधा एलर्जेनों के आण्विक सरंचना कार्य अंतर संबंधों का निर्धारत सुजाता शर्मा, आई सी एम आर, रू. 29.3 लाख , 2011–14।

15. सी ओ एक्स–2 / एल ओ एक्स के विरूद्व एक स्तन कैंसर रोधी एजेंट के रूप मे नवीन पेप्टाईड प्रतिषेधक का डिजाइन तथा मूल्यांकन, शार्मिष्ठा डे, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान काउन्सिल, 2011–13

16. ओरल कैसर मे बायोमार्कर के रूप में पी 38 ए मीटोजेन एक्टीवेटेड प्रोटीन कीनासे का विकास, शार्मिष्ठा डे, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान काउन्सिल , 2010–13।

17. एन्टीमाइक्रोबाइल , एन्टी–इन्फ्लेमेटरी तथा एन्टी– कैसर के तत्वों वाले पौध स्रोतों से सेमेडिसनल प्रोटीन पृथमक्कीकरण, शुद्विकरण तथा विशिष्टताऍ, शार्मिष्ठा डे, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान काउन्सिल , 2012 –14 ।

18. इन्टरेक्टेबल एपिलेप्सी वाले रोगियो के लिए रिफ्लेक्सोजॉजी थिरेपी की प्राभावात्मक तथा सुरक्षा का निर्धारण : बहु–केद्र याद्वाच्छिक क्लीनिकल ट्रायल। कृष्णा दलाल डी बी टी, रू. 139–80 लाख।

पूर्ण

1. सेमिनल प्लाजमा से मिलने वाले नए प्रोटीनो का पष्थक्कीकरण, शुद्विकरण और संरचनात्मक एवं कार्यात्मक लक्षण वर्णन , सविता शर्मा, डी एस टी, 2008–12।

विभागीय परियोजनाएं

1. मॉलीक्यूलर मॉडलिंग तथा संरचना आधारित लिगैड डिजाइन ।
2. भारतीय रोगियो मे देखी गई म्यूटेशन्स पर आधारित ऑकडे ।

3. विष तथा पौधा एलर्जेनो के संरचनात्मक तथा कार्यात्मक अध्ययन।

4. एन एस ए आई डी – इन्ड्यूस्ड गैस्ट्रोपेथी को कम करने वाले एजेन्टों का संरचनात्मक तथा कार्यात्मक अध्ययन।

5. प्रोटीन्स जो ब्रेस्ट कैसर कोशिकाओं का उपचार करते है के विरूद्व संरचना आधारित ड्रग डिजाइन।

6. ज्वलनशील विकारों के विरूद्व सरंचना आधारित औषधि डिजाइन।

7. लैक्टोफेरीन तथा इसके खण्डों एवं लिजेड डिजाइन का संरचनात्मक अध्ययन।

8. गभीर आस्ट्रोआर्थिराइटिसं दर्द से ग्रस्त रोगियों के प्रबंधन मे रिफ्लेक्सोजॉजी की प्रभावात्मकता का निर्धारण।

9. हाइपरटेंशन रहित या वाले ,डाइबिटिक नैफ्रोपैथी से पीड़ित रोगियों के प्रबंधन म्रे फॉाकोलॉलीकल थिरेपी के स्थान पर रिफ्लेक्सोजॉजी की प्रभावात्मकता का निर्धारण।

10. इनरेक्टेबल एपीलेप्सी वाले बच्चो मे अनुबद्व थिरेपी के रूप मे रिफ्लेक्सोजॉजी का मूल्यांकन ।

11. स्पास्टिक सेरीबरल फैलसी वाले बच्चों मे अनुबद्व थिरेपी के रूप मे रिफ्लेक्सोजॉजी का मूल्यांकन ।

12. भारतीय अस्थमा वाले रोगियों में वाई के एल 40 के उत्पादन का प्रभाव तथा सी एच आई 3 एल 1 मे आनुवंशिक विभिन्नता की जॉच।

13. आस्टियोआर्थिराइटिस मे कार्टिलेज ऑलीगोमिरिक मैट्रिक्स प्रोटीन (सी ओ एम सी) के स्तर का अनुमान करना तथा आस्टियोआर्थिराइटिस की तीव्रता को नियंत्रित करने के लिए एक इन्हीबीटर की डिजाइनिंग करना ।

14. ए सी ई कोडिंग तथा डी जी एम के साथ प्रोमोटर रीजन गाइनी पॉलीमाफिजम का संबंध ।

15. त्नाव से संबंधित बायो–मालीक्यूल्स का अनुमान तथा माइल्ड कॉगनीटिव इम्पेयरमंट डीमेंटिया वाले व्यक्तियो मे उनका सहयोग।

16. आप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी, आप्टीकल इमेजिंग तथा रमन स्प्रेक्ट्रोस्कोपिक तकनीको द्वारा रिफ्लेक्सोजॉजी क्षेत्रों की मल्टीमोडल विशेष्टताऍ ।

सहयोगी परियोजनाएं

1. क्रासब्रीड बैलों मे इनफर्टिलिटी : फर्टिलिटि के पूर्वानुमान के लिए स्पर्माटोजेनिक सेल मार्कर्स के लिए खोज, कृषि अनुसंधान की भारतीय काउन्सल (आई सी ए आर), एन डी आर आई ,करनाल, 2012–16

प्रकाशन

जर्नल – 25

रोगी उपचार

रोगी उपचार के लिए विभाग द्वारा निम्नलिखित सेवाऍ कराई गई है:–

1. प्रोटीन एन. टर्मिनल सीक्वेंसिंग।

2. रिसेप्टर – लीगेंड बाइंडिग स्टडीज–बाईकोर

3. पेपटाइट सिथेसिस

4. छोटै मालीक्यूल्स के लिए एक्स –रे इनटोन्सिटी डाटा एकत्रीकरण ।

5. मैक्रो मालीक्यूल्स के लिए एक्स – रे इनटोन्सिटी डाटा एकत्रीकरण ।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य टी. पी. सिंह को 2011 मे आई एन एस ए का जवाहरलाल नेहरू बर्थ सेन्टेनेसी पुरस्कार, नरई दिल्ली, प्राप्त हुआ; भारत की इन्स्ट्रूमेंटेशन सोसाइटी का वार्षिक पुरस्कार, बंगलौर–2011 प्राप्त हुआ ; ब्रह्मराज , वाई टी थापाचारी अवार्ड फॉर लाइफ साइन्सेस, मैसूर, 2011 प्राप्त हुआ**;** सदस्य , गवर्निंग बोर्ड, डी ए ई – यू जी सी कोन्सोर्टियम फॉर साइन्टिफिक रिसर्च, इंदौर, 2011–13, सदस्य, गवर्निंग काउन्सिल , भारतीय सौखिकीय संस्थान, कोलकाता 2011–12**;** क्राइस्टालोग्राफी पर 40 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र की अध्यक्षता तथा आयोजन , हैदराबाद , 26–28 नवम्बर 2011

डॉ. पुनीत कौर ने क्राइस्टोग्राफी पर 40 वी राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र की अध्यक्षता की , हैदराबाद, 26–28 नवम्बर 2011,

डॉ. सुजाता भार्मा को कैरियर विकास के लिए (2011) राष्ट्रीय जैव वैज्ञानिक पुरस्कार, जैव प्रौद्यागिकी विभाग, भारत सरकार, दिया गया ।

डॉ. कृष्णा दलाल 2012 मे पीर रिव्यूअर इलेक्ट्रानिक्स तथा आप्टोइलेक्ट्रानिक्स पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, शेनयांग, चीन, 27–29 जुलाई 2012, पश्चिमी बंगाल काउन्सिल ऑफ नैचुरोपैथी के सरकारी नामिती

अतिथि वैज्ञानिक

व्याख्यान देने तथा वैज्ञानिक कार्यक्रमों में सहयोग हेतु निम्न सुप्रसिद्व वैज्ञानिकों तथा प्रतिष्ठित अकादमीविदों ने विभाग का दौरा किया : आचार्य च. बेटजेल ,जर्मनी, प्रोफेसर फैजान अहमद ,नई दिल्ली ; प्रोफेसर पुष्कर शर्मा, नई दिल्ली ; डा. अजय के सक्सैना, नई दिल्ली; प्रोफेसर एम.एन.गुप्ता, नई दिल्ली; प्रोफेसर एन.के. गुप्ता,नई दिल्ली ; प्रोफेसर एम विजायान ,बंगलौर ; डा. किशन लाल, नई दिल्ली; डा. डी एम सालुके ,नई दिल्ली ;प्रोफेसर डी वेलमुरूगन ,चेन्नै ; प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, मैसूर ; डा. ए. अरोड़ा, लखनऊ।

9.6 जैव सांख्यिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
आर.एम. पांडे

आचार्य
एस. एन. द्विवेदी
(दीर्घावधिक अवकाश पर)

अपर आचार्य
वी. श्रीनिवास

वैज्ञानिक
आर.के. आहूजा
(दिसम्बर 2011 में सेवानिवृत्ति)

गुरेश कुमार एम. कलाइवानी

विशेषताएं

रिर्पोटाधीन अवधि में, एक छात्र को पी.एच.डी. की उपाधि दी गई। विभाग के पास 30 से अधिक सामान्यतः सहयोगी प्रकार की कमी जारी अनुसंधान परियोजनाएं थी; तथा संस्थान में विभिन्न केंद्रो/विभागों के पास 18 सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की। संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक एवं वैज्ञानिक समितियों में कार्य किया तथा वे आई. सी.एम.आर., डी.बी.टी, डी.एस.टी., आयुश की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के आमंत्रित सदस्य थे; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षणों के डाटा सुरक्षा मॉनीटरिंग बोर्डो(डी.एस.एम.बी.) में कार्य किया; अनुसंधान मेथोडोलॉजी एवं जैव सांख्यिकी पर विभिन्न कार्यशालाओं में देश भर में 30 से अधिक आमंत्रित व्याख्यान दिए; तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों में परीक्षक नियुक्त किए गए। गत एक वर्ष में, विभिन्न सहकर्मियों द्वारा समीक्षित मेडिकल जर्नल्स में संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों के 87 अनुसंधान प्रकाशित हुए। संकाय सदस्य और वैज्ञानिक भारत में लगभग सभी प्रमुख मेडिकल पत्रिकाओं तथा मेडिकल की विभिन्न शाखाओं की कई अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल पत्रिकाओं के लिए समीक्षक बने रहे।

शिक्षा

विभाग ने पूर्व–स्नातक, पैरामेडिकल और स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रमों यथा विकिरण चिकित्सा विज्ञान में मेडिकल प्रोद्योगिकी में एम.बी.बी.एस. बी.एस.सी. (आनर्स) के लिए, एम. बॉयोटेक बी.एस.सी., एवं एम.एस.सी. नर्सिंग तथा एम.डी. (कम्युनिटी मेडिसिन) में "जैव सांख्यिकी एवं अनिवार्य शोध विधियों" के लिए शिक्षण जारी रखा। विगत की भांति रेजीडेंट्स पी.एच.डी. छात्रों तथा संस्थान में अन्य शोध स्टाफ के लिए "जैव सांख्यिकी विधियां एवं अनुसंधान कार्यप्रणाली के अनिवार्य तत्व" पर चौदह सायंकालीन कक्षाओं की श्रृंखला आयोजित की गई। अनुरोध पर, संकाय सदस्यों ने संस्थान में कई केन्द्रों/विभागों में रेजीडेंट्स, पी.एच.डी. छात्रों के लिए व्याख्यानों की श्रृंखला प्रदत्त की। अनुरोध पर, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने संस्थान में कई विभागों में विभागीय वैज्ञानिकों प्रस्तुतीकरणों में भाग लिया। विभाग में पी.एच.डी. छात्रों को गाइड करने के अतिरिक्त, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने संस्थान में अन्य विभागों की अकादमिक गतिविधियों में सह–गाइड, पी.एच.

डी., डी.एम., एम.सी.एच. और एम.डी./एम.एस. छात्रों की डॉक्टोरल समिति सदस्योंके रूप में सहयोग किया। आंकड़ा प्रबंधन तथा सांख्यिकी विश्लेषण का क्षमता निर्माण करने के उद्देश्य से संस्थान के पी.एच.डी. छात्रों, कम्यूनिटी मेडिसिन में एम.डी. के छात्रों तथा डी.एम. ऑनकालोजी के छात्रों के लिए 3–6 दिन की अवधि के लिए "हैंडस ऑन ट्रेनिंग इन यूजिंग एस.टी.ए.टी.ए." संबंधी चार कार्यशालाएं आयोजित की गई। विभागीय संकाय तथा वैज्ञानिकों ने देशभर में विभिन्न राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सम्मेलनों में 30 से अधिक आमंत्रित व्याख्यान भी दिए। सांख्यिकी में एक स्नात्तकोत्तर छात्र ने विभाग में छः माह की अवधि का अल्पकालीन प्रशिक्षण पूर्ण किया।

सी.एम.ई./कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आर. एम. पांडेः 8
एस.एन. द्विवेदीः 7
वी.श्रीनिवास : 4
गुरेश कुमार : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. जन्मजात हाइपोथाइरॉयडिज्म तथा जन्मजात एड्रेनल हाईपरप्लासिस–एक मल्टीसेंट्रिक अध्ययन; डाआ कोआर्डिनेटिंग सेंटर। आर.एम. पांडे, आई.सी.एम.आर., 2007–12, 13.0 लाख रू.।
2. हेपाटाइटिस सी–द इंडियन फेस (।। केन्द्र अध्ययन का राष्ट्रीय समन्वयन, ब्रिस्टल मायर्स स्किवब फाउंडेशन), वी. श्रीनिवास।
3. एम्स के संकाय की अनुसंधान आउटपुट क्वांटिफाई करने हेतु अध्ययन। वी.श्रीनिवास, एम्स।

पूर्ण

1. एच.बी.वी. संबंधित कम्पनसेटिड सिरोइसिस में एडेफोविर एडेफोविर+लेमीवूडिन तथा एडेफोविर एवं ग्लीसिरीजिन के सम्मिश्रण का मल्टीसेंट्रिक रैन्डोमाइन्ड नियंत्रित परीक्षण (सात सेंटर परीक्षण का समन्वय, आई.सी.एम.आर. द्वारा वित्तपोषित), वी. श्रीनिवास।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एम्पार्वड कार्य समूह राज्यों में शिशु और पांच वर्ष से कम के बच्चों में मश्त्युदर रूझान, विभेदी और नियोनेटल के निर्धारक।
2. सिर में चोट लगे ट्रॉमा रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और अस्पताल में मश्त्यु का निर्धारण करने हेतु समुचित सांख्यिकीय मॉडलों संबंधी अध्ययन।
3. भारत में नियोनेटल तथा नियोनेटल के बाद मश्त्यु से संबंधित जोखिम कारकों का पता लगाने के लिए बहु–स्तरीय मॉडलिंग।

पूर्ण

1. गंभीर लिवर फेल्योर के सरवाइवल में कॉक्स–अनुपातिक हेजर्ड मॉडल, पैरामेट्रिक अनुपातिक हेजर्ड मॉडल, तथा एक्सेलरेटिड फेल्योर टाइम मॉडल्स की तुलना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पैथोजीनिसस आफ प्री–एक्लम्पसिया में सरकुलेटिंग एंजियोजेनेटिक फैक्टर्स की भूमिका (एनॉटमी विभाग)
2. चाइल्डहुड नेफरॉटिक सिंड्रोम में रेनल पैथोजीनिसिस के लिए फ्ल्यूरॉयड टॉक्सिटी की भूमिकाः एक अल्ट्रास्ट्रकचल, जैव रसायनिक एवं प्रोटिओमिक अध्ययन (एनॉटमी विभाग)
3. गर्भावस्था के दौरान कठिन इनटयूबेशन के प्रीडिक्टर्स में परिवर्तन संबंधी अध्ययन (एनेस्थीसिया विज्ञान विभाग)
4. सर्वाइकल कार्सिनोजीनिसिस के प्रोगेशन में वन–कार्बन मेटाबॉलिज्म की भूमिका में इनसाइट (जैव रसायन विभाग)
5. वायरल का दबाव कम करने तथा बाह्य जेनीटल वार्टस के नैदानिक समाधान में वैक्सीन के साथ मश्त बाइकोबैक्टीरियम एवं इमीक्वीमॉड क्रीम में इंट्रालेज़नल इंजेक्शन के साथ इम्यूनोथेरेपी की प्रभावकता का तुलनात्मक अध्ययनः एक यादश्च्छिक परीक्षण (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)
6. पोषक जोखिम कारकों के विशेष संदर्भ के साथ गालब्लेडर कैंसर की इपीडेमियोलॉजी (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी एवं मानव पोषण विभाग)
7. 3–5 वर्ष की आयु के बच्चों में आयरन–कमी से एनीमिया के सुधार में दैनिक आयरन फॉलिक–एसिड की पूरकता का प्रभाव (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी एवं मानव पोषण विभाग)
8. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में 6 माह से 60 माह की आयु के बच्चों में जिंक की कमी का मूल्यांकन (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी एवं मानव पोषण विभाग)।
9. अस्पताल में मर्त्यता से संबंधित जोखिम कारकों का मूल्यांकनः केस नियंत्रण अध्ययन (मेडिसिन विभाग)।
10. एच.आई.वी / एड्स के रोगियों में इंटेस्टिनल पैरासिटिक को–इंफेक्शन्स तथा सी.डी.4 काउंट, वायरल लोड तथा एंटीरेट्रोवायरल ड्रग रिजिसिस्टेंस (माइक्रोबायोलॉजी विभाग)।
11. दिल्ली तथा समीपस्थ क्षेत्र में रेडियोलेबल्ड एंटी सी.डी.20 एंटीबॉडीज 131 आयोडीन रिटक्सीमाब / 90 की थेराप्यूटिक प्रतिक्रिया का मूल्यांकन (माइक्रोबायोलॉजी विभाग)
12. दिल्ली और समीपस्थ क्षेत्र में गंभीर बैक्टीरियल मेनिंगजाइटेड के मामलों से पश्थक नेईसेरिया मेनिंगजाइटेड का मॉलीकुलर लक्षणीकरण (माइक्रोबायोलॉजी विभाग)
13. चाइल्डहुड इंट्रेक्टेबल एपीलेप्सी में शीघ्र बनाम देर से सर्जरी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (न्यूरोलॉजी विभाग)
14. कार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग (एफ.एम.आर.आई.) के प्रयोग से चिरकालिक इंट्रेक्टेबल एपीलेप्सी में जीवन की कोग्नीशन एवं गुणवत्ता का अध्ययन। (न्यूरोलॉजी विभाग)
15. स्पाइनल कार्ड चोटों के रोगियों में नींद की आवधिक लिंब मूवमेंट की व्यापकता एवं नमूने का अध्ययन (न्यूरोलॉजी विभाग)

16. चम्बकीय अनुनाद तकनीकों द्वारा मानव ब्रेस्ट कैंसर का अध्ययन। चुम्बकीय अनुनाद द्वारा (एन.एम.आर.) बहु सेलेरोसिस के प्रयोगात्मक मॉडल में डीमिलीनेटिंग घाव का पैथोफिजिओलॉजी का अनुक्रमिक अध्ययन (एन.एम.आर. विभाग)

17. नॉन–इनवेसिव डिटेक्शन में चुम्बकीय अनुनाद स्पैक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग (एम.आर.एस. आई) एंड डिफ्यूजन वेटेड एम.आर.आई. (डी.डब्ल्यू.–एम.आर.आई.), उपचार प्रतिक्रिया तथ ब्रेस्ट कैंसर में टयूमर मेटाबॉलिज्म का मूल्यांकन (एम.एम.आर. विभाग)

18. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में विभिन्न चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग तथा स्पैक्ट्रोस्कोपिक विविधयों की भूमिका (एम.एम.आर. विभाग)

19. ब्रेस्ट कैंसर के अध्ययन हेतु मल्टीपैरामीट्रिक एप्रोच तथा इसका मॉलिकुलर मार्कर के साथ सह–संबंध (एम.एम.आर. विभाग)

20. 177 एल.यू., डी.ओ.टी.ए.–टी.ए.टी.ई. के साथ न्यूरोएंडॉक्रीन टयूमर की रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी का डॉसीमेट्रिक अध्ययन (न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग)

21. इंडक्शन के अंत में फ्लो–साइटोमेट्री द्वारा बी–सेल लाइनेज एक्यूअ लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में मिनिमल रेजीडुअल रोग (एम.आर.डी.) का पता लगाना (बाल रोग विभाग)

22. पेडिएट्रिक नियोप्लास्म, न्यूरोब्लास्टोमा में एस.सी.एफ./सी.–किट जीनका जेनोमिक एवं प्रोटिओमिक विश्लेषण (बाल रोग सर्जरी विभाग)

23. स्पासटिसिटी में एल्पराजोलम के प्रभाव पर एक पायलट अध्ययन (भौतिक मेडिसिन एवं पुनर्वास विभाग)

24. मोटे रोगियों में सी रिएक्टिव प्रोटीन लेवल पर व्यायाम का प्रभाव (भौतिक मेडिसिन एवं पुनर्वास विभाग)

25. होरोइन निर्भरता के साथ व्यस्क ए.डी.एच.डी. के मनोवैज्ञानिक एवं ड्रग–यूज सह–संबंध पर एक्सप्लोरेटरी अध्ययन (मनोविज्ञान विभाग)

26. चिरकालिक दर्द सिंड्रोम्स के न्यूरोसाईक्लोजिकल और साईक्लोजिकल पक्ष (मनोविज्ञान विभाग)।

27. अंतः–रोगियों में एल्कोहल–निर्भरता तथा ओपिऑयड–निर्भरता (आईडी.यू.) के साथ उच्च जोखिम व्यवहारः व्यक्तित्व के साथ संबंध (मनोविज्ञान विभाग)

28. भारत में बच्चों और बुजुर्गों में ए.आर.टी.आई. में श्वास रोगजनकों का इपिडेमियोलॉजिकल अध्ययन (कम्यूनिटी मेडिसिन सेंटर)

29. ग्रमीण भारत के लिए नियोनेटल स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं मॉडल का विकास (कम्यूनिटी मेडिसिन सेंटर)

30. भारत में नेइसेरिया गोनोरोई निगरानी हेतु नेटवर्किंग की स्थापना (माइक्रोबायोलॉजी विभाग)

31. नवजात परिचर्या हेतु केन्द्र (एडवांसड अनुसंधान हेतु आई.सी.एम.आर. केन्द्र) (बालरोग विभाग)

32. इकथायों–सिफार्म एरिथ्रोडरमा के बच्चों में विटामिन डी की कमी तथा रिकेटस की व्यापकता (त्वचा विज्ञान विभाग)

33. इंफेंटाइल हेमनजिऑमा के उपचार में सिस्टेमेटिक स्टेरायडस (प्रेडनिसोलोन) एंड प्रोप्रेनोलोल का यादश्च्छिक परीक्षण (त्वचाविज्ञान विभाग)

34. ट्रांसआर्टिरियल कीमोथेरेपी तथा ट्रासआर्टिरियल कीमोएम्बोलाइजेशन उपचार करवा रहे हेपटोसेल्यूलर कार्सिनोमा रोगियों में रेनल फेल्योर के बचाव हेतु एन–एसिलिसटीन का यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग)

35. ट्रांसिएंट इलेस्टोग्राफी के प्रयोग से चिरकालिक लिवर रोग के रोगियों में लिवर फाइब्रोयसिस का नान–इनवेसिव मूल्यांकन, शियर वेव रियल टाइम अल्ट्रासाउंड इलेस्टोग्राफी एंड सीरम बायोकेमिकल मार्कर्स (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग)

36. हेपटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के निदान में कंट्रास्ट एनहेंसड अल्ट्रासाउंड की भूमिका (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग)

37. हेपटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में लोकोरीजनल थेरेपी के बाद थेराप्यूटिक प्रतिक्रिया (परकुटेनियस एबलेशन एंड ट्रांसआर्टिरयल कीमोएम्बोलाइजेशन) के मूल्यांकन हेतु कंट्रास्ट एनहेंसड अल्ट्रासाउंड की भूमिका (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग)

38. अनरिसेक्टबल गालब्लेडर कैंसर के प्रबंधन में संशोधित जेमसिटेबाइन + ऑक्सलिप्लेटिन (एम.जेमॉक्स) टु जेमसिटेबाइन + सिसप्लेटिन का यादश्च्छिक नियंत्रित तुलनात्मक परीक्षण (मेडिकल ऑनकालोजी, आई. आर.सी.एच.)

39. आई.आर.एस.एस. स्टेज ।। एवं स्टेज ।।। रेटिनोब्लास्टोमा में वी.ई.जी.एफ. एक्सप्रेशन का मूल्यांकन तथा आउटकम एवं पैथोलॉजी के साथ सह–संबंध (मेडिकल ऑनकोलॉजी, आई.आर.सी.एच.)

40. गंभीर मिलॉयड ल्यूकीमिया के लिए कीमोथेरेपी करवा रहे बाल रोगियों में सेल्यूलर तथा हयूमॉरल इम्यूनिटी का क्रमबद्ध मूल्यांकन मूल्यांकन– एक भविष्यलक्षी अध्ययन। (मेडिकल ऑनकोलॉजी, आई.आर. सी.एच.)

41. गंभीर मिलॉयड ल्यूकीमिया के लिए कीमोथेरेपी करवा रहे बाल रोगियों में नियामक टी–सेल का क्रमबद्ध–एक भविष्यलक्षी अध्ययन, (मेडिकल ऑनकोलॉजी, आई.आर.सी.एच.)

42. गंभीर मिलॉयड ल्यूकीमिया में प्रोलिफरेटिव तथा एपोपटोटिक मार्करर्स का बायोलॉजिकल तथा क्लीनिकल महत्व (मेडिकल ऑनकोलॉजी, आई.आर.सी.एच.)

43. मीडियास्टीनल टी लिम्फोब्लास्टिक लिम्फोमस– एकल संस्थान अध्ययन, (मेडिकल ऑनकोलॉजी, आई. आर.सी.एच.)।

44. न्यूरोब्लास्टोमा तथा पी.एन.ई.टी. के रोगियों में नियामक टी सेल किनेटिक्स का मूल्यांकन–एक भविष्यलक्षी अध्ययन (मेडिकल ऑनकोलॉजी, आई.आर.सी.एच.)।

45. रेनकल केलकुली के मूल्यांकन में डुअल एनर्जी सी.टी. की भूमिका (विकिरण विज्ञान निदान विभाग)

46. गाउट के निदान में डुअल एनर्जी कम्प्यूटिड टोमोग्राफी की भूमिका (विकिरण विज्ञान निदान विभाग)

47. डिफ्यूजन वेटेड एम.आर. ड्मेजिंग तथा अल्ट्रसाउंड इलेस्टोग्राफी के प्रयोग में नेक मासिस का मूल्यांकन (विकिरण विज्ञान निदान विभाग)

पूर्ण

1. टाइप–2 डायबिटिज मेलीटस के परिवारों के बच्चों में बीटा सेल फंक्शन का मूल्यांकन, (एंडोक्रिनोलॉजी एवं मेटॉबालिज्म विभाग)

2. तपेदिक के तीव्र निदान के लिए हाई थ्रूपुट एसेस का विकास तथा वेलीडेशन (जैव प्रौद्योगिकी विभाग)

3. सल्फाडॉक्सिन तथा पायरिमेथामाइन रिजिसिटेन्स के साथ प्लासमोडियम फाल्कीपरूम डिहाइड्रोफोलेट रिडयूकेटेस एवं सिन्थेस म्यूटेशन्स पर अध्ययन (जैव प्रौद्योगिकी विभाग)

4. वी.ई.जी.एफ. तथा टी.जी.एफ. बेटल एक्सप्रेशन से क्लीनिको– पैथोलॉजिकल रिस्पॉन्स का सह–संबंध, लोकली एडवांसड ब्रेस्ट कैंसर में ई.आर.पी.आर. तथा एच.ई.आर 2/नियु स्टेटस; एक पायलट अध्ययन (रेडियोथेरेपी विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 81/पुस्तकों में अध्यायः 1

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य आर.एम. पांडेः ड्रग एंड क्राइम के लिए यूनाइटेड नेशन्स कार्यालय (यू.एन.ओ.डी.सी.) के माध्यम से यूरोपियन कमीशन द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजना 'नेशनल ड्रग यूज सर्वे इन मालदीव (एन.डी.यू.एस.)' के लिए योजना, विश्लेषण तथा रिपोर्ट लेखन में तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु एक वर्ष के लिए मालदीव सरकार में यूनाइटेड नेशन्स सांख्यिकीय सलाहाकार थे; अनुरोध पर, ईडनबर्ड, स्कॉटलैण्ड में आई.ई.ए. वर्ल्ड इपिडेमियोलॉजी कांग्रेस के दौरान संगोष्ठी आयोजित की, 7–11 अगस्त 2011; वे डी.बी.टी. तथा आई.सी.एम. आर. की प्रस्ताव/परियोजना समितियों के सदस्य है; भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, दिल्ली की एथिक्स समिति के सदस्य; भारत सरकार के तपेदिक नियंत्रक कार्यक्रम, आर.एन.टी.सी.पी. पर आपरेशन्स रिसर्च ग्रुप के सदस्य; कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी तथा सी.सी.डी.सी. (पी.एच.एफ.आई.) द्वारा समन्वित डी.एस.एम.बी, अम्पायर ड्रग ट्रायल इन इंडिया एंड यूरोप के सदस्य हैं; सी.ए.आर.एस.एस. ट्रांसलेशनल ट्रायल के सदस्य; भारत में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों (एस.ए.एम.) के लिए डी.बी.टी.–आई.सी.एम.आर. संयुक्त समूह के तकनीकी सलाहकार समूह (टी.ए.जी.) के सदस्य; पी.एच.एफ.आई. के संस्थागत समीक्षा बोर्ड के सदस्यः नवजातों में क्लोरोहेक्साडाइन कोर्ड केयर, अस्पताल तथा जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., जन स्वास्थ्य के ब्लूमबर्ग स्कूल द्वारा तनजानिया और जाम्बिया में आयोजित किए जा रहे समुदाय आधारित ट्रायल, के डी.एस.एम.बी. तथा तकनीकी सलाहकार समूह दोनों के सदस्य; भारत में लगभग सभी पीयर समीक्षित मेडिकल पत्रिकाओं के वैज्ञानिक समीक्षकः इंडियन जर्नल्स आफ पेडिएट्रिक्स के सम्पादकीय बोर्ड के नामित सदस्य 'सांख्यिकी साफ्टवेयर के प्रयोग से डाटा विश्लेषण' पर कार्यशाला के लिए समन्वयक एवं संसाधन संकाय हैं, बी.पी.के.आई.एच.एस., धरन, नेपाल, 3–6 जुलाई 2011, संसाधन व्यक्ति, बायोस्टेटिक्स कार्यशाला, गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, तिरुवनंतपुरम, केरल, 17–19 जनवरी 2012; पेसिफिक यूनिवर्सिटी में एसेन्शियल आफ बायोस्टेटिक्स पर कार्यशाला आयोजित की, उदयपुर, 4–5 फरवरी 2012 ।

आचार्य एस.एन. द्विवेदी, मोबाइल फोन रिमाइंडर आन एडहिएरेंस टु फर्स्ट लाइन एंटीरेट्रोवायरल ट्रीटमेंट इन साउथ इंडिया के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु यादश्च्छिक परीक्षण के अंतरिम विश्लेषण के लिए बाह्य विशेषज्ञ थे, जन स्वास्थ्य विज्ञान विभाग, करोलिंस्का संस्थान, स्वीडन; सदस्य, डॉक्टोरल समिति, पी.एच.डी. दात्र, जैव सांख्यिकी एवं स्वास्थ्य इंफार्मेटिक्स विभाग, एस.जी.पी.जी.आई.एम.एस., लखनऊ; भारतीय सोशल साइंस रिसर्च परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.), नई दिल्ली को वितपोषण हेतु अनुसंधान परियोजनाओं के मूल्यांकन के संबंध में स्वास्थ्य में विशेषज्ञ पैनल के सदस्य; 'इवेल्यूएशन आफ पायलट प्रोग्राम फार प्रीवेंशन आफ बर्न इंजरीस (पी.पी.पी.बी. आई) राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली के रिसर्च प्रस्ताव के मूल्यांकन हेतु तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य है; साइंटिफिक एडवाइजरी समिति, राष्ट्रीय

मेडिकल स्टेटिक्स संस्थान, नई दिल्ली के सदस्य; भोपाल टॉकिस्क गेस एक्सपोज्ड पॉपुलेशन से संबंधित 'ड्राफ्ट टेक्नीकल रिपोर्ट ऑन पापुलेशन बेसड लांग टर्म इपिडेमियोलॉजिकल स्टडीज' (1996–2005)' की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समूह के सदस्य थे; केन्द्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की चयन समिति के सदस्य; मैथ्यमेटिकल साइंसेज आफिस, डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की अनुसंधान परियोजनाओं हेतु समीक्षक; क्रमशः बी.एच.यू. तथा मनीपाल यूनिवर्सिटी से एम.एस.सी. एवं पी.एच.डी. थीसिस के लिए बाह्य परीक्षक; सम्पादकीय बोर्ड सदस्य, डेमोग्राफी इंडिया, इंडियन जर्नल आफ चेस्ट डिसीसिज एंड एलाइड सांइसिज; साइंटिफिक रिब्यूअर फार इंटरनेशनल सोसाइटी फार क्लीनिकल बायोस्टेटिक्स, कंट्रीब्यूशन टु एप्लाइड एंड मैथ्येमेटिकल स्टेटिक्स, डेमोग्राफी इंडिया, इंडियन जर्नल आफ मेडिकल रिसर्च, बायोमेडिकल सैन्ट्रल (प्रेगनेन्सी एंड चाइल्ड बर्थ), यू.के.: आर्गेनाइजिंग समिति सदस्य तथा विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं में अध्यक्षता की।

डॉ. वी. श्रीनिवासः न्यू इंग्लैंड जर्नल आफ मेडिसिन में प्रकाशित लेख के सह–लेखक थे (हाईएस्ट इंपेक्ट फेक्टर इन बायोमेडिकल रिसर्च); सदस्य, अनुसंधान समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य, विशेषज्ञ समूह, हेपाटाइटस बी टीकाकरण क प्रभाव निर्धारण हेतु सेरोप्रेवलेंस अध्ययन, आई.सी.एम. आर: सदस्य डाटा एंड सेफ्टी मॉनीटरिंग बोर्ड (डी.एस.एम.बी.) फार थ्री रिसर्च प्रोजेक्टस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी.बी.टी.), भारत सरकार; सदस्य, एक्सपर्टग्रुप आन इम्यूनो–मॉडुलेशन, डी.बी.टी.; तपेदिक पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य, डी.बी.टी.; सदस्य; टास्क फोर्स ग्रुप, डिवीज़न आफ रिप्रोडक्शन एंड चाइल्ड न्यूट्रीशन, आई.सी.एम.आर.; साइंटिफिक रिव्यूअर फार इंडियन जर्नल आफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल आफ पेडिएट्रिक्स, जर्नल आफ इंडियन एसोसिएशन फार चाइल्ड एंड एडोलोसेंट मेंटल हेल्थ; स्टेटिस्टिकल एडवाइजर टु द जर्नल आफ नियोनेटोलॉजी, इंडिया रिसोर्स पर्सन फार द सेक्शन आन डाटा एनालिसिस एंड इंटरप्रेटेशन डयूरिंग एवं वर्कशाप आन रिसर्च मेथोडोलॉजी; फेकल्टी अपग्रेडेशन प्रोग्राम, रुफेदा कालेज आफ नर्सिंग, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, 31 जुलाई 2011।

डॉ. गुरेश कुमार : इंडियन जर्नल आफ मेडिकल एंड पेडिएट्रिक ऑनकालोजी, तथा इंडियन जर्नल आफ मैडिकल रिसर्च के वैज्ञानिक समीक्षक थे; 'एसेंशियल आफ बायोस्टेटिक्स पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति थे, पेसिफिक यूनिवर्सिटी, उदयपुर, 4–5 फरवरी 2012; "डाटा एनालिसिस यूजिंग स्टेटिस्टिकल साफ्टवेयर" पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, 3–6 जुलाई 2011, धरन, नेपाल।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. एम.बी. राव, प्रोफेसर आफ स्टेटिस्टिकल जेनेटिक्स, यूनिवर्सिटी आफ सिन्सीनाटी; यू.एस.ए., "एलजेबरिक स्टेटिक्स एंड एप्लीकेशन्स टु स्टेटिस्टिकल जेनेटिक्स" पर वार्ता में भाग लिया, 9 दिसम्बर 2011।

9.7 जैव प्रौद्योगिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
वाई.डी. शर्मा

आचार्य

जे.एस. त्यागी | एच.के. प्रसाद | एस.एन. दास

सहायक आचार्य
अनुश्री गुप्ता

विशेषताएं

विभाग चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ जैवप्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में स्नात्तकोत्तर कार्यक्रम चला रहा है जिसमें प्रति बैच 12–13 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। विभाग पी.एच.डी. कार्यक्रम भी चलाता है। प्रति वर्ष लगभग 45 छात्रों को एम.एस.सी. तथा पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। विभाग राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फैलोशिप कार्यक्रम को भी समर्थन देता है। सरकारी वित्तपोषण एजेन्सियों से संकाय द्वारा बड़ी संख्या में एक्स्ट्रामुरल अनुसंधान अनुदान आकर्षित होते हैं। संकाय द्वारा शिक्षण एवं अनुसंधान के विभिन्न पक्षों पर भारत सरकार तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों को विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया, आमंत्रण पर व्याख्यान दिए गए तथा प्रभावशाली अच्छी पत्रिकाओं में दस्तावेज प्रकाशित किए गए।

शिक्षा

स्नात्तकोत्तर शिक्षण

विभाग, चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी में 2 वर्षीय स्नात्तकोत्तर कार्यक्रम में एम. बॉयोटेक की उपाधि प्रदान करता है। शिक्षण कार्यक्रम में चिकित्सा अनुसंधान के फ्रंटियर क्षेत्र में सिद्धांत एवं प्रेक्टीकल कक्षाएं, सेमीनार प्रस्तुतीकरण एवं अनुसंधान परियोजना (शोध प्रबंध) शामिल हैं। छात्रों पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया जाता है तथा प्रेक्टीकल कक्षाओं में नवीनतम अनुभव दिया जाता है। छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान, बायोइंफोर्मेटिक्स, मॉलिक्यूलर मेडिसिन, जेनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स आदि से संबंधित उनके अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न विशेषता प्राप्त विषयों के एम्स संकाय के अतिरिक्त विशेषज्ञों को जे. एन.यू. आई.जी.आई. बी, आई.सी.जी.ई.बी. एन.आई.आई. और एन.आई.आई.टी. से आमंत्रित किया जाता है। विभाग, चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर पी.एच.डी. कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिए गए व्याख्यान

वाई.डी. शर्मा :	3
जे.एस. त्यागी :	7
एच.के. प्रसाद :	6
एस.एन. दास :	1
पोस्टर प्रस्तुतीकरण	4

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्लास्मोडियम विवेक्स ट्राइप्टोफेन– समश्द्ध प्रोटीनों संबंधी आण्विक अध्ययन। डॉ. वाई.डी. शर्मा, डी.बी.टी., 2010–13, 20.40 लाख रू.।
2. बयोमेडिसिन के विशेष अनुप्रयोग के साथ बॉयोटेक्नोलॉजी में स्नात्तकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम। वाई.डी. शर्मा, डी.बी.टी., 2009–14, 22.58 लाख रू. प्रतिवर्ष।
3. जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान इंफार्मेटिक्स प्रणाली। वाई.डी. शर्मा, डी.बी.टी., 2008–13, 3–5 लाख रू. प्रतिवर्ष।
4. होस्ट तथा सुप्त एवं सक्रिय प्रतिवलनकारी माइकोबेक्टीरियम तपेदिक में इंटरसेप्ट इंटरेक्शन का पता लगाने के लिए टेम्पोरल ट्रांसक्रिप्शन प्रोफाइल को एक्सप्लॉयट करना, कम्प्यूटेशनल विश्लेषण तथा पोस्ट–ट्रांसक्रिप्शनल जीन साइलेंसिंग, डी.बी.टी. (एक्सीलेंस केंद्र श्रेणी ।।।–सी.आई.ई.बी. परियोजना), 2011–13।
5. टी.एच.पी.–। मानव मैक्रोफेजिज़ के अंतर्गत सुप्त तथा प्रतिवलनकारी क्षय रोग रोगाणुओं के ट्रांसक्रिप्शनल प्रोफाइल का वर्णन। जे.एस. त्यागी, टाटा इनोवेशन फैलोशिप रिसर्च ग्रांट, डी.बी.टी., 2009–12।
6. माइकोबैक्टीरियल क्षय रोग काम्पलेक्स के जिनोमिक परिवर्तियों का बड़े पैमाने पर समानांतर अनुक्रमण को विनियोजित करते हुए विश्लेषणः प्रारम्भिक अध्ययन। एच.के. प्रसाद, डी.बी.टी., 2010–13, 33.36 लाख रू.।
7. क्षय रोग के प्रतिरोध अथवा रोग को संभवतः प्रारम्भ में ही प्रभावित करने वाले चुनिंदा होस्ट जीन म्यूटेशन एवं होस्ट पैथोजन इंटरेशन का कार्यात्मक लक्षणीकरण, एच.के. प्रसाद, बी.आर.एन.एस., 2011–14, 34.17 लाख रू.।
8. ओरल शल्की सेल कार्सिनोमा के लिए ऑटोलोग्स एन.के.टी. सेल आधारित ट्रमाकृतिक सेल टीके का विकास एवं लक्षणीकरण, एस.एन. दास, डी.बी.टी., 2008–11, 23 लाख रू.।
9. एफ.ए.एस. (सी.डी. 95) तथा एफ.ए.एस.एल (सीडी.95 एल) जीन पॉलीमोर्फिज्म एवं ओरल कार्सिनोमा से संबंधित तम्बाकू के साथ उनके संसर्ग पर अध्ययन, एस.एन. दास, आई.सी.एम.आर., 2008–11, 6 लाख रू.।

पूर्ण

1. जबलपुर में क्षेत्रीय अध्ययनों से संबंधित मेलेरिया टीका। वाई.डी. शर्मा, आई.सी.एम.आर., 2005–10, 77 लाख रू.।
2. टी.एच.। –टी.एच. 2 में आण्विक स्विच में एस.एम.ए.आर.आई. द्वारा प्रतिक्रियाः माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग संक्रमण में इसके प्रभाव। एच.के. प्रसाद, डी.बी.टी., 2007–10, 19.50 लाख रू.।
3. क्रोहन रोग के रोगियों में माइकोबैक्टीरियल रोगजनकों को ढूंढना, एच.के. प्रसाद, डी.बी.टी., 2007–10, 3 लाख रू.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. माइकोबैक्टीरियम क्षय रोग का अंतजति प्रतिरक्षण।

2. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के प्रति मानव प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया।

3. मानवों एवं पशुओं में क्षयरोग का रोग निदान।

4. मुख के कैंसर में बेक्लीन।, एम.टी.ओ.आर. सिग्नलिंग तथा आटोफेजी संबंधी अध्ययन।

5. मुख के कैंसर में प्राकृतिक किलर टी सेलों तथा द्रामाकृतिक सेलो का कार्यात्मक तथा फिनोटाइपिक लक्षणीकरण।

6. मुख के कैंसर में फॉसफोयनोसिटाईड 3 – किनेस सिग्नलिंग तथा इसके प्राकृतिक प्रतिषेधनों के एंटी ट्यूमर क्रियाकलापों संबंधी अध्ययन।

7. मुख के स्क्वामस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में टी.एच. 17 सेलों का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षणीकरण।

8. मुख के स्क्वामस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में सी.डी. 4 + सी.डी. 25 + फॉक्स पी. 3 + विनियामक टी. सेलों (टी. रेग) का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षणीकरण।

पूर्ण

1. मुख के कैंसर वाले रोगियों में एम.एल.एच. 1 जीन में जेनेटिक पॉलिमारफिज़्म।

2. मुख के रक्वामस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में एम.एल.एच.। प्रोमोटर मेथीलेशन की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सिस क्षयरोग संक्रमण में होस्ट– रोगजनक इंटरेक्शन के इंटरासेल्यूलर डॉयनामिक्स के समाधान के लिए एक नेटवर्क कार्यक्रम, डी.बी.टी. नेटवर्क परियोजना, जे.एस. त्यागी, 2011–16।

2. ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान में जैव–डिजाइन एवं इन–विटरो रोग निदान हेतु राष्ट्रीय एलायंस कार्यक्रम, जे.एस. तयागी, 2010–15 ।

3. मुख के कैंसर में प्रोटीन सिग्नलिंग सेल, पी. 38 ए.एम.ए.पी. किनेस के नेनोलेवल एक्सप्रेशन तथा इसके विरूद्ध डिजाइन आफ स्ट्रक्चर आधारित पेप्टाइड प्रतिषेधनों का मूल्यांकन (जैव भौतिकी विभाग)।

4. स्तन कैंसर के भारतीय रोगियों में ई.आर., पी.आर., एच.ई.आर. 2, न्यू एक्सप्रेशन तथा बी. आर.सी.ए.। जीन म्यूटेशन्स का नैदानिक सह–संबंध (बी.आर.ए.–आई.आर.सी.एच.)।

5. टोरल कैविटी कार्सिनोमा के रोगियों में पोडोप्लेनिन एक्सप्रेशन तथा इसका नैदानिक महत्व (ओटोहिलेरिंजोलॉजी विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 21

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य वाई.डी. शर्मा : सभी तीन राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के फैलो हैं; मानव–संसाधन विकास संबंधी उप–समिति, डी.बी.टी. टास्क फोर्स के सदस्य हैं; डी.बी.टी. की 'टाटा इनोवेशन फैलोशिप तथा रामालिंगास्वामी फेलोशिप' समिति के सदस्य है। वे डी.बी.टी.–जे.आर.एफ. परीक्षा सीमिति; मलेरिया टीका परियोजनाओं के लिए डी.बी.टी. विशेष समिति के सदस्य हैं। मलेरिया के लिए डी.एस. टी. परियोजना मॉनीटरिंग समिति के

अध्यक्ष हैं; वे अकादमिक समिति, गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के सदस्य हैः वे जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन बोर्ड, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; यू.जी.सी.– विज्ञान सलाहकार पेनल, आण्विक मेडिसिन केन्द्र, जे.एन.यू., नई दिल्ली के सदस्य है; जैव प्रौद्योगिकी स्नात्तकोत्तर अध्ययन बोर्ड, वनस्थली विद्यापीठ के विशेषज्ञ सदस्य है; अध्ययन बोर्ड, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ सदस्य है; शिक्षण सलाहकार समिति, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी के विशेषज्ञ सदस्य हैः हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला के सदस्य है; अध्ययन बोर्ड, दिल्ली यूनिवर्सिटी, साउथ कैम्पस, दिल्ली के सदस्य है; वे अध्ययन बोर्ड, मनीपाल सिक्किम चिकित्सा विज्ञान संस्थान गंगटोक के सदस्य हैं; वे तंत्रिका विज्ञान अध्ययन बोर्ड, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के सदस्य है; वे जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में इंजीनियरी तथा अंतर विधात्मक विज्ञान के संकाय की डाक्टरल समिति में विशेषज्ञ हैं; वे जे. वेक्ट–बोर्न रोग के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य है; वे एम्स की अनुसंधान समितियों के सदस्य है; एम्स की भंडार क्रय समिति के सदस्य है; एम्स की नेगोशिएशन समिति के अध्यक्ष हैं; एम्स में जारी चिकित्सा शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी समिति के सदस्य हे; वे एम्स के पेटेंट प्रकोष्ठ के अध्यक्ष है; वे एम्स में परियोजनाओं में अनुसंधान स्टाफ की केंद्रीय भर्ती समिति के अध्यक्ष है; वे इंटरामुरल अनुसंधान परियोजनाओं की मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष है; वे एम्स में नेनो प्रोद्योगिकी सुविधा के सदस्य हैं; वे प्रचार कार्यों की समिति के सदस्य है; वे एम्स कम्प्यूटरीकरण समिति के सदस्य है; एम्स में वैज्ञानिकों के लिए डी.पी.सी. के सदस्य हैं; वे कई विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों में संकाय पदों के लिए चयन समिति के सदस्य हैं; वे यूनिवर्सिटी कालेज आफ मेडिकल साईंसेंस (यू.सी.एम.एस.), दिल्ली के जैव सुरक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य हैं; वे राष्ट्रीय इम्यूनालॉजी द्वारा आयोजित भारत में जन स्वास्थ्य महत्व के निदान हेतु बैठक में आमंत्रित पैनलिस्ट थे, 21 फरवरी 2012 ।

आचार्य जे.एस. त्यागी : एम्स में जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सूचना का अधिकार अधियिम, 2005 के तहत कार्य की देखरेख करने के लिए केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सी.पी.आई.ओ.) हैं; वे आर.ए.पी.–एस.ए.सी., राष्ट्रीय इम्यूनालॉजी संस्थान, नई दिल्ली के सदस्य हैं, राष्ट्रीय इम्यूनालॉजी संस्थान, नई दिल्ली; आर.ए.पी.–एस.ए.सी. बोस संस्थान, कोलकाता, एस.ए.सी., सी.डी.एफ.डी., हैदराबाद; एस.ए.सी., टी.आर.सी. चेन्नै, एम्स पेटेंट समिति, एम्स अनुसंधान समिति की गवर्निंग बाडी के सदस्य हैं।

आचार्य एच.के. प्रसादः एन.आर.डी.सी. आई.सी.एम.आर. तथा लेपरेसी एवं अन्य माईकोबैक्टीरियल रोगों हेतु राष्ट्रीय जे.ए.एल.एम.ए. संस्थान, आगरा की तकनीकी समिति के विशेषज्ञ सदस्य; वे क्रय समिति, स्कूल आफ पर्यावरणीय विज्ञान एवं साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, ओल्ड स्कूल ऑफ फिजीकल साइंसेस जे.एन.यू.; आई.सी.एम.आर. की चयन समिति, क्षयरोग तथा श्वास रोग, एल.आर.एस. संस्थान एवं जवाहर लाल नेहरू फेलोशिप, जे.एन.यू.; सम्पादकीय बोर्ड, इंडियन जरनल आफ लेपरेसीः परियोजना मॉनीटरिंग समिति(पी.एम.सी.), एस.बी.आई.आर.आई.–बी.सी.आई.एल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन बोर्ड, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर; अनुसंधान अनुभाग एम्स के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हेतु मुख्य तत्व की गुणवत्ता मूल्यांकन समिति; आई.सी.एम.आर. इम्यूनालॉजी टास्क फोर्स समिति; आई.सी.एम.आर., डी.बी.टी., डी.एस.टी. तथा एम्स की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में परीक्षक हैं।

आचार्य एस.एन. दास : नेशनल एकेडमी आफ मेडिकल साइंसेस के चयनित फेलो हैं, वे इंटरनेशनल अकादमी आफ बायोलाजीकल थेरेपी के फेलो के रूप में कार्यरत हैं; वे भारतीय इम्यूनालॉजी सोसाइटी के आजीवन सदस्य है; अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च यू.एस.ए. के सदस्य; वे डी.के.एफ. जेड एल्यूमनी एसोसिएशन हीडलबर्ग जर्मनी के सदस्य है; अलेक्जेंडर वॉन हमबोल्ट फाउंडेशन एल्यूमनी एसोसिएशन, जर्मनी के सदस्य है; सिटोमेट्री सोसाइटी, इंडिया के आजीवन सदस्य हैं, कैंसर बायोलॉजी हेतू टास्क फोर्स ग्रुप,

डी.बी.टी., विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य हैं; वे पैथोलॉजी संस्थान (आई.सी.एम.आर.) नई दिल्ली की तकनीकी समिति के सदस्य है; सदस्य बायोएथिक्स कमेटी फार रीकाम्बीनेंट डी.एन.ए. रिसर्च, एम्स; एम्स की नेगोसिएशन समिति के सदस्य हैं; एम्स की प्रायोजित परियोजनाओं के अंतर्गत पदों हेतु चयन समिति के सदस्य है; मेडिकल एलीमेंटालॉजी एवं टॉक्सीकालोजी विभाग, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली की डॉक्टोरल समिति के नामित सदस्य; एडीटोरियल बोर्ड, ओपन जरनल आफ टॉक्सीकालोजी, इंटरनेशनल जरनल आफ आस्टियोपरोसिस एंड मेटाबॉलिक डिस्टार्डरर्स; समीक्षक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जरनल्स; ओरल ऑनकालॉजी, कैंसर इंवेस्टीगेशन्स, डी.एन.ए. एंड सेल बायोलॉजी, लाइफ सांइसेस, इंटरनेशनल जरनल आफ इम्यूनोजेनेटिक्स, यूरोपियन जर्नल आफ ओरल साइंसेस, इंटरनेशनल जर्नल आफ ह्यूमन जेनैटिक्स, इंटरनेशनल जर्नल आफ कैंसर, ओरल पैथोलॉजी ओरल मेडिसिन, इंडियन जर्नल आफ मेडिकल रिसर्च के सदस्य हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. अनवर मुर्तजा, पी.एच.डी., वरिष्ठ वैज्ञानिक III, एबट बायोरिसर्च सेंटर, वॉरसेस्टर, एम.ए., 01581, यू.एस.ए., ने विभाग का दौरा किया तथा 'रियूमेटाइड आर्थराइटस– द सर्च फार नेक्सट जेनेशन थेरापिस' पर व्याख्यान दिया, 3 नवम्बर 2011 ।
2. डॉ. अमित सिंघल, पी.एच.डी., अनुसंधान वैज्ञानिक, सिंगापुर इम्यूनालॉजी नेटवर्क (एस.एल.जी.एन.), सिंगापुर ने विभाग का दौरा किया और 'सिस्टम बायोलॉजी एड न्यू एनीमल मॉडल्स टू अन्डरस्टैण्ड होस्ट–पैथोजेन इंटरऐक्शन डयूरिंग ट्यूबरक्लोसिस' पर व्याख्यान दिया, 12 मार्च 2012 ।
3. प्रोफेसर ए. रसॉली, प्रमुख, डिस्पेरिटिस रिसर्च ब्रान्च, नेशनल कैंसर संस्थान, बाथेस्डा, एम.डी., यू.एस.ए, ने 'लैब आन चिप' पर व्याख्यान दिया, 7 दिसम्बर 2011 ।
4. प्रोफेसर आर.पी. सिंह, रियूमेटालॉजी प्रभाग, मेडिसिन विभाग, यूनिवर्सिटी आफ कैलीफोर्निया, एल.ए., यू.एस.ए., ने 'जीन्स, इम्यून टॉलरेंस एंड रेगूलेटरी टी–सेल्स इन आटोइम्यूनिटीः ए. जैन्डर एप्रोच' पर व्याख्यान दिया 25 जनवरी 2012 ।

अन्य क्रियाकलाप

बायोइंफार्मेटिक्स सेंटर

विभाग का बायोइंफार्मेटिक्स संसाधन केंद्र, डाटाबेस और ग्रंथिविज्ञान खोज सुविधा, डी.एन.ए. एंव प्रोटीन क्रम, खोज एवं सुधार, ई–मेल, इंटरनेट सर्विस, प्रशिक्षण और छात्रों को ग्राफिक्स, सांख्यिकी और डाटा प्रस्तुतीकरण में सहायता प्रदान करता है। इस सुविधा का छात्रों एवं इस संस्थान के संकाय के साथ–साथ अन्य पड़ोसी संस्थानों द्वारा व्यापक रूप से प्रयोग किया जा रहा है।

9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सी.सी.एम.)

आचार्य एवं अध्यक्ष

चन्द्रकान्त एस. पाण्डव

आचार्य

शशी कान्त

बीर सिंह (30 मार्च 2012 को मृत्यु)

संजीव कुमार गुप्ता

अपर आचार्य

किरन गोस्वामी | आनन्द कृष्णन | बरीदालेन नोंगकिनारिह

सह–आचार्य

पुनीत मिश्रा | संजय कुमार रॉय | वाई. एस. कुसुम कुमारी

पर्यवेक्षण चिकित्सा सामाजिक सेवा अधिकारी

अनिल गोस्वामी

शिक्षा

स्नातक–पूर्व

ग्रामीण पोस्टिंग : कार्यक्रम की अवधि 7 समेस्टर में पांच सप्ताह है। यह एक आवासीय तैनाती है और एक डॉक्टर के रूप में स्वास्थ्य सुरक्षा के प्राथमिक एवं द्वितीय स्तर पर कार्य करने के लिए प्रैक्टीकल कौशल सीखने पर जोर देना है। कार्यकलापों में समुदाय स्वास्थ्य हेतु पूर्व स्नातकों (ओ.यू.सी.एच) को प्रोत्साहित करना, स्वास्थ्य प्रणाली दौरों, इपीडेमियोलोजीकल प्रयोगों और क्लीनिकल सत्रों को उन्नत बनाना शामिल है। शिक्षण तकनीकियां, जैसे कि ग्रुप अध्ययन, मामला अध्ययन, वीडियां फिल्म, समस्या आधारित शिक्षण का प्रयोग किया जाता है। विद्यार्थियों का फीडबैक काफी सकारात्मक है।

इंटर्न्स कार्यक्रम अपरिवर्तित रहेगा। अंतरंग डाक्टरों को 6 सप्ताह के लिए बल्लभगढ़ अस्पताल में और 6 सप्ताह के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दयालपुर अथवा छैन्सा, दोनों में से किसी एक में तैनात किया गया है

स्नातकोत्तर

समुदाय मेडिसिन विभाग के स्नातकोत्तरों को 18 माह के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात किया गया है। यह उन्हें रेफरल अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दोनों में आवश्यक अनुभव प्राप्त करने का पर्याप्त समय देता है। उन्हें न्यायनिर्णयन में सक्रिय भागीदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कम्प्यूटर सुविधा के आ जाने से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शोध प्रबंध हेतु संग्रहीत डाटा के विश्लेषण के लिए कम्प्यूटरों के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, वे तैनातियों के दौरान अलग–अलग क्षेत्र आधारित प्रयोग भी करते हैं। नियमित शिक्षण प्रयोगों में सेमिनार/परिवार और मामला प्रस्तुतन, आदि शामिल है। समुदाय मेडिसिन में अल्प अवधि प्रशिक्षण विभिन्न विदेशी पूर्व स्नातक विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है।

सी.एम ई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

केंद्र, समुदाय चिकित्सा के लिए जन स्वास्थ्य संगतता एवं महत्व के अतिथि व्याख्यान आयोजित करता है। 2011–12 के दौरान विभाग ने निम्नलिखित अतिथि व्याख्यान आयोजित किए।

1. आचार्य हैरी कैम्पबेल, आनुवंशिक एपिडेमियोलॉजी एवं जन–स्वास्थ्य प्रोफेसर, एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी, यू.के, द्वारा "इनोम वाइड एसोसिएशन अध्ययन–हम कहाँ है तथा भविष्य क्या है?" पर व्याख्यान – 8 दिसम्बर 2012.

2. डॉ. गोपाल बशिष्ट, इंटरनल मेडिसिन एवं हिमैटोलॉजी प्रेक्टीशनर, ऑरलैंडो क्षेत्रीय चिकित्सा केन्द्र, फ्लोरिडा अस्पताल, ऑरलैडो, फ्लोरिडा द्वारा 'रूमेटॉयड गठिया के प्रबंधन में सिमबायो–हेल्थ का उपयोग' पर व्याख्यान, 19 जनवरी 2012.

3. प्रस्तुत मौखिक पेपर/पोस्टर

1. जमीर एल, गुप्ता एस.के., नोंगकिनारिह बी. भारत के शहरी क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण एवं स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव, कोच्ची, केरल की भारतीय जन स्वास्थ्य एसोसिएशन का 56वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 10–12 फरवरी 2012.

2. गोस्वामी के. 25 वर्ष पश्चात् महिला चिकित्सा स्नातको में नौकरी से संतुष्टि, आई.ए.पी.एस.एम का 39वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सरकारी मेडिकल कालेज सिटी, हिमाचल प्रदेश।

3. रॉय एस., गुप्ता वी, दाऊद एफ., विग आर., कृष्णन ए., मिश्रा ए.सी., लाफॉन्ड के, मॉट जे.एस., लाल आर. बी., बरूर एस., 2009 में हिनी (एच.आई.एन.आई.) महामारी के दौरान तथा पश्चात् उत्तरी भारत के ग्रामीण समुदाय में इंफ्लुएंजा रोग का दबाव, 2009–11, उभरते संक्रामक रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एटलांटा, जार्जिया। 11–14 मार्च 2012.

4. पाण्डेय बी.जे., रॉय एस., गुप्ता वी, विग आर., कृष्णन ए, सुलेन्द्र डब्ल्यू एस., एरडमन डी, लाल आर.बी , बरूर एस., भारत में ग्रामीण समुदाय में (ओरल), सांस की गंभीर बीमारी के साथ अस्पताल में भर्ती बच्चों में श्वास वायरस के संक्रमण की व्यापकता, (ए.आर.आई.), उभरते संक्रामक रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एटलांटा, जार्जिया/11–14 मार्च 2012

5. फॉलर के, बरूर एस., सुलेन्द्र डब्ल्यू, गुप्ता वी, विडोसन एम.ए., लाल आर.बी., कृष्णन ए.। रोगसूचक महामारी 2009 ए की घटना दर। ग्रामीण भारतीय समुदाय के हिनी (एच.आई.एन.आई.) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एटलांटा, जार्जिया। 11–14 मार्च 2012.

6. कृष्णन ए, गुप्ता वी, रॉय एस. धकड़ एस., रघुराम वी एल., विडोसन एम.ए., एटएल! इंफ्लूएंजा रोग के दबाव के आकलन के लिए स्क्रीनिंग परिभाषाओं का प्रभाव, उभरते संक्रामक रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एटलांटा, जार्जिया। 11–14 मार्च 2012.

7. बरूर एस., फॉलर के, गुप्ता वी., सिंह वी.बी., कुमार आर. कृष्णन ए, एट एल। महामारी तथा महामारी के पश्चात् की अवधि के दौरान सक्रिय निगरानी के अंतर्गत ग्रामीण भारतीय समुदाय में सरकुलेटिंग वायरस के डायनॉमिक ट्रेंड, उभरते संक्रामक रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एटलांटा, जार्जिया। 11–14 मार्च 2012.

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में बच्चों और बुजुर्गों में श्वसन नलिका के गंभीर संक्रमण पर श्वसन रोगजनक की महामारी पर अध्ययन। आनन्द कृष्णन, सी.डी.सी. एटलांटा, 2011–16, रू 4.5 करोड़. वार्षिक।
2. भारत में गैर–संचरणीय रोगों को दूर करने के लिए मौजूदा स्वास्थ्य प्रणाली को सुदश्ढ़ बनाने के लिए मॉडल विकसित करना–फेज़ II, आनन्द कृष्णन, आई.सी.एम. आर., 2010–12, 60.54 लाख रूपए।
3. एन.सी.आर. के शहरी एवं ग्रामीण निवासियों में कोरोनरी हृदय रोग एवं इसके जोखिम कारकों की व्यापकता– एक पुनरावृत सर्वेक्षण। आनन्द कृष्णन, आई.सी.एम.आर., 2009–11, 1.8 करोड़ रूपए।
4. गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा; दिल्ली, भारत में सामाजिक–आर्थिक रूप से पिछड़े अप्रवासियों में स्वास्थ्य बीमा के भुगतान हेतु इच्छाशक्ति के निर्धारण हेतु अध्ययन। वाई.एस. कुसुमा, आई.सी.एम.आर., 2010–13, 22 लाख रूपए।
5. अप्रवास, गरीबी एवं स्वास्थ्य उपचार की सुलभता; दिल्ली में जन सुलभता एवं स्वास्थ्य प्रणाली की प्रभाव्यता पर अध्ययन। वाई.एस. कुसुमा, आई.सी.एम.आर., 30 माह (2011–13)
6. ग्रामीण भारत के लिए नियोनेटल स्वास्थ्य उपचार सेवा वितरण मॉडल विकसित करना। आनन्द कृष्णन, यूनीसेफ, 2011–12, 14,80 लाख रूपए।
7. सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़, हरियाणा के अंतर्गत गांवों में तम्बाकू खपत का अध्ययन, डॉ. पुनीत मिश्रा, एम्स इन्टरामुरल अनुसंधान, 2011–12, 1 लाख रूपए।
8. कम जन्मभार को कम करने के लिए इनोवेटिव सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त इंटरवेंशन पैकेज, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। पुनीत मिश्रा, 23 लाख रूपए।
9. भारत में पांच केन्द्रीय ज़ोन राज्यों (बिहार, दिल्ली, झारखण्ड, उत्तराखंड एवं उत्तर–प्रदेश) की एच.आई.वी. सेंटीनल निगरानी गतिविधि के समर्थन के लिए उत्तरदायी, भारत में एच.आई.वी/एडस सेंटीनल निगरानी हेतु केन्द्रीय ज़ोन के लिए नोडल व्यक्ति, नाको (एन.ए.सी.ओ.) द्वारा समर्थित।

पूर्ण

1. एन्टीनेटल उपचारः दिल्ली में प्रवासी महिलाओं का उपयोग, अवबोधन एवं आकांक्षाएं– एक मिश्रित विधि अध्ययन। वाई.एस. कुसुमा, एम्स अनुसंधान अनुदान, 2008–10।
2. शहरी एवं ग्रामीण भारत में प्रोढ़ों में गैर–संचरणीय रोग से संबंधित जोखिम आचरण पर व्यय। बरीदालेन एन. एम्स अनुसंधान अनुदान, 2009–10 ।
3. बल्लभगढ़ ब्लॉक में बालिका शिशु पर सरकारी योजनाओं का अवबोधन, जागरूकता एवं उपयोगिता। आनन्द कृष्णन, एम्स अनुसंधान अनुदान, 2010–11 ।
4. डायबेटिस सी.वी.डी. और स्ट्रोक के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन के लिए कार्यक्रम मैनेजर किट तैयार करना। आनन्द कृष्णन, डब्ल्यू एच.ओ. भारत, 2010–11, 4.33लाख रूपए।
5. एन.सी.डी. पर बार–बार पूछे गए प्रश्न तथा तथ्य–पत्रकों को विकसित करना। आनन्द कृष्णन, डब्ल्यू.एच.ओ. भारत, 2010–11, 5 लाख रूपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ग्रामीण बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा, भारत के मिडिल स्कूलों में गैर–संचरणीय रोगों को रोकने के लिए स्वास्थ्य व्यवस्थापन पहुंच का क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग।
2. बल्लभगढ, ब्लॉक, हरियाणा में नियोनेटल उपचार सेवाओं का निर्धारण।
3. नई दिल्ली एपेक्स ट्रामा सेंटर में आ रहे चोट के मामलों का इपीडेमियोलॉजीकल अध्ययन।
4. ग्रामीण बल्लभगढ़ में नवयुवतियों में रेप्रोडक्टिव स्वास्थ्य मामले।
5. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में प्रौढ़ों में एंथ्रोप्रोमिट्रिक विशेषताएं एवं अल्प पोषण।
6. ग्रामीण बल्लभगढ़ हरियाणा में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में अल्प पोषण का निर्धारण।
7. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में बुजुर्गों में कार्यात्मक विकलांगता।
8. फरीदाबाद, हरियाणा में महिला फैक्टरी कार्मिकों में यौन संबंधी उच्च जोखिम आचरण का निर्धारण।
9. फरीदाबाद, हरियाणा में फैक्टरी में पुरूष अप्रवासी कार्मिकों में एच.आई.वी.जोखिम आचरण एवं चुनिंदा सामाजिक–डेमोग्राफिक प्रभावित करने वाली वस्तुओं से इनका संबंध।
10. शहरी एवं ग्रामीण बल्लभगढ़ में जानवरों के काटने के प्रबंधन के संबंध में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का ज्ञान एवं प्रथाएं।
11. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में डेस्क कार्य करने वाले कार्मिकों में कार्य से संबंधित गर्दन में दर्द की व्यापकता का अध्ययन।

पूर्ण

1. दिल्ली के शहरी स्लम में प्रौढ़ों में चुनिंदा क्रोनिक अवस्थाओं का अध्ययन।
2. जीवन कालिक पहुंच का प्रयोग करते हुए ग्रामीण बल्लभगढ़ की गश्हस्थियों में स्वास्थ्य में लिंग विभेदों का अध्ययन।
3. शहरी पुनर्वास कालोनी में प्रौढ़ो में ओरल स्वास्थ्य समस्याओं पर अध्ययन।
4. हरियाणा के ग्रामीण समाज में रह रही प्रौढ़ आबादी में गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग की व्यापकता।
5. प्रौढ़ों में गैर संचरणीय रोगों के लिए उपलब्ध जोखिम निर्धारण के लिए स्कोर की मान्यता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कोरनीयल डिसऑर्डरों पर समुदाय आधारित इपीडेमियोलॉजिकल अध्ययन। (समुदाय ऑप्थमोलोजी विभाग, डॉ. आर.पी. सेंटर, आप्थलमिक विज्ञान) ।
2. दिल्ली के शहरी स्लम में सामान्य नेत्र स्थिति के बारे में जागरूकता एवं स्वास्थ्य–मांग प्रैक्टिस के लिए अध्ययन (समुदाय ऑप्थलमोलोजी विभाग, डॉ. आर.पी.सेंटर, आप्थलमिक विज्ञान)।
3. दिल्ली के स्कूली बच्चों में कार्डियोवास्कुलर जोखिम कारकों के निर्धारण के लिए अध्ययन।

4. भारत गणराज्य में उभरते संक्रमणीय रोगों को दूर करना। भारत में ग्रामीण समुदायों में इंफ्लूएंजा रोग का दबाव। रोग नियंत्रण सेंटर, यू.एस.ए.एवं (माइक्रोबायोलोजी विभाग)।

5. भारत में बच्चों को दिए गए इंफ्लूएंजा टीके से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष बचाव। (रोग नियंत्रण सेंटर, यू.एस.ए. एवं माइक्रोलोजी विभाग)।

6. भारत फेज ।। में मल्टीसाइट इंफ्लूएंजा निगरानी (रोग नियंत्रण सेंटर, यू.एस.ए. एवं माइक्रोलोजी विभाग)।

7. बुजुर्ग भारतीयों की कार्यात्मक स्थिति के निर्धारक (सहयोगी विभाग उल्लिखित नहीं)।

8. दिल्ली की पुनर्वास कालोनी में वश्द्ध रोगियों में दंत क्षय के लिए चोट न पहुंचाने वाले दश्ढ़ उपचार (ए.आर.टी) के लिए मूल्यांकन।

9. भारत के दक्षिणी, उत्तरी तथा उत्तर–पूर्वी भाग की स्वदेशी आबादी में उदर संबंधी रोग की व्यापकता तथा इसकी व्यापकता में अंतर के लिए कारणों की पहचान (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग एवं मानव पोषण)।

10. डोपलर में इकोकार्डियोग्राफी का प्रयोग करते हुए हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में 5–15 आयु वर्ष ग्रुप के बच्चों में ह्यूमैटिक हृदय रोग की व्यापकता का अध्ययन (कार्डियोलॉजी विभाग)।

11. ग्रामीण भारतीय आबादी में जन्मजात साइटोमेगालोवायरस संक्रमण तथा श्रवण दोष (गाइक्रोबॉयोलॉजी विभाग)

पूर्ण

1. ग्लूकोमा के मरीजों में जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन। (डॉ. आर.पी.सेंटर, आप्थलमिक विज्ञान)

2. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दुधमुंहे शिशुओं की माताओं के नवजातों के खतरनाक संकेतों के बारे में जानकारी निर्धारण करने हेतु अध्ययन (नर्सिंग कालेज)

3. घरेलु हिंसा के कारण एवं परिणामः आंध्र प्रदेश में महिलाओं में यौन स्वास्थ्य पर अध्ययन (एंथ्रोपोलोजी विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम)

4. स्वास्थ्य पर प्रभावों को कम करने के लिए ग्रामीण समुदाय में इंडोर एयर पोल्यूटैंटस एवं आचरण निर्धारण (टेरी एवं यूनीसेफ)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 38 पुस्तकों में अध्यायः 2

रोगी उपचार

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, (सी.आर.एच.एस.पी.) बल्लभगढ़ में समुदाय स्वास्थ्य सेवाएं इसमें दो प्राथमिक स्वास्थ्य सेंटर शामिल हैः दयालपुर एवं द्दैन्सा। बहिरोगी, डोमीसिलेरी एवं रेफरल सेवाएं प्रदान की जाती है।

जनसांख्यिकीय सूचना

1.	जनसंख्या	90240
2.	जन्म दर प्रति 1000 जनसंख्या पर	23.22
3.	मृत्यु दर प्रति 1000 जनसंख्या पर	6.69

4.	नियोनेटल मोर्टेलिटी दर प्रति 1000 जीवित पैदाइश पर	27.21
5.	इनफैंट मोर्टेलिटी दर प्रति 1000 जीवित पैदाइश पर	48.21
6.	मैटरनल मोर्टेलिटी दर प्रति 1000 जीवित पैदाइश पर	95.47

परिवार कल्याण तथा मातृत्व शिशु स्वास्थ्य

प्रोजेक्ट क्षेत्र, टीकों एवं अन्य मदों की आपूर्ति हेतु जिला परिवार कल्याण तथा इम्मूनाइजेशन कार्यालयों पर आश्रित है।

1.	कुल एंटीनेटल मामले (नए पंजीकरण)	2386
2.	गर्भवती महिलाएं जो.ए.एन. उपचार ले रही है	100 प्रतिशत
3.	पंजीकृत मामलों की पूर्ण टी.टी. कवरेज	96 प्रतिशत
4.	स्टाफ/अस्पताल द्वारा संचालित डिलीवरियां	1619
5.	पात्र युग्म सुरक्षा दर	63.14 प्रतिशत
6.	व्यक्तियों की कुल संख्या जिन्होंने	1835
	परिवार नियोजन विधियों को स्वीकार किया	
	टयूबेक्टोमी	382
	वासेक्टोमी	7
	आई.यू.डी.	323
	सी.सी. प्रयोगकर्ता	816
	टोरल पिल्स	307

टीकाकरण पर विस्तृत कार्यक्रम

12 से 23 माह की आयु की कवरेज

बी.सी.जी	96.7 प्रतिशत
ओ.पी.वी (3 खुराक)	98.8 प्रतिशत
डी.पी.टी. (3 खुराक)	98.8 प्रतिशत
खसरा	97.0 प्रतिशत

राष्ट्रीय कार्यक्रम

मलेरिया : रक्त स्लाइडों का संग्रहण आई.एफ.पी.ए. में एक्टिव एवं पैसिव निगरानी द्वारा किया जाता है।

एकत्र की गई स्लाइडों की कुल संख्या	11008
पॉजीटिव मामलों की संख्या	31
वार्षिक रक्त परीक्षा दर	12.21 प्रतिशत

वार्षिक पैरासाइट घटना दर	0.32 प्रतिशत/1000 जनसंख्या
स्लाइड सकारात्मकता दर	0.24 प्रतिशत

क्षय रोग

संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रक कार्यक्रम को आई.एफ.पी.ए. में राष्ट्रीय पद्वति पर चलाया जाता है। दयालपुर पी.एच.सी. को माइक्रोस्कोपी सेंटर के रूप में नामोदिष्ट किया गया है और सभी गांवों को आई.एफ.पी.ए. के अंतर्गत लाया गया है। फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्र में उपचारित रोगियों के ब्यौरे निम्नानुसार है।

श्रेणी	1	75
श्रेणी	2	30
श्रेणी	3	शून्य
कुल		105

चिकित्सा सामाजिक सेवाएं (डॉ. अनिल गोस्वामी तथा नीना चावला)

1044 से अधिक रोगियों/क्लाइंटों की पहचान की गई थी और चिकित्सा सामाजिक सेवाएं प्रदान की गई थी। इसमें कई तरह की सेवाएं यथा कांउसलिंग चिकित्सा एवं वित्तीय मदद में उन्हें सहायता करना और विभिन्न सामाजिक कल्याण संस्थानों/संगठनों को भेजना शामिल है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) यूनिट, एम्स

एम.बी.बी.एस. छात्रों के नए बैच के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) का ओरिएंटेशन कार्यक्रम 2.8.2011 को सी.सी.एम., एम्स में आयोजित किया गया।

एड्स शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ (ए.ई.टी.सी.)

प्रोफेसर बीर सिंह इस प्रकोष्ठ के समन्वयक थे। प्रकोष्ठ द्वारा 2011–12 में निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई थी।

- एच.आई.वी./एड्स,सेक्स से संबंधित मामले तथा कांट्रासेप्शन 'शुभचिंतक' के लिए काफी संख्या में दैनिक काल आकर्णित करते हुए, टेलीफोन हेल्पलाइन हमेशा की लोकप्रियता के साथ संचालित किया जा रहा है।
- इंटरनेट आधारित हेल्पलाइन "ई–शुभचिंतक" को सामान्य लोकप्रियता से संचालित किया जा रहा है। औसतन, एच.आई.वी./ एड्स, यौन–समस्याएं, एस.टी.डी. कांट्रासेप्शन आदि पर प्रश्नों के अतिरिक्त आई. ई.सी. सामग्रियों के लिए 1–2 मांग पत्र प्रतिदिन प्राप्त हो रहे थे।
- प्रकोष्ठ ने एच.आइ.वी./एड्स पर शैक्षणिक सामग्री को 2011–12 में भी आम जनता को प्रस्तुत किया और प्रचारित किया।

डॉ. अम्बेडकर नगर में स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी गतिविधियां

विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर की गई स्वास्थ्य चर्चाओं की कुल संख्याः 145

80 (स्नातक–पूर्व)+65 (नर्सिंग विद्यार्थी)

आयोजित इवेंट्स/ प्रदर्शनियां गतिविधि की तिथि	गतिविधि का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
13 अप्रैल 2011	ब्लॉक संख्या 02, दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर में छः स्थानों पर बरामदगी और इससे संलग्न सटिग्मा से संबंधित के.ए.बी.पी. पर प्रोजेक्ट इंटरवेंशन आयोजित किए गए।	180
27 अप्रैल 2011	'डेंगू एवं चिकनगुनिया' पर लोगों के लिए 9वें स्वास्थ्य शिक्षा व्याख्यान (हेल्प) के आयोजन में समन्वय (डॉ. बीर सिंह के साथ) किया।	400
20 जुलाई 2011	ब्लॉक सं. 03, दक्षिणपुरी विस्तार डॉ. अम्बेडकर नगर में, 6 स्थानों पर 'मातश्त्व एवं शिशु पोषण' पर प्रोजेक्ट इंटरवेंशन किए गए।	180
4 अगस्त 2011	स्तन पान सप्ताह की पूर्व संध्या पर 'स्तनपान' पर प्रदर्शनी आयोजित की गई एवं नर्सिंग छात्रों द्वारा एक रोल नाटक किया गया।	90+20
29 अगस्त 2011	ब्लॉक सं. 06, दक्षिण पुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर में 6 स्थानों पर प्रोजेक्ट इंटरवेंशन किए गए।	200
05 सितम्बर 2011	ब्लॉक सं. 12 व 13 के पार्क, दक्षिणी पुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर में "टीबी, अल्कोहल, छोटे परिवार के मानको" पर परिवार स्वास्थ्य एडवाइजरी सेवा (एफ.एच.ए.एस.) इंटरवेंशन कार्यक्रम (रोल नाटक) किया गया।	150
12 सितम्बर 2011	ब्लॉक सं. 12 व 13 के पार्क दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर में 'डेंगू, सीज़र्स, ओवरक्राउडिंग, नैतिक मूल्य' पर परिवार स्वास्थ्य एडवाइजरी सेवा (एफ.एच.ए.एस.) इंटरवैशन कार्यक्रम (रोल नाटक) किए गए।	225
01 दिसम्बर 2011	दक्षिणी पुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर में "विश्व एड्स दिवस" पर प्रदर्शनी आयोजित की गई।	110

स्वास्थ्य संवर्धन एवं स्वास्थ्य संचार (एन.पी.एच.सी.), सी.सी.एम.

आचार्य बीर सिंह यूनिट के संकाय प्रभारी थे। विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर तीस पोस्टर विकसित किए गए। विभिन्न शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत तीन फिल्म शो आयोजित किए गए थे। तीन सौ बत्तीस शिक्षण सत्र प्रक्षेपित किए गए तथा 14 सत्रों के फोटोग्राफ खीचे गए। 13 इवेंटस के लिए जन संबोधन पद्धति का प्रयोग किया गया। मदिरापान, नशीली दवाओं की लत, परिवार नियोजन, पोलियों, व्यक्तिगत हाइजीन, मोटापा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, तथा कन्या भ्रूण इत्या, दुर्घटनाएं, स्वस्थ जीवन प्रणाली, लिंग भेद, छोटे परिवार के मानदंड पर समुदाय में चार रोल नाटक मेडिकल छात्रों द्वारा तथा दो नर्सिंग छात्रों द्वारा किए गए।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र को कम्यूनिटी आधारित गैर–संचरणीय रोग, निवारण एवं नियंत्रण में क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. सहयोगी सेंटर के रूप में नामोदिष्ट किया गया।

आचार्य सी.एस. पाण्डव वर्ष 2010–12 के लिए भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था (आई.पी.एच.ए.) के अध्यक्ष, चुने गए, योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) को तैयार करने हेतु रोग के दबाव के लिए कार्यकारी समूह (संचरणीय एवं गैर–संचरणीय रोग) के सदस्य; चिकित्सा विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी द्वारा वर्ष 2011–12 के लिए डॉ. आर.बी. राजम ओरेशन के लिए चुने गए; स्टेपल फूड की फोर्टिफिकेशन के लिए नियमन पर हितधारकों की कन्सलटेशन में उपस्थिति दर्ज कराई, 15 अप्रैल 2011, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, आई.सी.एम.आर., हैदराबाद, आन्ध्रप्रदेश, एन.ए.आर.आई.की प्री–सांटिफिक एडवाइजरी समिति की बैठक में उपस्थित हुए, 26–27 अगस्त 2011, पुणे; दक्षिण–पूर्वी एशिया के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. क्षेत्रीय समिति की बैठक का 64वां सत्र अटेण्ड किया, जयपुर, 6–9 सितम्बर 2011; राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान की साइंटिफिक एडवाइजरी सीमिति की बैठक में भाग लिया, 26 सितम्बर 2011, पुणे 56वें फाउंडेशन डे समारोह, आई.पी.एच.ए. द्वारा आयोजित 159वीं सी.सी. बैठक एवं डब्ल्यू.एच.ओ. की बैठक में भाग लिया, 28–29 सितम्बर 2011, कोलकाता; महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी, बड़ोदा, खाद्य एवं पोषण विभाग के सहयोग से दक्षिण पूर्वी एशिया के डब्ल्यू.एच.ओ. क्षेत्रीय कार्यालय की सॉल्ट–कंसम्पशन का जन स्वास्थ्य प्रभाव पर अनौपचारिक परामर्श पर कार्यशाला में भाग लिया, बडोदरा, गुजरात, 11–13 अक्तूबर 2011; "गैर–संचारणीय रोगों पर विशेषज्ञ परामर्श" में भाग लिया, बंगलौर, 2–5 नवम्बर 2011; स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान की भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान नेटवर्क (इंडिया पी.एच.ई.आई.एन.) की वार्षिक बैठक में भाग लिया, 14–15 नवम्बर 2011, आई.आई.एच.एम.आर., जयपुर; गैर– संचरणीय रोग पर सिम्पोज़ियम – लाइफस्टाइल मेडिफिकेशन में भाग लिया, 31 जनवरी – 3 फरवरी 2012, पुणे, महराष्ट्र; भारतीय जन स्वास्थ्य एसोसिएशन (आई.पी.एच.ए.) के 56वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 10–12 फरवरी 2012, कोच्वी, केरल; प्रीवेंटिव एवं सोशल मेडिसिन भारतीय एसोसिएशन के 39वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया (आई.ए.पी.एस.एम), 27–29 फरवरी 2012, टाण्डा, हिमाचल प्रदेश; "गुड प्रैक्टिस एवं डॉक्यूमेंटेशन तकनीक" पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया, अहमदाबाद, गुजरात, 13 मार्च 2012; 'जन स्वास्थ्य महत्व – जारी मेडिकल शिक्षा' पर सिम्पोज़ियम में भाग लिया, 27–29 मार्च 2012, गोआ मेडिकल कालेज, गोआ; एम.डी. भाग–। एवं ।। परीक्षा (कम्यूनिटी मेडिसिन/कम्यूनिटी डेंटिस्ट्री) आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक को आमंत्रित किया, 8–13 अगस्त 2011, कोलम्बो, श्रीलंका; इनिस केनेडी श्रीवर राष्ट्रीय शिशु स्वास्थ्य एवं मानव विकास संस्थान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, स्वास्थ्य एवं मानव सेवाओं के यूनाइटेड स्टेटस विभाग के सदस्य, विकास के लिए पोषण के बॉयोमार्कर (बॉन्ड), आयोडिन पर विशेषज्ञ पैनल गठित किया पोषण सूचकांक परियोजना को पहुंच (ए.टी.एन.आई.), गेन द्वारा सहयोगी , प्रयास (संशोधित पोषण के लिए ग्लोबल एलाइंस), वेलकम ट्रस्ट, एवं बिल एवं मेलिन्दा गेट्स फांडडेशन के विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

आचार्य संजीव कुमार गुप्ता डेंटल शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र के स्टोर्स खरीद समिति के सदस्य थे; संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एम्स के कोर कमेटी के सदस्य थे; भारतीय कम्यूनिटी मेडिसिन पत्रिका, राष्ट्रीय मेडिकल पत्रिका, भारत एवं भारतीय मेडिकल अनुसंधान पत्रिका के समीक्षक थे; सदस्य, चयन समिति, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज, नई दिल्ली में पी.एस.एम. विभाग में कांट्रेक्चुअल संकाय के चयन, 27 मार्च 2012; कम्यूनिटी आप्थलमोलॉजी विभाग, डॉ. आर.पी. सेंटर, एम्स में दो पी.एच.डी. दात्रो की डाक्टोरल समिति के सदस्य थे; एम्स में अनुसंधान क्रिया–कलापों के समेकन के लिए थीम जन स्वास्थ्य एवं पोषण के संयोजक थे; स्टाफ कॉउसिल, एम्स के सदस्य थे; एम.डी. (कम्यूनिटी मेडिसिन) दिल्ली यूनिवर्सिटी, साउथ कैम्पस के थीसिस के परीक्षक थे, अगस्त/सितम्बर 2011; परीक्षक बोर्ड, एम डी (कम्यूनिटी स्वास्थ्य प्रशासन)

परीक्षा,राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मनीरका, नई दिल्ली के सदस्य थे, 18–19 अप्रैल एवं 17 अक्तूबर 2011।

डॉ. किरण गोस्वामी : आई.एन.सी.एल.ई.एन. की जारी परियोजना, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में कुपोषण के निर्धारक, की सैंट्रल समन्वय टी एवं कोल्ड चेन के गहन विश्लेषण की सदस्य थी; भारत के तीन राज्यों में टीका आपूर्ति एवं सामान्य टीकाकरण के लॉजिस्टिक प्रबंधन की सदस्य थी; फरवरी 2012 में मम्स पर ऑल इंडिया रेडियों पर चर्चा दी।

डॉ. आनन्द कृष्णन् को वर्ष 2008 के लिए गैर–संचरणीय रोगों के क्षेत्र में कम्यूनिटी मेडिसन में उनके काम के लिए उत्तम अनुसंधान के लिए एम.के. शेषाद्रि पुरस्कार से सम्मानित किया गया; कम्यूनिटी आधारित गैर–संचरणीय रोग–बचाव एवं नियन्त्रण में क्षमता निर्माण एवं अनुसंधान के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. सहयोगी सेंटर के अध्यक्ष थे; मीडिया लैब एशिया, आई.टी. विभाग की परियोजना समीक्षा समूह बैठक में भाग लिया, त्रिवेन्द्रम, 18 जुलाई 2011; एन.सी.डी. पर राष्ट्रीय समिट के दौरान एन.सी.डी. के प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार एप्रोच पर पैनल चर्चा में भाग लिया, दिल्ली, 23–24 अगस्त 2011; पर्यावरणीय एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य पर इन्डो–यू.एस. कार्यक्रम में भाग लिया, मुंबई, 25–26 अगस्त 2011; पुरूषों में एस.टी.ई.पी.–एन.सी.डी. जोखिम कारक सर्वेक्षण के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया, मालदीव, 18–22 सितम्बर 2011; उमेआ यूनिवर्सिटी, स्वीडन से अनुसंधान कार्यप्रणाली एवं बायोस्टेटिक्स पाठ्यक्रम तथा अनुसंधान एथिक्स का पाठ्यक्रम पूर्ण किया, अक्तूबर–नवम्बर 2011; क्लीनिकल अनुसंधान में तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्ययन रूपरेखा पर एवं तर्कसंगत फार्मा कोथंरप्यूंटिक्स की भारतीय सोसाइटी की सी.एम.ई. एवं कार्यशाला में आमंत्रित रूप में व्याख्यान दिया, जम्मू, 25–27 नवम्बर 2011; डब्ल्यू.एच.ओ. मौखिक ऑटोप्सी इंस्ट्रमेंट्स की समीक्षा के लिए बैठक में भाग लिया, जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड, 19–22 दिसम्बर 2011; 56वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन भारतीय जन स्वास्थ्य एसोसिएशन, में भाग लिया एवं पेपर प्रस्तुत किया, कोच्ची, केरल, 10–12 फरवरी 2012; उभरते संक्रमण रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया एवं पोस्टर प्रस्तुत किया, एटलांटा, यू.एस. 11–14 मार्च 2012; एथिक्स समिति संस्थान, मानव आचरण एवं एलाइड विज्ञान संस्थान के सदस्य थे; लेंसेट, बुल विश्व स्वास्थ्य संगठन, बी.एम.सी. जन स्वास्थ्य, भारतीय कम्यूनिटी मेडिसिन पत्रिका, भारतीय राष्ट्रीय मेडिकल पत्रिका, भारतीय मेडिकल अनुसंधान पत्रिका, भारतीय पेडिएट्रिक्स भारतीय पेडिएट्रिक्स पत्रिका के समीक्षक थे, क्षेत्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान इम्फाल, मणिपुर एव बी.पी.कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरन, नेपाल के स्नातक–पूर्व परीक्षा के परीक्षक थे; कम्यूनिटी आधारित स्वास्थ्य हितधारकों के साथ बैठक स्वास्थ्य चिंतन सम्मेलन अयोजित किया, अप्रैल 2011।

डॉ. बरीदालेन नोंगकिनारिह "कम्यूनिटी मेडिसिन में स्नात्तकोत्तर व्यवहार प्रशिक्षण का मजबूतीकरण" कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति थे, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, अप्रैल 2011; मई 2011 में एम.सी.आई. पाठ्क्रम रिवीज़न में शामिल थे; डायबेटिस, सी.वी.डी. एवं स्ट्रोक के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन के लिए कार्यक्रम मैनेजर किट तैयार की; भारतीय कम्यूनिटी मेडिसिन पत्रिका, ग्लोबल हैल्थ एक्शन, भारतीय मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य पत्रिका के समीक्षक थे।

डॉ. संजय राय ने आई.पी.एच.ए. के 56वें अखिल भारतीय वार्षिक सम्मेलन में जे.ई. मैमोरियल ओरेशन" पर व्याख्यान दिया, कोच्ची, 13 फरवरी 2012; "जनसंख्या आधारित निगरानी द्वारा रोग के दबाव का अनुमान", सी. डी.सी. कंफ्लूएंजा प्रभाग अंतर्राष्ट्रीय भागीदार एवं रोग दबाव बैठक, में व्याख्यान दिया, एटलांटा, जार्जिया, यू. एस.ए., 9–11 जुलाई 2010; "जनसंख्या–आधारित निगरानी द्वारा रोग के दबाव का अनुमान", सी.डी.सी. इफ्लकूएंजा प्रभाग अंतर्राष्ट्रीय भागीदार एवं रोग दबाव बैठक, में व्याख्यान दिया, एटलांटा, जार्जिया, यू.एस.ए, 9–11 जुलाई 2010; "कम्यूनिटी मेडिसिन में स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम विकसित" करने एवं "इम्यूनाइजेशन" पर

उप–समिति, भारतीय जन स्वास्थ्य एसोसिएशन अकादमी के सदस्य थे, एच.आई.वी. सेंटीनल निगरानी 2010 (सैंट्रल जोन) की पोस्ट राउण्ड समीक्षा बैठक आयोजित की, नई दिल्ली, 15–16 अक्तूबर 2011; स्वास्थ्य एवं जनसंख्या आशाएं और मुद्दे, भारतीय जन स्वास्थ्य पत्रिका, भारतीय कमयूनिटी मेडिसिन पत्रिका आदि के लिए समीक्षक थे; बांका जिला, बिहार में एन.आर.एच.एम. के अंतर्गत स्वास्थ्य मेला आयोजित किया, 2–4 मार्च 2012; भारत की एच.आई.वी. सेंटीनल निगरानी की मॉनीटरिंग के लिए बिहार, झारखण्ड, दिल्ली और यू.पी. के कई पर्यवेक्षकीय दौरे आयोजित किए।

डॉ. पुनीत मिश्रा, कार्यक्रम एडवाइजरी परिषद के सदस्य थे, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के सदस्य थे, टेलीमेडिसिन समिति, एम्स के सदस्य थे, आई.ए.पी.एस.एम. सम्मेलन 2012, टाण्डा (हि.प्र.),एवं आई.पी.एच.ए. सम्मेलन 2012,कोच्वी (केरल) में भाग लिया, एच.एस.एस.नाको के सदस्य थे; वार्षिक स्वास्थ्य चिंतन, बल्लभगढ़ में भाग लिया, 19 अप्रैल 2011; ग्रामीण ट्रामा प्रशिक्षण फैसिलिटेटर थे; एन.आई.एच.एफ डब्ल्यू के लिए परीक्षक थे, 26–29 जुलाई 2011, स्वास्थ्य प्रबंधन पाठ्यक्रम यू.सी.एम.एस. एम.बी.बी.एस. परीक्षा के परीक्षक थे, 21–24 नवम्बर 2011 ।

डॉ.वाई.एस. कुसुमा गुणात्मक स्वास्थ्य अनुसंधान, (क्यू.एच.आर.) पर आई.सी.एम. आर. कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति थे, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद, 15–17 फरवरी 2012 एवं 5 व्याख्यान दिए। "गुणात्मक अनुसंधान के आधार, प्रकृति और टूल बॉक्स", 'इन–डैप्थ साक्षात्कार', 'फोकस ग्रुप', 'क्यू.एच.आर.' की विधि रूप में ऑब्ज़रवेशन', तथा ' गुणात्मक डाटा प्रबंधन एवं विश्लेषण' तथा भागीदारों को फील्ड–आधारित गुणात्मक अनुसंधान प्रशिक्षण दिया; आई.सी.सी. आई.डी.डी. न्यूज़लेटर–जागशति के संपादक थे; एथनो–मेडिसिन तथा एंथ्रोपॉलोजी एवं सामाजिक नीति की एफ्रो–एशियन जरनल पर अध्ययन के संपादक मण्डल के सदस्य थे; एशिया–पैसिफिक जन स्वास्थ्य पत्रिका, मानव बॉयोलॉजी एनल्स, एशियन–पैसिफिक ट्रॉपिकल मेडिसिन पत्रिका, बी.एम.सी. जन स्वास्थ्य, बी.एन.सी. परिवार स्वास्थ्य; मानव हाइपरटेंशन पत्रिका, शहरी स्वास्थ्य पत्रिका, जन स्वास्थ्य पत्रिका तथा मातशत्व एवं शिशु स्वास्थ्य पत्रिका एथनों–मेडिसिन पर अध्ययन, मानव–इकोलॉजी पत्रिका आदि के समीक्षक थे। एम फिल डिसरटेशेन्स/पी.एच.डी. थीसिस के परीक्षक के रूप में भी कार्य किया; तथा आई.सी.एम.आर. के अनुसंधान प्रस्तावों के समीक्षक थे।

डॉ. अनिल गोस्वामी सम्प्रेषण कौशल तथा एम्स के ग्रुप डी स्टाफ को डेंगू पर व्याख्यान दिए, 7 सितम्बर 2011 से 20 जनवरी 2012, "एंटीबायोटिक के दुरुपयोग से कैसे बचें" की कार्यशाला में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, 7 अप्रैल 2011; 'विश्व स्वास्थ्य दिवस इवेंट', स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डब्ल्यू.एच.ओ. एवं स्वास्थ्य फिटनैस सोसाइटी ट्रस्ट, तालकटोरा इंडोर स्टेडियम के सदस्य थे; 'रोग से बचाव और' आउटब्रेक रिस्पॉन्स सैल (डी.पी.ओ.आर.सी.), हार्टिकल्चर एवं सेनीटेशन एडवाइज़री समिति के सदस्य थे; दिल्ली और एन.सी.आर., निर्माण भवन में वैक्टर जनित रोगों की समीक्षा स्थिति की बैठक में भाग लिया; तीसरी उत्तरी दक्षिण–केन्द्रीय जोन, भारतीय प्रीवेंटिव एवं सोशल मेडिसिन एसोसिएशन के 13वें म.प्र. राज्य अध्याय, कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग; एन.एस.सी.बी. मेडिकल कालेज, जबलपुर में भाग लिया एम.पी., 11–13 नवम्बर 2011, 'परिवार कल्याण कार्यक्रम सलाहकार समिति' की बैठक में भाग लिया, रिहर्सल हाल, प्रसारण भवन, नई दिल्ली, 1 जनवरी, 2012; 'वेक्टर एवं जल जनित रोगों के बचाव नियंत्रण पर कार्यशाला में भाग लिया, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एन.सी.डी.सी.), शाम नाथ मार्ग, 16 मार्च 2012 मानव अधिकार दिवस पर सुग्राहीकरण कार्यक्रम में भाग लिया, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली, 10 दिसम्बर 2011 (राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा आयोजित) भारतीय प्रीवेंटिव एवं सोशल मेडिसिन एसोसिएशन के 39वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग टाण्डा, हिमाचल प्रदेश, 27–29 फरवरी 2012; भारतीय प्रीवेंटिव मेडिसिन (आई.ए. पी.एस.एम.) के कोषाध्यक्ष (एक राष्ट्रीय निकाय), 2011–12 निरंतर दूसरी अवधि के लिए थे।

9.9 त्वचा तथा रतिज रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
विनोद कुमार शर्मा

आचार्य

नीना खन्ना	कौशल कुमार	एम.रामम

अपर आचार्य

विनोद के. खैतान	सुजय खांडपुर	जी. सेथुरमन

सह–आचार्य
सेमेश गुप्ता

शिक्षा

तीन अभ्यार्थियों ने एम.डी. प्रशिक्षण पूरा किया और 5 अभ्यार्थियों ने 2–4 सप्ताह के अल्पावधिक प्रशिक्षण प्राप्त किए।

सम्मेलन सी.एम.ई.

प्रदत्त व्याख्यान

वी.के. शर्मा	:	8
कौशल के. वर्मा	:	7
एम. रामम	:	12
सुजय खांडपुर	:	1
जी. सेथुरमन	:	3
सोमेश गुप्ता	:	4

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. भारतीयों में सोरियासिस तथा आर्थिराइटस का आनुवंशिक विश्लेषण, वी.के. शर्मा, नेशनल इंस्टीटयूट आफ हेल्थ (एन.आई.एच.) यू.एस.ए, 4 वर्ष, 58 लााख रूपए।
2. त्वचा पिगमेंटेशन तथा मेलानोसिट केराटिनोसिट जीव विज्ञान के लिए कार्यक्रम सहायता। वी.के. शर्मा, डी. बी.टी., 4 वर्ष, 33 लाख रूपय।
3. इल्यूसिडेटिंग फाक्स पी 3 अभिव्यक्ति और सक्रिय नॉन–सेगमेंटल विटिलिगों में फाक्स पी 3 प्रमोटर के मिथाइलेशन स्तर। वी.के. शर्मा, डी.बी.टी., 3वर्ष, 58 लाख रूपए।
4. चिरकालिक प्लेक सोरायसिस के लिए साप्ताहिक एजाथीयोप्रिन बनाम मेथोट्रेक्सेट साप्ताहिक प्लस का याद्रच्छिक नैदानिक परीक्षण। के.के. वर्मा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, (2010–2013), 16.80 लाख रूपए (लगभग)

5. चिरकालिक साइकलोफासफामाईड उपचार करवा रहे त्वचा रोग विज्ञानी रोगियों का यूरोलजिकल मूल्यांकन। सुजय खांडपुर, एम्स, । वर्ष, । लाख रूपये।

6. इकथायो सोफार्म इरिथ्रोडरमा विकार संपीड़ित बच्चों में विटामिन डी की कमी के कारण रिकेटों की व्यापकता। जी सेथुरमन, आई.सी.एम.आर. 3 वर्ष, 18 लाख रूपए।

7. शिशु के रक्तवाहिका बुंद के उपचार में व्यवस्थित स्टेरॉयड और प्रोपानोलोल के याद्रच्छिक परीक्षण। जी. सेथुरमन, आई.सी.एम.आर; 3 वर्ष, 2012–2015, 18 लाख रूपए।

8. विटिलगो के रोगियों में केटकोलामाइन्स के प्लाज्मा तथा यूरिनरी स्तरों का निर्धारण तथा स्थिरता के साथ उनका सहसंबंध और मेलानोसिट प्रत्यारोपण का परिणाम। सोमेश गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 10लाख रूपए और स्टाफ।

9. इम्यूनोथेरेपी की प्रभावकता के साथ इंट्रालेसनल इंजेक्शन आफ किल्ड माइकोबैक्टीरियम डब्ल्यू वैक्सीन एंड इमीक्विमॉड क्रीम इन क्लिनिकल रेसोल्यूशन आफ एक्सटर्नल एनोजेनेटल वार्टस एंड रिडक्शन आफ वायरल लोड का तुलनात्मक अध्ययन; एक यादश्च्छिक परीक्षण। सोमेश गुप्ता, डी.बी.टी., 3+1 वर्ष 49.3 लाख रूपए।

10. सफेद एवं पिगमेंटिड बालों से हेयर फोलीकल स्टेम सेल्स डिफरेंसिएशन इन टू इमेलेनोसाइटस की तुलना, भारतीय डरमेटॉलोजिस्ट, वेनरईओलोजिस्ट एवं लेपरोलॉजिस्ट एसोसिएशन, 3 वर्ष, 2,96,758 रू.

विभागीय परियोजनाएं

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में फोटोडर्मांटोसिस की नैदानिक रूपरेखा।
2. नेवस आफ ओटा एंड लेन्टीजिन्स, मेलाज्मा आदि के उपचार में .एन.डी. याग लेजर।
3. पोर्टवाईन स्टेन (पी.डब्ल्यू.एस.) में प्लस डाई लेज़र।
4. व्यावसायिक डरमाटोसिस।
5. जेनिटल हर्पिज में 3 दिन के लिए दिन में दो बार एक ग्राम ओरल एसीक्लोविर बनाम 5 दिन के लिए दिन में एक बार ओरल एसीक्लोविर की प्रभावत्मकता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन।
6. माडरेट से गंभीर एलोपेसिया आरेटा के उपचार में साप्ताहिक एजेथिपोपरिन पल्स थेरेपी बनाम बीटामेथाज़ोन ओरल मिनी पल्स थेरेपी।
7. ड्रग इरप्शन के रोगियों ड्रग में एडमिनिस्ट्रेशन का पर्यवेक्षण।
8. विट्लिगो का मनो–सामाजिक प्रभाव मापने के लिए रेटिंग स्केल का आगे सत्यापन और प्रभाव्यता।
9. क्यूटानियस टी. सैल लिम्फोम्स का क्लीनिको – पैथालॉजिकल अध्ययन।
10. इंफ्लामेटरी लेग नोड्यूला का क्लीनिको – पैथालॉजिकल अध्ययन।
11. विटिलिगो में पी.यू.वी.ए. बनाम पी.यू.वी. आसोल उपचार की क्षमता की तुलना।
12. पाल्मोप्लेंटर सिरायोसिस का हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन।
13. चिरकालिक प्लेक सिरायोसिस का में डाइबोबेट ऑयटमेंट बनाम कोलतार की तुलना।
14. पेम्फिगस वलगेरिस की सक्रियता स्थापित करने में एलिसा ई.एल.आई.एस.ए. जांच का उपयोग।

15. पेम्फिगस वलगेरिस में साइक्लोफासफेमाइड पल्स की सह–औषध के रूप में भूमिका।

16. पेम्फिगस वलगोरिस की पेथोजीनिसिस में टी.एच. 1/टी.एच. 2 साइटोकाइन्स का निहित होना।

17. पार्किंसन रोग के रोगियों में सफीनामाइड की दीर्घकालिक सुरक्षा का निर्धारण करने में ओपन लेबल परीक्षण।

18. सेगमेंटल विटिलिगो के उपचार में टोपीकल पी.यू.वी. आसोल तथा मोमेटासोन फुरेट का संयोजन रेजीमेन।

19. चिरकालिक साइकलोफासफामाईड उपचार में त्वचा रोग विज्ञानी रोगियों का यूरोलॉजिकल मूल्यांकन।

20. एक्सट्रीमिटिज में इरिथीमेटस टेंडर नोडयूल्स का क्लीनिको– हिस्टोपैथोलाजीकल मूल्यांकन।

21. फेशियल पोर्टवाइन स्टेन में पल्स डाई लेज़र 595 एन.एम. की क्षमता निर्धारण।

22. पाल्मोप्लांटर सिरायोसिस में तीन उपचार रिज़ाइम्स की तुलना।

23. पोम्फिगस वलगेरिस में टी.एच. 17 एवं टी–लेग सैल्स की भूमिका।

24. एमीडरमॉलिसिस बुलोसा में इम्यूनोसिटोकैमिस्ट्री की भूमिका।

25. इकथायोसिस एवं एकटोडर्मल डिसप्लासिया के साथ भारतीय रोगियों में मोलिकुलर आनुवंशिक अध्ययन।

26. सामान्यीकृत विटिलिगो के मरीजों में जो मेलानोसाईट ट्रांसप्लानटेंशन करवा रहे हैं, रोग की स्थिरता का निर्धारण करने के लिए क्लीनीकल, बायोकेमिकल, इम्यूनोलाजिकल कारकों का अध्ययन।

27. आटोलोगस मेलानोसाईट ट्रासप्लानटेंशन से पहले और बाद में सामान्यीकृत विटिलिगो के मरीजों में यूरीनरी और प्लाज़्मा केटकोलामाइन्स के स्तर।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 37 पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय : 9

पुरस्कार, सम्मान तथा विशिष्ट घटनाएं

प्रो. वी.के. शर्मा, परिवार कल्याण त्वचा विज्ञान मे ग्रुप ए संकाय सदस्यों के लिए स्टैंडिग चयन समिति के लिए विषेशज्ञ रहे तथा 19 जुलाई 2011 को उत्तर पूर्वी इन्दिरा गॉधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार मे एस टी डी.य एम डी (त्वचा विज्ञान, वेन तथा लेपरोलाजी) प्रेक्टिकल परीक्षा, पी जी आई एम ई आर, चण्ड़ीगढ़ के लिए बाह्य परीक्षक; कान्टेक्ट डर्मेटिटिस, संपादकीय बोर्ड सदस्य; त्वचाविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 2013 के अध्यक्ष आई यू एस टी आई विश्व कांग्रेस, 2–5 नवम्बर 2011 की आयोजन समिति के उपाध्यक्ष; त्वचाविज्ञान की भारतीय अकादमी; (एफ आई ए.डी.) की फैलोषिप से सम्मानित; 24–28 मई 2011 को सिओल कोरिया मे, त्वचा विज्ञान की 22वीं विश्व कांग्रेस में त्वचाविज्ञान का एशियाई चेहरा पर सत्र की अध्यक्षता की।

2–3 दिसम्बर 2011 को ढाका बंगलादेश में, त्वचाविज्ञान पर दक्षिण : एशियाई क्षेत्रीय 7वें सम्मेलन (एस ए आर सी डी) के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की, 11 नवम्बर 2011 को मेदान्ता , मेगासिटी गुडगांव मे, एस्थेटिक प्लास्टिक सर्जरी मे लेजर पर कार्यषाला में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की य 11 नवम्बर 2011 को आई ए डी वी एल दिल्ली शाखा सम्मेलन में, 'स्कार वॉर' के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 15 अगस्त 2011 को मैसूर बंगलौर में, आई ए डी वी एल की 16 वीं दक्षिण अंचल सम्मेलन (डर्माजोन दक्षिण 2010) में 'सनस्क्रीन इन नार्मल इन्डीवीजुअल' पर विचार विमर्श माडरेटर रहे।

प्रोफेसर कौशल के. वर्मा को 10–12 फरवरी 2012 को वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन जयपुर में, त्वचाविज्ञानी, रतिजरोग विषेशज्ञ तथा लेप्रोलाजिस्ट की भारतीय एसोसिएशन द्वारा डा. बी एम अम्बाडी ओरेशन से पुरस्कृत, जून 2010 से आज तक एम्स में प्रभारी आचार्य (परीक्षा) लैगिक संग्रमित रोगो के विरूद्व अंतर्राष्ट्रीय संघ, एशिया पेसेफिक (आई यू एस टी आई ए पी) 2008–12 के माननीय सचिव; त्वचाविज्ञानी रतिजरोग विशेषज्ञ तथा लेप्रोलाजिस्ट की भारतीय एसोसिएशन (दिल्ली), 2012 के अध्यक्षय पेम्फिगस तथा पल्स थिरेपी फाउन्डेशन, 2011–13 के अध्यक्ष; अकादमी समिति, बीपी. कोइराला स्वास्थ विज्ञान संस्थान, धरन, नेपाल, के. सदस्य; अकादमिक समिति, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश के सदस्य ।

प्रो. एम. रामम को आई ए डी वी एल के डॉ. गणपति पान्जा पुरस्कार से सम्मानित किया गया; कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैनफ्रांसिस के विजिटिंग प्रोफेसर थे; कुटेनियस पैथोलॉजी जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य त्वचाविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य ।

डॉ. सुजय खाण्डपुर को 6 माह के लिए त्वचाविज्ञान पर आई सी एम ओर अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस, यू एस ए, से पुरस्कृत किया गया; त्वचाविज्ञान, रजितरोग विज्ञान तथा लेप्रोलाजी के भारतीय जर्नल 2011 के ऐसोसिएट संपादकय आई ए डी वी एल ;दिल्ली राज्य षाखा द्ध, 2011 के माननीय सचिवय डर्मेटोपैथेलाजी सोसाइटी ऑफ इंडिया, के संयुक्त सचिवय एटोपिक डर्मेटिस, वार्शिक आईएडीवीएल, दिल्ली शाखा सम्मेलन, नई दिल्ली, दिसम्बर 2011 को एटोपिक डर्मेटिस पर, पैनल डिस्कशन मे भाग लिया।

डॉ. जी. सेथुरमन को त्वचाविज्ञान की भारतीय अकादमी (एफ आई ए डी), फरवरी 2012, डरमाकोन 2012 की फैलोशिप से सम्मानित किया गया ब्रिटिश जे डर्माटोल, क्लिन एक्स्प डर्माटोल, आर्च डर्माटोल, जी ई ए डी वी, आई जे डी वी. एल. इंडियन जे पेडिएट्रीस के लिए पुनरीक्षक ।

डॉ. सोमेश गुप्ता को क्यूटेनिअस तथा एस्थेटिक सर्जरी के जर्नल के, प्रधान संपादक तथा सेक्सुअल होल्थ (अस्ट्रेलिया) के संयुक्त संपादक के रूप में नामित किया गया ।

9.10 आपात चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
प्रवीण अग्रवाल

आचार्य
एल.आर. मुरमू

इस विभाग का सृजन मई 2011 में किया गया था। यह भारत में कुछ ऐसे विभागों में से है जो विभागों के लिए आगामी संकाय को प्रशिक्षित करता है। विभाग द्वारा अन्य मेडिकल कालेजों से विभिन्न विषयों में मौजूदा संकाय के लिए एक वर्ष का फैलोशिप कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। डॉ. प्रवीण अग्रवाल को भारत में नए सृजित आपात विशेषज्ञों के अकादमिक कालेज में डीन चुना गया। इस क्षेत्र में डॉक्टरों, नर्सों तथा पैरामेडिक्स को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से एमरजेंसी मेडिसिन पर विभाग द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। अपने रेज़ीडेन्टस को प्रशिक्षित करने के लिए, विभाग ने एक उच्च फिडेलिटी सिम्युलेटर की खरीद की है।

शिक्षा

संकाय द्वारा एमरजेंसी मेडिसिन में तैयार स्नातक–पूर्व और स्नात्तकोत्तर छात्रों के लिए कई लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम (आधारभूत और एडवांस दोनों) आयोजित किए। विभाग एमरजेंसी मेडिसन के रेजीडेन्टस के लिए सप्ताह में दो बार अकादमिक गतिविधियां चला रहा है (सेमिनार, जरनल क्लब, केस चर्चाएं)। इसके अतिरिक्त, विभाग संकाय व्याख्यानों और सेमिनार द्वारा स्नातक–पूर्व, स्नात्तकोत्तर और नर्सिंग छात्रों की प्रबोधक शिक्षा में शामिल था।

विभाग द्वारा यूरोप, आस्ट्रेलिया तथा यू.एस.ए.से 9 स्नात्तक–पूर्व छात्रों को अल्पावधिक प्रशिक्षण दिया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञानी शिक्षा
आयोजित सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएं

1. एमरजेंसी मेडिसिन प्रैक्टिस और एडवांस नैदानिक उपचार, 28 मार्च–1 अप्रैल 2011
2. 7वीं इन्डो–यू.एस. एमरजेंसी मेडिसन समिट–2011 (इन्डस–इ.एम. 2011), एम्स, 30 सितम्बर–2 अक्तूबर 2011। दक्षिणीं फलेरिडा यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. तथा राज्य यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, डाउन स्टेट मेडिकल सेंटर, यू.एस.ए. सहयोगी भागीदार थे।

सी.एम.ई./राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदत्त व्याख्यान
प्रवीण अग्रवाल : 5

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 3 पुस्तक : 1

रोगी परिचर्या

रोगियों की औसत संख्या :	9, 014 प्रतिमाह
रोगियों की कुल संख्या :	1,08,173

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य प्रवीण अग्रवाल को भारत में एमरजेंसी विशेषज्ञों के अकादमिक कालेज (एफ.ए.सी.ई.ई.) की फैलोशिप से सम्मानित किया गया; अभी भी जरनल आफ एमरजेंसी, ट्रॉमा और शॉक, पी.बी. मेडि में अनुसूचित अंर्तराष्ट्रीय जरनल के मुख्य को– एडीटर है; भारत में एमरजेंसी विशेषज्ञों के अकादमिक कालेज के फांउडिंग डीन चुने गए (ए.सी.ई.ई.–इंडिया); सांइटिफिक बॉडी, इंडियन फार्माकोपोइया आयोग, डाटा सेफ्टी मॉनीटरिंग बोर्ड फार क्लीनिकल ट्रायल्स इनवाल्विंग स्टेम सैल्स, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सदस्य नामित किए गए।

आचार्य एल.आर. मुरमू अभी भी जरनल आफ एमरजेन्सी; ट्रॉमा एण्ड शॉक, पी.यू.बी. मेडि. में अनुसूचित अंर्तराष्ट्रीय जरनल के चीफ को–एडीटर है।

9.11 अंतः स्राविकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. सी. अम्मीनी

आचार्य

निखिल टंडन | नंदिता गुप्ता

अपर आचार्य

रविन्द्र गोस्वामी

सह-आचार्य

राजेश खड़गावत | विवेक पी. ज्योत्सना

सहायक-आचार्य

मो. अशरफ गनी

वैज्ञानिक ग्रेड 4

एम. एल. खुराना

विशिष्टताएं

विभाग बहिरंग सुविधाओं का संचालन हर रोज़ करता है। यह अस्थि सघनता माप तथा हार्मोन परख जैसी सुविधाएं अन्य विभागों द्वारा देखें जा रहे रोगियों को प्रदान करता है। विभाग के अनेक अकादमिक क्रियाकलाप है यथा प्रत्येक दो सप्ताह में एक बार अंतःस्राविकी - विकृति विज्ञानी सम्मेलन, प्रत्येक सप्ताह में एक बार अंतः स्राविकी - शल्य - चिकित्सीय - नाभिकीय चिकित्सा तथा अंतःस्राविकी विकिरण नैदानिक बैठक। हम प्रत्येक सप्ताह डी एम संगोष्ठी तथा जनरल (पत्रिका) क्लब का आयोजन करता है। इन क्रियाकलापों में क्रमशः सर्वाधिक नैदानिक महत्व के विषयों तथा हाल में प्रकाशित उच्च्च प्रभाव के लेखों पर चर्चा की जाती है।

शिक्षा

विभाग में चिकित्सा विभाग से 2 रोटेटरी कनिष्ठ रेज़ीडेंट तथा 11 एमडी विद्यार्थी हैं। विगत वर्ष में, दो अभ्यर्थियों ने अपना डी एम (अंतः स्राविकी) पूरा किया तथा दो नए अभ्यर्थियों ने डी एम (अंतः स्राविकी) पाठ्यक्रम के लिए विभाग में प्रवेश लिया। एक पी एच डी विद्यार्थी ने अपनी उपाधि पूर्ण की तथा दो नए विद्यार्थियों ने पी एच डी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है। देश के विभिन्न संस्थानों से आने वाले पांच अभ्यर्थियों ने तथा जर्मनी के दो अभ्यर्थियों ने अल्पावधि प्रशिक्षण पूर्ण किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. शैशवावस्था तथा किशोरावस्था में एंड्रोजेन आधिक्य विकार। ए ई पी सी ओ एस मध्यावधि बैठक, एम्स ऑडिटोरियम, नई दिल्ली, 29-30 अगस्त 2011
2. दिल्ली में आईसीएमआर परियोजना के प्रतिभागी केंद्रों के लिए कार्यशाला में युवा पंजीकृत व्यक्तियों में मधुमेह''।

प्रदत्त व्याख्यान : 28

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. कंजेनाइटल एड्रीनल हाइपरप्लसिया : जीनो टाइप फीनोटाइप सह संबंध 1 ए. सी. अमीनी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2008-11।
2. भारतीय महिलाओं में पोलीसिस्टिक ओवरी संलक्षण में कोशिका दुष्कार्य बनाम इंसुलिन प्रतिरोध। ए. सी. अमीनी आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषण 2008-2011।

जारी

1. विटामिन डी तथा कैल्शियम से उपचारित ओस्टियोपोरोटिक रजोनिवृत्ति पश्च महिलाओं में अस्थिभंग के जोखिम को कम करने के लिए ओडानासेटिव (एम के - 0822) की सुरक्षा तथा प्रभावात्मकता का आकलन करने के लिए एक चरण - 3 यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। ए सी अमीनी, मर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका 2009-14।
2. अध्ययन सी एल 3 - 00780 - 150 : रेग्युलेट परीक्षण (सी एल 3 - 00780 - 148 : बेनफ्लूरेक्स बनाम पियोगिलटोज़ोन) में पहले शामिल मधुमेह रोगियों में जांच औषध उद्भासन के पश्चात् अंतरराष्ट्रीय अनुवर्तन अध्ययन। ए सी आमीनी। सर्दिया फार्मास्यूटीकल्स।
3. जन्म भार तथा विकास पथ के आनुवंशिक निर्धारक तथा इन एंथ्रोपोमीट्रिक संकेतकों पर माता पिता के जीनो टाइप का प्रभाव। एन टंडन, डी बी टी, 2012-2015
4. भारत में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अतिभार / मोटे, पूर्व मधुमेह / मधुमेह के रोगियों में हिपेटिक मोटापे तथा संगत चयापचय प्राचलों की स्वस्थ व्यक्तियों के साथ तुलना करने के लिए एक गैर हस्तक्षेपात्मक, बहुकेंद्रक अध्ययन। एन टंडन, टोरेंट फार्मा, 2011-12
5. बाल्यावस्था मोटापा : प्रज्वलनशील मार्कर, जीन अंतर तथा एपीडेंटिक्स - उत्तरी भारत के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में एक संबंध अध्ययन। एन टंडन। डी बी टी, 2011-14।
6. सीएआरआरएस एक ट्रांसलेशन परीक्षण : दक्षिण एशिया में एकीकृत, बहुकारक हृद संवहनी जोखिम अपचयन कार्यनीतियों का विकास तथा परीक्षण। एन टंडन, एन आई एच, 2011-15
7. शहरी भारत में गेस्टेशनल मधुमेह वाली महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह का निवारणात्मक व्यवहार्यता अध्ययन, एन. टंडन ब्रिजिज संयुक्त राज्य अमेरीका, 2010-13
8. भारत में युवावस्था के आरंभ में ही मुधमेह वाले रोगियों का पंजीकरण। एन टंडन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) 2006-2012।
9. यह निर्धारित करने के लिए एक यादृच्छिकृत, डब्ल ब्लाइंड प्लेसेबो नियंत्रित समानांतर समूह अध्ययन कि क्या कार्डियोवास्कुलर तथा रीनल विकारों के लिए उच्च जोखिमग्रस्त टाइप 2 मधुमेह रोगियों में, पारस्परिक उपचार के अलावा अलिस्केरिन कार्डियोवास्कुलर तथा रीनल मर्त्यता तथा रूग्णता को कम करती है। एन टंडन नोवार्टिस भारत 2007-2012
10. "प्रतिरक्षा विज्ञानी प्राचलों के आकलन के साथ श्रेणी 1 दीर्घ पलमोनरी क्षय रोग में एक संबद्ध उपचार के रूप में मुखीय विटामिन डी की भूमिका" यादृच्छिक डबल ब्लाइंड परीक्षण" डॉ. आर गोस्वामी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2006-2012, 98 लाख रुपए।
11. स्पोर्डायक इडियोपैथक हाइपोपरथाइराडिजम वाले रोगियों में उपचार 1 तथा उपचार 2 अभिव्यक्ति पैटर्न तथा एच एल ए प्रीडिस्पोजिशन। आर गोस्वामी। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011-14, 48 लाख रुपए।

12. चिरकालिक हाइपोविटामिनोसिस डी वाले एशियाई भारतीयों में मौखिक कोलेकाल्सीफेरोल अनुपूरक से पूर्व तथा पश्चात् स्केलरल मांसपेशी सशक्तता इसके ऊर्जा चयापचय तथा आस्थि मिनरल होमियोस्टेसिस के साथ : आर गोस्वामी, आईसीएमआर, 2010-13, 37 लाख रुपए।

13. चिरकालिक हाइपोविटामिनोसिस डी वाले एशियाई भारतीय लोगों में उपचार 1 तथा उपचार 2 साइटोकाइन्स अभिव्यक्ति का पैटर्न तथा मौखिक कोलेकैल्सीफिरोल अनुपूरण के पश्चात् इसमें परिवर्तन। आर. गोस्वामी। आई सी एम आर 2011-14 : 32 लाख रुपए।

14. एक चरण - 3 बहु केंद्रक यादृच्छिक समानांतर समूह अध्ययन सेफ्टी एंड एफीकेसी ऑफ दि एल बी 03002, ए न्यू सस्टेंड रिलीज फार्मुलेशन ऑफ ह्यूमन रिकम्बीनेंट ग्रोथ हारमोन एज कम्पेयर्ड टू सस्टेंड डेली थैरेपी विद जीनोट्रापिन इन ट्रीटमेंट नेव चिल्ड्रन विद ग्रोथ फेल्यूर डयू टू इन सफिशियंट सीक्रेशन ऑफ एंडोजीनस ग्रोथ हार्मोन। आर खडगवत। एल जी लाइफ साईंस द्वारा वित्तपोषित, 2007-2012। निधियां : 40 लाख रुपए।

15. 11-17 वर्षीय आयु के मोटे एशियाई भारतीय लोगों में इंसुलिन प्रतिरोध तथा बीटा कोशिका प्रकार्य पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डब्ल ब्लाईंड नियंत्रित परीक्षण। राजेश खडगवत, आई सी एम आर, 2011-14 : 47 लाख रुपए।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारत तथा डेनमार्क में आनुवंशिकी तथा सिस्टम्स जीव विज्ञान (बायो चाइल्ड)। एन टंडन, डी बी टी, 2012-15

2. भारत में बाल्यावस्था मोटापा : हृद चयापचय जोखिम कारकों के संदर्भ में इसके माप तथा निर्धारकों के संबंध में एक बहुकेंद्रक अध्ययन। एन टंडन, आईसीएमआर, 2010-12

3. एडवांस - ऑन - मधुमेह तथा संवहनी रोग में क्रिया का प्रीटेराक्स तथा डायमीक्रोन एम आर नियंत्रित मूल्यांकन पश्च परीक्षण अवलोकनात्मक अध्ययन। एन टंडन। जॉर्ज इंस्टीटयूट फॉर इंटरनेशनल हेल्थ, ऑस्ट्रेलिया, 2010-12

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 42

रोगी उपचार

अंतः स्राविकी तथा चयापचय विभाग मधुमेह मेलिटस, थायरायड दुष्क्रिय, पिटुअटरी विकारों, एड्रीनल, पैक्रियास, विकास, अस्थि, प्रजनन तथा यौन विभेदन के विकारों जैसे रोगों के उपचार के लिए एक महत्वपूर्ण नैदानिक सुदर विशेषज्ञता है।

विभाग में दो विशेषज्ञता क्लिनिकों अर्थात बाल अंतः स्राविकी तथा युवाओं में मधुमेह (डॉय) के साथ प्रतिदिन प्रातः ओ पी डी का संचालन किया जाता है। विभाग में सभी छः कार्य दिवसों को ओपीडी संचालित की जाती है जिनमें दो विशेषज्ञता क्लिनिक भी चलाए जाते हैं बाल चिकित्सा तथा किशोर एंडोक्राइनोलॉजी क्लिनिक, पी ए ई सी (प्रत्येक सोमवार 2-5 बजे अपराह्न) तथा डायबिटीज ऑफ यंग क्लिनिक, डी ओ वाई (प्रत्येक शानिवार प्रातः 9.00 से 1.00 बजे दोपहर तक)। आधुनिकतम हार्मोन तथा चयापचय प्रयोग दाता के अतिरिक्त, यहां दो डेक्सा मशीनें हैं जो अंतः स्राविकी तथा गैर अंतः स्राविकी सेवाओं, दोनों का अनुसरण कर रहे रोगियों को सुविधाएं प्रदान करती हैं। विगत वर्ष में कुल 66,558 हार्मोन परीक्षण किए गए जिनका ब्यौरा निम्नानुसार हैं;

क्र. सं.	हार्मोन	की गई ट्यूब	संख्या	हार्मोन	की गई संख्या	संख्या	हार्मोन	की गई संख्या
1	टी 4	10,875	9	डीएचईए	750	16	जीएच	747
2	टीएसएच	14903	10	17 ओएचपी	348	17	जीएडी	258

3	टीपीओ	1568	11	एसीटीएच	2100	18	एफटी4	756
4	एलएच	3131	12	पीटीएच	4682	19	आईजीएफ1	124
5	एफएसएच	2965	13	विटामिन डी	5661	20	फेरीटिन	1069
6	पीआरएल	2144	14	इंसुलिन	5010	21	आईए2	10
7	कोरटिसोल	3831	15	सी पेप्टाइड	2657	22	टी3	4682
8	टेस्टोस्टीरोन	2978						

अप्रैल 2011 से मार्च 2012 - एंडोक्राइन ओ पी डी

माह	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
अप्रैल 2011	758	1876	2634
मई 2011	847	2008	2855
जून 2011	874	1945	2819
जुलाई 2011	750	1957	2707
अगस्त 2011	653	2701	3354
सितंबर 2011	931	2136	3067
अक्तूबर 2011	704	1759	2463
नवंबर 2011	800	2005	2805
दिसंबर 2011	726	2038	2764
जनवरी 2012	751	1920	2671
फरवरी 2012	845	2947	3792
मार्च 2012	926	3261	4187
कुल	**9565**	**26553**	**36118**

रोगी उपचार के लिए चयापचय प्रयोगशाला में की गई जैव रसायनी जांच
(अप्रैल 2011 से मार्च 2012 तक)

क्रम संख्या	**जांच**	**नमूनों की संख्या**
1	रक्त शर्करा	10954
2	ग्लाइकेटिड हीमोग्लोबिन	10892
3	मूत्र की जांच (यूरीन पी एच)	400
4	ओस्मोलेलिटी	350

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एन. टंडन डी बी टी के एस बी आई आर आई की तकनीकी संवीक्षा समिति के सदस्य थे; वे चिरकालिक रोग जीव विज्ञान के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग के कृतिक बल के सह अध्यक्ष थे; वे भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के बी सी गुहा पृष्ठांकन व्याख्यान

के सह अध्यक्ष थे; वे रामालिंगा स्वामी मेमोरियल व्याख्यान, आण्विक चिकित्सा केंद्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के सह - अध्यक्ष थे; वे पौषणिक विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष थे; राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वे निर्वाचित फैलो थे; उन्होंने गुड़गांव में 18-21 जनवरी 2012 को आयोजित भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के 49वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अतः स्राविकी - डॉक्टर मेरे बच्चा का विकास नहीं हो रहा "विषय पर पैनलिस्ट के रूप में पैनल चर्चा में भाग लिया।

डॉ. आर गोस्वामी 2007 से अब तक आई सी एम आर द्वारा वरिष्ठ अनुसंधान फेलो एवं अनुसंधान एसोसिएटों के लिए चयन समिति के सदस्य हैं; वे 2009 से अब तक आई सी एम आर द्वारा एम डी, डी एम तथ एम सी एच थीसिस वित्तीय अनुदान प्रदान करने के लिए चयन समिति के सदस्य है; वे 2007 से अब तक जैव प्रौद्योगिकी विभाग के चिरकालिक रोग जीवविज्ञान के कृत्तिक बल के सदस्य हैं; वे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से "समुद्र से औषध" हेतु संचालन समिति के सदस्य हैं; उन्हें राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, भारत की फैलोशिप प्रदान की गई; उन्हें राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी का प्रतिष्ठित डॉ. आर वी रजम ओरेशन अवार्ड प्राप्त हुआ; वे आज तक रामालिंगा स्वामी फैलोशिप की संवीक्षा समिति के सदस्य हैं।

डॉ. राजेश खडगावत को भारत की स्त्री रोग अंतः स्राविकी समिति (जी ई एस आई) के राष्ट्रीय सम्मेलन में 2011 से सर्वोत्तम शोधपत्र अवार्ड प्रदान किया गया; उन्हें भारत की अंतः स्राविकी सोसायटी (एसीकोन) के पुणे में आयोजित वार्षिक, सम्मेलन में सर्वोत्तम शोधपत्र (मौखिक) अवॉर्ड तथा ए आर सेठ अवार्ड प्रदान किया गया; उन्हें अंतः स्राविकी लेखन में उत्कृष्टता के लिए भारत की अंतः स्राविकी सोसायटी (ईएसआई) द्वारा आई जे ई एम वार्षिक अवार्ड 2011 में प्रथम पुरस्कार दिया गया; उन्हें अंतः स्राविकी लेखन में उत्कृष्टता के लिए भारत की अंतः स्राविकी सोसायटी (ईएसआई) द्वारा आईजेईएम वार्षिक अवार्ड 2011 में द्वितीय पुरस्कार मिला।

अतिथि वैज्ञानिक

1. न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका से एक बाल अंतः स्राविकी वैज्ञानिक प्रो. पॉल सायंजर ने "जीएच थेरेपी फॉर जी एच डिफिशियंट चिल्ड्रन" पर एक वार्ता की।
2. यूनाइटेड किंगडम के ग्लासगो सदर्न जनरल अस्पताल में प्रो. स्टुअर्ट बैर्ड ने "ट्रीटमेंट एण्ड मैनेजमेंट ऑफ डायबिटिक फुट" पर एक वार्ता की।
3. संयुक्त राज्य अमेरीका में न्यू ओ रलियंस से टुलेन विश्वविद्यालय के शरीर संरचना विभाग के आचार्य डॉ. के एन पांडे ने "रोल ऑफ नेटरीयूरेटिन पेप्टाईड इन हेल्थ एण्ड डिजीज" पर एक वार्ता की।

9.12 न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

टी.डी. डोगरा

अपर आचार्य

ओ.पी. मूर्ति | डी.एन. भारद्वाज | एस.के. गुप्ता

वैज्ञानिक ग्रेड–II

अनुपमा रैना

कैमिस्ट

ए.के. जायसवाल

जे.पी.एन.ए. अभिज्ञात केंद्र में संकाय

अपर आचार्य

संजीव लालवानी | आदर्श कुमार

मुख्य–मुख्य बातें

यह विभाग जटिल मेडिकोलीगल समस्याओं के लिए सर्वोच्च रेफरल केंद्र है। यहां पूरे भारत के विभिन्न माननीय न्यायालयों और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, राज्य अपराध शाखा, दिल्ली पुलिस और विभिन्न राज्य पुलिस जैसी जांच एजेंसियों द्वारा राय के लिए मामले भेजे जाते हैं। यह दिल्ली की दक्षिण और दक्षिण–पूर्व पुलिस जिले को मेडिकोलीगल सेवाएं प्रदान करता है। यह विभाग स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर और पूरे भारत के अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के कार्य में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। यहां डी.एन.ए., फिंगरप्रिंटिंग और विष–विज्ञान संबंधी प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इसमें 10 विभागीय अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं और दो पूरी हो गई हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न जांच एजेंसियों और न्यायालयों को चिकित्सीय न्याय औषधि सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं। कुछ चुने हुए मामलों में डी.एन.ए. प्रोफाइलिंग भी की जाती है। अनुसंधान और निदान के लिए विष–विज्ञान प्रयोगशाला सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं। यह विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित किए जाने वाली मेडिकोलीगल ऑटोप्सिस में हिस्टोपैथोलॉजी सेवाएं भी प्रदान करता है। यहां के संकाय सदस्य केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अकादमी, दिल्ली न्यायिक अकादमी, एन.आई.सी.एफ.एस. में और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी व्याख्यान देते हैं। विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 13 अनुसंधान पेपर प्रकाशित किए थे। एक संकाय सदस्य को यू.के. में अध्येतावृत्ति भी प्रदान की गई थी और कैम्ब्रिज (यू.के.) में अतिथि प्रोफेसर के रूप में भी नामित किया गया है। अन्य विभागों के सहयोग से विभिन्न सम्मेलन और कैडाबरिक कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। आचार्य डोगरा इंडियन कांग्रेस ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टैक्सिकोलॉजी (आई.सी.एफ.एम.टी.) के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। यहां के संकाय को विभिन्न माननीय न्यायालयों द्वारा न्यायालय के गवाह के रूप में भी बुलाया गया था ताकि वे मेडिकोलीगल मुद्दों के संबंध में सहायता दे सकें और अपनी राय व्यक्त कर सकें। हमारे द्वारा कुल 2334 मेडिकोलीगल ऑटोप्सिस की गई थीं और 1113 समनों के उत्तर में हम उपस्थित हुए थे जिनमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के मामलों से संबंधित समन भी शामिल हैं।

शिक्षा

विभाग पूर्व–स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। वर्तमान में 9 स्नातकोत्तर (एम.डी.) विद्यार्थी और 3 पीएच डी विद्यार्थी विभाग में पंजीकश्त हैं। यह विभाग पूरे भारत से दूसरे भारतीय विश्वविद्यालयों के विज्ञान स्नातक/विज्ञान निष्णात विद्यार्थियों को भी डी एन ए–फिंगरप्रिंटिंग एवं विष–विज्ञान में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

1. अस्थि रोग विभाग के सहयोग से एओ–पेल्विस पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
2. दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र के सहयोग से एओ–सीएमएफ पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
3. ई एन टी विभाग के सहयोग से कैडाबरिक रिनोप्लास्टी आयोजित की गई।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यान

टी डी डोगरा : 5
एस के गुप्ता : 3
संजीव लालवानी : 8
आदर्श कुमार : 5
अनुपमा रैना : 5
प्रस्तुत किए गए पेपर : 6
अनुसंधान
विभागीय परियोजनाएं
पूर्ण

1. ट्रैस मेटल विश्लेषक का उपयोग करते हुए एम्स में सूचित घातक विषायन मामलों में ऐलुमिनियम एवं जिंक का गुणात्मक एवं मात्रात्मक मूल्यांकन।
2. अपघटित टिश्युओं से डी एन ए का गुणात्मक एवं मात्रात्मक निष्कर्ष।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. पोस्टमार्टम फोरेंसिक जांच में औषध और रसायनों की मात्रा के लिए बायोमैट्रिक्स के रूप में विटेरियस ह्युमर का मूल्यांकन।

जारी

1. विस्टार रैट्स में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस संबंधी पैरामीटरों से संबंधित ट्राइऐजोफॉस और ब्यूटीलेटेड हाइड्रोजिनासाइड के मिश्रण के गंभीर और चिरकालिक प्रकटन का प्रभाव।
2 विस्टार रैट्स के विसरा में सब सेल्युलर परिवर्तनों के संबंध में पेस्टिसाइड्स साइपरमेथ्रिन और इंडोसल्फान के मिश्रण के लिए प्रकटन का प्रभाव।
3. आदर्श न्यायिक स्थितियों में एस टी आर मार्करों सहित अलग–अलग घटकों के फोरेंसिक एग्जिबिट में विश्वसनीय स्रोत का पता लगाना।

4. विस्टार रैट्स के विसरा में सब सेल्युलर परिवर्तनों के संबंध में पेस्टिसाइड (साइपरमेथ्रिन और इंडोसल्फान) के मिश्रण के प्रकटन का प्रभाव।

5. दक्षिण दिल्ली की जनसंख्या में रक्त के प्रमुख स्तर का अनुमान – एक क्रॉस–सेक्शनल ऑटोप्सी आधारित अध्ययन।

6. अचानक स्वाभाविक मश्त्यु के मामले में दिल की स्थिति की प्रणाली का हिस्टोलॉजिकल अध्ययन।

7. युवा भारतीय जनसंख्या में कोरोनरी ऐथरोस्केलेरोसिस की विद्यमानता – अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एक ऑटोप्सी अध्ययन।

8. दक्षिण दिल्ली क्षेत्र में सी एस एफ और विटेरियस ह्युमर के विश्लेषण से पोस्टमार्टम अंतराल के निर्धारण के लिए तुलनात्मक अध्ययन।

9. रिगर मोरटिस का खुली आंखों से जांच करके पोस्टमार्टम इंटरवल का अनुमान लगाना।

10. फांसी के मामले में लिगेचर दबाव के कारण गले में विभिन्न चोटों का अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 13 पुस्तक : 1

रोगियों की देखभाल
आपात सेवाएं

यह विभाग चोट, यौन अपराध, विषायन और अन्य जटिल मेडिकोलीगल मामलों में मेडिकोलीगल संबंधी मामलों का कैजुअल्टी में लगातार सेवा प्रदान करता है। विभाग पुलिस और न्यायिक अभिरक्षा में चिकित्सा जांच करने के संबंध में बुलाए जाने पर हमेशा उपस्थित होता है।

किए गए मेडिकोलीगल पोस्टमार्टम : 1438 + 896 जे पी एन ए टी सी = 2334

इस विभाग के चिकित्सक सक्षम प्राधिकारियों द्वारा गठित पोस्टमार्टम बोर्डों में भी भाग लेते हैं जिनमें एक्सहुमेशन भी शामिल है। इस विभाग के चिकित्सक विशेषज्ञ गवाह के रूप में सी बी आई के मामलों में न्यायालय में उपस्थित भी होते हैं। इस विभाग के सदस्यों द्वारा न्यायालय में उपस्थित होने की संख्या 1113 है।

नैदानिक न्याय चिकित्सा

यह विभाग आयु का अनुमान लगाने, चिकित्सा जांच करने, विवाह विवाद, पुरुषत्व, डी एन ए–फिंगरप्रिंटिंग आदि के मामलों में जांच भी करता है जो उसे माननीय न्यायालयों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और अन्य एजेंसियों द्वारा भेजे जाते हैं। वर्ष 2011–12 में ऐसे 46 मामलों पर कार्रवाई की गई।

डी एन ए–फिंगरप्रिंटिंग

यह विभाग विभिन्न विश्वविद्यालयों के उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह विशेष मेडिकोलीगल मामलों में डी एन ए–फिंगरप्रिंटिंग परीक्षण करता है। वर्ष 2011–12 के दौरान 27 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

चिकित्सा विष–विज्ञान

विभिन्न विषायनों अर्थात् हेवी मेटल्स, ओपिऐट्स, बेंजोडायजेपिन्स और ऐल्कोहॉल परीक्षण विष–विज्ञान प्रयोगशाला में करता है। वर्ष 2011–12 के दौरान विष–विज्ञान प्रयोगशाला में 454 परीक्षण किए गए।

सामुदायिक सेवा

यह विभाग पूरे देश के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों, न्यायाधीशों, सरकारी अभियोजकों और न्याय–विज्ञान विशेषज्ञों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेता है।

न्याय चिकित्सा विकृति–विज्ञान

एम्स में मेडिकोलीगल ओटोप्सी के मामलों के नमूनों के लिए अनुसंधान करने के लिए यह विभाग हिस्टोपैथोलॉजी सेवा प्रदान करता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्त्वपूर्ण घटनाएं

शिमला–2011, कोजिकोडे, केरल 2–4 सितंबर, 2011 में आयोजित सम्मेलनों में के. कृष्णा द्वारा प्रस्तुत और कुमार आदर्श तथा डी एन भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक "कैफ कोरोनरी सिंड्रोम इन यंग ऐडल्ट" के लिए सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया।

आचार्य टी डी डोगरा एल एन जे एन–एन आई सी एफ एस द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं और दीक्षांत समारोहों में उद्घाटन के समय मुख्य अतिथि रहे हैं।

डॉ आदर्श कुमार को डुंडी, यू.के. में क्लिनिकल फोरेंसिक और लीगल मेडिसिन और कामनवेल्थ ऐकेडमिक स्टाफ फेलोशिप खंड के अधीन रॉयल सोसाइटी ऑफ मेडिसिन, लंदन, यू.के. की अध्येता छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

डॉ अनुपमा रैना जीनोमिक रिसर्च ग्रुप, डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, यू एन एन ए बी, नाइजीरिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति थीं।

डॉ ए के जायसवाल को इंदौर, भारत में भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन की अध्येतावृत्ति (एफ आई एस सी ए) प्रदान की गई।

9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. आचार्य

आचार्य

उमेश कपिल

अनूप सराया

अपर आचार्य

प्रमोद गर्ग

विनीत आहूजा

गोविंद कु. मखारिया

वैज्ञानिक ग्रेड - IV

श्याम प्रकाश

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा दिनांक 28 जुलाई 2012 को जवाहरलाल नेहरु सभागार में विश्व हेपाटाइटिस दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत में वायरल हेपाटाइटिस की जागरूकता बढ़ाने के लिए जन व्याख्यान आयोजित किए गए। इसमें कई जिंदगियों को बचाने की संभावनाएं हैं। इसका मुख्य संदेश यह था कि भारत में लीवन सिरोसिस तथा लीवर कैंसर के मुख्य कारकों हेपेटाइटिस बी तथा सी को रोका जा सकता है तथा इनका उपचार किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक रोगियों, सामान्य जनता ने भाग लिया था।

शिक्षा

अल्पकालीन प्रशिक्षण

वर्ष 2011-12 के दौरान 10 प्रशिक्षुओं ने 3 से 6 माह की अवधि के लिए प्रशिक्षण लिया था।

दीर्घकालीन प्रशिक्षण

13 डीएम अभ्यर्थी, 6 पी एच डी अभ्यर्थी।

सी एम ई / कार्यशालााएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान : 49

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. श्रेष्ठता का केंद्र आईसीएमआर : कुल निधि 2 करोड़

- तीव्र लीवर फेलियर से पीड़ित ट्यूबरकुलोसिस रोधी चिकित्सा। एस के आचार्य, आई सी एम आर, 5 वर्ष के लिए।
- तीव्र लीवर फेलियर में एमोनिया काइनेटिक्स। एस के आचार्य, आई सी एम आर, 5 वर्ष के लिए।
- 'भारतीय रोगियों में गैर - एल्कोहॉलिक वसीय लीवर रोग' के विकृतिविज्ञान पर एक अंतर्दृष्टि एस के आचार्य, आई सी एम आर, 5 वर्ष के लिए।

2. 3-5 वर्ष की आयु के बच्चों में आयरन की कमी वाली अरक्तता को ठीक करने में रोजाना आयरन फोलिक एसिड सम्पूरण की क्षमता। उमेश कपिल, आईसीएमआर, 2 वर्ष के लिए, 20 लाख रुपए।

3. नमक के आयोडीन तत्व के मूल्यांकन में स्पॉट टेस्टिंग किट्स की वैद्यता एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। उमेश कपिल, एम बी आई किट्स, 1 वर्ष के लिए, 4,98,520।

4. क्रोहन रोग से पीड़ित रोगियों में माइकोबैक्टीरियम विकृतिजनों की पहचान। गोविंद मखारिया, डी बी टी, 2007-10, 35.4 लाख रुपए।

5. गालस्टोन से पीड़ित रोगियों में गालब्लैडर कैंसर हेतु उत्परिवर्तनीय और ऊतकविकृतिविज्ञानी जोखिम कारकों का एक अध्ययन। प्रमोद गर्ग, डी बी टी, 3 वर्ष, 32 लाख रुपए।

जारी

1. प्रोटियोमिक का प्रयोग करते हुए इन्टेस्टिनल ट्यूबरकुलोसिस से क्रोहन रोग के विभेदीकरण हेतु बायोमार्करों की पहचान। एस के आचार्य, डी बी टी, 3 वर्ष, 43 लाख रुपए।

2. एच बी ई ए जी कम्पनसेटिड क्रॉनिक हैपेटाइटिस बी से पीड़ित वयस्कों में टेल्बीवुडाइन का एक ओपन लेबल रिस्पांसिस एडेपटिटेटिव अध्ययन। एस के आचार्य, नोवारटिस, 3 वर्ष के लिए, 11.11 लाख रुपए।

3. एच बी ई ए जी नेगेटिव कंपनसेटिड क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी से पीड़ित वयस्कों में टेल्बीवुडाइन का एक ओपन लेबल रिस्पांसिस एडेपटिटेटिव अध्ययन। एस के आचार्य, नोवार्टिस, 3 वर्ष के लिए, स्पोर्ट ऑफ ड्रग्स एण्ड इन्वेस्टीगेशन।

4. स्पॉन्टेनियस बैक्टिरियल पेरिटोनिटिस हेतु प्रोबायोटिक्स। एस के आचार्य, सी डी फार्मा, 2010-12, सप्लाई ऑफ ड्रग्स।

5. डिकम्पनसेटिड सिरोसिस से संबंधित एच बी वी में एडिफोविर - एडिफोविर + लेमिवुडाइन और एडिफोबिर तथा ग्लाइसिरिजन के सम्मिश्रण का बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। एस के आचार्य, आई सी एम आर, 3 वर्ष के लिए, 18. 47 लाख रुपए।

6. क्रॉनिक एच बी वी संक्रमण से पीड़ित इम्यूनोटोलेंट रोगियों का प्राकृतिक कोर्स। एस के आचार्य, एस एस डी, (फुलफोर्ड इण्डिया), 3 वर्ष के लिए, 18,79,750 रुपए।

7. अनरिसेक्टेबल हेपाटासेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआर्टिरियल कीमोइम्बोलाइजेशन (टी ए सी ई) बनाम टी ए सी ई और मुखीय दवा चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस के आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना) 3 वर्ष के लिए, 42,27,933 रुपए।

8. उन्नत हेपाटोसेल्यूलर कार्सिनोमा (बी सी एल सी अवस्था डी) के उपचार में मुखीय थैलीडोमाइड तथा कैपीसिटाबाइन बनाम सहायक चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (आर सी टी)। एस के आचार्य। आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष के लिए, 14,05,895 रुपए।

9. सिरोसिस के रोगियों में हेपाटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (आर एफ ए) तथा परक्यूटेनियस एसिटिक एसिड (पी ए आई) का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (एस के आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष के लिए, 22,98,821 रुपए।

10. अनरिसेक्टेबल हेपाटोसेल्यूलर कार्सिनोमा (बी सी एल सी सी) के उपचार में ट्रांसआर्टिरियल कीमोथेरेपी (टी ए सी) बनाम मुखीय थेलिडोमाइड एवं कैपीसिटाबाइन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस के आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष के लिए। रुपए 31,51,663।

11. बिटोट स्पॉट से पीड़ित 1-5 वर्ष की आयु के बच्चों के कोहोर्ट में विटामिन ए की मेगाडोज के उपचार के बाद बिटोट स्पॉट का उपशमन। उमेश कपिल, आईसीएमआर, 2 वर्ष के लिए, 25 लाख रुपए।

12. 6-59 माह की आयु के बच्चों में स्वर्णमान के रूप में प्रयोग करते हुए 3 एस डी - से कम लंबाई एवं वज़न के लिए गंभीर तीव्र कुपोषण की पहचान करने के लिए मिड अपर आर्म सरकमफिरेंस (एम यू ए सी) का वैद्यीकरण। उमेश कपिल, आई सी एम आर, 15 माह के लिए, 54 लाख रुपए।

13. उत्तराखण्ड राज्य, भारत के तीन क्षेत्रों में आयोडीन स्थिति, उमेश कपिल, आई सी एम आर, 2 वर्ष के लिए, 60 लाख रुपए।

14. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन क्षेत्रों में गर्भवती माताओं, विद्यालय जाने की आयु वाले बच्चों एवं नवजात थायरॉइड उद्दीपन हार्मोन कन्सनट्रैशन की आयोडीन स्थिति। उमेश कपिल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2 वर्ष के लिए, 71 लाख रुपए।

15. भारत के उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र हिमाचल प्रदेश, केरल तथा राजस्थान राज्यों में जिंक डिस्पर्सिबल गोलियों, आई एफ ए गोलियों / तरल एवं वी ए संपूर्णों के प्रापण / वितरण तथा प्रबंधन पद्धति की स्थिति। उमेश कपिल, आई सी एम आर, 2 वर्ष के लिए, 29 लाख रुपए।

16. 'पैन्क्रियाटाइटिस की गंभीरता और पैन्क्रियाज के अनुवर्ती रीजनरेशन को क्षीण करने में एंटी टी एन एफ - ए थेरेपी का प्रभाव तथा प्रायोगिक तीव्र पैन्क्रियाटाइटिस के विकृतिजनन में टी एन एफ ए की भूमिका। प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष के लिए, 29 लाख रुपए।

17. 'क्रॉनिक पैन्क्रियाटाइटिस का जिनोम वाइड संबंधित अध्ययन' प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष के लिए, 1.63 करोड़ रुपए।

18. 'तीव्र पैनक्रिएटाइटिस से उत्प्रेरित गालस्टोन हेतु जोखिम कारकों के रूप में एस पी आई एन के - 1 कैथेप्सीन बी तथा सी एफ टी आर जीन म्यूटेशंस का एक अध्ययन'। प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष के लिए। 27 लाख रुपए।

19. ह्यूमन अल्सेरो - कन्स्ट्रिक्टिव इलियोसेसल रोग में माइकोबैक्टिरियम एवियम पेराट्यूबरकुलोसिस (एम ए पी) का जूनोटिक पोटेन्शियल। विनीत आहूजा, आई सी एम आर, 2011-14, 57 लाख रुपए।

20. साधारण से गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस से पीड़ित रोगियों में एम एल एन 0002 द्वारा नैदानिक अनुक्रिया एवं रीमिशन के उत्प्रेरण तथा अनुरक्षण का एक फेज 3, यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित, ब्लाइंडिड, बहु केंद्रीय अध्ययन। विनीत आहूजा, मिलेनियम फार्मा, बोस्टन, एम ए, 5 वर्ष के लिए, 5 लाख रुपए लगभग।

21. एक्टिव क्रोहन रोग से पीड़ित रोगियों में नैदानिक, अनुक्रिया तथा रीमिशन के उत्प्रेरण एवं अनुरक्षण हेतु एम एल एन 002 की क्षमता और सुरक्षा का निर्धारण करने के लिए एफ फेज़ 3, यादृच्छिक, प्लेसबो - नियंत्रित, ब्लाइंडिड बहुकेंद्रीय, मल्टीपल डोज अध्ययन। विनीत आहूजा, मिलेनियम फार्मा, बोस्टन, एम ए, 5 वर्ष के लिए, लगभग 5 लाख रुपए।

22. एब्डोमिनल ट्यूबरकुलोसिस (इन्टेस्टिनल अथवा पेरिटोनियल) के उपचार पर एक बहुकेंद्रीय अध्ययन : रिवाइज्ड नेशनल ट्यूबरकुलोसिस कंट्रोल प्रोग्रास्ड के अंतर्गत एबडोमिनल ट्यूबरकुलोसिस में 6 माह के कैट 1 उपचार के साथ 9 माह के कैट 1 उपचार (3 माह का विस्तार) की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। गोविंद मखारिया, केंद्रीय टी बी प्रभाग (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), 4 वर्ष के लिए, 57 लाख रुपए।

23. क्रोहन रोग और सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों में टाइट जंक्शन प्रोटीनों का लक्षण वर्णन। गोविंद मखारिया, डी एस टी, 3 वर्ष के लिए, 24.5 लाख रुपए।

24. सिलिएक रोग से पीड़ित रोगियों में इन्टेरोपैथिक सिविरियटी तथा स्माल इन्टेस्टिनल सी वाई पी 3 ए 4 सक्रियता को सहसंबंधित करने हेतु प्रोटोकॉल। गोविंद के. मखारिया, फ्लेमेन्टिरा, ए जी (स्विट्जरलैण्ड), 3 वर्ष के लिए, 11 लाख रुपए।

25. सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों के प्रथम श्रेणी के रिश्तेदारों में पैरासैल्यूलर परमिएबिल्टी और टाइट जंक्शनों का विकृतिशरीरक्रियाविज्ञान। गोविंद के. मखारिया, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष के लिए, 43.82 लाख रुपए

26. सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों, उनके प्रथम श्रेणी के रिश्तेदारों तथा स्वस्थ व्यक्तियों में स्माल इन्टेस्टिनल तथा होल गट मेटाजिनोस। गोविंद के. मखारिया, जैव प्रौद्योगिकी, 2 वर्ष के लिए, 39.47 लाख रुपए।

27. भारत के दक्षिणी, उत्तरी तथा उत्तर पूर्वी भागों की देशज आबादी में सिलियक रोग की व्यापकता और इसकी व्यापकता में विभिन्नता हेतु कारणों की पहचान। गोविंद के. मखारिया, आई सी एम आर, 2 वर्ष के लिए, 75.42 लाख रुपए।

28. विलियस एट्रोफी के मार्करों की पहचान। गोविंद के मखारिया, अ. भा. आ. सं., (आंतरिक अनुदान), 1 वर्ष के लिए, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. मधुमेह में तीव्र वायरल हेपेटाइटिस : प्राकृतिक कोर्स का मूल्यांकन।
2. क्रॉनिक हेपेटाइटिस सी का इंटरफेरॉन ए 2 बी तथा रिबाविराइन से तीन माह का उपचार।
3. लीवर के सिरोसिस में रुधिरविज्ञानी अपसामान्यताएं।
4. सिरोसिस में हाइपरस्पिलनिज्म हेतु स्पलीनेक्टॉमी।
5. गैर शल्यक निकासी सहित कन्जरवेटिव उपचार हेतु संक्रमित पैन्क्रियाटिक नैक्रोसिस के मूल्यांकन में एम आर आई की भूमिका।
6. तीव्र पैन्क्रियाटाइटिस में तीव्र तरल संग्रहणों के रिजोल्यूशन की आवृति, प्राकृतिक कोर्स तथा पूर्वानुमानक।

जारी

1. एच बी ई ए जी नेगेटिव क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी मेगनीट्यूड, वायरल तथा होस्ट करैक्टरस्टिक्स।
2. इम्यूनोटोलेरेंट क्रॉनिक एच बी वी संक्रमण : प्राकृतिक पाठ्यक्रम।
3. पोर्टल हाइपरटेंशन में एच पी वी जी की भूमिका।
4. ऑब्स्ट्रक्टिव जोंडिस वाले गॉल ब्लैडर के इनओपरेबल कैंसर से पीड़ित रोगियों हेतु इंडोस्कोपिक बाइलरी ड्रैनेज बनाम परंपरागत उपचार : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. विश्व की विभिन्न भोगौलिक तथा नीतिपरक पृष्ठभूमि से क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस से पीड़ित युवा रोगियों की फीनोटाइप तथा जीनोटाइप की तुलना : इटियोपैथोजेनेसिस हेतु जटिलताएं।
6. मानवों में तीव्र नैक्रोटाइजिंग पैन्क्रियाटाइटिस के विकृतिजनन में पैन्क्रियाटाइटिस टिश्शू परफ्यूजन तथा वाहिका परिवर्तनों एवं उनके इंफ्लैमेटरी मीडिएटर्स का मूल्यांकन करना।
7. तीव्र पैन्क्रियाटाइटिस में साइटोकाइन प्रोफाइल।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. ऑक्यूल्ट हेपेटाइटिस बी वायरस संक्रमण में हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन प्रोडक्शन एवं सीक्रेशन में सरफेस प्रोमोटर म्यूटेशंस की भूमिका।
2. तीव्र हेपेटाइटिस ई वायरस संक्रमण से पीड़ित रोगियों में सेल्यूलर तथा ह्यूमोरल इम्यूनिटी अध्ययन।
3. प्रीएम्पूलरी ट्यूमर्स की रिसेक्टिबिल्टी का निर्धारण करने में ई यू एस की भूमिका : नैदानिक लैप्रोस्कोपी से तुलना। शल्य चिकित्सा विभाग।

4. सिलियक रोग से पीड़ित देशी वयस्क रोगियों में नैदानिक, ऊतकविज्ञानी तथा प्रतिरक्षा विज्ञानी लक्षणों के स्वास्थ्य लाभ में केवल ग्लूटिन मुक्त आहार तथा ग्लूटिन मुक्त आहार में प्रीडनीसोलोन आहार का संयोजन करने का प्रभाव : एक अग्रगामी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

5. अल्सेरेटिव कोलाइटिस से पीड़ित रोगियों में रोग के विस्तार के मूल्यांकन हेतु कोल्नोस्कॉपी तथा पी ई टी - सी टी कोल्नोग्राफी की तुलना : एक पायलट अध्ययन।

6. इरीटेबल बाउल सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में मनोचिकित्सा तथा सोमेन्टिक सह रुग्णताओं का मूल्यांकन।

7. सिलिएक रोग हेतु कार्यात्मक आंत रोग, लघु संरचना, मेटाबोलिक अस्थि रोग, एमिनोरिया एवं बांझपन से पीड़ित रोगियों की स्क्रीनिंग।

8. कार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग का प्रयोग करते हुए इरीटेबल बाउल सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में दृश्य तथा श्रव्य स्टीमुली की अनुक्रिया में मस्तिष्क सक्रियण पैटर्न।

9. टाइप - 1 मधुमेह से पीड़ित रोगियों में सिलियक रोग की व्यापकता और महत्तता।

जारी

1. गालस्टोन तथा सी बी डी स्टोन से पीड़ित रोगियों में कॉमन बाइल डक्ट के इंडोस्कोपिक बनाम लैप्रोस्कोपिक रीमूवल का एक यादृच्छिक परीक्षण (शल्य चिकित्सा)

2. ऑब्स्ट्रक्टिव जॉयडिन्स वाले प्री एम्पूलरी कैंसर से पीड़ित रोगियों में इंडोस्कोपिक स्टेन्टिंग बनाम कॉलीसिस्टोजीजुनोस्टॉमी का यादृच्छिक परीक्षण (जठरांत्र शल्य चिकित्सा)

3. पैन्क्रियाटिक स्यूडोसिस्ट का इंडोस्कोपिक बनाम लैप्रोस्कोपिक ड्रैनेज का एक यादृच्छिक परीक्षण (शल्य चिकित्सा)

4. क्या क्रॉनिक पैन्क्रियाटाइटिस सहित अथवा रहित पैन्क्रियाटिक कैंसर से पीड़ित रोगियों की जेनेटिक म्यूटेशन प्रोफाइल में कोई अंतर होता है? (इंस्टीट्यूट ऑफ साइटोलॉजी एण्ड प्रीवेंटिव ऑन्कोलॉजी (आई सी एम आर), (नोएडा)।

5. क्रॉनिक पैन्क्रियाटाइटिस हेतु शल्य चिकित्सा बनाम इंडोस्कोपिक चिकित्सा का एक यादृच्छिक परीक्षण (जठरांत्र शल्य चिकित्सा विभाग)

6. संक्रमित पैन्क्रियाटिक नैक्रोसिस हेतु मिनिमली इनवेसिव सर्जरी (वी ए आर डी) (जठरांत्र शल्य चिकित्सा)

7. तीव्र पैन्क्रियाटाइटिस तथा पैन्क्रियाटिक कैंसर में परफ्यूजन सी टी स्कैन की भूमिका। (विकिरण विज्ञान)।

8. क्रॉनिक डायरिया तथा मेलएब्सोपर्शन सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में इंटेस्टाइनल कॉकीडिया एवं माइक्रोस्पोर्डिया का पता लगाना, पहचान तथा आण्विक लक्षण वर्णन। (सूक्ष्म जैव विज्ञान, पी एच डी शोध)।

9. इन - विट्रो 1 एच चुम्बकीय अनुनाद स्पैक्ट्रोस्कॉपी का प्रयोग करके सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों का मेटाबोलिक सिग्नेचर की पहचान।

10. प्रोटियोमिक्स का प्रयोग करके सिलियक रोग हेतु बायोमार्कर की खोज हेतु एक अध्ययन।

11. गैर एल्कोहॉलिक वसीय लीवर रोग (एन ए एफ एल डी), क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी (सी एच बी) तथा सिलियक रोग की विभिन्न अवस्थाओं वाले रोगियों का मूल संगठनात्मक (प्रकृति) विश्लेषण।

12. ऑटोइम्यून थायरॉइड रोग, सिस्टेमिक ल्यूपस एरिथ्रिमेटस, किशोर क्रॉनिक आर्थराइटिस, प्राइमरी जॉगरन सिंड्रोम जैसे ऑटोइम्यून रोग से पीड़ित रोगियों में सिलियक रोग की व्यापकता।

13. सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों के प्रथम और द्वितीय श्रेणी के रिश्तेदारों के मध्य फैमिलियल व्यापकता।

14. विलियम एट्रोफी के मार्कर।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 46 **सार : 11** **पुस्तकें : 2**

रोगी उपचार

विशेष क्लिनिक

क्लिनिक का नाम	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**
लीवर क्लिनिक	1135	16991
पैन्क्रियाज़ क्लिनिक	507	2005
आई बी डी तथा अल्सर	363	2894
इन्टरवेंशनल	357	273

नैमिक क्लिनिक

नए रोगी : 16997 पुराने रोगी : 23223

प्रक्रियाएं

नैदानिक एवं चिकित्सीय इंडोस्कोपी :	14565
नैदानिक एवं चिकित्सीय कोल्नोस्कॉपी :	1765
नैदानिक सिग्मोइडोस्कॉपी :	2050
ई. एस. टी. एवं ई वी एल :	3520
साइडव्यूइंग इंडोस्कॉपी :	425
इंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कॉलेनजियोपैन्क्रिएटोग्राफी :	2045
इंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक एवं चिकित्सीय) :	425

विभाग में की गई जांच

एच बी वी (रीयल टाइम पी सी आर)	4500	एच बी वी जीनोटाइपिंक (पी सी आर)	150
एच बी वी बेसल कोर प्रोमोटर (पी सी आर)	150	एच बी वी प्रीकोर म्यूटेंट (पी सी आर)	150
एच बी वी (पी सी आर)	510	एच बी वी डी एन ए सीक्वेंसिंग	10
एच सी वी आर एन ए रीयल टाइम पी सी आर	1450	एच सी वी आर एन ए (पी सी आर)	465
एच सी वी जीनोटाइपिंग	100	एच ई वी आर एन ए (पी सी आर)	300
फ्री रेडिकल एंटीऑक्सीडेंट पोटेन्शियल (एफ आर ए पी)	1916	लाइपिड पेरोऑक्सीडेशन	1916
विटामिन सी	1916	सुपरऑक्साइड डिस्म्यूटेस	1916

नाइट्रिक ऑक्साइड	250	न्यूट्रोफिल फंक्शन जांच	300
कुल कॉलेस्ट्रोल	240	ट्राईग्लाइसिरिड	240
एच डी एल	240	माइलोपीरोऑक्सीडेज सक्रियता	1916
इंडोटोक्सिन एस्से	50	सीरम सिरुलोप्लाज्मिन	768
सीरम कॉपर	733	24 घण्टे यूरिनरी कॉपर	766
फेगोसाइट फंक्शन जांच (फ्लोसाइटोमीटर)	22	फॉक्स पी3(फ्लो साइटोमीटर)	300
सीडी4 (फ्लो साइटोमीटर)	300	सी डी (रियल टाइम पी सी आर)	240
आईएल23आर(रियल टाइम पी सी आर)	240	आईएल6 (रियल टाइम पी सी आर)	240
टीजीएफ-बीटा1 (रियल टाइम पी सी आर)	240	आईएल10 (रियल टाइम पी सी आर)	40
टीजीएफ-बीटा3 (रियल टाइम पी सी आर)	240	जेड01 (रियल टाइम पी सी आर)	10
एचईवी (ईएलआईएसए)	96	एचसीवी (ईएलआईएसए)	96
लेप्टिन (ईएलआईएसए)	96	टीटीजी-आईजीए (ईएलआईएसए)	1776
मेलाटोनिन (ईएलआईएसए)	6	पी16	30
एमयूसी-4	20	रेज-4	20
टीएनएफ-अल्फा (ईएलआईएसए)	192	आईएल-6 (ईएलआईएसए)	192
आईएल-1बी (ईएलआईएसए)	192	एडियोपोनेक्टिन (ईएलआईएसए)	96
इंसुलिन (ईएलआईएसए)	96	ग्लूकोज	888
एसजीपीटी	888	एसजीओटी	888
मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेस-2 (ईएलआईएसए)	192	हिमोग्लोबिन	888
जोन्यूलिन (ईएलआईएसए)	96	आईजीजी 4	25
डी-एक्सीलोस	595	फिकल फैट	156
फिकल किमोट्रीप्सिन	113	हाइड्रोजन ब्रीथ टेस्ट	144
ब्लड अमोनिया	305	प्रोथ्रोम्बिन टाइम	4070
डीएनए पीसीआर प्रोडक्ट एनालाइसिस (बायोएनालाइजर)	60	डीएनए प्योरिटी (पीको ड्रॉप)	2000
जेड 01 (पीसीआर)	89	करस म्युटेशन (पीसीआर)	200
पी53 म्युटेशन (पीसीआर)	50	जीएपीडीएच (पीसीआर)	20
टाइट जंक्शन प्रोटींस (वेस्टर्न ब्लोट)	20	ऑक्युलोडिन	10
क्लौडिन 2	10	क्लौडिन 3	10

जंक्शनल एडहेंसन मोलिकुल	10	जेड01	10
एमवायओ9बी	50		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर उमेश कपिल को इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एण्ड सोशल मेडिसिन 2011-12 का अध्यक्ष चुना गया; वे डिसिप्लिन न्यूट्रीशन में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज की फैलोशिप के चयन के लिए अभ्यर्थियों की उपयुक्तता का निर्धारण करने के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज (एन ए एम एस) के एडवाइजरी पैनल के नामित सदस्य हैं; वे महानिदेशाालय, स्वास्थ्य सेवाएं, निर्माण भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित साल्ट टेस्टिंग किट्स के प्रापण हेतु नेशनल टेकनीकल स्पेसिफिकेशन कमेटी के सदस्य; पोषण के क्षेत्र में श्रेष्ठता का केंद्र स्थापित करने के लिए जी बी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टैक्नोलॉजी पंत नगर, उत्तराखण्ड में प्रस्तावित केंद्र हेतु भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के राष्ट्रीय विशेषज्ञ; पोषण के क्षेत्र में श्रेष्ठता का केंद्र स्थापित करने के लिए गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू में प्रस्तावित केंद्र हेतु भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के राष्ट्रीय विशेषज्ञ; जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास एवं अनुसंधान केंद्र की अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य; परिसरीय अंतरंग; परिसरीय अंतरंग सुविधाओं पर तथा / अथवा परिसरीय अंतरंग सुविधाओं पर गंभीर जटिलताओं के बिना गंभीर तीव्र कुपोषण (एस ए एम) से पीड़ित चिकित्सीय रूप से पुनर्वास बच्चों के व्यावहारिक तथा आरोह्य क्षेत्रों के कार्यान्वियन एवं विकास हेतु ट्रांसलेशनल हैल्थ साइंस एण्ड टैक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट के तकनीकी सलाहकार समूह एवं विषय निर्वाचन समिति के सदस्य; भारत की आयोडीकरण नीति की समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली के पोषण संबंधी सक्रिय समूह के सह अध्यक्ष; राष्ट्रीय पोषण संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा इंटीग्रेटिड इण्डियन फूड कम्पोजीशन डेटाबेस परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने के लिए विषय निर्वाचन समिति के सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (बाल स्वास्थ्य प्रभाग), भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत 5 वर्ष तक के बच्चो को वैश्विक विटामिन ए सम्पूरण की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय समिति के सदस्य; महिला एवं बाल मंत्रालय द्वारा हैण्डस ऑन अनुभव पर जोर देते हुए विद्यालय बच्चों हेतु पोषण पर पाठ्यक्रम डिजाइन करने के लिए राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष हैं।

डॉ. प्रमोद गर्ग सह संपादक, फ्रंटियर्स इन गेस्ट्रोइंटेस्टिनल साइंसिज; सहयोगी सह प्रमुख संपादक, वर्ल्ड जरनल ऑफ गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी थे।

डॉ. गोविंद मखारिया वर्ल्ड गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी ऑर्गनाइजेशन द्वारा वर्ल्ड डाइजेस्टिव हैल्थ डे - 2012 के विषय निर्वाचन समिति के सदस्य; सदस्य, आई सी एम आर टास्क फोर्स ऑन सिलियक डिजीज; सदस्य, औषध चयन समिति, अ. भा. आ. सं., संपादक मण्डल, इण्डियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी; समंवयक, इण्डियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी; समंवयक यंग क्लिनिशियन प्रोग्राम इण्डियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी द्वारा आयोजित; समंवयक, टास्क फोर्स ऑन इंफ्लैमेटरी बाउल डिजीज।

वैज्ञानिक अतिथि

1. डॉ. संदीप गुप्ता, आचार्य, क्लिनिकल पैडियाट्रिक्स एण्ड मेडिसिन, रिले हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन यू एस ए, 6 अप्रैल 2011।
2. डॉ रोहित लूम्बा, यू एस ए, 22 नवंबर 2011
3. प्रोफेसर डी सी वाला, फ्रांस, 23 नवंबर 2011।
4. प्रोफेसर सी जे जे मुल्डर, जठरांत्र रोग विज्ञान, वी यू यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, एमस्टरडम, नीदरलैण्ड, 5 मार्च 2012

9.14 जठरांत्रशल्य चिकित्सा एवं लीवर प्रतिरोपण

आचार्य एवं अध्यक्ष

टी. के. चट्टोपाध्याय (30.9.2011) पीयूष साहनी (दिनांक 1.10.2011 से)

सह - आचार्य

सुजॉय पाल | निहार रंजन दाश

शिक्षा

विभाग के संकाय सदस्य स्नातक पूर्व छात्रों, शल्यक स्नातकोत्तरों तथा पोस्टडॉक्टरल प्रशिक्षुओं हेतु शिक्षात्मक शिक्षण कार्यक्रम में संलग्न है। विभाग जठारांत्र शल्य चिकित्सा में एम सी एच प्रदान करने के लिए 3 वर्षीय अति विशिष्टता प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रस्ताव करता है। यह एक माह से तीन माह की अवधि हेतु अल्पकालीन ऑब्जर्वरशिप का भी प्रस्ताव करता है। वर्तमान में, विभाग में 13 एम सी एच छात्र तथा एक ऑब्जर्वर है। मोई रैफरल एण्ड टीचिंग हॉस्पिटल, केन्या के डॉ. एंड्रयू वन्डेरा ने जनवरी 2012 के एक वर्ष के लिए ऑब्जर्वर के रूप में कार्य ग्रहण किया।

प्रदत्त व्याख्यान : 18

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. देशी सीरिंज पम्प का डिजाइन विकास तथा वाणिज्यीकरण, पीयूष साहनी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित, 2009-12, निधियां : 28 लाख रुपए।

पूर्ण

1. ईसोफैगस के कोरोसिव स्ट्रिक्चर के उपचार में रिसेक्शन बनाम बाइपास ऑपरेशन की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, निहार रंजन दाश, एम्स द्वारा वित्तपोषित, 2009-11।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पेरिएम्पुलरी कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में पॉस्टिरियर (एस एम ए फर्स्ट) एप्रोच बनाम स्टैण्डर्ड पैन्क्रिएटिको - ड्यूडेनेक्टॉमी : एक अग्रदर्शी तुलना।
2. गाल ब्लेडर रोगियों (स्टेज IV ए तक) के ऑपरेबल कार्सिनोमा में कंकरंट बनाम सिक्वेंशियल नियोएडजुवेंट कीमो रेडियोथेरेपी के पश्चात् शल्य चिकित्सा : एक पायलट अध्ययन।
3. पेरिएम्पुलरी तथा पैन्क्रिएटिक हैड ट्यूमर के कारण ऑब्स्ट्रक्टिव जॉन्डिस में पेरिऑपरेटिव बाइलरी ड्रैनेज और शल्य चिकित्सा बनाम प्रारंभिक शल्य चिकित्सा : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. ईसोफैगस के गैस्ट्रोईसोफैगल जंक्शन एडिनोकार्सिनोमा में प्रीऑपरेटिव कीमो रेडिएशन तथा शल्य चिकित्सा बनाम केवल शल्य चिकित्सा - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. पाइलोरिक रिंग रिसेक्टिंग पैन्क्रिएटिकयो बनाम क्लासिकल व्हीपल्स पैन्क्रिएटिको - ड्यूडेनेक्टॉमी के पश्चात् परिणाम : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

6. प्री-ऑपरेटिव ई यू एस इलैस्टोग्राफी का प्रयोग करके पैन्क्रिएटिक रिसेक्शन्स करवा रहे रोगियों में पैन्क्रिएटिक फिस्टूला का पूर्वानुमान : एक अग्रदर्शी अध्ययन।

7. मल्टीफेसिक कंप्यूटिड टोमोग्राफी स्कैन पर विभिन्न पैन्क्रियाटिक इंहान्समेंट पैटर्न का प्रयोग करके पैन्क्रिएटिक रिसेक्शंस करवा रहे रोगियों में पैन्क्रिएटिक फिस्टूला तथा पैन्क्रिएटिक फिब्रोसिस का पूर्वानुमान।

8. कार्सिनोमा स्टमक से पीड़ित रोगियों में बिलिरोथ - 2 तथा रोक्स इन वाई गेस्ट्रोजीजूनोस्टोमी की तुलना करता एक उग्रदर्शी अध्ययन।

9. एक्स्ट्रा हेपाटिक पोर्टल वीन ऑब्स्ट्रक्शन से पीड़ित रोगियों में लियनो रीनल शंट प्रोसीज़र का दीर्घावधिक फोलोअप।

10. विभिन्न बाइलरी ट्रैक्ट डिस्ऑर्डर्स हेतु कॉलेडोकोस्कॉपी का अग्रदर्शी मूल्यांकन।

11. ऑब्स्क्यूर गेस्ट्रोइंटेस्टिनल ब्लीडिंग के उपचार में इंट्रा ऑपरेटिव इंटेरोस्कॉपी की भूमिका का अग्रदर्शी मूल्यांकन।

12. ईसोफैगस के स्कवामस सैल कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में केवल ऑपरेशन बनाम नव सह औषध कीमो रेडियोथेरेपी के बाद ऑपरेशन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

13. पैन्क्रिएटिकोड्यूोडेनोक्टॉमी के बाद पैन्क्रिएटिको जीजूनोस्टॉमी की डक्ट टू मुकोसा तथा डंकिंग पद्धतियां : एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

14. नोंन सिरोहटिक पोर्टल फिब्रोसिस में ऑपरेशन के दीर्घावधिक परिणाम।

15. मिनीमली इनवेसिव ईसोफैगाक्टॉमी : एक संभाव्य मूल्यांकन।

16. इनऑपरेबल ईसोफैगियल कार्सिनोमा हेतु कीमोरेडियोथेरेपी सहित पैलिएटिव स्टेन्टिंग बनाम कीमोरेडियोथेरेपी सहित स्टेन्टिंग : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

पूर्ण

1. मिडल थर्ड ईसोफैगियल कार्सिनोमा में सर्विकल लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के मूल्यांकन में गले के अल्ट्रासाउंड, सी टी तथा पीईटी स्कैन की भूमिका।

2. इलोस्टॉमी क्लोजर के बाद घाव संक्रमण : प्राइमरी बनाम सरकमफ्रेंशियल सबक्यूटिकूलर क्लोजर तकनीकों की तुलना करता एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. पेरिएम्पूलरी ट्यूमर्स के मूल्यांकन में इंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड की भूमिका (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)

जारी

1. कार्सिनोमा गाल ब्लैडर से पीड़ित रोगियों में नव सह औषध चिकित्सा के पश्चात् अनुक्रिया मूल्यांकन में पी ई टी / सी टी की भूमिका तथा डिस्टेंट मेटास्टेसिस का मूल्यांकन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण चिकित्सा तथा नाभिकीय चिकित्सा के साथ)।

2. कार्सिनोमा ईसोफैगस से पीड़ित रोगियों में नव सह औषध कीमोरेडियोथेरेपी की मेटाबोलिक अनुक्रिया के मूल्यांकन में पी ई टी / सी टी की भूमिका (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण चिकित्सा तथा नाभिकीय चिकित्सा के साथ)।

3. एक्स्ट्रा हेपाटिक पोर्टल वीनस ऑब्स्ट्रक्शन से पीड़ित रोगियों हेतु प्रोक्सिमल लियनो रीनल शंट बनाम सिक्वेंशियल इंडोस्कोपिक वेरिसिएल लाइगेशन एवं इंडोस्कोपिक स्क्लीरोथेरेपी का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।

4. मल असंयम हेतु उपकरण का विकास (स्टेनफोर्ड - इण्डिया बायो डिजाइन प्रोजेक्ट के साथ)।

5. पोर्टल हाइपरटेंसिव बिलियोपैथी के कारक पेरीकॉलेडोकल कोलेटिरल्स पर लियनोरीनल शंट के प्रभाव पर अग्रदर्शी अध्ययन (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।

6. पेरिएक्पूलरी कार्सिनोमा के कारण सर्जिकल ऑब्स्ट्रक्टिव जोन्डिस में प्री ऑपरेटिव कॉलेसिस्टो जीजू - नोस्टॉमी बनाम इंडोस्कोपिक स्टेन्टिंग का एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।

7. क्रॉनिक पैन्क्रियाटाइटिस हेतु ऑपरेशन बनाम इंडोस्कोपिक उपचार की तुलना करना एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।

8. नेक्रोटाइजिंग पैन्क्रियाटाइटिस के पश्चात् कार्यात्मक परिणाम। (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।

9. मिनिमली इनवेसिव पैन्क्रिएटिक नैक्रोसेक्टॉमी : एक अग्रदर्शी अध्ययन (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 12 **सार : 8** **पुस्तकों में अध्ययन : 1** **पुस्तकें : 1 + 1**

रोगी उपचार

ओ पी डी तथा विशिष्टता क्लिनिक

नए रोगी : 2047 पुराने रोगी 5583

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

एनल मेनोमिट्री, ईसोफेगियल मोनोमिट्री, 24 घण्टे एम्बूलेटरी ईसोफेगियल पी एच निगरानी।

अंतरोगी

ऑपरेशनों की संख्या (विशेष हित क्षेत्र)

कुल दाखिले : 724

ऑपरेशन

कुल निष्पादित संख्या :	556	आपात	157
ऐच्छिक	399	पोर्टल हाइपरटेंशन	64
बाइलरी ऑब्स्ट्रक्शन	125	कार्सिनोमा गाल ब्लैडर	29
ईसोफैगियल कैंसर	45	अपर जी आई हैमरेज	16
अल्सरेटिव कोलाइटिस	55	तीव्र पैन्क्रियाटाइटिस	16
लोअर जी आई हेमरल	10	बाइलरी स्ट्रिक्चर्स	15
क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस	15	लीवर रिसेक्शंस	25
पैन्क्रिएटो - ड्यूडेनेक्टॉमी	40		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. टी. के. चट्टोपाध्याय को एसिकॉन में एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इण्डिया के वार्षिक सम्मेलन के दौरान कर्नल पंडालाई व्याख्यान दिया, 2010, दिल्ली। वह मेडिकल काउंसिल ऑफ इण्डिया के टास्क फोर्स के सदस्य है और वह जी आई सर्जरी एन्यूल के संपादक बने रहे।

प्रोफेसर पीयूष साहनी इन्टरेनश्नल कमेटी ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स (आई सी एम जे ई) के वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यू ए एम ई) के प्रतिनिधि हैं। वह दि नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इण्डिया के संपादक तथा जी आई सर्जरी एन्युअल के सह संपादक हैं। वह राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के विशिष्टता मण्डल (सर्जिकल गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी) के सदस्य भी हैं।

डॉ. निहार रंजन दाश, ऑस्टोमी सोसायटी ऑफ इण्डिया के तीसरे बार अध्यक्ष चुने गए और वे इसके अध्यक्ष बने रहे। सोसायटी के 1500 से अधिक सदस्यों ने स्टोमा रोगियों को परामर्श प्रदान करने और निबा लाभ की कीमत पर सामग्री प्रदान करने के संबंध में निःस्वार्थ समाज सेवा प्रदान की। सोसायटी ने 14 नवंबर को अपना 20वां वार्षिक दिवस मनाया। जन व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

वैज्ञानिक अतिथि

डॉ. उएम. यामामोटो, आचार्य एवं अध्यक्ष एच पी बी सर्जरी विभाग, टोक्यो वूमैन्स यूनिवर्सिटी, टोक्यो, जापान ने विभाग का दौरा किया और 'मैनेजमेंट ऑफ हाइलर कोलंन्जियोकार्सिनोमा पर एक व्याख्यान दिया।

9.15 रुधिरविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आर सक्सेना

आचार्य

एच पी पति

अपर आचार्य

एस. त्यागी | एम. महापात्रा

सह - आचार्य

तुलिका सेठ | प्रवास मिश्रा

वैज्ञानिक ग्रेड - 2

एस. सेजवाल

विशिष्टताएं

विभाग रुधिरविज्ञानी विकारों के निदान एवं उपचार हेतु रीयल टाइम पी सी आर / पी सी आर / फ्लोसाइटोमिट्री जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करने में संलग्न था। इसमें रुधिरविज्ञानी विकारों से पीड़ित रोगियों का नैमिक निदान एवं उपचार सम्मिलित था। अभी तक विभाग द्वारा एप्लास्टिक एनिमिया, थैलासीमिया, ल्यूकिमिया तथा माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों हेतु 120 एलोजेनिक रक्त तथा मज्जा प्रतिरोपण पूर्ण किए जा चके हैं। माइलोमास, एक्यूट माइलोइड ल्यूकिमियास, लिम्फोमास तथा मल्टीपल स्क्लीरोसिस के एक मामले के लिए ऑटोलोगस प्रतिरोपण किए जा चुके थे। यूनिट के प्रतिरोपण के परिणाम विश्व के सर्वश्रेष्ठ प्रतिरोपणों से तुलना योग्य रहे हैं। विभाग ने हेमोग्राम हेतु आई एच एच टी एम - एम्स ई क्यू ए पी कार्यक्रम को समन्वित किया है। विभाग द्वारा नेशनल थैलासिमिया वेलफेयर सोसायटी तथा हेमोफिलिक फेडरेशन ऑफ इण्डिया जैसे एन जी ओ के साथ मिलकर कार्य किया गया।

विभाग द्वारा इण्डियन सोसायटी ऑफ होमाटोलॉजी एण्ड ट्रांसफ्यूज़न मेडिसिन के राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय क्विज़ हेतु प्रथम राज्य एवं क्षेत्रीय क्विज़ आयोजित किया गया।

डॉ. रेनू सक्सेना तथा डॉ. एम. महापात्रा, सी एल एल पर केनेडियन इंटरनेशलन डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा वित्त पोषित और शास्त्री इंडो केनेडियन इंस्टीट्यूट द्वारा प्रदत्त पाटर्नरशिप डेवलपमेंट सीड अनुदान 2011-12 के अंतर्गत यूनिवर्सिटी ऑफ मेनिटोब में अतिथि आचार्य थे। यूनिवर्सिटी ऑफ मेनिटोबा के डॉ. गिब्सन और डॉ. जॉनस्टन ने विभाग का दौरा किया और वार्ताएं प्रस्तुत की एवं डी एम छात्रों के साथ बातचीत की। संकाय सदस्यों तथा छात्रों ने आई एस एच टी एम, वार्षिक ए पी आई बैठक, पेडिकॉन, बी टी जी सिंगापुर, आई टी एम तेपई एवं लंदन के एक्सल कार्यक्रम सहित विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अ. भा. आ. सं. का प्रतिनिधित्व किया।

शिक्षा

विभाग नैदानिक रुधिर विज्ञान और रुधिर विकृति विज्ञान में डी. एम. पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इस वर्ष, एक अभ्यर्थी ने डी एम नैदानिक रुधिर विज्ञान परीक्षा तथा दो अभ्यर्थियों ने डी एम रुधिरविकृतिविज्ञान परीक्षा उत्तीर्ण की। छः रेजीडेंट डी एम

नैदानिक रुधिरविज्ञान में तथा चार डी एम रुधिर विकृतिविज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। रुधिरविज्ञान में पी एच डी के लिए छः छात्र पंजीकृत हैं। संकाय सदस्य रुधिर तथा काय चिकित्सा में स्नातक पूर्व छात्रों को प्रशिक्षण दे रहे हैं और बाल चिकित्सा विभाग के छात्रों हेतु नैदानिक रोगी अध्ययनों का संचालन करना जारी रखा। उन्होंने रुधिर विज्ञान में एम डी विकृतिविज्ञान छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना भी जारी रखा।

अल्प कालीन एवं दीर्घकालीन प्रशिक्षण

विभाग द्वारा अन्य संस्थानों के 31 डॉक्टरों को 1 से 6 माह की अलग अलग अवधि के लिए नैदानिक तथा प्रयोगशाला रुधिरविज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष के दौरान 1 से 6 माह की विभिन्न अवधि के लिए आण्विक रुधिरविज्ञान में 98 एम एस सी छात्रों ने भी अल्पकालीन प्रशिक्षण लिया।

सी एम ई / कार्यशाला एं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

1. लेंगरहेंस सैल हिस्टियोसाइटोसिस के उपचार पर नवीन उन्नतियों पर आई सी एम आर के साथ राष्ट्रीय परामर्शी बैठक। 28 अप्रैल 2012, एम्स।
2. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रथम आई एस एच टी एम राष्ट्रीय रुधिरविज्ञानी क्विज़ हेतु राज्य तथा केंद्रीय क्षेत्र क्विज़। पी जी आई - आई एस एच टी एम चण्डीगढ़, पी जी आई अस्पताल, चण्डीगढ़, 10-12 नवंबर 2011।

प्रदत्त व्याख्यान : 50

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. प्रोटोकॉल मोडीफाइड एम सी पी 841 पर तीव्र लिम्फोइड ल्यूकिमिया के आण्विक लक्षण वर्णन एवं उपचार। इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर कैंसर ट्रीटमेंट एण्ड रिसर्च। आर सक्सेना। आई एन सी टी आर, 200-1-12। 4.5 लाख रुपए प्रति वर्ष।
2. स्ट्रोक 2008-11 के विकास में नाइट्रिक ऑक्साइड की भूमिका। आर सक्सेना। डी एस टी, 2008-11।
3. सी एम एल से पीड़ित रोगियों में एन आर सी - ए एन - 019 का एक ओपन लेबल, फेज़-I डोज़ एसकैलेशन अध्ययन। प्रवास मिश्रा। एन ए टी सी। 2008-11। 6 लाख रुपए।
4. दिल्ली में कैंसरों के अवबोधन एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में परिवर्तन हेतु समुदाय आधारित नियोजित इंटरवेंशन। एक पायलट अध्ययन। तूलिका सेठ। आई सी एम आर, 2009-12, 11,18,025 रुपए।
5. अध्ययन में ए बी बी - 09-001। प्लाज्मा प्राप्त वॉन विलरब्रांड कारक सांद्र तथा रीकम्बीनेंट कारक 8 (आर एफ 8) सांद्रों के प्रति उद्भासित होने पर पूर्व में अनुपचारित रोगियों (पी यू पी) अथवा न्यूनतम रक्त संघटक उपचारित रोगियों (एम बी सी टी पी) में प्रतिषिद्धात्मक विकास : एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय, बहुकेंद्रीय, अग्रदर्शी, नियंत्रित, यादृच्छिक, ओपन लेबल, नैदानिक परीक्षण बहु केंद्रीय अध्ययन (25 देशों में 60 केंद्र)। तूलिका सेठ। फोडांजियोन एंजिलो बिनाची बोनोमी, 2010-13। 6 लाख रुपए।

जारी

1. क्रॉनिक माइलोइड ल्यूकिमिया के रोगियों में अवस्था प्रोन्नति के जीव विज्ञान को समझने के लिए जीनों का मॉड्यूलेशन। आर सक्सेना। आई सी एम आर, 2008-12। 8,90,000 रुपए प्रति वर्ष।

2. भारत में क्रॉनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के जीव विज्ञान को प्रभावित करने वाले आण्विक पैरामीटरों का मूल्यांकन। आर सक्सेना। आई सी एम आर, 2009-13। लगभग 6 लाख रुपए प्रति वर्ष।

3. हीमोग्राम में गुणवत्ता निर्धारण। आर सक्सेना। आई एस एच टी एम, 2003-13, 1.5 लाख रुपए प्रति वर्ष।

4. ए पी सी आर तथा एफ वी हीनता से पीड़ित भारतीय रोगियों में एफ वी का आण्विक लक्षण वर्णन, आर सक्सेना। आई सी एम आर, 2010-13। 27,62,563 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. सी एल एल में सिंडीकेन स्तरों का अध्ययन।

2. हेमाटोपोइटिक मूल कोशिका प्रतिरोपण में तीव्र तथा चिरकारी जी वी एच डी में सी डी 34 तथा सी डी 3 की भूमिका।

3. ए एम एल में 14वें दिन अस्थि मज्जा बायोप्सी की भूमिका का मूल्यांकन करना।

जारी

1. आई एच सी द्वारा ए एम एल में एन पी एम 1 म्यूटेशन की भूमिका का मूल्यांकन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. लिएनो रीनल शंट सर्जरी पेरिऑपरेटिव रक्त हानि को कम करने में ट्रानएक्जामिक एसिड की क्षमता और शंट पेटेंसी पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करना - एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन (संवेदनाहरण)।

2. शिशुओं में संभावित गंभीर जीवाणु संक्रमणों के उपचार में 7 दिनों से अधिक तथा 4 माह की आयु तक इम्यूनोमॉड्यूलेटर के रूप में जिंक देना (बाल चिकित्सा)।

3. कोरोनरी आर्टरी रोग से पीड़ित रोगियों में प्लेटलेट रिसेप्टर पॉलीमॉरफिज्म एवं थ्रोम्बोजेनिक म्यूटेशन का मूल्यांकन (हृदय विज्ञान)।

4. गर्भावस्था की तीसरी तिमाही में आयरन हीनता अरक्तता से पीड़ित रोगियों में एरिथ्रोपोइटिन स्तरों तथा सीरम ट्रांसफेरिन रिसेप्टर स्तरों का अन्य रुधिरविज्ञानी संकेतकों के साथ सहसंबंध (प्रसूति एवं स्त्रीरोग)

5. नवजात शिशुओं में अरक्तता में हेपसिडाइन रिसेप्टर की भूमिका (बाल चिकित्सा)

जारी

1. सिस्टेमिक ल्यूपस एरिथ्रोमैटोसस में थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरपुरा की व्यापकता (काय चिकित्सा)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 36 पुस्तकों में अध्याय : 17 पुस्तकें : 2

रोगी उपचार

अंतरंग रोग उपचार

विभाग द्वारा ल्यूकिमिया, एप्लास्टिक एनिमिया, आइडियोपैथिक, थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरपुरा, लिम्फोमास, माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम, हीमोफिलिया, बहु माइलोमा तथा विभिन्न अन्य रुधिरविज्ञानी विकारों से पीड़ित रोगियों की बढ़ती संख्या का अंतरंग रोगियों के रूप में उपचार किया है। पिछले वर्ष, 28 एलोजेनिक प्रतिरोपण सफलतापूर्वक निष्पादित किए गए। विभाग में कीमोथेरेपी, ऑपरेशनों तथा रक्त उत्पाद आधानों हेतु दिवस उपचार केंद्र भी है।

कुल अंतरंग रोगी : 852

सामान्य वार्ड (आपातकालीन सहित) : 500

प्राइवेट वार्ड (पुराने तथा नए) : 352

रुधिरविज्ञान दिवस उपचार केंद्र

माह	**दाखिल**	**रक्त आधान**	**कीमो थेरेपी**	**आईटी**	**फिलिबो टॉमी**	**पीआरपी**	**एफएफपी**	**एसडीपी**	**क्रायो**	**बीएमबी वाई**	**अस्पताल से छुट्टी**	**कुल**
अप्रैल	630	264	156	30	3	134	9	1	3	115	630	715
मई	768	298	195	41	5	155	7	2	6	150	768	859
जून	739	301	192	57	5	163	9	1	5	120	739	854
जुलाइ	817	328	272	53	0	161	9	7	2	125	817	957
अगस्त	720	260	220	45	1	125	14	5	0	106	720	776
सितं.	808	302	252	64	5	142	12	14	5	115	808	911
अक्तू.	675	273	206	42	8	108	10	10	1	100	675	758
नवंबर	668	268	210	35	5	91	8	7	1	100	668	725
दिसंबर	821	294	294	48	7	142	13	10	2	115	821	925
जनवरी	710	270	294	47	8	115	13	6	1	126	710	786
फरवरी	661	264	195	43	2	81	4	9	0	127	661	725
मार्च	752	307	208	35	4	103	11	4	6	125	752	803
कुल	**8769**	**3429**	**2694**	**540**	**53**	**1520**	**119**	**76**	**32**	**1424**	**8769**	**9794**

नैदानिक ऐफिरेसिस

एकल दानदाता प्लेटलेट : 1679 परिसरीय रक्त मूल कोशिका संग्रहण : 31

बहिरंग रोगी विभाग

रुधिरविज्ञान की ओ पी डी सोमवार / बुधवार / शुक्रवार को प्रात : 9.30 बजे से सायं 6.00 बजे तक लगती है। अर्बुदविज्ञान के रोगी हेमाटो - ओंकोलॉजी क्लिनिक (एच ओ) में सोमवार को देखे जाते हैं। विशिष्टता उपचार क्लिनिक भी होते हैं जैसे :- मंगलवार प्रातः काल को हेमाटोपोइटिक मूल कोशिका प्रतिरोपण क्लिनिक, बृहस्पतिवार प्रातः काल को हेमोस्टेसिस क्लिनिक (एच सी) तथा शनिवार प्रातः काल को लॉन्ग टर्म ल्यूकिमिया सर्ववाइवर क्लिनिक होता है।

ओ पी डी गणना

	सामान्य रुधिरविज्ञान						विशिष्टता क्लिनिक				कुल योग
रोगी	पु.	स्त्री.	कुल	एचओ	एचसी	एचए	सीएमएल	एचएस	एचटी	एचएल	
पुराने	13203	7613	20816	5100	2805	1357	4050	1611	644	362	15929
नए	5450	3330	8780	318	171	139	294	214	35	48	1219

बाह्य रुधिरविज्ञान दक्षता परीक्षण कार्यक्रम

विभाग में एच बी, एच सी टी, डब्ल्यू बी सी, आर बी सी, रेटिक, एम सी वी, एम सी एच, एम सी एच सी तथा पी. एस. मूल्यांकन सहित प्लेटलेट नामक मूल पैरामीटरों में कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। अप्रैल 2011 में इसमें भाग लेने वाली प्रयोगशालाओं की संख्या लगभग 910 थी जो वर्ष 2012 में संगत अवधि में 1100 तक पहुंच गई है। पूरे भारत से भाग लेने वाली प्रयोगशालाओं की सटीकता और विश्वसनीयता को बनाए रखने में अपने योगदान के कारण इस कार्यक्रम को प्रमुख स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रयोगशाला सेवाएं

विभाग में एक पूर्ण विकसित रुधिरविज्ञान प्रयोगशाला है और इसमें निम्नलिखित जांचें संचालित की गईं।

अरक्तता हेतु जांचें

जांच	संख्या	जांच	संख्या
एच पी एल सी	1816	सिकलिंग	79
जी 6 पी डी	746	एस आयरन	2064
कूम्बस	364	पीएनएच जैल कार्ड सीडी55/ सीडी59	128
पी एन एच (हेम जांच)	31	प्लाज्मा हेमोग्लोबिन	120
ओस्मोटिक फ्रैगिलिटो/इक्यूबेटिड ओस्मोटिक फ्रैगिलिटी	202	मूत्र हेमोसिडेरिन	108
हीन्ज पिण्ड	20	एच बी इलेक्ट्रोफोरेसिस	33
एच इंसुलिन	19	आयरन स्टेन	364

हेमोग्राम तथा जीवोति परीक्षा

हेमोग्राम	22206	रेटिक्यूलोसाइट काउंट	7172
अस्थि मज्जा चूषण	2485	बायोप्सी	2260
रेटिक्यूलिन विशेष स्टेन	221		

हेमोस्टेसिस हेतु जांच

शॉर्ट स्क्रीनिंग कोएगुलोग्राम	5570	फैक्टरी एसे	684
इनहिबिटर्स स्क्रीनिंग	300	फैक्टर इनहिबिटर्स एस्सै	14
आईएनआर	3750	ल्यूपस एंटीकोएगुलेंट	2500
प्लेटलेट फंक्शन जांच	1170	डी. डाइमर	1720
प्रोग्लोब सी	1203	फिब्रिनोजेन	580
प्रोटीन सी	900	प्रोटीन एस	900
ए पी सी आर	900	ए टी - 3	500

पी2जीपी	1200	एस. होमोसिटिएन	350
वीडब्ल्यूडी	340	डीएनए पेरेंटल डिटेक्शन	11
डीएनए : कैरियर पहचान	44	एफवी लियडेन	196
एमटीएचएफआर	20	क्लॉट सॉल्यूबिलिटी जांच	300
पी2010	20	थैलासीमिया पॉलिक्यूलर जांच	52
हेमोफिलिया बी	05		

ल्यूकिमिया हेतु जांच

आर टी पी सी आर

सी एम एल	573	ए एम एल	168
ए एल एल	73	जे ए के एम पी डी	111
साइटोकेमिस्ट्री	457	एल ए पी	215

फ्लो साइटोमिट्री

तीव्र ल्यूकिमिया	**सी एल पी डी**	**सी डी 34**	**पी एन एच**	**प्लेटलेट फंक्शन डिस्ऑर्ड्स**
285	76	38	244	5

सामुदायिक सेवाएं

विभाग द्वारा नेशनल थैलासीमिया वेलफेयर सोसायटी के समंवय से थैलासीमिया के रोगियों को परामर्श सेवाएं प्रदान की गई। हीमोफिलिया फैडरेशन ऑफ इण्डिया के समंवय से हीमोफिलिया रोगियों को उपचार देखभाल प्रदान किया गया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर रेनू सक्सेना, आई सी एम आर तथा डी एस टी की पी ए सी समितियों की सदस्य, आई एस एच टी एम - एम्स ई क्यू ए पी तथा मेडिकल एडवाइज़र हिमोफिलिक फेडरेशन ऑफ इण्डिया की समंवयक बनी रहीं।

प्रोफेसर एच पी पती, आई एस एच टी एम की महासचिव बनी रहीं।

डॉ. एम. महापात्रा को इण्डियन सोसायटी ऑफ हेमाटोलॉजी एण्ड ब्लड ट्रांसफ्यूज़न, 52वीं वार्षिक बैठक, चंडीगढ़, 10-12 नवंबर 2011 द्वारा प्रतिष्ठित मनोरमा स्प्रै व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया गया; वे आई एस एच टी एम के कोषाध्यक्ष बने रहे।

9.16 अस्पताल प्रशासन

आचार्य एवं अध्यक्ष

शक्ति कुमार गुप्ता

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य अस्पताल

डी. के. शर्मा

आचार्य

सिद्धार्थ सतपथी

अपर आचार्य

आई. बी. सिंह   संजय आर्य   आरती विज

शिक्षा

अस्पताल प्रशासन विभाग आयुर्विज्ञानी स्नातकों के लिए स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम अर्थात एम. एच. ए. (अस्पताल प्रशासन में निष्णात) कार्यक्रम को चलाता है जो कि इसके प्रवेशन के बाद से अब 45वें वर्ष में पहुंच गया है। इसे सरकारी तौर पर भारत में पहली बार फरवरी 1965 में आरंभ किया गया था और अब यह विशिष्ठ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के रूप में स्वीकार किया गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी कार्यक्रम "हैड्स ऑन" प्रशिक्षण पर जोर देता है, जहां रेजीडेंट प्रशासक अस्पताल के "कंट्रोल रुम" में रात-दिन ड्यूटी अधिकारी के रूप में कार्य करता है और ड्यूटी समय के बाद सभी अस्पताल कार्यकलापों को समन्वित करता है।

विभाग ने 1 जनवरी 2008 से अस्पताल प्रशासन विभाग के रेजीडेंटों के लिए एकीकृत शिक्षण मॉड्यूल चला कर शैक्षिक कार्यक्रम के प्रतिमान शिफ्ट शुरू किया है इसमें व्याख्यान, चर्चाएं, समस्या आधारित शिक्षण रोगी अध्ययन, पत्रिका क्लब, सेमीनार आदि शामिल है। विभाग द्वारा विभिन्न अतिथि व्याख्यानों को आयोजित किया जाता हैं ताकि शिक्षण में क्षैतिज को बढ़ाया जा सके।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न संगठनों में, जिसमें सेंट्रल, राज्य सरकारे, पैरामिलेट्री फोर्सेस और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में जैसे कि आईआईसीएम, रांची और निजी क्षेत्र के प्रबंधन संस्थान भी शामिल है, कार्य कर रहे डॉक्टरों के लिए कई शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए हैं।

अल्पकालीन एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. जुलाई से सितंबर 2011 तक सिक्कम मनीपाल विश्वविद्यालय, सिक्किम, से चार छात्र।
2. अक्तूबर 2011 से जनवरी 2012 तक श्री राम राय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, देहरादून से दो छात्र।
3. जनवरी से मार्च 2012 तक फैकेल्टी ऑफ मैनेजमेंट सांइस, दिल्ली विश्वविद्यालय, से एक प्रबंधन छात्र।
4. दिनांक 13 फरवरी 2012 से 01 मार्च 2012 तक स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग, स्कूल ऑफ मेडिकल एजुकेशन, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोटयम, से 24 छात्र।
5. दिनांक 11-28 फरवरी 2012 तक शेर - ए - कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर से दो एम डी (अस्पताल प्रशासन) पी जी छात्र।

सी एम ई, कार्यशाला / संगोष्ठी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

1. दिनांक 7-9 अप्रैल 2011 के विश्व स्वास्थ्य संगठन - भारत कार्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा रोगी सुरक्षा विषय पर 5वें एवं छठे राष्ट्रीय पहल के दौरान कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. दिनांक 17 - 19 अगस्त 2011 को डब्ल्यू. एच. ओ. - भारत कार्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से अस्पताल प्रशासन विभाग एम्स द्वारा रोगी सुरक्षा विषय पर 7वां एवं 8वां राष्ट्रीय पहल कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. दिनांक 20 अगस्त 2011 को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू पर अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा "रोगी सुरक्षा" विषय पर क्रमिक आयुर्विज्ञानी शिक्षा का आयोजन किया गया।
4. दिनांक 18-23 दिसंबर 2011 को विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारत कार्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से अस्पताल प्रशासन विभाग एम्स द्वारा वरिष्ठ हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स के लिए हेल्थ केयर एक्यूटिव मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।
5. दिनांक 9-11 फरवरी 2012 को अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स नई दिल्ली द्वारा 'आपात चिकित्सा सेवा प्रणाली - ई एम एस - 2012' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया इसमें 27 देशों से 13 विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
6. विभाग द्वारा एम्स में पल्स सितंबर 2011 को चिकित्सा छात्रों के वार्षिक उत्सव में आपात चिकित्सा सेवा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर बनाने, कॉलेज एवं सिरेमिक पेंटिग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

शक्ति कुमार गुप्ता : 8	**डी. के. शर्मा : 1**	**सिद्धार्थ सत्पथी : 12**
आई. बी. सिंह : 2	**संजय आर्य : 2**	**आरती विज : 5**

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. एम्स में जठरांत्र रोग विज्ञान एवं इंडोस्कोपी प्रक्रियाओं की लागत का अध्ययन।
2. एम्स में सुरक्षा प्रबंधन एवं तत्परता का अध्ययन करना
3. एम्स में उपयोगीकृत के संदर्भ में कृत्रिम इलेक्ट्रो-मेडिकल उपकरण की उपकरण प्रबंधन प्रणाली का अध्ययन द्वारा।
4. एम्स में अनुसंधान, शिक्षा एवं रोगी उपचार हेतु संकाय समय उपयोग का अध्ययन करना।

जारी

1. एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल उपकरण एवं यंत्रों के विसंक्रमण एवं स्ट्रे लाइजेशन प्रक्रियाओं का

   अध्ययन और मानकों के अनुसार उनमें सुधार लाने के लिए उपायो का सुझाव देना।
2. एम्स के मुख्य अस्पताल में रोगी उपचार क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुरक्षा कार्मिकों में मेडिकल उपकरणों से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं के संबंध में जानकारी, एवं प्रक्रिया का अध्ययन करना।
3. स्थापित मामलों के प्रति संरचना, प्रक्रिया और परिणाम के अनुसार एम्स के मुख्य अस्पताल में मौजूदा मेडिसीन, और पेडियाट्रिक गहन चिकित्सा यूनिटों का मूल्यांकन करना।
4. एनएबीएच मानकों के संदर्भ में एम्स में विभिन्न समितियों की मिली जुली भूमिका एवं कार्यकरण का अध्ययन और इसके कार्यकरण की तुलना में मूल्यांकन मॉडल का प्रस्ताव करना।

5. एम्स के पेडियाट्रिक्स - गहन चिकित्सा यूनिटों में स्वास्थ्य उपचार से संबद्ध संक्रमणों की लागत का अध्ययन करना।

6. एम्स में बजटीय आबंटन और इसके उपयोग की प्रणाली का अध्ययन करना।

7. एम्स, नई दिल्ली में स्वास्थ्य कार्मिकों में सूई स्टिक इंजूरी की घटना और रोकथाम का पता लगाने संबंधी अध्ययन करना।

8. ज. प्र. ना. ट्रामा केंद्र, एम्स में मेडिको-लिगल दस्तावेजों का अध्ययन एवं इलेक्ट्रोसिक्स मेडिकोलिगल डॉकुमेंटेशन हेतु एक मानक टैम्प्लेट को विकसित करना।

9. एम्स के नर्सिंग कार्मिकों को प्रशिक्षण की आवश्यकता का अध्ययन करना एवं कार्य निष्पादन सुधार को ध्यान में रखते हुए इसकी पहचान करना।

10. प्रचलित जोखिमों और सुभेद्यताओं को विचार में लेकर एम्स की आपदा प्रबंधन का अध्ययन एवं मूल्यांकन करना तथा आंतरिक और बाह्य दोनों आपदाओं को शामिल करने के लिए एक व्यापक प्रारूप सुझाव तैयार करना।

11. स्वास्थ्य देखभाल अधिशासी हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं टेम्पलेट विकसित करने हेतु आकलन करना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 1 सार : 1 पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

विभाग, अस्पताल सेवाओं में रोगी उपचार एवं नियंत्रण लागतों की डिलीवरी हेतु विभिन्न विभागों को प्रशासनिक सहायता के प्रावधान से बारीकी से जुड़ा है। विभाग एम्स में रोगी उपचार सेवाओं में गुणवत्ता उपचार मानक लेने के लिए जिम्मेदार है।

विभाग गुणवत्ता क्लिनिक सेवा की व्यवस्था में सहायता के लिए सहायक सेवाओं को जोड़ करके रोगी उपचार सेवाओं में सुधार लाने में सक्रिय रूप से संबद्ध रहा है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य शक्ति कुमार गुप्ता को अंतरराष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी का फेलो चुना गया; सड़क यातायात एवं राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत भारत के लिए राष्ट्रीय एम्बुलेंस कोड के निर्धारण हेतु विशेष समिति का अध्यक्ष; सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के तहत सड़क सुरक्षा के लिए आपात उपचार संबंधी कार्यदल का सदस्य; 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) के प्रतिपादन हेतु योजना आयोग द्वारा संगठित सड़क परिवहन पर कार्यदल के अंतर्गत 'सड़क परिवहन एवं मानव संसाधन प्रबंधन' पर उप समूह का सदस्य; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकारी; नई दिल्ली, द्वारा गठित अस्पताल सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय कार्ययोजना के विकास हेतु कार्यदल; वर्ष 2011-12 वित्तीय वर्ष हेतु रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एण्ड हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन का निर्वाचित अध्यक्ष; शिक्षा 'ओ' अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन हेतु बोर्ड ऑफ स्टडीज़ का सदस्य नामित; महाराष्ट्र सरकार राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत ईएमएस प्रणाली को स्थापित करने हेतु तकनीकी परामर्श प्रदान करने के उद्देश्य हेतु विशेषज्ञ दल, का सदस्य; शहीद हसन खान गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज मेवात एवं गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज फॉर वुमेन; खानपुर, कलां, हेतु चिकित्सा अधीक्षक के चयन हेतु चयन समिति में विशेषज्ञ; एन ए बी एच की शासी निकाय का सदस्य; भूटान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज; भूटान, हेतु एमबीबीएस छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के विकसित करने हेतु कार्यशाला के आयोजन हेतु विदेश मंत्रालय द्वारा प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व किया एम्स से विशेषज्ञों द्वारा पाठ्यक्रम को तैयार किया; कार्यक्रम निदेशक, विश्व स्वास्थ्य संगठन - भारत, नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 7-9 अप्रैल 2011 को अस्पताल प्रशासन, विभाग, एम्स द्वारा 'नेशनल इनिसिएटिव ऑन पेशेंट सेफ्टी' विषय पर 5वें एवं छठे कार्यशाला के दौरान; दिनांक 17-19 अगस्त 2011 के विश्व स्वास्थ्य संगठन - भारत कार्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा आयोजित 7वीं एवं 8वीं 'नेशनल इनीसिएटिव

ऑन पेशेंट सेफ्टी' विषय पर कार्यशाला; दिनांक 20 अगस्त 2011 को गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू; अस्पताल प्रशासन विभाग एम्स द्वारा 'रोगी सुरक्षा' विषय पर क्रमिक आयुर्विज्ञानी शिक्षा; दिनांक 5 अक्तूबर 2011 को प्रारूप अस्पताल संक्रमण नियंत्रण मार्गदर्शिका' एम्स 'नई दिल्ली, वैज्ञानिक कार्यदल का अध्यक्ष; दिनांक 18-23 दिसंबर 2011 को विश्व स्वास्थ्य संगठन - भारत कार्यालय; भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, पूसा, नई दिल्ली, के सहयोग से अस्पताल प्रशासन विभाग एम्स द्वारा वरिष्ठ हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स हेतु 'हेल्थकेयर एक्जीक्यूटिव मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम' का कार्यक्रम निदेशक; दिनांक 9 से 11 फरवरी 2012 के अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स 'इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज सिस्टम ईएमएस - 2012 विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, में अध्यक्ष थे।

आचार्य डी. के. शर्मा ने विभिन्न आंतरिक साथ ही साथ बाह्य नीति निर्माता एवं निर्णय करने वाली एम्स की समितियों के साथ ही साथ अन्य संगठनों जैसेकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण परिषद्, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार आदि के अध्यक्ष / सदस्य के रूप में सेवा की; मुख्य अतिथि / अतिथि सम्मान / अतिथि सेवाएं आदि के रूप में आमंत्रित; विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं सम्मेलनों; विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया एवं विभिन्न संगठनों की चयन समितियों के सदस्य जैसे कि राज्य लोक सेवा आयोग, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग, मेडिकल इस्टीट्यूशन, आईआईटी, आदि। विभिन्न पदों जैसेकि चिकित्सा अधीक्षक, उप निदेशक (प्रशासन), अस्पताल प्रशासन के सदस्य, चिकित्सा अधिकारी, समूह 'ए' एवं 'बी' नर्सिंग एवं अन्य श्रेणियों के अधिकारियों के साक्षात्कार, चयन हेतु कार्य किया; ब्यूरो ऑफ इण्डियन स्टैण्डर्स (बी आई एस), भारत की विभिन्न समितियों में यथा अस्पताल योजना, चिकित्सा उपकरण सर्जिकल उपकरण; प्रयोज्य सामग्री एवं ड्रेसिंग हेतु अध्यक्ष। प्रधान सदस्य के रूप में नामित किया गया; एम्स जैसे छः संस्थानों को स्थापित करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा आयोग (पी एम एस एस वाई) के स्थायी आमंत्रित सदस्य।

आचार्य सिद्धार्थ सतपथी जोनरल ऑफ एकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (जे ए एच ए) के संपादक थे; स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं पर भारतीय मानकों को तैयार करने / समीक्षा करने में संबंधित ब्यूरो ऑफ इण्डियन स्टैण्डर्स (एमएचआर-14) के सदस्य; क्यू सी आई के अंतर्गत नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फॉर एडयूकेशन एण्ड ट्रेसिंग (एन ए बी ई टी) के विशेष सदस्य; विहित मानकों सहित कार्यान्वयन हेतु अनेक संगठनों के कार्यालय आकलन का आयोजन किया; अमर कंटक मध्य प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की स्थापना करने के लिए एजुकेशनल कंसलटेंट ऑफ इंडिया की ओर से विस्तृत पगिपोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए तकनीकी समिति का विशेष सदस्य; भारतीय मानक ब्यूरो के बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट (एम एच डी - 22) पर स्वीकृति समिति; 'भवन समिति' राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी निकाय; 'बेस्ट हेल्थ केयर सर्विस एवार्ड' हेतु अस्पतालों के आकलन हेतु विशेषज्ञ समिति सदस्य के रूप में बड़ौदा के निकट एनटीपीसी प्रोजेक्ट हॉस्पिटल गंधार में प्रस्थान किया; 'बेस्ट हेल्थ केयर सर्विस एवार्ड' के लिए अस्पतालों का आकलन करने हेतु एक विशेष समिति सदस्य के रूप में उच्चाहार; सिंगरौल, कोरबा एवं बहलगांव में एनटीपीसी परियोजना हॉस्पिटलों में प्रस्थान किया। आई. जी. एन. टी. यू.; अमरकंटक, मध्य प्रदेश (तकनीकी विशेषज्ञ) में मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल को डीपीआर बनाने के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. आई. बी. सिंह सी जी एच एस एवं एम एस ओ हेतु फार्मुलटी के संवीक्षा (औषध के प्रतिपादित करने सहित स्वामित्व औषधि) हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; पी जी सीटों को बढ़ाने नए पाठ्यक्रमों को आरंभ करने के लिए 12वीं योजना के दौरान केंद्रीय निधि द्वारा राज्य सरकार के मेडिकल कॉलेजों को सुदृढ़ एवं अपग्रेडेशन करने की केंद्रीय योजना के तहत गठित निरीक्षण दल की सिफारिशों की मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ तकनीकी मूल्यांकन समिति का सदस्य; दिनांक 28-29 मार्च 2012 को नई दिल्ली में आयोजित 'फोर्थ ब्रिक्स समिट' हेतु चिकित्सा उपचार प्रबंधन हेतु समिति का सदस्य; दिनांक 30 जनवरी 3 मार्च 2012 को वरिष्ठ डॉक्टरों के प्रशिक्षण हेतु 'अस्पताल प्रबंधन एवं प्रशासन प्रशिक्षण कार्यक्रम' में अंतिम एवं विदाई सत्रों हेतु मुख्य अतिथि के रूप में साथ ही साथ विशेषज्ञ संकाय के रूप में कोल इण्डिया लिमिटेड, रांची में प्रस्थान किया।

डॉ. संजय आर्य को दिनांक 21 अप्रैल 2011 के पीएच डी थिसिस के संबंध में मौखिक परीक्षा हेतु जवाहर लाल नेहरु विश्व विद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आमंत्रित किया गया; दिनांक 8 अगस्त से 12 अगस्त 2011 को पत्राचार द्वारा अस्पताल प्रशासन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु एच आई एच एफ डब्ल्यू में बाह्य परीक्षक थे।

डॉ. आरती विज कस्टम ड्यूटी से छूट / कमी हेतु जीवन रक्षक औषधियों, किट्स एवं उपकरणों की समीक्षा के लिए भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की स्थायी समिति की सदस्य थी; दिनांक 29 अक्तूबर 2011 को अंगदान विषय पर दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के लिए प्रथम अभिविन्यास कार्यक्रम को आयोजित किया; दिनांक 26.11.2011 के एम्स के स्क्रीनिंग ऑफ पोटेंशियल मल्टी आरगन डोनर विषय पर राष्ट्रीय कंस्लटेशन का आयोजन किया; दिनांक 28 नवंबर 2011 को महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के तत्वावधान में एम्स में आयोजित, भारतीय अंगदान दिवस 2011 के आयोजन सचिव थीं; दिनांक 22.02.12 को एम्स में अंगदान विषयों पर दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के लिए द्वितीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया; दिनांक 21-24 अप्रैल 2011 को विश्व स्वास्थ्य संगठन - भारत कार्यालय; गोवा के सहयोग से अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा 'रोगी सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण एवं दुर्घटना की रोकथाम' विषय पर राष्ट्रीय नीतियों के मार्गदर्शन बनाने के लिए वैज्ञानिक कार्यदल समूह की बैठक में विशेषज्ञ के रूप में थी; डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स द्वारा आयोजित उन श्रेष्ठ मृत आत्माओं हेतु जिन्होंने अपनी आंख का दान करके कारनियल नेत्रहीन व्यक्तियों को संसार में दृष्टि प्रदान की उनके लिए आयोजित संस्मारक कार्यक्रम में भाग लिया।

9.17 प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए.के. मुखोपाध्याय

आचार्य

एम. इरशाद — सरमन सिंह

अपर आचार्य

सुभद्रा शर्मा

वैज्ञानिक

ए.के. श्रीवास्तव — वंदिता वासुदेव एस-।।।

उपलब्धियां

प्रयोगशाला चिकित्सा एम्स की प्रधान एवं केन्द्रीय प्रयोगशाला है जो कि अस्पताल एवं विभिन्न केंद्रों की आपात सेवाओं के प्रबंध करती है। इस वर्ष विभाग में कुल 84,58,289 जांचों को निष्पादित किया गया। ये जांचें इसकी नैदानिक रसायन, नैदानिक रुधिर विज्ञान, नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान एवं नैदानिक विकृतिविज्ञान अनुभागों में की गई। विभाग एम्स में एल आई एस प्रणाली कोकार्यान्वित करने के लिए तैयार है। विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा एम बी बी एस, एम डी, पी.एच-डी एवं नर्सिंग छात्राओं को शिक्षण के साथ ही साथ अनेक विकृतिविज्ञान विभाग एवं जैव रसायन विभाग के रेजीडेंटों एवं अन्य कालेज/ संस्थाओं से प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। चार अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक विभाग में पधारे। विभाग द्वारा तीन कार्यशालाओं/ सी एम ई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों जो कि भारत एवं बाहर आयोजित किए गए थे मुख्य वक्ता के रूप में तथा महत्वपूर्ण विषयों पर सत्रों की अध्यक्षता की। सीनियर एवं जूनियर रेजीडेंटों ने भारत तथा विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सममेलनों में शोध पत्र एवं पोस्टरों का प्रस्तुतीकरण किया। संकाय सदस्यों ने आई सी एम आर, डी एस टी, डी बी टी, विश्व स्वास्थ्य संगठन इत्यादि वित्तीय एजेसिंयों से निरंतर बड़ी मात्रा में निधियां प्राप्त की। संकाय सदस्यों ने विभाग एवं एम्स द्वारा विभिन्न एवार्ड एवं चयन समितियों में नामित करने पर व्याख्यान दिया और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए, इसका विवरण नीचे दिया गया है।

नैदानिक जैव रसायन प्रभाग को इस तरह सेट-अप किया गया है ताकि वह जांच हेतु प्रत्येक दिन 1000 रोगियों के रक्त नमूने प्राप्त करता है। प्रक्रियाओं को कारगर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं ताकि समय पर रिर्पोटिंग एवं गुणवत्तायुक्त परिणाम प्राप्त हो सके। इसके लिए, कंप्यूटरीकृत पंजीकरण, ऑन-लाइन रिपोर्टिंग, सुविधापूर्वक रोगियों को रिजल्ट प्राप्त हो सके आदि कार्य प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त, अंतराष्ट्रीय एजेंसियों की सहायता से इस सेट-अप में सभी विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएं को वाह्य एवं आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रमों को नियंत्रित एवं मानीटर किया जा रहा है। यह सेट-अप एन ए बी एल द्वारा प्रत्यायन की प्रक्रिया के अंतर्गत है।

टी बी प्रयोगशाला को भारत सरकार की केंद्रीय टी बी प्रभाग द्वारा प्रत्यायन (प्रमापीकरण) किया गया है।

शिक्षा

अल्पकालीन प्रशिक्षण

सात प्रशिक्षणार्थियों जो कि एक जामिया मीलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से, चार जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं एक-एक कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा एवं विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन से थे ने विभाग में विभिन्न संभागों में अल्पावधिक प्रशिक्षण

प्राप्त किया। अंतिम 6 प्रशिक्षणार्थियों ने केवल नैदानिक सूक्ष्मजैव विज्ञान एवं आंशिक जैव विज्ञान संभाग में ही प्रशिक्षण विकल्पचुना।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/ कार्यशाला/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. नैदानिक रूधिर विज्ञान अनुभाग द्वारा 'प्रीवेंशन आफ प्रीएनालिटिकल इरर' विषय पर एक दीर्घ कार्यशाला का आयोजन किया, 22 फरवरी, 2012।
2. नैदानिक सूक्ष्मजैव विज्ञान अनुभाग ने 'मल्टीप्लेक्स सी सी आर (टी बी की पड़ताल के लिए तीव्र आण्विक परीक्षण) विषय पर सेमीनार का आयोजन किया, 4-6 मई, 2011।
3. नैदानिक सूक्ष्मजैव विज्ञान अनुभाग द्वारा क्रिस्टल टी बी कल्चर से एम ट्यूबरकुलोसिस की पड़ताल एवं पुष्टि हेतु कन्फर्म इम्यूनक्रांमेटोग्राफिक्स रेपिड विजुवल परीक्षण का आयोजन किया, 2-3 मई, 2011।

प्रदत्त व्याख्यानः 17

पत्र प्रस्तुतिः 11

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. अल्जेमर रोग और वास्कुलर डिमेंशिया से संबद्ध जोखिम कारकों का आकलन करना। डॉ. ए के मुखेपाध्याय, आई सी एम आर, 2007-11, रू. 24,83,882.
2. भारतीय समुदाय में विद्यमान ट्रांसयूजन संचारित वायरस (टी टी वी) के विभिन्न जेनोमिक क्षेत्रों की क्लोनिंग क्रम निर्धारण तथा अभिव्यक्ति। डॉ. एम इरशाद, आई सी एम आर द्वारा वित्त पोषित, 2008-10, रू. 27 लाख।
3. एच सी वी संक्रमण के निदान और पैथोजेनेसिस में हिपेटाइटिस सी वायरस (एस टी वी) मुख्य प्रोटीन की भूमिका। डॉ. एम इरशाद, आई सी एम आर द्वारा वितत पोषित, 2008-10, रू. 26 लाख।
4. संदिग्ध यक्ष्मा के मामलों के नैदानिक नमूनों से प्रत्यक्षतः माइक्रोबैल्टेरियम याक्ष्मा, माइक्रोबैक्टेरियम इवियम काम्पलेक्स और अन्य माइक्रोबैक्टेरियम प्रजातियों का एक साथ पता लगाने और उनमें विभेदीकरण के लिए एक नोबेल मल्टीप्लेक्स पी सी आर जांच। डॉ. सरमन सिंह, जैवप्रोद्योगिकी विभाग, 2007-11, रू. 33.61 लाख।
5. ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के लिए बायोमार्करों तथा पैथजन विनियमित लक्ष्य की पहचान करना। डॉ. सरमन सिंह, आई सी जी ई बी द्वारा वित्त पोषित, 2010-11, रू. 5,97,400.
6. दिल्ली के किसी स्थानिक क्षेत्र से माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबर कुलोसिस आइसोलेट्स की जीनोटाइपिंग तथा आण्विक विधियों का प्रयोग करते हुए पारिवारिक सम्पर्कों तथा समुदाय में उनकी संचरण गत्यात्मकता का निर्धारण करना। डॉ. सरमन सिंह, आई सी एम आर द्वारा वित्त पोषित, 2007-11, रू. 47,41,150.

जारी

1. जेरियाटिक रोगियों में अल्जेमर रोग और वास्कुलर डिमेंशिया में आक्सिडेटिव तनाव जोखिम कारकों का अध्ययन करना। डॉ. ए. के. मुखोपाध्याय, आई सी एम आर द्वारा वित्त पोषित, रू. 16.48 लाख।
2. उदासी से पीड़ित किशोरों में सीरम इंटरल्यूकिन लेवल्स पर योग का प्रभाव डॉ. ए के मुखोपाध्याय, सी सी आर वाई एन, 2008-11, रू. 21.46 लाख।

3. अवसादग्रस्त युवाओं की नैदानिक अभिव्यक्ति में न्यूरोट्राफिन्स, साइटोकिन्स तथा जेनेटिक पोलीमारफिज्म की भूमिका। डॉ. ए के मुखोपाध्याय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित, 2010-13, रू. 35.99 लाख।

4. पार्किन्सन रोग में माइटोकॉड्रियल मुटेशन्स, माइटोकांड्रियल फंक्शन और ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस का अध्ययन करना। डॉ. ए के मुखोपाध्याय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011-14, रू. 35.67 लाख।

5. रोगियों के रक्त में ए जी हिपेटाइटिस वायरल संक्रमणों का पता लगाने के लिए एक सिंगल स्टेप मल्टीप्लेक्स रियल टाइम पी सी आर (आर टी-पी सी आर) को विकसित करना। डॉ. एम. इरशाद, आई सी एम आर, 2012-13, रू. 16.30 लाख।

6. एंटी-टी टी वी एंटी बाडिज के लिए टोर्क टेनो वायरस (टी टी वी) एवं विकसित ई आई ए सिस्टम के एन- 22 रीजन की क्लोनिग एवं एक्सप्रेशन। डॉ. एम इरशाद, सी एस आई आर, 2011-14, रू. 19.92 लाख।

7. जीनो टाइप्स एवं एच सी वी कोर एक्सप्रेशन के बीच संबंध स्थापित करने एवं एच सी वी जीनो टाइपिंग हेतु विकसित जांच करना। एम इरशाद, यू जी सी, 2008-13, रू. 14 लाख।

8. यूनानी चिकित्सीय पौधों के लेइसमेनियल- रोधी कार्यकलाप वाले सक्रिया मिश्रणों का पृथक्करण और शुद्धिकरण करना। डॉ. सरमन सिंह, सी सी आर यू एम, 2008-11, रू. 25 लाख।

9. दिल्ली, भारत में बाल्यावस्था याक्ष्मा रोगियों में जिंक अनुपूरण। डॉ. सरमन सिंह, नार्वे विश्वविद्यालय, 2007-12, रू. 42 लाख।

10. क्षेत्र दशाओं के अंतर्गत एम. ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाने के लिए अकुशल कार्मिकों द्वारा अपनाएं गए डॉक्टर कार्यालय नैदानिक उपकरण। डॉ. सरमन सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-12, रू. 11.5 लाख।

11. लीजमेनियासिस तथा ट्यूबर कुलोसिस के प्रोफिलैक्सिस के लिए चिमेरिक डी एन ए टीके पर पशु अध्ययन, सरमन सिंह, आई सी एम आर 2010-13, रू. 38 लाखं

12. सरवाइकों वेजिनल टीशूज में सीमेन मेडिटेटेड एच आई वी 1 संपर्क पर हरपीस वायरसों के फीमेल सेक्सुवल ट्रांसमिशन प्रभावों के एच आई वी 1 मेल का निर्धारण करना। डॉ. सरमन सिंह, आई सी एम आर, 2011-13, रू. 47 लाख।

13. विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एशिया क्षेत्र के लिए हमारे प्रयोगशाला पर टी बी प्रशिक्षण का साज-सज्जा का पुरस्कार, सरमन सिंह, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 2011-16, यू एस 2250 डॉलर।

14. नैदानिक नमूनों से सीधे मानको बैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस, एम एवियम कम्पलेक्स एवं अन्य मानकों बैरियम स्पेशीज के विभेदीकरण एवं शीघ्र पड़ताल हेतु एक नावेल लूमप मेडिटेटेड आइसो थर्मल एम्पलीफिकेशन (एल ए एम) आकलन करना। सरमन सिंह, डी बी टी, 2011-14, रू. 63 लाख।

15. भारत में टॉक्सोलाज्मता का मानव सीरम जानपदिकरोग विज्ञान। एबोट, 2011-12, रू. 9 लाख।

16. एम डी आर/ एक्स डी आर ट्यूबरकुलोसिस के निदान, पुर्वानुमान एवं पड़ताल के लिए एक रीकबीनेंट का क्लोनिंग, एक्सप्रेशन, शुद्धिकरण एवं मूल्यांकन करना। डॉ. सरमन सिंह, आई सी एम आर, 2011-14, रू. 31 लाख।

17. एच आई वी सीरोपाजिटिव रोगियों में एम ट्यूबरकुलोसिस के आणिक जानपदिक रोग विज्ञान, एवं आनुवंशिक लक्षण वर्णन। डॉ. सरमन सिंह, आई सी एम आर, 2012-15, रू. 19 लाख।

18. नैदानिक नमूनों में लेसमिनिया के स्ट्रेंस के कारण विसेपिल लेसमिनेसिस (वी एल) एवं पोस्ट कला-अजर-डर्मल-लजिनेसिस की पड़ताल करना एवं विभेदीकरण करना। डॉ. सरमन सिंह, एम्स, रू. 1 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. यकृत रोगों में इंसूलीन प्रतिरोध।
2. वृक्क की खराबी वाले रोगियों में टी टी वी की भूमिका।
3. भारतीय समुदायों में सी आर एफ पर महामारी वैज्ञानिक अध्ययन।
4. पोली प्रेप्टाइड संबद्ध टी टी वी की क्लोनिंग और अभिव्यक्ति।
5. भारतीय जनसंख्या में टी टी वी की जीनोटाइपिंग।
6. एच सी वी जीनोटाइप्स की सीरो पहचान के लिए तत्समय पी सी आर।
7. सिरोसिस/ एच सी वी में एच सी वी- जीनोटाइप्स का महत्व।
8. हीपेटाइटिस वायरसों हेतु मल्टीप्लेक्सींग आकलन करना।
9. एच सी सी में ए आर एफ प्रोटीन्स (एच सी वी) की सार्थकता।
10. ड्यूलि संक्रमित रोगियों के परिवारों के सदस्यो में एच पी बी और एच सी सी की संचरण दर (जठरांत्र रोग विज्ञान)
11. प्रमात्रात्मक वास्तविक समय पी सी आर प्रयोग करके एंटी एच बी वी चिकित्सा किए जाने वाले रोगियों में हिपेटाइटिस 'बी' वायरल लोड मानीटरिंग (जठरांत्ररोग विज्ञान के साथ)।
12. याक्ष्मा के शीघ्र और संवेदी निदान हेतु विभिन्न पी सी आर प्राइमर्स का तुलनात्मक अध्ययन।
13. विभिन्न माइकोबैक्ट्रियल संक्रमण के जाति विशेष निदान हेतु मल्टीप्लेक्स पी सी आर आर का मानकीकरण एवं मूल्यांकन।
14. एम्स में एच आई वी धनात्मक रोगियों में कोकसिरिपन पैरासाइटिक संक्रमणों की रोकथाम एवं उपचार अभिव्यक्ति (कायचिकित्सा विभाग के साथ)।
15. हेप्टोटॉक्सिसिटी से उत्पन्न याक्ष्मा रोधी उपचार हेतु याक्ष्मा रोधी औषधि और जोखिम कारकों की पुनः शुरूआत का अध्ययन करना (कायचिकित्सा के साथ)।
16. फुंसीदार और अति फफुसीप और याक्ष्मा वाले रोगियों में माइकोबैक्टोरिमिया का अध्ययन (कायचिकित्सा विभाग के साथ)
17. डिस्क डियूजन मैथड एवं ई-टेस्ट का उपयोग करके मूत्रीय विकृतिजन के ई एस बी एल की रोकथाम का अध्ययन करना।
18. पश्चिमी ब्लॉट विधि का प्रयोग करते हुए तीव्र टॉक्सोप्लास्मोसिस में इम्यून रिस्पोंस का अध्ययन करना।
19. ट्यूबरकुलोसिस का निदान करने के लिए सीमर, एल जे कल्चर, एम जी आई टी - 960 बैकरी कल्चर और बैकटेटोकोफेज का तुलनात्मक मूल्यांकन करना।
20. विभिन्न टी ओ आर सी एवं जांच किटों का तुलनात्मक मूलयांकन।
21. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के स्वास्थ्य परिचर्या कार्यकर्ताओं में सूई चूभन चोट के पश्चात रक्त जनित संक्रमण।
22. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आने वाली गर्भवती महिलाओं में टेक्सो प्लाज्मा गोडि आई जी जी एविडिटी की परख।
23. एच आई वी धनात्मक और एच आई बी निगेटिव रोगियों से माइकोबैक्टोरियल आइसोलेट्स का क्रम आधारित निदान।
24. परम्परागत सी एम वी संक्रमण के निदान के लिए नेस्टेड पोलीमेरेज श्रृंखला प्रतिक्रिया।

25. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आने वाले एड्स रोगियों में आवसरिक संक्रमण।

सहयोगी परियोजनाएं

1. सगर्भता में गैस्टेटेरनल डायबिटीज मेलिटस के विकास सहित प्रथम ट्राईमिस्टर स्क्रीनिंग और सीरम इंसूलीन लेवलों के बीच सह संबंध (प्रयोगशाला चिकित्सा एवं अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।
2. भारतीय आबादी में क्रोनिक वृक्कपात (सी आर एफ) पर एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। (प्रयोगशाला चिकित्सा एवं वृक्क विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 20 **सार : 8** **पुस्तकों में अध्याय : 5**

रोगी उपचार

केन्द्रीयकृत रक्त संग्रह सुविधा : 84,58,289

I. शिराछेदन

कुल शिराछेदन एवं नमूनों (प्राइमरी एवं पोस्ट प्राडियल) की संख्या : 74,789

II. रक्त नमूनों का वितरण

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग को

नैदानिक रसायन अनुभागः	56204	नैदानिक रुधिर विज्ञान अनुभागः	48974
नैदानिक सूक्ष्यमजैव विज्ञान अनुभागः	2521	नैदानिक विकृतिविज्ञानः	157

विभाग के बाहर प्रयोगशालाओं को

हृ.तं.के. :	6755	सूक्ष्मजैव विज्ञान अनुभागः	10,060
ट्रांसयूजन मेडिसिन विभागः	2,409		

III. निष्पादित जांच

ब्लीडिंग समय, कलोटिंग समयः	580	प्रोथोम्बीन समयः	5,115
कुलः	5,695		

आपात प्रयोगशाला सेवाएं (रात-दित)

संवेदी देखभाल प्रयोगशाला

नैदानिक जैव रसायन **हीमोग्राम एवं शरीर तरल**

जांच		**संख्या**	**जांच**		**संख्या**
एमाइलेस	:	35251	टी एल सी	:	107703
बिलरुबिन टोटल	:	70208	प्लेटलेट	:	107703
कैल्सियम (टोटल)	:	117852	प्रोथ्रोम्बिन समय	:	34060
कैल्सियम (आयोनाइज्ड)	:	117852	मलेरियल पैरासाइट	:	2199
क्लोराइड	:	117852	सी एस एफ सेल्स	:	8337

क्रिएटिनाइन	:	103425	मूत्र	:	1077
सी एस एफ (प्रोटीन)	:	5314	माइक्रो ब्लड कल्चर	:	6230
ग्लूकोज	:	14912	माइक्रो सी एस एफ	:	2219
पी एच	:	117852	ग्राम स्टेन	:	1080
पोटेशियम	:	117852	स्लाइडस्टेन जिम्सा	:	1531
सोडियम	:	117852	स्टूल हैंगिग ड्राप	:	255
यूरिया	:	103425	एम सी वी	:	...
ए बी जी	:	21022	एम सी एच	:	107703
एच सी टी	:	21022	एम सी एच सी	:	107703
टी एच बी	:	21022	पी सी वी	:	107703
ओ2 एच बी	:	21022	आर बी सी	:	107703
सी ओ एच बी	:	21022	**कुल**	**:**	**8,10,909**
मेट एच बी	:	21022			
सोडियम +	:	21022			
पोटेशियम +	:	21022			
क्लोरीन	:	21022			
कैल्सियम	:	21022			
कुल	**:**	**14,60,087**			
महायोग	**:**	**22,70,996**			

टिप्पणी : धमनी रक्त गैस (ए बी जी) पी एच, पी सी ओ2 पी ओ2 बी ई, बी ई ई सी एफ, एच सी ओ3, एस टी एच सी ओ3 टी सी ओ2, एस टी. पी एच+, सी एच़ ए ओ2 सेचुरेशन ए- ए डी ओ2, आर क्यू, डी बी ई/ डी टी एच बी, शामिल है, सभी को एक ही समय में एकल जांच के रूप में मापा जाता है।

नैदानिक जैव रसायन अनुभाग

जांच		**रक्त**	**मूत्र**	**तरल**
शर्करा	:	1,40,000	232	1,204
यूरिया	:	2,56,102	240	...
टी प्रोटीन	:	2,48,952	...	1,204
एल्बुमिन	:	2,48,952	...	1,204
24 घंटे एल्मुमिन	:	....	39,300	...
बिलीरूबिन				
(i) कुल	:	2,44,502	...	...

(ii) संयुक्त	:	2,44,502	...	...
एल्के. फास्फेट	:	2,36,100	...	...
कोलेस्ट्राल	:	60,703	...	...
सोडियम	:	2,40,532	3,600	...
पोटेशियम	:	2,40,532	3,600	...
कैल्शियम	:	1,72,401	5,152	...
फास्फेट	:	1,73,432	5,152	...
यूरिक एसिड	:	1,69,105	3,905	...
एमाइलेज	:	शून्य	..	...
किएटिनाइन	:	2,30,112	12,240	...
एस जी ओ टी	:	2,36,901	...	...
ए जी पी टी	:	2,36,901	...	...
ए बी जी	:	801		
कुल	**:**	**33,86,137**	**73,421**	**3,612**

टिप्पणी : धमनी रक्त गैस (ए बी जी) में पी सी ओ2, पी एच, पी ओ2, एच सी ओ3, सी ओ2, ए एस डी ओ2, ओ2, एस ए टी, बी ई शामिल हैं जिन्हें सबको एक एकल जांच के रूप में एक ही समय सीमा के भीतर मापा जाता है।

अनुरोध पर जांच

जांच		**संख्या**	**जांच**		**संख्या**
एच बी एस ए जी	:	500	आई जी एम एंटी एच बी सी	:	500
एच बी ई ए जी	:	500	एंटी एच सी वी	:	1000
एंटी एच ई बी	:	500	आई जी एम एंटी एच डी वी	:	200
आईजीएमएंटीएचएवी	:	300	एच सी वी आर एन	:	1500
टी टी वी- डी एन 8	:	300	सुपरआक्सीडेंट डिसमुटाज	:	200
टी. एंटीआक्सिडेंट	:	700	एप्रोटीन ए	:	200
एप्रोटीन	:	200	एल पी (ए)	:	200
सी के	:	200	एल डी एच	:	200
जी जी टी	:	200	टी जी	:	200
एल डी एल सी	:	200	एच डी एल सी	:	200
एम डी ए	:	200	जी पी आ	:	200
कुल	**:**	**7,700**			
महायोग	**:**	**34,70,870**			

कमरा नं. 18 से सेवाएं

एडिनोसाइन डिमनाज परख (ए डी ए)	1699	न्यूरोसिस्टीसटकोसिस	121
कुल	**1820**		

विविध : नवीन जांच

विटामिन बी 12	366	फोलेट	315
फेरीटिन	142		

ट्यूमर मार्कर

आई पी टी एच	129	सी ई ए	83
सी ए	59	सी ए 15-3	46

डी आई सी अध्ययन

ए पी टी टी	1111	टी टी	469
डी. डीमर	341		
कुल	**3056**		
महायोग	**4876**		

रुधिर विज्ञान अनुभाग

जांच	**ओ पी डी**	**वार्ड**
एच बी	87889	73860
टी एल सी	87889	73860
पी सी वी	87889	73860
डी एल सी	87889	73860
ई एस आर	74988	44595
डी/एम	87889	21473
पी एल टी	87889	73860
रिटिक काउंट	13674	10328
ए बी एक काउंट	25724	...
एम पी	48507	13372
आर डी डब्ल्यू	87889	73860
एम सी वी	87889	73860
एम सी एच	87889	73860

एम सी एच सी	87889	73860
आर बी सी	87889	73860
पी टी		12384
अन्य*	18560	12350
कुल	**1148232**	**853102**

महायोग : 20,01,334

*** पुनरावृत्ति जांच, परीक्षण जांच, गुणवत्ता नियंत्रण नमूने, आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण आदि**

टिप्पणी : एच बी, टी एल सी, पी सी बी, डी एल सी, प्लेटलेट, एम सी सी, एम सी एच सी, आर बी सी, को एक ही समय सीमा में एकल प्रतिकाक द्वारा मापा जाता है।

सूक्ष्म जीवविज्ञान संभाग

नैमिक जांच

1. मूत्र

परीक्षणों के नाम	**ओ पी डी**	**बार्ड**	**कुल**
चिकित्सा बोर्ड	-	-	9010
नैमिक	31632	27526	59158
सूक्ष्मदर्शी	28830	27526	56356
पी एच	28830	27526	56356
विशिष्ट गुरूत्वाकर्षण	28830	27526	56356
एसिटोन	28830	27526	56356
बाइल विंगमेंट/ साल्ट	28830	27526	56356
यूरोबिलीनोजेन	28830	27526	56356
रक्त 28830	27526	56356	
बेंस जोंस प्रोटीन	411	121	532
काइलूरिया	78	91	169
पोप्रोबिलीजोनेन	30	20	50
मायोग्लोबिनूरिया	2	6	8
माइक्रोएल्बुमिन	6	-	6
मूत्र संवर्धन	14512	-	14512
स्ट्रेन पहचान जांच	10440	-	10440
प्रतिजैविकी सुग्रहिता	2299	-	2299
उप-योग	**261220**	**220446**	**490676**

2. मल जांच

वेट माउंट सालिन	17787	6627	24414
वेट आयोडी स्टेन	17787	6627	24414
मल में आकलेट रक्त	1935	704	2639
फैट ग्लोबुल्स	271	201	472
मल जेड एन स्टेन के लिए			
विशेष स्टेन, आशोधित जेड			
एन स्टेन ट्रिकोम तथा क्रोमोटोप	1392	1164	2556
उपयोग	**39172**	**15323**	**54495**
3. वीर्य विश्लेषण			
नैमिक	2466	-	2466
प्रतिक्रिया की संख्या	2466	-	2466
मोटिलिटी	2466	-	2466
काउंट	1817	-	1817
फ्रक्टोल	649	-	649
मार्फोलॉजी	1817	-	1817
उपयोग	**11681**		**11681**
4. थूक विश्लेषण			
जेड-एन स्टेनिंग फार ए एफ बी	14704	5498	20202

विशेषीकृत जांच

सीरोलॉजी एवं आण्विक जैवविज्ञान

परीक्षणों के नाम	**कुल**	**परीक्षणों के नाम**	**कुल**
टोर्च			
टोक्सोप्लाज्मा गोंडी आई जी जी	2094	टोक्सोप्लाज्मा गोंडी आई जी जी	2130
रूबेला आई जी जी	239	रूबेला आई जी जी	261
साइटोमेगालों आई जी जी	500	साइटोमेगालों आई जी जी	519
हरपीस सिम्पलेक्स वायरस आई जी जी	236	हरपीस सिम्पलेक्स वायरस2 आई जी जी	236
हरपीस सिम्पलेक्स वायरस (1+2) आई जीएम	245	टोक्सोप्लाज्मा गोंडी आई जी जी एविडिटी	39
रूबेला आई जी जी एविडिट	24	साइटोमेगालोवायरस आई जी जी एविडिटी	6
पार्वो वायरस बी 19 आई जी जी	63	पार्वो वायरस बी 19 आई जी एम	65

उपयोग	**6657**		
वायरल मार्कर एवं अच आई वी			
एंटी एच ए वी आई जी एम	476	एच वी एस ए जी	5130
एंटी एच वी सी आई जी एम	164	एच वी ई ए जी	428
एंटी एच वी ई	333	एंटी एच वी एस	362
एंटी एच सी वी एंटीबाडी	3493	एच ई वी आई जी एम	576
एच आई वी (1+2) एलिसा	3613	एच आई वी स्पोट जांच	30
एच आई वी वेस्टर्न ब्लॉट	2	एच वी एस ए जी (स्पॉट)	60
एच सी वी (स्पॉट)	22		
उपयोग	**14689**		
अन्य सीरोलॉजी			
मिजल्स आई जी जी	53	मिजल्स आई जी जी	38
मम्पस आई जी जी	8	मम्पस आई जी एम	8
वेरिसेला आई जी जी	121	वेरिसेला आई जी एम	112
ई बी वी आई जी जी	123	ई बी वी आई जी एम	123
मवेरिया ए जी	20	एच एच वी-6 आई जी जी	100
एच एच वी-7 आई जी जी	100	एच एच वी-8 आई जी जी	100
डेंगू	20	लेटेक्स ए जी जी	2
टी वी आई जी जी/ आई जी एम/ आई जी ए	1500		
उपयोग	**2428**		
आण्विक जांच			
टॉक्सोप्लाज्मा गोंडी पी सी आर	5	लीसमेनिया पी सी आर	288
टी बी पी सी आर	9413	एच एच वी-6 पी सी आर	50
ई बी वी पी सी आर	106	एच एस वी (192) पी सी आर	106
सी एम वी (आर टी पी सी आर)	106	एच बी वी डी एन ए प्रमातात्मक	700
एच सी वी आर एन ए गुणात्मक	280	एच आई वी वायरल लोड (एनएएसबीए)	250
एच पी वी	30	एच एच वी-8	50
उपयोग	**1384**		

लिसमेनिया सीरोलॉजी

सीरोलॉजी	101	एल डी हेतु सूक्ष्यमदर्शी	48
लिसमेनिया स्ट्रेन रख रखाव (इन विट्रो)	1296	रोगी नमूना लिसमेनिया संबंधी	48
उपयोग	**1493**		

टी बी प्रयोगशाला

कुल प्राप्त नमूनों की संख्या	5704		
ए एफ बी सूक्ष्मदशी निष्पादित जेड एन स्टेनिंग -			
जेड एन स्टेनिंग	5321	ए आर स्टेनिंग	308
माइकोबैक्टेरियल कल्चर एवं रख रखाव निष्पादित			
एल जे निडियम इनोकुलेटेड	5211	बैकटेक एम जी आई टी 960 इनोकुलेटेड	5468
ड्रग सस्पेसिबिल्टी टेस्टिंग निष्पादित			
बी ए सी टी ई सी एम जी आई टी 960	479	अगर प्रोपोस्सनेट मैथड	423
ट्रीटाजोलियम माइक्रोप्लेट परख	165	जैव रवायन जांच निष्पादित	260
ट्यूबरकुलीन त्वचा जांच निष्पादित (पी पी डी)	426	टीबी कल्चर पुष्टि जांच स्ट्रिप द्वारा निष्पादित	
लाईन प्रोब परख (एच ए आई एन जांच)	196	संवर्धित क्रायो प्रारक्षित	1128
एम ओ डी एस द्वारा डी एस टी (माइक्रोस्कोपी अवलोकित औषध संवेदनीयता)	260		
उपयोग	**26024**		
महायोग	**609527**		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. ए. के. मुखोपाध्याय इग्नू के चयन समिति के सदस्य हैं, उन्होंने शिक्षक दिवस के अवसर पर बंकुरा सम्मिलानी मेडिकल कॉलेज, पश्चिम बंगाल में आचार्य एस एन सेनगुप्ता स्मारक संभाषण दिया, नालेज एवार्ड, स्पेन के वर्ष 2011 बी बी वी ए फाउंडर्स फंटियर्स हेतु नामांकन समिति का सम्मानीत सदस्य, इनफोसीस साइंस फाउंडेशन एवार्ड 2011 हेतु पिछले दो वर्षो से नामांकन परिषद के सदस्य के रूप में सम्मानित किया गया, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, डी एस आई आर का एक उद्यम, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के वर्ष के बुडिंग इनोवेटर एवार्ड एवं इनोसेशन एवार्ड हेतु परियोजना मूल्यांकन कर्ता, जोधपुर, आई आई टी में 'बायोलॉजिकली इस्पायर्ड सिस्टम साइंस' पर एक पाठ्यक्रम विकसित करने में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में विशिष्ट व्यक्ति, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन आफ इंडिया, ज्ञान की गतिविधियों में सहभागी रहे, 'लाइफ आटर लाइफ' विषय पर दिल्ली में आयोजित अंतर कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता में तीन जजों में से एक रहे।

आचार्य एम इरशाद को बी एम जे, ब्लैकवेल पब्लिशर्स एंड एल्सवियर पब्लिसर्स के अध्यायों हेतु समीक्षक नामित किया गया, सम्मानित सदस्य, संपादकीय मंडल हिपेटाइटिस आंशिक, कैंसर वेटर्स, गैस्ट्रो रिसर्च आई जे एम एम एस, वायरल इम्मुवल, एम जेएम एस, पिपेटॉल, इनटेल।

आचार्य सरमन सिंह को लेजिमानियारिन्स पर कार्य हेतु भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद का प्रो. बी. के. आइकट संभाषण पुरस्कार सहित सम्मान प्रदान किया गया, वर्तमान सी पी सी एस ई ए (पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा संस्थागत पशु नीति विषयक समितियों हेतु नामित किया गया, दिल्ली विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, (आई सी एम आर), इंस्टीटयूट आफ जेनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आई जी आई बी), आर्मी मेडिकल कालेज, दिल्ली, डिफेंस इंस्टीट्यूट आफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड (डी आई पी ए एस), पनासिया बायोटेक, नई दिल्ली, सदस्य, कंडमनेशन बोर्ड आफ आई सी एम आर 2011से आगे, विशेषज्ञ सदस्य, सीनियर रिसर्च फेलोसिप एवार्ड कमेटी, आई सी एम आर, 2011, सदस्य, आई सी एम आर 2011 से आगे के वर्षो के लिए उपकरण खरीद समिति, सदस्य, 2010 से आगे नार्थ-ईस्ट रीजन- बायोटैक्नोलॉजी प्रोग्राम मैनेजमेंट सेल (एन ई आर बी पी एम सी) हेतु डी बी टी के कार्यदल का सदस्य, वर्ष 2004 से अबतक विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग के एस ई आर सी (फास्ट टैक स्कीम) के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य, मुख्य संपादक, जोनरल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियन, अध्यक्ष, आई सी एम आर की वैज्ञानिक 'सी' हेतु चयन समिति, सदस्य, इंडियन आई सी एम आर 2009, 2010, 2011 का पोस्ट डॉक्टोरल फेलोसिप एवार्ड कमेटी, 2010 से आगे आई सी एम आर सेवानिवृत्त केंद्र पुनः नियोजित करने हेतु आई सी एमआर की विशेषज्ञ समिति का सदस्य, 2010 से अब तक आई सी एम आर वैज्ञानिकों के ग्रेड डी, ई एवं एफ के पदोन्नति के लिए आई सी एम आर की स्थायी चयन समिति का सदस्य, सदस्य, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार 2008-13 द्वारा कालाजार के उन्मूलन हेतु उच्च अधिकार प्राप्त समिति का सदस्य, मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट (एम आर एच आर यू), डिपार्टमेंट आफ हेल्थ रिसर्च, भारत सरकार, 2010 से आगे, निर्वाचित सदस्य, संपादकीय मुंडल, 'दि ओपन एड्स जोनरल' बेंथम पलिकेशन्स, यू एस ए, जोनरल आफ इफैक्शन इन डेवलपिंग कंट्रीज, क्लिनिकल मेडिसीन इर्मेटोलॉजी, संपादक, ट्यूबरकुलोसिस रिसर्च एंड ट्रीटमेंट, हिन्दबई पब्लिसिंग कारपोरेशन, सार इंटरनेशलन एड्स सोसायटी (आई ए एस) वर्ल्ड एड्स कांन्फ्रेंस एवंएड्स एवं अफ्रिका एस टी आई एस पर 16वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, लांसर, जे ए एम ए, क्लिनिकल इन्फैक्शन डीजीजेज, मैटरनल एंड चाइल्ड हैल्थ जैसी और भी राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पत्रिकाओं के विशेष समीक्षक रहे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर लियोनिड मारगोलिस, चीफ, सेक्सन आफ इंट्रासेलुलर इंटरएक्शलन, लेबोरेटरी आफ सेल्यूलर एंड मालिकुलर बायोफिजिक्स, एन आई सी एच डी, नेशलन इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ, वेथेरड़ा, एम डी, यू एस ए।
2. डॉ. एंड्रिस हिलीमेन, टेकनिकल एंड साइंटिफिक सुपरवाइजर, हेन लाइफ साइंस जी एम बी एच, नेहरेन, जर्मनी।
3. मनजीत हंसपाल, प्रोग्राम डायरेक्टर, डिविजन आफ ब्लड डिजीजेज एंड रिसोर्स, नेशलन हार्ट, लंग एंड ब्लड इंस्टीटयूट, मैरी लैण्ड, यू एस ए।
4. डॉ. जिराल्ड मुलर, चेयर आफ दि बोर्ड, फाउंडेशन फार इनोवेंशन एंड डायगनोस्टिक बेंथेस्डा, एम डी, यू एस ए।

9.18 काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. शर्मा

आचार्य

रीता सूद | ए. बी. डे

अपर आचार्य

नवीत विग | आशुतोष बिस्वास

उमा कुमार | संजीव सिन्हा

सह-आचार्य

नवल के. विक्रम

सहायक आचार्य

मनीष सोनेजा | पीयूष रंजन

शिक्षा

विभाग द्वारा व्यापक स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर अध्यापन कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसमें समेकित व्याख्यान, गोष्ठियां शैया के पास क्लिनिक प्रकरण पर चर्चा और जर्नल क्लब शामिल है। स्नातक पूर्व छात्रों का आकलन प्रत्येक क्लिनिक तैनाती के अंत में नियमित रूप से किया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित

1. एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इण्डिया (एपीआई) के साथ संयुक्त रूप से दिल्ली स्टेट चैप्टर, नई दिल्ली, फरवरी, 2012 में काय चिकित्सा अपडेट आयोजित हुई।
2. गठिया रोग पर रोगी जागरूकता कार्यक्रम, सम्मेलन हॉल, एम्स, नई दिल्ली, 11 अक्तूबर 2011।

लघु और दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

इस वर्ष यूएसए, यूके, सिंगापोर, ऑस्ट्रेलिया, और जर्मनी से आए 38 पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों ने काय चिकित्सा विभाग में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

दिए गए व्याख्यान : 40

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. तपेदिक और एचआईवी संक्रमण रहित और सहित रोगियों में तपेदिक रोधी सप्ताह में तीन बार अल्पावधि साप्ताहिक कीमोथेरेपी की दक्षता। एस के शर्मा, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 45,42,000 रुपए।

2. तपेदिक प्लूरल एफ्यूजन में छः माह की अवधि में सप्ताह में तीन बार डॉट्स व्यवस्था दक्षता का मूल्यांकन (बहुकेंद्रीय परियोजनाएं), एस के शर्मा, संशोधित राष्ट्रीय टी बी नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली एनसीटी, 4 वर्ष, 14,36,615 रुपए

3. एचआईवी - तपेदिक सह संक्रमण वाली रोगियों में सुप्त तपेदिक पर एचआईवी संक्रमण का प्रभाव (इस सुविधा को राष्ट्रीय सुविधा निर्दिष्ट किया गया है)। एस के शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 4 वर्ष, 219,96,000 रुपए

4. सुप्त तपेदिक संक्रमण और तपेदिक रोग में ट्यूबरकुलीन त्वचा जांच (टीएसटी) और इंटरफेरोन निर्मुक्ति आमापन की तुलना। एस के शर्मा, संशोधित राष्ट्रीय टी बी नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली एनसीटी, 3 वर्ष, 4,99,937 रुपए

जारी

1. एचएआरटी प्राप्त करने वाले एचआईवी / एड्स रोगियों में तपेदिक सह संक्रमण (तपेदिक) के साथ और इसे बिना प्रतिरक्षी पुनर्गठन प्रज्जवलकारी सिंड्रोम (आईआरआईएस)। एस के शर्मा, आई सी एम आर, 4 वर्ष, 45,48,957 रुपए

2. तपेदिक के शीघ्र और निश्चित निदान के लिए संभावित बायोमार्करों को अभिज्ञात करने के लिए तपेदिक प्लूरल प्रोटियोमिक अध्ययन। एस के शर्मा, आई सी एम आर, 2 वर्ष, 35 लाख रुपए।

3. एम डी आर - टी बी के निदान के लिए माध्यमिक संदर्भ प्रयोगशाला की स्थापना के लिए संयुक्त परियोजना। एस के शर्मा, फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव न्यू डायग्नोस्टिक, बिल एण्ड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन, जिनेवा के सहयोग से केंद्रीय तपेदिक प्रभार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा अनिश्चित अवधि के लिए। लाईन प्रोब आमापन (एल पी ए) के लिए उपभोज्य - आणविक विधि और एम टी बी औषधि सुभेद्यता जांच (डी एस टी में एल जे विधि का उपयोग करते हुए), एम जी आई टी (तरल संवर्धन विधि)।

4. चयापचय सिंड्रोम, इन्सुलिन प्रतिरोध तथा टी एन एफ ए, आई एल 6 तथा एसीई पालिमार्फिज्म के साथ ओ एस ए का संबंधन। आचार्य एस के शर्मा। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली, 4 वर्ष, 46,67,424 रुपए।

5. एचआईवी/एड्स रोगियों के निःशुल्क उपचार के लिए एंटी रिट्रोवायरल उपचार (एआरटी) केंद्र (राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन / (नाको), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार), आचार्य एस. के. शर्मा। दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा 2005 से अभी तक वित्तपोषित। 4.50 लाख रुपए।

6. मुफ्त टीबी उपचार के लिए नोडल केंद्र। आचार्य. एस. के. शर्मा, जिला टी बी केंद्र के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के संशोधित राष्ट्रीय टी बी नियंत्रण द्वारा 2005 से अभी तक वित्तपोषित। 4.32 लाख रुपए।

7. प्रतिरक्षा विज्ञानात्मक पैरामीटरों के आकलन के साथ श्रेणी - 1 फुफ्फुसीय तपेदिक में एक अनुषंगी चिकित्सा के रूप में मुखीय विटामिन डी की भूमिका (दोहरा ब्लाईंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो - नियंत्रित, नैदानिक परीक्षण), आचार्य एस. के. शर्मा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 90.9 लाख रुपए।

8. प्रतिरक्षा विज्ञानात्मक पैरामीटरों के आकलन के साथ श्रेणी - 1 फुफ्फुसीय तपेदिक में एक अनुषंगी चिकित्सा के रूप में मुखीय रूप से जिंक देने की प्रभावोत्पादकता (दोहरा - ब्लाइड, यादृच्छिक, प्लेसिबो - नियंत्रित, बहु केंद्रीय नैदानिक परीक्षण), आचार्य एस. के. शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 वर्ष। 63.38 लाख रुपए

9. प्रतिरक्षा विज्ञानात्मक पैरामीटरों के आकलन के साथ श्रेणी - 1 फुफ्फुसीय तपेदिक में अनुषंगी चिकित्सा के रूप में इम्यूनोमोडुलेटर एम डब्ल्यू की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा (दोहरा ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो नियंत्रित, बहुकेंद्रीय नैदानिक

परीक्षण), आचार्य एस. के. शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2006-2011) 76.81 लाख रुपए।

10. आने वाले दशकों में अनुसंधान की गति बनाए रखना : ट्यूबरकुलोसिस के लिए अगली पीढ़ी के अनुसंधानकर्ताओं को प्रेरित करना; आचार्य एस. के. शर्मा, यूरोपीय यूनियन फ्रेम प्रोग्राम 7 वर्क से तीन वर्ष के लिए वित्तपोषित 67.84 लाख रुपए।

11. बलगम धनात्मक पल्मोनरी संक्रमण के साथ बहु औषधि प्रतिरोधक मायकोबैक्टीरियम तपेदिक (एमडीआर - टीबी) व्यक्तियों में टी एम सी 207 की बैक्टीरिया रोधी गतिविधि, निरापदता और सह शीलता के मूल्यांकन के लिए चरण 2, प्लासेबो नियंत्रित, दोहरा ब्लाइंड, यादृच्छिक परीक्षण। एस के शर्मा, टिबोटेक बी वी बी ए, जनरल डी विटलान एल आई आई बी 3, मेकलेन, बेल्जियम, 3 वर्ष, 26,24,460 रुपए

12. ब्रिस्टोल मेयर्स स्क्बि आई एम 101174 अध्ययन - चरण 3 बी बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक दोहरा डमी अध्ययन करते हुए रियूमेटोइड आर्थराइटिस के रोगियों में पृष्ठ भूमि मेथोट्रेक्सेट को सबक्यूटेनियस और इंट्रावेनस मार्ग से देने पर मेथोड्रेक्सेट के अपर्याप्त प्रतिक्रिया के लिए एबाटेसेप्ट की दक्षता और निरापदता का अध्ययन। उमा कुमार ब्रिस्टोल मेयर्स स्किब इण्डिया प्रा. लि. 2008 - 13, 25 लाख रुपए

13. जीनोम साइंस एण्ड प्रिडिक्टिव मेडिसिन। उमा कुमार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-13, 32.75 लाख रुपए

14. टी कोशिकाओं की प्रभावी और विनियामक कार्यात्मक अंतः क्रिया और आवागमन का प्रतिनिधित्व। उमा कुमार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2012 - 15, 18.75 लाख रुपए।

15. भारतीय रोगियों में यक्ष्मा रोधी कीमोथैरेपी करवा रहे यक्ष्मा के एचआईवी संक्रमित रोगियों के लिए रेट्रोवायरल रोधी उपचार के शीघ्र बनाम विलंबित आरंभण का अध्ययन। डॉ. संजीव सिन्हा। एनएसीओ द्वारा वित्तपोषित (एक सहयोगात्मक यूसीएलए, यूएसए तथा एम्स परियोजना)। निधियां : 40 लाख रुपए।

16. भारत में एचआईवी तथा यक्ष्मा संक्रमण वाले रेट्रोवायरलरोधी नए रोगियों में नेवीरेपीन बनाम इफवीरेंज आधारित उच्च सक्रिय रेट्रोवायरल रोधी उपचार व्यवस्था। एनएसीओ द्वारा वित्तपोषित। डॉ. संजीव सिन्हा, नाको, 2008, निधियां 65 लाख रुपए।

17. एएसएचए एचआईवी स्वास्थ्य संवर्धन उपाय। डॉ. संजीव सिन्हा, एनआईएच, यूएसए द्वारा वित्त पोषित। नाको, 2008, 65 लाख रुपए।

18. भारत में मादक पदार्थ लेने वालों में एच आई वी का जोखिम कम करने के लिए पाथ - इण्डिया का कार्यान्वयन : समुदाय क्लिनिक में आने वाले रोगियों में एच आई वी जोखिम का आकलन, एस सिन्हा, एन आई एच, सी एफ ए आर, यू एस ए (यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल वेनिया, यू एस ए और एम्स के बीच एक सहयोगात्मक परियोजना) 2009, 12.5 लाख रुपए

19. तपेदिक के इलाज के लिए रिफेमपिसिन के स्थायित्व और जैव उपलब्धता में सुधार लाने के लिए रिफेमपिसिन तथा आईसोनियाजिड के नए नियत संयोजन वाली खुराक का विकास और क्लिनिकल मूल्यांकन। एस सिन्हा, भैषजिक विभाग, भारत सरकार (एन आई पी ई आर, अहमदाबाद तथा एम्स के बीच एक सहयोगात्मक परियोजना) 2010, 48 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. स्टडी ऑफ इंसिडेंस ऑफ एक्यूट किडनी इंजरी इन क्रिटिकली इल पेशेंट्स।
2. एड्रेनल फंक्शंस इन पेशेंट्स विद सेवर सेप्सीस एण्ड सेप्टीक शॉक।
3. फैक्टर्स एफेक्टिंग एड्रेहेंस टू एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी एट एम्स : एन एक्सपलोरेटरी स्टडी।

4. स्टडी ऑफ मायकोबैक्टीमिया इन मिलियरी एण्ड डिस्सेमिनेटिड ट्यूबरकुलोसिस।

5. स्टडी ऑफ एक्यूट फाब्राइल इलनेसिस विद सायटोपेनियाज़

6. टू डिटरमाइन द प्रीडिक्टर्स ऑफ मोर्टेलिटी/मोर्बिडिटी इन आईसीयू इन पेशेंट्स विद सेप्सीस, सेवर सेप्सीस एण्ड सेप्टीक शॉक।

7. रोल ऑफ इंफ्लेमेटरी मार्कर्स एचएससीआरपी, टीएनएफ एट एण्ड एसआईएल2आर इन एसेसिंग डिजीज एक्टिविटी एण्ड रेस्पोंस टू ट्रीटमेंट इन सेर्कोडोसिस।

जारी

1. आउटकम इम्प्लीकेशंस ऑफ इम्प्लीमेंटिंग सेप्सीस रेस्युसक्टेशन बंडल इन एम्स मेडिसिन डिपार्टमेंट।

2. एसेस्मेंट ऑफ करेंट सीपीआर प्रैक्टिस एण्ड इफैक्टस ऑफ इम्प्लीमेंटिंग गाइडलाइन कॉम्प्लेंट सीपीआर।

3. इंसिडेंस एण्ड आउटकम ऑफ एक्यूट किडनी इंजरी एसोसिएटिड विद सेवेयर मलेरिया।

4. एवेलुएशन ऑफ करेंट मैनेजमेंट प्रैक्टिसिस ऑफ क्रोनिक ऑब्स्ट्रेक्टिव पल्मोनरी डिजीज एण्ड द आउटकम ऑफ इम्प्लीमेंटिंग द करेंट गाइडलाइंस इन ए टर्शरी केयर सेंटर।

5. डायग्नोसिस यूटिलिटी ऑफ पीईटी सीटी यूजिंग ^{18}एफ-एफडीजी पीईटी इन प्रेक्सिया ऑफ अननॉन ऑरिजिन।

6. स्टडी ऑफ प्रीडिक्टर्स ऑफ मोर्टेलिटी इन सेवेयर मलेरिया।

7. आउटकम इम्प्लीकेशंस ऑफ इम्प्लीमेंटिंग ए वेंटीलेटर एसोसिएटिड निमोनिया प्रीवेंशन बंडल इन पेशेंट्स ऑन मैकनिकल वेंटीलेशन।

8. क्लिनिकल इंवेस्टीगेटर एण्ड थेराप्यूटिक प्रोफाइल ऑफ पेशेंट्स प्रेजेंटिंग विद हिमोप्टीसिस (पल्मोनरी मेडिसिन)

9. डायग्नोस्टिक यूटिलिटी ऑफ जीन एक्सपर्ट इन डायग्नोसिस ऑफ प्लूरलर एण्ड लिम्फ नोड ट्यूबरकुलोसिस।

10. प्रीडिक्टर्स ऑफ रेस्पोंस टू मेथोट्रेक्सेट इन रियूमेटोइड आर्थिरिटिस।

11. रोल ऑफ एमटीएचएफआर म्युटेशन एण्ड सीरम विटामिन डी लेवल इन प्रीडिक्टींग द रेस्पोंस ऑफ एमटीएक्स इन आरए।

12. यूटिलिटी ब्रोंकोएलवियोलर लेवज इन एसेस्मेंट ऑफ डिजीज एक्टिविटी एण्ड रेस्पोंस टू इम्यूनोसुप्रेसिव थेरेपी इन सिंथेटिक स्कलेरोसिस पेशेंट्स विद आईएलडी।

13. इफैक्टस ऑफ इम्प्लीमेंटिंग ए वेंटीलेटर एसोसिएटिड निमोनिया (वीएपी) प्रीवेंशन बंडल ऑन आउटकम इन पेशेंट्स ऑन मैकेनिकल वेंटीलेशन।

14. एंटीबॉटिक प्रीस्क्राइबिंग हैबिट्स अमंग्स्ट फिजिशियंस इन पेशेंट्स विद इंफैक्शंस (निमोनिया एण्ड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन) इन मेडिकल वार्डस एण्ड आईसीयू एण्ड इफैक्ट ऑफ एक्टिव इंटरवेंशन।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. रेटिना और ऑप्टिक तंत्रिका में एथोमोब्यूटोल विषालुता का जल्दी पता लगाने के लिए विभिन्न पैरामीटरों का मूल्यांकन (ऑफ्थेलमोलॉजी)

2. क्लिनिकल नमूनों में एल डोनोवानी के विभेदों में काला अजार के डर्मल लिशमानियासिस (पीकेडीएल) और विसरल लिशमानियासिस (वी एल) का पता लगाना और अवकलन

3. रियूमेटाइड आर्थाराइटिस के संबंध में ल्यूकोसाइट पूरक और ग्राही 1 तथा सी डी 59 (प्रोटेक्टिन) की अभिव्यक्ति और मॉड्यूलन (जैव रसायन)

4. ल्यूकोसाइट सी आर 1 और सी आर 2 (पूरक ग्राही 1 और 2) और रियूमेटाइड आर्थाराइटिस की क्लिनिकल रोग गतिविधि तथा विकृति शरीर क्रिया विज्ञान में इसका महत्व (जैव रसायन)

5. रियूमेटाइड आर्थाराइटिस की क्लिनिकल रोग गतिविधि तथा विकृति शरीर क्रिया विज्ञान में पूरक विनियामक प्रोटीन डी ए एफ (सी डी 55) और एम सी पी (सी डी 46) के संबंध में इसकी अभिव्यक्ति और मॉड्यूलन (जैव रसायन)

6. भारत में सोरोसिस और सोरियोटिक आर्थाराइटिस का आनुवंशिक विश्लेषण (त्वचा रोग विज्ञान)

7. गठिया के निदान में दोहरी ऊर्जा वाली कंप्यूटिड टोमोग्राफी की भूमिका (रेडियोलॉजी)

8. भारतीय आबादी में आर्थाराइटिस के रोगियों में टी एच - 17 कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना।

9. रिफ्रैक्टरी इंफ्लेमेटरी आर्थाराइटिस के इलाज के लिए^{188} आर ई लेबल युक्त टिन कोलोइड की निर्मिती और गुणवत्ता नियंत्रण (न्यूक्लियर मेडिसिन)

प्रकाशन

जर्नल : 34 **पुस्तक में अध्याय : 14**

पुस्तक : 2 **मोनोग्राफ्स : 2**

रोगी उपचार

संक्रमण रोग क्लिनिक (सोमवार दोपहर 2 बजे)

नींद संबंधी श्वसन विकार (एस आर बी डी) क्लिनिक (सोमवार दोपहर 2 बजे)

एंटीरेट्रोवायरल सेंटर

• कुल पंजीकृत रोग मार्च 2012 तक	6745
• आरंभ एआरटी मार्च 2012 तक	2702
• एआरटी पर नियमित अनुवर्तन मार्च 2012 तक	1430
• 2011-12 में आरंभ एआरटी	365

एम्स डॉट्स केंद्र

• डॉट्स पर कुल रोगी (अप्रैल 2011-मार्च 2012)	2425
• केट 1	1604
• केट 2	821

रियूमेटोलॉजी क्लिनिक (बुधवार दोपहर 2 बजे)

• नए रोगी पंजीकृत	42
• फॉलोअप विजिट की संख्या	6565
• कुल	6607

प्रयोगशाला

निद्रा प्रयोगशाला

- निद्रा अध्ययन 254

एडीए/एसीई प्रयोगशाला

- एडेनोसाइन डीमाइनेस जांच 940
- एसीई जांच 101

आरएनटीसीपी

- निष्पादित की गई थूक जांच 2890

डॉट्स प्लस

- औषध संवेदनीयता परीक्षण 1213

क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला

- प्राप्त रक्त नमूनों की संख्या 10558
- किए गए परीक्षणों की संख्या 27426

जांच	**संख्या**	**जांच**	**संख्या**
आरएफ	5696	एएनए	7027
एंटी-डीएस डीएनए	2205	सी3	1927
सीरम आईजीजी, आईजीए और आईजीएम	2620	क्रियोग्लोबिलिंस	169
एएनसीए	2640	एसीएल	3414
एंटी-एलकेएम-1	881	एएसएमए	847
सिनोवायरल फ्ल्यूड परीक्षा	150		

(पोलराइजिंग लाइट माइक्रोस्कोपी सहित)

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एस. के. शर्मा को डॉ. आर सी जैन लाइफ टाइम एचिवमेंट पुरस्कार ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इण्डिया द्वारा और डॉ. कृष्णन तथा डॉ. श्री कला मेडिसिन चेयर ओरेशन, एस वी आई एम एस, तिरुपति प्राप्त हुआ, डेविडसन क्लिनिकल केसिस (दूसरे संस्करण) का संपादन किया। एडिबर्ग (यू के) : चर्चिल, लिविंग स्टोन एल्सवियर लिमिटेड, 2012 और ए पी आई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन (9वां संस्करण) 2012, लौकी के रस के उपभोग की निरापदता के मुद्दे पर बनाई गई विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष, आई सी एम आर, भारत में तपेदिक नियंत्रण के लिए चिकित्सा महाविद्यालयों को शामिल करने पर गठित राष्ट्रीय कार्यबल के सलाहकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, उपाध्यक्ष, आर एन टी सी पी सी बी - एन ए ए टी परियोजना पर विषय निर्वाचन समिति की बैठक, अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा गठित पल्मोनरी चिकित्सा में विशेषज्ञता बोर्ड द्वारा पल्मोनरी चिकित्सा में विशेषज्ञता के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों और एम डी के लिए पाठ्यचर्या का प्रारूप / अद्यतनीकरण, संक्रामक रोगों पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, आई सी एम आर, 2004 से, वर्ल्ड लंग हेल्थ (तपेदिक और फेफड़े के रोगों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय संघ का प्रयास (आई यू ए टी एल डी)) 2004 से, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इण्डिया की ओर से इम्पेक्ट (इण्डियन मेडिकल प्रोफेशनल एसोसिएशन द्वारा तपेदिक के खिलाफ गठ बंधन) के समन्वयक नियुक्त, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की डॉट्स प्लस समिति के अध्यक्ष, आर एन टी सी पी से संबंधित परियोजना पर प्रचालनात्मक अनुसंधान के लिए केंद्रीय स्थायी

समिति, उपाध्यक्ष, सोसायटी फॉर टूबेको कंट्रोल ऑफ इण्डिया, 2010 से, 2011 - 14 की अवधि के लिए इण्डियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन परिषद् के संकाय सदस्य के रूप में निर्वाचित, इण्डियन चेस्ट सोसायटी, अमेरिकन थोरेसिक सोसायटी, नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंसिज़ ऑफ इण्डिया, इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस एण्ड लंग डिजीज, इण्डियन एसोसिएशन ऑफ सर्कोइडोसिस एण्ड अदर ग्रेन्यू लोमेटस डिसोर्डर (आईएएसओजी) के सदस्य, इण्डियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एण्ड एलाइड साइंसिस के संपादक 2001 से 2010 से लंग इण्डिया के अनुभाग संपादक और 2006 से इण्डियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस के सह संपादक, अनेक पत्रिकाओं सहित द लांसेट, द लांसेट इंफैक्शज़ डिजीज, अमेरिका जनरल ऑफ रेस्पीरेटरी एण्ड क्रिटिकल केयर ऑफ मेडिसिन चेस्ट और अन्य के समीक्षक

आचार्य रीता सूद मेडिकल स्कूल की जी सी एस ए (वैश्विक सम्मेलन के लिए सामाजिक जवाबदेही) की कार्यान्वयन बैठक में प्रतिभागिता, वी वोयर, फ्रांस में; जी सी एस ए की ग्लोबल टास्क फोर्स की मनोनीत सदस्य; अध्यक्ष, चिकित्सा शिक्षा के लिए दक्षिण पूर्व एशियन क्षेत्रीय संगठन (एस ई ए आर ए एम ई) 1 जनवरी 2012 से, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ मेडिकल एजुकेशन (डब्ल्यूएफएमई) की कार्यकारिणी परिषद् की सदस्य जनवरी 2012 से, बोर्ड सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज़ और महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थायी सदस्य मनोनीत पुणे में बोर्ड ऑफ स्टडीज़ की बैठक में भाग लिया, "स्वास्थ्य देखभाल प्रदायगी में महत्व हेतु नवाचार : बेहतर सीमा पार अधिगम, उचित अनुकूलन और अंगीकार करना" पर गोष्ठी में स्कूलोस ल्यूपोल डस्क्रोन, साल्स बर्ग, ऑस्ट्रिया के डार्टमाउथ सेंटर फॉर हेल्थ केयर डिलिवरी साइंस द्वारा अध्येता वृत्ति प्रदान की गई (सालस बर्ग अध्येता वृत्ति), चिकित्सा अध्यापकों के लिए चिकित्सा शिक्षा में मूल भूत तथा उन्नत पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या के विकास के लिए केंद्रीय संकाय के रूप में एम सी आई द्वारा मनोनीत और एम सी आई, संकल्पना 2015 में संकल्पित पाठ्य चर्या संबंधित सुधारों के कार्यान्वयन की सुविधा देने के लिए सी आई एस पी (पाठ्यचर्या कार्यान्वयन समर्थन कार्यक्रम) के लिए केंद्रीय संकाय, "वर्तमान स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने के लिए चिकित्सा शिक्षा की भूमिका" पर क्षेत्रीय बैठक की योजना के लिए डब्ल्यू एच ओ / एस ई ए आर ओ की विशेषज्ञ समूह बैठक में भाग लिया।

डॉ. नवीत विग आई सी एम आर द्वारा सूक्ष्म जीव रोधी प्रतिरोधक निगरानी नेटवर्क की स्थापना के विशेषज्ञ समूह के सदस्य, एच आई वी / एड्स परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य, आई सी एम आर, एच आई वी / एड्स पर आई सी एम आर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य, इण्डिया क्लेन कार्यक्रम मूल्यांकन समूह के सदस्य थे।

डॉ. उमा कुमार आर्थराइटिस पर रोगी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एम्स, नई दिल्ली में 11 अक्तूबर 2011 को किया।

डॉ. एस सिन्हा एंटार्किटिका खोजी अभियान के चिकित्सा बोर्ड, भारत सरकार के सदस्य, गोवा और वैज्ञानिक समिति, नाको के सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इण्डिया के सदस्य, नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंस (एम एन ए एस) के सदस्य, इण्डियन चेस्ट सोसायटी के सदस्य, इण्डियन थायरोयड सोसायटी के सदस्य, अमेरिकन थोरेसिक सोसायटी के सदस्य और अंतरराष्ट्रीय एड्स सोसायटी के सदस्य।

9.19 सूक्ष्म जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

जे. सी. सामंतरे

आचार्य

शोभा बरुर	रमा चौधरी	आरती कपिल
बिमल दास	बी. आर. मिर्धा	ललित दर

अपर आचार्य

इमाकुलाता जेस	मधु वाजपेयी
बेनू धवन	सीमा सूद

सह - आचार्य

उर्वशी बी. सिंह

विशेषताएं

सूक्ष्मजैव विज्ञान के बड़े भाग परजीवी विज्ञान बैक्टीरिया विज्ञान सहित तपेदिक, अस्पताल संक्रमण, अवायुजीवी तथा यौन संचरित रोग, वीरोलॉजी सहित एच आई वी प्रतिरक्षा एवं कवक विज्ञान हैं। अवायुजीवी जीवाणुविज्ञान तथा मायकोप्लाज़मा अनुभाग डॉ. रमा चौधरी तथा बेनू धवन के पयर्वेक्षण में है तथा पी एफ जी ई एवं एम एल एस टी द्वारा जीनोटाइपिंग के विशेष संदर्भ के साथ सी. डिफिसिल के अध्ययन पर फोकस कर रहे हैं। इस भाग के अन्य प्रभाग माइकोप्लाज़मा न्यूमोनिया तथा सेनिटल माइकोप्लाज्मा हैं। माइकोप्लाज्मा निमोनिया के विभिन्न संलग्न प्रोटीनों के तीव्र उपचार के लिए उत्पन्न प्रोटीनों को संयुक्त तथा क्लोंड किया गया है। इन केसों में जेनीटल मायकोप्लाज्मा की एंटीमाइक्रोबायल सदेंहास्पदता की मोनीटर उपचार किया गया है।

डॉ. जे. सी. सामंतरे तथा डॉ. बी. आर. मिर्धा के पयर्वेक्षण के अधीन परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला इंटेस्टीनल कोक्किडियन पैथोजीन के अध्ययन पर फोकस कर रही है। न्यूमोसाइटिस जिरोवेसी तथा अन्य परजीवी रोग को मोलिकूलर स्तरों पर उनके संचरण डायनामिक्स तथा विकृतिरोग जनन की समान रहे हैं। प्रयोगशाला में वर्तमान कार्य इंटेस्टीनल कोक्किडायल (क्रिप्टोस्पोर्डियम सप्प, साइक्लोस्पोरा सायटानेनसिस तथा आइसोस्पोरा ब्रेली) संक्रमण तथा माइक्रोस्पोर्डिया तथा इन अलगावों के आगामी लक्षण वर्णन के आण्विक खोज पर फोकस किया गया है। इन माइक्रो ओर्गेनिज्म का मल्टीफोकस परिणाम विश्लेषण एंथ्रोपोनोटिक तथा जूनोटिक संचरण दोनों को दर्शातें हैं तथा इससे महत्वपूर्ण परिणामों की अपेक्षा की जाती है। हमारी प्रयोगशाला में न्यूरोसाइटिस जिरोवेस्सी संक्रमण (न्यूमोसाइटिस केरिनी न्यूमोनिया (पी सी पी) का आण्विक जान पदिक रोग विज्ञान पर विस्तृत अध्ययन संभव हुआ है। देश में रोगी उपचार हेतु नैदानिक नमूनों में पी. जिरोवेस्सी के आण्विक खोज की स्थापना हेतु पहली बार जीनोटाइप विश्लेषण ने पी. जिरोवेस्सी के बहुत से संचरित स्ट्रेन्स को दर्शाया है। मलेरिया तथा काला अजर के निदान हेतु नवीन एल्गोरिदम को इन रोगों के नैमिक निदान में विकसित तथा सफलता पूर्वक प्रयोग किया गया है।

शिक्षा

1. डॉ. रमा चौधरी ने ग्लोबल नेटवर्क परियोजना के समापन समारोह की शैक्षिक बैठक में भाग लिया, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, भुवनेश्वर, 5-6 फरवरी 2012।

अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

10 एम एस सी छात्रों को अल्प अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

एस. बरुर : 3 **रमा चौधरी : 3** **आरती कपिल : 6**

बी. आर. मिर्धा : 1 **ललित दर : 2** **मधु वाजपेयी : 4**

उर्वशी बी. सिंह : 1

पेपर प्रस्तुती : 34

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. इंफ्लूएंजा वायरस संक्रमण का तीव्र लागत आण्विक खोज, एस बरुर, वैक्सीन एक्शन कार्यक्रम, एन आई एच, 2009-11, रुपए 22,36,000।
2. श्वसन वायरस संक्रमण : तीव्र कम लागत आण्विक खोज (एस. बरुर। माता एवं शिशु स्वास्थ्य तथा मानव रोग अनुसंधान (एम सी एच डी आर), एन आई सी एच डी पर इंडो - यू एस कार्यक्रम, भारतीय आयुर्विज्ञान
3. भारतीय बच्चों में प्रोबायोटिक स्ट्रेन का इम्यूनों - मोड्यूलेटरी प्रभाव तथा कोलोनाइजेशन अध्ययन। रमा चौधरी। डी बी टी, जून 2006 - अप्रैल 2011, रुपए 98.20 लाख।
4. सेलमोनेला टायफी के फ्लेजीलिन जीन की क्लोनिंग तथा अभिव्यक्ति : एक प्रतिरक्षा नैदानिक पहुंच। रमा चौधरी। आई सी एम आर, सितंबर 2007 - अप्रैल 2011, लगभग 24 लाख रुपए।
5. भारतीय जनसंख्या में क्लोसट्रिडियम डिफिसिल संक्रमण तथा अनुवर्ती डायरिया की रोकथाम हेतु लेक्टोबेसिलस जी जी का प्रयोग। रमा चौधरी। डी बी टी, दिसंबर 2007 - फरवरी 2012, रुपए 85.186 लाख।
6. सेलमोनेला टायफी में सिप्रोफ्लोक्सासिन के रेसिसटेंस का मेकेनिज्म। आरती कपिल। आई सी एम आर , नई दिल्ली, 2008-11, रुपए 12 लाख।
7. इम्यूनोक्रोमेटोग्राफी प्रक्रिया जांच डिवाइज्ड द्वारा सेलमोनेला टायफी एंटीजन पहचान, डी आर डी ई; ग्वालियर, (डी आर डी ओ, भारत सरकार) द्वारा, आरती कपिल, 2009-11, रुपए 3 लाख।
8. नैदानिक नमूनों में नेसिरिया गोनोरिया की पहचान हेतु डी एन ए बायोसेंटर का विकास। सीमा सूद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जी ओ आई, 2007-11, रुपए 67 लाख।

जारी

1. भारतीय गणतंत्र में इमर्जिंग संक्रमित रोग : इंफ्लूएंजा रोग भार। एस. बरुर। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, यू एस ए. 2009-12, रुपए 2,07,31,500
2. भारत में बच्चों को इंफ्लूएंजा वैक्सीन देने के द्वारा प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष सुरक्षा। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, यू एस ए, 2008:12, रुपए 10,36,26,000।
3. भारत में बच्चों का इंफ्लूएंजा प्रतिरक्षाकरण। एस. बरुर, सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, यू एस ए, 2011-13, 6,57,32,985।
4. बैक्टेरियल तथा मेमेलियन अभिव्यक्ति विक्टर्स में श्वसन सिकंटियल वायरस जी प्रोटीन की क्लोनिंग तथा अभिव्यक्ति एस. बरुर। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी), 2008-11, रुपए 29,70,000।

5. भारत में मानव इंफ्लूएंजा वायरस की बहुविद मानीटरिंग : फेज 2, शोभा बरुर तथा एल दर। डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ ह्यूमैन सर्विसेज, यू एस ए (डी एच एच एस) तथा आई सी एम आर, 2009-12, रुपए 96,15,617।

6. चिकनगुनिया वायरस संक्रमण का मैकेनिज्म : माउस मॉडल, विरुलेंस तथा नॉवल थेरेप्यूटिक्स। एस. बरुर। इंडो आस्ट्रेलिया के साथ डी बी टी, 2010-13, रुपए 96,06,000।

7. नॉवल बैक्टीरियोसिन्स के पृथक्कीकरण हेतु मेटाजीनोमिक्स का आण्विक विधि तथा प्रयोग द्वारा मानव जठरांत्रिय माइक्रोबायल डाइवर्सिटी का विश्लेषण। रमा चौधरी। डी बी टी (टी ई आर आई के साथ सहयोगी परियोजना), 7 सितंबर 2011, रुपए 1,00,422 लाख।

8. आण्विक विश्लेषण द्वारा श्वसन पथ संक्रमण में मायकोप्लाज्मा निमोनिया तथा लेजियोनेला न्यूमोनिया की खोज : एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। रमा चौधरी। आई सी एम आर, मार्च 2011- मार्च 2014, रुपए 49,66,670।

9. एंटीबायोटिक से जुड़े डायरिया के फिकल नमूनों से पी एफ जी ई तथा एम एल एस टी द्वारा सी डिफिसिल तथा सी परफ्रिनजीन्स का जीनोटाइपिंग, रमा चौधरी, आई सी एम आर, 2009-12, रुपए 27,84,403।

10. डी ई आर डी द्वारा निकले इम्यूनोक्रोमेटोग्राफी प्रक्रिया जांच द्वारा सेलमोनेला टायफी एंटीजन खोज, ग्वालियर (डी आर टी ओ, भारत सरकार)। 18 माह 2009-11, रुपए 3 लाख। आरती कपिल, आई सी एम आर, नई दिल्ली, 2010-13, रुपए 30 लाख।,

11. ग्रामीण भारतीय जनसंख्या में परंपरागत साइटोमेगालोवायरस संक्रमण तथा श्रवण हानि। एल. दर। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यू एस ए (इंडो - यू एस सहयोगी परियोजना), 2010-13, रुपए 26 लाख, 1 वर्ष।

12. गंभीर बैक्टीरियल मैनिंगजाइटिस का आण्विक निदान। विमल दास। संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2010-11, रुपए 1 लाख।

13. न्यूरोसाइटिस जिरोवेस्सी आइसोलेट्स में डिहाइड्रोप्टीयोरेट सिंथेज (डी एच पी एस) जीन का आनुवांशिक पोलिमोर्फिज्म का अध्ययन तथा इसके सह संबंध के साथ उपचार असफलता तथा न्यूमोसाइटिस केरीनी न्यूमोनिया से पीड़ित रोगियों में उपचार असफलता तथा नैदानिक परिणाम। बी. आर. मिर्धा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2009-13, रुपए 24 लाख।

14. मानव इम्यूनोडेफिसेंसी वायरस (एच आई वी) संक्रमित तथा संक्रमण रहित व्यक्तियों में न्यूमोसाइटिस केरिनी न्यूमोनिया (पी सी पी) के नैदानिक उपचार हेतु रीयल टाइम पी सी आर द्वारा श्वसन नमूनों में न्यूमोसिसटिस जिरोवेस्सी की खोज तथा परिमाणन। बी. आर. मिर्धा (आई सी एम आर, 2009-12, रुपए 15 लाख।

15. नेगलेरिया फाउलेरी संक्रमण हेतु प्रतिरक्षा विज्ञानी आधारित नैदानिक का आण्विक लक्षण वर्णन तथा विकास। बी. आर. मिर्धा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ), 2010-13, रुपए 24 लाख।

16. गोनोरिया हेतु पाइंट ऑफ केयर जांच के रूप में लेम्प। सीमा सूद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-12, रुपए 44 लाख।

17. भारत में नेजिरिया गोनोरिया निगरानी हेतु नेटवर्किंग की स्थापना। सीमा सूद। आई सी एम आर, 2010-13, रुपए 32 लाख।

18. बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ई क्यू ए एस) एन ए सी पी के तहत III (नेशनल रेफ्रेंस प्रयोगशाला), एम. वाजपेयी, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन 1 नवंबर 2009 से। रुपए 6 लाख/वर्ष।

19. समग्र परामर्श जांच केंद्र। एम. वाजपेयी। नवंबर 2009 से दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी वित्त पोषित। रुपए 52,000 प्रति वर्ष।

20. डी एस ए सी एस के तहत सी डी 4 / सी डी 3 हेतु एंटीरिट्रोवायरल थेरेपी (ए आर टी) कार्यक्रम। एम. वाजपेयी। दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी। रुपए 50,000 प्रतिवर्ष।

21. नए पहचाने गए टी एच 17 कोशिकाओं की भूमिका : एच आई वी संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में रोग प्रगति पर अन्य टी हेल्पर (टी एच) सबसेट्स तथा परिणाम के साथ इसका इंटरप्ले एम बाजपेयी। संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2010-13, रुपए 1 लाख प्रतिवर्ष।

22. टी सेल प्रतिरक्षित निःशेषण का विस्तृत अध्ययन : एच आई वी संक्रमित भारतीय रोगियों में रोग प्रगति पर इसके कारण तथा प्रतिघात। एम. वाजेपयी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, 2011-14, रुपए 40.64 लाख।

23. एच आई वी टीका प्रतिरोधक डिजाइन : भारतीय और दक्षिण अफ्रीकन एच आई वी - 1 संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में वायरल पुनः अनुप्रयोग के नियंत्रण से संबद्ध टी सेल इपीटॉप्स की पहचान। एम. वाजपेयी। डी एस टी, भारत सरकार, 2011-14, रुपए 58.35 लाख।

24. प्रतिरक्षा विज्ञानी पैरामीटरों के निर्धारण के साथ श्रेणी - 1 पुलमोनरी ट्यूबरोकुलोसिस में सहायक थेरेपी के रूप में मुखीय विटामिन डी की भूमिका। उर्वशी बी. सिंह, डी बी टी, भारत सरकार, 2008-12। रुपए 50 लाख।

25. तृतयक उपचार अस्पताल से पृथक मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरोकुलोसिस का एम डी आर तथा एक्स डी आर ट्रस्ट्रेन्स का आण्विक विश्लेषण। उर्वशी बी सिंह। आई सी एन आर, नई दिल्ली, 2010-13, रुपए 40 लाख।

26. एम डी आर तथा एक्स डी आर ट्यूबरोकुलोसिस की तीव्र खोज हेतु इन हाउस लाइन प्रोब निर्धारण का विकास तथा मूल्यांकन। उर्वशी बी सिंह। डी बी टी, नई दिल्ली, 2011-14।

27. अतिरिक्त - पुलमोनरी ट्यूबरोकुलोसिस के उपचार में गाइडिंग थेरेप्यूटिक नीतियों में दवा रेसिसटेंस ट्यूबरकुलोसिस के आरंभिक निदान की भूमिका। उर्वशी बी. सिंह। आई सी एम आर, नई दिल्ली, 2012-15, रुपए 49 लाख।

28. बाल जनसंख्या : इंट्रा थोरेसिक ट्यूबरकुलोसिस तथा मल्टीड्रग रेसिसटेंट ट्यूबरकुलोसिस को निबटाना, उर्वशी बी. सिंह, एम्स।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. गोनोरिया के प्रयोगशाला निदान में बायोसेंसर प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन।
2. एच आई वी तथा गैर एच आई वी रोगियों में फीकल नमूनों से पी सी आर सिकवैंसिग तथा पी एफ जी ई द्वारा सी डिफिसिल का जीनोटाइपिंग।
3. एच आई वी - 1 वायरल लोड परिमाणन हेतु रीयल टाइम पी सी आर एस्से के साथ रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज आधारित निर्धारण की तुलना।
4. संवर्धन तथा पी सी आर का प्रयोग करके कम्पाइलोवेक्ट जीजूनी की खोज।
5. मायकोप्लाज्मा न्यूमोनिया पी 1 जीन की सायटाफेरेंसे रीजंस की क्लोनिंग तथा लक्षण वर्णन।
6. उत्तर भारत पी एच डी से सेलमोनिला एट्रिका सीरोटाइप टायफी स्ट्रेंस का लक्षण वर्णन।
7. संक्रमण - एम डी से जुड़े यंत्र के विशेष संदर्भ के साथ बाल उच्च जोखिम यूनिटों में नोसोकोमियल संक्रमणों पर एक अग्रदर्शी अध्ययन।
8. गोनोरिया के प्रयोगशाला निदान में बायोसेंसर प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन।

जारी

1. वृक्क प्रतिरोपण प्राप्तकर्ताओं से मानव सायटोमेगालोवायरस की खोज तथा जीनोटाइपिंग।
2. पी सी आर तथा रिवर्स हाइब्रिडाइजेशन द्वारा 37 मानव पेंपिलोमावायरस टाइपों की खोज तथा टाइपिंग।

3. मायकोप्लाज़्मा न्यूमोनिया में पुटेटिव प्रोलिपोप्रोटीन सिग्नल पेप्टीडेज जीन होमोलोग्यू का अध्ययन।

4. आण्विक मार्करों का प्रयोग करके लेजिओनेला न्यूमोफिला के नैदानिक तथा वातावरणीय पृथकों का आण्विक विधि तथा विश्लेषण के द्वारा लेजिओनेला न्यूमोफिलिया संक्रमण का निदान।

5. सी डिफिसिल आइसोलेट्स की (मल्टीलोकल वेरिएबल - नंबर टेंडम - रिपीट एनालेसिया) एम एल वी ए टाइपिंग तथा सबटाइपिंग।

6. रियल टाइम पी सी आर का प्रयोग करके श्वसन पथ संक्रमण में माइकोप्लाज़्मा न्यूमोनिया की खोज।

7. दिल्ली से डेंगू तथा चिकनगुनिया वायरस स्ट्रेंस का सिक्वेसिंग तथा फाइलोजेनेटिक विश्लेषण।

8. क्लीबसिएला न्यूमोनिया के आण्विक टाइपिंग हेतु विशेष संदर्भों के साथ नियोनेटल स्पीशिज का तीव्र निदान।

9. टायफोआइडियल सेलमोनिला के विरुद्ध वैकल्पिक एंटीमाइक्रोबायल कारकों पर अध्ययन।

10. पेडिएट्रिक आई सी यू (पी आई सी यू) में सेंटल लाइन एसोसिएटिड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सी एल ए बी एस आई) हेतु घटनाओं तथा जोखिम कारकों के लिए एक अग्रदर्शी कोहार्ट अध्ययन।

11. विस्तृत स्पैक्ट्रम सिफेलोस्पोरिंस की घटती हुई संदेहास्पदता के साथ नेजेरिया गोनोरिया स्ट्रेंस का आण्विक लक्षण वर्णन। नेजेरिया गोनोरिया हेतु वैकल्पिक एंटीमाइक्रोबायल विकल्प का इन - विट्रो मूल्यांकन।

सहयोग परियोजनाएं

पूर्ण

1. भारतीय जनसमुदाय में क्लोसट्रिडियम डिफिसिल संक्रमण तथा अनुवर्ती डायरिंग की रोकथाम तथा उपचार लेक्टोबेसिलस रेम्नोसस जी जी का प्रयोग। आर. चौधरी। डी बी टी, 18 माह, 2007-2011, रुपए 37.30 लाख।

2. बाह्य एनोजेनिटल वार्ट्स तथा वायरल भार में घटाव के नैदानिक परिणामों में माइकोबैक्टीरियम डब्ल्यू वैक्सीन के इंट्रालेशनल इंजेक्शन के साथ इम्यूनोथेरेपी की प्रभाव क्षमता का एक तुलनात्मक अध्ययन; एक यादृच्छिक परीक्षण। ललित दर, सोमेश गुप्ता (त्वचा रोग विज्ञान) जैव प्रौद्योगिकी विभाग। (डी बी टी), 2009-12।

3. भारतीय रोगियों में समुदाय व्याप्त न्यूमोनिया (सी ए पी) का नैदानिक तथा सूक्ष्म जैव विज्ञानी प्रोफाइल का बहुकेंद्रीय अध्ययन। सीमा सूद (काय चिकित्सा के साथ)।

जारी

1. भारत में बच्चों तथा वृद्धों में गंभीर श्वसन पथ संक्रमणों में श्वसन विकृतिजनन का जानपदिक रोग विज्ञानी अध्ययन (सी सी एम के साथ)।

2. नोबेल बैक्टीरियोसिस के आइसोलेशन हेतु मेटाजीनोमिक्स की आण्विक विधियां तथा प्रयोग द्वारा ह्यूमैन गेस्ट्रोइंटेंस्टीनल माइक्रोबायल डाइवर्सिटी का विश्लेषण (टी ई आर आई, 2011-14, रुपए 51.72 लाख)।

3. मुखीय रेनोड्स से उपचार से पहले तथा बाद में किशोरों तथा पेरीएडोलसेंट एक्ने में एंटीबायोटिक रेसिसटेंट प्रोपिओनिबैक्टीरियम एक्ने की व्यापकता (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान के साथ)।

4. नवजात शिशुओं में संक्रमण की निगरानी एक आई सी एम आर टास्क फोर्स अध्ययन (आई सी एम आर मुख्यायल तथा भारत में 6 केंद्र)।

5. न्यूमोसिसटिस जिरोवेस्सी ऑन इंड्यूज्ड स्पूटम ऑफ $<$ 15 वर्ष की व्यापकता।

6. गोमोरी मेथेनमाइन सिल्वर स्टेन तथा पोलिमिराज चेन रिएक्शन द्वारा न्यूमोनिया वाले इम्यूनोकम्प्रोमाइज्ड बच्चे (बाल चिकित्सा के साथ)।

7. बायोमेडिकल प्रयोगों हेतु नेनोसिल्वर नेनोहाइड्रोजेल्स का विकास (डी बी टी, नई दिल्ली)।

8. उच्च सक्रिय एंटीरिट्रोवायरल थेरेपी प्राप्त कर रहे एच आई वी संक्रमित बच्चों में जिंक संपूर्ण का प्रतिरक्षा विज्ञानी प्रभाव : एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण।

9. एच आई वी संक्रमित बच्चों में बी सेल सब पोपुलेशन पर उच्च सक्रिय एंटीरिट्रोवायरल थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करना (बाल चिकित्सा विज्ञान के साथ)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 56 **सार : 1** **पुस्तकों में अध्याय : 4**

रोगी उपचार

जीवाणु विज्ञान अनुभाग

क्लीनिकल नमूने	**संख्या**	**नैदानिक नमूने**	**संख्या**
थूक	18,150	सी एस एफ	9,830
स्टूल	1,230	रक्त	35,515
पेशाब	32,850	मवाद	19,201
कुल	**1,16,776**		

एंटीमाइकोबायल सस्सेपटिबिलटी जांचें

थूक	9,338	सी एस एफ	295
स्टूल	25	रक्त	4,670
पेशाब	9,300	मवाद	8,972
कुल	**32,600**		

अस्पताल संक्रमण तथ जल जीवाणुविज्ञान

अस्पताल संक्रमण नियंत्रण नमूने	18,897	जल नमूने	1,255
कुल	**20,152**		

सीरम विज्ञान अनुभाग

वी डी आर एल	6,899	टी पी एच ए	108
विडाल जांच	4,952	एंटी स्ट्रेप्टोलेसिन 0 एंटीबॉडी टेटर	70
कुल	**12,029**		

यौन संचरित रोग (एस टी डी) अनुभाग

क्लीनिकल सेम्पल

उच्च योनि स्वाब (एच वी एस)	340	सीमन	512
अभिव्यक्ति प्रोस्टैटिक स्राव (ई पी एस)	71	मूत्र मार्गीय स्राव	40
योनि स्राव	19	योनिक स्राव	17
कुल	**999**		

एंटीमाइकोबायल सस्सेपटिबिलटी जांच

एच वी एस	66	वीर्य	44
ई पी एस	8	मूत्रमार्गीय स्राव	15
योनि स्राव	0	यौनिक स्राव	0
कुल	**133**		

अवायुजीवी जीवाणुविज्ञान तथा मायकोप्लाज्मा अनुभाग

एनारोबिक कल्चर	856	स्टूल कल्चर फॉर क्लोसट्रिडियम डिफिसिल	180
सी. डिफिसिल - टोक्सिन ए तथा टोक्सिन कि हेतु एलिसा			172
एनारोबिक आइसोलेट्स की एंटीबायोटिक सस्सेप्टिबिलटी जांच			50
प्रोपियोनिबैक्टिरियम एक्नेज			247
प्रोप्योनिबैक्टिरियम एक्नेज की एंटीबायोटिक सस्सेप्टिबिलटी जांच			131
केम्पीलोबैक्टर जीजूनी हेतु कल्चर	53	कल्चर फॉर लेप्टोस्पाइरा सप्प	26
लेप्टोस्पाइरा आई जी एम एंटीबॉडीज हेतु एलिजा			149
सेलमोनेला टायफी आई जी एम एंटीबॉडीज हेतु रिकम्बीनेंट एलिसा			42
पोलिमिराज चेन रिएक्शन फॉर सेलमोनिया टायफी			31
फॉर सी डिफिसिल - टी सी डी ए, टी सी डी बी और टी सी डी सी			66

मायकोप्लाज़्मा

मायकोप्लाज्मा निमोनिया हेतु एलिसा

आईजीएम एंटीबॉडीज	144	आईजीएम एंटीबॉडीज	142
आईजीए एंटीबॉडीज	100	मायकोप्लाज्मा निमोनिया कल्चर	96
मायकोप्लाज्मा होमिनिज कल्चर	220	यूरियाप्लाज्मा यूरियालेटिकम कल्चर	220
मायकोप्लाज़्मा होमिनीज हेतु			
एंटीबॉडी सस्सेप्टिबिलटी	5	यूरियाप्लाज्मा यूरियालेक्टिकम के लिए	15
कलमेडिया निमोनिया हेतु एलिसा			
आईजीएम एंटीबॉडीज	101	आईजीएजी एंटीबॉडीज	119
आईजीएम एंटीबॉडीज	114		

लेजिओनेला न्यूमोफिलिया आई जी जी एंटीबॉडीज हेतु एलिसा			87

पोलिमिराज चेन रिएक्शन

मायकोप्लाज्मा निमोनिया हेतु	72	मायकोप्लाज्मा होमिनीज हेतु	220
यूरियाप्लाज्मा यूरियोलेटिकम हेतु	220	लेजियोनेला नियुमोफिलिया हेतु	65
कुल	**4,043**		

सीरम विज्ञान अनुभाग

वायरल कल्चर तथा पहचान	99		
(एच एस वी, डेंगू, चिकगुनिया इत्यादि)			

वायरल एंटीबॉडी पहचान

एच एस वी सी एफ टी (सीरम तथा सी एस एफ)	102	मिजल्स सी एफ टी	45
डेंगू आईजीएम एंटीबॉडी एलिसा	1,027	चिकनगुनिया एलिसा	450

वायरल एंटीजन खोज तथा क्वालिटेटिव पी सी आर

डेंगू एन एस आई एंटीजन	70	सी एम वी पीपी 65 एंटीजन तथा पी सी आर	261
एच एस वी पी सी आर	272		

वायरल रियल-टाइम पी सी आर

इनफ्लूएंजा (नैदानिक तथा निगरानी, नोवल एच 1 एन 1 सहित)			12,196
विविध (टीजैंक स्मीयर इत्यादि)	20		
कुल	**14,443**		

परजीवी विज्ञान अनुभाग

सीरम विज्ञानी जांच

एलिसा द्वारा एंटी एमोबिक आईजीजी एंटीबॉडीज का एमोबिक सीरम विज्ञान			143
अप्रत्यक्ष हिमेगलूटिनेशन जांच द्वारा हाइडेटिड रोग सीरम विज्ञान			105
एलिसा द्वारा आईजीजी एंटीबॉडीज हेतु टोक्सोप्लेसमोसिस सीरम विज्ञान			20

मलेरिया हेतु जांच

फ्लूओरिसकेंट स्टेनिंग (एक्रीडाइन ओरेंज)	3,554	जिइम्सा स्टेनिंग	3,554
प्रमाणात्मक बफी कोट (क्यू बी सी) एस्सें	1,148	एच आर पी - II एंटीजन डिटेक्शन जांच	705

काला-अजर हेतु जांच

फ्लूओरिसकेंट स्टेनिंग (एक्रीडाइन आरेंज)	135	जिइम्सा स्टेनिंग	135
प्रभावात्मक बफी कोट (क्यू बी सी) एस्से	130	काला अजर सीरमविज्ञान (आरके-39)	639
एल्डीहाइडी जांच	639		

इंस्टेस्टिनल पैरासिटोसिस हेतु फीकल नमूनों की जांच

प्रत्यक्ष तथा सकेंद्रण तकनीक			2,009
इन - विट्रो कल्चर			40
आशोधित एसिड फास्ट और विशेष स्टेनिंग फॉर इंटेस्टीनल कोकसिडिया			2,009
टिशू नमूने (होमोजिनेट्स)			75

एस्पाइरेट्स की जांच

थूक, मवाद तथा अन्य	80		

फिलारियासिस हेतु जांच

प्रत्यक्ष एवं संकेंद्रण	63	एक्रीडाइन ओरेंज	63
थिन तथा थिक स्मीयर	63	हीटराजेन प्रोवोकेटिव जांच	63

अन्य जांच

न्यूमोसिसटिस जिरोवेसी संक्रमण (पी सी पी) हेतु जांच			210
फ्री लिविंग एमोईबे (एफ एल ए) हेतु सेरिब्रोस्पाइनल तरल जांच			72
कुल	**15,654**		

एचआईवी अनुभाग

प्रतिरक्षा विज्ञान

सीडी 4 जांच	5,913	एच आई वी सीरम विज्ञान	4,437
कुल	**10,350**		

माइकोलॉजी तथा आईसीपी अनुभाग

बी ए एल	2,022	मूत्र	1,768
सी एस एफ	614	थूक	136
स्वाब	189	मवाद	321
विविध	1,105	टिशू / बायोप्सी	331
नाखून / बाल / त्वचा	91	अस्थि मज्जा	213
रक्त	1,657		

फंगल सीरम विज्ञान

क्रिप्टोकोकस सीरम विज्ञान	299	एस्परलिजंयस सीरम विज्ञान	111
हिस्टोप्लाज्मा सीरम विज्ञान	54	पहचान हेतु कल्चर	10
कुल	**8,921**		

ट्यूबरोकुलोसिस अनुभाग

एल जे मिडियम पर जेड एन स्मीयर और कल्चर हेतु संसाधित नमूने	9,543
बेकटेक पर रैपिड कल्चर हेतु इनोकुलेटिड नमूने	2,915
बेकटेक पर किए गए एंटी - ट्यूबरकुलर दवा संवेदनशीलता	679
माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस हेतु पी सी आर	4,568
माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस तथा रिफेम्पीसिन दवा रेसिसटेंस हेतु जेनएक्सपर्ट निदान	360
कुल	**17,705**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य शोभा बरुर दिल्ली चेप्टर ऑफ आई ए एम एम के अध्यक्ष थे; अध्यक्ष, ह्यूमैन एथिक्स कमेटी, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय; पोलियो कोंटाइमेंट पर भारत सरकार / आई सी एम आर के टास्क फोर्स, सदस्य; इटियोलॉजी ऑफ न्यूमोनियाज इन इण्डिया पर अध्ययन, आई सी एम आर कोर समिति के सदस्य; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समूह (एस ए जी), आई सी एम आर; सदस्य, शासी निकाय, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रो. रमा चौधरी एन आई सी ई डी, में 33वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एस ए सी) में विशेष आमंत्रित सदस्य थी; कोलकाता; सदस्य टास्क फोर्स आई सी एम आर; संपादक, आई ए एम न्यूज लेटर; सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एस ए सी), प्रोबायोटिक एसोसिएशन ऑफ इण्डिया; कोलरिया तथा अन्य बैक्टीरियल एंटिरिक इंफेक्शंस पर यू एस - जापान कोपरेटिव मेडिकल साइंसिज प्रोग्राम से प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया, नवंबर 2011, एन आई एच, यू एस ए।

आचार्य बिमल दास को पेपर शीर्षक 'मोलिकुलर एपिडिमियोलॉजी ऑफ निजिरिया मेनिंगजाइटिडिस सीरो ग्रुप ए आइसोलेटिड फ्रॉम इंवेसिव मेनिंगोकोकल डिजीज फ्राम 2005 टू 2011 इन देली यूजिंग सिक्वेंस बेस्ड एम एल एस टी एण्ड ओ एन पी एनालेसिस' पर आई ए एम एम बनारस में श्रेष्ठ पेपर हेतु डॉ. एस. एस. केलकर स्मारक पुरस्कार प्रदान किया गया।

आचार्य बी. आर. मिर्धा को इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलोजिस्ट्स के सचिव के रूप में चुना गया, दिल्ली चेप्टर फॉर थ्री इयर्स (2011-2013); वर्ष 2011 में ई सी डी - आई प्रभाग हेतु फैलोशिप आवेदनों हेतु परियोजना समीक्षा समिति सदस्य के विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; समीक्षक, जनरल इंफेक्शियस डिजीज (जे आई डी), जरनल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी (जे एम एम), इंफेक्शन जेनेटिक्स एण्ड इवोल्यूशन; को ओपटिड संपादकीय मण्डल सदस्य ट्रॉपिकल पैरासिटियोलॉजी फॉर थ्री इयर्स (2010-12); बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की पी एच डी परीक्षक।

आचार्य ललित दर दि नेशनल एड्स कंट्रोल ओर्गनाइजेशन (एन ए सी ओ) के एच आई वी टेक्नीकल रिसोर्स ग्रुप (प्रयोगशालाएं) के सदस्य थे; सदस्य, परियोजना मूल्यांकन समिति, नॉर्थ ईस्ट ट्वीनिंग प्रोजेक्ट्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; सदस्य, कोर समिति, नेशनल एक्रीडिएशन बोर्ड फॉर टेस्टटिंग एण्ड केलिब्रेशन लेबोरेट्रीज (एन ए बी एल); सदस्य, इथिक्स समिति, नेशनल ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट।

डॉ. सीमा सूद भारत में क्षेत्रीय एस टी आई केंद्रों के मूल्यांकन हेतु नाको द्वारा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित थी; वि. स्वा. सं. जी ए एस पी (गोनोकोकल एंटीमायक्रोबायल सस्सेपटिबिलटी प्रोग्राम) के बाह्य गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम (ई क्यू ए) में भाग लिया; 12वें आई यू एस टी आई विश्व कांग्रेस तथा आई ए एस एस टी डी तथा एड्स के 35वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बेसिक साइंस' श्रेणी में श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, नवंबर 2011, नई दिल्ली; एस टी आई एस (2011-12) के क्षेत्र में श्रेष्ठ वर्कर हेतु आर. ए. आहूजा पुरस्कार; इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बाइक्रोबायोलॉजिस्ट्स (आई ए एम एम), दिल्ली चेप्टर द्वारा आयोजित माइक्रो - डी कोन - 2012 में पुरस्कार।

डॉ. उर्वशी बी. सिंह ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इण्डिया द्वारा गठित दि बेनिंग ऑफ कमर्शियल सीरोडायग्नोस्टिक टेस्ट्स फॉर डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस में परीक्षण हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य थी; महिला प्रजनन पथ ट्यूबरकुलोसिस पर टास्क फोर्स की सदस्य, आई सी एम आर; एल ई डी एफ एम माइक्रोस्कोपी स्पेसिफिकेशन हेतु उप समिति सदस्य, सेंट्रल टी बी डिविजन, निर्माण भवन, नई दिल्ली; राष्ट्रीय प्रयोगशाला समिति, केंद्रीय टी बी प्रभाग, में भाग लिया, निर्माण भवन, नई दिल्ली; इंडो यू एस वी ए पी के तहत भाग लिया, एल आर एस टी बी अस्पताल, नई दिल्ली; नार्थ जोन स्टेट्स की क्षेत्रीय पी एम डी टी समीक्षा बैठक में भाग लिया, श्रीनगर, 21-22 फरवरी 2012; वर्ष 2011 में माइकोबैक्टीरियोलॉजी में श्रेष्ठ प्रकाशित पेपर हेतु प्रो. ए एन चक्रवर्ती स्मारक पुरस्कार 2011 प्राप्त किया; वाराणसी में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइकोबायोलोजिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. सिबैस्टिन गेनियूक्स, एस एन एफ प्रोफेसर, स्वीस ट्रॉपिकल एण्ड पब्लिक हेल्थ इंस्टीट्यूट, बेसल, स्वीटजरलैण्ड।
2. डॉ. जुआन पेलोमिनो बैल्जियम।
3. डॉ. आनंदी मार्टिन, बेल्जियम।
4. डॉ. वायनी सुलैंडर, आचार्य डिपार्टमेंट ऑफ पेडिएट्रिक्स एण्ड इंफेक्शियस डिजीज, एल्बामा विश्वविद्यालय, बिरमिंघम, यू एस ए।
5. डॉ. सुरेश बोपन्ना, आचार्य विश्वविद्यालय, बिरमिंघम, यू एस ए। डिपार्टमेंट ऑफ पेडिएट्रिक्स एण्ड इंफेक्शियस डिजीज, एल्बामा
6. डॉ. थोमस एफ. फेरिडेन, निदेशक, सी डी सी।
7. सुश्री सपना पारिख, निदेशक की विशेष सहायक, सी डी सी।
8. डॉ. नेन्सी कोक्स, निदेशक, इंफ्लूएंजा प्रभाग, सी डी सी।
9. डॉ. मार्क एलेन विडोसन, इंटरनेशनल टीम लीड फ्रॉम सी डी सी।
10. डॉ. मिशेल शॉ, एडिशनल डायरेक्टर लेबोरेट्री सर्विसिज फ्रॉम सी डी सी।
11. केटी लेफंट, एपिडिमियोलॉजिस्ट, सी डी सी।
12. डॉ. केनथ अरहार्ट, निदेशक, सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एण्ड प्रिवेंशन इंडिया।
13. पौलिन हावै, निदेशक, सी डी सी इंडिमा ग्लोबल एड्स कार्यक्रम।
14. सुश्री नंदिता चौपड़ा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिप्रेजेंटेटिव टू इण्डिया।
15. डॉ. रेबर, अडिरान, सी डी सी।

9.20 वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय के. अग्रवाल

अपर आचार्य

संजय गुप्ता | दीपांकर एम. भौमिक | संदीप महाजन

मुख्य–मुख्य बातें

इस विभाग में ऐसे रोगियों की संख्या बहुत बढ़ गई थी जिनका डायलिसिस किया जाना था। यह कार्य हिमोडायलिसिस तीन पारियों में करके और लगातार सुविधाएं प्रदान करके किया गया। इस विभाग ने टी एच ओ ए संशोधन चर्चा के दौरान संसद में माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री की प्रतिबद्धता के अनुसार एम्स में द्वितीय भारतीय अंगदान दिवस आयोजित किया। यह अंगदान दिवस प्रति वर्ष मनाया जाएगा। हमने चिरकालिक वृक्क रोगों के संबंध में एक दिन का एकल थीम गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किया, जिसमें मुख्य गैर–संचारी रोग और भारत में मृत्यु और मोर्बिडिटी के महत्त्वपूर्ण कारणों पर चर्चा की गई। इस विभाग ने इस अवधि के दौरान पांच वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की हैं।

शिक्षा

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

यह विभाग एम.डी. (औषधि) के बाद उम्मीदवारों के लिए डी.एम. वृक्क विज्ञान में तीन वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम चलाता है। इन उम्मीदवारों का चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा द्वारा योग्यता के आधार पर किया जाता है। इस अवधि के दौरान डी. एम. पाठ्यक्रम में 5 उम्मीदवारों को दाखिला दिया गया। आंतरिक चिकित्सा में स्नातकोत्तरों को एक से दो माह की अल्पावधि के लिए बारी–बारी से इसमें तैनात किया जाता है। वर्तमान में विभाग में डी एम के 12 विद्यार्थी हैं। इसके अलावा, विभाग में 6–6 महीने के लिए 3 कनिष्ठ रेजिडेंट हैं।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

यह विभाग निम्नलिखित अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करता है:

1. एम रसायन मूत्र–विज्ञान के लिए पंजीकृत वरिष्ठ रेजिडेंट को नियमित आधार पर इस विभाग में बारी–बारी से तैनात किया जाता है ताकि अपने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में वे वृक्क–विज्ञान में भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।
2. वृक्क–विज्ञान में एम एससी नर्सिंग के विद्यार्थियों को विभाग में नैफ्रोलॉजी नर्सिंग में प्रशिक्षण दिया जाता है।
3. बाल चिकित्सा नैफ्रोलॉजी प्रभाग के रेजिडेंट भी नैफ्रोपैथोलॉजी सम्मेलन में नियमित आधार पर चर्चा के लिए आते हैं।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. "चिरकालिक वृक्क रोग (सी के डी) : एक छिपी हुई सुनामी" संबंधी रैनबैक्सी विज्ञान फाउंडेशन का 28वां गोलमेज सम्मेलन 30 मार्च, 2012 को इंडिया हैबिटैट सेंटर में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में लगभग 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें दिल्ली और दिल्ली से बाहर के संकाय सदस्य भी शामिल थे। एकल थीम के संबंध में संकाय सदस्यों और इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा सी के डी से संबंधित कई मुद्दों के संबंध में सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त किए गए और सम्मेलन में भाग लेने वाले श्रोताओं के साथ इन मुद्दों पर चर्चा की गई। नीति निर्माताओं के लिए एक फ्रंटलाइन संदेश पर कार्य करने का प्रस्ताव भी दिया गया।

2. **द्वितीय भारतीय अंगदान दिवस** जवाहरलाल नेहरू सभागार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 28 नवंबर, 2011 को अर्थात प्रथम भारतीय अंगदान दिवस और छठे विश्व वृक्क दान दिवस के ठीक एक वर्ष बाद पूरे दिन के कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। यह कार्यक्रम टी एच ओ ए संशोधन संबंधी चर्चा के दौरान संसद में माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री की प्रतिबद्धता के अनुसार मनाया गया, जिसमें यह तय किया गया था कि अंगदान दिवस प्रति वर्ष मनाया जाएगा।

प्रदत्त व्याख्यान

संजय के अग्रवाल	:	1
संजय गुप्ता	:	1
दीपांकर भौमिक	:	6
संदीप महाजन	:	5
प्रस्तुत किए गए पेपर	:	5

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. रीनल प्रतिस्थापन चिकित्सा में रीनल रोग के अंतिम चरण वाले रोगियों में गुप्त टी बी संक्रमण के निदान हेतु क्वांटिटी टेरॉन जांच का मूल्यांकन। एस के अग्रवाल, आई सी एम आर, नई दिल्ली–2007–11, 13 लाख रुपए।
2. यह प्रोलिफेरेटिव लम्प्स नेफ्रेटिस में इनडक्शन एजेंट के रूप में टैक्रोलिमस की भूमिका, संजय गुप्ता, एम्स, 2010–11, 1 लाख रुपए।

जारी

1. एस एल ई से संबंधित रीनल रोग के इतिवृत्त वाले रोगी में प्लेसबो के साप्ताहिक इंटरविनस देने के लिए ऐबेटाइमस के साप्ताहिक इंटरविनस देने में चार आर्म पैरलल ग्रुप मल्टी सेंटरिक मल्टी नेशनल ट्रायल द्वारा नियंत्रित यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो। एस.के. अग्रवाल लाजोला फार्मास्यूटिकल कंपनी, कैल्फिोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2006–12, 10 लाख रुपए।
2 चिरकालिक रीनल फेल्योर को बढ़ने से रोकने संबंधी क्रेमेजिन की चिकित्सीय दक्षता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक मल्टी सेंटरिक पैरेलल, ओपन लेवल ऐक्टिव कंट्रोल्ड, फेस–3 अध्ययन। एस.के. अग्रवाल, एल जी लाइफ साइंसेज इंडिया प्रा. लिमिटेड, 2010–13, 12 लाख रुपए।
3. प्रोलिफिरेटिव लम्प्स नैफ्रिटिस में इनडक्शन उपचार के रूप में ट्रैक्रोलिमस। संजय गुप्ता, एम्स, 2010–11, 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. चिरकालिक पेरिटोनील डायलिसिस रोगी में ऑक्सिडेटिव तनाव और उस पर एन एसिटलसिस्टीन का प्रभाव।
2. बायोप्सी प्रूवन रीनल रोग में स्पेक्ट्रम और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सह–संबंधों का अध्ययन।
3. जीवित वृक्कदाताओं में फिजियोलॉजिकल पैरामीटरों का अध्ययन – वृक्क दान करने से पहले और बाद में।
4. रीनल ट्रांसप्लांट रोगियों में बाद में ऑक्सिडेटिव तनाव और उस पर एन एसिटलसिस्टीन का प्रभाव।
5. प्रोलिफेरेटिव लम्प्स नैफ्रेटिस में इनडक्शन एजेंट के रूप में टैक्रोलिमस।

जारी

1. ई एस आर डी और प्रत्यारोपण रोगियों को नींद न आना।
2. रीनल प्रत्यारोपण उपचार संबंधी रोगियों में एच बी वी और एच सी वी संक्रमण का क्लिनिकल पैथोलॉजिकल सह–संबंध।
3. जीवित संबंधी रीनल प्रत्यारोपण के परिणामों के संबंध में सी एस ए और टैक्रोलिमस का प्रभाव।
4. रीनल प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता में प्रोटिन्यूरिया और हिस्टोपैथोलॉजिकल सह–संबंध।
5. चिरकालिक वृक्क रोग वाले रोगी में वास्कुलर महत्त्व का मूल्यांकन।
6. ई एस आर डी और प्रत्यारोपण रोगियों को नींद न आना।
7. चिरकालिक पेरिटोनील डायलिसिस रोगी में ऑक्सिडेटिव तनाव और उस पर एन एसिटलसिस्टीन का प्रभाव।
8. अनुरक्षण हिमोडायलिसिस संबंधी रोगियों में ट्यूब्रोकुलोसिस प्रोफिलैक्सिस।
9. रीनल प्रत्यारोपण उपचार संबंधी रोगियों में एच बी वी और एच सी वी संक्रमण का क्लिनिकल पैथोलॉजिकल सह–संबंध।
10. प्रोलिफेरेटिव लम्प्स नैफ्रेटिस में इनडक्शन एजेंट के रूप में टैक्रोलिमस।
11. हिमोडायलिसिस करवाने वाले रोगियों में इंटराडायलिटिक पीड़ा का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।
12. जीवित वृक्कदाताओं में फिजियोलॉजिकल पैरामीटरों का अध्ययन – वृक्क दान करने से पहले और बाद में।
13. हिमोडायलिसिस और रीनल प्रत्यारोपण रोगियों में निद्रा की गुणवत्ता।
14. रीनल प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता में प्रोटिन्यूरिया और हिस्टोपैथोलॉजिकल सह–संबंध।
15. प्रोलिफेरेटिव लम्प्स नैफ्रेटिस में इनडक्शन एजेंट के रूप में टैक्रोलिमस के साथ माइकोफेनोलेट मोफेटिल की तुलना।
16. कोंट्रास्ट इनड्यूस्ट नैफ्रोपैथी के निदान में संबद्ध लिपिकैलिन में यूरिनरी न्यूट्रोफिल गेलाटिनस की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. डायबटिक रेटिनोपैथी (नेत्रविज्ञान) वाले रोगी में सिस्टेमैटिक को–मोर्बिडिटी का मूल्यांकन।
2. रीनल प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट इम्युनोलॉजी और इम्युनोजेनेटिक्स) में टी सेल मेडिएटेड ऐलो–रिएक्टिविटी पर कीमोकिंस की भूमिका के अध्ययन।

जारी

1. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में ए के आई की व्यापकता (मेडिसिन विभाग)।
2. एम्स में इम्युनो काम्प्रोमाइज्ड रोगियों में साइटोमेगालोववायरस न्यूमोनिनिटीज का निदान (सूक्ष्मजीव–विज्ञान)।
3. नवजात और रीनल प्रत्यारोपण ग्राह्यों से ह्युमन साइटोमेगालोववायरस का पता लगाना और जेनोटाइपिंग का होना (सूक्ष्मजीव–विज्ञान)।
4. संदिग्ध इंटरस्टीसियल न्यूमोनिया एवं अन्य चिरकालिक फुफुस रोग वाले इम्युनो काम्प्रोमाइज्ड के साथ–साथ इम्युनोकॉपोरेंट दोनों रोगियों से श्वसन नमूनों में न्यूमोसाइस्टिक जीरोवेसी की आण्विक खोज एवं लाक्षणिकता (सूक्ष्मजीव–विज्ञान)।

5. ट्रांसयूजन ट्रांसमिटेड वायरस (टी टी वी) के ओ आर एफ–2 जीनोमिक क्षेत्र भी क्लोनिंग सीक्वेंसिंग तथा अभिव्यक्ति एवं सिरोलॉजिकल परख का विकास करने के लिए इसका प्रयोग (प्रयोगशाला औषधि)।

6. रीनल तथा हेपाटिक कार्य पर पारस्परिक रूप से प्रयुक्त हवार्बे प्रीपेरेशन का प्रभाव – 'प्रयोगात्मक तथा नैदानिक अध्ययन (फर्मांकोलॉजी)।

7. रीनल तथा लिवर रोगों में रक्त में एंटी–ऑक्सिडेंट अनुमानन (प्रयोगशाला चिकित्सा के साथ)।

8. रीनल प्रत्यारोपण ग्राहियों में एक्यूट रिजेक्शन में साइटोकिन प्रोफाइन (प्रत्यारोपण तथा इम्युनोजेनेटिक्स)

9. रीनल प्रत्यारोपण के पहले एवं बाद में वेस्कुलर फंक्शनों का मूल्यांकन (शरीर रचना विज्ञान)।

10. गंभीर यप से बीमार रोगियों में ए के आई की व्यापकता (मेडिसिन विभाग)।

11. भारतीय रीनल प्रत्यारोपण रोगियों में प्रतिक्रिया की तुलना में अप्रतिक्रिया वाले गैनसाइक्लोविर में यूएल–97 जीन म्युटेशन की व्यापकता का अध्ययन करना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 17

रोगी उपचार

क्र.सं.	मद	संख्या
1.	**हिमोडायलिसिस से संबंधित**	
	हमोडायलिसिस के कुल नए रोगी	771
	हमोडायलिसिस के आपातिक रोगी	392
	कुल हमोडायलिसिस	8683
	प्लाज्मोफेरेसिस	80
	फिमोरल वेन कैथोराइजेशन	569
	जुगुलर / सबक्लावीइन कैथेटराइजेशन	268
	ए वी शंट	2
	ए वी फिस्टुला	36
	परमाकैथ इंसर्टेषन	13
2.	**आई सी यू से संबंधित**	
	सी आर आर टी / एस एल ई डी	25
3.	**पेरिटोनियल डायलिसिस से संबंधित**	
	गंभीर पी डी	114
	सी ए पी डी	33

4.	**इनडोर से संबंधित**	
	किडनी बायोप्सी	469
	लिवर बायोप्सी	18
	नेफ्रोलॉजी कंसलटेशन	3180
	अल्ट्रासाउंड एब्डोमेन	476
	इनडोर एडमिशन	1225
5.	**दिवस देखभाल उपचार**	
	पल्स मिथाइलप्रीडनीसोलन चिकित्सा	30
	IV साइक्लोफोसफैमाइड	25
	IV आयरन चिकित्सा	369
6.	**रीनल प्रत्यारोपण**	
	एल आर आर टी का मूल्यांकन	337
	कैडावर प्रापकों का मूल्यांकन	76
	किया गया जीवंत रीनल प्रत्यारोपण	94
	किया गया कैडावर रीनल प्रत्यारोपण	2
7.	**रीनल प्रयोगशाला से संबंधित**	
	ब्लड सैम्पलिंग	27090
	बायोकेमिस्ट्री (यूरिया, सीआर, एनए, के)	48381
	24 घंटे यूरिन जांच	6073
	यूरिन ऑस्टमोलेलिटी	202
	रीनल प्रत्यारोपण रोगियों के लिए हिमाग्राम	9023
	कार्बन डाइऑक्साइड	4955
	टी आई बी सी	4771
	यू आई बी सी	4760
	सीरम आयरन	4725
	टी सैचुरेशन	2483
	सीरम फेरिटिन	4427
8.	**ओ पी डी से संबंधित**	
	रीनल क्लिनिक नए रोगी	5709

रीनल क्लिनिक पुनः रोगी	24439
आर टी के नए मामले	81
आर टी के पुराने मामले	5304
रीनल प्रत्यारोपण परामर्श क्लिनिक (तीन दिन/सप्ताह)	1372

सामुदायिक सेवा

1. रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में समुदाय सेवा शिविर, वृंदावन
2. बंका, बिहार में स्वास्थ्य मेला।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्त्वपूर्ण घटानाएं

प्रोफेसर संजय के अग्रवाल को तीन वर्ष अर्थात वर्ष 2009–2012 के लिए वैज्ञानिक समिति नार्दर्न चैप्टर, इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी का सदस्य नामित किया गया, वे कृष्णा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, महाराष्ट्र की पत्रिका के संपादक मंडल के आमंत्रित सदस्य थे, वे ओपन जनरल ऑफ नेफ्रोलॉजी की संपादकीय समिति के आमंत्रित सदस्य थे, उन्होंने 10 से 21 अक्तूबर, 2011 के दौरान भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय के भारतीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के संबंध में प्रत्यारोपण रजिस्ट्री स्थापित करने के लिए आस्ट्रेलिया (ऐडिलेड, सिडनी और ब्रिशबेन) का दौरा किया। उन्हें 16 नवंबर 2011 को 'भारत में रीनल रिप्लेसमेंट उपचार' के संबंध में चर्चा के लिए वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल द्वारा आमंत्रित किया गया और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार ने उनसे 13 नवंबर, 2011 को 32वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला, प्रगति मैदान में चिरकालिक वृक्क रोगों पर सार्वजनिक व्याख्यान देने के लिए अनुरोध किया था।

डॉ. संजय गुप्ता को इंडियन सोसाइटी फॉर आर्गन ट्रांसप्लांट और दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी के अधिशासी निकाय का सदस्य चुना गया।

डॉ. दीपांकर एम भौमिक को दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी का संयुक्त सचिव तथा कोषाध्यक्ष चुना गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. सुश्रुत एस. वायकर, वरिष्ठ परामर्शदाता, ब्रिघम और वूमेन्स हॉस्पीटल, डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन, बॉस्टन, यूएसए 03 जनवरी, 2012 को विभाग में पधारे और उन्होंने क्रीटिनाइन किनेटिक्स और एक्यूट किडनी इंजरी पर व्याख्यान दिया।
2. डॉ. फ्रैंक क्लिंगन ब्रोसियस ॥, प्रोफेसर, इंटरनल मेडिसिन और फिजियोलॉजी, चीफ, डिवीजन ऑफ नेफ्रोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ चिचिगन, मिचिगन मेडिकल स्कूल ऐन आर्बर, मिचिगन 24 दिसंबर, 2011 को इस विभाग में आए और उन्होंने 'सिस्टम बायोलॉजी ऑफ क्रॉनिक वृक्क रोग' विषय पर व्याख्यान दिया।
3. डॉ संजीव सेठी, वरिष्ठ परामर्शदाता और एसोसिएट प्रोफेसर, सीनियर, मायो क्लिनिक, डिपार्टमेंट ऑफ लैब मेडिसिन और पैथोलॉजी, रोचेस्टर, यूएसए 23 नवंबर, 2011 को विभाग में पधारे थे और उन्होंने 'एमिलॉयडोसिसः लेजर मैक्रोडिसेक्शन और मास स्पेक्ट्रोस्कॉपी' विषय पर व्याख्यान दिया।
4. डॉ. राजीव सरन, एसोसिएशट प्रोफेसर, मेडिसिन, डिविजन ऑफ नेफ्रोलॉजी, एसोसिएट डायरेक्टर, यूनिवर्सिटी ऑफ मिचिगन किडनी एपिडेमियोलॉजी और कॉस्ट सेंटर 14 मार्च, 2012 को विभाग में पधारे थे और उन्होंने 'क्लिनिकल रिसर्च ऑन क्रोनिक किडनी डिसीज' विषय पर संस्थान के संकाय सदस्यों और रेजिडेंट्स के लिए व्याख्यान दिया।

9.21 नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. मल्होत्रा

आचार्य

सी. एस. बाल

अपर आचार्य

राकेश कुमार | चेतन डी. पटेल (हृ. तं. कें.)

सहायक आचार्य

माधवी त्रिपाठी | अनिल के. पाण्डे

शिक्षा

विभागीय संकाय ने वर्ष 2011-12 के दौरान जारी आयुर्विज्ञानी शिक्षा कार्यक्रम, कार्यशाला, संगोष्ठी और वार्षिक सम्मेलनों में भाग लिया और 30 व्याख्यान दिए।

अनुसंधान

पूर्ण

1. मल्टीमोडिलिटी इमेजिंग हेतु क्रॉस सेक्शनल इमेज के लिए विकसित नवीन सॉफ्टवेयर सी एस बाल, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, आईआईटी कानपुर के सहयोग से।

2. न्यूरोब्लास्टोमा एवं रेडोमायोसारकोमा में रसायनचिकित्सा की शीघ्र प्रतिक्रिया मूल्यांकन में पीईटी-सीटी की भूमिका।

3. बच्चों में उच्चस्तरीय लिम्फोमा में रसायनचिकित्सा (कीमोथेरेपी) के एक चक्र के बाद एफडीजी-पीईटी की पूर्वानुमानित उपयोगिता का मूल्यांकन, डीबीटी, नई दिल्ली

जारी

1. मेटास्टेटिक प्रोस्टेट कैंसर में अस्थि दर्द उपशमन हेतु लू 77-ईडीटीएमपी की जैव विज्ञानी सुरक्षा एवं नैदानिक प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन। सी एस बाल, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आई ए ई ए सी आर पी : ई 1.30.33)
2. वक्ष, मेलानोमा, सिर एवं गर्दन तथा श्रेणि के कैंसर में सेनटाइनल लिम्फोड पहचान का प्रयोग सी एस बाल, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, (आई ए ई ए रिसर्च कांट्रेक्ट सं. 16447)
3. यूनिवर्सल साल्ट आयोडीनेशन (ए-119) के युग में रेडियोआयोडीन उद्ग्रहण वेल्यू (आर ए आई यू) की सामान्य संदर्भित श्रेणी की पुनर्स्थापना, सी एस बाल, अ. भा. आ. सं.।
4. स्थानीय उन्नत वक्ष कैंसर के रोगियों में नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी पी ई टी - सी टी एवं सी डी 34 के सह संबंध तथा वी ई जी एफ उद्भासन के प्रयोग द्वारा नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी की उपचार प्रतिक्रिया का शीघ्र मूल्यांकन। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (आई. सी. एम. आर.), दिल्ली, भारत, 2009-12।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 38 **पुस्तकों में अध्याय : 6**

रोगी उपचार

रेडियोन्यूक्लाइड जांच

जांच	संख्या	जांच	संख्या
आयोडीन अपटेक (आरएआईयू)	3034	परक्लोरेड डिस्चार्ज टेस्ट	35
आई-131डीएक्स संपूर्ण बॉडी	1344	डायमकैप्टोएक्सिनिक	1860
सीए-थाइरॉयड आई-131 पूर्ण बॉडी	576	थाइरोटोक्सिकोसिस	285
डीटीपीए/एलएलईसीटी99 एम टी सी रीनल डायनौमिक	6867	गेस्ट्रो ईसोफेगस रिफ्लक्स	611
प्रत्यक्ष रेडियोन्यूक्लाइड सिस्टोयूटेथ्रोग्राफी	265	ग्लोमेरूलर फिल्टरेशन रेट	2406
बॉन स्कैन	3024	99एम टी सी एचआईडीए (हीपेटोबाइलरी)	379
थाइरॉयड स्कैन	991	लीवर स्कैन	13
मेक्कल्स अध्ययन	24	गेस्ट्रो इंटेस्टाइनल ब्लीड	17
लिम्फोसिंटीग्राफी	54	एमआईबीजी (डायग्नोस्टिक एवं थेराप्यूटिक)	287
पैराथाइरॉयड स्कैन	100	एसपीईसीटी-सीटी/सीटी	1689
सेंटीनल लिम्फनोड	35	कार्डियक इंवेस्टिगेशन	3039
ब्रेन एसपीईसीटी	299	ब्रेन ग्लूकोफिटोनेट (जीएचए)	55
पीईटी-सीटी संपूर्ण बॉडी (जीए सहित)	4674		
अंतरंग रोगी (नए रोगी)	**576**	**कुल उपचार**	**1013**
कुल बाह्य रोगी	**1244**		

पुरस्कार सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य सी एस बाल दिसंबर 2011 में भारत में एस एन एम इण्डिया कांफ्रेंस में नाभिकीय चिकित्सा में उत्कृष्ट योगदान के तहत आचार्य सी एस बाल ने सोसायटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन, भारत द्वारा होमी भाभा व्याख्यान प्रस्तुत किए।

9.22 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन.आर. जगन्नाथन

सह–आचार्य

रमा जयासुन्दर | एस. सेंथिल कुमारन

वैज्ञानिक ग्रेड–II

उमा शर्मा

वैज्ञानिक ग्रेड–I

सुजीत कुमार मेवाड | पवन कुमार

शिक्षा

स्नातकोत्तर

विभाग के संकाय ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एम. बायोटेक कार्यक्रम में भाग लिया तथा "संरचनात्मक जैव विज्ञान एवं एनएमआर प्रौद्योगिकी" और "आण्विक चिकित्सा विषयक पाठ्यक्रम" पर व्याख्यान दिए।

संकाय सदस्यों ने "उच्च मानसिक कार्य : तकनीक (कार्यात्मक एम आर आई) प्रयोग और प्रविधि" विषय पर पाठ्यक्रम के सिद्धांत और प्रदर्शन में भाग लिया। यह कार्यक्रम शरीरक्रिया–विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम से संबंधित था।

अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षण

भारत और अफगानिस्तान के विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों की चिकित्सा एवं विज्ञान विधाओं के तीन व्यक्तियों तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बी एससी रेडियोग्राफी तथा बी एससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने एम आर आई, कार्यात्मक एम आर आई और एम आर एस तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

संकाय सदस्यों ने वर्ष के दौरान क्रमिक चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम, संगोष्ठी और सम्मेलनों में भाग लिया और कई व्याख्यान दिए।

प्रोफेसर आर एन जगन्नाथन 30 अक्तूबर से 03 नवंबर, 2011 के दौरान बीजिंग, चीन में "बायोफिजिक्स इन मेडिसिन : इमेजिंग–कटिंग एज प्रौद्योगिकी", 17वीं अंतरराष्ट्रीय बायोफिजिक्स कांग्रेस (आई बी सी) संबंधी 3 वैज्ञानिक सत्रों में सह–आयोजक थे।

प्रदत्त व्याख्यान

एन आर जगन्नाथन	:	7
रमा जयासुन्दर	:	16
एस. सेंथिल कुमारन	:	6
संगोष्ठियों/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण	:	**30**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. स्तन कैंसर में अर्बुद चयापचय तथा उपचार प्रतिक्रिया के आकलन तथा गैर–आक्रामक पहचान में चुम्बकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कॉपिक छविकरण (एमआरएसआई) तथा विसरण–भारित एम आर आई (डीडब्ल्यू–एमआरआई) एन आर जगन्नाथन। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जून 2008 से अगस्त 2012, 20.29 लाख रुपए।
2. जैव चिकित्सा अनुसंधान हेतु 700 एमएचजैड एनएमआर स्पेक्ट्रोमीटर। एन आर जगन्नाथन। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जनवरी 2008 से जनवरी 2013, 842.6 लाख रुपए।
3. चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण। रमा जयासुन्दर। आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय। सितंबर 2010 से अगस्त 2013, 96.90 लाख रुपए।
4. एमआर का प्रयोग करते हुए शरीर संघटन का विश्लेषण तथा शरीर संघटन की किस्मों के साथ सहसंबध। डॉ. रमा जयासुन्दर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान। मार्च 2011, 1.0 लाख रुपए।
5. प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद छविकरण (एमआरआई) का प्रयोग करते हुए दृष्टिक रूप से कमजोर व्यक्तियों में अवबोधन, स्पेशियल अभिमुखीकरण, वाक् तथा भाषा प्रक्रिया के साथ संबद्ध संज्ञानात्मक परिवर्तन। डॉ. एस. सेंथिल कुमारन, संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)। अगस्त 2010 से जुलाई 2013, 22,10,800 रुपए।
6. इन–विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी का उपयोग करते हुए सेलियक रोग का मेटोबोनोमिक्स। उमा शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार। दिसंबर 2011 से नवंबर 2014, 33.63 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. डिमाइइलिनेशन के पशु मॉडल के एमआरआई और एमआरएस का अध्ययन।
2. स्तन कैंसर के रोगियों में पानी और वसा के इन–विवो के साथ–साथ सप्रेशन के लिए पल्स सीक्वेंस बढ़ाना।
3. एमआर का प्रयोग करने हुए शारीरिक संघटन का विश्लेषण।
4. चिकित्सीय पौधों के एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रोस्टेट कैंसर का इन–विवो एमआरआर/एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (मूत्ररोग विज्ञान विभाग)।
2. आईबीडी (जीआई सर्जरी) के रोगियों में कोलोन ऊतक का इन–विट्रो एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी।
3. मानव स्तन कार्सिनोमा का इन–विवो एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (शल्यचिकित्सा विभाग, रेडियो थेरेपी और विकृति विज्ञान)।
4. विटामिन डी अनुपूरण के साथ सामान्य रोगियों में स्केलटल मांसपेशी का 31पी एमआरएस अध्ययन।
5. मधुमेह के रोगियों में मस्तिष्क मेटाबोलाइट्स के एमआरआई/एमआरएस अध्ययन (औषधि विभाग)।
6. हार्ट फेल्योर के रैट मॉडल में आयरन ऑक्साइड लेबल्ड एम्ब्रियोनल स्टेम सेलों के इन–विवो का पता लगाने के लिए एमआरआई (हृदयरोग–विज्ञान, कार्डियक–रेडियोलॉजी, शरीरक्रिया विज्ञान और स्टेम सेल फैसिलिटी)।

7. आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल फोरमेशन का एमआरआई (जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर)।

8. ऑब्सेसिव कंपलसिव विकृति वाले रोगियों में मस्तिष्क मेटाबोलिज्म का मूल्यांकन करने के लिए एमआरआई/एमआरएस अध्ययन (मनश्चिकित्सा)।

9. सेलियक रोग वाले रोगियों में आंत्र म्युकोसा का इन–विट्रो एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी (गैस्ट्रोलॉजी और मानव पोषण)।

10. गंभीर आघात के पशु मॉडल में औषधियों कि न्यूरोप्रोटेक्टिव एक्टिविटी का मूल्यांकन करने के लिए एमआर इमेजिंग।

11. कंट्रास्ट एजेंट और टारगेटेड डिलिवरी के रूप में अति सूक्ष्म कणों के मूल्यांकन के लिए एमआर इमेजिंग अध्ययन (आईआईटी, दिल्ली)।

12. एक्स्ट्रेमिटीज (अस्थिरोग) के कैंसर के निदान में एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका।

13. एमआरआई, डीईएक्सए और बीआईए का उपयोग करते हुए शारीरिक संघटन का विश्लेषण और मधुमेय के जोखिम कारकों के साथ सह–संबंध। (इंडोक्रिनोलॉजी एंड लैब मेडिसिन)।

14 एनएमआर, यूवी और एफटी–आईआर का उपयोग करते हुए चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण (आकुलर फार्माकोलॉजी, आरपी सेंटर)।

15. चिकित्सीय पौधों के ऐन्टि–ऑक्सिडेंट गुणों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण और मूल्यांकन (आकुलर फार्माकोलॉजी, आरपी सेंटर)।

16. पार्किंसोनियन विकारों के साथ संबद्ध कार्यात्मक कमियों का न्यूरोचित्रण (तंत्रिकाविज्ञान, डीएसटी वित्तपोषित)।

17. गंभीर आघात के बाद प्रकार्यात्मक परिणामों का अनुमान लगाना : एशियाई भारतीयों में क्लिनिक रेडियोलॉजिकल पैरामीटरों और वृद्धि कारकों के मॉड्यूल का मूल्यांकन (तंत्रिकाविज्ञान, डीएसटी वित्तपोषित)।

18. इंट्रेक्टेबल एपीलेप्सी के रोगियों में पूर्व–ऑपरेटिव मूल्यांकन के रूप में भाषा और स्मरणशक्ति के संज्ञानात्मक सक्रियण अध्ययन – एक नवीन गैर–आक्रामक जांच विधि (तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग)।

19. न्यूरोनल रिजनरेशन और फंक्शनल रेस्टोरशन में मानव अम्बिलिकल कॉर्ड रक्त सेल और न्यूरल स्टेम सेलों की भूमिका : गंभीर मेरूरज्जु चोटों वाले नर वयस्क चूहे का तुलनात्मक अध्ययन (तंत्रिकाविज्ञान, हुदयरोग–विज्ञान, स्टेम सेल फैसिलिटी, डीबीटी वित्तपोषित)।

20. विकलांगत मूल्यांकन उपायों तथा कार्यात्मक इमेजिंग पर चिरकालिक अभिघात के रोगियों में बाधा उद्दीपित चलनशीलता उपचार तथा विद्युत उद्दीपन की तुलना (तंत्रिकारोग विज्ञान, आईसीएमआर वित्तपोषित)।

21. चिरकालिक इस्चेमिक आघात में ऑटोलोगस अस्थि मज्जा प्राप्त एमएनसी अंतर्वेशन के अंतःशिरा अंतर्वेशन की व्यवहार्यता तथा प्रभावोत्पादकता का अध्ययन : सुधार के जैव चिह्नांककों के साथ नैदानिक विकिरणकीय सहसंबंधात्मक अध्ययन (तंत्रिकारोग विज्ञान विभाग, डीएसटी वित्तपोषित)।

22. ऑब्सेसिव कंपलसिव विकृति वाले रोगियों में मस्तिष्क मेटाबोलिज्म का मूल्यांकन करने के लिए एमआरआई/एमआरएस अध्ययन (मनश्चिकित्सा)।

23. सेलियक रोग वाले रोगियों में आंत्र म्युकोसा का इन–विट्रो एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी (गैस्ट्रोलॉजी और मानव पोषण)।

24. मानव स्तन कार्सिनोमा का इन–विवो एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (शल्य चिकित्सा विभाग, रेडियो थेरेपी और विकृति विज्ञान)।

25. गंभीर आघात के पशु मॉडल में औषधि का न्यूरोप्रोटेक्टिव ऐक्टिविटी का मूल्यांकन करने के लिए एमआर इमेजिंग (फार्माकोलॉजी)।

26. कंट्रास्ट एजेंटों के रूप में नैनो पार्टिकल्स के मूल्यांकन तथा लक्षित औषध परिदाय संबंधी एमआर छविकरण अध्ययन (आईआईटी, दिल्ली)।

27. कंट्रास्ट एजेंटों के रूप में नैनो पार्टिकल्स के मूल्यांकन तथा लक्षित औषध परिदाय संबंधी एमआर छविकरण अध्ययन (जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर)।

28. बहु स्केलेरोसिस के पशु मॉडल में एमआर छविकरण।

29. एक्स्ट्रेमिटीज (अस्थिरोग) के कैंसर के निदान में एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका।

प्रकाशन

पत्रिकाए	:	**10**
पुस्तकों में अध्याय	:	**3**
पुस्तकें और मोनोग्राफ	:	**1**

रोगी उपचार

विभाग में रोगी उपचार एवं अनुसंधान हेतु पूरे शरीर की एमआर जांच करने वाली 1.5 तेसला की दो मशीनें तथा 3.0 तेसला की एक मशीन हैं। विभाग में रोगी की एमआरआई जांच प्रतिदिन 12 घंटे होती है। अप्रैल 2011 से मार्च 2012 तक की अवधि के दौरान जांय किए गए रोगियों की संख्या का विवरण इस प्रकार हैः

क्लिनिकल डायग्नोस्टिक एमआरआई जांच	:	5528 रोगी
अनुसंधान	:	465 रोगी और लोग

अन्य प्रयोगात्मक सुविधाएं

विभाग में एक 16.4 तेसला उच्च रेजोल्यूशन एनएमआर स्पेक्ट्रोमीटर है। 500 से अधिक नमूनों का सीरम/प्लाज्मा/सीएसएफ/ऊतकों का अध्ययन किया गया है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्त्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एन.आर. जगन्नाथन वर्तमान में एशियन बायोफिजिक्स एसोसिएशन (एबीए) के अध्यक्ष हैं। वे निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के सदस्य भी हैंः (प) एमएजीएमए (भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान और औषधि में चुम्बकीय अनुनाद सामग्री), (पप) चुम्बकीय अनुनाद इनसाइट; (पपप) उप–संपादक तंत्रिकाविज्ञान छविकरण; (पअ) एनएमआर बायोमेडिसिन; (अ) मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग; (अप) स्पेक्ट्रोस्कोपी–बायोमेडिकल ऐप्लिकेशन; (अपप) बायोफिजिकल रिव्यू, निर्वाचित सदस्य, अधिशासी परिषद्, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड ऐप्लाइड बायोफिजिक्स (आईयूपीएवी), 2008–14; सदस्य, संचालन समिति, बायोफिजिक्स एसोसिएशन (एबीए); परिषद् सदस्य, इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन मैग्नेटिक रिसोनेंस इन बायोलॉजिकल सिस्टम (आईसीएमआरबीएस), यूएसए; सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, (पीएसी), बायोकेमिस्ट्री, बायोफिजिक्स और मोलेक्यूलर बायोलॉजी अनुभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार; सदस्य, संचालन समिति, शॉफिस्टिकेटेड इंस्ट्रूमेंट फैसिलिटीज (एसएआईएफ), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार; सदस्य, एफआईएसटी समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार; सदस्य, पीयूआरएसई समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार; 'बायोमेडिकल डिवाइस और बायोइंजीनियरी' विषय के

विशेषज्ञ पैनल का समन्वयक; जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (एलआरएसबी), डीआरडीओ; सदस्य, इन्सा समिति, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड ऐप्लाइड बायोफिजिक्स (आईयूपीएबी); सदस्य, प्रबंधन सलाहकार समिति (एमएसी), शॉफिस्टिकेटेड इंस्ट्रूमेंट फैसिलिटीज (एसएआईएफ), सीडीआरआई, लखनऊ; सदस्य, प्रबंधन सलाहकार समिति (एमएसी), शॉफिस्टिकेटेड इंस्ट्रूमेंट फैसिलिटीज (एसएआईएफ), भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलूरु; विशिष्ट समीक्षक, जे मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग–2011; विशिष्ट समीक्षक, मैग्नेटिक रिसोनेंस इन मेडिसिन–2010; विशेष अंक के संपादक, एनएमआर बायोमेडिसिन में 'ट्यूमर माइक्रोइनवायरनमेंट इन कैंसर ट्रीटमेंट एंड मेटास्टैसिसन्न 2011:24(6), 559–764, समन्वयक, "बायोफिजिक्स इन मेडिसिन : इमेजिंग–कटिंग एज प्रौद्योगिकी" संबंधी वज्ञानिक सत्र; 17वीं अंतरराष्ट्रीय बायोफिजिक्स कांग्रेस, बीजिंग, चीन, 30 अक्तूबर–03 नवंबर, 2011; सदस्य, विज्ञान सलाहकार परिषद् (एसएसी), राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर, हरियाणा।

डॉ रमा जयासुन्दर को कैम्ब्रिज हैमिड का विजिटिंग लेक्चर फेलोशिप, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके, अगस्त 2011 प्रदान किया गया। उन्हें स्वास्थ्य क्षेत्र के क्षेत्र नवोन्मेषी परिषद्, राष्ट्रीय नवोन्मेषी परिषद्, भारत सरकार, अगस्त 2011 के भाग के रूप में आमंत्रित किया गया, उन्हें कैम्ब्रिज इंडिया पार्टनरशिप रिसर्च कोलोबरेशन नवंबर 2011 में भाग लेने के लिए कैम्ब्रिज हैमिड विजिटिंग लेक्चर फेलोशिप, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके द्वारा आमंत्रित किया गया।

9.23 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुनीता मित्तल

आचार्य

अलका कृपलानी	सुनेश कुमार	दीपिका डेका
नीरज भाटला	के. के. रॉय	

अपर आचार्य

नीना मल्होत्रा	वत्सला डड़वाल	नूतन अग्रवाल
जे. बी. शर्मा	नीता सिंह	

सह आचार्य

रीता माही	गरिमा	अर्पणा शर्मा

वैज्ञानिक

रोहिणी सहगल (ग्रेड I)	ए. चंद्रा तिवारी (ग्रेड-2)

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल

दिल्ली पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन फोरम (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग) वर्ष 2001 से प्रतिमाह स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु बैठकों का आयोजन कर रहा है। ये बैठकें नैदानिक एवं शल्यक चिकित्सा कौशल,प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान के प्रति समस्या अभिमुखी दृष्टिकोण, प्रोटोकॉल एवं दिशानिर्देश केस प्रस्तुतीकरण तथा विचार विमर्श में स्नातकोत्तरों को पूरक प्रशिक्षण देने के लिए आयोजित की जाती है। दिल्ली के विभिन्न शैक्षिक तथा अध्यापन संस्थानों से आमंत्रित संकाय तथा अंतरराष्ट्रीय संकाय, स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण में सहयोग देते हैं।

अल्प कालीन एवं दीर्घ कालिन प्रशिक्षण

विभाग "स्त्री रोग विज्ञान इंडोस्कोपी सर्जरी' 'उच्च जोखिम सगर्भता" "स्त्री रोग विज्ञानी अर्बुद विज्ञान" तथा "प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान अल्ट्रासोनोग्राफी" एवं बांझपन जैसे विभिन्न उपविशिष्टता विषयों में अल्प तथा दीर्घकालीन प्रशिक्षण प्रदान करता है। वर्ष के दौरान विभिन्न विशिष्टता युक्त विषयों में एक प्रशिक्षणार्थी (मधु सूदन डे, पुणे) दीर्घकालिक प्रशिक्षण तथा जांच अन्य प्रशिक्षणार्थियों (वि. स्वा. सं. के सदस्य : कॉन हो जो, योंग 2 जॉन, योंग ते टायू चोल पाक एवं कुम ह्वान री सभी डी पी आर कोरिया से संबंधित) को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विभाग द्वारा प्रत्येक 6 माह में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में एक राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा का आयोजन किया जाता है। यह एक अद्वितीय नवाचारी मॉड्यूलर शिक्षण कार्यक्रम है जिसमें एम डी पाठ्यक्रम को 6 मॉड्यूलों के द्वारा 5 वर्षों में कवर किया जाता है। श्रृंखला 3, मॉड्यल 3 का आयोजन 23 से 24 अप्रैल 2011 तथा श्रृंखला 3 मॉड्यूल 6 का आयोजन 24-25 मार्च 2012 की अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में किया गया। सी एम ई मॉड्यूलों में 200 से अधिक छात्रों तथा वरिष्ठ स्त्री रोग विज्ञानियों ने भाग लिया तथा इन्हें दिल्ली मेडिकल कौंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, कार्यशाला एवं सेमिनार, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

1. प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (श्रृंखला 3, मॉड्यूल 5), अ. भा. आ. सं., 23 से 24 अप्रैल 2011।
2. माता एवं शिशु के लिए सहायक सुविधाओं के न्यूनतम स्टैंडर्ड का विकास एवं पारगमन के दौरान प्रसवपूर्व उपचार हेतु प्रथम विशेषज्ञ दल की बैठक, 30 जून से 1 जुलाई 2011।
3. भारत में अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में 3 से 4 अक्तूबर 2011 को माता एवं शिशु के मंत्रीपूर्ण सम्मेलन हेतु न्यूनतम स्टैंडर्ड के विकास हेतु दूसरे कोर विशेषज्ञ दल की बैठक।
4. अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में 21 से 23 अक्तूबर 2011 को सुरक्षित गर्भपात के एक्सपेंडिंग एक्सेस पर कार्यशाला का आयोजन।
5. माता एव शिशु फ्रेंडली सर्विस पर अ. भा. आ. सं., में 20 फरवरी 2012 को डिसेमिनेशन मीटिंग।
6. पी. जी. फोरम, अ. भा. आ. सं., 3 दिसंबर 2011 एवं 11 फरवरी 2012
7. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान में राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (श्रृंखला 3, मॉड्यूल 6) अ. भा. आ. सं., 24 मार्च 2012।
8. माता एवं बच्चें के लिए न्यूतनम स्टैण्डर्ड के विकास हेतु प्रथम विशेषज्ञ दल की बैठक का आयोजन, 30 जून से 1 जुलाई 2011।
9. भारत में माता एवं बच्चे के फ्रैंडली सेमिनार हेतु न्यूनतम स्टैण्डर्ड के विकास में द्वितीय कोर विशेषज्ञ दल की बैठक का अ. भा. आ. सं., में 3 से 4 अक्तूबर 2011 को आयोजन।
10. माता एवं बच्चे के फ्रेंडली सेमिनार की बैठक का प्रचार अ. भा. आ. सं., 20 फरवरी 2012।

प्रदत्त व्याख्यान

सुनीता मित्तल : 14	अलका कृपलानी : 30	सुनेश कुमार : 7
डी. डेका : 13	नीरजा भाटला : 8	के .के. रॉय : 10
नीना मल्होत्रा : 11	वत्सला डड़वाल : 5	जे. बी. शर्मा : 7
नूतन अग्रवाल : 11	नीता सिंह : 2	

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. बैक्टीरियल वेजिनोसिस के मामले में मेट्रोनिडेजॉल, टिनी डेजॉल, स्किनीडे ज़ॉल तथा ऑर्निडेज़ॉल की खाने वाली एकल खुराक का तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. अलका कृपलानी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2008-11, 2 लाख रुपए।
2. आई. वी. एफ. - ई. टी. ए के मध्यम पुरुष बांझपन कारकों तथा ट्यूबल कारकों में न्यूनतम उद्दीपन की प्रभावोत्पादकता संबंधी अध्ययन; एक प्रायोगिक अध्ययन। डॉ. नीता सिंह, अ. भा. आ. सं., 2010-11, 1 लाख रुपए।
3. कोरोनिस - सीज़ेरियन सेक्शन सर्जिकल तकनीक का अंतरराष्ट्रीय अध्यापन एक यादृच्छिक फेक्टोरियल परीक्षण, डॉ. जे. बी. शर्मा, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू. के. 2007-11, 72 लाख रुपए।

जारी

1. माता-पिता से बच्चों में एच. आई. वी. के संचारित होने की रोकथाम। सुनीता मित्तल, दिल्ली राज्य, एड्स नियंत्रण सोसायटी। जारी दीर्घ परियोजना : 50,000 रुपए।

2. भारतीय परिवेश में बांझ रोगियों में प्रजनन संबंधी परिणामों पर सकारात्मक एंडोमिट्रीयल एस्पिरेट डी एन ए पी सी आर हेतु एंटीट्यूबरकुलर उपचार की भूमिका - एक यादृच्छिक परीक्षण। अलका कृपलानी, आई. सी. एम. आर 2010-13।

3. गर्भवती माताओं में दैनिक बनाम साप्ताहिक समय अनुसूची में मौखिक लौह अनुपूरण के दौरान ऑक्सीडेटिव तनाव का अनुमानन। डॉ. सुनीता मित्तल, आई सी एम आर, जारी दीर्घ परियोजना।

4. सबडरमल सिंगल रॉड गर्भानिरोधक प्रतिरोपण इम्प्लेनन के साथ फेज़ 3 का बहुकेंद्रीय नैदानिक परीक्षण। सुनीता मित्तल, आई सी एम आर, 2 वर्ष।

5. युवा महिलाओं (16 से 26 वर्ष की आयु वाली) के साथ तुलना करते हुए पूर्व तरुणियों तथा तरुणियों (9 से 15 वर्ष की आयु वाली) में वी 503 (एक मल्टीवेलेंट ह्यूमैन पेपिलोमोविरस (एच पी वी) एल 1 वायरस समतुल्य पार्टिकल (वी एल वी) वेक्सीन) की इम्यूनेजेनेसिटी टालरेबिलिटी तथा विनिर्माणकारी सातत्य प्रदर्शित करने के लिए एक फेज़ 3 नैदानिक परीक्षण। डॉ. नीरजा भाटला, एम एस डी फार्मास्यूटिकल प्राइवेट लिमिटेड, 2010-13 8.80 लाख रुपए।

6. स्वतः तथा चिकित्सक संग्रहण प्रविधि द्वारा सम्मिश्र अभिग्रहण परीक्षण तथा दृष्टिक स्क्रीनिंग द्वारा सर्विकल नियोप्लासिया की शीघ्र अभिसूचना - ग्रामीण क्षेत्र में एक समुदाय आधारित अध्ययन। डॉ. नीरजा भाटला। क्विजन इण्डिया, 2010-13, 5,46,327 रुपए।

7. सर्वीकल कैंसर की रोकथाम में एच पी वी टीके की 2 बनाम 3 खुराकों की प्रभावोत्मकता तथा प्रदाहक रोधी क्रिया का मूल्यांकन, डॉ. नीरजा भाटला, वि. स्वा. सं. आई. ए. आर. सी, 2009-14, 65,000 रुपए, यू एस डॉलर।

8. प्रदाहक जैव स्मियर से ग्रस्त महिलाओं में प्लेसेंट्रेक्स टी एम की प्रभावोत्मकता तथा प्रदाहक रोधी क्रिया का मूल्यांकन। नीरजा भाटला, अल्बर्ट डेविड लि. 2010-13, 2,50,000 रुपए।

9. कोरोनिस सिजेरियन सेक्शन शल्यक तकनीकों का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन : एम्स अनुवर्ती अध्ययन। जे बी शर्मा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू के, मार्च 2011 से मार्च 2014 तक, 178,929 यू के।

10. 'मानव स्वास्थ्य पर नॉन आयोनाइज़िंग इलैक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड (ई एम एस) का प्रभाव, एन टी एफ योजना, जे बी शर्मा, आई सी एम आर, मार्च 2010- मार्च 2015, 8,80745 रुपए।

11. जेनाइटल क्षयरोग के उपचार पर अध्ययन : आर एन टी सी पी श्रेणी के उपचार के 6 माह की प्रारंभिक प्रतिक्रिया के बाद 6 महीने तक असातत्य या 9 महीने तक निरंतर जारी एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। जे बी शर्मा, सेंट्रल टी बी डिविज़न, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मंत्रालय, भारत सरकार, मार्च 2009 से मार्च 2011, 40 लाख रुपए।

12. एशियाई महिलाओं में गेस्टेटेशनल मधुमेह रोग में मेटाफार्मिन तथा अवत्वचीय इंसुलिन की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता का एक यादृच्छिक ओपन लेबल तुलनात्मक अध्ययन। मीता सिंह, आई सी एम आर, जनवरी 2011 - सितंबर 2014, 30 लाख रुपए।

13. अशर मैनस सिंड्रोम से पीड़ित महिलाओं में ऑटोलोगस स्टेम सेल के सब एंडोमिट्रियल इंप्लांटेशन की भूमिका, नीता सिंह, अ. भा. आ. सं., 2011-13, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. आई वी एफ प्रक्रियाधीन पी सी ओ एस ग्रस्त महिलाओं के फॉलीक्यूलर फ्लूड में ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस बायोमार्कर्स के स्तर तथा ए आर टी परिणाम के साथ उनका संबंध।
2. फ्रोजन भ्रूण स्थानांतरित चक्र प्रक्रियाधीन महिलाओं में आई वी एफ सफलता दर संबंधी लेसर सहायक हेचिंग के प्रभाव का मूल्यांकन।
3. मेटफ्रॉमिन बनाम इंसुलिन द्वारा सगर्भता मधुमेह शर्करा के उपचार का एक तुलनात्मक अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
4. यूनिपोलर रिसेक्टोस्कोप बनाम बाइपोलर रिसेक्टोस्कोप के प्रयोग द्वारा हिस्टिरियोस्कोपिक सेप्टल रिलेक्शन के एक भविष्य सापेक्ष यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
5. वैक्यूम एस्पिरेशन बनाम एम. बी. ए. से पूर्व माइसोप्रोस्टोल द्वारा पूर्वउपचार : डबल ब्लाइंड आर सी टी एक प्रायोगिक अध्ययन।
6. महिला जेनिटल फिस्ट्यूला की अस्पताल आधारित निगरानी।
7. एनीमिया से पीड़ित गर्भवती माताओं के बीच खाए जाने वाले आयरन संपूरक (प्रतिदिन बनाम साप्ताहिक) के सेवन के दौरान ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस का मूल्यांकन।
8. भारत में एक नए गर्भनिरोधक के विकल्प के तौर पर प्रोजेस्टेरॉन वेजिंस रिंग (पी वी आर) का मूल्यांकन।
9. चिकित्सकों के मिडलेवल प्रोकाइडर्स द्वारा भारत में चिकित्सा गर्भपात का उपचार एक द्वि बाहु यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
10. 13 से 20 हफ्ते की गर्भावस्था में अनुमानित गर्भपात हेतु आइफरप्रिस्टोन प्लस मिस्प्रोस्टॉल की तुलना : एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक बहुकेंद्रीय परीक्षण।
11. स्पष्ट तौर पर प्रदाहक सर्विकल कैंसर में मानव प्लेसेंटल सत्व तथा लाइकोपेस की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन।
12. आई वी एफ चक्र में ओवेरियन प्रतिक्रिया के चिह्न के तौर पर ए एम एच का मूल्यांकन।
13. 11 से 14 हफ्तों की गर्भावस्था में भ्रूण नासिका अस्थि की लंबाई का नोमोग्राम।
14. देरी से गर्भावस्था में आयरन की कमी से उत्पन्न एनीमिया से पीड़ित रोगियों में अन्य हीमेटोलॉजिकल इंडाइस द्वारा एराइथ्रोपोयटिन लेवल्स तथा सीरम ट्रांसफेरिंग रिसेप्टर लेवल्स का सह संबंध।
15. एंडोमिट्रीयल कार्सिनोमा में सेनटाइनल लिम्फनोड बायोप्सी।

जारी

1. ओवेरियन एंडोमेट्रिओमा में लेप्रोस्कोपिक लिस्टेक्टॉमी की दो विभिन्न तकनीक ऑजरियन रिजर्व फोलोइंग का एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
2. रजोनिवृत्ति के लक्षणों के उपचार में गाबापेंटिन।
3. प्रजनन तकनीकी सहायक के परिणामों पर स्पर्म डी एन ए क्षति तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस की भूमिका।
4. प्रथम त्रैमासिक गर्भपात के लिए समतुल्य माइसोप्रोस्टोल बनाम माइफेप्रिस्टोन के 36 से 48 घण्टों के बाद का एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
5. प्रिनेटल नैदानिक परीक्षण की प्रक्रियाधीन महिलाओं में गर्भावस्था परिणाम तथा भ्रूण जटिलताओं का विश्लेषण।
6. यूटेराइन रक्तस्राव दुष्क्रिया के उपचार में संयुक्त हार्मोनल वेजाइनल रिंग की भूमिका का उपचार।

7. कुल लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी बनाम लेप्रोस्कोपिक सप्रासर्विकल हिस्टेरक्टॉमी का एक तुलनात्मक मूल्यांकन।

8. समयपूर्व ओवेरियन एजिंग में ओवेल्यूशन अंतर्वेशन हेतु गोनाडोट्रॉफिन्स के संयोजन के तौर पर डिहारड्रोयाइएंड्रोस्टेरॉन (डी एच ई ए) का मूल्यांकन।

9. उन्नत एपीथिलियल ओवेरियन कैंसर हेतु प्रति 5 हफ्ते कार्बोप्लेटिन के साथ साप्ताहिक पेक्नीटेक्सल का संयोजन एक प्रायोगिक अध्ययन।

10. बांझपन संग्रस्त रोगियों में पारंपरिक मिनीलेप्रोस्कोपी बनाम आधुनिक मिनी लेप्रोस्कोपी का यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

11. सिजेरियन ऐक्शन के दौरान तथा उसके पश्चात् रक्त हानि को कम करने में ट्रानेक्सामिक एसिड की प्रभावात्मकता का मूल्यांकन।

12. वैज्ञानिक स्रावों में भ्रूण फाइब्रोनेक्टिन के निर्धारण द्वारा समय पूर्व डिलीवरी का पूर्वानुमान।

13. एक विकासशील देश में संस्थापित अस्पताल में पारंपरिक प्रोटोकॉल बनाम आई वी एफ मिनीमल अभिप्रेरण प्रोटोकॉल की लागत प्रभावात्मकता का अध्ययन एवं तुलना।

14. रजोनिवृत्ति पूर्व महिलाओं में सिम्पटोमेटिक लियोम्योमा के उपचार हेतु एनास्ट्रोजोल की भूमिका।

15. दुष्क्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्राव से पीड़ित रोगियों में थर्मल बैलून अब्लेशन तथा लीवोनोगेस्ट्रेल इंट्रायूट्रिन सिस्टम की तुलना करते हुए नैदानिक परीक्षण।

16. 11 से 14 सप्ताह के गर्भावस्थ के भ्रूण की नासिका की हड्डी की लंबाई का नोमोग्राम।

17. अंतिम प्रोटोकॉल तथा प्रशिक्षण संहिता भारतीय परिवेश में हीमोग्लोबिन अनुमानन के लिए हीमोग्लोबिन कलर स्केल (एच सी एस) का प्रयोग करने की उपयोगिता तथा प्रचालनात्मक व्यवहार्यता संबंधी प्रयोगशाला परीक्षण के लिए संहिता।

18. प्रदाहक सर्विकल स्मियर साफ करने में मानव प्लेसेंटल एक्स्ट्रेक्ट तथा लाइसोपेन की प्रभावत्मकता का मूल्यांकन।

19. प्रतिकूल गर्भावस्था परिणाम वाली महिलाओं में वंशानुगत थ्रोम्बोफीलिया की जांच।

20. के बी टी, फ्लो साइटोमिट्री द्वारा आर एच वी ई नॉन इम्यूनाइज्ड सगर्भता में प्रसूतियों के पश्चात् फीटोमेस्टन हेमरेज (एफ एम एच) की पहचान तथा मात्रांकन।

21. लैप्रोस्कोपिक की सहायता द्वारा वैजिनल हिस्ट्रेक्टॉमी में बाइपोलर कॉशरी वाले हार्मोनिक स्कैलपल की तुलना।

22. सर्विकल इंटराएपिथोलियल नियोप्लासिया के उपचार में लिंगल बनाम डबल फ्रीज क्रायोथेरेपी के तुलनात्मक मूल्यांकन तथा सर्विकल नियोप्लाजिया की शीघ्र पहचान हेतु साइटोलॉजी, विज़ुअल इंस्वेक्शन, एसिटिक एसिड तथा लुगोल्स आयोडीन के साथ जांच।

23. सामान्य गर्भावस्थाओं वाले इंट्रा यूट्रिन ग्रोथ रीस्ट्रिक्शन में एंटीनेटल सॉफ्ट टिश्यू थिकनेस का प्रयोग करके विभिन्न भ्रूण वाहिकाओं तथा भ्रूण वज़न आकलन में डॉपलर मूल्यांकन।

24. सिजेरियन सेक्शन के दौरान गर्भाशय अतानता की रोकथाम : सबलिंगुअल मिलोप्रोस्टोल बनाम साइंटोसिनोन की यादृच्छिक तुलना।

25. 24 से 28 सप्ताह के गर्भ की नैमिक प्रसवपूर्व जांच अल्ट्रासोनोग्राफी का महत्व।

26. लेप्रोस्कोपिक स्त्री रोग विज्ञानी शल्य चिकित्सा के पश्चात् ऑपरेशन के पश्चात् पीड़ा को कम करने में इंट्रापेरिटोनियल ब्यूपिवेकेन का प्रभाव।

27. अधिक उच्च जोखिम ग्रस्त महिलाओं में समयपूर्व प्रसव की रोकथाम में माइकोनाईज्ड प्रोजेस्ट्रॉन का प्रोफाइलेक्टिक उपचार।

28. प्रजनन परिणाम की साथ इंडोमैट्रियोसिस की अवस्था तथा इमेजिंग का सह संबंध निर्धारित करना।

29. बांझ महिलाओं में जननांग ट्यूबरकुलोसिस के निदान में मैसेंजर आर एन ए पी सी आर की भूमिका।

30. अस्पष्ट बांझपन हेतु स्टीमुलेटिड इंट्रायूटेराइन इंसेमिनेशन प्रक्रियाधीन महिलाओं में पल्स डॉपलर द्वारा पहचान किए गए गर्भाशय तथा रेडियल आर्टरी फ्लो चेंजिस की तुलना।

31. क्लोमोफिन सिट्रेट रेजीस्टेंट पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में लैप्रोस्कोपिक सोवेरियन ड्रिलिंग के पश्चात् ओवेरियन रिजर्व तथा पेरिओवेरियन एडहेंसन के लिए ट्रांसवेजिनल अल्ट्रासाउंड।

32. बांझ जोड़ों में एकल बनाम दोहरे इंट्रायूट्रिन इनसेमिनेशन की प्रभावकता की तुलना।

33. डिंबग्रंथि दुर्दमाताओं की स्टेजिंग में सी ई टी की भूमिका।

34. सामान्य सगर्भताओं में आई यू जी आर से पीड़ित गर्भवती महिलाओं में बी पी बी के साथ डॉपलर की तुलना।

35. स्तन कार्सिनोमा के रोगियों में डिम्बग्रंथि प्रकाय एवं इंडोमेटिरियल परिवर्तन।

36. संदर्भ के मानक के रूप में ऑटोप्सी अथवा पोस्टपार्टम इमेजिंग का प्रयोग करते हुए प्रसवपूर्व निदान में एम आर आई तथा अल्ट्रासाउंड के बीच तुलनात्मक अध्ययन।

37. कार्सिनोमा इंडोमीट्रियम के ऑपरेशन पूर्व मूल्यांकन में पी ई टी स्कैन का अनुप्रयोग।

38. पी सी ओ एस के रोगियों में नैदानिक तथा जैव रासायनिक पैरामीटरों पर ड्रोसपिरेनोन बनाम डिसोगेस्ट्रल के साथ संयोजित एथिनल इंस्ट्राडियोल वाले मुखीय गर्भनिरोधक का प्रभाव।

39. बृहत गर्भाशयी हेतु नॉन डिसेंट वेजिनल हिस्टैक्टाकी के साथ लेप्रोस्कोपिक अस्सिटिड वेजिनल डिस्ट्रैक्टोमी के मध्य तुलना एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

40. पेल्विक आर्गन प्रोलेप्स के मूल्यांकन में एम आर आई की भूमिका और पी ओ पी क्यू वर्गीकरण के साथ इसका संबंध।

41. दुष्क्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्राव से पीड़ित रोगियों में थर्मल बैलून अब्लेशन एवं ली वोनोगेस्ट्रल इंट्रायूटेरिन सिस्टम की तुलना।

42. रीसस सगर्भताओं में डायरेक्ट फीटल इंट्रावस्कुलर इम्यूनो ग्लोबुलिन थेरेपी की भूमिका।

43. आई वी एस चक्रों में डिम्बग्रंथि अनुक्रिया के मार्कर के रूप में एंटी म्यूलेरियन हार्मोन का मूल्यांकन।

44. प्रारंभिक गर्भावस्था में सोनोग्राफिक प्लेसमेंटल जांच : सिंगल टोन गर्भावस्था में भ्रूण तथा मातृत्व परिणाम के साथ सह संबंध।

45. महिला जननांग ट्यूबरकुलोसिस की नैदानिक इमेजिंग, इंडोस्कोपिक एवं प्रयोगशाला मूल्यांकन।

46. व्यापक गर्भाशयग्रीवा कैंसर की रोकथाम हेतु मॉडल के रूप में स्कीन एण्ड वैक्सीनेट नीति का मूल्यांकन।

47. इनविट्री फर्टिलाइजेशन उपचार के दौरान गर्भावस्था के पूर्वानुमान में इंडोमिट्रियल एवं सब इंडोमीट्रियल रक्त प्रवाह का मूल्यांकन।

48. फीटोस्कोपी द्वारा भ्रूण एवं प्लेसेंटा की प्रत्यक्ष दृश्यता।

49. इंडिकेटिड समयपूर्व डिलीवरी तथा स्पोनटेनियन कोर्टिकोस्टेरॉयड का प्रत्यक्ष फीटल इंट्रास्कुलर एडमिनिस्ट्रेशन।

50. फेसिलियल एपीथिलियल ओवेरियन कैंसर एवं नॉन फेमिलियल एपीथिलियल ओवेरियन कैंसर के उपचार परिणाम की तुलना।

51. पूर्व दो सीजेरियन सेक्शन बनाम पूर्व एक सीजेरियन सेक्शन के बाद लेबर के परीक्षण के परिणाम की तुलना।

52. आई वी एफ चक्रीय प्रक्रियाधीन खराब प्रतिक्रिया वाले रोगियों में डी एच ई ए अनुपूरक की भूमिका।

53. आई वी एफ प्रक्रियाधीन पी सी ओ एस से पीड़ित महिलाओं के फॉलीक्युलर फ्लुड में ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस बायोमार्कर्स के स्तर तथा ए आर टी परिणाम के साथ उनका संबंध।

54. फ्रोजन भ्रूण प्रत्यारोपण चक्र प्रक्रियाधीन महिलाओं में आई वी एफ सफलता दरों पर लेज़र असिस्टिड हेचिंग के प्रभाव का मूल्यांकन।

55. मेटफ्रोमिन बनाम इंसुलिन द्वारा सगर्भता मधुमेह शर्करा के उपचार का एक तुलनात्मक अध्ययन : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

56. यूनिपोलर रिसेक्टोस्कोप बनाम बाइपोलर रिसेक्टोस्कोप के प्रयोग द्वारा हिस्टिरियोस्कोपिक सेप्टल रिसेक्शन का एक भविष्यस्पसापेक्ष यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

57. वैक्यूम एस्पिरेशन बनाम एम बी ए से पूर्व माइसोप्रोस्टॉल द्वारा पूर्व उपचार : डबल ब्लाइंड आर सी टी एक प्रायोगिक अध ययन।

58. महिला जेनेटिल फिस्ट्यूला की अस्पताल आधारित निगरानी।

59. रक्ताल्पता से पीड़ित गर्भवती माताओं के बीच खाई जाने वाली आयरन अनुपूरक (प्रतिदिन बनाम सप्ताह में एक बार) खुराक के सेवन के दौरान ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस का मूल्यांकन।

60. भारत में एक नए गर्भनिरोधक विकल्प के तौर पर प्रोजेस्टेरॉन वेजिनल रिंग (जी वी आर) का मूल्यांकन।

61. भारत में मिडलेवल प्रोवाइडर्स ऑफ फिज़िशियंस द्वारा चिकित्सीय गर्भपात का उपचार : ए टू आर्म यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

62. 13-20 हफ्तों की गर्भावस्था में अनुमानित गर्भपात माइफेटप्रिस्टोन प्लस मिस्प्रोस्टॉल एकल की तुलना : एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक बहुकेंद्रीय परीक्षण।

63. मानव स्वास्थ्य पर नॉन आयोनाइजिंग इलैक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड (ई एम एफ) का प्रभाव।

64. उच्च जोखिम गर्भावस्था में एंटी नेटल सर्विलेंस हेतु बायोफिजिकल प्रोफाइल एवं डोपलर वेलोसिमिट्री की तुलना।

65. शीघ्र तथा मध्यांतर निवेशन में आई यू सी डी के एक्सप्लशन एवं जटिलता दरों की तुलना।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. ट्रांसस्क्रिप्ट प्रोफाइलिंग पर आधारित एंडोमेट्रिओसिस का स्पष्टीकरण (शरीर क्रिया विभाग)।

जारी

1. रिकरंट स्पोनटेनियस गर्भपात की विकृतिजन्यता में जीन परिवर्तन का स्पष्टीकरण (रुधिर विज्ञान)

2. रिकरंट स्पोनटेनियस गर्भपात में भूमिका (शरीर रचना विज्ञान)

3. निपोप्लाइड्स के रेपिड प्रिनेटल पहचान हेतु नीतियों का वैधीकरण (बाल चिकित्सा विज्ञान)।

4. नॉन इन्वेसिव प्रिनेटल निदान के कॉमन सिंगल जीन डिसऑर्डर हेतु संभावित टूल के तौर पर मैटरनल प्लाज्मा में भ्रूण डी एन ए के संभावित निदान का मूल्यांकन। (बाल चि. विज्ञान)।

5. भारतीय संदर्भ में डाऊन सिंड्रोम के प्रसवपूर्व पहचान के लिए कंटीजेंट स्क्रीनिंग द्वारा इंटिग्रेटिड स्क्रीनिंग की तुलना। (बाल चि. विज्ञान)।

6. बायोलॉजिक्स, ड्रग्स तथा वैक्सीन के लिए सेटिंग अप फेज़ - 1 नैदानिक परीक्षण सुविधा (भेषजगुण विज्ञान)।
7. डाऊन सिंड्रोम के नॉन इन्वेसिव प्रिनेटल डायग्नोसिस हेतु मैटरनल सरकुलेशन में मानव क्रोमोसोम 21 डिराइवड् एम आई आर एन ए की पहचान (बाल चि. विज्ञान)।
8. उन्नत एपीथिलियल ओवेरियन कैंसर के लिए प्रति 3 हफ्ते तक कार्बोप्लेटिन द्वार कॉम्बीनेशन में साप्ताहिक पेक्लीटेक्सल : एक फेज 3 यादृच्छिक अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ.)।
9. रिकरंट एपीथिलियल ओवेरियन कैंसर में प्राप्त कीमोथेरेपी के रोगियों में एड ऑन थेरेपी के तौर पर मेटफॉर्मिन बनाम प्लेसिबो के प्रभाव का मूल्यांकन : एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण नैदानिक(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ.)। परीक्षण
10. प्रिक्लैम्पसिया की विकृतिजन्यता में एस की ई जी एफ आर - आई की भूमिका (शरीर रचना विज्ञान)
11. शहरी भारत में सगर्भता मधुमेह शर्करा से पीड़ित महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम : एक फीसेबिलिटी अध्ययन (अंतःस्राविकी एवं चयापचयज विभाग)
12. क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑफ कॉर्ड ब्लड इम्यून मार्कर्स इन टर्म एप्रोप्रिएट फॉर गेस्टेशनल एण्ड एण्ड स्मॉल फॉर गेस्टेशन एज़ नियोनेट्स (बाल चिकित्सा विज्ञान)।
13. मानव पैपीलोमावायरस वैक्सीन प्रोटोटाइप का विकास भारत में एच पी वी किस्मों की व्यापकता का आण्विक जानपादिक रोग विज्ञान तथा एच पी वी - 16 एल। एवं ई 6 वैविध्यों की पहचान (जैव रसायन विज्ञान)।
14. प्री-एक्लेम्पसिया में प्लेसेंटल मैम्ब्रेनों का एपोपटोसिस : एक प्रतिरक्षा उत्तक रसायन अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
15. आवर्ती स्वतः गर्भपात में शुक्राणु कारकों की भूमिका। (शरीर रचना विज्ञान)।
16. पीईएआरएल अध्ययन (रजोनिवृत्ति पश्चात् मूल्यांकन तथा लेजोफोक्सिफिन के साथ जोखिम ह्ास) (अंतःस्राविकी विभाग)।
17. जनरेशंस परीक्षण। ओस्टियोपोरोसिस अथवा निम्न अस्थि सघनता से पीड़ित रजोनिवृत्ति पश्चात् महिलाओं में वर्टिब्रल फ्रैक्चर आपतन एवं इनवेसिव स्तन कैंसर आपतन पर एरिजोक्सिफिन के प्रभाव। (अंतःस्राविकी विभाग)।
18. एक्स्ट्रा पुलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस रोगियों से अलग किए गए माइक्रोबैक्टीरियम प्रजाति की सीक्बैस आधारित पहचान। (प्रयोगशाला चिकित्सा)।
19. मानव भ्रूण यकृत रक्तोत्पादक मूल कोशिका रेखा की स्थापना तथा लक्षण वर्णन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ.)।
20. एंटी बीटा 2 ग्लाइकोप्रोटीन। एंटी बॉडी द्वारा निर्धारित एंटीफोस्फोलाइपिड सिंड्रोम के सब्सेट का अध्ययन करना (प्रयोगशाला चिकित्सा)।
21. सुदमा स्तन रोग में सेंटक्रोमन की भूमिका (शल्यचिकित्सा विज्ञान)।
22. लेबर में एपिड्यूरल एनलजिसिया। (संवेदनाहरण विज्ञान)
23. प्रतिरोपण पूर्व भ्रूण में क्रोमोसोम एनियूप्लोइडी एवं मोसाईलिज़्म (प्रजनन जैव विज्ञान)।
24. मानव इनफिरियर कॉलीक्यूलस का प्रसवपूर्व विकास एवं परिपक्वन। (शरीर रचना विज्ञान)।
25. बहु बैसीलरी लैप्रोसी से पीड़ित महिला रोगियों में डिंबग्रंथि प्रकार्य का मूल्यांकन। (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)।
26. अनजाने में हुई सगर्भताओं पर रोगी नियंत्रण अध्ययनों में जैव सांख्यिकीय पक्ष। (जैव सांख्यिकी विज्ञान)।
27. प्राइमेट्स में ब्लास्टोसिस्ट प्रतिरोपण हेतु इंडोमैट्रियल रिसेप्टिविटी के आण्विक आधार का एक अध्ययन।(शरीर रचना विज्ञान)।
28. माता पिता से बच्चों में एच आई वी संचरण की रोकथाम (बाल चिकित्सा एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान)।

29. नवजात शिशु के आर एच हेमोलिटिक रोग से ग्रस्त $\geq$ 32 सप्ताह के शिशुओं में पीलिया के संबंध में फेनोबारबिटल की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण (बाल चिकित्सा विज्ञान)।

30. मधुमेह शर्करा तथा वल्वो वेजिनल कैंडिडिएसिस : प्रवृत्तता तथा इसका संगत उपचार (अंतःस्राविकी विभाग)।

31. लाक्षणिक महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस एवं अन्य प्रजनन पथ संक्रमण (वृतीय केंद्र में अध्ययन) (सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग) एम्स।

32. कौलेजन मैट्रिक्स इन विट्रो पर विकसित मानव, मिड सेक्रेटरी स्टेज इंडोमेटरियल कोशिकाओं में एच एस पी 27 अभिव्यक्ति पर प्रोजेक्ट्रोन का प्रभाव (शरीर क्रिया विज्ञान)।

33. गर्भवती महिलाओं के नैमिक उपचार के दौरान पहली तथा तीसरी तिमाही में विटामिन डी की कमी की व्यापकता का अध्ययन करना। (अंतःस्राविकी विभाग)।

34. गर्भावस्था में सगर्भत मधुमेह शर्करा के विकास के साथ पहली तिमाही ग्लूकोज़ स्क्रीनिंग एवं सीरम इंसुलिन स्तर के मध्य सह संबंध (अंतःस्राविकी विभाग)।

35. प्लेसेंटल ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एल डी एल रिसेप्टर एक्सप्रेशन की डिग्री संबंधी हाइपरलियोप्रोटिनोमिया का इन विट्रो मॉडल अध्ययन : अनुमानित हाइपरलिपोप्रोटिनेमिया का मुखीय स्टेरॉयड गर्भनिरोधक के साथ सह - संबंध (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्)।

36. उन्नत एपिथिलियल ओवेरियन कैंसर के उपचार हेतु नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी बनाम प्राइमरी डिब्लकिंग सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन (सं. रो. कै. अ., अ. भा. आ. सं.)।

37. सर्विक्स एवं सर्विकल कार्सिनोमा की पूर्व कैंसर जन्य विक्षति में पी 161 एन के 4 ए तथा ई केडरिन एक्सप्रेशन प्रोफाइल (विकृति विज्ञान अ., अ. भा. आ. सं.)।

38. रेपिड प्रिनेटल डिटेक्शन ऑफ एन्यूप्लोइड हेतु स्ट्रैटिजिस की वैधता (बाल चिकित्सा विभाग) अ., अ. भा. आ. सं.।

39. कॉमन सिंगल जीन डिसऑर्डर के नॉन इन्वेसिव प्रिनेटल निदान हेतु संभावित टूल के तौर पर मैटर्नल प्लाज्मा में भ्रूण डी एन ए की नैदानिक संभाव्यता का मूल्यांकन, (बाल चिकित्सा विभाग)।

40. बीटा थैलेसीमिया तथा फीटल आर एच डी स्टेट्स के नॉन इन्वेसिव प्रिनेटल निदान : (बाल चिकित्सा विभाग), मानव भ्रूण यकृत हीमेटोपोयटिक स्टेम सेल लाइन की स्थापना तथा विशेषताएं। (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं.)।

41. बहु मायलोमा में डिजीज एक्टिविटी के बायोमार्कर के तौर पर एंडोथिलीयल प्रोजेनाइटल कोशिका (अर्बुदविज्ञान)।

42. द्वितीय ट्राइमेस्टर गर्भावस्था के दौरान भ्रूण रक्त नमूनों में बीटा थैलेसीमिया के प्रसव पूर्व निदान हेतु एच पी एल सी द्वारा प्रयुक्त एच बी का आकलन (रुधिर विज्ञान)।

43. ट्रोफोब्लास्ट इंविज़न के आण्विक आधार का रेखांकन (राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान)।

44. पार्किंसन रोग के 6 - ओ एच डी ए विक्षति चूहों में मानव रेटिनल पिग्मेंट एपीथिलियल (आर जी ई) कोशिकाओं का प्रत्यारोपण (तंत्रिका विज्ञान)।

45. सर्विकल कार्सिकोजेनोसिस के विस्तार में एकल कार्बन चयापचयज की भूमिका में अंतदृष्टि, जैव रसायन विज्ञान, (जैव रसायन विज्ञान)।

46. फीमेल रेट सेरिबेलम पर एस्ट्रोजन तथा एस्ट्रोजन जैसे कंपाउंड का प्रभाव : एक हिस्टोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।

47. आवर्ती स्वतः गर्भपात के रोगजनकों में जीन अल्टरेशन का वर्णन (रुधिर विज्ञान विभाग)।

48. आवर्ती स्वतः गर्भपात में स्पर्म फैक्टर (डी एन ए क्षति, एम परिवर्तन, ऑक्सीडेटिव दबाव) की भूमिका(शरीर रचना विज्ञान)।

49. रेपिड प्रिनेटल डिटेक्शन ऑफ नियोप्लाइड्स हेतु स्ट्रेटिजिस का वैधीकरण (बाल चिकित्सा, आनुवांशिकी एकक)।

50. कॉमन सिंगल जीन डिस्ऑर्डर का नॉन इन्वेसिव प्रिनेटल निदान। (बाल चिकित्सा विज्ञान, आनुवांशिकी एकक)।

51. भारतीय संदर्भ में डाऊन सिंड्रोम की प्रसवपूर्व पहचान हेतु असामायिक स्क्रीनिंग द्वारा इंटिग्रेटिड स्क्रीनिंग की तुलना। (बाल चिकित्सा विज्ञान, आनुवांशिकी एकक)।

प्रकाशन

जनरल : 52 **पुस्तकों में अध्याय : 7** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

अस्पताल उपचार : प्रतिदिन लगने वाली नियमित स्त्रीरोग विज्ञान ओ पी डी के अतिरिक्त विभाग में उपलब्ध सुविधाओं में विशेष क्लीनिक तथा विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं सम्मिलित हैं। विभाग द्वारा निम्नलिखित विशेष क्लीनिक चलाए जाते हैं।

आई वी एफ सुविधा

1.	आई वी एफ	233
	आई सी एस आई	33
	एंटागोनिस्ट	37
	एगोनिस्ट	195
	आई यू आई	53
2.	रद्द किए चक्र	12
	रद्द करने का कारण	पुनः प्राप्त अण्डों की सं. 4; असफल स्लिम 3; क्लियर में असफल 2; फर्टिलाइजेशन में असफल 3
	प्रतिक्रिया में असफल	2
	फर्टिलाइजेशन में असफल	3
	गंभीर ओ एच एस एस	2
	आई यू आई में परिवर्तित	-
	ई. एच. एस.	2
3.	फ्रोज़न भ्रूण चक्र	62
4.	पी ई एस ए	2
5.	गर्भावस्था की कुल संख्या	47
	जारी	11
	डिलीवर्ड	19

	गर्भपात	10
	एक्टोपिक	07
6.	एंड्रोलॉजी	363
	वीर्य विश्लेषण	69
7.	अल्ट्रासाउंड	
	आई वी एफ चक्र	3500
	फोलीकल निगरानी	
	दिवस 2 ए एफ सी एवं	
	दिवस 21 ई. टी.	2600
8.	ओ पी डी पंजीकरण	पुराने केस 1995 नए केस 485

प्रसवोत्तर कार्यक्रम

प्रसवोत्तर कार्यक्रम (पी पी पी) अस्पताल के आसपास के क्षेत्रों एवं फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्रों में आर सी एच पैकेज प्रदान करके एवं परिवार कल्याण सेवाएं प्रदान करते हुए परिवार कल्याण मंत्रालय कार्यक्रम के प्रति एक मातृत्व केंद्रित अस्पताल आधारित अभिगम है। इसे एकीकृत बहुविषयक प्रयोग के रूप में चलाया जाता है जिसमें प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग - बाल चिकित्सा विभाग, सामुदायिक चिकित्सा, शल्य चिकित्सा तथा संवेदनाहरण विज्ञान विभाग के साथ मिलकर काम करता है।

विभिन्न परिवार नियोजन पद्धतियों, प्रसवोत्तर कार्यक्रम की उपलब्धियां

पद्धतियां	पूर्व वर्ष (2010-11)	वर्तमान वर्ष (2011-12)	उपलब्धियां में सुधार (प्रतिशत)
सी यू टी	574	514	-
खाने की गोलियां	456 पैकेट	420 पैकेट	-
परंपरागत गर्भानिरोधक	90,500 पीस	1,20,000 पीस	32.0
बंध्याकरण			
(क) नसबंदी	1101	875	-
(ख) बलबंदी	26	27	4.0

मातृ तथा बाल स्वास्थ्य (एम सी एच) निष्पादन

सेवाएं	पूर्व में निष्पादन (2010-11)	वर्तमान में निष्पादन (वर्ष 2011-12)	सुधार (प्रतिशत)
गर्भवती महिलाएं			
टिटनेस की पहली खुराक	1709	2011	18
टिटनेस की दूसरी खुराक	1570	1987	27

बच्चे (0-1 वर्ष) प्रतिरक्षण
डी पी टी तीसरी खुराक

पुरुष	600	584	-
महिलाएं	537	471	-
पोलियो की तीसरी खुराक			
पुरुष	500	584	17
महिलाएं	537	471	-
बी सी जी			
पुरुष	1506	1470	-
स्त्री	1207	1248	3.0
खसरा			
पुरुष	741	731	-
स्त्री	502	534	6
डी टी (5 वर्ष से कम)	592	प्रदान नहीं की गई	-

क्लीनिक	समय/सप्ताह की संख्या	वर्ष 2011-12 के दौरान देखें गए रोगी	
सामान्य ओ पी डी	6	29996	55596
उच्च जोखिम गर्भावस्था क्लीनिक	3	2133	12335
स्त्रीरोग अंतःस्रावी क्लीनिक	3	84	96
स्त्रीरोग विज्ञानी कैंसर क्लीनिक	2	727	2919
प्रसवोत्तर क्लीनिक	3	10	1
चिकित्सीय गर्भपात क्लीनिक	6	649	487
परिवार कल्याण क्लीनिक	6	9010	4648

वर्ष 2011-12 के दौरान निष्पादित ऑपरेशनों की संख्या
स्त्रीरोग विज्ञान
बड़े ऑपरेशन

सुदम्य रोगों हेतु शल्य चिकित्सा	1229	अर्बुदविज्ञान शल्य चिकित्सा	311
बांझपन	1045		
अंतःस्राविकी शल्य चिकित्सा			

लैप्रोस्कोपी + हिस्टिरियोस्कॉपी	900	प्लास्टिक सर्जरी	57

छोटे ऑपरेशन

डी एवं सी / ई ए	1198	कोलूपोस्कॉपी/क्रायो/एल ई ई पी	158
नैदानिक हिस्टिरियोस्कोपी	1440	एम टी पी	649
पैप स्मियर	3456	सर्विकल बायोप्सी	336

प्रसूति

बड़े ऑपरेशन

एल एस सी एस	992		

छोटे ऑपरेशन

ऑपरेशन से हुई योनि प्रसूतियां :	176	योनि प्रसूतियां : सामान्य	1144

भ्रूण चिकित्सा

कोर्डोसेन्टेसिस	77	कोरियोनिक काइलस सेंपलिंग	199
एमनियोसेंटेसिस	261	इन यूट्रो इंफ्यूजन	182

उच्च जोखिम प्रसूतियां

प्रसूति अल्ट्रासाउंड	3249	एन एस टी	1186
बी पी पी	1500	स्त्रीरोग विज्ञान	2027
ओवेरियन सिस्ट चूषण	251		

प्रयोगशाला जांच

मूत्र सगर्भता परीक्षण	2948	हीमोग्लोबिन	2948
रक्त समूह	2358	मूत्र एल्बुमिन/शर्कर	2948

सामुदायिक सेवाएं / शिविर

दिनांक 10 से 11 अक्तूबर 2011 को फ्रैंड्स क्लब ग्रुप के सहयोग से गोविंदपुरी में कथा खजाना विद्यालय, भूमिहीन कैम्प में स्कूल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य सुनीता मित्तल, फार्टेलिटी रेगुलेशन एण्ड एक्सपेंडिंग कोंट्रासेप्टिव चॉइस ऑफ इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च; की प्रोजेक्ट रिव्यू ग्रुप की सदस्य थी; वह केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ की प्रजननात्मक स्वास्थ्य अनुसंधान वैज्ञानिक परामर्श समिति की सदस्य थीं; वह डब्ल्यू एच ओ जिनेवा की मल्टी कंट्री अध्ययन संचालन समिति की सदस्य थी; वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर की वैज्ञानिक परामर्शी समिति की सदस्या थी; वह जवाहरलाल नेहरु स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पांडीचेरी के संस्थान निकास की सदस्या थी; वे गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली की अकादमिक परिषद् की सदस्य थी, वे आई सी एम आर के प्रजननात्मक स्वास्थ्य संबंधी परियोजना समीक्षा समूह की अध्यक्षा थी; वह स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा गठित एनोवुलेटरी बांझपन में ओव्यूलेशन के इंडक्शन हेतु लेट्रोजोल के विपणन की समीक्षा करने हेतु

विशेषज्ञ समिति की सदस्य थीं, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान अनुसंधान जे ओ जी आर 2009-0451 के प्रकाशन की समीक्षक; पी ए टी एच की तकनीकी सलाहकार समूह (टी ए जी) की सदस्य, वे इस देश को रहने लायक बेहतर देश बनाने तथा स्त्रीत्व एवं मातृत्व को देने के लिए एसोकेम एवं योजना आयोग की समिति की सदस्या थी; वे स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के मीडिया में आपात गर्भानिरोधक (ई सी) गोलियों की विज्ञापन से जुड़े मुद्दों की जांच करने के लिए विशेषज्ञ समिति में शामिल थी; मेदांता द मेडिसिटी के लिए आई सी एस सी आर टी की सदस्या थी; वह मातृत्व नवजात तथा बाल भागीदारी बोर्ड में मातृत्व स्वास्थ्य अकादमी विशेषज्ञ थी; वह अमेरीकी भारत स्वास्थ्य पहल के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नामित मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य कार्यकारी समूह की सदस्य थी।

आचार्य अलका कृपलानी को वर्ष 2011 में ई मेडिन्यूज एस तथा 22 जनवरी 2012 को आई जे सी पी दिल्ली के ई मेडिन्यूज़ मेडिकल स्टेट्समैन से सम्मानित किया गया, वह कोर्ट ऑफ भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलन, 2006-11 की नामित सदस्य थीं वह प्रसूति एवं स्त्री रोग में आई एम एस, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 2009-11 में चिकित्सा संकाय की सदस्य थीं एशियन जरनल प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान की संपादक; 2009-11 में वह आई सी ओ जी (इण्डियन कॉलेज ऑफ ऑब्सट्रिशियन एण्ड गायनीकॉलोजिस्ट) की गर्वनिंग कौंसिल की सदस्य चुनी गईं। एंडोस्कोपी कमेटी, ए ओ जी डी, 2009-11 में अध्यक्ष मेडिकल एजुकेशन कमेटी ऑफ एफ ओ जी एस आई, के नॉर्थ जॉन की सह संचालक थी। 2009-11 सह लेखक के तौर पर उन्हें जनवरी 2011 में हैदराबाद में 54वें ए आई सी ओ जी, में (डॉ. विदुषी कुरुक्षेत्र) 'लिबोनगेस्ट्रल इंटायूटेरिन सिस्टम इन मेडिकल मैनेजमेंट ऑफ एडिनोमायोसिस'' विषय संबंधी ऑफिशियल थीम ऑप्स कांग्रेस पर उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुतीकरण के लिए डॉ.; सी. एस. डॉन पुरस्कार एफ ओ जी एस आई तथा (2) अप्रैल 2011 (डॉ. अमोल लुंकड) में दिल्ली में जी ई एस आई द्वारा संचालित नेशनल कांफ्रेंस ऑन गायनी एंडोक्रायोनोलॉजी में उत्कृष्ट रिपोर्ट मामलों के लिए ए सक्सेस स्टोरी इन कंजेनाइटल एड्रेनल हाइपरप्लासिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया (3) इंट्रायूटेरिन सिस्टम इन मेडिकल मैनेजमेंट ऑफ एडिनोमायोसिस लिवेनगेस्टल अप्रैल 2011 (डॉ. विदुषी कुरुक्षेत्र) में जी ई एस आई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्त्री रोग विज्ञान अंतः स्राविकी सम्मेलन में उत्कृष्ट विज्ञापन प्रस्तुति के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया (4) मेयर रॉकीतांस्की क्वेस्टर हॉसर सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में पोस्टकोइटल रेक्टोवेस्टिबुलर फिस्ट्यूला की पुनः निर्मित ट्रांसवेजिनली प्रक्रिया द्वारा वेजिनोप्लास्टी की गई। अप्रैल 2011 (डॉ. मोनिका गुप्ता) में जी ई एस आई द्वारा दिल्ली में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस ऑन गायनी एंडीकायनोलॉजी 2011, दिल्ली में उत्कृष्ट विज्ञापन प्रस्तुति हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया; (5) जनवरी 2012 (डॉ. गरिमा कच्छावा) में वाराणसी में 55वें ए आई सी ओ जी में लेप्रोस्कोपिक आस्सिटिड यूटरेवेजिनल एनास्टोमॉसिस विद् प्लेसमेंट ऑफ सिलिकॉन स्टेंटिन कंजेनाइटल सर्विकल एट्रेसिया पर अंतः स्राविकी विज्ञान तथा स्त्रीरोग विज्ञान में तृतीय उत्कृष्ट लेख प्रस्तुतिकरण हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया; (6) जनवरी 2012 (डॉ. स्नेह श्री) में वाराणसी में आयोजित 55वें ए आई सी ओ जी में एरिट्रोस्पेक्टिव विश्लेषण हेतु क्लीनिको हार्मोनल इवेल्यूशन ऑफ ए कोहॉर्ट ऑफ प्राइमरी एमनोरिया विषय पर विविध श्रेणियों में विज्ञान हेतु द्वितीय पुरस्कार 'डॉ. करण गुप्ता' से सम्मानित किया गया।

आचार्य सुनेश कुमार आई सी एम आर द्वारा संचालित हिमाचल प्रदेश के तीन जिलों में कॉमन कैंसर की स्क्रीनिंग हेतु गठित प्रोजेक्ट एडवाइजरी कमेटी के सदस्य थे।

आचार्य नीरजा भाटला को 27 अगस्त 2011 को मुंबई में आयोजित 38वें वार्षिक सम्मेलन में भारत में एसोसिएशन ऑफ मेडिकल वुमैन द्वारा एच पी वी संक्रमण तथा टीके की वर्तमान स्थिति पर अडवानी ब्रेगेंज़ा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह दिनांक 2 से 3 अप्रैल 2011 में दिल्ली में आयोजित गायनोकोलॉजिकल कैंसर की आई जी सी एस रीजनल मीटिंग की सह आयोजक सचिव थी।

डॉ. नीना मल्होत्रा को रॉयल कॉलेज ऑफ प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, लंदन यू. के. विज़िटिंग असिस्टेड कॉन्सेप्शन यूनिट एट गाईस हॉस्पिटल, लंदन एण्ड असिस्टेड रिप्रोडक्शन यूनिट, एगब्रिडीन, स्कॉटलैण्ड द्वारा ओवरसिज़ रिसर्च फंड (2010-11) से सम्मानित किया गया।

डॉ. ज. बी. शर्मा को 29 से 31 अक्तूबर 2012 में नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज़ के वार्षिक सम्मेलन में एफ ए एम एस द्वारा पुरस्कृत किया गया; 20 जनवरी 2011 को भारत में स्वास्थ्य हेतु महिलाओं के उल्लेखनीय योगदान पर इण्डियन कौंसिल ऑफ कल्चरल रिसर्च एण्ड उद्‌भव (पंजीकृत) द्वारा उद्‌भव शिखर सम्मान प्रदान किया गया; वह 25 से 27 अप्रैल 2011 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एम डी (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान) प्रशिक्षक रहें; तथा 13 अप्रैल 2011 की हिमाचल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस, जॉली ग्रांट, देहरादून उतरांचल के भी परीक्षक थे; वह 20 से 21 अप्रैल 2011 को नई दिल्ली में आई सी एम आर, हेड क्वार्टर के ए आर टी रजिस्ट्री पर आई सी एम आर रिसर्च प्रोजेक्ट की सदस्य चयन समिति के सदस्य थे; वह भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान के संपादक; इंट जे गायनीकॉल ऑब्सट्रिक्स इण्डिया, इंट जे गायनी प्लास्टिक सर्जंस, इंट जे गायनी एंगेक्रायनोलॉजी, एशियन जे गायनी ऑब्स्ट्रक्ट के सह संपादक थे; इंट जे गायनीकॉल आब्स्ट, आर्काइव्स ऑफ ऑब्स्यूट गायनीकॉल, जनरल ऑफ ऑब्सट्रिक्स गायनीकोलोजी रिसर्च फर्टिलिटि स्टेरिलिटी, अफ्रीकन जे ऑफ माइक्रोबायोलॉजी के समीक्षक थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. श्रेयाल ज़ेड वेन्द्रणल, निदेशक कार्यालय, वि. स्वा संगठन मुख्य कार्यालय।
2. डॉ. नरीमह अविन, वि. स्वा. संगठन।

9.24 अस्थिरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रकाश पी. कोतवाल

आचार्य

शिशिर रस्तोगी	अरविंद जायसवाल
राजेश मल्होत्रा	लाल नाग

अपर आचार्य

रवि मित्तल	चंद्रशेखर यादव	शाह आलम खान

सह - आचार्य

विजय कुमार

शिक्षा

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. सम्मेलन पूर्व कार्यशाला, डी ओ ए सी ओ एन - 12, ओवर टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी ऑफ दिल्ली ओर्थोपेडिक एसोसिएशन, नई दिल्ली 5 नवंबर 2011।
2. आई ओ ए सी ओ एन - 12 ओवर एडवांस होटल नी आर्थ्रोप्लास्टी ऑफ इण्डियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन, शारदा अस्पताल, ग्रेटर नोएडा, 7 दिसंबर 2011।
3. एम्स केडेवर आर्थ्रोप्लास्टी कोर्स ओवर टोटल हिप आर्थोप्लास्टी ओर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी, 31 मार्च से 1 अप्रैल, एम्स।
4. पहला एम्स क्लबफुट कांग्रेस 2012, 16 मार्च 2012।

प्रदत्त व्याख्यान

प्रकाश पी कोतवाल : 42	एस. रस्तोगी : 26	अरविंद जायसवाल : 23
आर. मल्होत्रा : 61	एच. एल. नाग : 21	रवि मित्तल : 19
सी. एस. यादव : 21		
मुखीय प्रस्तुती : 23	पोस्टर प्रस्तुति : 6	

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

1. गंभीर लो बेक पेन के उपचार में टोफ्लैक्स 150 मि.ग्रा. बनाम थियोकोलसिकोसाइड 8 मि.ग्रा. की प्रभावक्षमता तथा सहनशीलता के मूल्यांकन हेतु नैदानिक दवा परीक्षण, एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक तुलनात्मक नैदानिक परीक्षण पी पी कोतवाल, मर्क मुंबई, 80,000 रुपए।
2. स्कोलियोसिस रोगियों के डेटाबेस (आईसीएमआर-1-644) अरविंद जायसवाल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई सी एम आर), 2010-13, 17,65,800।
3. वृद्ध भारतीय आबादी में प्राक्सीमल फीवर की अकारिकी हेतु उपयुक्त फिमोरल स्टेम डिजाइन पर आधारित एक नया हिप हेमीआर्थोफ्लास्टी विकल्प। राजेश मल्होत्रा। सी एस आई आर, 2005-12, 30.33 लाख रुपए।

4. लम्बी अस्थियों के अस्थि भगं के नॉन यूनियन के उपचार में प्लेटलेट सकेंद्रण की प्रभावकता का मूल्यांकन करना। राजेश मल्होत्रा, आई सी एम आर, 2008-11, 27.49 लाख रुपए।

5. टेरीपेराटाइड बनाम एंटीरेस्पोरटिव के साथ उपचरित गंभीर ओस्टियोपोरोसिस से पीड़ित रोगियों में बेक पेन के निर्धारण हेतु एक पयर्वेक्षणात्मक अध्ययन। राजेश मल्होत्रा, इली. लिली कंपनी, 2008-12, 4.20 लाख रुपए।

6. प्राइमरी इलैक्टिव टोटल हिप आर्थोप्लास्टी (रिनोवेट 2) के पश्चात् रोगियों में वेनस थ्रोम्बोइम्बोलिज्म की रोकथाम हेतु अधस्त्वक 28 से 35 दिनों के लिए 40 मि. ग्रा. एनोक्सिपीरिन प्रतिदिन में एक बार की तुलना में मुखीय 220 मि. ग्रा. डेबिग्रेटेन एक्जीलेंट (110 मि. ग्रा. शल्य चिकित्सा के दिन और उसके बाद 220 मि. ग्रा. दिन में एक बार) की प्रभावकता एवं सुरक्षा की जांच हेतु एक तृतीय यादृच्छिक, पेरेलियल ग्रुप, डबल ब्लाइंड सक्रिय नियंत्रित अध्ययन। राजेश मल्होत्रा, सिरोक्लीन फार्म प्रा. लि. 2008-12, 25.50 रुपए लाख।

7. टोटल हिप प्रतिस्थापन करवा रहे रोगियों में साइटोकिन्स का मूल्यांकन तथा ओस्टियोलेसिस के साथ उनका संबंध। राजेश मल्होत्रा, आई सी एम आर, 2009-12, 20 लाख रुपए।

8. बिरमिंघम मिड हेड रिसेक्शन आर्थोप्लास्टी की तुलना तथा क्रमिक डेक्सा स्कैन द्वारा प्रोक्सिमल फेमोरल बोन मिनरल डेनसिटी पर बिरमिंघम मिड हेतु रिसेक्शन आर्थोप्लास्टी के इंफ्लूऐंस का निर्धारण। राजेश मल्होत्रा, आई सी एम आर, 2011-14, 27. 5 लाख रुपए।

9. रुमेटॉइड आर्थ्राइटिस का हेतुविज्ञान-फोसफोप्रोटियोमिक्स की नैदानिक संभाव्यता का अन्वेषणात्मक अध्ययन। सागरिका विश्वास, आई जी आई बी, दिल्ली; राजेश मल्होत्रा, आई सी एम आर, 2011-14, 3.5 लाख रुपए।

10. एब्डोमेन / थोरेक्स मोडल बिल्ड / वेलीडेशन। राजेश मल्होत्रा, 9 माह, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. हाई ग्रेड रेडियल क्लब हैंड विद एन इनसाइट इन टू दि हिस्टोपैथोलॉजी में रेडियालाइजेशन तथा सेंट्रालाइजेशन प्रक्रियाओं का यादृच्छिक परीक्षण तुलनात्मक परिणाम।

2. विस्थापित इंट्रा आर्टीक्यूलर डिस्टल रेडियस फ्रेक्टर्स के लिए परिवर्ती कोण तथा नियत कोण वोलर लॉकिंग प्लेट के बीच नैदानिक, विकिरणीय तथा प्रकार्यात्मक परिणामों की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी अध्ययन।

3. एसिटाबुलम के शल्यक उपचरित पोस्टीरियर बाल फ्रेक्टर्स का प्रकार्यात्मक तथा विकिरण विज्ञानी परिणामों की मूल्यांकन। विस्थापित इंट्रा आर्टीकुलर डिस्टल रेडियस फ्रेक्चर्स हेतु परिवर्ती कोण तथा नियत कोण वोलर लोकिंग प्लेट के बीच नैदानिक विकिरण विज्ञानी तथा प्रकार्यात्मक परिणामों की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी अध्ययन।

4. रुमेटॉइड आथ्राइटिस में आर्थ्रोस्कोपिक एल्बो दो वर्ष से अधिक का दीर्घावधिक फोलोअप।

5. आर्थ्रोस्कोपिक खोजों तथा 3डी सी टी स्कैन के बीच आवृत्ती शोल्डर डिस्प्लोकेशन में ग्लेनोइड के बोन लांस ऐंट एंटिरोइनफिरियर भाग का तुलनात्मक निर्धारण।

6. आर्थ्रोस्कोपिक घुटने की सर्जरी करवा रहे रोगियों में डेक्समेडिटोमाइडाइन की सुरक्षा तथा प्रभावक्षमता का अध्ययन करना।

7. लेग - काल्व पर्थेज रोग वाले बच्चों में हिप की आर्थ्रोस्कोपी तथा इमेजिंग के साथ इसका सह संबंध।

8. ए सी एल क्षतिग्रस्त रोगियों में ए सी एल स्टम्प का अल्ट्रास्ट्रकचर्ल अध्ययन तथा इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी के साथ सेमिटेंडिनियस ग्राफ्ट तथा लाइव माइक्रोस्कोपी एक तुलनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. ओपन रिडक्शन तथा आंतरिक निर्धारण बनाम कम आक्रामक तकनीकियों से उपचार करवा रहे केलसेनियस के इंट्राआर्टिकुलर फ्रेक्चर्स वाले रोगियों में प्रकार्यात्मक परिणाम एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. रुमेटॉइड आर्थ्राइटिस में आर्थ्रोस्कोपिक एल्बो सिनेवेक्टॉमी : उसकी प्रभावक्षमता तथा एम आर आई सह संबंध।
3. चिरकारी पीड़ा लक्षणों का मनोसामाजिक पहलू।
4. घुटने के ओस्टियोआर्थ्राइटिस से पीड़ित रोगियों में न्यूट्रास्यूटिकल एस एडिनोसोल एल मेथियोनाइन (एस ए एम ई) की सुरक्षा तथा प्रभावक्षमता का मूल्यांकन करने हेतु एक अन्वेषणात्मक अग्रदर्शी ओपन लेबल्ड पायलट अध्ययन।
5. एनाटोमिक डबल बंडल तथा सिंगल बंडल हेमस्ट्रिंग ग्राफ्ट्स के द्वारा आर्थ्रोस्कोपिक एस्सिटिड एंटीरियर क्रुशिस्ट लिंगमेंट पुनःस्थापन का नैदानिक तुलनात्मक मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. फ्रेक्चर्स के उपचार में एक बहुकेंद्रीय, अग्रदर्शी गैर यादृच्छिक, गैर नियंत्रित अन्वेषणात्मक अध्ययन (अस्थिभंग उपचार में भारतीय अस्थिरोग बहुकेंद्रीय अध्ययन - आई एन ओ आर एम यू एस)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 51 **पुस्तकें : 8**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. पी. पी. कोतवाल माननीय मुख्य मंत्री के चिकित्सा परामर्श विस्तार हेतु विशेषज्ञ थे 23 सितंबर 2011; उप-राष्ट्रपति की चिकित्सा परामर्श को विस्तार हेतु मेडिकल पैनल पर विशेषज्ञ; ए ओ ट्रस्टी, भारत; नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज़, नई दिल्ली हेतु वर्ष 2012 के अस्थिरोग विषय में सलाकार बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य; यू जी / पी जी करिकुलम कमेटी ऑफ दि इण्डियन ओर्थोपेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष, 2009-2011; सिल्वर जुबली व्याख्यान प्रदान किया, विदर्भ ओर्थोपेडिक सोसायटी, नागपुर, अक्तूबर 2011; प्रसिद्ध के. एस. बोस व्याख्यान, वेस्ट बंगाल ओर्थोपेडिक एसोसिएशन ऑन थम्ब रिकंस्ट्रक्शन, मालदा 2011; 31वां इण्डियन साइंटिफिक एक्सपीडिशन टू अंटार्किटा हेतु चिकित्सा अधिकारियों के चयन हेतु चयन समिति बैठक के अध्यक्ष 17 से 18 अगस्त 2011 ; इण्डियन एक्सपीडिशन टी टू अंटार्किटा हेतु चिकित्सा अधिकारी चयन समिति, नवंबर 2011; अपग्रेडिंग एंड स्ट्रेंथनिंग राजवंसी नगर, अस्पताल हेतु बैठक, पटना जनवरी 2012; विद्यालय प्रबंधन समिति, केंद्रीय विद्यालय, आई एन ए कोलोनी, नई दिल्ली; ई एस आई पी जी आई एम एस आर एस हेतु अस्थिरोग विज्ञान में आचार्य के दण्ड हेतु चयन समिति के सदस्य, 6.1.012; राजबंसी नगर अस्पताल, पटना में डॉक्टरों की प्लेसमेंट हेतु साक्षात्कार संचालन में बाह्य विशेषज्ञ, 2011; रिव्यू रोशनेलिटी एण्ड सेफ्टी एस्पैक्ट ऑफ लिस्ट ऑफ 294 फिक्स्ड डोज कम्बीनेशंस (एफ डी सी एस) हेतु ड्रग टेक्नीकल एडवाइजरी बोर्ड (डी टी ए बी) भी उप समिति, सदस्य, अप्रैल 2011; दिनांक 9.1.2012 को प. जे. एम. एम मेडिकल कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़ के टेक्नीकल इवैल्युशन ऑफ नेवीगेशन सिस्टम हेतु बाह्य विशेषज्ञ; स्पोर्ट इंजुरी केंद्र, एस. जे. अस्पताल, नई दिल्ली हेतु प्रोक्रूमेंट ऑफ 3डी मोशन एनालाइजर एण्ड फिजिकल रि. जेनरेशन सिस्टम की उपयोगिता संबंधी डी जी एच एस द्वारा गठित समिति के सदस्य; विशेषज्ञ सदस्य, ड्रग टेक्नीकल एडवाइजरी बोर्ड (डी टी ए बी), ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इण्डिया, अप्रैल 2011; डिसएबिलीटज़ क्वालिफाइंग जी ई ई - 2011 के अभ्यर्थियों हेतु आई आई टी के विशेष चिकित्सा बोर्ड, जून 2011; ऑटोमोबाइल एसोसिएशन ऑफ अपर इण्डिया (ए ए यू आई) की प्रबंधन समिति, नई दिल्ली 2008 से; एंटार्टिक कार्यक्रम हेतु राष्ट्रीय सह आयोजक समिति (एन सी ए पी) तथा पोलर साइंस कार्यक्रम हेतु राष्ट्रीय सह आयोजक समिति (एन सी सी पी), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली अगस्त 2011; काठमाण्डु में भारत नेपाल मैत्री ट्रॉमा केंद्र में जाने हेतु विदेश मंत्रालय, भारत द्वारा गठित

प्रतिनिधि मण्डल, फरवरी 2012; नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज हेतु अस्थिरोग विज्ञान विषय में सलाहकार पैनल, नई दिल्ली, 2012; ह्यूमैन प्लेसेंटल एक्सट्रेक्ट की सुरक्षा तथा प्रभावक्षमता संबंधी विषयों के परीक्षण हेतु विशेषज्ञ समिति, नई दिल्ली, अप्रैल, 2011; एक्स में ग्रेड बी के डेटा एंट्री ऑपरेटर के पद हेतु विभागीय पदोन्नति समिति हेतु अध्यक्ष 2012; एम्स में एम तथा ई की खरीद हेतु सभी आवश्यकताओं के निर्धारण हेतु निर्धारण समिति, 2010 से; एम्स में आपातकालीन चिकित्सा विभाग के कार्य समीक्षा हेतु समिति, जुलाई 2011; एम्स में कार्यक्रमों हेतु जांच समिति, 2011; एम्स-2 झज्जर, बाढ़सा (हरियाणा) में निर्माण की जगह आउट रीच ओ पी डी के सेटिंग अप हेतु समिति, अप्रैल 2011; एम्स हेतु प्रिपेरेशन ऑफ विज़न डॉक्यूमेंट संबंधी समिति के संयोजक, 4.10.2011; भण्डार क्रम समिति के अध्यक्ष, अस्पताल खरीद समिति, एम्स में नए ओ पी डी ब्लॉक के सेट अप हेतु समिति; प्रभारी आचार्य, कंप्यूटर सुविधा, एम्स; दिनांक 10.10.2011 से प्रभावी ओ टी ए दावे, कैफेटेरिया दावे कंप्यूटर अग्रिम, कार अग्रिम, त्योहार अग्रिम, पासपोर्ट हेतु एम ओ सी इत्यादि के मंजूरी प्राधिकारी; 2011 से विकिरण निदान विभाग की आर टी आई की अपीलीय प्राधिकारी दिनांक 19.10.2011 से एम्स में डेटा एंट्री ऑपरेटर केडर पर प्रशासनिक नियंत्रण।

आचार्य एस. रस्तोगी को एस आई सी ओ टी, प्राग्यू में तीसरा एस आई सी ओ टी मुखीय पुरस्कार प्रदान किया गया, सितंबर 2011; भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल के विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर यू एन सम्मेलन पर स्वा. एवं परि. क. मंत्रालय के संबंध में दिशानिर्देश के विकास हेतु विशेषज्ञ के रूप में कार्यशाला में भाग लिया अध्यक्षता की, नई दिल्ली।

आचार्य ए. जायसवाल डब्ल्यू ई एन एम आई एस एस - वर्ल्ड सोसायटी फॉर इंडोस्कोपिक, नेविगेटिड एण्ड मिनीमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी के अध्यक्ष; एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जंस ऑफ इंडिसया (ए एस एस आई) के तात्कालिक पूर्व अध्यक्ष, स्पाइन सोसायटी दिल्ली चेप्टर के तात्कालिक पूर्व अध्यक्ष तथा स्पाइनल कोर्ड सोसायटी ऑफ इण्डिया के उपाध्यक्ष; स्पाइन सेक्शन ऑफ एशिया पैसिफिक ओर्थोपेडिक्स एसोसिएशन (ए पी ओ ए) के उपाध्यक्ष; बोन, जर्मनी बुसान, कोरिया, विज्ञान, चाइना, कुआलालामपुर, मलेशिया, कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्पाइन सम्मेलन हेतु संकाय; 4 सम्मेलनों में पेनलिस्ट; (6) राष्ट्रीय तथा (4) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सत्रों के अध्यक्ष/संचालक : विज्ञान जियान चाइन में विशेष लाइव स्पाइन सर्जरी का प्रदर्शन।

प्रो. राजेश मल्होत्रा श्रेत्रीय सलाहकार बोर्ड सदस्य - आर्थो हाइपरगाइड ए बेब बेस्ड ग्लोबल ओर्थोपेडिक्स लर्निंग पोर्शल थे; सहायक संकाय, सीमेंट, एम्स; संपादक, ओर्थोपेडिक्स टू डे; जरनल ऑफ ब्रोन एण्ड जाइंट सर्जरी (बिट्रिश) इण्डियन जरनल ऑफ ओर्थोपेडिक्स जरनल ऑफ पेडिएट्रिक हेल्थ (यू के), जरनल ऑफ पेडिएट्रिक हेल्थ (यू के) जरनल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स, दि नेशनल मेडिकल, जर्नल ऑफ इण्डिया, क्लीनिकल एनाटॉमी, जरनल ऑफ ब्रोन एण्ड जाइंट रिसर्च (बी जे आर), इंटरनेशनल जरनल ऑफ मेडिकल रिपोर्ट्स (आई जे एम आर), इंटरनेशनल जनरल ऑफ मेडिकल प्रैक्टिस एण्ड रिव्यूवर (एम पी आर), वर्ल्ड जनरल ऑफ इंडोक्राइन सर्जरी (डब्ल्यू जे ओ ई एस), दि नी इण्डियन जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक्स, इण्डियन पेडिएट्रिक्स, बिट्रिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एण्ड मेडिकल रिसर्च के समीक्षक; संपादकीय मण्डल के सदस्य : न्यूरोलॉजी इण्डिया; एन एच एस के फाइंडिंग्स सबमिटिड टू नेशनल इंस्ट्रीट्यूल टू हेल्थ रिसर्च एण्ड रिसर्च फॉर पेशेंट बेनीफिट प्रोग्राम (एन आई एस आर एवं आर एफ पी बी) हेतु आवेदन के समीक्षक, यू. के. भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की खोजों को प्रस्तुत करने हेतु आवेदनों के समीक्षक; परियोजनाओं की खोजों, 27 मई 2011, 14 जून 2011, 8 सितंबर 2011, 2 फरवरी 2012 हेतु आई सी एम आर की बायो इंजीनियरिंग पर परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ; परियोजनाओं की खोज हेतु आई सी एम आर की बायो मेडिकल परियोजनाओं पर परियोजना समीक्षा समिति के अध्यक्ष, 5 मार्च 2012; प्रो. पी. पी. कोतवाल की अनुपस्थिति में समय समय पर कार्यकारी प्रभारी आचार्य, कंप्यूटर सुविधा; एम्स में टेली मेडिसिन पर समिति, सदस्य, 2006-12; सदस्य, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति, 2005-10; सदस्य स्टाफ काउंसिल 2008-12; सदस्य, सलाहकार समिति, केंद्रीय कार्यशाला (ओर्थोपेरिक इम्प्लांट्स एण्ड डिवाइसिस), एम्स, 2007-11; विभागीय भण्डार क्रय समिति; दवा चयन समिति; ओ टी यूजर्स कमेटी 2008-12, एम्स, नई दिल्ली; चिकित्सा अधीक्षक, एम्स द्वारा गठित विभिन्न मेडिकल बोर्डो के अध्यक्ष।

प्रो. एच. एल. नाग आयुर्वेदिक मेडिसिन, की प्रतिपूर्ति हेतु ई एच एस सलाहकार समिति बैठक के सदस्य थे, एम्स 30 जून 2011; आई ए एस की 10वें वार्षिक सम्मेलन की आयोजन समिति के उपाध्यक्ष नामित किए गए, नई दिल्ली, 9 से 11 सितंबर 2011; स्टाफ काउंसिल ऑफ एम्स के नामित सदस्य, वर्ष 2011-12 के लिए; डी ओ ए की पहली तिमाही बैठक में पोस्टर प्रस्तुती हेतु दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया, नई दिल्ली , 15 जनवरी 2012; स्पोर्ट्स क्लीनिक एक विशेष क्लीनिक अस्थिरोग विज्ञान विभाग में दोपहर की ओ पी डी में प्रत्येक वीरवार को चलाया जाता है; भारतीय खेल प्राधिकरण के माननीय परामर्शदाता जे एल एन स्टेडियम, नई दिल्ली में प्रत्येक सोमवार को शाम को क्षतिग्रस्त व्यायामी को देखने जाते हैं; एम्स में सिस्टर ग्रेड 2 के पदों की भर्ती हेतु साक्षात्कार के लिए चयन समिति के सदस्य, एम्स, 26 सितंबर - 1 अक्तूबर 2011; डी डी कार्यक्रम, प्रसार भारती में हेल्थ शो ऑन स्पोर्ट्स इंजुरी पर विशेषज्ञ, नई दिल्ली, 22 सितंबर 2011।

डॉ. रवि मित्तल ने रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एण्ड सर्जंस ऑफ ग्लेसगो (एफ आर सी एच ग्लेसगो) की फैलोशिप प्राप्त की, अप्रैल 2011।

डॉ. सी. एस. यादव को जन सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ओर्थोपेडिक्स के विशेषज्ञों के साक्षात्कार हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, 7 मई 2011; उन्हें दिनांक 30 मई 2011 को जे एल एन मेडिकल कॉलेज, अजमेर, राजस्थान के प्रधानाचार्य तथा नियंत्रक ने प्रैक्टिकल तथा वाइवा वाइस परीक्षा के संचालन के लिए आमंत्रित किया गया, पी जी गोल्ड मेडल सत्र, 17 से 19 फरवरी 2012, यू पी ओ आर टी एच ओ सी ओ एन - 2012 के जज, कानपुर।

डॉ. शाह आलम खान को इण्डियन ओर्थोपेडिक एसोसिएशन का सह सचिव नामित किया गया; इण्डियन जरनल ऑफ ओर्थोपेडिक के निर्वाचित सहायक संपादक; पोनसटी इंटरनेशनल एसोसिएशन इण्डियन चेप्टर के निर्वाचित संस्थापक सदस्य; सदस्य समीक्षक, जरनल ऑफ बोन एण्ड जाइंट सर्जरी, ब्रिट्रिश, इंटरनेशनल एडिटोरियल बोर्ड, जनरल ऑफ क्लीनिकल रिहेबिलिटेटिव टिशू इंजीनियरिंग रिसर्च (चाइना) के निर्वाचित सदस्य।

9.25 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान, सिर एवं ग्रीवा सर्जरी (ई.एन.टी.)

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुरेश चंद शर्मा

अपर आचार्य

आलोक ठक्कर

सह-आचार्य

राकेश कुमार

सहायक आचार्य

कपिल सिक्का | चिरोम अमित सिंह

उपलब्धियां

विभाग देश में एक श्रेष्ठ विभाग है और इसमें कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान में नवीनतम विशिष्टताओं में विशेषज्ञता को विकसित किया गया है। वर्तमान में विभाग में विभिन्न जटिल ई. एन. टी. रोगों के निदान एवं उपचार में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी हेतु उपकरणों को प्राप्त किया है। इनमें सेलिवरी ग्रंथी हेतु सिलेइडोस्कोपी हेतु उपकरण भी शामिल है। विभाग में कपाल आधारित एवं उन्नत इंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी के दौरान भाविगेशन हेतु नाविगेशन प्रणाली भी शामिल है। विभाग केसंकाय सदस्यों द्वारा मुखीय एवं ओरोफेटेंगियल कैंसरों के लिए ट्रांससोरल रोबोटिक सर्जरी के निष्पादन को भी आरंभ किया गया है। देश में अपनी तरह की यह पहली तकनीकी है। विभाग में एक अत्याधुनिक टेम्पोरल बोन डिसेक्सन प्रयोगशाला को स्थापित किया गया है जो कि ओटोलोजिक में स्नातकोत्तरों की प्रशिक्षण हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराना है। विभाग के भविष्य में भारतीय एवं विदेशी प्रतिनिधियों के लिए टेम्पोरल बोन डिसेक्सन हेतु कार्यशाला को आयोजित करने की योजना है।

शिक्षा

विभाग में स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम है। स्नातकोत्तर छात्रों को उपयुक्त शल्यक निपुणताओं सहित विभिन्न डोमेनो में मल्टीफैक्टेड प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विभाग द्वारा रूचियों के विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों का आयोजन भी किया गया। विभाग की गतिविधियों, विशेष रूप से निदानशालाओं, सेमीनारों एवं ऑप्रेशन प्रक्रियाओं का अवलोकन करने के लिए विभाग में भारत एवं विदेशों से प्रतिनिधियों कास्वागत किया गया।

सी.एम.ई.एस. एवं सम्मेलन

1. निद्रा विकारों के प्रबंधन पर सी एम ई, डॉ. ट्विनेरियम मैग्मे, बर्जन, नार्वे, एम्स, नई दिल्ली, 13 अक्टूबर 2011
2. रिनोप्लास्टी एवं एफ ई एस एस एवं कैडवरिक विच्छेदन पर शल्यक कार्यशाला, नई दिल्ली, 14-15 अक्टूबर 2011
3. एसोसिएशन ऑफ ओटोलैंटजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली स्टेट ब्रांच।
4. वर्टिगो 360ह, एम्स, नई दिल्ली- 22 जुलाई 2011.

प्रदत्त व्याख्यान

एस.सी. शर्माः 4

आलोक ठक्करः 36

राकेश कुमारः 7

कपिल सिक्काः 5

चिरोम अमित सिंहः 2

मौखिक पत्र/ संकाय, रेजीडेंटो एवं स्टाफ द्वारा पोस्टर प्रस्तुतीकरणः 12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. रिसेक्टेबल अवस्था 3 और 4 मुखीय सिक्वामोस सेल कैंसरों में करक्यूमिन का फेज 2/3 याद्दच्छिक प्लेस में संयमित नैदानिक परीक्षण। ए. ठक्कर। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वर्ष 2008-13, रू. 71 लाख।
2. क्रॉनिक रिनोसिन्साइटिस के रोगियों में इंट्रानेसल कोर्टिकास्ट्रायड स्प्रे के साथ मोनो उपचार बनाम इंट्रानेसल कोर्टिकास्ट्रायड के साथ दीर्घावधिक मैक्रोलाइट के प्रभाव। डॉ. आर. सी. डेका, आई सी एम आर, 3 वर्ष, रू. 25 लाख लगभग।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. जे एन ए की इम्यूनोहिस्टो कैमिकल विशिष्टता और जे एन ए का वीडियन कैनाल में विकिरणीय और उतकवैज्ञानिक मूल्यांकन करना।
2. एक ही रोगी में पोस्ट लिंगुअल डेफंड कॉकलियर इम्प्लांट्स में न्यूरल प्रतिक्रिया टेलीमेट्री आधारित मैपिंग (एन आर टी) का मूल्यांकन एवं पारंपरिक व्यवहार सूची आधारित मैपिंग के साथ इसका सह-संबंध।
3. इथिमोडल पोल्पी से पीड़ित रोगियों में एंट्रल मुकोसल परिवर्तनों का नैदानिक विकृतिविज्ञानी अध्ययन।
4. क्रोनिक टिनिटस से पीड़ित रोगियों में रेप्टीटिव ट्रांस क्रेनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन थिरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करते हुए अध्ययन करना।
5. हाइड्रोक्सीपेटाइड एवं टाइटेनियम का उपयोग करते हुए टाइपाझोप्लास्टी के परिणामों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
6. एक पाश्वीय कोकल बॉर्ड पाल्सी के मामलों में वोकल बोर्ड कैड के इंजैक्शन के बंद और पहले आवाज में परिवर्तन का मूल्यांकन करना।
7. फेशियल पाल्सी में उपरी आईलिड गोल्ड वेट प्रतिरोपण के दीर्घावधिक एवं अल्पकालीन परिणामों का मूल्यांकन करना।

जारी

1. अवरोधी स्लिप एपनिया संलक्षण के प्रबंधन में नजल, ओरोफेरेजियल, पालाटलर या रिट्रोग्लोसल एडवांसमेंट सर्जरी द्वारा साइट जाइरेक्टेड सर्जिकल ट्रीसमेंट का आकलन करना।
2. परानजल साइनस में इमेज गाइडेड नवीगेशन की भूमिकाः एक तुलनात्मक अध्ययन।
3. ट्रांसक्रेनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन (टी एम एस) का आडिया-वेस्टिबुलर प्रभाव।
4. ट्रायमेटिक एवं आइट्राजनिक फशियल नर्वस इन्जूरी से ग्रसित रोगियों के चिकित्सीय एवं सर्जिकल उपचार के इन्जूरी पैटर्न एवं परिणामों का मूल्यांकन करना।
5. कम्पलिट यूसिलेटरल पेटीकेरियल वेस्टिबुलर लास से पीड़ित रोगियों में और स्वास्थ्य युवा वयस्कों में औटोलिन एवं सेमीसर्कुलर कैनाल फंक्शन के नारमेटिव एवं विकृतिविज्ञानी परिणामों का मूल्यांकन करना।

6. सामान्य एवं विकृति विज्ञानी आंतरिक कान का कंप्यटरीकृत टोमोग्राफिक मापें।

7. मुखीय गुहार कार्सिनोमा के रोगियों में पोडोप्लानीन एक्सप्रेंशन और इसका नैदानिक सार्थकताएं।

8. राइनोप्लास्टी करवा रहे रोगियों में नैदानिक मनोरोगविज्ञानी मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय ग्रामीण आबादी में कांजेनिटल साइटोमैगालों वायरस संक्रमण तथा श्रवण क्षति (सूक्ष्म जैवविज्ञान)।

2. ट्रांसलेटिंग हैड एंड नेक कैंसर मार्कर्स में नैदानिक आकलन करना (जैव रसायन)

पूर्ण

1. नियोवास्कुलर आयु संबद्ध मैक्यूलर डिजनरेशन (ए एम डी) के रोगियों में इंट्रा विट्रियल वी ई जी एफ ट्रैप आई पी आवर्ती खुराक की प्रभावात्मक, सुरक्षा तथा सहिष्णुता का एक याङ्च्छिक, मास्कड, सक्रिय नियमित चरण-3 अध्ययन (नेत्ररोग विज्ञान)।

प्रकाशन

प्रत्रिकाएं	:	**15**
सार	:	**6**
पुस्तकों में अध्याय	:	**1**

रोगी उपचार

अंतःरोगी उपचार / सूचना संबंधी सहायक (संबद्ध) गतिविधयां : (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं विशेष निदानशालाओं एवं/ या विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं सहित (ख) सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदि।

आप्रेशन किए गए रोगियों की संख्या

बड़े आप्रेशन	-	2226	छोटे आप्रेशन	-	1705

ओ. पी. डी. में उपचारित रोगी

नए रोगी	-	36173	पुराने पंजीकरण	-	39056

विशेष निदानशाला

वर्टिगो क्लिनिक 7	121	ऑडियोलॉजी और स्कल बेस क्लिनिक-	149
रिनोलॉजी क्लिनिक-	134	ट्यूमर क्लिनिक (हेड एवं नेक क्लिनिक बी)	

लिंग	नए रोगी	पुराने फालो-अप	कुल
पुरूष	904	3397	4301
स्त्री	152	569	721
योग	1056	3966	5022

सामुदायिक सेवाएं

बलभगढ़ में सामुदायिक अस्पताल में सप्ताह में दो बार क्लिनिक, गुड़गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में साप्ताहिक क्लिनिक आई. आई. टी. दिल्ली में सामुदायिक हॉस्पिटल में सप्ताहिक क्लिनिक।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एस.सी. शर्मा को गंगटोक सिक्किम में अखिल भारतीय रिनोलॉजी समाज के 24वें वार्षिक सम्मेलन में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया, नई दिल्ली में वट्टीकुट्टी ग्लोबल रोबोटिक 2012 में उपस्थित हुए, अक्टूबर 2011 को आर ए जे ए ओ आई सी ओ एन 2011, में आमंत्रित संकाय के द्यरूप में आमंत्रित किया और प्रतिष्ठित प्रो. कैलाश राय संभाषण दिया।

डॉ. आलोक ठक्कर को बार्सिलोना में योरोवियन ओटो-रिनो-लारेंजियोलॉजी हेड- नेक सर्जरी (सी ई ओ आर एल एच एन एस) के कॉफिडरेशन के 2011 सम्मेलन में आमंत्रित संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया, इस बैठक में एक निर्देशात्मक पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया एवं इस प्रतिष्ठित वैश्विक बैठक में व्याख्यान दिया, इसके अंतराष्ट्रीय बैठक में संकाय, के रूप मेंहेड- नेक ऑनकोलॉजी की संस्था की संयुक्त बैठक एवं एशियन सोसायटी ऑड हेड-नेक ओंकोलॉजी एवं अनेक राष्ट्रीय बैठकोंमें भाग लिया, दिसम्बर 2011 में हरियाणा ब्रांच ऑफ ओटोलारोजियोलोजिस्ट ऑफ इंडिया, हिसार के वार्षिक सम्मेलन में डॉ. अशोक अरोड़ा संभाषण दिया, न्यूरो ओटोलोजिकल एंड इक्वीलीब्रायोमेट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का कार्यभारसंभाला, जुलाई 2011 में वर्टिको 360ह एक व्यापक सी. एम. ई. ऑन वर्टिको- के मुख्य आयोजक थे, हेड-नेक ओंनकोलॉजी फाउण्डेशन की शासी संकाय का सदस्य एवं ओ आर एल 75 (एसोसिएशन डेस मेसिसीन ओ आर एल लिबेरिक्स दि पेरिस) की सदस्यता प्रदान की गई, स्कूल बेस सोसायटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी समिति एवं ससोसिएशन ऑफ फोनो-सर्जन्स ऑफइंडिया एवं एम्सोनियस में कार्य किया, ई. एन. टी. मास्टरक्लासेस (यू.के.) दि ओटोरिनोलेरिजयोलोजिस्ट (यू.के.), ओटोरिनोलेरिंजयालॉजी क्लिनिक- एक अंतराष्ट्रीय पत्रिका, ओटोलोजी इंडिया इंडियन सोसायटी ऑफ ओटोलोजी की पत्रिका एवं इंडिया जोनरल ऑफ ओटोलोजी के सम्पादकीय मंडल का सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 'हेड एंड नेक सर्जरी' इमेज ऑफ दि वीक के सेक्सन एडिटर के रूप में कार्य कियाय 'कैंसर प्रबंधन मार्गदर्शन' की समीक्षा परआई सी एम आर के विशेष कार्य दल के सदस्य रहे आई सी एम आर परियोजना समीक्षा समिति, के भागीदार सदस्य एवं ई. एन. टी. संबंधित परियोजना के लिए वैज्ञानिक विशेषज्ञ रहेय परियोजना समीक्षक, डी. एस. टी. एवं बी. बी. टी. तंत्रिका विकासीय विकलांगत इनक्लिन (इंडियन क्लिनिकल इपिडिमियोलोजी नेटवर्क) के लिए तकनीकी सलाहकार समूह समिति पर परियोजना समीक्षक रहे।

डॉ. राकेश कुमार स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम समिति के सदस्य थे, स्टाफ कौंसिल, एम्स 2011-13, उप छात्रावास अधीक्षक, एम्स 2011 के बादय समीक्षक, जोनरल ऑफ कुटेनियस एंड एस्थिरिक सर्जरीय एम एच डी- 4 लुकिंग आटर इंडियन फॉर ई. एन. टी. उपकरण, भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मुखीय अल्सर- 'ज्ञानदर्शन' इग्नू के सेटेलाइट पर सीधा टी. वी. व्याख्यान, राष्ट्रीय परीक्षा परिषद (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) दिसम्बर 2011.

डॉ. कपिल सिक्का को 4-7 जनवरी 2012 के इलाहाबाद में एसोसिएशन ऑफ ओटेलिरोन्जियोलॉस्टि ऑफ इंडिया ए.ओ.आई. सी. ओ.एन. 2012 के 64वें वार्षिक सम्मेलन में आमंत्रित संकाय के रूप में आमंत्रित किया गयाय दिनांक 25-27 नवम्बर 2011को लखनऊ में कोकलियर इम्पाट ऑफ इंडिया सी.आई.जी.आई.सी.ओ.एन.- 2011 के 9वें वार्षिक सम्मेलन में पेनलिस्ट के रूप में भाग लिया एवं आमंत्रित किया गयाय नोडल आफिसर, बधिर नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम हेतु एम्स, सहायक संपादक, संपादकीय मंडल सदस्य एवं समीक्षक, इंडियन जोनरल ऑफ ओटोलॉजीय इंडियन जोनरल ऑफ ओटोलोंरजियोलॉजी के लिए समीक्षक, हेड एवं नेक सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली में, 14-15 अक्टूबर 2011 को रिनोप्लास्टी एवं एफ ई एस एस तथा कैडवीक डिमांस्ट्रेशन पर शल्यक कार्यशाला हेतु आयोजन सह सचिव रहे। इस कार्यशाला में भारत तथा विदेशों से लगभग 100 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया एवं कैडवीक डिमांस्ट्रेशन, व्याख्यान एवं रिनोप्लास्टी एवं इंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी हेतु लाइव सर्जरी का आयोजन किया गया, आयोजन सचिव, वर्टिगो 360, 22 जुलाई 2011, एम्स।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. मंसूर अहमद, लाटू, एस एम एच एस (श्री महाराजा हरि सिंह) में ई. एन. टी. परामर्शदाता, अस्पताल, कश्मीर, ई. एन. टी. एवं हेड एवं नेक विभाग, एम्स में पधारे।

2. डॉ. कृष्णा रेड्डी, एम एस एजु आर सी एस (सामान्य शल्य चिकित्सक) एफ आर सी एस (ओटोलारेंजियोलॉजी), परामर्शदाता ई.एन.टी. एवं फेशियल प्लास्टिक सर्जन, स्पायर चिश्री हॉस्पिटल, यू. के. एम्स नई दिल्ली, 19 मार्च 2012, फेशियल प्लास्टिक्स फार सर्जन्स ऑफ यूचर इंडिया (भावी भारत के शल्यचिकित्सकों के लिए फेशियल प्लास्टिक्स) विषय पर व्याख्यान।

9.26 बालचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

विनोद के. पाल
(नवजातविज्ञान)

आचार्य

महाराज के. भान
(प्रतिनियुक्ति पर;
जठरांत्र विज्ञान)

अशोक के. देवरारी
(नवजातविज्ञान)

अरविंद बग्गा
(वृक्कविज्ञान)

सुशील के. काबरा
(पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार,
तपेदिक तथा रुमेटोलॉजी)

मधुलिका काबरा
(आनुवंशिकी)

अपर आचार्य

पंकज हरी
(वृक्कविज्ञान)

शैफाली गुलाटी
(तंत्रिकाविज्ञान)

सह-आचार्य

रमेश अग्रवाल
(नवजातविज्ञान)

रचना सेठ
(अर्बुदविज्ञान)

वंदना जैन
(अंतःस्राविकीविज्ञान)

राकेश लोढ़ा
(पुल्मोनोलॉजी एवं सघन उपचार)
तपेदिक एवं रुमेटोलॉजी)

वैज्ञानिक

शिंजनी भटनागर

प्रतिमा रे

मधुमिता रॉय चौधरी

मंजू सक्सेना

अन्य स्टाफ

सविता सप्रा
(नैदानिक मनोवैज्ञानिक)

अनुजा अग्रवाला
(आहारविज्ञानी)

सुमिता गुप्ता
(भौतिकचिकित्सा विज्ञानी)

डी यादव
(चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी)

शिक्षा

स्नातकपूर्व,

1. यह विभाग एम बी बी एस विद्यार्थियों तथा नर्सिंग विद्यार्थियों के शिक्षण में सम्मिलित है।

2. आहारविज्ञान आहार चार्ट को बनाने में एम बी बी एस विद्यार्थियों को शिक्षण।

3. नवजात पुनरुज्जीवन में प्रशिक्षण।

स्नातकोत्तर

1. स्नातकोत्तरों को प्रतिदिन प्रात : 8 से 9 बजे नियमित कक्षा शिक्षण।

2. नवंबर 2011 में ऐंटीबायोटिक्स के तर्काधार प्रयोग पर विभागीय संगोष्ठी; कनिष्ठ एवं वरिष्ठ रेजीडेंटों ने विभाग के सभी संकाय सदस्यों के पर्यवेक्षण के तहत इसमें भाग लिया।

3. अंतस्रावी एवं बाल शल्यचिकित्सा विभागों की सहभागिता के साथ यौन विकास के विकार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली पर लघु संगोष्ठी, 3 सितंबर 2011।

4. वृक्कविज्ञान, नवजातविज्ञान, पुल्मोनोलॉजी एवं सघन उपचार में प्रत्येक सप्ताह विशेषता पर आधारित शिक्षण।

5. संकाय सदस्य पी एच डी, एम एस सी जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान, एम एस सी बालचिकित्सा नर्सिंग के शिक्षण में सम्मिलित रहे हैं।

6. बाल चिकित्सा, रुधिररोगविज्ञान, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, विकृतिविज्ञान तथा नाभिकीय चिकित्सा विभाग तथा डॉ. पी एस कदाम आमरे, अध्यक्ष, कैंसर साइटोजेनेटिक्स लेबोरेट्री, टाटा मेमोरियल अस्पताल की सह भागिता के साथ 'बालपन कैंसर का निदान' में स्नातकोत्तर कार्यशाला, 14 से 15 जनवरी 2012।

परा चिकित्सा स्टाफ प्रशिक्षण

1. बी एस सी तथा एम एस सी नर्सिंग को नियमित शिक्षण। संकाय सदस्य व्याख्यान देने तथा शोध प्रबंध में एम एस सी (बालचिकित्सा नर्सिंग) विद्यार्थियों को गाइड करने में सम्मिलित हैं।

2. नर्सों के लिए संक्रमण नियंत्रण पर कार्यशाला।

बाल तंत्रिकाविज्ञान एवं नवजातविज्ञान में डी एम कार्यक्रम।

1. प्रत्येक पाठ्यक्रम में 8 डी एम विद्यार्थी।

पी एच डी कार्यक्रम

विभाग व्यापक पी एच डी कार्यक्रम का संचालन करता है। विभिन्न प्रभागों में पी एच डी कार्यक्रम के लिए कुल 23 विद्यार्थी नामांकित हैं। विभाग स्टैंफोर्ड इण्डिया बायोडिजाइन प्रोग्राम के फेलोशिप के लिए एक प्रमुख सहकर्ता है। यह कार्यक्रम में इंटर्नस तथा फेलों को क्लिनिकल सलाह प्रदान करता है।

लघु अवधि तथा दीर्घ अवधि प्रशिक्षु

आहारविज्ञान एवं पोषण (7)

आनुवंशिक (37)

चिकित्सा समाज सेवाएं (1)

नवजातविज्ञान (8 राष्ट्रीय; 6 अंतर्राष्ट्रीय)

डब्ल्यू एच ओ फेलो

1. योंग सुक री, डी पी आर कोरिया, 52 दिन तंत्रिकाविज्ञान, 5 सितंबर 2011 से 27 अक्तूबर 2011।

2. योंग रेन किम, डी पी आर कोरिया, 52 दिन तंत्रिकाविज्ञान, 5 सितंबर 2011 से 27 अक्तूबर 2011।

3. अन चोल पाक, डी पी आर कोरिया, 52 दिन तंत्रिकाविज्ञान, 5 सितंबर 2011 से 27 अक्तूबर 2011।

4. अजंता, श्री लंका, तंत्रिकाविज्ञान विभाग, अक्तूबर - नवंबर 2011

5. दीपक सचन, आर एम एल अस्पताल, सितंबर 2011-जनवरी 2012

वृक्कविज्ञान

1. चार फेलो ने बालचिकित्सा वृक्कविज्ञान में प्रशिक्षण लिया था। दो फेलोशिप को अंतर्राष्ट्रीय बाल वृक्कविज्ञान संघ (आई पी एन ए) तथा प्रत्येक एक को इण्डियन सोसायटी ऑफ पेडियाट्रिक नैफ्रोलॉजी (आई एस पी एन) तथा इण्डियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (आई एस एन) द्वारा सहायता प्राप्त थीं।

तंत्रिकाविज्ञान (2)

अर्बुदविज्ञान (1)

पुलमोनोलॉजी एवं सघन उपचार (7)

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अंतःस्राविकी विज्ञान

1. अंतःस्रावी एवं बाल शल्यचिकित्सा विभागों के सहयोग से यौन विकास के विकार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली पर लघु संगोष्ठी, 3 सितंबर 2011।

जठरांत्रविज्ञान, हीपाटोलॉजी एवं पोषण

1. प्रोबायोटिक्स पर पेनल परिचर्चा एवं व्याख्यान तथा आज के परिदृश्य पर उनकी महत्ता, 4 जून 2011, सुश्री अनुजा अग्रवाल द्वारा आयोजित।

2. इण्डियन डायटिक एसोसिएशन का 44वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, विषय : पेडियाट्रिक टू जिरायाट्रिक न्यूट्रीशन : इमर्जिंग ट्रेंड्स एण्ड चैलेंजूस'', अ. भा. आ. सं, नई दिल्ली, सुश्री अनुजा अग्रवाल 3 से 5 नवंबर 2011।

3. 'कृषि एवं भोजन में जैवप्रौद्योगिकीविज्ञान की भूमिका एवं प्रभाव', सुश्री अनुजा अग्रवाला द्वारा आयोजित, 25 फरवरी 2012।

आनुवंशिकी

1. डब्ल्यू एच ओ साउथ - ईस्ट एशियन रीज़न में जन्म दोषों पर विशेषज्ञ समूह बैठक, अ. भा. आ. सं, नई दिल्ली, 13-15 दिसंबर 2011।

2. आनुवांशिक नैदानिक प्रयोगशालाओं आण्विक आनुवांशिकी, साइटोजेनेटिक्स, बायोकैमिक जेनेटिक्स तथा न्यूबोर्न स्क्रीनिंग में गुणवत्ता गारंटी हेतु परिचय, अ. भा. आ. सं, नई दिल्ली, 9-10 फरवरी 2012।

3. दिल्ली आई ए पी तथा आनुवांशिकी चैप्टर आई ए पी, अ. भा. आ. सं, नई दिल्ली द्वारा आयोजित डिस्मोर्फोलॉजी कार्यशाला, 4 सितंबर 2011।

4. इण्डो - स्पेनिश कार्यशाला, डी एस टी द्वारा वित्तपोषित, 22 से 24 नवंबर 2011।

5. रेट सिंड्रोम हेतु अभिभावक बैठक, 20 अक्तूबर 2011।

नवजातविज्ञान

1. नवजातविज्ञान प्रभाग ने बिल एवं मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यू एस ए के सहयोग के साथ अवधि पूर्व जन्में शिशु के लिए श्वसन उपचार, अ. भा. आ. सं. पर संगोष्ठी का आयोजन किया, 12 से 14 मार्च 2012।

2. बाल चिकित्सा विभाग भागीदार संस्थानों में कुशलता शिक्षा के साथ अनिवार्य नवजात उपचार (ई एन सी) में तकरीबन 900 नर्सों/डॉक्टरों के लिए छः सप्ताह के लिए प्रत्येक पांच ऑनलाइन पाठ्यक्रम चलाता है। इसमें भाग लेने वाले भारत, मालद्वीव, श्री लंका, बंग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान, मॉरीशिस, ईरान जैसे देशों से हैं। कोई भी वेबसाइट www.ontop.in.org से इस पैकेज तक पहुंच सकता है।

3. डॉ. देवदारी ने श्री लंकन पेडियाट्रिसियन, कैंडी, के लिए मास्टर ट्रेनर सी पी ए पी कार्यशाला के रूप में मदद की, श्री लंका, 26 जुलाई 2011।

4. डॉ. देवरारी ने नियोकॉन जयपुर के लिए सी पी ए पी कार्यशालाओं का संचालन किया, 16 दिसंबर 2011; के ई एम, पुणे 26 जनवरी 2012; पश्चिम बंगाल नियोकॉन, 26 फरवरी 2012।

5. अ. भा. आ. सं. डब्ल्यू एच ओ सी सी नवजात वेंटीलेशन कार्यशाला के बैनर के तहत मदद देना, आई ए जी पुणे शाखा, एवं के. ई. एम. अस्पताल अनुसंधान केंद्र, 8 से 10 अप्रैल 2011; सेंट जॉनूस मेडीकल कॉलेज अस्पताल, बंगलौर, 8-10 सितंबर 2011; गोवा मेडीकल कॉलेज, 25-28 जनवरी 2012।

6. अनुसंधान क्षमता को बढ़ाना (आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित) पर चौथा संकाय विकास कार्यशाला आयोजित की, जिसमें विभिन्न चिकित्सा कॉलेज के 40 से अधिक संकाय सदस्यों ने भाग लिया, 18-21 जुलाई 2011।

वृक्कविज्ञान

1. इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी सी ओ एम जी ए एन, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली के सहयोग के साथ बाल वृक्कविज्ञान में 5वां वार्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित हुआ, 6-8 जनवरी 2012।

तंत्रिकाविज्ञान

1. माता-पिता के लिए आत्मविमोह जागरूकता अभियान, 7 अप्रैल 2011।
2. बाल्यावस्था अपंगताओं पर एक संगोष्ठी, 3 मई 2011।

अर्बुदविज्ञान

1. रुधिररोगविज्ञान, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, विकृतिविज्ञान एवं नाभिकीय चिकित्सा विभाग के सहयोग के साथ 'बाल्यावस्था कैंसर के निदान पर स्नातकोत्तर कार्यशाला, 14-15 जनवरी 2012।

2. 'बाल्यावस्था कैंसर में निदान' पर सी एम ई स्नातकोत्तर कार्यशाला, अ. भा. आ. सं., रूपांतरण अनुसंधान हेतु डी बी टी ग्लू अनुदान द्वारा आंशिक रूप से सहायता प्राप्त, 14-15 जनवरी 2012।

3. बाल्यावस्था कैंसर जागरूकता सम्मेलन : बाल्यावस्था कैंसर में माता-पिता शिक्षा कार्यक्रम, अ. भा. आ. सं., 26 सितंबर 2011।

पुल्मोनोलॉजी एवं सघन उपचार

1. श्वसन चैप्टर मीटिंग, अ. भा. आ. सं., 28 जनवरी 2012।
2. सस्टिक फिब्रोसिस के माता - पिता के लिए शिक्षा कार्यक्रम, 30 अक्तूबर 2011।
3. चौथा डॉ. के. सी. चौधरी ओरेशन, आई जे पी कंपिटेटिव क्लिनिकल ग्रैंड राउण्ड एवं श्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार, अ. भा. आ. सं., 11 सितंबर 2011।

व्याख्यान प्रदत्त

वी के पॉल : 3	ए के देवरारी : 8	अरविंद बग्गा :11
एस के काबरा : 26	मधुलिका काबरा : 18	पंकज हरी : 5

शैफाली गुलाटी : 11 राकेश लोढ़ा : 25 रचना सेठ : 5
रमेश अग्रवाल : 5 वंदना जैन : 7
प्रतिमा रे : 9 अनुजा अग्रवाल : 9

आनुवांशिकी प्रभाग में वैज्ञानिक : 12

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतीकरण

आनुवांशिकी : 20 तंत्रिकाविज्ञान : 7 अंतःस्राविकी : 9
अर्बुदविज्ञान : 8 पुल्मोनोलॉजी एण्ड सघन उपचार : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

विभाग

1. प्रतिष्ठित डी बी टी ग्लू अनुदान परियोजना, 'शिशु स्वास्थ्य में रूपांतरण स्वास्थ्य अनुसंधान हेतु दीर्घ अवधि साझीदार विकसित करना', विनोद के पॉल, ए बग्गा, एस के काबरा, राकेश लोढ़ा, वंदना जैन, रचना सेठ, रमेश अग्रवाल, प्रतिमा रे, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 5 वर्ष, 4 करोड़ रुपए।

अंतःस्राविकीविज्ञान

1. अधिक वजन वाले बच्चों एवं नवयुवकों में एडिपोमेक्टिन, सी आर पी तथा आई एल - 6 तथा इंसुलिन प्रतिरोध के साथ उनका संबंध, वंदना जैन, अ. भा. आ. सं., 2009-11, 2 लाख रुपए।
2. के आई जी एस बहुराष्ट्रीय वृद्धि सर्वेक्षण, वंदना जैन, फाइज़र अनुसंधान प्रभाग, 2011-12, 1.2 लाख रुपए।

जठरांत्रविज्ञान, हीपाटोलॉजी एवं पोषण

1. उत्तर भारत में हिन तानिका शोध सेंटीनल निगरानी। शिंजनी भटनागर एवं एस के काबरा, इंक्लेन, 2011-12, 1,09,88,946 रुपए।
2. सिलियक रोग अवस्था 1 से 2 के निदान के लिए शीघ्र नैदानिक जांच का विकास, शिंजनी भटनागर एवं अरविंद बग्गा, डी बी टी, 2010-12, 54,45,000 रुपए।

आनुवंशिक

1. कोर स्टाफ एवं पांच परियोजनाओं के लिए प्रोग्राम सर्पोट प्रोजेक्ट्स फंडिंग, मधुलिका काबरा, 2007-12, 2013 तक विस्तार, लगभग 4 करोड़ रुपए। कोर स्टाफ एवं एक परियोजना के लिए। चार परियोजनाएं पूर्ण है तथा एक जारी है भारतीय जनसमुदाय में गैर संलक्षणात्मक श्रवण हानि के लिए नए जीनों की पहचान (जारी), मधुलिका काबरा, डी बी टी, 5 वर्ष, 4.28 लाख रुपए।
2. जन्मजात हाइपोथायरॉइडिज्म एवं जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लेसिया हेतु नवजात जांच - एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, मधुलिका काबरा, आई सी एम आर, 2009-12, 20 लाख रुपए।
3. टाइप 1 गोचर रोग वाले रोगियों में जीन एक्टिवेटिड आर ह्यूमन ग्लुकोसेरेब्रोसिडेस (जी ए जी सी बी) इंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी का ओपन लेबल विस्तार अध्ययन, शादर ह्यूमन जेनेटिक थेरेपिज़, यू एस ए। मधुलिका काबरा, 2010-12, 15 लाख रुपए।
4. मृतजात के आनुवांशिक मूल्यांकन में एर्रे आधारित तुलनात्मक हाइब्रिडाइजेशन (एर्रे सी पी एच) का क्लिनिकल अनुप्रयोग। मधुलिका काबरा, डी बी टी, 2012-14, 85 लाख रुपए।

5. डॉउन सिंड्रोम के गैर इंवेसिव जन्मपूर्व निदान के लिए मैटर्नल सर्कुलेशन में मानव क्रोमोजोम - 21 डिराइव्ड एम आई आर एन ए, मधुलिका काबरा, डी बी टी, 2012-13, 18 लाख रुपए।

6. भारतीय रोगियों में मिटोकॉन्ड्रियल इंसिफेलोमाइलोपैथिज के लिए विस्तृत पहुंच। मधुलिका रॉय चौधरी, अ. भा. आ. सं., 2012-14।

7. रिएल टाइम पी सी आर का प्रयोग करके आइडियोपेथिक मानसिक मंदन वाले बच्चों में सब्टेलोमेरिक असंतुलनताओं का अध यन। मधुमिता रॉय चौधरी, आई सी एम आर, 2011-13, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।

8. सामान्य ऑर्गेनिक एसिड्यूरिएस वाले भारतीय रोगियों के उत्परिवर्तन प्रोफाइल का अध्ययन करना। मधुलिका काबरा, आई सी एम आर, 2011-13, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।

9. एम पी एस आई आई वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन। मधुलिका काबरा, आई सी एम आर, 2012-12, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए। आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।

10. क्लासिकल रेट सिंड्रोम रोगियों के फिनोटाइप पर एम ई पी पी 2 जीनोटाइप, एक्स क्रोमोजोम इंएक्टिवेशन पैटर्न एवं सामान्य बी डी एन एफ पोलीमोर्फिज्म का प्रभाव। मधुलिका काबरा, आई सी एम आर, 2012-14, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए। आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।

11. इक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन। मधुलिका काबरा, आई सी एम आर, 2012-14, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए। आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।

नवजातविज्ञान

1. दिल्ली में चार केंद्रों अर्थात अ. भा. आ. सं., एम ए एम सी, चाचा नेहरु बाल चिकित्सालय एवं सफदरजंग अस्पताल को सम्मिलित करके नवजात स्वास्थ्य में अनुसंधान केंद्र। विनोद के पाल एवं अशोक देवरारी,, आई सी एम आर, 5 वर्ष, 9.5 करोड़ रुपए।

2. नवजात उपचार हेतु डब्ल्यू एच ओ ग्लोबल गाइडलाइंस को विकसित करना; नवजात पीलिया तथा विटामिन के मुद्दों पर सुव्यवस्थित समीक्षाएं। विनोद के पाल एवं अशोक देवरारी, 6 माह के लिए डब्ल्यू एच ओ, 6 लाख रुपए।

वृक्कविज्ञान

1. प्रोटिनुरिक नेफ्रोपेथिज़ में मुखीय कैल्सिट्रियोल का एंटीप्रोटिनुरिक प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। पंकज हरी, आई सी एम आर, 2010-13, 19,10,592 रुपए।

2. स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिक सिंड्रोम में कैरोटिड इंटिमा मीडिया गाढ़ापन के हायपरलिपिडेमिया एवं वृद्धि पर एरोर्वेस्टेटिन का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पंकज हरी, आई सी एम आर, 2011-14, 19,40,142 रुपए

3. स्टेरॉयड संवेदी नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों के लिए लिवामिसोल उपचार : बहुकेंद्रीय दोहरा प्लेसिबो नियंत्रित यादृच्छिक परीक्षण। अरविंद बग्गा, ए सी ई फार्मास्युटिकल्स, नीदरलैण्ड्स, 21 लाख रुपए।

4. स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिक संलक्षण वाले रोगियों के लिए अंतः शिरा साइक्लोफॉस्फेमाइड एवं वैकल्पिक दिवस प्रिड्नीसोलन बनाम टेक्रोलिमस एवं वैकल्पिक दिवस प्रिडनीसोलन की प्रभावोत्पादकता की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अरविंद बग्गा, आई सी एम आर, 2009-12, 26,84,616 रुपए।

5. बच्चों में आइडियोपेथिक नेफ्रोटिक संलक्षण के प्रथम एपिसोड के लिए प्रिडनीसोलन के साथ तीन माह बनाम छः माह थेरेपी की प्रभावोत्पादकता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक दोहरा प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। अरविंद बग्गा, आई सी एम आर, 2011-14, 14,45,661 रुपए।

6. कठिन नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में लिम्फोसाइट सब्सेट्स पर रीतुक्सिसेब का प्रभाव। अरविंद बग्गा, आई सी एम आर, 2011-14 15,38,913 रुपए।

7. हीमोलाइटिक यूरेमिक संलक्षण में ऐंटी कंप्लीमेट फैक्टर एच आटोऐंटीबॉडीज़ का कार्यात्मक लक्षण वर्णन तथा आनुवांशिक आधार। अरविंद बग्गा, डी बी टी, 2011-14, 41,59,000 रुपए।

8. बाल्यावस्था के आडियोपेथिक नेफ्रोटिक संलक्षण के रोगजनन : आडियोपेथिक नेफ्रोटिक संलक्षण वाले रोगियों में नेव टी कोशिकाओं का टी एच 1 टी एच 2 पोलाराइजेशन तथा रोग क्रम के साथ इसका संबंध। अरविंद बग्गा, डी बी टी, 2010-13, 21,15,363 रुपए।

9. फोकल सेग्मेंटल ग्लोमेरुलोस्केलेरोसिस तथा स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में प्यूटेटिव परमिएबिलिटी कारक के रूप में सीरम सुल्युबल यूरोकाइनेज ग्राही। अरविंद बग्गा, डी बी टी, 2012-15, 41,82,000 रुपए।

तंत्रिकाविज्ञान

1. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित 2-15 वर्ष की आयु वाले बच्चों में वाल्प्रोएट एवं लिवोकारनिटाइन का यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। शेफाली गुलाटी, अ. भा. आ. सं. संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2012-14, 5 लाख रुपए।

अर्बुदविज्ञान

1. फ्लोसाइटोमीटरी द्वारा इंडक्शन के अंत में बी कोशिका लाइनेज़ तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया (ए एल एल) में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी) की पहचान, रचना सेठ, आई सी एम आर, 2009-12, 34,82,535 रुपए

2. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया के लिए उपचार करवाने वाले बच्चों में न्यूरोइमेजिंग तथा प्रमस्तिष्कीय मेटाबोलाइट परिवर्तन : एक प्रायोगिक अध्ययन, रचना सेठ, अ. भा. आ. सं., 2011-12, 1 लाख रुपए।

3. रोगमुक्ति हेतु कीमो 1 'सी से सी' : बाल्यावस्था कैंसर सर्वाइवरशिप का अध्ययन, जीव दया फाउण्डेशन, (2011-14), 20 लाख रुपए।

पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार

1. उच्च सक्रिय ऐंटीरिट्रोवाइरल थेरेपी प्राप्त करने वाले एच आई वी संक्रमित बच्चों में जिंक सप्पलीमेंटेशन का इम्यूनोलॉजिक प्रभाव : यादृच्छिक, दोहरा प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। राकेश लोढ़ा, मधु बाजपेयी, एस के काबरा, आई सी एम आर, 2009-12, 31 लाख रुपए।

2. एकीकृत ओमिक्स पहुंच का प्रयोग करते हुए अस्थमा में बायोमार्कर खोज। राकेश लोढ़ा, एस के काबरा, आई जी आई बी, 2009-13, 96 लाख रुपए।

3. दिल्ली भारत में बाल्यावस्था तपेदिक वाले रोगियों में जिंक सप्पलीमेंटेशन एस के काबरा, नोर्विजिएन प्रोग्राम फॉर डिवलपमेंट, रिसर्च एण्ड एजुकेशन (एन यू एफ यू) 2007-12, 1,53,68,288 रुपए

4. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले बच्चों में जिंक सप्पलीमेंटेशन की भूमिका : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस के काबरा, राकेश लोढ़ा, काबरा एम. आरती कपिल, शिवराम शास्त्री, आई सी एम आर 2011-13, 20 लाख रुपए।

5. एच आई वी संक्रमित बच्चों में बी सेल सब-पोपुलेशंस पर उच्च सक्रिय ऐंटीरिट्रोवाइरल थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करना। राकेश लोढ़ा, आई सी एम आर, 2011-14, 39.87 लाख रुपए।

6. बालकपन के दौरान तीव्र श्वसन संक्रमण क्यों बाल्यावस्था के समय चिरकारी वायुपथ रोग बन जाते हैं : लघुतम वायुपथ एवं इम्यून इंबैलेंस की अंतरीय भूमिका। एस के काबरा, राकेश लोढ़ा, डी बी टी, 2012-2015, 1,24,38,192 रुपए।

पूर्ण

आनुवंशिकी

1. आडियोपेथिक मस्तिष्क मंदन में क्रिप्टिक सब्टीलोमेटिक रीआरेंजमेंट्स की पहचान के लिए एम एल पी ए तथा एर्रे सी पी एच का मूल्यांकन, डी बी टी, 2007-11, 30 लाख रुपए।
2. स्टेरॉयड नेफ्रोटिक संलक्षण में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन, 2007-11, 4.7 लाख रुपए।
3. एनियोप्लेडिस के शीघ्र जन्म पूर्व खोज के लिए नीतियों का वैधीकरण 2007-11, 18 लाख रुपए।
4. सामान्य एकल जीन विकारों के गैर इंवेसिव जन्मपूर्व निदान हेतु एक संभावित साधन के रूप में मातृ प्लाज्मा में फीटल के संभावित निदान का मूल्यांकन। 2007-11, 15 लाख रुपए।

नवजातविज्ञान

1. नवजात शिशुओं के लिए कम लागत वाले डायपर्स के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी का विकास। विनोद के पॉल, डी बी टी, 3 वर्ष निधिकरण : 25 लाख रुपए।

तंत्रिकाविज्ञान

1. स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी वाले बच्चों में वाल्प्रोएट का यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। शैफाली गुलाटी, संस्थान अनुसंधान अनुदान, अ. भा. आ. सं. 2008-11, 1 लाख रुपए प्रति वर्ष।

अर्बुदविज्ञान

1. भारत बाल्यावस्था कैंसर सर्ववाइवर के जैवविज्ञान को समझना, रचना सेठ, अ. भा. आ. सं.। 2010-11, 1 लाख रुपए।

पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार

1. नियत डोज़ के सम्मिश्रण के साथ ऐंटीरिट्रोवाइरल थेरेपी प्राप्त करने वाले एच आई वी संक्रमित बच्चों में नीविरेपाइन, राकेश लोढ़ा, आई सी एम आर, 2009-11, 18 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

अंतःस्राविकी विज्ञान

1. जन्म के समय कम वज़न वाले शिशुओं के संदर्भ में कैच अप वृद्धि।
2. शहरी भारतीय नवयुवकों के मध्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर अनुभूत की गई चिंताएं एवं जागरूकता की पहचान पर अध्ययन।

आनुवंशिकी

3. तीव्र उत्तेजित अस्थमा वाले भारतीय बच्चों में बीटा 2 एडरेनेर्जिक रिसेप्टर की आनुवांशिक पोलीमोर्फिज्म्स की व्यापकता का अध्ययन करना एवं उनका साल्बुटेमोल से प्रतिक्रिया के साथ संबंध।
4. इक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया एवं इचथोसिस वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन।
5. रीएल टाइम पी सी आर का प्रयोग करके आइडियोपेथिक मानसिक मंदन वाले बच्चों में सब्टेलोमेरिक असंतुलनों का अध्ययन।
6. फीटल आर एच एवं बीटा थैलासेमिया का गैर - इंवेसिव जन्मपूर्व निदान।
7. आटोसोमल रिसीवि गैर संलक्षणात्मक श्रवण हानि वाले भारतीय परिवारों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन।

8. संपूर्ण जीनोम सी जी एच एर्रे का प्रयोग करके आडियोपेथिक एम आर वाले भारतीय बच्चों में जिनोमिक पुनःव्यवस्थाओं का अध्ययन।

9. मुकोपोलीसाचीरिडीसिस प्रकार 1, 2 एवं 3 वाले रोगियों में बायोमार्कर्स का उत्परिवर्तन विश्लेषण एवं संबंध।

10. फेनीटोन मोनोथेरेपी पर बच्चों में सिटोक्रॉम पी450 सी वाई पी 2 सी 9 की आनुवांशिक पोलीमोर्फिज्म की व्यापकता का अध्ययन करना एवं औषध स्तरों के साथ उनका संबंध।

नवजातविज्ञान

11. स्व इंप्लेटिंग बैगी में विभिन्न ऑक्सीजन फ्लो दरों का प्रयोग करके ऑक्सीजन सांद्रता।

12. पी डी ए के निदान में बी ए एन पी की भूमिका।

वृक्कविज्ञान

13. स्टेरॉयड प्रतिरोधक नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में विटामिन डी की अपर्याप्तता एवं कोलीकैल्सिफेरोल की प्रभावोत्पादकता की व्यापकता।

14. बार बार नेफ्रोटिक संलक्षण होने वाले बच्चों में संचारी रक्त दबाव निगरानी।

तंत्रिकाविज्ञान

15. बच्चों एवं नवयुवकों में चिरकारी न्यूरोमस्कुलर रोग के लिए अंतःश्वसन पेशी प्रशिक्षण - व्यवस्थित समीक्षा।

16. बाल्यावस्था पेशीय डिस्ट्रोफिज़ में त्वचा बायोप्सी की भूमिका।

17. वाल्प्रोएट मोनोथेरेपी पर मिरगी के दौरे वाले बच्चों में हीमोस्टेटिक अपसामान्यताओं की व्यापकता : एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।

18. चिरकारी किडनी रोग अवस्था 4 से 5 वाले बच्चों में इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल रूप से परिभाषित परीसरिए न्यूरोपैथी की व्यापकता : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

19. वॉल्प्रोएट मोनोथेरेपी पर बच्चों में यू जी टी 1 ए 6 की आनुवांशिक पोलिमोर्फिज्मूस की व्यापकता का अध्ययन एवं सीरम वाल्प्रोएट स्तरों के साथ उनका संबंध।

20. असाध्य मिरगी से पीड़ित बच्चों में अल्प ग्लाइसेमिक इंडेक्स आहार थेरेपी की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

21. विंक्रिस्टाइन कीमोथेरेपी आधारित प्राप्त कर चुके 5-18 वर्ष की आयु वाले बाल्यावस्था ए एल एल (तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया) वाले उत्तरजीवितों में विक्रिस्टाइन प्रेरित न्यूरोपैथी की व्यापकता एवं इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल लक्षण वर्णन का अध्ययन।

22. टाइपिकली रूप से विकसित हो रहे बच्चों की तुलना में ओटिस्टिक बच्चों में निद्रा समस्याओं की व्यापकता का आकलन।

23. 6-16 वर्ष की आयु वाले बच्चों में साइकोजेनिक गैर मिरगी वाली घटनाओं का क्लिनिकल स्पेक्ट्रम।

अर्बुदविज्ञान

24. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया के नवीन रूप से नैदानित बच्चों में ट्यूमर लाइसिस संलक्षण का प्रभाव एवं पूर्व सूचकों का मूल्यांकन।

25. तीव्र बाल्यावस्था ल्यूकीमिया के नवीन नैदानित हाइपर ल्यूकोसिटोसिस के उपचार में हाइपरहायड्रेशन बनाम हापरहाइड्रेशन एवं हाइड्रोक्सियूरेया के प्रभाव का अध्ययन करना।

26. फेबराइल न्यूट्रोपेनिया के एपिसोड वाले बच्चों में संवेदनशीलता के प्रोफाइल के साथ पूर्वसूचक एवं अवयवी।

27. बाल्यावस्था लेंजरहंस कोशिका हिस्टीयोसिटोसिस के परिणाम का अध्ययन।

28. बाल्यावस्था तीव्र मायलॉयउ ल्यूकीमिया का परिणाम।

29. बाल्यावस्था कैंसर सर्ववाइवरशिप का देर में प्रभाव।

30. बाल्यावस्था ए एल एल (तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया) व्यापकता एवं इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल लक्षण वर्णनों में विंक्रिस्टाइन प्रेरित न्यूरोपैथी।

पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार

31. बच्चों में ऐंटीट्यूबरकुलर चिकित्सकों का फार्माकोकाइनेटिक्स।

32. गोमोरी मिथेनेमाइन सिल्वर स्टेन तथा पोलीमिरेज चेन प्रतिक्रिया द्वारा < 15 वर्ष इम्यूनोकंप्रोमाइड बच्चों के प्रेरित स्पुटम पर न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की व्यापकता।

33. एच आई वी संक्रमित बच्चों में डिस्लिपिडेमिया एवं लिपोडिस्ट्राफी।

34. 5-15 वर्ष की आयु समूह वाले बच्चों में अनियंत्रित अस्थमा की पहचान में एफ ई एन ओ की भूमिका।

35. तपेदिक : भारतीय बच्चों में ट्यूब टेस्ट में क्वांटीफेरन गोल्ड नैदानिक मान का मूल्यांकन।

36. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में हाइपोफॉस्फेटेमिया की व्यापकता।

37. सिस्टिक फिब्रोसिस से पीड़ित बच्चों एवं नवयुवकों में अस्थि खनिज वृद्धि पर व्यायाम हस्तक्षेप कार्यक्रम का प्रभाव।

38. बाल गहन उपचार एकक में वेंटीलेटर सह न्यूमोनिया : प्रभाव, जोखिम कारक एवं हेतु विज्ञानात्मक कारक।

पूर्ण

अंतःस्राविकीविज्ञान

1. सिस्टिक फिब्रोसिस से पीड़ित बच्चों में दुर्बल ग्लुकोस सहनशीलता।

2. जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लेसिया : भारत में प्रभावित बच्चों के माता पिता द्वारा अवलोकित।

3. टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित भारतीय बच्चों एवं नवयुवकों में जीवन गुण, भावात्मक स्वास्थ्य, व्यवहारात्मक मुद्दे तथा संज्ञानात्मक कार्य।

आनुवंशिकी

4. रेट संलक्षण से पीड़ित भारतीय बच्चों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन।

5. स्टेरॉयड प्रतिरोधक नेफ्रोटिक संलक्षण में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन।

नवजातविज्ञान

6. नवजात गर्भावधि काल (ए जी ए) हेतु उपयुक्त तथा टर्म एवं लेट प्रिटर्म लघु गर्भावधि काल (एस जी ए) में आयरन संचय।

7. उच्च जोखिम नवजातों में श्रवण हानि का पता लगाने के लिए ऑटोमेटिड श्रवण ब्रैनस्टीम प्रतिक्रियाएं (ए ए बी आर) तथा श्रवण ब्रैनस्टीम प्रतिक्रियाओं की तुलना।

8. नवजात शिशु के आर एच होमोलाइटिक रोग वाले नवजातों में फिनोबार्बिटोन की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण।

9. एन आई सी यू उपचार का माइक्रो - लागत आधारित आर्थिक विश्लेषण : इंसुरेस मोडल्स हेतु आशय।

वृक्कविज्ञान

10. बार बार होने वाले नेफ्रोटिक संलक्षण वाले रोगियों में घटती आवृत्ति दरों में जिंक सप्पलीमेंटेशन की प्रभावोत्पादकता की जांच करने के लिए यादृच्छिक दोहरा प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण।

11. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक संलक्षण में केरोटिड इंटिमा मीडिया थिकनेस के हायपरलिपिडेमिया एवं प्रगति में एटोर्वास्टेटिन का प्रभाव।

तंत्रिकाविज्ञान

12. हाइपरटोनिया वाले शिशुओं में एडक्टर तथा पोप्लीटिएल एंगल्स का दृश्य बनाम गोनियोमेट्रिक मूल्यांकन।

13. 2-9 वर्ष की आयु वाले बच्चों में मिरगी एवं न्यूरोमोटर क्षति के लिए नई नैदानिक तकनीकों का वैधीकरण।

14. मंद न्यूरोसिस्टिसेर्कोसिस एवं दौरे से पीड़ित बच्चों का टेलीफोन फोलोअप : सर्वोत्कृष्ट मूल्यांकन की आवश्यकता वाली गंभीर क्लिनिकल घटनाओं का पता लगाना कितना सही है?

15. ओटिस्म अथवा ए डी एच डी से ग्रस्त बच्चों में रक्त भारी धातु स्तरः एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

16. बाल्यावस्था पेशीय डिस्ट्रोफिस का निदान करने में त्वचा बायोप्सी की भूमिका।

17. रोग के आरंभ होने के एक अथवा अधिक वर्ष के पश्चात् इंफेंटाइल स्पेस्म्स वाले एक से पांच वर्ष की आयु वाले बच्चों में न्यूरोडिवेलपमेंट परिणाम - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

18. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले 3 से 15 वर्ष वाले रोगियों में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकली परिभाषित परीसरिए न्यूरोपेथी की व्यापकता : एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।

19. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में मिरगी की व्यापकता, क्लिनिकल, इलैक्ट्रोग्राफिक, न्यूरो इमेजिंग विशेषताएं तथा उपचार : एक अवलोकनात्मक अध्ययन।

20. ऐंटीरिट्रोवाइरल थेरेपी प्राप्त करने वाले 5 वर्ष की आयु से अधिक आयु वाले एच आई वी संक्रमित बच्चों में परीसरिए न्यूरोपेथी का क्लिनिकल एवं इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल लक्षण वर्णन।

21. जी बी एस वाले 2 से 15 वर्ष की आयु के मध्य वाले बच्चों में एच आर भिन्नता का अध्ययन करना।

पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार

22. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में ग्लुकोज़ होमियोस्टेसिस।

23. अस्थमा के मंद तीव्र प्रकोपन वाले 5-15 वर्ष की आयु वाले बच्चों में फार्मोटेरॉल तथा सॉल्बुटोमोल का शीघ्र ब्रोकोडिलेटरी प्रभाव : दोहरा, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

आहारविज्ञान

1. सिलिएक रोग से पीड़ित बाल रोगियों के लिए ग्लुटिन थ्रेशोल्ड को सुनिश्चित करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (शरीरक्रिया विज्ञान)।

2. बाल्यावस्था स्थूलता का न्यूरोकॉग्नेटिव एवं साइकोसोशल पक्ष (मनोचिकित्सा विभाग)।

अंतःस्रावि‍की विज्ञान

1. बच्चों में रीकेट्स के उपचार में एकल डोज़ 6 लेक आई यू आर्चिटॉल की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा (अंतःस्राविकी एवं चयापचय विभाग)।
2. आई सी एम आर यंग डायबिटिक्स रजिस्ट्री (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।
3. आई सी एम आर बाल्यावस्था स्थूलता टास्क फोर्स, इंक्लेन, इण्डिया (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।
4. अधिक वजन एवं छोटे मोटे बच्चों में मनोविकृतिविज्ञान तथा शरीर के आकर की चिंता (मनोचिकित्सा विभाग)।
5. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन क्षेत्रों में गर्भवती माताओं, विद्यालय जाने वाले बच्चों का आयोडिन स्तर तथा नवजात थायरॉयड स्टीमुलेटिंग हार्मोन कसंट्रेशन (मानव पोषण एकक)।

जठरांत्रविज्ञान, यकृतविज्ञान तथा पोषण

1. बायोकॉपोजिट स्केफॉल्ड पर अस्थि ऊतक इंजीनियरिंग के लिए ओस्टियोब्लास्ट में मेसनचेमल मूल कोशिका का 3डी - विस्तार विभेदन, आई सी एम आर, 2010-13।
2. इंजीनियर ओस्टियोकोंड्रल ग्राफ्ट्स हेतु नोवल सिल्क फिब्रोइन आधारित नैनो आर्कीटेक्चरड स्कॉफोल्ड्स, डी बी टी, 2008-11।

आनुवंशिकी

1. भारतीय संदर्भ में डाउन संलक्षण की जन्मपूर्व पहचान के लिए आकस्मिक सीक्वैंटिएल जांच के साथ एकीकृत जांच की तुलना करना। आचार्य सीमा कपूर के सहयोग के साथ, आनुवंशिकी प्रभाग, बालचिकित्सा विभाग, एम ए एम सी नई दिल्ली, डी बी टी, 2009-11, 12 लाख रुपए।
2. हीमोग्लोबिनोपैथिस के गैर इंवेसिव जन्मपूर्व निदान के लिए कोशिका मुक्त फीटल डी एन ए संचारी का अलगाव एवं आनुवांशिक लक्षण वर्णन तथा प्रि एक्लेम्पसिया की निगरानी। इण्डो स्पेन सहयोगी अध्ययन, डी एस टी, 2010-13, 12 लाख रुपए (जारी)।

तंत्रिकाविज्ञान

1. भारत में बाल्यावस्था दुःसाध्य मिरगी के रोगियों में प्रारंभिक बनाम देर में शल्यचिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (तंत्रिकाविज्ञान)। स्पेस्टिक सेरेब्रेल पाल्सी वाले बच्चों में अनुबद्ध थेरेपी के रूप में रीफ्लेक्सोलॉजी का मूल्यांकन (जैवभौतिकी)।
2. वयस्क कोशिकाओं से प्लुरीपोटेंट मूल कोशिकाओं से विशेष रूप से प्रेरित डचेन्न मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रोग का विकास एवं लक्षण वर्णन (ओ आर बो ओ)।
3. वेस्ट संलक्षण सहित दुःसाध्य मिरगी वाले बच्चों में अनुबद्ध थेरेपी के रूप में रीफ्लेक्सोलॉजी का मूल्यांकन (जैवभौतिकी)।
4. मिरगीरोधी दवाइयों के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा का फार्माकोकाइनेटिक एवं फार्माकोडायनामिक परस्पर क्रिया : एक प्रायोगिक एवं क्लिनिकल अध्ययन।
5. सरकेडिएन स्लीप रिथम पर नियंत्रित एवं दवा प्रतिरोधी मिरगी का प्रभाव : एक केस नियंत्रण अध्ययन (तंत्रिकाविज्ञान)।
6. मिरगी के रोगियों के लक्षण तत्व स्तर पर परंपरागत मिरगीरोधी दवाई की तुलना में नई मिरगीरोधी दवाइयों का प्रभाव (भेषजगुण विज्ञान)।

अर्बुदविज्ञान

1. बाल अर्बुदविज्ञान रोगियों में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक एपिसोडों में प्रतिकूल परिणाम के पूर्वसूचकों का मूल्यांकन (सूक्ष्मजैवविज्ञान)।
2. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया में न्यूक्लियोफॉस्मिन उत्परिवर्तन : इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री द्वारा जांच का मूल्यांकन - आण्विक विश्लेषण हेतु एक साधारण फ्रंट लाइन सेरोगेट (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ.)।
3. बाल कैंसर एवं बाल कैंसर उत्तरजीवितों में मायोकार्डियल कार्य का मूल्यांकन (हृदयविज्ञान) : कैंसर थेरेपी का दीर्घ / विलंब प्रभाव का जारी मूल्यांकन।
4. इंट्राकुलर रेटीनोब्लास्टोमा के उपचार में फोकल कंसोलीडेशन एवं दैहिक कीमो में कमी का मूल्यांकन (नेत्ररोगविज्ञान)।
5. एक्स्ट्राऑकुलर रेटिनोब्लास्टोमा वाले बच्चों में परिणाम : दो उपचार प्रोटोकॉलों का प्रयोग करके एक आर सी टी (नेत्ररोगविज्ञान)।

पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार।

1. स्वाइन ओरिजिन लाइनेज के महामारी एच 1 एन 1 (पी एच 1 एन 1) के लिए परिष्कृत निगरानी : एक बहु केंद्रीय अध्ययन भारत में चिरस्थायी इंफ्लुएंजा निगरानी नेटवर्क को विकसित करने के लिए इण्डिया सप्लीमेंटल परियोजना, (सी ओ - ए जी अनुदान सं. आई यू 51 आई पी 00033301) (सूक्ष्मजैवविज्ञान)।
2. नाबालिक रुमेटॉयड आर्थ्रेराइटिस में यूविटिस की व्यापकता का अध्ययन करना (नेत्ररोगविज्ञान आर पी सी)।
3. बाल ऐस्थेमेटिक्स में प्रयोग होने वाले मीटरड डोज़ इंहेलर के दौरान ज्वारीय रूप से श्वास लेने पर गहरे श्वास की प्रभावोत्पादकता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। नर्सिंग महाविद्यालय।
4. बाल जनसंख्या : इंट्राथोरेसिक तपेदिक तथा औषध प्रतिरोधी तपेदिक के निदान को शीघ्र करना (सूक्ष्मजैवविज्ञान)।
5. टाइफोडल साल्मोनेला के विरूद्ध वैकल्पिक ऐंटीमाइक्रोबाइल कारक पर अध्ययन (सूक्षम - जैव विज्ञान)।
6. विषाणुजनित के आच्छादन के विरूद्ध मोनोक्लोनल ऐंटीबॉडिज़ की उत्पत्ति एवं बाल एच आई वी-1 संक्रमण का इम्यूनोपेथोजेनेसिस, (जैवरसायन, पी एच डी शोध प्रबंध।)
7. एचआईवी संक्रमण वाले बच्चों में दृष्टि संबंधी आविर्भाव (नेत्ररोग विज्ञान, एम डी शोध प्रबंध)।

स्टेनफोर्ड इण्डिया बायोडिजाइन प्रोग्राम के साथ सहयोगी परियोजनाएं

1. नवजात शिशुओं को प्रभावी तरीके से पुनर्जीवित करने के लिए अग्रिम पंक्ति स्वास्थ्य कामगारों को समर्थ बनाने के लिए एक नवीन यंत्र।
2. शीघ्र श्रवण जांच के लिए नवीन जांच यंत्र की सुरक्षा एवं व्यवहार्यता।
3. आपात वास्कुलर एक्सेस हेतु नवीन इंट्राओसियस की व्यवहार्यता का अध्ययन।

सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं

पूर्ण

अंतःस्राविकी

1. उत्तर भारत से पृथक वृद्धि हार्मोन हानि वाले रोगियों में आनुवांशिक अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
2. लेरॉन के संलक्षण वाले रोगियों में वृद्धि हार्मोन रिसेप्टर जीन का आण्विक विश्लेषण (शरीर रचना विज्ञान)।

पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार

1. अति फुप्फुसीय तपेदिक वाले रोगियों में मायकोबैक्टिरीमिया की पहचान (प्रयोग चिकित्सा)।
2. न्यूमोसिस्टिस कारिनी / जिरोवेकी न्यूमोनिया की पहचान के लिए टेक्मेन आधारित रिएल टाइम क्वांटीटेटिव पोलीमिरेज चेन प्रतिक्रिया जांच का विकास (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
3. बाल तीव्र ल्यूकीमिया इंडक्शन में प्रारंभिक ऐंटीफंगल प्रोफेलेक्सिस के लिए मुखीय वोरीकोनेजोल बनाम अंतः शिरा अल्प डोज़ एम्फोटेरीसिन बी : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक क्लिनिकल अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।

पत्रिकाएं : 110 **सार : 4** **पुस्तकों में अध्याय : 20**

पुस्तकें/विशेष परिशिष्ट के संपादक/संगोष्ठी : 8

मीडिया : समाचार पत्र में प्रकाशित लेख : 2

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लिनिक सहित)

बाह्य रोगी सेवाएं

बाल चिकित्सा विभाग प्रतिदिन प्रात : 9.00 बजे बाल चिकित्सा ओ पी डी में सामान्य ओ पी डी सेवाएं प्रदान करता है। विभाग द्वारा 15 अतिविशिष्ट सेवाएं प्रदान की जाती हैं जो कि निम्नानुसार हैं :

सेवा का नाम	**नए केस**	**पुराने केस**	**कुल उपस्थिति**
सामान्य ओ पी डी	33068	42176	75244
बाल तंत्रिका क्लिनिक	797	2077	2874
मायोपेथी क्लिनिक	509	920	1429
बाल जठरांत्रविज्ञान हिपाटोलॉजी एवं पोषण	777	3535	4312
स्वस्थ शिशु क्लिनिक	412	672	1084
उच्च जोखिम नवजातविज्ञान क्लिनिक	276	2925	3201
बाल यकृतविज्ञान क्लिनिक	509	3992	4501
बाल छाती क्लिनिक	603	5479	6082
बाल तपेदिक क्लिनिक	391	1905	2296
बाल रुमेटोलॉजी क्लिनिक	191	1634	1825
आनुवंशिकी एवं जन्म दोष क्लिनिक	2622	1469	4091
बाल अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	186	1389	1573
बाल कैंसर उत्तरजीविता क्लिनिक	62	486	548
बाल अंतःस्रावी एवं चयापचय	1144	1561	2705

क्लिनिक			
विकास क्लिनिक	132	143	275
महायोग	41979	70353	1,12,332

इसके अतिरिक्त सिस्टिक फिब्रोसिस एवं बाल चिकित्सा एच आई वी सेवाएं भी बाल छाती क्लिनिक में प्रदान की गई थीं।

तंत्रिकाविज्ञान क्लिनिक, मायोपेथी क्लिनिक, आनुवंशिकी क्लिनिक, उच्च जोखिम, इण्डो, विकास क्लिनिक, बाल छाती क्लिनिक रुमेटोलॉजी क्लिनिक एवं ओ पी डी सेवाओं में रोगियों को भौतिकी चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई थीं। वर्ष 2011-12 के दौरान कुल प्रदान की गई भौतिक चिकित्सा सत्र : 10,120।

बाल जठरांत्रविज्ञान, हिपाटोलॉजी एवं पोषण क्लिनिक बाल छाती क्लिनिक एवं सामान्य ओ पी डी सेवाओं में आने वाले रोगियों को आहार विज्ञान सेवाएं प्रदान की गई थीं।

प्रातः कालीन ओ पी डी + विशेष क्लिनिकों में पोषण हेतु रेफर किए गए रोगियों की कुल संख्या 4012

नए केस 2809 पुराने केस 1203

चिकित्सा समाज सेवाएं

कुल रोगी	10,310		
रोगियों को दी गई सूचना एवं मार्गदर्शन	2750	परामर्श एवं भौतिकी चिकित्सा	2000
रेलवे में छूट जारी करना	2000	आवास में सहायता	240
पांच शुल्कों में छूट	2700		
गरीब रोगियों के लिए वित्तीय सहायता संघटन	600		
अविवाहित मां के अज्ञात शिशुओं का पुनर्वास	8		
समाज कार्य प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण	6		
गरीब रोगी की विविध आवश्यकताएं	6		

(दाह संस्कार का, जन्म स्थानों में शरीर को ले जाने के प्रबंध करना)

अंतरंग सेवाएं

अंतरंग सेवाओं में जनरल दर्द वॉर्ड में भर्ती सुविधाएं, दिवस उपचार सुविधाएं, ओरल रीहाइड्रेशन एकक तथा बाल गहन उपचार सुविधा सम्मिलित है।

अल्प प्रक्रियाओं या इंटरवेंशन की आवश्यकता वाले बच्चों को सी 5 वॉर्ड में स्थित दिवस उपचार में दिन भर के लिए भर्ती किया जाता है।

तीव्र अतिसार से पीड़ित बच्चों को सी 5 वॉर्ड में स्थित ओरल रीहाइड्रेशन यूनिट (ओ आर यू) में भर्ती किया जाता है तथा मुखीय रीहाइड्रेशन थेरेपी प्रदान की जाती है।

गहन उपचार की आवश्यकता वाले बच्चों को बाल गहन उपचार एकक में भर्ती किया जाता है जो कि गंभीर रूप से बीमार बच्चों को उपचार प्रदान करने के लिए सुसज्जित है।

कुल अंतरंग भर्ती	6813
बाल वार्डो में लंबी भर्तियां	1583
दिवस उपचार सुविधा में भर्तियां (अल्प भर्ती)	**5230**
पी आई सी यू में भर्ती रोगी	**221**
मैकेनिकल वेंटीलेशन	**184**

विशेष जांच

अंतःस्राविकीविज्ञान

पानी का अभाव जांच	10	वेसोप्रोसिन चुनौती जांच	10
ए सी टी एच स्टीमुलेशन जांच	20	एच सी जी स्टीमुलेशन जांच	40
जी एन आर एच स्टीमुलेशन जांच	40	डेक्सामिथेसोन दबाव जांच	10
जी एच स्टीमुलेशन जांच	50	संशोधित मुखीय ग्लुकोज़ सहज जांच	40
निरंतर रक्त ग्लुकोज़ निगरानी	10	चल बी पी रिकोर्डिंग	5
एच बी ए ए 1सी (उपचार जांच का पाइंट)	300	मूत्रीय माइक्रोएल्बुमिन	50
17 हाइड्रोक्सिप्रोगेस्ट्रेरॉन जांच	50	निरंतर त्वचीय इंसुलिन इंफ्यूजन	6

जठरांत्रविज्ञान हिपाटोलॉजी एवं पोषण

प्रक्रिया	**संख्या**
ऊपरी जठरांत्र इण्डोस्कॉपी एवं कोलोनस्कोपी	874
कोलोनस्कॉपी (पोलीपेक्टॉमी एवं निदान)	54
नैदानिक यू जी आई ई	417
छोटी आंत बायोप्सी	180
स्ट्रीक्चर डाइलेशन	16
इण्डोस्कोपिक वेरीसिएल लाइमेशन (ई वी एल)	77
इण्डोस्कोपिक स्केलेरोथेरेपी (ई एस टी)	88
लिवर बायोप्सी	55

प्रयोगशाला जांच	**संख्या**	**प्रयोगशाला जांच**	**संख्या**
सिलिएक सीरोलॉजी	800	फीकल वसा	25
डी-जायलॉज़	25		

आनुवंशिकी

विकास / व्यवहारात्मक मूल्यांकन एवं हस्तक्षेप (श्रीमती सविता सप्रा) : 1296

प्रयोगशाला जांच	संख्या	प्रयोगशाला जांच	संख्या
साइटोजेनेटिक्स			
परीसरिए रक्त कल्चर्स	732	कार्योटाइपिंग हेतु कोर्ड कल्चर्स	45
तरल कल्चर्स	256	सी वी एस कल्चर्स	28
जन्मपूर्व जांच के लिए	118		
क्यू एफ पी सी आर			
जैवरसायन			
ट्रिपल मार्कर	1713	एम एस ए एफ पी एकल	17
â एच सी जी एकल	11	दोहरा जांच	177
एमिनो एसिड मेटाबोलिज्म में विकारों के लिए टी एल सी			
मूत्र	138	प्लाज्मा	3
म्यूको पोलीसाकीरीडोसिस का विकार (यूरिन स्पोट जांच)		34	
होमोसिस्टिन्यूरिया जांच	56	मूत्र में तत्वों को घटाना	180
डी एन पी एच	145	एफ ई सी 13	150
यूरिन पोर्फेसिया	53	ओलिगोसाचीराइड्स	13
रक्त आमेनिया	434		
इंबोर्न ऑफ मेटाबोलिज्म के लिए एंजाइम जांच			
रोगियों की कुल संख्या	348		
एकल एंजाइम जांच	182	बहुविध एंजाइम जांच	166
एंजाइम जांच विकार			
एर्ल्सल्फेट ए मेटाक्रोमेटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी			49
बीटा ग्लुकोसोडेज गोचर रोग			43
अल्फा आईड्यूरोनिडेज़ हर्लर संलक्षण (एम पी एस आई)			19
आईड्यूरोनेट सल्फेट हंटर संलक्षण (एम पी एस आई आई)			17
गैलेंक्टोज़ - 6 - मोर्क्यू ए सल्फेट सल्फेटेज़ (एम पी एस IV ए)			15
बीटा गैलेक्टोसीडेज जी एम 1 गैंग्लियोसिडोसिस एवं मोरक्यू बी (एम पी एस IV बी)			38
एरीसुफेरेज़ बी मारोटिएक्स - लेमी संलक्षण (एम पी एस VI)			8

बीटा ग्लुकोरोनिडेज एम पी एस VII			9
हेक्सोसेमियोनिडेज ए टे - सैश			31
जी ए एल टी			39
बायोटिनीडेज़ जांच	47	प्लाज्मा - हेक्सोसेमिनिडेज ए	2
प्लाज्मा - ए एस ए	2	चितोट्रिओसीडेज़ (प्लाज्मा)	18
सी वी एस (एन आई एच)	3	सी वी एस (ए एस ए)	2
सी वी एस (जी एम 1)	1	सी वी एस (एम पी एस-IV ए)	1

आण्विक प्रयोगशाला

थैलासीमिया उत्परिवर्तन अध्ययन (सीक्वैंसिंग एवं ए आर एम एस) 335

थैलासीमिया जन्मपूर्व निदान	123		
डचेन पेशीय डिस्ट्रॉफी परिवार अध्ययन	346		
डचेन पेशीय डिस्ट्रॉफी जन्मपूर्व निदान	21		
सिस्टिक फिब्रोसिस परिवार अध्ययन	70		
सिस्टिक फिब्रोसिस जन्मपूर्व निदान	3		
स्पाइनल पेशीय एट्रोफी परिवार अध्ययन	136		
स्पाइनल पेशीय एट्रोफी जन्मपूर्व निदान	18		
हीमोफिलिया ए परिवार अध्ययन	13	हीमोफिलिया ए जन्मपूर्व निदान	3
फ्रैजाइल X स्क्रीनिंग	174	फ्रैजाइल X जन्मपूर्व निदान	0
जिनोटाइपिंग के लिए इंटरसेक्स	54	स्केलेटल डिस्प्लेसिया उत्परिवर्तन	19
एकोंड्रोप्लेसिया पी एन डी	1	कॉन्नेक्सिन 26 उत्परिवर्तन (सीक्वेंसिंग)	25
एम एल सी उत्परिवर्तन जांच	9	एम एल सी जन्मपूर्व निदान	2
रेट संलक्षण उत्परिवर्तन जांच	80		
रेट संलक्षण जन्मपूर्व निदान (सीक्वेंसिंग)	2		
एम आर (सब्टेलोमेरिक) हेतु एम एल पी ए	74	माइक्रोडिलीशन हेतु एम एल पी ए	70
डी एम डी हेतु एम एल पी ए	49	ऐंगलमेन संलक्षण	3
सी ए एच उत्परिवर्तन अध्ययन	49	सी ए एच जन्मपूर्व निदान	6

प्राडर विल्ली संलक्षण (एम एल पी ए/मेथीलेशन पी सी आर) 32

वृक्कविज्ञान

हीमोडायलेसिस	1237	निरंतर चल पेरीटोनिएल डायलेसिस	18
तीव्र पेरीटोनिएल (ऑटोमेटिड पेरीटोनिएल डायलेसिस सहित)			135
प्लास्माफेरीसिस सत्र			257
अस्थाई हीमोडायलेसिस कैथेटर स्थापन (अंतरंग जुगुलर सबक्लेविएन फीमोरल)			144
रीनल बायोप्सी	130	रीनल प्रतिरोपण	7

तंत्रिकाविज्ञान

ई पी एस प्रयोग

एन सी वी	324	ई एम जी	81
आर एन एस टी	14	नैमिक ई ई जी	1816
एम्बुलेटरी ई ई जी	96	विडियो ई ई जी	36
पेशी बायोप्सीज़	119	त्वचा बायोप्सीज़	30
तंत्रिका बायोप्सीज़	4	धमनी लेक्टेट	280
सी एस एफ लैक्टेट	75	सी एस एफ ऐंट मीजल्स ऐंटीबॉडिज़	12

अर्बुदविज्ञान

अस्थि मज्जा चूषण एवं बायोप्सी	220	इम्यूनोफिनोटाइप	20
अल्पतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी)	100		
5 भाग विश्लेषक हीमोग्राम मूल्यांकन (गंभीर उपचार प्रयोग)	800		
सी एस एफ जांच	460	एफ एन ए सी	50
त्वचा बायोप्सी	15		

लसीका पर्व, ट्यूमर समूह (विकिरण विज्ञान / एवं बाल शल्यचिकित्सा से) से ऊतक बायोप्सी 100

पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार

स्वेट क्लोराइड आकलन	435	फाइबर ओप्टिक ब्रोंकोस्कॉपी	167
स्पिरोमीटरी	1112	शिशु पी एफ टी	87
इंप्लस ओसीलोमीटरी	870		

बाल गहन उपचार

धमनी रक्त गैस विश्लेषण	10500	इलैक्ट्रोलाइट आकलन	8400
ओस्मोलेलिटी	1200	हीमोग्राम	2000
ए बी जी	26000	इलैक्ट्रोलाइट्स	26000

बाल चिकित्सा के एम एस डब्ल्यू एकक के कार्य

- चिरकालिक रूप से बीमार बच्चों के माता पिता को परामर्श एवं मनोचिकित्सा।

- राष्ट्रीय रोग सहायता निधि से औषधि संबंधी मदद का संग्रहण।
- (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत निधि, मुख्य मंत्री राहत निधि, एम पी स्थानीय क्षेत्र विकास निधि, दिल्ली मंत्री के तहत लाडली योजना, संस्थान निर्धन निधि, सी एस आर (कोर्पोरेट शोसल रिस्पोंसीबिलिटी) के तहत एन जी ओ।
- अविवाहित माताओं के अज्ञात शिशुओं का पुनर्वास एवं पुलिस, शिशु कल्याण समितियों तथा बच्चों के लिए कल्याण गृहों को सम्मिलित करके बेसहारा बच्चों का पुनर्वास।
- गरीब रोगी की विभिन्न आवश्यकताओं अर्थात् गरीब रोगी के मृत शरीर का दाह संस्कार का प्रबंध करना, उनके मृत शरीर को उनके जन्म स्थान में पहुंचाने का प्रबंध करना तथा रेफरल कार्य आदि की पूर्ति के लिए सरकार एवं गैर सरकारी सामाजिक एजेंसियों के साथ तालमेल रखना।
- देश के विभिन्न भागों से आने वाले गरीब रोगियों की आवास आवश्यकताओं का प्रबंध एवं व्यवस्था करना।
- कैंसर रोगी, टी बी रोगियों, किडनी रोगियों, अपंग रोगियों तथा हीमोफिलिया के रोगियों के लिए रेलवे में छूट प्रदान करना।
- चिरकालिक रूप से बीमार बच्चों के माता-पिता के सहायता समूह का निर्माण करना जिससे कि वह अपने दुःखों का सामाना करने के लिए अपनी इच्छा शक्ति को दृढ़ करें एवं उनके समान समस्याओं एवं आवश्यकताओं से निपटने के लिए एक दूसरे की सहायता ले सकें।
- बी पी एल कार्ड, आय प्रमाणपत्र, संसद के सदस्य की संस्तुति के आधार पर गरीब रोगी के विभिन्न शुल्कों में छूट प्रदान करना तथा निर्धनता का यथार्थ निर्धारण तथा मूल्यांकन करना।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग

देश में बाल चिकित्सा विशेषता अस्पताल हेतु इण्डिया हेल्थकेयर अवार्ड प्राप्त किया, सी एन बी सी टी वी 18; दि वीक मैगजीन द्वारा निरंतर 5 वर्ष के लिए भारत में श्रेष्ठ बालचिकित्सा विभाग के रूप में सम्मानित; ट्रांस्लेशन रिसर्च इन चाइल्ड हेल्थ हेतु डी बी टी केंद्र बना हुआ है; डी बी टी द्वारा गठित नेशनल बायोडिजाइन एलाइंस का सहभागी केंद्र बना हैं; पयार्यवरण अनुकूल, अल्प लागत, डिस्पोजेबल नवजात शिशु के डायपर लिए पेटेंट को सह - दायर किया; सिलिएक रोग के लिए विभाग का एक नए प्रकार का पेंटेंडिट शीघ्र जांच को विकसित किया गया है तथा उसकी क्षेत्र जांच चल रही है; स्टेनफोर्ड - इण्डिया बायोडिजाइन के सहयोग के साथ दो उन्नत प्रौद्योगिकियों (i. श्रवण मूल्यांकन पद्धति, ii पैर से संचालित नवजात पुनरुज्जीवन पद्धति) का विकास; पी एच डी कार्यक्रम के लिए औपचारिक फाउण्डेशन पाठ्यक्रम को आरंभ करना; विस्तृत विचार विमर्श के पश्चात् रिजल्ट फ्रेमवर्क डोक्युमेंट का निर्माण।

आनुवांशिकी

यह प्रभाग डब्ल्यू एच ओ कोलाब्रोरेटिंग सेंटर फॉर क्लिनिकल जेनेटिक्स फॉर साउथ ईस्ट एशिया रीज़न का मेजबान बना हुआ है।

नवजातविज्ञान

इस प्रभाग ने www.newbornwhocc.org वेबसाइट का निर्माण किया है। इसमें प्रभाग की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है तथा यह प्रभाग द्वारा विकसित किए गए डेटा संग्रहण हेतु सॉफ्टवेयर तथा अध्ययन स्रोत सामग्रियों के लिए निःशुल्क सुविधा प्रदान करता है। इसे इस वर्ष 100,000 बार देखा गया है। द्वितीय वर्ष 'एडवांस्ड सेंटर फॉर न्यूबोर्न हेल्थ रिसर्च' के रूप में अनुमोदित है, आई सी एम आर, नई दिल्ली; 15 वर्ष के लिए नवजात उपचार में डब्ल्यू एच ओ कोलाबोरेटिंग सेंटर फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च बना हुआ है; पी जी आई, चण्डीगढ़ के साथ प्रत्येक दो सप्ताह में नियमित आधार पर डी एम नवजातविज्ञान फेलो के लिए नियमित टेली-शिक्षा का संचालन किया। इसमें दोनों संस्थानों के संकाय एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया; स्वास्थ्य व्यवसायियों के लिए

ई-इंटरएक्टिव प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन लर्निंग हेतु पैकेज का विकास किया। इसका प्रयोग सहभागी संस्थानों में भारत एवं एशिया में दूरस्थ स्थानों में कौशल अध्ययन सहित स्वास्थ्य व्यवसायियों को शिक्षित करने में किया जा रहा है। सिस्टर जोसिन 'ट्रेशरी केयर में प्रथम तीन जन्मोत्तर दिनों के दौरान स्तनपान समस्याएं : एक अग्रदर्शी कोहार्ट अध्ययन' पर राष्ट्रीय नवजातविज्ञान फोरम की वार्षिक बैठक में गोल्ड मेडल जीता।

वृक्कविज्ञान

बालचिकित्सा वृक्कविज्ञान प्रभाग को 12वें एशियन कांग्रेस ऑफ पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, नई दिल्ली, 2014 को रखने के लिए बोली प्रदान की गई थी।

आचार्य विनोद के पाल डब्ल्यू एच ओ द्वारा आयोजित ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर मेटेर्नल, न्यूबोर्न एण्ड चाइल्ड हेल्थ (पी एम एन सी एच) के बोर्ड के सह सभापति थे; सभापति, टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन चाइल्ड हेल्थ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; सभापति, डिवेलपिंग ए बैचलर ऑफ रुरल हेल्थकेयर कोर्स पर समिति, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद; सदस्य, माननीय प्रधानमंत्री के निर्देश पर योजना आयोग द्वारा गठित यूनीवर्सल हेल्थकेयर कवरेज पर उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह; मानव स्वास्थ्य संसाधनों पर उप - समूह की अध्यक्षता; सदस्य, एन आई एच / एन आई सी एच डी तथा आई सी एम आर द्वारा साझी मातृक एवं शिशु स्वास्थ्य अनुसंधान पर इण्डो - यू एस संयुक्त कार्यरत समूह; सदस्य, महिला एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर इंटर गवर्नमेंटल इण्डो - यू एस कार्यरत समूह; सदस्य, अफोर्डेबल हेल्थकेयर बायोटेक्नोलॉजिस पर कमेटी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग; सदस्य, रिसर्च इन वीमेन, हेल्थ एण्ड न्यूट्रीशन पर कमेटी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग; सदस्य, चाइल्ड राइट्स एण्ड ह्यूमन रिसोर्सिस फॉर हेल्थ पर XII प्लान ग्रुप, योजना आयोग; सदस्य, प्रतिरक्षण पर नेशनल टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप (एन टी ए जी आई), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; सदस्य, डिपार्टमेंट ऑफ वीमेन एण्ड चाइल्ड डिवेलपमेंट की नेशनल कोडेक्स कमेटी; सदस्य, नवजात सेप्सिस के लिए एक नवीन, उपचार बिंदू के विकास को आरंभ करने के लिए पी ए टी एच गेट्स फाउण्डेशन हेतु तकनीकी सलाहकार समिति; सदस्य, अनुसंधान एन जी ओ स्नेहा (मुंबई) की तकनीकी सलाहकार समूह; (क) पोस्ट नेटल होम जाने (ख) मूल पुनरुज्जीवन तथा (ग) छोटे अस्पतालों में नवजात शिशुओं एवं बच्चों के उपचार के लिए क्लिनिकल उपचार मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए डब्ल्यू एच ओ जीनिवा हेतु अस्थाई सलाहकार; सदस्य, क. शिशु मृत्युदर पर नवजात विटामिन ए परिपूरक के प्रभाव पर डब्ल्यू एच ओ बहु केंद्र अध्ययन तथा क. नवजात संक्रमण जांच में अल्प ऐंटीबायोटिक उपचार पर एस एन एल बहु - स्थल अध्ययन के लिए डेटा सेफ्टी निगरानी बोर्ड; सदस्य, चाइल्ड हेल्थ एपिडिमियोलॉजी रिसर्च ग्रुप (इण्डिया); आई सी एम आर की निम्नलिखित समितियों के सदस्य; अपरिपक्वता पर टास्क फोर्स, नवजात संक्रमण निगरानी तंत्र हेतु वैज्ञानिक सलाहकार समिति तथा सदस्य, नवजात शिशु का घर पर ही उपचार पर टास्क फोर्स अध्ययन तथा यंग शिशु अध्ययन हेतु कोर ग्रुप; सदस्य, नई औषधियां तथा टीका सलाहकार समिति, ड्रग्स कंट्रोलर ऑफ इण्डिया; सदस्य, प्रिकंसेप्शनल एवं प्रिनेटल डायग्नोस्ट्किस अधिनियम पर सेंट्रल सुपरवाइजरी बोर्ड, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; सदस्य, अकादमिक समिति, पॉण्डीचेरी विश्वविद्यालय; सदस्य, अकादमिक समिति, अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुंबई; सदस्य, जॉन्स होप्किंस यूनीवर्सिटी के बेटर बर्थ आंरभ पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति, बॉल्टीमोर, यू एस ए; नेपालिज़ कांग्रेस ऑफ पेडियाट्रिक्स का अम्बिका भाषण दिया, काठमाण्डू; यूनीवर्सल हेल्थ कवरेज पर भुवनेश्वर में राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन को संबोधित किया।

आचार्य ए के देवरारी एवं डॉ. रमेश अग्रवाल ने ईरान के बालचिकित्सकों के लिए नियोनेटल वेंटीलेशन पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का संचालन किया, 19-24 नवंबर, तेहरान, एम ओ एच तथा यू एन एफ पी ए द्वारा समर्थित; मोरीशिस के बालचिकित्सकों के लिए नियोनेटल वेंटीलेशन पर कार्यशाला चलाना, 16-19 जून 2011, ला बेली, मोरीशिस।

आचार्य एस के काबरा ने डॉ. एम एस आर मेमोरियल इण्डोमेंट ओरेशन 2011 में निम्नलिखित भाषण दिएः समुदाय अर्जित निमोनिया : विकासशील देशों में चुनौतियां, कांचीकाम्कोटी अस्पताल चेन्नई, दिनांक 1 मई 2011; डॉ. एन सोमु भाषण : सिस्टिक फिब्रोसिस तब और अब, XXIII नेशनल कांफ्रेंस ऑफ रेस्पिरेटरी चैप्टर (आर ई एस पी आई सी ओ एन 2011) में, पुणे, दिनांक 12 नवंबर 2011; डॉ. के सी चौधरी मेमोरियल भाषण : 'समुदाय अर्जित न्यूमोनिया : चुनौतियां एवं समाधान', शिशु स्वास्थ्य संस्थान

में, कलकत्ता, दिनांक 18.3.2012; भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के बच्चों में एच आई वी संक्रमण पर रीव्यू ग्रुप (पी आर जी) मीटिंग की अध्यक्षता की, 13 दिसंबर 2011; 'वेक्सीन ग्रांड चैलेंज प्रोग्राम हेतु एपेक्स टेक्नीकल कमेटी;' भारत सरकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कार्यान्वित हेतु नामांकित; एन आई एच, सी डी सी तथा फेडरल टी बी टास्क फोर्स द्वारा वाशिंगटन, डी सी में दिनांक 28-30 जून 2011 को आयोजित सहभागी के रूप में आमंत्रित वयस्क एवं बाल जनसमुदायों में टी बी एवं एच आई वी निदान पर कार्यशाला में भाग लिया।

आचार्य मधुलिका ने दिनांक 13-15 दिसंबर 2011 को अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली, भारत में डब्ल्यू एच ओ दक्षिण पूर्व क्षेत्र में जन्म दोषों पर एक्सपर्ट ग्रुप मीटिंग को आयोजित किया तथा 'जेनेटिक डायग्नोस्टिक लैबोरेटीज़ मोलीक्यूलर जेनेटिक्स, साइटोजेनेटिक्स, बायोकैमिकल्स जेनेटिक्स तथ न्यूबोर्न स्क्रिनिंग में एन इंट्रोडक्शन टू क्वालिटी एश्योरेंस' पर कार्यशाला का आयोजन किया, 9-10 फरवरी 2012, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

डॉ. पंकज हरी राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के मनोनीत सदस्य थे; बालचिकित्सा वृक्क विज्ञान, जरनल ऑफ इंटरनेशनल पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के लिए समीक्षक।

डॉ. शेफाली गुलाटी फेलो थी, आई एम एस ए; सदस्य आई सी एम आर टास्क फोर्स; आई ई एम; राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड सदस्य, इण्डियन रेट सिंड्रोम फाउण्डेशन; विद्यार्थियों को अवार्ड (4); एडिटोरिएल बोर्ड सदस्य के रूप में सेवा की (2); समीक्षा संपादक (1); लीड गेस्ट संपादक (1) पत्रिका हेतु समीक्षक; 20 (बी एम जे ओपन, वंशागत चयापचयी रोग पत्रिका सहित); 16 व्यवसायिक निकायों के सदस्य; डी जी एच एस, नई दिल्ली, 2011 की अध्यक्षता के तहत राष्ट्रीय मिरगी नियंत्रण कार्यक्रम के निरूपण हेतु बैठक में भाग लिया; ब्रिटिश साइकोलॉजिकल सोसायटी, दि रॉयल कॉलेज ऑफ साइकिएट्रिस्ट्स तथा दि बी एम जे पब्लिशिंग ग्रुप द्वारा प्रकाशित एन इंटरनेशनल डाइजेस्ट, साक्ष्य आधारित मानसिक स्वास्थ्य हेतु विवरणकार; राष्ट्रीय मिरगी नियंत्रण कार्यक्रम के विकास हेतु विशेषज्ञ; राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् राष्ट्रीय ट्रस्ट डी एस टी, डी बी टी हेतु तंत्रिकाविज्ञान परियोजनाओं हेतु विशेषज्ञ, सदस्य, नेशनल फॉर्मुलेटरी ऑफ इण्डिया के पथ संस्करण का प्रारूप तैयार करने के लिए कमेटी; भारतीय मिरगी सोसायटी के छः माह के ई ई पी जी कार्यशालाओं के लिए संकाय; भारतीय मिरगी सोसायटी के मिरगी शिक्षण कार्यक्रम (ई टी पी) के लिए संकाय; विकासात्मक तंत्रिकाविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए अतिथि संकाय, तिरुवनंतपुरम; आर्य आर, गुलाटी एस, ईट ऑल द्वारा पेपर्स फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन नामक शीर्षक जो बच्चों में फेनीटोन - प्रवृत्त गिंगिवल अतिवृद्धि को रोकता है, तंत्रिकाविज्ञान 2011 में प्रकाशित। आचार्य नेथान वी. फाउंडेशन के साथ (गुलाटी एस एवं आर्य आर) पोडकास्ट साक्षात्कार, वर्जिनिया विश्वविद्यालय, 1000 के संकाय द्वारा विशिष्ट के रूप में भी मूल्यांकित हुए एवं जैवविज्ञान तथा कायचिकित्साविज्ञान में 2 प्रतिशत प्रकाशित लेखों में सम्मिलित हुए; नेटवर्क संयोजक, राष्ट्रीय अध्ययन की साइट पी आई : भारत में बच्चों में तंत्रिका - विकासात्मक अपंगताएं : एन इंक्लेन अध्ययन एन आई एच, ओटिस्म स्पीक्स, नेशनल ट्रस्ट द्वारा वित्तपोष्ति; ओटिस्म, ए डी एच डी, मिरगी, सेरेब्रल पाल्सी हेतु विकसित एवं वैधीकरण कल्चर सुग्राही नैदानिक उपकरण; समुदाय में 10 तंत्रिकाविकासात्मक विकारों के लिए जांच हेतु एक तंत्रिकाविकासात्मक स्क्रीनिंग यंत्र को विकसित किया जो वर्तमान में वैधीकरण के तहत है; पी एच डी मौखिक परीक्षा के लिए बाह्य विशेषज्ञ, छत्तरपति शाहुजी महाराज मेडीकल यूनीवर्सिटी, लखनऊ; नवजात दौरों एवं संबंधित विकारों (आई एस एन एस) पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए बर्सेरी पुरस्कार, टोक्यो, 8 से 10 अप्रैल 2011; ओटिस्म से पीड़ित बच्चे के उच्च न्यायालय आदेश मूल्यांकन के लिए मेडीकल बोर्ड हेतु सभापति।

डॉ. राकेश लोढ़ा बाल चिकित्सा एच आई वी, नाको एवं भारत सरकार तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य; सह संपादक, भारतीय बालचिकित्सा, अनुभाग संपादक, इण्डियन जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स, ट्रांस्लेशनल हेल्थ साइंसिस तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की एथिक्स कमेटी के सभापति।

डॉ. रचना सेठ इंटरनेशनल हिस्टियोसाइट सोसायटी की सदस्य थीं। 'बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान रोगियों में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक एपिसोडों में प्रतिकूल परिणाम के पूर्वसूचकों का मूल्यांकन के पर्यवेक्षण के तहत कार्य किया वर्ष 2010-11 के लिए श्रेष्ठ आई जे पी शोध प्रबंध पुरस्कार जीता; बच्चों में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिया के पूर्वसूचकों के पर्यवेक्षण के तहत किए गए कार्य के लिए एम डी

विद्यार्थी को अर्बुदविज्ञान में श्रेष्ठ अनुसंधान कार्य के लिए गीता मित्तल गोल्ड मेडल प्रदान किया गया; 'फोन इन लाइव प्रोग्राम : कैंसर के कारण, उपचार एवं निवारण' (आकाशवाणी) में आमंत्रित वार्ता, 7 नवंबर 2011, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस; महिला एवं शिशु विकास, भारत सरकार के तहत स्वायत्त निकाय, सेंट्रल एडोप्शन रिसोर्स एजेंसी (सी ए आर ए) की एन ओ सी समिति के नामित सदस्य तथा अगस्त 2011 से इस समिति की सेवा कर रही हैं।

डॉ. वंदना जैन अनुभाग संपादक नियुक्त हुई (अंतःस्राविकी विज्ञान, चयापचय, वृद्धि एवं विकास), इण्डियन जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स; अंतस्रावी एवं चयापचयी विकारों में समीक्षाएं; हेतु फीटल वृद्धि बाधा पर विशेष प्रकाशन के लिए अतिथि संपादक; (इंपेक्ट कारक > 6); सदस्य, शिक्षण सूची समिति एवं अ. भा. आ. सं. की पाठ्यक्रम समिति।

डॉ. प्रतिमा रे ने 'टीका' सत्र की अध्यक्षता की, फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटीज़ ऑफ एशिया ओसिनिया का 5वां सम्मेलन, 14-17 मार्च 2012, नई दिल्ली; आमंत्रित विशेषज्ञ आई आई टी, मुंबई में जैव विज्ञान टास्क फोर्स मीटिंग, 6-7 जनवरी 2011; आमंत्रित विशेषज्ञ, 'भारत को परिवर्तित करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिदृश्य' पर ब्रैनस्ट्रोमिंग मीट, टी आई एफ ए सी ऑडिटोरिएम, नई दिल्ली, 25 जनवरी 2011; आमंत्रित सदस्य, निदान के लिए संयुक्त इण्डो - फिनलैण्ड सेंटर को स्थापित करने के लिए सभी स्टॉकहोल्डरों के साथ मीटिंग रखने के लिए सरकारी प्रतिनिधि मण्डल, 27 जनवरी 2011।

सुश्री अनुजा अग्रवाल 'दक्षिण - पूर्व एशिया में अस्पताल पोषण पद्धतियां' पर तकनीकी परामर्श में आमंत्रित विशेषज्ञ, डब्ल्यू एच ओ तथा एन एफ आई, इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 30 नवंबर 1 दिसंबर 2010; आमंत्रित विशेषज्ञ, एफ ए ओ - डब्ल्यू एच ओ तथा इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनोमिक्स (दिल्ली विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 'एशियाई क्षेत्र में देशों के लिए आहार आधारित आहार संबंधी मार्गदर्शन' 6-9 दिसंबर 2010; सिलियक सोसायटी फॉर दिल्ली द्वारा सिलियक रोग के कारण तथा सिलियक सोसायटी हेतु निरंतर योगदान सहायता देने के लिए सराहना प्रमाणपत्र दिया गया, 15 जनवरी 2012; अमेरिकन डायटेटिक एसोसिएशन द्वारा इंटरनेशनल डायटेटिक्स एण्ड न्यूट्रिशन टर्मिनोलॉजी (आई डी एन टी) के लिए स्वयंसेवी संकल्पना समीक्षक के रूप में चुने गए, 2011 - अब तक; सदस्य फंक्शनल फूड, न्यूट्रासियूटिकल्स, डाइटेटिक प्रोडक्ट एण्ड अदर सिमिलर प्रोडक्ट्स' खाद्यय सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, 2009-2011, 2012-14 के तहत स्थापित संवैध ाानिक नियामक प्राधिकरण, भारतीय खाद्यय एवं मानक प्राधिकरण; सदस्य, 'भारत में संसाधित एवं गैर - संसाधित आहार की खपत का मूल्यांकन' नामक अध्ययन की समीक्षा करने के लिए एफ एस एस ए आई द्वारा तकनीकी विशेषज्ञ समिति, विद्यालयों में गुणवत्ता एवं सुरक्षित भोजन को उपलब्ध कराने के लिए दिशा-निर्देशों के विकास के लिए किराए पर परामर्श के लिए एफ एस एस आई द्वारा लागू रुचि की अभिव्यक्ति के कारण तकनीकी बोली के मूल्यांकन के लिए समीक्षा मीटिंग में भाग लिया, एन आई एन, हैदराबाद, 21 मार्च 2012; सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड, जरनल ऑफ इण्डियन डायटेटिक एसोसिएशन (जे आई डी ए), 1 जनवरी 2012 - अब तक; मौलाना आजाद मेडीकल कॉलेज में आहारविज्ञों के चयन के लिए साक्षात्कार का संचालन करने के लिए दिल्ली स्टेट हेल्थ मिशन (एन सी टी सरकार, दिल्ली) के साक्षात्कार बोर्ड के बाह्य विशेषज्ञ; भारतीय मानकों के अनुसार निम्नलिखित दस्तावेजों के अंगीकार की उपयुक्तता तथा इसे संस्तुति प्रदान करने के अध्ययन करने के लिए एफ एस एस ए आई का एफ ए डी 24 / पैनेल IV स्पेशिलाइज्ड प्रोडक्ट्स सेक्शनल कमेटी, के तहत गठित पैनल के सदस्य।

- विशेष चिकित्सा प्रयोजनों के लिए भोजन हेतु लेबलिंग तथा मांग के लिए कोडेक्स मानक।
- विटामिन एवं मिनरल खाद्यय अनुपूरकों के लिए कोडेक्स दिशा-निर्देश।
- विशेष आहार संबंधी प्रयोग के लिए पूर्व पैकड खाद्यय के लिए लेबलिंग एवं मांग हेतु कोडिक्स मानक।
- 'भोजन में प्रोबायोटिक्स के मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देश' पर संयुक्त डब्ल्यू एच ओ / एफ ए ओ कार्यरत समूह दस्तावेज।

अतिथि वैज्ञानिक

अंतः स्राविकीविज्ञान

1. डॉ. पी एस एन मेनन, अध्यक्ष, बालचिकित्सा विभाग, जाबेर ए 1 - अहमद आर्मड फोर्सिस हॉस्पिटल सल्मिया, कुवैत, यौन विकास के विकारों पर वार्ता प्रस्तुत की, सितंबर 2011।

आनुवांशिकी

1. डॉ. शांकांग (ट्रिवर) लु, परियोजना संयोजक, बी जी आई एशिया - पैसिफिक अनुसंधान एवं सहयोग प्रभाग, बी जी आई - शेंजेन।
2. चित्रा प्रसाद एम डी एफ आर सी पी सी एफ सी सी एम जी एफ ए सी एम जी, सह आचार्य, आनुवांशिक चयापचय एवं बाल चिकित्सा, 800 कमीशनर रोड़, ईस्ट, लंदन।
3. डॉ. रिचर्ड ए. गट्टी, एम डी, रीबेका स्मिथ प्रतिष्ठित आचार्य, यू सी एल एल स्कूल ऑफ मेडिसिन, विकृतिविज्ञान विभाग एवं प्रयोगशाला चिकित्सा।
4. डॉ. त्रिलोचन साहू एम डी, एम ए सी एम जी, क्वीस्ट डायग्नोस्टिक्स निकोलस इंस्टीट्यूट।

नवजातविज्ञान

आचार्य विनोद भुटानी, स्टैंफोर्ड यूनीवर्सिटी, यू एस ए आचार्य हरेश कृपलानी, फिलाडेल्फिया विश्वविद्यालय, यू एस ए।

आचार्य जेफरी गौल्ड, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यू एस ए।

सुश्री बार्बी लिग्गेट, नवजात नर्स प्रैक्टिशनर, हैल्फिएक्स।

सुश्री कैथी जॉनसन, श्वसन थेरेपिस्ट, हैल्फिएक्स।

वृक्कविज्ञान

- डॉ. फर्नानूडो संतोस, हॉस्पिटल यूनीवर्सिटारियो अवियोडु, स्पेन में बालचिकित्सा के आचार्य एवं अध्यक्ष; डॉ. रुक्शना शोर्फ, परामर्शदाता, बालचिकित्सा नेफ्रोलॉजिस्ट, ग्रेट ओर्मोंड स्ट्रीट हॉस्पिटल, लंदन, यूनाइटिड किंगडम; एवं आचार्य हुई किम याप, अध्यक्ष एवं वरिष्ठ परामर्शदाता, बालचिकित्सा वृक्कविज्ञान (किडनी) प्रभाग, डायलेसिस एवं रीनल प्रतिरोपण एवं बाल चिकित्सा में आचार्य, योंग लू लिन स्कूल ऑफ मेडिसिन, नेशनल यूनीवर्सिटी ऑफ सिंगापुर प्रभाग में आए एवं उन्होंने बाल चिकित्सा वृक्कविज्ञान, अ. भा. आ. सं. में 5वें वार्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में संकाय सदस्य के रूप में भाग लिया, 6-8 जनवरी 2012।
- डॉ. रुलन पारेख, सह आचार्य, बालचिकित्सा एवं कायचिकित्सा विभाग, टोरेंटो विश्वविद्यालय तथा कायचिकित्सा तथा जानपदिक रोग विज्ञान, जॉन्स हॉप्किंस विश्वविद्यालय दिनांक 17 मार्च 2012 को बाल चिकित्सा वृक्कविज्ञान प्रभाग में आए तथा 'नेफ्रोटिक संलक्षण : दि इंसाइट अध्ययन' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- डॉ. जोनाथन क्रैग वेस्टमीड, ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के अस्पताल में बालचिकित्सा वृक्कविज्ञानी तथा सभापति, नैदानिक जानपदिकरोग विज्ञान, स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, यूनीवर्सिटी ऑफ सिडनी दिनांक 18 मार्च 2012 को बालचिकित्सा वृक्कविज्ञान प्रभाग में आए।

तंत्रिकाविज्ञान

असुरी एन प्रसाद, सह आचार्य, बालचिकित्सा एवं तंत्रिकाविज्ञान।

अर्बुद विज्ञान

डॉ. पी एस कादम, अध्यक्ष कैंसर कोशिका आनुवंशिकी प्रयोगशाला, टाटा मेमोरियल अस्पताल ने व्याख्यान दिया (i) बालचिकित्सा रुधिररोगविज्ञान असाध्यताओं के व्यापक नैदानिक एवं पूर्वभासी प्रगति में कोशिका आनुवंशिकी, आण्विक आनुवंशिकी का प्रभाव तथा (ii) बाल दृढ़ ट्यूमरों के निदान, पूर्व सूचक एवं विकृतिजनन में कोशिकाजेनेटिक तथा आण्विक आनुवंशिकी अनुप्रयोग।

पुल्मोनोलॉजी

डॉ. संजय जैन, सह आचार्य, संक्रमित रोग, जॉन हॉप्किंस विश्वविद्यालय, यू एस ए।

9.27 बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी. भटनागर

आचार्य

डी. के. गुप्ता

एम. बाजपेयी (पुनर्ग्रहणाधिकार पर)

अपर आचार्य

एस. अग्रवाल

एम. श्रीनिवास

विशिष्टताएं

प्रो. डी. के. गुप्ता ने छत्रपति साहू जी महाराज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में अप्रैल 2011 में कुलपति के पद पर कार्यभार संभाला। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस ऑफ पेडियाट्रिक सर्जंस तथा केलगरी विश्वविद्यालय के प्रो. डेविड सिगलेट ने विभाग का दौरा किया और संकाय सदस्यों तथा रेजीडेंटों के साथ बाल शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण पर एक इंट्रैक्टिव सत्र में भाग लिया। एम सी एच पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, विभाग भारतीय तथा विदेशी बाल शल्य चिकित्सकों हेतु अल्पकालीन प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख स्थल बन चुका है। विभाग ने तीन सम्मेलनों का आयोजन किया और संकाय सदस्यों ने देश के विभिन्न भागों में 19 अतिथि व्याख्यान तथा 4 लाइव ऑपरेशन प्रदर्शन निष्पादित किए। विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में संकाय सदस्यों तथा रेजीडेंटों द्वारा कुल 22 वैज्ञानिक पत्र पढ़े गए। संकाय सदस्य 55 अनुसंधान परियोजनाओं में सम्मिलित हैं और बाहरी अनुदानों के माध्यम से कुल 1.03 करोड़ रुपए जनित किए। प्रकाशनों में प्रमुख समीक्षित तथा सूचीबद्ध पत्रिकाओं में 23 पत्र तथा 5 सार और 2 पुस्तकों के अध्याय सम्मिलित हैं। रोगी उपचार सुविधाओं के अंतर्गत लगभग सभी क्षेत्रों; जिसमें विभाग संलग्न है, में गुणात्मक तथा परिमाणात्मक रूप से उन्नति प्राप्त की है। संकाय सदस्यों को उनके सर्वश्रेष्ठ कार्य तथा विशेषज्ञता के लिए सम्मानित किया गया।

शिक्षा

सी एम ई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

1. "बच्चों में यौन विकास के विकारों" पर राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी तथा मतैक्य बैठक। इसका आयोजन इण्डियन एण्ड एशियन सोसायटिज़ फॉर पैडियाट्रिक यूरोलॉजी के तत्वावधान में किया गया, 15 सितंबर 2011, रामालिंगास्वामी सभागार, अ. भा. आ. सं.।
2. स्यूचर प्रैक्टीकम, 25 फरवरी 2012।
3. बाल शल्य चिकित्सकों हेतु ऊर्जा स्रोतों पर संगोष्ठी, 24 मार्च 2012।

व्याख्यान तथा लाइव ऑपरेशन प्रदर्शन

वी. भटनागर : 14

एस. बाजपेयी : 5

एस. अग्रवाल : 1

एम. श्रीनिवास : 3

संकाय, रेजीडेंटों तथा स्टाफ सदस्यों द्वारा प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची : 22

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. कनजेनिटल यूनीलेटरल यूरीटेरोपेल्विक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन में क्रॉनिक इंटरस्टिशियल न्यूरोपैथी के नैदानिक तथा आण्विक मार्करों का एक अध्ययन (गैर आनुवांशिकी मार्कर)। एम. बाजपेयी। आई सी एम आर, 2011 - 14; 38 लाख रुपए।
2. पॉस्टीरियर यूरेथ्रल वॉल्वों (पीयूवी) के निदान तथा उपचार में आण्विकीय मार्करों (गैर आनुवांशिक) की भूमिका का अध्ययन करना। एम बाजपेयी। आई सी एम आर : 2011 - 14; 37 लाख रुपए।
3. फीनोटाइपिक लक्षण वर्णन, इमेजिंग तथा स्यूचरलहिस्टोमॉर्फोलॉजी के संबंध में क्रेनियोसाइनोस्टोसिस के एटियोपैथोजेनेसिस का एक अध्ययन। एम. बाजपेयी। आई सी एम आर : 2010-13, 28 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. क्रिप्टोचिडिज्म की गंभीरता के संबंध में टेस्टीक्यूलर दुष्क्रिया के निर्धारकों के रूप में बायोसिंथेटिक पेराक्राइन तथा इंडोराइन त्रुटियों पर अध्ययन।
2. हाइपोस्पेडियास हेतु द्वि अवस्था मरम्मत का दीर्घावधिक परिणाम।
3. चूहों में कोलोनिक एनास्टामोसिस के ठीक होने पर इस्कैमिक / रीपरफ्यूजन इंज्यूरी के डीलिट्रियोन्स प्रभावों को रोकने के लिए एमिनोगुएनिडाइन की भूमिका।
4. हिरसकप्रंगस रोग के ऑपरेशन किए गए मामलों में दीर्घावधिक कार्यात्मक परिणाम तथा जीवन की गुणवत्ता।
5. वाहिकामय कुरचनाओं में इंट्रालीजनल सोडियम टेट्रा डीयलसल्फेट (एस टी एस) इंजैक्शन का मूल्यांकन।
6. प्राइमरी वेसिकोयूरेटेरिक रीफ्लस्क हेतु ऑपरेशन किए गए रोगियों का दीर्घावधिक फोलोअप।
7. यौन विकास के विकारों (डी एस डी) की नैदानिक प्रोफाइल तथा एटियोपैथोजेनेसिस का अध्ययन करना।
8. रीनल रीकवरी पर प्रायोगिक रूप से उत्प्रेरित यूनिलेटरल पार्शियल यूरेटरिक ऑब्स्ट्रक्शन तथा रीनीन एंजियोटेन्सिन ब्लॉकेड के प्रभावों के पश्चात् रीनल इंजूरी के प्रारंभिक, गैर - आक्रामक मार्कर के रूप में चूहें के मूत्र में टी जी एफ बी 1 तथा टी जी टी बी - 1 एम आर एन ए में परिवर्तनों का अध्ययन करना (ए टी II ब्लॉकर, ए सी ई इनहिबिटर तथा एंटी रेनिन ड्रग द्वारा उत्प्रेरित आर ए एस ब्लॉकर, एलिसकिरेन)
9. ईसोफैगियल आर्टिसिया - ट्रैकियाईसोफैगियल फिस्टूला हेतु ऑपरेशन करवाने के बाद पहले वर्ष के दौरान रोगियों की नैदानिक प्रोफाइल का अध्ययन करना।
10. हेपाटोब्लास्टोमा रोगियों में पूर्वानुमान का का पता लगाने में डी एन ए प्लोइडी का मूल्यांकन।
11. कंजेनिटल डायफ्रेगमेटिक हर्निया के रोगियों में तंत्रिका व्यवहारात्मक परिणाम का मूल्यांकन।
12. बच्चों में न्यूरो ब्लास्टोमा के उपचार में ऑपरेशन तथा रेडियोथेरेपी के सम्मिश्रण में साइक्लोफोस्फामाइड, डोक्सोरुबीसिन, ईटोपोसाइड तथा सिस्प्लेटिन वाली साधारण रूप से सघन कीमोथेरेपी का प्रयोग करते हुए उनके परिणाम।
13. बाल दुर्दम जीवाणु कोशिका अर्बुदों के उपचार में प्लेटिनम आधारित रिजाइमों के प्रयोग का परिणाम।
14. एन डब्ल्यू टी एस - 5 रेजीमन का उपचार ले रहे विलम्स अर्बुद से पीड़ित बच्चों के उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन।
15. आई आर एस - 5 रेजीमन का उपचार प्राप्त कर रहे हेपाटोब्लास्टोमा से पीड़ित बच्चों के उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन।

16. प्लाडो रीजाइम का उपचार प्राप्त कर रहे हेपाटोब्लास्टोमा से पीड़ित बच्चों के उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन।

17. मानक जोखिम हेपाटोब्लास्टोमा हेतु मोनोथेरेपी।

18. गुरदे के क्लियर सैल सारकोमा के उपचार हेतु पांच ड्रग रेजीमन हेतु अग्रदर्शी अध्ययन।

19. मानक जोखिम हेपाटोब्लास्टोमा के उपचार में सिस्प्लेटिनमोनोथेरेपी की भूमिका।

सहयोग

जारी

1. एशियाई भारतीय बच्चों में क्रेनियोसाइनोस्टोसिस तथा इसके लक्षण वर्णन का जीनोटाइपिक एवं फीनोटाइपिक अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा)।
2. एक्स्ट्राहेपटिक बाइलरी कोलिस्टेसिस से पीड़ित बच्चों के यकृत ऊतक में मानव साइटोमेगालोवायरस डी एन ए का अध्ययन (सूक्ष्म जैव विज्ञान, विकृतिविज्ञान)
3. बाइलरी एटरेसिया के रोगियों में विटामिन डी तथा ट्रैस तत्वों के विशेष संदर्भ में वृद्धि तथा पौषणिक स्थिति का मूल्यांकन (बाल चिकित्सा, अंतःस्राविकी विज्ञान, विकृतिविज्ञान)।
4. कॉलीडोकल सिस्ट के रोगियों में यकृत, सामान्य चैनल की लंबाई तथा मात्रा में बाइल, ऊतकविकृतिविज्ञानी परिवर्तनों में जैवरासायनिक परिवर्तनों के साथ इंट्रासिस्टिक दबाव को सहसंबंधित करना। (विकिरणनिदान, विकृतिविज्ञान)।
5. विभिन्न हेपाटोबाइलरी रोग वाले राज्यों में पित्त का विश्लेषण : एक अग्रगामी अध्ययन (प्रयोगशाला चिकित्सा, जठरांत्ररोगविज्ञान)
6. कॉलीडोकल सिस्ट से पीड़ित रोगियों में पोर्टल हाइपरटेंशन के आपत्तन का मूल्यांकन करना तथा पोर्टल हाइपरटेंशन एवं यकृत ऊतकविज्ञान वाले परिसरीय रक्त में सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड स्तरों के साथ सह संबंधित करना (जैव रसायन, विकृतिविज्ञान),
7. ई एच बी ए रोगियों में पोर्टल हाइपरटेंशन के आयतन का मूल्यांकन करना तथा परिसरीय रक्त में सीरम निट्रिक ऑक्साइड स्तरों के मापन द्वारा कासाई पोरटोइंटेरोस्टॉमी के पश्चात् इसकी प्रगति का निरीक्षण करना (जैव रसायन, विकृतिविज्ञान)।
8. बाइलरी एटरेसिया के रोगियों में पोर्टल प्रैशर, सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड स्तरों तथा यकृत ऊतकविकृतिविज्ञान के साथ हेपाटिकड्यूपलेक्स सोनोग्राफी को सहसंबंधित करना (विकिरणनिदान, जैव रसायन, विकृतिविज्ञान)
9. पश्च मूत्रमार्ग वॉल्वों में चिकित्सा की निगरानी करने के लिए मूत्र में प्रोफीब्रोटिक साइटोकाइंस टी जी एफ - बी 1 टी एन एफ - अल्फा और आई एल - 6 पर एक अध्ययन (विकिरणनिदान, नाभिकीय चिकित्सा)।
10. पश्च मूत्रमार्ग वॉल्वों में रोग की गंभीरता के पूर्वानुमान में एंटीनेटल अल्ट्रासोनोग्राफी और रेनिन एंजियोटेन्सिन सिस्टम सक्रियता की पूर्वानुमानिक महत्तता का अध्ययन (प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान विभाग), बाल चिकित्सा, नाभिकीय चिकित्सा)।
11. न्यूरोजेनेकि ब्लैडर : जोखिम समूहों की पहचान और उनकी चिकित्सीय जटिलताओं पर एक अध्ययन (विकिरणनिदान, नाभिकीय चिकित्सा)।
12. गैर-ए आर टी उत्प्रेरित सगर्भताओं तथा ए आर टी उत्प्रेरित सगर्भताओं के मध्य शल्यक रूप से ठीक हो सकने वाले जन्म दोषों में वंशानुक्रम के जोखिम कारकों तथा पैटर्नों का एक तुलनात्मक अध्ययन। (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)।
13. ब्लैडर एक्ट्रोफाईएपिस्पेडियास कॉम्प्लेक्स में एम टी एच एफ आर पॉलीपॉरफिज्म सी 677 टी के संबंध का अध्ययन करना (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)।
14. न्यूरोब्लास्टोमा में आण्विक आनुवांशिक विश्लेषण हेतु सूक्ष्म सूई चूषण कोशिकाविज्ञान का मूल्यांकन (विकृतिविज्ञान, शरीर रचान विज्ञान)।

15. नवजात चूहों में विभिन्न ओर्चीडोपेक्सी तकनीकें तथा टेस्टीक्यूलर हिस्टोलॉजी तथा एंटीस्पर्म एंटीबॉडी प्रोडक्शन पर इसका प्रभाव (विकृतिविज्ञान)।

16. पेल्वीयूरेट्रिक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन हेतु पाइलोप्लास्टी करवा रहे बच्चों में दीर्घावधिक डी जे स्टेंट एवं अल्पावधिक बाहरी यूरेटिक ट्रांस - एनास्टामोटिक स्टेंट और नेफ्रोस्टोमी की तुलना करता एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (पी यू जे ओ) (विकिरणनिदान, नाभिकीय चिकित्सा)।

17. ब्लैडर एक्स्ट्रोफी - एपिस्पेडियासकॉम्पलेक्स : ऊपरी तथा निचले मूत्र पथ परिणामों से संबंधित मूत्राशय वृद्धि के संबंध में डैट्रूसर की हिस्टोमॉर्फोलॉजी पर एक अध्ययन (विकृतिविज्ञान)।

18. बच्चों में अर्बुद के इविंग सारकोमा परिवार में एंजियोजेनिक फीनोटाइप्स (वी ई जी एफ तथा सूक्ष्म वाहिका सघनता) की अभिव्यक्ति (बाल अर्बुदविज्ञान, विकिरण निदान, विकृतिविज्ञान)।

19. गुद - मलाशय कुरचनाओं के रोगियों में दीर्घावधिक कार्यात्मक परिणाम तथा जीवन की गुणवत्ता (विकिरणनिदान)

20. चूहे में डाइवर्जन कोलोस्टॉमी के पश्चात् बृहदांत्र के डिस्टल लूप में कैजल की एंट्रिक नर्वस सिस्टम तथा आंत्र कोशिकाओं में परिवर्तन (शरीर रचान विज्ञान)।

21. हिरस्कसप्रंग के रोग से पीड़ित बच्चों में जी डी एन एफ और जी एफ आर ए 1 (शरीर रचान विज्ञान विकृतिविज्ञान)।

22. महिलाओं में निम्न गुद - मलाशय कुरचनाओं के उपचार हेतु प्राथमिक निश्चित प्रक्रिया बनाम त्रि - अवस्था प्रक्रिया : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जैव सांख्यिकी)।

23. बेसिकोरिट्रिक रीफलस्क के विभिन्न ग्रेडों में वृक्क संचिति (नाभिकीय चिकित्सा)।

24. कोलेडोकल सिस्ट हेतु ऑपरेशन के बाद यकृत ऊतकविज्ञान में परिवर्तनों का अध्ययन करना (विकिरणनिदान, विकृतिविज्ञान)।

25. ऊपरी मूत्रीय बाधाओं के चूहे मॉडल में मूल कोशिकाओं के प्रभाव का अध्ययन करना (विकृतिविज्ञान, मूल कोशिका सुविधा)।

26. बाल अर्बुद, न्यूरोब्लास्टोमा, में एस सी एफ / सी किट जीन का जिनोमिक तथा प्रोटियोमिक विश्लेषण (विकृतिविज्ञान, जैव रसायन)।

27. विल्म्स अर्बुद में जीन अल्पता तथा उत्परिवर्तन : ऊतकविकृतिविज्ञान तथा परिणाम के साथ सह संबंध (विकृतिविज्ञान)।

28. न्यूरोब्लास्टोमा तथा पी एन ई टी के रोगियों में रेग्यूलेटरी टी कोशिका काइनेटिक्स का मूल्यांकन - एक अग्रदर्शी मूल्यांकन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।

29. विंग्स सारकोमा/पी एन ई टी से पीड़ित रोगियों के लाक्षणिक विकृतिविज्ञानी विशेषताओं, पूर्वानुमानिक कारकों और उपचार परिणामों का मूल्यांकन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।

पूर्ण

1. बाल रोगियों में थोरेकोटॉमी के पश्चात् मुस्कुलोस्केलेट्ल तथा फुप्फुसी प्रकार्य अपसामान्यताओं का एक सर्वेक्षण (विकिरण निदान, अस्थिरोग, बाल चिकित्सा)।

2. प्रायोगिक रूप से उत्प्रेरित यूनिलेटरल यूरेट्रिक ऑब्स्ट्रक्शन में रीनल रीकवरी पर रेनिन एंजियोटेन्सिन सिस्टम ब्लॉकेड की भूमिका तथा कांट्रालेटरल किडनी पर ईपसलेटरल यूरेट्रिक ऑब्स्ट्रक्शन के प्रभाव का अध्ययन करना - एक मॉर्फोमिट्रिक विश्लेषण (विकृतिविज्ञान)।

3. प्रायोगिक रूप से उत्प्रेरित यूनिलेटरल यूरेट्रिक ऑब्स्ट्रक्शन में वृक्क स्वास्थ्य लाभ पर रेनिन एंजियोस्टेनिन सिस्टम ब्लॉकेड की भूमिका का अध्ययन करना - एक मॉर्फोमिट्रिक विश्लेषण (विकृतिविज्ञान)।

4. पाइलोप्लास्टी करवा रहे रोगियों में वृक्क प्रकार्य का स्वास्थ्य लाभ (नाभिकीय चिकित्सा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 23 **सार : 5** **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी उपचार

उपलब्ध सुविधाएं

1. नवजात शल्यक रोगियों हेतु सघन उपचार यूनिट।
2. बाल शल्य चिकित्सा विभाग के अंतर्गत ऑपरेशन किए गए रोगियों हेतु उच्च निर्भरता क्षेत्र।
3. कंप्यूटर आधारित यूरोडायनेमिक अध्ययन।
4. कंप्यूटर आधारित एनोरेक्टलमेनोमिट ्री।
5. कंप्यूटर आधारित ईसोफैगियल मेनोमिट्री।
6. गेस्ट्रोईसोफैगियल रीफलक्स हेतु 24 घण्टे पी एच निगरानी।

विशेष क्लिनिक

1. जलशीर्ष क्लिनिक
2. कपाल संयोजन क्लिनिक
3. बाल मूत्ररोग विज्ञान क्लिनिक
4. उभयलिंगी क्लिनिक
5. बाल ठोस अर्बुदक्लिनिक

प्रयोगशालाएं

1. विभागीय अनुसंधान प्रयोगशाला
2. यूरोडायनेमिक, ईसोफैगियल तथा एनोरेक्टलमेनोमिट्री हेतु प्रयोगशाला

समुदाय सेवाएं

1. सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बहिरंग रोगी क्लिनिक तथा शल्यक सत्र।

ओ पी डी तथा विशिष्टता क्लिनिकों मे उपस्थिति

	नए रोगी	**पुराने रोगी**	**कुल**
सामान्य ओ पी डी	5509	13081	18590
जल शीर्ष क्लिनिक	06	126	132
कपाल संयोजन क्लिनिक	02	11	13
बाल मूत्ररोगविज्ञान क्लिनिक	437	3021	3458
उभयलिंगी क्लिनिक	0	82	82
बाल ठोस अर्बुद क्लिनिक	128	1707	1835

सी आर एच एस पी बल्लभगढ़ - ओ पी डी		-	1430

दाखिलें

ए बी 5 वार्ड	1241	ए बी 5 आई सी यू	181

ऑपरेशन

कुल ऑपरेशन	1768		
बड़े	1189	छोटे	579
ओ पी डी में छोटे ऑपरेशन	1151	सी आर एच एस पी बल्लभगढ़	297

विशेष जांचें

यूरोडायनेमिक मूल्यांकन	490	यूरोफ्लोमिट्री	369
एनो - रेक्टल मेनोमिट्री	109	ईसोफैगियल मेनोमिट्री	02
24 घण्टे पी एच निगरानी	02		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर वी. भटनागर को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, के नए सृजित बाल शल्य चिकित्सा विभाग हेतु अध्ययन मण्डल का सदस्य नियुक्त किया गया, लखनऊ, फरवरी 2011; इन्हें अध्यक्ष, बच्चों में फल्मीनेंट हैपाटिक फेलियर पर सत्र, इण्डियन सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन के उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड चैप्टर के दूसरे वार्षिक सम्मेलन, आगरा, 3 से 4 सितंबर 2011; अध्यक्ष, नियोनेटल शॉक एण्ड नियोनेटल एबडोमिनल सर्जिकल इमरजेंसिस पर सत्र, नेशनल नियोनेटल फोरम के दिल्ली चैप्टर, का वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 11 सितंबर 2011 नियुक्त किया गया। उन्हें इण्डियन एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक सर्जंस के वार्षिक सम्मेलन के दौरान इण्डियन एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक सर्जंस की फैलोशिप (एफ आई ए पी एस) प्रदान की गई, महाबलीपुरम, चैन्नई, 6 से 9 अक्तूबर 2011; वे इण्डियन एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक सर्जंस के 37वें वार्षिक सम्मेलन में हेपाटोबाइलरी सर्जरी पर 'मीट द प्रोफेसर' में आचार्य थे; मामलापुरम, चैन्नई, 6 से 9 अक्तूबर 2011।

प्रोफेसर एम. बाजपेयी को महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा यौन विकास के विकारों के विषय पर दिनांक 28 जून 2011 को विशेषज्ञों की बैठक हेतु तकनीकी विशेषज्ञ नियुक्त किया गया, निर्माण भवन; उन्हें राष्ट्रीय बाल अधिकार सुरक्षा आयोग के अनुरोध पर दिनांक 1 से 2 जुलाई 2011 को इंदौर जाने और दिनांक 26 जून 2011 के हिंदुस्तान टाइम्स के दैनिक संस्करण में प्रकाशित खबर "डॉक्स टर्न स्कोर्स ऑफ बेबी गर्ल इन टू बॉयस" की जांच करने के लिए निदेशक अ. भा. आ. सं. द्वारा तकनीकी विशेषज्ञ नियुक्त किया गया; उन्हें दिनांक 24 से 28 जुलाई 2011 को इंदौर जाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुरोध पर निदेशक, अ. भा. आ. सं. द्वारा नियुक्त किए जाने पर उन्होंने 'यौन विकास के विकारों' से संबंधित घटनाओं की जांच करने के लिए मुख्य जांचकर्ता के रूप में दल का नेतृत्व किया; उन्हें तमिलनाडु तथा डॉ. एम. जी. आर. मेडिकल विश्वविद्यालय, चैन्नई का बाल मूत्र रोग विज्ञान में फैलोशिप हेतु बाह्य परीक्षक नियुक्त किया गया, जनवरी 2012; वे कोलम्बो, श्रीलंका में आयोजित बाल शल्य चिकित्सा में 5वें एस ए ए आर सी सम्मेलन : बच्चों में यूरोडायनामिक्स पर पाठ्यक्रम हेतु संकाय नियुक्त किया गया, 24 से 27 अगस्त 2011, वे इण्डियन एसोसिएशन ऑफ पैडियाट्रिक सर्जंस के पैडियाट्रिक यूरोलॉजी चैप्टर के तत्वावधान में दिनांक 30 मार्च 2012 को आगरा में आयोजित बैठक :- "बच्चों में यूरोडायनेमिक्स" के पैनल सदस्य थे।

डॉ. एस. अग्रवाल को इण्डियन एसोसिएशन ऑफ पैडियाट्रिक सर्जरी के बाल शल्यक अर्बुदविज्ञान सेक्शन द्वारा संचालित शल्यक अर्बुदविज्ञन पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम अनुदेशक के रूप में चुना गया, मुंबई, दिसंबर 2011; उन्हें 7वीं इंडो यू एस इमरजेंसी मेडिसिन

सम्मिट (आई एन डी यू एस - ई एम) में वैज्ञानिक सत्र हेतु अध्यक्ष चुना गया, 28 सितंबर से 2 अक्तूबर 2011; उन्हें इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ पेडियाट्रिक ओंकोलॉजी के 43वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान बाल शल्यक अर्बुदविज्ञान में सिम्पोजियन जटिलताओं हेतु अध्यक्ष चुना गया, एस आई ओ पी 2011, आकलैण्ड, न्यूजीलैण्ड, 26 से 30 अक्तूबर 2011; उन्हें आई ए पी एस के 37वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान वैज्ञानिक सत्र के लिए अध्यक्ष चुना गया, आई ए पी एस सी ओ एन 2011, महाबलीपुरम, भारत, 6 से 9 अक्तूबर 2011; उन्हें फेफड़े की जन्मजात सिस्टिक विक्षतियां : प्रस्तुतीकरण निदान तथा उपचार की एक समीक्षा पोस्टर हेतु सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया। वी. शंकर, एस. अग्रवाल वी. भटनागर, ए के गुप्ता, आई ए पी एस का 37वां वार्षिक सम्मेलन, आई ए पी एस सी ओ एन 2011, महाबलीपुरम, भारत, 6 से 9 अक्तूबर 2011।

एम. श्रीनिवास, बाल मूत्ररोगविज्ञान कार्यशाला, हैदराबाद, 10 से 12 अक्तूबर 2011 में अतिथि संकाय थे।

अतिथि वैज्ञानिक

प्रो. डेबिड सिगलेट, आचार्य, शल्य चिकित्सा, बाल सामान्य शल्य चिकित्सा का प्रभाग, एलबर्टा चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी, कनाडा तथा कार्यकारी सदस्य, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस ऑफ पेडियाट्रिक सर्जंस।

9.28 विकृतिविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुब्रत के. पाण्डा

आचार्य

चित्रा सरकार	मनोज कु. सिंह	एस. दत्ता गुप्ता
रजनी सफाया	रुमा रे	ए. के. करक

अपर आचार्य

ए. के. डिंडा

सह-आचार्य

एम. सी. शर्मा	वेंकटेश्वरन के. अय्यर

सहायक आचार्य

संदीप आर. माथुर	वैशाली सूरी

शिक्षा

स्नातकोत्तर

एम डी छात्र : 20 पी एच डी छात्र : 7 वरिष्ठ रेजीडेंट : 14

अल्पकालीन प्रशिक्षण

1. वि. स्वा. सं. फैलो तथा बी पी के आई एच एस धरन के प्रशिक्षुओं सहित 24 चिकित्सकों ने अल्पकालीन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएं

विभाग द्वारा आयोजित

1. विकृतिविज्ञान में इमेज विश्लेषण तथा मॉर्फोमिट्री पर कार्यशाला, विकृतिविज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली, 21-22 मई 2011।
2. दिल्ली चैप्टर आई ए पी एम की तिमाही बैठक, विकृतिविज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली, 22 अक्तूबर 2011

प्रदत्ता व्याख्यान

चित्रा सरकार : 17
ए. के. करक : 1
ए. के. डिंडा : 6
एम सी शर्मा : 2
वैशाली सूरी : 2

1. तरल आधारित कोशिकाविज्ञान / आई ए पी एम दिल्ली चैप्टर तिमाही बैठक फरवरी 2012, एम ए एम सी, दिल्ली।
2. बाल यकृत अर्बुदों के निदान में कोशिकाविज्ञानी चुनौतियां। नैदानिक कोशिका विकृतिविज्ञान में वर्तमान विषयों पर संगोष्ठी, के आई एम एस कुवैत, मार्च 2012।

3. बाल वृक्क अर्बुद : नैदानिक कोशिका विकृति विज्ञान में वर्तमान विषयों पर संगोष्ठी, के आई एम एस कुवैत, मार्च 2012।
4. सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग की समस्याएं तथा खतरा और एच पी वी की भूमिका। आई ए पी एम दिल्ली चैप्टर तिमाही बैठक, 2011, एल एच एम सी।
5. तरल आधारित कोशिकाविज्ञान और एच पी वी जांच की भूमिका। मुंबई कोशिकाविज्ञान समूह, 2011।
6. कोशिकाविज्ञान द्वारा सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग तथा एच पी वी जांच। कोल्पोस्कॉपी सोसायटी, दिल्ली 2011।
7. सैल ब्लॉक प्रीपेशन में ऑटोमेशन। सैल ब्लॉक पर कार्यशाला, आई ए सी 2011, धारवाड़।
8. पैन्क्रियाज के सूक्ष्म सूई चूषण कोशिकाविज्ञान। पैन्क्रियाज पर सी एम ई, आई ए पी एम वार्षिक सम्मेलन, पटियाला 2011।
9. मुलायम ऊतक अर्बुदों का कोशिकाविज्ञान नैदानिक कोशिकाविकृतिविज्ञान में वर्तमान विषयों पर संगोष्ठी, के आई एम एस कुवैत, मार्च 2012।
10. स्क्वामस इंट्राएपिथेलियल विक्षतियों का ऊतकविज्ञान तथा कोशिकाविज्ञान। मनोज मोहन रॉय मेमोरियल व्याख्यान, कोलकाता, मार्च 2012।
11. बीथेसडा रीविजटिड। माथुर एस। ए ओ जी आई एन - भारत राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुतीकरण, 4-6 नवंबर 2011।
12. तरल आधारित कोशिकाविज्ञान : भारत में तृतीयक उपचार पर आरंभिक अनुभव। माथुर एस। ए ओ जी आई एन - भारत राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुतीकरण, 4-6 नवंबर 2011।

मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची : 14

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. होस्ट सैल्स में एच ई वी के प्रवेश की क्रियाविधि से संबंधित जांच। एस के पाण्डा, डी बी टी, 2008-11, 84.89 लाख रुपए।
2. ग्लायल अर्बुद : क्रोमोसोम्स 1 पी / 19 क्यू स्टेट्स, एपिडरमल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ई जी एफ आर) एम्पलीफिकेशन तथा पी53 अभिव्यक्ति का एक सह संबंधी नैदानिक विकृतिविज्ञानी अध्ययन। चित्रा सरकार। आई सी एम आर, 2007-11। 16. 5 लाख रुपए (लगभग)।
3. वयस्क चूहों की परिसरीय तंत्रिका मरम्मत में अस्थि मज्जा से निकाले गए एकल नाभिकीय कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन। वैशाली सूरी। अ. भा. आ. सं. 2006-11। 18 लाख रुपए (लगभग)।
4. रीकरंस अथवा रीफ्रैक्टरी एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा (वि. स्वा. सं. ग्रेड III) से पीड़ित वयस्क रोगियों में टीमोजोलोमाइड अथवा बी सी एन यू के साथ मानक उपचार की तुलना में ए पी 12009 की क्षमता तथा सुरक्षा : एक यादृच्छिक सक्रिय रूप से नियंत्रित, ओपन लेबल क्लिनिकल चरण III अध्ययन। चित्रा सरकार। एंटीसेंस फार्मा, जर्मनी, 2007-11। 25 लाख रुपए (लगभग)।
5. मस्तिष्क के एस्ट्रोसाइटिक अर्बुदों में एंजियोजेनेसिस : वेस्क्यूलर इंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वी ई जी एफ) तथा हाइपोक्सिया उत्प्रेरित फैक्टर (एच आई एफ) - 1 एल्फा की अभिव्यक्ति के विशेष संदर्भ के साथ एक लाक्षणिक विकृतिविज्ञानी अध्ययन तथा वैस्क्यूलर मोर्फोमिट्रिक पैरामीटर्स और ट्यूमर इंफलट्रैटिंग इंफ्लैमैटरी सैल्स के साथ सह संबंध। चित्रा सरकार। आई सी एम आर, 2009-12। 21 लाख रुपए (लगभग)।
6. ग्लायोब्लास्टोमामल्टीफोरम से पीड़ित भारतीय रोगियों में रेडियोथेरेपी प्लस टीमोजोलामाइड (कॉनकॉमीडेंट तथा सहायक) के सम्मिश्रण में उत्प्रेरण तथा देखभाल चिकित्सा के रूप में बायोमेब - ई जी एफ आर (निमोटूजूमेब) की सुरक्षा तथा क्षमता का

मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल, अग्रदर्शी, बहुकेंद्रीय अध्ययन - फेज़ II/III नैदानिक परीक्षण। चित्रा सरकार। बायोकीन बायोफार्मासियूटिका प्रा. लि., 2008-11, 15 लाख।

7. 1 पी तथा 16 क्यू क्रोमोसोमल डिलीशंस के आधार पर पैडियाट्रिक एब्डोमिनल सोलिड ट्यूमर्स का प्रोग्नोस्टिकेशन। वेकंटेश्वरन के अय्यर। अ. भा. आ. सं., 2009-12। 3 लाख रुपए।

8. स्तन कैंसर में फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी स्मीयर्स पर हर - 2 / नीयू स्टेट्स का विश्लेषण तथा हार्मोन रिसेप्टर स्टेट्स प्रोलीफिरेशन मार्करों और एपोपटोसिस के साथ इसका सह संबंध : एक फ्लूरोसेंट इन - सीटू हाइब्रीडाइजेशन (एफ आई एस एच) तथा इम्यूनोसाइटोकैमिस्ट्री अध्ययन, सी एस आई आर, 2009-11, 14 लाख रुपए।

9. पोस्ट - नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी एडवांस्ड स्टेज ओवेरियन सिरयस सिस्टएडिनोसारकिनोमास में कीमोथेरेपी से उत्प्रेरित मोर्फोलॉजिक परिवर्तनों तथा प्रोग्नोस्टिक मार्करों की अभिव्यक्ति का विश्लेषण, आई आर जी स्कीम, अ. भा. आ. सं., 1 लाख रुपए।

जारी

1. हेपेटाइटिस ई वायरस की गैर संरचनात्मक पॉलीप्रोटीन (पी ओ आर एफ आई) प्रोसेसिंग। एस के पाण्डा। डी बी टी, 2010-12, 66.39 लाख रुपए।

2. क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी से जुड़े यकृत रोग संबंधी हेपेटाइटिस ई वायरस (एच ई वी) अति संक्रमण। एस के पाण्डा। डी बी टी, 2011-14, 50.83 लाख रुपए।

3. अल्ट्रा फाइन गोल्ड नैनोपार्टिकल्स नोवल एक्स रे कंट्रास्ट एजेंट के रूप में उनकी उपयोगिता और सुरक्षा का सिन्थेसिस और लक्षण वर्णन : पशु मॉडल में एक इन वीवो अध्ययन। सं. आई 684। ए. के. डिंडा। आई सी एम आर, 2010-12, 30 लाख रुपए।

4. ह्यूमन कॉर्नियल कंस्ट्रक्ट एसैम्बलिंग हेतु सैल शीट इंजीनियरिंग। सं. एन - 1286। ए के डिंडा। आई आई टी दिल्ली, 2011-16 रुपए, 1 करोड़।

5. बच्चों तथा वयस्कों में ग्लायोब्लास्टोमास : मॉलिक्यूलर पाथवेस तथा एम जी एस टी मैथीलेशन स्टेट्स के विशेष संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन। वैशाली सूरी। आई सी एम आर, 2010-13, 24 लाख रुपए (लगभग)।

6. ग्लायोमास में पॉलीकोम्ब रीप्रैसिव कॉम्पलेक्सिस का एक लाक्षणिकविकृतिविज्ञानी तथा आण्विक आनुवंशिक अध्ययन। चित्रा सरकार। आई सी एम आर, 2012-15, 50 लाख रुपए (लगभग)।

7. ग्लायल अर्बुदों तथा कोशिका रेखाओं के स्टैमनैस में हाइपोक्सिया तथा पी53 एच 1 सी 1 एक्सिस। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-12। 50.5 लाख रुपए।

8. ग्लायोब्लास्टोमा में हाइपोक्सिया तथा नोच सिगनलिंग : प्रतिकूल फीनोटाइप हेतु जटिलताएं। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011-14, 48 लाख रुपए।

9. ग्लायोब्लास्टोमा में हाइपोक्सिया रेजीजटेंस की आण्विक क्रियाविधियां : माइक्रो आर एन ए की भूमिका। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011-14, 65 लाख रुपए।

10. मृत जन्मों के आनुवंशिक मूल्यांकन में एरै आधारित तुलनात्मक जिनोमिक हाइब्रीडाइजेशन (एरै सी जी एच) का नैदानिक अनुप्रयोग। चित्रा सरकार तथा एम सी शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2012-15, 85 लाख रुपए।

11. कोशिकाविज्ञान स्मीयरों से निकाले गए डी एन ए पर प्रयोग हेतु हाइब्रिड कैप्चर II द्वारा एच पी वी पहचान का ऑप्टीमाइजेशन : विकासशील देशों हेतु एक उपयुक्त पद्धति। वेंकटेश्वरन के अय्यर। आई सी एम आर, 2012-14। 19.8 लाख रुपए।

12. भारत में विल्म्स अर्बुद के वर्गीकरण तथा पूर्वानुमान में आण्विक आनुवंशिक परिवर्तनों की भूमिका : डब्ल्यू टी - 1 तथा डब्ल्यू टी - 2 क्षेत्र एवं बीटा केटिनिन पाथवे का एक मूल्यांकन। वेंकटेश्वरन के अय्यर। अ. भा. आ. सं., 2012-13, 4 लाख रुपए।

13. इंडोमेटरियल हाइपरप्लासिया और कार्सिनोमा में बायोमार्करों की अभिव्यक्ति का अध्ययन। आई आर जी स्कीम, अ.भा.आ.सं., 4 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. गैर एल्कोहॉलिक स्ट्रैटोहेपाटाइटिस की लीवर बायोप्सियों में इंफ्लैमेटरी साइटोकाइंस का अध्ययन।
2. जी बी एम में पी टी ई एन तथा सी डी के एन 2 जीन परिवर्तनों का अध्ययन।
3. ग्लायोमास में आई डी एच - 1 उत्परिवर्तनों का अध्ययन।
4. ग्लायोमाजेनेसिस का अध्ययन : एस एच एच ग्लिपाथवे की भूमिका।
5. ग्लायोसारकोमा : एम जी एम टी प्रोमोटीर मेथीलेशन के विशेष संदर्भ में एक लाक्षणिक विकृति विज्ञानी तथा आण्विक अध्ययन।
6. आइडियोपैथिक इनफ्लैमेटरी मायोपैथीस में साइटोकाईंस, कीमोकाइंस तथा एन एफ के बी की अभिव्यक्ति तथा डैन्ड्रीटिक कोशिकाओं का लक्षण वर्णन।
7. प्राइमरी सी एन एस लिम्फोमा (पी सी एन एस एल) का मॉलिक्यूलर सब टाइपिंग, ई बी वी - सी आई एस एच तथा लाक्षणिकविकृतिविज्ञानी विश्लेषण।
8. एपिनडायमोमास के डब्ल्यू एन टी तथा एन ओ टी सी एच पाथवे प्रोटीनों की अभिव्यक्ति। एक लाक्षणिकविकृतिविज्ञानी तथा प्रतिरक्षाऊतकरसायनिक अध्ययन।
9. एपिनडाइमोमास में सी टी के एन 2 ए / पी 16 परिवर्तनों का विश्लेषण।
10. पेशीय डिस्ट्रोफी का निदान करने में त्वचा बायोप्सी की नैदानिक सटीकता। (डॉ. एम सी शर्मा)।
11. जी बी एम में क्रोमोसोम 10 क्यू पर एल ओ एच का अध्ययन। (डॉ. वैशाली सूरी)।
12. सी डी 5 + बी कोशिका लिम्फोमास : एक मोर्फोलॉजी तथा प्रतिरक्षा ऊतकरासायनिक अध्ययन।
13. हेपेटाइटिस ई वायरस पर प्रतिरक्षा अनुक्रिया।

जारी

1. हेपेटाइटिस ई वायरस रेप्लीकेटर्स : प्रतिकृति तथा प्रतिलिपि को रोकने में आर एन ए हस्तक्षेप की भूमिका।
2. यकृत कोशिकाओं में हेपेटाइटिस ई वायरस (एच ई वी) का जुड़ाव तथा प्रवेश।
3. उत्तर भारतीय रोगियों में प्राथमिक यकृत कैंसर : ओंकोजींस, प्रोलीफिरेशन मार्करों तथा एच बी वी से जुड़े ट्रांस एक्टिवेटिंग कारकों, हैपाटोसेल्यूलर कार्सिनोमा से जुड़े एच सी वी की भूमिका।
4. उप - जिनोमिक आर एन ए तथा प्रोटीन अभिव्यक्ति के स्तरों का अध्ययन।
5. हेपेटाइटिस ई वायरस की पी ओ आर एफ 1 का संसाधन।
6. चिरकारी हेपेटाइटिस बी से संक्रमित यकृत कोशिकाओं में एच आई वी सह सुपर इंजैक्शन के जीव विज्ञान का अध्ययन।

7. सी एन एस ए टी / आर टी का लाक्षणिकविकृतिविज्ञानी अध्ययन।

8. पाइनियल अर्बुदों का लाक्षणिकविकृतिविज्ञानी अध्ययन।

9. कैल्पीन - 3, डिस्फरलीनेंड सारकोग्लाइकेन प्रोटीन विश्लेषण का प्रयोग करके भारतीय आबादी में लिम्ब गिरडल मस्क्यूलर डिटस्ट्रोफी (एल डी एम डी) रोगियों का अध्ययन।

10. लिम्ब गिरडल मस्क्यूलर डिटस्ट्रोफी (एल जी एम डी) के भारतीय रोगियों का उत्परिवर्तन विश्लेषण।

11. सबएपिन्डाइमल जायंट सैल एस्ट्रोसाइटोमास तथा कोर्टिकल डिस्प्लेसिया में डब्ल्यू एन टी पाथवे का ट्यूबर्स स्कलीरोसिस कॉम्प्लेक्स और अपरेग्यूलेशन का अध्ययन।

12. एपिन्डिमोमास में ह्यूमन टिलोमिरेस रीवर्स ट्रांसक्रिप्टेस (एच टी ई आर टी) तथा मूल कोशिका मार्करों की अभिव्यक्ति का अध्ययन - एपोपटोटिक और प्रोलीफिरेटिव मार्करों के साथ सह संबंध।

13. बाल ग्लायोमास का आण्विक आनुवंशिक अध्ययन।

14. मेनिनजियोमास में आनुवंशिक परिवर्तनों का विश्लेषण।

15. हाइपरग्लाइसेमिक तथा हाइपरनेट्रामिक स्थिति में वृक्क कोशिका रेखाओं में आयरन मेटाबॉलिज्म के साथ जुड़े प्रोटीनों का अध्ययन।

16. इंडोसाइटोसिस और कैल्शियम फोस्फेट आधारित फेट एवं गोल्ड नैनोपार्टिकल का अध्ययन।

17. नैनोपार्टिकल मेडिएटिड एंटीजन प्रस्तुतीकरण और मैक्रोफेज द्वारा संसाधित एंटीजन का मॉड्यूलेशन।

18. विलम्स अर्बुदों में जीनों की अपूर्णता और उत्परिवर्तन : ऊतक विकृति विज्ञान तथा परिणाम के साथ सह संबंध।

19. कैंसर टारगेटिंग हेतु धातु नैनोपार्टिकल का विकास।

20. स्तन कैंसर में आई एल 10 डिपेंडेंट माइक्रो आर एन ए और आई एल 10 अभिव्यक्ति का अध्ययन।

21. इंडोमैटरियल इंडोमैटरियोइड कार्सिनोमा में डी के के 1 की अभिव्यक्ति तथा डब्ल्यू एन टी / बीटा कैटानिन सिग्नलिंग पाथवे के साथ इसका सह संबंध।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. स्ट्रोक से पीड़ित चूहे में मेलाटोनिन बनाम एच यू सी बी जी के सम्मिश्रण में ह्यूमन अम्बीलीकल कोर्ड रक्त कोशिकाओं (एच यू सी बी जी) के उपचार का प्रभाव (तंत्रिकाविज्ञान विभाग, अ. आ. आ. सं.)।

2. टेमोजोलोमिड पश्चात् कीमोरेडियोथेरेपी 6 चक्रों सहित ग्लायोब्लास्टोमा में समवर्ती कीमोरेडियोथेरेपी बनाम 12 चक्रो एवं ई जी एफ आर, एम आई बी 1 तथा पी 53 पर आधारित रेजीजटेंस के आण्विक आधार वाले उपचार परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन (विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग)।

3. नर्व रीजनरेशन रैट स्कीएटिक नर्व ट्रांसेक्शन मॉडल पर अस्थिमज्जा से निकाले गए एकल नाभिकीय कोशिकाओं का प्रभाव। (तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग)।

4. अस्थिमज्जा से निकाले गए एकल आण्विक कोशिकाओं द्वारा पेरिफेरल नर्व रीजनरेशन का खुराक आधारित सरलीकरण - यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग)।

5. नैनोजेल सिस्टम के साथ अर्बुद टारगेटिंग का विकास (जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग केंद्र, आई आई टी, दिल्ली)।

6. सरफेसटेंट, इसका लक्षण वर्णन तथा बायोकम्पैटीबिल्टी अध्ययनों का प्रयोग किए बिना फोमिंग पद्धति द्वारा चिटोसेन गेलाटिन - एल्जिनेट कम्पोजिट टिश्शू इंजीनियरिंग स्कैफोल्ड का फैब्रीकेशन (पत्र प्रौद्योगिकी विभाग, आई आई टी रुड़की,)।

जारी

1. ग्लायल अर्बुद कोशिका रेखाओं का ऑक्सीजन कन्सनट्रैशन, पी 53 एक्सिस एवं स्टैमनैस विशेषताएं (जैव रसायन विभाग, अ. भा. आ. सं.)।
2. ग्लायोब्लास्टोमा मल्टीफोरम में नॉच सिग्नलिंग मॉलीक्यूल्स एपिथेलियल मेसिनकाइमल ट्रांजीशन (ई एम टी) मार्कर और एच आई एफ एल्फा की अभिव्यक्ति (जैवरसायन विभाग)
3. सिर की चोट में थैलामस का लाक्षणिकविकृति विज्ञानी अध्ययन (तंत्रिकाशल्य चिकित्सा विभाग)।
4. बाल जी बी एम की मैथीलेशन प्रोफाइलिंग (इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलोर)।
5. ग्लायोब्लास्टोमा में क्रोमोसोम 14 माइक्रो आर एन ए क्लस्टर (एम आई आर - 379 / एम आई आर - 656) का अध्ययन (इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एण्ड इण्टीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली)।
6. एयरवे रीमॉडलिंग में मैक्रोफेज तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस की भूमिका (आई जी आई बी, दिल्ली)
7. मैक्रोफ़ेज इंडोसाइटोसिस और आर ओ एस के जनरेशन पर एच आई एफ 1 ए जीन एक्सप्रैशन की ब्लॉकिंग का प्रभाव। (जे एन यू, दिल्ली)।
8. हाइड्रोजेल आधारित घाव की मरहम पट्टी का विकास और प्रयोगात्मक मॉडल में इसकी क्षमता का अध्ययन। (जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी केंद्र, आई आई टी, दिल्ली)।
9. कॉर्नियल टिश्शू इंजीनियरिंग हेतु स्कैफोल्ड का विकास (टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, आई आई टी दिल्ली, रा. प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र तथा मूल कोशिका सुविधा, अ. भा. अ. सं.)।
10. डाइलेटिड कार्डियोमायोपैथी में फिब्रोसिस का मूल्यांकन (हृदविज्ञान विभाग)
11. रुमेटिक हृदय रोग के कारण आर्टियल फीब्रीलैशन से पीड़ित रोगियों में शल्यक रूप से चीरे लगाए गए बांयी आर्टरी एपेंडेज की लाइट माइक्रोस्कोपिकल तथा अल्ट्रास्ट्रक्चरल विशेषताओं का ऊतकविकृतिविज्ञानी विश्लेषण (हृदय विज्ञान विभाग तथा सी टी वी एस)।
12. डॉप्लर टिश्शू ईकोकार्डियोग्राफी तथा इंट्राकार्डियक रिपेयर के बाद फैलो के टैट्रालॉजी के रोगियों में ऊतकविकृतिविज्ञानी परिवर्तनों के साथ इसका सह संबंध। (सी टी वी एस विभाग)।
13. कोरोनरी आर्टरी बाईपास हेतु कांड्यूट के रूप में प्रयुक्त रेडियल तथा लेफ्ट इंटरनल मैमारी आर्टरिज़ में पेपावेरिन इंजैक्शनों के बाद इंडोथेलियल चोट और अन्य ऊतकविकृतिविज्ञानी परिवर्तन। (सी टी वी एस विभाग)।
14. सी टी स्कैनर का ड्यूल एनर्जी तकनीक की तुलना में कोरोनरी एथिरोस्क्लीरोसिस में एथिरोस्क्लीरोटिक प्लेक का ऊतकविकृतिविज्ञानी तथा जैवरसायनिक विश्लेषण (चिकित्सा भौतिकी विभाग)।
15. साइक्लोफोस्फामाइड चिकित्सा पर त्वचाविज्ञानी रोगियों का मूत्ररोगविज्ञानी मूल्यांकन (त्वचारोग विज्ञान विभाग)।
16. अनरिसेक्टेबल गाल ब्लैडर कैंसर के उपचार में मॉडीफाइड जिमासिटाबाइन + ऑक्सीलाप्लेटिन (एम जीमोक्स) से जीमासिटाबाइन + सिसप्लेटिन से तुलना करता एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग)।
17. पेरियाम्पुलरी कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में पास्टीरियर एप्रोच बनाम मानक पैन्क्रियाटिकोड्यू - डिनेक्टॉमी : एक अग्रदर्शी तुलना (जठरांत्र शल्य चिकित्सा विभाग)।

18. सिस्टेमिक स्क्लीरोसिस से पीड़ित रोगियों में इंटरस्टीशियल फेफड़े रोग की रोग सक्रियता के मूल्यांकन में ब्रोंकोएल्वियोलर लैवेज फ्लूड विश्लेषण की उपयोगिता (काय चिकित्सा विभाग)।
19. एथमोइडाल्पॉलीपी से पीड़ित रोगियों में एंट्रल मुकोसल परिवर्तनों का लाक्षणिक - विकृतिविज्ञानी अध्ययन (कान, नाक एवं गला रोग विभाग)।
20. कार्सिनोमा सर्विक्स की स्टेजिंग तथा उपचार में कंप्यूटराइज्ड टोमोग्राफी की भूमिका। (विकिरणनिदान विभाग, सं.रो.कैं.अ.)।
21. इंफ्लैमैटरी सर्विकल स्मीयर्स को स्पष्ट करने में ह्यूमन प्लेसेंटल एक्सट्रैक्ट तथा लाइकोपीन की क्षमता का मूल्यांकन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग)।
22. प्रोस्टेटिक कैंसर की पहचान हेतु ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी तथा कंट्रास्ट इनहांस्ड सोनोग्राफी का मूल्यांकन (विकिरण निदान विभाग)।
23. मेलिगनेंट आइलिड ट्यूमर्स में सेंटीनेल लिम्फ नोड बायोप्सी (रा. प्र. केंद्र तथा विकिरण निदान विभाग)।
24. इंडोमेटरियल कैंसर के ऑपरेशन पूर्व मूल्यांकन में डायनेमिक कंट्रास्ट इनहांस्ड तथा डिफ्यूज्ड वेटिड 3टी - एम आर आई की भूमिका (विकिरण निदान विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 85 **पुस्तकों में अध्याय : 6**

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं

शल्यक विकृतिविज्ञान प्रयोगशाला

संसाधित नमूने	36,712		
विशेष स्टैन	28,700	हिमांकित छेदन	927

कोशिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

कुल नमूने	22169		
एफ एन ए सी (बाहरी रोग)	9219	नैमिक एक्सफोलिएटिव्स	8432
सर्विकल (पी ए पी)	4518		

की गई शव परीक्षाएं 23

इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी

संसाधित नमूने 767

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन प्रयोगशाला

नैदानिक	29,943	अनुसंधान	5,094

तंत्रिका विकृति विज्ञान सेवाएं

तंत्रिका विकृति विज्ञान शल्यक नमूने	2583		
हिमांकित छेदन	312	प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	6651

कुल प्राप्त पेशीय बायोप्सी	355		
एंजाइम ऊतक रसायन	539		355
नैदानिक एफ आई एस एच	150	प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	1238

ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला

एच और ई सटेनिंग	2575	विशेष स्टैन	180
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	75	हिमांकित छेदन	900
स्टैन रहित	4268		

वृक्क विकृति विज्ञानी सेवाएं (किडनी बायोप्सी)

इम्यूनोफ्लूरोसेंस	600	इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी	570
मूत्र तलछट विश्लेषण	3000		

हृद विकृतिविज्ञान सेवाएं

नैमिक नमूने	275	अनुसंधान	196
स्लाइड कोटिड			
ए पी ई एस	22593	प्रतिरक्षाऊतकरसायन	20 मामले
विशेष स्टैन	336 स्लाइडें		

हाथ द्वारा संसाधित : हृदय प्रतिरोपण पश्चात् बायोप्सी 10

त्वचा बायोप्सी कटिंग 117

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर एस के पाण्डा को जे सी बॉस फैलोशिप प्रदान करने के लिए चुना गया।

प्रोफेसर चित्रा सरकार को कैंसर के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए आई सी एम आर नोवारटिस ओरेशन पुरस्कार प्रदान किया गया; उन्हें आनुवंशिकी तथा तंत्रिका अर्बुदविज्ञान विभाग, एम डी एंडरसन कैंसर सेंटर, हाउसटोन, यू एस ए में कार्य करने के लिए 2010-11, 6-23 मई 2011-को सीनियर बायोमेडिकल साइंटिस्ट हेतु आई सी एम आर इंटरनेशनल फैलोशिप प्रदान किया गया; उन्होंने आई ए पी एम, बांकुरा के पश्चिम बंगाल चैप्टर में रघुनाथ प्रमाणिक व्याख्यान दिया, 4 सितंबर 2011; उन्हें इण्डियन सोसायटी ऑफ न्यूरो ऑन्कोलॉजी का पुनः अध्यक्ष चुना गया (2011-12)।

डॉ. गीतिका सिंह को 'ग्लायोसारकोमा : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल एण्ड मस्क्यूलर स्टडी विद स्पेशल रैफरेंस टू एम जी एम टी प्रोमोटर मैथीलेशन' शीर्षक वाले मौखिक पत्र हेतु रामलिंगास्वामी प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। 24वां वार्षिक सम्मेलन - दिल्ली चैप्टर - आई ए पी एम, नई दिल्ली, अप्रैल 2011। डॉ. सुवेंद्र परकेत को 'ड्यूल पैथोलॉजी इन ए केस ऑफ एपिलेप्सी रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस' शीर्षक वाले पोस्टर हेतु 'सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार' प्रदान किया गया। 26वां वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली चैप्टर, आई ए पी एम, एम ए एम सी नई दिल्ली, 25 फरवरी 2012।

डॉ. आंचल कक्कड़ को 'ए टिपिकल टेराटॉइड / रेहबडॉइड ट्यूमर ऑफ दि सी एन एस - ए क्लिनिकों पेथोलॉजिकल स्टडी' शीर्षक वाले शल्यक विकृतिविज्ञान में केस सीरिज़ हेतु 'सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया। 26वां वार्षिक सम्मेलन दिल्ली चैप्टर, आई ए पी एम, एम ए एम सी, नई दिल्ली, 25 फरवरी 2012।

डॉ. ए. के. डिंडा को इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी सोसायटी ऑफ इण्डिया द्वारा 'फैलो ऑफ ई एम एस आई' प्रदान किया गया, 6 जुलाई 2011, हैदराबाद को इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी सोसायटी ऑफ इण्डिया, 2011-12 के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया;

डॉ. ए. के. डिंडा को रीनल पैथोलॉजी सोसायटी (यू एस ए) की शिक्षा एवं वैज्ञानिक समिति 2011-12 का सदस्य चुना गया;

1. जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नैनो बायोटेक्नोलॉजी की टास्क फोर्म में विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया। जुलाई 2011 से;
2. सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन, जवाहर लाल विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2011-12 की विद्वत परिषद् का सदस्य नामित किया गया।

9.29 भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वाई के गुप्ता

आचार्य

वी.एल. कुमार

कमल किशोर

एन.आर. बिश्वास

एस.के. मौलिक

अपर आचार्य

डी एस आर्य

जितेंद्र कत्याल

सह–आचार्य

सुरेंद्र सिंह

केएच रीता

जागृति भाटिया

वैज्ञानिक

श्रद्धा एस. पेशिन

थॉमस कालीकल

अमृता श्रीवास्तव

माधुरी गुप्ता

सुरेंद्र सिंह सैमुल

मुख्य–मुख्य बातें

विभाग ने निम्नलिखित सम्मेलन आयोजित किएः

- विज्ञान की प्रगति के लिए जापान सोसाइटी (जेएसपीएस) के एशिया–अफ्रीका विज्ञान प्लेटफार्म कार्यक्रम, 19 से 21 अक्तूबर, 2011 का द्वितीय औषधीय रसायन शास्त्र संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठी में जापान, थाइलैंड, इंडोनेशिया, फिलिपीन और भारत के 80 अनुसंधानकर्ताओं ने भाग लिया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने सहयोगी अनुसंधान और संकाय तथा अनुसंधान अध्येताओं के आदान–प्रदान के लिए मेजि फार्मास्यूटिकल विश्वविद्यालय, जापान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए।
- कार्डियोवासकुलर अनुसंधान कनवर्जेंस संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 17 से 18 फरवरी, 2012। यह सम्मेलन हृदय अनुसंधान संबंधी अंतरराष्ट्रीय सोसाइटी, इंटरनेशन एकेडेमी ऑफ कार्डियोवासकुलर साइंस और यूके–भारत शिक्षा अनुसंधान पहल के तत्त्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें भारत और विदेश के 87 प्रतिनिधियों और 75 युवा वैज्ञानिकों ने भाग लिया। आयोजकों ने तीन प्रतिष्ठित भारतीय कार्डियोवासकुलर वैज्ञानिकों को 'हृदय रत्न' पुरस्कार प्रदान को। आचार्य वाई के गुप्ता को कार्डियोवासकुलर विज्ञान, औषधि और शल्यचिकित्सा में आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किया गया। आचार्य बलराम भार्गव (हृदयरोग विज्ञान) और आचार्य एस.के. मौलिक, (भेषजगुण–विज्ञान) को आईएसीएस द्वारा क्रमशः विशिष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार और विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।
- भारतीय फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्ट संघ (एपीपीआईसीओएन), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का 57वां वार्षिक सम्मेलन 13 से 17 दिसंबर, 2011 को आयोजित किया।

शिक्षा

यह विभाग एमबीबीएस (तीसरे, चौथे और पांचवें सेमेस्टर) बी एससी नर्सिंग ऑनर्स, एम एससी, एमडी, पीएच डी और डीएम (क्लिनिकल भेषजगुण–विज्ञान) पाठ्यक्रमों का अध्यापन कार्य कर रहा है। विभाग ने 40 अल्पकालिक प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण भी दिया।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. बेंच से क्लिनिक तक कार्डियोवास्कुलर अनुसंधान' नामक संगोष्ठी भारत और विदेश के आठ प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा आयोजित की गई।
2. 'अंडरस्टैंडिंग फिजियोलॉजी और फार्माकोलॉजी ऑफ कार्डियोवास्कुलर रोग : पशुओं की कोशिकाएं' नामक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पूरे देश के 150 युवा वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
3. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित महिला वैज्ञानिकों के लिए अनुसंधान प्रविधियां विषय पर 03 से 07 अक्तूबर, 2011 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में कार्यशाला।
4. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 22 से 27 अगस्त, 2011 तक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय क्लिनिकल अनुसंधान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 6–दिवसीय कार्यशाला।

प्रदत्त व्याख्यान

वाई के गुप्ता	:	6
वी एल कुमार	:	2
कमल किशोर	:	1
एस के मौलिक	:	4
के एच रीता	:	2
जागृति भाटिया	:	2

प्रस्तुत किए गए सार

वाई के गुप्ता	:	5
वी एल कुमार	:	1
सुरेंद्र सिंह	:	1
के एच रीता	:	3
जागृति भाटिया	:	2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. क्वांटिटेटिव डिटेक्शन ऑफ हेवी मेटल्ज़ एंड थैलेट्स इन टॉयज़। वाई. के. गुप्ता, आईसीएमआर, 2009–11, 19,61,330 रुपए।
2. चूहों में प्रयोगात्मक मॉडल में यूनानी सम्मिश्रण के मोटापा–रोधी गुण संबंधी प्रारंभिक अध्ययन। वाई. के. गुप्ता, सीसीआरयूएम, 2009–11, 6,89,276 रुपए।
3. रीनल और हेपाटिक क्रियाओं के संबंध में पारंपरिक रूप से प्रयुक्त आयुर्वेदिक रस औषधियों का प्रभाव, वाई. के. गुप्ता, आयुष, 2009–12, 27.6 लाख रुपए।

4. विटिलिगो के उपचार में प्रयुक्त यूनानी औषधियों (यूएनआईएम–004 और यूएनआईएम–005, स्थानीय) का सुरक्षा संबंधी अध्ययन। वाई. के. गुप्ता, सीसीआरयूएम, 2011–12, 9.91 लाख रुपए।

5. माइग्रेन के उपचार में प्रयुक्त पांच आयुर्वेदिक दवाइयों के मिश्रण का भेषजगुण–विज्ञान संबंधी मूल्यांकन, वाई. के. गुप्ता, आईपीसीए लैबोरेट्रीज लिमिटेड, मुंबई, 2010–12, 29.61 लाख रुपए।

6. प्रमस्तिष्काघात वाले बच्चों में सीसे और पारे की विषाक्तता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले पॉलिमोरफिज्म की आवृत्ति का मूल्यांकन। वाई. के. गुप्ता, रक्षा अनुसंधान और विकास स्थापना (डीआरडीई), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 2011–12, 9 लाख रुपए।

7. औषधीय पौधा केलोट्रॉपिसप्रोसेरा के लेटेक्स का फाइटोथेराप्यूटिक विकास, वी.एल. कुमार, भारत–ब्राजील विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम सहयोग, 2009–12 के अधीन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 9 लाख रुपए।

8. पहले से ही मानक औषधि रेजिमेन ग्राही बाएं वेंट्रिकुलर डिस्फंक्शन वाले रोगियों में टर्मिनालियारजुना की मानक औषधि के अतिरिक्त प्रभाव के यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण का डबल ब्लाइंड, एस.के. मौलिक, डीबीटी, 2010–12, 46.60 लाख रुपए।

9. प्रयोगात्मक मेटाबोलिक सिंड्रोम में बायोऐक्टिव फाइटोकांस्टिचुएंट का प्रभाव, के.एच. रीता, आईसीएमआर, 2010–13, 29 लाख रुपए।

10. रुमेटॉयड आर्थराइटिस के उपचार में यूएनआईएम–301 और यूएनआईएम–304 का उपचार–पूर्व सुरक्षा अध्ययन। सुरेंद्र सिंह, केंद्रीय यूनानी औषधी अनुसंधान परिषद् (सीसीआरयूएम), आयुष विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली 9.91 लाख रुपए।

11. विटिलिगो के उपचार में यूएनआईएम–004 और यूएनआईएम–005 का चिकित्सा–पूर्व अध्ययन। सुरेंद्र सिंह, केंद्रीय यूनानी औषधी अनुसंधान परिषद् (सीसीआरयूएम), आयुष विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली 9.91 लाख रुपए।

12. चिरकालिक पीड़ा के प्रयोगात्मक मॉडल में ओमेगा–3 फैट्टी ऐसिड में प्लांट लिपिड रिच के रोग आशोधन क्रियाकलापों का मूल्यांकन। सुरेंद्र सिंह, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर), भारत सरकार, नई दिल्ली, 29.71 लाख रुपए।

13. मिर्गी के प्रयोगात्मक मॉडल में टिनैपटाइन के ऐन्टिएपिलेप्टिक प्रभाव में एनएमडीए और जीएबीए–अर्जिक तंत्र की भूमिका। के.एच. रीता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2011–12, 29.71 लाख रुपए।

14. चूहों में पेंटीलेंटेट्राजोल – इनड्यूस्ड काइंडलिंग में मेटालोप्रोटीनेस–9, आरएचओ किनेस (रॉक ΙΙ), ग्लाइकोजीन सिंथेस काइनेज–3– और एम टोर के प्रभाव का मूल्यांकन। के.एच. रीता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2011–12, 4 लाख रुपए।

15. चूहों में सिस्लैटिन इनड्यूस्ट नेक्रोटॉक्सिसिटी में इपिकेटेक्नीगालेटी, नोबिलेटिन और हेसपेरिडिन के रेनोप्रोटैक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन। जागृति भाटिया, डीबीटी, 2012–15, 37,72,390 रुपए।

पूर्ण

1. स्वास्थ्य उपचार प्रणाली में पर्यावरण पारा प्रदूषण की जागरूकता का मूल्यांकन : निवारण के लिए समाधान और कार्यनीति, वाई के गुप्ता, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, 2008–11, 22 लाख रुपए।

2. गीाीर म्येलॉइड ल्युकेमिया में कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के प्रेडिक्टर के रूप में डीएनए क्षति का इन विट्रो मूल्यांकन। के एच रीता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2010–11, 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चुने गए भारतीय औषधीय पौधों का ऐन्टिइपिलेप्टिक गुण का मूल्यांकन और उनकी क्रिया का मेकेनिज्म।
2. चूहों में कोगनिटिव कमी के लिए क्लिटोरिऐटरनेटिया और इवोलल्युसजकवनॉड्स का मूल्यांकन।
3. रीनल और हेपाटिक क्रिया पर पारंपरिक रूप से प्रयुक्त आयुर्वेदिक रस औषधियों का प्रभाव : क्लिनिकल और प्रयोगात्मक अध्ययन।
4. चूहों में ट्रांसिएंट फोकल प्रमस्तिष्क इश्चेमिया पर इम्युनोसप्रेसिव एजेंटों (माइकोफेनोलैटेमोफेटिल और रैपामाइसिन) का अध्ययन।
5. ऐन्टि एपिलेप्टिक औषधि के साथ आयुर्वेदिक औषधियों का फार्माकोकिनेटिक्स और फार्माकोडाइनामिनिकइंटरएक्शन : एक प्रयोगत्मक और क्लिनिकल अध्ययन।
6. मिर्गी वाले बच्चों में बोन मिनरल की सघनता और विटामिन डी की स्थिति संबंधी ऐन्टि–एपिलेप्टिक औषधि उपचार का प्रभाव।
7. भारत के औषधि विनियामक दिशानिर्देशों सहित आईएनडी अनुप्रयोगों के अनुपालन का मूल्यांकन।
8. टरटियरी उपचार अस्पताल में भारतीय आबादी के ट्रेस ऐलिमेंट स्थिति पर ऐन्टि–एपिलेप्टिक उपचार का प्रभाव।
9. आर्थराइटिस में कैलोट्रॉपिसप्रोसेरा लेटेक्स फ्रैक्शंस का फाइटोथेराप्यूटिक महत्त्व।

पूर्ण

1. घुटने के आस्टेरोआर्थराइटिस के रोगियों में पता चले घटकों के सीरम का स्तर : प्रस्त–अनुभागीय अध्ययन।
2. आर्टेमिजन कंबिनेशन के लिए विशेष बल सहित मलेरिया–रोधी औषधियों का फार्माकोविजिलेंस।
3. घुटने के आस्टेरोआर्थराइटिस से पीड़ित रोगियों न्यूट्रास्यूटिकल एस–ऐडेनोसिल एल–मेथियोदाइन (एसएएमई) की सुरक्षा और प्रभाव के मूल्यांकन के लिए व्यापक पर्सपेक्टिव ओपन लेबल्ड प्रायोगिक अध्ययन।
4. हर्बल औषधि और ऐन्टिएपिलेप्टिक औषधि के बीच फार्माकोलॉजिकल इंटरएक्शन।
5. चूहों में सिप्लैटिन इनड्यूस्ड नेफ्रोटॉक्सिसिटी में में एम्बिलकोफिसिनलिस के रीनोप्रोटैक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन।
6. डॉक्सोरुबिसिन–इनड्यूस्ड कार्डियोमायोपैथी पर फेबुक्सोस्टैट, जैनथाइन ऑक्सिडेस इनहिबिटर के प्रभाव का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारत में एचआईवी और क्षय रोग से एकसाथ प्रभावित रोगियों में नेविरैपाइन और रैफामपिसिन के कोनकामिटेंट प्रयोग का प्रभाव और सुरक्षा (औषधि विभाग, एम्स)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं	:	**24**
सार	:	**6**
पुस्तकों के अध्याय	:	**1**

रोगी उपचार

क्लिनिकल भेषजगुण–विज्ञान सुविधा

विभाग के क्लिनिकल भेषजगुण विंग में स्वस्थ वालंटीयरों पर अध्ययन करने की सुविधा है। पीपीबी स्तर पर इनडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (आईसीपी) द्वारा पीबी, सीडी, सीयू, एफई, जेडएन, एचजी, एक, पीटी, एयू, एमजी, एमएन, सीआर, सीओ, एसई, एसआर, एनआई, एएल के जैविक नमूनों का अनुमान लगाने के लिए विभाग में मानक विधि है।

उपचार संबंधी औषधि मॉनीटरिंग सुविधा

भेषजगुण–विज्ञान विभाग में उपचार संबंधी औषधि मॉनीटरिंग (टीडीएम) सुविधा की प्रकार्यात्मकता की दो एचपीएलसी प्रणालियां हैं ताकि रोगी के नमूनों में औषधि के स्तर का अनुमान लगाया जा सके। सामान्यतः अनुमानित औषधियों में ऐन्टिऐपिलेप्टिक औषधि (फिनाइटॉइन, फिनोबारबियोटोन, कार्बमाजेपाइन और सोड़ियम वालप्रोऐट), कैंसर–रोधी/ ऐन्टिरुमेटिक औषधि (मैथोट्रैक्सेट) और इम्युनोसप्रेसैंट (माइकोफेनोलिक ऐसिड) आदि शामिल हैं। टीडीएम सुविधा की कार्यनीति न्यूनतम औषधि टॉक्सिसिटी और अधिकतम उपचार लाभ के लिए सर्वोत्तम औषधि की खुराक देना है। यह सुविधा विभाग के अध्यापन क्रियाकलापों में भी शामिल है और इसमें विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अनुसंधान भी इस सुविधा का महत्त्वपूर्ण क्रियाकलाप है। कई अन्य विभागों के साथ सहयोगी परियोजनाओं में कार्यरत।

परियोजनाएं

पूर्ण

1. चुने हुए भारतीय प्लांटसैंड के ऐन्टिएपिलेप्टिक गुण का मूल्यांकन और उनकी क्रिया का मेकेनिज्म।
2. यूजीटीआईए–6 के जेनेटिक पॉलिमार्फिज्म की व्यापकता का अध्ययन और वालप्रोऐट मोनोथेरेपी संबंधी बच्चों में सीरम वालप्रोऐट स्तर के साथ उसका संबंध।
3. साइटोक्रोम च–450 बलच2ब9 के जेनेटिक पॉलिमार्फिज्म के प्रभाव का अध्ययन करना और फेनाटॉइन मोनोथेरेपी वाले बच्चों में आषधि के स्तरों के साथ उसका संबंध।
4. उच्च खुराक मैथोट्रैऐक्सिटी के फार्माकोकिनेटिक और टॉक्सिसिटी प्रोफाइल तथा भारतीय बच्चों में सीरम क्रिटिनाइन के साथ उसका संबंध।
5. ऐन्टिएपिलेप्टिक औषधि के साथ हर्बल औषधियों का फार्माकोकिनेटिक संव्यवहार : मोलेक्यूलर मेकेनिज्म।
6. इंट्रापार्टम मैटर्नल–फेटल स्तर के बीच सह–संबंध और प्रीटर्म वीएलबीडब्ल्यू नवजातों में सीरम रेटिनोल में पोस्ट–नाटल परिवर्तन।

परियोजनाएं

जारी

1. इस बात का मूल्यांकन करना कि क्या सीरम और स्लाइवामुक्त ऐन्टिएपिलेप्टिक औषधियों का स्तर बराबर होता है।
2. बिना लेबल की औषधियों में स्टियरॉइड का पता लगाना (गुणात्मक अनुमान)।
3. पारंपरिक ऐन्टिएपिलेप्टिक सहित आयुर्वेदिक औषधियों का फार्माकोडायनमिक और फार्माकोकिनेटिक संव्यवहार : प्रयोगात्मक और क्लिनिकल अध्ययन।
4. टाइप–2 मधुमेह, रुमेटॉयडआर्थराइटिस और मिर्गी के उपचार में प्रयुक्त चुने गए हर्ब्स और ऐलोपैथिक औषधियों का हर्ब–औषधि संव्यवहार अध्ययन।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र

1. राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी) फिजिशयनों, पैरा–मेडिकल कार्मिकों, आम जनता, गैर–सरकारी संगठनों और विभिन्न सरकारी एजेंसियों को उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे विभिन्न विषायनों का उपचार करने के संबंध में सूचना प्रदान करता है।

2. राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र में ऐसे विभिन्न उत्पादों के कारण विषायन संबंधी अद्यतन साहित्य उपलब्ध है जिसमें घरेलू मदें कृषि और औद्योगिक रसायन, औषधि पर्यावरणीय विषैले पदार्थ शामिल हैं। इनमें पौधों, पशुओं के काटने, डंक मारने और अन्य विविध उत्पाद भी शामिल हैं। केंद्र में प्राप्त आंकड़ों को संकलित किया जाता है और उनका विश्लेषण किया जाता है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र, भेषजगुण–विज्ञान विभाग

कुल प्राप्त कॉलों की संख्या : 1715

	संख्या	प्रतिशत
विषायन की कॉल	1619	94.4
सूचना कॉल	96	5.6
लिंग		
पुरुष	970	60.0
महिला	649	40.0
श्रेणियां		
घरेलू उत्पाद	736	45.5
औद्योगिक रसायन	123	7.6
कृषि कीटनाशी	274	17.0
औषधियां	346	21.3
काटना और डंक मारना	39	2.4
पौधे	48	3.0
विविध	35	2.1
अज्ञात	18	1.1

भारत का फार्माको–विजिलैंस कार्यक्रम

भेषजगुण–विज्ञान विभाग प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया मॉनीटरिंग केंद्र संचालित करता है। प्रतिकूल औषध प्रतिक्रिया (एडीआर) के आंकड़े एकत्र, संकलित किए जाते हैं, उनका मूल्यांकन किया जाता है और उसके बाद उन्हें राष्ट्रीय प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया मॉनीटरिंग केंद्र को भेज दिया जाता है। वर्ष के दौरान एकत्र किए गए एडीआर प्रकारों की कुल संख्या 1,542 थी।

पुरस्कार, सम्मान और महत्त्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य वाई के गुप्ता को अंतरराष्ट्रीय कार्डियोवास्कुलर–विज्ञान अकादमी, कार्डियोवास्कुलर–विज्ञान औषधि और शल्यचिकित्सा सम्मेलन, विन्निपेग, कनाडा में फरवरी, 2012 को 'आजीवन उपलब्धि पुरस्कार' प्रदान किया गया।

आचार्य एस के मौलिक को अंतरराष्ट्रीय कार्डियोवास्कुलर–विज्ञान अकादमी, कनाडा का अध्येता चुना गया और उन्हें अंतरराष्ट्रीय कार्डियोवास्कुलर–विज्ञान अकादम, कनाडा का विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।

आचार्य कमल किशोर चिकित्सीय सूचना विज्ञान संबंधी आठवें राष्ट्रीय सम्मेलन के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे।

डॉ के एच रीता को राष्ट्रीय चिकित्सा–विज्ञान अकादमी, भारत (2011) के सदस्य के रूप में चुना गया है।

डॉ जागृति भाटिया भारतीय ऐथेरास्केलेरासिस अनुसंधान सोसाइटी के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन, जम्मू, 25 से 27 नवंबर, 2011 की राष्ट्रीय सलाहकार समिति की सदस्य थीं।

9.30 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष

यू. सिंह

आचार्य

संजय वाधवा

अपर आचार्य

एस एल यादव

गीता हाण्डा

पर्यवेक्षक चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

किरण बाला सिंह

मुख्य भौतिक चिकित्सक

अविनाश धारगव

वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक

ओ. पी. यादव

वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक

रमन कुमार सिंह

लिली फरहत परवीन

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

अजय बब्बर

शिक्षा

स्नातक पूर्व शिक्षा

08 व्याख्यानों / सेमिनारों के सेट संचालित किए गए। जब भी आवश्यकता हुई, नैदानिक प्रदर्शन (डेमोन्स्ट्रैशन) प्रदान किया गया।

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण

एमडी (पीएमआर) में, दस छात्रों में से दो ने उत्तीर्ण किया और एक ने त्याग पत्र दिया। शेष छात्रों की एमडी जारी रही। समय समय पर विभाग में एमडी (सामुदायिक चिकित्सा, बाल चिकित्सा, काय चिकित्सा), एमएस (अस्थिरोग), डी एम (तंत्रिका विज्ञान एवं बाल तंत्रिका विज्ञान), एम एच ए छात्रों, तथा स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों की तैनाती की गई और उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान : 4

विभाग के संकाय - सदस्यों, रेजीडेंटों तथा स्टाफ सदस्यगण द्वारा प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर : 14

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्लांटर फैस्सिटिस के उपचार के लिए प्रोलोथेरेपी बनाम कोर्टिकोस्टेरॉइड इंजैक्शन।
2. एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एक पक्षीयट्रांसटिबियल छिन्नांग में स्थूणक लंबाई, चाल पैरामीटर तथा गतिक संतुलन के मध्य संतुलन।
3. फूट ड्रॉप रोगियों में अग्र तथ पश्च एंकल फूट ओर्थोसिस की तुलना।
4. सेरिब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के मामले में देखभालप्रदाताओं में देखभाल कर्ता का भार एवं तनाव
5. पाद दाब पर मेडिकल कम्पार्टमेंट ओस्टियोआर्थराइटिस घुटने से पीड़ित रोगियों में जूतों में लेटरल वेजिंग इनसोल का प्रभाव।
6. प्राइमरी ओस्टियो आर्थराइटिस घुटने वाले रोगियों में पेशियों का मजबूत करने वाले व्यायामों से पहले तथा बाद में घुटने के जोड़ के आस पास क्वाड्रीसेप्स तथा हैमस्ट्रिंग पेशियों की सह सक्रियता का तुलनात्मक अध्ययन।
7. स्पाईनल कोर्ड इंज्यूरी वाले रोगियों में ऑटोनोमिक दुष्क्रियाओं के मूल्यांकन हेतु क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

पूर्ण

1. स्पेस्टिक सेरिब्रल पॉल्सी से पीड़ित बच्चों में चाल पैटर्न पर बॉटूलिनियम टॉक्सिन ए के इंजैक्शन के प्रभावों का एक अध्ययन।
2. एन्कीलॉसिंग स्पॉन्डिलाइटिस से पीड़ित रोगियों में रीढ़ गतिशीलता, थकान, जीवन की गुणवत्ता, रोग सक्रियता तथा कार्यात्मक क्षमता पर गृह आधारित व्यायाम चिकित्सा के प्रभाव।
3. प्लांटर फैस्सिटिस से पीड़ित रोगियों में केवल डिक्लोफिनेक से उपचार किए गए तथा अल्ट्रासोनिक चिकित्सा के साथ डिक्लोफिनेक से उपचार किए गए रोगियों में पद दाब बल विश्लेषण का तुलनात्मक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मुखीय कोलेकैलीफिरोल संपूर्ण से पूर्ण और पश्चात् क्रॉनिक हाइपो - विटामिनोसिस डी वाले एशियाई भारतीयों में ऊर्जा चयापयच, अस्थि खनिज हेमोस्टेसिस तथा टीएच 1/टीएच 2 साइटोकाइन्स अभिव्यक्ति सहित स्केलेटल पेशीय मजबूती। डॉ. आर. गोस्वामी के सहयोग से (अंतः स्राविकी एवं चयापचय, अ. भा. आ. सं.)

प्रकाशन

सार : 9

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

रोगी	**रोगी उपचार क्षेत्र**	**रोगियों की संख्या**
	ओपीडी	15970
नए रोगी	प्रोस्थेटिक एवं आर्थोटिक	4902
	बल्लभगढ़ पीएमआर ओपीडी	2678
	कुल नए रोगी	**23550**
	ओपीडी	13636
	ओपीडी में आए पी टी सेक्शन	17652

	ओपीडी में आए ओ टी सेक्शन	25713
	ओपीडी में आए एम एस डब्ल्यू	6587
पुराने मामले	अशक्तता मूल्यांकन क्लिनिक	167
	रेलवे रियायत प्रमाण पत्र	435
	प्रोस्थेटिक एवं ओर्थोटिक	15460
	लघु ऑपरेशन कक्ष ऑपरेशन	2516
	कुल पुराने रोगी	**82166**

सामुदायिक सेवाएं / शिविर : विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेजीडेंटों ने अशक्तता से ग्रस्त रोगियों के पुनर्वास हेतु शिविरों की एक श्रृंखला में भाग लिया, मथुरा।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य यू. सिंह को निम्नलिखित का सदस्य नियुक्त किया गया :- रीहैब्लीटेशन काउंसिल ऑफ इण्डिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की लोकोमीटर, लैप्रोसी क्योरड आदि संबंधी उप - समिति; नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर दि ऑर्थोपेडिकली हैण्डीकैप्ड, कोलकाता की शैक्षिक समिति; बी आई एस, रीहैबलीटेशन एपलाइंसिस एण्ड इक्यूपमेंट फॉर डिसैबल्ड सैक्शनल समिति (एम एच डी 10); मेडिकल कॉलेजों में पी एम आर के विभागों सुविधाओं की उन्नयन का निरीक्षण करने हेतु सलाहकार समिति, डी सी एच एस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; अनुसंधान समिति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; स्पाईनल कोर्ड इंजरी निवारण समिति, इंटरनेशनल स्पाईनल कॉर्ड सोसायटी; इंटरनेशनल स्पाईनल कोर्ड सोसायटी के तत्वावधान में रीढ़ की हड्डी की चोट के व्यापक उपचार के ई-लर्निंग उपकरण के विकास हेतु 'रीढ़ की हड्डी की चोट के 'आरंभिक तथा बाद की जलिटताओं' पर ई-लर्निंग उपकरण संबंधी उप-समिति; इंटरनेशनल जरनल ऑफ बायोसाइंसिस एण्ड टैक्नोलॉजी (आईजेबीएसटी) के संपादक मण्डल के मानद सदस्य। वह इण्डियन जरनल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एण्ड रीहैब्लीटेशन के सम्मानित संपादक; परामर्शदाता संपादक तथा समीक्षक, जरनल ऑफ रीहैब्लीटेशन काउंसिल ऑफ इण्डिया लोकोमीटर एण्ड एसोसिएटिड डिसैबिलिटस; संपादकीय मण्डल के सदस्य, इण्डियन जरनल ऑफ फिजियोथेरेपी एण्ड ऑक्यूलेशन थेरेपी हैं। वह भारतीय चिकित्सा परिषद् के निरीक्षक भी हैं। उन्हें अपग्रेडेशन ऑफ फैसिलिटिस इन दि डिपार्टमेंट्स ऑफ फिजिकल मेडिसन एण्ड रिहैब्लीटेशन इन मेडिकल कॉलेजिस, डी जी एच एस स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, की विशेषज्ञ समिति का अध्यक्ष; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र 4, आई ए पी एम आई डब्ल्यू बी स्टेट चैप्टर वार्षिक सम्मेलन, 13 अप्रैल 13, 201; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र 2, विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों संबंधी यू. एन. सम्मेलन पर स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय के संबंध में दिशा निर्देशों के विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला, 18 अक्तूबर 2011; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र 3, इण्डियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसन एण्ड रीहैब्लीटेशन का 40वां वार्षिक सम्मेलन, त्रिवेंद्रम, 21 जनवरी 2012; तथा अध्यक्ष, विशिष्टता मण्डल, फिजिकल मेडिसन एण्ड रीहैब्लीटेशन, भारतीय चिकित्सा परिषद् भी नियुक्त किया जाए। वह इण्डियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एण्ड रीहैब्लीटेशन की शैक्षिक समिति के संयोजक हैं।

डॉ. गीता हाण्डा को 5 दिसंबर 2011 को इण्डिया मेडटैक सम्मिट 2011, नई दिल्ली में स्टेनफोर्ड इण्डिया बायोडिजाइन फैलोशिप कम्पलीशन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वह दिनांक 9-10 नवंबर 2011 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली - 110001 में डी जी एच एस द्वारा आयोजित ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिस्ऑर्डर्स पर राष्ट्रीय कन्सलटेटिव कार्यशाला हेतु विशेषज्ञ पैनल के सदस्य हैं। उन्हें नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एण्ड इण्डिया काउंसिल ऑफ दि इण्डियन सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ (आई एस आई एल) में दिनांक 11-12 नवंबर 2011 को आयोजित इंटैलेक्चुअल प्रॉपर्टी एण्ड इनोवेशन मैनेजमेंट इन मेडिकल रिसर्च (वैज्ञानिकों तथा अनु. एवं विकास व्यावसायिकों के लिए एक कार्यशाला) में प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया था।

9.31 शरीरक्रिया विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

जयश्री सेनगुप्ता (1 अप्रैल 2011-29 फरवरी 2012)	रश्मि माथुर (1 मार्च 2012 से आगे)

आचार्य

किशोर कुमार दीपक	हरुदानंदा मल्लिक	देबब्रत घोष
सुशील सी. महापात्रा		कंवलप्रीत कोच्चर

अपर आचार्य

रत्ना शर्मा	नलिन मेहता	सुमन जैन
शोक कुमार जरयाल		राज कुमार यादव

सह-आचार्य

अंजना तलवार	संजय कुमार सूद

विशिष्टताएं

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर शिक्षण में सम्मिलित रहा है। संकाय सदस्यों ने भी इन हाउस अथवा अ. भा. आ. सं. और अन्य संस्थानों में सी एम ई, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित करके स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर शिक्षण एवं अनुसंधान तकनीकों में छात्रों को प्रशिक्षित करना आरंभ किया। इसके अतिरिक्त, संकाय - सदस्यों ने ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम; संकाय - सदस्यों; प्रजनन; श्वसन तथा संपूर्ण मन - शरीर के शरीरक्रिया विज्ञान सहित तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान में चालीस बाह्य तथा अंतरंग अनुसंधान अध्ययन निष्पादित किए हैं। अनुसंधान के परिणामों को दोनों राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों फोरमों में प्रस्तुत किया गया तथा सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशनों को प्रस्तुत किया गया। उनके मूल अनुसंधान के आधार पर विभाग द्वारा पीड़ा उपचार, ऑटोनोमिक तथा वाहिका प्रथार्थ मूल्यांकन, इन-विट्रो प्रजनन तथा भ्रूण अंतरण (आईवीएफ-ईटी), करैक्टिव सर्जरी के दौरान इंट्रा-ऑपरेटिव निगरानी और मन शरीर चिकित्सा में आधुनिक तकनीकों के प्रयोग द्वारा रोगी उपचार में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। विभाग के संकाय सदस्यों तथा छात्रों द्वारा शिक्षण तथा अनुसंधान में उनके नए योगदान के सम्मान में कई पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त किए गए हैं।

विभाग का सबसे महत्वपूर्ण कार्य रहा कि विभाग द्वारा दिनांक 13-17 दिसंबर 2011 के दौरान फिजियोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजिक्ट्स का 57वां वार्षिक सम्मेलन (एपिकॉन 2011) को मेजबानी की गई जिसमें अ. भा. आ. सं. में दस सी एम ई / कार्यशालाएं तथा बारह अग्रणी विषयों पर राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियां सम्मिलित थी। एपिकॉन 2011 में देश तथा विदेश के विभिन्न भागों से आए हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संपूर्ण स्वास्थ्य क्लिनिक (आईएचसी) द्वारा नियमित रूप से एम्स कर्मचारियों और उनके परिवारों तथा छात्रों के लिए विशिष्ट रूप से तैयार डी-स्ट्रैसर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष के दौरान कुल 129 स्टाफ सदस्यों तथा 18 छात्र लाभान्वित हुए हैं।

शिक्षा

स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर तथा परा चिकित्सा

विभाग द्वारा एम बी बी एस प्रथम वर्ष के छात्रों को लगभग 400 घण्टे का और बी एस सी नर्सिंग तथा संबद्ध पाठ्यक्रमों के छात्रों

को लगभग 60 घण्टे का शिक्षण प्रदान किया गया। विभाग द्वारा शरीर क्रिया विज्ञान में एम डी और एम एस सी पाठ्यक्रम और पी एच डी अध्यायन का संचालन किया जा रहा है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित।

1. बायोप्लेक्स इम्यूनोएस्से पर हैंडस ऑन कार्यशाला 9-10 मई 2011, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली।
2. संगोष्ठी 'शीर्षक न्यू लूक इन टू प्रीऑप्टिक एरिया फंक्शन्स' वर्ल्ड स्लीप सम्मेलन 2011, 16-20 अक्तूबर क्योटो, जापान।
3. 'शरीर क्रिया विज्ञान / काय चिकित्सा में सिस्टम्स बायोलॉजी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, 13 दिसंबर 2011, जवाहर लाल नेहरु सभागार, आ. भा. आ. सं. नई दिल्ली।
4. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 को 57वां वार्षिक सम्मेलन (एपिकॉन 2011), 13-17 दिसंबर 2011, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली
5. हैंड्स ऑन कार्यशाला (1) वाहिका प्रकार्यों के अध्ययन में उन्नत तकनीकें (2) ऑटोनोमिक प्रकार्यों के अध्ययन में मूल तकनीकें (3) संपूर्ण स्वास्थ्य उपचार एवं योगा का अभ्यास (4) प्रजनन के अध्ययन में मैमालियन कोशिका संवर्धन एवं आण्विक जीव विज्ञान उपकरण (5) बोध का तंत्रिका विज्ञान तथा (6) क्वांटीटेटिव ई ई जी :- बांध प्रकार्यों का मूल्यांकन करने का एक उपकरण, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली में 14 दिसंबर 2011 को एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 (एपिकॉन 2011) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के भाग के रूप में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित।
6. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 (एपिकॉन 2011) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के भाग के रूप में भोजन व्यवहार पर बी के आनंद संगोष्ठी, 15 दिसंबर 2011, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
7. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 (एपिकॉन 2011) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के भाग के रूप में यूमामी दि 5वें बेसिक टेस्ट : फ्रॉम टेस्ट टू थेराप्यूटिक्स, 15 दिसंबर 2011, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
8. फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 (एपिकॉन 2011) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में प्रजनन शरीरक्रिया विज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, 15 दिसंबर, 2011 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
9. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 (एपिकॉन 2011) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में बोध के तंत्रिकाविज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, 16 दिसंबर, 2011, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
10. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 (एपिकॉन 2011) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में 'जीवन शैली और योग' पर संगोष्ठी, 16 दिसंबर 2011, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
11. एसोसिशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 (एपिकॉन 2011) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में बायो प्लेक्स माइक्रोबेड एरै सिस्टम पर हैंडस ऑन कार्यशाला, 19 दिसंबर 2011, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

12. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया 2011 (एपिकॉन 2011) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में वी3 वेस्टर्न ब्लौट वर्कफ्लो पर हैंडस ऑन कार्यशाला, 20 दिसंबर 2011, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

रश्मि माथुर : 1
के. के. दीपक : 7
एच. एन. मल्लिक : 3
डी. घोष : 2
एस. जैन : 4
ए. के. जरयाल : 3
आर. के. यादव : 1
एस. सूद : 1
मौखिक पत्र एवं पोस्टर : 18

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. जारी कॉजनिटिव इम्पेयरमेंट तथा अल्जाइमर रोग में क्वांटिटेटिव ई ई जी परिवर्तनों, बोध प्रकार्य तथा तनाव का एक अध्ययन। आर. शर्मा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग 2010-13, संख्या 82 लाख।
2. ह्यूमन प्लेसेंटल साइटोट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं पर सेटियोनिक ए-हैलीकल एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइड के कार्य कोशिकीय तथा आण्विक आधार। डी. घोष, भारतीय अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, 2012-15, संख्या 41,58,457
3. हाई थ्रूपूट प्रोटियोमिक्स स्ट्रैटजी का प्रयोग करके इंडोमैट्रियोसिस को समझना। डी. घोष। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2010-13, 35 लाख।
4. चूहों में मेडिकल प्रीऑप्टिक एरिया स्टीम्यूलेशन द्वारा न्यूक्लियस ट्रैक्टस सॉलिटेरियस में बेरोसेन्सिटिव तथा कीमोसेन्सिटिव न्यूरोंस की सक्रियता का मॉड्यूलेशन। सं. के. जरयाल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-12, संख्या 34,83,000
5. प्राइमेट में ब्लास्टोसिस्ट इम्पालंटेशन हेतु इंडोमेटरियल सुग्राहिता : सिस्ट्रक्स बायोलॉजी एप्रोच। डी. घोष। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-12, 34,10,000।
6. सगर्भता स्थापना हेतु ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडाट्रोपिन इन्डोमेटरियल रिसेप्टिविटी की भूमिका। डी. घोष। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2008-12 रुपए 33,89,400
7. डिस्लेक्सिस में इवेंट रिलेटिड इवोक्ड पोटेन्शियल अध्ययन। एस. के. सूद। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2008-12, संख्या 32,45,600।
8. स्थूल रोगियों में बायोमार्करों का प्रयोग करके ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म पर बेरियाट्रिक शल्य चिकित्सा के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन। आर. के. यादव। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्। 2012-15, 29 लाख रुपए।
9. चुम्बकीय क्षेत्र प्रभावन तथा फैरोमेगनेटिक नैनोपारटिकल्स के प्रतिरोपण के पश्चात् पारकिन्सन रोग के 6 हाइड्रोक्सिडोपाइन (6 ओ एच डी ए) वयस्क चूहा मॉडल में प्रेरक तथा संज्ञानात्मक व्यवहार। एस. जैन। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-12, रुपए 26,18,920

10. चूजों में प्रसव पूर्व आवृतिमूलक श्रवण उद्दीपन के पश्चात् विड्यूल कॉरटेक्स का कार्यात्मक विकास (गैलस डॉमेस्टिक्स) : नोराड्रिनालाइन की भूमिका। एस. जैन। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। 2011-14, 23,12,000।

11. अंतः कला दुष्क्रिया, स्थूलता तथा मधुमेह के मार्फरों के संबंध में शामृक अधिक वजन वाले रोगियों में योग तथा आहार संबंधी प्रबंधन की क्षमता। आर. के. यादव। सेन्द्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योगा एण्ड नैचूरोपैथी (सी सी वाई आर एन), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2009-12 23 लाख रुपए।

12. पारकिन्सन रोग जन्मजात दोषों के क्वांटिटेटिव ई ई जी सह संबंध। आर. शर्मा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2011-14, 22,00,000 रुपए।

13. चूहों में थार्मोजेनेसिस तथा निद्रा पर आहारिक ग्लूटामेट की भूमिका (एच. एन. मल्लिक, अजिनोमाटो कं., जापान, 3 वर्ष, 2011-14, 30,00 अमेरिकी डॉलर।

14. ध्यान के मनोतंत्रिकाप्रतिरक्षा प्रभाव : पी ई टी तथा बायोकैमिकल मार्कर्स / आर. के. यादव, डी बी टी, 2008-11, 14,00,000 रुपए।

15. पेल्विक इन्डोमैट्रियोसिस की विकृतिशरीरक्रिया विज्ञान में एडिपोकाइन मेडिएटिड इन्फ्लैमेशन, एंजियोजेनेसिस तथा प्रोटियोमिक एप्रोच। आर. के. यादव, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2011-12। 5,00,000 रुपए।

16. क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पुलमोनरी रोग तथा आब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया के अतिव्यापी संलक्षण में इंडोथेलियम प्रकार्य का मूल्यांकन। ए. तलवार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2011-12, 1 लाख रुपए।

पूर्ण

1. स्पाईनल कोर्ड इज्यूंरी वाले रोगियों में सेंसरीन्मोटर रिकवरी पर पुनरावृत्ति चुम्बकीय उद्दीपन के प्रभाव का अध्यायन करना। डॉ. आर. माथुर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-11, 19,88.140 रुपए।

2. स्पाईनलाइज्ड चूहों की सेंसरी मोटर रिकवरी में अस्थि मज्जा स्ट्रोमल कोशिकाओं के प्रतिरोपण तथा चुम्बकीय उद्दीपन का प्रभाव। डॉ. आर. माथुर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 2008-11, 16,05,952 रुपए

3. इंडोमैट्रिथोसिस के निदान में प्रोटियोमिक एप्रोच तथा बायोमार्करों की भूमिका। आर. के. यादव काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड इंड्रस्ट्रियल रिसर्च (2008-11)। 16 लाख रुपए।

4. घरेलू चूजों (गैलस डॉमेस्टिक्स) के विज्युअल वल्सट में साइनेप्टिक प्रोटीनों की अभिव्यक्ति पर प्रसव पूर्व चिरकारी लवणीय उद्दीपन का प्रभाव। डॉ. एच. जैन, एम्स अनुसंधान अनुदान, 2010-11, 1 लाख रुपए।

5. स्वस्थ वयस्कों में घटना संबंधित संभाव्यताओं पर ओसिमम सेंक्टम (तुलसी) पत्तों के अर्क के प्रभाव का अध्ययन करना। डॉ. ए. तलवार। एम्स अनुसंधान अनुदान। 2009-11, 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. स्पाईनलाइज्ड चूहों में इलैक्ट्रोमेगनेटिक स्टीम्यूलेशन तथा बोन मैरो स्ट्रोमल सैल ट्रांसप्लांटेशन के पश्चात् सेन्सरीमोटर मूल्यांकन।
2. वेन्ट्रोमिडियल हाइपोथेलमिक फंक्शन पर पूर्ण स्पाईनल कोर्ड इंज्यूरी का प्रभाव : मेगनेटिक फील्ड की भूमिका।
3. 3 जी फ्रीक्वेंसी बैण्ड में अनावृत चूहों में पीड़ा के व्यवहरात्मक, इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल तथा न्यूरोकैमिकल सहसंबंधों पर चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव।
4. चूहों के पारकिन्सन मॉडल में ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस पर चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव।
5. चूहों में स्पाईनल कोर्ड के माइक्रोग्लिया से उत्प्रेरित द्वितीय चोट पर चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव।

6. आर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन के रोगियों में सेरिब्रल ऑटोरेम्यूलेशन तथा सेरिब्रोवैस्कूलर रीएक्टिविटी का मूल्यांकन।
7. प्राणायाम पर आधारित पैटर्न श्वास वाली तकनीकों का प्रयोग करके तथा वाहिकामय घटाव बढ़ाव का श्वसनीय मॉड्यूलेशन।
8. चूहे के थर्मोरेग्यूलेशन में प्रीऑप्टिक एरिया थर्मो टी आर पी वी चैनलों की भूमिका।
9. आंत तथा पुनः अक्षि क्षेत्र में ग्लूटामेट द्वारा उत्प्रेरित थर्मोजेनिसिस की क्रियाविधि।
10. 'योग निद्रा' का विद्युतशरीरक्रियाविज्ञानी लक्षण वर्णन और प्राथमिक अनिद्रा के रोगियों में इसकी भूमिका।
11. माइल्ड कॉजनिटिव इम्पेयरमेन्ट और अल्जाइमर रोग में बोध त्रुटियों और तना प्रतिक्रियाक्षमता का क्वांटिटेटिव ईईजी सहसंबंध।
12. पारकिन्सन रोग में डॉजनिटिव त्रुटियों का क्वांटिटेटिव ई ई जी सह संबंध।
13. क्वांटिटेटिव ई ई जी द्वारा मूल्यांकित अनुसार विज्युओस्पेशियल टास्क परफोरमेंस पर क्रियाशील स्मृति भार का प्रभाव।
14. ध्यान में मनोतंत्रिका प्रतिरक्षा प्रभाव : पी ई टी तथा बायोकैमिकल मार्करों द्वारा मूल्यांकन।
15. मेटाबोलिक संलक्षण पर आहारिक इन्टरवेंशन की तुलना में योग आधारित जीवन शैली इन्टरवेंशन की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
16. थूलता में मधुमेह जोखिम कारकों पर अल्पकालीन जीवन शैली इंटरवेंशन का प्रभाव।
17. इन्डोमैट्रियोसिस से पीड़ित रोगियों के पेरिलोनियल फ्लूड में लैप्टिन तथा गहरिलिन : वी ई जी एफ तथा आई एल 6 के साथ सह संबंध।
18. स्टारटल रीफ्लैक्स के प्रीपल्स मॉड्यूलेशन पर चुनिंदा तथा ऑटोमेटिक ध्यान जाने का प्रभाव।
19. सामान्य रोगियों तथा पारकिन्सन रोग में साकाडिक आई मूवमेंट का बोध नियंत्रण : एक व्यवहारात्मक इवेन्ट रिलेटिड पोटेन्शियल्स एवं कार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद चित्रण अध्ययन।
20. कार्यात्मक चित्रण का प्रयोग करके फेस वर्ड स्ट्रूप टास्क में प्राइमिंग का तंत्रिका सह संबंध।

पूर्ण

1. स्थूलता में हृद वाहिका जोखिम कारकों पर अल्पकालीन योग आधारित जीवन शैली इन्टरवेंशन कार्यक्रम के प्रभावों का अध्ययन।
2. टी सी पी सी (टोटल कैवोपुलमोनरी कनैक्शन) करवा चुके रोगियों तथा / अथवा ओपन एन्टीग्रेड फ्लो वाली सुपीरियर कावोपुलमोनरी एनास्टोमोसिस के रोगियों के बीच व्यायाम जांच पैरामीटरों की तुलना (सी टी वी एस विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।
3. क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पुलामोनरी रोग में व्यायाम क्षमता का मूल्यांकन (काय चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।
4. अतिव्यापी संलक्षण में इंडोथेलियल प्रकार्य का मूल्यांकन (काय चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।
5. इवेन्ट रिलेटिड फंक्शनल मेगनेटिक रिसोनेन्स इमेजिंग का प्रयोग कर रहे स्ट्रूप टास्क पर फोरमेन्स पर प्राइमिंग का प्रभाव (नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)
6. ध्यान के मनोतंत्रिका प्रतिरक्षा प्रभाव : पी ई टी तथा बायोकैमिकल मार्करों द्वारा मूल्यांकन (नाभिकीय चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।
7. पारकिन्सन रोग में बेरीटस्काफ्ट्स पोटेशियल पर सबथेलेमिक न्यूक्लियस का डीप ब्रेन स्टीम्यूलेशन का प्रभाव (तंत्रिका विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

8. पारकिन्सन रोग के 6 ओ एच डी ए लीजन्ड ऐट मॉडल में ह्यूमन रेटिनल पीगमेंट एपिथेलियल (एच आर पी ई) कोशिकाओं का कार्यान्वयन (तंत्रिका विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

9. पारकिन्सन रोग के 6-ओ एच डी ए लीजन्ड रैट मॉडल में ह्यूमन एडल्ट रेटिनल पीगमेंट एपिकेलियल (जी आर पी ई) कोशिकाओं का परग्लाउटेशन (तंत्रिका विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

10. प्रीमेच्योर एजिंग में ओव्यूलेशन इंडक्शन हेतु गोनेडोट्रोपिन्स के सहायक के रूप में डिहाइड्रोएपियनड्रोस्टीरोन (डी एच ई ए) चिकित्सा का मूल्यांकन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

11. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन तथा भ्रूण अंतरण करवा रही नोर्मोरिस्पोंडर महिलाओं में उसाइट क्वालिटी के विश्वसनीय मार्कर की खोज में फॉलिक्यूलर फ्लूड तथा पैरिफॉलिक्यूलर रक्त प्रवाह का बहु पैरामीटर वाला विश्लेषण (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

12. सर्विकोवेजिनल सीक्रेशन में फीटल फीब्रोनेक्टिन की पहचान द्वारा समय पूर्व प्रसूति का पूर्वानुमान (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

13. मैक्सिलरी प्रोट्रैक्शन थेरेपी के दौरान मिडकेस डेफीशिएंसी वाले बच्चों के समूह में मैस्सैटर एवं टेम्पोरेलिस पेशीय ई एम जी सक्रियता का मूल्यांकन (आर्थोडोंटिक्स विभाग, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी डी ई आर), अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

14. ग्लूकोज़ मेटाबोलिज्म पर बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन : लैप्रोस्कोपिक रोक्स इन वाई गैस्ट्रिक बाई पास तथा लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रैक्टॉमी की तुलना (शल्य चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. चूजों में ब्रैन स्टेम ऑडिटरी न्यूक्लि हिप्पोकैम्पस तथा स्पेशियल मेमोरी पर प्रसव पूर्व चिरकारी आवाज अनावरण का प्रभाव (शरीर रचना विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

2. टाइप - 2 मधुमेह में इंसुलिन प्रतिरोध के साथ सेरिब्रोवैस्क्यूलर रीएक्टिविटी तथा सिस्टमेटिक वैस्क्यूलर रीएक्टिविटी का मूल्यांकन तथा सह संबंध (अंतः स्राविकी विभाग, अ. भा. आ. सं, नई दिल्ली)।

3. स्थूल बच्चों में धमनीय कठोरता संकेतकों का मूल्यांकन (अंतः स्राविकी विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)

4. वृक्क प्रतिरोपण से पहले तथा बाद में वाहिका प्रकार्यों का मूल्यांकन (वृक्कविज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

5. गुलियन बैरी सिंड्रोम वाले 2 से 14 वर्ष की आयु के बीच के बच्चों में हृदय दर विविधता में क्रम परिवर्तनों का अध्ययन (बाल चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

6. पॉलीसिस्टिक ऑवेरियन रोग से पीड़ित महिलाओं में धमनीय कठोरता संकेतकों का मूल्यांकन। (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

7. इंडोमैट्रियोसिस के निदान में प्रोटियोमिक एप्रोच तथा बायोमार्करों की भूमिका (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 15 **सार : 24** **पुस्तकों में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

तंत्रिकाशरीरक्रियाविज्ञान अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा पुराने दर्द से पीड़ित चुनिंदा, रैफर किए गए रोगियों हेतु विद्युत शरीरक्रियाविज्ञानी बैटरी तथा बायोकैमिकल जांचों द्वारा उनकी पीड़ा और पीड़ा मॉड्यूलेशन का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन प्रस्तावित किया गया। वर्ष के दौरान 82 रोगियों (फीब्रोमायलेजिया) का मूल्यांकन किया गया। ट्रांसक्रेनियल मेगनेटो थेरेपी द्वारा पीड़ा में सफलतापूर्वक राहत पहुंचाई गई।

ऑटोनोमिक फंक्शन लैब तथा वाहिका प्रकार्य प्रयोगशाला द्वारा रैफर किए गए रोगियों हेतु नैदानिक सुविधा प्रदान की गई। प्रयोगशाला द्वारा ऑटोनोमिक टोन क्वांटिफिकेशन तथा गैस्ट्रिक मॉटेलिटी (इलैक्ट्रोगैस्ट्रोग्राफी, ई जी जी की नॉन इनवेसिव रिकॉर्डिंग के साथ ऑटोनोमिक रीएक्टिविटी की नैमिक जांच प्रदान की गई। इस वर्ष 755 लोगों की ऑटोनोमिक फंक्शन जांच की गई जिसमें 699 रोगी सम्मिलित थे।

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं. में इन विट्रो फर्टिलाइजेशन और भ्रूण अंतरण (आई वी एफ और ई टी) के अधीन 40 रोगियों के फॉलिक्यूलर फ्लूड नमूनों में अड़तालीस (48) मार्करों हेतु इम्यूनोएस्सै प्रदान किए गए। अच्छी गुणवत्ता के डिम्बाणुजनकोशिकाओं तथा सफल गर्भधारण हेतु तटस्थ आधार वाले अग्रदर्शी मूल्यांकन तथा पूर्वानुमान के लिए इन आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

स्पाईन की संशोधात्मक शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में स्पाईनल कोर्ड फंक्शन की मल्टीमॉडल इंट्राऑपरेटिव निगरानी प्रदान की गई (अस्थिरोग विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली)।

संपूर्ण स्वास्थ्य क्लिनिक (आई एच सी) - तनाव रहित केंद्र

अ. भा. आ. सं. से संकाय सदस्यों, छात्रों, रेजीडेंटों और उनके आश्रितों सहित स्टाफ सदस्यों को तनाव मुक्त रहने के लिए विशेष सत्रों का आयोजन किया गया। प्रत्येक सत्र दो सप्ताह, भोजन अवकाश के दौरान रोजाना एक घण्टे का था। इसमें लगभग 129 कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया और इस सुविधा का लाभ उठाया।

चुने नए दाखिल विद्यार्थियों को नई चुनौतियों का सामना करने में मदद करने के लिए विशेष पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया। वर्ष 2011-12 के दौरान आई एच सी में कुल 18 एम्स छात्रों ने अपना पंजीकरण करवाया।

इसके अतिरिक्त आई एच सी मन - शरीर चिकित्सा का एक केंद्र है। आई एच सी एक बहिरंग रोगी सुविधा है जिसका उपयोग न केवल चिकित्सीय लाभों के लिए होता है बल्कि स्वास्थ्य चेतना को विकसित करने के एक भाग के रूप में भी होता है। इसमें वर्ष 2011-12 के दौरान ई. एच. सी. में कुल 225 (दो सौ पच्चीस) रोगियों ने पंजीकरण करवाया और इसका लाभ उठाया। इसमें एम्स के विभिन्न विभागों से रैफर किए गए चिरकारी रोगों (जैसे मधुमेह, क्रॉनिक डिप्रैशन, स्थूलता आदि) से ग्रस्त रोगों सम्मिलित थे।

विभाग ने निम्नलिखित केंद्रीय सुविधाएं प्रदान कीं :-

(1) ऑटोनोमिक फंक्शन एण्ड मस्क्यूलर फंक्शन

(2) बायोकैमिकल विश्लेषण

(3) कॉनफोकल माइक्रोस्कॉपी

(4) संपूर्ण स्वास्थ्य क्लिनिक

(5) आण्विक जीव विज्ञान

(6) पीड़ा मॉड्यूलेशन स्थिति, तथा

(7) चिरकारी पीड़ा वाले रोगियों हेतु ट्रांस क्रेनियल मेगनेटो थेरेपी

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य रश्मि माथुर को पारकिंसन रोग तथा अन्य गतिज विकारों पर 19वें डब्ल्यू एफ एन विश्व सम्मेलन के दौरान छात्र को पीएच. डी. के दौरान करवाए गए कार्य हेतु सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पुरस्कार प्रदान किया गया, 11-14 दिसंबर 2011, शंघाई, चीन; वे सदस्य, बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय समिति, अ. भा. आ. सं., प्रभारी आचार्य, ट्रांसक्रेनियल मेगनेटो थेरेपी कार्यशाला अ. भा. आ. सं., विषय

विशेषज्ञ, शरीर क्रिया विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन मण्डल, पं. बी. डी. शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसिज़, रोहतक; सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज़ इन फीजियोलॉजी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; अध्यक्ष, तंत्रिकाविज्ञान में नवीन प्रवृत्तियों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा इण्डियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसिज (आईएएन) का 29वें वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली हैं, उन्होंने हाइपोक्सिया तथा इस्कैमिया में न्यूरोसिगनलिंग मैकेनिज्म पर संगोष्ठी की अध्यक्षता की; वे छत्रपति साहू जी महाराज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में सह आचार्य से आचार्य पद पर पदोन्नति के लिए चयन समिति की विषय विशेषज्ञ; मेडिकल काउंसिल ऑफ इण्डिया में शरीरक्रियाविज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु मानक मूल्यांकन कार्य के संशोधन हेतु विषय विशेषज्ञ; सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय; बोर्ड ऑफ स्टडीज़, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग, जे. एन. मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विद्यालय; थीं।

आचार्य के. के. दीपक सदस्य, सलाहकार समिति, ऑल इण्डिया प्री-मेडिकल/प्री-डेन्टल प्रवेश परीक्षा, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी बी एस ई); नोडल अधिकारी, नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एन के एन), भारत सरकार नई दिल्ली; सलाहकार सदस्य, इंटरनेशनल प्रोग्राम एडवाइजरी कमेटी, दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हेतु कार्यक्रम, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एण्ड एसिसटिव टेकनोलॉजी (बी ई ए टी एस) 2012; सदस्य, न्यूनतम मानक अपेक्षाएं (एम एस आर) संबंधी शैक्षिक परिषद् की उप-समिति, एम सी आई; विशेषज्ञ संकाय तथा सह - संयोजक पाठ्यक्रम कार्यान्वयन सहायक कार्यक्रम (सी आई एस पी) एम सी आई में क्षेत्रीय केंद्रों के संकाय हेतु कार्यशाला, नई दिल्ली; सी आई एस पी मॉड्यूलों पर चर्चा तथा उन्हें अंतिम रूप देने हेतु चार कोर समूह के सह संयोजक (कोर ग्रुप ऑन इंटीग्रेटिंग टीचिंग), एम सी आई, नई दिल्ली, विशेषज्ञ सदस्य, स्नातक पूर्व एम बी बी एस कार्यक्रम हेतु कोर्स के पाठ्यक्रम को विकसित करने हेतु समिति, भूटान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज (बी आई एम एस), भूटान; सदस्य, स्नातकपूर्व समिति (यू जी), एम सी आई, नई दिल्ली फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ नेपाल (पी एस एन) को परामर्श मण्डल के सदस्य हैं। वे सदस्य, बाहरी तथा आंतरिक अनुसंधान (आई एस आर), योजनाओं हेतु योगा एवं नेचुरोपैथी की प्रस्तावों के लिए आंतरिक संवीक्षा समिति (आई एस सी), सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योगा एण्ड नैचुरोपेथी (सी सी आर वाई एन), भारत सरकार, नई दिल्ली; सदस्य, शिक्षा समिति, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फिजियोलॉजिकल साइंसिज़ (आई यू पी एस); प्रभारी आचार्य, के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, अ. भा. आ. अं.; सदस्य, शैक्षिक परिषद्, भारतीय खेल प्राधिकरण (एस ए आई), नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एन एस एन आई एस), पटियाला; समीक्षक, इण्डियन जरनल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इण्डियन जरनल ऑफ फिजियोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी, जरनल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन, इन्टरनेशनल जरनल ऑफ योगा, नई दिल्ली हैं; वे सदस्य, संपादकीय मण्डल, इंटरनेशनल जरनल ऑफ योगा; सदस्य, एडवाइजरी बोर्ड ऑफ दि जरनल हैल्थ रीनाएसेन्स, बी. पी. कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ साइंसिज़, धरन, नेपाल हैं वे संपदाकीय मण्डल के कार्यकारी सदस्य; अल असीम जरनल ऑफ मेडिकल साइंसिज़, भारत हैं; साथ ही वे विशेषज्ञ सदस्य, पीयर रीव्यू कमेटी, 'ह्यूमन परफोरमेंस इनहान्समेंट अण्डर डिफरेंट ऑपरेशनल इन्वायरमेंट्स' नामक 11वीं पंचवर्षीय योजना की परियोजना की छमाही समीक्षा, डी आई पी ए एस, डी आर डी ओ, नई दिल्ली; विशेषज्ञ सदस्य, सेन्ट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योगा एण्ड नेचुरोपैथी (सी सी आर वाई एन) में सर्च कम पीयर रीव्यू कमेटी; सदस्य, भण्डार खरीद समिति, अ. भा. आ. सं. हैं।

आचार्य एच. एन. मल्लिक वर्ष 2009-12 के एशियन स्लीप रिसर्च सोसायटी की वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष थे; उन्होंने वर्ल्डस्लीप कांग्रेस 2011, 20 अक्तूबर 2011, क्योटो इंटरनेशनल कन्वेन्शन सेंटर, क्योटो, जापान में 'न्यू लूक इन टू प्री ऑप्टिक एरिया फंक्शन' नामक एक संगोष्ठी का आयोजन किया और उसकी अध्यक्षता की; वे ध्यान रिजेंसी, मुंबई में 10-11 दिसंबर 2011 को आयोजित राष्ट्रीय निद्रा चिकित्सा पाठ्यक्रम 2009 के पाठ्यक्रम निदेशक थे। वे अध्यक्ष, इण्डियन सोसायटी फॉर स्लीप रिसर्च; वित्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया (ए पी पी आई); विशेषज्ञ, चयन समिति नए अ. भा. आ. सं. हैं; साथ ही वह सह संपादक, फ्रंटियर्स इन न्यूरोलॉजी; प्रभारी आचार्य, बलदेव सिंह निद्रा प्रयोगशाला, नई दिल्ली हैं।

आचार्य डी. घोष, कार्यकारी संपादक, इण्डियन जरनल ऑफ फिजियोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी (आई जे पी पी), नई दिल्ली; सदस्य, संपादक मण्डल, क्लिनिकल केमिस्ट्री एण्ड लैबोटरी मेडिसिन (सी सी एल एम) थे। वे आमंत्रित सदस्य,

यूरोपियन सोसायटी ऑफ फार्माकोजिनोमिक्स एण्ड थेरानोस्टिक्स (ई एस पी टी) थे। वह सर्वक्षेष्ठ समीक्षक 2011-12 मानव प्रजनन थे। उनके संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों में दो पत्र (घोष, एट ऑल 2009; घोष एट ऑल. 2011) सर्वश्रेष्ठ थे, जिनका सर्वेक्षण बायोमेडलिब द्वारा किया गया था; वे प्रभारी आचार्य, आण्विक जीव विज्ञान प्रयोगशाला; प्रभारी आचार्य, कॉनफोकल माइक्रोस्कॉपी प्रयोगशाला; प्रभारी आचार्य, बायोकैमिकल अनुसंधान प्रयोगशाला हैं।

डॉ. आर. के. यादव सचिव, संकाय - क्लब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली थे; वे कार्यकारी सदस्य, फैकल्टी एसोसिएशन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली थे वे अनुसंधान स्टाफ की नियुक्ति हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की चयन समिति के सदस्य थे। वह विभागीय निराकृत बोर्ड, कैफेटेरिया विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के अध्यक्ष थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. मरकड वी. कामत, पी. एच. डी., सह - आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, मैकमास्टर विश्वविद्यालय, हैमिल्टन, कनाडा ने एल टी - 1, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में दिनांक 12 मई 2011 को 'हृदय दर विविधता तथा इसके नैदानिक अनुप्रयोग' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।
2. आचार्य डेनिस नोबल, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड, यूनाइटिड किंगडम ने दिनांक 13-17 दिसंबर 2011 के दौरान शरीरक्रियाविज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली का दौरा किया।
3. आचार्य बर्थहोल्ड हपरटज, इंस्टीट्यूट ऑफ सैल बायोलॉजी, हिस्टोलॉजी एण्ड इम्ब्रयोलॉजी, मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ ग्राज, ग्राज ने दिनांक 13-17 दिसंबर 2011 को शरीरक्रियाविज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली का दौरा किया।

9.32 मनोचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

रजत रे

आचार्य

मंजू मेहता	एस. के.	खण्डेलवाल
आर. के. चड्डा		प्रताप शरण

अपर आचार्य

राजेश सागर

सह - आचार्य

नंद कुमार	ममता सूद

विशिष्टताएं

विभाग सामान्य अस्पतालों तथा समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य तथा सेवाएं प्रदान करने में अग्रसर रहा है। विभाग द्वारा सामान्य वयस्क मनोचिकित्सा, बच्चे एवं किशोर मनोचिकित्सा, परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा तथासामुदायिक सेवाओं के क्षेत्र में बहु विषयक सेवाएं प्रदान की गई। समीक्ष्य वर्ष के दौरान विभाग में लगभग 50,000 रोगियों को देखा तथा उपचार किया गया। स्थान के उचित उपयोग के लिए वर्ष 2011-12 में अंतरंग रोगी यूनिट का पुनर्निर्माण कार्य किया गया। विभाग को न्यूरो नेवीगेशन सुविधा से जोड़कर समीक्ष्य वर्ष के दौरान आर टी एम एस की सेवाओं से अद्यतन किया गया है तथा एक नवीन तंत्रिका शरीरक्रिया विज्ञान प्रयोगशाला को भी स्थापित किया गया है। केंद्र की सुविधा ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बैठकों में विशेषज्ञ व्यक्तियों की तरह कार्य किया। विभाग ने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सरकारी तथा व्यावसायी निकायों में मुख्य स्थान प्राप्त किया तथा प्रसिद्ध समकक्ष समीक्ष्य पत्रिकाओं में संपादकीय बोर्ड तथा बहुत से संकाय सदस्यों ने व्यावसायिक सम्मान तथा पुरस्कार प्राप्त किए।

शिक्षा

स्नातक पूर्व प्रशिक्षण

एम. बी. बी. एस.

- थ्योरी / प्रदर्शन : 44 घण्टे (3 सितंबर को 24 घण्टे, 6 सितंबर को 14 घण्टे तथा 8 सितंबर 6 घण्टे)
- समुदाय (सी आर एच एस पी बल्लभगढ़) में प्रदर्शन : 10 घण्टे (7 सितंबर)
- नैदानिक पोस्टिंग : 60 दिन (4 / 5 वें सत्र में 20 दिन तथा 6/8 वें सत्र में 40 दिन)

बी एस सी नार्सिंग

- कुल मिलाकर : 2 सत्र में 38 घण्टे

पी एच डी तथा स्नातकोत्तर प्रशिक्षण

- पत्रिका विचार विमर्श : प्रत्येक सप्ताह में एक बार
- सेमिनार : एक बार, प्रत्यके सप्ताह

- केस सम्मेलन : एक बार, प्रत्येक सप्ताह
- संकाय / स्टाफ प्रस्तुतीकरण : एक बार, प्रत्येक सप्ताह
- सी सी आर तथा सी जी आर : एक बार, प्रत्येक सत्र
- मनोचिकित्सा पर्यवेक्षण : स्नातकोत्तर मनोरोग विज्ञान तथा डॉक्टर स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान छात्रों हेतु
- परामर्श का सर्वेक्षण : मनोचिकित्सा में जूनियर रेजीडेंट्स हेतु संपर्क प्रशिक्षण
- अस्पताल तथा समुदायों में आयुर्विज्ञान स्नातकपूर्व का निर्धारण

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- तनाव पहचान यंत्र के क्रोस कल्चर्ल विकास पर वि. स्वा. सं. - एस ई ए आर ओ बैठक, वि. स्वा. सं. एस ई ए आर ओ बैठक, वि. स्वा. सं. - एस ई ए आर ओ कार्यालय दिल्ली (24-26 अगस्त 2011; 22-23 सितंबर 2011) समवयकर्ता : प्रताप शरण, राजेश सागर)।
- वि. स्वा. सं. / सिरो तनाव पहचान यंत्र हेतु मध्यावधि समवय बैठक, ढाका, बंग्लादेश, 19-20 अक्तूबर 2011 (समवयकर्ता : प्रताप शरण, राजेश सागर)
- "मनोचिकित्सा में एक मनो - शैक्षिक खोज की योजना कैसे बनाएं पर कार्यशाला। भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी की 64वीं वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, कोच्चि, 19-22 जनवरी 2012 (समंवकर्ता आर के चड्डा)
- "मानसिक स्वास्थ्य कार्य" पर संगोष्ठी, भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी का 64वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, कोच्चि, 19-22 जनवरी 2012 (समंवकर्ता : आर सागर एवं आर के चड्डा)।

प्रदत्त व्याख्यान

मंजू मेहता : 2
आर के चड्डा : 8
प्रताप शरण : 14
राजेश सागर : 14

अनुसंधान अधिकारी / पी एच डी / छात्र / रैजीडेंट्स : 10

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्राथमिक फिब्रोमायलजिया संलक्षण में किशोर के साथ नवयुवकों में ड्यूलोक्सिटिन 30/60 मि. ग्रा. दिन में एक बार बनाम प्लेसिबो का प्रभाव (प्रोटोकोल एफ 1 जे - एम सी - एच एम जी डब्ल्यू) पी शरण, आर सागर, इली लिली, 2011-14, रुपए 20 लाख।
2. सीरो हेतु एक तनाव पहचान यंत्र का क्रॉस कल्चरल विकास पी शरण, आर सागर, वि. स्वा. सं. - साउथ ईस्ट एशिया रिजनल ऑफिस, 2010-12, रुपए 10 लाख।
3. सीरो हेतु तनाव पहचान यंत्र की फील्ड जांच। पी शरण, आर सागर, वि. स्वा. सं. - साउथ ईस्ट एशिया रिजनल ऑफिस, 2012-13, रुपए 9 लाख।

4. सीरो हेतु सायकोसिस पहचान यंत्र का विकास। पी शरण, आर सागर, वि. स्वा. सं. - साउथ ईस्ट एशिया रिजनल ऑफिस, 2012-13, रुपए 8 लाख।

5. बृहत डिप्रेसिव विकार तथा मेनिया वाले रोगियों में प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुवाद इमेजिंग (एफ एम आर आई) का प्रयोग तथा न्यूरो कांगिनिटिव। आर सागर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, (डी एस टी), 2010-13, रुपए 38 लाख।

6. अटेंटशन डिफिक्ट / हाइपरएक्टिविटी विकार (ए डी एच डी) में एक नोवल न्यूरोप्लास्टिसिटी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में रेमिडिएट कांगिनिटिव कंट्रोल डिफिक्टस का मूल्यांकन आर सागर, ब्रेन प्लास्टिसिटी इंस्टीट्यूट, सेन फ्रेंससिसको, 2012, रुपए 5 लाख।

7. बायपोलर विकार में कांगिनिटिव प्रकार्य तथा सीरम ब्रेन ड्राइव्ड न्यूरोट्रॉफिक कारक का निर्धारण। एक वर्षीय नेचुरलाइस्टिक फालोअप अध्ययन। आर सागर, डी एस टी, 2012-14, रुपए 25 लाख।

पूर्ण

1. सीरो हेतु तनाव पहचान यंत्र का विकास। पी शरण, आर सागर, वि. स्वा. सं. - साउथ ईस्ट एशिया रिजनल ऑफिस, 2010-11, रुपए 9 लाख।

2. रोग के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण के सुधार हेतु फोर्मेटिव फील्ड अध्ययन (अध्याय 5) पी शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 2010-12।

3. समुदाय आधारित प्राथमिक उपचार स्थानों में सायकोसिस के सोशियो कल्चरल, अयोग्यता तथा पहचान पर समीक्षा। पी शरण, आर सागर, वि. स्वा. सं. - साउथ ईस्ट एशिया रिजनल ऑफिस, 2010-11।

4. बच्चों के स्वास्थ्य पर समुदाय आधारित परियोजना की संभाव्यता पर समीक्षा। आर रे, ए धवन एम मेहता, पी शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन - सीरो कार्या; 2010-11।

5. 'बच्चों में तंत्रिका विकास आयोग्यता' पर अनुसंधान परियोजना हेतु ऑटिज्म तथा ए डी एच डी पर वैधीकरण अध्ययन। आर सागर इंटरनेशनल क्लीनिकल एपिडिमियोलॉजिकल नेटवर्क (आई एन सी एल ई एन), तथा एम ओ एस एवं जे ई।

विभागीय परियोजनाएं

1. विशिष्ट ज्ञान विकारों से पीड़ित बच्चों तथा किशोरों में एफ एम आर आई का अध्ययन (डिसलेक्सिया)।

2. यूथेमिक बाइपोलर विकार - आई रोगियों, जोखिम पर प्रथम डिग्री संबंधी तथा युग्म अनुरूप व्यक्तियों में मनोसामाजिक प्रकार्य, तंत्रिका मनोविज्ञानी प्रकार्य तथा कार्यात्मक न्यूरोइमेजिंग बायोमार्करों के मूल्यांकन हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन।

3. हाइपोपेराथायरोडिज्म से पीड़ित रोगियों में कांगिनिटिव प्रकार्य तथा जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. तनाव में फंक्शनल सोमेटिक लक्षणों की व्यापकता तथा फीनोमेनोलॉजी पर बहुकेंद्रीय अध्ययन। आर के चड्डा (एम्स साइट) इण्डियन सायकेट्रिक सोसायटी द्वारा वित्त पोषित।

2. मोटापे से पीड़ित बच्चों में न्यूरो कांगिनिटिव प्रकार्य। एम मेहता, इनक्लेन द्वारा वित्त पोषित।

3. सिजोफेरेनिया ह्यूमैन कॉम्पलैक्स डिसॉर्डर हेतु डेसिफेयरिंग जीनोटाइप फीनोटाइप सह संबंध में एक संपूर्ण जैव विज्ञानी एप्रोच। आर के चड्डा, एम सूद इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एण्ड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी द्वारा वित्तपोषित (इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एण्ड इंटीग्रेटिड बायोलॉजी के साथ)।

4. प्री पल्स इनहिबिशन पेराडिगम, मिसमैच नेगेटिव एण्ड लॉग लेटेन्सी इवैंट संबंधी संभाव्यताओं का प्रयोग डिसलेक्सिक बच्चों में फोनेम्स तथा टोन्स के प्री एटेंटिव तथा एटेंटिव प्रक्रिया का अध्ययन। आर सागर। डी एस टी द्वारा वित्त पोषित (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के साथ)।

5. किशोरों में तनाव के नैदानिक मेनीफेस्टेशन में न्यूरोट्रॉफिन, सायटोकाइंस, तथा आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म की भूमिका। आर सागर, डी एस टी द्वारा वित्त पोषित (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के साथ)।

6. सिजोफेरेनिया के भेषजआनुवंशिकी पर बहु केंद्रीक परियोजना आर सागर। आई सी एम आर द्वारा वित्त पोषित (तंत्रिका रसायन विज्ञान विभाग के साथ)।

7. चिरकारी आईडियोपैथिक आइसोलेटिड हाइपोपेराथायरोडिज्म से पीड़ित रोगियों में इमपेयर्ड कांगनिशंस की व्यापकता (अंतः स्राविकी विज्ञान विभाग के साथ)।

8. सूचना पुस्तिका को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में चयनित स्कूलों में यौवनारंभ के परिवर्तनों संबंधी स्कूली बच्चियों में तनाव तथा कोपिंग नितियों के निर्धारण हेतु अध्ययन (नर्सिंग महाविद्यालय के साथ)।

9. रिनोप्लास्टी करवा रहे रोगियों का नैदानिक तथा मनोवैज्ञानी मूल्यांकन (नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

10. नॉन एपिलेप्टिक घटनाओं से पीड़ित बच्चों में नैदानिक स्पैक्ट्रम (बाल चिकित्सा विभाग के साथ)।

11. मेश फिक्शेसन की विभिन्न तकनीकों वाले छेदन तथा वेंट्रल हार्निया के लेप्रोस्कॉपिक उपचार के पश्चात् दीर्घ अवधि परिणाम, चिरकारी दर्द, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन एक पायलट अध्ययन (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)।

12. स्पाउसल वृक्क प्रतिरोपण समूह में दाता तथा प्राप्तकर्ता के जीवन की गुणवत्ता पर वृक्क प्रतिरोपण के प्रभाव का मूल्यांकन (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)।

पूर्ण

1. तनाव से पीड़ित किशोरों में सीरम इंटरल्यूकिन स्तरों पर योग तथा नेचुरोपैथी का प्रभाव। आर सागर, आयूष।

2. केवल मानक उपचारों की तुलना में डिप्रेसिव विकार वाले रोगियों पर मानक उपचार के साथ श्वसन तकनीक (एस के वाई) का प्रभाव। आर सागर, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई सी एम आर)।

3. लेप्रोस्कोपिक इंगयूनल हार्निया उपचार में हल्के भार बनाम ज्यादा भार मेश में गंभीर ग्रोइन दर्द तथा जीवन की गुणवत्ता की तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)।

4. एल्जाइमर्स दवा चिकित्सा विज्ञान की भेषजानुवंशिकी। आर सागर, आई सी एम आर (तंत्रिका जैव रसायन विज्ञान विभाग के साथ)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 49 पुस्तकों में अध्याय : 3 पुस्तकें तथा मोनोग्राफ्ट / रिपोर्ट : 4

रोगी उपचार

ओ पी डी तथा विशिष्ट क्लीनिक्स उपस्थिति (मनोचिकित्सा एम्स)	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
सामान्य ओ पी डी			
वॉक - इन क्लीनिक	12353	30069	42422
विस्तृत निर्धारण	1790	-	1790

विशिष्ट क्लीनिक

बाल मार्गदर्शन	507	570	1087
औषध व्यसन क्लीनिक	119	1605	1724
ई एच एस उपस्थिति	1863	-	1863
कुल	**16632**	**32244**	**48876**

प्रयोगशाला जांच : सीरम लिथियम 628

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. मंजू मेहता ने इण्डियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एण्ड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ पर अध्यक्षीय संबोधन दिया, बेंगलौर (17-19 नवंबर 2011); जनवरी 2012 में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल सायकोलॉजिस्ट की अध्यक्ष रहीं; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड न्यूरोसाइंस, बेंगलौर की प्लानिंग एवं निगरानी समिति की सदस्य; शैक्षिक परिषद्, बिहार विश्व विद्यालय (पटना); शैक्षिक परिषद्, हैदराबाद विश्वविद्यालय (हैदराबाद); बोर्ड ऑफ विजिटर्स, इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एण्ड एलाइड साइंसिज (नई दिल्ली); केंद्रीय विश्वविद्यालय, पटना के कार्यक्रम में मास्टर्स हेतु पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए बिहेवियरल एण्ड कांगिनिटिव साइंसिज की विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक में भाग लिया (15-16 अप्रैल 2011); चैन्नई में नए प्रस्तावित कार्यक्रम में जारी एम फिल, नैदानिक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम तथा प्रशिक्षण के निर्धारण के संचालन करने हेतु रिहेबिलिटेशन ऑफ इण्डिया के चेयरमेन द्वारा आमंत्रित (21-22 मार्च 2012); संघ लोक सेवा आयोग तथा निमहंस (बेंगलोर) में साक्षात्कार में सहायता की; नेशनल ज्यूडिशियल अकेडमी द्वारा आयोजित श्री लंकन जजों हेतु विकसित शैक्षिक कार्यक्रमों हेतु विशिष्ट व्यक्ति, भारत (भोपाल, 9 अगस्त 2011)।

प्रो. आर के चड्डा इण्डियन एसोसिएशन फॉर सोशल सायकेट्री के अध्यक्ष के रूप में रहे (2010-13)। उन्हें अमेरिकन सायकेट्रिक एसोसिएशन का विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय फेलो चुना गया। वह इण्डियन सायकेट्रिक सोसायटी टास्क फोर्स ऑन मेंटल हेल्थ लेजिलेशन (2011-12), पुरस्कार समिति, इण्डियन सायकेट्रिक सोसायटी नॉर्थ जो (2007-2011); के अध्यक्ष के रूप में सेवा प्रदान की तथा चयन आयोग, इण्डियन सायकेट्रिक सोसायटी नार्थ जोन (2011) तथा एजुकेशन सायकेट्रिक सोसायटी टास्क फोर्स ऑन अंडरग्रेजुएट्स मेडिकल एजुकेशन के सह अध्यक्ष रहे (2012-13)। वह दि एडिटोरियल बोर्ड ऑफ इंटरनेशनल सायकेट्रिक पब्लिकेशन ऑफ दि रॉयल कॉलेज ऑफ सायकेट्रिस्ट यू. के., के सदस्य हैं (2011-14); मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली हेतु पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति (11-12 अगस्त 2011)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली के "आपदा के दौरान आपदा तैयारी हेतु मनोसामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु प्रतिछेदक के विकास हेतु मनोसामाजिक सहायता तथा मानसिक स्वास्थ्य सेवा" पर विशेषज्ञ समूह (बैठक दिनांक 9 फरवरी 2012 को आयोजित हुई); तथा इण्डियन एडेप्शन ऑफ दि डब्ल्यू एच ओ एम एच जी ए पी इंटरवेंशन गाइड पर विशेषज्ञ समूह (कार्यशाला दिनांक 30 अगस्त 2012 को पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़ में आयोजित हुई)। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (5 मई 2011) तथा एस सी आई (13 मई 2011) में मनोचिकित्सा में स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम में प्रस्तावित परिवर्तन पर विचार विमर्श हेतु बैठक में भाग लिया।

प्रो. प्रताप शरण आई सी डी - 10 मानसिक एवं व्यावहारिक विकारों की समीक्षा हेतु अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समूह के सदस्य हैं। वह (2011-13) में अध्यक्ष हैं तथा (2009-11) में उपाध्यक्ष रहे तथा इण्डियन सोसायटी फॉर चाइल्ड एण्ड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ की पुरस्कार समिति के अध्यक्ष रहे। वह दि इण्डियन एसोसिएशन फॉर सोशल सायकेट्री के यू जी तथा पी जी मेडिकल एजुकेशन में टास्क फोर्स फॉर सायकेट्री के संयोजक हैं (2011-12) तथा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य हैं, जर्नल ऑफ इंटिग डिसॉर्टर के सम्पादकीय मण्डल, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इण्डिया के कार्य समिति, इण्डियन जर्नल ऑफ सोशल सायकेट्री के संपादकीय मण्डल; जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड ह्यूमन बिहेवियर के संपादकीय सलाहकार मण्डल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तथा अन्य केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों के छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं केस पर अध्ययन के पश्चात् उपचारी उपायों पर परामर्श हेतु टास्क फोर्स; नवोदय विद्यालय समिति (एन वी एस) के छात्रों हेतु व्यवहार पद्धति के

मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ मण्डल; तथा वांशिगटन डी सी में आयोजित पेशंट रिपोर्टिड आउटकम्स एण्ड पर्सन सेंट्र्ड केयर इन मेंटल हेल्थ' पर सम्मेलन हेतु अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड (28-30 सितंबर 2012)। उन्होंने समीक्ष्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित पत्रिकाओं में विशिष्ट समीक्षक के रूप में सेवा प्रदान की; बी एम सी सायकेट्री, बुलेटन ऑफ दि वर्ल्ड हेल्थ ओर्गनाइजेशन, कम्प्रीहेंसिव सायकेट्री, इमेशन, इण्डियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इण्डियन जर्नल ऑफ पेलिएटिव केयर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल सायकेट्री इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सायकेट्री इन क्लीनिकल प्रैक्टिस, इंटरनेशनल सायकेट्री, जर्नल ऑफ अफेक्टिव डिसार्डर्स, लेसेंट, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इण्डिया, तथा पी ली ओ एस मेडिसिन। वह राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा प्रायोजिक परियोजना शीर्षक "ग्लोबल मानसिक स्वास्थ्य पर महा चुनौतियां" हेतु विशिष्ट अतिथि रहे।

डॉ. राजेश सागर केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण सी एम एच ए के सचिव हैं जी ओ आई तथा इंटरनेशनल एडोप्शन रेगुलेटरी अथोरिटी (सी ए एच ए) महिला एवं बाल मंत्रालय, जी ओ आई हेतु समिति के विशेषज्ञ सदस्य उन्हें राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा डी जी एच एस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता के तहत मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पर विचार विमर्श हेतु विशेषज्ञ के रूप में बुलाया गया (16 मार्च 2012) तथा वह लाखों मौतों पर अध्ययन (अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, ग्लोबल स्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र स्वा. एवं. परि. कल्याण मंत्रालय) हेतु स्वा. एवं परि. क. मंत्रालय, जी ओ आई (5 जनवरी 2012) में वरिष्ठ अधिकारियों "आत्महत्या मृत्युदर" विषय पर तकनीकी रूप दिया, विमर्श हेतु विचार विमर्शक थे। वह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित "कांगिनीटिव डिफिक्ट्स ऑफ लर्निंग डिसएबिलिटिज" विषय पर ब्रैनस्ट्रॉमिंग सत्र हेतु विशेषज्ञ व्यक्ति थे (1-2 मार्च 2012) वह केंद्रीय होमियोपैथी अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, जी ओ आई की एथिक्स कमेटी के सदस्य हैं। वह इण्डियन साइकेट्री सोसायटी नॉर्थ जोन की पत्रिका के संपादक हैं। वह इण्डियन सायकेट्री सोसायटी के संसदीय समिति के संयोजक हैं तथा राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की सायकेट्री में विशेषता सलाहकार बोर्ड हैं तथा उन्होंने इग्नू में डी एन बी (सायकेट्री) छात्रों हेतु टेलीकॉन्फ्रेंसिंग सत्र समन्वित किया (29 मार्च 2012) उन्हें वि. स्वा. सं. द्वारा मालद्वीप के मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लेखा संचालन हेतु नियुक्त किया गया। उन्हें सोसायटी फॉर इम्पावरमेंट, वेलविंग, एचिवमेंट एण्ड नॉलेज (सीवॉक) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (डी सी पी सी आर) द्वारा आयोजित "ओवरआर्चिंग इशू ऑफ चिल्ड्रन विद स्पेशन नीड" विषय पर सेमिनार हेतु (17 मार्च 2012), तथा इनक्लेन एवं एम ओ एस जे एण्ड ई द्वारा आयोजित 'तंत्रिका विकास अयोग्यता परियोजना' हेतु अनुसंधान कर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु विशिष्ट व्यक्ति थे (नवंबर 2011)। वह इण्डियन सायकेट्री सोसायटी नॉर्थ जोन (अमृतसर, अप्रैल 2011) के मध्य अवधि क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा में "ए डी एच डी के नैदानिक पहलू" पर व्याख्यान हेतु अध्यक्ष थे तथा उन्होंने यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एम्स, नवंबर 2011) की डिजाइनिंग की तथा संचालन किया तथा 'डिजाइनिंग मेडिकल रिसर्च एण्ड थीसिस' विषय पर कार्यशाला हेतु विशेषज्ञ व्यक्ति थे। वह मेंटल हेल्थ टू दि न्यू दिल्ली बर्थ कोहार्ट स्टडी ग्रुप, नेपाल में एपिडिमियोलॉजी ऑफ मेंटल डिसोर्डर्स पर बहु केंद्रीय अध्ययन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में सायकेट्रिक अस्वस्थता दर पर एपिडिमियोलॉजिकल अध्ययन (सी आर पी एफ, स्वा. एवं. परि. क. मंत्रालय, वि. स्वा. सं.) हेतु परामर्शदाता भी हैं। उन्होंने "बच्चों में तंत्रिका विकासात्मक अयोग्यता" विषय पर बहु केंद्रीय अनुसंधान परियोजना की सेंट्रल कॉर्डिनेटिंग टीम एण्ड टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप पर अपनी सेवाएं प्रदान की। (ऑटिज्म स्पीक्स, दि इण्डियन नेशनल ट्रस्ट ऑफ एम एस जे एण्ड ई, इनक्लेन)

डॉ. ममता सूद ने पटना में आयोजित इण्डियन एसोसिएशन फॉर सोशल सायकेट्री के राष्ट्रीय सम्मेलन में बेलिंट पुरस्कार जीता।

9.33 फुफुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार

आचार्य एवं अध्यक्ष

रणदीप गुलेरिया

आचार्य

जी. सी. खिलनानी

सह-आचार्य

अनंत मोहन

शिक्षा

विभाग द्वारा व्यापक रूप से स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर शैक्षिक कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जिसमें संपूर्ण व्याख्यान, सेमिनार, बेडसाइड पर नैदानिक केस विचार-विमर्श तथा पत्रिका क्लब सम्मिलित हैं। स्नातकपूर्व छात्रों को प्रत्येक पोस्टिंग के पश्चात नियमितरूप से मूल्यांकित किया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

रणदीप गुलेरियाः 8

जी.सी. खिलनानीः 21

अनंत मोहनः 8

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. फेंफड़ा कैंसर में परिसंचरित डी एन ए तथा प्रोटीन मार्करों का नैदानिक प्रभाव। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर परियोजना नवम्बर 2011 तक, रू. 19 लाख (लगभग)।
2. ओब्सट्रक्टिव स्लीप एपिनिया सिंड्रोम में आनुवंशिक, चयापचयी तथा हार्मोनल प्रोफाइल। रणदीप गुलेरिया, डी एस टी परियोजना नवम्बर 2011 तक, रू. 24 लाख।
3. चिरकारी ओब्सट्रक्टिव पुलमोनरी डिजीज, डिसपेनिया के साथ संबध तथा रोग की गंभीरता में सीरम लेप्टिन, न्युट्रिशलन स्टेटस तथा इन्फलेमीटरी मार्कर्स। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर परियोजना मार्च 2011 तक, रू. लगभग 30 लाख।
4. चिरकारी अवरोधक फुफुसीय पुनर्वास, पेशी शक्ति, प्रदाहक मार्कर्स तथा जीवन की गुणवत्ता के प्रभाव की तुलना करना। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर परियोजना, जून 2013 तक। रू. लगभग 30 लाख
5. सूक्ष्मपोषक आहार लेना तथा गंभीर अस्थमा में उनके सीरम प्लाज्मा स्तर। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर परियोजना, अक्टूबर 2012 तक।
6. अवरोधक निद्रा अपेनिया संलक्षण (ओ एस ए एस) तथा गैर-एल्कोहलिक फैट्टी लीवर रोग (एन ए एफ एल डी) में मारकोफेज माइग्रेशन इनहिबिटरी फेक्टर (एम आई एफ) पेरोक्सिसम प्रोलिफिरेटर-एक्टिवेटिड, रिसेप्टर-साय (पी पी ए आर वाय) इंटरल्यूकिन- 6 (आई एल- 6) सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सी आर पी), इन्सुलिन रिसेप्टर सब्सट्रेट (आई आर एस)

इंसुलिन रिसेप्टर सबसट्रेट (आई आर एस)। तथा लेप्टिन रिसेप्टर जीनों को साइटोकाइन तथा हार्मोन स्तरों के साथ सह-संबंध तथा आनुवंशिक पालिमोर्फिज्म का अध्ययन करना। रणदीप गुलेरिया, परियोजना 2015 तक।

7. साधारण हाइपरटेंशन से पीड़ित रोगियों ने हर्बल संघटक एम ए 305 का नैदानिक परीक्षण। रणदीप गुलेरिया। महर्षि आयुर्वेद, परियोजना सितम्बर 2014 तक, रू. 4 लाख।

8. चिरकारी अवरोधक फुफुसीय रोग के संबधी पोलिमोर्फिज्म तथा उत्तर भारतीय जनसंख्या में इसके उपायों का आनुवंशिक संबंधी अध्ययन। सी ओ पी डी आनुवंशिक संघ। रणदीप गुलेरिया। परियोजना 2015 तक।

9. फेंफड़ा कैंसर रोगियों के ट्यूमर तथा सीरम में ट्यूमर सप्रेशन जीन्स तथा ओंको जीन्स के एबरेंट प्रोमोटर मेथीलेशन की खोज। रणदीप गुलेरिया, परियोजना 2015 तक, रू. लगभग 27 लाख।

10. अवरोधक निद्रा अपेनिया में गंभीर क्षति बायोमार्कर जीन पोलिमोर्फिज्म की भूमिका। रणदीप गुलेरिया। आई सी एम आर परियोजना 2015 तक।

11. भारतीय रोगियों में समुदाय अवाप्त न्यूमोनिया (सी ए जी) के नैदानिक तथा सूक्ष्मजैव विज्ञानी प्रोफाइल का एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन। जी सी खिलनानी, पी फाइजर लिमि. 2009-12, रू. 13.57 लाख।

12. धुम्रपान तथा गैर धुम्रपान संबंधी कारणों के कारण चिरकारी अवरोधक फुफुसीय रोग से पीड़ित रोगियों में क्रमबद्ध प्रदाहक में विभिन्नताओं का अध्ययन। अनंत मोहन, आई सी एम आर, 2009-12, रू. 28 लाख।

13. प्रगत नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर में आंक्सिडेटिव स्ट्रेस, न्यूट्रिशनल प्रोफाइल तथा नेदानिक प्रतिक्रिया पर प्लेटिनम आधारित कीमोथेरेपी का प्रभाव। अनंत मोहन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2011-14, रू. 9.4 लाख।

14. चिरकारी अवरोधक फ़ुफ़ुसीय रोग तथा सीरम वेब स्तरों के साथ उसका सह-संबंध एवं रोग गंभीरता के विकास हेतु इंटरल्यूकिन- 6, आई एल- 13, तथा आई एल- 10 जोखिम कारकों के रूप में आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म का अध्ययन। अनंत मोहन, आई सी एम आर, 2011-14, रू. 29.29 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. लंग कैंसर से पीड़ित अंतःरंग रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।

2. तीव्र गंभीर के सी ओ पी डी वाले भर्ती रोगियों में मत्युदर तथा अस्वस्थता दर के पूर्वसूचक।

3. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में अवाप्त न्यूरोमेस्कुलर वीकनैसः घटना, पूर्वसूचक तथा परिणामों पर प्रभाव।

जारी

1. लंग कैंसर में पौषणिक स्तर।

2. सरकोईडोसिस से पीड़ित रोगियों में ब्रोंकोएल्वोकोलर लेवज लूड में लेक्टेट डिहाइड्रोजिनेस तथा एल्कालाइन फोसफेट स्तर।3. सी ओ पी डी में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण

4. मेडिकल छात्रों में धुम्रपान की आदतें।

5. स्थिर सी ओ पी डी रोगियों को पौषणिक स्तर तथा जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।

6. अस्थमा के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।

7. दिल्ली के शहरी स्लम क्षेत्रों में धुम्रपान की आदतें।

8. विटामिन डी स्तर तथा बोन मिनरल डेनसिटी (बी एम डी) तथा सी ओ पी डी की गंभीरता के साथ उसका संबंधः केस नियंत्रण अध्ययन।

9. वेंटीलेटर से जुड़े न्यूमोनिया के भविष्यसूचक कारक ओर्गनिज्म में सीरियल इंडोट्रेकियल एस्पाइरेट्स की भूमिका।

10. गंभीर सेप्सिस से पीड़ित रोगियों में अवाप्त इलैक्ट्रोफिजियोलाजिकल अपसामान्यताएं तथा परिणाम पर उसका प्रभावः एक अग्रदर्शी अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 18 सारः 8 पुस्तकों मे अध्यायः 7

रोगी उपचार

फुफुसीय चिकित्सा ओ पी डी

नए रोगी	2593	पुराने रोगी	2884
इंजैक्शन	167	प्रक्रियाएं	02
फेफड़ा कैंसर क्लीनक	43		

प्रयोगशालाएं

श्वसन प्रयोगशाला

स्पाइरोमीटरी प्रक्रियाएं	6968
डियूजन क्षमता आकलन	794
बॉडी बॉक्स (प्लेथीज्मोग्राफी) माप	428
ऑक्सिमेट्रिस	2308
अधिकतम स्वैच्छिक वेंटीलेशन	536

ब्रोंकोस्कॉपी प्रयोगशाला

फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कॉपी प्रक्रियाएं	881

निद्रा प्रयोगशाला

पोलीसोम्नोग्राफी अध्ययन	202

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. रणदीप गुलेरिया ने निम्नलिखित सम्मान प्राप्त कियाः फुफुसीय चिकित्सा के क्षेत्र में अपने महत्वूपर्ण योगदान के लिए इंडियन चेस्ट सोसायटी आई सी एस- डॉ. सी वी रामाकृष्णन व्याख्यान पुरस्कार 2011 प्राप्त किया, 16वें नेशन साइंटिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ इनवायरमेंटल एंड रेस्पाइरेट्री डिजीज नेस्कॉन 2011 में प्रो. डॉ. पी एस शंकर व्याख्यान पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें वि.स्वा.सं मुख्यालय, जीनेवा, स्वीटरजलैंड में इंलूएजा वैक्सीन तथा इम्यूनाइजेशन पर एस ए जे ई कार्यकारी समूह हेतु वि.स्वा.सं. (डब्लू एच ओ) के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया, सितम्बर 2011 में वियना, आस्ट्रिया में फिजिशयन्स हेतु विकिरण संरक्षण पर गाइडेंस मेटिरियल के विकास हेतु इंटरनेशलन ओटोमिक एनर्जी एसोसिएशन की तकनीकी बैठक में परामर्शदाता। उन्हें डी एम (फुफुसीय तथा गंभीर उपचार) पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ हेतु बाह्य परीक्षक नियुक्त किया गया, एम डी (काय चिकित्सा) परीक्षा, शेरे कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसिज, श्रीनगर, जे एंड के हेतु बाह्य परीक्षक नियुक्त किया गया। डॉ. रणदीप

गुलेरिया आई सी एम आर के "ट्यूबरोकुलोसिस लेप्रोसी एंड अदर चेस्ट डिजीज" पर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य रहे। उन्हें मेडिकेशल मेनेजमेंट इन हॉपीटल्सः दवा एवं चिकित्सीय समिति की भूमिका नई दिल्ली, पर एशियन रिजनल ट्रेनिंग कोर्स हेतु कोर समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया। एम डी (इटर्नल मेडिसिन) नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज, बीर हॉस्पीटल, काठमाण्डु, नेपाल हेतु बाह्य परीक्षक। उन्हें दि इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइन सांइसिस के संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया। उन्हें वर्ष 2009 का नेशनल मेडिकल साइंस अकेडमी का फैलो पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. रणदीप गुलेरिया को वियना, आस्ट्रिया में इंटरनेशलन एटोमिक एनर्जी एजेंसीटेक्नीकल कॉपरेशन प्रोग्राम ऑन पेशेंट रेडिएशन एक्सपोजर ट्रेकिंग हेतु परामर्शदाता के नियुक्त किया गया।

प्रो. जी.सी. खिलनानी को नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन्स (भारत) का अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने इंडियन सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की प्रत्यायक समिति हेतु अध्यक्ष के रूप में सेवा प्रदान की। उन्होंने काउंसिल ऑफ गवर्नर्स एंड रिजेंटस, अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस हेतु गवर्नर (उत्तरी भारत) के रूप में सेवा प्रदान की। वह एक्सक्यूटिव काउंसिल ऑफ नार्थ इसटर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग मेघालय के सदस्य हैं। उन्हें नेशनल टास्ट फोर्स फॉर इनवोल्वमेंट ऑफ कारपोरेट हास्पीटल्स एंड इंस्टीट्यूशन ओफरिंग डी एन बी अंडर आर एन टी सी पी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, भारत सरकार (केन्द्रीय टी बी प्रभाग) का सदस्य नामित किया गया।

डॉ. अनंत मोहन को ई आर एस कांग्रेस, एम्सटर्डम में 'सी ओ पी डी के गंभीर अवस्था से पीड़ित रोगियों में नैदानिक स्वास्थ्य लाभ के साथ स्स्टिेमिक प्रदाहक का संबंध' विषय पर पेपर प्रस्तुतीकरण हेतु यूरोपियन रेस्पाइरेट्री सोसायटी से सिल्वर स्पोनसरशिप पुरस्कार प्रदान किया गया, सितम्बर 2011। उन्हें जनवरी 2012 में 'अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस' (ए सी सी पी) की फैलोशिप भी प्रदान की गई।

9.34 विकिरण निदान

आचार्य एवं अध्यक्ष
अरूण कुमार गुप्ता

आचार्य

दीप नारायण श्रीवास्तव | राजू शर्मा

अपर आचार्य

संजय थुलकर (आई.आर.सी.एच.) | आशु सेठ भल्ला | संजय शर्मा(आर.पी.सी.)

सह–आचार्य

स्मृति हरि | शिवानंद गामनगाटी (ट्रामा सेंटर) | अतिन कुमार (ट्रामा सेंटर)

वैज्ञानिक–IV
शशि बी.पॉल

विशेषताएं

विभाग सक्रिय रूप से रोगी उपचार, शिक्षा और अनुसंधान में कार्यरत था। विभाग ने चिकित्सा शिक्षा का आयोजन किया और विभिन्न सी.एम.ई. एवं राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 100 से अधिक व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण दिए/प्रस्तुत किए। विभाग राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क द्वारा वित्तपोषित मल्टी–सेंटर परियोजना, आई.सी. एम.आर. द्वारा वित्तपोषित 4 सहयोगी नैदानिक ट्रायल्स, एक इंट्रामुरल वित्तपोषित परियोजना तथा 60 से अधिक विभागीय एवं सहयोगी परियोजनाओं में शामिल था। संकाय ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स अनुसूची में 85 से अधिक दस्तावेज प्रकाशित किए तथा विभिन्न पुस्तकों में 12 अध्यायों का सहयोग दिया और एक टेक्सट पुस्तक एडिट की।

शिक्षा

स्नातक–पूर्व

विभागीय संकाय ने एम.बी.बी.एस. छात्रों के लिए 55 व्याख्यान दिए। नेपाल से प्रयोजित। छात्र सहित 9 छात्रों के बैच को 2011–12 में बी.एस.सी. (आनर्स) चिकित्सा प्रौधोगिकी में रेडियोग्राफी (एम.टी.आर.) पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया।

स्नातकोत्तर

विभाग ने 25 जूनियर रेजीडेन्ट्स को (एम.डी. विकिरण विज्ञान) में प्रशिक्षित किया जिनमें से 3 प्रायोजित अभ्यर्थी हैं। स्नात्तकोत्तर छात्रों की अकादमिक गतिविधियों में प्रतिवर्ष 35 सेमिनार, 35 जर्नल क्लब, 70 केस चर्चाएं, 70 दिलचस्प फिल्मी सत्र एवं 80 व्याख्यान कक्षाएं शामिल थीं।

विभाग द्वारा देशभर में "विकिरण विज्ञानियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण दिया गया।"

सी.एम.ई./कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित सी.एम.ई.

1. मस्कुलोस्केलटल एंड ब्रेस्ट इमेजिंग/एम्स–एम.ए.एम.सी.–पी.जी.आई. इमेजिंगकोर्स सीरिज़, 2–3 मार्च 2012, नई दिल्ली।

दिए गए व्याख्यान

डी.एन. श्रीवास्तव	:	6	राजूशर्मा	:	12
संजय थुलकर	:	8	संजय शर्मा	:	6
आशु सेठ भल्ला	:	11	स्मशति हरि	:	3
शिवानंद गामनगाटी	:	9	अतिन कुमार	:	12
शशि पॉल	:	1			

ओरल/पोस्टर प्रस्तुतीकरण

1. अहमद जैड, भल्ला ए.एस., विकास सी.एस., पाटिल ए. गुप्ता ए.के., स्पेक्ट्रम ऑफ पेडिएट्रिक्स वॉल लेज़ियन्सः एक फोटो प्रदर्शनी आई.आर.आई.ए., हैदराबाद का 65वां वार्षिक, सम्मेलन, 28–31 जनवरी 2012 ।

2. वलियन वी., भल्ला ए.एस., फैज़ी एन.ए., गोयल डी., श्रीनिवासन के., द ग्रेट मिमिकर– द मिरियद इमेजिंग फीचर्स ऑफ सरकॉयडोसिस, आई.आर.आई.ए., हैदराबाद का 65वां वार्षिक सम्मेलन, 28–31 जनवरी 2012

3. भल्ला ए.एस., अरोड़ा ए., गामनगाटी एस., शर्मा एस.सी., भटनागर वी.के. परकुटेनियस और ट्रांसआर्टिरियल एंजियोएम्बोलाइजेशन इन हाई फलो वास्कुलर मालफार्मेशन्स आफ आरिकल आई.एस.वी.आई.आर. का 14वां वार्षिक सम्मेलन, त्रिवेन्द्रम, 13–16 अक्तूबर 2011

4. चावला बी., शर्मा एस. सेन एस, आजाद आर.बी., बजाज एम.एस., पुष्कर एन, एट एल.। नैदानिक फीचर्स, चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं रेटिनोब्लास्टोमा में हिस्टोपेथोलॉजिकल फाइन्डिंग्स में सह–संबंध; एक भविष्यलक्षी अध्ययन। अमेरिकन एकेडमी आफ आप्थलमोलॉजी आरलैण्डो, यू.एस.ए., 22–25 अक्तूबर 2011 (ओरल पेपर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार)।

5. द्विवेदी डी.के., जगन्नाथन एन.आर., दत्तागुप्ता एस., डिण्डा ए.के., द्विवेदी एस.एन. कुमार आर. एट.एल.। डिफ्यूज़न एम.आर.आई. का नैदानिक उपयोगः विभिन्न ग्लीसन स्कार्स में ए.डी.सी. मूल्यः एन.एम.आर. में नए विकासों पर संगोष्ठियां तथा राष्ट्रीय चुम्बकीय अनुनाद सोसाइटी का 18वां सम्मेलन, बंगलौर, 5–8 फरवरी 2012।

6. द्विवेदी डी.के., जगन्नाथन एन.आर., दत्तागुप्ता एस. डिण्डा ए.के., द्विवेदी एस.एन., कुमार आर. एट.एल.। इन वीवो एम.आर. विधि से शीघ्र प्रोस्टेट कैंसर में टिशू सेल्युलेरिटी एंड मेटाबॉलिज़्म। भारतीय जैव भौतिकी सोसाइटी की वार्षिक बैठक, चेन्नै, 19–21 जनवरी, 2012।

7. द्विवेदी डी.के., जगन्नाथन एन.आर., दत्तागुप्ता एस. डिण्डा ए.के., द्विवेदी एस.एन., कुमार आर. एट.एल.। चुम्बकीय अनुनाद स्पैक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग (एम.आर.एस.आई.) और डिफ्यूज़न एम.आर.आई. (डी.डब्ल्यू. एम.आर.आई.) की प्रोस्टेट कैंसर का शीघ्र पता लगाने की क्षमता। 17 वां अंतर्राष्ट्रीय जैव भौतिकी कांग्रेस

तथा प्योर एवं एप्लाईड जैव भौतिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय यूनियन के अंतर्गत 12वीं चाइनीज़ जैव भौतिकी कांग्रेस, बीजिंग, 30 अक्तूबर–3नवमबर 2011।

8. फैजी एन.ए., गामनगाटी एस., शर्मा आर., गुप्ता ए.के., पाहवा एस., पीलिंग द मेम्बेरनः इमेजिंग आफ पेरीटोनिटम, मेसेन्टरी एंड ओमेन्टम। 97वीं सांइटिफिक, एसेम्बली, उत्तरी अमेरिका की विकिरण विज्ञानी सोसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए., 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011।

9. फैज़ी एन.ए., सेठ ए. शर्मा आर., पाहवा एस. साहू आर., पीपिंग थ्रू द. विंडोः इमेजिंग आफ ओटरोपुल्मोनोरी बिंडो लेज़ियन, 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली, तथा उत्तरी अमेरिका की विकिरण विज्ञानी सोसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए. 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011।

10. गामनगाटी एस., मुकुन्द ए, फैज़ी एन.ए., पाहवा एस. शर्मा एस., गर्ग पी। इंफ्लेम्ड पेनक्रियासः हम क्या कर सकते है? गंभीर पेनक्रियटिटिस– संबंधी जटिलता के व्यवस्थापन में इंटरवेंशनल विकिरण–विज्ञानी की भूमिका। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका की विकिरण विज्ञानी सेसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए. 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011।

11. गोयल ए., शर्मा आर., भल्ला ए.एस., गामनगाटी एस., गुप्ता ए.के. सेठ ए., इंफ्लामेट्री रेनल चोटो में डिफ्यूजन–वेटेड एम.आर.आई.; सभी गलिटर्स हानिकारक नहीं होते। 67वीं कोरियन कांग्रेस आफ रेडियोलॉजी, सियोल, दक्षिणी कोरिया, 27–29 अक्तूबर 2011।

12. गोयल ए., शर्मा आर, भल्ला ए.एस. गामनगाटी एस, गुप्ता ए.के. सेठ ए। फोकल रेनल मासिस का डिफ्यूजन वेटेड एम.आर.आई. लक्षण–वर्णन। आई.आर.आई.ए. का 65वां वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद 28–31 जनवरी 2012।

13. गुप्ता पी, भल्ला ए.एस., शर्मा आर.। द्विपक्षीय एडरेनल चोटें। आई.आर.आई.ए. का 65वां वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद 28–31 जनवरी 2012 ।

14. गुप्ता पी., भल्ला ए.एस. थुलकर एस, कुमार ए, ठक्कर ए, मोहंती बी. के, एट एल। नियोएडजुवेंट सुपरसिलेक्टिव उन्नत कैंसर लैरिजियल और हाइपो लैरिंजियल के रोगियों में इंट्रा आर्टिरियल कीमोथैरेपीः प्राथमिक परिणाम। आई.आर.आई.ए. का 65वां वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद, 28–31 जनवरी 2012 ।

15. कुमार पी. गोयनका ए.एच., गामनगाटी एस., भल्ला ए.एस. श्रीवास्तवडी.एन., इंटरवेंशनल रेडियोंलॉजी के दौरान ओ.एस.एल. डोसिमेट्री। भारतीय मेडिकल फिजीजिस्ट एसोसिएशन का 16वां वार्षिक सम्मेलन (उत्तरी अध्याय) लुधियाना, 23–24 अप्रैल 2011 ।

16. महालिंगम एस, शर्मा आर, श्रीवास्तव डी.एन. गामनगाटी एस। डिफ्यूजन–वेटेड इमेजिंग इंफ्लामेट्री को पेनक्रयास के नियोप्लास्टिक मास से अंतर करने में भूमिका। 97 वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका की विकिरण विज्ञान सोसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए., 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011 ।

17. पाहवा एस, कल्याणसुदंरम एस.सेठ.ए. फैजी एन.ए., चौधरी ए., भूटिया ओ. जोड़ों की टेम्पोरोमंडीबुलर असमान्यताओं का एम.डी.सी.टी. मूल्यांकनः इमेजिंग स्पेक्ट्रम। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका की विकिरण विज्ञान सोसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए. 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011

18. पाहवा एस. गामनगाटी एस. कुमार ए. कुमार एस. फैजी एन. गुप्ता पी। बल्ट ट्रामा में रेटरोपेरिनोटियल चोटें इमेजिंग फीचर्स एवं प्रभाव। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका की विकिरण विज्ञानसोसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए. 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011

19. पाहवा एस. सेठ ए. कुमार ए. गामनगाटी एस. फैजी एन.ए., इमेजिंग आफ ब्रेकियल प्लेक्ससः सामान्य एवं असामान्य घावों का स्पेक्ट्रम। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका की विकिरण विज्ञानी सोसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए. 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011 ।

20. पाहवा एस. शर्मा एस. अनीश एम.के. फैजी एन.ए. श्रीराम जे. पुष्कर एन। पित्ताशय के अंतर–कक्षीय घावों पर आई.आर.आई.ए. का 65वां वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद, 28–31 जनवरी 2012

21. पाहवा एस. शर्मा एस. अनीश एम.के. फैजी एन.ए., श्रीराम जे. पुष्कर एन.। अंतर–कक्षीय पित्ताशय घावः इमेजिंग गैलरी। वैज्ञानिक प्रदर्शनी। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका की विकिरण विज्ञानी सोसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए. 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011

22. पाहवा एस, थुलकर एस, फैजी एन.ए, गोयल डी, शर्मा एस, कटारिया ए.। ओरल कैबिटी के ट्यूमर्स की इमेजिंग। विकिरण विज्ञानियों को क्या जानने की आवश्यकता है। वैज्ञानिक प्रदर्शन। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका की विकिरण। विज्ञानी सोसाइटी की वार्षिक बैठक। शिकागो शिकागो , यू.एस.ए., 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011

23. पांडा ए, भल्ला ए.एस, कंडास्वामी डी, पफ आफ स्मोक स्टोरी; स्पैक्ट्राम में ध्रूमपान संबंधी रोग एवं उनका रेडियोलॉजिकल एपीयरेंस। आई.आर.आई.ए. का 65 वां वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद, 28–31 जनवरी 2012।

24. पाटिल ए., भल्ला ए.एस., गोयल डी, जगन्नाथ एस, रामाबट ए, श्रीनिवास वी., एट. एल.। एच.आर.सी.टी. टेम्पोरल बोन इन माइक्रोटियाः भूतलक्षी अध्ययन। भारतीय न्यूरोरेडियोलोजी सोसाईटी का 14वां वार्षिक सम्मेलन। चण्डीगढ़, 22–25 सितम्बर 2011।

25. प्रमाणिक जी. भल्ला ए.एस., शर्मा आर., थुलकर एस., कुमार ए., ठक्कर ए., एटएल। कार्सिनोमा कंठनली में कार्टिलेज इनवेज़न का मूल्यांकन– एम.डी.सी.टी. एवं एम.आर.आई. की तुलना। भारतीय न्यूरोरेडियोलॉजी सोसाइटी का 14वां वार्षिक सम्मेलन, चंडीगढ़, 22–25 सितम्बर 2011।

26. प्रेम एस, कुमार आर, महापात्रा एस, शर्मा एस. सक्सेना आर, न्यूरोपेनिक रोगियों में इनवेसिव पुलमोनरी एस्परगिलोसिसः उच्च संकल्प सी.टी. स्कैन से शीघ्र निदान। अमेरिकन नैदानिक ऑनकालोजी सोसाइटी, वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए., 3–7 जून 2011।

27. शर्मा एस. फैजी एन.ए., पाहवा एस., चावला बी, राधाकृष्णन वी., बक्शी एस। एम.आर. इमेजिंग आफ रेटिनोब्लास्टोमाः विवाद के घेरे में। वैज्ञानिक प्रदर्शन। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका विकिरण विज्ञानी सोसाइटी की वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए., 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011

28. शर्मा एस., जन एम, अरोड़ा एस. थुलकर एस, शर्मा एस.के., पुष्कर एन, ऑप्थलमिक मेनिफेस्टेशन्स आफ सिस्टेमेटिक डिजीजः इमेजिंग गैलरी। वैज्ञानिक प्रदर्शन। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका विकिरण विज्ञानी सोसाइटी वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए., 27 नवम्बर–2 दिसम्बर, 2011

29. शर्मा एस., कुमार ए., गामनगाटी एस, फैजी एन, पाहवा एस., रिप्लेसिंग स्कालपेल विद एक्सरेः सी.टी. ऑटोप्सी इन ट्रॉमा। 97वीं सांइटिफिक एसेम्बली तथा उत्तरी अमेरिका विकिरण विज्ञानी सोसाइटी वार्षिक बैठक, शिकागो, यू.एस.ए., 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011 ।

30. श्रीनिवासन के. भल्ला ए.एस., गडोडिया ए., शर्मा आर., कुमार ए., चौधरी ए.आर. एट.एल। डेंटल सिस्ट और ट्यूमर में मेंडीबुलर कनाल के होने पर एम.डी.सी.टी. एवं 3डी वाइब एम.आर. सीक्वेंस की तुलना–

प्रारम्भिक अनुभव।भारतीय न्यूरोरेडियोलॉजी सोसाइटी का 14वां वार्षिक सम्मेलन, चंडीगढ़, 22–25 सितम्बर 2011 ।

31. श्रीनिवासन के, भल्ला ए.एस., शर्मा आर, कुमार ए.। जबड़े के सिस्ट ट्यूमर्स एवं ट्यूमर जैसी चोटें– सचित्र समीक्षा। आई.आर. आई.ए. का 65वां वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद, 28–31 जनवरी 2012 ।

32. विशाल टी.डी., शर्मा एस., थुलकर एस., श्रीवास्तव डी.एन., कुमार आर., हरि एस., एट एल प्रोस्टेट कैंसर की पहचान हेतु ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलेस्टोग्राफी तथा कन्ट्रास्ट एनहेंस्ड सोनोग्राफी का मूल्यांकन। निजाम चिकित्सा विज्ञान संस्थान, हैदराबाद, 19 नवम्बर 2011 (विकिरण विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा बेस्ट पेपर प्रस्तुतीकरण के लिए काकारला सुब्बाराव गोल्ड मेडल प्रतिस्पर्द्धा में द्वितीय पुरस्कार।)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एन.के.एन.मॉडल परियोजनाः एक्सरे के प्रयोग से स्केलटल इमेजिंग में नेटवर्क एनेब्लड मेडिकल डायग्नोजिज एवं शिक्षा। ए. के. गुप्ता, राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क, 2011–15, प्रथम वर्ष के 'लिए 50 लाख रूपए।

पूर्ण

प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने हेतु ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलेस्टोग्राफी तथा कंट्रास्ट एनहेंस्ड सोनोग्राफी का मूल्यांकन। संजय शर्मा, अनुसंधान ग्रान्ट संस्थान, एम्स, 2010–11, 1.0 लाख रूपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सिर की हल्की चोट में सी.टी.परफ्यूजन की भूमिका।
2. एम.आर. इमेजिंग का उपयोग करते हुए वर्टेब्रल पैथोलॉजी का मूल्यांकन। एन्डोविनस लेजर एबलेशन तथा रेडियो फ्रीक्वेंसी एबलेशन का तुलनातमक मूल्यांकन।
3. निचले अंगों के लाक्षणिक वैरिकोसिटी के उपचार में सर्जरी।
4. रेनल केल्कुली के आकलन में दोहरी एनर्जी सी.टी. की भूमिका।
5. सीमित एम.आर.आई. सह–संबंध सहित पेट की ब्लंट चोट में ठोस रेट्रोपेरीटोनियल अंग चोटों का एम. डी.सी.टी. मूल्यांकन।
6. गठिया की पहचान में दोहरी एनर्जी सी.टी. की भूमिका।
7. डिफ्यूजन वेटेड एम.आर. इमेजिंग तथा अल्ट्रासाउंड इलेस्टोग्राफी का प्रयोग करते हुए नेक मास का मूल्यांकन।
8. हड्डी के ट्यूमर का आपरेशन–पूर्व एम्बोलाइजेशन।
9. ऊपरी एक्सट्रीमिटी के पेरिफेरल न्यूरोपेथिस का यू.एस. एवं एम.आर. मूल्यांकन।
10. एडल्ट ट्रॉमेटिक ब्रेकियल प्लेक्सस चोटो का एम.आर.आई. मूल्यांकन
11. पेनक्रियेटिक पैथोलॉजी में परफ्यूजन सी.टी. की भूमिका।

12. डिस्कोजेनिक निचले पीठ के दर्द के लिए परकुटेनियस रेडियोलॉजिकल हस्तक्षेप की भूमिका।

13. कूल्हे के पुराने दर्द का एम.आर.आई. मूल्यांकन।

14. फेफड़े से संबंधित आवर्त्तक/दुर्दम्य घातक बहाव के उपशमन में पल्यूरोडेसिस के साथ या बिना बेनी कैथटर के प्रयोग से अल्ट्रासाउंड निर्देशित थोराकोसेन्टेसिस।

15. इमेजिंग आफ रेटिनोब्लास्टोमा में डिफ्यूजन वेटेड एम.आर.आई. की भूमिका।

16. एडवांस कैंसर लैरिंजियल और हाइपो–लैरिजियल के रोगियों में इंट्रा आर्टिरियल कीमोथैरपी (नियोएडजुवेंट)

17. स्तन लेजियन के मूल्यांकन में पूर्ण फील्ड डिजीटल मैमोग्राफी (एफ.एफ.डी.एम.) के रूप में डिजीटल स्तन टोमोसिन्थेसिस की भूमिका।

18. स्तन संरक्षण सर्जरी (बी.सी.एस.) के लिए अंतः ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड (आई.ओ.यू.एस.) का उपयोग– एक व्यवहार्य अध्ययन।

19. एंडोमेट्रियल कैंसर की आपरेशन–पूर्व स्टेजिंग में डायनामिक कंट्रास्ट एनहेंस्ड और डिफ्यूज़न वेटेड एम.आर.आई.की भूमिका।

20. ट्रॉमेटिक लिवर चोटो के मूल्यांकन में एम.डी.सी.टी. की भूमिका।

पूर्ण

1. सिस्ट, ट्यूमर और जबड़े की ट्यूमर जैसी चोटें: विशालदर्शी रेडियोग्राफ तथा सीमित एम.आर.आई. सह–संबंध के साथ एम.डी.सी.टी. द्वारा मूल्यांकन।
2. रेनल मास चोटो में डिफ्यूज़न वेटेड एम.आर.आई. सहित चुम्बकीय अनुनाद मूल्यांकन।
3. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने हेतु ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड इलेस्टोग्राफी तथा कंट्रास्ट एनहेंस्ड सोनोग्राफी का मूल्यांकन।
4. सर्विक्स कार्सिनोमा की स्टेजिंग और प्रबंधन में सी.टी. की भूमिका।
5. नैदानिक ब्रेस्ट इमेजिंग मेंमैमोग्राफी के सहायक रूप में ब्रेस्ट अल्ट्रासांउड की नैदानिक उपयोगिता।
6. पीड़ादायक बेनाइन अस्थि ट्यूमर्स और मेटास्टेसिस की परकुटेनियस रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. अंतिम अवस्था के स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम के रोगियों में ऑस्टियो–ओडोंटो किरेटो प्रोस्थोसिस हेतु आपरेशन पूर्व योजना तथा जांच हेतु सहायक रूप में सी.टी. की भूमिका। (ऑप्थलमोलॉजी)।
2. बिलियरी एट्रेसिया के लिए पोर्टोएंटेरोस्टोमी के रोगियों में एम.आर.सी.पी. (बाल रोग सर्जरी)
3. कोलेडॉकन सिस्ट के रोगियों में विषम पेनक्रियेटोबिलियरी डक्टल यूनियन का निर्धारण (बाल रोग सर्जरी)
4. हाइपोपाराथीरायडिज़्म में अवबोधात्मक शिथिलता (एंडोक्रिनोलॉजी)
5. स्पाइनल तपेदिक में तपेदिक रोधी उपचार की अवधि के भविष्यलक्षी और भूतलक्षी मूल्यांकन–क्लीनिक रेडियोलॉजिकल अध्ययन (आर्थोपेडिक्स)

6. कोलेडोकल सिस्ट के रोगियों में पोर्टल हाइपरटेंशन (बालरोग सर्जरी)

7. फंगल ओरबिटल संक्रमण के उपचार में वोरिकोनेजोल (आप्थलमोलॉजी)

8. एक्सट्रा–आक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा के लिए मल्टीमोडल उपचार एप्रोच का मूल्यांकनः एक यादश्च्छिक अध्ययन (आप्थलमोलॉजी)

9. कार्यात्मक एम.आर.आई. एवं डी.टी.आई. द्वारा गम्भीर ऑप्टिक न्यूरिटिस के मामलों में कॉरटिकल मस्तिष्क सक्रियता तथा विजुअल पाथवे का मूल्यांकन (ऑप्थलमोलॉजी)

10. प्रोस्टेट कैंसर का शीघ्र पता लगाने के मूल्यांकन में चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रास्कोपिक विधियों की भूमिका (एन.एम.आर.)

11. कोरोनरी एथरोस्लेरॉटिक प्लेक का मूल्यांकन (चिकित्सा भौतिकी)

12. एशियाई भारतीयों में गैर–एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग के साथ हिपेटिक वसा पर प्रगामी प्रतिरोध व्यायाम प्रशिक्षण का प्रभाव (मेडिसिन)

13. एंथ्रोपोमेट्रिक तथा जैव रसायन पैरामीटरों के साथ एडिपोसाइट साइज की एसोसिएशन का अध्ययन (मेडिसिन)

14. रूकावटपूर्ण नींद एपनिया सिंड्रोम के साथ रेट्रोग्नेथिक टी.एम.जे. एंकीलॉसिस रोगियों में ऑस्टियोजेनेसिस डिस्ट्रक्शन के बाद संरचनात्मक एवं कार्यात्मक रेसपिरेट्री पैरामीटर के मूल्यांकन हेतु नैदानिक अध्ययन (ओटोलेरिंगोलॉजी)

15. स्लाइवरी ग्लैंड रूकावटपूर्ण पैथोलॉजी के रोगियों में क्लिनिकल, रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल और सियलेडोस्कोपी की भूमिका का आकलन (ओटोलेरिंगोलॉजी)

16. सी.ओ.पी.डी. के रोगियों में मेटाबॉलिक सिंड्रोम की व्यापकता का अनुमान (मेडिसिन)

17. अज्ञात ओरिजन के पाइरेक्सिया में एफ.डी.जी.–पी.ई.टी./सी.टी. की नैदानिक उपयोगिता (मेडिसिन)

18. सिस्टेमेटिक सिरोसिस के रोगियों में इंटरस्टीशियल फेफड़े के रोग की सक्रियता के आकलन में ब्रोंकोलविलर लेवेज फ्ल्यूड विश्लेषण की उपयोगिता।

19. रूकावटपूर्ण नींद एपनिया सिंड्रोम के प्रबंधन में नेज़ल ओरोफेरिंजियल, पेलेटल अथवा रेट्रोग्लोसल एडवांस सर्जरी द्वारा साइट निर्देशित सर्जिकल उपचार का आकलन (ओटोलेरिंगोलॉजी)

20. बचपन के प्रारम्भिक विकास हारमोन कमी के साथ एशियाई भारतीयो में जीनोटाइप–फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन। (एंडोक्रिनोलॉजी)

21. कुशिंग के सिंड्रोम रोगियों का निदान एवं विभेदक निदान। (एंडोक्रिनोलॉजी)।

22. पैरानेजल साइनस की एंडोस्कोपिक सर्जरी में इमेज गाइडिड नेवीगेशन की भूमिका (ओटोलेरिंगोलॉजी)।

23. बॉयोएक्टिव सिन्थेटिक बोन ग्राफ्ट पुटी के प्रयोग से साइनस ऑगमेंटेशन में निर्मित हड्डी की मात्रा एवं गुणक्ता के आकलन का प्री–पोस्ट इंटरवेंशन (दंत विज्ञान)

24. शिशुओं, बच्चों और किशोरों में कारोटिड आर्टरी के संदर्भ में आंतरिक जुगुलर नस का अल्ट्रासाउंड निर्देशित स्थानीयकरण। (एनसथीसिया)

25. सामान्य और पैथोलॉजिकल इनर कान का कम्प्यूटेड टोमोग्राफी मेज़रमेंट (ओटोलेरिंगोलॉजी)

26. एशियन भारतीयों में रूकावटपूर्ण नींद एपनिया के सथ गैर–अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग का संबंध (मेडिसिन)

27. स्मॉल हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन बनाम परकुटेनियस एसिटिक थेरेपी का यादश्च्दिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

28. अनउच्छेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआट्रिय कीमोथेरेपी (टीए.सी.ई.) बनाम ओरल कीमोथेरेपी टी.ए.सी.ई. प्लस का यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

29. अनउछछेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआट्रिय कीमोथेरीपी (टी.ए.सी) बनाम ओरल कीमोथेरेपी का यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

30. ट्रासआर्टियल कीमोथेरेपी तथा ट्रासआर्टियल कीमोइम्बोलाइजेशन करवा रहे हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में रेनल फेलियर रोकथाम में एन–एसिटिलसिस्टेन का यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

31. अनउछेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ओरल कीमोथेरेपी बनाम सहायक थेरेपी का यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

32. हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में थेराप्यूटिक रिस्पॉन्स के आकलन तथा डायग्नॉसिस में कंट्रास्ट एनहेंस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

33. चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग द्वारा ट्रांस अर्टिरियल कीमोएबोलाइजेशन के बाद हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा प्रतिक्रिया का आकलन (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

34. चिरकालिक गंभीर लिम्ब इश्केमिया के रोगियों में एम्प्यूटेशन की रोकथाम में ऑटोलोग्स स्टेम कोशिकाओं की सुरक्षा तथा प्रभावकता (सर्जरी)

35. ब्लंट चेस्ट ट्रॉमाः भविष्यलक्षी तथा भूतलक्षी समीक्षा (सर्जरी)

36. पेनक्रिएटिटिस में न्यूनतम इनवेसिव नेक्रोसेक्टोमी (गेस्ट्रोइंटेस्टिनल सर्जरी)

37. पेनीक्रियास के स्यूडोसिस्ट के लेपरोस्कोपिक और एंडोस्कोपिक ड्रेनेज की तुलना हेतु एक भविष्यलक्षी यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी)

38. अभिघात और चेहरे की एंट्रोजेनिक तंत्रिका की चोट के मामलों में चिकित्सा और सर्जरी उपचार के परिणाम तथा चोट के पैटर्न का मूल्यांकन (ओटोलेरिंगलॉजी)।

39. एथमॉइडल पॉलिप के रोगियों में एंट्रल म्यूकोसल बदलावों का क्लीनिको–पैथोलॉजिकल अध्ययन (ओटोलेरिंगलॉजी)।

40. सामान्य बाइल डक्ट पथरी और गॉल ब्लेडर की पथरी के रोगियों में एकल स्टेज बनाम दो स्टेज उपचार की तुलना–एक यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी)

41. स्तर । ट्रॉमा केन्द्र में हिपेटोबिलियरी और पेनक्रियाटिक चोट के परिमाण, गंभीरता और परिणाम का भूतलक्षी तथा भविष्यल़क्षी मूल्यांकन (सर्जरी)

42. गंभीर पेरिटोनियल डायलिसिस रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव, एंडोथिलियल अकार्यात्मकता और कैरोटिड इंटिमल मीडिया थिकनेस पर एन–एसिटिलसिस्टीन के प्रभाव– एक खुला यादश्च्छिक परीक्षण (नेफरोलॉजी)

43. सिरोसिस के रोगियों में हेपटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के निदान मे कंट्रास्ट एनहेंस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

44. हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में लोकोरीजनल थेरेपी के बाद थेराप्यूटिक प्रतिक्रिया के आकलन के लिए कंट्रास्ट एनहेंस्ड अल्ट्रासाउंड (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

45. हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा का पता लगाने के लिए सिरोसिस के रोगियों की देखरेख– एक सम्मिलित अध ययन (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

पूर्ण

1. एम.आर.आई. के प्रयोग से टविन ब्लॉक एप्लायंस थेरेपी के विभिन्न चरणों में मासेटर मासपेशी के पैमाने में बदलावों का मूल्यांकन (डेंटिस्ट्री)
2. टविन ब्लॉक थेरेपी के बाद मानव जबड़े में तनाव वितरण के विश्लेषण हेतु फिनिट एलीमेंट अध्ययन (डेंटिस्ट्री)
3. स्माल बॅवल के अल्सरों–कन्सट्रक्टिव चोटों का मूल्यांकन (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)
4. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी करवा रहे एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में इमेजिंग मॉडेलिटिस की भूमिका (सर्जरी)
5. ब्रेस्ट कैंसर के आकलन में अल्ट्रासाउंड इलेस्टोग्राफी की भूमिका (सर्जरी)
6. हरियाणा में रह रहे ग्रामीण समुदाय में व्यस्क लोगों में गैर–एल्कोहलिक फेट्टी लीवर रोग की भूमिका (कम्यूनिटी मेडिसिन)।
7. ब्लीफेरोफिमोसिस टोसिस एपिकेंथस इन वर्सेस सिंड्रोम के रोगियों में नैदानिक, विकिरण विज्ञानी तथा आनुवंशिक मूल्यांकन की भूमिका (ऑप्थलमोलॉजी)
8. अंतर्राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा स्टेजिंग प्रणाली के अनुसार रेटिनोब्लास्टोमा स्टेज 3 में नियोएडजुवेट कीमोथेरेपी तथा स्टेज 2 में एडजुवेंट कीमोथेरेपी का मूल्यांकन (ऑप्थलमोलॉजी)
9. अस्वस्थ मोटे रोगियों में स्टेपल लाइन रीइन्फोर्समेंट के साथ तथा उसके बिना लेपरोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी का यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (सर्जरी)
10. कॉनजेनिटल न्यूरोपेथिक स्ट्रेबिस्मस में इमेजिंग फाइंडिंग्स का क्लीनिकल सह–संबंध (ऑप्थलमोलॉजी)
11. संभावित फंगल निमोनिया के इम्यून–काम्प्रोमाइज्ड रोगियों में इमेजिंग गाइडिड लंग बायोप्सियां तथा इसकी कलीनिकल जटिलताएं (रूधिर विज्ञान विभाग)
12. एशियाई भारतीयों में कोरोनरी धमनी रोग में गैर–एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग का अध्ययन (मेडिसिन)
13. कप्रेशन अल्ट्रासाउंड पर आधारित गहन शिरा थ्रोम्बोसिस के रोगियों में एंटीकोएगुलेशन की अवधि का अध्ययन (रूधिर विज्ञान विभाग)
14. पोस्ट आपरेटिव मैक्सिलोमेंडीबुलर फिक्सेशन के बिना मेंडीबुलर फ्रेक्चर के आस्टियोसिंथेसिस में बायोरिर्सोबेबल प्लेस की प्रभावकता का अध्ययनः एक भविष्यलक्षी अध्ययन (डेंटिस्ट्री)
15. रेडियोग्राफिक तथा क्लीनिकल विधियों द्वारा कांडीलर गाइडेंस को मापने हेतु तुलनात्मक अध्ययन (डेंटिस्ट्री)।

16. शुरूआती और मॉडरेट एडवांस लेरिंजियल एवं हाइपो लेरिंजियल कैंसर के लिए ट्रासपोरल लेजर माइक्रोसर्जरी (टी.एल.एम.) की ऑनकालोजी पर्याप्तता तथा कार्यत्मक परिणाम (ओटोलेरिंगोलॉजी)

17. जे.एन.ए. में विदियन केनाल के निहित होने के जुवेनाइल नेसोफेरेंजियल एंगियोफिब्रोमा (जे.एन.ए.) तथा रेडियोलॉजिकल एवं हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन (ओटोलेरिंगोलॉजी)

18. मिलियरी तथा फैले हुए तपेदिक में माइकोबेक्टीरिया का अध्ययन (मेडिसिन)

19. हाइपरलिपिडेमिया में एटोरवासटेटिन तथा स्टीरॉयड प्रतिरोधक नेफरोटिक सिंड्रोम में केरोटिड इंटीमा मीडिया थिकनेस के प्रोग्रेशन का प्रभाव (बाल रोग विभाग)

20. C ब्रेस्ट मास के निदान में अल्ट्रासाउंड एलास्टोग्राफी, मेमोग्राफी और सोनोग्राफी की तुलना (सर्जरी)

21. थॉयराइड नोडयूल्स की स्वायत्तपूर्ण कार्यात्मकता के साथ रोगियों कैलकुलेटिड डोज एप्रोच बनाम रेडियोआयोडीन एब्लेशन की सफलता हेतु नियत डोज की तुलना (न्यूकलियर मेडिसिन)।

22. हिस्टोलॉजिकल पोस्टऑपरेटिव मूल्यांकन द्वारा तथा ब्रेस्ट अल्ट्रासाउंड द्वारा टर्मिनल डक्टोलोबुलर यूनिट प्रीओपरेटिव की गहनता को मापना (सर्जरी)

23. टेनिस एलबो के साथ रोगियों का सादा रेडियोग्राफ तथा एम.आर. इमेजिंग (आर्थोपेडिक्स)।

24. स्पाइनल ट्रांमा का एम.डी.सी.टी. मूल्यांकनः आपरेशन–पूर्व तथा आपरेशन के बाद मूल्यांकन (आर्थोपेडिक्स)।

25. सिरोसिस तथा नॉन–सिरोटिक पोर्टल हाइपरटेंशन में ट्रांसिएंट इलेस्टोग्राफी द्वारा लीवर स्टीफनेस आकलन (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

26. संक्रमित पैंक्रिएटिक नेक्रोसिस के उपचार हेतु एम.आर.आई. आधारित प्रोटोकॉल (गेस्ट्रोइंटेस्टिनल)

27. इसोफॉग्स के कार्सिनोमा के रोगियों में सर्वाइकल लिम्फ नोड्स का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन (जी.आई सर्जरी)

28. ट्रांसआट्रियल कीमोइम्बोलाइजेशन (टी.ए.सी.ई.)ः अनउच्छेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के लिए पेलीएटिव थेरेपी (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

29. केवल डिक्लोफेनाक तथा डिक्लोफेनाक के साथ अल्ट्रासोनिक उपचार के साथ प्लेंटर फेसाइटिस के रोगियों में पैर के दबाव के बल विश्लेषण का तुलनात्मक अध्ययन (भौतिक चिकित्सा एवं पुर्नवास विभाग)

30. गम्भीर डॉरसल तथा लम्बर स्पाइन चोटों में प्रबंधन नीतियां (न्यूरोसर्जरी)।

31. लेरिंगोट्रेकियल स्टेनोसिस के लिए सबग्लोटिक स्टेनोसिस के मामलों में ग्राफटिंग के साथ और उसके बिना क्रिकॉयड स्पिलट के प्रभाव का अध्ययन (ओटोलेरिंगोलॉजी)

32. सिर की गंभीर चोट वाले रोगियों में बढ़े हुए आई.सी.पी. के लिए ऑप्टिक नर्व शीथ डायामीटर मापन (न्यूरोसर्जरी)

33. रूकावटपूर्ण नींद एपनिया के रोगियों में कार्डियोवेस्कुलर बायोमार्करों पर निरंतर सकारात्मक एयरवे प्रेशर का प्रभाव (मेडिसिन)

34. लेपरोस्कोपिक इंगनिल हर्निया का इलाज करवा रहे रोगियों में टेस्टीकुलर रक्त प्रवाह तथा वाल्यूम का मूल्यांकन (सर्जरी)

प्रकाशन

जर्नल्सः 83

पुस्तकेंः 1

पुस्तकों में अध्यायः 12

रोगी उपचार : विभाग के पास इमेजिंग के लिए स्टेट–आफ–आर्ट सुविधाएं है जिनमें 7 डिजीटल रेडियोग्राफी भूनिट, 8 डिजीटल पोर्टल रेडियोंग्राफी यूनिट, 4 कन्वेंशनल पोर्टेबल रेडियोग्राफी मूनिट, 2 डिजीटल फ्लूरोस्कोपी यूनिट, 2 कनवेंशनल फ्लूरोस्कोपी यूनिट, एक फ्लैट पैनल डी.एस.ए. लैब, कलर डॉपलर के साथ 13 अल्ट्रासाउंड स्कैनर, 4 पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड यूनिट, 3 सीटी स्कैनर जिनमें से एक डुअल एनर्जी स्कैनर है, एक फुल फील्ड डिजीटल मैमोग्राफी यूनिट एवं बोन8 डेनसिटोमेट्री के लिए डेक्सा यूनिट शामिल है। इस वर्ष के अंत तक विभाग स्वयं का 1.5 टी एम.आर.आई. स्कैनर होगा। विभाग मुख्य अस्पताल में सभी क्लीनिकल विभागों की एमरजेंसी डायग्लॉस्टिक एवं इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं सहित बड़ी संख्या में डायग्लॉस्टिक एवं इंटरवेंशनल रेडियोंलॉजी प्रक्रियाएं निष्पादित करता है। सप्ताह में 20 से अधिक क्लीनिक–रेडियोलॉजिकल सम्मेलन अयोजित किए गए जिनमें क्लीनिकल सहयोगियों के साथ इमेजिंग अन्वेषणों पर चर्चा की गई। विभाग इलेक्ट्रॉनिक रिपोर्टिंग के लिए सम्मिलित प्रयास कर रहा है तथा उसका लक्ष्य क्षमता संग्रहित करने एवं प्रतिवर्तन समय कम करने पर है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विभाग में निम्नलिखित उपकरण सम्मिलित किए गए। 2 मोबाइल रेडियोग्राफी यूनिट, एक डिजीटल फ्लैट पैनल रेडियोग्राफी सिस्टम, एक डिजीटल मोबाइल रेडियोग्राफी सिस्टम तथा 2 हाई–एन्ड अल्ट्रासाउंड सिस्टम। वर्ष के दौरान निष्पादित/विचाराधीन अन्वेषण एवं प्रकियाएं निम्नलिखित हैः

जांच का विवरण

अन्वेशण का नाम/विशेष प्रक्रियाएं

नेमी एक्सरे	संख्या
• ओ.पी.डी.	79350
• इंडोर	20010
• आपात	44901
• पोर्टेबल	31555
विशेष जांच	
• बेरियम अध्ययन	2274
• इंटरावीनस पायलोग्राफी	1594
• मिक्चुरेटिंग सिस्टूरेथोग्राफी	1796
• हिस्टीरोसालपिंगोग्राफी	318
• आपरेशन थियेटर अध्ययन	84
• अन्य कंट्रास्ट अध्ययन	1122

मैमोग्राफी

अल्ट्रासाउंड

• नेमी	21986
• आपात	16325
• डापलर (नेमी+आपात)	2984
कुल	41,295

सीटी

• बाडी	11384
• सिर	5217
कुल	16,601

वास्कुलर अध्ययन

• डिजीटल सबट्रेक्शन एनजियोग्राफी (डी.एस.ए.)	783
• वेनोग्राफी	8
कुल	791

एम.आर.आई.

इंटरवेंशनली प्रक्रियाएं

• अल्ट्रासाउंड–गाइडिड	2509
• सी.टी.–गाइडिड	473
• वास्कुलर	1000
• मैमोग्राफी बयोप्सी/एफ.एन.ए.सी.	34
कुल	4016
कुल विशेष अन्वेषण	74,762
महायोग (नेमी+विशेष)	2,50,578

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर दीप एन. श्रीवास्तव :भारतीय वास्कुलर एवं अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी सोसाइटी के चयनित अध्यक्ष थे। (2011–12)

प्रोफेसर राजू शर्मा: वैज्ञानिक समिति, दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2012, दिल्ली राज्य चैप्टर आफ इंडियन रेडियोलॉजिकल एवं इमेजिंग एसोसिएशन, 25–26 फरवरी 2012, के अध्यक्ष थे; एक्सपर्ट प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग समिति, जैव प्रोद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सदस्य थे।

डॉ. संजय शर्मा ने भारतीय रेडियोलॉजिकल एवं इमेजिंग ऐसासिएशन (आई.आर.आई.ए.) के 65वं वार्षिक सम्मेलन में डॉ. जे.सी. बोस मेमोरियल ओरेशन प्रस्तुत किया; हैदराबाद, 29 जनवरी 2012; उपाध्यक्ष, दिल्ली चैप्टर आफ आई.आर.आई.ए. (2011–12); संयुक्त सचिव, भारतीय वास्कुलर एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी

सोसाइटी (2010–11); कोषाध्यक्ष, भारतीय वास्कुलर एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सोसाइटी (2011–14); संयुक्त आर्गेनाइजिंग सचिव, दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2012, दिल्ली स्टेट चैप्टर आफ इंडियन रेडियोलॉजिकल एवं इमेजिंग एसोसिएशन, 25–26 फरवरी 2012; सदस्य, विशेषज्ञ सलाहकार समिति आई.सी.एम.आर., उपकरणों की खरीद हेतु (डिजीटल एक्स–रे मशीन एवं पी.एसी) नए स्थापित राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, (एनआई.आर.ई.एच.), भोपाल, 2011 ।

डॉ. शशि बी. पॉलः लिवर के अध्ययन हेतु यूरोपियन एसोसिएशन के चयनित सदस्य (ई.ए.एस.एल.) 2012 ।

श्री रमेश शर्मा एवं श्री पवन.के. पोपली **(रेडियोग्राफरर्स)** को "डोस वाइस रेडियोग्राफर आफ द इयर पुरस्कार 2011" दिया गया।

9.35 प्रजनन जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आनंद कुमार

अपर आचार्य

आशुतोष हल्दर

सह-आचार्य

एन एन सरकार | पी के चतुर्वेदी

विशेषताएं

विभाग द्वारा डॉक्टरल, पोस्ट डॉक्टरल तथा मास्टर स्तर के प्रशिक्षुओं को प्रजनन जैव विज्ञान मे सुयोग्यता- आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है तथा लगातार चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों को सहायता प्रदान की जा रही है। विभाग द्वारा हाइपोक्सिया तथा लेडिग सेल, स्टेरोइडोजेनसिस, आण्विक कौशिकानुवंशिकी के क्षेत्र में अनुसंधान हेतु तथा प्रयोगशाला जांच में जैवविज्ञान, गर्भनिरोधक दवाओं तथा गुणवत्ता नियंत्रण के संबंध में जीन वातावरण अन्योन्यक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया विभाग द्वारा विभिन्न संस्थानों/ संगठनों तथा सरकारी निकायों जैसे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (लखनऊ), तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (नई दिल्ली) की गतिविधियों में भी सहायता प्रदान की गई। विभागद्वारा विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं जैसे जरनल ऑफ फर्टिलिटी एंड स्टीरिलिटी, इंटरनेशनल जरनल ऑफ एन्ड्रोलॉजी, इंटरनेशलन जरनल ऑफ गायनोकोलॉजी एंड ऑब्सट्रिक्स, ऑफ जेनेटिक्स एंड मोलिकुलर बायोलॉजी, इंडियन जरनल ऑफ पेडिएट्रिक्स एंड इंडियन पेडिएट्रिक्स हेतु भी सहायता प्रदान की। प्रो. आनंद कुमार ने 10-12 दिसम्बर, 2011 को आई आई टी, दिल्ली, भारत में सोसायटी ऑफ एंड्रोलॉजी के 16वें वार्षिक सममेलन के उद्घाटन की अध्यक्षता की।

शिक्षा

कार्यक्रम	संख्या/ वर्णन
पी.एच-डी	5
पोस्ट डॉक्टरल	1
सह-पर्यवेक्षण	1 (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
एम डी	केन्द्रीय आर आई ए सुविधा में एम डी प्रयोगशाला चिकित्सा छात्र केन्द्रीय आर आई ए सुविधा में एम डी जैव रसायन छात्र
सह-पर्यवेक्षक	4
डी एम	
सह-पर्यवेक्षक	1
प्रशिक्षण	
अल्प अवधि	1 (एक माह)

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आनंद कुमार : 2

आशुतोष हल्दर : 3

मुखीय पेपर/ पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 7

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक इमोरटल माउस लेडिग कोशिका लाइन में वेस्कुलर इंडोथेलियल वृद्धि कारक अभिव्यक्ति पर हाइपोक्सिया इंड्यूसिबल फेक्टर 1 अलफा की मेडिएट्री भूमिका। आनंद कुमार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), नवम्बर 2009 से नवम्बर 2012, रू. 17.7 लाख।
2. एफ आई एस एच नेगेटिव नैदानिक रूप से संदेहास्पद 22 क्यू 11.2 माइक्रोडिलिशन संलक्षणों में एरे तुलनात्मक जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (ए सी जी एच) द्वारा उप-माइक्रोस्कोपिक क्रोमोसोमल इमबेलेंस तथा यूनिपेरेंटल डिसॉमी हेतु एक जांच। आशुतोष हल्दर, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर), सितंबर 2011 से सितंबर 2014 रू. 39 लाख।
3. प्राइम्ड इन सिटू लेबलिंग द्वारा क्रोमोसोम 13 तथा 21 एन्यूप्लोआइडी की तीव्र खोज। एस आर एफ परियोजना। आशुतोष हल्दर, आई सी एम आर, मार्च 2010 से मार्च 2013, रू. 6 लाख।
4. एच एल एल लाइफ केयर लिमिटेड, गुडगांव द्वारा अधिप्राप्त एच सी जी किट्स हेतु गुणवत्ता नियंत्रण। पी के चतुर्वेदी, एच एल एल लाइफ केयर (2008 में आरंभ), रू. 4.20 लाख/ वर्ष।
5. सीमन गुणवत्ता पर सी वाई पी 450ए1, जी एस टी टी1, जी एस टी एम1 तथा वातावरणीय पोलूटेंट्स के मध्य जीन-वातावरण अन्योन्यक्रिया का संभावित प्रभाव। महिला वैज्ञानिक स्कीम परियोजनाः नीरज पंत पी के चतुर्वेदी। डी एस टी, जून 2011 से जून 2014, रू. 23.7 लाख।

पूर्ण

1. मानवों में शुक्राणु दोष में सरटोली सेल मेचुरेशन स्तर, हेवी मेटल्स तथा विटामिन ए की भूमिका। एस आर एफ परियोजना आशुतोष हल्दर, आई सी एम आर, जनवरी 2008 से जनवरी 2010, रू. 3.5 लाख।
2. सेमिनल प्लाजमा प्रोटीनों के प्रकार्यात्मक मूल्यांकनों हेतु नेटिव 2 डी इलैक्ट्रोफोरेटिक प्रणाली का विकास। एस आर एफ परियोजना। पी के चतुर्वेदी, आई सी एम आर, अगस्त 2010 से अगस्त 2012, रू. 1.6 लाख।

विभागीय परियाजनाएं

जारी

1. मोटाइल तथा गैर मोटाइल स्पर्मेटोजोआ में प्रोटीनों की विभिन्न अभिव्यक्तियों का विश्लेषण।
2. लिंग अनुपात के डायनामिक्स को समझना
3. टेस्टीकुलर जर्म सेल एरेस्ट (मेचुरेशन अरेस्ट)ः फीनोटाइप- जीनोटाइप सह-संबंध की जांच।

पूर्ण

1. लेडिग सेल कार्य पर हाडपोक्सिया की भूमिका।

2. प्राइमरी टेस्टीकुलर फेलियर पर आनुवंशिक तथा अंतःस्रविकी अध्ययन।

3. आपातकालीन गर्भनिरोधक दवा, लेवोनोरगेस्ट्रेल का मूल्यांकनः पोस्ट कोइटल मुखीय बनाम गर्भावस्था की रोकथाम के लिए पेरी-कोइटल योनि प्रयोग।

4. भारत में प्रजनन स्वास्थ्य तथा गर्भनिरोधक प्रयोग का मूल्यांकन।

5. कटिंग एज दवा के साथ आपातकालीन गर्भनिरोधक के दि- स्टेट- ऑफ- दी आर्ट का निर्धारण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों में क्लीनिकों डिसमोर्फिक प्रोफाइल तथा उससे जुड़ी कुरचनाओं का अध्ययन। (बाल रोग विज्ञान विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कालेज के साथ)

2. फेनकोनी एनिमिया में सीरम एल्फा फेटोप्रोटीन तथा एल्बुमिन स्तर (रुधिर विज्ञान विभाग, अ.भा.आ.सं. के साथ)

पूर्ण

1. ओपन तथा लेप्रोस्कोपिक इनग्यूनल हार्निया रिपेयर के पश्चात चिरकारी ग्रोइन दर्द, टेस्टीकुलर प्रकार्य तथा जीवन की गुणवत्ता की तुलना- एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)

2. बहुविद मायलोमा के आण्विक जैव विज्ञान पर एक अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग के साथ)

3. सीवियर सेपसिस तथा सेप्टिक शॉक से पीड़ित रोगियों में एड्रनल प्रकार्य (काय चिकित्सा विभाग के साथ)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 6 **पुस्तकों में अध्यायः 1**

रोगी उपचार

केन्द्रीय आर आई ए सुविधा (सी आर आई ए, कमरा नम्बर 5010)

आर आई ए सुविधा में अंतरंग रोगियों तथा बाह्य रोगियों के रक्त नमूनों में एल एच, एफ एस एच, प्रोलेक्टिन, टी3, टी4, टी एस एच, टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्राडियोल, प्रोगेस्टेरोन, एल्फा फीटो प्रोटीन, प्रोस्टेट स्पेसिफिक एंटीन (पी एस ए), बीटा एच सी जी, सी ए 125 तथा कोर्टिसोल की नैमिक जांचे की गई।

जांच का नाम	संख्या	जांच का नाम	संख्या
एफ एस एच	3616	टी3	8200
एल एच	3179	टी4	9518
प्रोलेक्टिन	2931	टी एस एच	16158
डी एच ई ए एस	147	टेस्टोस्टेरॉन	1340
एस्ट्राडियोल	939	बीटा एच सी जी	1063
प्रोगेस्टेरॉन	169	सी ए 125	1766
पी एस ए	1563	कुल	54272

निष्पादित की गई जांचों की संख्या पिछले वर्ष 47215 से बढ़कर इस वर्ष 54272 हो गई है।

एंड्रोलाजिकल परीक्षणः सीमन परीक्षण 332, सेमिनल फ्रूक्टोज 332

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. आनंद कुमार को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परिषद का फेलो चुना गया तथा प्रजनन जैव विज्ञान एवं तुलनात्मक अंतःस्राविकी सोसायटी के आजीवन सदस्य, एम एल सुखादिया विश्वविद्यालय (उदयपुर) के प्राणीविज्ञान में यू जी सी एस ए पी कार्यक्रम केसलाहकार समिति सदस्य, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज, लखनऊ में संकाय चयन के विशेषज्ञ, पशुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण (सी पी सी एस ई ए), डॉ. बी आर अम्बेडकर सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (दिल्ली विश्वविद्यालय) हेतु समिति, एन आई एच एफ डब्ल्यू के सांस्थानिक समीक्षा बोर्ड आई आर बी), ओपन एंड्रोलॉजी जर्नल(बेंथम) के संपादकीय मंडल, जरलन ऑफ फर्टिलिटी एंड स्टेरिलिटी, इंटरनेशनल जरनल ऑफ एंड्रोलॉजी एंड इंडियन जरनल मेडिकल एंड पेडिएट्रिक ओंकोलॉजी हेतु समकक्ष समीक्षक, (प्रजनन जैव विज्ञान), ड्राट प्रोटोकॉल्स, डायरेक्टोरेट ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन क्वारनटाइन एंड स्टोरेज (कृषि मंत्रालय, फरीदाबाद) के समीक्षक, बाह्‌य परीक्षक, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, सोसायटी आफ एंड्रोलॉजी भारत के 17 वां वार्षिक सम्मेलन सत्र की अध्यक्षता तथा उदघाटन समारोह की अध्यक्षता एवंसोशल एंड टेक्नोलॉजी डाइमेनसन ऑफ रिप्रोडकटिव हेल्थ रिसर्च एंड वर्कशाप ऑन टेक्नोलॉजी इन फेमिली वेलफेयर पर प्रो. के आर ल्यूमस मेमोरियल सेमिनार, दिल्ली (10-12 दिसम्बर 2011) सम्मानित अतिथि, बहुमूल्य व्याख्यान प्रदान किया तथा मोहन लाल सुखादिया विश्वविद्यालय, उदयपुर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन तथा नोबल एस्पेक्ट्स एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स इन रिप्रोडक्टिव एंड इंडाक्राइनोलॉजी पर 30वें वार्षिक संगोष्ठी में अध्यक्षता प्रो. पी गोविंदा राजूलू व्याख्यान (30 जनवरी-1 फरवरी 2010)।

डॉ. आशुतोष हल्दर जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी) के सदस्य हैं तथा प्रजनन स्वास्थ्य एवं जैव विज्ञान पर विशेषज्ञ समूह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी इंस्टीट्यूशनल कमेटी फॉर स्टेम सैल रिसर्च एंड थेरेपी, राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, जरनल ऑफ दि एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल डायग्नोस्टिक ऑफ साइंटिफिक रिसर्च पब्लिशिंग के संपादकीय बोर्ड, दि जरलन ऑफ क्लीनिकल डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च, एंड द एशियन जरलन ऑफ मेडिकल सांइसिज, सेवन मेडिकल जरलन ऑफ इव मेडिकल प्रेस (महिला स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय जरनल, फार्माकोजीनोमिक्स एंड पर्सनलाइज्ड मेडिसिन, स्तन कैंसरः लक्ष्य तथा उपचार, नैदानिक आनुवंशिकी का प्रयोग, ओपन एक्सेस जरनल ऑफ कॉन्ट्रार्सेपसन, इंटरनेशलन मेडिकल केस रिपोर्ट जरनल, इंटरनेशलजरलन ऑल जरनल मेडिसिन, इत्यादि के समकक्ष समीक्षक, इंडियन जरनल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जरनल ऑफ पेडिएट्रिक्स, इंडियन पेडिएट्रिस, नैदानिक निदान तथा अनुसंधान पत्रिका, ओमान चिकितसा पत्रिका, एशियन जरनल ऑफ वाटरइनवायरमेंट एंड पोल्यूशन, आनुवंशिक एवं आण्विक जैव विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, तथा सूक्ष्मजैव विज्ञान पर अफ्रीकन पत्रिका, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के पी एच डी शोध समीक्षक तथा परीक्षक, शीघ्र एमनियोन मंग के एम्नियोटिक ब्रैंड्स पर उसके फोटोग्राफिक पुस्तकालय हेतु अपनी ओप्थेलमो- जेनेटिक्स अथवा जी ई एन ई ई वाई ई (आधुनिक अंक) हेतु लंदन डिसमोर्फोलॉजी तथा तंत्रिका आनुवंशिकी डेटाबेस हेतु सहयोग।

डॉ. एन एन सरकार शैक्षिक अनुसंधान, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका तथा प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान की पत्रिका के समीक्षक हैं।

डॉ. पी.के. चतुर्वेदी महामाया तकनीकी विश्वविद्यालय, नोएडा के सत्र 2011-12 के जैव प्रौद्योगिकी के अध्ययन बोर्ड के सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी) तथा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की परियोजनाओं के समीक्षक, उनकी टीम ने सोसायटी ऑफ एंड्रोलॉजी के 17वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता, भारत तथा सोशल एंड टेक्नोलॉजी डाइमेनशंस ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थ रिसर्च पर सेमिनार में प्रो. के आर ल्यूनस स्मारक व्याख्यान, दिल्ली (10-12 दिसम्बर 2011)

अतिथि वैज्ञानिक

प्रो. सुरेश सी सिक्का, अनुसंधान निदेशक, मूत्ररोग विज्ञान, एंड्रोलॉजी रिसर्च एंड क्लीनिकल प्रयोगशाला तथा निदेशक, तुलान विश्वविद्यालय हेल्थ साइंस सेन्टर, यू एस ए (2 दिसम्बर 2011) एंड्रोलॉजी- यौन दुष्क्रिया पर अधिक फोकस के साथ कल आजऔर कल पर व्याख्यान दिया।

9.36 शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम. सी. मिश्रा

आचार्य

अनुराग श्रीवास्तव	सुनील चुम्बर	राजेंद्र प्रसाद

अपर आचार्य

वी. शीन	संदीप अग्रवाल	विरेंद्र कुमार बंसल

सह आचार्य

अनीता धर	अमित गुप्ता	बिप्लब मिश्रा
मनीष सिंघल	सुबोध कुमार	सुषमा सागर

प्रशिक्षण

विभाग एम्स में स्नातकपूर्व एम बी बी एस छात्रों तथा स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में सक्रिय है। इसके अतिरिक्त विभाग भारत तथा विदेशी प्रशिक्षुओं को इलैक्टिव, अल्प अवधि, इलैक्टिव तथा दीर्घ अवधि प्रशिक्षण कर रहा है।

इलैक्टिव प्रशिक्षण ऑस्ट्रिया से (5) यू एस ए से (1) तथा सिंगापुर से (1) : प्रशिक्षुओं को 1-3 माह की अवधि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा सिंगापुर से (12), जर्मनी से (4) भारत (2) ऑस्ट्रिया से (1) रोमानिया से (1) तथा यू एस ए से (1) प्रशिक्षुओ ंको 1-2 सप्ताह की अवधि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अल्प अवधि प्रशिक्षण भारत से (5) प्रशिक्षुओं को 6 माह का यू एस ए से (1) एक प्रशिक्षु को 3 माह का तथा भारत से (4) प्रशिक्षुओं की 1 माह का अल्प अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण सऊदी अरब से डॉ. नसीर अल शरारी तथा डॉ. तुर्की अटिया अल - कुरेशी को एक वर्ष की अवधि का तथा बंग्लादेश से डॉ. चितरंजन दास को 6 माह की अवधि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुविज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

1. ब्रेस्ट ओंकोप्लास्टी एंड सेंटीनल नोड मेपिंग में आधुनिकताएं पर अ. भा. आ. सं. - यू आई सी सी संयुक्त कार्यशाला। एम्स, नई दिल्ली, 1-2 सितंबर 2011।
2. 'डॉक्टर एज लीडर' पर कार्यशाला माइंड एसोसिएट्स इंक यू के के साथ शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली , 1-2 सितंबर 2011
3. छठा एम्स सर्जिकल वीक - इंडोसर्ज 2012 : लाइव ऑपरेटिव अंतरराष्ट्रीय क्र. आ. शि. तथा सम्मेलन एवं लाइव कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 16-18 मार्च 2012।
4. 'ओपरेटिव लेप्रोस्कॉपी - बेसिक तथा एडवांस्ड में 11 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
5. 'लेप्रोस्कोपिक स्टरिंग स्कील्स' में 2 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
6. 'लेप्रोस्कोपिक कोलोरेक्टल सर्जरी' में 2 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

7. 'लेप्रोस्कोपिक हार्निया सर्जरी' में 6 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

प्रदत्त व्याख्यान

एम सी मिश्रा : 40

अनुराग श्रीवास्तव : 7

राजेंद्र प्रसाद : 1

संदीप अग्रवाल : 9

वी के बंसल : 16

अमित गुप्ता : 12

बिप्लब मिश्रा : 6

सुबोध कुमार : 5

सुषमा सागर : 5

विभागीय संकाय, रैजीडेंट्स तथा स्टाफ द्वारा प्रमुख मुखीय पेपर / पोस्टर : 33

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. स्तन कैंसर रोगियों हेतु सहायक टेमोक्सिफेन दीर्घ विरूद्ध अल्प (एटलस) अनुराग श्रीवास्तव, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू के 1998 से।
2. इंट्रावेसल इंजैक्टेबल मेल कॉन्ट्रासेप्टिव आर आई एस यू जी के साथ फेज 3 नैदानिक परीक्षण। वी शीनू, आई सी एम आर, 2012-14, रुपए 15 लाख।
3. स्थानीय रूप से प्रगत स्तन कैंसर में नव सहायक कीमोथेरेपी के दौरान ग्लोबल डी एन ए तथा जीन विशिष्ट मेथीलेशन पैटर्न तथा एन आई आर एन ए का अध्ययन। वी शीनू मेडिकल रिसर्च काउंसिल, सल्तनल ऑफ ओमान, 2012-14, रुपए 20 लाख।
4. पैंक्रियाज के स्यूडोसिस्ट का लैप्रोस्कोपिक बनाम इंडोस्कोपी ड्रेनेज का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। वी के बंसल, आई सी एम आर, 2011-13, रुपए 15 लाख।
5. समवर्ती गॉल स्टोन रोग सामान्य बाइल डक्ट स्टोन से पीड़ित रोगियों में एकल चरण बनाम दो चरण उपचार की लागत प्रभावोत्पादकता विश्लेषण तथा तुलना : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। वी के बंसल, एस ए जी ई एस अनुसंधान पुरस्कार, 2009-12, रुपए 15 लाख।
6. हेवी वेट बनाम लाइट वेट मेसेस का प्रयोग करके लेप्रोस्कोपिक इंग्यूनल हार्निया उपचार के पश्चात् चिरकारी ग्रोइन पीड़ा तथा जीवन की गुणवत्ता का तुलनात्मक एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। वी के बंसल, एम्स अनुसंधान अनुदान, 2010-12, रुपए 1.4 लाख।
7. चिरकारी गंभीर लिम्ब इश्केमिया से पीड़ित रोगियों में एम्पयूटेशन की व्यापकता में आटोलोगस स्टेम सेल्स की सुरक्षा तथा प्रभावकता। अनीता धर, डी बी टी, 2009-13, रुपए 68 लाख।
8. एमप्यूटेशन स्टम्प के परंपरागत उपचार हेतु वी ए सी (वैक्यूम असिस्टिड क्लोजर) थेरेपी की प्रभाव क्षमता की तुलना करना।
9. डोनर एरिया में परंपरागत पैराफिन गॉज ड्रेसिंग पर आधारित ड्रेसिंग से निकलते सस्टेंड सिल्वर आयरन की तुलना। मनीष सिंघल, एम्स अनुसंधान अनुदान, 2011-12, रुपए 1 लाख।

10. ट्रॉमा केंद्र, में वुंड रजिस्ट्री का विकास, एम्स, मनीष सिंघल एम्स अनुसंधान अनुदान, 2011-12, रुपए 1 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सही विभेदीकरण कैंसर हेतु टोटल एवं नीयर टोटल थायरोडिक्टॉमी के पश्चात् परिणामों की तुलना।
2. पेरीडक्टल मेस्टीटिस / मेमरी डक्टर इक्टेसिया से पीड़ित महिलाओं में मेजर डक्ट्स की विस्तृत अल्ट्रास्ट्रक्चर्ल अध्ययन।
3. समवर्ती गॉल स्टोन्स तथा सामान्य बाइल डक्ट स्टोंस से पीड़ित रोगियों में असफल इंडोस्कोपिक स्टोन निष्काषन के पश्चात् सामान्य बाइल डक्ट तथा लेप्रोस्कोपिक एक्सप्लोटेशन के प्राथमिक लेप्रोस्कोपिक एक्सप्लोटेशन के पश्चात् परिणामों की तुलना हेतु एक अग्रदर्शी अध्ययन।
4. लाइव ओपरेटिव सेटिंग्स में शल्यक रैजीडेंट्स के कार्य निष्पादन पर प्रयोगशाला प्रशिक्षण के प्रभाव पर मूल्यांकन हेतु एक अग्रदर्शी अध्ययन।
5. गंभीर रूप से बीमार ट्रॉमा रोगियों में जल्दी बनाम देर से टेकियोस्टॉमी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण ।
6. प्राथमिक स्तन कैंसर में 1 सें. मी. बनाम 2 सें. मी. के साथ स्तन संरक्षण शल्यचिकित्सा के पश्चात् स्थानीय आवर्ती की तुलना हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. पैंक्रियाज के स्यूडोसिस्ट के उपचार में लेप्रोस्कोपिक तथा इंडोस्कोपिक परिणामों की तुलना हेतु यादृच्छिक परीक्षण।
8. आई सी यू में गंभीर रूप से बीमार रोगियों में नैदानिक परिणामों पेरेंटरेल ग्लूटामाइन (जी एच) तथा ओमेगाा 3 फेटी एसिड आपूर्ति टोटल पेरेंटरेल न्यूट्रिशयन (टी पी एन) की भूमिका के अध्ययन हेतु यादृच्छिक अग्रदर्शी, नियंत्रित परीक्षण।
9. मेमरी डक्ट स्राव की उपस्थिति वाली महिलाओं में सीमित लेंथ डक्टल कोन छेदन के साथ 3 से. मी. डक्टल कोन छेदन की तुलना करते हेतु यादृच्छिक परीक्षण।
10. ऊतक विकृति विज्ञान में तथा यू एस प्रयोग करते हुए मेस्टेक्टोमी के दौरान फ्लैप थिकनैस पर मूल्यांकन हेतु अध्ययन।
11. वयस्क रोगियों में लेप्रोस्कोपिक इंग्यूनल हार्निया उपचार हेतु ट्रांस बनाम एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की पीड़ानाशक प्रभाव क्षमता एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. ऑप्रेशन पूर्व चुम्बकीय अनुनांद स्कैन तथा ऑपरेशन पश्चात् ऊतक विकृति विज्ञानी माप द्वारा त्वचा से टर्मिनल डक्टो लोबुलर एकक की गहराई का पता लगाना।
13. एम्स के आपातकालीन विभाग में गैर आघात गंभीर पेट के उपस्थिति का लेखा परीक्षण।
14. स्तन कंजरमेटिव शल्यचिकित्सा के पश्चात् वोल्यूम पुनःस्थापना हेतु मसल स्पेरिंग लोटिस्सीमस डोर्सी फ्लैप का प्रयोग करके स्तन पुनर्निर्माण कोसमोसिस तथा रिसेक्टिड मार्जिन स्टेट्स का अध्ययन।
15. इंफ्रा पोपलिटयल आर्ट्रियल अवरोधक रोग के मूल्यांकन में कंट्रास्ट इनहांस्ड मेगनिटिक रेसोनेंस एंजियोग्राफी तथा इंट्रा ऑट्रियल डिजिटल सब्सट्रेक्शन एंजियोग्राफी की तुलना।
16. नव-सहायक कीमोथेरेपी के पश्चात् स्थानीय रूप से प्रगत स्तन कैंसर में प्रतिक्रिया मूल्यांकन में एम आर आई, ग्रे स्केल तथा कलर डोपलर यू एस जी की भूमिका की तुलना।
17. आरंभिक स्तन कैंसर में नॉन सेंटीनल लिम्फ नोड जटिलता वाले प्राथमिक ट्यूमर में लिम्फोवेस्कुलर इंवेशन का सह संबंध।
18. ट्रांस फेट्टी एसिडों के आकलन हेतु एक सामान्य विधि का विकास तथा वैधीकरण तथा ट्रांस फेट्टी एसिडों तथा कोरोनरी आर्टरी रोग के संबंध का अध्ययन करना।

19. रेक्टल कैंसर हेतु शल्य चिकित्सा के पश्चात् आरंभिक तथा मिडटर्म यूरिनरी तथा यौन दुष्क्रिया अग्रदर्शी पयर्वेक्षण अध्ययन।

20. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा केंद्र के आपातकालीन विभाग में देखे जा रहे रोड़ ट्रेफिक चोटों के रोगियों का एपिडिमियोलॉजिकल अध्ययन करना।

21. स्तर 1 ट्रामा केंद्र में थोरेसिक ट्रॉमा के मेग्नीट्यूड गंभीरता तथा परिणाम का मूल्यांकन।

22. रिफ्लैक्स संलक्षणों से पहले तथा लेप्रोस्कोपिक स्लीव ग्रेस्टेक्टोमी का मूल्यांकन।

23. ऑपरेशन कक्ष में लाइव लेप्रोस्कोपिक प्रक्रिया निष्पादित कर रहे प्रशिक्षुओं के कार्य निष्पादन पर प्रयोगशाला प्रशिक्षण का प्रभाव।

24. स्तन संरक्षण शल्यचिकित्सा के पश्चात् स्तन की लिपोमोडिलिंग।

25. सीमित एम आर आई सह संबंध के साथ रेट्रोपेरिटोनियल सोलिड ऑर्गन इंजुरी का मल्टीडिटेक्टर सी टी स्कैन मूल्यांकन।

26. लेप्रोस्कोपिक स्लीव ग्रेस्ट्रेक्टॉमी करवा रहे अस्वस्थ मोटे रोगियों में पोषणिक उपचार तथा अस्थि स्वास्थ्य।

27. स्तन कैंसर हेतु सेंटीनल लिम्फ नोड बायोप्सी तकनीकों का ओप्टिमाइजेशन।

28. लेप्रोस्कोपिक हार्निया उपचार के दौरान ओक्यूलर कंट्रा लेट्रल इंग्यूनल हार्निया की व्यापकता।

29. सर्जरी रैलीडैंट्स के द्वारा ऑपरेटिव कक्ष कार्य निष्पादन पर लेप्रोस्कोपी में अल्प अवधि लक्ष्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु अग्रदर्शी, यादृच्छिक नियंत्रित ब्लाइंड अध्ययन।

30. बी एम आई 30-35 कि. ग्रा. / एम 2 वाले रोगियों में टाइप 2 मधुमेह मेलिट्स पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव ग्रेस्टेक्टॉमी के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु अग्रदर्शी अध्ययन।

31. थोरेसिक आघात में दो विभिन्न कंसनट ्रेशंस बनाम अंतः शिरा दो दवा एनालजेसिया में बुपीवैक्सीन तथा ओपिओइड के साथ थोरेसिक एपिड्यूरल एनालेजेसिया की प्रभाव क्षमता तथा सुरक्षा की अग्रदर्शी, यादृच्छिक तुलना।

32. निप्पल डिस्चार्ज (बेनीजन स्तन कैंसर) हेतु रेडिकल डक्ट एक्सीजन इसका दीर्घावधिक अनुवर्ती उपचार।

33. नैदानिक रूप से नोड नेगेटिव स्तन कैंसर में केवल सेंटिनल लिम्फोड बायोप्सी बनाम सहायक लिम्फनोड डायसेक्शन के पश्चात् अल्प अवधि रुग्णता की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

34. स्तर 1 के ट्रॉमा केंद्र में पैल्विक कैंसर के मैग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणामों का रेस्ट्रास्पैक्टिव तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।

35. स्तर 1 के ट्रॉमा केंद्र में चेस्ट ट्रॉमा के मैग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणामों का रेस्ट्रास्पैक्टिव तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।

36. स्तर 1 के ट्रॉमा केंद्र में जटिल सोफ्ट टिशू क्षतियों के एपिडिमियोलॉजी तथा मैग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणामों का रेस्ट्रास्पैक्टिव तथा अग्रदर्शी मूल्यांकन।

37. लोवर लिम्ब के क्रोनिक इश्केमिया के उपचार सिलेस्टोजोल की भूमिका।

38. स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा के पश्चात् स्तन के ओग्यूमेंटशन में फ्री फेट ट्रांसफर की भूमिका।

39. आरंभिक स्तन कैंसर हेतु स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा में मसल स्पेरिंग लेटिससाइमस डोर्सी फ्लैप की भूमिका।

40. स्थानीय रूप से प्रगत स्तन कैंसर में नव सहायक कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के निर्धारण में पी ई टी - सी टी की भूमिका।

41. ट्रामा के पश्चात् सर्जरी करवा रहे रोगियों में ट्रॉनिक्सिमिक एसिड की सुरक्षा तथा प्रभाव क्षमता।

42. चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग तकनीकियों द्वारा मानव स्तन कैंसर का अध्ययन।

43. स्तन कैंसर में इंटरल्यूकिन 10 स्तन अभिव्यक्ति का अध्ययन तथा इसका नैदानिक विकृति विज्ञानी सह संबंध।

44. स्तन कैंसर के आण्विक आधार का अध्ययन।

45. स्तर 1 ट्रामा केंद्र में ट्रामा उपचार के इकोनोमिक प्रोफाइल का अध्ययन।

46. सामान्य सर्जरी रैजीडेंट्स के ओपरेटिव कक्ष कार्य निष्पादन पर सम्मिलित पशु मॉडलों / टिशू प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन अध्ययन।

47. ट्रामेटिक मृत्यु का कारण तथा विकृति विज्ञानी लक्षण।

48. इंटरकोस्टल ड्रेनेज ट्यूब के बिना ओकल्ट न्यूमोथोएसेस के उपचार की संभावना।

49. शव परीक्षा सी टी स्कैन तथा परंपारागत शव परीक्षा परिणामों की तुलना के द्वारा ट्रॉमा रोगियों में मृत्यु के कारण के पूर्वसूचकों में विरटोप्सी (शव परीक्षा सी टी स्कैन) की भूमिका।

50. कोलोरेक्टल कैंसर हेतु कम आक्रामक शल्य चिकित्सा की संभावना तथा परिणाम का निर्धारण।

51. एक वर्ष की अवधि के लिए बी एम आई 25-29 कि. ग्रा. / एम ^{2} की तुलना में बी एम आई $> 30 \geq 34.9$ किलो ग्राम / एम^2 से पीड़ित रोगियों में वजन घटाने पर पौषणिक परामर्श तथा जीवन शैली सुधार की देखरेख कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करना तथा एक वर्ष की अवधि के लिए गैर शल्यक खोज की तुलना में बी एम आई $\geq 30 \geq 35$ किलो ग्राम / एम^2 में बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का निर्धारण करना।

52. स्तर 1 के ट्रॉमा केंद्र में उपस्थित रोगियों में एपिडिमियोलॉजी तथा ट्रामा स्कोरिंग का अध्ययन करना।

53. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में परिसरीय वेस्कुलर क्षतियों के मेग्नीट्यूड, गंभीरता परिणाम का अध्ययन करना।

54. तृतीय उपचार शल्य अभ्यास में पेरिफेरल ऑट्रियल रोग की पद्धति का अध्ययन : भारतीय परिदृश्य।

55. डक्ट एक्टेसिया तथा प्लाज्मा सेल मसटाइटिस हेतु मेजर डक्ट एक्सीजन के पश्चात् मेजर लेक्टिफेरिमस डक्ट्स का अल्ट्रामाइकोस्कोपिक मूल्यांकन।

पूर्ण

1. भारत में रोगियों में वृक्क प्रतिरोपण से पहले तथा उसके पश्चात् जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन।

2. अस्वस्थ मोटे रोगियों में स्टेपल लाइन रेनफोर्समेंट के साथ तथा उसके बिना लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी के परिणाम का यादृच्छिक अध्ययन।

3. अंतिम अवस्था के वृक्क रोग रोगियों के परंपरागत प्रकार्य पर वृक्क प्रतिरोपण का प्रभाव।

4. ऑपरेशन से पहले नैदानिक परिणामों तथा ऑपरेशनों के पश्चात् जीवन की गुणवत्ता सहित मिनी इनसिजन ओपन डोनर नेफ्रेक्टॉमी सहित लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टोमी के परिणाम की तुलना।

5. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टॉमी करवा रहे रोगियों में एनालजेसिक रेजीमेंस की प्रभाव क्षमता का मूल्यांकन।

6. स्तन मेसस में यू एस जी इलेस्टोग्राफी, सोनोग्राफी तथा मेमोग्राफी की तुलना।

7. सिम्पटोमेटिक लोवर लिम्ब वेरिकोसाइटिस के उपचार में रेडियो फ्रिक्वेंसी एब्लेशन की भूमिका।

8. सिम्पटोमेटिक लोवर वेरिकोसाइटिस के उपचार में इंडोवेनस लेजर एबलेशन, रेडियोफ्रिक्वेंसी एबलेशन तथा सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन।

9. स्तन की शारीरिक जांच में विभिन्न तकनीकियों का वैधीकरण।

10. स्तर 1 ट्रामा केंद्र में उपस्थित रोगियों में एपिडिमियोलॉजी तथा स्कोर।

11. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में उपस्थित रोगियों में एपिडिमियोलॉजी तथा ट्रामा स्कोरिंग का अध्ययन करना।

12. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में ट्रामेटिक हिपेटोबाइलरी तथा पैंक्रिएटिक क्षति को मेग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणाम का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी मूल्यांकन।

सहयोगी

जारी

1. थोरेसिक ट्रॉमा में दो विभिन्न विचार बनाम अंतः शिरा दो दवा एनलजेसिया में थोरेसिक एपिड्यूरल एनलजेसिया सहित वुपी वैक्सीन की अग्रदर्शी, यादृच्छिक तुलना (संवेदनाहरण विज्ञान)।

2. पैंक्रियाज़ के स्यूडोसिस्ट का लेप्रोस्कोपिक तथा इंडोस्कोपिक ड्रेनेज का तुलनात्मक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान एवं विकिरण विज्ञान)।

3. स्तर 1 ट्रामा केंद्र में ट्रॉमेटिक हिपेटोबाइलरी तथा पेंक्रिएटिक क्षति का मेग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणाम का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी अध्ययन (जठरांत्र रोग विज्ञान एवं विकिरण विज्ञान)।

4. जे. पी. एन. ए. ट्रॉमा केंद्र में ओ टी सेवाओं की लागत (अस्पताल प्रशासन)

5. वृक्क प्रतिरोपण के पश्चात् रोगियों में ग्राफ्ट प्रकार्य तथा जीवन की गुणवत्ता पर उसके पूर्व प्रभाव पर ट्रेक्रोलाइमस रक्त स्तरों के प्रभाव के सह संबंध का अग्रदर्शी अध्ययन (वृक्क विज्ञान एवं मनोचिकित्सा)।

6. भारत में सफलतापूर्वक वृक्क प्रतिरोपण से पहले तथा उसके पश्चात् रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन (मनोचिकित्सा)।

7. ट्रॉमेटिक लीवर क्षतियों के मूल्यांकन में एम डी सी टी की भूमिका (विकिरण निदान)।

8. उदरीय ट्यूबरोकुलोसिस के उपचार पर एक बहु केंद्रीय अध्ययन : संशोधित राष्ट्रीय ट्यूबरकुलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रत्यक्ष रूप से अवलोकित थेरेपी का 6 माह तथा 9 माह का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान)।

9. मोटे रोगियों में बायोमार्कर का प्रयोग करके ग्लूकोज मेटाबोलिज्म पर बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन हेतु अग्रदर्शी अध्ययन (शरीर क्रिया विज्ञान)।

10. हेमोरेजिक शॉक से पीड़ित रोगियों में रिकम्बीनेंट ह्यूमैन एरिथ्रोप्रोडटिन की भूमिका का अध्ययन करना : स्टेम कोशिका विभेदीकरण के द्वारा एक इन विट्रो पहुंच (प्रयोगशाला चिकित्सा)।

11. भारत के तृतीयक उपचार अस्पताल में अस्पताल अवाप्त संक्रमणों हेतु ओटोमेटिड इलैक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास तथा कार्यान्वयन (आपात कालीन चिकित्सा)।

12. अंग दुष्क्रिया तथा सेपसिस के आरंभिक निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रामा सायटोकाइन प्रोड्यूसिंग पोटेंशियल का निर्धारण (जैव रसायन)।

13. पोस्ट ट्रॉमेटिक शॉक से पीड़ित रोगियों में प्रतिरक्षा नैदानिक तथा सायटोकाइन जीन पोलीमोर्फिज्म सह संबंध के साथ स्वास्थ्य लाभ की भूमिका (जैव रसायन)

14. भारत में प्लैक्ट लिप तथा पेलेट अपसामान्यताः नैदानिक प्रोफाइल, जोखिम कारक तथा उपचार का वर्तमान स्तर - अस्पताल आधारित सर्वे (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)।

15. मेडिकल गारमेंट्स तथा स्पोर्ट्स वियर हेतु सेरिसिन आधारित वेल्यू एडिड फिनिशिश (टेक्सटाइल विभाग, आई आई टी, दिल्ली)।

पूर्ण

1. भारी वजन बनाम हल्का वजन मेसस का प्रयोग करके लेप्रोस्कोपिक इंग्यूनल हार्निया उपचार के पश्चात् चिरकारी ग्रोइन दर्द तथा जीवन की गुणवत्ता (संवेदनाहरण तथा मनोचिकित्सा)
2. सूटर अथवा टेकर मेस फिक्सेसन के साथ लेप्रोस्कोपिक इनसिजनल तथा वेंट्रल हार्निया उपचार के पश्चात् दीर्घ अवधि परिणाम तथा जीवन की गुणवत्ता की तुलना (संवेदनाहरण तथा मनोचिकित्सा)।
3. टी ई पी बनाम टी ए पी पी लेप्रोस्कोपिक इंग्यूनल हार्निया उपचार के पश्चात् चिरकारी ग्रोइन दर्द तथा की गुणवत्ता की तुलना (संवेदनाहरण तथा मनोचिकित्सा)।
4. ओपन इग्यूनल हार्निया उपचार तथा लेप्रोस्कोपिक के पश्चात् दीर्घ चिरकारी पीड़ा, टेस्टीकुलर प्रकार्य तथा जीवन की गुणवत्ता (संवेदनाहरण, विकिरण विज्ञान, प्रजनन जैव विज्ञान तथा मनोचिकित्सा)।
5. वेरिकोस वेन्स के उपचार में इंडोवेनस लेजर एब्नेशन का मूल्यांकन करना (हृदय विकिरण विज्ञान)।
6. उत्तर भारत में एक तृतीयक उपचार अस्पताल में मैक्सिलोफेशियल फ्रैक्चर्स के पाथवेज का एपिडिमियोलॉजिकल अध्ययन (दंत चिकित्सा)।
7. गॉल स्टोन तथा सामान्य बाइल डक्ट स्टोनस से पीड़ित रोगियों के उपचार हेतु एकल अवस्था बनाम दो अवस्था उपचार की तुलना का यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (जठरांत्र रोग विज्ञान, तथा विकिरण निदान)।
8. एक्लेशिया कार्डिया हेतु उपचार करवा रहे रोगियों के सिम्पोमेटिक परिणाम मूल्यांकन (जठरांत्र रोग विज्ञान तथा विकिरण निदान)।
9. एक्लेशिया कार्डिया हेतु उसके एसेंट्यूएशन बनाम लेप्रोस्कोपिक कार्डियोमायोलॉजी के साथ एंटीरियर डोर्स फंडोप्लीकेशन का एंगल के साथ लेप्रोस्कोपिक कार्डियोमायोटॉमी करवा रहे रोगियों के लाक्षणिक परिणामों का तुलनात्मक पायलट अध्ययन।
10. फुफ्फुसीय कार्सिनोइड्स वाले रोगियों में 68 जीए डोटेटोक/नोक एस एस आर पेट/सी टी की भूमिका (काय चिकित्सा एवं नाभिकीय चिकित्सा)।
11. स्तर 1 के ट्रॉमा केंद्र में उपस्थित रोगियों में एपिडिमियोलॉजी तथा ट्रॉमा स्कोरिंग अध्ययन करना (अस्थि रोग विज्ञान तथा आपात कालीन चिकित्सा)।
12. वेस्कुलर मेलफोरमेशंस ऑफ डि एक्सट्रिमिटिज वाले रोगियों में विकिरण विज्ञानी मूल्यांकन पर एक अग्रदर्शी अध्ययन (विकिरण निदान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 41 सार : 2

रोगी उपचार तथा सामुदायिक / जन सेवाएं

प्रो. एम. सी. मिश्रा

- 'आपदा प्रबंधन / हेलो जिन्दगी, आकाशवाणी एफ एम गोल्ड चैनल, 1 अप्रैल 2011।
- 'सुपरबग - एंटीमायक्रोबायल रेसिसटैंस'। दूरदूर्शन समाचार, 7 अप्रैल 2011।
- 'हिमोफीलिया' स्वस्थ भारत, लोक सभा टी वी, 16 अप्रैल 2011।
- 'कैंसर वैकसिन टेलवेक'। आज तक, 16 अप्रैल 2013
- 'भारत में महिलाओं का स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य उपचार' लोक मंच, लोक सभा टी वी, 4 मई 2011।

- 'स्पुरियस ड्रग्स', इण्डिया टी वी, 16 जुलाई 2011।
- 'स्पाइनल इंजुरीज', टोटल हेल्थ, दुरदर्शन न्यूज़, 17 जुलाई 2011।
- 'नैदानिक स्थापना बिल 2011' लोक मंच, लोक सभा टी वी, 20 जुलाई 2011
- 'ट्रामेटिक एम्पयूटेशन एण्ड रेमप्लांटेशन' भारत टी वी, 25 जुलाई 2011
- इनक्रिज्ड हेल्थकेयर एलोकेशन ड्यूरिंग बारहवीं पंच वर्षीय योजना' लोक मंच, लोक सभा टी वी, 19 सितंबर 2011।
- 'स्तन कैंसर (स्तन कैंसर)' हमारा स्वास्थ्य, आकाशवाणी एफ एम गोल्ड चैनल, 25 अक्तूबर 2011
- 'रोगी डॉक्टर संबंध : इलाज कराना कितना आसान कितना मुश्किल, लोक सभा टी वी, 5 नवंबर 2011
- 'नैदानिक स्थापना अधिनियम 2010 तथा इसके कार्यान्वयन' लीगल पाइंट, लोक सभा टी वी, 5 नवंबर 2011।
- 'स्तन कैंसर'। दूरदर्शन नेशनल, 19 नवंबर 2011।
- 'रोड क्षतियां' लीगल पाइंट, लोक सभा टी वी, 26 नवंबर 2011।
- 'इंक्रिज्ड हेल्थकेयर एलोकेशन ड्यूरिंग बारहवीं पंच वर्षीय योजना' लोक सभा टी वी, 13 जनवरी 2012।
- 'बेहतर बेबी फलक का पुनर्वास : प्राइम टाइम लाइव डिबेट, एन डी टी वी 24 **X** 7, 8 मार्च 2012।
- 'हेड इंजुरीज' स्वस्थ भारत लोक सभा टी वी, 31 मार्च 2012।

संदीप अग्रवाल

- 'बेरिएट्रिक सर्जरी स्वस्थ भारत, लोक सभा टी वी, 16 जुलाई 2011

अनीता धर

- स्तन कैंसर दिवस के अवसर पर संगोष्ठी - 2011 एम्स, नई दिल्ली।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एम. सी. मिश्रा सोसायटी ऑफ इंडोस्कोपिक एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जंस ऑफ इण्डिया, इण्डियन सोसायटी ऑफ ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर, दिल्ली स्टेट चेप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ सर्जंस ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हैं; रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एण्ड सर्जंस (ग्लेगो को सम्मानित फैलोशिप प्रदान की गई; शल्यक अर्बुद विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ लोवा हॉस्पीटल्स एण्ड क्लीनिक्स यूनिवर्सिटी ऑफ लोवा हेल्थ केयर के अतिथि आचार्य, 27 जून - 8 जुलाई 2011, परियोजना समीक्षा समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के अध्यक्ष तथा व्यू मेडिकल डिवाइसिस क्लीनिकल ट्रायल्स (स्था. एवं परि.क. मंत्रा) के नियामक अनुमोदन तथा समीक्षा से डेवलपमेंट विषय में परामर्श डी सी जी (आई) हेतु विशेषज्ञ समिति तथा डेवपलमेंट ऑफ दि नेशनल एक्शन प्लान फॉर हॉस्पीटल्स सेफ्टी (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) हेतु कार्यकारी समूह, फैलोशिप एडवाइजरी पैनल, प्लास्टिक सर्जरी फॉर एडवाइजिंग क्रेडेंशियल कमेटी राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य; थिमेटिक सब ग्रुप ऑन डिजास्टर मेनेजमेंट (डी जी एच एस, स्वा. एवं. परि. क. मंत्रा), थिमेटिक सब ग्रुप फॉर दि स्टेबलिशमेंट ऑफ ट्रॉमा केयर फेसिलीटिस ऑफ नेशनल हाईवेज ऑन गोल्डन क्वाडरिलेट्रल नार्थ ईस्ट एण्ड साउथ वेस्ट कोरिडोर (ट्रॉमा केयर) (डी जी एच एस, स्वा. एवं. परि. क. मं.), तथा डिकेड ऑफ एक्शन फॉर रोड सेफ्टी 2011-20 (वि. स्वा. सं. तथा डी जी एच एस, स्वा एवं परि. क. मं.) हेतु विशेषज्ञ समूह; एम एस (सर्जरी), हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कश्मीर विश्वविद्यालय तथा रोयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एण्ड सर्जंस (ग्लैसगो) के बाह्य परीक्षक : तथा सी एस एस मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के पीएच डी परीक्षक; सामान्य शल्य चिकितसा, गवरमेंट मेडिकल कॉलेज, चण्डीगढ़ में पी जी पाठ्यक्रम की शुरूआत हेतु एम सी आई निर्धारक; साउथ एशियन फोरम फॉर हेल्थ रिसर्च की बैठक हेतु आई सी एम आर द्वारा नामित (5-7 फरवरी 2012); सम्मेलन अध्यक्ष, चौथा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, सोसायटी ऑफ इंडोस्कोपिक एड लेप्रोस्कोपिक

सर्जंस ऑफ इण्डिया (7-9 अक्तूबर 2011); डॉ. प्रीतम दास व्याख्यान दिया, राष्ट्रीय सी एम ई तथा लाइव ओपरेटिव कार्यशाला, एलुमनी वेलफेयर एसोसिएशन एण्ड डिपार्टमेंट ऑफ सर्जरी एम एल एन मेडिकल कॉलेज एण्ड एस आर एन अस्पताल (इलाहबाद); अध्यक्षीय व्याख्यान, चौथा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, सोसायटी ऑफ इंडोस्कोपिक एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जंस ऑफ इण्डिया, अहमदाबाद (7-9 अक्तूबर 2011), डॉ. जी सुब्बा राव व्याख्यान, गांधी मेडिकल कॉलेज सर्जरी सीरीज, सिकंदराबाद (9-11 मार्च 2012), पूर्ण व्याख्यान, पथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा सी एम ई कम लाइव कार्यशाला, इण्डियन सोसायटी ऑफ ट्रॉमा एण्ड एक्यूड केयर (9-13 नवंबर 2011), मुख्य व्याख्यान, ट्रॉमा केयर 2011 : एप्रोच टू ट्रामा, कमांड अस्पताल एयर फोर्स, बैंग्लोर पर सी एम ई (17 सितंबर 2011); वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की, सर्जरी अपडेट 2011, सर्जरी में 28वां राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञन शिक्षा कार्यक्रम, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली (26 सितंबर - 1 अक्तूबर 2011), इंडोक्राइन सर्जरी में 10वां स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ (3-6 नवंबर 2011), आपातकालीन चिकित्सा सेवा प्रणाली पर अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस, एम्स, नई दिल्ली (9-11 फरवरी 2012); समर्थक / आयोजक अध्यक्ष। कार्यक्रम समंवयक / पाठ्यक्रम निदेशक / कार्यक्रम निदेशक, इंग्यूनल रुरल ट्रामा टीम डेवलपमेंट कोर्स (अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस कमेटी ऑफ ट्रॉमा, बल्लभगढ़ हरियाणा के सहयोग के साथ (19-20 अप्रैल 2011); इंग्यूनल ए टी एल एस प्रोवाइड कोर्स, डेवलपिंग 4 था ए टी एल एस साइट 2 कंडक्ट ए टी एल एस प्रोवाइडर कोर्स इन अहमदाबाद (24-26 मई 2011); एम्स यू आई सी सी संयुक्त कार्यशाला, स्तन ओंकोप्लास्टी तथा सेंटीनल नोड मोपिंग में आधुनिकताएं (1-2 सितंबर 2011); आपात चिकित्सा में तकनीकी का लागत प्रभावी तथा वास्तविक प्रयोग पर पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा कार्यशाला (27-29 अक्तूबर 2011); चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, इण्डियन सोसायटी ऑफ ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (9-13 नवंबर 2011); 7वां वर्ल्ड कांग्रेस, वर्ल्ड इंट्रेक्टिव नेटवर्क ऑफ फोक्सड अल्ट्रासाउंड (22-27 नवंबर 2011); ब्रेकियल प्लेक्सस तथा पेरीफेरल नर्व इंजुरीज पर लाइव सर्जरी तथा सी एम ई (19-21 दिसंबर 2011); उदाहरण अस्पताल पूर्व ट्रॉमा जीवन सहायता प्रदानकर्ता तथा पाठ्यक्रम निदेशक (28 फरवरी से 6 मार्च 2012); छठा एम्स सर्जीकल सप्ताल इंडोसर्ज 2012 : लाइव ओपरेटिव अंतरराष्ट्रीय सी एम ई तथा सम्मेलन (16-18 मार्च 2012); तथा बुंड इवेल्युएशन एण्ड ट्रेटमेंट स्कील्स कोर्स; प्रशिक्षुओं हेतु पहला प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (28-31 मार्च 2012); पाठ्यक्रम निदेशक, 'ओपरेटिव लेप्रोस्कोपी बेसिक तथा एडवांसिज' में 11 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, लेप्रोस्कोपिक स्टरिंग स्कील्स में 2 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम लेप्रोस्कोपिक कोलोरवेटल सर्जरी' में 2 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 'लेप्रोस्कोपिक हार्निया सर्जरी' में 6 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 12 'ए टी एल एस प्रदानकर्ता पाठ्यक्रम' तथा 3 एटी एल एस निर्देशक पाठ्यक्रम; भारत में एक अंतरराष्ट्रीय क्षति अनुसंधान केंद्र के विकास हेतु जे पी एन ए टी सी (एम्स) तथा मिशिगन विश्वविद्यालय से टी के मध्य बैठक के संयोजक 1 टीम ने केंद्रीय मंत्री, स्वा. एवं परि. क. मंत्रालय, स्वास्थ्य सचिव, डी जी एच एस, डी जी, आई सी एम आर, उपाध्यक्ष एन डी एम ए तथा निदेशक अ. भा. आ सं. से मुलाकात की; एम्स टीम ने काउमाण्डु में नेपाल भारत मैत्री आपातकालीन तथा ट्रॉमा केंद्र को सुगम बनाने के लिए नेतृत्व किया काठमाण्डु (24-26 फरवरी 2012)।

आचार्य अनुराग श्रीवास्तव छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह इंडोसर्ज 2012 लाइव ओपरेटिव अंतरराष्ट्रीय सी एम ई कम कांफ्रेस हेतु आयोजक अध्यक्ष रहे (16-18 मार्च 2012), स्तन ओंकोप्लास्टी तथा सेंटीनल नोड मेपिंग पर एम्स यू आई सी सी संयुक्त कार्यशाला (1-2 सितंबर 2011); जेनेटिंग परामर्श पर बैठक, आनुवंशिकी जांच तथा नैदानिक उपचार (12 मार्च 2011); तथा सुदूर प्रैक्टिकम वर्कशॉप (25 मार्च 2012) उन्होंने नोवें टाटा मेमोरियल अस्पताल महिलाओं में कैंसर की शुरूआत (टी एम एच डब्ल्यू सी आई) सम्मेलन के दौरान एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता भी कीं, मुंबई, 14-16 अक्तूबर 2011।

आचार्य सुनील चुम्बर छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह इंडोसर्ज 2012 - लाइव ओपरेटिव अंतरराष्ट्रीय सी एम ई कम कांफ्रेंस के सह आयोजक अध्यक्ष रहे (16-18 मार्च 2012)।

आचार्य राजेंद्र प्रसाद को शल्य चिकित्सा विभाग, मिनेसोटा विश्वविद्यालय / के वेरिएट्रिक प्रभाग में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया, यू एस ए (1 अप्रैल 30 जून 2011) उन्होंने इण्डियन हार्निया सोसायटी के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में वर्ष 2011 हेतु इण्डियन हार्निया सोसायटी व्याख्यान दिया, चण्डीगढ़ (19-20 नवंबर 2011)। वह छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह इंडोसर्ज 2012-लाइव ओपरेटिव

इंटरनेशनल सी एम ई कम कांफ्रेंस के सह आयोजक अध्यक्ष भी थे (16-18 मार्च 2012); तथा उन्होंने दिल्ली स्टेट चैप्टर ऑफ ए एस आई की बैठक का आयोजन किया (18 फरवरी 2012)।

डॉ. वी. शीनू ने अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च में बेस्ट पोस्टर पुरस्कार जीता (अप्रैल 2011); तथा वह छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह इंडोसर्ज 2012 - लाइव ओपरेटिव इंटरनेशनल सी एम ई कम कांफ्रेंस हेतु कार्यकारी समिति के सदस्य थे (16-18 मार्च 2012)।

डॉ. संदीप अग्रवाल जर्नल ऑफ कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज यूनिवर्सिटी के संपादकीय मण्डल एजक्यूटिव बोर्ड ऑफ ओवेसिटी तथा मेटा बोलिक सर्जरी सोसायटी ऑफ इण्डिया के सदस्य हैं; तथा वह छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह इंडोसर्ज 2012 - लाइव ओपरेटिव इंटरनेशनल सी एम ई कम कांफ्रेंस हेतु कार्यकारी समिति के सदस्य थे (16-18 मार्च 2012)। उन्होंने आधुनिक लेप्रोस्कोपी एण्ड रोबेटिक्स पर पहले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा लाइव कार्यशाला में बेरिएट्रिक सर्जरी तथा ओपरेटिव सत्र पर पुणे (28 अप्रैल से 1 मई 2011) तथा आधुनिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी पर कार्यशाला में ओपरेटिव सत्र पर संगोष्ठी की अध्यक्षता भी की, फोर्टिस अस्पताल, नई दिल्ली (दिसंबर 2011)

डॉ. वी. के. बंसल ने सेन डायगो यू एस ए में एस ए जी ई एस वार्षिक बैठक में बेस्ट मुखीय पेपर पुरस्कार जीता तथा एस ए जी ई एस लेप्रोस्कोपिक वेंट्रल हार्निया के साथ इंडोस्कोपिक कंपोनेंट सेपटेशन एंड स्टीमुलेशन हेंड्स ऑन कोर्स में भाग लिया (7-10 मार्च 2012)। वह इण्डियन हार्निया सोसायटी एण्ड सोसायटी ऑफ इंडोस्कोपिक एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जंस ऑफ इण्डिया के मानवीय सचिव हैं (2011 - 2012)। उन्होंने एम्स में ओरबो द्वारा आयोजित नेशनल कंसलटेशन ऑन स्क्रीनिंग ऑफ पोर्टेशियल मल्टी ओर्गन डोनर्स के दौरान विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान की (26 नवंबर 2011)। वह ट्रॉपिकल गेस्ट्रोइंडोस्कोपी, ब्रिटिश जर्नल ऑफ सर्जरी, जर्नल ऑफ दि सोसायटी ऑफ लेप्रोइंडोस्कोपिक सर्जंस, सर्जिकल इंडोस्कोपी, एस एल ई पी टी जर्नल, तथा इण्डियन जर्नल ऑफ सर्जरी के समकक्ष समीक्षक हें। उन्होंने इण्डियन हार्निया सोसायटी के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान अध्यक्षीय व्याख्यान तथा इण्डियन हार्निया सोसायटी व्याख्यान की अध्यक्षता की चण्डीगढ़ (19-20 नवंबर 2011), इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर के चौथे वार्षिक सम्मेलन तथा सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, चौथे अंतरराष्ट्रीय में दो सत्रों की अध्यक्षता की, नई दिल्ली (12-15 नवंबर 2011), दिल्ली स्टेट चेप्टर ऑफ ए एस आई, दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन में एक सत्र, दिल्ली (5 नवंबर 2011), तथा उत्तराखण्ड चेप्टर मीटिंग्स ऑफ एस ई एल एस आई, देहरादून में दो सत्र (9 से 10 सितंबर 2011) की अध्यक्षता की। वह छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह इंडोसर्ज 2012 - लाइ ओपरेटिव इंटरनेशनल सी एम ई कम कांफ्रेंस (16 से 18 मार्च 2012) हेतु आयोजक सचिव थे तथा 'ओपरेटिव लेप्रोस्कोपी बेसिक एण्ड एडवांस्ड पर 11 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों हेतु, 'लेप्रोस्कोपिक शटरिंग स्कील्स' पर 2 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 'लेप्रोस्कोपिक कोलोरेक्टल सर्जरी' पर 2 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तथा 'लेप्रोस्कोपिक शटरिंग स्कील्स' पर 6 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम संयोजक थे।

डॉ. अनीता धर छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह इंडोसर्ज 2012 लाइव ऑपरेटिव इंटरनेशनल सी एम ई कम कांफ्रेंस हेतु सह आयोजक सचिव थीं (16 से 18 मार्च 2012)।

डॉ. अमित गुप्ता को ट्रॉमा एण्ड क्रिटिकल केयर सेंटर खोनकेन रिजनल हॉस्पीटल, खोनकेन में अस्पताल पूर्व उपचार पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए वि. स्वा. सं. ट्रेवल फैलोशिप पुरस्कार प्रदान किया गया, थाईलैण्ड (11-14 अक्तूबर 2011) उन्होंने वि. स्वा. सं. तथा स्वा. एवं परि. क. मं. द्वारा निर्मित नेशनल गाइडलाइंस फॉर प्री हॉस्पीटल्स ट्रॉमा केयर एण्ड मेनेजमेंट ऑफ ट्रॉमा विकटिम्स पर कोट ग्रुप के सदस्य के रूप में अपनी सेवा प्रदान की तथा कॉलेज ऑफ ट्रेफिक मेनेजमेंट एण्ड न्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित फ्यूचर नीड्स ऑफ एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन पर गोल मेज कार्यशाला (17 जून 2011) वह हांगकांग में आयोजित एशिया पेसिफिक मीटिंग ऑन सिमुलेशन इन हेल्थकेयर हेतु विशेषज्ञ पेनलिस्ट थे (19-22 मई 2011) तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के एम बी बी एस अंतिम व्यावसायिक शल्यचिकितसा अभ्यासिक परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में थे। वह ट्रॉमा 2011 हेतु वैज्ञानिक समिति अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप तथा इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर के चौथे वार्षिक सम्मेलन के अध्यक्ष थे (9 से 13 नवंबर 2011) तथा उसी सम्मेलन में लो एण्ड हाई फाइडलिटी सिमुलेशन टूल्स का प्रयोग करके शैक्षिक परिदृश्य हेतु कार्यशाला निदेशक थे। वह अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस के

आधुनिक ट्रॉमा जीवन सहायता पाठ्यक्रम ट्रॉमा पर समिति हेतु पाठ्यक्रम निदेशक थे। उन्होंने बेसिक प्लास्टिक एण्ड रिकंसट्रक्टिव सर्जरी कोर्स इन ट्रॉमा तथा मेनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुंड्स इन इमर्जेंसी कोर्स हेतु संकाय के रूप में सेवा प्रदान की। वह अस्थिरोग विज्ञान विभाग, जी एम सी एच चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित क्षति रोकथाम तथा नियंत्रण पर राष्ट्रीय कार्यशाला के भारतीय तथा यू एस (सी डी सी एप्लांटा) के प्रतिनिधियों के भाग रूप में कार्यशाला पूर्व बैठक में समूह सदस्य के रूप भी थे (29-30 अगस्त 2011)।

डॉ. बिपल्व मिश्रा ने छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह तथा इंडोसर्ज 2012, अंतरराष्ट्रीय सी एम ई कम लाइव कार्यशाला में फ्री पेपर सत्र की अध्यक्षता की (16-18 मार्च 2012) वह मेनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुडंस इन इमर्जेंसी डिपार्टमेंट कोर्स एण्ड एडवांस्ड लाइफ सर्पोट प्रोवाइडर कोर्स (ए सी एम सी ओ टी के सहयोग से आयोजित) हेतु पाठ्यक्रम निदेशक थे; तथा वुंड इवैल्यूएशन एण्ड ट्रीटमेंट स्कील्स कोर्स हेतु संकाय थे। वह ट्रॉमा 2011 : अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई कम लाइव कार्यशाला तथा इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर हेतु कार्यकारी सदस्य थे (12-15 नवंबर 2011)।

डॉ. मनीष सिंघल इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर के कोषाध्यक्ष हैं तथा अस्पताल पूर्व ट्रॉमा जीवन सहायता कोर्स (एन ए ई एम टी तथा ए सी एस, यू एस ए) हेतु अधिकृत निर्देशक हैं। वह ट्रॉमा 2011 : अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई कम लाइव कार्यशाला तथा इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर के चौथे वार्षिक सम्मेलन हेतु आयोजक सचिव थे (12 से 15 नवंबर 2011) तथा छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह तथा इंडोसर्ज 2012, अंतरराष्ट्रीय सी एम ई कम लाइव कार्यशाला हेतु सह आयोजक सचिव थे (16 से 18 मार्च 2012)।

डॉ. सुबोध कुमार इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर के उपाध्यक्ष हैं; अस्पताल पूर्व ट्रॉमा जीवन सहायता पाठ्यक्रम (एन ए ई एम टी तथा ए सी एस, यू एस ए) तथा ग्रामीण ट्रॉमा टीम विकास पाठ्यक्रम (ए सी एस - सी ओ टी, यू एस ए) हेतु अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम निदेशक तथा निर्देशक के रूप में अधिकृत हैं। वह छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह तथा इंडोसर्ज 2012, अंतरराष्ट्रीय सी एम ई कम लाइव कार्यशाला हेतु आयोजक सचिव थे (16 से 18 मार्च 2012); ट्रॉमा 2011 : चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई कम लाइव कार्याशाला तथा इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर के चौथे वार्षिक सम्मेलन हेतु वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष (12 से 15 नवंबर 2011); तथा अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस - ट्रॉमा पर समिति के साथ आयोजित 12 आधुनिक ट्रॉमा जीवन सहायता (ए टी एल एस) हेतु पाठ्यक्रम सह संयोजक, यू एस ए।

डॉ. सुषमा सागर ट्रॉमा 2011 : चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई कम लाइव कार्यशाला में बेस्ट पेपर पुरस्कार तथा दूसरा बेस्ट पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया तथा इण्डियन सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर का उद्घाटन सम्मेलन (12 से 15 नवंबर 2011)। वह जर्नल ऑफ सोसायटी फॉर वुंड केयर एण्ड रिसर्च हेतु सह संपादक हैं तथा ओमान मेडिकल जर्नल तथा जर्नल ऑफ मेडिसिन एण्ड मेडिकल साइंसिज की समीक्षा मण्डल की सदस्य हैं। वह राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की कोर शैक्षिक संकाय समूह की सदस्य हैं तथा एन आई डी एम में स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम हेतु दिशा निर्देश बनाने हेतु समिति की सदस्य थीं। उन्हें आधुनिक ट्रॉमा जीवन सहायता (ए टी एल एस) पाठ्यक्रम, भारत हेतु पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में प्रमाणित किया गया तथा वह छठे एम्स सर्जीकल सप्ताह इंडोसर्ज 2012 - लाइव ओपरेटिव कार्यशाला सी एम ई कम सम्मेलन हेतु आयोजक सचिव थीं (16 से 18 मार्च 2012); ट्रॉमा 2011 : चौथा अंतरराष्ट्रीय, सम्मेलन, सी एम ई कम लाइव कार्यशाला (12 से 15 नवंबर 2011); वुंड इवैल्यूएशन एण्ड ट्रीटमेंट स्किल कोर्स (28 मार्च से अप्रैल 2012)।

9.37 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन. के. मेहरा

अपर आचार्य

डी. के. मित्रा

वैज्ञानिक

उमा कांगा, गुरविंदर कौर सुनील कुमार

संजीव गोस्वामी

विशिष्टताएं

विभाग ने प्रयोगशाला जांचों से संबंधित शिक्षण, अनुसंधान एवं अस्पताल सेवाओं में अपनी गतिविधियों को जारी रखा। आण्विक स्तर में एच एल ए जांच के अतिरिक्त वास्तविक क्रास मैच में सहायता करने एवं वृक्क प्रतिरोपण करवाने वाले रोगियों की जांच करवाने के लिए दाता विशेष एंटीबॉडीज़ (डी एस ए) पर सूक्ष्म जानकारी प्रदान करने के लिए लुमिनेक्स व्यवस्था का प्रयोग करके यथार्थ अवस्था विश्लेषण को सिद्ध किया गया था। एच एल ए मैचिंग हेतु उच्च प्रवाह क्षमता डी एन आधारित प्रौद्योगिकी विभाग के लिए बहुत महत्वपूर्ण है एवं वर्ष के दौरान अनेक साइटोकाइंस तथा कीमोकाइन जीवों में आनुवांशिक पोलीमोर्फिज्म को परिभाषित करने के लिए एस एन पी आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किया गया था।

विभाग ने अनुसंधान के निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया : (i) विविध एथनिक समूहों में एच एल ए क्षेत्र जीनों की जीनोमिक विविधता (ii) आटोइम्यून, संक्रमण एवं रुमेटोलॉजिकल रोगों हेतु रोग प्रवणता के आण्विक आधार का निर्धारण (iii) एम एच सी लक्षित टीकों के विकास के दीर्घ अवधि लक्ष्य के साथ एम एच सी पेप्टाइड पारपस्परिक क्रिया की समझ (iv) केमिरीज्म अध्ययनों के साथ साथ ग्राफ्ट निराकरण, प्रतिरोध के पश्चात् निगरानी के इम्यून पूर्वसूचकों में जांचों सहित प्रतिरोपण के इम्यूनोलॉजिकल पक्ष (v) संक्रमण एवं वृद्धि से संबंधित एच आई वी / एड्स में होस्ट आनुवांशिक का निर्धारण तथा इम्यूनो मोड्लेटरी जीनों की भूमिका (vi) संक्रामित रोगों अर्थात् तपेदिक, लेशमेनियासिस, एच आई वी आदि जैसे रोगों की इम्यूनोलॉजिकल आधार की समझ (vii) ल्यूकीमिया वाले रोगियों का इम्यूनोफिनोटाइपिंग एवं नवीन इम्यूनोलॉजिकल उपकरणों का विकास तथा (viii) ट्यूमर बायोलॉजी में गैर क्लासिकल एच एल ए-जी जीनों की भूमिका।

विभाग ने फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटीज़ ऑफ एशिया - ओसिनिया (एफ आई एम एस ए) के 5वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा मार्च 2012 में बेसिक एवं ट्रांस्लेशन इम्यूनोलॉजी पर एफ आई एम एस ए / आई यू आई एस / आई आई एस उच्च पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

शिक्षा

एम डी / डी एम विद्यार्थियों को प्रशिक्षण

अ. भा. आ. सं. के विकृतिविज्ञान (4), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान (2) प्रयोगशाला चिकित्सा (1), रुधिरविज्ञान (5) विभाग के अनेक एम डी / डी एम विद्यार्थियों तथा बी पी कोयराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरन, नेपाल के 2 डॉक्टरों को एच एल ए जांच एवं अन्य इम्यूनोलॉजिकल जांचों से संबंधित तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

आर्मड फोर्सिस का एक अधिकारी वृक्क प्रतिरोपणों से संबंधित एच एल ए प्रणाली विज्ञान में दीर्घ अवधि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। वह पी एच डी के लिए भी पंजीकृत है।

लघु अवधि प्रशिक्षण

भारत के 30 से अधिक विद्यार्थियों, अनुसंधानकर्ताओं एवं डॉक्टरों तथा यू एस विश्वविद्यालयों के 2 स्नातक विद्यार्थियों ने एच एल ए जांच एवं अन्य इम्यूनोलॉजिकल जांचों में प्रयोगशाला तकनीकों पर लघु अवधि प्रशिक्षण (1-6 माह) प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आई सी एम आर) की किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना के तहत 2 विद्यार्थी प्रशिक्षित हुए।

सी एम ई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

व्याख्यान प्रदत्त किए गए

एन के मेहरा : 17

डी के मित्रा : 5

उमा कांगा : 7

गुरविंदर कौर : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित अनुसंधान

जारी

1. टाइप 1 मधुमेह आनुवांशिकी संघ : एक अंतरराष्ट्रीय प्रयास। एन के मेहरा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यू एस ए, 2005-08; मार्च 2012 तक विस्तारित। 12.5 लाख रुपए।

2. हीमाटोपोयटिक मूल कोशिका प्रतिरोपण एवं एच आई वी संक्रमण की आनुवांशिकी। एन के मेहरा। टाटा इन्नोवेशन फेलोशिप, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी), 2008-11, 22.2 लाख रुपए।

3. एशियाई भारतीय दाता मज्जा रजिस्ट्री (ए आई डी एम आर) : हीमोटोपोयटिक मूल कोशिका दाताओं की एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री। एन के मेहरा। डी बी टी, 2010-13, 1.5 लाख रुपए।

4. वृक्क प्रतिरोपण में एम आई सी ए तथा एन के जी 2 डी आनुवांशिकी की रोग विषयक संबद्धता एवं फीनोटायपिक विविधता। एन के मेहरा। आई सी एम आर, 2010-12, 44 लाख रुपए।

5. कर्कुमिन अथवा अन्य औषधियों से संबंधित बी एच सी जी के विरूद्ध उच्च विशिष्ट रीकाम्बीमेंट किमेरिक एंटीबॉडी द्वारा एच सी जी या सब्यूनिटों की अभिव्यक्ति करते हुए दुश्चिकित्स्य ल्यूकीमिया एवं लिम्बोमस में औषधियों की इम्यूनोथेरेपी। एन के मेहरा। डी बी टी, 2007-12, 8.10 लाख रुपए।

6. अ. भा. आ. सं. में आण्विक चिकित्सा केंद्र (सी ई एम एम) की स्थापना, एन के मेहरा। आई सी एम आर, 2012-17, 2. 19 करोड़ रुपए।

7. इम्यूनोलॉजिकल पैरामीटर्स के निर्धारण के साथ श्रेणी 1 फुफ्फुसीय तपेदिक में सहायक थेरेपी के रूप में मुखीय रूप से जिंक देने की प्रभावोत्पादकता (दोहरा, यादृच्छिक, प्लेसिबो - नियंत्रित, बहुकेंद्रीय क्लिनिकल जांच) डी के मित्रा। डी बी टी, 2007-12, 30 लाख रुपए।

8. एच आई वी - टी बी सह संक्रमण वाले अप्रकट टी बी वाले रोगियों में एच आई वी संक्रमण का प्रभाव। डी के मित्रा, डी बी टी एवं आई सी एम आर, 2007-11, 134 लाख रुपए।

9. कुष्ठ रोगियों में पोलाराइज्ड प्रतिरक्षा में फॉक्स पी 3 + रेगुलेटरी टी कोशिकाओं की भूमिका। डी के मित्रा। आई सी एम आर, 2010-13, 75.2 लाख रुपए।

10. सी सी 26 मिडिएटिड कीमोकाइन सक्रियण : आंत्रिक लेशमेनियासिस रोगियों में प्रतिरक्षा के दमन की भूमिका। डी के मित्रा, डी बी टी, 2010-13, 92.8 लाख रुपए।

11. एच आई वी - टी बी सह संक्रमित रोगियों में मेजबान इम्यून प्रतिक्रिया पर फॉक्स पी 3 + ट्रेग कोशिकाएं : बहु औषध प्रतिरोधक तपेदिक (एम डी आर टी बी) में संबद्धता। डी के मित्रा, आई सी एम आर, 2010-13, 49.9 लाख रुपए।

12. इफेक्टर एवं रेगुलेटरी टी कोशिकाओं का निरूपण, आदान - प्रदान एवं कार्यात्मक पारस्परिक क्रिया : रूमेटॉयड आर्थेराइटिस में लोकल प्रतिरक्षित प्रतिक्रिया। डी के मित्रा। डी एस टी, 2012-15, 50 लाख रुपए।

13. मानव तपेदिक में मेजबान प्रतिरक्षित प्रतिक्रिया पर एच एल ए - जी का प्रभाव। उमा कांगा। आई सी एम आर, 2012-14, 24 लाख रुपए।

14. हीमाटोपोयटिक मूल कोशिका प्रतिरोपण में एच एल ए - जी का रोग विषयक महत्व। यू कांगा। अ. भा. आ. सं. इंट्राम्यूरल अनुदान, 2012-14, 10 लाख रुपए।

पूर्ण

1. आंत्रिक लेशमेनियासिस रोगियों में प्रतिरक्षा का टी कोशिका मेडिएडिट दमन पर दबाव। डी के मित्रा। डी बी टी, 2006-09, 79.3 लाख रुपए।

2. वृक्क प्रतिरोपण करवाने वाले रोगियों में पोलाराइज्ड साइटोकाइन उत्पन्न करने वाले एलोरिएक्टिव टी कोशिकाओं की शीघ्र पहचान एवं उनके चयनित आवास में कीमोकाइंस की भूमिका। डी के मित्रा। डी एस टी, 2007-10, 28.3 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. वृक्क प्रतिरोपण में टी कोशिका मेडिएटिड सभी पुनः क्रियाशीलता पर कीमोकाइन की भूमिका पर अध्ययन।
2. वृक्क प्रतिरोपण में एच एल ए, एम आई सी ए एवं एन के जी 2 डी रिसेप्टर अणु की रोग विषयक संगति।
3. मानव कुष्ठरोग में पोलाराइज्ड प्रतिरक्षा : शेपिंग होस्ट प्रतिरक्षित प्रतिक्रिया में इफेक्टर एवं रेगुलेटरी टी कोशिका सब्सेट्स की भूमिका।
4. भारतीय जन समुदाय में एच एल ए जीनों की जीनोमिक विविधता।
5. हीमाटोपोयटिक मूल कोशिका प्रतिरोपण में एच एल ए जी की रोग विषयक संगति।
6. एच आई वी - 1 संक्रमण के विरूद्ध टाइप 1 इंटरफेस व्यवस्था का ऐंटीवायरल प्रतिक्रिया का विश्लेषण।
7. टी बी वाले वृद्ध रोगियों में टी कोशिका प्रतिक्रिया का अध्ययन।
8. मानव तपेदिक में मेजबान टी कोशिका प्रतिक्रिया हेतु इम्यूनोरेगुलेटरी प्रक्रिया पर अध्ययन।
9. रूमेटॉयड आर्थेराइटिस के रोगजनन में डिस्टिंक्ट टी कोशिका सब्सेट्स का अध्ययन।
10. सार्कोडोसिस में विभिन्न टी कोशिका सबसेट्स की फीनोटाइपिक एवं कार्यात्मक लक्षण वर्णन।
11. लाइव संबंधित दाता वृक्क प्रतिरोपण में प्रतिरक्षित सहायक अणु का रोग विषयक संगति।
12. उत्तर पश्चिम भारतीय जनसमुदाय में नैसोफेरिंगिल कार्सिनोमा का प्रतिरक्षा आनुवांशिक विश्लेषण।
13. एम तपेदिक संक्रमण के दौरान विभिन्न प्रतिरक्षित कोशिका सब्सेट्स में ऑक्सीडेटिव तनाव।
14. कुष्ठरोग के पोलाराइज्ड रूपों में तिल जैसे प्रापकों एवं नकारात्मक सह स्टीमुलेटरी अणु की विशिष्ट अभिव्यक्ति।

पूर्ण

1. तपेदिक में कोस्टीमुलेटरी अणुओं की इम्यूनोरेगुलेटरी भूमिका।
2. एच एल ए, कीमोकाइंस, साइटोकाइंस में आनुवांशिक भिन्नता का प्रभाव एवं एच आई वी - 1 संक्रमण पर उनके प्रापक।

सहयोग परियोजनाएं

जारी

1. उत्तर मध्य प्रदेश की दो जनजातियों में एच एल ए की आनुवांशिक भिन्नता : फुप्फुसीय तपेदिक के साथ संबंध (सेंटर फॉर जिनोमिक्स, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर)।
2. सी डी 26 मिडिएटिड कीमोकाइन सक्रियण : आंत्रिक लेशमेनियासिस रोगियों में प्रतिरक्षा के दमन में भूमिका (बालाजी उत्थान संस्थान, पटना)।
3. वृद्ध फुप्फुसीय तपेदिक रोगियों में मेजबान प्रतिरक्षा पर रेगुलेटरी टी कोशिकाओं का प्रभाव (कायचिकित्सा विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 18 **पुस्तकों में अध्याय : 3**

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं : फ्लो साइटोमीट्री सहित पी सी आर आधारित एच एल ए जांच, ल्यूमिनेक्स आधारित एंटीबॉडी की पहचान, ऊतक एवं कोशिका कल्चर, एलिसा, ल्यूकीमिया एवं प्रारंभिक इम्यूनोडेफिसेंसी रोगों हेतु फीनोटाइपिक, डी एन ए सीक्वेंसिंग, यू एन टी आर जांच का प्रयोग करके केमिरिज्म, सी एन पी एवं सूक्ष्म सेटेलाइट जांच एवं अन्य अनेक सुविधाएं विभाग में उपलब्ध हैं।

प्रतिरोपण

एच एल ए मैचिंग	प्रापक	दाता	कुल
वृक्क	266	291	557
अस्थि मज्जा			
ल्यूकीमिया	112	143	255
एप्लास्टिक एनीमिया	87	265	352
तीव्र ल्यूकीमिया	38	126	164
थैलासिमिया	31	77	108
अन्य	45	125	170
कुल	**313**	**736**	**1049**

शव दाता अंग प्रतिरोपण

शव दाता	4	किडनी प्रापक	28

क्रॉस मैच जांच

सीरोलॉजी	619	फ्लोसाइटोमीट्री	108

पैनल पुनः सक्रिय ऐंटीबॉडी (पी आर ए) जांच **606**

ल्यूमिनेक्स पी आर ए	134	एलिसा पी आर ए	52

निदान

स्पोंडीलोआर्थोपैथिक्स	520	अन्य रोग 30
बी एम टी में केमिरिज्म	60	प्रापक दाता जोड़े

ल्यूकीमिया रोगियों का इम्यूनोफीनोटाइपिंग 150 **अस्थि मज्जा प्रतिरोपण हेतु असंबंधित दाता खोज :** अस्थि मज्जा प्रतिरोपण के लिए 'एशियाई भारतीय दाता मज्जा रजिस्ट्री' में असंबंधित एच एल ए मैच्ड दाता हेतु 409 अनुरोध प्राप्त किए गए (यू ए ए : 150, यूरोप : 93, एशिया : 124, भारत 42)।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एन के मेहरा को विश्व व्यापी रूप से प्रतिरक्षा विज्ञान की वृद्धि एवं विकास हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए इंटरनेशनल यूनियन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटि्स (आई यू आई एस) के अध्यक्ष द्वारा 6 अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंसी प्रदान किया गया; वह 5वें एफ आई एम एस ए अंतरराष्ट्रीय प्रतिरक्षाविज्ञान सम्मेलन के अध्यक्ष रहे थे, नई दिल्ली, 14-17 मार्च 2012; प्रतिरक्षा विज्ञान में एफ आई एम एस ए/आई आई यू आई एस उच्च्व पाठ्यक्रम के सभापति रहे, नई दिल्ली, 18-20 मार्च 2012; वह एशिया पैसिफिक हिस्टोकॉम्पेटीबिलिटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (ए पी एच आई ए) के 'अध्यक्ष' तथा 'लिंग समानता एवं करियर विकास' पर आई यू आई एस अंतर्राष्ट्रीय समिति; सी एस आई आर की आयुर्विज्ञान अनुसंधान समिति; आई सी जी ई बी में ट्यूबरकुलोसिस ऐरोसोल चैलेंज फैसिलिटी के रखरखाव एवं प्रचालन हेतु डी बी टी विशेषज्ञ समूह, डी बी टी इम्यूनोमोडुलेशन पर एक्सपर्ट एवं निगरानी समूह; राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रुधिरविज्ञान संस्थान, मुंबई एवं डेजर्ट मेडिकल रिसर्च सेंटर, जोधपुर के वैज्ञानिक सलाहकार समिति; सेंट्रल जे ए एल एम ए इंस्टीट्यूट ऑफ लिप्रोसी एण्ड अदर मायकोबैक्टीरिएल डिजीज की पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार समिति; भारत में प्रारंभिक प्रतिरक्षाहीनता रोगों में उत्कृष्टता केंद्रों के निर्माण पर आई सी एम आर विशेषज्ञ समूह के सभापति के रूप में बने हुए हैं; मूल कोशिका अनुसंधान एवं पुनः उत्पादक चिकित्सा : मूल कोशिका अनुसंधान एवं थेरेपी पर आई सी एम आर टास्क फोर्स; राष्ट्रीय विकृतिविज्ञान संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; मधुमेह पर अध्ययन पर आई सी एम आर विशेषज्ञ समूह; कोशिकामय एवं आण्विक जैवविज्ञान पर आई सी एम आर की परियोजना समीक्षा समिति; नेशनल संस्थान फॉर रिसर्च इन इंवाइरंमेटल हेल्थ, भोपाल की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; प्रतिरक्षा विज्ञान में अनुसंधान एवं विकास पर आई सी एम आर टास्क फोर्स; आई सी एम आर की तकनीकी समिति; कैंसर एवं निवारक अर्बुदविज्ञान (नोएडा) संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; राजेंद्र प्रसाद मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट इन मेडिकल साइंसिस (पटना); राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान (पुणे); बी सी डी स्तर के वैज्ञानिकों के लिए चयन समिति; भारत में मेडिकल कॉलेजों में अनुसंधान को सशक्त बनाने के लिए डी एच आर विशेषज्ञ समूह; मेडिकल कॉलेजों में बहुअनुशासनिक अनुसंधान एककों के विकास पर डी एच आर मूल सलाहकार समिति; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल जिनोमिक्स (कलकत्ता) की चयन समिति के सदस्य हैं; जम्मू के डोडा जिला में कोजेनीटल बहरापन पर आई सी एम आर विशेषज्ञ समूह; जैव चिकित्सा अनुसंधान पर आई एन एस ए सेक्शनल कमेटी, इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी (चण्डीगढ़) की अनुसंधान समिति; इंटर कॉउंटी परियोजनाओं हेतु डी एस टी की प्रोग्राम सलाहकार समिति; एवं छतरपति शिवाजी महाराज मेडीकल यूनीवर्सिटी, लखनऊ की केंद्रीय अनुसंधान परिषद् के सदस्य हैं। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की प्रोसीडिंग्स के संपादकीय मण्डल के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने कार्डियो वास्कुलर रिसर्च कंवर्जेंस, नई दिल्ली (12 फरवरी 2012) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रजजनीय स्वास्थ्य पर आई एस एस आर एफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली (1 फरवरी 2012) तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अनुसंधान पर इंडो स्पेनिश कार्यशाला, नई दिल्ली (22-24 नवंबर 2011) के सत्रों में सभापति रहें; तथा पर्यावरण एवं आनुवांशिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी भटिंडा, पंजाब (27 सितंबर 2011) में सम्मानीय अतिथि एवं पूर्ण वक्ता रहे; इंफ्लेम्मेशन एण्ड रिजेनेरेशन के एशिया पैसिफिक फेडरेशन की पहली बैठक, टॉक्यो, जापान (2-4 जून 2011), फेडरेशन ऑफ क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी सोसायटिज़ के 11वें वार्षिक सम्मेलन, वॉशिंगटन, यू एस ए (23-26 जून 2011), अमेरिकन सोसायटी फॉर हिस्टोकॉम्पेटीबिलिटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स प्यूर्टो रिको, यू एस ए के 8वें इंटरनेशनल समर स्कूल (19-22 सितंबर 2011), तथा एशिया पैसिफिक हिस्टोकॉम्पेटीबिलिटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन, ब्रिसबेन ऑस्ट्रेलिया की 35वीं बैठक (15-18 नवंबर 2011)।

उमा कांगा एशिया पैसिफिक हिस्टो कॉम्पेरेटिबिलिटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन हेतु पार्षद हैं तथा क्रोनिक डिजीज बायोलॉजी पर डी बी टी टास्क फोर्स की सदस्य; फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटीज़ ऑफ एशिया ओसिनिया (एफ आई एम एस ए) के 5वें इंटरनेशनल सम्मेलन की संयुक्त सचिव हैं।

गुरविंदर कौर एशिया पैसिफिक हिस्टोकॉम्पेटीबिलिटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन की सचिव बनी हुई हैं; इसके न्यूज़लेटर के सह संपादक ; बेसिक एण्ड ट्रांस्लेशन इम्यूनोलॉजि, नई दिल्ली पर उच्च पाठ्यक्रम के संयोजक हैं, (18-20 मार्च 2012) तथा फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटिज़ ऑफ एशिया ओसिनिया (एफ आई एम एस ए) के 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए संयुक्त आयोजक सचिव थीं।

अतिथि वैज्ञानिक

श्री यान चिन ली तथा श्री सुंडोग फांग, जिनोमिक संस्थान, बीजिंग, चाइना (14 जून 2011)

9.38 मूत्र रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

पी एन डोगरा

आचार्य

अमलेश सेठ

अपर आचार्य

राजीव कुमार

सहायक आचार्य

(7 मार्च 2012 से प्रभावी)

प्रभजोत सिंह

आशीष कुमार मैनी
(जे पी एन ए टी सी)

शिक्षा

विभाग ने स्नातक पूर्व और नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान दिए। विभाग ने तीन वर्षों की अवधि में मूत्र रोग विज्ञान में एम सी एच की डिग्री के लिए 11 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। विभाग के संकाय ने मूत्ररोगविज्ञान में डी एन बी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों एवं एम सी एच हेतु पाठ्यक्रम के नवीनीकरण एवं पुनः गठन में सक्रिय रूप से भाग लिया। विभाग के संकाय ने राष्ट्रीय बोर्ड परीक्षा (एन बी ई) तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों में एम सी एच मूत्ररोगविज्ञान के लिए परीक्षक तथा एम सी एच / डी एन डी मूत्ररोगविज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा तथा सुविधाओं के मानकों की मान्यता के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् और एन बी ई के निरीक्षक बने रहना जारी रखा।

मूत्ररोगविज्ञान में रोबोटिकस इंडोयूरोलॉजी, लैप्रोस्कोपी, ओपन सर्जरी एवं माइक्रोसर्जरी को देखने तथा सीखने के लिए विभिन्न भारतीय/विदेशी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय से मूत्ररोगविज्ञान में पर्यवेक्षक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी रहे।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित

स्ट्रिक्चर यूरेथ्रा एवं मानव स्वास्थ्य पर सी एम ई एवं लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आर एम एल), नई दिल्ली, अगस्त 2011।

सी एम ई / सम्मेलनों / कार्यशालाओं / संगोष्ठी के दौरान व्याख्यान/प्रदर्शन दिए/ किए गए।

वर्ष के दौरान विभाग के संकाय ने क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठी, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया एवं व्याख्यान दिए।

पी एन डोगरा : 24

अमलेश सेठ : 22

राजीव कुमार : 18

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजना

जारी

1. आइडियोपेथिक पुरुष बंध्यता में कारण के रूप में ऑक्सीडेटिव तनाव का मूल्यांकन एवं इसके उपचार में 'एडीजोए' की भूमिका। एक यादृच्छिक, दोहरा प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। राजीव कुमार, चरक फार्मास्यूटिकल्स, मुंबई, 2009-12, 5.6 लाख रुपए।

सहयोगी

1. 'महिला जनन संबंधी नालव्रण की अस्पताल आधारित निगरानी'। पी एन डोगरा, आई सी एम आर। आई सी एम आर टास्कफोर्स परियोजना।

विभागीय परियोजनाएं

1. श्रेणी विमंजन यूरेथ्रल दोषों सहित इटियोपेथोजेनेसिस डेमोग्राफिक प्रोफाइल, इरेक्टाइल प्रकार्य, सामाजिक आर्थिक प्रभाव एवं रोगियों की जीवन गुणवत्ता।
2. ऐंटीरियर यूरेथ्रल निकोचन के उपचार में शल्यचिकित्साओं के विभिन्न प्रकारों का परिणाम मूल्यांकन।
3. श्रोणि विमंचन यूरेथ्रल डिस्ट्रैक्शन दोषों में होल्मियम लेज़र द्वारा दीर्घ अवधि परिणम।
4. इन्द्रियनिग्रह में मूत्रीय संबंधी उपचार में ई एम टी।
5. टेस्टीकुलर ट्यूमर्स एवं अनडीसेंडीड जांचों वाले रोगियों का परिणाम विश्लेषण।
6. बालचिकित्सा पी सी एम एल : परिणाम विश्लेषण।
7. बालचिकित्सा नेफ्रोलिथियासिस के उपचार में ई एस डब्ल्यू एल।
8. त्वचीय नेफ्रोलिथोटॉमी के पश्चात् ज्वर एवं दैहिक प्रदाहक प्रतिक्रिया संलक्षण (एस आई आर एस) : जोखिम कारकों का मूल्यांकन एवं रोगी परिणाम पर उनका प्रभाव।
9. टी 1 - टी 2 आर सी सी हेतु ओपन लेप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक रेडीकल नेफ्रेक्टोमी की तुलना।
10. बाधक अशुक्राणुता वाले पुरुषों में नकारात्मक शल्यक खोजों के कारणों का अग्रदर्शी अध्ययन।
11. फियोक्रोमोसाइटोमस का लैप्रोस्कॉपिक उपचार।

सहयोगी

1. लघु वृक्क समूहों के निदान में प्रोटान एम आर एस तकनीक (एन एम आर विभाग)।
2. कार्सिनोमा प्रोस्टेट के निदान में प्रोटॉन एम आर एस का प्रयोग करते हुए 3 विमितीय रसायन शिफ्ट इमेजिंग एवं व्यापन भारित इमेजिंग (एन एम आर विभाग)।
3. पुरुष बंध्यता में मिटोक्रोंडियल जीन एवं वाई क्रोमोज़ोम माइक्रो विलोपन (शरीर रचना विभाग)।
4. आडियोपेथिक बार बार होने वाले सहज गर्भपातों में स्पर्म आण्विक कारकों का अध्ययन (शरीर रचना विभाग)
5. रोबेटिक प्रक्रियाओं में स्टीप ट्रैंडिलिन्बर्ग पॉज़ीशन के दौरान हीमोडायनामिक परिवर्तन (संवेदनाहरणविभाग)
6. पी सी एन एल के दौरान पैरा वर्टीब्रेल ब्लॉक (संवेदनाहरण विभाग)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 29 सार : 6 पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

ओ पी डी एवं विशेषज्ञ क्लिनिक : 1522 821

मुख्य अस्पताल

नए रोगी : 666136 पुराने रोग : 856685

बी आर ए आई आर सी एच यूरो - मैलिगनेंसी

क्लिनिक

नए रोगी : 206 पुराने रोगी : 1343

दाखिलें : 28872

नियमित दाखिलें : 5213 लघु/दिवस उपचार दाखिलें : 23659

मुख्य ओ टी शल्यक प्रक्रियाएं : 1552

ओपन प्रक्रियाए : 270

ओपन रेडीकल सिस्टेक्टोमी :	30	ओपन रेडीकल नेफ्रेक्टॉमी :	32
ओपन आंशिक नेफ्रेक्टॉमी :	3	ओपन प्यलोप्लास्टी :	3
ओपन साधारण नेफ्रेक्टॉमी :	20	शुरू से अंत तक एनास्टोमॉटिक यूरेथ्रोप्लास्टी	20
ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी :	1	ऐंटीरियल ले ओपन :	15
आंशिक पेनेक्टॉमी :	9	कुल पेनेक्टॉमी :	1
ओर्चियोपेक्सी :	8	यूरेटिरोनियोसिस्टोस्टॉमी :	5
ओपन नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी :	8	रेट्रोपेरीटॉनियल लसीका पर्व विच्छेदन :	7
ओपन वेसीकोवेजीनल फिस्टुला मरम्मत :	5	ट्रांस्वेजिनल वेसीकोवेजीनल फिस्टुला मरम्मत :	2
ओपन सिस्टोलिथोटॉमी :	3	ओपन यूरेटिरोलिथोटॉमी :	5
ओपन साधारण प्रोस्टेटेक्टॉमी :	4	ओपन रेडीकल प्रोस्टेटेक्टॉमी :	2
हाइपोस्पेडियास मरम्मत :	6	यूरेथ्रोकुटेनियस फिस्टुला मरम्मत :	6
एक्सट्रॉफी इलियल वाहकनल :	1	पेन्न पाउच :	2
बी एम जी यूरेथ्रोप्लास्टी :	7	उच्च इंजुनल ओर्चिडेक्टॉमी :	12
बाइलेटरल ओर्चिडेक्टॉमी :	26	ओग्मेंटेशन सिस्टोप्लास्टी :	5
हेमिनेफ्रेक्टॉमी :	2	ओपन एडरीनलेक्टॉमी :	2

द्वितीय अवस्था यूरेथ्रोप्लास्टी :	2	ओपन बोयरी फ्लैप :	1
पेरीनियल यूरेथ्रोस्टॉमी :	1	इलियो इंजुनल लसीका पर्व विच्छेदन :	1

इंडोयूरोलॉजी : 986

निचला क्षेत्र : 758

टी यू आर पी :	66	के टी पी टी यू वी पी :	23	टी यू आर बी टी :	226
यू आर एस :	131	डी जे एस :	131	सी पी ई + सी एल टी :	27
पी सी सी एल टी :	14	बी एन आई :	5	वी वी एफ डब्ल्यू ई एल डी आई एन जी :	7
इंडोडिलेटेशन :	28	एच ओ : एल सी टी :	23	ओ आई यू :	32
इंडोइवैल्यूशन :	61	डी जे निष्कासन :	26	डिफ्लक्स इंजेक्शन :	4

पी यू वी फुलगुरेशन : 3 यूरेटेरोसिल इंडोइंसेसन : 1

ऊपरी क्षेत्र : 193

त्वचीय शल्यचिकित्सा :	181	आर आई आर एस :	12

रोबोटिक शल्यचिकित्सा : 107

मूल प्रोस्टेटक्टॉमी :	21	मूल सिस्क्टॉमी :	8
पाइलोप्लास्टी :	41	बी / एल पाइलोप्लास्टी :	2
पाइलोलिथोटॉमी :	3	मूल नेफ्रेक्टॉमी :	2
आंशिक नेफ्रेक्टॉमी :	3	साधारण नेफ्रेक्टॉमी :	3
यूरेटिरोलिथोटॉमी :	16	वी वी एफ मरम्मत :	3
वी ई आई एल :	1	आर पी एल एन डी :	1
एड्रिनलेक्टॉमी :	1	ऑग्मेंटेशन सिस्टोप्लास्टी :	1

रोबोटिक सहज प्रोस्टेटक्टॉमी : 1

लैप्रोस्कॉपिक : 100

लैप साधारण नेफ्रेक्टॉमी :	43	लैप पाइलोप्लास्टी :	14
लैप पाइलोलिथोमी :	2	लैप एड्रिनलेक्टॉमी :	9
लैप पैरागेंग्लियोमा :	2	लैप बी / एल एड्रिनलेक्टॉमी :	2
लैप रीनल हाइडेटिड :	1	लैप मूल नैफ्रेक्टॉमीः	11
लैप आंशिक नैफ्रेक्टॉमी :	5	लैप नेफ्रोयूरेटिरेक्टॉमी :	5

लैप यूरेटेरिक री इंप्लाटेशन :	1	लैप डोनर नैफ्रेक्टॉमी :	3
लैप वी वी एफ :	1	अन्य	1

माइक्रोसर्जरी : 49

वी ई ए :	16	एम वी एल :	8	वासेक्टॉमी रिवर्सल :	4
टी यू आर ई डी :	2	वी वी ए :	1	स्क्रोटल एक्सप्लोरेशन :	18

विविध : 34

लघु ओ टी : 6876

सिस्टोस्कॉपी, डी जे स्टेंट निष्कासन, ओ आई यू, इंडोडिलेटेशन	1955
आर्चिडेक्टॉमी + अन्य ओपन केस :	104
लघु केस :	4633
ई एम टी सेंटिंगस :	184

एक्स्ट्राकोर्पोरियल शॉक वेव लिथोट्रिप्सी (ई एस डब्ल्यू एल) : 1105

नए केस :	300	दोबारा केस :	805

यूरोडायनामिक प्रक्रियाएं : 3918

यूरोफ्लोमीट्री :	3670	सिस्टोमिट्रोग्राम (सी एम जी) :	248

अल्ट्रासाउण्ड प्रक्रियाएं : 197

टी आर यू एस / प्रोस्टेट बायोप्सिस	106	एस पी सी :	30
पी सी एन :	3	यू एस जी के यू बी :	54
कोर बी एक्स - यू एस जी गाइडिड :	4		

पथरी विश्लेषण : 322

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य पी एन डोगरा यू एस आई काउंसिल (उत्तरी क्षेत्र) एवं पुरुष प्रजननीय स्वास्थ्य सेवाएं हेतु राष्ट्रीय संसाधन केंद्र पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य हैं, उन्होंने 'रोबोटिक सहायता प्राप्त वंक्षण लसीका पर्व विच्छेदन : आरंभिक अनुभव' हेतु यू एस आई सी ओ एन (बेंगलौर, जनवरी 2012) में चण्डीगढ़ श्रेष्ठ विडियो सत्र में द्वितीय पुरस्कार जीता; निम्नलिखित सत्रों की अध्यक्षता की : 'चाइनिस मेथड ऑफ ट्रंस्यूरेथ्रल इनुक्लिशन ऑफ प्रोस्टेट' एवं बी पी एच उपचार में प्रगतियों पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'बी पी एच शल्यचिकित्सा हेतु नए ऊर्जा स्रोत' (नई दिल्ली, 2-3 अप्रैल 2011); यूरोलॉजी में इंप्लाट्स पर लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला में 'कॉम्प्लेक्स ऑफ पिनाइल इंप्लांट सर्जरी' (डॉ. आर. एम एल अस्पताल, नई दिल्ली, 28 जून 2011); लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप ऑन स्ट्रीक्चर यूरेथ्रा में 'मेंस हेल्थ सिम्पोजियम' एवं मेंस हेल्थ सिम्पोजियम (आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली, 12 से 13 अगस्त 2011); इण्डो यूरोगायनीकोलॉजी एण्ड पेल्विक फ्लोर रीकंस्ट्रक्शंस पर इंटरनेशनल लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप में 'एम ओ एन ए आर सी' (अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली, 14 सितंबर 2011); 'साक्ष्य आधारित औषधि; जन्मपूर्व जलवृक्कता : कब हस्तक्षेप करें? एवं यू एस आई के उत्तरी क्षेत्र अध्याय के वार्षिक सम्मेलन में सी ए ब्लैडर हेतु नव सहायक कीमोथेरेपी (शिमला 8 से 10

अक्तूबर 2011); मास्टर क्लास इन रोबोटिक प्रोस्टेटक्टॉमी में लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप में केस परिचर्चा' (गुड़गांव, 16 नवंबर 2011); 'उत्थानशील दुष्क्रिया एवं मूत्रीय असंयम' पर लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला' (वी एम एम सी एवं सफदरजंग अस्पताल, 3 जनवरी 2012); यू एस आई के 45 वार्षिक सम्मेलन में 6 पाडियम सत्र : विविध आई' (बंगलौर, 5 से 8 जनवरी 2012); 'वट्टीकुटी ग्लोबल रोबोटिक्स सम्मेलन 2012 में लाइव रोबोटिक रेडीकल प्रोस्टेटक्टॉमी वर्कशॉप में केस परिचर्चा' (नई दिल्ली, 13 से 15 जनवरी 2012); लघु वृक्क ट्यूमर के अल्पतम आक्रामक उपचार पर लाइव रोबोटिक कार्यशाला में 'केस परिचर्चा' (गुड़गांव, 16 जनवरी 2012)।

आचार्य अमलेश सेठ आमंत्रित अतिथि आचार्य थे, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, अस्पताल चराइट, बर्लिन, जर्मनी , 9 से 13 अक्तूबर 2011; उन्होंने निम्नलिखित सत्रों की अध्यक्षता की : यू एस आई के 45वें वार्षिक सम्मेलन में 'टेक हॉम मेसिज़िस' (बंगलौर, 5 से 8 जनवरी 2012); एवं आर्टिफिशियल यूरीनरी स्फिंक्टर इंप्लाटेशन पर लाइव ऑपरेटिव सत्र (सफदरजंग अस्पताल एवं वी एम एम सी, नई दिल्ली, 3 जनवरी 2012)

डॉ. राजीव कुमार इण्डियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी के मुख्य संपादक चुने गए; वह बोर्ड ऑफ एजुकेशन, यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया के सदस्य है; निर्वाचित सदस्य है;राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, (एम ए एम एस); अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस, ए सी एस 2012, यू एस ए के साथ इंटरनेशनल गेस्ट स्कोलर एवं अमेरिकन यूरोलॉजिकल एसोसिएशन, 2012 की वार्षिक बैठक हेतु यू ए ए लेक्चरर के रूप में नामित हुए; एशियन इंडोयूरोलॉजी कांफ्रेंस में 'अपना लेख प्रकाशित करें' पर यू ए ए यूथ सेक्शन सिम्पोजियम काठमाण्डु, नवंबर 2011); एवं छठे एशियन मूत्ररोगविज्ञान संगोष्ठी में 'चिकित्सा लेख पर प्रशिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम'; पर यू ए ए यूथ सेक्शन सिम्पोजियम के संयोजक (कोलोम्बो, नवंबर 2011)।

10.1 हृदय वक्ष विज्ञान केंद्र

प्रमुख

बलराम ऐरन

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

आचार्य एवं प्रमुख

बलराम ऐरन

आचार्य

यू. के. चौधरी | एस. के. चौधरी | ए. के. बिसोई

अपर आचार्य

मिलिंद होते | सचिन तलवार | वी. देवागौरु

हृदय विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी. के. बहल

आचार्य

अनिता सक्सेना | एस. एस. कोठारी | बलराम भार्गव

के. सी. गोस्वामी | आर. जुनेजा | आर. नारंग

अपर आचार्य

एस. मिश्रा | एस. सेठ | राकेश यादव

एन. नायक | जी. कार्तिकेयन | गौतम शर्मा

एस. सिंह

सह-आचार्य

अम्बुज रॉय | एस. रामाकृष्णन

सहायक आचार्य

सौरभ के. गुप्ता | सुनील के. वर्मा

हृदय संवेदनाहरण

आचार्य एवं अध्यक्ष

उषा किरन

आचार्य

संदीप चौहान

अपर आचार्य

नीति मखीजा	पूनम मल्होत्रा	मिनाती चौधरी

सह-आचार्य

शम्भू नाथ दास	पराग घारडे	विश्वास मलिक

रक्ताधान सेवाएं

मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रभारी

अंजली हजारिका

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

कल्पना मिश्रा	बिजय माझी

चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

वीणा बेलानी

हृदय विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजीव शर्मा

अपर आचार्य

गुरप्रीत सिंह गुलाटी

सह-आचार्य

प्रिया जगिया

नाभिकीय चिकित्सा

अपर आचार्य

चेतन डी. पटेल

स्टेम सेल सुविधा

सह-आचार्य

सुजाता मोहंती

हृदय विकृति विज्ञान

आचार्य

रूमा रे

सहायक आचार्य

सुधीर अरावा

हृदय जैव रसायन

अपर आचार्य

आर. लक्ष्मी

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओआरबीओ)

अपर आचार्य

आरती विज

शिक्षा

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

प्रशिक्षण

दस हृदय सर्जनों, फिजियोथेरेपिस्टों एवं नर्सों ने विभाग में अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रदत्त व्याख्यान

बलराम ऐरन : 3

सचिन तलवार : 12

वी. देवागौरु : 1

मिलिन्द होते : 2

हृदय विज्ञान

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. प्रो. वी के बहल, इण्डिया लाईव 2012, दि प्रीमियर इंटरवेंशनल मीटिंग ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली, 24-26 फरवरी 2012।
2. प्रो. बलराम भार्गव, हृद संवहनी अनुसंधान समाभिरूपण (सी आर सी), एम्स, 17-18 फरवरी 2012।
3. प्रो. के सी गोस्वामी, दिल्ली सी एस आई की 2011 की वार्षिक बैठक, 26 - 27 नवंबर 2011
4. द्वितीय एम्स पेडियाट्रिक हृद विज्ञान सी एम ई, एम्स, 9-10 अप्रैल 2011
5. एम्स में तृतीय एम्स पेडियाट्रिक हृदविज्ञान सी एम ई, 2011।

हृदय संवेदनाहरण

1. 9 डी एम अभ्यर्थियों ने, जिनमें तीन सेना से प्रायोजित लेफ्टीनेंट कर्नल हैं तथा 8 अन्य एम डी, वरिष्ठ रेज़ीडेंट चिकित्सकों ने हृद वक्ष संवेदनाहरण में सुपर विशेषज्ञता प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. श्री चित्रा आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुवनंतपुरम से डी एम हृद संवेदनाहरण अभ्यर्थी

3. लेडी हार्डिंग मेडीकल कॉलेज से 6 एम डी अभ्यर्थियों को हृद संवेदनाहरण विशेज्ञता में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। संवेदनाहरण में स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों ने भी एम्स, संवेदनाहरण विभाग के स्नतकोत्तर नैदानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में रोटेशनल प्रशिक्षण में भाग लिया।

4. अध्यापन कार्यक्रम में ये शामिल हैं : विद्यार्थियों (डी एम, एम डी, एम एस सी परफ्यूज़न तथा अतिथि संवेदनाहरण वैज्ञानिकों के लिए कक्षा कक्ष अध्यापन (संगोष्ठियां, मामला प्रस्तुतीकरण तथा पत्रिका क्लब), ऑपरेशन थिएटर प्रशिक्षण तथा अध यापन।

सीएमई तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

उषा किरण : 6

नीति मखीजा : 5

पूनम मल्होत्रा कपूर : 10

मिनाती चौधरी : 6

शम्भूनाथ दास : 3

पराग घारडे : 3

विश्वास मलिक : 3

रक्ताधान सेवाएं

अंजली हजारिका : 7

कल्पना मिश्रा : 2

हृदय विकिरण विज्ञान

संजीव शर्मा : 10

गुरप्रीत एस. गुलाटी : 14

मार्च 2011 में हृद विकिरण विज्ञान, एम्स, 2011 सत्र में पी एच डी के लिए नामांकन किया। शोधपत्र परियोजना शीर्षक ड्यूल एनर्जी, ड्यूल सोर्स सीटी इन दि काम्प्रीहेंसिव कार्डियक एसेसमेंट ऑफ पेशेंट्स एट इंटरमीडिएट रिस्क ऑफ कोरोनरी आर्टरी डिसीज़ (सीएडी)।

प्रिया जगिया : 13

हृदय नाभिकीय चिकित्सा

1. स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संख्या : 12 (नाभिकीय हृद विज्ञान में रोटेशनल आधार पर नाभिकीय चिकित्सा, एम डी एवं एम एस सी नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण)

2. पूर्ण किए गए शोधपत्र/अनुसंधान पत्र : 5 (चार शोधपत्र एवं एक एम सी एच अनुसंधान)

3. पत्रिका क्लब / संगोष्ठियों में मॉडरेटर : 6

4. आरंभ किए गए नए शोधपत्रों की संख्या : 2

राष्ट्रीय सम्मेलन

1. न्यूक्लियर कार्डियोलॉजीकल सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के 8वें द्वि वार्षिक सम्मेलन का आयोजन 19 - 20 नवंबर 2011 को किया गया।

2. सम्मेलन के अध्यक्ष : प्रो. ए मल्होत्रा, विभागाध्यक्ष, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स।

3. आयोजक सचिव, डॉ. चेतन डी पटेल, अपर आचार्य, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स।

स्टेम सेल सुविधा

क) अवर स्नातक, स्नातकोत्तर, अर्ध चिकित्सा : विभाग ने 14, पी एच डी, डी एम, और एम डी कार्यक्रमों में भाग लिया

ख) अल्पावधिक एवं दीर्घावधि प्रशिक्षण :- चार स्नातक तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने अल्पावधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं

1. टोरोंटो, कनाडा में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च 15-18 जून 2011।
2. महिला वैज्ञानिकों के लिए आजीविका प्रणति तथा पुनराभिमुखीकरण कार्यक्रम / अवार्ड संबंधी विशेषज्ञ समिति, बायो केयर, दिल्ली, 19 जुलाई 2011
3. परामर्श कार्यपाल - महिला वैज्ञानिकों के लिए जैव प्रौद्योगिकी आजीविका प्रगति तथा पुनराभिमुखीकरण कार्यक्रम, नई दिल्ली, 14 नवंबर 2011
4. कोशिकीय एवं आणविक चिकित्सा बैठक, स्टेम सेल अनुसंधान केंद्र, क्रिश्चियन मेडीकल कॉलेज, वेल्लौर, 5 जनवरी 2012
5. हृद अनुसंधान समाभिरूपण, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, एम्स, 17-18 फरवरी 2012

प्रदत्त व्याख्यान : 6

हृदय विकृति विज्ञान

डॉ. रुमा रे ने इण्डियन सोसायटी ऑफ कार्डियाक इमेजिंग की प्रथम वार्षिक बैठक में 23 सितंबर 2011 को नई दिल्ली में 'कार्डियक एम्ब्रियालॉजी, एनेटमी एण्ड पैथालॉजी' पर वार्ता की।

हृदय जैव रसायन

लघु समय प्रशिक्षण

एक विद्यार्थी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई तथा तीन विद्यार्थी विभाग में पी एच डी कर रहे हैं। विभाग ने दो विज्ञान निष्णात विद्यार्थियों को और दो एम एल टी विद्यार्थियों को प्रयोगशाला विधियों में हैंड्स ऑन प्रशिक्षण (व्यावहारिक) प्रदान किया।

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओआरबीओ)

अतिथि व्याख्यान / आमंत्रित व्याख्यान : 6

आयोजित

1. स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय, एम्स के तत्वाधान के अंतर्गत मृतक दाता उपलब्धता बढ़ाने के लिए दक्षिणी दिल्ली के अस्पतालों (सरकारी तथा निजी) के साथ बैठक का आयोजन किया, 18 अगस्त 2011
2. अंग दान मुद्दों पर दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के लिए प्रथम अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली में किया, 29 अक्तूबर 2011। इसका उद्घाटन विशेष पुलिस आयुक्त ने किया। दिल्ली पुलिस के 42 वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
3. 26 नवंबर 2011 को एम्स में संभावी बहु अंग दाता की संवीक्षा संबंधी राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया। श्री पी. के. प्रधान, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार इसके मुख्य अतिथि तथा अग्रणी थे। संपूर्ण देश से अंग दान तथा प्रत्यारोपण के क्षेत्र में विशेषज्ञो ने स्क्रीनिंग प्रोफार्मा तथा दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को प्रस्तुत किए गए।

4. स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के तत्वावधान के अंतर्गत एम्स में भारतीय अंग दान दिवस - 2011 के आयोजन सचिव, 28 नवंबर 2011।

5. इंटरनेशनल कांग्रेस ऑन एमरजेंसी मेडिकल सर्विस सिस्टम, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स के लिए आयोजक समिति के सदस्य, 9-11 फरवरी 2011।

6. अंग दान मुद्दों पर दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के लिए एम्स में 22 फरवरी 2012 को द्वितीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्घाटन पुलिस आयुक्त ने किया। दिल्ली पुलिस के 39 वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अनुसंधान

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

जारी

1. फेनोक्सीबेन्जामिन बनाम पापावेरिन के साथ पूर्व उपचारित रेडियल आर्टीरी ग्राफ्ट के साथ एम्स सी ए बी जी करवा रहे मरीजों में क्लीनिकल एवं एंजीओग्राफिक आउटकम की तुलना।
2. कंजेस्टिव हृद विफलता का उपचार (एसटीआईसीएच परीक्षण) - एक अंतरराष्ट्रीय बहु केंद्रक परीक्षण अध्ययन।
3. फ्रीडम परीक्षण - एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन परियोजना
4. ऑफ पम्प बनाम पम्प सी ए बी जी।
5. उत्कृष्टता केंद्र परियोजना; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित, एम्स : बेसिक एण्ड ट्रांसलेशनल
6. मायोकार्डियम पुनः सृजन के लिए ऑटोलॉगस अस्थि मज्जा स्टेम सेल का प्रयोग।
7. उत्कट मायोकार्डियल इन्फार्क्शन वाले रोगियों को बांएं वेंट्रीकुलर प्रकार्य के सुधार में स्टेम सेल की प्रभावोत्पादकता।
8. आई सी एम आर परियोजना - जारी (20 मार्च 2009 को आरंभ हुई); जटिल कंजेनाइटल हृद शल्य चिकित्सा में प्रोगनोस्टिक मार्करों की भूमिका
9. सी ए बी जी में चल रहे रोगियों में कोरोनरी आर्टरी रोग की कठोरता के मार्कर के रूप में सेरम ओस्टीयोपोंटीन स्तर का अध्ययन।
10. सी ए बी जी करा रहे कठोर एल वी दुष्क्रिया के साथ रोगियों में सेरम ओस्टीयोपोन्टीन स्तरों का अध्ययन।
11. मार्योकार्डियल इन्फार्क्शन एवं हृद विफलता के चूहा मॉडल में डी ए पी। लेबल्ड मिसेंचीमल स्टेम सेल्स का अध्ययन।
12. एपीडर्मल स्टेम सेल्स (ईपीआईएससी) का इसके पृथक्करण, लक्षणीकरण तथा इन टिरो विभेदन के संबंध में अध्ययन।
13. मेसेनकाइमल सेल्स के वर्धन तथा अंतर द्वारा अस्थि ऊतक इंजीनियरी।
14. जैव सम्मिश्र स्कैफोल्ड पर स्टेम सेल्स।
15. ऑफ पम्प बनाम ऑन पम्प ग्लेन के पश्चात् तंत्रिका विज्ञानी अनुवीक्षण एवं परिणाम।
16. ऑटोलोगस अस्थि मज्जा प्रात स्टेम सेल्स की इंट्रा - आर्टीरियल डिलीवरी द्वारा अंग इस्चेमिया में रोगोपचारी एंजियोजेनेसिस का सब्रिवेशन
17. टेकनेटियम - 99एम हेक्सामेथीलिन प्रोपीलीन एमीन ऑक्साइन (टीसी 99 एमएचएमपीएओ) के साथ स्टेम सेलों का लेबलीकरण तथा इंट्रा कोरोनरी अंतर्वेशन के पश्चात् माइक्रोकार्डियल में स्टेम सेलों की होमिंग का पता लगाया।

18. माइकोकार्डियल इंफार्क्शन तथा इन्फार्कट संवधित धमनी के सतत् कुल ऑक्लूज़न वाले रोगियों में स्टेम सेल उपचार का अध्ययन (ऑक्लूडिड धमनी उपचार में कोशिका रोग उपचार (सी ओ ए टी)।

19. फोंटेन परिचालन की गतिकी तथा मॉडलिंग।

20 सी पी बी पर इंट्राकार्डियाक उपचार करा रहे बच्चों में प्राइमिंग के लिए रक्त कालॉयड के साथ रक्त क्रिस्टलायड की तुलना।

21. कार्डियो पुलमोनरी तथा न्यूरोनल सेल लाइनेज में मानव मेसेनचिमल स्टेम सेल्स का इसके पृथक्करण लक्षणीकरण इन विट्रो विभेदन के संबंध में अध्ययन

22. सी ए बी जी करा रहे कठोर एल वी दुष्क्रिया के साथ रोगियों में सेरम ओस्टीयोपोन्टीन स्तरों का अध्ययन।

23. सी ए बी जी रोगियों में इस्केमिक मायोकार्डियम के लिए स्टेम सेल थैरेपी।

24. रूमेटिक हृद रोग के लिए ओपन हृद शल्यचिकित्सा करवा रहे रोगियों में एट्रियल फिब्रिलेशन की नैदानिक तथा हिस्टोपैथोलॉजीकल विशिष्टताएं।

25. एस आई आर एस परीक्षण - हृद शल्य चिकित्सा में स्टीरायड्स : ओपन हृद सर्जरी में स्टीरायड्स की प्रभावात्मकता का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छीकृत परीक्षण।

26. रिमोट इम्पेक्ट हृद शल्य चिकित्सा में रिमोट इस्चेमिक प्री कंडीशनिंग।

27. कोरोनरी परीक्षण - ऑन पम्प सी ए बी जी बनाम ऑफ पम्प सी ए बी जी की तुलना करते हुए अंतरराष्ट्रीय मल्ट्रीसेंट्रिक क्लीनिकल परीक्षण।

28. वॉल्वुलर हृद शल्यचिकित्सा करवा रहे आर एच डी वाले रोगियों में ए एफ का नैदानिक तथा पैथो - फिज़ियोलॉलीकल पार्श्वचित्र।

29. पेडियाट्रिक कंजेनाइटल हृद रोग में रक्त कार्डियो प्लेजिया बनाम कस्टोडियल की तुलना - अग्रदर्शी यादृच्छीकृत नैदानिक परीक्षण।

30. रिमोट इनपुट कोरोनरी हृद परीक्षण

31. सुधारात्मक शल्यचिकित्सा करवा रहे टी ओ एफ के रोगियों में सोनोक्लॉट का प्रयोग

32. एम आर एंजियोग्राफी के अनुसार भारतीय आबादी में विलीज़ के चक्र का शरीर रचना विज्ञान

33. हाइपोकार्मिक सर्कुलेटरी एरेस्ट के बगैर एऑर्टिक आर्च प्रतिस्थापन सर्जरीज़ के साथ न्यूरोलॉजीकल अध्ययन।

34. बिकस्पिड एऑर्टिक वॉल्व के रोगियों में एसेंडिंग एओटी डेजीनिरेटिव परिवर्तनों की मात्रा का हिस्टोपैथोलॉजीकल अध्ययन।

35. फेनोक्सीबेन्जामिन बनाम पापावेरिन के साथ पूर्व उपचारित रेडियल आर्टीरी ग्राफ्ट के साथ पम्प सी ए बी जी करवा रहे मरीजों में क्लीनिकल एवं एंजीओग्राफिक आउटकम की तुलना।

36. बाई - डायरेक्शनल ग्लेन एवं टोटल कैवोपुलमोनरी कनेक्शन करवा रहे मरीजों में पुलमोनरी वास्कुलेचर की हिस्टोपैकोलॉजी एवं मोर्फोमीटरी।

37. 40 वर्ष से कम आयु के इम्यूमेटिक हृद रोगों वाले मरीजों में बायोप्रोस्थेटिक वॉल्वों का प्रयोग करते हुए मिट्रल वॉल्व प्रतिस्थापन।

38. क्रोनिक कंस्ट्रक्टिव पेरीकार्डीटिस के लिए पेरीकार्डीयक्टॉमी के बाद विशिष्ट समस्साएं एक्चुएरियल सरवाइवल, प्रीऑपेरटिव मिट्रल एवं ट्रीकसपिड रेगुरजीटेशन का फेट, वेंन्ट्रीकूलर फंक्शन, रिऑपरेशन और अन्य समस्याओं से छुटकारा।

39. फैलोट के टेट्रालॉजी के इंट्राकार्डिएक उपचार के बाद एऑर्टिक रूट का भविष्य।

40. क्रोनिक कंस्ट्रीक्टिव पेरीकार्डिटिस के लिए पेरीकार्डियक्टॉमी करवा रहे मरीजों में क्रमिक गैर - इनवैसिव हिमोडायनैमिक मॉनीटरिंग; दो सर्जीकल उपायों का एक तुलनात्मक इंट्राऑपरेटिव एवं पोस्टऑपरेटिव मूल्यांकन।

41. पेरीकार्डियोएक्टॉमी करवा रहे मरीजों में डायस्टोलिक दुष्क्रिया के गैर आक्रामक मार्करों के रूप में ब्रेन नेट्रीयूरेटिक पेंपटाइड, स्ट्रोक वॉल्यूम अंतर और ई / ए अनुपात।

42. कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग के दौरान रेडियल आर्टरी के लिए फेनाक्सीबेंजामिन बनाम पेपावेरिव प्रयोग की तुलना।

हृदय विज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एंटीबॉडीज एवं एंटीजन एरे द्वारा एक्यूट कोरोनरी स्थितियों में सी वी डी बॉयोमार्करों की प्रोफाइलिंग वी के बहल, आई सी एम आर।

2. रुमेटिक अध्ययन - डॉप्लर के साथ ईको कार्डियोग्राफी का प्रयोग करते हुए हरियाणा के बाल्लभगढ़ ब्लॉक में 5-15 वर्षीय बच्चों में रुमेटिक हृद रोग की प्रवृत्तता का अध्ययन, अनीता सक्सेना, आई सी एम आर, मार्च 2010 से मार्च 2013, लगभग 30 लाख रुपए।

3. बच्चों में रुमेटिक हृद रोग एम्स अग्रदर्शी रजिस्टरी, अनीता सक्सेना, आई सी एम आर, पहली जून 2012 - 31 मई 2012, लगभग 28 लाख रुपए।

4. कॉन्जनीटल हृदय रोगों में कठोर पलमोनरी आर्टेरी हाइपरटेंशन के लिए अंतः संवहनी अल्ट्रासाउंड आर जूनेजा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

5. डायलैटेड कार्डियोमायोपैथी में स्टेम सेल थेरेपी।

6. संधिवात हृदय रोग की ग्लोबल रजिस्ट्री। अंतरराष्ट्रीय रूप से क्लिनिकल परीक्षणों का कैनेडियन नेटवर्क। जी कार्तिकेयन

7. कोरोनरी स्थितियों के मध्यवर्ती जोखिम वाले मरीजों के निर्धारण में कोरोनरी सी टी एंजियोग्राफी की तुलना में रेस्ट स्ट्रेस एम आई बी आई - एस पी ई सी टी, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी।

8. आई ई के रोगियों में थ्रोमबियोम बोलिज़्म के पूर्वानुमानन में इंडोथीलियल सूक्ष्माणु तथा ई पी सी; एम्स संस्थान अनुदान

9. ओरल एंटीकोगुलेशन पर प्रोस्थेटिक हृद वॉल्व के रोगियों में जीन पोलीमार्फिज़्म तथा आई एन आर, 2009-12 (अक्तूबर 2012 तक विस्तारित)।

पूर्ण

1. लगभग 29 लाख मामलों के अनुवर्तन के लिए नवजात में कांजीनेटल हृद रोग के विस्तार को परिभाषित करना, अनीता सक्सेना, आई सी एम आर, 2009-12 (अक्तूबर 2012 तक विस्तारित)।

2. आईडियोपेथिक पलमोनरी आर्टेरी हाइपरटेंशन में प्लेटलेट्स की आकृति विज्ञान एवं कार्य एस. रामाकृष्णन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान। 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजना

जारी

1. साइनस रिद्म में रुमेटिक एम एस के रोगियों में आघात तथा सिस्टेमिक एम्बोलिज़्म का विस्तार।

2. पी टी एम सी के पश्चात् एट्रियल फिब्रीलेशन के साथ रुमेटिक एम एस के रोगियों में रिद्म नियंत्रण

3. उत्कट रुमेटिक ज्वर के दौरान एम आर आई

4. रुमेटिक एम एस चिरकालिक (निरंतर) लो ग्रेड प्रज्जवालन तथा ए एफ का जोखिम।

5. प्रोस्थेटिक हृदय वॉल्व थ्रोम्बोसिस की सफलता के पूर्वानुमान के रूप में एंटी स्ट्रेप्टोकोक्कल प्रतिजन।

6. ईसनमेंजर सिंड्रोम में हेमोटिसिस की घटना के दौरान सी टी एंजियोग्राफी निष्कर्ष

7. ए वी बी डी की सफलता के 3 डी ई को पूर्वानुमानक

8. करंटीनेंटल हृद रोग के संकेत तथा हस्तक्षेपों में वास्कुलर प्लग की प्रभावोत्पादकता।

9. ईसनमेंजर संलक्षण में प्रयास परिसीमा का अध्ययन।

10. कोरोनरी माइक्रोवास्कुलेचर तथा हेमोडायनेमिक्स पर तम्बाकू चबाने का प्रभाव

11. पी टी एम सी के उत्कट परिणाम के पूर्वानुमानन में 2 डी बनाम 3 डी इको।

12. एन एस ए ए वाले बच्चों का अग्रदर्शी मूल्यांकन।

13. उच्च खुराक डियूरेटिक्स ले रहे हृद विफलता के रोगियों थियामिन स्तर।

14. पश्च रुमेटिक हृद वॉल्व शल्यचिकित्सा रोगियों में नवीन ऑनसेट ए एफ का विस्तार

पूर्ण

1. वी एस डी एवं हृदय के काम न करने वाले बच्चों में प्रोपोनोलोल (वी एस डी पी एच एफ अध्ययन।)

2. तीक्ष्ण संधिवात बुखार के दौरान 3डी इकोकार्डियोग्राफी

3. इब्सटेइन की एनॉमली में 3डी इको और एम आर आई पैरामीटरों की तुलना।

4. आर वी ओ टी बनाम और वी एपेक्स में पेसमेकर लीड प्रतिस्थापन - सी टी द्वारा एक वैधीकरण।

5. एओर्टा के कोरेक्टेशन का बैलून डिलेटेशन - एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

1. आर ई डी एच एफ अध्ययन - डबल ब्लाइंड रैन्डोमाइज्ड प्लेसबो सिस्टोमिक डाइजफंक्शन और एनेमिया वाले हृदय के काम न करने (एच एफ) वाले में मोर्टेलिटी एवं मोर्बिडिटी पर दर्बेपोइटिन अल्फा उपचार की क्षमता एवं बचाव के निर्धारण हेतु कंट्रोल्ड सिम्प्टोमैटिक लेफ्ट वेंट्रीकूलर मल्टीसेंटर अध्ययन। एमजेन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड

2. एफ आर ई ई डी ओ एम परीक्षण : मधुमेह मेलीटस के रोगियों में भावी पुनर्संवहनीकरण मूल्यांकन : मल्टीवेसल रोग (एफ आर ई ई डी ओ एम) परीक्षण का ऑप्टीमल प्रबंधन। डायबिटिक्स में मल्टीवेसल डी ई एस बनाम सी ए बी जी का समतुल्य क्लीनिकल परीक्षण, एन आई एच, एथेस्डा, एम डी, यू एस ए

3. गैर - कार्डियक सर्जरी में चल रहे मरीजों की आई एस आई ओ एन रजिस्ट्री सर्जरी के बाद पहले 30 दिनों में पेरीऑपरेटिव इस्कीमिक कार्डियक स्थितियों के विस्तार एवं पूर्वानुमान पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय रजिस्ट्री में विश्व में लगभग 10 से अधिक देशों से प्रतिभागी है।

4. कोरोनरी सी टी ए - वी आई एस आई ओ एन अध्ययन, केनाडियाई स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान द्वारा निधिकृत।

5. कार्डियक सर्जरी परीक्षण (एस आई आर एस)। में स्टेरॉयड्स, कनडियाई स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान।

6. यू के आई ई आर आई परियोजना - इम्पीरियल कॉलेज लंदन और कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स का सहयोग - अनुपचारित हृदय विफलता में इंफ्लैमैटरी एवं नोवेल बॉयोमार्कर। यू के आई आर आई पहल द्वारा निधिकृत।

हृदय संवेदनाहरण

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एन्यूरिसमल सर्जरी में इप्सीलोन एमिनोकॅपरोइक एसिड और ट्रांएक्जामिक एसिड की तुलना; बचाव एवं नैदानिक प्रभावात्पादकता डॉ. नीति मखिजा। अनुसंधान अनुदान।
2. "कॉम्प्लेक्स कॉन्गेनीटल कार्डियक सर्जरी में प्रोग्नोस्टिक मार्करों की भूमिका, आई सी एम आर, 2009-12 पूनम मल्होत्रा कपूर, 24 लाख रुपए।
3. अतिरिक्त वेंट्रीकुलर दुष्क्रिया वाले कोरोनरी आर्टेरी रोग रोगियों में इंफ्लेमेशन और ऑस्टीयोपेटिन के बीच संयोजन। डॉ. मिनाती चौधरी। संस्थान अनुसंधान अनुदान, एक लाख रुपए प्रति वर्ष।
4. कार्डियोपुलमैनरी बाइपास का प्रयोग किए गए सी ए बी जी के पश्चात् न्यूरॉकनिटिव ह्रास एवं इंफ्लैमैटरी प्रतिक्रिया में पेंटॉक्सी फाइलिन की भूमिका। डॉ. शम्भुनाथ दास। संस्थान अनुदान, एक लाख रुपए, प्रति वर्ष।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. हृद शल्य चिकित्सा करवा रहे पेडियाट्रिक रोगियों में मायोकार्डियल संरक्षण पर ईसोफ्लूरेन, सेवो फ्लूरेन तथा डेसफ्लूरेन के प्रभाव की तुलना।
2. फैलोट टेट्रालॉजी में सुधारात्मक सर्जरी में चल रहे मरीजों में इप्सीलोन एमिनोकैप्राइक एसिड के तीन खुराकों की तुलना।
3. फैलोट टेट्रालॉजी के सुधारात्मक शल्यचिकित्सा करवा रहे रोगियों में एप्सीलोन अमीनो कॉपरोईक एमिड की विभिन्न खुराकों की तुलना।
4. कोरोनरी आर्टेरी बाइपास ग्राफ्ट सर्जरी करवा रहे मरीजों में एड्रेनकोर्टीकल स्प्रेशन पर इटोमिटेड एवं प्रोपोफोल के साथ इंडक्शन की तुलना।
5. फेलोट टेट्रालॉजी करवा रहे मरीजों में एड्रीनाकोर्टिकल सप्रेशन पर इटोमिडेट तथा केटामिन के साथ इंडक्शन की तुलना।
6. कार्डियोपलमोनरी बाइपास के दौरान आर्टेरियल स्विच ऑपरेशन करवा रहे मरीजों में फिनॉक्सीबेंजामिन का प्रभाव कार्डियोपुलमैनरी बाइपास के दौरान आर्टेरियल स्विच ऑपरेशन करवा रहे मरीजों में फिनॉक्सीबेंजामिन का प्रभाव।
7. कांजेनीटल हृदय रोग पेडिएट्रिक रोगियों में डेक्सेटेमाइडिन प्लस केटामिन अथवा मिडाजोलम की तुलना में इंट्रानसल डेक्समीडिटोमाइडिन का हैइमोडायनैमिक प्रभाव।
8. बाई डायरेक्शनल ग्लेन सर्जरी "ऑफ पम्प" बनाम "ऑन पम्प" करवा रहे मरीजों में कॉग्नीटिव कार्य।
9. सायनोटिक और एसायनोटिक बच्चों में सोनोक्लोट की भूमिका की तुलना
10. हृद शल्यचिकित्सा करवा रहे सायनोटिक रोगियों में सोनोकलॉट की भूमिका की तुलना।
11. टी ओ एफ रोगियों में एस सी वी ओ2 की भूमिका
12. सी ए बी जी रोगियों में प्रोग्नोस्टिक मार्करों तथा गोल डायरेक्ट थिरेपी का पूर्वानुमान मूल्य।
13. हाइपोथर्मिक सर्कुलेटरी एरेस्ट के बिना आयोजित आर्क प्रतिस्थापन शल्य चिकित्सा में तंत्रिका रोग विज्ञानी परिणाम।

पूर्ण

1. उत्कट वेंट्रीकूलर दुष्क्रिया वाले रोगियों में सेवोफ्लूनेन तथा इटोमिडेट का सन्निवेशन तथा हेमोडायनेमिक लक्षण।
2. कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग करवा रहे रोगियों में जस्ट ऑपरेटिव दर्द राहत के लिए रोपीवोकेन की दो खुराकों के साथ पैरास्टीनल ब्लॉक।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

1. रिमोट इम्पैक्ट कोरोनरी परीक्षण (हृद शल्यचिकित्सा तथा हृद रोग विज्ञान विभाग)

रक्ताधान सेवाएं

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. क्रानिक क्रीटीकल लिम्ब इस्केमिया वाले रोगियों में एम्पुटेशन के निवारण में ऑटोलोगस स्टेम सेल की सुरक्षा एवं प्रभावात्पकता (सर्जरी विभाग)।
2. एच आई वी - 1 इनवेलप ग्लाइकोप्रोटीन के प्रति साइट चयनित मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ का प्रोडक्शन एवं लक्षणीकरण (क्लेड सी) (जैव रसायन विभाग)।
3. एच आई वी - 1 संक्रमण में एस डी एफ - 1 और डी सी - एस आई जी एन आर पॉलीमोर्फिज्म एवं अभिव्यक्ति (जैव रसायन विभाग)।
4. बच्चों में एच आई वी - 1 संक्रमण का इम्यूनोलॉजीकल लक्षणीकरण - (जैव रसायन विभाग)।
5. एच आई वी - 1 संक्रमण में डेन्ड्रीटिक सेलों का कार्यात्मक लक्षणीकरण (जैव रसायन विभाग)।
6. एच आई वी - 1 संक्रमण में डेन्ट्रीटिक सेल काउंट और साइटोकिन लेवल (जैव रसायन विभाग)।
7. स्वस्थ भारतीय प्रौढों में सीरम मुक्त लाइट चेयर्स की सामान्य संदर्भ सीमा को स्थापित करना (लैब ऑनकोलॉजी, बी आर ए. आई आर सी एच, एम्स)।
8. एच आई वी - 1 क्लेड सी के एन्वल्प जी पी 120 के प्रति एकल श्रृंखला परिवर्ती क्षेत्र (एस सी एफ वी) का सृजन तथा लक्षणीकरण (जैव रसायन विभाग)।
9. भारतीय संक्रमित रोगियों में एच आई वी के लिए स्यूडो वायरस का सृजन तथा लक्षणीकरण (जैव रसायन विभाग)।
10. चिरकालिक संक्रमित भारतीय पेडियाट्रिक रोगियों में एच आई वी - 1 क्लेड सी एन्वलप का विकास (जैव रसायन विभाग)।

हृदय विकिरण विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ऑटोलोगस बोन मैरो व्युत्पित स्टेम सेलों की इंट्रा आर्टेरियल डिलीवरी द्वारा क्रीटीकल लिम्ब इस्केमिया में थेरोप्यूटिक एंजियोजेनेसिस का प्रवेश। जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
2. हृदय विफलता के चूहा मॉडल में आयरन ऑक्साइड लेबलयुक्त मेसेन्चेमल स्टेम सेलों की इनविवोट्रैकिंग हेतु एम आर आई। जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
3. टकयास के आर्टेरीटिस में इम्युनोसुपरसैंट थेरेपी की मूल्यांकनकारी प्रतिक्रिया में 3 टेस्ला एम आर आई की उपयोगिता एम्स संस्थान अनुसंधान निधि 2010-11

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. गैर - कार्डियक सर्जरी रोग कोहोर्ट मूल्यांकन अध्ययन में संवहनी स्थितियों का पूर्वानुमानन करने के लिए कोरोनरी सी टी एंजियोग्राफी (कोरोनरी सी टी ए विजन)।
2. गेटेड सी टी एंजियोग्राफी वाले एऑर्टिक एन्यूरिज्म साइज का वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण और डायनैमिक निर्धारण।
3. फेलोट टेट्रालॉजी वाले रोगियों के प्री ऑपरेटिव मूल्यांकन के लिए कैथेटर एंजियोग्राफी के साथ सी टी एंजियोग्राफी की तुलना।
4. इन्फ्रापोप्लिटियल आर्टरी रोग के मूल्यांकन के लिए डॉप्ल, एम आर एंजियोग्राफी तथा डी एस ए की तुलना।

पूर्ण

1. कोरोनरी आर्टरीज के क्रोनिक टोटल ऑक्यूलशन के निर्धारण में डुआल स्रोत कंप्यूटेड टोमोग्राफी का मूल्य।
2. रिनाल रिसीपीएन्ट्स में कोरोनरी आर्टरी कैल्सीफिकेशन और कैरोटिड इंटिमा मेडियल थिकनेस पर रिनल ट्रांसप्लांटेशन का प्रभाव।
3. रिस्टीक्टिव कार्डियोम्योपैथी (आर सी एम आर) और ई एम एफ के डाइग्नोसिस के लिए एम आर आई मापदण्ड तैयार करने हेतु क्लीनिकल लक्षणों एवं एम आर आई विशेषताओं का अध्ययन।
4. एच वी ओ टी ओ - कोहोर्ट में परक्यूटेनियस एंजियोप्लास्टी का क्लीनिकल स्पेक्ट्रम : इंटियोलॉजी और परिणाम का अग्रदर्शी अनुवर्ती अध्ययन।
5. एब्सटेइन एनोमली के मूल्यांकन एवं सर्जिकल प्लानिंग में मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग की भूमिका (पूर्वव्यापी अग्रदर्शी अध्ययन)

हृदय नाभिकीय चिकित्सा

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. माइओकार्डियम रिजनरेशन के लिए ऑटोलोगस बोन मैरो स्टेम सेलों का प्रयोग। निधियन एजेंसी - जीव विज्ञान विभाग
2. स्टेम सेलों की टेकनीटियम -- 99मीटर हेक्जामेकेलीन प्रोपीलीन एमाइन ऑक्साइन से लेबलिंग ("टीसी 99मीटर एच एम पी ए ओ) और अंत हृदय अंतः क्षेपण के बाद माइओकार्डियम में स्टेम सेलों की होमिंग की पहचान करना। संस्थान निधिकृत।
3. "तीक्ष्ण माइओकार्डियल इन्फ्रैक्शन के मरीजों में लेफ्ट वेंट्रीकूलर फंक्शन के सुधार में स्टेम सेलों की प्रभावोत्पदकता। जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
4. कोरोनरी घटनाओं के मध्यवर्ती जोखिम पर मरीजों के निर्धारण में एस ई सी टी - एम पी आई एवं सी टी एंजियोग्राफी की भूमिका"। एक पायलट रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी।

पूर्ण

1. एसिम्पटोमेटिक डायबिटीज़ में टी सी 99 मी - एम आई बी आई परफ्यूज़न सिंटीग्राफी के साथ मायोकार्डियल इस्चेमिया की पहचान (2006-11) अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण, 5 वर्ष।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. सफल यूनीवेंट्रीकूलर रिपेयर (फोन्टेन ऑपरेशन) और बाईवेंट्रीकूलर रिपेयर (फैलोट के टंट्रोलॉजी का पूर्ण सुधार के एक से अधिक वर्ष बाद स्यनोटिक कंजेनाइटल हृदय रोगों वाले बच्चों में मायोकार्डियल परफ्यूजन अपसामान्यताएं।
2. स्थायी पेसमेकर वाले रोगियों में लेफ्ट वेंट्रीकूलर सिंक्रोनी एवं प्रक्रिया के मूल्यांकन में अक्यूबीलियम रेडियोन्यूक्लाइड एंलियोग्राफी। राइट वेंट्रीकूलर आउटफ्लो ट्रैक्ट सेप्टम बनाम एपाइकल पेसिंग के बीच तुलना।
3. फास्टिंग रोगियों में एफ-18 एफ डी जी के मियोकार्डियल अपटेक के परिवर्तनीय पैटर्न।
4. सॉलिटरी पुलमोनरी नॉडयूल्स के निर्धारण में आंशिक प्रमात्रा प्रभाव सुधार का प्रभाव
5. आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन के पश्चात रोगियों में मायोकार्डियल परफ्यूज्न छविकरण एक प्रायोगिक अध्ययन।

जारी

1. स्ट्रेस रेस्ट "टी सी 99 मी टेट्रोफोसमिन मियोकार्डियल आप्लावन एस पी ई सी टी पर पेसमेकरों के साथ रोगियों में आप्लावन अपसामान्यताओं का पता लगाना; राइट वेंट्रीकूलर आउटफ्लो ट्रैक्ट सेप्टम बनाम एपाइकल पेसिंग के बीच तुलना।
2. डिलेटेड कार्डियोमियोपैथी के मरीजों में वेंट्रीकूलर डाइसिंक्रोनी के निर्धारण में इक्वीलिब्रीयम रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोकार्डियोग्राफी पर फेज विश्लेषण की भूमिका। इकोकार्डियोग्राफी से तुलना।
3. प्राथमिक एन एस सी लंग कैंसर के मरीजों में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में पी ई टी - सी टी।
4. आवर्ती सर्वीकल कैंसर के उपचार मूल्यांकन में पी ई टी - सी टी। (एम डी। नाभिकीय चिकित्सा शोध पत्र 2010-13)।
5. सी ए बी जी करवा रहे रोगियों में लेफ्ट इंटर्नल थोरासिक आई टी का पीडिक्लड हार्वस्ट बनाम स्केल्टनाईज़्ड हार्वेस्ट : पोस्टऑपरेटिव स्टर्नल वास्कुलेरिटी पीड़ा एवं डिसेस्थिया पर प्रभाव - एस अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन (एम सीएच कार्डियोथोरासिक एवं वास्कुलर शल्य चिकित्सा, अनुसंधान पत्र)

स्टेम सेल सुविधा

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. "बॉयोकम्पोजिट स्काफोल्ड पर बोन टिश्यू इंजीनियरिंग के लिए ओस्टियोब्लास्ट में मेसेन्चीमल स्टेम सेल का 3डी विस्तारण और विभेदीकरण" आई सी एम आर, 3 वर्ष
2. माइओकार्डियल इंफ्रेक्शन एवं पार्किसन की अव्यवस्था के पशु मॉड्यूल्स में मेसेन्चाइमल स्टेम सेल का प्रत्यारोपण, डी बी टी।
3. भारत में तीक्ष्ण कोरोनरी स्थितियों के मेगा अध्ययन से संग्रहित जीव विज्ञानी सैम्पलों के लिए बायोबैंक का अभिकल्पन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
4. मानव अस्थि मज्जा से प्राप्त कार्यात्मक रूप से सक्रिय कार्डियोमायोसाइट्स के सृजन के लिए कार्डियाक विशिष्ट जीनों के संबंध का अध्ययन करना, एम एस सी, डी बी टी।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एक नवीन इंड्यूसर का प्रयोग करते हुए कार्डियोमायोसाईटस में बी एम एस सी की विभेदीकरण संभाव्यतया को दृष्टतम करना, एम्स (संस्थान परियोजना)।

सहयोगी परियोजनाएं

1. माइओकार्डियम रिजनरेशन के लिए ऑटोलोगस बोन मैरो स्टेम सेलों का प्रयोग (सी टी वी एस विभाग)।
2. तीक्ष्ण माइओकार्डियल इन्फ्रैक्शन के मरीजों में लेफ्ट वेंट्रीकूलर प्रकार्य के सुधार में स्टेम सेल की प्रभावोत्पदकता (हृदय विज्ञान विभाग)
3. स्टेम सेल अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट डी बी टी सेंटर : बेसिक और प्रतिरोपण (सी टी वी एस विभाग)।
4. स्टेम सेल कमी विकार में आक्यूलर सतह पुनर्निर्माण के लिए लिम्बल स्टेम सेल का संवर्धन (डॉ. आर पी नेत्र रोग विज्ञान केंद्र)
5. स्टेम सेलों से प्राप्त ऑटोलोगस बोन मैरो की अंतः आर्टेलरी डिलीवरी से क्रीटीकल लिम्ब इस्चेमिया में थिरापीइटिक एंजियोजिनोसिस का प्रवेश (हृदय विकिरण विज्ञान विभाग)।
6. ड्राई ऐज रिलेटेड मैक्यूलर डिजेनरेशन एवं रेटीनिटिस पिगमेंटोसा के मरीजों के पुनर्वास के लिए ऑटोलोगस बोन मैरो प्राप्त स्टेम सेलों का प्रयोग : फेज - 1 क्लीनिकल परीक्षण (डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र रोग विज्ञान केंद्र)
7. तीक्ष्ण इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों के लिए इंट्रावेनस ऑटोलोगस बोन मैरो स्ट्रोमल अथवा मोनोन्यूक्लीयर सेल्स : बहुसंस्थानिक परियोजना (न्यूरोलॉजी विभाग)।
8. क्रोनिक क्रिटिकल लिम्ब इस्कीमिया वाले रोगियों में एम्पुटेशन के निवारण में ऑटोलोगस स्टेम सेल की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता (सर्जरी विभाग)
9. वयस्क चूहों में पेरीफेरल नर्व रिपेयर में बोन मैरो प्राप्त प्लूरीपोटेंट सेलों की भूमिका का अध्ययन (पैथोलॉजी विभाग)।
10. स्पाइनलाइज्ड चूहों में द्वितीय मोटर कार्यात्मक स्वास्थ्य लाभ में बोन मैरो स्ट्रोमल सेल्स प्रत्यारोपण एवं मैगनेटिक स्टीमुलेटरी का प्रभाव (फिजियोलॉजी विभाग)।
11. हृदय अकार्य के चूहा मॉडल में आयरन ऑक्साइड लेबलयुक्त मेसेन्चीमल स्टेम सेलों के इन विवो ट्रैकिंग से एम आर आई (हृदय विकिरण विज्ञान विभाग)।
12. कोरनीयल इपीथलीयल सेल के एक्स - विवो विस्तारण के लिए मानव एम्नीयोटिक मेम्ब्रेन के वैकल्पिक सबस्ट्रेट के रूप में कार्य करने के लिए एक संभावित बायोपोलीमर का विकास। डॉ. आर पी केंद्र नेत्र रोग विज्ञान केंद्र)।
13. ग्लीयोमा स्टेम सेलों के इम्यूइन इवेजन मैकेनिज्म में एम एच सी एवं कॉ-स्टीमुलिटरी मोलीक्यूल्स की भूमिका का पता लगाना। (हृदय बायोकैमिस्ट्री विभाग)।
14. चूहों में स्ट्रोक के मीडियल सेरेब्रल आर्टेरीसंरोधन मॉडल में केवल मेलाटोनिन बनाम बी एम एम एन सी के संयोजन में बोन मैरो मोनोक्यूलर सेलों की तुलना (न्यूरोलॉजी विभाग)।

हृदय विकृति विज्ञान

सहयोगी परियोजनाएं

1. डायलेटिड कार्डियोमायोपैथी में फाइब्रोसिक का मूल्यांकन
2. रियूमेटिक हृदय रोग के कारण आर्टीरियल फाइब्रीलेशन के मरीजों में सर्जिकल रूप से एक्साइज़ आर्टीरियल एपेन्डेज की लाइट माइक्रोस्कोपीकल एवं अल्ट्रास्ट्रक्चरल विशेषताओं का हिस्टोपैथोलॉजीकल विश्लेषण।

3. इंट्रा कार्डियक उपचार के पश्चात् फेलोट ट्रेटालॉजी के रोगियों में डॉप्लर टिश्यू इकोकार्डियोग्राफी तथा हिस्टोपैथालॉजिक परिवर्तनों के साथ इसका सह संबंध।

4. इसका सह संबंध कोरोनरी आर्टरी बाईपास के लिए संयोजक पाईप के रूप में प्रयुक्त रेडियल तथा लेफ्ट इंटरनल मैमरी आर्टरीज़ में पेपावेरीन इंजेक्शनों के पश्चात् इंडोथीलियल चोट तथा अन्य हिस्टोपैथोलॉजीकल परिवर्तन।

5. सी टी स्कैनर की ड्यूल एनर्जी तकनीक के साथ तुलना में कोरोनरी एथेरोसलरोसिस में एथरोस्लेरोसिस प्लेक का हिस्टोपैथालॉजिकल तथा जैव रसायनी विश्लेषण

हृद जैव रसायन

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. एक विशाल भारतीय औद्योगिक जनसंख्या में एच डी एल$_2$, एच डी एल$_3$ और अपोलीपोप्रोटीन ए1 का मूल्यांकन : सी ई टी पी, एल सी ए टी, हेपाटिक लियार्स और एल पी एल जीन के जेनेटिक रूपभेदों में संयोजन, डी एस टी द्वारा 3 वर्ष हेतु निधिकृत , 2008-11, कुल निधि : 65 लाख रुपए।

2. ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर, पी पी ए आर वाय और एस आर ई बी पी आई सी की अभिव्यक्ति पर ट्रांस फैटी एसिडों का प्रभाव। 2 वर्ष हेतु निधिकृत संस्थान, कुल निधि : 1.80 लाख रुपए।

3. चयनित सामान्य भारतीय फास्ट फूड मदों में ट्रांस फैटी एसिड मात्रा का आंकलन, एस आर एफ फेलोशिप, आई सी एम आर द्वारा निधिकृत।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एडीपोज टिशू ट्रांस फैटी एसिड और गैर फैटल माइओकार्डियल इंफार्क्सन के बीच संयोजन - केस कंट्रोल।

2. एन्यूरीसमल सर्जरी में इप्सीलोन एमिनोकैपरॉइक एसिड और ट्रांनेक्जामिक एसिड की तुलना : बचाव एवं नैदानिक प्रभावोत्पदकता।

3. कार्डियोपुलमैनरी बाइपास का प्रयोग करते हुए कोरनरी आर्टेरी बाइपास ग्राफ्टिंग के बाद न्यूरोकॉगेनिटिव गिरावट और इंफ्लैमैटरी प्रतिक्रिया को कम करने में पेंटोक्सीफीलिन की भूमिका।

4. हृदय की काम नहीं करने संबंधी यू के ई आई आर आई परियोजना।

5. ऑटोलोगस बोन मैरो प्राप्त स्टेल सेलों की अंतः आर्टेरियल डिलीवरी से क्रीटीकल लिम्ब इस्चीमिया में थेराप्टिक एंजियोजेनेसिस का प्रवेश।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. रिनाल प्रत्यारोपण प्रापकों में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, कारोटिड इंटिमामिडिया मोटाई और इन्डोकेलियल दुष्क्रिया और एन - एसीटाइल सिसटीइन से थेरेपी का प्रभाव। नेफ्रोलॉजी।

2. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों में एडिपोनेक्टिन सी - रिएक्टिव प्रोटीन और इंटरलिक्विन - 6 तथा डाइजलिपिडिमिया एवं इंसुलिन प्रतिरोध से उनका संबंध। बाल चिकित्सा विज्ञान

3. अल्जाइमर के रोग और संवहनी डिमेंटिया में ऑक्सीकर दाब जोखिम फैक्टरों का अध्ययन। लैब मेडिसिन।

जारी

1. कोरोनरी हृदय रोग की व्यापकता तथा एन सी आर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों में इसके जोखिम फैक्टर - एक पुनरावृत्त सर्वेक्षण। सामुदायिक मेडिसिन।
2. स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिक सिंड्रोम में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई के हाइपरलिपिडिमिया और प्रोगेशन एटोरवास्टाटिन का प्रभाव। बाल चिकित्सा।

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओआरबीओ)

विभागीय परियोजनाएं

1. मानक दिशानिर्देशों का विकास करने के लिए उपाय सुझाने हेतु एम्स में उपकरण तथा उपस्कर विसंक्रमण तथा जीवाणुनाशन प्रक्रियाओं का अध्ययन।
2. संरचना, प्रक्रिया तथा परिणाम के संबंध में आई सी यू के कार्यकरण का अध्ययन तथा उनके मानकीकरण हेतु उपाय सुझाना
3. एन एस केंद्र में पेशेंट हैंड ओवर प्रैक्टिसिज़ का अध्ययन तथा इन पद्धतियों के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना।
4. सी टी केंद्र में रोगी गिरावट के विस्तार का अध्ययन तथा एक प्रभावी गिरावट निवारण प्रोटोकॉल के पूर्वानुमानन तथा विकास के लिए जोखिम निर्धारण माध्यम का पता लगाना।
5. मृत्यु से परिरक्षण समय तथा दाता कोर्नियास के उपयोग पर इसके प्रभाव का अध्ययन।
6. एम्स में बजटीय आबंटन प्रभावी तथा इसके उपयोग का अध्ययन।
7. संरचना, प्रक्रिया तथा परिणाम के संदर्भ में न्यूरोसर्जरी आईसीयू के लिए प्रशासनिक जांच सूची का विकास करने के लिए अध्ययन
8. अंग एवं टिशू दान और प्रत्यारोपण के संबंध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के क्रिटीकल देखभाल यूनिट के कार्यरत नर्सों के ज्ञान कार्य व्यवहार एवं पद्धति के मूल्यांकन हेतु अध्ययन।
9. एक निजी तथा एक प्रमुख सरकारी विद्यालय के उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों से अंग दान के संबंध में जानकारी तथा राय का आकलन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन।

प्रकाशन

हृद वक्ष संवहनी शल्य चिकित्सा

पत्रिकाएं : 39

हृद विज्ञानी

पत्रिकाएं : 35

हृद संवेदनाहरण विज्ञान

पत्रिकाएं 24 :

रक्ताधान सेवाएं

पत्रिकाएं : 2

हृद विकिरण विज्ञान

पत्रिकाएं : 14 सार : 3

हृदय नाभिकीय चिकित्सा

पत्रिकाएं : 3 **सार : 5**

स्टेम सेल सुविधा

पत्रिकाएं : 13 **सार : 6**

हृदय विकृति विज्ञान

पत्रिकाएं : 10 **पुस्तकों में अध्याय : 1**

हृदय जैव रसायन

पत्रिकाएं : 18

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओआरबीओ)

पत्रिकाएं : 1 **सार : 1** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

2011-12 से निष्पादित कुल ऑपरेशन

- ओपन हृदय सर्जरी 3,205
- क्लोज्ड हृदय सर्जरी 1,047
- कुल ऑपरेशन 4,252
- हृदय वक्षीय एवं संवहनी सर्जरी बाह्य रोगी विभाग में 40,117 रोगी आए थे।

हृदय विज्ञान

कुल संख्या

ओ पी डी में नए रोगी	28,015	हृदय रोग विज्ञान के पुराने रोगी	77,365

रोगी सेवाएं

टी एम टी	1,864	होल्टर	2,696
इकोकार्डियोग्राफी	31,295	फेटल इकोकार्डियोग्राफी	284
टी ई ई	44	ई सी जी (अंतरंग)	24,834
ई सी जी (ओपीडी)	32,312	एम्बुलेटरी बीपी	28
इवेंट रिकॉर्ड्र	13	हेड अप टिल्ट टेस्ट	110

कैथ लैब सेवाएं

रोगनिदान

- कोरोनरी एंजियो एवं कैथ 2428 + 1515

इंटरवेन्शस

कोरोनरी इंटरवेशंस	1025	मिट्रल वॉल्व डिलेटेशन	311
डिवाइस क्लोजर्स	80	पेस मार्कर	167
आईसीडी/बीआईवी/कोम्बो	76	अन्य इंटरवेंशंस	220

हृदय संवेदनाहरण

विभाग के संकाय तथा निवासी आठ ऑपरेशन कक्षों में पांच केथेराइज़ेशन प्रयोगशालाओं, सी टी एंजियोग्राफी तथा एम आर आई स्यूट में संवेदनाहरण प्रदान करने में रत हैं। विभाग सी टी वी एस - आई सी यू, सभी साधारण वार्डो तथा सी एन टावर में श्वास अभिप्रेरण तथा वेंटीलेटर देखभाल में भी लगा हुआ है। रोगियों की देखभाल करने वार्ता तथा अस्पताल के कर्मचारियों के लिए दवाब प्रबंधन कार्यक्रम का संचालन भी ध्यान तथा विश्राम में प्रशिक्षण प्रदान करके किया जाता है।

रक्ताधान सेवाएं

संग्रहीत रक्त यूनिटें

• प्रतिस्थापन दाता	17,895
• विभाग में स्वैच्छिक दाता	150
• रक्त मोबाइलों के जरिए स्वैच्छिक दाता	488
• आई आर सी एस से प्राप्त रक्त	40
• ब्लड बैंक, एम्स से प्राप्त रक्त	160
• दूसरे अस्पतालों से प्राप्त रक्त	429
• किया गया प्लेटलफेरेसिस	20
• ऑटोलोगस	4
संग्रहीत रक्त यूनिटों की कुल संख्या	**19,186**

जारी की गई रक्त यूनिटें

• सी टी वी एस / एन एस को	25,406
• ब्लड बैंक, एम्स को जारी रक्त यूनिटें	1,163
• जे पी एन ए टी सी को जारी रक्त यूनिटें	986
• आई आर सी एस को जारी रक्त यूनिटें	3
• अन्य अस्पतालों को जारी रक्त यूनिटें	413
• एच आई वी/एच बी वी/एच सी वी/वी डी आर एल, प्रतिक्रिया की अलग की गई यूनिटें	506
जारी किए गए ब्लड यूनिटों की कुल संख्या	**28,479**

लैब प्रक्रियाएं

• ब्लड ग्रुपिंग (ए बी ओ) की कुल संख्या	76,700
• आर एच ग्रुपिंग की संख्या	51,134
• की गई क्रॉस मैचिंग की कुल संख्या	84,821

संक्रमण मार्कर

• एच आई वी	23,231
• एच बी वी	23,570
• एच सी वी	23,800
• वी डी आर एल	21,460
• एम पी	21,006
• सी एम वी	72
• एच बी वी पुष्टकारी जांच	720
कुल	**1,13,859**

रक्त अवयवों की कुल संख्या

• फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा (एफ एफ पी)	16,346
• प्लेटलेट प्लाज्मा (पी आर पी)	975
• प्लेटलेट कंसेंट्रेट	15,599
• रिकवर्ड प्लाज्मा	2,676
• क्रीयोप्रेसीपिटेट	314
• पैक्ड लाल रक्त सेल्स	16,615
कुल	**52,527**

विशेष प्रक्रियाएं

• एकल दाता प्लेटलेट फेरेसिस	20

हृदय विकिरण विज्ञान

साइन फ्लूरोस्कोपी	8,220	डीएसए	676
एम आर आई	349	सी टी	2,439
यू एस / डॉप्लर	2,888	कैथेटर प्रक्रियाएं	5,561

हृदय नाभिकीय चिकित्सा

सी एन सी में नाभिकीय हृदय विज्ञान यूनिट ड्यूअल हेड एस पी ई सी टी - सी टी गामा कैमरा से सज्जिता है। नाभिकीय हृदय विज्ञान यूनिट सी एन सेंटर और अस्पताल के अन्य विभागों से हृद विज्ञान अध्ययनों के लिए भेजे गए रोगियों को देखता है।

विभाग, सेंटर से और आई आर सी एच से कीमोथैरेपी प्राप्त कर रहे रोगियों में हृद विज्ञानी मूल्यांकन हेतु तथा पेसमेकर पर रोगियों के मूल्यांकन भेजे गए सी ए डी रोगियों में लेफ्ट वेंट्रीकूलर फंक्शन के निर्धारण हेतु एम यू जी ए अध्ययन भी करता है। हम माइओकार्डियम जीवन क्षमता के निर्धारण के लिए एन - 13 एन एच 3 आप्लावन और एफ - 18 एफ डी जी ग्लूकोज मेटाबोलिक अध्ययनों से कार्डियक पी ई टी इमेजिंग भी करते हैं।

• माइओकार्डियल आप्लावन अध्ययन	1,525
• एम यू जी ए अध्ययन	1,190
• कार्डियक पी ई टी	60
• विविध (वी / क्यू स्कैन, प्रथम पास)	50
निष्पादित कुल अध्ययन	**2,825**

स्टेम सेल सुविधा

• विभिन्न नैदानिक परीक्षणों के तहत स्टेम सेल प्रत्यारोपण	202
• कोर्नियल सतह पुनः सृजन	
- लिम्बर स्टेम सेल प्रतिरोपण	33
- ऑरल म्युकोसल प्रत्यारोपण	12
• कॉर्ड ब्लड स्टेम सेल क्राइयोपरिजर्वेशन	8
• अस्थि मज्जा स्टेम सेल क्रायोप्रिजर्वेशन	15
• स्टेम सेल इन्यूमरेशन (सी डी 34)	157
• स्टेम सेल क्रायोपरिजर्वेशन	3

हृदय विकृति विज्ञान

नमूने

नियमित	275
अनुसंधान	196

स्लाइड्स कोटेड

ए पी ई एस	22,593

अन्य कार्य

इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री	20 रोगी
विशेष स्टेन	336 स्लाईड्स
मैनुअल प्रक्रियान्वयन : पश्च हृद प्रत्यारोपण बायोप्सी	10

हृदय जैव रसायन

रोगियों के लिए, निम्न कार्डियक जैव रसायन लैब में की जा रही विभिन्न जांचों में निम्न शामिल हैं :-

- नियमित रसायन : प्लाज्मा ग्लूकोज, यूरिया, क्रीएटिनाइन, यूरिक एसिड, कैल्शियम, फॉस्फोरस, प्रोटीन, एल्बूमिन, एस जी ओ टी, एस जी पी टी, अल्कालाइन फॉसफेटेस, एमीलेज, इलेक्ट्रोलाइट्स।
- नियमित हिमैटोलॉजी : हिमोग्लोबिन, डब्ल्यू बी सी, विभेदी काउंट्स, प्लेटलेट्स और ई एस आर।
- स्कंदन : पी टी, ए पी टी टी, एफ डी पी, प्रोटीन सी और प्रोटीन एस, फाइब्रीनोजेन।
- कार्डियक मार्कर्स : सी के, सी के - एम बी, एल डी एच, ट्रोपोनिन 1 एवं बी एन पी।
- लिपिड्स : कोलेस्ट्रोल - टोटल, कोलेस्ट्रोल - एच डी एल, कोलेस्ट्रोल एल डी एल, कोलेस्ट्रोल - वी एल डी एल, ट्रीग्लाईसेरीडेस, लिपोप्रोटीन (ए); अपो (ए), अपो (बी), छोटा डेंस एल डी एल, फैटी एसिड।
- औषधि : डायग्नोक्सिन, साइक्लोस्सपोरिन
- थाइरॉयड हार्मोन टी$_3$ टी$_4$ टी एस एच
- ए एस एल ओ
- सी आर पी
- होमोसिस्टीन
- विटामिन बी 12 और फोलेट
- आर ए फैक्टर
- कैटेकॉएमिन्स (प्लाज्मा और यूरिन) वी एम ए
- ग्लाइकोसाइलेटेड हिमोग्लोबिन
- इंसुलिन

हृदय वक्ष केंद्र

सी टी सेंटर में रोगी उपचार, अस्पताल सेवाओं में रोगी देखभाल एवं लागत नियंत्रण प्रदान करने के लिए तथा रोगी उपचार सेवाओं में गुणता देखभाल मानक लाने के लिए विभिन्न विभागों का प्रशासनिक समर्थन के प्रावधान से घनिष्ठ रूप से जुड़ा है।

रोगी सुरक्षा पहल

सी टी केंद्र में रोगी सुरक्षा कार्यक्रम के रूप में निम्न को क्रियान्वित किया गया है : (1) सभी प्रवेशों को लिए रोगी अभिचिह्नंकन बैंडों की समनुरूपता; (2) घटना की रिपोर्टिंग; (3) अल्प चिकित्सा सुरक्षा जांच सूची का क्रियान्वयन; (4) रोगी गिरावट रिपोर्ट; तथा (5) बेड सोर।

जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन

जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं को सरल एवं कारगर बनाने के लिए एक पहल तथा निगरानी की शुरूआत हृद वक्ष केंद्र में की गई थी। ऐसा एक जांच सूची के माध्यम से हासिल किया गया जिससे विभिन्न समस्याओं का पता चलता तथा इनके समाधान ढूंढने के लिए बैठकें आयोजित की गई। किए गए प्रमुख परिवर्तनों में ये शामिल हैं :-

(1) ओ पी डी नवीकरण योजनाएं तथा कार्यक्रम

(2) ओ पी डी कंप्यूटरीकरण

(3) सी एन सेंटर के क्षेत्रों - सी टी 6, सी टी 3, का नवीकरण

(4) सी एन केंद्र में वी वी आई पी देखभाल के लिए समन्वयन

अंग प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओआरबीओ)

निम्न प्रशासनिक तथा प्रबंधन क्रियाकलाप किए गए :-

- हृद वक्ष विज्ञान केंद्र का प्रबंधन तथा प्रशासन : 411 बिस्तर वाला सुपर स्पेशलिटी केंद्र, इसमें 16 ऑपरेशन कक्ष है जिनमें इंट्रा - ऑप एम आर आई सुविधा 107 आई सी यू बिस्तर 7 कैथ प्रयोगशालाएं है तथा आधुनिकतम गामा चाकू सुविधा शामिल है।
- मानव संसाधन प्रबंधन, रोगी देखभाल का एकीकरण तथा समन्वयन, नैदानिक, डायग्नोस्टिक तथा सहायता सेवाएं।
- रक्त बैंक, प्रयोगशाला, मैनीफोल्ड, रिसेप्शन, लॉन्ड्री, सी एस एस डी, इत्यादि के लिए नर्सिंग, सफाई स्वच्छता सुरक्षा, प्रशासन, भण्डार तथा अन्य सहायक स्टॉक का पर्यवेक्षण।
- रोगी शिकायतें तथा निवारण
- अस्पताल आपूर्तियां तथा खरीद
- विभिन्न रोगी देखभाल क्षेत्रों का नवीकरण किया गया (सी टी 3, हृद विज्ञान, बाल चिकिसा हृद विज्ञान वार्ड, आरबो)।
- मर्करी आधारित उपकरण चरणबद्ध रूप से समाप्त किए गए।
- 174 अंग तथा ऊतक प्रत्यारोपण हेतु अधिप्राप्त किए गए।
- विगत एक वर्ष में चिकित्सा शिक्षा को सुकर बनाने के लिए ऑरबो के माध्यम से 21 पूर्ण शरीर भी दान में दिए गए।
- दाता पंजीकरण : ऑरबो के प्रेरण पर अंग दान के लिए 2153 व्यक्तियों की वचनबद्धता की गई। आज की तिथि तक पंजीकरण की कुल संख्या 16000 है।
- अंग तथा ऊतक दान के उत्तम कारण का संवर्धन करने के लिए विभिन्न एन जी ओ के साथ सहयोग।
- अंग दान संबंधी जागरूकता स्टॉल का आयोजन 25 से 27 सितंबर 2011 को किया गया। तत्क्षण चित्र लिए गए तथा व्यक्तियों को दिए गए जिन्होंने अंग तथा ऊतक दान का समर्थन किया।
- देश के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों के चिकित्सा स्नातकों के लिए अंगदान पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन सितंबर 2011 में किया गया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

हृदय वक्ष संवहनी शल्यचिकित्सा

प्रो. बलराम ऐरन एनल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजीकल सोसायटी ऑफ इण्डिया के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य; हाई फेल्यूर सोसायटी ऑफ इण्डिया के उपाध्यक्ष (उत्तरी) तथा आजीवन सदस्य; ए एस सी वी टी एस तथा डब्ल्यू एस सी पी एस; के आजीवन सदस्य; एम सी आई में शासी बोर्ड द्वारा नियुक्त स्नातकोत्तर समिति (सुपर स्पेशिलिटी) के सदस्य रहे; नेत्रिका मानव समाज उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित डॉक्टर अंतरराष्ट्रीय दिवस, जुलाई 2011 को राष्ट्रीय सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा अवार्ड के प्राप्त कर्ता थे।

प्रो. यू. के. चौधरी वर्ल्ड जरनल ऑफ पेडियाट्रिक एण्ड कंजीनियल हार्ट डिसीज यू एस ए के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे; वे सर्कुलेशन वर्ल्ड, जरनल ऑफ पेडियाट्रिक एण्ड कांजीनेटल हार्ट सर्जरी, दि एनल्स ऑफ थोरासिक सर्जरी, जरनल ऑफ अमेरिका सोसायटी ऑफ ईको कार्डियो ग्राफी इंटरनेशनल जरनल ऑफ कार्डियोलॉजी, हर्ट, लंग एण्ड सर्कुलेशन इण्डियन जरनल ऑफ थोरासिक एण्ड कार्डियोवास्कुलर सर्जरी, इण्डियन जरनल ऑफ मेडीकल साइंसेज, हार्ट, लंग एण्ड क्रिटिकल केयर, जरनल ऑफ हार्ट वाल्व डिसीज़ीज एशियन कार्डियो वास्कुलर एण्ड थोरासिक अनल्स के लिए समीक्षक थे।

डॉ. सचिन तलवार अनल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजीकल सोसायटी ऑफ इण्डिया के सह सम्पादक; इण्डियन जरनल ऑफ थोरासिक एण्ड कार्डियोवास्कुलर सर्जरी, इण्डियन एसोसिएशन ऑफ थोरासिक एण्ड कार्डियोवास्कुलर सर्जन्स के सह सम्पादन थे।

हृदय विज्ञान

प्रो. वी के बहल को यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी (ई एस सी) का फेलो बनाया गया; वे बी एम जे समूह के एक प्रकाशन एशियन हार्ट जरनल के सह सम्पादक थे।

प्रो. अनीता सक्सेना : रुमेटिक हृद रोग में ईको कार्डियो ग्राफी के लिए विश्व हृद परिसंघ कार्य समूह की सदस्या थी; वे पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी वैरायटी बाल हृद केंद्र विनीपेग की अतिथि आचार्या थीं।

प्रो. एस एस कोठारी पेडियाट्रिक कार्डियाक सोसायटी ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष तथा एनल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के सम्पादक थे; वे जे ए सी सी इमेजिंग तथा पेडियाट्रिक कार्डियालॉजी में इमेजिज़ के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे; वे 6 माह के लिए वी पी कोयराला इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंसेस, धरन, नेपाल के लिए आचार्य (भारत सरकार की पहल) थे।

प्रो. बलराम भार्गव के 2011 के चेन्नई मे 98वीं इण्डियन नेशनल साईंस कांग्रेस में भारत के प्रधान मंत्री द्वारा एस एन बोस जन्म शती अवार्ड प्रदान किया गया; वे विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में संयुक्त अनुसंधान, विकास, नवाचार, उद्यमकारिता तथा वाणिज्यिक क्रियाकलापों के लिए बंदोबस्ती हेतु भारत अमेरिका बंदोबस्ती बोर्ड में शामिल थे : उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माननीय मंत्री द्वारा भारत के लिए वहनीय स्वास्थ्य देखभाल हेतु अनुसंधान एवं विकास संबंधी डी बी टी पहल में भारत प्रतिनिधिक सदस्य वेलकम ट्रस्ट के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. के सी गोस्वामी 2011 में कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया, दिल्ली शाखा के सचिव थे।

डॉ. एस मिश्रा राष्ट्रीय इंटरवेंशनल परिषद् कार्डियोलॉजीकल सोसायटी ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष, कार्यपालक समिति, कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया के निर्वाचित सदस्य थे।

डॉ. एस रामाकृष्णन को 2011 में सर्वोत्तम शोधपत्र सी एससीआई 2011 के लिए डी पी बासु अवार्ड; पी सी एस आई 2011 में सर्वोत्तम शोधपत्र के लिए 'यंग इंवेस्टीगेटर अवार्ड' प्रदान किया गया; वे अनल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के सहायक सम्पादक तथा पेडियाट्रिक कार्डियाक सोसायटी ऑफ इण्डिया के कोषाध्यक्ष थे।

डॉ. बी बी कुकरेती को दिल्ली सी एस आई 2011 के सर्वोत्तम शोधपत्र के लिए 'सुजाय बी राय' अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. सुनील शिवदास को सी एस आई 2011 के दौरान सर्वोत्तम इको शोधपत्र के लिए 'नंदा अवार्ड' प्रदान किया गया।

डॉ. श्रेणिक दोषी को सी एस आई 2011 के दौरान रेजीडेंट द्वारा सर्वोत्तम शोधपत्र हेतु सी एस आई यात्रा अवार्ड प्रदान किया गया।

हृद संवेदना हरण

आचार्य ऊषा किरण को फेलो आई ए सी टी ए अवार्ड मिला; वे पार्किन्सन रोग जागरूकता संबंधी नेटवर्क की अध्यक्षा थी; वे जनरल ऑफ बायोसाइंसेस के सम्पादकीय बोर्ड की सदस्या थीं।

प्रो. संदीप चौहान संवेदहनाहरण के अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका तथा अनल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे,

डॉ. नीति मखीजा सदस्य, कार्यकारी परिषद इण्डियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियाक एण्ड थोरासिक अनस्थीसिया (आई ए सी टी ए); सम्पादकीय बोर्ड, ओपन जरनल एनेस्थीसियोलॉजी; समीक्षा बोर्ड सदस्या, जे ओ ए सी पी थी;

डॉ. पूनम मल्होत्रा कपूर सचिव आई ए सी टी ए शिक्षा एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ; सचिव, आई ए सी टी ए दिल्ली शाखा; मई 2011 में एम्स में अंतरराष्ट्रीय एजेंटों की आयोजक सचिव थी

डॉ. मिनाती चौधरी अनल्स ऑफ कार्डियाक एनस्थीसिया के सम्पादकीय बोर्ड की सदस्या; इण्डियन जनरल ऑफ एनस्थीसिया तथा जे ओ ए सी पी के समीक्षा बोर्ड की सदस्या थी।

विभाग के संकाय तथा निवासी डॉक्टरों को विभिन्न सम्मेलनों में सर्वोत्तम शोधपत्र प्रस्तुतीकरण अवार्डों के रूप में 3 पुरस्कार प्राप्त हुए;

रक्ताधान सेवाएं

डॉ. अंजली हजारिका दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार के लिए उपकरण तथा उपभोज्य वस्तुओं की खरीद के लिए तकनीकी मूल्यांकन दल में बाह्य तकनीकी विशेषज्ञा थीं; उन्हें रक्ताधान चिकित्सा में निदर्शनात्मक सेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, दिल्ली में 14 जून 2011 को सम्मानित किया गया; उन्हें इण्डियन सोसायटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूज़न एण्ड इम्यूनोहेमेटोलॉजी, दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया; वे दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, दिल्ली में अगस्त 2011 में नाको द्वारा आयोजित रक्त बैंक चिकित्सा अधिकारियों तथा नैदानिक विरों के लिए संचालित रक्त सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान संसाधन व्यक्ति थे।

हृदय विकिरण विज्ञान

आचार्य संजीव शर्मा जरनल ऑफ वेस्कुलर एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (नाथ अमरीकन सोसायटी ऑफ इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की सरकारी पत्रिका) के सह सम्पादक थे; वे इण्डियन सोसायटी ऑफ वास्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी रिसर्च एण्ड एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष थे; वे कार्डियो वास्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोवेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की शासकीय पत्रिका) के सम्पादक थे।

डॉ. गुरप्रीत एस गुलाटी अकादमी ऑफ मेडीकल साइसेंस के मनोनीत सदस्य थे।

स्टेम सेल सुविधा

डॉ. सुजाता मोहंती डी बी टी के बायो - केयर की सदस्या थी; वे इंस्टीट्यूशनल कमेटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च एण्ड थिरेपी (आई सी - सी एस आर टी), मेदांता दि मेडी सिटी की सदस्या थी। वे डेटा सेफ्टी निगरानी बोर्ड (डी एस एम आर), इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एण्ड बिलियरी साइंसेस (आई एल बी एस) तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी की सदस्या थी वे अपोलो अस्पताल इंस्टीट्यूट कमेटी स्टेम सेल रिसर्च एण्ड थेरेपी (आई सी - एस सी आर टी); में डी बी टी नामांकिती थी; वे सदस्या डेटा सेफ्टी निगरानी बोर्ड (डी एस एम बी), मेदांता दि मेडीसिटी की सदस्या थी; उन्हें अभिजात समीक्षित पत्रिकाओं में समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। ये पत्रिकाएं थीं (1) स्टेम सेल डिस्कवरी तथा 2) लाइफ साइसेंस।

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओआरबीओ)

डॉ. आरती विज सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय गंगटोक के विद्यार्थियों के अल्पावधि प्रशिक्षण में जो अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा आयोजित अस्पताल प्रशासन संबंधी विभिन्न विषयों पत्था, संकाय मार्गदर्शक थी; वे एम्स के फायर रिस्क एण्ड फायर फाइटिंग प्रीपेरेशन एसेसमेंट ऑफ एम्स की सदस्या थी। वे सीमा शुल्क छूट के लिए विनिर्दिष्ट जीवन रक्षी औषधों किटों तथा उपकरणों की समीक्षा के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की स्थायी समिति की सदस्या थी; वे एम्स के अस्पताल प्रबंधन बोर्ड की सदस्या थी; उन्होंने एम्स के लिए मस्तिष्क मृत समिति को अद्यतन तथा संशोधित किया। स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय द्वारा विभिन्न विभागों में 54 संकाय सदस्य पेनल में शामिल किए गए। उन्होंने राष्ट्रीय प्रत्यारोपण एवं प्रशिक्षण केंद्र का संकल्पना शोधपत्र तैयार किया तथा उसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किया।

10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

प्रमुख

नसीम शाह

आचार्य

ओ. पी. खरबंदा

रितु दुग्गल

अपर आचार्य

अजय रॉयचौधरी

वीना जैन

ओंकिला भूटिया

सह-आचार्य

विजय प्रकाश माथुर

अजय लोगानी

शिक्षा

स्नातक पूर्व / स्नातकोत्तर अल्पावधिक प्रशिक्षण / पराचिकित्सा शिक्षण

केंद्र द्वारा एमबीबीएस विद्यार्थियों के उनके क्लीनिकल पोस्टिंग के दौरान शिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाता है। केंद्र चार विशिष्ट विषयों में, नामतः आर्थोडोन्टिक्स, प्रोस्थोडोन्टिक्स, एंडोडोन्टिक्स सह कन्जर्वेटिव डेन्टिस्ट्री और ऑरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम चला रहा है। केंद्र द्वारा व्याख्यानों और अभिविन्यास कार्यक्रमों के रूप में नर्सिंग छात्रों के लिए अध्यापन कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। इस वर्ष के दौरान कुल 40 दंत चिकित्सा स्नातको को केंद्र में लघु अवधि प्रशिक्षु के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

आयोजित की गई सीएमई/सम्मेलन

ऑर्थोडोंटिक्स विभाग

1. 'इंटर डिसीप्लीनरी ऑर्थोडोंटिक्स' सीएमई, सीडीईआर, नई दिल्ली, 26 सितंबर 2011। आचार्य भरत वांडे वेनित, आचार्य और प्रमुख, ओर्थोडोंटिक्स विभाग, मेडिसिन और फार्मेसी संकाय, वरिजे यूनिवर्सिटी ब्रुसल, लार्बीकलान 103, बी-1090 जेटे (ब्रुसेल) बेल्जियम में एक वक्ता रहे।
2. 'क्लिनिकल लेक्चर इन इंटरडिसीप्लीनरी ओर्थोडोंटिक्स, दिल्ली के ओर्थोडोंटिक्स समूह के साथ सीएमई संगठन में सहयोग। सीडीईआर, नई दिल्ली, 28 नवंबर 2011। डॉ. अशोक कोठारी एक नैदानिक सहायक आचार्य, ओर्थोडोंटिक्स विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ इलीनोस में एक वक्ता रहे।
3. 'फंक्शनल एप्लीयांसिस : करेंट क्लिनिकल एण्ड रिसर्च पर्सपेक्टिव्स' सीएमई, सीडीईआर, नई दिल्ली, 28 मार्च 2011। आचार्य बाकर रैबाई, ओर्थोटिक्स में आचार्य, दंतचिकित्सा संकाय, यूनिवर्सिटी ऑफ हांग कांग, में एक वक्ता रहे।

दिए गए व्याख्यान : 24

रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा प्रस्तुत किये गए लेख : 23

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. आयुष प्रेक्टीशनरों एवं चिकित्सा अधिकारियों के लिए ऑरल स्वास्थ्य, निवारण एवं आपात उपचार प्रावधान के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास। आचार्य नसीम शाह, भारत सरकार - डब्ल्यू एच ओ एक वर्ष 2.5 लाख रुपए।

2. डेंटल हार्ड एवं सॉफ्ट टिशू पर पारस्परिक ऑरल हाइजीन विधियों का प्रभाव : दिल्ली जनसंख्या का विवरणात्मक क्रॉस सेक्शन अध्ययन। आचार्य नसीम शाह, भारत सरकार - डब्ल्यू एच ओ 2 वर्ष, 6.05 लाख रुपए।

3. "भारत में क्लेफ्ट लिप एवं पेलेट एनोमली : उपचार की क्लीनिकल प्रोफाइल जोखिम के कारक और वर्तमान स्थिति - एक अस्पताल आधारित अध्ययन।" आईसीएमआर का तदर्थ कार्यबल प्रोजेक्ट; डॉ. ओ. पी. खरबंदा, 2 वर्ष, 3.06 वर्ष।

4. ट्विन ब्लॉक थैरेपी का पालन करते हुए मानव मेंडीबल में दाब संवितरण के विश्लेषण हेतु फिनाईट तत्व अध्ययन, डॉ. रितू दुग्गल; (रेडियोलॉजी विभाग), आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 23 लाख रुपए।

5. गैर कैरियर सर्विकल लेजनों की व्यापकता एवं गंभीरता (एनसीसीएल) और शहरी भारत में संभावित जोखिम फैक्टर्स से इसका संबंध। समुदाय आधारित अध्ययन; डॉ. अजय लोगानी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 7 लाख रुपए।

जारी

1. एन एवेलुएशन ऑफ डेंटल प्रोस्थेसिस नीड, इट्स रिलेशन टू न्यूट्रीशनल स्टेटस एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ एड्रेली पोपुलेशन : ए हॉस्पिटल बेस स्टडी। वीना जैन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 30 लाख रुपए।

2. बोन रिसोर्पशन एसेस्मेंट इन केसिस ऑफ मैंडिबुलर एण्ड मैक्सीलरी इम्प्लांट सुपोर्टिड ओवरडेंटरिस विद डिफ्रेंट एटेचमेंट सिस्टम्स। वीना जैन, डीएसटी, 3 वर्ष, 70 लाख रुपए

3. एज एस्टीमेशन इन लिविंग एडल्टस बेस्ड ऑन एस्पाटिक एसिड रिसेमिजेशन फ्रोम टूथ बायोप्सी स्पेसिमन, अजय लोगानी, डीबीटी, 3 वर्ष, मूल्य 19 लाख रुपए।

4. कोन बीम कंप्यूटिड टोमोग्राफी एसेस्मेंट ऑफ रूट कैनाल मोर्फोलॉजी इन एन इण्डियन पोपुलेशन : ए रेस्टोस्पेक्टिव 3डी रेडियोग्राफिक स्टडी। अजय लोगानी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 7 लाख रुपए।

5. एवेलुएशन ऑफ सक्सेस ऑफ इंडायरेक्ट पल्प कैपिंग यूजिंग थ्री डिफ्रेंट मेटीरियल्स : ए क्लिनिकल स्टडी यूजिंग सीबीसीटी। विजय पी माथुर, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, 2 वर्ष, 12.33 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. टू एवेलुएट एण्ड कॉम्पेयर एपेक्सोजेनेसिस इंड्यूस्ड बाय रिवेस्कुलराइजेशन विद एण्ड विदाउट पी आर एफ इन नॉन - विटल इमेच्युर एंटीरियर टीथ - ए पायलट क्लिनिकल स्टडी।

2. इफैक्ट ऑफ प्री-पोलीमेराइज्ड कॉम्पोसिट मेगा - फिलर्स ऑन डायरेक्ट पोस्टीरियर क्लास - 1 एस्थेटिक रेस्टोरेशन।

3. ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल टू एवेलुएट द इफैक्ट ऑफ एपिकल क्लीरिंग ऑन ट्रीटमेंट आउटकम ऑफ एसिम्प्टोमेटिक नेक्रोटिक टीथ विद एपिकल पेरियोडोंटिटिस।

4. इफैक्ट ऑफ एपिकल फोरमेन विडेनिंग एण्ड क्लीरिंग ऑन एपिकल रेमिफिकेशन एण्ड बैक्टीरियल लोड इन रूट कैनाल - ए स्टेरियोमाइक्रोस्कोपिक स्टडी।

5. कॉम्पेरेटिव एवेलुएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ थ्री डिसिंफेक्शन प्रोटोकॉल्स विद कैल्शियम हाइड्रोक्साइड ट्रीपल एंटीबायोटिक पेस्ट एण्ड फोटो एक्टिवेटिड डिसिंफेक्शन - ए क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजिकल स्टडी।

6. कॉम्पेरेटिव एवेलुएशन ऑफ टूथ सब्स्टेंस लोस एण्ड इट्स कॉरिलेशन विद द एब्रेसीविटी एण्ड केमिकल कॉम्पोसिशन ऑफ डिफ्रेंट डेंटिफ्रीकेस।

7. इफैक्ट ऑफ ब्लीचिंग ऑन कलर स्टेबिलिटी एण्ड मार्जिनल फिडेलिटी ऑफ डायरेक्ट कॉम्पोसिट लेमाइनेट वी वीनिर्स - एन इन विवो स्टडी।

8. एन एवेलुएशन ऑफ द इफैक्ट ऑफ शॉर्टेंड डेंटल आर्क ऑन बाइट फोरस एण्ड मेस्टीकेटरी एफिकेंसी - ए पायलट स्टडी।

9. ए कॉम्पेरेटिव एवेलुएशन ऑफ चेंजिस इन क्रिस्टल बोन हाइट अराउंड इम्प्लांट्स प्लेस्ड विद फ्लेपलेस वीएस ओपन फ्लैप टेकनिक।

10. इफैक्ट ऑफ प्रोस्थोडोंटिक रिहेबिलिटेशन ऑन द न्यूट्रीशनल स्टेटस ऑफ मैक्सीलेक्टोमी पेशेंट्स - ए पायलट स्टडी।

11. कॉम्पेरेटिव एवेलुएशंस ऑफ टूथ वीयर ऑपोसिंग जिर्कोनिया एण्ड मेटल केरेमिक क्रोउंस - एन इन विवो स्टडी।

12. द इफैक्ट ऑफ सॉफ्ट लाइनर्स ऑन द मेंडिबुलर रिज़ रिसोर्पशन इन कॉम्प्लीटली एडेंटुलौस पेशेंट्स - ए क्लिनिकल स्टडी।

13. रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल ऑफ 1.5 मिली मीटर 3 डी प्लेट वायर्सस 2 मिली मीटर सिंगल मिनीप्लेट इन द ट्रीटमेंट ऑफ मेंडिबुलर एंगल फ्रैक्चर।

14. एवेलुएशन ऑफ फेसियल नर्व मोर्बिडिटी इन पेशेंट्स अंडरगोइंग टीएमजे सर्जरीज़ विया प्रीयूरिकुलर एक्सटेंड टेम्पोरल इंसिसियन।

15. केडेवेरिक स्टडी ऑफ एनेटोमिकल डिस्टेंस ऑफ टर्मिनल फेशियल नर्व ब्रांचिस एसोसिएटिड विद टी एम जे इन इण्डियन पोपुलेशन।

16. ए क्लिनिकल स्टडी ऑफ एवेलुएट स्ट्रक्चरल एण्ड फंक्शनल रेस्पीरेटरी पैरामीटर्स आफ्टर डिस्ट्रक्शन ऑस्टीयोजेनेसिस इन रेट्रोग्नेथिक ऑफ इंफैक्शन विद ओएसएएस।

17. कॉम्पेरिजन ऑफ इंसिडेंस ऑफ इंफैक्शन इन प्लेसिबो वी एस अमोक्सीसिलिन + क्लेवुलिनिक एसिड अमंग मैंडीबुलर थर्ड मोलर्स एक्स्ट्रेक्शन : ए नॉन - इंफेरियर्टी रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।

18. प्री-पोस्ट इंटरवेंशन स्टडी ऑफ क्वांटिटेट एण्ड क्वालिटेटिव एवेलुएशन ऑफ बोन फोर्म्ड इन सिन्यूस ऑग्मेंटेशन विद द यूज़ ऑफ बायोएक्टिव सिंथेटिक बोन ग्राफ्ट पुटी।

19. प्रोस्पेक्टिव एवेलुएशन ऑफ ऑटो ट्रांसप्लांटेशन ऑफ थर्ड मोलर फॉर रिप्लेसमेंट ऑफ ग्रोसली डिकेड / मेलफोर्मेड फर्स्ट ऑफ सैकण्ड परमानेंट मोलर्स।

20. डिस्टालाइजेशन ऑफ मोलर यूसिंग टेम्पोररी अंकोरेज डिवाइस।

21. लांग टर्म एवेलुएशन ऑफ मास्टर एण्ड टेम्पोरेलाइज़ मसल ईएमजी एक्टिविटी इन ए ग्रुप ऑफ ग्रोविंग चिल्ड्रन हैविंग मिड - फेस डिफिसियंसी ड्यूरिंग मैक्सीलरी प्रोट्रेक्शन थेरेपी।

22. इंटरल्यूकिन - आई बी लेवल्स इन सर्विकुलर फ्ल्यूड ऑब्टेंड फ्रोम मिनी - इम्प्लांट साइट एण्ड डिस्टाल टू कैनिन ड्यूरिंग एन मेसे रेट्रेक्शन।

23. पोस्ट-ट्रीटमेंट एवेलुएशन ऑफ डिस्टालाइजेशन ऑफ मोलर एण्ड नेचर ऑफ डिस्टालाइजेशन एज़ रिलेटिड टू इरप्शन स्टेटस ऑफ 2वां और 3वां मोलर्स।

24. मेजरमेंट ऑफ अपर एयरवे वोल्यूम इन सर्जिकली ट्रीटेड क्लेफ्ट लिप एण्ड पेलेट पेशेंट्स - ए सीबीसीटी स्टडी।

25. कैरेक्टराइजेशन ऑफ सर्फेस मोर्फोलॉजी, स्ट्रक्चर एण्ड एलिमेंटल कॉम्पोजिशन इन रिट्रावेड ऑथोडोंटिक मिनी - स्क्रूज़

26. इफैक्ट ऑफ मैक्सीलरी प्रोट्रेक्शन ऑन साइज़ ऑफ अपर एयरवे।

27. इफैक्ट ऑफ फेस मास्क थेरेपी ऑन मैक्सीलरी सिन्युस वोल्यूम - ए सीबीसीटी स्टडी।

28. रेडियोग्राफिक एवेलुएशन ऑफ मोर्फोलॉजिकल एण्ड मोर्फोमेट्रिक फिचर्स ऑफ मेंटल फोरेमन - इन कॉलैबोरेशन विद डिपार्टमेंट ऑफ एनेटोमी, एम्स।

पूर्ण

1. टू एवेलुएट एण्ड कॉम्पेयर एपेक्सोजेनेसिस इंड्यूस्ड बाय रिवेस्कुलाइजेशन विद एण्ड विदाउट प्लेटलेट रिच प्लाज्मा इन नॉन विटल इम्येचुर एंटीरियर टीथ - ए पायलट क्लिनिकल स्टडी।

2. डेंटिन नॉन-कोलैजिनौस प्रोटींस इन जिंजिवाल सर्विकुलर फ्ल्यूड एज़ डायग्नोस्टिक एण्ड प्रोग्नोस्टिक बायो मार्कर इन ट्रॉमा इंड्यूस्ड रूट रेसोर्पशन - ए पायलट क्लिनिकल स्टडी।

3. एवेलुएशन ऑफ द मर्जिनल फिडेलिटी एण्ड सर्फेस रौग्नेस ऑफ प्रोसेलेन लेमिनेटस फेब्रिकेटि बाय टू डिफ्रेंट टेक्नीकज़ - ए पायलट स्टडी।

4. ए कॉम्पेरेटिव स्टडी टू मेजर द कांड्रियल गाइडनेस बाय द रेडियोग्राफिक एण्ड क्लिनिकल मैथड्स।

5. इफैक्ट ऑफ द स्टेबिलिटी एण्ड क्रिस्टल बोन लेवल इन अर्ली लोडिड इम्प्लांट्स विद डिफ्रेंट ओक्क्लुसल स्किमस - ए पायलट स्टडी।

6. ए डबल ब्लाइंड रेण्डोमाइज्ड प्लेसिबो - कंट्रोल्ड स्टडी ऑफ शॉर्ट एण्ड एक्सटेंडिड रिजिम एंटीबायोटिक्स इन इंफैक्शन रेट्स ओपन रिडक्शन एण्ड इंटर्नल फिक्सेशन ऑफ मैंडिबुलर फ्रैक्चर।

7. स्टडी ऑफ एफिकेसी ऑफ बायो - रिसोर्बल प्लेट्स इन द ओस्टियो - सिंथेसिस ऑफ मैंडिबुलर फ्रैक्चर्स विदाउट पोस्ट ऑपरेटिव मैक्सिलो - मैंडिबुलर फिक्सेशन : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी।

8. एपिडेमियोलॉजिकल स्टडी इन द पाथवे ऑफ मैक्सीलोफेशियल फ्रैक्चर सीन एट टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन नोर्थ इण्डिया।

9. लेक्टेट डिहाइड्रोजेनेस एंजाइम एक्टिविटी इन जिंजिवाल सर्विकुलर फ्ल्यूड (जीसीएफ) - ए मार्कर ऑफ ऑर्थोडोंटिक टूथ मूवमेंट।

10. लांग टर्म चेंजिस इन द मास्टर मसल डिमेंशंस फॉलोइंग ट्विन ब्लॉक एपलियांस थेरेपी।

11. ए क्लिनिकल एण्ड बायोकेमिकल स्टडी ऑफ पेरियो - इम्प्लांटिटिस अराउंड टेम्पोरेरी एंकोरेज डिवाइस (टीएडी)।

12. एवेलुएशन ऑफ मास्टर एण्ड टेम्पोरेलिस मसल ई एम जी एक्टिविटी इन ए ग्रुप ऑफ चिल्ड्रन हैविंग मिड - फेस डिफिशियंसी ड्यूरिंग मैक्सीलरी प्रोट्रेक्शन थेरेपी।

13. डेंटिन नॉन - कॉलेजिनोस प्रोटींस इन गिंगिवाल सर्विकुलर फ्ल्यूड एज़ डायग्नोस्टिक एण्ड प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर इन ट्रॉका इंड्यूस्ड रूट रेसोर्पशन - ए पायलट स्टडी।

सहयोगी परियोजनाएं

1. मैक्सिल पर माइक्रो इम्प्लांट सृजित दाब : डिजाइन एवं प्रतिस्थापन प्रोटोकोलों का प्रभावषण। बॉयोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग और मैकनीकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी, नई दिल्ली के सहयोग से पी आई : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा, आई सी एम आर। ढाई वर्ष, 6.74 लाख रुपए।

2. “केंद्रीय वैज्ञानिक इंस्ट्रमेंट संगठन (सी एस आई ओ), चंडीगढ़ के सहयोग से “अर्थोडोन्टिक्स का कंप्यूटरीकृत सेफालोग्राम विश्लेषण“। सह - अन्वेषक : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा; सी एस आई ओ, 3 वर्ष, 4.58 लाख रुपए।

3. आई आई टी, नई दिल्ली के सहयोग से श्रेणी - 2 क्लोक्नूशन के उपचार हेतु एक गतिशील कैलीबरेटेड निश्चित क्रेटोफेसियल कोररेक्टर; गाइड : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा; आई सी एम आर, 2 वर्ष, 3.32 लाख रुपए।

4. आई आई टी, नई दिल्ली के सहयोग से “विभिन्न लंबाई व्यास और आकार के ऑर्थोडोन्टिक, मिनीस्क्रू इंप्लांटों की मैकेनिकल विशेषता।” गाइड : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा, आई सी एम आर, 1 वर्ष, 76,822 लाख रुपए।

5. एशियाई भारतीय व्यक्तियों में बचपन से वृद्धि होर्मोन की कमी के कारण जीनोटाइम - फीनोटाइप सह संबंध का अध्ययन (शरीर रचना)

6. गैर - नेत्रक सर्फेस ऑरीजन के वैकल्पिक ऑटोग्राफ्टों के साथ नेत्रक सर्फेस पुनर्निर्माण (डीएसटी, नेत्र विज्ञान एवं स्टेम सेल विभाग)।

प्रकाशन

जर्नल : 32 एब्स्ट्रेक्ट्स : 5 पाठ्यपुस्तकें / मोनोग्राफ्स : 2

रोगी उपचार

दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र द्वारा सप्ताह के छः दिन सुबह 9.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक ओ पी डी सेवाएं प्रदान की जाती है। यह निम्नलिखित विषयों में विशेषज्ञता क्लिनिक चलाता है :

1. कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री कम एंडोडोंटिक क्लिनिक।
2. ऑर्थोडोंटिक्स एण्ड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स क्लिनिक
3. प्रोस्थोडोंटिक्स एण्ड इम्प्लांट क्लिनिक।
4. ओरल एण्ड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी क्लिनिक
5. पीडियाट्रिक डेंटिसिट्री एण्ड प्रीवेंटिव डेंटिसिटी क्लिनिक
6. ओरल प्रोफीलेक्सी क्लिनिक
7. ट्राइजेमिनल न्यूरलेजिया क्लिनिक
8. क्लेफ्ट लिप एण्ड पेलेट क्लिनिक आदि।

इसके अलावा एम्स रोटरी मिड टाउन अस्पताल, त्रिलोक पुरी में आउटरीच में रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की जाती है।

2011-12 के दौरान सी डी ई आर में विभिन्न विशिष्ट दंत चिकित्सा क्लिनिकों में उपस्थिति।

कुल ओपीडी उपस्थिति	**नए**	**दोबारा-आए**	**कुल**
	29839	**6495**	**36324**

क्र. सं.	**विशिष्ट क्लिनिक**	**नए रोगी**	**दोबारा-आए**	**कुल**
1.	कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक क्लिनिक	4794	14366	19160
2.	ऑर्थोडोंटिक्स एण्ड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स क्लिनिक	1413	11593	13006

3.	प्रोस्थोडोंटिक्स एण्ड इम्प्लांट क्लिनिक।	3856	8535	12391
4.	ओरल एण्ड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी क्लिनिक	9513	13054	22567
5.	पिडोडोंटिक्स डेंटिसिट्री एण्ड प्रीवेंटिव डेंटिसिट्री क्लिनिक	2269	9227	11496
6.	ओरल प्रोफीलेक्सीस क्लिनिक	1712	10713	12425
7.	ट्राइजेमिनल न्यूरलेजिया क्लिनिक	27	197	224
8.	कंबाइन क्लेफ्ट पेलेट क्लिनिक	34	269	303
	कुल विशेषता क्लिनिक उपस्थिति	**23618**	**67954**	**91572**
		बड़े	**छोटे**	**कुल**
9.	**ऑपरेशन**	**960**	**9629**	**10229**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य नसीम शाह इण्डियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च के लिए 2012-13 के दौरान अध्यक्ष निर्वाचित, इण्डियन एंडोटोंटिक सोसायटी के लिए 2012 - 14 के दौरान अध्यक्ष निर्वाचित, बोर्ड ऑफ स्टडीज़ पण्डिचेरी विश्वविद्यालय की सदस्य तीन वर्ष के लिए, धुंआ रहित तम्बाकू पर चिकित्सा परामर्श बैठक की एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 4-5 अप्रैल 2011, नई दिल्ली में आमंत्रित। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 26 - 27 अप्रैल, 2011 को नई दिल्ली में पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित "संबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राष्ट्रीय प्रयास (एन आई ए एच एस) पर बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित। जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, आई आई टी, दिल्ली और ई एस आई सी में संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ सदस्य। सरकारी दंत चिकित्सा महा विद्यालय, मुंबई तथा डॉक्टर आर अहमद डेंटल कॉलेज, कोलकाता में कंसर्वेटिव डेंट्रिस्टी और एंडोडोंटिक्स में एम डी के लिए बाह्य परीक्षक। महा विद्यालय पुरस्कार दिवस कार्यक्रम, मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल, कर्नाटक में 10 मार्च 2012 को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित। अनेक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सूचीबद्ध वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक - जेरो डोंटोलॉजी, डेंटिस्ट्री में प्रकरण रिपोर्ट, समकालीन क्लीनिकल डेंटिस्ट्री, जर्नल ऑफ कंसर्वेटिव डेंटिस्ट्री। शांति स्वरूप भटनगर पुरस्कार प्रदान करने के लिए डी वी टी, आई सी एस आर, डी एस टी, आई सी एम आर और एन आर डी सी के लिए समीक्षक।

प्रोफेसर खरबन्दा को इण्डियन सोसायटी ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएसडीआर) पुरस्कार 2012 के तौर पर आथोडोंटिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु अध्येता वृत्ति प्रदान की गई। वे इंटरनेशनल एडिटोरियल बोर्ड, अमेरिकन जर्नल ऑफ ओर्थोडोंटिक्स एण्ड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स, ब्रिटिश जर्नल ऑफ ओर्थोडोंटिक्स ऑफ ऑस्ट्रेलियन ओर्थोडोंटिक जर्नल के सदस्य बने हुए हैं, वे जर्नल ऑफ क्लिनिकल पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री के सह संपादक और बोर्ड ऑफ इण्डियन ओर्थोडोंटिक सोसायटी के सदस्य भी है। उन्होंने भारत में अनेक दंत विशेषज्ञता पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल में भी कार्य किया है।

प्रो. रितु दुग्गल को चिकित्सा महाविद्यालय के लिए एम एस आर के तहत दंत चिकित्सा में उपकरण को अंतिम रूप देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत किया गया था।

डॉ. अजॉय रॉयचौधरी ने चेहरे की अस्थि संरचना को सर्जरी के मार्ग से ए ओ केडेवर पाठ्यक्रम का आयोजन किया और उन्होंने ए ओ सी एम एफ एशिया पेसिफिक के साथ ओरल प्रथा मेक्सिलो फेशियल सर्जरी विभाग की अध्यक्षता की। 20-21 अगस्त 2011।

डॉ. वीना जैन को सरकारी दंत चिकित्सा महा विद्यालय, जयपुर, राजस्थान के लिए संकाय के पद हेतु साक्षात्कार के आयोजन में विषय का विशेषज्ञ नियुक्त किया गया। उन्हें प्रोस्थोडोंटिक्स में एम डी एस आरंभ करने के लिए मूल संरचना और अन्य सुविधा के मूल्यांकन और प्रोस्थोडोंटिक्स में एम ई एस चलाने वाले संस्थानों का स्तर बनाए रखने के लिए डी सी आई निरीक्षक नियुक्त किया गया। उन्हें भारत के विभिन्न संस्थानों में एम डी एस (प्रोस्थोडोंटिक) के आयोजन हेतु बाह्य परीक्षक नियुक्त किया गया।

डॉ. ओंकिला भुटिया को सदस्य, कर्मचारी परिषद, एम्स, 2012-13 नियुक्त किया गया। उन्हें ओरल एण्ड मेक्सिलो फेशियल सर्जन और इण्डिया के 36वें वार्षिक सम्मेलन की आयोजक समिति का सदस्य बनाया गया, नवंबर 2011, नई दिल्ली। उन्होंने इण्डियन सोसायटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़ में 22-25 सितंबर 2011 के दौरान 14वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण दिया।

डॉ. अजय लोगानी को संयुक्त आयोजन सचिव नियुक्त किया गया, 27वां एफ ओ डी आई और 19वां आई ई एस राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली (11-13 नवंबर 2011)। उन्हें इण्डियन सोसायटी ऑफ डेंटल रिसर्च की कार्यकारिणी समिति में विशेष आमंत्रित के तौर पर मनोनीत किया गया।

डॉ. विजय प्रकाश माथुर को डेंटल एजुकेशन ऑफ इण्डियन डेंटल एसोसिएशन - दक्षिण दिल्ली शाखा के प्रतिनिधि के प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित, 2011-12, डेंटल एजुकेशन ऑफ इण्डियन डेंटल एसोसिएशन - दिल्ली राज्य शाखा के प्रतिनिधि के प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित, 2011-12। इण्डियन सोसायटी ऑफ पीडोटोंटिक्स एण्ड प्रीवेंटिव डेंटिस्ट्री द्वारा कूरग, कर्नाटक में 23 - 25 फरवरी 2012 के बीच आई एस पी पी डी के 9वें राष्ट्रीय पी जी सम्मेलन के दौरान मूल अनुसंधान के लिए पोस्टर के निर्णायक। इण्डियन सोसायटी ऑफ पीडोडोंटिक्स एण्ड प्रीवेंटिव डेंटिस्ट्री के 33वें वार्षिक सम्मेलन में मेंगलौर, कर्नाटक में 4-6 नवंबर 2011 को पीडियाट्रिक एंडोडोटिक्स के सत्र की अध्यक्षता की।

अतिथि वैज्ञानिक

1. ड्यूक यूनिवर्सिटी के एक शिष्टमंडल ने 3 मई 2011 को केंद्र का दौरा किया
2. प्रोफेसर बारट वाण्डे वनीत, प्रो. इन ओर्थोडोंटिक्स, बेलजियम।
3. प्रो. बकर रेबाई, प्रो. इन ओर्थोडोंटिक्स, द प्रिंस फिलिप डेंटल हॉस्पिटल, हांग कांग।
4. डॉ. अशोक कोठारी, सहायक, प्रो. ऑफ आर्थोडोंटिक्स, टफ्टस डेंटल स्कूल, बोस्टन, यूएसए
5. डॉ. वरुण कालरा, एसोसिएट प्रो., यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस, शिकागो।

10.3 डॉ. बी. रा. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

आचार्य एवं अध्यक्ष

जी. के. रथ
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

आचार्य

पी. के. जुल्का
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

एन. के. शुक्ला
(शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

विनोद रैना
(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

सुभाष चंदर
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

राजीव कुमार
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)

के. मोहंती
(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

ललित कुमार
(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

सिद्धार्थ सतपति
(अस्पताल प्रशासन)

अपर आचार्य

एस. वी. एस. देव
(शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

संजय थुलकर
(विकिरण निदान)

सुषमा भटनागर
(संवेदनाहरण विज्ञान)

अतुल शर्मा
(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

समीर बक्शी
(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

प्रतीक कुमार
(चिकित्सा भौतिकी)

सीमा मिश्रा
(संवेदनाहरणविज्ञान)

सुमन भास्कर
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

डी. एन. शर्मा
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

सह आचार्य

सुष्मिता पथि
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

रीतु गुप्ता
(प्रयोग अर्बुदविज्ञान)

प्रशासनिक अधिकारी

आर. के. शर्मा

लेखा अधिकारी

डी. पी. गंगल

व. चिकित्सा भौतिकीविद्

वी. सुब्रामणि

वैज्ञानिक - 1

एन. मनोहरन

सुनील कुमार वर्मा

चिकित्सा भौतिकीविद्

आर. प्रभाकर

एम. ए. लविराज

कुमारी सीमा शर्मा

राजेंद्रन एम

आशीष विंजोला

मुख्य तकनीकी अधिकारी

श्री गोपाल | सिलास जोर्ज

व. प्रोग्रामर

मल्लिका रॉय वर्मन

अधी. चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

सीमा साजिद

प्र. निजी सचिव

सतीश कुमार सचदेवा

विशिष्टताएं

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो 165 से भी अधिक सरकारी अथवा निजी अस्पतालों / केंद्रों तथा 250 नर्सिंग होमों एवं एम सी डी एवं एन डी एम सी के वाइटल स्टेटिस्टिक्स डिवीजन से कैंसर रोगियों के आंकड़े तथा दिल्ली के शहरी नागरिकों में विभिन्न कैंसरों की रिपोर्ट को एकत्रित करते हैं। वर्ष 2008 में कुल 13,974 कैंसर के केसों को पंजीकृत किया गया था जिसमें 7144 पुरुष एवं 6830 महिलाएं थीं, प्रति 100,000 जनसंख्या में पुरुषों एवं महिलाओं की अशोधित कैंसर की दर क्रमशः 73.8 एवं 86.5 है। पुरुषों में सामान्यतः फेफड़ा, प्रोस्टेट, जीफ, मुंह एवं लेरिंक्स कैंसर होता है जबकि महिलाओं में स्तन, ग्रीवा पित्त की थैली, अण्डाशय एवं कोरपस यूटेरी कैंसर होता है। रजिस्ट्री इन आंकड़ों को आई ए आर सी, लॉयन द्वारा प्रकाशित कैंसर इंसीडेंस इन फाइव कॉन्टीनेंट्स के दशवें वोल्यूम में प्रकाशन के लिए भेजती है। रजिस्ट्री द्वारा कैंसर घटनाओं एवं मृत्युदर पर तैयार की गई रिपोर्ट को अनुसंधानकर्ताओं, सरकार एवं कोर्पोरेट आदि द्वारा विस्तृत रूप से उपयोग किया जा रहा है।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

अ. भा. आ. सं. के अन्य विभागों के साथ साथ सं. रो. कैं. सं. में उपचारित किए जा रहे ल्यूकीमिया एवं बहुविध मायलोमा के रोगियों के लिए प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक अभी भी उच्च्य नैदानिक सुविधा प्रदान कर रहा है।

चिकित्सा भौतिकी एकक

यह विभाग अ. भा. आ. सं. में विकिरणविज्ञानात्मक मेडीकल इमेजिंग में रेडिएशन ऑप्टीमाइजेशन, गुणवत्ता विश्वास एवं रेडिएशन संबंधी अनुसंधान में सम्मिलित है। यह विभाग इमेजिंग तथा उपचार में एक्स-रे का प्रयोग करके अ. भा. आ. सं. के विभिन्न विभागों की सहायता करता है। इनमें डॉ. बी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ., विकिरण निदान विभाग, हृद विकिरणविज्ञान, तंत्रिका विकिरण विज्ञान, अस्थिरोग, दंत चिकित्सा, मूत्ररोगविज्ञान, ट्रामा केंद्र, डॉ. रा. प्र. नेत्रविज्ञान केंद्र, संवेदनाहरण आदि विभाग सम्मिलित हैं। इस अवधि के दौरान हमने कुल 4103 माप, जांच, प्रयोग, एक्सपोज़र अथवा ब्लड बैग इरेडीएशन करे। चिकित्सा इमेजिंग के दौरान विकिरणविज्ञानात्मक सुरक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञ सलाह एवं सेवाओं को प्रदान करने के लिए अन्य अस्पतालों से संकाय एवं अधिकारी को बुलाया गया। गुणवत्ता उत्कृष्टता एवं विकिरण सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर विशेषज्ञ राय हेतु अन्य संस्थानों एवं अस्पतालों द्वारा विभिन्न बैठकों के आयोजन हेतु उन्हें आमंत्रित किया गया था। विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं चिकित्सा कॉलेजों में उन्हें पी एच डी, शोध प्रबंध तथा अन्य पाठ्यक्रमों के परीक्षक के रूप में भी आमंत्रित किया गया। यह विभाग प्रशिक्षण भी देता है एवं इस विभाग में एफडीए, यूएसए के दो प्रतिष्ठित संकाय आए थे जिन्होंने समसामयिक विषयों पर वार्ता प्रस्तुत की।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

विभाग के दो संकट सदस्य डॉ. एन. के. शुक्ला, आचार्य एवं अध्यक्ष तथा डॉ. एस. वी. एस. देव, अपर आचार्य ने शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान के 12 वरिष्ठ रेजीडेंटों के स्नातकतपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण एवं संरचनात्मक प्रशिक्षण में भाग लिया। वह विकिरण अर्बुदविज्ञान चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, जैवरसायन एवं जैवप्रौद्योगिकी आदि सहित विभिन्न विभागों के शोध प्रबंध में सह - गाइड रहे थे। उन्होंने 7 सी एम ई कार्यक्रम में भाग लिया एवं व्याख्यान दिया, पैनल परिचर्या में भाग लिया एवं शैक्षिक विडियो प्रस्तुत किया। विभाग के संकाय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय समेलन में 7 व्याख्यान दिए। विभाग के संकाय एवं रेजीडेंटों ने राष्ट्रीय सम्मेलनों के अतिरिक्त सिंगापुर, जापान, आस्ट्रिया एवं यू एस ए में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 8 अनुसंधान लेख प्रस्तुत किए। यह विभाग 7 अनुसंधान परियोजनाओं एवं 17 सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में सम्मिलित है। वर्ष के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में 19 अनुसंधान लेख प्रकाशित किए गए। संकाय एवं रेजीडेंटों ने स्तन कैंसर, जठरांत्र कैंसर, सिर एवं गले का कैंसर, स्त्रीरोगविज्ञान कैंसर तथा अस्थि एवं सॉफ्ट ऊतक ट्यूमरों के लिए विशेष क्लिनिकों में भाग लिया। यह विभाग कैंसर के रोगियों को प्रमुख एवं लघु ऑपरेशन सुविधाएं प्रदान करता है। वर्ष के दौरान 782 जटिल प्रमुख ऑपरेशन एवं 5303 लघु ऑपरेशन तथा विभिन्न नैदानिक एवं चिकित्सीय इण्डोस्कॉपी प्रक्रियाएं निष्पादित की गई। विभाग के संकायों ने दूरदर्शन जैसे मीडिया में प्रस्तुतीकरण तथा जन व्याख्यान देकर एवं ओस्टोमेट्स हेतु सलाह देकर सामुदायिक सेवाओं में भाग लिया। दोनों ही संकाय सदस्य संपादकीय मण्डल के सदस्य, अनुसंधान लेखों के समीक्षक एवं राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय निकायों के सदस्यों के रूप में सम्मिलित रहे थे।

शिक्षा

संवेदनाहरणविज्ञान

सं. रो. कैं. अ. सेमिनार : प्रत्येक सोमवार, वीरवार, 8.15 प्रातः एकक सेमिनार : प्रत्येक सोमवार, 2.30 सायं एकक रेडियो कांफ्रेंस : प्रत्येक शानिवार, 9.00 प्रातः जरनल क्लब : प्रत्येक शानिवार, 10.00 प्रातः

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

स्नातकपूर्व : स्नातकपूर्व शिक्षण में सम्मिलित (सेमिनार - 3, व्याख्यान - 2)

स्नातकोत्तर : प्रसूतिविज्ञान एवं स्त्रीरोगविज्ञान विभाग, नाभिकीय चिकित्सा, जैवरसायन, बालचिकित्सा, बाल शल्यचिकित्सा, भेषजगुणविज्ञान एवं नेत्ररोगविज्ञान विभाग में एम डी शोध प्रबंध हेतु सहयोग एवं सह गाइड।

डी एम कार्यक्रम : चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में एक डी एम कार्यक्रम चल रहा है जिसमें 13 नियमित एवं दो प्रायोजित विद्यार्थी हैं।

वरिष्ठ रेजीडेंट : विभाग में वरिष्ठ रेजीडेंटों की 8 स्वीकृत पद भी हैं।

अनुसंधान अधिकारी : विभाग में 6 अनुसंधान अधिकारी भी हैं।

पी एच डी प्रशिक्षण : चार पी एच डी के विद्यार्थी चिकित्सा अर्बुदविज्ञान के विभिन्न पक्षों में अपना कार्य कर रहे हैं। इस वर्ष दो विद्यार्थियों को पी एच डी प्रदान कर दिया गया एवं वर्तमान में एक विद्यार्थी नामांकित है। विभाग अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य कर रहा है। सभी क्लिनिकों में सभी नए रोगी नियमित रूप से पंजीकृत होते हैं; गंभीर रूप से बीमार रोगियों की भर्ती का प्रतीक्षा समय 1-2 दिन है एवं अन्य रोगियों के लिए 5-6 दिन है। हम दिवस उपचार में प्रतिदिन 80 रोगियों एवं इससे अधिक का उपचार कमरा सं. 15 में करते हैं। डी एम एवं पी एच डी कार्यक्रम भली भांति चल रहा है। विभाग की प्रगति जगह की कमी, नए संकाय एवं वैज्ञानिकों की भर्ती न करने से बाधित है। विभाग ने कई वैज्ञानिक लेख भी प्रकाशित किए।

चिकित्सा भौतिकी एकक

चिकित्सा भौतिकी विभाग एम डी रेडियोलॉजी, एम बी बी एस, बी एस सी (ऑनर्स) नर्सिंग एवं बी एस सी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विकिरण सुरक्षा, विकिरण भौतिकी एवं विकिरण विज्ञानात्मक इमेजिंग में गुणवत्ता के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान

करने में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। विभाग ने श्री शितांशु कुस्माकर, आई आई सी, मुंबई को एक माह के लिए प्रशिक्षण दिया। इसके अतिरिक्त, चिकित्सा भौतिकी एकक में 2 पी एच डी के छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

विकिरण निदान

मेडीकल कॉलेज कलकत्ता के डॉ. बिधान चंद्र सरकार ने डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ. के विकिरण निदान विभाग में दिनांक 22 नवंबर 2010 से 21 फरवरी 2011 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

यह विभाग स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, बी. एस. सी. नर्सिंग एवं पीएच. डी शिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित है। डॉ. जी. के. रथ ने गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया के पेन - अफ्रीकन टेलीमेडिसिन परियोजना के लिए अ. भा. आ. सं. के संकाय के रूप में कार्य किया एवं अफ्रीकन देशों के लिए दो टेलीमेडिसिन व्याख्यानों का संचालन किया : विकिरण अर्बुदविज्ञान में वर्तमान प्रगतियां, 10 मई 2011, पहला व्याख्यान एवं दिनांक 3 जनवरी, 2012 को संक्रमण कैंसर का कारण पर दूसरा व्याख्यान दिया। डॉ. बी. के. मोहंती ने शिक्षण पाठ्यक्रम पर गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया के पेन - अफ्रीकन टेलीमेडिसिन परियोजना के लिए अ. भा. आ. सं. के संकाय के रूप में कार्य किया एवं एक टेलीमेडिसिन व्याख्यान सत्र का संचालन किया। देश के विभिन्न केंद्रों के 15 डॉक्टरों को अल्पावधि प्रशिक्षण दिया गया।

शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान

स्नातकपूर्व शिक्षण : संकाय अर्बुदविज्ञानात्मक विषयों पर शिक्षात्मक व्याख्यान एवं सम्मेलनों में भाग लेकर / उसका संचालन करके इसमें सम्मिलित रहे।

स्नातकोत्तर शिक्षण : संकाय शिक्षात्मक व्याख्यानों, सेमिनारों जरनल क्लबों आदि का संचालन करके 12 शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान वरिष्ठ रेजीडेंटों, डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान रेजीडेंट तथा सं. रो कै. अं. के विशेष कैंसर क्लिनिकों में एवं वार्ड राउण्ड के दौरान क्लिनिकल शिक्षण में सम्मिलित रहे थे। डॉ. शुक्ला ने डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान शोध प्रबंध, एमडी विकिरण अर्बुदविज्ञान शोध प्रबंध तथा डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ. एवं अ. भा. आ. सं. के विभिन्न विभागों के पीएच. डी विद्यार्थियों के लिए सह गाइड एवं पर्यवेक्षक के रूप में कार्य किया। पैरा क्लिनिकल शिक्षण / प्रशिक्षण : संकाय बीएस सी नर्सिंग विद्यार्थियों के शिक्षण में सम्मिलित रहे थे।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए

संवेदनाहरणविज्ञान

- दिल्ली में तथा उसके आस पास कैंसर रोगियों का उपचार कर रहे मेडीकल प्रैक्टीशनर्स एवं नर्सिंग स्टाफ के लिए फरवरी 2011 में प्रशामक उपचार पर 11वां मूल सिद्धांत पाठ्यक्रम आयोजित किया।
- जून एवं नवम्बर में डॉ. भी. रा. अं. सं. रो. कैं. अ. में प्रशामक उपचार में आई ए पी सी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
- दिनांक 9-12 फरवरी 2012 को कलकत्ता में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव उपचार का 19 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के वैज्ञानिक कार्यक्रम के आयोजक सह - सभापति।

मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 3

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 5

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

दिए गए व्याख्यान

राजीव कुमार : 1

रीतु गुप्ता : 5

चिकित्सा भौतिकी एकक

दिए गए व्याख्यान : 5

मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 14

विकिरण अर्बुदविज्ञान

व्याख्यान दिए गए

जी. के. रथ : 19

पी. के. शुल्का : 36

बी. के. मोहंती : 11

सुभाष चंदर : 2

डी. एन. शर्मा : 5

सुष्मिता पथि : 2

सुमन भास्कर : 7

शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान

एन. के. शुक्ला : 3

एस. वी. एस. देव : 12

मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 7

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजना

संवेदनाहरणविज्ञान

जारी

1. लयबद्ध श्वास प्रक्रिया के प्रभाव का मूल्यांकन - पीड़ा वाले उच्च अवस्था के कैंसर रोगियों में पीड़ा बोध पर सुदर्शन क्रिया एवं प्राणायाम (एस के पी) केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (आयुष विभाग)। 2 वर्ष।
2. कैंसर रोगियों में ओपिओडस हेतु प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक : भारतीय परिदृश्य, सुषमा भटनागर, आई सी एम आर, 3 वर्ष।
3. भेदन पीड़ा वाले रोगियों में मुखीय ट्रास्मुकोरूल फेंटेनिल सिटरेट बनाम मुखीय मोर्फिन की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, नैदानिक अध्ययन। सुषमा भटनागर। ट्रोयका फार्माश्यूटिकल्स। 6 माह।
4. फेज़-1 में डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ., अ. भा आ. सं. में प्रयोग किए जाने वाले कैंसर पीड़ा उपचार एप्लीकेशन हेतु प्रोटोकॉल का विकास। सुषमा भटनागर। आई सी एम आर। 2 वर्ष।

पूर्ण

1. लम्बोसाक्ररल रेडीकुलर पीड़ा हेतु एपिड्यूरल ट्राइम्सिनोलॉन एवं बीटामिथासोन की तुलना : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन। डॉ. सीमा मिश्रा। अ. भा. आ. सं. 1 वर्ष।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

1. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया में डी एन ए मिथिलेशन की पूर्वानुमानिक संगति। रीतु गुप्ता। डी बी टी, 3 वर्ष, 50,25,000 लाख रुपए।

2. बहुविथ मायलोमा का पैथोबायोलॉजी में टी एच 17 कोशिकाएं। रीतु गुप्ता, डी एस टी, 2 वर्ष, 20,23,200 लाख रुपए।

3. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया में बायोलॉजीकल हीटरोजेनिटी का आण्विक एवं प्रतिरक्षाविज्ञानात्मक आधार। रीतु गुप्ता, डी बी टी, 3 वर्ष, 19,46,400 लाख रुपए ।

4. बहुविथ मायलोमा में ऐंजियोजेनेसिस के रेगुलेटर के रूप में एच आई एफ - 1अल्फा, आईसीएमआर।

5. बहुविथ मायलोमा में नेचुरल किलर एवं टी - लिम्फोसाइट सब्सेट विश्लेषण। डॉ. रीतु गुप्ता। आई सी एम आर।

पूर्ण

1. बी - सैल लिनिएज तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी), राजीव कुमार, आई सी एम आर।

2. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया में बहु औषधि प्रतिरोधक पैटर्न का निर्धारण एवं थेरेपी हेतु प्रतिक्रिया। रीतु गुप्ता। अ. भा. आ. सं., 1,90,000, लाख रुपए।

3. प्लाज्मा सैल मायलोमा में रेगुलेटरी टी-सैल रेपर्टवार। रीतु गुप्ता। डी बी टी, 3 वर्ष, 14,82,000 लाख रुपए

4. बहुविध मायलोमा में रोग सक्रियता के बायोमार्कर के रूप में इण्डोथेलियल प्रोजेनीटर कोशिकाएं। रीतु गुप्ता, डी बी टी, 3 वर्ष, 16,79,000 लाख रुपए।

5. बहुविध मायलोमा के आण्विक जैवविज्ञान का अध्ययन करना। रीतु गुप्ता डी बी टी, 3 वर्ष, 33 लाख रुपए।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में डोक्सोरूबिसिन की तुलना में दो विभिन्न डोज स्तरों में नॉन पेगिलेटिड लिपोसोमल डोक्सोरूबिसिन (न्यूडोक्सा ®) की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता को सुनिश्चित करने के लिए एक फेज़ II/ III ओपन लेबल बहुकेंद्रीय यादृच्छिक परीक्षण। विनोद रैना जॉयडस कैडिला । 6 मार्च 2012-5 मार्च 2013। लगभग 2.5 लाख रुपए।

2. हर्सेप्टिन® के साथ बी. मेब - 200 की जैव समानता : हर2 + मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में डोसीटेक्सल के मिश्रण के साथ बी मेब - 200 बनाम हर्सेप्टिक® दोनों का तुलनात्मक पीके, प्रभोवात्पादकता, सुरक्षा एवं इम्यूनोजेनेसिटी मूल्यांकन : एक दोहरा, यादृच्छिक, सक्रिय नियंत्रित, समानांतर कार्य, तुलनात्मक फ़ेज III, क्लिनिकल परीक्षण, विनोद रैना / क्लिनीजीन, बी आई ओ सी ओ एन / 20 मार्च 2012-19 जून 2013। 10 लाख रुपए।

3. विगत में ट्रास्टुजुमेब - आधारित थेरेपी प्राप्त कर चुके एच ई आर 2 सकारात्मक लोकली एडवांस्ड अथवा मेटास्टेटिक स्तन कैंसर के रोगियों में ट्रांस्टुजुमेब एम सी सी - डी एम बनाम कैपिसिटेबाइन + लेपाटिनिब की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का यादृच्छिक बहुकेंद्रीय, फेज़ III ओपन लेबल अध्ययन। विनोद रैना। रौशे प्रोडक्ट (भारत)। 24 सितंबर, 2011-23 सितंबर 2014. रुपए 3 लाख।

4. ट्रिपल नेगेटिव मेटास्टोटिक स्तन कैंसर से नैदानिक रोगियों के लिए प्रथम पंक्ति उपचार के रूप में बिवासिजुमेब + जेमिसिटाबाइन + कार्बोप्लेटिन की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय, प्रायोगिक फेज II परीक्षण। विनोद रैन। रौशे प्रोडक्ट्स (इण्डिया)। जुलाई 2011-31 दिसंबर 2013। रु. 3 लाख।

5. कैंसर उपचार के लिए एच ई सी अथवा एम ई सी को आरंभ करने के लिए समरूपी वमनरोधी थेरेपी करवाने वाले वयस्क रोगियों के रोग अध्ययन का बहु देश, बहु स्थान, अग्रदर्शी, अवलोकनात्मक, भार। विनोद रैना। मर्क। 19 जुलाई 2012-18 फरवरी 2013। 5 लाख रुपए।

6. ई यू - सी ओ आर ई एसएम गंभीर ग्राम - सकारात्मक संक्रमणों के उपचार के लिए यूरोपियन सी यू बी आई सी आई एन परिणाम रजिस्ट्री एवं अनुभव। विनोद रैना। नोवार्टिस इण्डिया लिमिटेड। 23 जनवरी 2012-22 मार्च 2013। 5 लाख रुपए।

7. स्तन कैंसर के रोगियों के सीरम में परिसंचारी ट्यूमर डी एन ए का मूल्यांकन। विनोद रैना। जैव प्रौद्योगिकी विभाग। अक्तूबर 2012 तक परियोजना। 21 लाख रुपए।

8. एम आर डी मानकीकरण : नए इंडिगो इरा - नेट प्रोग्राम के तहत प्रस्तुत चिरकारी मायलॉयड ल्यूकीमिया में प्रतिक्रिया निर्धारण का मानकीकरण। विनोद रैना। जैव प्रौद्योगिकी विभाग। मार्च 2014 तक परियोजना। 71 लाख रुपए।

9. विगत में चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया वाले अनुपचारित रोगियों का ओफटुमुमेब - क्लोरोम्बुसिल मिश्रण बनाम क्लोराम्बुसिल मोनोथेरेपी का फेज III, ओपन लेबल, यादृच्छिक बहुकेंद्रीय परीक्षण / प्रोटोकॉल सं. ओ एम बी 110911। विनोद रैना / जी एस के। दिसंबर 2013 तक परियोजना। 5 लाख रुपए।

10. आवृत्ति चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया वाले रोगियों में फ्लुडेराबाइन - साइक्लोफॉस्फेमाइड में सम्मिलित ऑफ्टुमुमेब बनाम फ्लुडेराबाइन - साइक्लोफॉस्फेमाइड मिश्रण का एक फेज III, ओपन लेबल, यादृच्छिक परीक्षण। प्रोटोकॉल सं. ओ एम बी 110913। विनोद रैना। जी एस के, दिसंबर 2012 तक परियोजना। 5 लाख रुपए।

11. सी एम एल रजिस्ट्री : एक अवलोकनात्मक अध्ययन। ललित कुमार। नोवार्टिस इण्डिया लिमिटेड। 2008-13।

12. बहुविध मायलोमा हेतु लिनालिडोमाइड सहित अल्प डोज़ डेक्सामिथेसोन बनाम थैलिडमाइड बनाम अल्प डोज़ डेक्सामिथोसॉन : एक यादृच्छिक फेज III अध्ययन। ललित कुमार। डॉ. रेड्डीज लैब। 2008-12 एस आर एफ सैलरी।

13. प्रथम आवर्ती में प्लेटिनम सेंसिटिव अण्डाशय कैंसर वाले रोगी में कार्बोप्लेटिन एवं टेक्सेन के मिश्रण के साथ साप्ताहिक फर्लेटुजुमेब (एम ओ आर ए बी - 003) की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का निर्धारण करने के लिए एक यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित फेज 3 अध्ययन। ललित कुमार, मोर्फोटेक यू एस ए। 2010-13 एस आर एफ सैलरी।

14. नॉन हॉजकिन्स लिम्फोमा में रीतुक्सिमेब (जिनोटिक) की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीक ओपन लेबल फेज़ III अध्ययन। ललित कुमार। रैनबैक्सी, गुड़गांव। 2011-12। 4,68,000 लाख रुपए।

15. एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर फैलोपियन ट्यूब कार्सिनोमा अथवा प्रारंभिक पेरीटोनियल कार्सिनोमा के प्रथम पंक्ति उपचार के रूप में कार्बोप्लेटिनंद पैक्लीटेक्सल में बेबासिजुमेब के सम्मिलन का मूल्यांकन करना। ललित कुमार। आर ओ एस आई ए अध्ययन (रोशे)। 2011-2014। 53,998.00 लाख रुपए।

16. कीमो रेडिएशन के पश्चात् नियोएजुवेंट कीमोथेरेपी से उपचारित लोकली एडवांस्ड कार्सिनोमा सर्विक्स में सीरम बी ई जी एफ एवं डिफ्यूजन वेटिड एम आर आई का मूल्यांकन। ललित कुमार। अ. भा. आ. सं.। 40,000 रुपए।

17. कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले आवर्ती एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर वाले रोगियों में एड ऑन थेरेपी के रूप में मेटफोर्मिन बनाम प्लेसिबो के प्रभाव का मूल्यांकन करना : दोहरा यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण। ललित कुमार। 2012-13। आई सी एम आर। 1 लाख रुपए।

18. उच्च एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर हेतु प्रत्येक 3 सप्ताह में कार्बोप्लेटिन के सम्मिश्रण के साथ साप्ताहिक पेक्लीटिक्सल : एक फेज 3 यादृच्छिक अध्ययन। ललित कुमार। डी बी टी। 2010-14। 17,95,000 रुपए।

19. मानव स्वास्थ्य पर गैर आयोनाइजिंग इलेक्ट्रोमेग्नेटिक क्षेत्र के प्रभाव का अध्ययन करना। ललित कुमार। आई सी एम आर, 2012-13। 11,67,290 रुपए।

20. चिरकारी मायलेजिनियस ल्यूकीमिया वाले रोगियों में निलोटिनिब की तुलना में इमेटिनिब डोज़ ऑप्टीमाइजेशन का यादृच्छिक फेज III अध्ययन एवं मानक डोज़ हेतु सबोप्टीमल प्रतिक्रिया। ललित कुमार। नोवार्टिस इण्डिया लिमि. 2011-16।

21. इंओपरेबल गैस्ट्रिक एवं गैस्ट्रो - इसोफेगिल कैंसर वाले रोगियों में कीमोथेरेपी के साथ बनाम कीमोथेरेपी एकल दिए जा रहे एनोजेपेरिन (अल्प मोलीक्यूलर वेट हेपेरिन) का यादृच्छिक, फेज़ III बी, बहु केंद्र, ओपन लेबल, सामांतर अध्ययन। अतुल शर्मा। केरीटेरिएम, पुणे। 2008 - जारी। 7.6 लाख रुपए।

22. लेपाटिनिब के साथ अथवा उसके बिना कैपिसिटेबाइन प्लस ऑक्सलिप्लेटिन से उपचारित ई आर बी बी2 सकारात्मक उच्च अथवा मेटास्टेटिक या ईसोफेगिल या गैस्ट्रोईसोफेगिल जंक्शन एडिनोकार्सिनोमा का फेज़ III अध्ययन। अतुल शर्मा ग्लेक्सोस्मिथक्लिन फार्माश्यूटीकल्स। 2009-12। 4,34,398 लाख रुपए।

23. फ्लूरोपेरीमिडाइन्स / इरीनोटिकन प्राप्त करने वाले कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी प्रवृत्त डायरिया पर प्रोबायोटिक वी एल एल # 3® की प्रभावोत्पादकता की जांच करने के लिए एक फेज III, यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित अध्ययन। अतुल शर्मा। सी डी फार्मा इण्डिया। 2010-13। 12 लाख रुपए।

24. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया में डी एन ए मेथिलेशन की पूर्वानुमानिक संगति। अतुल शर्मा डी बी टी।

25. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया में बहु औषध प्रतिरोध पैटर्न का निर्धारण एवं थेरेपी हेतु प्रतिक्रिया। अतुल शर्मा, अ. भा. आ. सं.।

26. सी एल एल में जैव विज्ञानात्मक हीटरोजेनेटी का आण्विक एवं प्रतिरक्षाविज्ञानात्मक आधार। अतुल शर्मा। डी बी टी।

27. बहुविध मायलोमा में रोग गतिविधि के बायोमार्कर के रूप में ई पी सी। अतुल शर्मा। डी बी टी।

28. बच्चों, नवयुवकों तथा जवान वयस्कों में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया का उपचार एवं लक्षण वर्णन। समीर बक्शी (कॉ - 1) नेटवर्क ऑफ कैंसर ट्रिटमेंट एण्ड रिसर्च एवं सर रतन टाटा ट्रस्ट। इंटरनेशनल ऑनगोइंग (2005 से आगे) 4.5 लाख रुपए / वर्ष क्लिनिकल उपचार हेतु।

29. उच्च डोज़ मेथोट्रिजेट का फार्माकोकाइनेटिक एवं टोक्सिसिटी प्रोफाइल : भारतीय बच्चों में सीरम क्रिएटिनाइन एवं एम टी एच एफ आर पोलीमोर्फिज्मस के साथ संबंध। समीर बक्शी। जे आई वी डी ए वाई ए फाउण्डेशन। 2008 जारी। रुपए 7.9 लाख, 2 वर्ष के लिए।

30. कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों एवं नवयुवक में एड ऑन थेरेपी के रूप में एप्रीपिटेंट बनाम प्लेसिबो का ऐंटी ऐमिटिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन : एक यादृच्छिक दोहरा नियंत्रित परीक्षण। समीर बक्शी। डॉ. रेड्डीस लैबोरेट्रीज़ लिमि. जारी (2011 से आगे) 3,12,000 रुपए / वर्ष।

31. फॉलोअप पर बाल तीव्र ल्यूकीमिया वाले रोगियों में पौषणिक स्तर। समीर बक्शी। आई सी एम आर। 19 लाख रुपए। जारी (2011 से आगे)।

32. प्रकार्यात्मक महत्ता तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया। समीर बक्शी। अ. भा. आ. सं.। 2011-12, 10,000 रुपए।

चिकित्सा भौतिकी एकक

जारी

1. विकिरण डोज़ निर्धारण हेतु थर्मो ल्यूमिनेसेंट सामग्रियों का विकास तथा विकिरणविज्ञानात्मक चिकित्सा इमेजिंग में उनका डोसीमेट्रिक अनुप्रयोग। प्रतीक कुमार, आई सी एम आर। 2009-12, 12,10416 रुपए।

2. कोरोनरी धमनी प्लैक्यू का मूल्यांकन। प्रतीक कुमार। आई सी एम आर। 2012-15, 17,54,283 रुपए

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. गर्भाशय ग्रीवा के कार्सिनोमा में सी डी एच आई एवं आर ए आर बी का प्रोमोटर हायपरमेथिलेशन : उपचार प्रतिक्रिया तथा क्लिनिकल परिणाम की पूर्व सूचना में भूमिका। सुष्मिता पथि। टेरी फॉक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, कनाडा।

2. क्षेत्रीय कैंसर केंद्र में कीमोथेरेपी / शल्यचिकित्सा के साथ अथवा उसके बिना रेडियोथेरेपी प्राप्त करने वाले भारतीय रोगियों में कैंसर उपचार की आर्थिक लागत का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन (सं रो कैं अ, अ भा आ सं तथा इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली के मध्य सहयोगी अध्ययन)। आई एस आई। 2.2 लाख रुपए / वर्ष।

3. सहायक कीमोथेरेपी / रेडियोथेरेपी से उपचारित गैर मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में आयुष क्यू ओ एल - 2 सी के साथ जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन एवं आणविक मार्कर्स के साथ इसका सह संबंध। जी. के. रथ। सेंट्रल कॉन्सिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद एवं सिद्ध। 2010 रु. 51,45,777।

4. बी सी आई आर जी 006 - एच ई आर 2 परिवर्तन वाले ऑपरेबल स्तन कैंसर से पीड़ित नोड पॉजिटिव एवं उच्च जोखिम नोड नेगेटिव वाले रोगियों के सहायक उपचार में डोसीडेक्सल एवं ट्रास्टुजुमेब (हर्सेप्टिन) (ए सी → टी एच) का डोसीटेक्सल, कार्बोप्लेटिन एवं ट्रास्टुजुमेब (टी सी एच) के साथ तुलना के पश्चात् डोक्सीटेक्सल (ए सी → टी) की डोक्सोरुबिसिन एवं साइक्लोफोस्फेमाइड के साथ तुलना के पश्चात् डोक्सोरुबिसिन एवं साइक्लोफोस्फेमाइड की तुलना करते हुए एक बहु केंद्रीय फेज़ III यादृच्छिक परीक्षण। पी. के. जुल्का। एवेंटिस। 2004। 1,62,313 रुपए।

5. विगत में अनुपचारित एच ई आर 2 सकारात्मक मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में टास्टुजुमेब से संयुक्त आई एन सी बी 007839 की चिकित्सीय प्रभाव एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए एक फेज़ 1/2, संशोधित डोज़ वृद्धि, ओपन लेबल परीक्षण। पी के जुल्का, सीरो। 2008। 15 लाख रुपए।

6. हार्मोन दुश्चिकित्स्य प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में विस्तारित अस्थि मेटास्टेटिस मुक्त सर्वावाइवल पर डीनोसुमेब का यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित, बहु केंद्र फेज़ 3 अध्ययन। पी के जुल्का। क्वींनटाइल्स। 2007। 9 लाख रुपए।

7. स्थानीय रूप से उच्च स्तन कैंसर के रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पूर्वानुमानिक महत्ता। पी. के. जुल्का, 2011। डी एस टी। 23 लाख रुपए।

पूर्ण

1. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोर्म वाले भारतीय रोगियों में रेडियोथेरेपी प्लस टिमोजुलोमाइड (सहवर्ती एवं सहायक) के सम्मिश्रण के साथ प्रेरण एवं अनुरक्षण थेरेपी के रूप में वी आई ओ एम ए बी - ई जी एफ आर (निमोटुजुमेब) की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल अग्रदर्शी बहुकेंद्रीय अध्ययन। पी. के. जुल्का। क्लिंजीन। 2008। 3,26,800 रुपए।

2. गर्भाशय ग्रीवा के उच्च कार्सिनोमा में सहयोगी कीमो रेडियोथेरेपी के परिणाम पर बैकीथेरेपी को नियतबद्ध करने एवं संपूर्ण उपचार समय के प्रभाव का अध्ययन करना। सुष्मिता पथि।

3. सिर एवं गला, स्तन एवं ग्रीवा के कैंसरों में उपचार एवं जीवित बचने के अध्ययनों का पैटनर्स। बी के मोहंती। आई सी एम आर। 3.6 लाख रुपए प्रति वर्ष।

4. विकिरण थेरेपी के पश्चात् ग्रीवा कैंसर से श्रेणी पुनरावृत्ति वाले रोगियों में पी ई टी स्कैन का क्लिनिकल प्रभाव। डी एन शर्मा। अ. भा. आ. सं। 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

संवेदनाहरणविज्ञान

जारी

1. इंट्रैक्टेबल गैस्ट्रोइंटेस्टिनल कैंसर पीड़ा वाले रोगियों के उपचार में प्रारंभिक उपचार अवस्था बनाम मुखीय मोर्फिन के दौरान दिए गए अल्ट्रासाउंड गाइडिड नर्व ब्लाक्स की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, दो बाहु, ओपन - लेबल, तुलनात्मक, फेज़ IV क्लिनिकल अध्ययन।

2. सिर एवं गले के कैंसर शल्यचिकित्सा करवाने वाले रोगियों में ट्रेनेजेमिक एसिड का अग्रदर्शी, यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित अध्ययन।

3. सिर एवं गले के कैंसर रोगियों में ओरो फेशियल पीड़ा हेतु मंडीबुलर तंत्रिका के प्लस्ड रेडियोफ्रिक्वेंसी बनाम एल्कोहल न्यूरोलाइसिस का यादृच्छिक अग्रदर्शी अध्ययन।

4. कैंसर रोगियों में अर्बुदविज्ञान पीड़ा के उपचार में एम सी - 5 ए थेरेपी की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल, फेज़ ii अध्ययन।

5. प्रशामक उपचार में मृत्यु एवं मरण की स्वीकृति।

पूर्ण

1. नई दिल्ली में प्रशामक उपचार का सामाजिक पक्ष।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

1. मेडियास्टीनल टी-लिम्फोब्लास्टिक लिम्फोमा का विश्लेषण - एकल संस्थान अध्ययन।

2. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया के रोगियों में क्लिनिकल लक्षण वर्णन, पूर्वानुमानिक कारक एवं उपचार परिणाम का विश्लेषण।

3. वयस्क रूधिरविज्ञानात्मक एवं दृढ़ असाध्यता में ऑटोलोगस परीसरिए रक्त मूल कोशिका के पश्चात् क्लिनिक लक्षण वर्णन एवं परिणाम का विश्लेषण।

4. स्थानीय रूप से उच्च ग्रीवा कार्सिनोमा में कीमोरेडिएशन के पश्चात् साप्ताहिक पेक्लीटेक्सल एवं कार्बोप्लेटिन के साथ नव सहौषध कीमोथेरेपी।

5. एलोजेनिक मूल कोशिका प्रतिरोपणों का विश्लेषण।

6. वयस्क तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया का विश्लेषण।

7. इविंग्स सार्कोमा / पी एन ई टी एवं न्यूरोब्लास्टोमा में परिसरीय रक्त टी रेगुलेटरी कोशिकाओं के काइनेटिक्स का निर्धारण - एक अग्रदर्शी अध्ययन।

8. ओरोफेरेंगिल कैंसर रोगियों में ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एच पी वी) की व्यापकता का पता लगाने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन।

9. हॉजकिन्स लिम्फोमा में उपचार परिणाम तथा उत्तरजीविता सहित इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री द्वारा ट्यूमर सहयोगी मार्कोफेज़ मार्कर (सी डी 68) के सह संबंध का विश्लेषण करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन।

10. कीमोरेडिएशन के पश्चात् नवसहौषध कीमोथेरेपी से उपचारित ग्रीवा के लोकली उच्च कार्सिनोमा में सीरम वी ई जी एफ एवं डिफ्यूजन वेटिड एम आर आई का मूल्यांकन।

चिकित्सा भौतिकी एकक

1. मेडीकल इमेज लेज़र प्रिंटर के गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास।

2. माइक्रोसॉफ्ट एसेस आधारित इमेज रिपोर्टिंग मोड्यूल का रख रखाव जारी।

3. इंटरवेशनल फ्लूरोस्कॉपी में विकिरण डोज़ का मापन।

4. डोज़मीटर प्रयोजन के लिए नए ल्यूमिनिसेंस सामग्री का विकास।

5. दृष्टिगत रूप से उत्तेजित ल्यूमिनिसेंस डोसीमीटर का कैलीब्रेशन एवं उपयोग।

6. सी टी स्कैन का प्रयोग करके एथ्रोस्केलरोटिक प्लैक्यू का लक्षण वर्णन।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

1. एडिनोकार्सिनोमा को छोड़कर स्थानीय रूप से उच्च गैर लघु कोशिका फेफड़ा कैंसर में सहयोगी कीमोथेरेपी के साथ रेडिकल रेडियोथेरेपी बनाम नवसहौषध कीमोथेरेपी एवं हाइपोफ्रैक्शनेटिड रेडियोथेरेपी के पश्चात् नवसहौषध कीमोथेरेपी की तुलना करते हुए फेज़ II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

2. स्थानीय रूप से उच्च ग्रीवा कैंसर में ई जी एफ आर रिसेप्टर एवं लक्षित थेरेपी का प्रभाव, कीमोरेडियोथेरेपी के पश्चात् पैक्लीटेक्सल एवं कार्बोप्लेटिन के साथ नवसहौषध कीमोथेरेपी की भूमिका का अध्ययन करने के लिए फेज़ II परीक्षण।

3. स्थानीय रूप से उच्च सिर एवं गले के स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा में तीव्र प्रभावन रेडियोथेरेपी (प्रति सप्ताह 6 विखण्डन) बनाम सहयोगी कीमोरेडियोथेरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

4. रेडियोथेरेपी के पश्चात् कार्सिनोमा ग्रीवा में शीघ्र क्लिनिकल परिणाम की तुलना : परंपरागत बनाम इंटेंसिटी मोड्यूलेटिड रेडियोथेरेपी (आई एम आर टी)।

5. कार्सिनोमा ग्रीवा में उच्च डोज़ दर बनाम पल्स दर ब्रैकीथेरेपी।

6. स्थानीय रूप से उच्च कार्सिनोमा इसोफेगस में कीमोरेडिएशन के पश्चात् सहयोगी कीमोरेडियोथेरेपी बनाम नवसहौषध कीमोथेरेपी की तुलना करते हैं फेज़ II यादृच्छिक अध्ययन।

7. मुखीय कैविटी कार्सिनोमा में ऑपरेशन के पश्चात् रेडियोथेरेपी बनाम ऑपरेशन के पश्चात् कीमोरेडिएशन की तुलना करते हुए यादृच्छिक परीक्षण।

8. ई जी एफ आर, एम आई बी - 1 पी 53 उत्परिवर्तनों पर आधारित प्रतिरोध के टीमोजुलोमाइड एवं आण्विक आधार के साथ सहौषध कीमोथेरेपी के 12 चक्र बनाम नवसहौषध कीमोथेरेपी के 6 चक्र वाले ग्लियोब्लास्टोमा वाले रोगियों में उपचार परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन।

9. स्थानीय रूप से उच्च और गैर लघु कोशिका फेफड़ा कैंसर (एडिनोकार्सिनोमा को छोड़कर) में सहयोगी कीमोथेरेपी के साथ हाइपोफ्रैक्शनेटिड रेडियोथेरेपी के पश्चात् रेडिकल रेडियोथेरेपी बनाम नवसहौषध कीमोथेरेपी के पश्चात् नव सहौषध कीमोथेरेपी की तुलना करते हुए फेज़ II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

10. हाइपोफ्रैक्शनेशन बनाम मानक फ्रैक्शनेशन सहित उपचार परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन।

11. स्तन कंजरवेशन शल्यचिकित्सा के पश्चात् शीघ्र स्तन कैंसर में नियम।

12. 3 - डी कंफोर्मल रेडियोथेरेपी (3 - डी सी आर टी) बनाम इमेज गाइडिड रेडियोथेरेपी (आई जी आर टी) हेतु रेडिएशन थेरेपी डोज़, वोल्यूम मूल्यांकन का तुलनात्मक अध्ययन तथा सिर एवं गले के रक्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा में शीघ्र प्रतिक्रिया का विश्लेषण।

13. भारतीय स्तन कैंसर रोगियों में बी आर सी ए - 1 जीन उत्परिवर्तन तथा ई आर, पी आर एवं एच ई आर 2 न्यू अभिव्यक्ति का क्लिनिकल सह संबंध।

विकिरणनिदान

1. स्तन संरक्षण शल्यचिकित्सा (बी सी एस) के लिए इंट्रा ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड (आई ओ यू एस) की उपयोगिता : एक व्यवहार्यता अध्ययन।

2. आवर्ती / दुर्दम्य असाध्य प्लूरल इफ्यूज़न्स के उपशमन में प्लियूरोडेसिस के साथ अथवा उसके बिना पिग्टेल कैथेटर का प्रयोग करके अल्ट्रासाउण्ड गाइडिड थोराकोसेंटेसिस.

3. ग्रीवा के कार्सिनोमा के स्टेजिंग एवं उपचार में कंप्यूटिड टोमोग्राफी।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

1. रेडिकल शल्यचिकित्सा एवं रेडियोथेरेपी के पश्चात् मुखीय कैंसर रोगियों का कार्यात्मक मूल्यांकन।

2. ऑन्कोप्लास्टिक स्तन शल्यचिकित्सा - रोगी प्रोफाइल एवं परिणाम का अग्रदर्शी मूल्यांकन।

3. टी 4 बी क्षतियों वाले स्तन कैंसर रोगियों में त्वचा सम्मिलन का मूल्यांकन।

4. शल्यक अर्बुदविज्ञान रोगियों में प्रोफेलेक्टिक एंटीबायोटिक्स।

5. डाय तथा गामा प्रोब का प्रयोग करके मुखीय कैंसर रोगियों का सेंटाइन लिम्फ नोड बायोप्सी।

6. स्त्रीरोगविज्ञानात्मक एवं निम्न जी आई कैंसरों के रोगियों में गहरी नस थ्रोम्बोसिस का अध्ययन।

7. श्रेणि असाध्यता के रोगियों में प्रोफेलेक्टिक अल्प आण्विक हेपेरिन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

संवेदनाहरणविज्ञान

जारी

1. कैंसर रोगियों में ओपियोड्स से प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक : भारतीय परिदृश्य। आई सी एम आर। (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

जारी

1. भारत में जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्रियों की कार्य प्रणाली पर अध्ययन - इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर का एक सहयोगी अनुसंधान परियोजना, लॉयन, फ्रांस (आई ए आर सी) एवं इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ कैंसर रजिस्ट्रीज़ (आई ए सी आर) तथा टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. अनुच्छेदनीय गाल ब्लैडर कैंसर के उपचार में जेमिसिटेबाइन + सिस्प्लेटिन से संशोधित जेमिसिटेबाइन + ऑक्सलिप्लेटिन (एम जी ई एम ओ एक्स) की तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (चिकित्सा, शल्यक, विकिरण अर्बुदविज्ञान तथा जी आई शल्यचिकित्सा विभाग)।

2. स्थानीय रूप से उच्च फेफड़ा कैंसर : कीमोथेरेपी तथा विकिरण का यादृच्छिक परीक्षण।

पूर्ण

1. प्लाज्मा कोशिका मायलोमा में टी कोशिका रेपर्टवर। डी बी टी, (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक के सहयोग के साथ) 2007 - जारी, 13.0 लाख रुपए।

2. बहुविध मायलोमा में रोग के बायोमार्कर के रूप में इण्डोथेलिएल प्रोजेनीटर कोशिकाएं। डी बी टी (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक के सहयोग के साथ) 2007, जारी, 17.0 लाख रुपए।

3. ए एम एल में बहु औषध प्रतिरोध पैटर्न का मूल्यांकन तथा थेरेपी से प्रतिक्रिया। 1.9 लाख रुपए, अ. भा. आ. सं. - एक्सट्रा म्यूरल अनुदान। 2006-11 (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)।

4. सी एल एल के रोगियों में जेड ए पी 70 तथा सी डी 38 की अभिव्यक्ति। अवधि 2008-11 (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)।

5. बहुविध मायलोमा में रोग सक्रियता के बायोमार्कर के रूप में ई पी सी (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)।

6. बहुविध मायलोमा के आण्विक जैव विज्ञान का अध्ययन करना (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)।

7. बी कोशिका एन एच एल का इम्यूनोफीनोटाइपिंग प्रोफाइल। 2009-012 (विकृतिविज्ञान)।

चिकित्सा भौतिकी एकक

जारी

1. टैकीकार्डिया हेतु आर एफ उच्छेदन प्रक्रिया में रोगी विकिरण डोज़ निर्धारक (चिकित्सा भौतिकी एकक हृद विज्ञान एवं हृदय विकिरणविज्ञान)।

2. एकल फुफ्फुसीय ग्रंथिकाओं के मूल्यांकन में आंशिक वोल्यूम प्रभाव शुद्धियों का प्रभाव (चिकित्सा भौतिकी एकक एवं नाभिकीय चिकित्सा)।

पूर्ण

1. फैंटम का प्रयोग करके एफ डी जी पी ई टी - सी टी द्वारा ट्यूमर भार आकलन एवं उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन हेतु बाल लिम्फोमा में इसका अनुप्रयोग (चिकित्सा भौतिकी एकक, सं. रो. कैं. अ. तथा नाभिकीय चिकित्सा)।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. गुर्दा कैंसर में शल्यचिकित्सा के पश्चात् प्रिऑपेरटिव लघु क्रम रेडियोथेरेपी (25 गे) बनाम प्रिऑपरेटिव सहयोगी रेडियोथेरेपी (45 गे) तथा कीमोथेरेपी का यादृच्छिक अध्ययन (विकिरण अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकृतिविज्ञान, विकिरणनिदान)।

2. नेशनल रेटिनोब्लास्टोमा रजिस्ट्री - दिल्ली स्थल, डॉ. आर पी केंद्र, अ. भा. आ. सं, आई सी एम आर नई दिल्ली, भारत के तहत एक सहयोगी अध्ययन।

3. मुखीय स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा वाले रोगियों में सी डी 4 + सी डी 25 + एफ ओ एक्स पी 3 + रेगुलेटरी टी कोशिकाओं का फीनोटाइपिक एवं कार्यात्मक लक्षण वर्णन (जैव प्रौद्योगिकीविज्ञान विभाग)।

4. सिर एवं गले के कैंसर के रोगियों में भविष्य सूचक मार्कर के रूप में तथा पी - 38 एल्फा अभिव्यक्ति की टेम्पोरल जांच (जैव भौतिकी विभाग)।

5. उच्च असाध्य सिर एवं गले के कैंसर के लिए प्रशामक बनाम प्रशामक कीमोरेडियोथेरेपी (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

6. सिर एवं गले के स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा में मार्कर के रूप में हीटरोजेनियस रीबो-न्यूक्लियोप्रोटीन के (जैव प्रौद्योगिकी विभाग)।

7. उच्च कैंसर ग्रीवा के उपचार में करकुमिन का मूल्यांकन (विकिरणविज्ञान, स्त्रीरोगविज्ञान, जैवरसायन एवं विकृतिविज्ञान विभाग)।

पूर्ण

1. सिर एवं गले के स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा में पी - 38 एल्फा एम ए पी - काइनेज़ का मूल्यांकन (जैव भौतिकी विभाग)।
2. मुखीय कैंसर में बैक्लिन - 1, एम टी ओ आर सिग्नेलिंग एवं आटोफेगि पर अध्ययन (जैव प्रौद्योगिकी विभाग)

विकिरणविज्ञान

जारी

1. रोगसूचक निम्न अंग वेरीकोसिटिस के उपचार में इण्डोवीनस लेज़र उच्छेदन, रेडियोफ्रिक्वेंसी उच्छेदन तथा शल्यचिकित्सा का तुलनात्मक मूल्यांकन (रेडियो निदान)।
2. स्थानीय रूप से उच्च स्तन कैंसर में नवसहौषध कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करते हुए एम आर आई तथा ग्रे स्केल तथा डोप्पलर अल्ट्रासाउंड की भूमिका की तुलना करना (शल्यचिकित्सा)।
3. उच्च लेरिंजिल तथा हाइपोफेरिनजिल कैंसर वाले रोगियों में इंट्रा - आर्टेरियल कीमोथेरेपी (नवसहौषध) (विकिरण निदान)।
4. मुखीय कैविटी के स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा के लिए उपचार मोडालिटी के रूप में शल्यचिकित्सा एवं पोस्ट ऑपरेटिव रेडियोथेरेपी बनाम शल्यचिकित्सा एवं पोस्टऑपरेटिव कीमोरेडियोथेरेपी का तुलनात्मकअध्ययन (विकिरणचिकित्सा)।

पूर्ण

1. इमेज गाइडिड रेडियोथेरेपी (आई जी आर टी) बनाम 3 डी कंर्फोमल रेडियोथेरेपी (3 डी सी आर टी) हेतु विकिरण चिकित्सा डोज़, वोल्यूम मूल्यांकन का तुलनात्मक अध्ययन तथा सिर एवं गले के स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा में शीघ्र प्रतिक्रिया का विश्लेषण (विकिरणचिकित्सा)।
2. विकिरणचिकित्सा के पश्चात् कार्सिनोमा ग्रीवा में शीघ्र क्लिनिकल परिणाम की तुलना : परंपरागत बनाम इंटेंसिटी मोडुलेटिड रेडियोथेरेपी (आई एम आर टी) (विकिरण चिकित्सा)।
3. प्रोस्टेट कैंसर की खोज हेतु कंट्रास्ट वृद्धि सोनोग्राफी तथा ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलास्टोग्राफी का मूल्यांकन (विकिरण विज्ञान)।

शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. मुखीय कैंसर में आण्विक मार्करों के मूल्यांकन एवं वैधीकरण पर बहुकेंद्रीय राष्ट्रीय कार्यक्रम : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन (जैव रसायन एवं शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।
2. भारतीय महिला स्तन कैंसर रोगियों में विभिन्न क्रोमोजोमों में माइक्रोसेटेलाइट अस्थिरताओं का मूल्यांकन करना (शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग तथा जैवविज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली)।
3. स्थानीय रूप से उच्च मुखीय कैंसर के मूल्यांकन में सी टी स्कैन तथा एम आर आई की भूमिका। (शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा विकिरण निदान विभाग)।
4. भारतीय महिला स्तन कैंसर रोगियों में पी 21 डब्ल्यू ए एफ - 1 जीन का आण्विक मूल्यांकन (शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग तथा जैवविज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इसलामिया)।
5. तंबाकू सहयोगी मुखीय कार्सिनोजेनेसिस का आण्विक आधार (जैवरसायन तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।
6. स्थानीय रूप से उच्च तथा / या मेटास्टेटिक वृक्क कोशिका कार्सिनोमा वी ई जी 105192 वाले रोगियों में प्लेसिबो की तुलना में पेजोपेनिब (जी डब्ल्यू 786034) की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो - नियंत्रित बहु केंद्र फेज़ III अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।

7. उच्च इसोफेगिल एवं गैस्ट्रिक एडिनोकार्सिनोमा प्रोटोकॉल 0701 में ऑक्सिप्लेटिन, डोसीटेक्सल तथा कैपिक्टियाबाइन का एक ओपन लेबल, गैर यादृच्छिक फेज II परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग)।

8. स्तन कैंसर के प्रकट होने पर ई आर बी बी 2 की प्रारंभिक अवस्था वाली महिलाओं में सहायक लेपटिनिब का यादृच्छिक, दोहरा, बहुकेंद्र, प्लेसिबो नियंत्रित अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विज्ञान विभाग)।

9. आहार नियम के साथ जेमसिटेबाइन से विगत में उपचारित उच्च अग्न्याशाय कैंसर वाले रोगियों के उपचार हेतु 5 - एफ यू को निरंतर देने की तुलना में प्रत्येक 3 सप्ताह 90 एम जी / एम 2 पर एक यादृच्छिक, ओपन लेबल, बहुकेंद्र अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)

10. महिला स्तन में साइटोकाइन में आनुवांशिक भिन्नता का आण्विक विश्लेषण।

11. भारत में कैंसर रोगी (शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा जैवविज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया)।

12. मुखीय कैंसर में टी सी 21 / आर आर ए एस [2] की अभिव्यक्ति की क्लिनिकल महत्ता (जैव रसायन तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।

13. मेटास्टेटिक मृदु ऊतक या अस्थि सार्कोमास वाले रोगियों हेतु अनुरक्षण थेरेपी के रूप में देने पर ए पी 23573 की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।

14. के आर ए एस प्रचंड प्रकार का मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर वाले रोगियों में एफ ओ एल एफ आई आई प्लस सिटुजिमेब (इरबिटुक्स) अथवा एफ ओ एल एफ ओ एक्स प्लस सिटुजिमेब की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एशिया पैसिफिक गैर यादृच्छिक, ओपन लेबल फेज़ II अध्ययन (ए पी ई सी अध्ययन) (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।

15. मुखीय कैंसर में प्राकृतिक मारक टी कोशिका एवं डेंट्रिक कोशिकाओं का कार्यात्मक एवं फीनोटाइपिक लक्षण - वर्णन (जैव प्रौद्योगिकी, शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।

16. उच्च गैर लघु कोशिका फेफड़ा कैंसर में लुकेनिक्स टी एम (बिलाजिंपुमेटुसिल - एल) का पंजीकरण फेज III अध्ययन : एक अंतरराष्ट्रीय बहुकेंद्र, यादृच्छिक दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।

17. सिर एवं गले के कैंसर में भिन्न रूप में अभिव्यक्त प्रोटीनों का कार्यात्मक लक्षण वर्णन (जैव रसायन तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।

18. नैदानिक विश्लेषणों में सिर एवं गले के कैंसर मार्करों की व्याख्या करना - एक इण्डो कैनेडिएन अनुसंधान परियोजना (जैव रसायन अ. भा. आ. सं. शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा रसायन विभाग योर्क यूनीवर्सिटी कनाडा)।

पूर्ण

1. मुखीय स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा रोगियों में एम एल एच। प्रोमोटर मेथिलेशन की भूमिका (जैव प्रौद्योगिकी एवं शल्यक अर्बुदविज्ञान)।

2. ग्रीवा के कार्सिनोमा के स्टेजिंग एवं उपचार में कंप्यूटर टोमोग्राफी की भूमिका (विकिरण निदान, शल्यक अर्बुदविज्ञान, विकिरण अर्बुदविज्ञान, विकृतिविज्ञान तथा प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान विभाग)।

3. भारतीय महिला स्तन कैंसर रोगियों में पी 21 जीन का आण्विक विश्लेषण (शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा जैव विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इसलामिया)

4. फेफड़ा कैंसर वाले रोगियों का क्लिनिकों विकृतिविज्ञानात्मक प्रोफाइल एवं उत्तरजीविता का विश्लेषण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान, विकिरण अर्बुदविज्ञान, विकृतिविज्ञान विभाग तथा फुफ्फुसीय चिकित्सा)।

5. सिर एवं गले के कैंसर में संभाव्य कैंसर मार्कर एवं औषध लक्ष्य (जैव रसायन, शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग तथा विकिरणचिकित्सा विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 147 **सार : 3** **पुस्तकों में अध्याय : 8**

रोगी उपचार

स्टाफ/संकाय	**सं**	**स्टाफ/संकाय**	**सं.**
संकाय	20	रेजीडेंट संकाय	60
नर्सिंग स्टाफ	197	भण्डार स्टाफ	6
मंत्रालयी स्टाफ	18	सचिवीय स्टाफ	5
समूह 'घ' स्टाफ	82	दैनिक वेतन भोगी	2
पी टी एस जी	8	बाह्य स्रोत सफाई स्टाफ	123
बाह्य स्रोत डेटा ऐंट्री आपरेटर	10	बाह्य स्रोत सुरक्षा स्टाफ	56
तकनीकी स्टाफ (विकिरणचिकित्सा, प्रयोग, अर्बुदविज्ञान, एम आर टी, ओ टी, विकिरण विज्ञान आदि)			143
कुल बिस्तर क्षमता	**182**		
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	78	विकिरण अर्बुदविज्ञान	37
शल्यक अर्बुदविज्ञान	61	प्रशामक उपचार एकक	6
कुल ओ पी डी उपस्थिति	**84071**		
पंजीकृत किए गए नए रोगी	8610	पुनआगमन	75461

संख्या	**ओपीडी का नाम/क्लिनिक**	**नए रोगी**			**पुनःआगमन**		
		पुरुष	**महिला**	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**	**कुल**
1.	वयस्क चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	491	433	924	10444	13268	23712
2.	वयस्क लिम्फोमा ल्यूकीमिया	03	-	03	3082	1606	4688
3.	ए एम एल/ एच एल	75	35	110	706	319	1025
4.	एएलएल/सीएमएल	153	71	224	1382	697	2079
5.	स्तर कैंसर	29	472	501	85	3926	4011
6.	अस्थि एवं मृदु ऊतक	140	77	217	437	244	681

7.	कीमोथेरेपी मूल्यांकन	-	-	-	08	05	13
8.	पारिवारिक कैंसर	-	02	02	-	-	-
9.	जठरांत्र	386	328	714	717	558	1275
10.	स्त्रीरोगविज्ञान ए	-	183	183	-	827	827
11.	स्त्रीरोगविज्ञान बी	-	351	351	-	1832	1832
12.	स्त्रीरोगविज्ञान सी	-	193	193	-	260	260
13.	सिर एवं गला (शल्य चिकित्सा) ए	165	54	219	999	246	1245
14.	सिर एवं गला (ई एन टी) बी	904	152	1056	3397	569	3966
15.	फेफड़ा केंसर	92	24	116	311	87	398
16.	एन एच एल / एम एम / सी एल एल	143	60	203	679	266	945
17.	नेत्र ट्यूमर	06	04	10	123	63	186
18.	बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	219	110	329	5289	2463	7752
19.	बाल लिम्फोमा ल्यूकीमिया	128	44	172	2899	981	3880
20.	बाल (शल्यचिकित्सा)	70	37	107	1263	598	1861
21.	पीड़ा राहत	248	181	429	2537	1885	4422
22.	पीड़ा एवं प्रशामक उपचार (आर टी - II)	-	01	01	02	13	15
23.	विकिरणचिकित्सा	1117	956	2073	3879	4323	8202
24.	शल्यक अर्बुदविज्ञान	120	135	255	151	131	282
25.	प्रतिरोप	09	03	12	431	130	561
26.	मूत्ररोगविज्ञान असाध्यता	182	24	206	1264	79	1343
	कुल	**4680**	**3930**	**8610**	**40085**	**35376**	**75461**

कुल दाखिले 28872 नियमित 5213 अल्प / दिवस उपचार, 23659

कुल अस्पताल से छुट्‌टी 28564 नियमित 5093 अल्प / दिवस उपचार, 23471

कुल मृत्यु 280

ऑपरेशन थिएटर सेवा 6085 बड़े 782 छोटे 5303

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफ (ईसीजी) 2571 **ओपीडी प्रक्रियाएं (उपचार कक्ष 15)** 5170

ओपीडी कीमोथेरेपी (सीटी) सेवाएं (उपचार कक्ष सं. 15) 10069

पुरुष 6773 महिला 3071 पुरुष शिशु 156 महिला शिशु 69

निवास स्थान के अनुसार भौगोलिक वितरण (8610)

राज्य	कुल	राज्य	कुल
आंध्र प्रदेश	7	असम	31
अरूणाचल प्रदेश	3	बिहार	1011
चण्डीगढ़	3	छत्तीसगढ़	13
दिल्ली	2934	दादर और नागर हवेली	3
दमन और द्वीप	1	हरियाणा	1030
हिमाचल प्रदेश	32	जम्मू और कश्मीर	89
झारखण्ड	101	केरल	15
कर्नाटक	3	मध्य प्रदेश	96
महाराष्ट्र	5	मेघालय	2
मणिपुर	32	मिजोरम	1
नागालैण्ड	6	उड़ीसा	80
पंजाब	75	पाण्डीचेरी	1
राजस्थान	156	सिक्किम	21
त्रिपुरा	3	उत्तर प्रदेश	2472
उत्तरांचल	290	पश्चिम बंगाल	51
अन्य देश	43		

संवेदनाहरण विज्ञान सेवाएं

विभाग में सुविधाएं उपलब्ध हैं

1. पश्च ऑपरेटिव रोगियों के लिए आईसीयू सुविधाएं।
2. संवेदनाहरण विज्ञान संबंधी कार्य के अतिरिक्त एक सप्ताह में चार बार पी ए सी तथा पीड़ा एवं प्रशामक क्लिनिक चलाया जाता है।

3. एन जी ओ द्वारा उच्च असाध्यताओं वाले रोगियों को गृह आश्रय देना तथा फॉलो-अप रिपोर्टों को जानने के लिए उनके साथ मासिक बैठक का आयोजन करना।

4. रेडियो थेरेपी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान के रोगियों के लिए क्रिटिकल उपचार प्रदान करना।

5. बाल विकिरणचिकित्सा हेतु सुविधा।

6. अस्थि मज्जा बायोप्सी, लेट्रल लाइन प्रवेशन अस्थि मज्जा हार्वेस्टिंग तथा अन्य जैसी अल्प बाल अर्बुदविज्ञान प्रक्रियाओं के लिए संवेदनाहरण।

7. लिवर, फेफड़ा एवं स्तन कार्सिनोमा हेतु संवेदनाहरण, रेडियो फ्रिक्वेंसी उच्छेदन के तहत बाल विकिरणविज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के लिए सुविधा।

8. वरब्रोप्लास्टी

9. स्क्रैम्बलर थेरेपी

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सेवाएं

हीमोग्राम (एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स)	54764
परीसरिए रक्त लेप (पी बी एस)	6420
अस्थि मज्जा चूषण (बी एम)	3201
साइटो कैमिस्ट्री	739
सीरम प्रोटीन (एस पी ई)	2859
इम्यूनोफिक्सेशन (आई एफ एक्स)	223
यूरीन इलेक्ट्रोपोरेसिस (यू ई)	682
ए पी ए ए पी	71
फ्लो 24376	
एफ एन ए सी (लसीका पर्व)	45
साइटो स्पिन	329
ई एस आर	2340
कुल	**96049**

एफरेसिस

एकल दाता प्लेटलेट्स (एस डी पी)	2070
पसीसरिए रक्त मूल कोशिका हार्वेस्ट (पी बी एस सी)	138
हीमोग्राम	15461
प्लाज्मा	01
कुल	**17670**

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

क्लिनिकल सेवाएं

नए केस (सी टी ई + एल एल) 1965 पुराने केस (सी टी ई + एल एल) 44094 **कुल 46059**

दिवस उपचार में कुल कीमोथेरेपी 23471 ओ पी डी कीमोथेरेपी 5170

भर्ती (वार्ड एवं दिवस उपचार = (5213 + 22659) 28872

नैदानिक एवं चिकित्सीय प्रक्रियाएं (एन = 5148)

अस्थि मज्जा बायोप्सी	1058	अस्थि मज्जा चूषण	1813
प्लीयूरल टेपिंग	148	स्किन बायोप्सी	2
कैथेटराइजेशन/निष्कासन	10	अन्य सहायक सेवाएं	82
सीवन/निष्कासन	36		
सेरेब्रोस्पाइनल तरल के साथ इंट्राथिकल थेरेपी			1999

प्रयोगशाला सेवाएं

हीमोग्राम	15460	एकल दाता प्लेटलेट (एसडीपी)	1972
एस डी पी संग्रहित	3944	निष्पादित इंफ्यूशंस की संख्या	113

साइटोजेनेटिक्स

फिलोडेल्फिया क्रोमोजोम की पहचान हेतु	404	केमिरिज्म हेतु	4
पी बी एस सी का क्रायोप्रिजर्वेशन	28	मोनोन्यूक्लियर कोशिका गणना	117
मूल कोशिकाओं की व्यावहारिकता	113	मूल कोशिकाओं की सी डी 34 गणना	82
मूल कोशिकाओं की सी डी 3 गणना	11	ल्यूकीमिया के लिए इम्यूनो फिनोटाइपिंग	6

पोलीमिरेज़ चेन रिएक्शन

सी एम एल (गुण संबंधी) में पी 210 तथा पी 190 ट्रांस्लोकेशन की पहचान हेतु आर टी - पी सी आर 183

सी एम एल (परिमाण संबंधी) में 210 तथा पी 190 ट्रांस्लोकेशन की पहचान हेतु आर क्यू पी सी आर 33

ए एम एल में एफ एल टी - 3 प्रत्यावर्तनों की स्क्रीनिंग 93

अस्थि मज्जा हार्वेस्ट 2 पसीसरिए रक्त मूल कोशिका हार्वेस्ट 123

4^0 सी में पसीसरिए रक्त मूल कोशिकाओं का संग्रहण 101

ग्रेनुलोसाइट हार्वेस्ट 10 ऐस्परगिलोसिस पहचान हेतु एलिसा1163

प्लाज्मा परिवर्तन 2

चिकित्सा भौतिकी सेवाएं

इरेडिएटिड रक्त बैगों की संख्या	832
एक्स रे मशीनों पर की गई गुणवत्ता गारंटी जांच	1568

डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं. में फिल्म प्रोसेसर पर की गई गुणवत्ता गारंटी जांच	237
विकिरणविज्ञान (मुख्य) में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता गारंटी जांच	770
एक्स रे एककों में विकिरण आउटपुट माप	362
अ. भा. आ. सं. में फिल्म प्रोसेसर पर किया गया गुणवत्ता जांच	183
विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	12
सगर्भता हेतु असावधानीवश अनावरण में सलाह	06
मेमोग्राफी में विकिरण आउटपुट संगति	133
कुल	**4103**

विकिरणचिकित्सा सेवाएं

विकिरणचिकित्सा पर केस	41736
विकिरणचिकित्सा पर कुल क्षेत्र	113308
ब्रैकीथेरेपी पर केस	643
उपचार योजना एवं अनुरूपण	4449
दो एवं तीन डायमेंशनल डोज़ वितरण	557
कंपेंसेटर्स	410
शिल्डिंग ब्लॉक्स इम्मोबिलाइजेशन डिवाइसिस एवं ओरेफिट्स	1995
विकिरण समीक्षा क्लिनिक	4587
कुल	**167685**

विकिरणनिदान सेवाएं

सी टी स्कैन	5308	अल्ट्रासाउण्ड	4695
मेमोग्राफी	1119	एक्स-रे (नैमिक)	12494
डोप्लर	248	इंटरवेंशन	763
विशेष जांच	91	यू एस (पोर्टेबल)	12
कुल	24730		

शल्यक अर्बुदविज्ञान सेवाएं

1. छोटा ऑपरेशन थिएटर : लघु ओ टी में लसीका पर्व बायोप्सी, पंच / ट्रूकट बायोप्सी, त्वचा / मुखीय ट्यूमर्स का उच्छेदन, मृदु ऊतक ट्यूमर्स, फीडिंग जेजुनोस्टॉमी, कोलोस्टॉमी, दीर्घ अवधि कीमोथेरेपी के लिए हिकमेन्स कैथेटर / कीमो पोर्टस का प्रवेशन सहित नैदानिक एवं लघु चिकित्सीय प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं
2. इण्डोस्कॉपी सेवाएं (नैदानिक एवं चिकित्सीय

नैदानिक इण्डोस्कॉपी : फाइबर ऑप्टिक ऊपरी जी. आई. इण्डोस्कॉपी, एक तरफ दृष्टिगत डयूडिनो - स्कॉपी, कोलोनोस्कॉपी, सिग्मॉडोस्कोपी, ब्रोंकोस्कॉपी, सिस्टोस्कॉपी, नेसोफेरिंगो लैरिंगोस्कॉपी तथा लैप्रोस्कॉपी।

चिकित्सीय इण्डोस्कॉपी : स्ट्रिक्चर डिलाटेशन, इंट्राल्यूमिनल रेडियोथेरेपी, स्टेंटिंग तथा त्वचीय इण्डोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी।

3. बड़ा ऑपरेशन थिएटर : सिर एवं गला, जी आई पथ, स्तन, अस्थि एवं मृदु ऊतक, स्त्रीरोगविज्ञानात्मक दुर्दमताएं एवं वक्ष ट्यूमर्स सहित ट्यूमरों के रेडीकल रिसेक्शन एवं रीकंस्ट्रक्शन समेत सभी प्रमुख कैंसर शल्यचिकित्साओं हेतु सुविधाएं उपलब्ध हैं। उच्च पुनः संरचनात्मक शल्यक प्रक्रियाएं भी उपलब्ध हैं इसके अतिरिक्त लेज़र, कुसा, हार्मोनिक, स्केल्पल, सर्जिबोन, वेसालियस एवं इंट्रा ऑपरेटिव रेडियोथेरेपी जैसी उच्च श्रेष्ठ प्रौद्योगिकियां भी इसमें हैं।

निष्पादित किए गए छोटे ऑपरेशनों एवं इण्डोस्कॉपिक प्रक्रियाओं की कुल संख्या : **5303**

निष्पादित किए गए बड़े ऑपरेशनों की कुल संख्या : **782**

सामुदायिक सेवाएं

1. डॉ. एन के शुक्ला ने जनरल पब्लिक हेतु स्तन कैंसर में शल्यचिकित्सा पर पैनल परिचर्चा में भाग लिया, नवंबर 2011, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

2. डॉ. एन के शुक्ला इण्डियन ओस्टॉमी सोसायटी के वरिष्ठ चिकित्सा सलाहकार हैं एवं वह ओस्टॉमी रोगियों के उपचार में सम्मिलित हैं।

3. डॉ. एस. वी. एस. देव ने एक विशेषज्ञ के रूप में कैंसर पर दूरदर्शन स्वास्थ्य शिक्षा टी वी कार्यक्रम में भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. सुषमा भटनागर कार्टोयम सुदान के लिए इंपेक्ट मिशन हेतु डब्ल्यू एच ओ द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में नामित हुई थीं, 23-26 अप्रैल 2012। वह इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ पेन द्वारा अत्यधिक गौरवपूर्ण पुरस्कार विकासशील देशों में एक्सीलेंस ऑफ पेन मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च के लिए चुनी गई तथा वह वर्ल्ड जनरल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी के एडीटोरिएल बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित हुई। वह ओपियाइड्स पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के सदस्य के रूप में चुनी गई थीं, जून 2012। डॉ. सुषमा को मुखीय मोर्फिन की तुलना में कैंसर पीड़ा उपचार कार्यशाला का संचालन करने के लिए एक संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया, भोपाल, म. प्र., 12 सितंबर 2011 तथा इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट 2011 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 8 से 11 सितंबर 2011 को कैडावेरिक कार्यशाला के साथ एफ आई पी पी समीक्षा पाठ्यक्रम में आमंत्रित किया गया। उन्होंने इंटरवेंशनल एकेडमी ऑफ ओरल ओंकोलॉजी (आई ए ओ ओ) यिन एवं यिन के तीसरे विश्व सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुतीकरण दिया : संतुलित उपचार एवं परिणाम, सिंगापुर, दिनांक 14 - 17 जुलाई 2011 तथा वह विज्ञाान एवं आध्यात्मिक जिज्ञासा (ए आई एस एस क्यू 2011) पर 6वें सम्मेलन हेतु सह सभापति थीं, दिल्ली, 13 मार्च 2011। वह 6 जून 2011 को कट्टक, उड़ीसा में आचार्य हेहेर रीजनल कैंसर सेंटर में प्रशामक उपचार के स्तर को देखने के लिए डब्ल्यू एच ओ परियोजना द्वारा विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त की गई हैं। वह इण्डियन जरनल ऑफ पैलिएटिव केयर की संपादक बनी हुई हैं, वह अमेरिकन जरनल ऑफ होस्पाइस एण्ड पैलिएटिव मेडिसिन के संपादकीय मण्डल की सदस्य हैं तथा इण्डियन जरनल ऑफ पैलिएटिव केयर के संपादकीय मण्डल की सदस्य के रूप में बनी हुई हैं।

डॉ. प्रतीक कुमार एम एम एच कॉलेज, गाजियाबाद में इंटेंसिटी मोडुलेटिड रेडिएशन थेरेपी के स्टडी ऑफ फिजिकल एवं डोसीमेट्रिक ऐस्पेक्ट नामक शीर्षक शोध प्रबंध के लिए चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा पी एच डी के मौखिक परीक्षा के परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए; वह दिल्ली विश्वविद्यालय एच एन वी गढ़वाल विश्वविद्यालय तथा अ. भा. आ. सं. में चार पी एच डी शोध प्रबंध एवं परियोजनाओं के लिए सह पर्यवेक्षक के रूप में आमंत्रित हुए थे; दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली में प्रोटॉन थेरेपी एवं अनुसंधान सुविधा को स्थापित करने के लिए प्रोटॉन साइक्लोट्रॉन एवं सहयोगी उपकरणों के तकनीकी

विशिष्टताओं पर बैठक के लिए तकनीकी विशेषज्ञ; एल एन जे पी अस्पताल में विकिरण मुद्दों के संबंध में उसी स्थान पर पूछताछ में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एन एच आर सी), नई दिल्ली द्वारा विकिरण सुरक्षा में विशेषज्ञ; इंटर यूनिवर्सिटी एक्सीलेरेटर सेंटर (यू जी सी के अधीन), दिल्ली में न्यूट्रॉन शील्डिंग स्लाइडिंग डोर के बोराटिड पोलीइथेलिन एवं फेब्रिकेशन की प्राप्ति के लिए तकनीकी समिति में बाह्य विशेषज्ञ; पराचिकित्सीय विज्ञान राजस्थान, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के संकाय हेतु बाह्य विशेषज्ञ; सदस्य, वैज्ञानिक कार्यक्रम समिति, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट्स ऑफ इण्डिया (ए एम पी आई), 16 से 19 नवंबर 2011, सी एम सी वैल्लोर; परियोजना सेवाएं यूनाइटिड नेशन डिवेलपमेंट प्रोग्राम (यू एन डी पी), नई दिल्ली द्वारा बाह्य विशेषज्ञ; आई जी एन ओ यू, नई दिल्ली द्वारा प्रश्न बनाने वाले (क्वैश्चन सेटर) के रूप में नियुक्त हुए थे; न्यासी बोर्ड, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट्स ऑफ इण्डिया (ए एम जी आई) के सदस्य चुने गए। डॉ. प्रतीक मेडिकल फिजिक्स क्रोनिकल के संपादक बने हुए हैं; जनरल ऑफ मेडिकल फिजिक्स के संपादकीय मंडल के सदस्य हैं; इलेक्ट्रोमेडिकल इक्वेपमेंट सेक्शनल कमेटी, बी आई एस, नई दिल्ली के सदस्य हैं।

10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

प्रमुख एवं आचार्य नेत्रविज्ञान

राजवर्धन आज़ाद (5 अक्तूबर 2011 से प्रभावी)

भूतपूर्व प्रमुख एवं आचार्य नेत्रविज्ञान

सुप्रियो घोष

आचार्य

रसिक बी. वाजपेयी	विमला मेनन	एस. पी. गर्ग
अनिता पांडा	वाई. आर. शर्मा	अतुल कुमार
प्रदीप शर्मा	रमनजीत सिहोटा	गीता सतपथी (नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान)
जे.एस. तितियाल	राधिका टंडन	एस. के. खोखर
महेश चंद्रा	दिलीप आर. शिंदे (संवेदनाहरण विज्ञान)	मनदीप सिंह बजाज

चिकित्सा अधीक्षक

शक्ति कुमार गुप्ता

अपर आचार्य

राज पाल	निरंजन नायक (नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान)	सीमा सेन (नेत्र विकृति विज्ञान)
संजय शर्मा (विकिरण निदान)	सीमा कश्यप (नेत्र विकृति विज्ञान)	नम्रता शर्मा
प्रदीप वेंकटेश	तनुज दादा	नीलम पुष्कर
टी. वेलपंडियन (नेत्र भेषजगुणा विज्ञान)	प्रवीण वशिष्ट (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)	जसबीर कौर (नेत्र जैव रसायन विज्ञान)

सह-आचार्य

रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता	रेनू सिन्हा (संवेदनाहरण विज्ञान)
तुषार अग्रवाल	एम. वनाथी	राजेश सिन्हा
भावना चावला		पारिजात चंद्रा

विशिष्टताएं

आचार्य राजवर्धन आज़ाद, एशिया पेसिफिक अकेडमी ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी (एपीएओ) के अध्यक्ष चुने गए वह पहले भारतीय है जिन्हें यह उत्तरदायित्व प्रदान किया गया। उन्हें 2013 में हैदराबाद में ए पी ए ओ - ए आई ओ एस कांग्रेस का भी अध्यक्ष चुना

गया, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार) का सलाहकार (नेत्रविज्ञान); आर्म्ड फोर्सिस मेडिकल सर्विसिस का सलाहकार तथा वि. स्वा. संगठन के सहयोगी सेंटर फॉर प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस का निदेशक नियुक्त किया गया। केंद्र में नवीन सुविधाएं जैसे आर. ओ. पी. स्क्रीनिंग, फेमेटोसेकेण्ड लेज़र, स्पेशल कांटेक्ट लैंस फिटिंग फॉर कीरेटोकोनस, कोलेजन क्रॉस लिंकिंग एवं टोरिक इंट्राऑक्युलर लैंस आरोपण को प्रारंभ किया गया। इनोवेटिव कॉर्नियल प्रत्यारोपण तकनीक को विकसित किया गया।

आचार्य आर. वी. आजाद के मार्गदर्शन में केंद्र में राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा रजिस्ट्री कार्यरत है। इस परियोजना के तहत ग्लोब साल्वेज तथा विज़न सॉल्वेज की नवीन नियमन जैसे ट्रांसप्यूपिलरी थर्मोथेरेपी तथा सिस्टेमिक कीमोरिडक्शन के प्रयोग की पद्धति को दर्शाया गया है।

मानव रेटिनोब्लास्टोमा में विभिन्न प्रकार के उत्पन्न जीनो की पहचान, माइक्रोएरी विश्लेषण द्वारा की गई जिसे प्रत्यक्ष नैदानिक, पूर्वानुमानित तथा उपचारित एप्रोच के लिए नए टारगेट के तौर पर प्रयुक्त किया जा सकता है। यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है। रेटिनल एंजियोजेनेसिस के प्रायोगिक मॉडल में मेरीन आइसोलेट एवं नैचुरल प्रॉडक्ट की स्क्रीनिंग हेतु यह एक नई औषधि की खोज है। मानव नेत्र में मैकुलर जेन्योफिलिस तथा फलों एवं सब्जियों में फेरोटिनॉइड्स के स्तरों की खोज की गई।

केंद्र के आधुनिकीकरण के लिए नवीनतम तकनीकी तथा सुविधा के मास्टर प्लान को हाल ही में प्रारंभ किया गया है। ओ. पी. डी. पंजीकरण काउंटर का कंप्यूटरीकरण पहले ही किया जा चुका है तथा अन्य क्षेत्रों में कार्य जारी है। केंद्र द्वारा सभी रोगियों (दिवस उपचार सेवाओं सहित) को उत्तम सेवा प्रदान किए जाने की दिशा में कई अवरोधों के बावजूद उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। हाल ही में रोगी उपचार सेवाओं तथा अनुसंधान कार्यों में सुस्पष्ट रूप से सुधार किया गया है। दिनांक 25 अगस्त से 8 सितंबर 2011 तक आयोजित राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह एवं श्रीमती मनमोहन सिंह, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री सुदीप बंदोपाध्याय तथा श्रीमती अंजलि इला मेनन (आर्टिस्ट), द्वारा नेत्रदान की शपथ ली गई।

शिक्षा

एम. बी. बी. एस. : 45 एम. डी. : 24 (उत्तीर्ण) बी. एस. सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान : 36 पूल अधिकारी : 3 10 विद्यार्थी उत्तीर्ण

पीएच. डी. : 22 एस. आर. नेत्रविज्ञान : 40

अल्प एवं दीर्घ कालिक प्रशिक्षण

देश के विभिन्न भागों से आए 36 अल्पकालिक प्रशिक्षणर्थियों तथा 10 नेत्रविज्ञानियों को विशिष्टता के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला

1. रीच इन प्रोग्राम पर सूचना कार्यक्रम, 31 मार्च 2012
2. अखिल भारतीय नेत्रविज्ञानी सोसायटी का 70वां वार्षिक सम्मेलन, कोचीन, 1 से 5 फरवरी 2012
3. रीसेंट एडवांस इन एंटीरियर सेग्मेंट सर्जरी, अखिल भारतीय नेत्रविज्ञान सोसायटी (ए आई ओ एस), सिरसा, 18 दिसंबर 2011
4. कुरिकुलम डेवलपमेंट फॉर द ट्रेनिंग ऑफ वालंटियर्स इन प्राइमरी आई केयर सर्विसिस पर कार्यशाला 31 रा. प्र. केंद्र, 12 दिसंबर 2011।
5. इण्डियन आर्गन डोनेशन डे - 2011 के अवसर पर ऑर्गन एवं उत्तक दान पर राष्ट्रीय सेमिनार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एक विश्व स्वास्थ्य संगठन, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली, 28 दिसंबर 2011।

6. नेत्र बैकिंग एवं कॉर्निया ट्रेन्डज़ 2011, भारतीय नेत्रकोष संघ, अभिनव दृष्टि नेत्र अस्पताल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 26-27 नवंबर 2011।

7. नेत्रविज्ञानियों, ऑप्टोमेटरिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं फील्ड इन्वेस्टीगेट्र्स स्टाफ के लिए आर. आई. ओ. गुवाहाटी एवं रा. प्र. केंद्र द्वारा बहु केंद्रीय अध्ययन आई सी एम आर - यू वी आर अध्ययन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम, 9 से 11 सितंबर 2011।

8. एन सी आर, डॉ. रा. प्र. केंद्र, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में 6 दिसंबर 2011 को दिल्ली के अस्पतालों में अपेक्षित अनुरोध पॉलिसी तथा अस्पताल कॉर्नियल रिट्राइवल कार्यक्रम, (एच सी आर पी) की प्रमोट कार्यशाला।

9. जिला गुड़गांव में 4 से 11 जुलाई 2011 को सी एच सी के "प्राइमरी आई केयर" पर आशा वर्कर्स के लिए चार प्रशिक्षण कार्यक्रम।

10. डॉ. रा. प्र. केंद्र, अ. भा. आ. सं. में दिनांक 6 से 7 अप्रैल 2011 को कॉर्निया, केटारेक्ट तथा रिफ्रेक्टिव सर्जरी पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

प्रदत्त व्याख्यान : 130

शोधपत्र / विज्ञापन प्रस्तुत : 78

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा रजिस्ट्री

2. समानांतर समूहों में 0.3 एम जी पेगाप्टेनिब सोडियम (मेकुजने ®)के इंट्राविनस इंजेक्शन की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता की तुलना हेतु एक फेज 2/3 यादृच्छिक, नियंत्रित, डबल मास्कड, बहु केंद्रीय, तुलनात्मक परीक्षण, 2 वर्ष के लिए प्रति 6 हफ्ते तक, मैक्युला केंद्रित सम्मिलित मधुमेहग्रस्त मैक्युलर ऐडमा (डीएमई) से पीड़ित व्यक्तियों में शेम इंजेक्शन प्रदान किया गया प्रोटोकॉल सं. ए 5751013, 2006 (विस्तारित)

3. कोरोलाइडल नियोवस्कुलराइजेशन (मॉनेट स्टडी) से पीड़ित व्यक्तियों के उपचार में पी एफ - 04523655 बनाम रेनिबिज़ुमेब का फेज़ - 2 बहुकेंद्रीय, सापेक्षिक, यादृच्छिक, आयु संबंधी मैक्यूलर डिजनरेशन कंपेरेटर नियंत्रित डोज़ रेंजिंग अध्ययन।

4. बिहार के चुने हुए क्षेत्रों में 0 से 5 वर्ष के बच्चों में एनोप्थेलमिया तथा / अथवा माइक्रोप्थेलमिया के जानपदिकरोग विज्ञान संबंधी आई सी एम आर टास्क फोर्स परियोजना।

5. कोरोलाइडल नियोवस्कुलराइजेशन तथा पेथोलॉजिकल मायोपिया के कारण दृष्टिहीन रोगियों में 0.5 एम. जी. रेनिबिज़ुमेब बनाम बर्टिप्रोफिन पी डी टी के दो विभिन्न खुराक रेजिमन की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा संबंधी एक 12 माह, फेज 3, यादृच्छिक, डबल मास्कड, बहुकेंद्रीय, सक्रिय नियंत्रित अध्ययन।

6. भारत में 8 केंद्रों में निर्मित आर ओ पी क्षमता हेतु साइटसेवर फेज 2 कार्यक्रम।

7. रेटिनोब्लास्टोमा में पोलो लाइक किनेस प्रोटीन्स की भूमिका एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन।

8. टेरिटरी लेवल के सरकारी अनुदान प्राप्त नेत्र चिकित्सालय में आई ओ एल चॉयस रोगियों तथा मोतियाबिंद से पीड़ित रोगियों की ऑपरेशन पूर्व काउंसलिंग के प्रभाव का निर्धारण।

9. भारत के उत्तरी इलाके में अस्पताल आधारित जनसंख्या में शुष्क नेत्र एवं उसके सब्टाइप्स का प्रभाव।

10. विद्यालय जाने वाले बच्चों में मायोपिया की उत्पत्ति तथा विकास का मूल्यांकन।

11. शहरी स्लम में ओ ई यू आर पी सी प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएं।
12. एन. सी. आर. में मोतियाबिंद तथा रिफ्रेक्टिव दोष के लिए सेवाओं की उपलब्धता।
13. पश्चिमी दिल्ली के शहरी जनसंख्या में व्यापक नेत्र उपचार सेवाएं।
14. आईलिड के सिबेसियस सेल कार्सिनोमा में आस्ट्रोजन तथा प्रोजेस्टेरॉन रिसेप्टर्स की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पहचान।
15. ऑक्युलर एडनेक्सल लिम्फोमा एवं फेलामाइडिया : एक इम्यूनोफिनोटाइपिक एव मॉलीक्यूलर अध्ययन।
16. रेटिनोब्लास्टोमा में सेल डिविज़न चक्र (सी डी सी 25) की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पहचान।
17. इंट्राऑक्युलर मेलिग्नेंट बाल्यावस्था अर्बुद में एच. एम. जी. प्रोटीन्स की भूमिका।
18. ऑक्युलर सेल नियोप्लासिया तथा अन्य ट्यूमर सप्रेसर्स् के साथ उसके सह संबंध में स्टार्टिफेन की भूमिका।
19. भारतीय नेत्र कोषों के लिए कॉर्नियल प्रत्यारोपण संरक्षण हेतु गुणवत्ता नियंत्रित पैरामीटर्स तथा डिस्पेन्सिंग एम के मीडिया का विकास।
20. रेटिनोब्लास्टोमा के उपचार में खरगोशों में कैंसर प्रतिरोधी एजेंट के नेत्रीय काइनेटिक्स का प्रभाव तथा संभावित बहुलताओं पर उसके प्रयोग का मूल्यांकन। ,
21. पशु मॉडल्स में क्वीनेक्राइन संबंधी फार्माकोकाइनेटिक एवं बायोडिस्पोजिशन अध्ययन।
22. कॉर्नियल एपीथिलियल स्टेम सेल्स के मानव एमनियोटिक मेम्ब्रेन के लिए एक्स वाइवो विस्तार के विकल्प सब्स्ट्रेट के तौर पर प्रस्तुत संभावित बायोपॉलीमर का विकास।
23. गंभीर नेत्र ज्वलन संबंधी तुलनात्मक एमनियोटिक मेम्ब्रेन प्रत्यारोपण के रोगियों में कल्टीवेटिड एपिथिलियल कोशिका प्रत्यारोपण की प्रभावकता का मूल्यांकन।
24. असेम्बलिंग मानव कॉर्नियल निर्माण हेतु सेल शीट इंजीनियरिंग।
25. भारत में प्रारंभिक ग्लोकोमा रोगियों के बीच एम एम सी ऑग्मेंटिड ट्रेबिकुलेक्टॉमी की सफलता द्वारा संबंधित नैदानिक एवं हिस्टोपैथ कारकों का मूल्यांकन।
26. उन्नत इंट्राऑक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा में नैदानिक विशेषताओं, इमेजिंग विशेषताओं तथा हिस्टोपेथोलॉजिकल खोजों का मूल्यांकन।
27. प्रोस्टेट कैंसर की पहचान में ट्रांस रेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलेस्टोग्राफी तथा कंट्रास्ट इन्हेंसड् सोनोग्राफी का मूल्यांकन।
28. भारत में वयस्क तथा किशोरों में प्रारंभिक ग्लेकोमा (काला मोतिया) के रोगियों के बीच माइटोमाइसिन ऑग्मेंटिड ट्रेबिकुलेक्टॉमी की सफलता से संबंधित कारकों का मूल्यांकन।
29. किशोरावस्था में प्रारंभिक ओपन एंगल ग्लोकोमा के निवारण में गंभीरता संबंधी संबंद कारक।
30. किशोरावस्था में प्रारंभिक ओपन एंगल ग्लोकोमा में फीनोटाइप जीनोटाइप सह संबंध।

पूर्ण

1. गंभीर स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम में नेत्र प्रशामक के नियंत्रण में टॉपिकल साइक्लोस्पोरिन की ए 1 प्रतिशत ड्रॉप्स का मूल्यांकन।
2. नेत्र तथा ऑर्बिटिन बच्चों का मेलीग्नेंट ट्यूमर उपचार से परिवर्तनीय नैदानिक, ट्यूमर मेकर्स की भूमिका।
3. हीमोरिडक्शन तथा फोकल उपचार एवं उच्छेदन के रेटिनोब्लास्टोमा रोगियों में सीरियल अल्ट्रासोनिक मूल्यांकन तथा उसका क्लीनिकोपेथोलॉजिकल सह संबंध।

4. उच्च सघनता फेरोस पॉलीथाइलेन अक्षु नलिका ट्यूब में प्रयुक्त कंजाक्टिवोडाक्रायोसिस्टोराइनोस्टॉमी।

5. संस्थानीय सेटिंग में इनक्रिसिंग एवं सस्टेनिंग नेत्र दान में ग्रीफ काउंसलर बनाम प्रशिक्षित नर्सों का प्रभाव।

6. दिल्ली में शहरी स्लम में नेत्र उपचार सेवाओं की जागरूकता एवं अभ्यास संबंधी के. ए. पी. अध्ययन।

7. एमिओबिक केरेटाइटिस एवं सी एन एस संक्रमण तथा पी सी आर ऐसे में शीघ्र निदान हेतु परंपरागत पद्धतियों का जीनोटाइप निर्धारण।

8. गंभीर हेमरेजिक कंजक्टिवाइटिसिस के लिए उत्तरदायी एंट्रो वायरस 70 एवं कॉक्सेकिवायरस ए 24 वायरल के लिए स्मॉल इंटरफेरिंग आर एन ए (साइ आर एन ए एस) का विकास।

9. डिवाइस रिलेटिड संक्रमण में कोगुलेस नेगेटिव स्टेफाइलोक्रोकी एवं उनके बायोफिल्मस का फीनोटाइपिक मॉलीक्यूलर एवं अल्ट्रास्ट्रक्चरल अध्ययन।

10. चिरकारी राइनोसाइटिसिस एवं ऑर्बिटल सेल्यूलाइट्स में माइक्रोबायल बायोफिल्मस की विवक्षा।

11. आईलिड् ट्यूमर्स का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर विश्लेषण।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. डायबेटिक मैक्यूलर एडेमा एवं प्रोलाइफिरेटिव डायबेटिक रेटिनोपैथी में पास्कल फोटोकोएगुलेशन के साथ कंवेशनल लेज़र फोटोकोएगुलेशन के प्रभाव की तुलना हेतु एक यादृच्छिक भविष्य सापेक्ष अध्ययन।

2. ब्रांच रेटिनल वेन आक्युलज़न में लुसेंटिस बनाम लेज़र की तुलना।

3. प्रोलाइफिरेटिव डायबेटिक रेटिनोपेथी में एंगल नियोवस्कुलराइजेशन की शीघ्र पहचान के लिए रैटकेम एसीटेड फ्लूरेसेइन एंजियोग्राफी बनाम गोनियोस्कॉपी की तुलना।

4. डायबेटिक मैक्यूलर एडेमा के रोगियों में प्रयुक्त एस डी ओ सी टी एवं मल्टीफोकल ई आर जी का प्रयोग करते हुए फोबीयल फोटोरिसेप्टर लेयर की इंटिग्रिटी में विजुअल एक्यूटी का पारस्परिक संबंध।

5. डायबेटिक विट्रियो रेटिनल सर्जरी में इंट्राऑपरेटिव विवेकी ज़ुमेंब के एनोटॉमिकल एवं फंक्शनल परिणाम।

6. डायबेटिक ट्रेक्शनल रेटिनल डिटेचमेंट के उपचार में 23 जी एवं 25 जी माइक्रोइनसीजन विटरेक्टॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन।

7. समयपूर्व रेटिनोपैथी के उपचार के लिए लॉर्ज स्पॉट लेजर बनाम स्टैंडर्ड स्पॉट लेजर की तुलना।

8. मिनिमल गॉज डाइ इन्हेंसड मैनेजिंग हेतु मैक्यूलर होल सर्जरी वेरिंग गैस मिक्सचर (18 प्रतिशत सी 3 एफ 8,25 प्रतिशत एस एफ 6) में सफलता हेतु प्रिडिक्टर्स का तुलनात्मक अध्ययन।

9. पोस्टिरियर सेग्मेंट ट्रॉमा विट्रोरेटिनल सर्जरी का एनाटॉमिकल एवं विजुअल परिणाम।

10. समयपूर्व रेटिनोपेथी के उपचार में पोस्टिरियर लेज़र बैरेज की भूमिका।

11. ड्राई एज संबंधित मैक्यूलर डिजनरेशन से पीड़ित रोगियों तथा रेटिनाइटिस पिग्मेंटोसा एवं अलाइड हियरडो रेटिनल डाइस्ट्रोफि के पुनर्स्थापन हेतु ऑटोलोगस अस्थि मज्जा डिवाइड स्टेम सेल का प्रयोग एक प्रभावी परीक्षण।

12. मैक्यूलर छिद्र सर्जरी में सफलता हेतु प्रिडिक्टर्स का मूल्यांकन।

13. रेबिट मॉडल में एंजियोजेनेसिस में एंटी वी ई जी एफ एजेंटों की तुलना।

14. आर ओ पी में सेलिनियम एवं ग्लूटाथिरोन स्तर।

15. विट्रोरेटिनल सर्जरी में अपेक्षित फेस्टिरियर सेग्मेंट ट्रॉमा का एनाटॉमिकल एवं विजुअल परिणाम।

16. रेटिना संबंधी गड़बड़ी में स्टैण्डर्ड एंजियोग्राफी द्वारा वीडियो एंजियोग्राफी की तुलना।

17. बाल चिकित्सा एपिफोरा रोगियों की प्रोफाइल।

18. बच्चों में आइलिड में मुखी बनाम इंट्रालेज़नल प्रोपेनॉल तथा पेरीऑर्विटल हीमेंगिओमास का मूल्यांकन।

19. सिकाट्राइशियल एक्ट्रोपियन में त्वचा ग्राफ्टिंग - सूचर बनाम फाइब्रिन ग्लू।

20. ऑर्बिटल एवं पेरीऑर्बिटल विक्षति में सूक्षम निडिल बायोप्सी की भूमिका।

21. फंगल ऑर्बिटल संक्रमण के उपचार में वोरीकोनोज़ोल।

22. रेटिनोब्लास्टोमा में कीमोरिडक्शन असफलता एक नैदानिक एवं हिस्टोपैथोलॉजिकल जोखिम कारक संबंधी अध्ययन।

23. ऑक्युलर सरफेस स्केमस नियोप्लासिया में कोशिका चक्र रेगुलेटरी प्रोटींस का मॉलीक्यूलर अध्ययन एवं प्रभावन।

24. रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमरजन्यता से संबंधित मिथोकांड्रियल जीन एसोसिएटिड का मॉलीक्यूलर विश्लेषण।

25. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में विभिन्न प्रकार से प्रकट जीनों की पहचान तथा विशेषताएं।

26. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में स्पोप्टोसिस का नियमन।

27. मानव यूविअल मेलानोमा की जीन एक्सप्रेशन प्रोत्साहन।

28. प्राइमरी कंजेनाइटल ग्लोकोमा में सी वाई पी 1 बी 1 म्यूटेशन की क्रियात्मक विशेषताएं।

29. अनिद्रा से पीड़ित रोगियों में सी ए एक्स 6 जीन्स का म्यूटेशनल विश्लेषण।

30. ऑक्युलर सरफेज़ स्किवेमस नियोप्लासिया में कोशिका चक्र रेगुलेटरी प्रोटींस का एक्सप्रेशन।

31. डेबिकुलर मेशवर्क का बेसलाइन इंट्राऑक्युलर प्रेशर तथा हिस्टोपेथोलॉजी के बीच सह संबंध।

32. कॉर्नियल एंडोथिलियल डायस्ट्रोफी की नैदानिक, उत्तक विकृति विज्ञानी एवं जेनेटिक विशेषताएं।

33. नैदानिक एवं हिस्टोपैथ सह संबंध द्वारा ऑर्बिटल विक्षतियों का एफ एन ए सी।

34. चुने हुए ऑक्युलर सरफेज डिसऑर्डर में अश्रु फिल्म लिपिडोमिक्स का मूल्यांकन।

35. दिल्ली के शहरी स्लम में सामान्य नेत्र अवस्था के बारे में स्वास्थ्य संबंधी प्रैक्टिस एवं जागरूकता संबंधी अध्ययन।

36. कॉर्नियल ओपेसिटिज पर समुदाय आधारित जानपदिक रोग विज्ञान अध्ययन।

37. विद्यालय जाने वाले बच्चों में मायोपिया के प्रभाव तथा विकास का निर्धारण।

38. शुष्क नेत्र के उपचार में ओरल रिबेपिमाइड का अध्ययन।

39. आईलिड के सिबेसियस कार्सिनोमा में एपीथिलियल मिसेनकिमल ट्रांसमिशन (ई एम टी)।

40. क्स्ट्राऑक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा हेतु मल्टीमॉडल ट्रीटमेंट एप्रोच का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक अध्ययन।

41. शुष्क क्षेत्र के लिए पॉली हर्बल फार्मुलेशन का विकास (कंप्यूटर विज़न सिंड्रोम)।

42. कंप्यूटर सहायक ड्रग डिजाइन में प्रयुक्त पोस्टमीनूपोज़ल के लिए टॉपिकल एस्ट्रोजन अथवा एंड्रोजन रिसेप्टर मॉडलेटर का विकास।

43. इंट्राऑक्युलर पेनेट्रेशन ऑफ ड्रग्स के लिए कैसेट डोजिंग का मूल्यांकन।

44. इंट्राऑक्युलर पेनेट्रेशन ऑफ ड्रग्स के लिए केटिओनिक ट्रांसपोर्टर्स का मॉड्यूलेशन।

45. मेरिन ओरिजिन द्वारा बायोएक्टिव कंपाउंड का आइसोलेशन एवं मूल्यांकन।

46. गोल्ड फिश में ओ एम आर पैराडिग्मस के प्रयोग द्वारा ऑक्युलर विषाक्तता की प्रिडिक्शन।

47. इण्डियन सोलर अल्ट्रा वॉयलेट रेटिएशन असिस्मेंट प्रोजेक्ट आई एस यू वी आर ए अंडर डब्ल्यू एच ओ डब्ल्यूम एम ओ प्रोग्राम ऑफ इंटरसन।

48. साइट लाइफ दिल्ली आई बैंकिंग पायलट परियोजना।

49. मृत्यु संबंधी प्रिवेंट टाइम का अध्ययन तथा डोनर कॉर्निया के इस्तेमाल पर उसका प्रभाव।

50. मैकेनिकली वेन्टिलेटिड ट्रॉमा रोगियों में कॉर्नियल परिवर्तनों का अध्ययन।

51. इलेक्टिव स्ट्रेबिसमस सर्जरी के तहत बच्चों में पेरीऑपरेटिव एनलजेसिया हेतु 4 पैरासिटामोल एवं फेन्टा नायल की तुलना।

52. सामान्य संवेदनाहरण के तहत नेत्र सर्जरी हेतु स्ट्रज वेबर सिंड्रोम के रोगियों का पेरिऑपरेटिव उपचार।

53. इलेक्टिव स्ट्रेबिसमस सर्जरी के बच्चों मे इंट्राविनस फेंटानियल द्वारा सबटिनन की तुलना।

54. वयस्कों में कफ प्रेशर, वेंटिलेटरी पैरामीटर्स एवं फेरिंगोलोरिंजिल बहुलकता पर एल एम ए कफ इंफ्लेमेशन के लिए एयर ओ$_2$, ओ$_2$, एन$_2$ओ मिश्रण के प्रभाव की तुलना।

55. रेटिनोब्लास्टोमा के इमेजिंग में एम आर आई वेटिड डिफ्यूजन की भूमिका।

56. एक्स्ट्रा ऑक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा के लिए मल्टीमॉडल उपचार का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक अध्ययन।

पूर्ण

1. रेगमेटोजिनियस आर डी के लिए 20जी और 25जी पी पी वी की तुलना।

2. टेरीटरी नेत्र उपचार केंद्र में विट्रोरेटिनल सर्जरी का परिणाम, अ. भा. आ. सं.।

3. कंजेनाइटल सीवियर प्टोसिस हेतु मोडिफाइड लेवेटर प्लीकेशन बनाम फेशिया लता स्लिंग का मूल्यांकन।

4. फुल थिकनेस आईलिड खराबी के पुनः संरचना हेतु लेटरल आईलिड रोटेशन फ्लैप।

5. मेलीग्नेंट आईलिड ट्यूमर्स में सेंटाइनल लिम्फोनोड बायोप्सी।

6. रिग्रेसड रेटिनोब्लास्टोमा के रोगियों में विज़ुअल पैरामीटर्स।

7. आईलिड के सिबेसियस कोशिका कार्सिनोमा में डब्ल्यू एन टी / बीटा केटनिन का हिस्टो इम्यूनोहिस्टोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर अध्ययन।

8. ग्लोकोमा उपचार कम्पलाइन्स में सोशियोइकोनॉमिक्स फैक्टर्स।

9. रा. प्र. केंद्र में नए ग्लोकोमा रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता।

10. एलोजेनिक हीमेटोपोयटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण रोगियों में ऑक्युलर सरफेज़ मूल्यांकन।

11. भारत में प्रारंभिक नेत्र उपचार में 'आशा' वालंटियर की भूमिका।

12. औषधियों के इंट्राऑक्युलर काइनेटिक्स अध्ययन हेतु माइक्रोडायलिसिस तकनीक का विकास।

13. कॉर्नियल ग्राफ्ट रजिस्ट्री के डोनर ट्रेकिंग प्रोटोकॉल एवं स्थापना की वैधता एवं विकास।

14. वैकल्पिक स्ट्राबिलमस सर्जरी के बच्चों में ऑक्युलोकार्डियक रिफ्लैक्स एण्ड प्रोवाइडिंग पेरीऑपरेटिव एनलजेसिया के रोकथाम हेतु टॉपिकल लिग्नोकेन जेल 2 प्रतिशत प्रोपेरेकेन 0.5 प्रतिशत की तुलना।

15. बाल रोगियों में एल एम ए कफ प्रेशन तथा वेंटिलेटरी पैरामीटर्स में विविधताएं एल एम ए कफ एन्फ्लेशन के लिए वायु मिश्रित हवा एवं और का प्रभाव।

16. कंजेनाइटल हृदय रोग से पीड़ित बच्चों में नेत्र शल्यक प्रक्रियाओं हेतु एनेस्थेटिक उपचार : एन ऑडिट।

17. नवजात एवं बच्चों में थ्रेचियल इन्ट्यूबेशन हेतु एयर क्यू इनट्यूबेटिंग लेरेंजिल एयरवे एज़ ए कंड्जिट का मूल्यांकन।

18. आर ओ पी सर्जरी हेतु समयपूर्व पैदा बच्चों के लिए एनेस्थेटिक उपचार : एक रेट्रोस्पेक्टिव अध्ययन।

19. लाक्षणिक लोअर लिम्ब वेरिकोसाइटिस के उपचार में एंडोवीनस लेज़र एब्लेशन, रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन एण्ड शल्यक्रिया का तुलनात्मक मूल्यांकन।

20. कॉर्नियल लिम्बल एपीथिलियल कोशिकाओं का आइसोलेशन, एक्सपेंशन एवं विशेषताएं।

21. ए रेण्डोमाइज्ड प्रोस्पेक्टिव स्टडी फॉर कॉम्परिजन ऑफ इफैक्टस ऑफ पास्कल फोटोकोएगुलेशन विद कांवेंशनल लेज़र फोटोकोएग्लेशन इन डायबिटीक मोलिकुलर एडेमा एण्ड प्रोलाइरेटिव डायबिटीक रेटिनोपैथी।

22. जन्मजात ग्लोकोमा हेतु ट्रेबिकुलेटॉमी द्वारा ट्रेबिकुलेक्टॉमी के दीर्घकालिक विजुअल परिणाम का मूल्यांकन।

23. अंतरराष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा स्टेजिंग प्रणाली के अनुसार स्टेज 3 रेटिनोब्लास्टोमा में स्टेज 2 एवं नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी में एडजुवेंट कीमोथेरेपी का मूल्यांकन।

24. जन्मजात न्यूरोपेथिक स्ट्रेबिसमस में इमेजिंग फाइंडिंग का नैदानिक सह - संबंध।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एन पी सी बी नेशनल सर्विलेंस यूनिट, डॉ. रा. प्र. केंद्र अ. भा. आ. सं., राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता निवारण कार्यक्रम के तहत् स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता निवारण कार्यक्रम द्वारा एवं 22 प्रिवेंटिव एवं सोशल मेडिसिन डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल कॉलेज इन इण्डिया)।

2. भारत 2010-14 में नेत्र स्वास्थ्य पर ग्लोबल वार्मिंग तथा अल्ट्रा वॉयलेट रेडिएशन (यू वी आर) उद्भवन का प्रभाव (आई सी एम आर, आर आई ओ, गुवाहाटी, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एन वी एल), दिल्ली एवं पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इण्डिया, हैदराबाद)।

3. समूह 'ग' एवं 'घ' रेटिनोब्लास्टोमा (सं. रो. कैं. अ. सहित) में नेत्र सॉल्वेज हेतु प्रयुक्त कार्बोप्लेटिन 50 एम जी / एम ^{2} एवं 560 एम जी / एम^2 का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

4. एमनिओटिक मेम्ब्रेन प्रत्यारोपण से बाइलेटरल एक्यूट नेत्र प्रशामक से पीड़ित रोगियों में कल्टीवेटिड ओरल म्यूकोसल एपिथिलियल कोशिकाओं का मूल्यांकन। बहु औद्योगिक परियोजना (पी जी आई एम ई आर द्वारा)।

5. अस्थि मज्जा डिराइवड् स्टेम सेल थेरेपी तथा ट्रेबिकुलर मेशवर्क : एक प्रायोगिक अध्ययन (सं. रो. कैं. अ. द्वारा)।

6. कॉर्नियल प्रत्यारोपण हेतु कॉर्नियल उत्तक दाताओं के एक्सटेंडिंग यूटिलाइजेशन में हार्मोनिंग द्वारा पूर्ण नैदानिक संभाव्यताओं की नीतियां (विकृति विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं. द्वारा)।

7. मॉर्फीन के प्लाज्मा लेवल का निर्धारण तथा उसके फेमेकोडायनेमिक्स के साथ उसके मेटाबोलाइट्स तथा सह संबंध (सं. रो. कै. अ., अ. भा. आ. सं. द्वारा)।

8. ऑटोप्सी ड्रग लेवल विश्लेषण में मार्कर फ्लूड के तौर पर विट्रीयस ह्यूमन का मूल्यांकन (न्यायचिकित्सा विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली)।

9. कैंसर रोगियों के दर्द उपचार हेतु सुदर्शन क्रिया प्राणायाम की रिद्मिक प्रक्रिया का मूल्यांकन (सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं. द्वारा)

10. एलगी द्वारा बायोएक्टिव कम्पोनेंट का मूल्यांकन (भारती दासन विश्वविद्यालय, त्रिचि द्वारा)।

11. टेरीटरी केयर अस्पताल में मेडिको लीगल मामलों में प्रभावित उत्तक एवं अंग दान के कारकों का अध्ययन।

12. प्रारंभिक प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग तथा स्पैक्ट्रोस्कोपिक पद्धतियों की भूमिका (एन एम आर विभाग, अ. भा. आ. सं. द्वारा)।

13. कोरोनरी एथेरोस्फेलिरोटिक प्लॉक का मूल्यांकन (चिकित्सा भौतिक विभाग, अ. भा. आ. सं. द्वारा)।

पूर्ण

1. भारत में मोतियाबिंद तथा आयु संबंधी मैक्युलर डिजनरेशन का एक जेनेटिक कंपोनेंट संबंधी आई एन डी ई वाई अध्ययन : इंडजेन (अरविंद आई केयर सिस्टम तथा लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एवं ट्रॉपिकल मेडिसिन द्वारा)।

2. रेटिनोब्लास्टोमा की स्टेज 3 का अंतरराष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा स्टेजिंग प्रणाली के साथ नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी मूल्यांकन संबंधी उपचार अध्ययन (सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं. द्वारा)।

3. कैंसर रोगियों में दर्द उपचार के लिए मॉर्फीन के सीरम स्तर तथा उसके मेटाबोलिस के सह संबंध का मूल्यांकन (सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं.)।

4. मानव प्लाज्मा नमूनों में साल्बुटेमल तथा अन्य औषधियों के स्तरों का आकलन (इनमास, डी आर डी ओ द्वारा)

5. मार्केडिट फार्मुलेशन में एंटीकैंसर औषधियों की गुणवत्ता का मूल्यांकन (सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं. द्वारा)।

6. चूहों में मस्तिष्क माइक्रोडायलिसेट द्वारा न्यूटोट्रांससमिटर्स के परिमाणन की पद्धति का विकास (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., द्वारा)

7. मोतियाबिंद सर्जरी के तहत रोगियों में एक्सट्रिमपोरेनासिली प्रिपेअर्ड वोरिकोनेज़ोल स्टेबिलिटी का मूल्यांकन (अरविंद मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन, मदुरई द्वारा)।

8. प्रोपेबल फंगल निमोनिया से पीड़ित इम्यून - काम्प्रोमाइज्ड में लंग बायोप्सी इमेजिंग गाइडिड तथा उसकी नैदानिक जटिलताएं (रुधिरविज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं. द्वारा)

9. एशियाई भारतीयों में नॉन-एल्कोहलिक फैटी यकृत रोग तथा कोरोनरी धमनी रोग का अध्ययन (काय चिकित्सा विज्ञान विभाग द्वारा)।

10. गहन वीनस थ्रोम्बोसिस आधारित कंप्रेशन अल्ट्रासाउंड के रोगियों में एंटीकोगुलेशन की अवधि का अध्ययन। (रुधिर विज्ञान विभाग द्वारा)।

11. समयपूर्व रेटिनोपैथी थ्रेशहोल्ड के वस्कुलर एंडोथिलियल विकास कारक तथा जोखिम का जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज्म (नवजात शिशु विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं.)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 116 **पुस्तकों में अध्याय और मोनोग्राफ : 12** **पुस्तकें : 5**

रोगी उपचार

		नए मामले	पुराने मामले	कुल
1.	सामान्य ओ पी डी	122835	83510	206345
2.	आपात कालीन चिकित्सा	9725	19395	29120
	कुल मामले	**132560**	**102905**	**235465**

विशिष्टता वाले क्लीनिक

1.	कॉर्निया क्लीनिक	5588	15917	21505
2.	लैंस क्लीनिक	960	1746	2706
3.	यूविआ क्लीनिक	974	3440	4414
4.	कांटेक्ट लैंस क्लीनिक	1188	2019	3207
5.	ग्लोकोमा क्लीनिक	2361	6383	8744
6.	ऑप्थेलमोप्लास्टी क्लीनिक	2672	1613	4285
7.	बाल नेत्र विज्ञान क्लीनिक	633	407	1040
8.	अभिघात / ट्रॉमा क्लीनिक	651	664	1315
9.	रेटिना क्लीनिक	2504	5230	7734
10.	तंत्रिका नेत्रविज्ञान क्लीनिक	1965	1453	3418
11.	मेडिकल ऑपथेलमोलॉजी क्लीनिक	924	3008	3932
12.	विट्रियो रेटिनल क्लीनिक	1095	776	1871
13.	नेत्र सरफेस डिसऑर्डर क्लीनिक	48	60	108
14.	रेटिनोब्लास्टोमा क्लीनिक	224	845	1069
15.	क) आर्थोप्टिक क्लीनिक	5401	25714	31115
	ख) भेंगापन उपचार क्लीनिक	7156	30358	37514
16.	रिफ्रेक्शन	-	28096	28096
	कुल मामले	**34344**	**127729**	**162073**
	मामलों की कुल संख्या	**166904**	**230634**	**397538**

अंतरंग

		मामलों की संख्या
1.	सामान्य दाखिले	16790
2.	आपात कालीन दाखिले	2111

3.	निजी दाखिले	1386
4.	अल्पकालिक दाखिले	5775
5.	दिवस उपचार दाखिले	7819
	कुल	**33881**

ऑपरेशन

1.	बड़े ऑपरेशन	17041
2.	दिवस उपचार	8419
	कुल बड़े ऑपरेशन	25460
3.	छोटे ऑपरेशन	7419
	कुल योग	**32879**

वार्षिक अन्य आंकड़े

1.	औसत बिस्तर अधिग्रहण दर	87 प्रतिशत
2.	अस्पताल में ठहरने की औसत अवधि	4.6 दिन
3.	प्रति कार्य दिवस औसत ओ. पी. डी. उपचार	1338
4.	प्रति कार्य दिवस अंतरंग रोगी दाखिले की औसत संख्या	92
5.	प्रति कार्य दिवस सर्जरियो की संख्या	90

अनुसंधानात्मक प्रयोगशालाएं

याग लेज़र	2948
पोस्ट सेग	2759
एफएफए	2375
सीपी	644
ओसीटी	4669
लेसिक	4916
एफए 2690	
ओसीटी	5003
वीडियोएंजियोग्राफी	27
ईसीजी	2422
लेज़र	933
आर ओ पी न्यू	330

आर ओ पी ओल्ड	717
एल वी ए + आर ओ पी रेफ	1134
यू बी एम बी - स्कैन	45
एम एफ - ई आर जी	70
माइक्रो - पेरिम	5
कॉर्निया सर्विस लैब (अनुसंधानों की कुल सं.)	19408
कॉर्निया अनुसंधान प्रयोगशाला (अनुसंधानित रोगियों की कुल संख्या)	8086
ग्लोकोमा सुविधा प्रयोगशाला (अनुसंधान की कुल संख्या)	50964
नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान	
बैक्टीरियल संवर्धन एवं संवेदनशीलता	8638
फंगल संवर्धन	2351
साइटोलॉजी हेतु स्पेसिमेन प्रोसेस्ड	1362
वायरल एण्ड डिटेक्शन हेतु स्पोसिमेन प्रोसेस्ड	58
केलामाइडिया एण्ड डिटेक्शन हेतु स्पेसिमेन प्रोसेस्ड	158
पी सी आर एच एस वी हेतु स्पेसिमेन प्रोसेस्ड	32 स्पेसिमेंस
कंजक्टिवाइटिस हेतु प्रोसेस्ड (पी सी आर, एण्ड डिटेक्शन, उत्तक संवर्धन	12
एकेनथेमोबिया हेतु संवर्धन	64
एकेनहेमोबिया पी सी आर हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	64
मायोबैक्टीरिया हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	7
माइक्रोस्पोरिडिया हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	12
कुल योग	12758
कुल योग	
नेत्र विकृति विज्ञान	65016
1) रक्त : कुल ल्यूकोसाइट काउंट (टी एल सी),	
विविध ल्यूकोसाइट काउंट (डी एल सी),	
पेरीफेरल रक्त स्मियर (पी बी एस)	
इराइथ्रोसाइटिस सेडीमेंटेशन दर (ई एस आर)	
रक्तस्राव समय (बी टी)/क्लोटिंग टाइम (सी टी)	34821
2) मूत्र	10063

3) हिस्टोपेरोलॉजी, साइटोपेथोलॉजी एवं अनुसंधान	20132
नेत्र जैवरसायन (नैदानिक रसायन विज्ञान)	
नमूनों की कुल संख्या (अनुसंधान से भिन्न)	12617
अंतरंग	1117
बाह्य	1441
नेत्र भेषण गुण विज्ञान एवं फार्मेसी	
निःशुल्क औषधियां (वायरल)	131500
नेत्र फार्मेसी मीडिया सहित	
मलिन बस्तियों में नेत्र उपचार सेवाएं	
प्राइमरी नेत्र उपचार क्लीनिक	15
प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाओं के लिए झुग्गी बस्तियां	36
झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में पी ई सी केंद्रों में परिचर	27118
झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में पी ई सी केंद्रों में पूरे किए गए रिफ्रेक्शन	12363
रा. प्र. केंद्र को भेजे गए मरीज	4013
उपचारित मरीज	808
झुग्गी बस्तियों में वितरित छूट प्राप्त चश्मे	4981
प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	
आयोजित स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम	26
प्रशिक्षित स्वयंसेवक	375
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	23
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम में भागीदार	736
ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रीच इन कार्यक्रम	
आयोजित प्रौढ़ स्क्रीनिंग शिविर	36
जांच किए गए लोगों की संख्या	10769
रा. प्र. केंद्र को भेजे गए रोगी	1543
रा. प्र. केंद्र में उपचारित रोगी	1096
आयोजित अनुवर्ती शिविर	28
अनुवर्ती शिविरों में उपचारित रोगी	759
स्कूल नेत्र स्क्रीनिंग कार्यक्रम	
एसईएस कार्यक्रम के तहत सम्मिलित विद्यालय	15

स्कूल विज़न स्क्रीनिंग कार्यक्रम के तहत	23
प्रशिक्षित अध्यापक	7616
स्क्रींड बच्चे	688
बच्चे जिन्हें चश्मा दिया गया	178

पुनर्वास सेवाएं

पुनर्वास सेवाओं हेतु काऊंसल्ड नेत्रहीन रोगी	
(अन्य सभी सामुदायिक कार्यों सहित)	51

पुरस्कार सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य राजवर्धन आज़ाद :- सलाहकार (नेत्रविज्ञान) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार) नई दिल्ली; अध्यक्ष, नेत्र अनुसंधान संघ 2011, निदेशक, वि. स्वा. सं., दृष्टिविहीनता निवारण कार्यक्रम हेतु सहयोगी केंद्र, अक्तूबर 2011; झारखण्ड नेत्रविज्ञान समिति द्वारा आचार्य बी. पी. कश्यप मेमोरियल व्याख्यान प्रदान हेतु नामांकित; 19-20 नवंबर 2011 में जे एच ओ एस, हजारीबाग में 9वां वार्षिक सम्मेलन; शंकर नेत्रालय, चेन्नई में 22 दिसंबर 2011 को मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा बाल नेत्रविज्ञान में डॉ. नागमणि धर्मपुरी एंडोमेंट व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित; मेडिकल कौंसिल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा 30 अगस्त 2011 से अब तक प्रभावी बोर्ड ऑफ गवर्नस द्वारा पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन कमेटी का सह अध्यक्ष नियुक्त किया गया, 2010 में एशिया पेसिफिक अकादमी नेत्रविज्ञान के नेत्र शिक्षा एवं सर्टिफिकेशन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया; 2011 में हिंदी पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, यूएसए के नेत्रविज्ञान प्रकाशन के मुख्य अतिथि संपादक; 2011 में यूनाइटेड कल्चर कन्वेंशन, 5126 बुर ओक सर्कल, रेलिग द्वारा अपने व्यवसाय तथा जीवन में अर्जित उद्देश्य हेतु 2011 लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया; इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की रिव्यूवर समिति के सदस्य; बायोमेड सेंट्रल ऑपथेलमोलॉजी लंदन के रिव्यूवर; अमेरिकन एसोसिएशन पीडिएट्रिक ऑपथेलमोलॉजी एण्ड स्ट्राबिस्मरन का प्रकाशन; क्लीनिकल एण्ड एक्सपरीमेंटल ऑफ्थेलमोलॉजी; ब्रिटिश मेडिकल जरनल ऑफ्थेलमोलॉजी; इण्डियन जरनल ऑफ पीडिएट्रिक्स; एक्टा ऑफ्थेलमोलॉजी; सलाहकार संपादकीय बोर्ड, दिल्ली जरनल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी; सेक्शन एडिटर, सर्किकल रेटिना - एशिया पेसिफिक जरनल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी 2011; चीफ एक्जीक्यूटिव एडिटर, ऑफ्थेलमोलॉजी वर्ल्ड रिपोर्ट; अध्यक्ष, कमिटी टू डेवल्स द आइडिया एण्ड प्लान टू होस्ट नेशन - वाइड कंपीटिशन फॉर यूजीएण्ड पीजी स्टूडेंट ऑफ मेडिकल स्कूल इन इण्डिया, 2011; अध्यक्ष, कमिटी टू फिक्स द क्लीनिंग चर्जिस ऑफ जे. एल्ड ऑडिटोरियम, फॉयर, क्वाडरेंगल लॉन, बायोफिजिक्स लॉन, इत्यादि; अध्यक्ष, सब कमिटी फॉर कंसिडरिंग द प्रपोज़ल ऑफ ए कैलेण्डर ऑफ पब्लिसिटी इवेंट, अध्यक्ष अस्पताल प्रबंधन बोर्ड, अध्यक्ष, अ. भा. आ. सं. आवास आबंटन समिति, संकायाध्यक्ष समिति, अ. भा. आ. सं.; सदस्य, अ. भा. आ. सं. एमंड एलोकेशन एण्ड एनुअल बजट कमिटी; एपाइंटिड बाइ द मेडिकल कौंसिल ऑफ इण्डिया एज़ इंस्पेक्टर फॉर इंसपेक्टिंग द व्याधि इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस एण्ड रिसर्च सेंटर बेंगलौर, 2011; रीजनल सेक्रेटरी ऑफ एशिया पेसिफिक अकेडमी ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी (ए पी ए ओ), 2005-09, 2009-13; अध्यक्ष, प्रत्यायक समिति एवं कौंसिल सदस्य, एशिया पेसिफिक विट्रोरेटिनल सोसायटी, 2009।

आचार्य विमला मेनन :- मई 2011 में बिहार ऑफ्थेलमोलॉजिक सोसायटी एट मिड टर्म डीओएस मीटिंग द्वारा आरएचटी सिन्हा व्याख्यान द्वारा सम्मानित : अक्तूबर 2011 में अमरावती में आयोजित 36वें वार्षिक सम्मेलन में विदर्भ नेत्र सोसायटी द्वारा डॉ. नीलिमा पावडे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार; अक्तूबर 2011 में अमरावती में विदर्भ नेत्र सोसायटी के 36वें वार्षिक सम्मेलन में ग्लोकोमा एण्ड न्यूरो ऑफ्थेलमोलॉजी सेशन में की-नोट संबोधन डी ओ एस एनुवल मीटिंग ऑफ न्यूरो ऑफ्थेलमिक सेशन इन की - नोट एड्रेस।

आचार्य योग राज शर्मा :- रिव्यूवर ऑफ्थेलमोलॉजी (ए ए ओ जरनल); अमेरिकन जरनल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी ; ब्रिटिश जरनल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी; पीडिएट्रिक ऑफ्थेलमोलॉजी एण्ड स्ट्रेबिसमस् 2011।

आचार्य अतुल कुमार :- जून 2011 में अमेरिकन जरनल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी का समीक्षक नियुक्त किया गया; 2011 में डी ओ एस टाइम के सलाहकार बोर्ड का सदस्य; सितंबर 2011 में भारत के माननीय प्रधानमंत्री के नेत्रविज्ञानी के तौर पर पुनः नियुक्त तथा 2011 में डॉ रा. प्र. केंद्र की जूनियर एवं सीनियर काउंसलिंग समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

आचार्य प्रदीप शर्मा :- पंजाब ऑफ्थेलमिक सोसायटी 2011, फरीदकोट पंजाब में 3 दिसंबर 2011 को डॉ. दलजीत सिंह व्याख्यान पुरस्कार से सम्मानित किया गया; 29 दिसंबर 2011 को आईआईटी दिल्ली में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में इंस्पायर व्याख्यान प्रस्तुति; पीड ऑफ्थेलमोलॉजी एण्ड स्ट्रेबिसमस हेतु कोलोजिएस ऑफ ए आई ओ एस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

आचार्य रमनजीत सिहोटा :- विश्व ग्लोकोमा एसोसिएशन द्वारा "रिसर्च रिकोगनिशन अवार्ड" 2011 से सम्मानित।

आचार्य जे. एस. तितियाल :- नेत्रिका मानव समाज उत्थान सेवा समिति, जुलाई 2011, नई दिल्ली में नेशनल बेस्ट मेडिकल सर्विसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य राधिका टंडन :- बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ऑफ द अमेरिकन अकेडमी ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी द्वारा अकादमी कार्यक्रम तथा सेवाओं में उत्कृष्ट एवं अमूल्य योगदान के लिए अचीवमेंट अवार्ड सर्टिफिकेट पुरस्कृत, डोमेन एक्सपर्ट ग्रुप कंसटिट्यूटिड इन न्यू मिलोनियम इण्डियन टेक्नोलॉजी लीडरशिप इनिशिएटिव (एन एम आई टी एल आइ) प्रोग्राम, कौंसिल ऑफ साइंटिफिक एण्ड इंडस्टीयल रिसर्च (सी एस आई आर) का सदस्य चुना गया; जॉइंट वर्किंग ग्रुप (जे डब्ल्यू जी) ऑफ इंडो यू एस विज़न रिसर्च प्रोग्राम विद् द डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (डी बी टी) एण्ड नेशनल आई इंस्टीट्यूट, यू. एस. ए. एवं भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी द्वारा इंडो यू एस विज़न रिसर्च प्रोग्राम का सदस्य मनोनीत किया गया; मेडिकल कौंसिल ऑफ इण्डिया के सुपर सेशन में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स एम एस आर फॉर मेडिकल कॉलेज के तहत नेत्रविज्ञान में उपकरणों की सूची को अंतिम तौर पर तैयार करने वाले विशेषज्ञ के तौर पर नामित किया गया; इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, आई टी बी पी द्वारा आयोजित नेत्र शिविर की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए गठित विशेषज्ञ दल के सदस्य के तौर पर चुना गया।

आचार्य महेश चंद्रा :- जे. एस. एस. मेडिकल कॉलेज, मैसूर अप्रैल 2011 में स्टैंडर्ड ऑफ इक्जामिनेशन एण्ड अदर टीचिंग फैसिलिटि्स के स्टैंडर्ड के मूल्यांकन हेतु आमंत्रित किया गया; सितंबर 2011 में एम एस (नेत्रविज्ञान) पाठ्यक्रम की मान्यता हेतु मूल्यांकन के लिए इरा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लखनऊ द्वारा आमंत्रित किया गया।

आचार्य एम एस बजाज :- नवंबर 2011, नई दिल्ली में मिड टर्म डी ओ एस में प्टोसिस पर लाइव सर्जरी निष्पादन।

डॉ. सीमा सेन :- 24 दिसंबर 2011 को पटियाला, पंजाब में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ पेथोलॉजिस्ट एण्ड माइक्रोबायोलॉजिकल के 60वें वार्षिक सम्मेलन की सह - लेखक।

डॉ. संजय शर्मा :- उप-अध्यक्ष, दिल्ली चेप्टर ऑफ इण्डियन रेडियोलॉजिकल एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन (आई आर आई ए) 2011-12; संयुक्त सचिव, इण्डियन सोसायटी ऑफ वस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी 2010 - नव-11; खजांची, इण्डियन सोसायटी ऑफ वस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी नवंबर 2011 भोपाल में 2011 में नवीन स्थापित नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एंवायरमेंटल हेल्थ (एनआईआरईएस) के लिए उपकरणों (डिजिटल एक्सरे मशीन एवं पी ए सी एस) हेतु आईसीएमआर की विशेषज्ञ सलाहकार समिति के सदस्य; कार्डियोवेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सोसायटी ऑफ यूरोप (सी आई आर एस ई) के सदस्य, इण्डियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग के आजीवन सदस्य; ऑल इण्डिया ऑफ्थेलमिक सोसायटी (ए आई ओ एस) के आजीवन सदस्य; कार्डियोवेस्कुलर एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के समीक्षक; कैथेटराइजेशन एवं कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग; जे ऑफ वस्कुलर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी इण्डियन जे यूरोलॉजी; क्लीनिकल इमेजिंग साइंसिस।

डॉ. नम्रता शर्मा ऑस्ट्रेलिया में सर्जिकल तकनीक कैटेगरी पर आयोजित 2011 में आर एन जेड सी ओ मीटिंग, में "वॉल्केनिक एक्सप्लेज़न" हेतु बेस्ट वीडियो पुरस्कार से सम्मानित।

डॉ. प्रदीप वेंकटेश :- जरनल ऑफ ऑफ्थेलमिक केस रिपोर्ट (हिंदवीं पब्लिकेशंस) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; केस रिपोर्ट इन ऑफ्थेलमिक मेडिसिन (ओ एम आई सी एस) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; इण्डियन जे ऑफ्थेलमोलॉजी के उप - संपादक।

डॉ. प्रवीण वेंकटेश :- इण्डियन जरनल ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन सिन्स 2008 के समीक्षक; इण्डियन जरनल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी सिन्स 2006; एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी ऑफ्थेलमोलॉजी इन इण्डिया (ए सी ओ आई एन) के लिए नई दिल्ली में काउंसलर के पद पर नियुक्त।

डॉ. रोहित सक्सेना :- अमेरिकन अकेडमी ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी द्वारा वर्ष 2011 के लिए अचीवमेंट पुरस्कार; नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए इंट्राऑक्युलर इंप्लांट एण्ड रिफ्रेक्टिव सोसायटी ऑफ इण्डिया (आई आई आर एस आई) गोल्ड मेडल 2012 से पुरस्कृत; दिल्ली ऑफ्थेलमोलॉजी सोसायटी 2011-12 द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ अकेडमिक एक्सीलेंस के लिए पुरस्कृत; वर्ष 2011-12 के लिए दिल्ली ऑफ्थेलमोलॉजी सोसायटी द्वारा "एस्टीमड रिसोर्स टीचर" के प्रमाणपत्र से पुरस्कृत; ऑर्गेनाइज्ड डी ओ एस टीचिंग प्रोग्राम 7-8 जनवरी 2012।

डॉ. विनय गुप्ता :- जन्मजात ग्लोकोमा पर 25 अगस्त 2011 की रोग से पीड़ित बच्चों के माता-पिता हेतु रोगी संपर्क कार्यक्रम का आयोजन।

डॉ. भावना चावला :- विल्स आई इंस्टीट्यूट, यू एस ए, 2011 में ऑक्युलर ऑनकोलॉजी में यू आई सी सी फेलोशिप से सम्मानित अमेरिकन अकेडमी ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी, यू एस ए, अक्तूबर 2011 में "बेस्ट पेपर" के लिए पुरस्कृत; नेशनल रेटिनोब्लास्टोमा के आई सी एम आर परियोजना के सह आचार्य अनुसंधानकर्ता के तौर पर नियुक्त; वर्ल्ड ऑफ्थेलमोलॉजी कांग्रेस 2012 में संकाय सदस्य के तौर पर आमंत्रित।

डॉ. परिजात चंद्रा :- इण्डियन जरनल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी, आई के पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन के प्रकाशन के समीक्षक; दिल्ली जरनल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; वार्षिक सम्मेलन ऑफ डी ओ एस, 16-17 अप्रैल 2011 के रेटिना पेपर - 1 सत्र के मोडरेटर; प्रथम वर्ष के डिफाइनल की बीएस. सी. (ऑपटोमीटरी, परीक्षा के परीक्षक; ऑक्युलर एनाटॉमी, ऑक्युलर फिजियोलॉजी; सदस्य सचिव कंप्यूटर सुविधा, टेलीमेडिसिन, ऑडियो वीडियो कमेटी, डॉ. रा. प्र. केंद्र, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली; सदस्य मेडिकल बोर्ड बीएस. सी. नर्सिंग एडमिशन - जुलाई 2011; सदस्य मेडिकल बोर्ड (दिल्ली पुलिस केस) - सितंबर 2011; सदस्य मेडिकल बोर्ड एम डी प्रवेश परीक्षा दिसंबर 2011।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. जॅसन सिंह, कार्यकारी निदेशक, इंटरनेशनल डेवलपमेंट ऑन साइट।
2. अन्ना ली विच्ची, वरिष्ठ प्रबंधक, इंटरनेशनल डेवलपमेंट ऑन साइट।
3. मिस्टर जॉर्ज अब्राहम नॉर्थ ज़ोन एरिया, साइट सेवर्स के प्रतिनिधि
4. सुश्री लिंडा चैरी एवं श्री काशी नाथ बी., सीनियर कंटरी डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन आई साइट यूनिवर्सल, इण्डिया।
5. डॉ. अन्यारखानी नारायणस्वामी, रीडर, फ्रॉम द ऑक्युलर बायोकैमिस्ट्री डिविज़न ऑफ शंकर नेत्रालय, चेन्नई।
6. टिम स्कॉटमैन, चीफ ग्लोबल ऑफीसर, साइट साइफ।
7. डॉ. आद्रे रॉस्तॉव, कॉर्नियल सर्जन, सेटल, यू एस ए

10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

अध्यक्ष

एम. सी. मिश्रा

अपर चिकित्सा अधीक्षक

शक्ति के. गुप्ता

संकाय प्रभारी, अस्पताल प्रशासन

कामरान फारूकी

अपर आचार्य

कामरान फारूकी (अस्थिरोगविज्ञान)

सह-आचार्य

संवेदनाहरण

बबिता गुप्ता

छवि साहनी

आपात चिकित्सा

संजीव भोई

विनय गुलाटी (त्यागपत्र दे दिया)

शेफाली के. शर्मा (त्यागपत्र दे दिया)

न्याय चिकित्सा

संजीव लालवानी

आदर्श कुमार (समनुदेशन पर) (5 सितंबर 2011 से 4 मार्च 2012)

प्रयोगशाला चिकित्सा

एस. अरुल सेल्वी

पूर्वा माथुर

तंत्रिका शल्यचिकित्सा

दीपक अग्रवाल

दीपक के. गुप्ता

सुमित सिन्हा

जी. डी. सत्यार्थी

अस्थिरोगविज्ञान

विजय शर्मा

बुद्धदेव चौधरी

विवेक त्रिखा

जॉन आर बेरा (त्यागपत्र दे दिया)

विकिरणनिदान

शिवानंद जी.

अतिन कुमार

शल्य चिकित्सा

बिप्लव मिश्रा

सुषमा

अमित गुप्ता

सुबोध कुमार

मनीष सिंघल

विशिष्टताएं

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र एम्स ने उत्कृष्ट रोगी देखभाल सेवाओं, अनुसंधान, अध्यापन तथा प्रशिक्षण प्रदान करने में स्वयं को एक नेता के रूप में अवस्थपित किया है। स्टॉफ के सभी संकाय तथा सदस्य ट्रॉमा के पीड़ितों के उत्कृष्ट देखभाल प्रदान करने में सक्रियता से कार्यरत है। वर्ष 2011-12 में कुल 50,625 रोगी कैजुएलटी में आए। इनमें से 4,904 रोगियों को प्रविष्ट किया गया। कुल 27,542 रोगियों अनुवर्ती ओ पी डी में आए। कुल 5,026 रोगियों का आपरेशन किया गया।

एम्स में अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर अध्यापन में शामिल होने के अतिरिक्त, संकाय सदस्य देश के विभिन्न अस्पतालों तथा एजेंसियों के चिकित्सीय तथा अर्ध चिकित्सीय स्टॉक को अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्हें ए टी एल एम प्रोटोकॉलों बी ई सी सी, ए यू टी एल एस, इत्यादि सहित ट्रॉमा रोगियों के प्रबंधन के लिए नवीनतर प्रविधियों संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है। जानकारी को अद्यतन करने के लिए, अंतरक्रियात्मक संगोष्ठियों, सी एम ई, सिम्पोज़ियन सम्मेलनों का आयोजन किया गया। संकाय सदस्य विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में भी लगे हुए हैं तथा उन्होंने अपने द्वारा संचालित अनुसंधान पर आधारित दस्तावेज / शोधपत्र विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों में प्रस्तुत किए हैं। अनुसंधान के आधार पर, ट्रॉमा मर्त्यता तथा रुग्णता की घटनाओं को कम करने की ओर लक्षित अनेक निविष्टियों का सुझाव नीति निर्माताओं को हिस्टोपैथालॉजी तथा अनुसंधान प्रयोगशाला आरंभ करने में रोगी देखभाल संबंधित सेवाओं में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग, रोगी देखभाल से जुड़े नवीनतम उपकरण की संस्थान, अनेक अंतरंग / बहिरंग स्वैच्छिक रक्त दान का आयोजन पी जी एन ए टी सी के कार्यकरण की अन्य विशिष्टताएं हैं।

शिक्षा

इलेक्टिव प्रशिक्षण

क्र. सं.	नाम	निम्न तिथि से	निम्न तिथि तक	अवधि
1.	सुश्री सनाह संधू	16 मार्च 2011	16 अप्रैल 2011	1 माह
2.	श्री अमिताभ चंद्र	29 मार्च 2011	22 अप्रैल 2011	1 माह
3.	सुश्री बून युरु	24 मई 2011	3 जून 2011	11 दिन
4.	सुश्री हुई लि यान सांद्र	24 मई 2011	3 जून 2011	11 दिन
5.	सुश्री जोली हवी	24 मई 2011	3 जून 2011	11 दिन
6.	श्री सिद्धार्थ मोहन	8 अगस्त 2011	12 सितंबर 2011	4 सप्ताह
7.	श्री अजीत जॉन	16 अगस्त 2011	28 अगस्त 2011	13 दिन
8.	श्री अलेक्ज़ेडर पीटर	16 अगस्त 2011	28 अगस्त 2011	13 दिन
9.	सुश्री मना मालेक	16 अगस्त 2011	28 अगस्त 2011	13 दिन
10.	श्री सेबेस्टियन हॉफबाऊर	16 अगस्त 2011	28 अगस्त 2011	13 दिन
11.	सुश्री सिमीन अली	5 सितंबर 2011	16 सितंबर 2011	12 दिन
12.	श्री अंकुर धर	28 नवंबर 2011	30 दिसंबर 2011	33 दिन
13.	सुश्री आरुषि मदान	5 दिसंबर 2011	16 दिसंबर 2011	12 दिन
14.	सुश्री आरुषि मदान	26 दिसंबर 2011	5 जनवरी 2012	11 दिन

अल्पावधिक प्रशिक्षण : 185

बबीता गुप्ता

अवर स्नातक विद्यार्थियों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा परा चिकित्सा स्टॉक के शैक्षणिक कार्यकरण जे पी एन ए टी सी में संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं।

संजीव भोई

1. एम्स समुदाय आपातकालीन देखभाल कार्यक्रम, एम्स बुनियादी आपातकालीन देखभाल पाठ्यक्रम(www.aiimsbecc.com) संवेदी एवं आपातकालीन सोनोग्राफी कार्यक्रम, एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाईफ स्पोर्ट पाठ्यक्रम, एम्स, आपदा अल्ट्रासाउंड पाठ्यक्रम तथा नर्सों के लिए अत्यधिक देखभाल सोनोग्राफी (www.aiimsultrasound.com)
2. अध्यक्ष : अंतरराष्ट्रीय संवेदी आपातकालीन सोनोग्राफी परिषद् (www.icces.in)

प्रमाणन

- अनुदेशक : एम्स बुनियादी आपातकालीन देखभाल पाठ्यक्रम, एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाईफ सपोर्ट पाठ्यक्रम, एम्स डिज़ास्टर अल्ट्रासाउंड कार्यक्रम, पी एच टी एल एस @ (प्रीअस्पताल ट्रॉमा लाईफ सपोर्ट पाठ्यक्रम), ए टी एल एस @ (एडवांसड, ट्रॉमा लाईफ सपोर्ट) अमेरीकी कॉलेज ऑफ सर्जनों द्वारा, ए सी एल एस (एडवांसड कार्डियाक लाईफ सपोर्ट) अनुउेशक पाठ्यक्रम पुणे, भारत, ए एच एल एस (एडवांसड हजमत लाईफ सपोर्ट पाठ्यक्रम), नई दिल्ली, भारत।
- प्रदायक : यू एस सी एल बुनियादी स्तर - 1 / अल्ट्रासाउंड क्रिटीकल लाई सपोर्ट
- प्रदायक : आपातस्थिति तथा ट्रॉमाटिक रुग्णता में सोनोग्राफी, विन फोकस
- अनुदेशक : विनफोकस

मूल शैक्षिक क्रियाकलाप

- अवरस्नातक तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आपदा चिकित्सा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या का लेखन
- ए टी सी एन अनुदेशक
- 2 माह में एक बार आपातस्थिति सोनोग्राफी प्रशिक्षण
- माह में एक बार आपातकालीन नर्सिंग क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा।
- माह में दो बार एम्स बुनियादी आपातकालीन देखभाल पाठ्यक्रम
- क्षमता निर्माण उपाय

संजीव लालवानी

अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर अध्यापन में सक्रिय रूप से रत साथ ही चिकित्सीय विधिक कार्य के लिए नर्सों, गैर अकादमिक रेज़िडेंट डॉक्टरों में प्रशिक्षण में रत।

आदर्श कुमार

अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर अध्यापन में सक्रिय रूप से रत

अरुल सेल्वी एस

- अवर स्नातक (एम बी बी एस) विद्यार्थियों तथा नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए कक्षाएं ली। स्नातकोत्तर (एम डी प्रयोगशाला चिकित्सा) संगोष्ठियों तथा उनके शोधपत्रों में भाग लिया।

- अल्पावधि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों से 4 एम एस सी (जैव प्रौद्योगिकी), 2 बी ई (जैव प्रौद्योगिकी) विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन
- जे पी एन ए टी सी में 'बेसिक्स ऑफ ब्लड बैंकिंग'' पर सी आर पी एफ डॉक्टरों तथा अर्ध चिकित्सा मेडीकल स्टॉफ के दो बैचों के लिए कक्षाएं लीं।
- मैक्स अस्पताल, साकेत, दिल्ली तथा उत्तरी रेलवे अस्पताल, दिल्ली में डी एन बी मूल्यांकन कार्य किया।

बिप्लब मिश्रा

अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर अध्यापन कार्यक्रमों में भाग लिया उम्मीदवारों के अल्पावधिक प्रशिक्षण में भाग लिया।

आयोजित सी एम ई / कार्यशालाएं / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित

एम. सी. मिश्रा

1. आयोजक अध्यक्ष, छठा एम्स शल्यचिकित्सा सप्ताह एंडोसर्ज 2012 - एम्स में सजीव ऑपरेटिव अंतरराष्ट्रीय सी एम ई सह सम्मेलन, 16 से 18 मार्च 2012।
2. कार्यक्रम संयोजक एवं पाठ्यक्रम निदेशक, इनऑगरल करल ट्रॉमा टीम डेवलपमेंट कोर्स (आर टी टी डी सी) जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस कमेटी ऑन ट्रॉमा (ए सी एस - सी ओ टी) के सहयोग से आयोजित, 19 से 20 अप्रैल 2011 पाठ्यक्रम व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य स्कीम (सी आर एच एस), बल्लभगढ़ तथा हरियाणा में आयोजित। यह पाठ्यक्रम पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर आयोजित किया गया है।
3. कार्यक्रम निदेशक, अहमदाबाद में ए टी एल एस प्रदायक पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए चौथे ए टी एल एस स्थल का विकास। इनॉगरल ए टी एल एस प्रदायक पाठ्यक्रम (भारत में समग्र रूप से 54वां प्रदायक पाठ्यक्रम) 24 से 26 मई 2011
4. आयोजक अध्यक्ष, जख्म मूल्यांकन तथा उपचार कौशल (वेट्स), जे पी एन ए टी सी, एम्स, प्रशिक्षकों के लिए पहला प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 28 से 31 मार्च 2012।
5. 'डॉक्टर नेताओं के रूप में' संबंधी कार्यशाला के संयोजक जिसका संचालन मिंद एसोसिएशन ईंक, यू के डॉ. रामालिंगस्वामी बोर्ड कक्ष, के सहयोग से एम्स में किया गया था, 15 मार्च 2012।
6. आयोजक अध्यक्ष, इनॉगरल प्री अस्पताल ट्रॉमा लाईफ स्पोर्ट (पी एच टी एल एस) प्रदायक एवं अनुदेशक पाठ्यक्रम, जे पी एन ए टी सी, एम्स, 28 फरवरी से 6 मार्च 2012।
7. आयोजक पैटरन 'लाईव सर्जरी एण्ड सी एम ई ऑन ब्रेचियल प्लेक्सस एण्ड पेरीफेरल नर्व इंजरीज़ जे पी एन ए टी सी, एम्स, नई दिल्ली, 19 से 21 दिसंबर 2011।
8. आयोजक उपाध्यक्ष, 7वीं विश्व कांग्रेस, वर्ल्ड इंटर एक्टिव नेटवर्क ऑफ फोकसड अल्ट्रासाउंड 'विन फोकस 2011', जे पी एन ए टी सी एवं एम्स, नई दिल्ली, 22 से 27 नवंबर 2011। सार विषय, 'अल्ट्रासाउंड इन एमरजेंसी एण्ड क्रिटीकल केयर'।
9. आयोजक अध्ययक्ष, इण्डियन सोसायटी ऑफ ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (आई एम टी ए सी) द्वारा आयोजित चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा सी एम ई सह सजीव कार्यशालाएं), 9 से 13 नवंबर 2011। सम्मेलन का सारविषय था "क्राइसिस टू केयर इन ट्रॉमा मैनजमेंट', "करेंट स्टेट्स ऑफ ट्रॉमा एजुकेशन इन इण्डिया - दि नीड फॉर रेज़ीडेंसी प्रोग्राम एण्ड जॉब आपरल्यूनिटीज़ इन ट्रॉमा; 'कम्यूनीकेशन स्किल्स फॉन नर्सिस पर परिपूर्ण व्याख्यान दिया। परिपूर्ण सत्र 3 की अध्यक्षता की।

10. आयोजक अध्यक्ष 'कास्ट इफेक्टिव एण्ड मीनिंगफुल यूज ऑफ टेक्नोलॉजी इन एमरजेंसी मेडीसन (सी ई यू टी ई एच)' पर जे पी एन ए टी सी, एम्स, नई दिल्ली में प्रथम अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन तथा कार्यशाला, 27 से 29 अक्तूबर 2011।

11. आयोजक अध्यक्ष, एडवांसेस इन ब्रेस्ट आनकोरप्लास्टी एण्ड सेंटीनल नोड में पिंग डॉ. रामा लिंगास्वामी बोर्ड कक्ष में एम्स - यू आई सी सी की संयुक्त कार्यशालाएं। शल्यचिकित्सा विधा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 1 - 2 सितंबर 2011।

12. निम्न के लिए पाठ्यक्रम निदेशक

क. 'ऑपरेटिव लैप्रोस्कोपी बेसिक एवं एडवांस्ड' में 11 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

ख. 'लैप्रोस्कोपिक सचरिंग स्किल्स' में 2 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

ग. 'लैप्रोस्कोपिक कोलोरेक्ट सर्जरी' में 2 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

घ. 'लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी' में 6 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

ड. जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में 12 ए टी एल एस प्रदायक पाठ्यक्रम

छ. 50वां ए टी एल एस एवं ए टी सी एन प्रदायक पाठ्यक्रम

बबीता गुप्ता

कार्यशाला निदेशक, 'मैकेनिकल वेंटीलेशन', ट्रॉमा सम्मेलन, नई दिल्ली, नवंबर 2011

संजीव भोई

1. वैज्ञानिक अध्यक्ष, डेडस एम, अक्तूबर 2011, नई दिल्ली
2. आयोजक सचिव, क्रिटीकल एमरजेंसी सोनोग्राफी पर 7वीं विनफोकस विश्व कांग्रेस
3. सह आयोजक सचिव : कॉस्ट इफेक्टिव यूज़ ऑफ टेक्नोलॉजी इन एमरजेंसी हेल्थ केयर - 2011, सितंबर 2011।

एम्स कम्यूनिटी एमरजेंसी केयर इनीशिएटिव (बेसिक एमरजेंसी देखभाल में कुल प्रशिक्षित; 1209)

- कार्यक्रम निदेशक तथा पाठ्यक्रम संकाय : एम्स बी ई सी सी, एजवाल, मिजोरम, 28 से 29 मार्च 2012
- कार्यक्रम निदेशक एवं पाठ्यक्रम संकाय एम्स बेसिक एमजेंसी केयर पाठ्यक्रम, एम्स ट्रॉमा सेंटर, नई दिल्ली, 9 दिसंबर 2011 से मई 2012; 4 अप्रैल 2011, 13 अप्रैल 2011, 10 मई 2011, 24 अगस्त से 14 सितंबर 2011, 7 दिसंबर 2011, 21 दिसंबर 2011, 17 जनवरी 2012, पहली फरवरी 2012, 16 मार्च 2012।

ग्रामीण आपातकालीन देखभाल

एम्स कम्यूनिटी एमजेंसी केयर इनीशिएटिव, बस्ती, उत्तर प्रदेश, 6 से 7 नवंबर 2011

राष्ट्रीय आपातकालीन तथा ट्रॉमा देखभाल पहल

- पाठ्यक्रम निदेश : एम्स बेसिक एमरजेंसी केयर पाठ्यक्रम गुवाहाटी, असम, 11 मई 2010
- अतिथि संकाय : पैटर्नस ऑफ ब्लास्ट इंजरी, सी डी सी राउंड टेबल ऑन ब्लास्ट इंजरी, बी जी मेडीकल कॉलेज, पुणे
- सिक्किम के डॉक्टरों, नर्सों तथा अर्ध चिकित्सको को प्रशिक्षित किया तथा सिक्किम के स्तर 3 ट्रॉमा केंद्रों के लिए प्रोटोकोल बनाए

राष्ट्रीय सहयोग

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य ग्रामीण मिशन, मणिपुर, पंजाब, लक्षद्वीप तथा मिजोरम एम्स बेसिक एमरजेंसी देखभाल कार्यक्रम के प्रसार के लिए।

संजीव लालवानी

1. संकाय समन्वयक ए ओ पेल्विस पाठ्यक्रम अस्थि रोग विभाग।
2. यह अध्यक्ष, ए ओ सी एम एफ पाठ्यक्रम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।
3. संकाय, कैडवेरिक रिनोप्लास्टी, ई एन टी विभाग
4. कार्यकारी सदस्य, ट्रॉमा - 2011

सुबोध कुमार

1. वैज्ञानिक पी. ट्रॉमा 2011, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सी एम ई सह सजीव कार्यशाला तथा इण्डिया सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी का चौथा वार्षिक सम्मेलन), 12 से 15 नवंबर 2011।
2. आयोजक सचिव : छठा एम्स सर्जीकल सप्ताह तथा एंडोसर्ज 2012, अंतरराष्ट्रीय सी एम ई सह सजीव कार्यशाला, 16 से 18 मार्च 2012

मनीष सिंघल

1. आयोजक सचिव, ट्रॉमा 2011, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सी एम ई सह सजीव कार्यशाला तथा इण्डिया सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी का चौथा वार्षिक सम्मेलन), 12 से 15 नवंबर 2011।
2. संयुक्त आयोजक सचिव, ट्रॉमा 2011, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सी एम ई सह सजीव कार्यशाला तथा इण्डिया सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी का चौथा वार्षिक सम्मेलन), 12 से 15 नवंबर 2011।
3. संयुक्त आयोजक सचिव : ब्रेस्ट आनकोप्लास्टी तथा सेंटीनल लिम्फनोड बायोप्सी, अक्तूबर 2012

सुषमा सागर

1. आयोजक सचिव, ट्रॉमा 2011, चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई सह सजीव कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 9 से 13 नवंबर 2011
2. डब्ल्यू ई टी एम (जख्म मूल्यांकन एवं उपचार कौशल) पाठ्यक्रम का आयोजक जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र एम्स में किया, 28 मार्च से 3 अप्रैल 2012।

बिप्लब मिश्रा

1. ई डी (एम ए डब्ल्यू ई) पाठ्यक्रम में मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वूंडस का आयोजन किया।
2. ए टी एल एस पाठ्यक्रमों में संकाय तथा पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में भाग लिया।
3. वूंड इवेल्युएशन एण्ड ट्रीटमेंट स्किल्स (वेट्स) पाठ्यक्रम में भाग लिया।

अमित गुप्ता

1. वैज्ञानिक पीठ, ट्रॉमा 2011, इंटरनेशनल कांग्रेस, सी एम ई सह सजीव कार्यशाला तथा इण्डियन सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी) का दूसरा वार्षिक सम्मेलन, 9 से 13 नवंबर 2011।

2. कार्यशाला निदेशक टीचिंग सीनेरियोड़ यूजिंग लो एण्ड हाई फाइडेलिटी सिमुलेशन टूल्स। ट्रॉमा 2011, इंटरनेशनल कांग्रेस, सी एम ई सह सजीव कार्यशाला तथा इण्डियन सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी) का दूसरा वार्षिक सम्मेलन, 9 से 13 नवंबर 2011।

3. पाठ्यक्रम निदेशक, एड वांसड ट्रॉमा लाईफ सपोर्ट कोर्स ए टी एल एस ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस कमिटी ऑन ट्रॉमा, ए टी एल एस - इण्डियन प्रोग्राम, (2010 से अब तक)।

4. संकाय एड वांसड ट्रॉमा लाईफ सपोर्ट कोर्स ए टी एल एस ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस कमिटी ऑन ट्रॉमा, ए टी एल एस - इण्डियन प्रोग्राम, (अप्रैल 2009 से अब तक)।

5. संकाय, कोर्स ऑन प्रीपेर्यडनेस फॉर एमरजेंसी रिस्पांस टू सी बी आर एन कैजुएल्टीज़ डी आर डी ई, ग्वालियर तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा विकसित (2010 से अब तक)।

6. संकाय, बेसिक प्लास्टिक एण्ड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी कोर्स इन ट्रॉमा (बी पी आर एम पाठ्यक्रम) ट्रॉमा सर्जरी विभाग) जे पी एन ए टी केंद्र, एम्स नई दिल्ली द्वारा विकसित, (2011 से अब तक)

7. संकाय; मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वूड्स इन एमरजेंसी कोर्स (एम ए डब्ल्यू ई) - ट्रॉमा सर्जरी विभाग, जे पी एन ए टी केंद्र, एम्स, नई दिल्ली द्वारा विकसित, (2010 से अब तक)।

8. अनुदेशक, ए ओ टी - आई ए टी एस आई सी आई एम एस - इंटरनेशनल एसोएिशन ऑफ ट्रॉमा सर्जरी एण्ड सर्जीकल क्रिटीकल केयर (2006 से अब तक)।

दीपक अग्रवाल

1. पाठ्यक्रम निदेशक, एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा पाठ्यक्रम (ए यू टी एल एस) तथा भारत के विभिन्न भागों में 2011 - 12 के दौरान पाठ्यक्रम आयोजित किए।

2. एम्स बी ई सी सी पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम निदेशक तथा एन एच आर एम (राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन) के साथ भागीदारी में 2011-12 के दौरान भारत के विभिन्न भागों में 7 पाठ्यक्रम आयोजित किए।

3. आयोजक सचिव 'मैनेजमेंट ऑ कॉम्प्लेक्स स्पाइनल ट्रॉमा - लाईव ऑपरेटिव वर्कशॉप एण्ड सिम्पोज़ियम'', 27 अगस्त 2011, जे पी एन ए टी सी, एम्स

4. आयोजक सचिव, कास्ट इफेक्टिव एण्ड मीनिंगफुल यूज़ ऑफ टेक्नोलॉजी इन एमरजेंसी हेल्थ केयर (सी ई यू टी ई एच 2011) संबंधी प्रथम अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन तथा कार्यशाला, 27-30 अक्तूबर 2011, एम्स, नई दिल्ली

5. आयोजक सचिव, 'कॉम्प्लेक्स स्पाइनल ट्रॉमा' पर द्वितीय सजीव ऑपरेटिव कार्यशाला तथा संगोष्ठी, जे पी एन ए टी सी, एम्स, 12 से 23 मई 201

दीपक गुप्ता

1. आयोजक सचिव, जे पी एन ए टी केंद्र, नई दिल्ली में ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी में आई सी पी निगरानी संबंधी संगोष्ठी, 15 मार्च 2012

2. आयोजक सचिव, इण्डियन सोसायटी ऑफ पेडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी, वार्षिक सम्मेलन तथा आई एस पी एन सी एम ई पाठ्यक्रम 2012, एम्स नई दिल्ली

3. दिल्ली न्यूरोलॉजीकल एसोसिएशन (डी एन ए), मासिक बैठक का आयोजन किया, एम्स (10 मार्च 2012)

सुमित सिन्हा

1. आयोजक सचिव, ए ओ स्पाईन ट्यूमर सप्ताह एम्स, 29 सितंबर से 3 अक्तूबर 2011

2. आयोजक सचिव, बी आर ए सी एच आई ए एल सी ओ एन, एम्स - 2011, जे पी एन ए टी केंद्र, 19-21 दिसंबर 2011।

प्रदत्त व्याख्यान

एम सी मिश्रा : 28

बबीता गुप्ता : 6

संजीव भोई : 8

संजीव लालवानी : 8

आदर्श कुमार : 4

एस अरुल सेल्वी : 2

शिवानंद गामनगट्टी : 9

अतिन कुमार : 12

अमित गुप्ता : 15

बिप्लब मिश्रा : 9

सुबोध कुमार : 24

सुषमा सागर : 12

दीपक गुप्ता : 7

सुमित सिन्हा : 2

विजय शर्मा : 2

विवेक त्रिखा : 11

मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतीकरण

संजीव भोई : 12

संजीव लालवानी : 4

आदर्श कुमार : 1

अरुल सेल्वी एस : 14

पूर्वा माथुर : 14

दीपक अग्रवाल : 8

दीपक गुप्ता : 3

सुमित सिन्हा : 2

विजय शर्मा : 2

शिवानंद गामन गट्टी तथा अतिन कुमार : 14

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

1. हेमरोजिक आघात वाले ट्रॉमा पीड़ितों में रिकम्बीनेट ह्यूमन इरिथ्रोपायटन की भूमिका : का अध्ययन : स्टेम सेल विभेदीकरण पर एक इन विटरो दृष्टिकोण, संजीव भोई, आई सी एम आर, 2012।
2. लेवल 1 ट ्रॉमा सेंटर के आपातकालीन विभाग में आने वाले हेमोरेजिक आघात के रोगी के उपचार के लिए चिकित्सोपचारी एडजंक्ट (संयोजन) के रूप में अंतः शिरा एस्ट्रोजेट की सुरक्षा तथा प्रभावात्मकता का अध्ययन करना, संजीव भोई, आई सी एम आर, 2012।
3. भारत में स्ट्रेप्टोकोकस पाइओजेनेस का आण्विक एवं मरक वैज्ञानिक अध्ययन (आई सी एम आर, 2008-12; 1706, 949 रुपए)। डॉ. पूर्वा माथुर।

4. तृतीयक देखभाल अस्पताल में अस्पताल अधिग्रहीत संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलैक्ट्रोनिक निगरानी सिस्टम का विकास एवं क्रियान्वयन आई सी एम आर, 15,26,906

5. ट्रॉमैटिक ब्रेन क्षति (टी बी आई) रोगियों में इम्यून एक्टीवेशन के मार्कर के रूप में प्लाज्मा सेरेबोरोपाइनल फ्ल्यूड और कांटयूज्ड ब्रेन टिस्सू में नावेल कीमोकाइन आर ए एन टी ई एस (एक्टीवेशन अभिव्यक्त एवं सेकरेटेड नॉर्मल टी सेल पर विनियमित)। लेवलों का अध्ययन। डॉ. एस आरुलसेल्वी, आई सी एम आर, 2010-12।

6. थ्रोम्बोइलोस्टोग्राफी एवं पारंपरिक विधियों का प्रयोग करते हुए उत्तर भारतीय दाताओं में कोएगुलेशन स्थिति का मूल्यांकन डॉ. एस आरुलसेल्वी, जून 2011।

7. ट्रॉमा रोगियों में डी आई सी के आरंभिक पूर्वानुमान मार्करों का मूल्यांकन, एम्स, जून 2012।

8. कम्पेरिज़न ऑफ सस्टेनड सिल्वर आयोन रिलीजिंग फोम बेसड ड्रेसिंग विद कांवेंशनल पैराफीन गेज ड्रेसिंग इन डोनर एरिया, मनीष सिघल।

9. चिकित्सीय परिधान स्पोर्ट संवीयर के लिए सेरिसीन आधारित मूल्य वर्धित फिनिश (कपड़ा विभाग) आई आई टी दिल्ली के सहयोग से) डी बी टी, 2011-12, 34 लाख रुपए।

10. भारत में विदीर्ण लिव और पलेट एनोमली : क्लीनिक प्रोफाइल, जोखिम फैक्टर और उपचार की वर्तमान स्थिति "अस्पताल आधारित सर्वेक्षण" भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् 2011-13। 54 लाख रुपए।

11. ट्रॉमा केंद्र एम्स में वूंड रजिस्टरी का विकास, एम्स, मनीष सिंघल, सुबोध कुमार। सुषमा सागर, एक लाख रुपए।

12. डिस्ट्रीव्यूटिड कोगनिशन एण्ड मॉडलिंग कम्पलेक्सिटी : ए बायो इंफार्मेटिक्स एप्रोच फॉर डिक्रोजिंग मेडीकल एररर्स, दीपक अग्रवाल, डी एस टी, 2011-13, 1.2 करोड़ रुपए।

13. थ्रोम्बोइलास्टोमीटरी (टी ई जी): स्थापित बायोमार्करों की तुलना में न्यूरोसर्जरी गहन देखभाल यूनिट (एन आई सी यू) में संक्रमण का पता लगाने में उपयोगिता तथा लागत प्रभावात्मकता, दीपक अग्रवाल, एम्स, 2012-13, 9 लाख रुपए।

14. डिक्यूज़ एक्मोनल चोट में थैलामस की भूमिका : हिस्पोपैलालॉजीकल सह संबंध के साथ एक ऑटोप्सी अध्ययन, दीपक अग्रवाल।

15. यूरोथर्म 3235 परीक्षण : वयस्कों में बंद ट्रामाटिक मस्तिष्क क्षति में इंडयूसड हाइपोथर्मिया पर यादृच्छिकृत, नियंत्रित परीक्षण, दीपक गुप्ता।

16. प्रथम रिलैप्स पर ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोर्म के उपचार के लिए इंटरस्टिरल 1311 - सी एच टी एन टी 1 - रव मैब (कोरारा) का ओपन लेबल खुराक पुष्टि अध्ययन : एक बहुकेंद्रक अग्रदर्शी चरण 11 अध्ययन, दीपक गुप्ता।

17. भारत अमेरिकी ट्रामाटिक मस्तिष्क क्षति परिणामों में सुधार सहयोगात्मक सिर क्षति तथा दिशानिर्देशों का पालन (सी एच आई आर ए जी) अध्ययन, एन आई एच अनुमोदित अध्ययन, दीपक गुप्ता।

18. इंट्राम्युप्ल इम्यूनोथिरैपी (ए पी आई 2009 जी 005) आवर्ती ग्रेड 3 एस्ट्रोसाइटोमा में अध्ययन (एस ए पी पी एच आई आर ई अध्ययन)। दीपक गुप्ता।

19. न्यूरोनल रिजनरेशन एवं कार्यात्मक रिस्टोरेशन में मानव अम्बीलिकल कोर्ड ब्लड स्टेम सेलों एवं न्यूरल स्टेम सेलों की भूमिका : एम्यूट स्पाइनल कोर्ड क्षतियों वाले मेल प्रौढ़ चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. सुमित सिन्हा। रैपिड यंग इन्वेस्टीगेटर योजना, 2011 के अधीन डी बी टी निधिकृत परियोजना।

20. जे पी एन ए टी केंद्र में कैडावेरिक डाइसेक्शन सुविधा की स्थापना, सुमित सिन्हा, आई सी एम आर।

21. एक्यूट सिवियर ट्रामेटिक मस्तिष्क क्षति वाले रोगियों में हाइपोथर्मिया के साथ या उसके बिना प्रोजेस्ट्रोन का एक यादृच्छिकृत प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण (फैक्टोरियल डिज़ाइन), सुमित सिन्हा, डी बी टी।

22. अत्यधिक गंभीर ट्रामेटिक मस्तिष्क क्षति वाले रोगियों में प्रोजेस्ट्रोन की प्रभावात्मकता की जांच करने के लिए एक यादृच्छिकृत प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन।

पूर्ण

1. शव कक्ष में सूचित घातक विष संक्रमण के जीव विज्ञानी सैम्पलों में ट्रोम मेटल विश्लेषक का प्रयोग करते हुए अल्युमिनियम तथा जिंक का गुणात्मक तथा प्रमात्रात्मक आकलन, आदर्श कुमार, नई दिल्ली।

2. थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी एवं पारंपरिक विधियों का प्रयोग करते हुए उत्तर भारतीय रक्त दाताओं में कोएगुलेशन स्थिति का मूल्यांकन। डॉ. अरुलसेल्व, एम्स जून 2011।

3. एम्पुटेशन स्टम्प के पारंपरिक उपचार की वी ए सी (वैक्यूम महारियत कलोजर) की प्रभावात्मकता के साथ तुलना करना। एम्स, सुषमा सागर / मनीष सिंघल / सुबोध कुमार, 2011-12, एक लाख रुपए।

4. रोल ऑफ सिमवास्टेटिन इन प्रीवेंशन ऑफ वासोस्पास्म एण्ड इम्प्रूविंग फंकशनल आउटकम ऑफ्टर एनीरुस्मल सब एराचनॉयड हेमेरेज : एक अग्रदर्शी यादृच्छिकृत डब्ल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। सुमित सिन्हा, एम्स (इंट्रा म्यूरल अनुसंधान अनुदान)।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. विघटित ऊतकों में डी एन ए का गुणात्मक तथा प्रमात्रात्मक निष्कर्षण

2. वक्षीय ट्रॉमा में दो विभिन्न कंस्ट्रेशनों में बुपीवेकेइन और ओपीआइड के साथ वक्षीय इपीडुरेल एनलजेसिया की क्षमता एवं सुरक्षा की तुलना।

3. ट्रॉमा मरीजों की रक्ताधान अपेक्षा के निर्धारण में रक्ताधान स्कोरों की अनुप्रयोज्यता।

4. तृतीयक ट्रॉमा केयर सेंटर में सिर के चोट वाले रोगियों में प्लेटलेट के प्रयोग की ऑडिटिंग और प्लेटलेट प्रवर्तनिकता को प्रभावित करने वाले आपतन एवं क्लीनिकल फैक्टरों का अध्ययन।

5. पश्च ट्रॉमा रीनल विफलता का भूतलक्षी विश्लेषण

6. सर्जरी विभाग में ट्रॉमैटिक मृत्यु के कारणों एवं पैथेलॉजिक विशेषताओं का अध्ययन, जय प्रकाश नारायण, एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स।

7. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में आने वाले मरीजों में इपीडेमियोलॉजी एवं ट्रॉमा स्कोरिंग।

8. सिस्ट्म, ट्यूमर और जबड़े के जख्मों की तरह ट्यूमर : लिमिटेड एम आर आई सह संबंध के साथ पैनोरैमिक रेडियोग्राफ्स और मल्टी डिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी द्वारा मूल्यांकन।

9. डायग्नोस्टिक ब्रेस्ट इमेजिंग में मैममोग्राफी के एडजुवेंट के रूप मे स्तन अल्ट्रासाउंड की नैदानिक उपयोगिता।

10. पीडादायक बेनिन बोन ट्यूमर और मेटास्टेसिस का परक्यूटैनियस रेडियोफ्रेक्वेंसी अबलेशन।

जारी

1. दक्षिण दिल्ली क्षेत्र में सेरीब्रोस्पाईनल द्रव तथा विट्रियस ह्यूमर के विश्लेषण द्वारा पोस्टमार्टम अंतराल के निर्धारण' के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन

2. सर्जरी विभाग में गहन रूप से बीमार ट्रॉमा मरीजों में प्रारंभिक बनाम बाद के ट्राचियोस्टॉमी का यादृच्छिकृत नियंत्रित परीक्षण। एम्स।

3. आई सी यू में गंभीर रूप से बीमार ट्रॉमा रोगियों में नैदानिक परिणाम में पेरेंट्रल ग्लटामिन (जी एल एन) तथा ओमेगा 3 फैटी एसिड अनुपूरित संपूर्ण पेरेंट्रल पोषाहार (टी पी एन) या एंट्रल पोषाहार की भूमिका का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिकृत, अग्रदर्शी, नियंत्रित परीक्षण।

4. टी ई जी (थ्रोम्बो इलास्टोग्राफी) तथा एक्स ई 2100 (पूर्णतया स्वचालित रक्त विज्ञान विश्लेषक) का प्रयोग करते हुए आघात हेतु रक्त उत्पादों की गुणता का अकालन करना।

5. अंग दुष्क्रिया तथा सेप्सिस के शीघ्र निदान के लिए मोनो साइटिस की संभाव्यता का उत्पादन करने वाले से पश्च ट्रॉमा साइटोकोन का आकलन।

6. ट्रॉमा के रोगियों में रक्त उपचार तथा टी ई जी के प्रयोग से पूर्व तथा बाद में प्रोगोनोसिस पर उनके प्रभाव।

7. एम ओ एफ / वी ए पी के विकास के निर्धारक के रूप में प्रवेश के दिन कोलोस्ट्रोल स्तर

8. जे पी एन ए टी केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के आपात विभाग में आने वाले सड़क यातायात चोट (आर टी आई) के रोगियों का एपीडेमियालॉजीकल अध्ययन।

9. लेवल 1 ट्रॉमा क्षेत्र में वक्ष ट्रॉमा के परिक्रमण, गंभीरता तथा परिणाम का मूल्यांकन।

10. डिफ्यूज़न भारित एम आर छविकरण तथा अल्ट्रा साउंड इलास्टोग्राफी का प्रयोग करते हुए ग्रीवा पिंड का मूल्यांकन।

11. ट्रॉमा रोगियों के नैदानिक डायग्नोसिस में सी के, सी के एम बी, मूत्र मायोग्लोबिन अभिसूचना की भूमिका का मूल्यांकन।

12. ट्रॉमा मरीजों के परिणाम में ट्रांसफ्यूशन का प्रभाव।

13. उच्च लैरिन्जीएल एवं हाइपो फैरिंजीएल कैंसर के रोगियों में इंट्रा अर्टिरीयल कीमोथेरेपी (न्यूओएडजुवेंट)।

14. सीमित एम आर आई कोररिलेशन के साथ ब्लंट अबडोमीनल ट्रॉमा में सोलिड रिट्रोपेरीटोनीपल ऑर्गन जख्मों का एम डी सी टी मूल्यांकन।

15. वर्टीब्राल लेजन का एम आर मूल्यांकन।

16. वयस्क ट्रॉमेटिक ब्रेचियल प्लेक्सस चोटों का एम आर आई मूल्यांकन।

17. अस्थि ट्यूमरों का प्री - ऑपरेटिव एम्बोलिजेशन

18. बल ट्रॉमा में अंतः शिरा द्वि औषध एनल जीसियां बनाम दो विभिन्न कंसेंट्रेशनों में वुपी वोकेन तथा ओपियाड के साथ वक्ष एपीड्यूरल एनलजीसिया की प्रभावात्मकता तथा सुरक्षा की अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलना

19. लेबल ट्रॉमा केंद्र में पेल्विक अस्थि भंज के परिमाण, गंभीरता तथा परिणाम का पूर्वदर्शी तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।

20 लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में चेस्ट ट्रॉमा के परिमाण, कठोरता एवं परिणाम का पूर्वव्यापी एवं उत्तरव्यापी विश्लेषण।

21. लेबल 1 ट्रॉमा केंद्र में जटिल मृदु ऊतक क्षतियों परिमाण, गंभीरता तथा परिणाम का पूर्वदर्शी तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।

22. लेवल 1 ट ्रॉमा सेंटर में ट्रामेटिक हिपैटोबिलेरी और पैनक्रक्रीएटिक जख्म परिणाम कठोरता एवं परिणाम का पूर्वव्यापी एवं उत्तरव्यापी मूल्यांकन।

23. ट्रॉमेटिक लिवर क्षतियों के मूल्यांकन में एम डी सी टी की भूमिका।

24. पैन्क्रिएटिव पैथालॉजी में फरफ्यूज़न सी टी की भूमिका।

25. मृदुसिर की चोट में परिणाम के अनुमानन में सी टी परफ्यूशन का कार्य।

26. सर्जरी पोस्ट ट्रॉमा करवा रहे रोगियों में ट्रांएक्सेमिक एसिड की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता।

27. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में ट्रॉमा देखभाल के आर्थिक पार्श्वचित्र का अध्ययन।

28. ट्रॉमाटिन मौतों के कारण तथा पैथालॉजिक विशिष्टताएं (विश्लेषण चरण)।

29. इंटर कोस्टल नकासी ट्यूब के बगैर ओकल्ट न्यूमोकोआसेस के प्रबंधन की व्यवहार्यता (विश्लेषण चरण)।

30. किशोरों में अवसाद की नैदानिक अभिव्यक्ति में टी सेल अपोपटोसिस, न्यूरो ट्रोफिंस, साइटोकाइंस तथा आनुवांशिकी पोली मारफिज्म की भूमिका।

31. पोस्टमोर्टम सी टी स्कैन और पारंपरिक ऑटोप्सी के निष्कर्षों की तुलना करके ट्रॉमा मरीजों में मृत्यु के कारण के पूर्वानुमानन में विर्टोप्सी (पोस्टमार्टम सी टी स्कैन) की भूमिका (विश्लेषण चरण)।

32. पार्किंसन रोग में मिटोकोंड्रियल डी एन ए म्यूटेशनों ओ रिएक्टिव ऑक्सीजन नमूनों का अध्ययन।

33. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में आने वाले मरीजों में इपीडेमियोलॉजी एवं ट्रॉमा स्कोरिंग।

34. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में पेरीफेरल वास्कुलर चोटों के परिणाम, गंभीरता तथा परिणाम का अध्ययन 2012

35. हेमोरेजिक आघात वाले ट्रॉमा पीड़ितों में रिकम्पीनेट मानव इरिथ्रोपोयटीन की भूमिका का अध्ययन करना।

36. ट्रॉमाटिक ब्रेचियल प्लेक्सोपैथीज़ - पश्च शल्यचिकित्सा कार्यात्मक तथा मनोविज्ञानी सामाजिक परिणाम का विश्लेषण।

37. ऊपरी एक्सट्रीमिटी की पेरीफेरल न्यूरोपैथीज़ का यू एस एवं एम आर मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. एक्ट्रीमिटीज के वास्कूलर मलफोर्मेशनों वाले मरीजों में रेडियोलॉजीकल मूल्यांकन पर उत्तरव्यापी अध्ययन। (विकिरण विज्ञान विभाग)।

2. गॉल स्टोन तथा कॉसन बाईल डक्ट स्टोन वाले रोगियों के लिए एकल चरण बनाम द्विचरण उपचार की तुलना का एक यादृच्छिकृत नियंत्रित अध्ययन (गेस्ट्रोएंटोलॉजी एवं सामुदायिक चिकित्सा विभाग।

3. जे एस यू के निर्माण कर्मकार : स्कूल ऑफ एंवायरमेंटल साइंसेस, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय नई दिल्ली में संचालित एक पेशेवर स्वास्थ्य संबंधित उपाय (जे एन यू, दिल्ली के साथ सहयोगात्मक)

4. लैपेरोस्कोपिक एवं ओपन इंगुइंल हर्निया रिपयेर के बाद क्रोनिक ग्रोइन पेन टेस्टीकूलर फंक्शन और जीवन गुणवत्ता। (संवेदनाहरण विभाग, विकिरण विज्ञान विभाग, प्रजननात्मक जीव विज्ञान विभाग तथा मनश्चिकित्सा विभाग)

5. भारी वजन बनाम हल्के वजन के मेशों का प्रयोग करते हुए लैपेरोस्कोपिक इंगुइनल हर्निया रिपेयर के बाद क्रोनिक ग्रोइन पेन एवं लाइफ की गुणवत्ता। (संवेदनाहरण तथा मनश्चिकित्सा विभाग)।

6. लैपेरोस्कोपिक इंगुइल हर्निया रिपेयर के बाद क्रोनिक ग्रोइन पेन और जीवन गुणवत्ता की तुलना टी ई पी बनाम टी ए पी पी। (संवेदनाहरण तथा मनश्चिकित्सा विभाग)

7. लैपेरोस्कोपिक इसीजनल एवं स्यूचर अथवा ट्रैक्चर, मेश फिक्सेशन के साथ वेंट्रल हर्निया रिपेयर के बाद दीर्घ अवधि परिणाम एवं जीवन की गुणवत्ता की तुलना। (संवेदनाहरण तथा मनश्चिकित्सा विभाग)

8. ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप अपनोइया के मरीजों में कार्डियोवास्कुलर बायोमार्करों पर निरंतर पॉजीटिव एयरवे दाब का प्रभाव (चिकित्सा विभाग)।

9. लैपैरोस्कोपिक इनगुइनल हर्निया रिपेयर वाले मरीजों में टेस्टीकुलर ब्लड फ्लो एवं वॉल्यूम का मूल्यांकन (सर्जरी विभाग)।

10. उत्तर भारत के तृतीयक केयर अस्पताल में देखें गए मैक्सिलोफेसियल फ्रैक्चरों के पाथवे में इपीडेमिओलॉजीकल अध्ययन। (ओरल तथा मैक्सिलो केशियल शल्यचिकित्सा विभाग)।

11. वैरीकोज वीइंस के उपचार में इंडोवेनीयस लेजर अबलेशन का मूल्यांकन (हृदय विकिरण विज्ञान विभाग)।

12. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में आने वाले मरीजों में इपीडेमियोलॉजी एवं ट्रॉमा स्कोरिंग। (अस्थि रोग विज्ञान तथा आपात चिकित्सा विभाग)।

13. टेनिस एल्बो के रोगियों का सादा रेडियोग्राफ तथा एम आर छविकरण (अस्थिरोग विभाग)।

14. स्पाइनल ट्रॉमा का एम डी सी टी मूल्यांकन : प्रीऑपरेटिव एवं पोस्ट ऑपरेटिव मूल्यांकन (अस्थिरोग विभाग)।

15. सिरहोसिस एवं गैर सिरोहोटिक पोर्टल हाइपरटेंशन में ट्रांजिएंट इलास्टोग्राफी द्वारा लीवर स्टिफनेस आकलन (गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग)।

16. संक्रमित पेंक्रियाटिक नेक्रोसिस के प्रबंधन / उपचार के लिए एम आर आई आधारित प्रोटोकॉल (गैस्ट्रोएंट्रालॉजीक विभाग)।

17. इसोफेगस के कार्सिनोमा वाले मरीजों में अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन सर्वीकल लिम्फ नोड्स (जी आई सर्जरी विभाग)।

18. डिक्लोफे और अल्ट्रासोनिक थेरेपी के साथ डिक्लफेनिक से उपचारित प्लांटर फैसीटीज के मरीजों में फुट प्रेसर फोर्स विश्लेषण का तुलनात्मक अध्ययन (भौतिकी चिकित्सा एवं पूनर्वास विभाग)।

19. एक्यूट डोर्सेल तथा लुम्बर स्पाईन क्षतियों में प्रबंधन / उपचार कार्यनीतियां।

20. लेरिंगोट्रैचीयल स्टेनोसिस के लिए सबग्लोटिक स्टेनोसिस के मामलों में रिब ग्राफ्टिंग के साथ अथवा इसके बगैर क्रीकाइड स्पिल्ट के प्रभाव का अध्ययन (ओटोरहिनोलैरिंजोलॉजी विभाग)।

21. एशियन भारतीयों में सी ए डी में गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर बीमारी का अध्ययन (चिकित्सा विभाग)।

22. गंभीर सिर की चौटों वाले रोगों में बढ़े आई सी पी के लिए ऑप्टिक नर्व शीथ डायामीटर माप (तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग)।

जारी

1. पैन्क्रियाज के स्यूडोसिस्ट का लैपरोस्कोपिक एवं इंडोस्कोपिक ड्रेनेज की तुलना करते हुए उत्तरव्यापी यादृच्छिकृत नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी)।

2. पश्च रीनल ट्रांसप्लांट के रोगियों में ग्राफ्ट फंक्शन पर टैक्रोलिमस रक्त स्तरों के प्रभाव के सहसंबंध तथा समग्र जीवन गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का अग्रदर्शी अध्ययन। नेफ्रोलॉजी तथा मनश्चिकित्सा विभाग के सहयोग से।

3. कॉनकमिटेंट गॉल पत्थरों तथा कामन बाइल डक्ट पत्थरों के रोगियों में विफल एंडो स्कोपिक पत्थर निष्कर्षण के पश्चात् लैप्रोस्कोपिक अन्वेषण तथा कॉमन बाईल डक्ट के प्राथमिक लैप्रोस्कोपिक अन्वेषण के पश्चात् परिणामों की तुलना का एक अग्रदर्शी अध्ययन (गैस्ट्रोएंट्रालॉजी विभाग)।

4. सर्जरी विभाग में गहन रूप से बीमार ट्रॉमा मरीजों में प्रारंभिक बनाम बाद के ट्राचियोस्टॉमी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एम्स।

5. भारत में सफल रीनल प्रत्यारोपण से पूर्व तथा बाद रोगियों में जीवन गुणवत्ता का अध्ययन (मनश्चिकित्सा विभाग)।

6. सर्जरी विभाग में ट्रॉमैटिक मृत्यु के कारणों एवं पैथेलॉजिक विशेषताओं का अध्ययन, जय प्रकाश नारायण, एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स।

7. एनल्जेसिक एफीकेसी ऑफ ट्रांसवर्सस एब्डामिनिस प्लेन ब्लॉक फॉर लैप्रोस्कोपिक इंग्विनल हर्निया रिपेयर इन एडल्ट पेशेंट्स : एन यादृच्छिकृत नियंत्रित परीक्षण।

8. चुम्बकीय अनुनाद छविकरण को प्रयोग करते हुए हेपाटोसेल्युलर कार्सीनामा का ट्रांसर्टिरियल कीमोएम्बोलिज़ेशन में अनुक्रिया का निर्धारण (गैस्ट्रो एंट्रालॉजी विभाग)।

9. ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा : अग्रदर्शी तथा पूर्वव्यापी पुनरीक्षा (शल्यचिकित्सा विभाग)।

10. इथमोयडल पोलिसी के रोगियों में एंट्रल म्यूकोसल परिवर्तनों का क्लिनिको पैथालॉजिकल अध्ययन (ऑटोरहिनोलैरिन्जोलॉजी विभाग)।

11. गोल स्टोन्स एवं कॉमन बाइल डक्ट स्टोन्स वाले मरीजों के लिए एकल स्टेज बनाम दो स्टेज उपचार की तुलना का रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन।

12. जे पी एन ए टी केंद्र पर ओ टी सेवाओं का लागत निर्धारण। अस्पताल प्रशासन विभाग के सहयोग से

13. मलेरिया के रोगियों में थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी द्वारा प्रसारित इंट्रावास्कुलर कोगुलेशन (डी आई सी) का शीघ्र संसूचन (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग)।

14. जे पी एन ए टी केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के आपात विभाग में आने वाले सड़क यातायात चोट (आर टी आई) के रोगियों का एपीडेमियालॉजीकल अध्ययन।

15. ट्रामेटिक तथा इयाट्रोजेनिक फेशियल नर्व इंजरी के मामलों में क्षति पैटर्न तथा चिकित्सा एवं सर्जीकल उपचार के परिणामों का मूल्यांकन (ओटोरहिनोलैरिंजोलॉमी विभाग)।

16. मलेरिया के तीव्र स्वतः निदान में फ्लो साइटोमीट्रिक हेमोटालॉजी विश्लेषक (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)।

17. पैंक्रियाटिटीज़ में मिनीमली इन्वेसिव नेक्रोसेक्टॉमी (जी आई शल्यचिकित्सा विभाग)।

18. लिमिटेड एम आर आई कोररिजेशन से रिट्रोपेरीटोनियल सोलिड ऑर्गन चोट का मल्टीडिटेक्टर सी टी स्कैन मूल्यांकन।

19. सर्जरी रेजिडेंट के ऑपरेटिव रुम निष्पादन पर लैपरोस्कोपी में अल्प अवधि फोकस्ड प्रशिक्षण प्रोग्राम के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु उत्तरव्यापी यादृच्छिकृत नियंत्रित ब्लाइंडेड अध्ययन।

20. वक्षीय ट्रॉमा में दो भिन्न कंस्ट्रेशनों बनाम इंट्रावेनियस दो ड्रग एनल्जोसिया में वक्ष इपीटुराल एनलजोसिया का बुमीवैकाइन एवं ओपीऑइड से क्षमता एवं सेफ्टी की प्रोस्पेक्टिव, रेंडोमाइज्ड तुलना (एनेस्थैसिजोलॉजी)।

21. ट्रांसआर्टेरियल कीमोथेरेपी और ट्रांसआर्टेरियल कीमोइम्बोलाइजेशन करवा रहे हेपाटोसेल्लूलर कार्सीनोमा मरीजों में गुरदे की असफलता को रोकने में एन एसीटाइलसिस्टेइन का यादृच्छिकृत नियोजित परीक्षण। (गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग)।

22. अनरिसेक्टेबल हिपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार में ऑरल कीमोथैरेपी बनाम स्पोटिव थेरेपी का यादृच्छिकृत परीक्षण। (गैस्ट्रोस्ट्रोलॉजी विभाग)।

23. अनरिसेक्टेबल हिपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार में ट्रांसआर्टेरियल कीमोइम्बोलाइजेशन (टी ए सी ई) बनाम टी ए सी ई प्लस ऑरल कीमोथेरेपी का यादृच्छिकृत नियंत्रित परीक्षण। (गैस्ट्रोस्ट्रोलॉजी विभाग)।

24. अनरिसेक्टेबल हिपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार में ट्रांसआर्टेरियल कीमोइम्बोलाइजेशन (टी ए सी ई) बनाम ऑरल कीमोथेरेपी का यादृच्छिकृत नियंत्रित परीक्षण। (गैस्ट्रोस्ट्रोलॉजी विभाग)।

25. पैनक्रीज के सियूडोसिस्ट का लैपेरोस्कोपिक एवं इंडोस्कोपिक ड्रेलेज की तुलना करते हुए यादृच्छिकृत नियंत्रित परीक्षण। (गैस्ट्रोस्ट्रोलॉजी एवं रेडियोलॉजी विभाग)।

26. स्माल हेपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार के लिए रेडियोफ्रेक्वेंसी एबलेशन बनाम परक्यूटेनियास यादृच्छिकृत नियंत्रित परीक्षण। (गैस्ट्रोस्ट्रोलॉजी विभाग)।

27. लेबल 1 ट्रॉमा केंद्र में जटिल मृदु ऊतक क्षतियों परिमाण, गंभीरता तथा परिणाम का पूर्वदर्शी तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।

28. क्रोनिक पेरीटोनीयल डायलेसिस मरीजों में ऑक्साडेटिव दबाव, इंडोकेलियल डायज फंक्शन और कैरोटिड इंटीमल मीडिया थिक्नेस पर एन एसीटाइलसिस्टेइन का प्रभाव - एक ओपन लेबलयुक्त यादृच्छिकृत परीक्षण (नेफ्रोलॉजी विभाग)।

29. लेवल - 1 ट्रॉमा सेंटर में चेस्ट ट्रॉमा के परिणाम, गंभीरता तथा परिणाम का भूतलक्षी एवं उत्तरव्यापी (एनेस्थेसियोलॉजी और रेडियोलॉजी डायग्नसिस विभाग)।

30. लेवल - 1 ट्रॉमा सेंटर में ट्रॉमैटिक टिपैटोबिलिटी एवं पैनक्रीएटिक चोटों के परिणाम गंभीरता तथा परिणाम की पूर्वव्यापी उत्तरव्यापी मूल्यांकन (गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी एवं रेडियोलॉजी)।

31. स्माल हेपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार के लिए रेडियोफ्रेक्वेंसी एबलेशन बनाम परक्यूटेनियसयादृच्छिकृत यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (गैस्ट्रोस्ट्रोलॉजी विभाग)।

32. ट्रामेटिक लिवर क्षतियों के मूल्यांकन में एम डी सी टी की भूमिका (रेडियोलॉजी डायग्नसिस विभाग)।

33. गंभीर चोट लगे ट्रॉमा रोगियों में वी एच ए (विस्को इलास्टिक हेमोस्टेटिक परख ए प्वायंट ऑफ केयर डिवाईस) की भूमिका (प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग)।

34. क्रोनिक गहन लिम्बा इस्कीमिया के मरीजों में एम्प्यूटेशन को रोकने में ऑटोलोगस स्टेम सेलों की सुरक्षा व प्रभावात्मकता (सर्जरी विभाग)।

35. स्तन कैंसर में इंटरल्यूकिन - 10 लेवल अभिव्यक्ति तथा इसके क्लिनिको पैथालॉजीकल सह संबंध का अध्ययन।

36. आम शल्य चिकित्सीय निवासियों के ऑपरेटिव कक्ष निष्पादन पर पशु मॉडलों / उत्तकों की अंतर्ग्रस्तता वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।

37. पोस्टमोर्टम सी टी स्कैन और पारंपरिक ऑटोप्सी के निष्कर्षों की तुलना करके ट्रॉमा मरीजों में मृत्यु के कारण के पूर्वानुमान में वर्टोप्सी (पोस्टमोर्टम सी टी स्कैन) की भूमिका (रेडियोडायग्नोसिस विभाग)।

38. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में पेरिफेरल वास्कुलर क्षतियों का परिमाण, गंभीरता, परिणामों का अध्ययन करना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 113

सार : 53

पुस्तकों में अध्याय पुस्तक तथा मोनोग्राफ : 21

रोगी उपचार

प्रयोगशाला चिकित्सा

किए गए कुल परीक्षण, पहली अप्रैल 2011 - 31 मार्च 2012, 8,57,274

1.	हिमैटोलॉजी	38,700	टी एल सी	38,700
	हीमोग्लोबीन	22,672	एच सी टी	38,700
	विभेदी काउंट	38,700	एम सी एच	38,700
	आर बी सी	38,700	एम सी वी	38,700
	एम सी एच सी :	38,700	प्लेटलेट काउंट	38,700
	रेटिकुलोसाईट काउंट	13,292	ई एस आर	5,124
	आर बी सी मोर्फोलॉजी	1,805	ब्लड पैरासाइट	4,863
	कुल	**3,96,056**		
	कोएगुलेशन			
	पी टी	20,021	ए पी टी टी	20,021
	टी टी	1,910	फाइब्रीनोजेन	1,928
	थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी (टी ई जी)	1,391	डी-डाइमर	1,842
	कुल	**47,113**		
2.	क्लीनिकल पैथोलॉजी			
	यूरीन रूटीन एवं माइक्रोस्कॉपी	3,485	यूरीन माइयोग्लेबीन	269
	सी एस एफ माइक्रोस्कॉपी	2,412	फैट ग्लोब्यूल्स	61
	कुल	6,227		
	हिमैटोलॉजी सेक्शन में किए गए कुल टेस्ट		4,49,396	
3.	बॉयोकैमिस्ट्री			
	शर्करा	8,896	यूरिया	32,607
	क्रीएटीनाइन	32,718	कैल्शियम	16,115
	फोसफोरस	15,640	यूरिक एसिड	17,676
	सोडियम	32,745	पोटेशियम	32,745
	कुल बिलीरुबिन	17,562	प्रत्यक्ष बिलीरुबिन	17,562
	कुल प्रोटीन	14,955	एल्बुमिन	15,398
	एस जी ओ टी	15,387	एस जी पी टी	15,387
	ए एल पी	15,355	कोलेस्ट्रोल	4,389
	एमीलेज	4,588	एच डी एल डी	1,097
	एल डी एल डी	1,097	टी जी	1,124
	वी एल डी एल	1,124	जी के	279

सी आर पी	328	एम जी	1,499
लीपेज	385	सी के - एम बी	168
सी एस एफ शर्कर	1,200	सी एस एफ प्रोटीन	2,400
पेरीटोनीयल फ्ल्यूड शर्कर	34	यूरीन प्रोटीन	112
पेरीटोनीयल फ्ल्यूड शर्कर	28	यूरीन शर्कर	115
ड्रेन फ्ल्यूड एमीलेज	27	एच बी ए आई सी	19
यूरिन प्रोटीन	36	यूरिन पोटेशियम	36
ए बी जी			
पी ओ 2	7,528	पी सी ओ 2	7,528
पी एच	7,528	एच प्लस	7,528
पोटेशियम (के)	7,528	सोडियम (एन ए)	7,528
बॉयोकैमिस्ट्री सेक्शन में किए गए कुल टेस्ट		3,77,405	

4. माइक्रोबॉयोलॉजी

कल्चर	16,380	बैक्ट्रेरियल पहचान	4540
एंटीबॉडीज सेंसिटीविटी	4540	एच आई वी सिरोलॉजी	551
हिपाटाइटिस बी सिरोलॉजी	586	हिपाटाइटिस सी सिरोलॉजी	487
अस्पताल संक्रमण निगरानी कल्चर		3389	
माइक्रोबायोलॉजी सेक्शन में किए गए कुल टेस्ट		30,473	

5. हिस्टोपैथेलॉजी

संसाधित नमूनों की कुल संख्या	523	ब्लॉकों की संख्या	809
स्लाइडों की कुल संख्या	1383		

रेडियोडाइग्नोसिस

जांच के ब्यौरे पहली अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2012

क्र.सं.	जांच	संख्या
1.	प्लेन एक्स रे इमर्जेंसी	38754
2.	ओ पी डी प्लस एक्स रे	9991
3.	सी टी	17560
4.	डोपलर एवं निर्देशित इंटरवेनशनों सहित अल्ट्रासाउंड	10451
5.	इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं सहित डिजीटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी	82
6.	एम आर आई	1017
7.	फ्लूरोस्कोपी मार्गदर्शित प्रक्रिया विधियां	88
	कुल	77943

न्यायिक चिकित्सा

1. निष्पादित चिकित्साविविध पोस्टमार्टम्स : 896
2. कैजुएल्टी सेवाएं : विभाग जटिल चिकित्साविधिक मामलों के लिए कैजुएल्टी में दिन रात सेवाएं प्रदान कीं।
3. विशेषज्ञ साक्षी के रूप में विभाग के संकाय / निवासियों द्वारा न्यायालय उपस्थित है।
4. नैदानिक न्यायिक चिकित्सा : माननीय न्यायालयों, सी बी आई तथा अन्य जांच एजेंसियों द्वारा संदर्भित मामलों में शामिल।
5. चिकित्सीय विषाक्तता : विषाक्तता सुविधाएं विकसित की जा रही है।

रक्त बैंक

रक्तदान आंकड़ों, जे पी एन ए टी सी, एम्स

माह	संवीक्षित दाता	रक्त देने वाले दाता	प्रतिस्थापक दाता			स्वैच्छिक दाता			अंतरंग स्वैच्छिक दाता	बहिरंग शिविर
			कु.	पु.	स्त्री	कु.	पु.	स्त्री		
अप्रैल 11	852	650	517	514	3	133	116	17	62	71
मई 11	904	765	693	630	9	126	120	6	82	44
जून 11	801	683	593	591	2	90	83	7	90	शून्य
जुलाई 11	744	621	568	562	6	53	49	4	53	शून्य
अगस्त 11	826	714	563	560	3	151	136	15	75	76
सितंबर 11	1000	885	773	764	9	112	106	6	66	46
अक्तूबर 11	930	822	715	707	8	107	91	16	42	65
दिसंबर 11	959	858	773	766	7	85	83	2	85	शून्य
जनवरी 11	989	865	699	684	15	164	158	8	69	95
फरवरी 11	866	754	627	624	3	127	122	5	92	35
मार्च 11	1057	888	698	694	4	190	169	21	102	88
कुल 11	10750	9257	7884	7807	77	1425	1317	108	905	520

स्वैच्छिक रक्त दान शिविरों की संख्या : 10

संघटक पृथक्करण प्रयोगशाला

माह	तैयार किया गया पैक	तैयार किया किया तीज़ा आर बी सी प्लाज्मा	तैयार किए गए प्लेटलेट्स प्रशीतित	तैयार किया गया क्रायोप्रेसीपिटेट
अप्रैल 11	650	631	610	शून्य
मई 11	765	732	715	शून्य

जून 11	683	581	602	38
जुलाई 11	621	579	552	31
अगस्त 11	714	673	656	32
सितंबर 11	885	781	747	98
अक्तूबर 11	822	768	696	97
नवंबर 11	858	837	753	शून्य
दिसंबर 11	865	861	718	21
जनवरी 12	754	731	676	20
फरवरी 12	752	739	646	58
मार्च 12	888	809	637	58
कुल	**9257**	**8722**	**8008**	**453**

रक्त तथा संघटकों का गुणता नियंत्रण : सभी यूनिटों का 1 प्रतिशत

संक्रामक मार्कर प्रयोगशाला तथा दाता परामर्श

माह	एचआईवी		एचबीएसएजी		एचसीवी		वीडीआरएल		एमपी	
	किए गए	रिएक्टिव	किए गए	रिएक्टिव	किए गए	रिएक्टिव	किए गए	रिएक्टिव	किए गए	रिएक्टिव
अप्रैल 11	807	3	803	7	804	4	715	4	650	शून्य
मई 11	906	1	862	12	882	5	794	10	765	शून्य
जून 11	834	1	847	6	849	6	733	5	683	शून्य
जुलाई 11	793	2	791	7	799	3	671	6	621	शून्य
अगस्त 11	868	1	873	10	821	5	752	6	714	शून्य
सितंबर 11	1032	6	1033	9	1043	4	899	1	885	शून्य
अक्तूबर 11	976	4	974	14	976	5	854	5	822	शून्य
नवंबर 11	1027	शून्य	970	20	970	9	881	5	858	शून्य
दिसंबर 11	1055	4	1059	15	1556	4	943	2	865	शून्य
जनवरी 11	750	1	752	7	742	5	759	2	731	शून्य
फरवरी 12	785	1	794	17	790	4	698	2	763	शून्य
मार्च 12	960	6	824	14	922	5	930	4	890	शून्य
कुल	**10793**	**30**	**10582**	**138**	**10654**	**59**	**9629**	**52**	**9247**	**शून्य**

एस

सूचित तथा परामर्शित कुल दाता 86 वी सी टी सी को संदर्भित कुल दाता 9

समूहीकरण प्रयोगशाला

दाताओं की संख्या तथा किए गए रोगी समूहीकरण की संख्या

माह	दाता समूहीकरण	रोगी समूहीकरण	कुल
अप्रैल 11	650	765	1415
मई 11	765	818	1583
जून 11	683	841	1524
जुलाई 11	621	533	1154
अगस्त 11	714	804	1518
सितंबर 11	885	868	1753
अक्तूबर 11	822	889	1711
नवंबर 11	858	869	1727
दिसंबर 11	865	796	1661
जनवरी 12	754	836	1590
फरवरी 12	752	915	1667
मार्च 12	888	913	1801
कुल	**9257**	**9847**	**19104**

आपातकालीन निर्गम

माह	प्राप्त सैम्पल	किए गए क्रॉस मंच	निर्गमित पैक किए की संख्या	एफएएफपी जारी गए आर बी सी	पीआरसी जारी
अप्रैल 11	765	1894	672	441	543
मई 11	818	2010	796	510	669
जून 11	841	1861	800	995	551
जुलाई 11	533	1335	672	590	455
अगस्त 11	804	1858	717	721	552
सितंबर 11	868	2145	853	630	705
अक्तूबर 11	889	2188	881	631	603
नवंबर 11	869	2095	865	755	753
दिसंबर 11	796	1929	866	946	644

जनवरी 11	836	1943	797	582	513
फरवरी 12	915	2192	814	762	616
मार्च 12	913	2146	806	652	514
कुल	9847	23596	9539	652	7118

अन्य अस्पताल रक्त बैंकों को निर्गत रक्त तथा संघटक

माह	रक्त	एफ एफ पी	प्लेटलेट
अप्रैल 11	35	50	153
मई 11	40	55	289
जून 11	76	375	75
जुलाई 11	28	145	160
अगस्त 11	21	145	139
सितंबर 11	20	10	191
अक्तूबर 11	40	60	197
नवंबर 11	18	115	193
दिसंबर 11	71	395	238
जनवरी 12	31	शून्य	97
फरवरी 12	17	100	155
मार्च 12	2	शून्य	5
कुल	**399**	**1450**	**1892**

2011 (जनवरी-दिसंबर) के लिए वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट

2011 के लिए कैजुएल्टी उपस्थिति रिपोर्ट

कुल रोगी	49894
चिकित्सीय - विधिक रोगी	21001
गैर - चिकित्सीय विधिक रोगी	28893
पुरुष	38212
महिलाएं	11682
क्रिटिकैलिटी	
पीला	9888
हरा	35964

लाल	2990
कोई क्षेत्र नहीं	1052
आयु (वर्षों में)	
0-12	5766
13-20	7201
21-30	16902
31-40	9539
41-50	5570
51-60	2856
60 तथा उससे अधिक	2060
कुल टी आर / डिस	45080

सी आर सी से प्राप्त डेटा पर आधारित

2011 के लिए कैजुएल्टी एवं प्रवेश डेटा

राज्य	कैजुएल्टी उपस्थिति		प्रवेश	
		नियमित	अल्प	कुल
दिल्ली	44429	2996	69	3065
यू पी	2264	884	9	893
हरियाणा	1970	476	4	480
पंजाब	41	7	0	7
राजस्थान	257	70	1	71
गुजरात	6	0	0	0
आंध्र प्रदेश	8	3	0	3
मध्य प्रदेश	71	20	0	20
महाराष्ट्र	13	8	0	8
उत्तराखण्ड	120	45	1	46
बिहार	397	132	2	134
झारखण्ड	60	23	0	23
जम्मू और कश्मीर	22	7	0	7
पश्चिम बंगाल	40	15	1	16

उड़ीसा	26	14	0	14
कर्नाटका	6	0	0	0
तमिल नाडु	8	2	0	2
अन्य	159	25	0	25
कुल मामले	49894	4727	87	4814

सी आर सी से प्राप्त डेटा पर आधारित

अवधि के लिए पूर्ण सांख्यिकीय डेटा निम्नानुसार हैं

1.	कुल बिस्तर संख्या	186	कुल कार्यात्मक बिस्तर	176
	वार्ड बिस्तर	120	वार्ड बिस्तर	144
	आईसीयू बिस्तर द्वितीय तल	16	आईसीयू बिस्तर द्वितीय तल	20
	ट्राऐज	30	आईसीयू बिस्तर तृतीय तल	12
2.	कुल कैजुएल्टी उपस्थिति	50625	प्रतिदिन औसत	138
	कुल प्रवेश	4904	प्रतिदिन औसत प्रवेश	14
	ठहरने की औसत अवधि	11दिन		
	कुल अनुवर्तन ओपीडी रोगी	27452		
3.	कैजुएल्टी में कुल रोगी	50625		
	पुरुष	38758	महिलाएं	11867
	एमएलसी	21417	एनएमएलसी	29208
4.	ओपीडी कुल अनवुर्तन रोगी	27452		
	नए	11907	पुराने (पुनःदौरा)	15545
	पुरुष	21809	महिलाएं	5643
	विशेषज्ञता वार ब्यौरा			
	अस्थिरोग	14108	शल्यचिकित्सा	7778
	तंत्रिका शल्यचिकित्सा	5566	आपात चिकित्सा	0
5.	कुल प्रवेश	4904		
	विशेषज्ञता वार ब्यौरा			
	अस्थिरोग	1442	शल्यचिकित्सा	1726
	तंत्रिका शल्यचिकित्सा	1734	आपात चिकित्सा	2
6.	किए गए कुल ऑपरेशन	5026		
	बड़े	4418	लघु	608

	विशेषज्ञता वार ब्यौरा			
	अस्थिरोग	1819	शल्यचिकित्सा	1888
	तंत्रिका शल्यचिकित्सा	1319		
7.	कुल मृत्यु	924		
	48 घण्टे से कम में मृत्यु	581	48 घण्टे के बाद मृत्यु	343
	सकल मृत्यु दर	20 प्रतिशत	निवल मृत्युदर	8 प्रतिशत
	बिस्तर अधिभोग दर	81 प्रतिशत		
	ठहरने की औसत अवधि	11 दिन		
	बिस्तर टर्न ओवर दर	26 रोगी/बिस्तर/माह		

केंद्रीय पंजीकरण और आपात रिसेप्शसन

अवस्थिति के कारण सी आर सी ने जे पी एन ए टी सी में आपात सेवा का कार्य शुरू किया है लगभग 400 से 500 रोगियों को पहली दफा में रोज देखा जाता है और इसमे से लगभग 90 प्रतिशत की इस स्तर पर छंटाई की जाती है। यह रोगी उपचार, अनुवर्ती संगठनात्मक ढांचे, अस्पताल प्रशासन और संबंधित सेवाओं के संबंध में मरीजों, संबंधित / परिचरों, पुलिस, मीडिया और आम जनता को जानकारी उपलब्ध करा रहा है। इस स्तर पर अधिकांश मामलों के सफल निपटान का परिणाम यह है कि दूसरे सेक्शन इस प्रकार अपन कीमती जनशक्ति; जन घण्टे और कार्य के विघटन से बचते हुए सीधे इन मामलों का सामना करने से बचे हैं जिससे संपूर्ण कार्य सामान्य दिशा में हो रहा हो। प्रवेश के समय ही बहुत सारे विजीटरों के प्रश्न की संतुष्टी अपने आप संपूर्ण मौजूदा सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन में मदद करते हुए ट्रॉमा सेंटर के भीतर रश और भीड़ को कम करती है। सी आर सी वर्तमान में तीन अलग समर्पित काउंटरों वाले बहुकार्यात्मक इमर्जेंसी रिसेप्शन के रूप में निम्न के लिए कार्य कर रहा हैं :- (क) दिन-रात आपात रजिस्ट्रेशन (ख) रात-दिन वार्ड / आई सी यू दाखिला। (ग) जांच पड़ताल कागजात मंजूरी काउंटर।

अनुवर्ती ओ. पी. डी. पंजीकरण काउंटर

पंक्ति प्रबंधन प्रणाली के संबंध में विगत वर्ष शुरू किए गए सुधारों के अतिरिक्त चिकित्सा / किटनेस तथा प्रतिपूर्ति दावों के प्रमाणन के लिए एकल स्थल निपटान प्रणाली शुरू की गई थी। सभी संबंधित विशेषताओं के लिए सायंकालीन ओ. पी. डी. की शुरूआत की रिपोर्टिंग के वर्तमान वर्ष में की गई थी।

मुख्य मेडिकल रिकॉर्ड विभाग

उपर्युक्त के अलावा, जे पी एन ए टी सी का मेडिकल रिकॉर्ड सेक्शन (एम आर एस) पहला सरकारी अस्पताल है, जिसने वर्ष 2008 में एन डी एम सी में मृत्यु का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू किया गया था तथा यह सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के बाद मृतक से संबंधित को समन्वित भी कर रहा है। इस वर्ष एम आर एस ने जे एन पी ए सी सी में सभी सूचित मौतों के लिए एम आर एस दिल्ली के साथ साथ अन्य पड़ोसी राज्यों में विभिन्न माननीय न्यायालयों से समनों पर नियमित रूप से कार्यवाही कर रहा है। पिछले वर्ष से सूचना की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई इस अवधि के दौरान कुल 1575 ऐसे समन प्राप्त किए गए थे। एम आर एस दोनों मामलों में, चाहे जीवित हो अथवा मृत, मरीजों के विभिन्न बीमा पॉलीसी के मामलों को भी निपटा रहा है, जो जे पी एन ए टी सी में भर्ती हुए थे। इस अवधि के दौरान ऐसे कुल 67 मामलों का निपटान किया गया था। पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान एम आर एस ने एक्स रे जारी करने के लिए और रेडियो डायग्नोसिस से एक्स रे एकत्र करने हेतु सहयोग करने तथा उन्हें पुलिस को सौंपने के लिए पुलिस अनुरोधों पर विचार किया। इस अवधि के दौरान कुल 1650 ऐसे मामलों का निपटान किया गया था। एस आर एस दिल्ली राज्य / केंद्र सरकार को वर्ष के दौरान जे पी एन टी सी में भर्ती हुए मरीजों /

पीड़ितों से संबंधित सूचना (सहायता / क्षतिपूर्ण आदि के लिए) जारी करने में शामिल हैं। विभिन्न आवेदकों द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत उठाए गए प्रश्नों के उत्तर भी एम आर एस द्वारा 40 मामलों में उपलब्ध कराए गए थे। एम आर एस ने आधारभूत ढांचे के साथ साथ निरंतर इनपुट कंप्यूटर सुविधा के लिए उपलब्ध कराए हैं; ताकि संपूर्ण रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को एक चरणबद्ध तरीके में कंप्यूटरीकृत किया जा सके। जे पी एन ए टी सी में पुलिस पोस्ट में पड़े 19000 इलेक्ट्रॉपिक एम एल सी रजिस्टरों की अभिरक्षा एक चरणबद्ध तरीके से जब भी अनुरोध किया गया, लगभग 7000 मामलों के लिए संकाय / निवासियों / नर्सिंग स्टॉक / प्रयोगशाला स्टॉक / कंप्यूटर सहित के लिए मामला फाइलें पुनः प्राप्त की गई।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य. एम. सी. मिश्रा : अध्यक्ष, सोसायटी ऑफ एंडोस्कोपिक एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जंस ऑफ इण्डिया (सेलसी), 2011; सदस्य विशेषज्ञ समिति जिसका गठन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने किया था, मेडीकल डिवाईस परामर्शी समिति (एम डी ए सी) डी सी जी को इन मामलों में सलाह देने के लिए विविध युक्तियों (1) नए चिकित्सा उपकरणों तथा नैदानिक परीक्षणों (अन्वेषणात्मक नए चिकित्सा उपकरणों को छोड़कर) की समीक्षा तथा विनियामक अनुमोदन से जुड़े मामलें; आई एम आर सी एस परीक्षा, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में बाह्य परीक्षक, 5 से 9 सितंबर 2011 (रायल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एण्ड सर्जंस, गलासगो, यू के द्वारा नियुक्त); मनोनीत सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकार द्वारा गठित अस्पताल सुरक्षा राष्ट्रीय कार्य योजना के विकास के लिए कार्यकारी समूह; जनरल सर्जरी में पी की पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए राजकीय मेडीकल कॉलेज, चण्डीगढ़ के निर्धारण के लिए मेडिकल काउंसिल ऑल इण्डिया द्वारा नियुक्त; मनोनीत सदस्य, एन सी डी प्रभाग, आई सी एम आर मुख्यालय नई दिल्ली, साऊथ एशियन फोरम फॉर हेल्थ रिसर्च की बैठक में भाग लेने के लिए, 5 से 7 फरवरी 2012; ट्रॉमा ग्लोबल उदीयमान एच एस सी सी द्वारा निर्मित एपीडेमिक पर एक संगोष्ठी में भाग लेने तथा नेपाल। भारत मैत्री एमरजेंसी तथा ट्रॉमा सेंटर काठमांडू, नेपाल के कार्य करना को सुकर बनाने के लिए काठमांडू, नेपाल का दौरा करने के लिए एम्स से दल के नेता, 24 से 25 फरवरी 2012; वर्ष 2012 के लिए अकादमी की सदस्यता के लिए अभ्यर्थियों के चयन हेतु क्रीडेंशल्य समिति, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली को सलाह देने के लिए फेलोशिप एडवाइजरी पेनल, प्लास्टिक सर्जरी विधा के लिए मनोनीत; ऑनरेटी एफ आर सी एस (फेलो ऑफ रायल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एण्ड सर्जंस, गलासगो) प्रदान किया गया, 14 मार्च 2012; विचारार्थ प्रस्तुत विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए भारतीय चिकितसा अनुसंधान परिषद् की परियोजना समीक्षा समिति के अध्यक्ष, 19 मार्च 2012; अध्यक्ष, दिल्ली राज्य चैप्टर, एसोसिएशन ऑफ सर्जंस ऑफ इण्डिया, 2012; अध्यक्ष, इण्डियन सोसायटी ऑफ ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर (आर एम टी ए सी), 2012; डी जी एच एस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन एस ई ए आर ओ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक कार्यपाल 'डिकेड ऑफ एक्शन फॉर रोड सेफ्टी, 2011-2020 संबंधी योजना का विकास करने के लिए राष्ट्रीय संसाधन विशेषज्ञ, विज्ञान भवन सौंध, नई दिल्ली, 26 से 27 अप्रैल 2011; डी जी एच एस, आपात चिकित्सा राहत, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित आपदा प्रबंधन संबंधी थिमेटिक ठप समूह के मनोनीत सदस्य; स्वर्णिम चतुर्भुज पूर्वोत्तर तथा दक्षिण पश्चिम गलियारा (ट्रामा देखभाल) पर राष्ट्रीय राजमार्ग संबंधी ट्रामा देखभाल सुविधाओं की स्थापना के लिए उप समूह के मनोनीत सदस्य; राष्ट्रीय अतिथि संकाय, प्रथम अंतर्राट्रीय सम्मेलन तथा प्रगत लैप्रोस्कोपी एवं रोबोटिक्स पर सजीव कार्यशाला, 28 अप्रैल - 1 मई 2011, दि वेस्टिन अंतरराष्ट्रीय अभिसमय केंद्र, कोरेगोव पार्क, पुणे; लैप्रोस्कोपिक इनसिजनल हर्निया रिजेया का सजीव प्रदर्शन किया, 30 अप्रैल 2011; टी ई डी रिपोर्टिंग ऑफ हर्निया, सजीव ऑपरेटिव कार्यशाला, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इण्डिया के उत्तरी चैप्टर का XXIX वार्षिक सम्मेलन (एन सी ए एस आई सी ओ एन) इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला, हिमाचल प्रदेश 6 से 8 मई 2011; विशेषज्ञ तमिलनाडु की राज्य सरकार तथा चैन्नई नगर निगम की भागीदारी में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार तथा यूनाईटेड नेशंस आपदा प्रबंधन दल, भारत के सहयोग से श्री रामचंद्र विश्व विद्यालय में 'ए फोकस ऑन ह्यूमेनीटेरियल एण्ड मेडीकल रिस्पांस' के साथ चैन्नई आपात प्रबंधन कार्यवाई, 4 से 8 अगस्त 2011; वैज्ञानिक सत्र ट्रॉमा देखभाल 2011 एप्रोच 'टू ट्रॉमा पर सी एम ई' शल्य चिकित्सा विभाग, कमांड अस्पताल एयर फोर्स, बंगलौर, की अध्यक्षता की, 17 सितंबर 2011; बाईलैटरल टोटली एब्स्ट्राथेरीटोनियल रिपेयर ऑफ बाइलैटरल ग्रोइन हर्निया की सजीव प्रदर्शन इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जंस, भारत संभाग, किडनी अस्पताल श्रीनगर, जम्मू कश्मीर में 57वें वार्षिक सम्मेलन

में किया, 21 से 24 सितंबर 2011; शल्य चिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडीकल कॉलेज, नई दिल्ली में शल्य चिकित्सा में XXVIII राष्ट्रीय जारी चिकित्सा शिवर कार्यक्रम में सर्जरी अपडेट 2011 के दौरान वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की, 25 सितंबर से 1 अक्तूबर 2011; कांग्रेस अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अतिथि संकाय सोसायटी ऑफ एंडोस्कोपिक और लैप्रोस्कोपिक सर्जंस ऑफ इण्डिया, सेल्मीकॉल व 2011 को चौथा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलनों; गुजरात कैंसर सोसायटी मेडीकल कॉलेज, अहमदाबाद 7 से 9 अक्तूबर 2011; वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की तथा लैप्रोस्कोपिक इन्सिजनल एण्ड वेंट्रल हर्निया रिपेयर की पेनल चर्चा में भाग लिया सोसायटी ऑफ एंडोस्कोपिक एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जंस ऑफ इण्डिया का चौथा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, सेलसीकॉन 2011, गुजरात कैंसर सोसायटी मेडीकल कॉलेज, अहमदाबाद, 7 से 9 अक्तूबर 2011; सजीव शल्य चिकित्सा बाइलैटरल टोटली एक्स्ट्रा पेरीटोनियल रिपेयर ऑफ ग्रोयन हर्निया का निष्पादन किया; सोसायटी ऑफ एंडोस्कोपिक एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जंस ऑफ इण्डिया, सेल्सीकॉन 2011 का चौथा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, गुजरात कैंसर सोसायटी मेडीकल कॉलेज अहमदाबाद, 7 से 9 अक्तूबर 2011; राष्ट्रीय अतिथि संकाय, एंडोक्रीन सर्जरी में 10वां स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, एण्डोक्रीन एएवं स्तन शल्यचिकित्सा विभाग, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ, 3 से 6 नवंबर 2011; राष्ट्रीय अतिथि संकाय, एंडोक्रीन सर्जरी में 10वां स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, एण्डोक्रीन एएवं स्तन शल्यचिकित्सा विभाग, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ, 3 से 6 नवंबर 2011; को क्लिनिकोपैथोलॉजी मामला सम्मेलन के दौरान 'एंडोक्रीन पेथोलॉजी सत्र' के वैज्ञानिक सत्र के संयोजक सह अध्यक्ष अतिथि संकाय, शल्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान, चण्डीगढ़, लाईव ऑपरेटिव वर्कशॉप ऑन एडवासंड लैप्रोस्कोपिक प्रोसीजर्स, 18 नवंबर 2011; लाईव ऑपरेशन ऑन बाइलैटरल ग्रोयन हर्निया (बाइलैटरल टी ई पी रिपेयर) चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन तथा लाईव वर्कशॉप, इण्डियन हर्निया सोसायटी (आई एच एस सी ओ एन 2011), शल्यचिकित्सा विभाग, राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय तथा अस्पताल चण्डीगढ़, 19 से 20 नवंबर 2011; 14 दिसंबर 2011 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में "लीडरशिप चैलेंजिज एण्ड इमर्जिंग रोल्स इन दि हेल्थ सेक्टर' संबंधी पेनल चर्चा में भाग लिया; अतिथि, राष्ट्रीय संकाय, चौथी प्रादेशिक कांग्रेस तथा लाईव वर्कशॉप ऑन लैप्रोस्कोपिक सर्जकरी (लैप्रोकॉन 2012), सर्जंस क्लब, सतना, श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट, वाइलैटरल ग्रोयन हर्निया (बी / एल टी ई जी) तथा लैप्रोस्कोपिक इनसिज़नल हर्निया रिपेयर पर सजीव शल्यचिकित्सा का निष्पादन किया, 4 से 5 फरवरी 2012; वैज्ञानिक यंत्र 'एशियन ई एम एस शोकेस ट्रैक' अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस ऑन एमरजेंसी मेडीकल सर्विस सिस्टम्स की अध्यक्षता इस सार विषय पर की : एवरी सैवेंटु काउंटस एम्स, नई दिल्ली, 9 से 11 फरवरी 2012; अतिथि आचार्य शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा अस्पताल एण्ड क्लिनिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ आयाग हेल्थकेयर अंतरराष्ट्रीय अतिथि संकाय, अंतरराष्ट्रीय एंडोहर्निया सोसायटी (आई ए एच एस) की 5वीं बैठक, इनसिज़नल तथा वेंट्रल हर्निया की लैप्रोस्कोपिक रिपेयर के उपचार पर दिशानिर्देशों के विकास के लिए सर्वसम्मति सम्मेलन, जियांगसू प्रांत, सुजोऊ, चीन, 13 - 16 अक्तूबर 2011।

डॉ. बबीता गुप्ता ने द्वितीय अखिल भारत डिफिकल्ट एयरवे सोसायटी के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रॉमा मरीजों में एयरवे के प्रबंधन पर पैनल चर्चा का संचालन किया; ट्रॉमा एण्ड बर्न्स इन एफ सी सी एस कोर्स, नई दिल्ली, नवंबर, 2011; इश्युज़ इन 'एयरवे मैनेजमेंट इन ट्रामा' एम ए एम सी, फरवरी 2012; रिस्किल स्टेशन ऑन रिजिड फाइबर स्कोपी इन एयरवे, एम ए एम सी का फरवरी 2012 में संचानल किया; नवंबर 2012 में द्वितीय अखिल भारत डिफिकल्ट एयरवे सोसायटी के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में स्किल स्टेशन ऑन क्रिकोथीरिडोटोमी का संचालन किया; पैनल चर्चा 'इश्युज़ इन ट्रामा मैनेजमेंट, आई एस ए एम्मेलन मुंबई का संचालन दिसंबर 2011 में किया; अध्यक्ष 'ट्रामा क्रिटीकल केयर' सत्र, ट्रामा 2011, नई दिल्ली; न्यूरो क्रिटीकल केयर पर नर्सों की सी एम ई, एम्स, मार्च 2012।

डॉ. संजीव भोई नई दिल्ली में 7-8 फरवरी 2012 को 22 फरवरी, 2012 को हैदराबाद में, 28 से 29 जनवरी 2012 को पुणे में, 3 दिसंबर 2012 को रांची में, 4 से 5 नवंबर 2011 को नई दिल्ली में, 15 से 16 जुलाई 2011 को नई दिल्ली में, 6 से 7 मई 2011 को नई दिल्ली में, 14 से 15 अप्रैल 2011 को नई दिल्ली में एम्स अल्ट्रासाउंड लाईफ सपोर्ट कोर्स के कार्यक्रम निदेशक तथा संकाय थे; संकाय, अल्ट्रासाउंड प्रमाणन पाठ्यक्रम : 22 नवंबर 2011 7वीं विनफोकरण विश्व कांग्रेस, नई दिल्ली पाठ्यक्रम निदेशक, अल्ट्रासाउंड ट्रामा लाईफ सपोर्ट, 10 नवंबर 2011; डेमांस्ट्रेशन ऑफ टेलीमेडिसन सॉल्यूशन, 29 अक्तूबर सी ई यू टी ई एच 2011; लेखा परीक्षण, ई एम टी सी पाठ्यक्रम, वेल्लौर, 1 से 3 अक्तूबर, सी एम सी वेल्लौर; कार्यशाला निदेशक : अल्ट्रासाउंड ट्रामा लाइफ

सपोर्ट, भारत अमरीकी आपात चिकित्सा शिखर सम्मेलन, 30 सितंबर - 1 अक्तूबर 2011, नई दिल्ली; संकाय ए टी एल एस, अहमदाबाद, 6-8 सितंबर 2011; प्रेक्षक तथा लेखापरीक्षक; चेन्नई आपात प्रबंधन कार्रवाई, एन डी एम ए, 4 - 8 अगस्त 2011; संकाय; यू एस एल एस प्रमाणन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम एम्स ट्रामा केंद्र, नई दिल्ली; कार्यक्रम निदेशक : नीड एसेसमेंट (ग्लोबल कार्यक्रम), समुदाय स्वास्थ्य केंद्र, बल्लभगढ़, एम्स, 17 अगस्त 2011; संकाय : रोल ऑफ एमरजेंसी अल्ट्रासाउंड इन ई आर कैपिटल ई एन, मुलाना, अम्बाला, 2 से 4 अप्रैल 2011

डॉ. आरुलसेल्वी एस, को अध्ययन शीर्षित 'फ्लोसाइटोमेट्रिक हेमाटॉलॉजी एनालाईज़र फॉर रैपिड आटोमेटिड डायग्नोसिस ऑफ मलेरिया के लिए सर्वोत्तम शोध पत्र अवार्ड मिला, चौथी वेल्लौर सेल, काउंटर श्रृंखला, 16 से 18 सितंबर 2011, होटल सूर्या सोफीटेल, नई दिल्ली, अध्ययन शीर्षित (कोगुलोपैथी एज़ ए प्रोवनोस्टिक प्रीडिक्टर फोलोईंग आइसोलेटिड एक्यूट ट्रामाटिक ब्रेन इंजरी - ए प्रोस्थेक्टिक स्टडी' का सह लेखक करने के लिए ट्रॉमा 2011, इंटरनेशनल कांग्रेस एवं चौथे वार्षिक सम्मेलन, आई एस टी ए सी, एम्स में 9 से 13 नवंबर 2011 को सर्वोत्तम शोध पत्र अवार्ड मिला; ट्रामा 2011, इंटरनेशनल कांग्रेस एवं चौथा वार्षिक सम्मेलन, आई एस टी ए सी, एम्स में, 9-13 नवंबर 2011 में 'पोस्ट ट्रामेटिन? पोस्ट इंफेक्टिव? लूज़ बॉडीज़ इन एल्बोज्वायंट - ए केस रिपोर्ट' शीर्षित अध्ययन के सहलेखन के लिए सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड मिला; ट्रामा केंद्र, एम्स के सर्जरी, आर्थोपेडिन्स एवं न्यूरसर्जरी विभागों में की गई सभी ट्रामा शल्यचिकित्सा के लिए एक अधिकतम शल्यचिकित्सा रक्त आर्डरिंग शेड्यूल (एस एस बी ओ एस) तैयार किया गया है।

डॉ. आदर्श कुमार को पोस्टर शीर्षित 'केस कोरोनर सिंड्रोम इन यंग एडल्ट', कार्थिक कृष्णा, आदश्न कुमार, डी एन भारद्वाज के लिए साऊथ इण्डिया मेडिकोलीगल एसोसिएशन के 8वें वार्षिक सम्मेलन 'शिमला - 2011' कोझीकोर्ड, केरल में 2-4 सितंबर 2011 को प्रथम पुरस्कार मिला है; 5 सितंबर 2011 से 4 मार्च 2012 तक 6 माह की अवधि के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ डुंडी स्कॉटलैण्ड, यू के में कामनवेल्थ अकादमिक स्टॉक फैलोशिप; उन्हें दिसंबर 2011 में 'क्लिनिकल फोरेंसिक एण्ड लीगल मेडिसन' के संभाग के तहत फेलोशिप ऑफ रॉयल सोसायटी ऑफ मेडिसन, लंदन, यू के प्रदान की गई; वे अंगलिया टस्किन यूनिवर्सिटी कैम्ब्रिज, यू के में 24 फरवरी 2012 को अतिथि संकाय थे।

डॉ. अमित गुप्ता को इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लैप्रोस्कोपिक सर्जंस (एफ सी एल एस) की फैलोशिप मार्च 2012 में प्रदान की गई; उन्हें 11 से 14 अक्तूबर 2011 को ट्रामा एण्ड क्रिटिकल केयर सेंटर, कोनखेन प्रादेशिक अस्पताल, कोनकेन, थायलैण्ड में पूर्व अस्पताल देखभाल पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डब्ल्यू एच ओ ट्रैवल फैलोशिप प्रदान की गई; सदस्य कोर समूह : नेशनल गाईडलाइंस फॉर प्री अस्पताल ट्रामा केयर एण्ड मैनेजमेंट ऑफ ट्रामा विक्टिम्स, डब्ल्यू एच ओ एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2011; ट्रामा देखभाल सेवाओं के लिए बारहवीं पंच वर्षीय योजना का मसौदा बनाने वाली डी जी एच एस, भारत सरकार के तहत समिति स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सदस्य 2011; वैज्ञानिक पीठ तथा संकाय - ट्रामा 2011, इंटरनेशनल कांग्रेस, सी एम ई सह लाईव वर्कशॉप तथा द्वितीय वार्षिक सम्मेलन, इण्डियन सोसायटी ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी) 9-13 नवंबर 2011; वैज्ञानिक प्रस्तुतकर्ता, 17वीं वर्ल्ड कांग्रेस, डिजास्टर एण्ड एमरजेंसी मेडिसन, बीजिंग, चीन, 31 मई - 3 जून 2011; विशेषज्ञ, स्वास्थ्य देखभाल में अनुरूपण संबंधी एशिया प्रशांत बैठक में विशेषज्ञ, हांगकांग, चीन 19 से 22 मई 2011।

डॉ. बिप्लव मिश्रा को इण्डियन सोसायटी ऑफ ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी), 2011-12 का संयुक्त सचिव चुना गया; उन्हें इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लैप्रोस्कोपिक सर्जंस की 16 मार्च 2012 को फेलोशिप प्रदान की गई; उन्हें पाठ्यक्रम निदेशक, ए टी एल एस पाठ्यक्रम चुना गया।

डॉ. मनीश सिंघल को कॉलेज ऑफ लैप्रोस्कोपिक सर्जंस सोसायटी की फैलोशिप (एफ सी एल एस) मार्च 2012 में प्रदान की गई; कोषाध्यक्ष, इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रामा एण एक्यूट केयर, नवंबर 2011; प्री अस्पताल ट्रामा लाइफ स्पोर्ट पाठ्यक्रम के प्रत्यायिक अनुदेशक एन ए ई एम टी तथा ए सी एस, संयुक्त राज्य अमेरिका ट्रामा प्रदत्त मार्च 2012।

डॉ. सुबोध कुमार को कॉलेज ऑफ लैप्रोस्कोपिक सर्जंस सोसायटी की फैलोशिप (एफ सी एल एस) मार्च 2012 में प्रदान की गई; इण्डियन सोसायटी फॉर ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर के उपाध्यक्ष, नवंबर 2011; एन ए ई एम टी तथा ए सी एस, संयुक्त राज्य अमेरीका द्वारा प्रदत्त प्री अस्पताल ट्रामा लाईफ सपोर्ट पाठ्यक्रम के लिए अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम निदेशक तथा अनुदेशन के रूप में प्रत्यायित मार्च 2012; सी ओ टी ए सी एस, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रदत्त रूरल ट्रामा टीम डेवलपमेंट कोर्स के लिए अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम निदेशक तथा अनुदेशन के रूप में प्रत्यायित, अप्रैल 2011।

डॉ. सुषमा सागर को इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लैप्रोस्कोपिक सर्जंस (एफ आइ सी एल एस), एंडोसर्ज - 2012, एम्स प्रदान की गई; ट्रामा 2011, इंटरनेशनल सम्मेलन, सी एम ई सह लाइव वर्कशॉप तथा इण्डियन सोसायटी ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी); नवंबर 2011 में सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड। ए डे ऑफ क्लिनिकल वूंड सर्वीलेंस नर्स इन ए बिजी ट्रामा सेंटर; ट्रामा 2011, इंटरनेशनल सम्मेलन, सी एम ई सह लाइव वर्कशॉप तथा इण्डियन सोसायटी ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी); नवंबर 2011 में सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड। हेमोरेज कंट्रोल वियांड ए टी एल एस प्रोटोकॉल, द्वितीय सर्वोत्तम पोस्टर; ट्रामा 2011, इंटरनेशनल सम्मेलन, सी एम ई सह लाइव वर्कशॉप तथा इण्डियन सोसायटी ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी); नवंबर 2011 में सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड। ट्रामाटिक डायफ्रामेटिक इंजरी : ए मार्कर ऑफ मीरियम इंजरी चैलेंजिंग ट्रॉमा सर्जंस, द्वितीय सर्वोत्तम शोध पत्र; अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस कमेटी ऑन ट्रामा द्वारा प्रमाणित एडवांसड ट्रामा लाईफ सपोर्ट (ए टी एल एस) पाठ्यक्रम, भारत के लिए पाठ्यक्रम निदेशक का दर्जा प्रदत्त; एसोसिएट संपादक, जरनल ऑफ सोसायटी फॉर वूंड केयर एण्ड रिसर्च (जे डब्ल्यू एस सी आर) (2011); सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के कोर अध्यापन संकाय समूह के सदस्य; एन आई डी एम में विद्यालय सुरक्षा के लिए दिशानिर्देश निरूपण के लिए दिशानिर्देश निरूपण के लिए समिति के सदस्य (2011)।

डॉ. विवेक त्रिखा सम्पादक, जरनल ऑफ क्लिनिकल आर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रामा, दिल्ली आयोपेडिक्स संघ का सरकारी प्रकाशन; सहायक सम्पादक, इण्डियन जर्नल ऑफ आर्थोपेडिक्स, इंडेक्सड जरनल ऑफ आर्थोपैडिक्स फ्रांस इण्डिया, 2012-14।

डॉ. दीपक गुप्ता को 27-3 अप्रैल 2011 को नेशनल न्यूरोट्रामा सम्मेलन, शंघाई, चीन में नेशनल लेवल। एपेक्स ट्रामा सेंटर इन इडिया में न्यूरोट्रामा यूनिट का विकास शीर्षित शोधपत्र के लिए युग अन्वेषक अवार्ड प्रदान किया गया; उन्हें नवंबर 2011 में इंटर नेशनल सोसायटी ऑफ स्टीरियोटैक्टिक एण्ड फंक्शनल न्यूरोसर्जरी वाई डब्ल्यू एफ एन एस (अंतरराष्ट्रीय), केपटाऊन, दक्षिण अफ्रीका में भाग लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा फैलोशिप अवार्ड प्रदान किया गया। वे इण्डियन जरनल ऑफ स्पाईन सर्जरी के सह संपादक; इण्डियन जरनल ऑफ न्यूरो ट्रामा, पेडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी जरनल तथा इण्डियन जरनल ऑफ स्पाईन सर्जरी के संपादक बोर्ड के सदस्य थे।

डॉ. दीपक अग्रवाल ने 16 से 18 दिसंबर 2011 को एन एस ओ, बंगलौर के वार्षिक सम्मेलन में (ऑन लाइन हेल्थ पोर्टेल इन इम्प्रूविंग न्यूरोसर्जीकल केयर' के लिए सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड जीता, 2 अगस्त 2011 को नई दिल्ली में ई हेल्थ वर्ल्ड अवार्डस 2011 में 'इंटेग्रेटिड, ऑन लाइन पोर्टेल फॉर एम्स ट्रामा सेंटर का विकास करने के लिए ऑन लाई स्वास्थ्य देखभाल प्रदायक हेतु सर्वोत्तम निर्णायक अवार्ड; 15-21 अक्तूबर 2011 को वार्षिक आई एस पी एन सम्मेलन, गोवा में अध्ययन 'दि प्रोगनोसिस ऑफ को अननोन एण्ड अनएटेंडिड डयूरिंग अस्पताल स्टे इन न्यूरोसर्जरी डिपार्टमेंट एण्ड दि प्रॉब्लम्स फेसड ड्यूरिंग नर्सिंग केयर' का सह लेखन करने के लिए सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड; 15 - 21 अक्तूबर 2011 को गोवा में वार्षिक आई एस पी एन सम्मेलन में अध्ययन 'डज़ पीप सफेक्ट सेंटरल वेनस प्रेशन रीडिंग इन मैकेनीकली वेंटीलेटिड हेतु इंजर्ड पेरोंस्म के महलेखन के लिए सर्वोत्तम शोधपत्र अवार्ड; अगस्त 2011 में रांची, झाड़खण्ड में एन टी एस आई के वार्षिक सम्मेलन में अध्ययन 'डिकाम्प्रेसिव क्रेनियेक्टमी फॉर पेडियाट्रिक माइनर हेड इंजरी' के सहलेखन के लिए सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड; नई दिल्ली, भारत में जुलाई 2011 में परियोजना एम पेन (मोबाइल पेशेंट एडमिशन इंफार्मेशन नेटवर्क), के लिए एम स्वास्थ्य श्रेणी हेतु एम बिल्यिंथ 2011 अवार्ड; मई 2011 में जे पी एन ए टी केंद्र, एम्स, पी सी क्वेस्ट आई टी पत्रिका के लिए ऑन लाइन पोर्टेल हेतु पी सी क्वेस्ट द्वारा वर्ष 2011 का सर्वोत्तम आई टी क्रियान्वयन अवार्ड; 27 से 30 अक्तूबर 2011 को एम्स में कास्टइफेक्टिव यूज़ ऑफ टेक्नोलॉजी इन एमरजेंसी हेल्थ केयर संबंधी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा कार्यशाला में अध्ययन 'रोल ऑफ एम्पीरियल एंटीबायोटिक्स ऑन क्लिनिकल इंफेक्ट इन कल्चर नेगेटिव पेशेंटस इन न्यूरोसर्जरी

आई सी यू'' शीर्षित अध्ययन के सह लेखन के लिए द्वितीय सर्वोत्तम शोधपत्र अवार्ड 27 से 30 अक्तूबर 2011 को एम्स में कास्टइफेक्टिव यूज़ ऑफ टेक्नोलॉजी इन एमरजेंसी हेल्थ केयर संबंधी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा कार्यशाला में 'कानोर्डेस बिटवीन दि रिज़नल्स ऑफ ईचियल एस्पीरेट यूजिंग म्यूकस एक्सट्रेक्टर मेथड एण्ड बाई मोडी फाईन नॉन ब्रोंकोस्कोपिक बैल टेक्नीक्स ''के सहलेखन के लिए तृतीय सर्वोत्तम शोधपत्र अवार्ड।27 से 30 अक्तूबर 2011 को एम्स में कास्टइफेक्टिव यूज़ ऑफ टेक्नोलॉजी इन एमरजेंसी हेल्थ केयर संबंधी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा कार्यशाला में ''रीयूज़ ऑफ सेम ग्लब्स ऑफ्ट स्टराइल एण्ड अन स्टराइल प्रोसीजर्स बाई रिपीटिड यूज़ ऑफ हैंड एब्स'' के सह लेखन के लिए तृतीय सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड।

डॉ. सुमित सिन्हा 15 मई 2011 - 14 जून 2011 तक ए ओ स्पाईन फैलो, अस्पताल यूनीवेरीटेरियो काजुस, पोंटीफिशियल कैथलिक यूनिवर्सिटी ऑफ पराना, कुरीटिवा, ब्राजील (कार्यक्रम निदेशक प्रो. लुईस विथाले) थे; वे 10-12 जनवरी 2012 तक अस्पताल रेचटस डेर इसार, यूनिवर्सिटी ऑफ म्युनिच, जर्मनी (कार्यक्रम निदेशक प्रो. बर्नार्ड मेयर) मे आई जी ए एस एस स्पाईन फैलो थे।

पब्लिक सर्विस

आचार्य. एम. सी. मिश्रा

1. पहली अप्रैल 2011 को रात्रि 11.10 बजे प्रसारित ''आपदा प्रबंधन पर 'हेलो जिंदगी के लिए पैनल चर्चा हेतु 'आकाशवाणी एफ एम गोल्ड चेनल' द्वारा कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
2. पहली अप्रैल 2011 को रात्रि 11.10 बजे 'सुपर बंग - एंटीमाइक्रोबियल रिजिस्टेंस' प्रसारण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन दिवस पर चर्चा के लिए 'दूर दर्शन समाचार' नई दिल्ली में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
3. 16 अप्रैल 2011 को सांय 6.00 - 7.00 बजे 'हेल्दी इण्डिया' कार्यक्रम में लाईव फोन के दौरान 'हीमोफीलिया पर चर्चा के लिए 'लोकसभा टी वी नई दिल्ली' कार्यक्रम में लाईव फोन के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
4. 16 अप्रैल 2011 को रात्रि 10.00 - 10.25 बजे पैंक्रियाज़ कैंसर के विरूद्ध यू के के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित 'कैंसर वैक्सीन टेलवैक पर चर्चा के लिए समाचार एवं मनोरंजन चैनल 'आज तक' के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
5. 4 मई 2011 को रात्रि 7-8 बजे ''भारत में महिला स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य, देखभाल' पर चर्चा के लिए 'लोक सभा टी वी', नई दिल्ली पर 'लोक मंच', लाईव कार्यक्रम 'लोक सभा टी वी' नई दिल्ली के लिए अतिथि के रूप में भाग लिया।
6. दिल्ली पुलिस द्वारा फरीदाबाद में जाली औषधियां जब्त करने के मद्दे नज़र भारत में जाली औषधियों की समस्या पर 16 जुलाई 2011 को 7-7.30 बजे रात्रि चर्चा करने के लिए लाईव न्यूज़ कार्यक्रम के दौरान 'इण्डियन टी वी' में भाग लिया।
7. 17 जुलाई 2011 को प्रातः 8.30 - 9.30 बजे कार्यक्रम 'टोटल हेल्थ' में लाईव फोन के दौरान 'स्पाईनल इजरीज' पर चर्चा में कार्यक्रम के लिए 'दूरदर्शन समाचार' नई दिल्ली में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिए।
8. 0 जुलाई 2011 को रात्रि 7.00-8.00 बजे 'क्लिनिकल स्थापना विधेयक 2010' पर चर्चा के लिए 'लोक मंच' 'लोक सभा टी वी' शीर्षित लाईव कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भाग लिया।
9. कोलकाता में रिहाययी मलन में लिफ्ट में फंसने के दौरान कोहनी से ऊपर बांयी बाजू के ट्रामाटिक सम्प्रूटेशन वाले 7 वर्षीय बच्चे के मामले पर चर्चा के लिए 25 जुलाई 2011 को सांय 6.30 - 7.30 बले लाईव न्यूज़ कार्यक्रम 'इण्डियन टी वी' में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
10. बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्धित स्वास्थ्य देखभाल आतंरन पर लोक मंच पर चर्चा के लिए 19 सितंबर 2011 को सांय, 7.00-8.00 बजे लाईव कार्यक्रम लोक मंच 'लोक सभा टी वी' नई दिल्ली के लिए अतिथि के रूप में भाग लिया।
11. 25 अक्तूबर 2011 को प्रसारित 'आकाशवाणी एफ एम गोल्ड चैनल' नई दिल्ली द्वारा 'स्तन कैंसर' पर 'हमारा स्वास्थ्य' कार्यक्रम के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

12. 30 अक्तूबर 2011 को प्रातः 8.30-9.30 बजे 'टोटल हेल्थ' के 400 वें एपीसोट के अवसर पर 'टोटल हेल्थ' कार्यक्रम में लाईव फोन के दौरान 'रोगी डॉक्टर रिश्ता - इलाज करना कितना आसान - कितना मुश्किल' पर चर्चा के लिए 'दूर दर्शन समाचार' विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

13. 5 नवंबर 2011 को दोपहर 2.00-2.30 बजे 'लोक सभा टी वी' नई दिल्ली में 'क्लिनिकल स्थापन अधिनियम 2010 तथा इसका क्रियान्वयन' पर चर्चा के लिए लाईव कोक इन कार्यक्रम 'कानूनी दृष्टिकोण; के लिए अतिथि विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

14. 19 नवंबर 2011 को महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता का सृजन करने के लिए स्तर कैंसर पर चर्चा के लिए 'दूरदर्शन नेशनल' नई दिल्ली में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

15. 26 नवंबर 2011 को सायं 6.00 बजे - 7.00 बजे सड़क दुर्घटना पीड़ित अनुस्मरण दिवस के अवसर पर 'सड़क चोरे' पर चर्चा के लिए लोक सभा टी वी नई दिल्ली में लाईव कोक इन कार्यक्रम 'कानूनी दृष्टिकोण; के लिए अतिथि विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

16. महिलाओं में जागरूकता का सृजन करने के लिए ''लोक मंच पर 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्धित स्वास्थ्य देखभाल आवंटन'' पर चर्चा के लिए लोक मंच 'लोक सभी टी वी' नई दिल्ली शीर्षित लाईव कार्यक्रम के लिए अतिथि के रूप में भाग लिया।

17. 2 मार्च 2012 को दोपहर, 1.00 - 2.00 बजे लोकसभा टी बी। नई दिल्ली में 'बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्धित स्वास्थ्य देखभाल आवरण' पर चर्चा के लिए लोक मंच शीर्षित लाईव कार्यक्रम के लिए अतिथि के रूप में भाग लिया।

18. 8 मार्च 2012 को सायं एक प्राइम समय लाईव वादविवाद के दौरान एन डी टी वी 24 x 7 (अंग्रेजी) पर चोट ग्रस्त बेबी फलक का उसे अस्पताल से डिस्चार्च करने पर पुनर्वास' पर चर्चा के लिए अतिथि विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

19. सिर की चोटें' पर चर्चा के लिए 31 मार्च 2012 को सांय 5.00-6.00 बजे 'लोक सभा टी वी' नई दिल्ली 'हेल्दी इण्डिया' लाईव फोन इन कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

सुमित सिन्हा

17 जुलाई 2011 को प्रात : 7.45 बजे स्पाईन इंजरीज विषय पर दूरदर्शन न्यूज़ पर स्वास्थ्य कार्यक्रम 'टोटल हेल्थ' लाई प्रसारण में भाग लिया।

दीपक गुप्ता

मई 2011 में इपीलेप्सी सर्जरी पर दूरदर्शन समाचार में स्वास्थ्य कार्यक्रम 'टोटल हेल्थ' लाईव प्रसारण में भाग लिया।

10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष

रजत रे

आचार्य

राका जैन

राकेश लाल

मीरा वासवानी
(फरवरी 2012 में सेवानिवृत्त)

अपर आचार्य

अंजू धवन

सह - आचार्य

सोनाली झांजी

अतुल अम्बेडकर

सहायक आचार्य

एन. काव

वैज्ञानिक

अनीता चोपड़ा

हेम सेठी

चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

ब्रह्म प्रकाश

दीपक यादव

बायोकैमिस्ट

रिजवाना कुरेशी

उपलब्धियां

एनडीडीटीसी को चार वर्ष की अवधि (2012-16) के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोगी केन्द्र (डब्ल्यूएचओ-सीसी, आइएनडी 95) नामनिर्दिष्ट किया गया था। केन्द्र में डब्ल्यूएचओ द्विवार्षिकी (सरकार, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र में नशा मुक्ति सेवाओं के नेटवर्क का विकास, स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों में नशीली दवाओं के हस्तक्षेप का आकलन और विधि कार्य स्थल व्यवस्थाओं में शराब के उपयोग को संबोधित करने के लिए) से संबंधित गतिविधियों की शुरूआत और आयोजन भी किया गया और यहां राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण कोष (एनएफसीडीए) और राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा निधिकृत मादक पदार्थों के उपयोग से होने वाले विकारों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों (देश में 6 अन्य संस्थानों के साथ) का आयोजन किया गया। यह देश में मादक पदार्थ निगरानी प्रणाली का अग्रणी बना हुआ है। केन्द्र के संकाय सदस्य विभिन्न परीक्षण कार्यक्रमों और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बैठकों में संसाधन व्यक्तियों के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक निकायों और प्रतिष्ठित अभिजात समीक्षित पत्रिकाओं के संपादकीय मंडलों में प्रमुख स्थान मिला हुआ है और अनेक संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित सम्मान तथा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। केन्द्र द्वारा लगभग 75000 रोगियों का प्रबंधन किया गया है और लगभग 50000 प्रयोगशाला जांचों का आयोजन भी किया गया है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

एमबीबीएस छात्रों में अपनी तैनाती के दौरान उनकी तैनाती केन्द्र पर एक दिन के लिए की जाती है।

स्नातकोत्तर

एम. डी. (मनोचिकित्सा) करने वाले छात्रों की तैनाती उनके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान 6 माह के लिए की जाती है।

पीएच डी और स्नातकोत्तर अध्यापन

- * जर्नल चर्चा-साप्ताहिक
- *सेमिनार-साप्ताहिक
- *रोगी सम्मेलन-साप्ताहिक
- *संकाय/स्टाफ प्रस्तुतीकरण-साप्ताहिक
- सी. सी. आर. और सी. जी. आर : प्रत्येक सेमिस्टर में दो
- सेमिनार - साप्ताहिक (एनडीडीटीसी, गाजियाबाद)

*ये मनोचिकित्सा विभाग और केन्द्र की संयुक्त गतिविधियां हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन, कार्यशालाएं, सेमिनार, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

1. 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' 'सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारियों के लिए कार्यक्रम' एनडीडीटीसी, एम्स और एनएफसीडीए, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, गाजियाबाद, 28 मार्च - 8 अप्रैल 2011, 12-24 सितम्बर 2011 और 13-25 फरवरी
2. 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' 'सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारियों के लिए कार्यक्रम' एनडीडीटीसी, एम्स और एनएफसीडीए, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, चंडीगढ़ (17-19 अगस्त 2011), इम्फाल (21 नवम्बर 2011), रांची (5-6 दिसम्बर 2011 और 12-13 फरवरी 2012), मुम्बई (1-2 दिसम्बर 2011 और फरवरी 2012)
3. वार्षिक दिवस संगोष्ठी 'मादक पदार्थों के विकारों के प्रबंधन के लिए सरकार, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र के बीच सह संबंध' एनडीडीटीसी, एम्स, गाजियाबाद, 13 अप्रैल 2011
4. गैर सरकारी संगठनों के स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम 'बेसहारा बच्चों के लिए हस्तक्षेप' एनडीडीटीसी, एम्स, गाजियाबाद, 29 अप्रैल - 5 मई 2011
5. 'एशिया में मादक पदार्थ के व्यसन के प्रभावी उपचार के लिए व्यावहारिक मार्ग' पर कार्यशाला, एनडीडीटीसी, एम्स और एडलेड यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली - 17-19 अक्तूबर 2011
6. 'भारत में मेथोडोन रखरखाव उपचार' पर प्रशिक्षण कार्यशाला, एनडीडीटीसी, एम्स, (यूएनओडीसी -आरओएसए), नई दिल्ली, 31 अक्तूबर 2011 - 4 नवम्बर 2011
7. ओपियॉइड प्रतिस्थापन उपचार पर एक दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण, तिहाड़ जेल, नई दिल्ली 11 नवम्बर 2011
8. 'सरकारी संगठन, गैर सरकारी संगठनों और निजी नशा मुक्ति सेवाओं के बीच नेटवर्किंग हेतु बैठक' एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली, 12 अगस्त 2011; राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान, बैंगलोर, 19 अगस्त 2011, किंग एडवर्ड मेमोरियल (केईएम) अस्पताल, मुम्बई, 26 अगस्त 2011, क्षेत्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, इम्फाल, 13 सितम्बर 2011

उपर्युक्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में संकाय, सीनियर रेज़ीडेंट और अनुसंधान अधिकारी तथा वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

प्रदत्त व्याख्यान

रजत रे : 3

राका जैन : 4

राकेश लाल : 3

अंजू धवन : 8

सोनाली झांजी : 4

अतुल अम्बेडकर : 17

अनिता चोपड़ा : 1

रिजवाना कुरेशी : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नेशनल कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ मेडिकल प्रोफेशनल्स ऑन ट्रीटमेंट ऑफ सबस्टेंस यूज डिस्ऑर्डर्स। रजत रे, अंजू धवन, एनएफडीएसी, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, 2011-14, 230 लाख रु.
2. डेवलपमेंट ऑफ ए वेब - पोर्टल ऑन प्रोबलम एल्कोहल यूज इन इंडिया। रजत रे, अतुल अम्बेडकर, संजय गुप्ता, विश्व स्वास्थ्य संगठन (जीनेवा), 2010-12, 4 लाख रु.
3. रैपिड सिचुएशन एसेस्मेंट ऑफ ड्रग एण्ड एल्कोहल यूज एट डिगबोई, असम। रजत रे, अतुल अम्बेडकर, राकेश लाल, दीपक यादव, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि. 2011-13 सभी लागतें आईओसी लि. द्वारा वहन की जाएंगी।
4. एफिकैसी ऑफ वेरेनीक्लिनिक फॉर स्मोकलेस तम्बाकू यूज। राका जैन, सोनाली झांजी, वीना जैन, आर स्चनॉल (यूनिवर्सिटी और पैनसिलवेलिया), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रग एब्यूज (एनआईडीए), एनआईएच, 2011-14, 69 लाख रु.
5. फिजिबिलिटी ऑफ ट्रांसपोर्टिंग यूरिन सैम्पल्स ऑफ ड्रग यूजर ऑन फिल्टर पेपर फॉर स्क्रीनिंग ड्रंग ऑफ एब्यूज़ : ए पायलट एक्सप्लोरेटरी स्टडी, राका जैन, अतुल अम्बेडकर, रिजवाना कुरेशी, आईसीएमआर, 2012-14, 12.5 लाख रु.
6. इफेक्ट ऑफ नालबुफाइन ऑफ ओपिएट विड्रॉल इन रैट्स : बिहेवियरल, बायोकेमिकल एण्ड मॉलीक्यूलर स्टडी, राका जैन, टी एस रॉय, अंजू धवन, आईसीएमआर, 2012-15, 46 लाख रु.
7. मेथोडोन मैंटेनस ट्रीटमेंट इन इंडिया : ए मल्टी साइट फिजिबिलिटी एण्ड इफेक्टिवेनस स्टडी। अंजू धवन, रजत रे, अतुल अम्बेडकर, राका जैन, दीपक यादव, अनिता चोपड़ा, यूएनओडीसी आरओएसए, 2011-14, 39 लाख रु.
8. स्टडी टू एक्सप्लोर ट्रांजिशन टू इंजेक्टिंग ड्रग यूज बाय ओपियॉइड यूजर इन नॉर्थ इंडिया! अतुल अम्बेडकर, अनिता चोपड़ा, हेम सेठी, सीपीवायएम और एमएसजे एण्ड ई, भारत सरकार, 2012-14, एसपीवाएम द्वारा

पूर्ण

1. को-ऑर्डिनेशन एण्ड कंवर्जेन्स ऑफ दिल्ली डिस्ट्रिक्ट हेल्थ सर्विस प्रोग्राम्स एण्ड ड्रग यूज इंटरवेंशन फॉर द आउट - ऑफ - स्कूल चाइल्ड। रजत रे, अंजू धवन, डब्ल्यूएचओ भारत, 2010-11
2. डेवलपिंग ए नेटवर्क ऑफ डी-एडिक्टिशन सर्विस फ्रॉम ऑफ गवर्नमेंट, एनजीओ एण्ड प्राइवेट सेक्टर। रजत रे, अंजू धवन, डब्ल्यूएचओ भारत, 2010-11

3. एड्रेसिंग एल्कोहल यूज एट डिवर्स वर्कप्लेस सीटिंग। रजत रे, अतुल अम्बेकर, राकेश लाल, दीपक यादव, डब्ल्यूएचओ भारत, 2010-11
4. मैनेजिंग एल्कोहल यूज इन डिवर्स वर्कप्लेस सीटिंग। रजत रे, अतुल अम्बेकर, दीपक यादव, डब्ल्यूएचओ भारत, 2010-11
5. मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स ऑफ एल्कोहल डिपेंडेंस : कंट्रीब्यूशन ऑफ पॉलीमॉर्फिज्म इन डोपामेनर्जिक एण्ड सेरेटोनर्जिक पाथवे जीन। मीना वासवानी, अतुल अम्बेडकर, आईसीएमआर, 2008-10
6. इफेक्टिवेनस ऑफ योगा इन पेशंट ऑफ ओपिएट डिपेंडेंस। अंजू धवन, राका जैन, दीपक यादव, आयूष एमओएच एण्ड एफडब्ल्यू, 2009-19
7. ओरल सब-सिचुएशन ट्रीटमेंट इन तिहाड़ प्रीजन्स। सोनाली झांजी, राका जैन, हेम सेठी, यूएनओडीसी - आरओएसए, 2008-12
8. फेक्टर्स इंफ्लुएंसिंग परफॉर्मेंस ऑफ आईडीयू टीआई। अतुल अम्बेकर, यूएनओडीसी - आरओएसए, 2011
9. कैपेसिटी बिल्डिंग नीड्स असेस्मेंट ऑफ आईडीयू टीआई इन इंडिया। अतुल अम्बेकर, यूएनओडीसी - आरओएसए, 2011

सहयोगी (वित्त पोषित)

1. पुलमोनरी क्षयरोग के समीयर पॉजीटिव रोगियों में परिणामों पर स्मोकिंग अवसान दखल बनाम अनुशंसित बेसिक स्मेकिंग अवसान सलाह के पैकेज का प्रभाव; एक रैंडामाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, सोनाली झांजी (मेडिसिन विभाग), यूरोपियन कमिशन
2. राष्ट्रीय मादक पदार्थ उपयोग सर्वेक्षण, मालदीव, अतुल अम्बेडकर, आर एम पाण्डे (मालदीव सरकार के साथ) यूओएनडीसी - आरओएसए
3. प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और समुदाय व्यवस्था में मादक पदार्थ के उपयोग से होने वाले विकारों के लिए संक्षिप्त सहायता से सरल सलाह को जोड़ने के साथ संक्षिप्त हस्तक्षेप की व्यवहार्यता और दक्षता की तुलना का एक प्रायोगिक अध्ययन। अतुल अम्बेडकर, दीपक यादव (यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलड डब्ल्यूएचओ सहयोगी केन्द्र के साथ)

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस इंहीबिटर एल-एनएनए का मॉर्फिन उपचार चूहों में नेलोक्सोन द्वारा उत्पन्न ओपेरेंट डिक्रीमेंट के सुग्राहीकरण पर प्रभाव।
2. एनएकेके-। पॉलीमॉर्फिज्म और निकोटिन निर्भरता का संयोजन : एक अग्रगामी अध्ययन।

पूर्ण

1. डिटोक्सीफाइड विषयों के प्लाज्मा नमूनों से नैलेट्रेक्सॉन आकलन।
2. मनोचिकित्सा ओपीडी से गुजरने वाले विपोलर डिस्ऑर्डर के रोगियों में स्वतः सूचित तम्बाकू प्रयोग की वैधता।
3. शराब, तम्बाकू और निषिद्ध मादक पदार्थों के उपयोग के लिए जैविक मापन और स्वयं रिपोर्ट देना।

प्रकाशन

शोध पत्र : 18

पुस्तकें / पुस्तकों के अध्याय / रिपोर्ट / कार्रवाई / मैनुअल : 9

रोगी उपचार

सामान्य सूचना

1.	बिस्तरों की कुल संख्या	:	50
2.	सामान्य वार्ड बिस्तर	:	50
3.	प्राइवेट वार्ड बिस्तर	:	शून्य
4.	ओ. पी. डी. उपस्थिति (एनडीडीटीसी त्रिलोक पुरी समुदाय और मोबाइल क्लिनिक सुंदर नगरी, नई दिल्ली)	:	73070
5.	भर्ती	:	875
6.	छुट्‌टी	:	886
7.	अधिग्रहित बिस्तरों का औसत प्रतिशत	:	66 प्रतिशत
8.	छूट प्राप्त भर्ती शुल्क	:	250

ओ. पी. डी. एवं विशिष्टता निदानशालाओं में उपस्थिति (एनडीडीटीसी)	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
सामान्य ओ.पी.डी.	3984	34965	38949
विशिष्टता क्लिनिक			
तम्बाकू प्रयोग अवसान क्लिनिक	32	596	628
किशोरावस्था क्लिनिक	7	31	38
द्वि-निदान क्लिनिक	45	273	318
क. बाह्य रोगी विभाग	4068	35865	39933
ख. त्रिलोकपुरी समुदायिक क्लिनिक	110	22622	22732
ग. मोबाइल क्लिनिक सुंदर नगरी	10	10395	10405
महायोग : क + ख + ग	**4188**	**68882**	**73070**

जैव रसायन प्रयोगशाला (अप्रैल 2011 और मार्च 2012)

- बायो केमिकल परीक्षण : 20,569
- हिमेटोलॉजिकल परीक्षण : 6,179
- एचआईवी जांच : 322 (एचआईवी नेगेटिव - 255, पॉजीटिव - 50, प्रतीक्षित : 17)

ऐषध छानबीन प्रयोगशाला का वार्षिक रिकॉर्ड (अप्रैल 2011 से मार्च 2012)

	औषध	संख्या
1.	मार्फिन	2713
2.	कोडाइन	2159

3.	ब्यूप्रेनॉर्फिन	2674
4.	प्रॉक्सीवोन	2668
5.	एविल	2159
6.	नेल्ट्रेक्सोन	45
7.	पेंटोजोसाइन	43
8.	नैलोक्सोन	362
9.	डायजेपाम	2579
10.	निट्राजेपाम	2579
11.	क्लोरडायजेपाम	2579
12.	केननाबिस	382
13.	कॉन्टीनाइन	360
14.	इंहैलेंटस	68
मूत्र में जांच की गई औषधियों की कुल संख्या		**21310**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्त्वपूर्ण घटनाएं

केन्द्र : एनडीडीटीसी को डब्ल्यूएचओ के सहयोगी केन्द्र के रूप में मादक पदार्थों के उपयोग हेतु नामनिर्दिष्ट किया गया (2012-16) और इसका उद्घाटन 21 फरवरी 2012 को किया गया था। डब्ल्यूएचओ (भारत कार्यालय) द्विवार्षिक गतिविधि (2011-12) की विभिन्न गतिविधियों की शुरूआत और आयोजन केन्द्र द्वारा किया गया है। डब्ल्यूएचओ, जिनेवा द्वारा समर्थित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं में शामिल हैं :

- परियोजना - शराब और मादक पदार्थों पर ई-स्वास्थ्य पोर्टल
- शराब, धूम्रपान और मादक पदार्थों की छानबीन के परीक्षण (एसिस्ट) का सत्यापन, चरण चार
- एसिस्ट और संक्षिप्त हस्तक्षेप
- शराब के नुकसान देह उपयोग पर स्वास्थ्य क्षेत्र प्रतिक्रिया के लिए कार्यबल

केन्द्र के संकाय सदस्य नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच), यूएसए (उदाहरण के लिए भारत में धुआं रहित तम्बाकू के लिए वेरेनीक्लाइन की दक्षता, जो एनडीडीटीसी, एम्स और यूपीईएनएन, यूएसए की एक संयुक्त परियोजना है) और राजस्व विभाग, वित्त मंत्रायल, भारत सरकार द्वारा समर्थित अनुसंधान का आयोजन करते हैं जो राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण कोष का भाग है (उदाहरण के लिए चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण और संसाधन सामग्रियों का विकास तथा वितरण)।

डॉ. रजत रे प्रतिष्ठित इंटरनेशनल नार्कोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (आईएनसीबी) के सदस्य बने रहे और उन्होंने एक 102वीं आईएन सीबी बैठक में वीएना में भाग लिया (2 - 13 मई 2011 और 24 अक्तूबर - 11 नवम्बर 2011, 30 जनवरी - 3 फरवरी 2012)। वे मादक पदार्थ उपयोग विकार के वर्गीकरण पर डब्ल्यूएचओ कार्यकारी के समूह के अध्यक्ष हैं (आईसीडी 10वां संशोधन) और जिनेवा में विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया (29-30 जून 2011 और 27-29 फरवरी 2012)। वे मादक पदार्थ में कमी पर राष्ट्रीय नीति बनाने वाले विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष भी है, एमएसजे एण्ड ई और बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) के सूत्रण के लिए मादक पदार्थ में कमी पर उप समूह के सदस्य तथा सामाजिक सुरक्षा (मादक पदार्थ नियंत्रण) के क्षेत्र में अनुसंधान सलाहकार समिति के

एक विशेषज्ञ सदस्य, एमएसजे एण्ड ई भी रहे हैं। उन्होंने नार्कोटिक नियंत्रण ब्यूरो (नई दिल्ली, 17 अगस्त 2011) द्वारा आयोजित मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उत्तरी क्षेत्र की क्षेत्रीय समन्वय बैठक के लिए एक संसाधन व्यक्ति के तौर पर भी कार्य किया। वे पत्रिका - इंटरनेशनल ड्रग साइंस एण्ड ड्रग पॉलिसी के संपादकीय मंडल के सदस्य है। उन्होंने निम्नलिखित गतिविधियों का समन्वय किया : दिल्ली जिला स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमों का समन्वय और स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों के लिए मादक पदार्थ के उपयोग पर हस्तक्षेप, सरकार, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्रों के बीच नशा मुक्ति से सेवाओं के नेटवर्क का विकास और विविध कार्यस्थल व्यवस्थाओं में शराब के दुरुपयोग को संबोधित करना।

डॉ. राका जैन ने कानूनी चिकित्सा, चिकित्सा प्रथाओं में चिकित्सीय उपेक्षा और विधि विज्ञान तथाए काय आविष विज्ञान के वर्तमान रुझानों पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र 'विधि विज्ञान, मानव विज्ञान और विविध' की अध्यक्षता की (जयपुर, 3-5 फरवरी 2012)। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए जैव चिकित्सा विज्ञान के पीएचडी परीक्षक और आईसीएमआर के लिए परियोजना समीक्ष के तौर पर भी कार्य किया।

डॉ. राकेश लाल डब्ल्यूएचओ के शराब के नुकसानदेह प्रभाव को कम करने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रतिक्रिया पर कार्य समूह के अध्यक्ष हैं और उन्होंने नॉन थाबुरी, थाइलैंड ने शराब के नुकसानदेह उपयोग में कमी लाने के लिए वैश्विक कार्यनीति के कार्यान्वियन हेतु परिषद के कार्यों की समन्वय बैठक में भाग लिया (11-17 फरवरी 2012)। वे आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य हैं और उन्होंने मनो चिकित्सा विभागों के आकलन के लिए एमसीआई निरीक्षक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने निम्नलिखित गतिविधियों का भी समन्वय किया : सिक्किम पुलिस के कर्मचारियों ने मादक पदार्थों के उपयोग का प्रबंधन और एसिस्ट - संक्षिप्त हस्तक्षेप का सत्यापन।

डॉ. अंजू धवन ने बच्चों और किशोरों में मादक पदार्थों के उपयोग पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति की सदस्य हैं और उन्होंने राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा प्रायोजित बच्चों और किशोरों में मादक पदार्थों के उपयोग पर एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण की शुरूआत की। उन्होंने यूएनओडीसी - आरओएसए के लिए एक तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में मेथोडोन रखरखाव उपचार के लिए व्यवहार्यता आकलन आयोजित किए।

डॉ. सोनाली झांजी को तम्बाकू या स्वास्थ्य पर आयोजित विश्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक छात्रवृत्ति प्राप्त हुई, सिंगापुर (20-24 मार्च 2012)।

डॉ. अतुल अम्बेडकर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ड्रग पॉलिसी, यूनाइटिड नेशन्स रेफरेंस ग्रुप ऑन एचआईवी एण्ड इंजेक्टिंग ड्रग यूज के संपादकीय मंडल के सदस्य हैं और वे एचआईवी तथा मादक पदार्थ उपयोग करने वालों पर तकनीकी संसाधन समूह (नाको), दिल्ली स्कूल और सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय की शैक्षिक समिति तथा इंटरनेशनल एचआईवी / एड्स गठनबंधन की कम्युनिटी एक्शन ऑन हार्म रिडक्शन (सीएएचआर) परियोजना की अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) के सदस्य हैं। उन्होंने इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, कोची में 21 जनवरी 2012 को 62वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 'ओएसटी के साथ ब्यूपेनॉर्फिन' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. अनिता चोपड़ा ने केटिल ब्रून सोसाइटी, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया की वार्षिक संगोष्ठी की सत्र अध्यक्षता का कार्य किया। 11-15 अप्रैल 2011

अतिथि वैज्ञानिक

1. रॉबर्ट ए श्नॉल, पीएचडी, एसो. प्रोफेसर, मनो चिकित्सा विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया, यूएसए, 5 अप्रैल 2012
2. सुश्री लुबना जहिर, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, मालदीव, 20 दिसम्बर 2011
3. समुदाय विकास पर संसदीय स्थायी समिति के पांच सदस्यों का दल, वेस्टर्न कैप प्रांत, दक्षिण अफ्रीका, 17 जनवरी 2012
4. अफगानिस्तान के सरकारी अधिकारियों का 5 सदस्यीय दल (मादक पदार्थ निगरानी प्रणाली के अवलोकन हेतु), 16 मार्च 2012

10.7 तंत्रिका विज्ञान केंद्र

प्रमुख

एच. एच. दाश

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एच. एच. दाश

आचार्य

प्रमोद कुमार बिटठ्ल (अध्ययन अवकाश)

अरविंद चतुर्वेदी

अपर आचार्य

राजेंद्र सिंह चौहान

मिहिर प्रकाश पाण्डिया

सह-आचार्य

गिरिजा प्रसाद रथ

हेमांशु प्रभाकर

तंत्रिका विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

माधुरी बिहारी

आचार्य

कामेश्वर प्रसाद

एम. वी. पदमा श्रीवास्तव

अपर आचार्य

मंजरी त्रिपाठी

विनय गोयल

अचल श्रीवास्तव

गरिमा शुक्ला

रोहित भाटिया

सह-आचार्य

ममता भूषण सिंह

सहायक आचार्य

दीप्ति विभा

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

आचार्य

चित्रा सरकार

अपर-आचार्य

एम. सी. शर्मा

सह-आचार्य

वैशाली सूरी

तंत्रिका नैदानिक मनोचिकित्सा

सह-आचार्य

आशिमा नेहरा वधावन

तंत्रिका विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन. के. मिश्रा

आचार्य

शैलेश गायकवाड़

अपर आचार्य

अजय गर्ग

सहायक आचार्य

लेव जोसेफ

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. के. महापात्र

आचार्य

बी. एस. शर्मा

अपर आचार्य

एस. एस. काले
पी. एस. चंद्रा
आशीष सूरी
मनमोहन सिंह
राजेंद्र कुमार

सह-आचार्य

दीपक अग्रवाल
दीपक कुमार गुप्ता
सुमित सिन्हा
जी. डी. सत्यार्थी

सहायक आचार्य

मनीष सिंह शर्मा
विवेक टंडन
पंकज कुमार सिंह
सचिन ए. कोरकर
हितेश कुमार गुर्जर

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

विशिष्टताएं

तीन नई सुविधाएं (2 ऑपरेशन कक्ष 1 इंट्राऑपरेटिव एमआरआई सुविधा के साथ) और पीएसी क्लिनिक आरंभ किया गया। संवेदनाहरण प्रबंधन 2,764 तंत्रिका संवेदनाहरण प्रक्रियाओं में किया गया। (चयनित 2033 आपातकालीन 731) और 465 तंत्रिका रेडियोलॉजिकल प्रक्रियाएं (240 नैदानिक; 225 चिकित्सीय) की गई थीं। आईसीयू में 3,300 से अधिक रोगियों का प्रबंधन किया गया (226 तंत्रिका विज्ञानी रोग के साथ)। पीड़ा क्लिनिक ओपीडी में कुल 1020 रोगियों (181 नए और 831 पुराने) का प्रबंधन किया गया (219 का इलाज तंत्रिका ब्लॉक से किया गया)।

बारह अनुसंधान परियोजनाओं (2 निधिकृत, 10 विभागीय) को पूरा किया गया जबकि 16 अनुसंधान परियोजनाएं (2 निधिकृत, 14 विभागीय) जारी थीं। सम्मेलनों में 14 व्याख्यान दिए गए और तीन शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। संकाय और रेजीडेंट डॉक्टरों ने 37 लेख प्रकाशित किए (23 अंतरराष्ट्रीय, 14 राष्ट्रीय, वैज्ञानिक पत्रिकाओं में)। अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 11 सार प्रकाशित किए गए। एक संकाय द्वारा पुस्तक में एक अध्याय लिखा गया। विभाग द्वारा एक सीएमई का आयोजन किया गया। यूएसए से तीन वैज्ञानिकों ने आकर विभाग का दौरा किया। दो संकाय सदस्यों ने इण्डियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के महा-सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। एक संकाय सदस्य जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजिकल एनेस्थिसियोलॉजी के सम्पादकीय बोर्ड में था। एक संकाय को अंतरराष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई और उन्होंने गामा नाइफ में आरंभिक क्लिनिकल पाठ्यक्रम किया।

शिक्षा

1. गोष्ठियां, पत्रिका क्लब और प्रकरण प्रस्तुतिकरण (विभागीय अध्ययन कार्यक्रम के भाग के रूप में) सप्ताह में तीन बार आयोजित किए गए (सोमवार, मंगवाल, शानिवार) एक बार में एक घण्टा, पूरे वर्ष, सिवाय अवकाश अवधि के।
2. लेफ्टी सर्जन कमांडर (डॉ.) आर. यादव, डॉ. ए. बिंद्रा, डॉ. के. गोयल, डॉ. एस. जे. भारती और डॉ. टी. चौधरी को डी. एम. (तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान) की डिग्री प्रदान की गई।
3. डॉ. एस. के. दुबे, लेफ्टी कोल. (डॉ.) बी. हूडा, डॉ. एस. लुथरा, डॉ. पी. गुप्ता, डॉ. वी. जैन और डॉ. वी. राजगोपालन) डी. एम. (तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान) पाठ्यक्रम में भाग लिया।

स्नातकोत्तर शिक्षण

एम्स के संवेदनाहरण विज्ञान विभाग से (आठ) एमडी संवेदनाहरण विज्ञान के विद्यार्थियों ने (डेढ़ माह प्रत्येक) प्रशिक्षण प्राप्त किया। एम्स से और 10 (दस) ने संवेदनाहरण विज्ञान यूनिट, डॉ. बी. आर. ए. आई. आर. सी. एच. पारस्परिक आदान प्रदान आधार पर अंतर विभागीय रोटेशन नीति के भाग के रूप में भिन्न भिन्न अवधियों के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

बारह (12) सीनियर रेजीडेंट (एनेस्थेसियोलॉजी विभाग, एम्स से आठ, एनेस्थेसियोलॉजी, बी आर ए आई आर सी एच की यूनिट से 4 और जे पी एन ए टी सी से 9 न्यूरोएनेस्थेसिया में अंतर विभागीय रोटेशन नीति के भाग के रूप में अलग - अलग अवधि के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

लेफ्टीनेंट कर्नल (डॉ.) एन. एस. ए. चंद्रा ने तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान में 30 जून, 2011 (01 जुलाई 2009 - 30 जून 2011) के बीच प्रशिक्षण पूर्ण किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

इण्डियन सोसायटी ऑफ न्यूरो एनेस्थेसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएनएसएसीसी - दिल्ली चेप्टर) की तिमाही बैठक तंत्रिका विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली 8 फरवरी 2012 के दौरान आयोजित की गई थी।

दिए गए व्याख्यान

एच.एच.दास : 5

आर. एस. चौहान : 2

एम. पी. पाण्डिया : 1

जी. पी. रथ : 4

एच. प्रभाकर : 1

प्रस्तुत शोधपत्र : 6

अनुसंधान

वित्तीय परियोजनाएं

जारी

1. न्यूरोइंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं पर चल रहे मरीजों में इसोफ्लूरेंस और प्रोपोफेल एनेस्थेसिया के सिरेब्ऑपरेटिव प्रभावों का मूल्यांकन। डॉ. हेमांशु प्रभारकर, एम्स, जनवरी 2011, 1 लाख रुपए।

2. सुप्रा - टेंटोरियल ट्यूमर सर्जरी पर चल रहे मरीजों में पोस्टक्रैनियाटोमी पेन पर प्रीगेबलिन प्रीमेडिकेशन का प्रभाव। डॉ. गिरिजा प्रसाद रथ; एम्स, मार्च 2011 को पेश करना; 1 लाख रुपए।

पूर्ण

1. सुप्रा टेंटोरियल ट्यूमरों और एमटीएचएफआर जीन बहुरूपता के लिए क्रेनियोटॉमी कराने वाले रोगियों में एनेस्थिसिया के दौरान नाइट्रस ऑक्साइड के प्रभावों का आकलन। डॉ. एच एच दास। आई सी एम आर, 2009-2011, रुपए 4,82,880।

2. ऑपरेशन की अवधि के दौरान एन्यूरिसमल सब एरेक्नॉइड हेम्ब्रेज के बाद स्कंदन की असामान्यताओं का पता आरओटीईएम थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी (टीईजी) द्वारा लगाना। डॉ. हिमांशु प्रभाकर। आई सी एम आर, 2011-2005.2012; रुपए 3,88,377।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. ऑपरेशन से पहले की चिंता और ऑपरेशन के बाद के दर्द पर पहले से प्रीगेबेलिन दवा के प्रभाव।

2. अगले सर्वाइकल डिसेक्टॉमी और फ्यूजन कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद की जटिलाएं।

3. क्रेनियो स्टोसिस के लिए सुधारात्मक सर्जरी कराने वाले रोगियों के परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन : एक भूतलक्षी विश्लेषण।

4. ऑपरेशन के दौरान की जटिलताओं और ब्रेन स्टेम घाव सर्जरी में रोगी परिणामों पर इसके प्रभावों का अध्ययन।

5. मिर्गी की सर्जरी कराने वाले मरीजों में इलेक्ट्रोकोर्टिकोग्राफी पर विभिन्न एनेस्थेटिक एजेंटों के प्रभाव की तुलना करना - एक बाइ स्पेक्ट्रल निर्देशित अध्ययन।

6. मिर्गी की सर्जरी कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के पहले की अवधि का अध्ययन - एक भूतलक्षी विश्लेषण

7. नाइट्रस ऑक्साइड के साथ या इसके बिना पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद बोधात्मक अकार्यात्मकता।

8. ट्रांसस्फीनॉइडल पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद की जटिलताएं।

9. मस्कल रिलैक्सेंट के साथ अथवा इसके बगैर सामान्य एनेस्थेसिया के तहत निष्पादित फाइबर ऑप्टिक ट्राचीयल इनट्यूबेशन से जुड़े लैरीनजीएल मोर्बिडिटी।

10. इलेक्टिव क्रेनियोटॉमी के बाद ऑपरेशन के बाद शुरूआती अवधि में श्वसन संबंधी जटिलताएं - एक भूतलक्षी विश्लेषण।

जारी

1. ऑपरेशन के दौरान प्रोपोफॉल से मस्तिष्क की सुरक्षा पर ऑपरेशन के बाद अवबोध में इंट्राक्रेनियल एन्यूरिज्म सर्जरी के दौरान अस्थायी क्लिपिंग कराने वाले रोगियों पर प्रभावों के अध्ययन करना।

2. एनसेफालोसील वाले बच्चों में पेरीऑपरेटिव प्रबंधन : एक संस्थागत अनुभव।

3. एस - 100 बीटा, सीआर - पी और आईएल-6 उपयोग द्वारा आकलित सुप्रा टेंटोरियल क्रेनियोटॉमी कराने वाले रोगियों में नाइट्रस ऑक्साइड के प्रभाव।

4. क्रेनियोटोमी कराने वाले में बाल रोगियों में ऑपरेशन के बाद की जटिलताएं।

5. इंट्राक्रेनियल दबाव और सिस्टेमिक हीमोडायनेमिक पर 20 प्रतिशत मैनीटॉल और 3 प्रतिशत हाइपरटोनिक सेलाइन के तुलनात्मक प्रभावों का अध्ययन।

6. जागृत अवस्था में क्रेनियोटोमी कराने वाले रोगियों में पेरीऑपरेटिव जटिलताएं - एक भूतलक्षी विश्लेषण

7. हिमोडाइनेमिक प्रतिक्रिया का उदासीनीकरण और डेस्क मेडेटोमिडिन तथा लिग्नोकेन का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य लाभ की रूपरेखा।

8. मोया मोया रोग के लिए सर्जरी करवा रहे मरीजों का एनेस्थेटिक प्रबंधन एवं प्रोस्टऑरेटिव परिणाम।

9. स्पाइनल डिसरेफिज्म के संबंध में सर्जरी करवा रहे बच्चों के पोस्ट ऑपरेटिव स्वास्थ्य लाभ प्रोफाइल पर इंट्राऑपरेटिव डेक्समेडिटो माइडाइन का प्रभाव।

10. सर्वाइकल स्पाइन अचलनशीलजता वाले रोगियों में एंडोट्रेकियल इंट्यूबेशन के लिए स्टाइलेट के साथ या इसके बिना सी-मैक वीडियो लेरिंजोस्कोप का क्लिनिकल मूल्यांकन।

11. मैकिनटॉश ब्लेड वीडियो लेरिंजोस्कोप के साथ तंत्रिका शल्य क्रिया प्रक्रिया कराने वाले रोगियों में स्टाइलेट या बूगी के साथ इंट्यूबेशन सफलता की तुलना।

12. पिट्यूटरी ट्यूमरों के ट्रांस स्फीनॉइडल रिसेक्शन कराने वाले रोगियों में नेसल स्पेक्युलम डालने के कारण उदासीन हिमोडायनेमिक प्रतिक्रिया में डेक्स मेडेटो मिडिन के प्रभाव।

13. गहरी मस्तिष्क उद्दीपन सर्जरी कराने वाले रोगियों में एनेस्थिसिया के निहितार्थों का एक भूतलक्षी विश्लेषण

14. सुप्रा टेंटोरियल सर्जरी में सेवो फ्लुरेन और डेसफ्लुरेन के बीच ऑपरेशन के दौरान मस्तिष्क की स्थिति तथा ऑपरेशन के बाद सुधार की तुलना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 35 **सारांश : 11** **पुस्तकों में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

एनेस्थिसिया पूर्व (पीएसी) क्लिनिक

पूर्व-एनेस्थेसिया जांच (पीएसी) क्लिनिक की शुरूआत तंत्रिका विज्ञान ओपीडी में जनवरी 2012 में की गई थी और कुल 77 रोगियों (75 नए और 2 पुराने) को ओपीडी में देखा गया था।

पेरिऑपरेटिव एनेस्थिसिया उपचार

1. एन एस ओ पी में 2 नए ऑपरेशन कक्ष आरंभ किए गए (इनकी कुल संख्या 7 हो गई), जिनमें से एक में ऑपरेशन के बीच एमआरआई की सुविधा है (मस्तिष्क सूट)।
2. तंत्रिका शल्य चिकित्सा ऑपरेशन : कुल 2764, चयनित 2033 आपातकालीन 731।
3. तंत्रिका विकिरण विज्ञान प्रक्रियाएं : कुल 465, नैदानिक 240 (डी एस ए 112, एम आर आई 127, स्स्टिर्नोग्राफी 1, जी ए 222 के तहत, एम ए सी 18), चिकित्सीय 225 (गामा नाइफ सर्जरी सहित 2, जी ए के तहत 210, एम एसी 15)।

तंत्रिका गहन उपचार यूनिट

गहन उपचार प्रबंधन की तीन इकाइयों में 3,300 से अधिक रोगियों (226 न्यूरोसर्जिकल रोगी सहित) का उपचार किया गया।

पीड़ा क्लीनिक

ओपीडी में कुल 1020 रोगी (181 नए और 839 पुराने) देखे गए थे। इनमें से 219 को ओटी में नर्व ब्लॉकों से उपचार किया गया था।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाक्रम

आचार्य एच. एच. दास ने इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजी एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी), भोपाल, 10-12 फरवरी, 2012 के बीच 'पिछले 25 वर्षों में तंत्रिका संवेदनाहरण प्रभाव को प्रभावित करने वाले तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान के अनुसंधान अध्ययन' पर 12वें वार्षिक सम्मेलन में प्रो. जी आर गोडे सम्मान व्याख्यान दिया।

आचार्य अरविंद चतुर्वेदी ने एशियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर (एसएआरसी) और सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसिया नेपाल (एसएएन) के वार्षिक सम्मेलन के वैज्ञानिक सत्रों में अप्रैल 2011 के दौरान काठमांडू, नेपाल में अध्यक्षता की तथा कैंसर जीव विज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय गोष्ठी में नवम्बर 2011 के दौरान नई दिल्ली में एम्स में होने वाले मस्तिष्क मृत्यु के प्रमाण हेतु एक मनोनीत विशेषज्ञ बनाए गए।

डॉ. आर. एस. चौहान ने वैज्ञानिक सत्र (व्याख्यान) की अध्यक्षता की, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजी एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी), भोपाल, 10-12 फरवरी, 2012 के बीच 12वें वार्षिक सम्मेलन में इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजी एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) की समाचार पत्रिका के सहायक संपादक के रूप में कार्य किया और एम्स में होने वाले मस्तिष्क मृत्यु के प्रमाण हेतु एक मनोनीत विशेषज्ञ बनाए गए।

डॉ. एम. पी. पाण्डिया इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजी एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) की समाचार पत्रिका के सहायक संपादक हैं।

डॉ. जी. पी. रथ ने इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजी एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी), भोपाल, 10-12 फरवरी, 2012 के बीच 12वें वार्षिक सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्रों (व्याख्यान) की अध्यक्षता की, वे इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजी एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के कोषाध्यक्ष और नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंस (एनएएमएस) के सदस्य तथा इंटरनेशनल मेडिकल साइंस अकादमी (आईएमएसए) के अध्येता और एम्स में होने वाली मस्तिष्क मृत्यु के प्रमाण हेतु एक मनोनीत विशेषज्ञ बनाए गए, उन्हें क्लेवलैंड क्लिनिक फाउंडेशन, ओएच, यूएसए में "लेक सेल गामा नाइफ परफेक्शन क्लिनिकल इंट्रोडक्टरी कोर्स" के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

डॉ. एच. प्रभाकर ने ट्रांक्रिट 2012 - चिरकालिक यकृत असफलता पर गोष्ठी में आई एल बी एस, नई दिल्ली में 22 अप्रैल 2012 को गोष्ठी में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की तथा सार्क एसोसिएशन ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट की नौवीं कॉन्ग्रेस में बैंगलोर में 25 - 28 अगस्त 2011 के दौरान पोस्टर सत्र का निर्णय दिया। वे इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजी एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के सचिव हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. आचार्य (डॉ.) अंतौन कोहट, शिकागो, यूएसए
2. आचार्य (डॉ.) मोनिका वैविलाला, सिएटल, यूएसए
3. डॉ. दीपक शर्मा, सिएटल, यूएसए

शैक्षिक, प्रशासनिक, वित्तीय, अभियांत्रिकी, पुस्तकालय, केंद्रीय सुविधाएं आदि

आचार्य एच. एच. दास एम्स के छात्रावासों के अधीक्षक बने रहे।

आचार्य अरविंद चतुर्वेदी ने एनएस सेंटर, एम्स में न्यूरो सर्जरी ऑपरेशन कक्ष का प्रभार लिया।

तंत्रिका विज्ञान

विशिष्टताएं

विभाग को सीएनबीसी टीवी18 हेल्थकेयर एवॉड द्वारा भारत के सर्वोत्तम तंत्रिका विज्ञान विभाग का पुरस्कार दिया गया। विभाग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की क्लिनिकल, अन्वेषणात्मक और चिकित्सीय तकनीकी को अपनाने के साथ रोगी देखभाल की गुणवत्ता सुधारने में तेजी से कदम बढ़ाए हैं और अब इसे तंत्रिका विज्ञान की विभिन्न उपविशेषज्ञताओं में उच्च विशेषज्ञता होने का गर्व है। हमारे सीनियर रेजीडेंट द्वारा चलाए जाने वाले छानबीन ओपीडी में व्यवस्थित नवाचारी प्रणाली आरंभ होने से और एक प्रभावशाली टेलीफोन और ई-मेल आधारित समय तय करने की प्रणाली के साथ हमने अपनी सेवाएं रूपांतरित करने में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं तथा इन्हें अधिक रोगी अनुकूल बनाया है। बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों और देशभर के अलावा विदेशों से आने वाले अवलोकनकर्ताओं के साथ हमने उच्च शिक्षा स्तर बनाए रखा है। हमारा डीएम प्रशिक्षण कार्यक्रम देश में सर्वोत्तम के साथ तुलना योग्य है, जहां विभिन्न श्रेणियों में जटिल चिरकालिक तंत्रिका वैज्ञानिक परिस्थितियों के साथ तंत्रिका रोग संबंधी आपातकालीन परिस्थितियों और गंभीर रूप से बीमार रोगियों को संभालने के साथ रेजीडेंट को सशक्त बनाने का एक संतुलित मिश्रण है। नए दाखिल होने वाले प्रत्येक रोगी के संरचित मूल्यांकन के माध्यम से डीएम प्रशिक्षुओं की शिक्षा और रोगी देखभाल दोनों में सर्वोत्तम रहते हुए कुशलतापूर्वक कार्य पूरे किए जाते हैं। अनेक अतिथि व्याख्यान और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं और बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, जिनमें विभागीय संकाय और छात्र भाग लेते हैं। हमने दुनिया के सर्वोत्तम तंत्रिका विज्ञान केंद्रों के समकक्ष बने रहने के प्रयास जारी रखे हैं। पिछले वर्ष के दौरान हमने अपने बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी डेटाबेस की पुनसंरचना के प्रयास किए हैं और इस विशाल कार्य के शुरूआती कदम उठाए गए हैं।

शिक्षा

स्नातकपूर्व अध्यापन

सभी संकाय सदस्य स्नातक पूर्व व्याख्यानों में पूर्ण भागीदारी के साथ स्नातक पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं। कुछ स्नातक पूर्व छात्र हमारे विभागीय संकाय के मार्गदर्शन के तहत अल्पावधि अनुसंधान कार्य के आयोजन में भी शामिल हैं।

स्नातकोत्तर अध्यापन

विभाग में 18 तंत्रिका विज्ञान रेज़ीडेंट हैं। डीएम बाल रोग तंत्रिका विज्ञान रेज़ीडेंटों की तैनाती प्रशिक्षण हेतु नियमित रूप से की

जाती है। एमडी काय चिकित्सा और मनोविज्ञान के रेज़ीडेंट डॉक्टरों को आवधिक रूप से प्रशिक्षण प्रयोजनों हेतु तैनात किया जाता है। विभाग द्वारा राउंड, साप्ताहिक गोष्ठी, जर्नल क्लब और क्लिनिकल प्रकरण चर्चा के रूप में प्रकरणों के विस्तृत प्रदर्शन के रूप में नियमित अध्यापन किए जाते हैं।

अल्पावधि प्रशिक्षण

डॉ. अजंता केशव राज श्रीलंका से हमारे विभाग में एक वर्ष के लिए दीर्घ अवधि शैक्षिक प्रशिक्षु थीं (20 दिसम्बर 2010 - 20 दिसम्बर 2011)। डॉ. बिगलो जेफ्री, यूएसए से तीन माह के लिए अल्पावधि शैक्षिक प्रशिक्षु थे।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित

रोहित भाटिया

अभिघात पर प्रथम एम्स कार्यशाला : विषयवस्तु - 'अभिघात के मूलभूत तथ्य' 6 अगस्त 2011

अभिघात पर द्वितीय एम्स कार्यशाला : विषयवस्तु - 'चिरकालिक अभिघात उपचार' 7 जनवरी 2012

गरिमा शुक्ला ने मासिक / द्विमासिक बहु विषयक शैक्षिक कार्यक्रम 'एम्स स्लीप ग्रेंड राउंड्स' सफलतापूर्वक आरंभ किया।

एम वी पदमा श्रीवास्तव और **विनय गोयल** ने हाइपॉक्सिक इस्चेमिक मस्तिष्क चोट पर आईसीएमआर कार्यशाला का आयोजन 4-5 फरवरी 2012, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स में किया।

दिए गए व्याख्यान

एम. बिहारी : 4
के. प्रसाद : 14
एम वी पदमा श्रीवास्तव : 19
मंजरी त्रिपाठी : 34
अचल श्रीवास्तव : 5
गरिमा शुक्ला : 9
रोहित भाटिया : 4

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत : 13

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

1. पार्किन्सन रोग में मोटर, वाणी और बोधात्मक कार्यों का तंत्रिका मापन। माधुरी बिहारी, डीबीटी, तीन वर्ष, रुपए 42.5 लाख
2. रिलैप्सिंग - रेमिटिंग मल्टीपल क्लेरोसिस के मरीजों में बी जी 00012 की क्षमता एवं सेफ्टी को निर्धारित करने के लिए रैन्डोमाइज्ड, मल्टीक्यूलर, डबल - ब्लाइंड, प्लेसबो - नियंत्रित, डोज - तुलना अध्ययन। माधुरी बिहारी 1 बॉयोजेन इडेक। 24 माह, रुपए 40 लाख
3. अध्ययन आर आर एम एस के साथ बी जी 00012 की सेफ्टी और क्षमता का अध्ययन। माधुरी बिहारी। जीवद्रव्य विज्ञान विभाग। 5 वर्ष, रुपए 30 लाख।
4. शुरूआती पीडी में यादृच्छिक, बहुकेन्द्रिक, दोहरे ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रण सेफिनामाइड निर्धारित खुराक के अध्ययन। माधुरी बिहारी, मर्कसेरेनो, 24 माह, रुपए 10 लाख

5. मोटर उतार चढ़ाव वाले पीडी रोगियों में अतिरिक्त उपचार के रूप में सेफिना माइड की दक्षता के मूल्यांकन हेतु दीर्घ अवधि नियंत्रित अध्ययन, माधुरी बिहारी, मर्क सेरेनो, दो वर्ष, रुपए 30 लाख

6. उन्नत पीडी में मानव एमएससी प्रतिरोपण की दक्षता के अध्ययन के लिए खुला लेबल परीक्षण। माधुरी बिहारी, रिलायंस लाइफ साइंसेज, 3 वर्ष, रुपए 15 लाख

7. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों के लिए स्टेम सेल प्राप्त इंट्रावेनस ऑटोलोगस बोन मैरा : एक बहुसांस्थानिक प्रोजेक्ट। के प्रसाद, 5 वर्ष। 1,10,64,797 रुपए (सभी केंद्रों सहित लगभग रुपए 7 करोड़)

8. सेंट्रल डेटाबेस प्रबंधन सुविधा : के प्रसाद। बायोटेक्नोलॉजी विभाग, 5 वर्ष, रुपए 34.90 लाख

9. स्ट्रोक बायोलॉजी पर क्षमता निर्माण। के प्रसाद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 5 वर्ष, रुपए 34.90 लाख

10. स्ट्रोक के लिए एक जोखिम फैक्टर के रूप में बेटा एडरिनर्जिक रिसेप्टर और एंगियोटेनसन कन्वर्टिंग इन्जाइम इंकोडिंग जीन पॉली मोर्फिज्म : मामला नियंत्रण अध्ययन। एक मामला अध्ययन नियंत्रण। के. प्रसाद। आईसीएमआर, 3 वर्ष, 14,61,484

11. रैट में स्ट्रोक का मिडिल सेरेबल आर्टेरी ऑक्यूजन मॉडल में सिफ मिलेशन बनाम बी एम एन के मिश्रण में बोन मैरो आणुविक सेल (बीएमएमएनसी) के नियंत्रण के प्रभावों की तुलना। के प्रसाद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 34.18 लाख रुपए।

12. मानव स्वास्थ्य पर गैर आयोनाइजिंग इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड (ई एम एफ) का प्रभाव। एम वी पदमा श्रीवास्तव, आई सी एम आर, 5 वर्ष, 40 लाख रुपए

13. युवाओं में सेरेब्रोवासकूलर रोगों में पैथोजेंस और इनफ्लैमेटरी बायोमार्करों की भूमिका का अध्ययन। एम वी पदमा श्रीवास्तव, आई सी एम आर, 3 वर्ष, रुपए 36 लाख

14. क्रोनिक स्ट्रोक और अशक्तता परिणाम उपायों एवं फंक्शनल एमेजिंग के मरीजों में दो उपचार रिजाइमों की तुलना। एम वी पदमा श्रीवास्तव, आई सी एम आर, 3 वर्ष, रुपए 26 लाख

15. चिरकालिक अभिघात के बाद वृद्धि कारकों के साथ क्लिनिकल रेडियोलॉजिकल मॉड्यूल का उपयोग करते हुए अभिज्ञात से सुधार का पूर्वानुमान। एमवी पदमा श्रीवास्तव, डीसटी, 3 वर्ष, रुपए 42 लाख

16. निरंतर धनात्मक वायु मार्ग दबाव (सीपीएपी) के साथ काडियोवेस्कुलर (सीवी) को घटाने में मानक देखभाल के अलावा गंभीर रुकावटपूर्ण स्लीप एपनिया (ओएसए) के इलाज में प्रभावशीलता का निर्धारण करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बहु केन्द्र, खुले समानांतर समूह, भविष्यलक्षी, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण सेव ट्रायल। मंरी त्रिपाठी, मोनाश यूनिविर्सटी, ऑस्ट्रेलिया, तीन वर्ष, रुपए 30 लाख

17. एपिलेप्सी के परीक्षण चलाने हेतु प्लेटफॉर्म आधारित एक इंटरनेट के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय प्रायोगिक अध्ययन (एपिनेट)। मंजरी त्रिपाठी, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड, न्यूजीलैंड, गैर वित्त पोषित शैक्षिक प्रायोगिक अध्ययन, 5 वर्ष,

18. मिर्गी के लिए रेडियो सर्जरी या खुली सर्जरी (आरओएसई)। मंजरी त्रिपाठी, एनआईएच, तीन वर्ष रुपए 30 लाख प्रति वर्ष

19. इन ट्रैक्ट करने योग्य मिर्गी वाले रोगियों के साथ एमटीएलई के रोगियों में हिप्पोकैम्पस और एमिगडाला के माइक्रो इलेक्ट्रो कॉर्टिको ड्राफिक परिभाषित हिस्सों से जीएबीआरजी2 जीन के उत्परिवर्तन का आकलन। मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 3 वर्ष, रुपए 30 लाख

20. उभरते प्रौद्योगिकी के निर्धारण हेतु जेनेरटिक जानकारी - स्लीप अशक्त ब्रीदिंग एवं स्ट्रोक के मरीजों में नई वेस्कूलर घटनाओं को रोकने के लिए क्रमिक पॉजीटिव एयरवे दाब थैरेपी के प्रभाव : एक रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन। गरिमा शुक्ला। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-12, रुपए 67 लाख

विभागीय परियोजनाएं

1. इंफ्लेमेटरी मार्कस इन सीएसएफ एण्ड सीरम ऑफ पेशेंट्स विद एस एस पी ई एण्ड इफैक्ट ऑफ ट्रीटमेंट।
2. क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड नेचुरल हिस्टोरी ऑफ पी डी एट ए सिंगल टर्शरी केयर हॉस्पिटल।
3. ट्रांसलेशन एण्ड वेलिडेशन ऑफ नॉन - मोटर, सिम्पटम क्वेश्चनायर इन पी डी पेशेंट्स।
4. ट्रांसलेशन एण्ड वेलिडेशन ऑफ पी डी क्यू - 39 इन पी डी पेशेंट्स।
5. स्पेक्ट्रम ऑफ एन एम एस इन पी डी पेशेंट्स एट ए टर्शरी केयर सेंटर।
6. कॉम्प्लीमेंटरी एण्ड अल्ट्रानेटिव मेडिसिनेस इन पी डी।
7. प्रेसक्रिप्शन पैटर्न ऑफ टी बी एम अमंग एम्स फेकल्टी।
8. एससीए में आरएलएस
9. एम एन डी रोगियों में सी एस एफ टेस्टोस्टेरॉन लेवल्स।
10. पी डी में कॉम्प्लीमेंटटरी तथा वैकल्पिक औषधियां।
11. पी डी तथा पार्किन्सनिज्म में ऑलफैक्टरी फंक्शंस।
12. भारत में पी डी का लागत उपचार ।
13. इंप्लासिव ऑफ प्रिवलेंस - पार्किंसन रोग के रोगियों में कंप्लासिव बिहेवियर डिसओर्डर : प्रश्नावली आधारित अध्ययन।
14. पीडी में मूत्ररोग संबंधी दुष्क्रिया तथा पी डी में सैक्सुअल फंक्शन का मूल्यांकन, यूरोलॉजिकल पैरामीटर्स भविष्य सापेक्ष सह-संबंध का अध्ययन।
15. टेम्पोरल लॉब उपस्मार से पीड़ित रोगियों में रिफ्रेक्टरीनेंस का पूर्वानुमान। रिफ्रैक्टरी अपस्कर तथा नियंत्रित उपस्कार बनाम नियंत्रण का प्रभाव।
16. सिरकेडियन स्लीप रिद्म (यूजिंग एक्टिग्राफी वॉच एण्ड प्रोफार्मा)
17. रिफ्रेक्टरी फोकल उपस्कर से पीड़ित रोगियों में वीडियो ईईजी के लोकलाइजिंग वेल्यू में निद्रा की भूमिका।
18. इंट्रेक्टेबल उपस्मार के रोगियों में सर्जरी से पहले तथा सर्जरी के बाद कॉगनिटिव फंक्शन पर निद्रा की प्रभावात्मकता तथा इसका प्रभाव।
19. पी डी रोगियों में अमेंटेडाइन की उपचार प्रक्रिया के दौरान कॉर्नियल स्वास्थ्य।
20. अ. भा. आ. सं. निद्रा क्लीनिक में प्रयुक्त स्लीप बैटरियों का रूपांतरण एवं वैधीकरण।
21. प्रथम एवर स्ट्रोक बनाम रिफ्रेक्टरी उच्चरक्तदाब से पीड़ित रोगियों में ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एजिमा : कॉमन पेथोजेनिक मैकेनिज्म हेतु अनुसंधान।
22. रिफ्रेक्टरी उपस्कार से पीड़ित रोगियों में एड ऑन ट्रीटमेंट क्लोबाज़ेम की प्रभावोत्पादकता
23. जीवन गुणवत्ता पर बाल उपस्मार सर्जरी का प्रभाव : उत्तरी भारत में एक केस नियंत्रित अध्ययन।
24. फोकल सीज़र्स की इक्टल एवं इंटेरिक्टल वीडियो ईईजी की स्थानीय वेल्यू में निद्रा की भूमिका का मूल्यांकन।
25. रिफ्रेक्टरी टेम्पोरल बनाम एक्स्ट्राटेम्पोरल उपस्कार से पीड़ित रोगियों में याद्दाश्त भाषा तथा कार्यकारी प्रक्रिया का अध्ययन।
26. रिफ्रेक्टरी उपस्कार बनाम नियंत्रित उपस्कार के रोगियों में सरकेडियन स्लीप रिद्म का अध्ययन।

27. मैलीग्नेंट एमसीए इंनफ्रैक्ट्स में डिकंप्रेसिव हेमीकेनियोक्टॉमी का दीर्घकालिक परिणाम।

28. बहु स्केलेरोसिस के रोगियों का डेमोग्राफिक नैदानिक विशेषताएं तथा उपचार परिणाम का अध्ययन : एक औद्योगिक रजिस्ट्री।

29. स्ट्रोक्स के सीज़नल तथा सरकेडियन प्रणाली का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ई एन ओ एस : स्ट्रोक में नाइट्रिक ऑक्साइड की प्रभावोत्पादकता - तीव्र स्ट्रोक के रोगियों में ट्रांसडर्मल ग्लाइसीरलट्रीनाइट्रेड, ए नाइट्रिक ऑक्साइड डोनर, एण्ड ऑफ स्टॉपिंग और कंटिन्यूइंग प्राचर एंटीहाइपरटेंसिव थैरेपी के फेक्टोरियल परीक्षा की अनुसंधान संबंधी सुरक्षा तथा प्रभावकता का भविष्य सापेक्ष, अंतरराष्ट्रीय बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, समानांतर समूह, ब्लाइंडिड, नियंत्रित, सहयोगी अध्ययन, (चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, यू. के.)।

2. भारतीय जनसमुदाय में इस्केमिक स्ट्रोक के आनुवंशिक आधार। (यू. के. - इण्डिया एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटिव, ब्रिटिश कोंसिल, 3 वर्ष, रुपए 36,71,641)।

3. ट्रेकोस्टॉमी केयर पर शिक्षण अभिवान के प्रभाव का मूल्यांकन (नार्सिंग महाविद्यालय)

4. स्ट्रोक के बाद उत्पन्न जटिलताओं के रोकथाम के लिए शिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन(नार्सिंग महाविद्यालय)

पूर्ण

1. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक हेतु इंट्रोविनस आर टी पी ए द्वारा थ्रोम्बोलाइसिस : तृतीय अंतरराष्ट्रीय स्ट्रोक परीक्षण (आई एस टी - 3) (चि. अनुसंधान परिषद्, यू. के.)

2. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक से पीड़ित रोगियों के लिए इंट्राविनस ऑटोलोगस अस्थिमज्जा डिराइज्ड स्टेम सेल चिकित्सा : ए मल्टी इंस्ट्यिूशनल प्रोजेक्ट (जैव तकनीकी विभाग)

3. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक रोगियों में प्रयुक्त जी - सीएसएफ स्टेम सेल का मोबिलाइजेशन : एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण (जैव तकनीकी विभाग)

4. लोकस स्पेसिफिक डिजीज डेटाबेस का ऑटोसोमल डोमिनेंट स्पिनोऐरिबेलर एटेक्सिया तथा विकास (वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्)

5. महिलाओं में विश्रांतिहीन लेग्स सिंड्रोम का प्रभाव तथा एक्ताल्पता से उसका संबंध उत्तरी भारत में एक भविष्यसापेक्ष नियंत्रित अध्ययन

6. भारतीय जनसमुदाय में फ्रेडरिक एटेक्सिया हेतु माइकॉन्ड्रियल परिवर्तन तथा कॉमन फाउंडर्स (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 60 **सारांश : 12** **पुस्तकों में अध्याय :14**

रोगी उपचार

विभाग द्वारा रोगी सेवाओं को मैत्रीपूर्ण बनाने का संभव प्रयास किया जा रहा है। गत वर्ष के दौरान हमने ओ पी डी सेवाओं में जांच क्लीनिकों की शुरूआत की है, जिसके द्वारा ओ पी डी में आए सभी रोगियों को तुरंत ध्यान एवं प्राथमिकता प्रदान की जा सके। ई मेल द्वारा ओ पी डी परामर्श हेतु निर्धारित समय दिया जा रहा है जबकि वैयक्तिक तथा दूरभाष द्वारा नियोजित समय प्राप्त करने की प्रणाली को लगातार सुधारा जा रहा है।

अंतरंग, बहिरंग तथा प्रयोगशाला संबंधी डेटा

नए रोगी : 22, 493 **पुराने रोगी :** 33,990

नैदानिक तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान प्रयोगशाला में निर्धारित प्रक्रियाएं

प्रक्रिया	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
ईईजी	272	331	279	284	273	182	241	289	139	253	214	291
ईसीजी	86	90	95	102	90	69	82	97	74	90	93	96
एलटीवीईईजी	12	19	14	17	10	13	29	19	23	16	14	13
एसटीवीईईजी	23	18	21	15	17	14	19	12	20	20	16	
ईपी	16	35	26	32	30	35	27	37	32	31	29	41
ईपीएस	270	318	343	352	269	343	379	400	319	298	335	333
एसएलईईपी	14	15	12	27	24	25	23	17	15	26	28	33

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

वर्ष 2012 में तंत्रिका विज्ञान विभाग को भारत में सी एन बी सी टी बी - 18 हेल्थकेयर पुरस्कार द्वारा तंत्रिका विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर एम. बिहारी को एशिया ऑफ सी आई एम एस प्रकाश न के संपादकीय बोर्ड का सदस्य चुना गया; उन्होंने मुंबई में 1 से 3 जुलाई 2011 को बॉम्बे हॉस्पीटल में न्यूरोकॉन पर व्याख्यान प्रदान किया; 16 फरवरी 2012 को लखनऊ, उ. प्र. में किंग जॉर्ज मेडिकल विश्व विद्यालय में डॉ. के. बी. कुंवर मेमोरियल व्याख्यान दिय; 3 अप्रैल 2011 को अ. भा. आ. सं. में पार्किंसस रोगियों के लिए विश्व पार्किंसन रोग दिवस 2011 का आयोजन किया।

प्रोफेसर के. प्रसाद एविडेंस बोर्ड हेल्थ केयर की अंतरराष्ट्रीय समिति के फाउंडिंग बोर्ड के सदस्य थे; क्लीनिकल एपिडिमियोलॉजी यूनिट, अ. भा. आ. सं. के निदेशक, इंफेक्शियन डिजीज एण्ड ए. आर. आई. रिव्यू ग्रुप ऑफ द इंटरनेशनल केकटेन कोलोबरेशन के सदस्य; टॉस्क फोर्स ऑन क्रोनिक डिजीज बायोलॉजी ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, भारत सरकार के सदस्य; एडिनबर्ग बेस्ड कोकरेन स्ट्रोक ग्रुप एण्ड एम्स्टर डर्म बेस्ड कोकरेन ए आर आई समूह के संपादक अंतरराष्ट्रीय नैदानिक जानपादिक रोग विज्ञान नेटवर्क के सदस्य; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् जैव तकनीकी विभाग विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, यू. के. वेलकम ट्रस्ट, यू. के. यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ, सिंगापुर इंडो ऑस्ट्रेलियन रिसर्च ग्रुप एण्ड अन्य के समीक्षक थे।

प्रोफेसर एम. वी पदमा श्रीवास्तव वर्ष 2012 - 13 में इण्डियन स्ट्रोक एसोसिएशन के अध्यक्ष थे; पी जी आई ई आर, चण्डीगढ़ डी एम परीक्षा के बाह्य परीक्षक; एन बी ई द्वारा न्यूरोलॉजी की डी एन बी पाठ्यक्रम डिजाइनिंग के सदस्य सचिव; डी बी टी द्वारा एस आई बी आर आई भारत सरकार के सदस्य; डी एन बी न्यूरोलॉजी परीक्षण, डी एन बी प्रैसल तथा एन बी ई भारत सरकार स्ट्रान निरीक्षण के बोर्ड सदस्य; डी एस टी द्वारा एफ आई एस डी कार्यक्रम के सदस्य; एस जी पी जी आई, लखनऊ के तंत्रिका विज्ञान विभाग के अतिथि वैज्ञानिक; डी बी टी द्वारा तंत्रिका विज्ञान विभाग भारत सरकार के टास्क फोर्स के सदस्य तथा आई जी एम आर द्वारा भारत में केसरी दल अनुसंधान की टास्क फोर्स के सदस्य रहे।

आचार्य एम. त्रिपाठी को 7 फरवरी 2012 में विकृति विज्ञान तथा संबद्ध विज्ञान के क्षेत्र में 'क्रोनिक एंट्रेक्टेबल एपिलेपली से संबंधित ग्लियो न्यूरोनल विक्षति के नॉवल मार्कर के तौर पर सी डी 34 के विस्तारण संबंधी उत्कृष्ट प्रकाशित लेख हेतु चीफ ऑफ द अर्मी स्टाफ अवार्ड से आर्म्ड फोर्सिस मेडिकल कॉलेज पुणे में सम्मानित किया गया ट्रिगरिंग फैक्टर्स ऑफ सीजर्स इन पीपल विद

एपिलेप्सी; भारतीय उपस्मार संघ तथा इण्डियन एपिलेप्सी सोसायटी इकीन 2012 के 13वें वार्षिक सम्मेलन के सह लेखक रहे तथा उत्तर भारत के जनसमुदाय में इंक्रीस्ड बी डी एन एफ सीरम लेवल्स इन अल्जाइमर्स डिजीज (ए डी) एण्ड माइल्ड कॉगनिटिव इम्पेयरमेंट (एम सी आई) पर पोस्टर बनाने में योगदान दिया; नवंबर 24, 27, 2011 में न्यूरोबायोलॉजी साइकोफार्माकोलॉजी एवं ट्रीटमेंट गाइडेंस पर आधारित दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ग्रीस 2012 में उन्हें थर्ड आई आर डी एस अवार्ड में रिसर्च तथा डॉक्यूमेंटेशन आनंदी बाई जोशी अवार्ड फॉर मेडिसिन पुरस्कार से सम्मानित किया गया; स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय उपस्कार कार्यक्रम के प्रस्ताव प्रस्तुतीकरण हेतु आमंत्रित किया गया जो वर्तमान में योजना आयोग द्वारा संचालित हैं उन्होंने ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रम आई आर ई ए पी, इण्डियन रूलर की शुरूआत की; जिसके लिए उन्होंने पायलट अध्ययन की रूपरेखा बनाई जो 2 वर्षों में पूरी होती है; वह डेवलपमेंट ऑफ प्रैक्टिस गाइडलाइंस फॉर फिजिशियंस नेमड जी ई एम आई एन डी के कोर फाउंडिंग सदस्य है; गाइलाइंस फॉर एपीलेप्सी मैनेजमेंट इन इण्डिया (इण्डियन एपीलेप्सी सोसायटी) एण्ड इज इंवोल्वड इन ईटीपी एपिलेप्सी टीचिंग प्रोग्राम विद द मिशन ऑफ टीचिंग एण्ड रिड्यूसिंग एजुकेशन गेप इन एपिलेप्सी अमंग पी एच डी एण्ड जी पी एस; ए आर डी एस आई दिल्ली द्वारा डेमोशिया से पीड़ित रोगियों की सहायता हेतु परिवारों के लिए वालंटियर नेटवर्क का प्रारंभ अज्लाइकर्स डिजीज फॉर 2011 के प्रकाशन के सह संपादक तथा क्रिटिकल रिकूस इन न्यूरोबायोलॉजी (बेगेल हाऊस इंक) 2012 में संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य रहे।

डॉ. ए. श्रीवास्तव को वर्ष 2011, अक्तूबर में एलोपोथिक मेडिकल ऑफीसर प्रोविन्शियल मेडिकल हेल्थ सर्विस इलाहबाद के साक्षात्कार हेतु लोक सेवा आयोग द्वारा विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित किया गया; मार्च 2011 में ऑल इण्डिया रेडियो पर "याद्दाश्त की कभी (एमनेसिया) कार्यक्रम में हिस्सा लिया; अक्तूबर 2011 में ऑल इण्डिया रेडियो पर प्रायोजित हिंदी वार्ता कार्यक्रम टॉपिक एपिलोप्टिक फिट्स प्रिवेंशन ट्रीटमेंट में हिस्सा लिया।

डॉ. गरिमा शुक्ला वर्ष 2013 में स्पेन में वेलनेशिया में वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ स्लीप मेडिसिन कांग्रेस की इंटरनेशनल साइंटिफिक कमेटी के सदस्य थे; अप्रैल 2011 में नागपुर, महाराष्ट्र में उन्हें इण्डियन स्लीप डिस्ऑर्डर एसोसिएशन की अवैतनिक छात्रवृत्ति प्रदान की गई; अप्रैल 2011 में नागपुर महाराष्ट्र में इण्डियन स्लीप डिस्ऑर्डर एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्लीप मेडिसिन एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्लीप मेडिसिन इक्जामिनेशन में प्रथम डिप्लोमा संचालन हेतु आमंत्रित किया गया; सितंबर 2011 में कनाडा में क्यूबेक में डब्ल्यू ए एस एम कांग्रेस पर शेष प्रस्तुति के लिए आर एल एस रिसर्च सेकेण्ड कांसिक्यूटिव टाइम फॉर ट्रेनिंग अवार्ड ग्लोबल फर्स्ट प्रदान किया गया; सितंबर 2011 में कनाब क्यूबेक में डब्ल्यू ए एस एम कांग्रेस के आर एल एस रिसर्च हेतु हेनिंग अवार्ड के लिए चुनी गई अनुपमा रिसर्च हेतु प्रस्तुत लेख के ग्लोबल फर्स्ट मेंटोर तथा मुख्य मार्गदर्शक रहे सात में से दो पुरस्कार एफ सी केंद्र द्वारा प्राप्त) मार्च 2011 में स्लीप अवेयरनेंस एक्टिविटिज़ के आयोजन के दौरान वर्ल्ड स्लीप अवेयरनेंस मंथ का आयोजन किया; विंग आफद वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ स्लीप मेडिसिन की वर्ल्ड स्लीप डे कमेटी के सक्रिय सदस्य रहे; रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया इम्प्लाईंग हेडक्वार्टर्स में स्लीप अवेयरनैंस पर व्याख्यान प्रदान किया।

डॉ. आर. भाटिया मल्टीपल स्केलेरोसिस फेडरेशन (एम एस आई एफ) के बोर्ड सदस्य थे; इण्डियन स्ट्रोक एसोसिएशन की एक्जीक्यूटिव समिति के सदस्य चुने गए; जून 2011 में यूनिवर्सिटी ऑफ डेलबर्ग एण्ड मेनहिम जर्मनी में प्रतिस्ति, समर स्कूल ऑफ स्ट्रोक के लिए चुने जाने वाले एकमात्र भारतीय डेलीगेट थे स्ट्रोक तथा मल्टीपल स्केलेरोसिस पर शिक्षण कार्यशाला का कांसेप्ट शुरू किया जा नियमित आधार पर चलाया जा रहा है अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा प्रोस्टिजियस एन्युल इंटरनेशनल स्ट्रोक कांफ्रेंस हेतु तीन वर्षों के लिए सार समीक्षक के तौर पर आमंत्रित किया गया; मई 2011 में वर्ल्ड मल्टीपल स्केलेरोसिस डे का आयोजन; अक्तूबर 2011 में विश्व स्ट्रोक दिवस का आयोजन किया।

डॉ. ममता बी. सिंह ने 2012 में अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी पेलाट्की लीडरशिप एडवोकेसी फोरम फैकल्टी रिकेन अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी इंटरनेशनल स्कोलरशिप पुरस्कार प्राप्त किया; 2012 में प्रो. पीटर एण्ड जाइट वोल्फ अवार्ड फॉर बाल्टिक सी एपीलेप्सी समर रोस्टॉक जर्मनी प्राप्त किया; अमेरिकन अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी जर्मनी प्राप्त किया; अमेरिकन अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी ग्लोबल हेल्थ सेक्शन के संस्थानक सदस्य के तौर पर आमंत्रित थे; अपस्मर के क्षेत्र में अमेरिकन अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी

की ओर से डिसऑर्डर रिलेटिड एक्सपर्ट के एएएन मीडिया एक्सपर्ट प्रोग्राम द्वारा आमंत्रित; कंटीन्यूस टू प्रोवाइड एपीलेप्सी आऊटरीच क्लीनिक्स एण्ड एपीलेप्सी अवेयरनेस प्रोग्राम फॉर द विलेजिस एण्ड एपिलेप्सी मैनेजमेंट ओरिएंटेशन फॉर लोकल फिजिशियन यू द लाइफलाइन एक्सप्रैस (वर्ष के दौरान 8 आऊट रीच साइट्स, मुरैना, म. प्र. 2,3 अप्रैल 2011; वसिंद महाराष्ट्र, 14 - 15 मई 2011; जगदलपुर छत्तीसगढ़, 8, 9, 11 जुलाई 2011; गुंटूर, आंध्र प्रदेश 10, 11 सितंबर 2011; सिंगरौली, म. प्र., 15, 16 अक्तूबर 2011; राजगीर, बिहार, 11, 12 फरवरी 2012; बैतूल, म. प्र. 5, 6 मई 2012; कटनी, म. प्र. 21, 22 जुलाई 2012।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. असुरी एन. प्रसाद, प्रोफेसर ऑफ पीडिएट्रिक्स एण्ड न्यूरोलॉजी यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ओंटारियो, लंदन ओंटारियो, कनाडा, गेस्ट लेक्चर कम वर्कशॉप ऑन ओंटारियो, कैनाडा, गेस्ट लेक्चर कम वर्कशॉप ऑन (न्यूरोमेटाबोलिक डिसऑर्डर, 13 जलाई 2012, अ. भा. आ. सं.।

2. प्रो. सुदांशु चक्रवर्ती, को - डायरेंक्टर ऑफ न्यूरोलॉजी (क्लीनिक न्यूरोफिजियोलॉजी एण्ड स्लीप मेडिसिन) न्यू जर्सी न्यूरोसाइंसिस, इंस्टीट्यूट, जे एफ के, मेडिकल सेंटर हॉल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन, साऊथ आरेंज, न्यू जर्सी, यूएसए गेस्ट लेक्चर वर्कशॉप ऑन 'रेम स्लीप बिहेवियर डिसऑर्डर एण्ड स्लीप रिलेटिड मूवेमेंट डिसऑर्डर्स, 12. 2.2012, अ. भा. आ. सं.

3. डॉ. राम मागंती, एपिलेप्टोलॉजिस्ट एण्ड स्लीप डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट मेडिकल डायरेक्टर, ई ई जी लेबेरेटरी, बैरो न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, सेंट जोजफ हॉस्पिटल एण्ड मेडिकल सेंटर, फोनिक्स, एरिज़ोना, यू. एस. ए., गेस्ट लेक्चर एनटाइटल 'एपिलेप्सी सर्जरी, नॉट द लास्ट रेसोर्ट' 14 दिसंबर 2011, एम्स

4. डॉ. विजय शर्मा, कंसलटेंट न्यूरोलॉजिस्ट फॉम द नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, गेस्ट लेक्चर ऑन 'ट्रांसक्रेनियल डोपलर इन न्यूरोलॉजी'

तंत्रिका विकृति विज्ञान

शिक्षा

व्याख्यान प्रदत्त

चित्रा सरकार : 17

एम. सी. शर्मा : 6

वैशाली सुरी : 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. ग्लायल ट्यूमर्स : ए केरोलेटिव क्लीनिकोपेथोलॉजिकल स्टडी ऑफ क्रोमोसम्स आई पी/19क्यू स्टेटस, इपीडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ई जी एफ आर) एम्पलीकेशन एण्ड पी ^{53} एक्सप्रेशन डॉ. चित्रा सरकार। आई सी एम आर, 2007-11, 16.5 लाख रुपए।

2. वयस्क चूहों में पेरिफेरल तंत्रिका पुनर्निर्माण में अस्थिमज्जा डिराइल्ड मोनोकूलीयर कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन। डॉ. वैशाली सूरी, अ. भा. आ. सं, 2006-11, रुपए 18 लाख ।

3. वयस्क रोगियों में बी सी एन यू अथवा टीमोजोलोमाइड द्वारा तुलनात्मक मानक उपचार में रिकरेंस अथवा रिफ्रैक्ट्री एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा की प्रभावकता तथा ए पी 12009 की सुरक्षा : एक यादृच्छिक एक्टिवली कंट्रोल्ड, ओपन लेबल क्लीनिकल फेज - 2 अध्ययन। चित्रा सरकार, एंटीसेंट फार्मा, जर्मनी, 2007-11, 25 लाख रुपए

4. मस्तिष्क के एस्ट्रोसाइटिक ट्यूमरों में एस्ट्रोसाइटिक एंजियोजेनेसिस में एंजियोजेनेसिस : ए क्लीनिको पेथोलॉजिकल इंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वी ई जी एफ) के अभिव्यक्ति के विशेष सदंर्भ में क्लीनिकों पैथोलॉजीकल स्टडी विद स्पेशनल रेफरेंस टू एक्सप्रेशन ऑफ वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रीथ फैक्टर (वी ई जी एफ) एण्ड हाइपॉक्सिया इंडयूक्बिल फैक्टर (एच आई एफ)- अल्फा एंड कोरोलेशन विद वेस्कुलर मॉर्फोमेट्रिक पैरामीटर्स एण्ड ट्यूमर इनफ्लेमेटरी सेल्स. चित्रा सरकार। आई सी एम आर; 2009-12, 21 लाख रुपए

5. ग्लायोब्लास्टोमा मल्टीफोरम फेज 2 / 3 नैदानिक परीक्षण के भारतीय रोगियों में विकिरण चिकित्सा सहित टीमोज़ोलामाइड (कॉन्फोमिटेंट एण्ड एडजुवेंट) समन्वय में प्रवेशित तथा व्यवस्थापन चिकित्सा के तौर पर बायोमैब - ई जी एफ आर के सुरक्षा तथा प्रभावकता के मूल्यांकन का ओपन लेबल, भविस्परसापेक्ष, बहुकेंद्रीय अध्ययन। चित्रा सरकार। बायोकॉन बायोफार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड 2008-11, 15 लाख रु.

जारी

1. बच्चों तथा वयस्कों में ग्लायोब्लास्टोमा : मॉलीक्यूलर पाथवेज तथा एम जी एम टी मिथाइलेशन स्टेट्स के विशेष संदर्भ द्वारा तुलानात्मक अध्ययन, वैशाली सूरी आई. सी. एम. आर। 2010-13, 24 लाख रुपए

2. ग्लियोमास में पॉलीकोम्ब रिप्रैसिव काम्पलेक्सिस का एक क्लीनिकोपेथोलॉजिकल तथा मॉलीक्यूलर आनुवंशिक अध्ययन। चित्रा सरकार। आई. सी. एम. आर., 2012-15, 50 लाख रु.

3. ग्लयाल ट्यूमर्स तथा सेल लाइन्स के स्टेमनेस में हाइपोक्सिया तथा पी 53 एच आई सी आई। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग। 2009-12, 50.5 लाख रु.

4. गिलयोब्लास्टोमा में हाइपोक्सिया तथा नॉच सिगनेलिंग : एडवर्स फीनोटाइप हेतु जटिलताएं। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग। 2011-12, 48 लाख रु.

5. ग्लियोब्लास्टोमा में हाइपोक्सिया रेजिस्टेंस का मॉलीक्यूलर मैकेनिजम : माइको आर एन ए एस की भूमिका। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग। 2011-14, 65 लाख रु.

6. अभी तक जन्में शिशु में आनुवंशिक मूल्यांकन में ऐरे आधारित तुलनात्मक जीनोमिक हाइपब्राइजेशन (ऐरे सी जी एच) की नैदानिक एप्लीकेशन्स। चित्रा सरकार तथा एम. सी. शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2012-15, 85 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. जी बी एम एस में पी टी ई एन और सी डी के एन 2 परिवर्तन जीन का अध्ययन।

2. ग्लियोमास में आई डी एच - 1 म्यूटेशन का अध्ययन।

3. ग्लियोमाजेनेसिस का अध्ययन : शी-ग्ली पाथवे की भूमिका।

4. ग्लियोसरकोमा : ए क्लीनिको पेथोलॉजिकल एण्ड मॉलीक्यूलर स्टडी विद स्पेशल रेफरेन्स टू एम जी एम टी प्रोमेटर मिथाइलेशन।

5. आइडियापेथिक इनफ्लैमेटरी मायोपैथिज में साइटोकाइन्स, कीमोकाइन्स और एन एफ के बी की डेंड्रीटिक कोशिकाओं तथा एक्सप्रेशन की विशेषताएं।

6. मॉलीक्यूलर सब टाइपिंग ई बी वी - सी आई एस एच तथा क्लीनिकोपैथोलॉजिकल एनालिसिस ऑफ प्राइमरी सी एन एच लिम्फोमा (पी सी एन एस एल)

7. एपेनडाइमोमस में डब्ल्यू एन टी तथा एन ओ टी सी एच पाथवे प्रोटीन्स का एक्सप्रेशन। एक क्लीनिकल विकृति विज्ञान एवं इम्युनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन।

8. एपेनडाइमोमस में सी डी के एन 2 ए / पी 16 परिवर्तन का विश्लेषण।

9. मांसपेशीय डायस्ट्रोफी निदान में त्वचीय बायोप्सी का उचित निदान।

10. जी बी एम एस में 10क्यू क्रोमोमस पर एल ओ एच का अध्ययन।

जारी

1. सी एन एस ए टी / आर टी का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन।

2. पाइनल ट्यूमर्स का क्लीनिको क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन।

3. भारतीय जन समुदाय में केलपेन 3, डाइसफर्लिन एवं सार्कोग्लाइकेन प्रोटीन विश्लेषण के प्रयोग द्वारा लिम्ब गिंडल मस्कूलर डायस्ट्रोफी (एल जी एम डी) का अध्ययन।

4. लिम्ब गिंडल मस्कूलर डाइस्ट्रोफी (एल जी एम डी) से ग्रसित भारतीय रोगियों का म्यूटेशनल विश्लेषण।

5. सबएपेनडाइयल जाइंट सेल एस्ट्रोसाइटोमस तथा कॉर्टिकल डिस्प्लासिया में डब्लयूएनटी पाथवे का ट्यूबरियस स्केलेरोसिस कॉम्प्लेक्स तथा अप्रिगुलेशन अध्ययन।

6. एथेनडारमोमस में ह्यूमैन टीलोमिटेस रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस (एच टी ई आर टी) तथा स्टैम सेल मार्कर्स का अध्ययन एपोप्टोटिक तथा प्रोलाइफिरेटिव मार्कर्स के साथ सह संबंध।

7. बाल चिकित्सा ग्लियोमास का मॉलीक्युलर आनुवंशिक अध्ययन।

8. मेनिंनगियोमास में आनुवंशिक परिवर्तनों का विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. स्ट्रोक पीड़ित चूहों में मेलटोनिन बनाम एच यू सी बी जी सम्मिश्रण सहित ह्यूमैन आयबिलिकन कोर्ड ब्ल्ड सेल्स (एच यू सी बी जी) के प्रवेशन का प्रभाव (तंत्रिका विज्ञान विभाग)।

2. ग्लायोब्लास्टोमा में टीमोजोलोमिड पोस्ट कीमोरेडियोथैरेपी के 6 चक्रीय बनाम 12 चक्रों तथा ई जी एफ आर एम आईबी‘1 एवं पी 53 रेसिस्टेंट आधारित तथा मॉलीक्यूलर आधारित कंकरेंट कीमोरेडियोथेरेपी द्वारा प्राप्त उपचार परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन (विकिरण अर्बुद विज्ञान विभाग)

3. नर्व रिजनरेशन स्काइएटिक नर्व ट्रांसेक्शन मॉडल पर बॉन मेरो डिराइव्ड मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं का प्रभाव।

4. पेरीफेरल नर्व रिजनरेशन बाइ बोन मेरो डिराडव्ड मोनोन्यूक्लियर सेल्स का खुराक निर्भर सुविधाकरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

जारी

1. ग्लायल ट्यूमर सेल लाइन्स की ऑक्सीजन कन्स्ट्रेशन, पी^{53} एक्सिस तथा स्टेमनेस विशेषताएं (जैव रसायन विज्ञान विभाग)

2. एक्स्प्रेशन ऑफ नॉच मॉलीक्यूलस, एपीबिलीयल मिसेन काइमल ट्रांसजिशन (ई एम टी) मार्कर्स एवं एच आई एफ - 1 अल्फा इन ग्लायोब्लास्टोमा मल्टीफोरम (जैव रसायन विज्ञान विभाग)

3. सिट अभिघात में थैल्मस का क्लीनिकोपेथोलॉजिकल अध्ययन (तंत्रिका शल्यक्रिया विज्ञान विभाग)।

4. बाल चिकित्सा जी बी एच एस की मिथाइलेशन प्रोफाइल (भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर)

5. ग्लायोस्लास्टोमा में क्रोमोसोम 14 माइको आर एन ए क्लस्टर (एम आई आर - 379 / एम आई आर - 656) का अध्ययन। (इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एण्ड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 25 **पुस्तक में अध्याय : 5**

रोगी उपचार

1.	न्यूरोपैथीलॉजी सर्जिकल स्पेसिमेंस	2,583
2.	फ्रोजेन सेक्शंस	312
3.	मसल बायोप्सी	
	कुल प्राप्त संख्या	355
	मसल एंजाइम हिस्टोकेमिस्ट्री	539
	मसल इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री	1238
4.	इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री	6651
5.	डायग्नोस्टिक फ्लोरोसेंट इन सिटू हाइब्रिडाइजेशन	150
6.	इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी	
	प्राप्त नमूने	1060
	प्रोस्सिड नमूने	767
7.	पीसीआर/रीयल टाइम पीसीआर	120

पुरस्कार और सम्मान

आचार्य चित्रा सरकार को वर्ष 2011-12 में इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो ऑनकोलोजी का अध्ययन चुना गया; कैंसर के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य के लिए वर्ष 2011 में आई सी एम आर नोवाराइटिस ओरेशन पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया; 6-23 मई 2011 को यू. एस. के. के होस्टन के एम डी एंडरसन कैंसर सेंटर में जेनेटिक्स एण्ड न्यूरो ओनकोलॉजी विभाग में कार्य करते हुए सीनियर बोयामेडिकल साइंटिस्ट 2010-11 की आई सी एम आर इंटरनेशनल फेलोशिप से सम्मानित किया गया; उन्होंने 4 सितम्बर 2011 को पश्चिम बंगाल में बंकुरा में आई ए पी एम अध्याय पर रघुनाथ प्रमाणिक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. गीतिका सिंह को ग्लायोसार्कोमा : ए क्लीनियोपेथोलॉजिकल एण्ड मॉलीक्युलर स्टडी विद स्पेशनल रेफरेन्स टू एम जी एम टी प्रोमोटर मिथाइलेशन नामक ओरल पेपर हेतु अप्रैल 2011 में नई दिल्ली में 25वें वार्षिक सम्मेलन में दिल्ली चेप्टर, आई ए पी एम में रामालिंगास्वामी प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सुवेंदु पुरकैत को 25 फरवरी में एम ए एम सी, नई दिल्ली में आयोजित 26वें वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली चेप्टर, आई ए पी एम में ड्यूल पेथोलॉजी इन ए केस ऑफ एपीलेप्सी - रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस नामक लेख पर बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. आंचल कक्कड़ को 25 फरवरी 2012 में नई दिल्ली में एम ए एम सी में आयोजित 26वें वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली अध्ययन आई ए वी एम के एटिपिकल ट्रेटोइड / हेस्टाइड ट्यूमर ऑफ सी एन एस ए क्लीनिकोपेथोलॉजिकल स्टडी नामक सर्जिकल पैथोलॉजी शीर्षक के लिए बेस्ट पोस्टर अवार्ड से पुरस्कृत किया गया।

तंत्रिका विकिरण विज्ञान

शिक्षा

विभाग द्वारा नई दिल्ली मे ं6 - 7 अक्तूबर 2011 के दौरान इंडियन सोसाइटी ऑफ सेरिब्रोवेस्कुलर सर्जरी अ. भा. आ. सं. के 11वें वार्षिक सम्मेलन में प्रत्यक्ष न्यूरोइंटरवेंशनल कार्यशालाएं संचालित की गई। दिनांक 8 से 9 अक्तूबर 2011 के दौरान अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ सेरिब्रोवेस्कुलर सर्जरी के 11वें वार्षिक सम्मेलन में साइंटिफिक डेलीब्रेशन्स। डिसकशन्स तथा चेयर्ड सेशन में विभागीय संकाय सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दो न्यूरोइंटरवेंशनिस्ट ऑफ इंटरनेशनल रिप्यूट की उपस्थिति थी; प्रथम आचार्य सासहन केक्रिज, न्यूरोइंटरवेंशन सेक्शन एट हेकेटिपी यूनिवर्सिटी अंकारा, टर्की के अध्ययन तथा प्रोफेसर इने चेपोट, इंटरवेशनल न्यूरोरेडियोलॉजी, अलफ्राइड रूप हॉस्पीटल, एसेन, जर्मनी के अध्यक्ष, जिन्होंने कार्यशाला में हिस्सा लिया तथा सब्सीक्यूंट साइंटिफिक डेलीब्रेशन्स ऑफ द कॉन्फ्रेंस द्वारा न्यूरोइंटेरवेंशन में अत्याधिक नवीनतम तकनीकी संबधी जानकारी एवं अवसर प्रदान किए गए।

स्नातकपूर्व शिक्षण

विभागीय संकाय द्वारा स्नातकपूर्व कक्षा एवं चलाई जा रही है तथा एम डी (विकिरण निदान) डी एम (तंत्रिका विज्ञान) तथा एम सी एच (तंत्रिका शल्य क्रिया विज्ञान) के विद्यार्थियों को शिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

2001 जुलाई में **डी एम न्यूरोडियोलॉजी** पाठ्यक्रम आरंभ किया गया है। वर्तमान में इस पाठ्यक्रम के लिए तीन विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा /राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

व्याख्यान प्रदत्त

एन. के. मिश्रा : 6
शैलेश बी गायकवाड़ : 3
अजय गर्ग : 1

तंत्रिका मनोरोग विज्ञान

विशेषताएं

सोमवार, मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार (सुबह) तथा वीरवार (दोपहर को नियोजित समय प्राप्त रोगियों हेतु) एक अलग से न्यूरो साइकोलॉजी रजिस्ट्री (सीएनपी) प्रारंभ की गई है तथा एक कोगनिटिव डिस्ऑर्डर एवं मेमोरीक्लीनिक (सीडी एवं एम क्लीनिक) (तंत्रिका विज्ञान विभाग एवं नैदानिक तंत्रिका क्लीनिक) (तंत्रिका विज्ञान विभाग एवं नैदानिक तंत्रिका मनो रोग विज्ञान विभाग द्वारा) प्रत्येक बुधवार को सुबह प्रारंभ किए गए हैं।

शिक्षा

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यान : 5
अनुसंधान
विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. फंक्शनल मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) का प्रयोग करके चिरकालिक दु:साध्य मिरगी के संज्ञान एवं क्यूओएल का अध्ययन।

2. मृदु संज्ञानात्मक क्षति एवं मनोभ्रंश वाले व्यक्यिों में तनाव के मार्कर्स एवं उनका योगदान।

3. मनोभ्रंश उपचार के आर्थिक भार का मूल्यांकन करने के लिए रोग अध्ययन की लागत।

4. गंभीर अभिघातज मस्तिष्क क्षति के पश्चात प्रकायात्मक एवं संज्ञानात्मक स्वास्थ्य लाभ।

5. चियारी 1 विकृति में परिणाम को प्रभावित करने वाले क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल एवं भविष्यसूचक कारकों का अध्ययन करना।

प्रकाशन

पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक मूल्यांकन, विभिन्न तंत्रिकाशल्यक एवं तंत्रिकाविज्ञानात्मक रोगियों की विवेचना तथा चिकित्सा। इसमें सिर की क्षति, आघात, पार्किन्स, मनोभ्रंश, मिरगी एवं मनोचिकित्सा वार्ड/ओपीडी हेतु रेफरल वाले रोगी सम्मिलित हैं। क्लिनिकल निदान, व्यापक साक्षात्कार के सहित इसके कार्य में प्रयोगात्मक तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक निर्धारण / मूल्यांकन सम्मिलित हैं; व्यवहारात्मक अवलोकनों, तंत्रिकामनोविज्ञानात्मक जांचों के क्रमों सहित मूल्यांकन प्रमस्तिष्कीय क्षति, चोट एवं अपंगता की गंभीरता सहित रिपोर्ट लिखना तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक सूत्रीकरण; व्यक्तियों के दैनिक जीवन के मूलभूत पूर्व अस्वस्थ प्रकार्यो को सुधारते हुए प्रकार्यात्मक दक्षताओं को सुधारने के लिए मूल प्रकार्य पहुंच सहित तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक पुनः प्रशिक्षण; जन अपूर्ण प्रकार्य न तो पुनः संगठित होते हैं और न ही ठीक होते हैं तो इस अपूर्णता के लिए क्षतिपूर्ति सहित तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक पुनः संगठन, क्लिनिक आधारित थेरेपी; घर आधारित चिकित्सा 4-5 घंटे / दिन का ओपीडी कार्य। इसमें 4 ओपीडी / सप्ताह एवं पांचवा एपांटमेंट होता था (क्लिनिकल तंत्रिका मनोविज्ञान) जबकि बुधवार की प्रातः को एक विशेष संज्ञानात्मक विकार एवं स्मरण क्लिनिक होती है जिसे तंत्रिकाविज्ञान एवं क्लिनिकल तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक विभाग तंत्रिकाविज्ञान केंद्र, अ.भा.आ.सं. द्वारा चलाया जाता है। एमबीबीएस एवं नर्सिंग विद्यार्थियों को शिक्षण तथा इसके अतिरिक्त शोधप्रबंध एवं अनुसंधान में मार्गदर्शन। किए जाने वाले अनुसंधान कार्य की योजना को प्रतिपदित किया गया।

नया

1. तंत्रिका विज्ञान केंद्र में निरंतर उपचार ले रहे दीर्घ स्थायी रोगी जिनकी स्थिति उनके प्रभारी चिकित्सक द्वारा अधिक या कम अपरिवर्तनीय के रूप में नैदानिक किया गया है के मूल्यांकन के लिए अपंगता टास्क फोर्स / बोर्ड आरंभ किया। इन रोगियों का भारत सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार अपंगता हेतु मूल्यांकित एवं डिसएबिलिटी इंयावरमेंट, भारत सरकार के प्रतिनिधित्व में सम्मिलित किया जाता है।

2. तंत्रिकाविज्ञान एवं क्लिनिकल तंत्रिकामनोविज्ञान विभाग, कक्ष संख्या 5 एवं 14 तंत्रिकाविज्ञान केंद्र अ.भा.आ.सं., 2012 के तहत एक नई रजिस्ट्री संज्ञानात्मक विकार एवं स्मरण क्लिनिक (सीडी एवं एम क्लिनिक) को आरंभ किया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

सह-सदस्य : इंडियन सोसायटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर : 2012; आजीवन सदस्य : न्यूरो न्यूरोसाइकोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया 2012; कार्यकारी सदस्य : न्यूरोसाइकोलॉजिकल सोसायाटी ऑफ इंडिया 2012-14; सह-सदस्य : अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलोजी, 2012-13; महा सचिव : एनएसीआईएसीपी; 39वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन - नैदानिक मनोविज्ञानी, जोकि एम्स में 18-20 फरवरी 2013 को आयोजित किए गए।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

विशिष्टताएं

वर्ष 2011-12 शैक्षिक गतिविधियों एवं शिक्षा के अनुकूलता से परिपूर्ण था। इस वर्ष विभाग में नवीन शल्यक उपकरणों को संस्थापित किया गया (इंटराआपरेटिव एमआरआई, गामा नाईफ, परफेक्शन एवं 1.5 टेसला एमआरआई एडजेसेंट टू जी. के. सेंटर), विस्तारित

जी.के. (फैक्सोटेड जी के थेरेपी) एवं स्किल डेवलपमेंट वर्कशाप। नवीन शल्यक प्रक्रियाएं जैसे कि एमआरआई निर्देशित मस्तिष्क शल्य चिकित्सा के आरंभ किया गया। इस वर्ष कुल मिलाकर विभिन्न शैक्षिक एवं रोगी उपचार गतिविधियों के साथ विभाग में विकास हुआ। विभाग द्वारा एनबीआरसी के वित्तीय सहयोग से 'मस्तिष्क जागरूकता व्याख्यान कार्यक्रम' का आयोजन किया। इस वर्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के वित्तीय सहयोग से मिरगी के गंभीर उपचार हेतु एक राष्ट्रीय सुविधा के रूप में विशिष्ट केंद्र को संस्थापित किया गया। वर्ष 2011-12 के दौरान एम्स अल्ट्रासाउड ट्रामा कोर्स (एयूटीएलएस) एवं एम्स बीईसीसी पाठ्यक्रमों के भाग के विभिन्न भागों में आयोजित किया गया।

शिक्षा

एमसीएच तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यक्रम : उत्तर एमएस 3 वर्ष, उत्तर एमबीबीएस 6 वर्ष।

स्किल डेवलपमेंट वर्कशाप आयोजित किए गए : वर्ष में 3 बार

पीएच.डी. कार्यक्रम : 2 छात्र

सम्मेलन आयोजित किए गए

1. सूक्ष्म तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यशाला, तंत्रिकाशल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, फरवरी 2012
2. न्यूरो सर्जरी स्किल डेवलपमेंट, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स।
3. 32वें अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस - बाल तंत्रिका शल्य चिकित्सा, गोवा, अक्टूबर 2011
4. इंडियन सोसायटी ऑफ सेरिबोवैस्कुलर 2011. एम्स
5. तृतीय इंडियन गामा नाइफ कांफ्रेस; एम्स फरवरी 2012
6. न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, वार्षिक कांग्रेस, 2012
7. सर्वाइकल स्पाइन वर्कशाप, फरीदाबाद, मार्च 2011
8. सर्वाइकल स्पाइन हैड्स ऑन वर्कशाप, फरीदाबाद, सितंबर 2011
9. डी.बी.टी. इंडो - जर्मन न्यूरोसर्जरी स्किल ट्रेडिंग वर्कशॉप, 15-17 अप्रैल 2011, 5-7 अगस्त 2011 तथा 25-27 नवंबर 2011.
10. इंडियन सोसायटी ऑफ सेरिब्रोवैस्कुलर सर्जरी के 11वें वार्षिक सम्मेलन एवं अंतरराष्ट्रीय सेरिब्रोवास्कुलर सीएमई एवं लाइव न्यूरो सर्जरी एवं इंटरवेंशन वर्कशाप; एम्स में 6-9 अक्टूबर 2011
11. दिनांक 12 फरवरी 2012 को एम्स तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, गामा नाइफूरेडियो सर्जरी के तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन।
12. दिनांक 13-15 फरवरी 2012 एम्स में तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, 14वें एम्स वार्षिक सूक्ष्म तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यशाला।
13. वर्ष 2011-12 के दौरान भारत के विभिन्न भागों में एम्स अल्ट्रासाउन्ड ट्रॉमा पाठ्यक्रम (ए.यू.टी.एल.एस) एवं अन्य पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।
14. एन.एच.आर.एम. (राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन) के साथ सहभागिता में वर्ष 2011-12 के दौरान भारत के विभिन्न भागों में एम्स बी.ई.सी.सी. पाठ्यक्रम तथा 7 पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।
15. जटिल स्पाइनल ट्रॉमा का उपचार - लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला एवं संगोष्ठी, जेपीएनएटीसी एम्स, 27 अगस्त, 2011
16. आपात स्वास्थ्य उपचार में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी एवं सार्थक प्रयोग पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय शिखर वार्ता एवं कार्यशाला (सीईयूटीईएच 2011), एम्स, नई दिल्ली, 27-30 अक्टूबर, 2011

17. जटिल स्पाइनल ट्रॉमा पर द्वितीय लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला एवं संगोष्ठी, जेपीएनएटीसी, एम्स, 12-13 मई 2012

18. आघातिक मस्तिष्क चोट में आई.सी.पी. मॉनीटरिंग पर प्रथम सी.एम.ई. - संगोष्ठी, जे.पी.एन.ए.टी.सी., एम्स, नई दिल्ली, भारत, 15 मार्च 2012

19. भारतीय बाल तंत्रिका शल्य चिकित्सा सोसायटी, वार्षिक सम्मेलन एवं आई.एस.पी.एन.सी.एम.ई. पाठ्यक्रम 2012, एम्स, दिल्ली, भारत।

20. एम्स, दिल्ली में मार्च, 2012 में दिल्ली तंत्रिका विज्ञानी एसोसिएशन (डी.एन.ए.) की मासिक बैठक का आयोजन।

21. ए. ओ. स्पाइन ट्यूमर सप्ताह, एम्स, 29 सितंबर - 3 अक्टूबर, 2011

22. बी.आर.ए.सी.एच.आई.ए.एल.सी.ओ.एन. - एम्स 2011, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र में 19-21 दिसंबर, 2011 में आयोजित।

प्रदत्त व्याख्यान / प्रस्तुत पत्र

ए. के. महापात्रा : 18
पी शरत चंद्रा : 23
आशीष सुरी : 7
दीपक गुप्ता : 8
सुमित सिन्हा : 3
सचिन ए बोरकर : 6

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं

1. स्टिच ।।, पी. शरत चंद्रा, मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यू.के., 2011

2. स्टिच, पी. शरत चंद्रा, मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यू.के., 2011

3. ओसियस विकासात्मक सीवीजे विसंगतियों में एक्सोन विकार, पी. शरत चंद्रा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, 2011

4. असाध्य मिरगी से पीड़ित रोगियों में एपिलेप्टोजेनिक फोकस के स्थानीयकरण हेतु एम.आर.आई. एवं समकालिक ईईजी, पी. शरत चंद्रा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, 2011

5. कठिनता से उपचार किए जाने वाले मिरगी रोग के लिए एक राष्ट्रीय सुविधा के रूप में उत्कृष्ट केंद्र को चालू किया जाए। पी. शरत चंद्रा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, 2011

6. हैण्ड्स ऑन स्किल्स प्रशिक्षण एवं इंटर एक्टिव वर्चुल प्रशिक्षण (वेब आधारित, टेली - एजुकेशन एवं रीटल टाईम सिमुलेशन मॉड्यूल्स) के द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशलों के विकास का मूल्यांकन, एम्स - आईआईटी - दिल्ली (एम्स - दिल्ली), आशीष सूरी, आई.सी.एम.आर.।

7. तंत्रिका शल्य चिकित्सा हेतु कम-लागत उपकरण सिस्टम का विकास, एम्स - आईआईटी - दिल्ली (एम्स - दिल्ली), आशीष सूरी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, डीएसटी - आईडीपी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

8. तंत्रिका शल्य चिकित्सा स्कील्स प्रशिक्षण हेतु स्टीरियोस्कोपिक वरचुअल मॉड्यूल की डीएसटी - डीवीटी प्रायोजित तंत्रिका शल्य चिकित्सा स्कील्स प्रशिक्षण सुविधा तथा विकास का विस्तार आशीष सूरी, आईसीएमआर, डीएचआर।

9. डिस्ट्रीब्यूटिड कांगिनिशन तथा मोडेलिंग काम्पलैक्सिटी घटती हुई चिकित्सा त्रुटियों हेतु एक बायोइंर्फोमेटिक्स एप्रोच। दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 2011-13), रु. 1.2 करोड़।

10. थ्रोम्बोइलेस्टोमीटरी (टीईजी) : संस्थापित बायोमार्कर्स की तुलना में तंत्रिका शल्य चिकित्सा गहन चिकित्सा एकक (एनआईसीयू) में संक्रमण के निदान की उपयोगिा तथा लागत प्रभावकता। दीपक अग्रवाल, एम्स, 2012-13), रु. 9 लाख।

11. यूरोथर्म 3235 परीक्षण : वयस्कों में क्लोज्ड ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजुटी (टीपीआई) में प्रेरित हाइपोथर्मिया पर यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण, दीपक कुमार गुप्ता।

12. एन्यूरेसमल सब- आर्यनोइड हेमोरेज के पश्चात वेसोस्पेस्म तथा विकसित प्रकार्यात्मक परिणामों की रोकथाम में सिमवेस्तटिन की भूमिका : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, सुमित सिन्हा, एम्स (इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान) (पूर्ण)।

13. नियोरोनल रिजनेरेशन तथा फंक्शनल रेस्टोरेशन में मानव अम्बेलिकल बोर्ड ब्लड स्टेम सेल्स तथा न्यूरल स्टेम सेल्स की भूमिका : गंभीर मेरूदण्ड क्षतियों वाले पुरुष वयस्क चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन, सुमित सिन्हा, डीबीटी अंडर दि रेपिड यंग इंवैस्टिमेटर स्कीम 2011.

14. केडेवेरिक डिस्सेक्शन सुविधा की स्थापना, जय प्रकाश नायारण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली, भारत सुमित सिन्हा, आईसीएमआर।

15. तीव्र गंभीर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजुरी वाले रोगियों में हाइपोथर्मिया के साथ तथा उसके बिना प्रोगेस्टेरॉन का यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण (फैक्टोरियल डिजाइन) सुमित सिन्हा, डीबीटी।

16. गंभीर ट्रामेटिक बेन इंजुरी वाले रोगियों में प्रोगेस्टेरॉन की प्रभाव क्षमता के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक, प्लेसिबो नियंत्रित अध्ययन। सुमित सिन्हा, एम्स।

विभागीय परियोजनाएं

1. डियूज एक्सोनल इंजुरी में थेलामस की भूमिका : उत्तक विकृति विज्ञानी सहसंबंधो के साथ एक शव परीक्षा अध्ययन (दीपक अग्रवाल)।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

1. इंडो-यूएस हेड इंजुरी रजिस्ट्री (चिराग परीक्षण), डीबीटी तथा एनआईएच (अशोक कुमार महापात्रा)।

2. एपी 12009 का प्रयोग करके हाई ग्रेड ग्लायोमा हेतु एक टारगेटिड थेरेपी, बहुराष्ट्रीय, बहुकेंद्रीय अध्ययन (अशोक कुमार महापात्रा)।

3. टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में रेडियोसर्जरी तथा ओपन सर्जरी, बहुराष्ट्रीय बहुकेंद्रीय रोग परीक्षण (एनआईएच अनुमोदित) (अशोक कुमार महापात्रा)।

4. अंतरराष्ट्रीय इनफेंटाइल हाइड्रोसिफलस अध्ययन (आईआईएचएस), बहुराष्ट्रीय बहुकेंद्रीय अध्ययन (अशोक कुमार महापात्रा)।

5. आवर्ती जीबीएम में 131 टेग्गड मोनोक्नोनल एंटीबॉडी, एनआईएच, बीआरसी परीक्षण, बहुराष्ट्रीय, बहुकेंद्रीय अध्ययन (अशोक कुमार महापात्रा)।

6. तंत्रिका शल्य चिकित्सा में माइक्रोसर्जिकल प्रशिक्षण तथा इंडो - स्कोपिक तकनीकियों में बाइलेट्रल कार्यशालाएं, सेमिनार तथा टेली एजुकेशन हेतु सहयोगी इंडो जर्मन कार्यक्रम, डीबीटी द्वारा वित्तपोषित, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (आशीष सूरी)।

7. प्रथम पुनः आवर्ती में ग्लायोब्लास्टोमा मल्टीफोर्म (जीबीएम) के उपचार हेतु इंटरस्टिशियल 131आई-सीएच टीएनटी - । - बी मेब (कोटारा) का ओपन - लेबल डोज प्रमाणित अध्ययन। एक बहुकेंद्रीय अग्रदशी फेज ।। अध्ययन (दीपक कुमार गुप्ता)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 83 **सार : 13** **पुस्तकों में अध्याय : 44** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

ओपीडी रोगी

नए	10,997	पुराने	25,221	कुल	36,218

शल्य चिकित्सा की कुल संख्या

बड़े	592	छोटे	992	कुल	3,271

गामा नाइफ उपचार 588

पुरस्कार सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य ए. के. महापात्रा ने उड़ीशा विज्ञान रत्न, भारत निर्माण सम्मान एवं स्वास्थ्य भारत सम्मान प्राप्त किया : न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ रेडिया (एनएसएसआई) का निर्माण किया एवं वर्ष 2011-12 हेतु एनएसएसआई के संस्थापक अध्यक्ष रहे; वर्ष 2009-13 (4 वर्षो हेतु) इंडियन सोसायटी ऑफ पेडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के अध्यक्ष चुने गए, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएसए) (2011-13) हेतु अध्यक्ष निर्वाचित। अध्यक्ष, इंडियन सोसायटी ऑफ पेटीफेरियल नर्वस इन्जूरी (2011-13); सदस्य, संपादकीय मण्डल, न्यूरोलोजी इंडिया, एशियन जर्नल ऑफ न्यूरो सर्जरी। सदस्य, पान अरब जर्नल न्यूरोसर्जरी, सदस्य, जोनरल ऑफ न्यूरोइंडोस्कोपी, जर्नल ऑफ हाइड्रोसिफेलस।

डॉ. पी. शरत चंद्रा : उनके परामर्श के अंतर्गत डॉ. सुजॉय पी जोशवा को उनके एनएसआई 2011 में बेस्ट इपिलेप्सी पेपर हेतु शीबजीगी पुरस्कार प्रदान किया गया, इनके शोध पत्र का शीर्षक 'को-गेस्ट्रीटेशन ऑफ एमआरआई, पेट एवं इकोजी इन रिसेक्शन ऑफ लिजनल एपिलेप्सी' था। वह 'इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरो सर्जरी' के मुख्य संपादक है।

डॉ. आशीष सूरी को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल इन्फामेटिक्स (आईएएमआई) द्वारा मेडिकल इंफोर्मेटिक्स के आठवें बाइनियल नेशनल कांफ्रेंस में श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया। सप्लीमेटिग एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन न्यूरोसर्जरी : वेब बेस्ड एजुकेशन एंड टेली - एजुकेशन।

डॉ. दीपक अग्रवाल को एनएसआई के वार्षिक सम्मेलन में उनके 'ऑनलाइन हेल्थ पोर्टल इन इम्प्रुविंग न्यूरो सर्जिकल केयर' के लिए बेस्ट पोस्टर एवार्ड प्रदान किया गया। उन्हें 'एम्स ट्रामा सेंटर हेतु इंटीग्रेटेड ऑनलाइन पोर्टल' डेवलप करने के लिए ऑनलाइन हेल्थ केयर प्रोवाइड हेतु श्रेष्ठ जूरी एवार्ड प्रदान किया गया; आईएसपीएन के वार्षिक सम्मेलन में 'दि प्रोगनोसिस ऑफ अननोन एंड अनअटेंडेड ड्यूरिग हास्पिटल स्टे इन न्यूरोसर्जरी डिपार्टमेंट एंड प्रोब्लम फेसड ड्यूरिग नर्सिंग केयर' विषय पर सहायक संपादित अध्ययन पर बेस्ट पेपर एवार्ड; आईएसपीएन के वार्षिक सम्मेलन में 'डज पीईईपी एफेक्ट सेट्रल नर्वस प्रेशर रीडिंग इन मैकेनिकली पेटिलेटेड हेड इनजूरी पेशेंट्स' विषय पर को-आपरिग अध्ययन हेतु बेस्ट पेपर एवार्ड प्रदान किया गया; एनटीएसआई के वार्षिक सम्मेलन में 'डिकम्पेसिव केनेक्टोमी फॉर पेडियाटिक माइनर हेड इजूरी' नामक शीर्षक के को-आथरिंग अध्ययन पर बेस्ट पोस्टर एवार्ड प्रदान किया गया; पी सी क्वेस्ट आईटी मैगजीन द्वारा जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स के लिए ऑनलाइन पोर्टल हेतु पीसी क्युस्ट द्वारा वर्ष 2011 के लिए श्रेष्ठ आईटी कार्यान्वयन; प्रोजेक्ट एमपीएआईएन (मोबाइल पेशेंट एडमिशन इनफॉर्मेशन नेटवर्क) हेतु एम हेल्थ श्रेणी हेतु एम - विलियथ 2011 एवार्ड प्रदन किया गया; आपात स्वास्थ्य उपचार में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला में 'रोल ऑफ इम्पीरिकल एंटीबाायोटिक्स ऑन क्लिनिकल इन्फेक्शन इन कल्चर निगेटिव पेशेंट्स इन न्यूरोसर्जरी' विषय पर सहयोगी अध्ययन के लिए वित्तीय श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया; आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला में उनके सहयोगी अध्ययन शीर्षक 'कानकार्डेस बिटविन दि रिजल्टस ऑफ ट्रैकियल एस्पाइटेटस यूजिंग मुक्स एक्सट्रेक्टर मैथड एंड बाई

मेटिफाइड नान - ब्रॉकोस्कोपी बीएएल तकनीकी' के लिए तृतीय श्रेष्ठ पत्र एवार्ड प्रदन किया गया; आपात हेल्थ केयर में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला में 'इफेक्टिवनेस ऑफ मैकेनिकल वाइब्रेटर फॉर चेस्ट फिजियोथेरेपी इन वेंटिलेटर हेड एंड स्पाइन इनजूरीज पेशेंट्स' विषय पर सहयोगी अध्ययन के लिए तृतीय श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया; आपात हेल्थकेयर में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला में उनके सहयोगी अध्ययन शीर्षक 'रियूज ऑफ सेम ग्लोब्स आटर स्ट्रेलाइज एंड अनस्ट्रेलाइज प्रोजिसर बाई रिपीटेड यूज ऑफ हैड्स एब्स' के लिए तृतीय श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. दीपक गुप्ता ने नेशनल न्यूरोट्रॉमा कांफ्रेंस, शंघाई, चीन में 'डेवलपमेंट ऑफ न्यूरोट्रॉमा यूनिट एपेक्स ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया' विषय पर शोध-पत्र के लिए युवा अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त किया एवं नवंबर 2011 में डब्ल्यूएफएनएस (इंटरनेशनल); केपटाउन, साउथ अफ्रीका द्वारा इंटनिश्सल सोसायटी ऑफ स्टिरियोटेकरिक एंड फंक्शनल न्यूरो सर्जरी में उपस्थित होने के लिए इंटरनेशनल ट्रेवलिंग फेलोशिप एवार्ड प्रदान किया गया। उन्हें 6-8 अक्टूबर 2011 को जॉन हॉपकिन यूनिवर्सिटी : सेंटर फॉर सर्जिकल ट्रापल्स एंड आउटकम रिसर्च (सीएसटीओआर), बल्टीमोर; यूएसए एवं मेरीलैंड विश्वविद्यालय; आर एडम काउले शौक ट्रॉमा सेंटर, मेरीलैंड यूएसएस के अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्यान दिया इसका विषय था। डेवलपमेंट ऑफ नेशनल न्यूरोट्रॉमा यूनिट इन इंडिया : जर्नी फ्राम बिगनिग टू प्रजेंट'। उन्होंने (जून 2011, सितंबर 2012) में नई दिल्ली में 'सरवाइकल स्पाइन डिजनरेटिव डिजीज एंड ट्रॉमा' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. सुमित सिन्हा एक ए.ओ. स्पाइन फेलो थे, हॉस्पिटल यूनिवरिटेरिया काजरू, पोंटिफिशियल कैथलिक यूनिवर्सिटी ऑफ पराना, कुर्लिटीबा, ब्राजील, 15 मई - 14 जून 2011। (कार्यक्रम निदेशक - लुइस वेले), एवं आईजीएएसएस स्पाइन फेलो, 10-20 जनवरी 2012, यूनिवर्सिटी ऑफ मुनिच, हॉस्पिटल रिचट्स डर इसार, जर्मनी, (कार्यक्रम निदेशक - प्रो. बसार्ड मेयर)। वह 1-3 मई 2012 के 'मिनीमली इनवासिव स्पाइन सर्जरी एंड पेरीफेरियल - मर्दस सर्जरी' सम्मेलन दुबई में अतिथि संकाय के रूप में तथा जनवरी 2012 के आईआरसीएजी (इंस्टीट्यूट दि रिकोडोट्रिपल - कैंसर्स दि एप्रील डिस्टीफि) / ईआईटीएस; स्ट्रास बर्ग फ्रांस के कैडेवर डिसेक्शन एंड सिमुलेशन फैसिलिटी में प्रस्थान किया।

डॉ. सचिन ए बोरकर को तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स द्वारा वर्ष 2011 के लिए 'बेस्ट रेजीडेंट (शैक्षिक) का पुरस्कार प्रदान किया गया।

11.1 बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय

अध्यक्ष
चित्रा सरकार

मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष
के.पी. सिंह

समय एवं सदस्यता

पुस्तकालय रविवार एवं अवकाश के दिनों सहित सप्ताह में सभी दिन (चौबीस घंटे) दिनांक 01 अगस्त, 2003 से खुला रहता है। इसके 2410 नियमित सदस्य तथा प्रतिदिन औसतन 350 पाठक पुस्तकालय में आते हैं।

सेवाएं

पुस्तकालय द्वारा प्रयोक्ताओं के लिए निम्नलिखित सेवाओं का विस्तार जारी है। इन सेवाओं को आधुनिक, अद्यतन और सशक्त किया गया है।

1. **बुक एलर्ट सेवा**

   इसमें एक विशेष माह में पुस्तकालय में जोड़ने हेतु नई पुस्तकों, मोनोग्राफ और पेम्फलेटों की मासिक सेवा सूची होती है।

2. **पेरियोडिकल एलर्ट सेवा**

   इस सेवा में पिछले पंद्रह दिनों के दौरान पुस्तकालय द्वारा प्राप्त की जाने वाली नई पत्रिकाओं की सूची होती है।

3. **इंटरलायब्रेरी लोन सेवाएं**

   पुस्तालय द्वारा प्रायोक्ताओं के लाभ हेतु अनेक स्थानीय पुस्तकालयों के साथ इंटरलयब्रेरी/इंटरलइब्रेरी लोन सेवाएं चलाई जा रही हैं जिसके अंतर्गत उन दस्तावेजों को लिया जाता है जो पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है।

4. **रिप्रोग्राफिक सेवाएं**

   पाठकों की मांग की पूर्ति हेतु पुस्तालय में तीन मशीनें जैसे कि दो, डब्लयूसी 5638 एवं एक डब्ल्यूसी 7242 जिरोक्स इंडिया लिमिटेड की कलर मशीने है। वर्ष के दौरान पाठकों के लिए एक सेवा के रूप में, भुगतान आधार पर, 32,280 पृष्ठों की फोटोकॉपी की गई।

5. **सी.डी.– रोम प्रिंटआउट सेवाएं**

   वर्ष के दौरान पाठकों को भुगतान के आधार पर लेखों के सार अथवा अन्य लाभदायक पाठ्य सामग्री वाले 7.722 कंप्यूटर प्रिंट आउट पृष्ठ उपलब्ध कराए गए।

पुस्तक बैंक

बुक बैंक की सेवाएं स्नातकपूर्व एवं इंटर्न के लिए जारी रही। बुक के सदस्यों की कुल संख्या 81 है। बुक बैंक में कुल 2,735 से अधिक पुस्तकें है जो कि दीर्घावधिक आधार पर छात्रों को जारी की जाती हैं।

दश्श्य–श्रव्य अनुभाग

पुस्तकालय में चार रंगीन टेलीविजन सेट चार वीडियां कैसेट रिकॉर्डर हैं। पुस्तकालय में उपलब्ध वीडियां कैसेटों की संख्या 308 हैं। इस अनुभाग में चार ऑडियो कैसेट प्लेबैक डेक्स तथा 109 ऑडियों कैसटें हैं।

सीडी–आधारित सेवाएं

पुस्तकालय में विभिन्न डिजीटल पुस्तकें/पत्रिकाओं का कुल 1066 सी.डी.–रोम संग्रह है। इसे पुस्तकालय के अंदर पाठकों द्वारा उपयोग किया जा सकता है। विभिन्न विश्वकोश एवं शब्दकोश भी सी.डी. रोम पर प्राप्त किए जा सकते हैं।

पुस्तकालय ऑटोमेशन

पुस्तकालय में 16 टर्मिनलों वाला, 10 लेजर प्रिंटर, एक नेटवक लेजर प्रिंटर सहित केन्द्रीकृत सर्वर क्रियाशील है। विभिन्न पुस्तकालय व्यवस्था प्रक्रियाओं (जैसे–अधिग्रहण, सूचीकरण, अनुक्रम नियंत्रण) को स्वचालित किया गया है। पुस्तकालय में एल.एस. प्रिमिया नामक सॉफ्टवेयर पैकेज का व्यावसायिक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

कंप्यूटरीकृत शोध प्रबंध सर्च

पुस्तकालय में अब तक प्राप्त 5,877 शोध प्रबंधों को एक कंप्यूटर सर्च द्वारा ढूंढ़ा जा सकता है। प्रत्येक शोध प्रबंध के बारे में सूचना जैसे लेखक, शीर्षक, विभाग, गाइड का नाम, सह–गाइडों के नाम तथा अन्य, संदर्भ विवरण, कंप्यूटर पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन पत्रिकाएं

वर्तमान वर्ष में, पुस्तकालय में कुल 581 पत्रिकाएं आन–लाइन तथा प्रकाशकों द्वारा प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्राप्त की जा रही हैं। अब सभी ऑन–लाइन पत्रिकाओं का आई.पी. आधारित अंशदान है तथा द्वारा प्रदत्त संस्थान इंटरनेट/वाई–फाई सुविधा द्वारा संस्थान के कैम्पस एरिया से कही भी आसानी से सुलभ किया जा सकता है।

ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस केटालॉग)

लगभग सभी रिकॉर्डो को कंप्यूटर द्वारा ढूंढ़ा जा सकता है। पुस्तकालय में अब तक प्राप्त किए गए कुल 5877 शोध प्रबंधों को ऑ लाइन पब्लिक एक्सस केटेलॉग (ओपेक) के द्वारा ढूंढ़ा जा सकता है। ओपेक के द्वारा अन्य ढूंढ़े जा सकने वाले डाटाबेस में वीडियां कैसेट्स, ऑडियों कैसेट्स तथा कम्पेक्ट डिस्क शामिल हैं। पुस्तकालय में प्रवेश द्वार के पास लॉबी में छः ऑन लाइन पब्लिक एक्सेस टर्मिनल स्थापित किए गए हैं। जहां पर प्रयोक्ता ग्रंथ–सूची डाटाबेस ढूंढ़ सकते हैं और विशेष सूचना को ऑन लाइन के द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। पत्रिकाओं के बारे में सूचना तथा हाल ही में प्राप्त संस्करणों की सूचना भी ओपेक के द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

इंटरनेट सेवाएं

पुस्तकालय में सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 10.00 से रात्रि 10.00 बजे तक तथा शानिवार को प्रातः10.00 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक इंटरनेट सुविधा उपलबध है। पुस्तकालय में प्रयोक्ताओं के लिए 22 नोड्स भी उपलब्ध है।

नवीन उपलब्धियां आवतियां

पुस्तकालय में 43 नवीन पुस्तकें, 1163 पत्रिकाओं के बाउंड वॉल्यूम, 127 पम्फलैट/रिपोर्ट 302 नवीन शोध प्रबंध और अब इसे मिलाकर कुल 72,128 पुस्तकें, 69,084 बाउंड पत्रिकाएं तथा 17,257 पम्फलैट/रिपोर्ट हैं। पुस्तकालय स्वास्थ्य विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में 784 पत्रिकाएं वार्षिक ले रहा है, जिनमें 581 पत्रिकाओं को उनके प्रिंट वर्जन के साथ–साथ इलैक्ट्रॉनिक रूप में प्राप्त किया गया। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र गाजियाबाद (एन.डी.डी.टी.सी.) की तरफ से 25 पत्रिकाएं प्रिंट तथा इलैक्ट्रॉनिक रूप में पुस्तकालय में प्राप्त की गई।

महत्वपूर्ण घटनाएं

अवधि के दौरान पुस्तकालय की 65,000 दस्तावेजों की बार कोडिंग सफलतापूर्वक पूर्ण हुई।

सम्मान/पुरस्कार

1. श्री जहांगीर खान, लाइब्रेरियन ग्रेडः।। का 'जी.एम.कुमार बेस्ट पेपर अवार्ड–2010' से सम्मानित किया गया, एम.एल.ए.आई.–2011 की राष्ट्रीय कन्वेशन, डॉ. राजेद्र प्रसाद, गवर्नमेंट कालेज, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, 9 दिसम्बर 2011।

प्रकाशनः 6

सम्मेलनों में भाग लिया

1. जहांगीर खान और राकेश रावत ने 'ऑन लाइन एक्सेस ऑफ इलेक्ट्रॉनिक जरनल्स बॉय हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स एट एम्स, नई दिल्ली' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया, नेशनल कन्वेंशन आफ एम.एल.ए.आई. –2011, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गर्वनमेंट मेडिकल कालेज, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश), 7–9 दिसम्बर 2011.
2. प्रशान्त श्रीवास्तव ने 13वीं वार्षिक राष्ट्रीय एम.ए.एल.आई.बी.एन.ई.टी. की कन्वेशन में भाग लिया, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 13–15 अक्तूबर 2011
3. प्रशान्त श्रीवास्तव ने एम.एल.ए.आई.–2011 की राष्ट्रीय कन्वेशन में भाग लिया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, कांगड़ा, (हिमाचल प्रदेश), 7–9 दिसम्बर, 2011
4. अजय कुमार सरोहा ने एम.ए.एल.आई.बी.एन.ई.टी. की 13वीं वार्षिक राष्ट्रीय कन्वेशन में भाग लिया, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 13–15 अक्तूबर 2011
5. उमेश कुमार ने एम.एल.ए. आई.–2011 की राष्ट्रीय कन्वेशन में भाग लिया, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गवर्नमेट मेडिकल कालेज, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश), 7–9 दिसम्बर 2011

11.2 कैफेटेरिया

अध्यक्ष
विनीत चौधरी, उप निदेशक, (प्रशासन)

प्रभारी संकाय
आचार्य ओ.पी. खरबंदा

लेखा अधिकारी
एस.के. गुप्ता

महा प्रबंधक
एस.के. कौशिक

उप–महा प्रबंधक
के.के. शर्मा

लक्ष्य एवं उद्देश्य

संस्थान के कर्मचारियों को उचित मूल्य पर, स्वच्छता से तैयार किया गया, पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए वर्ष 1972, में एम्स कैफेटेरिया की स्थापना की गई। अक्तूबर, 1991 में एम्स द्वारा कैफेटेरिया का कार्यभार अपने हाथों में ले लिया गया तथा कैफेटेरिया के सभी कर्मचारियों को एम्स के कर्मचारियों के समान ही माना जाता है। कैफेटेरिया संस्थान से सामान, फर्नीचर, बर्तन एवं अन्य आधारभूत आवश्यकताओं के कोई वित्तीय सहायता लिए बिना 'न लाभ न हानि' आधार पर चलाया जा रहा है।

प्रबंध समिति

संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा कैफेटैरिया विभाग से संबंधित नीतिगत मामलों पर समय–समय पर निर्णय लेने के लिए एक प्रबंध समिति का गठन किया गया। निम्नलिखित व्यक्ति समिति के सदस्य थे।

1.	उप–निदेशक, प्रशासन	अध्यक्ष
2.	डॉ. एस. रस्तोगी	सदस्य
3.	डॉ. वी. के. पॉल	सदस्य
4.	डॉ. बीर सिंह	सदस्य
5.	श्री संदीप लाल, वरिष्ठ वित्त सलाहकार	सदस्य
6.	श्रीमती बसंती दलाल, वित्त सलाहकार	सदस्य
7.	श्री बी.एस. आनंद, अधीक्षण अभियंता	सदस्य
8.	श्री एस. के. गुप्ता, लेखा अधिकारी	सदस्य
9.	श्रीमती परमीत कौर, मुख्य डायटीशियन	सदस्य

10.	आर.डी.ए. का प्रतिनिधि	सदस्य
11.	ऑफिसर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि	सदस्य
12.	नर्सिस यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य
13.	कर्मचारी यूनियन का प्रतिनिध	सदस्य
14.	फेम्स का प्रतिनिधि	सदस्य
15.	डॉ. ओ.पी. खरबंदा	सदस्य सचिव
16.	श्री एस.के. कौशिक, महाप्रबंधक, कैफेटेरिया	सदस्य

सेवा सुविधाएं

कैफेटेरिया द्वारा संस्थान के लगभग 10000 कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए 7 यूनिटें चलाई जाती हैं।

1. जवाहर लाल नेहरू सभागार के निकट स्थित मुख्य कैफेटेरिया (24 घंटे सेवा)।
2. मुख्य अस्पताल की नौंवी मंजिल पर स्थित मेन ऑपरेशन थियेटर कैफेटेरिया।
3. सी.एन.सी. कैफेटेरिया केन्द्र की दूसरी मंजिल पर स्थित।
4. डॉ. आर.पी.सी.ओ.टी. कैफेटेरिया, केन्द्र की पांचवी मंजिल पर स्थित।
5. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।
6. डॉ. बी.आर.ए.सं.रो.कैं.अ. कैफेटेरिया।
7. मुख्य कैफेटेरिया के निकट स्थित संकाय कक्ष कैफेटेरिया।

इसके अतिरिक्त, कैफेटेरिया सभी उच्च अधिकारियों तथा संकाय–सदस्यों को उनकी दिन–प्रतिदिन की आवश्यकताओं के साथ–साथ संस्थान में आयोजित महत्वपूर्ण बैठकों हेतु विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भी सेवाएं प्रदान करता हैं।

स्टाफ क्षमता

कैफेटेरिया में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या 92 है जो नियमित/तदर्थ/अस्थायी/ अनुबंध आधार पर हैं। सरकारी बैठको, सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों के लिए कैटरिंग सेवाएं प्रदान की जाती है।

वार्षिक टर्नओवर

कैफेटेरिया विभाग की वार्षिक टर्नओवर लगभग 2 करोड़ 58 लाख रूपए है।

विकास गतिविधियां

वित्त वर्ष के दौरान कैफेटेरिया विभाग में कई परिवर्तन किए गए थे।

1. सी.एन.सी. कैफेटेरिया में सुविधाओं का विस्तार

(क) सेवाओं को दो शिफ्टों में रात 10 बजे तक बढ़ाया गया।

(ख) माइक्रोवेव सुविधा दी गई।

(ग) प्रतिदिन के मेनू मूें नई चीज़े शामिल की गईं।

2. संकाय कक्ष

संकाय कक्ष के माहौल में कई सुधार किए गए जिसके फलस्वरूप कई और प्रयोक्ता बढ़ गए। कुल मिलाकर संकाय सदस्यों ने वहां प्रदत्त सुविधाओं की प्रशंसा की।

3. लगाए गए नए उपकरण

संस्थान के कर्मचारियों को स्वस्थ हाइजीनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए हॉट फूड ट्राली एवं चाय, स्नैक सर्विस ट्रॉली उपलब्ध कराई गई।

4. नई खाद्य वस्तुएं/सेवा प्रारम्भ की गई

(क) शिक्षण ब्लॉक और प्रशासकीय ब्लॉक के विभिन्न तलों पर जार्जिया ब्रान्ड की चाय/कॉफी वेंडिंग मशीन लगाई गई।

(ख) कम कैलोरी/कम कॉलेस्टराल की खाने की वस्तुएं यथा रवा इडली, स्प्राउट इडली, ढोकला, ओवर–नाइट हंग कर्ड प्रारम्भ किए गए।

(ग) विशेष थाली लंच– संस्थान के कर्मचारियों को 18 रूपए प्रत्येक थाली दर पर जिसमें निम्नलिखित वस्तुएं थी, उपलब्ध कराई गई; (1) पनीर प्रीप्रेशन (2) मौसमी सब्जी (3) दाल/छोले/राजमां/कड़ी पकौड़ा, (4) चावल पुलाव (5) रायता/दही बड़ा और (6) रोटी (2)

5. भावी योजनाएं

(क) कैफेटेरिया में और अधिक स्वस्थ और हाइजीनिक स्थिति के लिए, नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ लैस, कैफेटेरिया में पूर्ण मरम्मत का प्रस्ताव है।

(ख) एम्स सेंटर, बड़सा गांव, झज्जर, हरियाणा में कैफे सेवाओं का विस्तार करने का प्रस्ताव है।

11.3 केंद्रीय पशु सुविधा

प्रभारी आचार्य
डी.एन. राव

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी
पी.के. यादव

पशु चिकित्सा अधिकारी
विजेन्द्र सिंह

वर्ष 2011–12 के दौरान, पशु सुविधा विभाग में पशुओं का रखरखाव निष्पादित किया गया। (इसमें रोडेंट्स, भेड़ एवं मानव से भिन्न आदिम अर्थात् बंदर शामिल हैं)।

छोटे पशु (रोडेंट)

वर्ष के दौरान निम्नलिखित छोटे पशुओं (औसत प्रतिमाह) का रखरखाव निष्पादित किया गया।

1.	चूहे (विस्टर)2. चूहे (स्प्रेग डॉले)	599150
3.	चूहिया (स्विस)4. खरगोश (न्यूजीलैंड)	24185
5.	गुतितया पि (डंकिन हार्टली)	74

संस्थान के विभिन्न विभागों को कुल 4421 छोटे पशु (चूहे, चुहिया, खरगोश/खरगोश तथा गुन्निया पिंग) उपलब्ध कराये गए और दिल्ली तथा दिल्ली के बाहर के अन्य संस्थानों को भी काफी पशु जिनमें चूहे 220, चूहिया 775, खरगोश 11, गुन्निया पिंग–121 एवं बंदर बेचे गए।

बड़े पशु सुविघा (भेड़)

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग द्वारा अनुसंधान कार्य संचालित करने हेतु पशु विभाग में 2 भेड़ हैं।

मानव भिन्न आदिम (बन्दर)

जनगणना रिपोर्ट

बंदरों की कुल संख्या (1 अप्रैल, 2011 को)	43
पुर्नवास	22
मृत्यु	5
बंदरों की कुल संख्या (31 मार्च, 2012 को)	16

प्रजनन कार्यक्रम

सभी बंदरों का प्रजनन पिंजरों तथा खुले में घूमते हुए हुआ । मानव भिन्न आदिम बंदरों के लिए पांच इन्डोर मार्का है जिनका प्रयोग पिंजरों में रखे गए सभी बंदरों को व्यायाम कराने के लिए किया जाता है।

पुर्नवास सुविधा

बंदरों के पुनर्वास हेतु एक कार्यक्रम सन् 2000 में आरम्भ किया गया था। उन सभी बंदरों को जिन्हें प्रयोगों में 3–5 वर्ष के लिए प्रयुक्त किया जा चुका था, तथा वृद्ध बन्दरों को भी खुले में रखा गया। इनमें से अधिकांश

बन्दरों (वृद्ध बंदरों के प्रयोग के पश्चात) को सीपीसीएसइए के निर्देशानुसार स्थायी रूप से पशु कल्याण संगठनों के पास पुर्नवासित किया गया। कई बंदर जो वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सी.पी.सी.एस.ई.ए. की अनुमति से संजय गांधी पशु परिचर्या केन्द्र राजा गार्डन, नई दिल्ली में पुर्नवासित किए गए, का विवरण निम्नलिखित है:

6 बंदर	5 मई 2011
10 बंदर	9 जुलाई 2011
6 बंदर	23 जनवरी 2012

मानव से भिन्न आदिम (बंदर) के छः इंडोर रन हैं और इनका उपयोग व्यायाम के लिए किया जाता है (16 बंदर)

संचालित की गई नैदानिक प्रक्रियाएं

एकत्रित रक्त नमूने	47
शारीरिक परीक्षण, क्षय रोग और भार के लिए जांच	53
रूधिर विज्ञानी जांच	47
रक्त रसायन	7
एक्स–रे	40
अन्य प्रक्रियाएं इन्जरी, ए.एस.डी. उपचार,	
ट्रामा उपचार, स्त्री रोग प्रक्रियांए आदि	40

प्रायोगिक शल्य चिकित्सा

संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा पशु सुविधा में छोटे तथा बड़े पशुओं पर कुल 106 शल्य चिकित्साएं तथा विकिरण विज्ञानी जांचें निष्पादित की गई। इनमें शल्य चिकित्सा, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग यूनिट, न्यूरो शल्य चिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, लैबोरेट्री मेडिसिन एवं पैथोलॉजी शामिल हैं।

संस्थागत पशु एथिक्स समिति

वर्ष 2011–12 के दौरान संस्थागत पशु एथिक्स समिति (आई.ए.ई.सी.) ने संस्थान के विभिन्न अन्वेषको के छोटे पशुओ (रोडेन्टस) संबंधी 75 परियोजनाओं को पूर्ण किया।

प्रदत्त सेवाएं

सूक्ष्म जैव विज्ञान, जैवविज्ञानी इंजीनियरिंग एकक, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, बाल शल्य चिकित्सा, प्रजनन जैव विज्ञान, एनॉटमी, मनोरोग, विकृति विज्ञान, लैबोरेट्री मेडिसिन तथा न्यूरो शल्य चिकित्सा विभागों से संबंधित पशुओं के प्रबंधन हेतु एक विभागीय विंग क्रियाशील है। उपर्युक्त विभागों से संबंधित, इस सुविधा में रखे गए प्रायोगिक पशुओं की संख्या, औसतन निम्नप्रकार है, यथा, स्प्रेग डॉले चूहे–182, चूहे–100, चुहिया–200, खरगोश–30 एवं गुन्निया पिग–4।

केन्द्रीय पशु सुविधा द्वारा विभिन्न अन्वेषकों को सेरा के वैक्यूम डरायिंग, सीरम नमूनों के भंडारन, रूधिर विज्ञान, नैदनिक जैव रसायन, सूक्ष्मदर्शी जांच तथा एक्स–रे सुविधा के लिए प्रयोगशाला सुविधाएं दी गईं।

शैक्षिक कार्यक्रम

1. डॉ. पी.के. यादव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, तथा श्री धनंजय कुमार, एनिमल हाउस अटैंडेंट ने मिनीमली इनवेसिव सर्जरी ट्रेनिंग केन्द्र, शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स में पशुओं के साथ सहयोग प्रदान किया।

2. डॉ. पी.के. यादव, वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी को 'केयर, ब्रीडिंग एंड मैनेजमेट ऑफ लेबोरेटरी एनिमल' विषय पर पशुओं के कल्याण पर एक सप्ताह एवं दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पशु कल्याण संस्थान में गैस्ट लेक्चर के लिए आमंत्रित किया गया।

11.4 केंद्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयक
शशि कांत

मुख्य तकनीकी अधिकारी
आदर्श कुमार शर्मा

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
कालू राम

केन्द्रीय कार्यशाला में समूह बी एवं सी के कर्मचारियों की संख्या निम्न प्रकार हैः–

तकनीकी अधिकारी	6
तकनीशियन (ग्रेड।)	6
तकनीशियन (ग्रेड।।)	10
कार्यशाला सहायक	2
खलासी	6
स्टोर कलर्क (यूडीसी)	1
सहायक (एनएस)	1
वरिष्ठ कार्यालय अडेंडेट	1

विशिष्टताएं

केन्द्रीय कार्यशाला न केवल चिकित्सा शिक्षा, साइंटिफिक अनुसंधान, तथा अस्पताल सेवाओं के लिए प्रयुक्त किए गए उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य करता है अपितु आवश्यकतानुसार उपकरणों में संशोधन करके अनुसंधान गतिविधियों मे सहायता भी करता है। केंद्रीय कार्यशाला विभागों द्वारा दिए गए विनिर्देशों के अनुसार उपयोगी उपकरणों का निर्माण एवं डिज़ाइनिंग कार्य भी करता है।

उपर्युक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए केंद्रीय कार्यशाला में विभिन्न अनुभाग हैंः–

1. इलैक्ट्रानिक
2. इलैक्ट्रिकल
3. रेफरीजरेशन
4. मैकेनिकल (अनुभाग 1 एवं 2)
5. फाइन उपकरण
6. पेंटिंग, अपहोलस्ट्री एवं कारपेंटरी

मरम्मत एवं अनुरक्षण

केंद्रीय कार्यशाला द्वारा सभी प्रकार के यथा रक्त दाब उपकरण, इलैक्ट्रोसर्जिकल यूनिट, ईसीजी मशीनें, इन्फ्यूज़न पम्प, मल्टीपैरामीटर मॉनीटर, डीफिबरीलेटर्स, रोगी वार्मर, ओ.टी. टेबल, रेफरीजरेटर्स, आइस मशीन,

कोल्ड लैब, वाटर चिलर, क्रियोस्टेट, डीप फ्रीजर्स, यूवी. स्पैक्ट्रोफोटोमीटर, इलैक्ट्रॉनिक वेइंग मशीन, ऑडियोमीटर, अल्ट्रासाउंड थेरेपी यूनिट, ओ.टी. लाइट, टिशू प्रोसेसर, कोल्ड सेंट्रीफ्यूज, माइक्रोस्कोप, नीडल डिस्ट्रायर, वाटर बाथ, एक्सरे व्यूबॉक्स, ओ.टी. केयर मशीन, सक्शन मशीन, आक्सीजन रेग्यूलेटर, फ्लोमीटर, सर्वो स्टेबलाइज़र, बॉयलर्स, हॉट प्लेटस, टेबल टॉप सैन्ट्रीफ्यूज़ माइक्रोवेव ओवन, इनक्यूबेटर्स, स्टेनलेस स्टील ड्रम, सर्जिकल उपकरण तथा कई अन्य उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव किया जाता है।

अस्पताल के सारे फर्नीचर यथा रोगी बिस्तर, रोगी ट्रॉली, रोगी लॉकर, आई.वी.स्टेन्ड, उपकरण ट्रॉलिज़ लोडिंग ट्रॉलिज, व्हील चेयर, साइड स्क्रीन, बेड साइड लॉकर, पुश कार्ट्स आदि की मरम्मत एवं पेंटिंग कार्य भी केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा किया जाता है।

वर्ष के दौरान, केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 4653 मरम्मत कार्य निष्पादित किए गए।

निर्माण एवं मार्गदर्शन

मरम्मत तथा अनुरक्षण गतिविधियों के बढ़ते कार्यभार के बावजूद, केन्द्रीय कार्यशाला आवश्यकतानुसार उपकरणों के संशोधन तथा विनिर्देशों के अनुसार उपकरणों के निर्माण से संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों में सहायता करने में सक्षम रहा है। कुछ मामलों में केंद्रीय कार्यशाला ने स्थानीय रूप से उपलब्ध अवयवों की मदद से कुछ सामग्री की डिज़ाइनिंग तथा निर्माण कार्य संभव किया है। वर्ष के दौरान कुल 25 निर्माण कार्य (211 मदें) निष्पादित किए गए जो निम्नलिखित हैः–

कम सं.	मदों का नाम	मात्रा	विभाग
1	टी.आर. ट्यूब	119	सी.एन. सेंटर
2	स्टेलेट	41	सीओपीडी, सीटीवी
3	ब्रेल बेस पर्लट	1	एन एम आर
4	ह्यमिडिफायर चैम्बर	1	पैथोलॉजी
5	सर्जिकल उपकरण के हैंडिल	22	आर्थो ओ.टी.
6	आब्जेक्टिव फार एम.आर.आई	20	एन.एम.आर.
7	कैबस	1	आर्थो ओ.टी.
8	आई.वी. स्टेण्ड वुडन	1	एन.एस. ओटी
9	पेल्विक स्टेण्ड	1	आर्थो ओ.टी.
10	नाइलोन हैमर हेतु कैप	3	आर्थो ओ.टी.
11	ओ.टी.टेबल टॉप	3	एम.ओ.टी.
12	टेस्टीकल बॉल्स	2	पेडि. सर्जरी
13	हैड एंड आर्म हुड कवर	2	एम.ओ.टी.
14	रैट स्टेण्ड विद 4 बॉक्स	1	एनॉटमी
15	मेटल हैमर	2	जीपीएनएटीसीओटी
16	प्लास्टिक मोल्ड	7	जी.ओ.पी.डी.

17	गासकेट्स	100	बॉयलर सी.एस.एस.डी.
18	टयूब स्टेण्ड	2	फॉरेंसिक मेडिसिन
19	स्पेसीमेन ट्रे	6	एन.एस.2, आई.आर.सी.एच.
20	बैड क्रैडल	10	ए.बी 5 वार्ड
21	ए.आई. प्लास्टर बोर्ड	15	एनसथीसिया स्टोर
22	एल.पीस (एल्यूमीनियम)	20	एनसथीसिया स्टोर
23	एम्पल कटर	3	ए.बी. 7 के.टी.पी.
24	सैम्पल बॉक्स	6	सी. 6 वार्ड
25	ई.टी.स्टेलेट (एल्यूमीनियम)	2	आई.आर.सी.एच.एम.ओ. वार्ड

अल्पावधि प्रशिक्षण

कार्यशाला विभाग विभिन्न इंजीनियरिंग कालेज के डिप्लोमा/स्नात्तकपूर्व छात्रों को मार्गदर्शन एवं अल्पकालीन प्रशिक्षण (4–6 सप्ताह) प्रदान करने में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहा है वर्ष के दौरान नार्दन इंडिया इंजीनियरिंग कालेज (लखनऊ), सी.आर.आर. इंस्टीट्यूट एंड टेक्नोलॉजी (दिल्ली) तथा कस्तूरबा पॉलीटेकनिक फार वूमेन (दिल्ली) से नौ छात्रों को अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

11.5 कंप्यूटर सुविधा

प्रभारी आचार्य

पी.पी. कोतवाल

सिस्टम विश्लेषक

एस. कैलाश (31 अगस्त को सेवानिवृत)	एस.एन. रघु कुमार	सतीश प्रसाद

वरिष्ठ प्रोग्रामर

सुशील कुमार मेहर	संजय गुप्ता
एस.पी. सिंह	विनय पांडे

प्रोग्रामर

हरि शंकर	तृप्ता शर्मा	संजीव कुमार
श्यामल बरूआ	अंकिता सैनी	मनोज कुमार सिंह (5 मार्च 2012 तक)

शिक्षा

स्नात्तकोत्तर

जैव प्रोद्योगिकी विभाग के स्नात्तकोत्तर छात्रों तथ नर्सिंग कालेज के लिए सिद्धांत एवं व्यवहार दोनों पक्षों को सम्मिलित करते हुए, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग की कक्षाओं का आयोजन किया गया। मेडिकल इंफोर्मेटिक्स का अध्ययन करने हेतु तैनात सशस्त्र व सेना अधिकारियों को भी 2 वर्ष की अवधि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्नात्तकपूर्व

बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग की प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए कम्प्यूटर के बेसिक, इंटरनेट, विंडो एपलीकेशंस, कम्प्यूटर–एडिड लर्निंग, डाटाबेस आदि पर त्रैमासिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट–प्रमाणपत्र) की छात्राओं हेतु एक कम्प्यूटर पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम, संगोष्ठियों, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलनों में कंप्यूटर सुविधा के सदस्यों ने भाग लिया और व्याख्यान दिए।

आयोजित सम्मेलन

आचार्य पी.पी. कोतवाल की अध्यक्षता में एम्स के जवाहर लाल नेहरू सभागार में मेडिकल इंफोमेटिक्स (एन. सी.एम.आई. 2012) पर 8 वां राष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया जिसमें 272 स्थानीय और 10 विदेशी डेलीगेट्स ने भाग लिया, 119 पेपर जमा किए और 77 पेपर प्रस्तुत किए। प्रस्तुत किए गए सभी पेपर मेडिकल इॅफोमेटिक्स के राष्ट्रीय जरनल में प्रकाशित किए गए थे।

सेवाएं

अस्पताल में कम्प्यूटरीकरण

निम्नलिखित सॉफ्टवेयर डिज़ाइन, विकास, कार्यान्वयन और सपोर्ट गतिविधियां कम्प्यूटर सुविधा द्वारा निष्पादित की गई; डॉ. बी.आर.ए. आई.आर.सी.एच., ओ.पी.डी. (नए एवं पुराने रोगी) तथा अंतः रोगियों, मुख्य अस्पताल एवं केन्द्रों, सी.डी.ई. आर. एवं रा.प्र. केन्द्र (आयात) के लिए नए रोगियों का ओ.पी.डी. पंजीकरण, आपातकालीन पंजीकरण, दाखिला पंजीकरण (लघु एवं दीर्घ दोनों दाखिलों हेतु) के लिए विकसित मॉडयूल्स का निरंतर अनुरक्षण तथा विकास/अपग्रेडेशन निष्पादित किया जा रहा है।

इसके साथ–साथ जठरांत्र रोग विज्ञान, अस्थिरोग विज्ञान, हृदय वक्ष एवं वास्कुलर सर्जरी जैसे, नैदानिक विभागों, सी.डी.ई.आर. के प्रोस्थोडोंटिक्स एवं मैकिसलोफेशियल विभाग व भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभागों जैसे नैदानिक विभागों के लिए डिस्चार्ज सार संबंधी मॉडयूल्स का भी अनुरक्षण किया गया। सॉफ्टवेयर डिसएबिलिटी सर्टिफिकेट सॉफ्टवेयर भी सफलतापूर्वक चल रहा है।

विभिन्न केन्द्रों में सॉफ्टवेयर संबंधी गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल है:–

1. बी. आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (बी.आर.ए.आई.)(आर.सी.एच.): ओ.पी.डी. (नए व पुराने रोगी), अंतरंग रोगियों का कम्प्यूटरीकृत पजीकरण, डे केयर पंजीकरण, डे केयर रोगियों की अपाइंटमेंट तथा उनकी अस्पताल से छुट्टी संबंधी कार्य, ई–बिलिंग, मेडिकल ऑनकालोजी, विकिरण ऑनकालोजी एवं पेन क्लिनिक के अंतरंग रोगियों की छुट्टी, बाह्य और अंतरंग रोगियों का प्रयोगशाला पंजीकरण तथा पेरीफेरल समीयर, मल्टीपल माइलोमा एवं बोन मैरो हेतु रोगियों की रिपोर्ट तैयार करना जो किसी भी समय किसी भी स्थान से पुनः प्राप्ति हेतु रोगियों के डाटाबेस में स्टोर किए गए हैं। दिवसीय उपचार के लिए औषधि प्राधिकरण तथा लेखा विभाग के लिए चैक प्रिंटिंग सॉफ्टवेयर विकसित तथा क्रियान्वित किए गए हैं।

2. सी.टी. एवं एन.एस. सेंटर

   हृदय वक्ष एवं तंत्रिक विज्ञान केन्द्र में ओ.पी.डी. एवं क्लीनिक दोनों के नए रोगियों के इलैक्ट्रानिक पंजीकरण, तंत्रिका विज्ञान अंतरंग रोगियों के लिए डिस्चार्ज सार, ऑपरेशन–थियेटर, नोट्स को निरंतर मॉनीटर, अनुरक्षण एवं अपग्रेड किया जा रहा है। यह भी मॉडयूल्स सफलतापूर्वक चल रहे थे।

3. आर.पी. सेंटरः रा.प्र. सेंटर, 7वां तल, के लिए हिस्टूलॉजी और साइटोलॉजी रिर्पोटिंग, प्रयोगशाला, रा. प्र.सें. तथा लेखा अनुभाग के लिए चैक प्रिंटिंग एवं रिर्पोटिंग सॉफ्टवेयर विकसित तथा क्रियान्वित किए गए।

4. राजगड़िया विश्राम सदन (तीन विश्राम सदन): विश्राम सदन कक्ष आरक्षण पद्धति; निम्नलिखित गतिविधियों के लिए साइट की तैयारी कर ली गई है– ऑनलाइन बुकिंग कक्ष/डॉरमेट्री, रोगी का पंजीकरण, डॉरमेट्री में बिस्तर/कक्ष का आबंटन, डॉरमेट्री, बिस्तर/कक्ष के आबंटन के लिए प्रतीक्षा सूची तैयार करना, भुगतान की रसीद बनाना, चैक– आउट, अग्रिम भुगतान की वापसी, कक्ष–धारको की दैनिक रिपोर्ट और उनके भुगतान की प्राप्ति एवं वापसी (समेकित रिपोर्ट), बिस्तर प्रबंधन (नए बिस्तर/पुनः नाम जोड़ना)। उपर्युक्त कार्यक्रम विकसित किए गए, प्रयोक्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया तथा सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।

अनुसंधान अनुभाग

स्वचालित किए गए एवं सफलतापूर्वक चल रहे मॉडयूल्स में निम्नलिखित शामिल है।

1. (i) अनुसंधान परियोजना प्रबंधन, (ii) भर्ती प्रबंधन, (iii) परियोजना कर्मचारी प्रबंधन (iv) परियोजना कर्मचारी ई.एच.एस. प्रबंधन, तथा (v) अनुसंधान फैलोशिप प्रबंधन सहित प्रशासन।
2. (i) पे–रोल एवं कर प्रबंधन (प्रपत्र 16 एवं 16ए), (ii) ग्रैंड–रजिस्टर (iii) कैश बुक, (iv) लैजर, (v) टी.ए./डी.ए. प्रतिपूर्ति तथा (vi) तुलन पत्र सहित लेखा अनुभाग।
3. आवश्यकता, आपूर्ति आदेश एवं वित्तीय लेन–देन सहित स्टोर।

प्रशासनिक कम्प्यूटरीकरण

1. इन–हाउस सॉफ्टवेयर विकास का प्रयोग करते हुए पे–रोल–प्रोसेसिंग, प्रशासनिक, लेखा एवं वित्त पद्धतियों को जारी रखा।
2. वेबसाईट aims.edu, aiims.ac.in के द्वारा कर्मचारियों को ऑनलाइन वेतनपर्ची।
3. एन.आई.सी. और कम्प्यूटर सुविधा द्वारा प्रशासन (एम्स) में फाइल–ट्रैकिंग सिस्टम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।
4. इंजीनियरिंग विभाग प्रभाग (ई.एस.डी.) के लिए कम्प्यूटर लैटर आफ इंटेंट (एल.ओ.आई.) मैनेजमेंट सिस्टम विकसित एवं सफलापूर्वक क्रियान्वित किया गया।

परीक्षा अनुभाग का कम्प्यूटरीकरण

1. वर्ष 2010–11 के लिए एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. और जूनियर रेजीडेंटों (गैर अकादमिक) में चयन के लिए कम्प्यूटर सुविधा द्वारा दो बार कम्प्यूटरीकरण ऑन लाइन काउन्सलिंग समन्वित तथा संचालित की गई।
2. सभी परीक्षा परिणामों तथा सूचनाओं को एम्स की वेबसाईट सर्वर पर ऑन लाइन होस्ट किया गया।

छात्रावास

1. छात्रावास सॉफ्टवेयर केलिए अनुरक्षण एवं सपोर्ट (विभिन्न छात्रावासों के छात्रों को कक्ष आबंटन एवं प्रतीक्षा सूची बनाने हेतु)

सूचना प्रौद्योगिकी इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं नेटवर्किंग, इंटरनेट एवं इंटरनेट प्रबंधन गतिविधियां

1. यूजर आई.डी.आधारित इंटरसेट एक्सेस सिस्टम का प्रबंधन निष्पादन किया गया।
2. नेटवर्क आधारित इंडप्वाइंट एंटी वायरस सोल्यूशन का सतत प्रबंधन किया गया।
3. वायरलेस नेटवर्किंग हेतु सुविधा प्रबंधनः सपोर्ट सिस्टमों का कार्यान्वयन तथा छात्रों की सहायता हेतु काल सेंटर।
4. वेबमेल सिस्टम का सतत् प्रबंधन।
5. कम्प्यूटर नेटवर्कों की सुरक्षा हेतु यूनिफाईड थ्रेट मैनेजमेंट (यू.टी.एम.) प्रबंधन तथा इंस्टालेशन किया गया तथा गेटवे लेवल एंटीवायरस, एंटीस्पेम, आई.पी.एस. लोड बैलेंसिंग एवं कन्टेन्ट फिल्टरिंग का प्रबंधन किया गया।
6. एम्स की वेबसाइट तथा इसे अद्यतन करने की नीतियों को निरन्तर अद्यतन करने एवं अपग्रेडेशन हेतु सभी विभागों के साथ वेबसाईट कंटेंट प्रोवाइडर मीटिंग का आयोजन।
7. लगभग 18 छात्रावासों वायरलेस नेटवर्किंग ज़ोन्स, का प्रबंधन, छात्रों और रेज़ीडेन्ट्स डाक्टरों के लिए

इंटरनेट एवं ऑनलाइन जरनल्स की सुलभता के लिए वाई–फाई ज़ोन्स का सृजन किया गया। अब तक 1400 छात्रों ने इस सुविधा का उपयोग किया है।

8. बी.बी. दीक्षित लाइब्रेरी द्वारा उपलब्ध कराई गई जरनल्स की ऑन लाइन एक्सेस संस्थान से बाहर वी.पी.एन. टनल आधारित एक्सेस से कराई गई।

9. आई.सी.यू. से कहीं बाहर आई.सू.यू. रोगियों की स्थिति देखने के लिए आई.सी.यू न्यूरों रोगी मॉनीटरिंग ऑनलाइन क्रियान्वित किया।

10. आई.सी.यू. से कहीं बाहर आई.सी.यू. रोगियों की स्थिति देखने के लिए सी.टी.–6 आई.सी.यू. पेंशेंट मॉनीटरिंग ऑन लाइन क्रियान्वित किया।

11. वेबसाइट द्विवाभाषी करने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है। अब तक 4 विभागों का हिन्दी में अनुनाद किया जा चुका है तथा वेबसाइट में डाला जा चुका है।

12. छात्रों के लिए इंटरनेट एवं ऑन–लाइन जर्नल एक्सेस करने के लिए बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय में वाई–फाई ज़ोन का सतत् प्रबंधन किया गया।

13. कम्प्यूटर सुविधा द्वारा वेबसाईट www.aiims.edu] www.aiims.ac.in का इन–हाउस अनुरक्षण किया जा रहा है।

14. संकाय सदस्यों तथा छात्रों के लिए इंटरनेट सुविधा को लगभग 2500 नोडस पर एम्स नेटवर्क पर 24x7 दिन चलाए रखा गया।

15. शिक्षा एवं रिसर्च नेटवर्क (ई.आर.एन.ई.टी. इंडिया, सूचना एवं प्रोद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार) से 45 एम.बी.पी.एस. (1:1) लीज्ड लाइन को पूर्ण रूप से संस्थापित किया।

16. राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.):2 जी.बी.पी.एस. विस्तार की क्षमतासहित 100 जी.बी.पी.एस. की लीज़ लाइन कम्प्यूअर सुविधा पर एन.आई.से संस्थापित की गई है। एन.के.एन. के माध्यम से सूचना एक्सेस के लिए विभिन्न लेक्चर थियेटर एवं विभागों को नोड्स दिए गए है।

17. 700 aiims.ac.in डोमेन ई–मेल यूज़रों के लिए यूजर्स एकाउण्ट का निर्माण तथा अनुरक्षण।

18. एम्स की बेवसाइट पर विजिट करने वाले लोगों की कुल संख्या अद्यतन लगभग 25 लाख थी।

19. वेब सर्वर, प्रोक्सी सर्वर, मेल सर्वर का 24x7 दिन अनुरक्षण।

20. संकाय सदस्यों एवं अधिकारियों को नियमित आधार पर नए इंटरनेट कनेक्शन का प्रावधान करना।

21. इंटरनेट एवं नेटवर्क यूजर्स शिकायतों एवं समाधान के लिए सुविधा प्रबंधन एवं कॉल अनुरक्षण करना।

22. एम्स वेबसाइट के लिए परीक्षा अनुभाग के सॉफ्टवेयर मॉडयूल्स विकसित किए गए।

23. स्कॉलर्स एवं वरिष्ठ/कनिष्ठ रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए पी.सी. ब्लॉक के ड्यूटी कक्षों एवं कॉमन कक्षों एवं ऑन लाइन जर्नल एक्सेस और इंटरनेट के उपयोग से जर्नल एक्सेस के प्रावधान हेतु तकनीकी समन्वय करना।

24. सी.एन.सी.–ओ.पी.डी. की नवीकरण योजना के अनुसार नेटवर्क रीवैम्पिग की गई।

एम्स वेबसाइट पर अद्यतन किए गए, सशजित एवं अपलोड किए गए पृष्ठों की कुल संख्याः	3165
aiims.ac.in पर ई–मेल प्रयोक्ताओं की संख्याः	700
http://tenders.gov.in पर अपरोड किए गए टेंडरों की संख्याः	1515

अन्य सुविधाएं

वर्ष के दौरान निम्नलिखित सुविधाओं का अनुरक्षण किया गयाः

1. ई–मेल एवं एफ.टी.पी. सुविधा
2. लेज़र प्रिंटिंग एवं स्कैनिंग
3. सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर तथा नेटवर्किंग के लिए कन्सलटैंसी

महत्वपूर्ण घटनाएं

श्री एस.एन. रघुकुमार ने एम बॉयोटेक, पी.एच.डी. छात्रों एव बी.एस.सी. छात्रों के लिए आई.टी. की कक्षाएं ली, अकादमिक अनुभाग द्वारा आयोजित प्रथम वर्ष एम.बी.बी.एस. छात्र, एम.डी./एम.एस. तथा पी.एच.डी. छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम में इंटरनेट कक्षाएं लीः क्लाउड कम्प्यूटिंग पर सेमिनार में भाग लिया; एन.सी.एम. आई 2012, एम्स में सत्र की अध्यक्षता की; 'एम्स में हैल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए वाई–फाई आधारित एक्सेस नेटवर्क का डिज़ाइन एवं कार्यान्वयन केस स्टडी' पर पेपर प्रस्तुत किया, नई दिल्ली, एन.सी.एम.आई. 2012 ।

श्री सतीश प्रसाद : प्रशासनिक एवं स्थानीय क्षेत्रा नेटवर्क (नॉवल नेटवर्क सर्वर) जो 70 से अधिक नोड्स में प्रशासन तथा वित्त के प्रबंधक है, के डाटाबेस प्रशासक थे; एम्स के वित्त के लिए सॉफ्टवेयर का अनुरक्षण किया। एम्स में काम्प डी.डी.ओ. सॉफ्टवेयर (एन.आई.सी. से वित्तीय सॉफ्टवेयर) की व्यवहार्यता हेतु टीम का नेतृत्व किया; प्रशासन के लिए एफ.टी.एस. (फाइल ट्रैकिंग सिस्टम) हेतु नोडल अधिकारी, नर्सिंग कालेज के एम.एस.सी. बी.एस.सी. तथा पोस्ट सर्टिफिकेट, सूचना प्रौद्योगिकी कक्षाओं के पाठ्यक्रम समन्वयक तथा शैक्षिक संकाय; इंडिया रेड क्रॉस सोसाइटी (मास्टर कोर्स एफिलिएटिड टू आई.पी. यूनिवर्सिटी) के डिजास्टर मैनेजमेंट कोर्स हेतु आई.टी. में प्रयुक्त एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की कक्षाएं ली; कम्प्यूटर सुविधा के लिए केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी (सी.ए.पी.आई.ओ.) पदनामित किए गए, 12 सितम्बर 2011।

श्री एस.के. मेहर : पाठयक्रम समन्वयक थे तथा उन्होंने एमबॉयोटेक छात्रों एवं डिफैन्स डॉक्टरों के लिए जो दो वर्ष के प्रशिक्षण पर कम्प्यूटर सुविधा में तैनात हैं, की कम्प्यूटर एप्लीकेशन और बॉयोइंफार्मेटिक कक्षाएं ली। एम.बी.बी.एस. प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम कोर्स तैयार किया। पी.जी. एम.डी./एम. एस./ एम.डी.एस. के लिए एवं वर्ष 2011–12 के लिए जूनियर रेजीडेंडस (गैर–अकादमिक) के चयन हेतु दो बार ऑनलाइन कांउसलिंग समन्वित तथा आयोजित की; एम्स नई दिल्ली के जैव भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित आई.सी.एम. आर. द्वारा प्रायोजित कार्यशाला के "इंटरोडक्शन टू डाटाबेस एंड आर्किटेक्चर एंड यूज आफ डाटाबेस इन बायो–मेडिकल इंफार्मेटिक्स" पर चर्चा प्रस्तुत की। "21वीं सदी में आधुनिक भारतीय सोसाइटी पर आई.टी. का प्रभाव" पर यू.जी.सी. द्वारा प्रयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 'स्वास्थ्य उपचार में आई.टी.' पर एक सत्र में अध्यक्षता की "उड़ीसा की एक केस स्टडी', कटक, 21–22 जनवरी 2012, एवं 'मल्टीमीडिया ई.पी.आर. एनवायरमेंट फार ई हेल्थ एप्लीकेशन्स' पर पेपर प्रस्तुत किया, 'मोबाइल– पेशेंट मॉनीटरिंग सिस्टम की तुलना हेतु फ्रेमवर्क' पेपर की समीक्षा की; तथा जे. बायोमेडिकल इंफरमेटिक्स में प्रकाशित किया',। एक उचित अध्ययन रिपोर्ट तैयार की गई तथा एम्स अस्पताल के कम्प्यूटरीकरण के लिए दी गई है एवं डी.डी. (प्रशा.) को प्रस्तुत की गई है। एन.डी.डी.टी.सी., गाजियाबाद के कम्प्यूटरीकरण के लिए प्रस्ताव तैयार एवं प्रस्तुत किया। आई.आर.सी.एच. प्रमुख की आवश्यकता अनुसार, आई आर.सी.एच. के पी.ए. सी. सोल्यूशन के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार एवं प्रस्तुत की गई। टेलीमेडिसिन अनुभाग के लिए टेलीमेडिसिन उपकरणों के अपग्रेडेशन और रिप्लेसमेंट हेतु तकनीकी दस्तावेज तैयार किए। सी.एन.सी. आई. आर.सी.एच., आर.पी.सी.सी.डी.ई.आर., एन.डी.डी.टी.सी., प्रयोगशालाएं, विकिरण विज्ञान, अकादमिक, छात्रावास एवं अनुसंधान अनुभाग के कम्प्यूटीकरण का पर्यवेक्षण पर रहे हैं। एम्स के जवाहरलाल नेहरू सभागार में 3–5

फरवरी को सम्पन्न 8वें राष्ट्रीय मेडिकल इंफारमेटिक्स सम्मेलन (एन.सी.एम.आई.2012) के कार्यकारी सचिव तथा एन.सी.एम.आई. 2012 में एक सत्र की अध्यक्षता की। भारतीय मेडिकल इंफारमेटिक्स, 2012–14 के चयनित सचिव है।

श्री संजय गुप्ता ने 8वें राष्ट्रीय मेडिकल इंफारमेटिक्स एम्मेलन (एन.सी.एम.आई. 2012) में भाग लिया एवं सत्र की अध्यक्षता की। एन.सी.एम.आई. 2012 के चयनित कोषाध्यक्ष थे। ओ.पी.डी., आपातकालीन, ई.एच.एस. तथा फार्मेसी के कम्प्यूटरीकरण के क्रियान्वयन का पर्यवेक्षण कर रहे हैं।

श्री विनय पांडे: ने एम्स वित्त, प्रशासन तथा एम्स के टैक्स की इलैक्ट्रॉनिक फाइलिंग हेतु सॉफ्टवेयर का अनुरक्षण किया; फाइल ट्रैकिंग सिस्टम (एफ.टी.एस.) के लिए प्रशासकों में से एक; एम्स में कॉम्प डी.डी.ओ. सॉफ्टवेयर की व्यवहार्यता में ध्यान देने हेतु टीम के सदस्य, एम्स के नर्सिंग कालेज में एम.एस.सी. बी.एस.सी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं मेडिकल इंफार्मेटिक्स की कक्षाएं ली। इंडियन रेड क्रास सोसाइटी (मास्टर कोर्स एफिलिएटिड टू आई.पी. यूनिवर्सिटी) के लिए डिज़ास्टर मैनेजमेट एवं साइबर टेरोरिज्म में आई.टी.की कक्षाएं ली; जैव भौतिकी विभाग, एम्स, आयेजित कार्यशाला में 'बायोमेडिकल इंफार्मेशन रिट्राइवल पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित; एम्स में मेडिकल इंफार्मेटिक्स पर राष्ट्रीय बायेनियल सम्मेलन में साइंटिफिक सत्र की सह–अध्यक्षता की।

सुश्री तृप्ता शर्मा: ने राजगड़िया धर्मशाला कक्ष आरक्षण सॉफ्टवेयर को विकसित एवं सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया; डेन्टल ओ.पी.डी. तथा डेन्टल बिलिंग सॉफ्टवेयर का सपोर्ट एवं अनुरक्षण किया।

11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा

प्रभारी अधिकारी

शशि वाधवा

अपर आचार्य

तापोश के. दास — टी.सी. नाग

तकनीकी अधिकारी

संदीप आर्या

शिक्षा

1. कोलकाता विश्वविद्यालय के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के एम.एस.सी. (चतुर्थ वर्ष) के पांच छात्रों ने एक संकाय सदस्य के साथ 25 मार्च 2011 को इस सुविधा का दौरा किया।
2. जैव प्रौद्योगिकी विभाग एम्स के 12 एम. बायोटेक्नोलॉजी के छात्रों ने 23 अगस्त से 3 सितम्बर 2011 तक दो सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया (उनके प्रथम सेमेस्टर सैल बॉयोलॉजी प्रैक्टिकल के भाग रूप में)।
3. पी.जी. एनाटॅमी के 4 छात्रों ने 6 जनवरी से 17 जनवरी 2012 तक (केवल शुक्रवार को) ई.एम. पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सी.एम.ई.

1. वैज्ञानिक अन्वेषकों के लिए इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में दिनांक 14–26 नवम्बर, 2011 तक 27वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से 13 उम्मीदवारों ने भाग लिया। उपर्युक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारों के लिए, कुल मिलाकर आचार्य शशि वाधवा, डॉ. तापोश के दास और डॉ. टी.सी. नाग ने 11 व्याख्यान दिए।
2. इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में तकनीकी कार्मिकों के लिए एक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम छः सप्ताह के लिए दिनांक 16 मई से 25 जून 2011 तक आयोजित किया गया। दो उम्मीदवारों श्री रतन बरूआ, तकनीकी सहायक, फिजिक्स विभाग, तेजपुर यूनिवर्सिटी, तेज़पुर, असम तथा डॉ. वी. एलनगोवन, सहायक प्रोफेसर, एप्लाईड पशु विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ बॉयोसाइंस और बॉयोटेक्नोलॉजी, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, यू.पी. को सेम्पल प्रोसेसिंग, अल्ट्रा माइक्रोटोमी, सीपीडी, स्पुटर कोटिंग, टीईएम एवं एसईएम व्यूइंग, डिजीटल इमेज रिकार्डिंग और कंटीन रखरखाव मे प्रशिक्षण किया गया।

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. इंडेमिक फ्लोरोसिसः कंकालीय फ्लोरोसिस हेतु कारणोत्मक कारक के रूप में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस की भूमिका। तापोश के दास, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, 2010–13, 23 लाख रूपए।
2. आयु के साथ मानव रेटिना में आंक्सिडेटिव स्ट्रेस के मार्करों की सेलुलर लोकेलाइज़ेशन करना। टी. सी. नाग, एम्स 2010–12, 2 लाख रूपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहे के हिप्पोकैंपस के मार्फोलॉजी तथा प्रोटीन प्रोफाइल बीटा का प्रभाव।
2. चूहे के मस्तिष्क में मिडल सेरीब्रल आर्टी ओक्लुजन द्वारा इस्चेमिया–रिपरफ्यूजन इंजरी मॉडल में आटोफेगो एवं एपोटोसिस के बीच संबंध।
3. नियोनेटल चिक्स में लाइट–इन्डयूस्ड रेटीनल डीजेनरेशन।
4. मानव नेत्रों में रेटीनल पिग्मेंट एपीथेनियल–कोरियोकेपीलेरीज़ इंटरफेस के सूक्ष्म स्ट्रकचरल परिवर्तन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एशियाई भारतीय आर्थराइटिस के रोगियों में टी–हेल्पर 17 (टी.एच–17) कोशिकाओं की भूमिका को स्थापित करने हेतु अध्ययन (अस्थिरोग विज्ञान विभाग)
2. बचपन के नेफ्रोटिक सिन्डरोम में रेनल पैथोजीनिसिस में फ्लोराइड टॉकसिटी की भूमिका। अल्ट्रास्ट्रकचरल, जैव रसायन प्रोटीन प्रोफाइलिंग अध्ययन। (बालरोग विभाग)
3. उपकरण संबंधी संक्रमणों में कोएगुलेज निगेटिव स्टेफाइलोकोक्स स्पे. तथा उनकी बायोफिल्म का फिनोटाइपिक, मोलिक्यूलर तथा अल्ट्रास्ट्रकचरल अध्ययन (डॉ. आर.पी. सेंटर)
4. स्ट्रेप्टोजोटोसिन– अभिप्रेरित मधुमेह वाले चूहो में मयोकार्डियल इंफारक्शन के प्रायोगिक मॉडल में टेलमिसार्टन का कार्डियोप्रोटेक्टिव मैकेनिज़्म (भेषजगुण विज्ञान विभाग)

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 12

रोगी उपचार

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

वर्ष के दौरान, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु उपलब्ध करवाई गई विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं निम्नानुसार हैः–

क्रम सं.	सुविधा	प्रयोक्ता (एन)		विश्लेशित नमूने	
		आंतरिक	बाह्य	आंतरिक	बाह्य
1.	ट्रांसमिशन इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोप	101	172	709	1161
2.	स्कैनिंग इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोप	28	88	262	509
3.	इम्यूनो इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोप	6	29	29	55
4.	एलीमेंटल विश्लेषण (इडीएएक्स)	2	19	8	24

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य शशि वाधवा, सिम्पोज़ियम में आई.सी.एम.आर.ई.एम. कोरम में ''एडवांसिस इन इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोपी रिसर्च इन विरोलॉजी एंड 3डी इमेजिंग, द रोड अहेड', राष्ट्रीय विरोलॉजी संस्थान, पुणे, 20–21 अक्तूबर 2011 को विशेष आमंत्रित थीं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बॉयोलॉजी सत्र की अध्यक्षता की तथा नानोस्ट्रक्चरड

सेरामिक्स एवं अन्य नानोमैटीरियल पर कार्यशाला की–आई.सी.डब्ल्यू.एन.सी.एन.–2010”, फिज़िक्स एवं एस्ट्रोफिज़िक्स विभाग, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 15 मार्च 2012।

डॉ. तापोश के. दासः ने टेरी यूनिवर्सिटी के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में 'इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोपी': एप्लीकेशन इन बायोटेक्नोलॉजी' पर दो व्याख्यान दिए, 8 एवं 22 अप्रैल 2011। उन्होंने आई.एम.टी.ई.सी.एच. चंडीगढ़ में ई.एम. लैब उपकरणों की खरीद के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में तकनीकी समिति की बैठक मेंभाग लिया, 20 अक्तूबर 2011। उन्होंने 12 जनवरी 2012 को एन ।। नई दिल्ली में 200 के.वी.टी.ई.एम. की खरीद के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया। उन्होंने 10 मार्च 2012 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित विस्तार व्याख्यान सीरिज़ 2012 में 'रीसेंट एडवांसेस इन इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोपी एवं बायोमेडिकल विज्ञान में इसकी एप्लीकेशन' पर आमंत्रित व्याख्यान निष्पादित किया।

डॉ. टी.सी. नागः ने इटेलियन जरनल आफ जुआलॉजी फार्मासिटुकल बायोलॉजी तथा जरनल आफ मेडिसिन एंड मेडिकल साइंसिस की हस्तलिपि की समीक्षा की; 20–22 जून 2011 को रामजस कालेज में आयोजित डी. बी.टी. ई.एम.एस.आई. द्वारा प्रायोजित कार्यशाला में (1) इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोपी में तकनीक, (2) गोल्डन जुबली सम्मेलन (ई.एम. 50) एवं ई.एम.एस.आई., हैदराबाद की XXXIII वार्षिक बैठक, 6–8 जुलाई 2011 तथा (3) इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोपी में तकनीकों पर एक दिन की संगोष्ठी, एडवांसड उपकरणीकरण सुविधा, जे.एन.यू. 28 फरवरी 2012 को चर्चाएं निष्पादित की।

11.7 छात्रावास अनुभाग

छात्रावास अधीक्षक

एन.के. मेहरा

उप–अधीक्षक छात्रावास

एस.के. खंडेलवाल
एस. दत्ता गुप्ता
नीरजा भाटला
एस.के.मौलिक
तनुज दादा
राकेश कुमार
राजकुमार यादव
के.एच. रीटा
कपिल यादव
शशि मेवार

प्रशासन अधिकारी

रवि चौहान

भंडार अधिकारी

नरेन्द्र

एम्स में लगभग 1223 से अधिक सिंगल/डबल कमरे, एवं विवाहितों के लिए 194 आवास तथा नर्सिंग छात्राओं/स्टाफ नर्सिंग के लिए 388 आवासों की क्षमता सहित रेजीडेंट्स के अनेक हॉल हैं। यह आवास विभिन्न छात्रावासों एवं मुख्य कैंपस के आवासों, मस्जिद मोठ, आयुर्विज्ञान नगर, संकाय ट्राजिस्ट छात्रावास, एवं जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा केंद्र छात्रावास (राजनगर) में फैले हुए हैं।

रैजीडेंट

क्र.सं.	छात्रावास	स्थान	एक कमरा	दो/तीन/चार /पांच सीटर	अतिथि कक्ष (दो बिस्तर वाले)	कुल
	पुरूष छात्रावास					
1	1 (चरक)	मुख्य परिसर	62	3X2=6	.	68
2	2 (जीवक)	मुख्य परिसर	55	2X2=4	1	60
3	3 सुश्रुता	मुख्य परिसर	70	6X2=12	1	83
4	4 (माधव)	मुख्य परिसर	53	7X2=14	.	67
5	5 नागार्जुन	मुख्य परिसर	52	5X2=10	.	62
6	6 (बागभट्ट)	मुख्य परिसर	69	7X2=12	.	83
7	7 (अश्विनी)	मुख्य परिसर	108	4X2=8	1	117
8	8 (भारद्वाज)	मुख्य परिसर	108	1X2=2	1	111
9	रा.प्र.के.–1 (धनवंतरी)	मुख्य परिसर	72	.	1	73

10	एम.एम.आर.डी.एच. (एकल)	मस्जिद मोठ	154	.	6	160
11	ज.प्र. ट्रॉमा केंद्र	राज नगर	57	11.7	2	59
	कुल					**943**

विवाहित क्वाॅटर

1	एफ. टाइप	अंसारी नगर (पश्चिम)	17	17
2	एम.एम.आर.डी.एच	मस्जिद मोठ परिसर	42	42
3	आ.वी. नगर	ए.वी. नगर	80	80
4	एफ.टी.एम.	ए.वी. नगर	49	49
5	जे.पी.एन.ए.टी.सी.	राजनगर	06	06
	कुल		194	

महिला छात्रावास

1	9 (सरस्वती)	मुख्य परिसर	62	16+1+1+0	1	102
2	10 (पार्वती)	मुख्य परिसर	91	0+0+1+1	1	101
3	रा.प्र.के.–।। (लक्ष्मी)	मुख्य परिसर	20	13+0+0+0	1	47
4	महिला छात्रावास–XI	मुख्य परिसर		15+0+0+0	.	30
	कुल					**280**

नया नर्सेस छात्रावास, मस्जिद मोठ

1	नर्सिंग छात्राएं	मस्जिद मोठ	160	90+4+0+0	2	354
2	स्टाफ नर्स	मस्जिद मोठ	34	.	.	34
	कुल					388
	महा योग					1,805

महत्वपूर्ण घटनाएं

1. मस्जिद मोठ रेज़िडेंट डाक्टरों के छात्रावास के मैस हाल का नवीकरण किया गया।
2. एम.एम. आर.डी.एच. में टाइलें लगाकर सभी दुकानों का नवीकरण किया गया।
3. एम.एम.आर.डी.एच. में भूतल पर कारिडोर में एल्यूमीनियम/शीशे की खिड़कियां लगाई गई।
4. एम.एम.आर.डी.एच. में बैडमिंटन कोर्ट।
5. एम.एम.आर.डी.एच. में स्वचलित डिटेक्शन पद्धति कार्य पूरा किया गया।
6. छात्रावास स्टोर के उद्देश्य से पुरूष छात्रावास परिसर में एक नए स्टोर का निर्माण किया गया।
7. छात्रावास सं.9, महिला छात्रावास में प्रसाधन कक्ष सं.1,3, और 11 का नवीकरण किया गया।
8. छात्रावास सं. 10 के लिए कॉरिडोर में तार की जाली लगाई गई।

भावी योजनाएं

1. छात्रावास कार्यालय (छात्रावास सं.7/प्रथम तल) का एयर कंडीशनर्स के प्रावधान सहित आधुनिक गोदरेज क्यूबिकल के साथ नवीकरण।
2. नर्सो के नए छात्रावास/मस्जिद मोठ में नर्सिंग छात्रों के लिए सभी कॉरिडोरो के खुले स्थान को कमरों में परिवर्तित किया जाना चाहिए।
3. हरियाली और पौधों के साथ छात्रावास परिसर का सौंदर्यीकरण।
4. पुरूष छात्रावास में कैफे सं.5 का नवीकरण।
5. एल.सी.डी. टेलीविज़न और एयर कंडीशनर्स के प्रावधान के साथ सभी छात्रावासों में सभी कॉमन कक्षों का नवीकरण।
6. सभी छात्रावासों के सभी अतिथि कक्षों में एयर कंडीशनर का प्रावधान।
7. छात्रों के लिए नमूने और मॉडल रूम के रूप में कमरा सं. 39 छात्रावास सं.7 का नवीकरण।
8. पुरूष छात्रावास परिसर में दो पहिए और कारों के लिए उचित पार्किंग पद्धति सहित भूमि स्ट्रक्चर का लेवल तथा सौंदर्यीकरण किया जाना।
9. छात्रावास सं. 7 भूतल पर आगंतुक कक्ष बनाया जाना।
10. छात्रावास सं. 7 और 8 के बीच के स्थान को यथोचित हार्टिक्लचर कार्य, पत्थर से रोक एवं फर्श पर नई टाइलों के पुनः सजाया जाना तथा सौंदर्यीकरण करना।
11. छात्रावास सं.7 और 8 में पुरूष छात्रावासों के सभी प्रसाधन कक्षों में पश्चिमी शौचालय की सुविधा।
23 जून 2011 तक समिति के सदस्य

11.8 संस्थान इथिक्स समिति

1. प्रोफेसर जे.पी. वाली, नई दिल्ली, अध्यक्ष
2. प्रोफेसर रानी कुमार, डीन, एम्स, सदस्य
3. प्रोफेसर हरि प्रकाश, भूतपूर्व चीफ सी.डी.ई.आर., एम्स, सदस्य
4. प्रोफेसर ए.बी.डे. प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग, सदस्य
5. प्रोफेसर कमल बक्शी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग, सदस्य
6. प्रोफेसर वाई.के. गुप्ता, विभागाध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, सदस्य
7. न्यायाधीश एस.आर. सिंह, नई दिल्ली, सदस्य
8. डॉ. गंगा प्रसाद विमल नई दिल्ली, सदस्य
9. डॉ. विजय कुमार, डी.डी.जी., आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली, सदस्य
10. प्रोफेसर सुषमा यादव, अध्यक्ष प्रोफेसर, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक न्याय, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आई.पी. एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली, सदस्य
11. डॉ. पीयूष साहनी, सम्पादक, एन.एम.जे.आई., एम्स, सदस्य
12. प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, विभागाध्यक्ष, आपात चिकित्सा विभाग, एम्स, सदस्य
13. प्रोफेसर कमल किशोर, भेषज गुण विज्ञान विभाग, एम्स, सदस्य
14. डॉ. वेंकट कार्तिकेयन सी, सह प्रोफेसर, ई.एन.टी. विभाग, सदस्य
15. प्रोफेसर रेनू सक्सेना, विभागाध्यक्ष, रूधिर रोग विभाग, सदस्य–सचिव

विशेष आमंत्रितः डॉ. रविन्द्र कुमार बत्रा एवं डॉ. राकेश यादव (2 अगस्त 2010 से)

24 जून 2011 से 31 मार्च 2012 तक समिति के सदस्य

1. प्रोफेसर जे.पी. वाली, भूतपूर्व प्रोफेसर, मेडिसिन, एम्स, अध्यक्ष
2. प्रोफेसर एस.एस. सिद्धू, पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, डेन्टल सर्जरी विभाग, एम्स, सदस्य
3. डॉ. डी.आर. सैनी, प्रिंसीपल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम, सैक्टर 12, नई दिल्ली, सदस्य
4. डॉ. विजय कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' डी.डी.जी. (वरि. ग्रेड), आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली, सदस्य
5. श्री मुकुल गुप्ता, वरिष्ठ वकील, पूर्व–एस.एल.सी., एमस, सदस्य
6. डॉ. ए.एम. खान, अध्यक्ष, सोशल सांइस विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनीरका, नई दिल्ली, सदस्य
7. प्रोफेसर रानी कुमार, डीन अकादमिक, एम्स, सदस्य
8. प्रोफेसर वाई.के.गुप्ता, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, सदस्य
9. प्रोफेसर ए.बी.डे. मेडिसिन विभाग, प्रोफेसर प्रभारी (अनुसंधान) सदस्य
10. प्रोफेसर पीयूष साहनी, जी.आई. सर्जरी विभाग एवं संपादक एन.एम.जे.आई., सदस्य
11. प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, आपात मेडिसिन विभाग, एम्स, सदस्य

12. प्रोफेसर रविन्द्र कुमार बत्रा, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, सदस्य

13. प्रोफेसर राकेश यादव, उप–डीन (अकादमिक) एम्स, सदस्य

14. प्रोफेसर रेनू सक्सेना, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, रूधिररोग विभाग, एम्स, सदस्य–सचिव

23 जून 2011 तक इथिक्स उप–समिति के सदस्य

1. डॉ. रविन्द्र कुमार बत्रा, प्रोफेसर संवेदनाहरण विभाग एवं अध्यक्ष
2. डॉ. रेनू सक्सेना, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, रूधिररोग विभाग
3. डॉ. अशोक कुमार, प्रोफेसर प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम.ए.एम.सी., नई दिल्ली
4. डॉ. राकेश महाजन, वरिष्ठ वास्कुलर सर्जन, अपोलो अस्पताल
5. डॉ. प्रवीण अग्रवाल, प्रोफेसर आपात मेडिसिन
6. डॉ. अरविंद बग्गा, प्रोफेसर बालरोग
7. डॉ. शशि कांत, प्रोफेसर, कम्यूनिटी मेडिसिन केन्द्र
8. डॉ. कमल किशोर, प्रोफेसर भेषजगुण विज्ञान, एम्स
9. डॉ. राजेद्र प्रसाद एडिशनल– प्रोफेसर, सर्जरी, एम्स
10. डॉ. राजू शर्मा, एडिशनल प्रोफेसर विकिरण, एम्स
11. डॉ. कल्पना लूथरा, एडिशनल– प्रोफेसर, जैव रसायन
12. डॉ. प्रदीप वेंकटेश, सह– प्रोफेसर, डा़. आर.पी. सेंटर, एम्स
13. डॉ. संजय थुलकर, सह– प्रोफेसर, विकिरण, एम्स
14. डॉ. विनीत आहूजा, सह– प्रोफेसर, जठरांत्रा रोग, एम्स
15. डॉ. सुनील चुम्बर, एडिशनल प्रोफेसर सर्जरी, एम्स
16. डॉ. राकेश यादव, उप–डीन (अका.) एवं एडिशनल प्रोफेसर एवं सदस्य–सचिव

24 जून 2011 से 31 मार्च 2012 तक इथिक्स उप–समिति के सदस्य

1. डॉ. रविन्द्र कुमार बत्रा, प्रोफेसर संवेदनाहरण एवं अध्यक्ष
2. डॉ. रेनू सक्सेना, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, रूधिर रोग
3. डॉ. अरविंद बग्गा, प्रोफेसर, बालरोग
4. डॉ. शशि कांत, प्रोफेसर, कम्यूनिटी मेडिसिन सेंटर
5. डॉ. कल्पना लूथरा, एडिशनल प्रोफेसर जैव रसायन
6. डॉ. अशोक कुमार, प्रोफेसर प्रसूति एवं स्त्रीरोग, एम.ए.एम.सी., नई दिल्ली
7. डॉ. प्रवीण अग्रवाल प्रोफेसर आपात मेडिसिन
8. डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सर्जरी
9. डॉ. राधिका टंडन, प्रोफेसर आप्थलमोलॉजी

10. डॉ. मंजू वत्स, प्रिंसीपल, नर्सिंग कालेज

11. डॉ. एस.बी. गायकवाड़, प्रोफेसर न्यूरो–विकिरण

12. डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, उप–डीन (अनुसंधान)

13. डॉ. नवल किशोर विक्रम, सह–प्रोफेसर मेडिसिन

14. डॉ. जी. कार्तिकेयन, अतिरिक्त प्रोफेसर, हृदय रोग

15. डॉ. राकेश यादव, उप–डीन (अका.) एवं एडिशनल प्रोफेसर एवं सदस्य–सचिव

शिक्षा

व्याख्यान दिए गए

रेनू सक्सेनाः 6

रविन्द्र कुमार बत्राः 7

अल्पावधि प्रशिक्षण

एम.एस.सी. नैदानिक अनुसंधान के एक छात्र को 'अनुसंधान में इथिक्स' में छः माह का प्रशिक्षण दिया गया।

बैठकें

इथिक्स समिति की बैठकों की संख्या निम्न प्रकार थीः

संस्थान इथिक्स समिति : 12

शोध और शोध–प्रबंध के लिए संस्थान इथिक्स उप–समितिः 12

संस्थान इथिक्स समिति द्वारा परियोजनाओं की समीक्षा

नई परियोजनाएंः 431

पुरानी परियोजनाएँ–138

संस्थान एथिक्स उप समिति द्वारा पुनरावलोकित शोध ग्रंथों की संख्या

शोध ग्रंथ–481

पुनरीक्षित शोध ग्रंथ –436

पुराने शोध ग्रंथ –3

इसके अतिरिक्त एथिक्स समिति, गंभीर विपरीत प्रतिक्रियाएं, गंभीर विपरीत घटनाओं, छमाही प्रगति रिपोर्ट तथा समाप्ति रिपोर्ट आदि के नोटिफिकेशन प्राप्त करती रही ।

संस्थान एथिक्स समिति मानक

प्रचालन प्रक्रियाओं (एस ओ पी) मे आवश्यकतानुसार सुधार होता रहा तथा एम्स की वेबसाइट में उपलब्ध कराया गया ।

विशिष्ट घटनाएँ

डॉ. रविन्दर कुमार बत्रा, शोध ग्रंथ एथिक्स समिति तथा परीक्षा एथिक्स समिति, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड , स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य थे।

11.9 के.एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र (सीमेट)

प्रभारी आचार्य
डॉ. के.के. दीपक

समन्वयक (आयुर्विज्ञान)
डॉ. राकेश यादव

समन्वयक (दंत विज्ञान)
डॉ. ओ.पी. खरबंदा

शिक्षाविद
डॉ. बी.वी. अदकोली

शिक्षा मीडिया पत्रकार
योगेश कुमार

विशिष्टताएं

एम्स की समग्र कार्यशैली के संदर्भ में संकाय विकास के अवबोधन की आवश्यकता के प्रत्युतर में, सीमेट ने संस्थान में विभिन्न स्वास्थ्य प्रोफेशनल्स के कौशल को बढ़ाने पर बल दिया। वैज्ञानिक लेखन स्वास्थ्य विज्ञान में सूचनात्मक पुनः प्राप्ति एवं मीडिया के प्रयोग से प्रभावी प्रेजेंन्टेशन्स जैसे मुद्दों पर वरिष्ठ/कनिष्ठ रेजीडेंटस, पूल अधिकारियों, पी.एच.डी. छात्रों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गई। स्वास्थ्य टीम के सदस्यों के रूप में उनके क्षमता निर्माण तथा प्रभावी कार्यशैली के लिए एम्स के 12 विभागों के सहयोग से 1285 ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रारम्भो में सीमेट संकाय यथा राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल की स्थापना हेतु स्टीयरिंग समिति, स्नात्तक पूर्व/स्नात्तकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के ग्रामीण स्वास्थ्य उपचार स्नातक पाठ्यक्रम (बी.आर.एच.सी.) के साथ डिजाइनिंग पाठ्यक्रम से संबंधित एम.सी.आई. की विशेषज्ञ समिति भी शामिल थे।

शिक्षा

नर्सिंग, कालेज, एम्स के एम.एस.सी. नर्सिंग कार्यक्रम के लिए मीडिया एवं कमयूनिकेशन से संबंधित विषयों पर सीमेट के सकाय द्वारा आठ सत्र (प्रत्येक सत्र 2 घंटे) आयोजित किए गए।

कनिष्ठ/वरिष्ठ रेजीडंट्स/पी.एच.डी. छात्रों के लिए.सी.एम ई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इन–हाउस कार्यशालाएं

एम.एस.वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के टूल्स	**5 अप्रैल 2011**
प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण कौशल	**19 अप्रैल 2011**
प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण कौशल	**26 अप्रैल 2011**
पावर प्वाइंट से एनीमेशन	**3 मई 2011**
इंटरनेट के प्रयोग द्वारा स्वास्थ्य विज्ञान में सूचनात्मक पुर्नप्राप्ति	**10 मई 2011**

एम.एस. वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के टूलस	14 मई 2011
प्रस्तुतीकरण कौशल	31 मई 2011

राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

सीमेट द्वारा 'पी.बी.एल.– प्रॉमिसिस एंड पिटफॉल्स' पर 21 फरवरी 2010 को राष्ट्रीय सिम्पोज्यिम कम कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एम्स में ग्रुप डी कर्मचारियों का प्रशिक्षण

सीमेट द्वारा एम्स के 8 श्रेणियों से संबंधित 1285 ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गयाः अस्पताल अटेंडेंट, कार्यालय अटेंडेट, लॉन्ड्री अटेंडेंट, बेलदार, खलासी, माली, किचन स्टाफ, बीयरर्स, क्लीनर्स! कुल मिलाकर एम्स के 12 विभागों से 110 प्रशिक्षकों को शामिल किया गयाः सामान्य प्रशासन, अस्पताल प्रशासन, सीमेट, डायटिक्स, सिक्योरिटी, कम्यूनिटी मेडिसिन केंद्र, फिज़िकल मेडिसिन एवं पुर्नवास, सेनीटेशन, नर्सिंग, इंजीनियरिंग (सिविल, इलैक्ट्रिकल, अका. एंड हार्टिकलचर) ओ.आर.बी. ओ./नेत्र बैंक और कैफेटेरिया। यह कार्यक्रम अगस्त 2011 से जनवरी 2012 तक 31 समूहों में चलाया गया।

सीमेट द्वारा एम्स के विभिन्न विभागों के लिए 21 'हैन्डस ऑन' कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमे आडियो–विजुअल एवं कम्प्यूटर सुविधाओं सहित स्थान, तकनीकी सहयोग भी प्रदान किया। सीमेट द्वारा ऐसी ही सुविधा नर्सिंग कालेज एम्स को प्रैक्टिकल सत्रों (10 दिन) के लिए भी' प्रदान की गई)

निष्पादित व्याख्यान

के.के. दीपक	:	2
बी.वी.अदकोली	:	5
योगेश कुमार	:	6

प्रकाशन

पुस्तकों में अध्यायः 2

सहयोगी एवं मीडिया से संबंधित गतिविधियां

वर्ष 2011–2012 के लिए मीडिया प्रोडक्शन का विवरणः

मद	मदों की संख्या
नैदानिक फोटोग्राफी	784 (16701)
एक्सरे स्कैन एवं ए 4 प्रिंटिंग स्लाइड स्कैन	653 (6360)
फोटोग्राफिक कलर प्रिंट, स्कैनिंग आफ इमेज़िस एंड डोक्यूमेंटस	506
वीडियां रिकार्डिंग एवं एडिटिंग	493
बड़े फार्मेट पोस्टर्स की डिज़ाइनिंग/प्रिंटिंग	1007

(कोष्ठक में दिए गए आंकड़े मदों/इमेजिस/पृष्ठों की संख्या दर्शाते है)

आयोजित प्रदर्शनियां

56वीं संस्थान दिवस प्रदर्शनी, 25–27 सितम्बर 2011 में सीमेट द्वारा मुख्य भूमिका निभाई गई जिसका विषय था 'एम्स का स्वास्थ्य उपचार में योगदान'। प्रदर्शनी में स्किट ओर रोल नाटकों के साथ–साथ सैंकड़ों पोस्टर

वीडियां/लाइव प्रदर्शन शामिल थे। प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय यूनियन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा किया गया और इसमें बड़ी संख्या में सामान्य जनता ने भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर के.के. दीपक अखिल भारतीय प्री मेडिकल/प्री डेन्टल प्रवेश परीक्षा केन्द्रीय सैकेण्डरी शिक्षा बोर्ड (सी. बी.एस.ई.) की सलाहकार सीमिति के सदस्य थे; राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन), भारत सरकार में नोडल अधिकारी के रूप में कार्यरत थे; न्यूनतम स्टैन्डर्ड रिक्वायरमेंट (एम.एस.आर.), पर अकादमिक परिषद की उप–समिति के सदस्य बनाए गए, भारतीय मेडिकल परिषद एम.सी.आई में क्षेत्रीय केन्द्रों के संकाय के करीकुलम इम्पलीमेंटशन सपोर्ट कार्यक्रम (सी.आई.एस.पी.) कार्यशाला आयोजित करने के लिए रिसोर्स संकाय एवं सह–संयोजक के रूप में कार्य किया; सी.आई.एस.पी. मॉड्यूल्स की इंटेग्रेटिंग टीचिंग एंड फाइनेलाइज़ेशन पर सह–संयोजक कोर–ग्रुप थे, भारतीय मेडिकल परिषद; एम.सी.आई. की स्नातकपूर्व सीमिति (यू.जी) के सदस्य थे; शिक्षा समिति, अंतर्राष्ट्रीय फिजियोलॉजिकल विज्ञान यूनियन (आई.यू.पी.एस.) के सदस्य थे; बी.पी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान (बी.पी.के.आई.एच.एस.) में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम; समीक्षा पर कार्यशाला के संकाय थे, 5–8 अप्रैल 2011; यू.जी.एम.बी.बी.एस. कार्यक्रम भूटान चिकित्सा विज्ञान संस्थान (बी.आई.एम.एस.), भूटान के कोर्स पाठ्क्रम विकसित करने हेतु विशेषज्ञ थे, 4–7 नवम्बर 2011 ।

डॉ. बी.पी. अदकोली भारतीय मेडिकल परिषद द्वारा नियुक्त सदस्य ग्रामीण स्वास्थ्य उपचार पाठ्यक्रम के स्नात्तक के पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल प्रारम्भ करने के लिए स्टीयरिंग समिति के सदस्य थे, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियुक्तः भारत में जन स्वास्थ्य प्रोफेशनल्स के लिए मानकीकृत क्षमता फ्रेमवर्क विकसित करने हेतु भारतीय जन स्वास्थ्य एसोसिएशन द्वार संयोजित विशेषज्ञ समूह की बैठक में विशेष आमंत्रित थे। एडवांस ट्रामा लाइफ समोर्ट (ए. अी.एल.एस.) कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षक पाठ्यक्रम के आयोजन के लिए अमेरिकन कालेज ऑफ सर्जनस द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक के रूप में पहचाने गए; एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम पर कार्यशाला के लिए संकाय; बी.पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान में समीक्षा (बी.पी.के. आई.एच.एस.), धरन, नेपाल, 5–8 अप्रैल 2011; जे.आई. पी.एम.ई. आर., पांडीचेरी द्वारा आयोजित एम.ई.डी.यू. सी.ओ.एन.–2011 चिकित्सा शिक्षा सम्मेलन के दौरान स्नात्तकोत्तर चिकितसा शिक्षा के लिए मूल्यांकन नीतियों: पर सम्मेलन–पूर्व कार्यशाला हेतु रिसोर्स व्यक्ति; सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की; एलाइड स्वास्थ्य सेवाओं पर राष्ट्रीय प्रारम्भ (एन.आई.ए.एच.एस.) के अंतर्गत, 14–15 सितम्बर 2011, को भारतीय जन स्वास्थ्य फाडंडेशन द्वारा आयोजित लेखन कार्यशाला में सिफारिश के लिए रिसोर्स व्यक्ति; क्षेत्रीय फायमेर (एफ.ए.आई.एम.ई.आर.) संस्थान, सी.एम.सी., लुधियाना, के फैलोशिप कार्यक्रम के लिए रिसोर्स व्यक्ति/संकाय।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. जलाल अहमद, बांग्लादेश से डब्ल्यू.एच.ओ., फैलो, (10–14 अक्तूबर 2011)

12. प्रकाशन

पत्रिकाएं

1. आलोक एल, आजाद आर, शर्मा वाई आर, फुलझेले एस. माइक्रोपेरिमेट्री एंड ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी इन ए केस ऑफ ट्रॅमेटिक मेकुलर होल एंड एसोसिएटेड मेकुलर डेचमेंट विद् स्पॉन्टेनियस रिजोलुशन। इंडियन जे ऑथाल्मोल 2012; 60: 66-8.
2. अबरोल एन, गुप्ता एन, कुमार आर, मीडियल थाई पैन : एन अंयूज्वल प्रेजेंटेशन ऑफ जाइंट कैलकुली इन सिगमोइड नियोब्लेडर। इंडियन जे यूरोल 2011; 27: 276-7.
3. अबरोल एन, सेठ ए, शर्मा एस. प्सयूडोएनेरिज्म किडनी : ए रेयर कॉम्प्लीकेशन ऑफ प्सयूडोपैनक्रिएटिक रिस्ट. यूरोलॉजी 2012; 79: 111-12.
4. आचार्य एस के, पांडा एस के. हेपेटाइटिस ई : वाटर, वाटर इवरीवेयर - नाव ए ग्लोबल डिजीज। जे हिपेटोल 2011; 54: 9-11.
5. आचार्य एस के, श्रीनिवास वी, गुप्ता एस डी, कुमार एस, चावला वाई के, टंडन ए, एट अल. ट्रीटमेंट ऑफ क्रॉनिक हेपेटाइटिस ड्यू टू हेपेटाइटिस सी वायरस (सीएच-सी) इन इंडिया : ए रैडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल कम्पेयरिंग डैली इंटरफेरोन अल्फा-2बी एंड रिबावायरिन विद् डैली इंटरफेरोन अल्फा-2बी ग्लायसिरिजिन - ए मल्टीसेंटर स्टडी। जे क्लिन एक्सप हिपेटोल 2012; 2: 10-18.
6. अग्रवाल ए, खन्ना पी, बैद्य डी के, अरोड़ा एम के. ट्रेस एलीमेंट्स इन क्रिटिकल इलनैस. जे एंडोक्राइनोल 2011; 1: 57-.63.
7. अग्रवाल ए, खन्ना पी, नारायणवामी एस, प्रसाद जी, बोरले ए. एनास्थेटिक मैनेजमेंट फॉर इमर्जेंसी सीजेरियन सेक्शन इन ए पेशेंट विद् एन अनट्रेटेड रिसेंटली डायग्नोज्ड फीयोक्रोमोसाइटोमा। इडियन जे एनास्थे 2011; 55: 614-17.
8. अग्रवाल एन, नागनंदा एम एस, रहमान एस एम के, सेनगुप्ता ए, संतोष जे, आनंद एस. पोर्टेबल कॉस्ट-इफेक्टीव ईईजी डेटा एक्यूजिशन सिस्टम। जे मेड इंज टेक 2011; 35: 185-90.
9. अग्रवाल एस, शर्मा एम सी, सरकार सी, सूरी वी, जैन ए, शर्मा एम एस, एट अल. एक्स्ट्रवेंट्रिकुलर नियोकायटोमास : ए मार्फोलॉजिकल एंड हिस्टोजेनेटिक कंसिडरेशन। ए स्टडी ऑफ सिक्स केस। पैथोलॉजी 2011; 43: 327-34.
10. अग्रवाल एस के, गुप्ता एस, भौमिक डी, महाजन एस. रिएक्शन साइज इन ट्यूबरकुलीन टेस्ट पॉजिटिविटी इन हिमोडियालायसिस पेशेंट्स - ऑथर रिप्लाई। इंडियन जे नेफरोल 2011; 21: 139-40.
11. अग्रवाल पी, मित्तल एस, मल्होत्रा एन, बहादुर ए, आइडियोपैथिक थ्रोम्बोकायटोपेनिक पर्प्यूरा मैनेज्ड बाय इंट्रावेनस एंटी - डी. जे ऑब्स्टेट ग्यनिकोल 2012; 32: 195-8.
12. अग्रवाल पी, विग एन, भोई एस, एफिकेसी ऑफ टू कॉर्टिकॉस्टेरॉयड रिजिमेन्स इन एक्यूट एक्सासेर्बेशन ऑफ क्रॉनिक ऑब्स्ट्रेक्टीव पल्मोनरी डिजीज। इंट जे ट्यूबर लांग डिज 2011; 15: 687-92.
13. अग्रवाल एस, भट्टाचार्य जी एच, मिश्रा एम सी. प्रैक्टिस ऑफ रूटिन इंट्रोपेरेटिव लीक टेस्ट डुरिंग लैपरोस्कोपिक स्लिव गैस्ट्रेक्टोमी शोड नॉट बी डिसकार्डेड। सर्ज ऑब्स रिलेटेड डिस 2011; 7: ई24-5.
14. अग्रवाल एस, गुप्ता पी, शर्मा एस. लैपेरोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ गैस्ट्रीक एंजियोम्योलिपोमा : केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटेरेचर। सर्ज लैपेरोस्क एंडोस्क परक्यूटेन टेक 2012; 22: ई21-4.
15. अग्रवाल एस, मिश्रा एम, रामास्वामी एन, जसवाल आर. लैपेरोस्कोपिक सलेव गैस्ट्रेक्टोमी विद् एंड विद्आउट स्टेप्ल लाइन रिइंफॉर्समेंट: ए रैडोमाइज्ड स्टडी। आब्स सर्ज 2011; 21: 1105.
16. अग्रवाल वी, कपूर पी एम, चौधरी एम, किरन यू, चौधरी यू. यूटिलिटी ऑफ सोनोक्लोट एनालसिस एंड ट्रनेएक्समिक एसिड इन टेट्रालॉजी ऑफ फलोट पेशेंट्स अंडरजोइंग इंट्राकार्डियक रिपेयर। एना कार्ड एनास्थ 2012; 15: 26-31.
17. अग्रवाल वी, मलिक वी, कपूर पी एम, किरन यू. नूनान सिंड्रोम: एन एनास्थिसियोलॉजिस्ट्स परस्पेक्टीव। एना कार्ड एनास्थ 2011; 14: 214-17.
18. अग्रवाल डी, कुमार एस, कुमार ए, गोंबर एस, त्रिखा ए, आनंद एस. डिजाइन ऑफ एन एसिस्टीव एनास्थिसिया ड्रग डिलीवरी कंट्रोल यूजिंग एकनोलेडज बेस्ड सिस्टम्स। एकनोलेडज-बेस्ड सिस्टम्स 2012; 3: 1-7.
19. अग्रवाल डी, साहू एस, सत्यार्थी जी डी, गुप्ता डी, सिन्हा एस, मिश्रा एम सी. इंशियल एक्सपीरिएंस विद् मोबाइल कंप्यूटेड टोमोग्राम इन न्यूरोसर्जरी इंटेंसिव केयर यूनिट इन ए लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया। न्यूरोल इंडिया 2011; 59: 739-42.

20. अग्रवाल डी, ट्रांसफॉर्मिंग ट्रॉमा हेल्थकेयर डिलीवरी इन रूरल एरियस बाय यूज ऑफ एन इंटेग्रेटेड सेल सेंटर। जे इमर्जे ट्रॉमा शॉक 2012; 5: 7-10.

21. अग्रवाल एन, कलाईवेणी एम, गुप्ता एस के, मिश्रा पी, आनंद के, पांडव सी एस. एसोसिएशन ऑफ ब्लाइंडनेस एंड हेयरिंग इम्पैरमेंट विद् मॉर्टिलिटी इन ए कोहॉर्ट ऑफ एल्डर्ली परसन्स इन ए रूरल एरिया। इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2011; 36: 208-12.

22. अग्रवाल पी, गुप्ता बी, डिसूजा एन. फाइबरोप्टिक ब्रोनकोस्कोपी एसिस्टेड डिफिकल्ट एयरवे मैनेजमेंट इन मैक्सीलोफेशियल ट्रॉमा, एना मैक्स सर्ज 2011; 1: 95-6.

23. अग्रवाल एस, शर्मा एस के, श्रीनिवास वी, लक्ष्मी आर, मिश्रा एच के. स्टेपेड एप्रोच फॉर प्रीडिक्शन ऑफ सिंड्रोम जेड इन पेशेंट्स एटेंडिंग स्लीप क्लिनिक : ए नॉर्थ इंडियन हॉस्पीटल - बेस्ड स्टडी। स्लीप ब्रीथ 2012; 16: 621-7.

24. अग्रवाल एस, शर्मा एस के, श्रीनिवास वी, लक्ष्मी आर, प्रीवलेंस ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम इन ए नॉर्थ इंडियन हॉस्पीटल-बेस्ड पोपुलेशन विद् ऑस्ट्रेक्टिव स्लीप एनोय। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 134: 639-44.

25. अग्रवाल वी, गुप्ता ए, गुप्ता आर, शर्मा एम सी, दास पी. नॉनल्युकेमिया ग्रानुलोकायटिक सार्कोमा ऑफ किडनी विद् मिक्स्ड फेनोटाइप ब्लास्टः ए डायग्नोस्टिक डिलेमा। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2011; 54: 606-8.

26. अहमद एस टी, अर्जुमंद डब्ल्यू, सेठ ए, कुमार सैनी ए, सुल्तान एस. इम्पैक्ट ऑफ ग्लुटाथियोन ट्रांसफेरस एम1, टी1, एंड पी1 जीन पॉलीमर्फिज्मस इन द जेनेटिक सस्पेटिबिलिटी ऑफ नॉर्थ इंडियन पोपुलेशन टू रिनल सेल कार्सिनोमा। डीएनए सेल बायोल 2012; 31: 636-43.

27. अहमद एस टी, अर्जुमंद डब्ल्यू, सेठ ए, सैनी ए के, सुल्तान एस. मीथीलेशन ऑफ द एपीएएफ-1 एंड डीएपीके-1 प्रोमोटर रिजन कोरिलेट्स विद् प्रोग्रेशन ऑफ रिनल सेल कार्सिनोमा इन नॉर्थ इंडियन पोपुलेशन। ट्यूमर बायोल 2012; 33: 395-402.

28. अहमद एस, अग्रवाल डी, काले एस एस, महापात्रा ए के. ए कॉम्परेटिव स्टडी ऑफ ट्रीटमेंट ऑफ क्रॉनिक सबड्यूरल हिमटोमा-बर होल ड्रेनेज वर्सिस कंटीन्यूअस क्लोज्ड ड्रेनेज। इंडियन जे न्यूरोट्रॉमा 2011; 8: 17-24.

29. अहुजा ए, दास पी, दुर्गापाल पी, सैनी ए, डोगरा पी एन, मथुर एस आर, एट अल. माइक्रोफिलेरिया इन ए पेशेंट ऑफ एकिलॉस हिमेट्यूरियाः ए रेयर फाइंडिंग इन यूरिन साईटोलॉजी। जे साईटोल 2012; 29: 147-8.

30. अहुजा ए, दास पी, कुमार एन, सैनी ए के, सेठ ए, राय आर. एडनाइड क्यस्टिक कार्सिनोमा ऑफ प्रोस्टेटे : केस रिपोर्ट ऑन ए रेयर एंटिटी एंड रिव्यू ऑफ द लिटेरेचर। पैथोल रेज प्रेक्ट 2011; 207: 391-4.

31. अहुजा ए, अय्यर वी के, माथुर एस, विजय एम के. फाइन नीडल एस्पिरेशन साईटोलॉजी डायग्नोसिस ऑफ मेटास्टेटिक एडल्ट ग्रानुलोज सेल ट्यूमर शॉविंग कॉल - एक्सनेर बॉडीज। साईटोपैथोलॉजी 2012.

32. अहुजा ए, मथुर एस, अय्यर वी के. एकांथोमोटोयस एमेलोब्लस्टोमा मैस्क्युरेडिंग एज ए स्कामास सेल कार्सिनोमा। साईटोपैथोलॉजी 2012.

33. अहुजा ए, माथुर एस आर, अय्यर वी के, शर्मा एस के, कुमार एन, अग्रवाल एस. हिस्टोप्लामोसिस प्रेजेंटिंग एज बीलेटेरल एडरेनल मासेसः कायटोमोर्फोलॉजिकल डायग्नोसिस ऑफ थ्री केसेज। डायग्न कायटोपैथोल 2012; 40: 729-31.

34. अहुजा ए, सफाया आर, प्रकाश जी, कुमार एल, शुक्ला एन के. प्राइमरी मिक्स्ड म्यूलेरियन ट्यूर ऑफ द विजाइन - ए केस रिपोर्ट विद् रिव्यू ऑफ द लिटेरेचर। पैथोल रेज प्रेक्ट 2011; 207: 253-5.

35. अहुजा ए, शर्मा, एमसी, सुरी वी, सरकार सी, शर्मा बी एस, गर्ग ए. पाइनियल एनलेज ट्यूमर ए रेयर एंटाइटी विद् डिवेर्जेंट हिस्टोलॉजी। जे क्लिन न्यूरोसाइं 2011; 18: 811-3.

36. आइलावधी पी, अग्रवाल डी, सत्यर्थी जी डी, गुप्ता डी, सिन्हा एस, महापात्रा ए के. यूज ऑफ ओ-अर्म फॉर स्पाइनल सर्जरी इन एकाडेमिक इनस्टिट्यूशन इन इंडिया : एक्सपेरिएंस फ्रॉम जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर। न्यूरोल इंडिया 2011; 59: 590-3.

37. आइलावधी पी, अग्रवाल डी, सत्यर्थी जी डी, गुप्ता डी, सिन्हा एस, महापात्रा ए के. ऑथर्स रिप्ले। न्यूरोल इंडिया (सीरियल ऑनलाइन) 2011; 59: 796.

38. आइलावधी पी, चंद्र पी एस, शर्मा एम एस, महापात्रा ए के. सेंट्रल लिपोन्यूरोसिस्टोमाः केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटेरेचर। इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1: 83-5.

39. अल्बर्ट वी, सुब्रमण्यम ए, रंगराजन के, पांडे आर एम. एग्रीमेंट ऑफ टू डिफरेंट लैबोरटरी मैथड्स यूज्ड टू मैजर इलेक्ट्रोलयट्स। जे लैब फिजिशियन्स 2011; 3: 104-9.

40. अली एम के, शाह एस, टंडन एन. रिव्यू ऑफ इलेक्ट्रॉनिक डिसीजन - स्पोर्ट टूल्स फॉर डायबेट्स केयरः ए वाइबल ऑप्शन फॉर लॉ - एंड मीडिल - इनकम कंट्रीज? डायबेटस साइं टेक्नोल 2011; 5: 553-70.

41. एलोन्सो जे, पेतुखोवा एम, विलागुट जी, चटर्जी एस, हीरिंगा एस, उस्तीन टी बी एट अल. डेज आउट ऑफ रोल ड्यू टू कॉमन फिजिकल एंड मेंटल कंडिशन्सः रिजल्ट्स फ्रॉम द डब्ल्यूएचओ वर्ल्ड मेंटल हेल्थ सर्वे। मॉल साइकेट्री 2011; 16: 1234-46.

42. अल-रुबाइश ए एम, वोसोर्नु एल, द्विवेदी एस एन. एप्रेजल ऑफ यूजिंग ग्लोबल स्ट्यूडेंट रेटिंग आइट्म्स इन क्वालिटी मैनेजमेंट ऑफ हायर एजुकेशन इन साउदी अरेबियन यूनिवर्सिटी। आईबिजनेस 2012; 4: 1-9.

43. अल-रुबाइश ए एम, वोसोर्नु एल, द्विवेदी एस एन. आइटम रिडक्शन इन 'कोर्स एवल्युशन सर्वे' कोशननायरः सम एक्सप्लोरेट्री एनालसिस एंड इम्पिरिकल एविडेंस। आईजेबीएनएसटी 2012; 2: 1-11.

44. अल-रुबाइश ए एम, वोसोर्नु एल, द्विवेदी एस एन. यूजिंग डिडक्शन्स फ्रॉम एसेसमेंट स्टडीज टूवर्ड्स फॉथेरेंस ऑफ द एकेडमिक प्रोग्राम : एन एमपिरिकल एपरैसल ऑफ इंस्टीट्यूशनल स्ट्यूडेंट कोर्स एवल्युशन। आईबिजनेस 2011; 3: 219-27.

45. अल्टर ए, हुओंग एन टी, सिंह एम, ओरलोवा एम, वैन थुक एन, कटोच के, एट अल. ह्यूमन ल्युकोसेट एंटीजन क्लास । रिजन सिनगल - न्यूक्लेयोटाइड पॉलीमोर्फिज्म आर एसोसिएटेड विद् लेप्रोसी सबस्पेटिबिलिटी इन वियतनाम एंड इंडिया। जे इंफैक्ट डिस 2011; 203: 1274-81.

46. अमीनी ए सी, भट्टाचार्य एस, साहू जे पी, फिलिप जे, टंडन एन, गोस्वामी आर, एट अल. कुशिंग्स डिजीज : रिजल्ट्स ऑफ ट्रीटमेंट एंड फैक्टर्स इफेक्टिंग आउटकम। होर्मोनेस (अथेन्स) 2011; 10: 222-9.

47. अमुधान एस, कृष्णन ए. डाइबिटीज मेलिटस : ए रिस्क फैक्टर फॉर कैंसर एंड नॉन-वेस्कुलर डिजीज डेथ्स टू। नाटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 222-4.

48. आनंद वी, खांडपुर एस, शर्मा वी के, शर्मा ए. यूटीलिटी ऑफ डेस्मोग्लेइन एलिसा इन द क्लिनिकल कोरिलेशन एंड डिजीज मॉनिटरिंग ऑफ पेम्फिगस वुलगरिस। जे यूर एकाड डर्मिटोल वेनेरियोल 2012; 26: 1377-83.

49. अनंतकृष्णन एन, अरोड़ा एन के, चांडी जी, गीतांजली बी, सूद आर, सुपे ए, एट अल. इज देयर नीड फॉर ए ट्रांसफॉर्मेशनल चेंज टू आवेरकम द करंट प्रोब्लम्स विद् पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन इन इंडिया? नटल मेड जे इंडिया 2012; 25: 101-8.

50. अनंतकृष्णन एन, सूद आर. करिकुलर बैटल्स : इज इट पॉसिबल टू विन द वॉर इवन इफ ए फ्यू बैटल्स आर लोस्ट? इंवाटेड कॉमेंट्री। इंट जे यूजर ड्रीवेन हेल्थकेयर 2012; 2: 82-85.

51. एंड्रेबी आर, चौधरी ए के, बाला एम, कालरा आर, प्रकाश एस एस, पांडे आर एम, एट अल. रिलेटिव रिएक्टिविटी ऑफ एचआईवी-1 पॉलीक्लोनल प्लाज्मा एंटीबॉडिज डायरेक्टेड टू वी3 एंड एमपीईआर रिजन्स सजेस्टेज इम्युनोडोमिनेंस ऑफ वी3 ओवर एमपीईआर एंड डिपेंडेंस ऑफ हाई एंटी - वी3 एंटीबॉडी टाइटेर्स ऑन वायरस पेरसिस्टेंस। अर्च विरोल 2011; 156: 1787-94.

52. अर्चना एस, निखिल एस वी, सिंह ए के, पलानीवेल सी, नोंगकिन्रिह बी. मेटेरनल हेल्थ आउटकम्स अमांग यूटिलाजर्स ऑफ एंटिनेटल सर्विसेज इन एन अर्बन रिसेटलेमेंट कालोनी ऑफ देल्हीः ए रिकोर्ड बेस्ड डिस्क्रिप्टीव स्टडी। इंडियन जे मेटरनल चाइल्ड हेल्थ 2011; 13: 2-9.

53. अर्जुमन ए, पांडे एच, चंद्रा एन सी. इफेक्ट ऑफ ए कमबाइनेशन ओरल कंट्रासेप्टिव (डिसोगेस्ट्रेल+इथिनीयल एस्ट्रडियोल) ऑन द एक्सप्रेशन ऑफ लॉ-डेंसिटी लिपोप्रोटीन रिसेप्टर एंड इट्ज ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर (एसआरईबीपी2) इन प्लसेंटल ट्रॉफोब्लास्ट सेल्स। कंट्रासेप्शन 2011; 84: 106-8.

54. अर्जुमंद डब्ल्यू, अहमद एस टी, सेठ ए, सैनी ए के, सुल्तान एस, विटाइमिन डी रिसेप्टर फोक्ल एंड बसमल जीन पॉलीमॉर्फिजम एंड इट्स एसोसिएशन विद् ग्रेड एंड स्टेज ऑफ रिनल सेल कार्सिनोमा इन नॉर्थ इंडियन पोपुलेशन। ट्यूमर बायोल 2012; 33: 23-31.

55. अरोड़ा आर, अग्रवाल एस, माथुर एस आर, वर्मा के, अय्यर वी के, अरोन एम. यूटीलिटी ऑफ ए लिमिटेड पैनल ऑफ कैलरेटिनिन एंड बेर - ईपी4 इम्युनोसाईटोकैमिस्ट्री ऑन साईटोस्पिन प्रीपरेशन ऑफ सीरीयस इफ्यूजन्सः ए कॉस्ट-इफेक्टीव मैजर इन रिसोर्स - लिमिटेड सेटिंग्स। साईटोजर्नल 2011; 8:14.

56. अरोड़ा आर, कुमार ए, बंसल वी. जिएंट रिक्टल लिपोमा। एब्डोम इमेजिंग 2011; 36: 545-7.

57. अरोड़ा वी, ग्रोवर आर, कुमार ए, आनंद डी, दास एन. रिलेशनशिप ऑफ ल्युकोसाईटे सीआर1 ट्रांसस्क्रिप्ट एंड प्रोटीन विद् द पैथोफिजियोलॉजी एंड प्रोग्नोसिस ऑफ सिस्टमिक ल्युपस अर्थेमेटोससः ए फॉलो-अप स्टडी। लुपस 2011; 20: 1010-8.

58. अरुण जे जे, लोढ़ा आर, कबरा एस के. ब्रोनकोडिलेटोरी इफेक्ट ऑफ इनहेल्ड बुडेसोनाइड / फॉर्मोटेरोल एंड बुडेसोनाइड / सालबुटमोल इन एक्यूट अस्थाम : ए डब्ल - ब्लाइंड, रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। बीएमसी पेडियट्री 2012; 12: 21.

59. आर्य एल एस, पदमांजली के एस, सजावल एस, सक्सेना आर, भार्गव एम, कुलकर्णी के पी, एट अल. चाइल्डहुड टी- लिनेएज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया : मैनेजमेंट एंड आउटकम एट ए टेर्टीयरी केयर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया। इंडियन पीडियट्र 2011; 48: 785-90.

60. आर्या आर, गुलाटी एस, काबरा एम, साहू जे के, कालरा वी. फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन प्रीवेंट्स फेनयटोइन- इंडुसीड जिनजिवल ओवरग्रोथ इन चिल्ड्रन। न्यूरोलॉजी 2011; 76: 1338-43.
61. आर्या आर, गुलाटी एस, काबरा एम, साह जे के, कालरा वी, इंट्रांसल वर्सिस इंट्रावेनस लोराजेपम फॉर कंट्रोल ऑफ एक्यूट सेइजरेज इन चिल्ड्रनः ए रैंडोमाइज्ड ओपर-लेबेल स्टडी। एपिलेप्सिया 2011; 52: 788-93.
62. आर्या आर, गुलाटी एस. फेनयटोइन-इडुसेड जिनजिवल ओवरग्रोथ। एक्टा न्यूरोल स्कैंड 2012; 125: 149-55.
63. आर्या आर, जैन पी, कुमार ए, गुलाटी एस. स्पोनटेनियस स्पाइनल एपिडुरल हिमटोमा इन एन इंफेंट. जे चाइल्ड न्यूरोल 2012; 27: 1577-9.
64. आर्या आर, काबरा एम, गुलाटी एस. एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन विद् डाउन सिंड्रोम। एपिलेप्टिक डिसोर्ड 2011; 13: 1-7.
65. असाती डी पी, शर्मा वी के, खांडपुर एस, खिलनानी जी सी, कपिल ए. क्लिनिकल एंड बैक्टेरियोलॉजिकल प्रोफाइल एंड आउटकम ऑफ सेप्सिस इन डर्मेटोलॉजी वर्ड इन टेर्टीयरी केयर सेंटर इन नई दिल्ली। इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरियोल लेप्रोल 2011; 77: 141-7.
66. अतुल के, सुबिजय एस, जयदीप टी, वरुण जी. अर्ली ऑनसेट जाइंट रेटिनल टीयर आफ्टर पोस्टेरियर चम्बर फाकिक आईओएल। एक्टा ऑफथलमोल 2011; 89: ई537-8.
67. आजाद आर, घटक यू, शर्मा वाईआर, चंद्रा पी, मल्टीफोकल इलेक्ट्रोरेटिनोग्राम इन नॉर्मल एमेट्रोपिक सबजेक्ट्स : कोरिलेशन विद् ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी। इंडियन जे ऑफथालमॉल 2012; 60: 49-52.
68. आजाद आर वी, चंद्रा पी. सर्जिकल रिजल्ट्स इन एडवांसड रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमट्यूरिटी। वर्ल्ड जे रेटिना विट्रेयस 2011; 1: 5-8.
69. बहल ए, बक्शी एस. डेंगु फिवर इन पेशेंट्स विद् पीडियट्रिक मलिगनेंसी ऑन कीमोथैरेपी : ए कर्सेन इन ट्रॉपिकल कंट्रीज। पीडियट्रि ब्लड कैंसर 2011; 57: 1249-50.
70. वैदया डी के, अग्रवाल ए, खन्ना पी, अरोड़ा एम के. प्रेग्बलिन इन एक्यूट एंड क्रॉनिक पैन। जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 307-14.
71. बैद्य डी के, भोई डी, सिन्हा आर, आनंद आर के. पर्टिकल फैसियल नेर्वे पैरालयसिस आफ्टर लैप्रोस्कोपिक सर्जरी अंडर जर्नल एनस्थेसिया। इंडियन जे एनेस्थ 2011; 55: 416-8.
72. बैद्य डी के, छाबरा ए, राज आर. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए पेशेंट विद् किमुरास डिजीज फॉर सुपरफिसियल परोटिडेक्टोमी। जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 383-5.
73. बैद्य डी के, खन्ना पी, कुमार ए, शिंडे डी. सक्सेसफुल एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए चाइल्ड विद् ब्लेफरोफिमोसिस सिंड्रोम एंड अटरियल सेप्टल डिफेक्ट फॉर रिकंस्ट्रक्टीव ओकुलर सर्जरी। जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 550-2.
74. बैद्य डी के, पवार डी के, डेहरान एम, गुप्ता ए के. एडवांसमेंट ऑफ एपिडुरल कैथेटर फ्रॉम लुम्बर टू थोरोसिक स्पेस इन चिल्ड्रन : कम्पेरिजन बीटवीन 18जी एंड 23जी कैथेटर्स। जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2012; 28: 21-7.
75. बैद्य डी के, शरफुद्दीन के एम, चतुर्वेदी ए. इंट्राऑपरेटिव प्रोपोफोल-इंडुस्ड डिस्टुरेशन इन लेटेरल पॉजिशन डुरिंग पोस्टेरियर फोसा सर्जरी। जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 288-9.
76. बजाज एम एस, मेहता एम, कश्यप एस, पुष्कर एन, लोहिया पी, चावला बी, एट अल. क्लिनिकल एंड पैथोलॉजिक प्रोफाइल ऑफ एंजियोमाइक्सोमाज ऑफ द ऑर्बिट. ओफथल प्लास्ट रिकंस्ट्र सर्ज 2011; 27: 76-80.
77. बाजपेयी जे, गामनगट्टी एस, कुमार आर, श्रीनिवास वी, शर्मा एम सी, खान एस ए, एट अल. रोल ऑफ एमआरआई इन ओस्टेयोसर्कोमा फॉर एवेलुएशन एंड प्रीडिक्शन ऑफ कीमोथैरेपी रिस्पोंस : कोरिलेशन विद् हिस्टोलॉजिकल नेक्रोसिस। पीडियट्री रैडियोल 2011; 41: 441-50.
78. बाजपेयी जे, कुमार आर, श्रीनिवास वी, शर्मा एम सी, खान एस ए, रस्तोगी एस, एट अल. प्रीडिक्शन ऑफ कीमोथैरेपी रिस्पोंस बाय पीईटी-सीटी इन ओस्टेयोसार्कोमाः कोरिलेशन विद् हिस्टोलॉजिकल नेक्रोसिस। जे पीडियट्री हिमेटोल ऑन्कोल 2011; 33: ई271-8.
79. बाजपेयी जे, शर्मा ए, कुमार एल, डाबकारा डी, रैना वी, कोचुपिलाई वी, एट अल. एक्यूट प्रोमाईलोसाईटिक लेकिमियाः एन एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया। इंडियन जे कैंसर 2011; 48: 316-22.
80. बाजपेयी एम, बाल सी एस, कुमार आर, चतुर्वेदी पी के, कलईवाणी एम, गुप्ता ए के. प्ररसिस्टेंट रेनिन-एंजियोटेंसिन सिस्टम एक्टीवेशन आफ्टर एंटी-रिफ्लुक्स सर्जरी एंड इट्स मैनेजमेंट। जे पीडियट्री यूरोल 2011; 7: 616-22.
81. बाजपेयी वी, अनूप सरैया, सुमन भास्कर. सोशियल मिनिंग एंड द पोसिबल सोसिएटल रिस्पोंसेज टू द पब्लिक हेल्थ प्रोबलम ऑफ ट्यूबरकुलोसिस - पार्ट 1. इंट जे मेड पब्लिक हेल्थ 2011; 1: 27-38.

82. बाजपेयी वी, अनूप सरैया, सुमन भास्कर. सोशियल मिनिंग एंड द पोसिबल सोसिएटल रिस्पोंसेज टू द पब्लिक हेल्थ प्रोबलम ऑफ ट्यूबरकुलोसिस - पार्ट 2. इंट जे मेड पब्लिक हेल्थ 2011; 1: 39-47.

83. बाजपेयी वी, सराया ए. फूड सिक्वरिटी बिल एंड द फैलिंग्स ऑफ द डिबेट अराउंड इट। इंडियन जे पब्लिक हेल्थ 2011; 55: 289-92.

84. बाजपेयी वी, सराया ए. इंडस्ट्री - स्पोंसर्ड क्लिनिकल रिसर्च। नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 300-2.

85. बाजपेयी वी, सराया ए. सोशियोइकनोमिक इंइक्वालिटिज एंड हेल्थ आउटकम इन इंडिया। नेटल मेड जे इंडिया 2012; 25: 38-42.

86. बक्शी एस, दास पी, पुरी के, सिंघल एम, रमम एम, शर्मा ए, अय्यर वी के, गुप्ता एस डी. सबक्यूटेनस पैनिकुलाइटिस - लाइक टी-सेल ल्यमफोमाः ए क्लिनिकोपैथोलोजिक स्टडी ऑफ 5 केसिस। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबियल 2011; 54: 318-22.

87. बक्शी एस, मील आर, कश्यप एस, शर्मा एस. बोन मैरो एसपिरेशन्स एंड लुम्बर पुंक्ट्रेज इन रेटिनोब्लास्टोमा एट डायग्नोसिस : कोरिलेशन विद् आईआरएसएस स्टेजिंग। जे पीडियट्रि हेमेटोल ऑन्कोल 2011; 33: ई182-5.

88. बक्शी एस, नॉगपिउर एम ई, सेन एस, टंडन आर, रिकरेंस ऑफ यूनिफोकल लिम्बल लेंगरहेन्स सेल हिस्टियोसाइटोसिस विद् पार्सल रिस्पोंस टू कीमोथैरेपी एंड प्रोलोंगड रिमिशन। पीडियट्रि ब्लड कैंसर 2011; 56: 687-8.

89. बक्शी एस, राधाकृष्णन वी, शर्मा पी, कुमार आर, थुल्कर एस, विष्णुभटला एस, एट अल. पीडियट्रिक नॉनलयम्फोब्लास्टीक नॉन-होडकीन लिम्फोमाः बेसलाइन, इंटरिम, एंड पोस्टट्रीटमेंट पीईटी / सीटी वर्सिस कंट्रस्ट - एंहांस्ड सीटी फॉर एवल्युशन - ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी। रेडियोलॉजी 2012; 262: 956-68.

90. बाल सी एस. यूटिलिटी ऑफ 99एम टीसी - मेब्रोफेनिन हिपटो - बाइलरी साइंटिग्राफी (एचआईडीए स्कैन) फॉर द डायग्नोसिस ऑफ बाइलरी अर्टेसिया। ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल 2012; 33: 4-8.

91. बाला के, अम्बवानी के, गोहिल एन के. इफेक्ट ऑफ डिफरेंट माइटोजीन एंड सीरम कंसेंट्रेशन ऑन एचयूवीईसी मार्फोलॉजी एंड कैरेक्टरस्टीक्स : इम्प्लीकेशन ऑन यूज ऑफ हायर पैसेज सेल्स। टिशू सेल 2011; 43: 216-22.

92. बाला के, गोम्स जे, गोहिल एन के. इंटरएक्शन ऑफ ग्लाइ केटेड ह्यूमन सीरम एल्बुमिन विद् एंडोथेलियल सेल्स इन ए हिमोडायनामिक इनवार्यमेंटः स्ट्रेक्चरल एंड फंक्शनल कोरिलेट्स। मॉल बायोस्टि 2011; 7: 3036-41.

93. बालासुब्रमण्यम ए, याजनिक सी एस, टंडन एन. नॉन ट्रेडिशनल फ्रॉम्स ऑफ डायबिटिज वर्ल्डवाइड : इम्प्लीकेशन्स फॉर ट्रांसलेशनल इंवेस्टीगेशन। ट्रांसलेशनल एंडोक्राइनोल मेटाब 2011; 2: 43-68.

94. बल्हारा वाई पी, जैन आर, सुंदर एस ए, सागर आर. ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ रिलाइबिलिटी ऑफ सेल्फ रिपोर्ट ऑफ टोबको यूज अमांग पेशेंट्स विद् बिपोलर एंड सोमटोफॉर्म डिसऑर्डर्स। जे फार्माकोल फार्माकेथर 2011; 2: 174-8.

95. बल्हारा वाई पी, जैन आर. ए यूरिनालायसिस - बेस्ड स्टडी ऑफ बुपरेनोर्फिन एंड नॉन - प्रेस्क्रिप्शन ओपिओइड यूज आमंग पेशेंट्स ऑन बुपरेनोर्फिन मैंटेनेंस। जे फार्माकोल फार्मोकेथर 2012; 3: 15-9.

96. बल्हारा वाई पी, जैन आर. यूरिनालायसिस - बेस्ड कम्पेरेटिव एवल्युशन ऑफ पैटर्न ऑफ यूज ऑफ डेक्स्ट्रोप्रोपोक्सीफेन एंड बुपरेनोर्फिन अमंग ऑपिओइड - डिपेंडेंट सबजेक्ट्स। जे ऑपिओइड मैनेज 2012; 8: 45-9.

97. बल्हारा वाई पी, सागर आर. कोरिलेट्स ऑफ एंक्सीएटी एंड डिप्रेशन अमंग पेशेंट्स विद् टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस। इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब 2011; 15 (सप्ली 1) : एस50-4.

98. बाली एस जे, परमार टी, अरोड़ा वी, इच्छपुजानी पी, सागर आर, दादा टी. एवल्युशन ऑफ मेजर डिप्रेसिव डिसऑर्डर इन पेशेंट्स रिसिविंग क्रॉनिक ट्रीटमेंट विद् टॉपिकल टिमोलोल. ऑफ्थलमोलॉजिक 2011; 226: 157-60.

99. बनर्जी एन, जावेद ए, दीपक डी, पावर एम, चट्टोपाध्याय टी के. हायपरबरिक ऑक्सीजन थैरेपीः एन एडजुवेंट ट्रीटमेंट मोडिलिटी फॉर कीमो -रेडिएशन इंडुस्ड हिमोरहजिक गैस्ट्रीटीस. ट्रॉप गैस्ट्राएंटेरोल 2011; 32: 248-50.

100. बनर्जी एस, सुलेंडर डब्ल्यू एम, चौडेकर ए, जॉन सी, त्यागी वी, फाउलर के, एट अल. डिटेक्शन एंड जेनेटिक डायवर्सिटी ऑफ ह्यूमन मेटापन्यूमोवायरस इन हॉस्पीटेलाइज्ड चिल्ड्रन विद् एक्यूट रिस्पेटरी इंफेक्शन्स इन इंडिया। जे मेड विरोल 2011; 83: 1799-810.

101. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, चौबल जी, दत्ता गुप्ता एस, दास बी, अहुजा वी, एट अल. हेलीकोबेक्टर प्यलोरी इन गैलब्लेडर मुकोसा इन पेशेंट्स विद् गैलब्लेडर डिजीज। इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल 2012; 31: 57-60.

102. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, गोस्वामी ए, गर्ग पी, योंजेन टी, किलाम्बी आर लैपरोस्कोपी मैनेजमेंट ऑफ प्सेयूडोसिस्ट ऑफ द पैनक्रियास इन ए प्रेगनेंट पेशेंट। सर्ज लैपरोस्क एंडोस्क पेरकुटन टेक 2012; 22: ई37-8.

103. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, कुमार एस, कीर्ति राव वाई, सिंघल पी, गोस्वामी ए, एट अल. प्रोस्पेक्टीव रैंडोमाइज्ड स्टडी कम्पेरिंग सुचर मेश फिक्सेशन वर्सिस टैकर मेश फिक्सेशन फॉर लैप्रोस्कोपिक रिपेयर ऑफ इंसिशिनल एंड वेंट्रल हेरनियस। सर्ज एंडोस्क 2011; 25: 1431-8.

104. बंसल वी के, पंवार आर, मिश्रा एम सी, भट्टाचार्य एच के, जिंदल वी, लोली ए, एट अल. आर शॉर्ट -टर्म फोकस्ड ट्रेनिंग कोर्सेज ऑन ए फेनटम मॉडल यूजिंग पोर्सिन गैल ब्लेडर यूजफुल फॉर ट्रेनीस इन एक्वारिंग बेसिक लैप्रोस्कोपिक स्कील्स? सर्ज लैप एंडोस्क परकुटन टेक 2012; 22: 154-60.

105. बरुआ एन, पांडव सी एस. द एलुर ऑफ द प्राइवेट प्रैक्टीशनरः इज दिस द ऑनली एल्टनेटीव फॉर द अर्बन पुअर इन इंडिया? इंडियन जे पब्लिक हेल्थ 2011; 55: 107-14.

106. बस्सी के के, सीनू वी, श्रीवास्तव ए, अल शरारा एन. रोल ऑफ एक्सीलरी सैम्पलिंग इन द अरा ऑफ सेंटिनेल लैम्फ नोड बायोप्सीः ए क्रिटिकल रिव्यू। इंडियन जे कैंसर 2012; 49: 66-73.

107. बटला ए, गोयल सी, शुक्ला जी, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, बिहारी एम. हेमिफैसिल स्पासमः क्लिनिकल कैरेक्टरस्टीक्स ऑफ 321 इंडियन पेशेंट्स। जे न्यूरोल 2012; 259: 1561-5.

108. बत्रा एम, शर्मा वी पी, बत्रा वी, मलिक जी के, पांडे आर एम. न्यूरोफैसिलिटेशन ऑफ डेवलपमेंटल रिएक्शन (एनएफडीआर) एप्रोचः ए पैक्टीस फ्रेमवर्क फॉर इंटग्रेशन / मॉडिफिकेशन ऑफ अर्ली मोटर बिहेवियर (प्राइमेटिव रिफ्लेक्सेज) इन सेरेब्रल प्लसी। इंडियन जे पीडियट्र 2012; 79: 659-63.

109. बीन एल एफ, हैटफील्ड जे एल, शंकर ए, एस्टन सी ई, रल्हन एस, वांडर जी एस. एट अल. ए लो फ्रिक्वेंसी वरिएंट विद्इन द जीडब्ल्यूएएस लोक्स ऑफ एमटीएनआर1बी इफैक्ट्स फास्टिंग ग्लुकोज कंसेंट्रेशन्सः जेनेटिक रिस्क इज मॉडुलेटेड बाय आबेसिटी। न्यूट्र मेटब कार्डियोवेस्क डिस 2012; 22: 944-51.

110. बीन एल एफ, रल्हन एस, वांडर जी एस, मेहरा एन के, सिंह जे, मुल्वीहील जे जे, एट अल वरिएंट्स इन केसीएनक्यू1 इंक्रिजिंग टाइप।। डायबिटीज सुसेप्टीबिलिटी इन साउथ एशियन्सः ए स्टडी ऑफ 3310 सबजेक्ट्स फ्रॉम इंडिया एंड द यूएस. बीएमसी मेड जेनेट 2011; 12: 18.

111. बिहारी एम, भट्टाचार्य के बी, बोर्गोहैन आर, दास एस के, घोष बी, किशोर ए, एट अल. पार्किसन्स डिजीज। एना इंडियन एकेड न्यूरोल 2011; 14 (सप्ली 1): एस2-6.

112. बेहरा बी, भोरीवाल एस, माथुर पी, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी. पोस्ट - ट्रूमेटिक स्कीन एंड शॉफ्ट टिशू इंफेक्शन ड्यू टू एरोमोनास हायड्रोफिल। इंडियन जे क्राइट केयर मेड 2011; 15: 49-51.

113. बेहरा बी, माथुर पी, हाई लेवल्स ऑफ एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस एट ए टेर्टियरी ट्रॉमा केयर सेंटर ऑफ इंडिया। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 133: 343-5.

114. बेहरा सी, राउतजी आर, लालवानी एस. सीजनेलिटी ऑफ सुसाइड बाय एज, सेक्स, एंड मैथड्स : ए स्टडी फ्रॉम टेम्परेट रिजन। इंडियन इंटरनेट जे फोरेंसिक मेड टॉक्सीकॉल 2011; 9: 1-6.

115. बेनिकजी एस, गौरहनहा एम एस, कौनराडसन आई, सिंह एम बी, रुतार वी, लोर्बेर बी, एट अल. मॉड्युलेशन ऑफ एपिलेप्टिफॉर्म ईईजी डिसचार्ज इन जुवेनिल मायक्लोनिक एपिलेप्सी : एन इवेंस्टीगेशन ऑफ रिफ्लेक्स एपिलेप्टिक ट्रैटस। एपिलेप्सिया 2012; 53: 832-9.

116. बेंजामिन जे, मखारिया जी, अहुजा वी, आनंद राजन के डी, कलाईवानी एम, गुप्ता एस डी, जोशी वाई के. ग्लुटमिन एंड वेय प्रोटीन इम्प्रोव इंटेस्टीनल परमेबिलिटी एंड मार्फोलॉजी इन पेशेंट्स विद् क्रोहन्स डिजीजः ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। डिग डिस साइं 2012; 57: 1000-12.

117. बेंजामिन जे, मखारिया जी, अहुजा वी, जोशी वाई के. बॉडी कम्पोजिशन इन इंडियन पेशेंट्स विद् क्रोहन्स डिजीज डुरिंग एक्टीव एंड रिमिशन फेज। ट्रॉप गैस्ट्रोएंटरोल 2011; 32: 285-91.

118. भाखरी बी के, जैन वी. कंजेनिटल एडरिनल हायपरप्लासियाः एज व्यूड बाय परेंट्स ऑफ इफेक्टेड चिल्ड्रन इन इंडिया - ए पायलट स्टडी। जे पीडियट्रि एंडोक्राइनोल मेटब 2011; 24: 959-63.

119. भारती पी के, शुक्ला एम एम, शर्मा वाई डी, सिंह एन. जेनेटिक डायवर्सिटी इन द ब्लॉक 2 रिजन ऑफ द मेरोजोइट सरफेस प्रोटीन - 1 ऑफ प्लाज्मोडियम फैलसिपरुम इन सेंट्रल इंडिया। मलेरिया जे 2012; 11: 78.

120. भारती एस, सिंह आर, चौहान एस एस, हुसैन टी, अल-अटास ओ एस, आर्या डी एस. फोस्फोरयलेशन ऑफ एकेटी/जीएसके - 3बीटा / ईएनओएस एमप्लिफाइस 5-एचटी2बी रिसेप्टर ब्लॉकेड मेडिएटेड एंटी-हायपरट्रॉफिक इफेक्ट इन रेट्स। एफईबीएस लैट 2012; 586: 180-5.

121. भारतीय डी, शैख ए, नगवेंकर पी, कासीविश्वनाथन एस, पेठे पी, पावानी एच, एट अल. वेरी स्मॉल एम्ब्रोयोनिक -लाइक स्टेम सेल्स विद् मैक्सीमम रिजनरेटिव पोटेंशियल गेट डिकार्डेड डुरिंग कोर्ड ब्लड बैंकिंग एंड बोन मैरो प्रोसेसिंग फॉर ऑटोलोगस स्टेम सेल थैरेपी। स्टेम सेल्स डेव 2012; 21: 1-6.

122. भारतीय पी, मंजुनाथ एन पी, शर्मा एन. गोट आई विद् ह्यूमन न्यूकलेस फॉर फाकोमुलसिफिकेशन ट्रेनिंग। जे कटरेक्ट रिफ्रेक्ट सर्ज 2011; 37: 1916-7; ऑथर रिप्लाई 1917-8.

123. भसीन ए, श्रीवास्तव एम वी, कुमारन एस एस, मोहंती एस, भाटिया आर, बोस एस, एट अल. ऑटोलोगोस मेसेनचयमल स्टेम सेल्स इन क्रॉनिक स्ट्रॉक। सिरेब्रोवेस्क डिस एक्स्ट्रा 2011; 1: 93-104.

124. भास्कर ए, गुप्ता आर, कुमार एल, शर्मा ए, शर्मा एम सी, कलाईवानी एम, एट अल. सिकुलेटिंग एंडोथेलियल प्रोजेनिटर सेल्स एज पोटेंशियल प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर इन मल्टीपल मयलोमा। लेयूक लिम्फोमा 2012; 53: 635-40.

125. भास्कर यू, लोगानी ए, शाह एन. टू वर्टिकल टूथ रूट फ्रेक्चरः केस रिपोर्ट एंड रिव्यू। कंटेम्प क्लिन डेंट 2011; 2: 265-8.

126. भट्ट एस, यादव एस पी, सूरी वी, पटिर आर, कुरकुरे पी, केली एस, एट अल. पेडियट्रिक हिमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी (पीएचओ) चेप्टर ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियट्रिक्स (आईएपी)। मैनेजमेंट ऑफ चाइल्डहुड ब्रेन ट्यूमर्स : कंसेसस रिपोर्ट बाय द पीडियट्रिक हिमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी (पीएचओ) चेप्टर ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियट्रिक्स (आईएपी)। इंडियन जे पीडियट्रि 2011; 78: 1510-9.

127. भाटिया आर, बाल एस एस, शोभा एन, मेनान बी के, टिमचुक एस, पुएट्ज एट अल. सीटी एंजियोग्राफिक सोर्से इमेज्स प्रीडक्ट आउटकम एंड फाइनल इंफर्क्ट वॉल्यूम बैटर दैन नॉनकंट्रास्ट सीटी इन प्रोक्सीमल वेस्कुलर ओकलुशन्स। स्ट्रॉक 2011; 42: 1575-80.

128. भाटिया आर, शोभा एन, मेनन बी के, बाल एस पी, कोचर पी, पालुम्बो वी एट अल. कमबाइंड फुल - डोज 4 एंड एंडोवेस्कुलर थ्रोबोलयसिस इन एक्यूट आइस्केमिक स्ट्रॉक। इंट जे स्ट्रॉक 2012.

129. भाटिया एस जे, रेड्डी डी एन, घोषाल यू सी, जयंती वी, अब्राहम पी, चौधरी जी, एट अल. एपिडेमियोलॉजी एंड सिमप्टोम प्रोफाइल ऑफ गैस्ट्रोएसोफगल रिफ्लुक्स इन द इंडियन पोपुलेशन : रिपोर्ट ऑफ द इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी टास्क फोर्स। इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल 2011; 30: 118-27.

130. भाटिया वी, लोढ़ा आर. अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग। इंडियन जे पीडियट्रि 2011; 78: 227-33.

131. भाटला एन, पुरी के, कृपलानी ए, अय्यर वी के, माथुर एस आर, मणि के, एट अल. एडजुंक्टीव टेस्टिंग फॉर सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग इन लो रिसोर्स सेटिंग्स। ओस्ट एन जेड जे ऑब्स्टे ग्यनोकोल 2012; 52: 133-9.

132. भाटला एन, सिंगल एस, अवस्थी डी. ह्यूमन पापिलोमावायरस डिऑक्सीरिबोन्यूक्लेसिक एसिड टेस्टिंग इन डेवलप्ड कंट्रीज। बेस्ट प्रैक्ट रेजी क्लिन ऑब्स्टे ग्यनोकोल 2012; 26: 209-20.

133. भटनागर एस, गुप्ता आर, बेडसाइट अल्ट्रासाउंड : ए रेडियोलॉजिक बून फॉर प्लेसमेंट ऑफ कॉम्प्लेक्स नर्व ब्लॉक्स फॉर एबडोमियनल मैलिगनेनसी। जे पैलिएट मेड 2011; 14: 1198-9.

134. भटनागर एस, जोशी एस, पैलिएटीव केयर ऑफ यांग एडल्ट्स : एन इशू विच नीड्स हायर एंड बैटर एवेरनेस। इंडियन जे पैलिएट केयर 2011; 17: 173-4.

135. भटनागर एस, खन्ना एस, रोशनी एस, गोयल जी एन, मिश्रा एस, राणा एस पी, एट अल. अर्ली अल्ट्रासाउंड - गाइडेड न्यूरोलायसिस फॉर पैन मैनेजमेंट इन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड पेलविक मैलीगनेंसी : एन ऑब्जेर्वेशनल स्टडी इन ए टेर्टियरी केयर सेंटर ऑफ अर्बन इंडिया। पैन प्रैक्ट 2012; 12: 23-32.

136. भटनागर वी, ब्लैडर एक्सस्ट्रोफी : एन ओवरव्यू ऑफ द सर्जिकल मैनेजमेंट। जे इंडियन एसोक. पीडियट्रि सर्ज 2011; 16: 81-7.

137. भटनागर वी. द मैनेजमेंट ऑफ ब्लैडर एक्स्ट्रोफी : इंडियन सीनेरियो। जे इंडियन एसोक. पीडियट्रि सर्ज 2011; 16: 43-4.

138. भट्टाचार्जी एच के, मिश्रा एम सी, कुमार एस, बंसल वी के. डुयोडेनल पेर्फोरेशन फॉलोविंग ब्लांट एब्डोमिनल ट्रॉमा। जे इमर्जे ट्रॉमा शॉक 2011; 4: 514-7.

139. भट्टाचार्जी एम, मियोट एस, स्पागनोली जी, मार्टिन आई, घोष एस, राय ए आर. टिशू इंजीनियरिंग ऑफ एनुलुस फाब्रोससः केन सिल्क फाइबर्स ऑफर ए पोटेंशियल सोलुशन? प्रोक इंडियन नेटल साइं एकेड 2011; 77: 125-31.

140. भोई एस, सिन्हा टी पी, रोधा एम, भसीन ए, रामचंदनी आर, ग्लवांकर एस. फिजियबिलिटी एंड सेफ्टी ऑफ अल्ट्रासाउंड - गाइडिड नर्व ब्लॉक फॉर मैनेजमेंट ऑफ लिम्ब इंजरीस बाय इमर्जेंसी केयर फिसिशियन्स। जे इमर्जे ट्रॉमा शॉक 2012; 5: 28-32.

141. भौमिक डी, अग्रवाल एस के. सीरम प्रोटेयोमिक्स फॉर द डायग्नोसिस ऑफ नेफ्रोटिक सिंड्रोम : इज देयर ए रे ऑफ होप? इंडियन जे मेड रेज 2012; 135: 273-5.

142. भौमिक डी, महाजन एस, बोरा एम. कर्सेन्स रिगर्डिंग द आईएसपीडी गाइडलाइन्स / रिकमेंडेशन्स फॉर पेरिटोनीटिस ड्यू टू मायकोबैक्टीरियम। रिट डायल इंट 2011; 31: 363-4. ऑथर रिप्लाई 365

143. भौमिक डी, सिन्हा एस, गुप्ता ए, तिवारी एस सी, अग्रवाल एस के. क्लिनिकल एप्रोच टू रैपिडली प्रोग्रेसिव रिनल फैलियर। जे एस्रोक फिजिशियन्स इंडिया 2011; 59: 38-41.

144. भौमिक डी एम, जैन एस, डिंडा ए के, शर्मा ए, महाजन एस, अग्रवाल एस के. सी1क्यू नेफ्रोपैथी प्रेजेंटिंग एज नेफ्रिटिक - नेफ्रोटिक सिंड्रोम। साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्लां 2011; 22: 561-3.

145. भुनिया एस एस, रॉय के के, सक्सेना ए के. प्रोफाइलिंग द स्ट्रक्चरल डिटर्मिनेंट्स फॉर द सलेक्टीविटी ऑफ रिप्रजेंटिव फैक्टर - एक्सए एंड थ्रोम्बाइन इंहेबिटर्स यूजिंग कमबाइंड लिगैंड - बेस्ड एंड स्ट्रक्चर - बेस्ड एप्रोचेस। जे केम इंफ मॉडल 2011; 51: 1966-85.

146. भूषण बी, गुलेरिया आर, मिश्रा ए, लुथरा के, कुमार जी. एसोसिएशन ऑफ पीपीएआर गामा2 (प्रो. 12एएलए) एंड न्यूरोपेप्टाइड वाई (ल्यू 7 प्रो) जीन पोलीमॉर्फिजम्स विद् ऑब्स्ट्रक्टीव स्लीप एपेनिया इन ऑबेज एशियन इंडियन्स। डिस मार्कर्स 2011; 30: 31-8.

147. बिन्द्रा ए, चौहान आर एस, प्रभाकर एच, दास एच एच, चंद्र पी एस, त्रिपाठी एम. कंप्रेरिजन ऑफ द इफेक्ट्स ऑफ डिफरेंट एनेस्थेटिक टेक्नीक्स ऑन इलेक्ट्रोकॉर्टिकोग्राफी इन पेशेंट्स अंडरगोइंग एपिलेप्सी सर्जरी - ए बिस्पेक्ट्रल इंडेक्स गाइडेड स्टडी। सेइजर 2012; 21: 501-7.

148. बिंद्रा ए, प्रभाकर एच, सिंह जी पी. स्टेलेट गैंग्लिन ब्लॉक फॉर रिलिविंग वेसोस्पेज्म आफ्टर कोइल एम्बोलाइजेशन ऑफ बसिलर टिप एन्यूरिज्म। जे न्यूरोसर्ज एनेस्थेसियोल 2011; 23: 379.

149. बिंद्रा ए, रथ जी पी, भारती एस जे, गोयल के, कुमार एस. न्यूरोजेनिक पल्मोनरी एडिमा आफ्टर रपचर ऑफ इंट्राक्राइनियल एन्यूरिज्म डुरिंग एंडोवेस्कुलर काइलिंग। साउदी जे एनेस्थ 2011; 5: 323-5.

150. बिश्वास बी, कुमार यू, दास एन. एक्सप्रेशन एंड सिगनिफिकेंस ऑफ ल्युकोसेट मेम्ब्रन कोफैक्टर प्रोटीन ट्रांसक्रिप्ट इन सिस्टेमिक लुप्स एर्थेमेटोस्स। लुप्स 2012; 21: 517-25.

151. बिटनर आर, अरेगुई एम ई, बिसगार्ड टी, दुदाई एम, फर्जिल जी एस, फिटजगिब्बन्स आर जे, एट अल. गाइडलाइन्स फॉर लैप्रोस्कोपिक (टीएपीपी) एंड एंडोस्कोपिक (टीईपी) ट्रीटमेंट ऑफ इंगुइनल हर्निया (इंटरनेशनल एंडोहर्निया सोसायटी (आईईएचएस)) जर्स एंडोस्के 2011; 25: 2773-843.

152. बोगडाहन यू, हाउ पी, स्टॉकहेमर जी, वेंकटरमन एन के, महापात्रा ए के, सूरी ए, एट अल. टरगेटेड थैरेपी फॉर हाई - ग्रेड ग्लियोमा विद् द टीजीएफ - बीटा 2 इंहेबिटर ट्रेबेडर्सेनः रिजल्ट्स ऑफ ए रैडोमाइज्ड एंड कंट्रोल्ड फेज ।।बी स्टडी। न्यूरो ऑन्कोल 2011; 13: 132-42.

153. बोरा एच, गर्ग एस, सेन पी, कुमार डी, कौर पी, खान आर एच, एट अल. प्लाजमोडियम विवेक्स ट्रायप्टोफन - रिच एंटीजन पीवीटीआरएजी33.5 कटैंस अल्फा हेलीकल स्ट्रक्चर एंड मल्टीडोमेन अर्टिक्चरी। पीएलओएस वन 2011; 6: ई16294.

154. बोरकर एस, बंसल ए, महापात्रा ए. कंजेनिटल डेर्माइड इंक्लूजन सिस्ट ऑफ एंटेरियर फॉन्टेनेल एसोसिएटेड विद् स्पाइनल डायसर्फिज्मः ए केस रिपोर्ट चाइल्ड्स नेर्व सिस्ट 2011; 27: 2017-9.

155. बोरकर एस, सिंह एम, महापात्रा ए. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्मे विद् वेरी रैपिड ग्रॉथ एंड लॉन्ग - टर्म सरवाइवल इन चिल्ड्रन। चाइल्ड्स नेर्व सिस्ट 2012; 28: 7; ऑथर रिप्लाई 9.

156. बोरकर एस, सिन्हा एस, अग्रवाल डी, सत्यार्थी जी डी, गुप्ता डी, महापात्रा ए के. सर्वर हैड इंजरी इन द एल्डर्ली : रिस्क फैक्टर्स एसेसमेंट एंड आउटकम एनालसिस इन के सीरिज ऑफ 100 कंसेक्यूटीव पेशेंट्स एट ए लेवल I ट्रॉमा सेंटर। इंडियन जे न्यूरोट्रॉमा 2011; 8: 77-82.

157. बोरकर एस ए, अग्रवाल डी. लोव डोज आईयोनिजिंग रेडिएशन इंडुस्ड एकोयूस्टिक न्यूरोमाः ए पुटएक्टीव लिंक? इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1: 78-79.

158. बोरकर एस ए, महापात्रा ए के. वेंट्रिकुलोपेरिटोनियल शंट कैथेटर प्रोट्रुजन थ्रोट द एनुस. चाइल्ड्स नेर्व सिस्ट 2012; 28: 341-2; ऑथर रिप्लाई 343-4.

159. बोरकर एस ए, प्रसाद जी एल, सत्यार्थी जी डी. महापात्रा ए के. स्पोटेनियस स्पाइनल एक्स्ट्रडुरल हिमेटोमा इन ए चाइल्ड विद् हिमोफिलिया बी, सर्जरी ओर मेडिकल मैनेजमेंट - ए डिलेमा? जे पीडियट्र न्यूरोसाइं 2011; 6: 131-3.

160. बोरकर एस ए, सरकारी ए, महापात्रा ए के. क्रनियोसायनोस्टोसिस एसोसिएटेड विद् न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्सः इज देयर ए कोसंल एसोसिएशन? पीडियट्र न्यूरोसर्ज 2011; 47: 337-41.

161. बोरकर एस ए, महापात्रा ए के. स्पलिट कोर्ड मलफॉर्मेशन्स : ए टू ईयर्स एक्सपीरिएंस एट एम्स। एशियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 7: 56-60. डीओआईः 10.4103/1793-5482.98643.

162. बोरकर एस ए, सुब्बाराव के सी, शर्मा एम सी, महापात्रा ए के. सिस्टिक विद् मुरल नोड्यूल : अनयूजवल रैडियोलॉजिकल प्रेजेंटेशन ऑफ सुपरटेंटोरियल एनाप्लास्टिक एपेंडायमोमा। जे पीडियट्र न्यूरोसाइं 2012; 7: 101-2. डीओआईः 10.4103/1817-1745.102565.

163. बोथरा एम, लोढ़ा आर, काबरा एस के. टोब्रोमायसिन फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ बैक्टीरियल निमोनिया इन चिल्ड्रन। एक्सर्प्ट ऑपिन फार्माकोथेर 2012; 13: 565-71.

164. ब्रेसलाउ जे, मिलर ई, जिन आर, सेम्पसन एन ए, अलोंसो जे, अंड्राडे एल एच, एट अल. ए मल्टीनेशनल स्टडी ऑफ मेंटल डिओस्डर्स, मैरिज, एंड डिवॉर्स। एक्टा साइकाइट्रि स्कैंड 2011; 124: 474-86.

165. बरुर एस, गुप्ता एस, महापात्रा एस, कौशिक एस, मिर एम ए, जैन पी, एट अल. एमर्जेंस ऑफ 2009ए/एच1एन1 केसिस इन ए टेर्टियरी केयर हॉस्पीटल इन न्यू देल्ही, इंडियन इफ्लुएंजा अदर रेस्पी वायरसेज 2011; 5: ई552-7.

166. बरुर एस, कृष्णन ए, रॉय डी एस, धाकड़ एस, कौशिक एस, मिर एम ए, एट अल. डायनामिक पैटर्नस ऑफ सर्कुलेटिंग सीजनल एंड पैंडेमिक ए (एच1एन1) पीडीएम09 इंफ्लुएंजा वायरसिस फ्रॉम 2007-2010 इन एंड आराउंड देल्ही, इंडिया। पीएलओएस वन 2012; 7: ई29129.

167. ब्रुफेयर्ट आर, डेमिटेनियर के, हवांग आई चिऊ डब्ल्यू टी, सेम्पसन एन, केस्लरा आर सी, एट अल. ट्रीटमेंट ऑफ सुसाइडल पीपल अराउंड द वर्ल्ड। ब्र जे साइकाइट्री 2011; 199: 64-70.

168. बुईस जी एफ, मिश्रा एम सी, भट्टाचार्जी एच के, गार्सिया एफ सी, बंसल वी के, बेर्मुडेज जे आर. सिंगल - पॉर्ट सर्जरी एंड एनओटीईएसः फ्रॉम ट्रांसनल एंडोस्कोपिक माइक्रोसर्जरी एंड ट्रांसविजाइनल लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी टू ट्रांसनल रिक्टोसाइगमोइड रिसेक्शन। सर्ज लैप एंडोस्क परक्यूटन टेक 2011; 21: ई110-9.

169. चड्डा आर के. सिजोफ्रेनियाः द इंडियन सीन। इंडियन जे साइकाइट्री 2011; 53: 279-80.

170. चड्ढा एम एस, बरुर एस, गुनसेकरण पी, पोतदार वी ए, कृष्णन ए, चावला - सरकार एम, एट अल. मल्टीसाइट विरोलॉजिकल इंफ्लुएंजा सरवाइलेंस इन इंडियाः 2004-2008. इंफ्लुएंजा अदर रेस्पी वायरसेज 2012; 6: 196-203.

171. चडुवाला एम, मुर्तजा ए, मिश्रा एन, नारायण एन पी, रमेश वी, प्रसाद एच के. एट अल. एलएसआर2 पेप्टाइडस ऑफ माइक्रोबैक्टीरियम लेप्रे शॉ हायरकिकल रिपोंसेज इन ल्यमफोप्रोलाइफरेटीव एजी, विद् सिलेक्टीव रिकागनाइजेशन बाय पेशेंट्स विद् एनार्जिक लैप्रोमेटस लेप्रोसी। इंफेक्ट इम्युन 2012; 80: 742-52.

172. चक्रबर्ती पी के, मटंगे एन, नंदीकूरी वी के, सिंह वाई, त्यागी जे एस, विश्वरविरह एस एस. सिगनलिंग मैकेनिज्म इन मायकोबैक्टीरिया। ट्यूबरकुलोसिस (एडनिब) 2011; 91: 432-40.

173. चंडेल डी, एस जॉन्सन जे ए, चौधरी आर, शर्मा एन, शिंकरे एन, परीदा एस, एट अल. एक्स्टेंडेड - स्पेक्ट्रम बीटा-लैक्टमाइज - प्रोडुसिंग ग्राम - नेगेटिव बैक्टीरिया एक्यूजिंग नियोनेटल सेप्सिज इन इंडिया इन रूरल एंड अर्बन सेटिंग्स। जे मेड माइक्रोबियोल 2011; 60: 500-7.

174. चंद्र डी एन, प्रशांत जी के, सिंह एन, कुमार एस, जितेश ओ, सदाशिवन सी, एट अल. आईडेंटिफिकेशन ऑफ ए नोवेल एंड पोटेंट इंहेबिटर ऑफ फोस्फोलिप्स ए(2) इन ए मेडिसिनल प्लांटः क्रिस्टल स्ट्रक्वर एट 1.93ए एंड सरफेज प्लामोन रिसोनांस एनालसिस ऑफ फोस्फोलिप्स ए(2) कॉम्प्लेक्सेड विद् बेरबेरिन। बायोकेम बायोफिज एक्टा 2011; 1814: 657-63.

175. चंद्र पी एस, अंसारी ए, चौहान ए कुमार ए, गर्ग ए, सरकार सी, एट अल. सर्जरी फॉर इंसेफालोमालसिस प्रेजेंटिंग विद् इंट्राकेबल एपिलेप्सी। इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1: 33-37.

176. चंद्र पी एस, गुलाटी एस, कालरा वी, गर्ग ए, मिश्रा एन के, बाल सी एस, एट अल. फॉर्थ वेंट्रिकुलर हमार्टोमा प्रेजेंटिंग विद् स्टेट्स एपिलेप्टक्स ट्रीटेड विद् इमर्जेंसी सर्जरी इन ए इंफेंट। पीडियट्रि न्यूरोसर्ज 2011; 47: 217-22.

177. चंद्र एस, नेहरा एम, अग्रवाल डी, मोहन ए. डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ एंडोब्रोंकाइल अल्ट्रासाउंड - गाइडिड ट्रांसब्रोकाइल नीडल बायोप्सी इन मेडिएस्टाइनल ल्यम्फाडेनोपैथीः ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा - एनालसिस। रिस्पेर केयर 2012; 57: 384-91.

178. चंद्रन डी एस जरयल ए के, ज्योत्सना वी पी, दीपक के के. इम्पैरेड एंडोथेलियम मेडिएटेड वेस्कूलर रिएक्टीविटी इन एंडोजेनोसिस कुशिंग सिंड्रोम। एंडोक्राइन जे 2011; 58: 789-99.

179. चंद्रशेखर एस एच, भल्ला ए एस, गुप्ता ए के, शर्मा पी के, अग्रवाल एस, श्रीनिवास एम, एट अल. हेपेटिक पल्मोनरी फ्यूजन : केस रिपोर्ट विद् रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे पीडियट्रि सर्ज 2011; 46: ई23-7.

180. चंद्रशेखर एस एच, भल्ला ए एस, गुप्ता ए के, विकास सी एस, काबरा एस के. एबेर्नेथी मालफॉर्मेशन विद् पोर्टल वेइन एन्यूरिज्म इन ए चाइल्ड। जे इंडियन एसोम पेडियट्रि सर्ज 2011; 16: 21-3.

181. चंद्रशेखर एस एच, गमनगट्टी एस, कुमार ए, मुकुंद ए, मिश्रा बी, कुमार एस. आसोलेटेड वेंट्रिकुलर सेप्टल रिप्टूर एक्यूज्ड बाय नॉन-पेनेट्रेटिंग ट्रॉमा टू द चेस्ट। इंडियन जे पीडियट्रि 2011; 78: 96-8.

182. चंद्रशेखर एस एच, कुमार ए, गामनगट्टी एस, कपूर के, मुकुंद ए, अग्रवाल डी, एट अल. अनयूजवल ट्रॉमेटिक स्पोंडायलोप्टोसिस एकोजिंग कंमलीट ट्रांसजेक्शन ऑफ स्पाइनल कोर्ड। इंट ऑथोप 2011; 35: 1671-5.

183. चंद्रशेखर एस एच, मंजुनाथ वाई सी, मुजुमदर एस, बहल ए, दास पी, सूरी वी, एट अल. मल्टीसेंट्रिक सिन्यूस हिस्टीसाईटोसिस (रोसाई-डोर्फमन डिजीज) : कम्प्यूटेड टोमोग्राफी, मैगनेटिक रिसोनांस इमेजिंग फाइंडिंग। इंडियन जे मेड पीडियट्रि 2011; 32: 174-6.

184. चंद्रशेखर एस एच, शर्मा आर, अरोड़ा आर, पेरिपोर्टल हायपोडेंसिटी ऑन सीटी: सिगनिफिकेंस एंड डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ एन ओवरलुक्ड साइन। क्लिन रेज हिपेटोल गैस्ट्रोएंटेरोल 2011; 35: 247-53.

185. चटर्जी पी, माथुर एस आर, डिंडा ए के, गुलेरिया ए, महाजन एस, अय्यर वी के, एट अल. एनालायसिस ऑफ यूरिन सिडमेंट फॉर कायटोलॉजी एंड एंटीजन एक्सप्रेशन इन एक्यूट रिनल एलोग्राफ्ट रिजेक्शन: एन अल्ट्रनेटिव टू रिनल बायोप्सी। एम जे क्लिन पैथोल. 2012; 137: 816-24.

186. चतुर्वेदी एस, अरोड़ा एन के, लक्ष्मण एम, पांडे आर एम, आईपीईएन स्टडी ग्रूप मीनूस्क्रिप्ट राइटिंग टीम। इंजेक्शन पैक्टिसेज इन इंडिया। डब्ल्यूएचओ साउथ-ईस्ट एशिया जे पब्लिक हेल्थ 2012; 1: 189-200.

187. चटर्जी एस, व्यास ए, हगीगी आर आर, कुमार पी. द एनर्जी डिपेंडेस ऑन फोटोइलेक्ट्रीक एटेन्यूशन कोइंफिसिएंट ऑफ सबस्टेंसेज। जे बायोमेड फिजि इंज 2011; 1: 22-7.

188. चतुर्वेदी ए, दास एच. प्रोलोंगड वर्टिगो एंड एटाक्सीया आफ्टर मैडिबुलर नेर्वे ब्लॉक फॉर ट्रीटमेंट ऑफ ट्रिगमिनल न्यूरालजिया। जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 386-8.

189. चतुर्वेदी डी, सूरी ए, कासलीवाल एम के, महापात्रा ए के, मेहता वी एस, श्रीधर वी, एट अल. फैक्टर्स इफेक्टींग द डेवलपमेंट ऑफ हायपोथेलेमस एंड पिट्युटरी लीजन्स इन फेटल क्लोज्ड हैड इंजरी : ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी। जे ट्रॉमा 2010; 69: 290-3.

190. चौबे आर, सजावाल एस, दादा आर, महापात्रा एम, सक्सेना आर. साईटोजेनेटिक प्रोफाइल ऑफ इंडियन पेशेंट्स विद् डि नोवो मायलोडायस्प्लास्टीक सिंड्रोम्स। इंडियन जे मेड रेज 2011; 134: 452-7.

191. चौबे आर, सजावाल एस, दादा आर, शर्मा पी, पाठक डी, सक्सेना आर. ट्रिसोमी 9 इन ए पेशेंट विद् एक्यूट मायलोजेनस ल्युकेमिया एफएबी टाइप एम2: ए रेयर ऑक्यरेंस। इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज 2010; 26: 103-5.

192. चौधरी वी, चौहान एस, चौधरी एम, किरन यू, तलवार एस, कपूर पी एम. सोनोक्लोट एनालसिस इन चिल्ड्रन विद् कंजेनिटल हार्ट डिजीज। एशियन कार्डियोवेस्क थ्रोक एना 2012; 20: 544-7.

193. चौधरी वी, चौहान एस, चौधरी एम, किरन यू, वसदेव एस, तलवार एस. पैरास्टेरनल इंटेर्कोस्टल ब्लॉक विद् रोपिवेक्सीन फॉर पोस्टऔपरेटिव एनालजेसिया इन पेडियट्रिक पेशेंट्स अंडरगोइंग कार्डियक सर्जरी: ए डबल - ब्लाइंड, रैडोमाइज्ड, कंट्रोल्ड स्टडी। जे कार्डियोथ्रोक वेस्क एनेस्थ 2012; 26: 439-42.

194. चौधरी आर, वर्मा एन, बहादुर टी, चौधरी पी, शर्मा पी, शर्मा एन. क्लोस्ट्रीडियम सोर्डेलाइ एज ए कोस ऑफ कंस्ट्रीक्टीव पेरिकार्डिटिस विद् प्योपेरिकार्डियम एंड टैम्पोनेंड। जे क्लिन माइक्रोबियल 2011; 49: 3700-2.

195. चौधरी आर. बोट्यूलिज्म : ए डायग्नोस्टिक चेलेंज। इंडियन जे मेड रेज 2011; 134: 10-2.

196. चौहान ए, शर्मा यू, जगननाथन एन आर, रीटा के एच गुप्ता वाई के. रपामयसिन प्रोटेक्ट्स अगेंस्ट मीडिल केरेब्रयल अर्टेरी ओकलुशन इंडुस्ड फोकल सिरेब्रयल आइसकेमिया इन रेट्स। बेहेव ब्रेन रेज 2011; 225: 603-9.

197. चौहान ए, शर्मा यू, रीटा के एच, जगननाथन एन आर, मेहरा आर डी, गुप्ता वाई के. न्यूरोइमेजिंग बायोकेमिकल एंड सेलुलर एविडेंस ऑफ प्रोटेक्शन बाय मायकोफेनोलेट मोफेटाइल ऑन मीडिल सेरेब्रयल अर्टेरी ओक्लुजन इंडुस्ड इंजरी इन रेट्स। यूर जे फार्माकोल 2012; 684: 71-8.

198. चौहान जी, कौर आई, तबस्सुम आर, द्विवेदी ओ पी, घोष एस, टंडन एन, एट अल. कॉमन वरिएंट्स ऑफ होमोक्यस्टेइन मेटाबोलिज्म पाथवे जीन एंड रिस्क ऑफ टाइप 2 डायबिटीज एंड रिलेटेड ट्राइट्स इन इंडियन्स। एक्सप डायबिटीज रेज 2012; 2012: 960318.

199. चौहान जी, तबस्सुम आर, महाजन ए, द्विवेदी ओ पी, महेंद्रन वाई, कौर आई, एट अल. कॉमन वरिएंट्स ऑफ एफटीओ एंड द रिस्क ऑफ ऑबसिटी एंड टाइप 2 डायबिटीज इन इंडियन्स। जे ह्यूम जेनेट 2011; 56: 720-6.

200. चौहान एन के, वाजपेयी एम, मजुमदार के, सिंह आर, सिंह ए, स्टडी ऑफ सीडी4+सीडी8+ डबल पॉजिटीव टी-लैम्फासाइट फेनोटाइप एंड फंक्शन इन इंडियन पेशेंट्स इंफेक्टेड विद् एचआईवी-1. जे मेड वायरोल 2012; 84: 845-56.

201. चौहान एस, बिसोई ए के, चौहान वाई, दास एस एन. एक्स्ट्रकोर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजेनेशन (ईसीएमओ) फॉर ट्रांसपोजिशन ऑफ ग्रेट अर्टेरिज। इन फैक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम रिग्रेस्ड वेट्रिक्लेसः एक्सपीरिएंस एट एम्स। वर्ल्ड जे पीडियट्रि कंजेनिटल हार्ट सर्ज 2011; 2: 161.

202. चौहान एस, मलिक एस, मलिक वी, चौहान वाई, किरन यू, बिसोई ए के. एक्स्ट्रा कोर्पोरील मेम्ब्रेन ऑक्सीजेनेशन आफ्टर पीडियट्रि कार्डियक सर्जरीः ए10 ईयर एक्सपीरिएंस। एना कार्ड एनेस्थे 2011; 14: 19-24.

203. चौहान एस, शर्मा डी, सिंह ए, सुरोलिया ए, त्यागी जे एस. कम्प्रीहेंसिव इनसाइट्स इनटू मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस डेवआर (डीओएसआर) रेगुलोन एक्टीवेशन स्विच। न्यूक्लेइक एसिड्स रेज 2011; 39: 7400-14.

204. चौहान एस, सुबिन एस. एक्स्ट्राकोर्पोरील मेम्ब्रेन ऑक्सीजेंशन, एन एनेस्थेसियोलॉजिस्ट परस्पेक्टिव : फिजियोलॉजी एंड प्रिंसिप्लस। पार्ट 1. एना कार्ड एनेस्थे 2011; 14: 218-29.

205. चौहान एस. मायकोकार्डियल प्रेर्जेवेशन इन चिल्ड्रन। इंडियन जे. एक्स्ट्रकोपोरियल टेक्नोल 2011: 21: 1-3.

206. चवाली एस, महाजन ए, तबस्सुम आर, द्विवेदी ओ पी, चौहान जी, घोष एस, एट अल. एसोसिएशन ऑफ वेरिएंट्स इन जीन्स इनवोल्वड इन पैनक्रिएटिक बीटा-सेल डेवलपमेंट एंड फंक्शन विद् टाइप 2 डायबिटीज इन नॉर्थ इंडियन्स। जे ह्यू जेनेट 2011; 56: 695-700.

207. चावला बी, पुष्कर एन, सेन एस, बजाज एम एस, खुरैजम एन, घोसे एस. रिकरंट बाइलेटरल डर्मोटोफाब्रोसर्कोमा प्रोट्बेरांस ऑफ आईलिस। ऑपथैल प्लास्ट रिकंस्ट्र सर्ज 2011; 27: ई167-8.

208. चावला बी, शर्मा एस, कश्यप एस, काबरा एस के, पुष्कर एन, बजाज एम एस. प्राइमरी ऑर्बिटल मायकोसिस इन इम्युनोकोम्पेटेंट इंफैंट्स। जे एएपीओएस 2011; 15: 211-3.

209. चावला बी, शर्मा एस, सेन एस, आजाद आर, बजाज एम एस, कश्यप एस, एट अल. कोरिलेशन बीटवीन क्लिनिकल फीचर्स, मैगनेटिक राइसोनस इमेजिंग, एंड हिस्टोपैथोलॉजिक फाइंडिंग इन रेटिनोब्लास्टोमाः ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी। ऑफथलमोलॉजी 2012; 119: 850-6.

210. चावला जे एम, बल्हरा वाई पी, सागर आर, शिवप्रकाश. अंडरग्रेजुएट मेडिकल स्टूडेंट्स एटीट्यूट टूवर्ड साइकाइट्री : ए क्रॉस-सेक्शनल स्टडी। इंडियन जे साइकाइट्री 2012; 54: 37-40.

211. चावला एम, कुमार आर, अग्रवाल एस, बक्शी एस, गुप्ता डी के, मल्होत्रा ए. रोल ऑफ पोजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी - कम्प्यूटेड टोमोग्राफी इन स्टेजिंग एंड अर्ली कीमोथैरेपी रिस्पोंस एवल्युशन इन चिल्ड्रन विद् न्यूरोब्लास्टोमा। इंडियन जे न्यूक्ल मेड 2010; 25: 147-55.

212. चेन्नूर वी एस, शर्मा आर, गामनगट्टी एस, भटनागर वी, गुप्ता ए के, विष्णुभाटला एस. मल्टीडिटेक्टर सीटी वेनोग्राफी एंड कंस्ट्रट - एंहांसड एम आर वेनोग्राफी ऑफ द इंफेरियर मेसेनटेरिक वेन इन पीडियट्रिक एक्स्ट्रहेप्टिक पोर्टल वैन ऑब्स्ट्रक्शन। पीडियट्रि रेडियोल 2011; 41: 322-6.

213. चित्रगार एस, अग्रवाल एस, अय्यर वी के, मथुर एस आर, करक ए के, छरछोडवाला टी, एट अल. कायटो-मॉर्फोलॉजिकल फिक्वर्स ऑफ एक्स्ट्रमेडुलरी एक्यूट मेगाकार्योब्लास्टीक ल्युकेमिया ऑन फाइन नीडल एसपरिशन एंड केरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड कायटोलॉजी : ए केस रिपोर्ट : कायटोजर्नल 2011; 8: 17.

214. चित्रगार एस अय्यर वी के, अग्रवाल एस, गुप्ता एस डी शर्मा ए, वारी एम एन. लोस ऑफ हेटेरोज्यगोसिटी ऑन क्रोमोसोम 11पी15.5 एंड रिलैप्स इन हिपटोब्लास्टोमास। यूर जे पीडियट्रि सर्ज 2011; 21: 50-3.

215. चोपड़ा ए, कुमार आर, किशोर के, टंडन एन युसुफ टी, कुमार एस, एट अल. इफेक्ट ऑफ ग्लुकोकोर्टिकोइडस ऑन वॉन विलेब्रांड फैक्टर लेवल्स एंड इटस कोरिलेशन विद् वॉन विलेब्रांड फैक्टर जीन प्रोमोटर पॉलीमॉर्फिज्म। ब्लड कोएगुल फाब्रिनोलयसिस 2012; 23: 514-9.

216. चोपड़ा ए, कुमार आर, सेठ आर, आनंद एम, रे आर. स्ट्रीकिंग मॉर्फोलॉजी ऑफ ल्युकेमिक फेज ऑफ चाइल्डहुड पेरिफेरल टी-सेल ल्यम्फोमा, नॉट अदरवाइज स्पेसिफाइड। एम जे हिमटोल 2011; 86: 373-4.

217. चोपड़ा ए, पति एच, महापात्रा एम, मिश्रा पी, सेठ टी, कुमार एस, एट अल. फ्लो कायटोमेट्री इन मायलोडयप्लास्टिक सिंड्रोम : एनालसिस ऑफ डायग्नोस्टिक यूटीलिटी यूजिंग मट्रेशन पैटर्न - बेस्ड एंड क्वाटिटेटीव एप्रोचेस। एना हिमटोल 2012; 91: 1351-62.

218. चोसडोल के, दीक्षित बी, सिन्हा एस. एफएटी1 (एफएटी ट्यूमर सप्रेसर होमोलॉग 1 (ड्रोसोफिला)। एटलास जेनेट कायटोजेनेट ऑन्कोल हिमेटोल 2011 URL: http://AtlasGeneticsOncology.org/Genes/FAT1ID40533ch4 q35.html

219. चौधरी ए, शर्मा एस, आर्य आर, गुलाटी एस. एपिलेप्सी विद् मयोक्लोनिक एब्सेंसेज। जे पीडियट्र न्यूरोल 2011; 9: 285-6.

220. चौधरी ए, शर्मा एस, वशिष्ठ एन, गुलाटी एस. द 'आई ऑफ टाइगर' साइन। जे पीडियट्र न्यूरोल 2011; 9: 289-90.

221. चौधरी ए के, अंद्राबी आर, प्रकाश एस एस, कुमार आर, चौधरी एस डी, विज एन, एट अल. न्यूट्रालाइजेशन पोटेशियल ऑफ द प्लाज्मा ऑफ एचआईवी-1 इंफेक्टेड इंडियन पेशेंट्स इन द कंटेस्ट ऑफ एंटी - वी3 एंटीबॉडी कंटेंट एंड एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी। (करेक्टेड)। जे माइक्रोबियोल 2012; 50: 149-54. डीओआईः 10.1007/एस12275-012-1246-वाई। ई प्रकाशन 27 फरवरी 2012. एराटम इनः जे माइक्रोबियोल 2012; 50: 363.

222. चौधरी एम, होते एम पी, वर्मा वाई. सीरोटोनिन सिंड्रोम इन ए पोस्टोपेरेटीव कार्डियक सर्जिकल पेशेंट - ए केस रिपोर्ट। मीडिल ईस्ट जे एनेस्थेसियोल 2011; 21: 111-4.

223. चौधरी एम, मलिक एम, वेलायोडम डी. लेट एंड एक्यूट रिएक्शन टू आइयोहेक्सोल, रिफ्रैक्टरी टू ट्रीटमेंट। इंडियन जे एनेस्थ 2011; 55: 631-3.

224. चौधरी के, सेतुरमन जी, गुप्ता एन, शर्मा वी के, काबरा एम, खैतान बी के, एट अल. विटाइमिन डी डिफिसिएंसी एंड रिकेट्स इन चिल्ड्रन एंड एडोलेसेंट्स विद् आइकथेयोसिफॉर्म एरिथ्रोडेर्मा इन टाइप 4 एंड वी स्कीन। ब्र जे डर्माटोल 2012; 166: 608-15.

225. चौधरी टी, गुप्ता एन, रथ जी पी. माइक्रोग्लोसिस इन च चाइल्ड अंडरगोइंग पोस्टेरियर फोसा सर्जरी इन सिटिंग पॉजिशन। साउदी जे एनास्थ 2012; 6: 85-6.

226. चौधरी टी, नारायणसामी एस, दुबे एस के, रथ जीपी. एक्यूट हिमोडायनामिक डिस्टुर्बेंसेज डुरिंग लुम्बर स्पाइन सर्जरी। जे न्यूरोसर्ज एनेस्थेसियोल 2012; 24: 80-1.

227. चौधरी टी, प्रभाकर एच, भारती एस जे, गोयल के, दुबे एस के, सिंह जी पी. कम्पेरिजन ऑफ प्रोपोफोल वर्सिस सेवोफ्लुरन ऑन थेर्मोरेगुलेशन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरीः ए प्रीलिमिनरी स्टडी। साउदी जे एनास्थ 2012; 6: 12-5.

228. चौधरी टी, सुखेलचा सी, प्रभाकर एच. चेंजीस इन बिस्पेक्ट्रल इंडेक्स वेल्यूस कैन प्रीडिक्ट पोस्ट- आइक्टल फेज डुरिंग ए वेक क्राइनियोटॉमी। साउदी जे एनास्थ 2012; 6: 82-3.

229. चौधरी यू के, राव के, कुमावत एम, घारडे पी. एन अल्ट्रनेटिव टेक्नीक फॉर कंनुलेशन ऑफ द लेफ्ट सुपीरियर केवल वाइन बाय डिस्लोकाइटिंग द हार्ट इंटू द राइट थेरासिक कैविटी। वर्ल्ड जे पीडियट्र कंनेनाइटल हार्ट सर्ज 2011; 2: 371-4.

230. चौधरी यू के, कोठारी एस एस, राव के, घारडे पी. यूज ऑफ इंट्रा अयोर्टिक बेलून कंटेर प्लाजेशन इन एन एडल्ट पेशेंट विद् लेफ्ट वेंट्रीकुलर फैलियर फॉलोविंग रिपेयर ऑफ टेट्रोलॉजी ऑफ फैलोट ए केस रिपोर्ट। वर्ल्ड जे पीडियट्र कंजेनाइटल हार्ट सर्ज 2011; 2: 517-9.

231. चौधरी यू के, रेड्डी एस एम, घारडे पी, देवगुरू वी, राव के. एन अल्ट्रानेटिव टेक्नीक फॉर रिचेनेलिंग ऑफ सिन्यूस वेनोस एर्टियल सेप्टल डिफेक्ट विद् पार्टियल एनोमलोयस पल्मोनरी वेनस कनेक्शन यूजिंग ऑटोजेनोस राइट अर्टियल एपेंडेग। वर्ल्ड जे पीडियट्र कंजेनिटल हार्ट सर्ज 2011; 2: 231-6.

232ण क्रेश-2 कोलबोरेटर्स, रोबर्टस आई, शकुर एच, अफोलेबी ए, ब्रोही के, कोएट्स टी, एट अल. द इम्पॉटेंस ऑफ अर्ली ट्रीटमेंट विद् ट्रांएक्सीमिक एसिड इन ब्लीडिंग ट्रॉमा पेशेंट्स : एन एक्सप्लोरटरी एनालयसिस ऑफ द क्रेश-2 रैडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। लैंकेट 2011; 377: 1096-101, 1101.ई1-2.

233. दादा आर, कुमार एम, जेसूडसन आर, फ्रनांडेज जे एल, गोजालवीज जे, अग्रवाल ए. एपिजेनेटिक्स एंड इट्स रोल इन मेले इंफेर्टिलिटी। जे एसिस्ट रेप्रोड जेनेट 2012; 29: 213-23.

234. दादा आर, महफूज आर जेड, कुमार आर, वेंकटेश एस, शाम्सी एम बी, अग्रवाल ए, एट अल. ए कम्प्रीहेंसिव वर्क अप फॉर एन स्थेनोजोस्पेर्मिक मैन विद् रिपेएटेड इंट्राकायटोप्लामिक सीरम इंजेक्शन (आईसीएसआई) फैलियर। एंड्रोलॉजिया 2011; 43: 368-72.

235. दादा आर, थिलागवती जे, वेंकटेश एस, इस्टेवीस एस सी, अग्रवाल ए. जेनेटिक टेस्टिंग इन मेल इंफर्टिलिटी। ओपन रेप्रोड साइं जे 2011; 3: 42-56.

236. दढवाल वी, धर ए, जिंदल वी एल, शर्मा ए के, डेका डी. बाइलटेरिय इंगुइनल हार्निया कंटेनिंग रूडिमेंट्री यूटेरी इन ए वॉमैन विद् प्राइमरी एमीनोरहीज। जे माइनिम इंवेसिव ग्यानकोल 2011; 18: 692-3.

237. डागर ए, चंद्र पी एस, चौधरी के, अवनीश सी, बाल सी एस, गायकवाड़ एस, एट अल. एपिलेप्सी सर्जरी इन ए पीडियट्रिक पोपुलेशनः ए रेट्रोस्पेक्टीव स्टडी ऑफ 129 चिल्ड्रन फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर हॉस्पीटल इन ए डेवलपमेंट कंट्री अलांग विद् एसेसमेंट ऑफ क्वालिटी ऑफ लाइफ। पीडियट्र न्यूरोसर्ज 2011; 47: 186-93.

238. दलाल के, श्रीवास्वत ए. ए टू अर्म रेंडोमाइज्ड ओपन लेबेल क्लिनिकल ट्रायल टू डिटर्मिन द एफिसेसी ऑफ रिफ्लेक्सोलॉजी थैरेपी इन मैनेजिंग मास्टालगिया। इंडियन जे पैन 2012; 26: 58-65.

239. दामले एन, दास के, बाल सी. ग्रेवेस डिजीज इन ए डाउन्स सिंड्रोम पेशेंट रिस्पोंड्स वेल टू रेडियोआयोडिन रेदर देन एंटीथाराइड ड्रग्स। जे पीडियट्र एंडोक्राइनोल मेटाब 2011; 24: 611.

240. दामले एन, गुप्ता एस, कुमार पी, माथुर एस, बाल सी. पापिलरी कार्सिनोमा मैस्क्वारेडिंग एज क्लिनिकली टॉक्सी एडेनोमा इन वेरी यांग चिल्ड्रन। जे पीडियट्र एंडोक्राइनोल मेटाब 2011; 24: 1051-4.

241. दामले एन, सिंह एच, सुंदरराजन आर, बाल सी, साहू एम, माथुर एस. रेडियोआयोडिन एविड एक्सीलरी लिम्फ नोड मेटास्टेसिस इन पापिलरी थायरॉइड कैंसर : रिपोर्ट ऑफ ए केस। इंडियन जे सर्ज ऑन्कोल 2011; 2: 193-6.

242. दामले एन ए, पटनेचा एम कुमार पी, गदोलिया ए, सुब्बाराव के, बाल सी. रिबिंग डिजीज : अनकॉमन एक्यूज ऑफ ए कॉमन सायम्प्टोम। इंडियन जे न्यूक्ल मेड 2011; 26: 36-9.

243. डारलॉन्ग वी, पांडे आर, गर्ग आर, कुमार एस पुंज जे. पेरियोपेरेटीव कर्सेन्स ऑफ रिकरंट यूरिनरी ब्लैडर फिक्रोमोकायटोमा विद् स्केलेटल मैआस्टेसिस। सिंगापुर मेड जे 2012; 53: ई40 - 1.

244. डारलॉन्ग वी, शिंदे डी, सिंह एम, गर्ग आर, पांडे आर, पुंज जे. लो - वर्सिस - हाई - डोज कॉम्बिनेशन ऑफ मिडजोलाम - काइटेमिन फॉर ओरल प्रीमेडिकेशन इन चिल्ड्रन फॉर ऑफ्थलमोलॉजिक सर्जरीज। सिंगापुर मेड जे 2011; 52: 704.

245. दास पी, गोस्वामी पी, दास टी के, नाग टी, श्रीनिवास वी, अहुजा वी, एट अल. कम्परेटिव टाइट जंक्शन प्रोटीन एक्सप्रेशन्स इन क्लोनिक क्रोह्न्स डिजीज, अल्सेरेटीव कोलाइटिस, एंड ट्यूबरकुलोसिसः ए न्यू परस्पेक्टीव। विर्चोव्स आर्च 2012; 460: 261-70.

246. दास पी, पुरी टी, झा पी, पाठक पी, जोशी एन, सुरी वी, एट अल. ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल एंड मॉलीकुलर एनालसिस ऑफ ग्लाइयोब्लास्टोमा मल्टीफार्मे विद् लॉन्ग-टर्म सरवाइवल। जे क्लिन न्यूरोसाइं 2011; 18: 66-70.

247. दास पी, सिंह जी, कुमार एन, हरिप्रसाद आर, डिंडा ए के, कुमार एल, एट अल. क्लिन सेल कार्सिनोमा ऑफ ओवरी विद् सेक्वामस मेटाप्लाजियाः ए यूनिक हिस्टोपैथोलॉजिकल ऑब्जेवेशन। इंडियन जे मेड पीडियट्र ऑन्कोल 2011; 32: 177-9.

248. दास आर आर, सामी एस, लोढा आर, जेन आर, बरुर एस, कौशिक एस, एट अल. क्लिनिकल प्रोफाइल एंड आउटकम ऑफ स्वाइन फ्लू इन इंडियन चिल्ड्रन। इंडियन पीडियट्र 2011; 48: 373-8

249. दास एस, आलोक के, चौहान वाई, बिसोई ए के. मेम्ब्रन ऑक्सीजेनेटर मैलफंक्शन्स डुरिंग कार्डियक सर्जरी अंडर कार्डियोपल्मोनरी बायपास। इंडियन जे एक्स्ट्रकोर्पोरिल टेक्नोल 2011; 21: 48-9.

250. दास एस, दुग्गल पी, रॉय आर, मायनीदु वी पी, बेहरा डी, प्रसाद एच के, एट अल. एडेंटिफिकेशन ऑफ हॉट एंड कोल्ड स्पॉट्स इन जीनोम ऑफ मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस यूजिंग शेवार्ट कंट्रोल चार्ट्स। साइं रिप 2012; 2: 297.

251. दास एस, गुप्ता एस, बिसाई ए के. ब्लड कर्जेवेशन स्ट्रेटेजीस फॉर इमर्जेंसी ओपन कार्डियक सर्जरी इन ए पेशेंट विद् एंटी - एम. ब्लड ट्रांसफ्यूज 2012; 10: 106-7.

252. दास एस, मिश्रा बी, गिल के, अशरफ एम एस, सिंह ए के, सिन्हा एम, एट अल. आइसोलेशन एंड कैरटेराइजेशन ऑफ नोवेल प्रोटीन विद् एंटी-फंगल एंड एंटी-इंफ्लेमेट्री प्रोपर्टीज फ्रॉम एलो वेरा लीफ जेल. इंट जे बायोल माक्रोमोल 2011; 48: 38-43.

253. दास एस एन, खरे पी, सिंह एम के, शर्मा एस सी. फेस रिसेप्टर (सीडी95) एंड फेस लाइगेंड (सीडी178) एक्सप्रेशन इन पेशेंट्स विद् टेबेको - रिलेटेड इंट्रोरल स्वामास सेल कार्सिनोमा। इंडियन जे मेड रेज 2011; 134: 54-60.

254. दास जे, जैन एस, त्यागी एस, सजवाल एस. क्रॉनिक मायलॉइड ल्युकेमिया विद् पी210 बीसीआर-एबीएल एंड मोनोकायटोसिस लेयूक लिम्फोमा 2011; 52: 1380-1.

255. दत्ता पी, भाटला एन, पांडे आर एम, डार एल, पैट्रो ए आर, वशिष्ठ एस, एट अल. टाइप - स्पेसिफिक इंसिडेंस एंड पेरसिस्टेंस ऑफ एचपीवी इंफेक्शन अमंग यांग वॉमैन : ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी इन नॉर्थ इंडिया। एशियन पैक जे कैंसर प्रीव 2012; 13: 1019-24.

256. डावरा आर, साह आर पी, डुडेजा वी, ऋषि एल, तालुकदार आर, गर्ग पी, एट अल. इंट्रा-एकिनर ट्रायप्सिनोजीन एक्टीवेशन मेडिएट्स अर्ली स्टेज ऑफ पैक्रिएटिव इंजरी बाट नॉट इंफ्लेमेशन इन माइक विद् एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी 2011; 141: 2210-17.ई2.

257. दायमा ए पी, कपूर आर, दास जे, सिंह जी, महापात्रा एम, पति एच पी. पैथोलॉजिक स्प्लेनिक रियूपेक्चर इन ए पेशेंट विद् फॉलिकुलर लिम्फोमा। मेडिटेर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस 2011; 3: ई2011051.

258. देबनाथ एच, टंडन वी, महापात्रा ए के, गुप्ता डी के, आउटकम ऑफ पीडियट्रिक हैड इंजरी पेशेंट्स एडमिटेड एज नॉन एट लेवल 1 एपेक्स ट्रॉमा सेंटर। चाइल्ड्स नेर्व सिस्ट 2011; 27: 1764-5.

259. डेका डी, बहादुर ए, सिंह ए, मल्होत्रा एन. सक्सेसफुल मैनेजमेंट ऑफ हिटेरोटोपिक प्रेगनेंसी आफ्टर फेटल रिडक्शन यूजिंग पोटेसियम क्लोराइड एंड मैथोट्रेक्सट। जे ह्म रिप्रोड साइं 2012; 5: 57-60.

260. डेका डी, डढवाल वी, रॉय के के, मल्होत्रा एन, वैद ए, मित्तल एस. इंडक्शन्स ऑफ 1342 फेटल कोर्ड ब्लड सैम्पलिंग प्रोसेडर्स परफोर्म्ड एज एन इंटेग्रल पार्ट ऑफ हाई रिस्क प्रेगनेंसी केयर। जे ऑब्स्टेट ग्यानोकोल इंडिया 2012; 62: 20-4.

261. देव एस वी, शुल्का एन के, सिंह एम, झा डी, खन्ना पी, कालीनपुर ए. लोकली एडवांस सेबसेयस सेल कार्सिनोमा (टी3) ऑफ आईलिड : इंसिडेंस एंड पैटर्न ऑफ नोडल मैटास्टेसेस एंड कम्बाइंड माडालिटी मैनेजमेंट एप्रोच। अर्बिट 2012; 31: 150-4.

262. देव एस वी एस, शुक्ला एन के, आश्वीन के, भटनागर एस, पैलियटिव सर्जरी फॉर एडवांस गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर्स-सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एम्स एक्सपीरिएंस। फ्री पेपर सीजन। इंडियन जे पैलियट केयर 2011; 17: 77-90.

263. देव एस वी एस, शुक्ला एन के, पंडित ए, झा डी, भटनागर एस. मैनेजमेंट ऑफ सेंट्र आर्च मैंडिबुलर स्कामायस सेल कार्सिनोमा इन ए रिसोर्स कंस्ट्रेनाइड पोपुलेशन - चैलेंजीस एंड सोलुशन्स। ओरल ऑन्कोल 2011; 4751: पी236.

264. देवरारी ए, ठुकराल ए, अरुणा वी. ऑनलाइन लर्निंग इन न्यूबॉर्न हेल्थः ए डिस्टेंस लर्निंग मॉडल। नटल मेड जे इंडिया 2012; 25: 31-2.

265. देसाई एम, तलवार एस, कोठारी एस एस, जगिया पी, आर्यन बी. इंफेरियार वेन केव टू लिफ्ट अर्टियम शांट प्रेजेंटिंग विद् पॉलीकायथेमिया एंड स्ट्रॉक थ्री डिकैड्स फॉलोविंग क्लोजर ऑफ अटरियल सेप्टल डिफेक्ट. कंजेनाइट हार्ट डिस 2012.

266. धंदपानी एस, धंदपानी एम, अग्रवाल एम, चुटानी ए एम, सुब्बिया वी, शर्मा बी एस, एट अल. द प्रोग्नोस्टिक सिगनिफिकेंस ऑफ द टाइमिंग ऑफ टोटल इंटेराल फीडिंग इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी। सर्ज न्यूरोल इंट 2012; 3: 31.

267. धर पी, कौशल पी, मेहरा आर डी. न्यूरोप्रोटेक्टीव रोल ऑफ अल्फा लिपोइक एसिड (एएलए) इन अर्सेनिक (एएस) इंडुस्उ डेवलपमेंटल न्यूरोटॉक्सीसिटी इन रेट प्यूप्स। एफएएसईबी जे 2012; 26: 921-9.

268. धवन पी, बास्सी एस, स्टागलर एम एच, अरोड़ा एम, गुप्ता वी के, पेरी सी एल, एट अल. यूजिंग सैलीवेरी कोटिनाइन टू वैलीडेट सेल्फ-रिपोर्ट्स ऑफ टेबको यूज बाय इंडियन यूथ लिविंग इन लॉ-इनकम नेबरहुड्स। एशियन पैक जे कैंसर 2011; 12: 2551-4.

269. धवन जे, सिंह एस, गुप्ता एस. इंसेक्ट्स आर क्रेवलिंग इन माय जेनिटल वार्ट्स। जे कुटन एस्थेट सर्ज 2011; 4: 129-31.

270. ढ़ीगरा एस, कौर के, तनेजा एन के, त्यागी जे एस. देव आर (डीओएसआर) बाइंडिंग पेप्टाइड इंहेबिट्स एडप्टेशन ऑफ मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस अंडर हायपोक्सी। एफईएमएस माइक्रोबियल लैट 2012; 330: 66-71.

271. डिगुमर्ति आर, वैंग वाई, रमन जी, डोवाल डी सी, आडवाणी एस एच, जुल्का पी के, एट अल. ए रैंडोमाइज्ड, डबल - ब्लाइंड, प्लासेबो - कंट्रोल्ड फेज 2 स्टडी ऑफ ओरल टेलाक्टोफेरिन इन कम्बाइनेशन विद् कार्बोप्लाटीन एंड पैक्लीटेक्सेल इन प्रीव्यूजुअली अंट्रीटेड लोकली एडवांस्ड ऑर मेटास्टेटिक नॉन - स्मॉड सेल लंग कैंसर। जे थोरक ऑन्कोल 2011; 6: 1098-103.

272. दिनेश के, थुल्कर एस, बक्शी एस, मधुसुदन के एस, उपाध्याय ए डी. पेडियट्रिक हॉडग्किन लिम्फोमा सीटी फिक्सर्च एट प्रेजेंटेशन, ऑन ट्रीटमेंट एंड इट्स प्रोग्नोस्टीक सिगनिफिकेंसी। इंडियन जे पीयिट्र 2011; 78: 549-54.

273. अग्रवाल डी, कुमार एस, कुमार ए, गोंबर एस, त्रिखा ए, आनंद एस. डिजाइन ऑफ एन एसिस्टीव एनास्थेसिया ड्रग डिलीवरी कंट्रोल यूजिंग एकनोलेडज बेस्ड सिस्टम्स। एकनोलेडज - बेस्ड सिस्टम्स 2012; 31: 1-7.

274. डो आर, एक्सी सी, झांग एक्स, मैनिस्टो एस, हराल्ड के, इस्माल एस, एट अल. द इफेक्ट ऑफ क्रोमोसोम 9पी21 वरिएंट्स ऑन कार्डियोवेस्कुल डिजीज माय बी मॉडिफाइड बाय डिएटरी इंटेकः एविडेंस फ्रॉम ए केस / कंट्रोल एंड ए प्रोस्पेक्टीव स्टउी। पीएलओएस मेड 2011; 8: ई1001106.

275. डोगरा पी एन, सैनी ए के, सेठ ए. इरेकटाल डायस्फंक्शन आफ्टर एंटेरियर अरथ्रोप्लास्टी : ए प्रोस्पेक्टीव एनालयसिस ऑफ इंसिडेंस एंड प्रोबाबिलिटी ऑफ रिकवरी - सिंगल - सेंटर एक्सपीरिएंस। यूरोलॉजी 2011; 78: 78-81.

276. डोगरा पी एन, सैनी ए के, सिंह पी. रोबोटिक - एसिस्टेड इंगुइनल लिम्फ नोड डिससेक्शन : ए प्रीलिमिनरी रिपोर्ट। इंडियन जे यूरोल 2011; 27: 424-7.

277. डोगरा पी एन, सैनी ए के. लेजर वेल्डिंग ऑफ वेसिकावागिनल फिस्टुल - आउटकम एनालयसिस एंड लॉन्ग - टर्म आउटकम : सिंगल - सेंटर एक्सपीरिएंस। इंट यूरोग्यनेकोल जे 2011; 22: 981-4.

278. दुबे डी, पेरिवाल वी, कुमार एम, शर्मा एस, सिंह टी पी, कौर पी. 3डी - क्यूएसएआर बेस्ड फार्माकोफोरे मॉडलिंग एंड वरचुअल स्क्रीनिंग फॉर एडेंटिफिकेशन ऑफ नोवेल प्टेरिडाइन रिडुक्टस इहैबिटर्स। जे मॉल मॉडल 2012; 18: 1701-11.

279. दुबे एस के, चौधरी टी, चतुर्वेदी ए. एनेस्थेटिक कर्सेन्स इन पेशेंट्स विद् एब्नोर्मल माइग्रेशन ऑफ वेंट्रिकुलोपेरिटोनियम शांट। साउदी जे एनास्थ 2012; 6: 76-7.

280. दुबे एस के, चौधरी टी, यादव आर, रथ जी पी. इंट्रावेंट्रिकुलर हेमोरहेज आफ्ट वेंट्रिकुलोपेरिटोनियल शांट रिमोवल। जे एनास्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 570-1.

281. दुबे एस के, रथ जी पी, गुप्ता एन, सोखल एन. ट्रचेअल ट्रब काइंकिंग डुरिंग क्रानियाटोमी इन सुपिन पॉजिशन आफ्टर एप्लीकेशन ऑफ फिश हुक रिट्रक्टर्स। न्यूरोल इंडिया 2011; 59ः 647-8.

282. दुग्गल आर, चौधरी ए आर, दत्ता गुप्ता एस, शर्मा एम सी, रल्हन आर, सियू के डब्ल्यू. ओवरएक्सप्रेशन ऑफ प्रोथयमोसिन अल्फा प्रीडिक्ट्स पुअर डिजीज आउटकम इन हैड एंड नीक कैंसर। पीएलओएस वन 2011; 6ः ई19213.

283. दत्ता बी, देहरन एम, सिन्हा आर. एनास्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए पार्टुरिएंट विद् मायामोया डिजीज सिंगपुर मेड जे 2011; 52ः ई108-10.

284. दत्ता आर, दास एन. इम्युनोमॉडुलेशन ऑफ सीरम कमप्लेमेंट (सी3) एंड माक्रोफेगस बाय सिंथेटिक पायरेथोराइड फेंवेलेरेंट : इन विट्रो स्टडी। टॉक्सीकोलॉजी 2011; 285ः 126-32.

285. दत्ता आर, कुमार ए, कनन यू, भल्ला ए पी, कौशल एस, जुल्का पी के. सर्जिकल ट्रीटेड एग्रेसिव मेडियस्टाइनल सार्कोमा : ए ट्यूमर ऑफ पॉसिबल थायमिक ऑरिजिन। जीन थ्रोक कार्डियोवेस्क सर्ज 2011; 59ः 65-7.

286. द्विवेदी ए के, द्विवेदी एस एन, देव एस, शुक्ला आर, पांडे ए, द्विवेदी डी. एन एपिडामियोलॉजिकल स्टडी ऑन डेली इन ट्रीटमेंट इंटिएशन ऑफ कैंसर पेशेंट्स। हेल्थ 2012; 4ः 66-79.

287. द्विवेदी डी के, स्नेहलता, द्विवेदी ए के, लोचब एस पी, कुमार आर, नासवा एन, एट अल. रिडिएशन एक्सपोजर टू न्यूक्लिर मेडिसिन पर्सनल हैडलिंग प्रोसिट्रोन इमिटर्स फ्रॉम जीई-68/जीए-68 जेनेरटर। इंडियन जे न्यूक मेड 2011; 26ः 86-90.

288. फातिमा एन, अहमद एस एच, सल्हान एस, रहमान एस एम, कौर जे, ऑवेस एम, एट अल. स्टडी ऑफ मेथयल ट्रांसफर्स (जी9एएमटी) एंड मेथ्यालटेड हिस्टोन (एच3-के9) एक्सप्रेशन्स इन एनएक्सप्लैंड रिकरंट स्पोटेनियस एबेरेशन (यूआरएसए) एंड नॉर्मल अर्ली प्रेगनेंसी। मॉल ह्यू रिपोर्ड 2011; 17ः 693-701.

289. गदोदिया ए, भल्ला ए एस, शर्मा आर, ठाकर ए, पार्षद आर. बाइलेटरल पैरोटिड स्वेलिंग : ए रेडियोलॉजिकल रिव्यू। डेंटोमैक्सीलोफेक रेडियोल 2011; 40ः 403-14.

290. गदोदिया ए, घोष आई, प्रकाश जी, थुल्कर एस, रैना वी. मैसिव गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल हिमोरहेज इन मेटास्टेटिक जर्म सेल ट्यूमर फ्रॉम डुयोडेनल इंवेशनः ए रिपोर्ट ऑफ टू केस। ट्रॉप गैस्ट्रोएटेरोल 2011; 32ः 232.4.

291. गदोदिया ए, गुप्ता पी, शर्मा आर, कुमार एस. रिः प्रेनटल डायग्नोसिस ऑफ लिसेंसेफाली : ए केस रिपोर्ट जे क्लिन अल्ट्रासांड 2011; 39ः 91.2.

292. गदोडिया ए, शर्मा आर, पार्षद आर. ब्लेडर हर्नियाः मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी फाइंडिंग्स। इंडियन जे यूरोल 2011; 27ः 413.4.

293. गदोदिया ए, सिंघल बी, शर्मा आर. मैथनोल इंटोक्सीकेशन एक्यूजिंग पुटेमिनल नेक्रोसिस। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक 2011; 4ः 300.1.

294. गजेंद्र एस, गुप्ता आर, शर्मा ए, गुप्ता आर, गोगिया ए. एक्यूट मायलोइड ल्युकेमिया विद् प्सेयूडो - चेडियक - हिगाही ग्रानुलेस एंड इंट्राकायटोप्लाजमिक वेकुयोलेस। यूर जे हिमेटोल 2011.

295. गंभीर एच, माथुर आर, बिहारी एम. प्रोग्रेसिव इम्पैरमेंट इन मोटर स्किल लर्निंग एट 12 एंड 20 विक्स पोस्ट 6-ओएचडीए - एसएनसी लेशन इन रेट्स। पार्किसोनिजम रिलेट डिसकोर्ड 2011; 17ः 476.8.

296. गांधी एस, वेंकटेश एस, शर्मा यू, जगन्नाथ एन आर, सेतुरमन एस, कृष्णन यू एम. सुपरपरमैगनेटिक नैनोसिस्टम्स बेस्उ ऑन आयरन ऑक्सीड नैनोपार्टिकल्स एंड मेसोपोरयस सिलिकाः सिंथेसिस एंड एवलुशन ऑफ देयर मैगनेटिक, रिलेक्समेट्रिक एंड बायोकंपटेबिलिटी प्रोपर्टीज। जे मेट केम 2011; 21ः 15698-707.

297. गांधी टी, आनंद एस, सिन्हा पी. इम्पेयरमेंट इन फेस प्रोसेसिंग विदआउट एक्स्ट्रनल कंट्यर आफ्टर साइट ऑनसेट ऑफ कंजेनाइटल कैट्रक्ट बलाइंड चिल्ड्रन। इंट जे क्लिन ईईजी न्यूरोल 2011; 42ः 67.

298. गांधी टी, कपूर ए, खरया सी, संतोष जे, अलोक वी, आनंद एस. इंहैंसमेंट ऑफ इंटरहेमिस्फेरिक ब्रेन वेव सिंक्रोनाइजेशन आफ्ट प्रयानामा प्रैक्टीस। इंट जे बायोमेड इंज टेक 2011; 7ः 1-17.

299. गांधी टी, पाणिग्रही बी के, आनंद एस. ए कम्परेटीव स्टडी ऑफ वेवलेट फैमिलिस फॉर ईईजी सिंगनल क्लासिफिकेशन। जे न्यूरोकंप्यूटिंग 2011; 74ः 3051-7.

300. गांधी टी, पाणिग्रही बी के, संतोष जे, आनंद एस. कंट्रीबुशन ऑफ ब्रेन वेव फॉर विजुअल डिफरेंस इन एनिमेट एंड इंनिमेट ऑब्जेक्ट्स इन ह्यूमन ब्रेन। जे कंप्यूटेशनल थ्योरेटिकल नैनोसाइं 2012; 9ः 233-42.

301. गांधी टी, स्वामी पी, संतोष जे, आनंद एस. डायनामिकल न्यूरल एक्टीवेशन इन ह्यूमन ब्रेन डुरिंग फेस लॉन्ग-टर्म आउटकम : एन एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर कैंसर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया। एना हिमेटोल 2011; 7ः 135-47.

302. गणेशन पी, कुमार एल, रैना वी, शर्मा ए, बक्शी एस, श्रीनिवास वी, एट अल. हॉडकिंस लिम्फोमा - लॉन्ग टर्म आउटकम : एन एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर कैंसर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया। एना हिमेटोल 2011; 90ः 1153-60.

303. गणेशन पी, गुप्ता आर, हाकिम एम, कुमार एल, भास्कर ए, शर्मा ए. रिकंस्टिट्यूशन ऑफ रेगुलेटरी टी सेल आफ्टर ऑटोलोगस ट्रांसप्लांटेशन इन मल्टीपल मायलोमा। इंट जे हिमेटोल 2011; 94ः 578-9.

304. गंगावटिकर आर, पाल एस, जावेद ए, दास एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के. इफेक्ट ऑफ एंटेकोलिक ऑर रेट्रोकोलिक रिकंस्ट्रक्शन ऑफ द गैस्ट्रो / डियोडेनोजेलुनोस्टॉमी ऑन डेलयड गैस्ट्रीक एम्पटाइंग आफ्टर पैंक्रिएटिकोडियोडेनेक्टॉमीः ए रैडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। जे गैस्ट्रोइंटेस्ट सर्ज 2011; 15ः 843-52.

305. गर्ग बी, गोयल टी, कुमार वी, मल्होत्रा आर, कोतवाल पी पी. रिमुवल ऑफ लुकिंग प्लेटसः न्यू इम्प्लांट, न्यू चेलेंजीस एंड न्यू सॉल्यूशन्स। सर्ज टेक डेवलप 2011; 1ः ई25.

306. गर्ग बी, खंडवाल पी, नागराजा यू बी, गोस्वामी ए, जयसवाल ए. एंटेरियर वर्सिस पोस्टेरियोर प्रोसीडर फॉर सर्जिकल ट्रीटमेंट ऑफ थोराकोलुम्बर ट्यूबरकुलोसिसः ए रेट्रोस्पेक्टीव एनालयसिस। इंडियन जे ऑर्थोप 2012; 46ः 165-70.

307. गर्ग बी, मित्तल आर, रस्तोगी एस. फेमोरल प्रोस्थेसिस नीक फ्रेक्चर फॉलोविंग टोटल हिप एर्थ्रोप्लास्टीः ए केस रिपोर्ट। एक्टा ऑर्थोप बेग्ल 2011; 77ः 406-9.

308. गर्ग बी, नागराज यू बी, जायसवाल ए. माइक्रोएंडोस्कोपिक वर्सिस ओपन डिस्केक्टॉमी फॉर लुम्बर डिस हर्निशनः ए प्रोस्पेक्टीव रैंडोमाइज्ड स्टडी। जे ऑर्थोप सर्ज (हॉन्ग कॉन्ग) 2011; 19ः 30-4.

309. गर्ग बी, मल्होत्रा आर, ऑर्थो क्विज नं. 27ः ऑर्थोपीडिक्स टुडे 2011ः 13; 85.

310. गर्ग बी, मल्होत्रा आर, ऑर्थो क्विज नं. 28ः ऑर्थोपीडिक्स टुडे 2011ः 13; 130.

311. गर्ग बी, मल्होत्रा आर, ऑर्थो क्विज नं. 27ः ऑर्थोपीडिक्स टुडे 2011ः 13; 174.

312. गर्ग बी, मल्होत्रा आर. पियोनीर्स इन ऑर्थोपेडिक्स। (हंस चियरी 1851-1916) ऑर्थोपेडिक्स टुडे 2011ः 13; 129.

313. गर्ग बी, मल्होत्रा आर. पियोनीर्स इन ऑर्थोपेडिक्स। (विलियम मोरेनट बेकर 1839-1896) ऑर्थोपेडिक्स टुडे 2011ः 13; 173.

314. गर्ग बी, मल्होत्रा आर. पियोनीर्स इन ऑर्थोपेडिक्स। एल्फ्रेड वाशिंगटन एडसॉन। ऑर्थोपेडिक्स टुडे 2011ः 13; 84.

315. गर्ग बी, शर्मा वी, खान एस ए, रस्तोगी एस. मैसिव रिकरंट ट्यूमोरल कैलसिनोसिसः ए रेयर प्रेजेंटेशन। एक्टा ऑर्थोप बेल्ग 2011; 77ः 410-3.

316. गर्ग बी, उपेंद्र बी एन, जायसवाल ए. नीक रिकंस्ट्रशन (एम्स बॉक्स टेक्नीक) इन द मैनेजमेंट ऑफ लार्ज फीमोरल नीक डिफेक्ट्स। हिप इंट 2011; 21ः 112-7.

317. गर्ग जी, कुमार जे, तंवर वी एस, बासक टी, सेठ एस, कार्तिकेयन जी, एट अल. पॉलीमॉर्फिज्मस इन ट्रांसकोब्लामिन ।। जीन इन एसोसिएटेड विद् कोरोनरी अर्टियरी डिजीज इन इंडियन पोपुलेशन। बायोमार्कर्स 2012; 17ः 119-24.

318. गर्ग के, गुप्ता डी, बशीर एन, महापात्रा ए के, सत्यार्थी जी डी, अग्रवाल डी, एट अल. रिस्क फैक्टर प्रोग्नोस्टाइकेटिंग सेंटर आउटकम, स्टडी ऑफ 75 केस ऑफ सर्विकोडोर्सल फ्रेक्चर डिसलोकेश। इंडियन जे न्यूरोट्रॉमा 2011; 8ः 89-92.

319. गर्ग पी, तलवार एस, कोठारी एस एस, राजशेखर पी, गुलाटी जी एस, आर्यन बी. मैनेजमेंट ऑफ पल्मोनरी अर्टेरियल सप्लाई डिपेंडेंट ऑन ए कोरोनरी अर्टेरियल फिस्टुला इन ए पेशेंट विद् टेट्रालॉजी ऑफ फैलॉट विद् पल्मोनरी एर्टेसिया। वर्ल्ड जे पीडियट्र कंजेनिटल हार्ट सर्ज 2012; 3ः 499-503

320. गर्ग पी, तलवार एस, कोठारी एस एस, सक्सेना ए, जुनेजा आर, चौधरी एस के, एट अल. द एनोमलोयस ऑरगेन ऑफ द ब्रेंच पल्मोनरी अर्टेरी फ्रॉम द एसेंडिंग ऑर्टा। इंटेरक्ट कार्डियोवेस्क थोरक सर्ज 2012; 15ः 86-92.

321. गर्ग पी, तलवार एस, राजशेखर पी, कोठारी एस एस, गुलाटी जी एस, आर्यन बी. कॉमन कारोटिक अर्टेरी टू इंटरनल जुगुलर वेन शांट फॉर मैनेजिंग हायपोक्सीमिया आफ्टर ए कार्वोपल्मोनरी शांट। एना थोरक सर्ज 2012; 94ः 998-1001.

322. गर्ग पी, तलवार एस, राजशेखर पी, सक्सेना ए, आर्यन बी, रिपेयर ऑफ टोटल एनोमालोयस पुल्मोनरी वेनोस रिटर्न टू द कारोनरी सिनुस। एशियन कार्डियोवेस्क थोरक एना 2012; 20ः 221-4.

323. गर्ग पी के. क्रॉनिक पैनक्रिएटाइटिस इन इंडियाः अनटाइंग द न्यूट्रिशनल कनोट। इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल 2011; 30ः 63-5.

324. गर्ग आर, खन्ना पी, सिन्हा आर. पेरियापेरेटीव मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स फॉर ऑस्टेयो - ऑडोंटो - क्रेयटोप्रोस्थेसिस अंडर जर्नल एनास्थेसिया : ए रेट्रोस्पेक्टीव स्टडी। इंडियन जे एनास्थ 2011; 55ः 271-3.

325. गर्ग आर, पुंज जे, पांडे आर, डारलॉग वी. पेशेंट वि् हायडिटरी स्फेरोकयटोसिस एंड डायबिटीज मेलिट्स फॉर लैप्रोस्कोपिक स्प्लीनेक्टोमी एंड कोलेकायस्टेक्टोम - पेरियोपेरेटीव कॉनर्सन्स। एसएएआरसी जे एनास्थ 2011; 3ः 292-4.

326. गर्ग आर, रथ जी पी. एबनॉर्मल फंक्शन ऑफ ए नॉर्मल वेंटिलेटर। जे एनास्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27ः 291-2.

327. गर्ग आर, सिन्हा आर, निशाद पी. पेशेंट विद् वॉल्फ - पार्किंसन वाइट सिंड्रोम विद् इंटरमिटेंट प्री-एक्ससिटेशन अंडर सबरकनोइड ब्लॉक फॉर यूरोलॉजिकल सर्जरी। इंडियन जे एनास्थ 2011; 55ः 167-70.

328. गढ़नायक एल, प्रकाश एच, सहगल डी के, जैन वी, गढ़नायक एम. ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ द स्ट्रेस डिस्ट्रिबुशन इन डिफरेंट एंडोडोनटिक पोस्ट- रेटैनड तीथ विद् एंड विदआउट फेरुल डिजाइन - ए फाइनाइट एलीमेंट एनालयसिस। आईएसआरएन डेंट 2011; 2011ः 102329.

329. गौर पी, मित्तल एम, मोहंती बी, दास एस. फंक्शनल वरिएंट्स ऑफ आईएल4 एंड आईएल6 जीन्स एंड रिस्क ऑफ टोबेको - रिलेटेड ओरल कार्सिनोमा इन हाई-रिस्क एशियन इंडियन्स। ओरल डिस 2011; 17ः 720-6.

330. गौर पी, मित्तल एम, मोहंती बी के, दास एस एन. फंक्शनल जेनेटिक वरिएंट्स ऑफ टीजीएफ-बीटा1 एंड रिस्क ऑफ टोबेको - रिलेटेड ओरल कार्सिनोमा इन हाई-रिस्क एशियन इंडियन्स। ओरल ऑन्कोल 2011; 47ः 1117-21.

331. गौतम यू एस, सिकरी के, त्यागी जे एस. द रेसिडु थ्रेयोनाइन 82 ऑफ डीईवीआर (डीओएसआर) इन इसटाइयल फॉर डीईवीआर एक्टीवेशन एंड फंक्शन इन मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस डिस्पिट इट्स एटयपिकल लोकेशन। जे बैक्टेरियोल 2011; 193ः 4849-58.

332. घरडे पी, अग्रवाल वी, चौहान एस, किरण यू, देवगुरू वी. लेट्रोजेनिक एक्यूट अयोर्टिक डिससेक्शन डुरिंग कार्डियोप्लेजिक कैनुला इंसेरशन डिटेक्टेड बाय ट्रांसइसोफेगल इकोकार्डियोग्राफी। जे कार्डियोथोरक वेस्क एनेस्थ 2012; 26ः ई3-5.

333. घरडे पी, सिंह एस पी, गुप्ता एस, चौधरी यू. पोस्ट - मिट्रल वेल्यू रिप्लेसमेंट इंट्रामुरल लेफ्ट अटरियल लेशन। जे कार्डियोथोरक वेस्क एनेस्थ 2011; 25ः 1221-2.

334. घोष ए, धवन बी, चौधरी आर, वाजपेयी एम, श्रीनिवास वी. जेनिटल मायकोप्लाज्मा एंड कालमयडिया ट्रेकोमाइटिस इंफेक्शन्स इन ट्रीटमेंट नेव एचआईवी -1 इंफेक्टेड एडल्ट्स। इंडियन जे मेड रेज 2011; 134ः 960-6.

335. घोष डी, नजवा ए आर, खान एम ए, सेनगुप्ता जे, आईजीएफ ब्लाइंडिंग प्रोटीन 1, एंड मैट्रीक्स मेटालोप्रोटेइनेसेस 2 एंड 9 इन इम्प्लांटेशन - स्टेज एंडोमेट्रियम फॉलोविंग इम्युनोन्यूट्रालाइजेशन ऑफ वेस्कुलर एंडोथेलियम ग्रोथ फैक्टर इन द रेसस मॉकी। रिप्रोडक्शन (कैम्ब्रिज, इंगलैंड) 2011; 141ः 501-9.

336. घोष आई, रैना वी, कुमार एल, शर्मा ए, बक्शी एस, थुल्कर एस, एट अल. प्रोफाइल ऑफ इंफेक्शन्स एंड आउटकम इन हाई-रिस्क फग्रिल न्यूट्रापीनियाः एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर कैंसर सेंटर इन इंडिया। मेड ऑन्कोल 2012; 29ः 1354-60.

337. घोष आई, रैना वी. टेस्टीकुलर जर्म सेल ट्यूमर फंगटिंग थ्रो एंटेरियर एब्डोमिनल वॉल। इंडियन जे यूरोल 2011; 27ः 280-1.

338. गिलेन जे, भटनागर एस, मिश्रा एस, चतुर्वेदी ए के, गुप्ता एच, राजवंशी ए. एट अल. कैन क्यूरेटिव ऑर लाइफ - सबस्टेनिंग ट्रीटमेंट बी विदहेल्उ ऑर विदड्रॉवन? द ऑपिनियंस एंड व्यूस ऑफ इंडियन पलीएक्टीव - केयर नर्सेज एंड फिजिशियन्स। मेड हेल्थ केयर फिलोस 2011; 14ः 5-18.

339. गिलेन जे, गुप्ता एच, राजवंशी ए, भटनागर एस, मिश्रा एस, चतुर्वेदी ए के, एट अल. द एटिट्यूडस ऑफ इंडियन पलीएक्टीव-केयर नर्सेज एंड फिजिशियन्स टू पैन कंट्रोल एंड पैलीएक्टीव सेडेशन। इंडियन जे पैलीएक्ट केयर 2011; 17ः 33-41.

340. गिल के, मोहंती बी के, अशरफ एम एस, सिंह ए के, डे एस. क्वांटिफिकेशन ऑफ पी38अल्फा एमएपी किनस : ए प्रोग्नोस्टिक मार्कर इन एचएनएससीसी विद् रिस्पेक्ट टू रेडिएशन थैरेपी। क्लिन कीम एक्टा 2012; 413ः 219-25.

341. गिल के, सिंह ए के, कुमार एस, मिश्रा बी, कपूर वी, दास एस एन, एट अल आसोलेशन एंड कैरेटेराइजेशन ऑफ ए पोटेंट प्रोटीन फ्रॉम जिंजर रिजोम्स हेविंग मल्टीपल मेडिसिनल प्रोपर्टीज। रेज जे मेडिसिनल प्लांट 2012; 6ः 160-70.

342. गीता एस, सुनीता एम, अंजना एस, निरंजन एन, सुजाता एम, पांडे आर एम. सी. ट्राकोमाटिस इन फीमेल रिप्रोडक्टभ्व ट्रक्ट इंफेक्शन्स एंड आरएफएलपी-बेस्ड जीनोटाइपिंग : ए 16-ईयर स्टडी फ्रॉम ए टेटियरी केयर हॉस्पीटल। इंफेक्ट डिस ऑब्स्टेट ग्यानक 2011; 2011ः 548219.

343. गोयनका ए एच, कुमार ए. होल बॉडी एमआर एंड डिसेमिनेटेड कायस्टीकेर्कोसिस। इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग। 2011; 21ः 157-8. डीओआईः 10.4103/0971-3026.82291.

344. गोयनका ए एच, शर्मा एस, रामचंद्रन वी, चट्टोपाध्याय टी के, राय आर. गिएंट फाब्रोवेस्कुलर पॉलप ऑफ द इसोफेगसः रिपोर्ट ऑफ ए केस। सर्ज टुडे 2011; 41ः 120-4.

345. गोगिया ए, शर्मा ए, रैना वी, गुप्ता आर. परिएपिज्म एस एन इंनिशियल प्रेजेंटेशन ऑफ क्रॉनिक लिम्फोकायटिक ल्युकेमिया। ल्युक लिम्फोमा 2012; 53: 1638-9.

346. गोगिया ए, शर्मा ए, रैना वी, कुमार एल, विष्णुभाटला एस, गुपता आर, एट अल. एसेसमेंट ऑफ 285 केस ऑफ क्रॉनिक लिम्फोकायटिक ल्युकेमिया सीन एट सिंगल लार्ज टेर्टियरी सेंटर इन नॉदर्न इंडिया। लेयूक लिम्फोमा 2012; 53: 1961-5.

347. गोस्वामी आर, शर्मा आर, श्रीनिवास वी, गुपता एन, गणपति ए, दास एस. प्रीवलेंस एंड प्रोगेशन ऑफ बसल गांग्यिल कैलसिकेशन एंड इटस पैथोजेनिक मैकेनिज्म इन पेशेंट्स विद् आडियोपैथिक हायपोपैराथ्योराइडिज्म। क्लिन एंडोक्राइनोल (ऑक्स) 2012; 77: 200-6.

348. गोयल ए, शर्मा आर, भल्ला ए एस, गमनगट्टी एस, सेठ ए, अय्यर वी के, एट अल. डिफ्यूजन - वेटेज एमआरआई इन रीनल सेल कार्सिनोमा : ए सोरोगेट मार्कर फॉर प्रीडक्टींग न्यूकिलर ग्रेड एंड हिस्टोलॉजिकल सबटाइप। एक्टा रेडियोल 2012; 53: 349-58.

349. गोयल के, चतुर्वेदी ए, प्रभाकर एच, फैक्टर्स एफेटिंग द आउटकम ऑफ पेशेंट्स अंडरगोइंग कोरिएकटीव सर्जरी फॉर क्रानियोसायनोस्टोसिस : ए रेट्रोस्पेक्टीव एनालयसिस ऑफ 95 केस। न्यूरोल इंडिया 2011; 59: 823-8.

350. गोयल एन, कक्कड़े ए, सरकार सी, अग्रवाल डी. डोज बॉन हायपरस्टोसिस इन इंट्राक्रानियल मेनिंगियोमा सिगनिफाय ट्यूमर इवेंशन? ए रेडियो - पैथोलॉजिक स्टडी। न्यूरोल इंडिया 2012; 60: 50-4.

351. गोयल आर, कुमार ए, पांडा एस के, पॉल एस बी, आचार्य एस के. रिबाविरिन थैरेपी फॉर हेपेटाइटिस ई वायरस - इंडुसड एक्यूट ऑन क्रॉनिक लिवर फैलियर : ए प्रीलिमिनरी रिपोर्ट। एंटीविर थेर 2012; 17: 1091-6.

352. गोयल एस, झांजी एस. ऑपियॉइड यूज इन परिसन पोपुलेशन एंड इट्स रिलेशनशिप टू क्राइम : ए रिव्यू। जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बेहव 2011; 16: 68-78.

353. गोयल एस एन, भारती एस, भाटिया जे, नाग टी सी, राय आर, आर्य डी एस. टेलमिर्स्टन, ए डुअल एआरबी / पार्शियल पीपीएआर-गामा एगोनिस्ट, प्रोटेक्ट्स मायोकार्डियम फ्रॉम आइस्केमिक रिपेरफ्यूजन इंजरी इन एक्सपेरिमेंटल डायबिटीज। डायबिटीज ऑब्जे मेटब 2011; 13: 533-41.

354. गोयल टी, नाग एच एल, त्रिपाठी एस के. डायनमाइजेशन ऑफ लॉकेड प्लाटिंग ऑन डिस्टल फेमुर फ्रेक्चर। आर्च ऑर्थोप ट्रॉमा सर्ज 2011; 131: 1331-2.

355. ग्रेडिशर डब्ल्यू जे, काकलामणि वी, साहू टी पी, लोकनाथ डी, रैना वी, बोंडारडे एस, एट अल. ए डबल-ब्लाइंड, रैडोमाइज्ड, प्लासेबो - कंट्रोल्ड, फेज 2बी स्टडी एवलुटिंग सोराफेनिब इन कम्बाइनेशन विद् पैकलिटेक्सील एज ए फास्ट - लाइन थैरेपी इन पेशेंट्स विद् एचईआर2 - नेगेटीव एडवांस ब्रेस्ट कैंसर। यूर जे कैंसर 2013; 49: 312-22.

356. ग्रेगोइरे वी, हैमोयर एम, चेन सी, केन एम, कैवकी ए, जुल्का पी के, एट अल. जेफिटिनिब प्लस सिप्लाटिन एंड रेडियोथैरेपी इन प्रीविसली अंट्रीटेड हैड एंड नीक स्कामास सेल कार्सिनोमा : ए फेज ।।, रैडोंमाइज्ड, डबल - ब्लाइंड, प्लासेबो - कंट्रोल्ड स्टडी। रेडियोथेर ऑन्कोल 2011; 100: 62-9.

357. गुलानी ए, भटनागर एस, सचदेव पी एच. नियोनेटल जिंक सप्लीमेंटेशन फॉर प्रीवेंशन ऑफ मार्टिलिटी एंड मोर्बिडिटी इन ब्रेस्टफीड लो बर्थ वेट इंफेंट्स : सिस्टेमेटक रिव्यू ऑफ रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स। इंडियन पीडियट 2011; 48: 111-7.

358. गुलाटी ए, बग्गा ए. मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट रिनल फैलियर इन द पीडियट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 718-25.

359. गुलाटी जी एस, गुप्ता ए, जुनेजा आर, सक्सेना ए. इक्टेटिक कोरोनरी अर्टेरीज इन नूनान सिंड्रोम। टेक्स्ट हार्ट इंस्ट जे 2011; 38: 318-9.

360. गुलाटी जी एस, कोठारी एस एस. डिफ्यूज इंफिल्ट्रटीव कार्डियक ट्यूबरकुलोसिस। एना पीडियट्र कार्डियोल 2011; 4: 87-9.

361. गुलाटी जी एस, राय के के, शर्मा एस. इमेजिंग इन कार्डियक ट्यूबरकुलोसिस। डायग्नोस्टिक इमेजिंग एशिया पैसिफिक 2012: 10-15.

362. गुलाटी जी एस, वर्मा एच, होते एम पी, सेठ एस, मोहंती एस, शर्मा एस, एट अल. कम्बाइंड रिट्रोग्रेड - एंटेग्रेड एप्रोच : ए नोवेल टेक्नीक फॉर एंडोट्रकीयल इंट्यूबेशन इन रेट्स। करं साइं 2011; 100: 1060-3.

363. गुलेरिया आर, कुमार जे. मैनेजमेंट ऑफ कम्युनिटी एक्वार्ड पनुयूमोनिया। जे एसो फिजिशियन्स इंडिया 2012; 60 (सप्ली) 21-4.

364. गुलेरिया एस, रेड्डी वी एस, बोरा जी एस, सागर आर, भौमिक डी, महाजन एस. द क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ वॉमैन वोलुंटीरिंग एज लाइव - रिलेटेड किडनी डोनर्स इन इंडिया। नटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 342-4.

365. गुलेरिया आर, कुमार जे. हाव डु आई मैनेज एक्यूट लांग इंफिलट्रटेस? पोस्टग्रेड मेड 2011: 25: 346-58.

366. गुंजियाल जे, थॉमस एस एम, गुप्ता ए के, शर्मा बी एस, मथुर पी, गुप्ता बी, एट अल. डेविस-एसोसिएटेड एंड मल्टीड्रग - रेसिस्टेंट इंफेक्शन्स इन क्रिटिकली इल ट्रॉमा पेशेंट्स : टूवर्ड डेवलपमेंट ऑफ ऑटोमेटेड सरवाइलेंस इन डेवलपिंग कंट्रीज। जे हॉस्प इंफेक्ट 2011; 77: 176-7.

367. गुप्ता ए, गुलाटी जी, सेठ एस, शर्मा एस. कार्डियक एमआरआई इन रिस्ट्रिक्टीव कार्डियोमायोपैथी। क्लिन रेडियोल 2012; 67: 95-105.
368. गुप्ता ए, कपिल ए, लोढ़ा आर, काबरा एस के, सूद एस, धवन बी, एट अल. बर्डन ऑफ हेल्थकेयर - एसोसिएटेड इंफेक्शन्स इन ए पीडियट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट ऑफ ए डेवलपिंग कंट्री : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरिएंस यूजिंग एक्टीव सरवाइलेंस। जे हॉस्प इंफेक्ट 2011; 78: 323-6.
369. गुप्ता ए, खैरा ए, रथी ओ पी, महाजन एस, भौमिक डी, अग्रवाल एस के, एट अल. डायरिया - रिलेटेड हेमोल्यटिक यूरेमिक सिंड्रोम : अनमाकिंग एंटीफैक्टर एच एंटीबॉडीज। साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल 2011; 22: 1017-8.
370. गुप्ता ए, कुमार एल. एवोलविंग रोल ऑफ हाई डोज स्टेम सेल थैरेपी इन मल्टीपल मायलोमा। इंडियन जे मेउ पीडियट्र ऑन्कोल 2011; 32: 17-24.
371. गुप्ता ए, लाल सी, भौमिक डी, डी नोवो मेम्ब्रानस नेफ्रोपैथी अफ्टर हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन। साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल 2011; 22: 1035-6.
372. गुप्ता ए, शर्मा पी, पटेल सी डी, महाजन एस, पांडे ए, कुमार आर, एट अल. साइज - डिपेंडेंट थ्रेशोलडिंग एज एन ऑप्टिमल मैथड फॉर ट्यूमर वॉल्यूम डिलिनेशन ऑफ पोजिट्रॉन इमिशन टोमोग्राफी-कंप्यूटेड टोमोग्राफी : ए फैंटम स्टडी। इंडियन जे न्यूक्ल मेड 2011; 26: 22-6.
373. गुप्ता ए, शुल्का जी, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, बिहारीएम. क्लिनिकल एंड पॉलीसोमनोग्राफिक कैरेटारस्टेस्टिक्स इन 20 नॉर्थ इंडियन पेशेंट्स विद् नरकोलेप्सी : ए सेवन - ईयर एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए न्यूरोलॉजी सर्विसेज स्लीप क्लिनिक। न्यूरोल इंडिया 2012; 60: 75-8.
374. गुप्ता ए, सिन्हा एन, लोगानी ए, शाह एन. एन एक्स विवो स्टडी टू एवलुएट द रिमिनिरालाइजेशन एंड एंटीमाक्रोबियल इफिसेसी ऑफ सिल्वर डिएमिन फ्लुरॉइड एंड ग्लास आयोनोमर सीमेंट टाइप 7 फॉर देयर प्रोपज्ड यूज एज इनडायरेक्ट पल्प कैपिंग मेटिरियल्स - पार्ट 1. जे कर्जेव डेंट 2011; 14: 113-6.
375. गुप्ता ए, तिवारी एस सी, खैरा ए, गुप्ता पी, भौमिक डी एम, महाजन एस. लाइफ साइकल ऑफ क्रॉनिक किडनी डिजीज पेशेंट्स। साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल 2011; 22: 564-5.
376. गुप्ता बी, अग्रवाल पी, डिसूजा एन, सोनी के डी. स्टार्ट टाइम डेली इन ऑपरेटिंग रूम : डिफरेंट परस्पेक्टीव्स। साउदी जे एनास्थ 2011; 5: 286-8.
377. गुप्ता बी, अग्रवाल पी, सोनी के डी, डिसूजा एन, फारूक के. एन अनयूजअल डिफरेंशियल फॉर ए प्लसलेस ट्रॉमा पेशेंट। जे इमर्जे ट्रॉमा शॉक 2012; 5: 95-6.
378. गुप्ता बी, अग्रवाल पी, सोनी के डी, डिसूजा एन, सिंह एस. फेसियल एंड स्पाइनल इम्पलीमेंट इंजरी : एन एयरवे चेलेंज। इंडियन जे क्राइट केयर मेड 2011; 15: 236-7.
379. गुप्ता बी, अग्रवाल पी, सोनी के डी, यादव वी, धकल आर, खुराना एस. एट अल. इंटेरल न्यूट्रिशन प्रैक्टिसेज इन द इंटेंसिव केयर यूनिटः अंडरस्टेंडिंग ऑफ नर्सिंग प्रैक्टिस एंड परस्पेक्टीव्स। जे एनास्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2012; 28: 41-4.
380. गुप्ता बी, डिसूजा एन, साहनी सी, फारूक के, कुमार ए, अग्रवाल पी, एट अल. एनालजिंग फैट एम्बोलिज्म सिंड्रोम इन ट्रॉमा पेशेंट्स एट एम्स एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, न्यू देल्ही, इंडिया। जे इमर्जे ट्रॉमा शॉक 2011; 4: 337-41.
381. गुप्ता बी, कौर एम, डिसूजा एन, डे सी के, शिंडे एस, कुमार ए, एट अल. केरेब्रल फैट एम्बोलिज्म : ए डायग्नोस्टीक चेलेंज। साउदी जे एनास्थ 2011; 5: 348-52.
382. गुप्ता बी, कौर एम, सिंह पी, फारूक के, रामचंदनी एस, सिंह सी. इंट्रोपेरेटीव एन्यूरियाः एन अनयूजअल एक्यूज। साउदी जे एनास्थ 2011; 5: 443-4.
383. गुप्ता सी, चापेकर टी, छाबरा वाई, सिंह पी, सिन्हा एस, लुथरा के. डिफरेंशियल रिपोंस टू सबस्टेंड स्टीमुलेशन बाय एचसीजी एंड एलएच ऑन गोट आवरियन ग्रानुलोजा सेल्स। इंडियन जे मेड रेजी 2012; 135: 331-40.
384. गुप्ता डी, मिश्रा ए, महापात्रा ए के. स्टडी ऑफ फैक्टर रिपोंसिबल फॉर मोर्टेयलिटी अमंगेस्ट चिल्ड्रन विद् क्रनियोस्पाइनल ट्रॉमा इन न्यूरोइंटेंसिव यूनिट। चाइल्ड नेर्व सिस्ट 2011; 27: 1817.
385. गुप्ता डी, रैना वी, रथ जी के, शुक्ला एन के, मोहंती बी के, शर्मा डी एन. क्लिनिकल एंड पैथोलॉजिकल रिस्पोंस रेट्स ऑफ डोसेटक्सील - बेस्ड नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी इन लोकल एडवांस ब्रेस्ट कैंसर एंड कम्पेरिजन विद् एंथ्रासायक्लाइन - बेस्ड कीमोथैरेपिज : एठ - ईयर एक्सपीरिएंस फ्रॉम सिंगल सेंटर। इंडियन जे कैंसर 2011; 48: 410-4.
386. गुप्ता डी के, अहमद एस, गर्ग के, महापात्रा ए के. रिग्रोथ ऑफ सेप्टल स्पुर इन स्पलिट कोर्ड मैलफॉर्मेशन। पीडियट्र न्यूरोसर्ज 2010; 46: 242-4.

387. गुप्ता जी, अग्रवाल एस, थुल्कर एस, शुक्ला बी, बक्शी एस. जेजुनल स्ट्रीक्चर : ए रेयर कॉम्प्लीकेशन ऑफ कीमोथैरेपी इन पीडियट्रिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बी-सेल नॉन - हॉड्गकिन लिम्फोमा। जे पीडियट्र हिमेटोल ऑन्कोल 2011; 33ः ई69-71.

388. गुप्ता जी, अली आर, खान ए ए, राव डी एन. एवल्युशन ऑफ सीडी4+/सीडी8+ टी-सेल एक्सप्रेशन एंड आईएफएन-गामा, पेर्फोरिन सिक्रेशन फॉर बी-टी कंस्ट्रक्ट्स ऑफ एफ1 एंड वी एंटीजन ऑफ येरसिनिया पेस्टीस। इंट इम्युनोफार्माकोल 2012; 12ः 64-73.

389. गुप्ता एल, भटनागर वी, गुप्ता ए के, कुमार आर. लॉन्ग - टर्म फॉलो - अप ऑफ पेशेंट्स विद् एसोफेगल रिप्लेसमेंट बाय रिवाइर्ज्ड गैस्ट्रीक ट्यूब। यूर जे पीडियट्र सर्ज 2011; 21ः 88-93.

390. गुप्ता एन, धवल वी, मित्तल एस. कम्बाइंड इंट्रापेरिटोनियल इंस्टीलेशन एंड पॉर्ट साइट इंफिलट्रेशन ऑफ लोकल एनास्थेटिक (बुपिवेक्सीन) फॉर पोस्टऑपरेटिव एनालजिसिया इन वॉमैन अंडरगोइंग डेकेयर डायग्नोस्टीक ग्यनोकोलॉजिकल लैप्रोस्कोपी। यूर जे ऑब्स्टेट ग्यनकोल रिप्रोड बायोल 2012; 161ः 109-10

391. गुप्ता एन, काबरा एम. लिम्ब / पेल्विस - हायपोप्लाजिया / अप्लासिया सिंड्रोम - फदर डिलाइनेशन ऑफ फेनोटाइप फेटल पीडियट्र पैथोल 2011; 30ः 355-8.

392. गुप्ता एन, कलाईवेणी एम, टंडन आर. कम्पेरिजन ऑफ प्रोग्नोस्टीक वेल्यू ऑफ रोपेर हॉल एंड डुअल क्लासिफिकेशन सिस्टम्स इन एक्यूट ऑक्यूलर बुनर्स। बीआर जे ऑफथेलमॉल 2011; 95ः 194-8.

393. गुप्ता एन, कुमार एन, जानी के के, कुमार पी, प्रोस्टेट स्क्रीनिंग : डिलेमा एक्सस्ट्स इन वैदर ट्रीटमेंट इज सकसेफुल इन रिडक्शन ऑफ मार्टिलिटी ऑर वॉचफुल वैटिंग एज अगेंस्ट द ब्लिसफुल आगनोरेंस (नॉट नॉविंग द प्रेजेंस ऑफ डिजीज)। लैटर टू एडिटर। ब्रे मेड जे 2011ः 342.

394. गुप्ता एन, गुप्ता पी, कुमार एन, किशोर जे, कुमार पी, जानी के के. ब्रेस्ट कैंसर डिटेक्शन इन अर्ली स्टेज कुड बी एलुसिव एंड इंकोंलुसिव टू बोथ मामोग्राफी एंड पालशनः ए केस रिपोर्ट। लैटर टू एडिटर। ब्र मेड जे 2011ः 340.

395. गुप्ता एन, रथ जी पी, बाला आर, रेड्डी बी के, चतुर्वेदी ए, एनेस्थेटिक मैनेजमेंट इन चिल्ड्रन विद् हुर्लर सिंड्रोम अंडरगोइंग इमर्जेंसी वेंट्रीकुलोपेरिटोनियम शांट सर्जरी। साउदी जे एनास्थ 2012; 6ः 178-80.

396. गुप्ता एन, रथ जी पी, महाजन सी, दुबे एस के, शर्मा एस. टेंशन पनुयामोवेंट्रिकल आफ्टर एक्सजन ऑफ थर्ड वेंट्रिकुलर ट्यूमर इन सिटिंग पॉजिशन। जे एनास्थेसियोल क्लिन फार्माकॉल 2011; 27ः 409-11.

397. गुप्ता एन, सचदेव आर, टंडन आर. ऑकुलर सरफेस स्कवामस नियोप्लसिया इन एक्सेरोडेर्मा पिगमेंटोजमः क्लिनिकल स्पेक्ट्रम एंड आउटकम। ग्रेफेस अर्च क्लिन एक्स्प ऑफ्थालमॉल 2011; 249ः 1217-21.

398. गुप्ता एन, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, रथी एस, कपूर आर, एट अल. ट्रीटमेंट ऑफ एक्यूट मायलॉयड ल्युकेमिया इन चिल्ड्रन : एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर हिमेटोलॉजी सेंटर इन इंडिया। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78ः 1211-5.

399. गुप्ता एन, शर्मा एम सी, रमन एम, काबरा एम. फैमिलियन प्रोग्रेसिव हायपरमेलनोसिस इन इंडियन मोनोजयगोटिक टवीन्स। पीडियट्र डर्मोटोल 2011; 28ः 62-5.

400. गुप्ता एन, शर्मा एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, कुमार एस, एट अल. रिटुक्सीमब इन स्टेरायड रिफ्रेक्टरी ऑटोइम्युन हिमेलयटिक एनिमिया। इंडियन जे पीडियट्र 2012; 79ः 803-5.

401. गुप्ता एन पी, सैनी ए के, डोगरा पी एन, सेठ ए, कुमार आर. बिपोलर एनर्जी फॉर ट्रांसयूरेथरल रिसेक्शन ऑफ ब्लैडर ट्यूमर्स एट लॉ-पावर सेटिंग्स : इनशियल एक्सपीरिएंस। बीजेयू इंट 2011; 108ः 553-6.

402. गुप्ता एन पी, सिंह पी, नय्यर आर. आउटकम्स ऑफ रोबोट - एसिस्टेड रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी इन मैन विद् प्रीवियज ट्रांससुरेथराल रिसेक्शन ऑफ प्रोस्टेट। बीजेयू इंट 2011; 108ः 1501.5.

403. गुप्ता पी, गोयल एस, शर्मा एस. क्रॉस्ड फुस्ड एक्टोपिया विद् मल्टीकायस्टीक रिनल डायसप्लासिया। ब्र जे यूरोल इंट 2012; bjui.org: डीओआईः 10.1002/बीजेयूआईडब्ल्यू-2011-100-वेब.

404. गुप्ता पी, गुलेरिया एस, मथुर एस आर, घोष आर. पोर्ट साइट ट्यूबरकुलोसिस : ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटेरचर। इंडियन जे ट्येबेर्क 2012; 59ः 32.5.

405. गुप्ता पी, गुलेरिया एस, शर्मा एस. मेडिएस्टीनल हिमटोमा : ए रेयर कम्प्लीकेशन फॉलोविंग इर्जेशन ऑफ सेंट्रल वेनोयस कैथेटर। इंडियन जे चेस्ट डिस अलाइड साइं 2011; 53ः 225-8.

406. गुप्ता पी, जगया एन, प्रभु एस बी, दुर्गापाल एच, आचार्य एस के, पांडा एस के. इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री फॉर द डायग्नोसिस ऑफ हिपेटाइटिस ई वायरस इंफेक्शन। जे वायरल हिपेट 2012; 19: ई177-83.

407. गुप्ता पी, जाना एम, हरि एस. अनकॉमन ब्रेस्ट मास। ऑमैन मेड जे 2011; 26: 374-5.

408. गुप्ता पी, कुमार एस, शर्मा आर, गदोदिया ए, रॉय के के, शर्मा जे बी. द रोल ऑफ मैग्नेटिक रिसोंनांस इमेजिंग इन फेटल रिनल एनामलियस। इंट जे ग्यनाकोल ऑब्स्टेट 2010; 111: 209-12.

409. गुप्ता पी, शर्मा आर, शर्मा एस के. एन अनयूजवल एक्यूज ऑफ हिमोप्टासिस इन ए यांग फीमेल। ओमन मेड जे 2011; 26: 457-8.

410. गुप्ता पी, शर्मा एस. ऑर्टनर्स सिंड्रोम सेकेंडरी टू अयोर्टिक एनिर्यज्म। एन एक्ट मेड सिंगापुर 2012; 41: 40-1.

411. गुप्ता आर, गणेशन पी, हकिम एम, वर्मा आर, शर्मा ए, कुमार एल. सिगनिफिकेंटली रिडुस्ड रेगुलेटरी टी सेल पोपुलेशन इन पेशेंट्स विद् अनट्रीटेड मल्टीपाल मायलोमा। लुक रेज 2011; 35: 874-8.

412. गुप्ता आर, गुप्ता आर, अग्रवाल ए, मिश्रा ए, गुप्ता एस, पांडे आर एम, एट अल. माइग्रेटिंग हसबैंड्स एंड चेंजिंग कार्डियावेस्कुल रिस्क फैक्टर्स इन द वाइफ : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी इन एशियन वॉमैन। जे एपिडेमियोल कम्युनिटी हेल्थ 2012; 66: 881-9.

413. गुप्ता आर, मिर्धा बी आर, गुलेरिया आर, अग्रवाल एस के, सामंतराय जे सी, कुमार एल, एट अल. जीनोटाइप वरिएशन ऑफ पनियमोकायटिस जिरोवेकाई आइसोलेट्स इन इंडिया बेस्ड ऑन सिक्वेंस डायवर्सिटी एट मिटोकोंड्रियल लार्ज सबनाइट आरएनए. इंट जे मेड माइक्रोबियल 2011; 301: 267-72.

414. गुप्ता आर, पांडे आर एम, मिश्रा ए, अग्रवाल ए, मिश्रा पी, डे एस, एट अल. हाई प्रीवलेंस एंड लो एवेरनेस ट्रीटमेंट एंड कंट्रोल ऑफ हायपरटेंशन इन एशियन इंडियन वॉमैन। जे ह्यू हायपरटेंस 2012; 26: 585-93.

415. गुप्ता आर, शर्मा ए, भौमिक डी, गुप्ता एस, अग्रवाल एस, गुप्ता आर एट अल. कोलैपसिंग ग्लोमेरेलोपैथी ऑक्यूरिंग इन एचआईवी - नेगेटिव पेशेंट्स विद् सिस्टेमिक लुपस एयरथेमटोसस : रिपोर्ट ऑफ थ्री केस एंड ब्रीफ रिव्यू ऑफ द लिटेरेचर। लैपस 2011; 20: 866-70.

416. गुप्ता आर, शर्मा ए, सिंह एस, डिंडा ए के. रूल - बेस्ड डिक्शन सपोर्ट सिस्टम इन द बायोप्सी डायग्नोसिस ऑफ ग्लोमेरुलर डिजीज। जे क्लिन पैथोल 2011; 64: 862-5.

417. गुप्ता आर, सिंह एल, शर्मा ए, बग्गा ए, अग्रवाल एस के, डिंडा ए के. क्रेसेंटिक ग्लोमेरुलोनफार्टिस : ए क्लिनिकल एंड हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल एनालसिस ऑफ 46 केस। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2011; 54: 497-500.

418. गुप्ता आर के, चौहान एस, त्यागी जे एस. के182जी सबस्टीट्शन इन डीईवीआर ऑर सी$_8$जी म्यूटेशन इन द डेव बॉक्स इम्पेयर प्रोटीन - डीएनए इंट्राक्शन एंड अब्रोगेट्स डीईवीआर - मेडिएटेड जीन इंडक्शन इन मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस। एफईबीएस जे 2011; 278: 2131-9.

419. गुप्ता एस, चंद्रशेखर बी एस, रेड्डी आर, जगदीश पी, अस्ती डी. रैपिड इंडक्शन ऑफ सक्शन ब्लिस्टर्स बाय इंट्रा-कैविटी पॉजिटीव प्रेशर एंहांसमेंट। डर्माटोल सर्ज 2011; 37: 843-5.

420. गुप्ता एस, शर्मा जे बी, हरि एस, कुमार एस, रॉय के के, सिंह एन. स्टडी ऑफ डायनमिक मैग्नेटिक रिसांस इमेजिंग इन डायग्नोसिस ऑफ पेल्विक ऑर्गन प्रोलेप्स। अर्च ग्यनोकॉल आब्स्टेट 2012; 286: 953-8.

421. गुप्ता एस, शर्मा वी के. स्टैडर्ड गाइडलाइन्स ऑफ केयर : केलॉयडस एंड हायपरट्रॉपिक स्कार्स। इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरियोल लैप्रोल 2011; 77: 94-100.

422. गुप्ता एस, श्रीवास्तव आर एम, टंडन आर, गोगिया वी, अग्रवाल पी, सतपति जी. रोल ऑफ वोरिकोनाजोल इन कम्बाइंड कैनथमोयबा एंड फंगल कोरनियल अल्सर। कंट लेंस एंटीरियर आई 2011; 34: 287-9.

423. गुप्ता एस. कंटेनियस एंड अस्थेटिक सर्जरी इन द न्यू मिलिनियम। जे क्यूटन अस्थेट सर्ज 2011; 4: 87-8.

424. गुप्ता एस के, सक्सेना ए, अनिल ओ एम, बिसोई ए के. थ्रोमबस इन राइट वेट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रक्टः यूनिक एक्यूज ऑफ रिफ्रेक्टरी कायनोकि स्पेल। कंजेनाइटल हार्ट डिस 2012; 7: ई56-8.

425. गुप्ता एस के, सक्सेना ए, गुलाटी जी एस. एवल्युशन ऑफ पल्मोनरी हायपरटेंशन इन ए चाइल्ड : रोल ऑफ कंप्यूटर टोमोग्राफी। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 1417-9.

426. गुप्ता एस के, सक्सेना ए, रामाकृष्णन एस, जुनेजा आर, देवगुरू वी. कम्प्लेट ट्रांसपॉजिशन ऑफ ग्रेट अर्टेरिज विद् कोर ट्रायट्रिटम : एन अनयूजअल कोइक्सीस्टेंस। पीडियट्र कार्डियोल 2012; 33: 1190-5.

427. गुप्ता एस के, सक्सेना ए, तलवार एस. क्रॉनिक कंस्ट्रीक्टीव पेरिकर्डिटिस : यूनिक एक्यूज ऑफ हार्ट फैलियर इन ए चाइल्ड विद् टेट्रालॉजी ऑफ फैलॉट। पीडियट्र कार्डियोल 2012; 33: 165-7.

428. गुप्ता एस के, सक्सेना ए. पल्स ऑक्सीमेट्री स्क्रीनिंग फॉर कंजेनाइटल हार्ट डिफेक्ट्स इन न्यूबॉर्न इंफेंट्स (पल्स ऑक्स) : ए टेस्ट एकुरेसी स्टडी। इंडियन हार्ट जे2012; 64: 110.

429. गुप्ता एस के, शर्मा एम, त्यागी एस, पति एच पी. ट्रांसफ्यूजन - इंडस्ड हिमोग्लोबिनोपैथी इन पेशेंट्स ऑफ बीटा-थलासेमिया मेजर। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2011; 54: 609-11.

430. गुप्ता टी, शाह एन, मथुर वी पी, धवन ए. ओरल हेल्थ स्टेट्स ऑफ ए ग्रूप ऑफ इलिकिट ड्रग यूजर्स इन देल्ही इंडिया। कम्युनिटी डेंट हेल्थ 2012; 29: 49.54.

431. गुप्ता वी, दत्ता पी, ओव एम, कपूर के एस, सिहोता आर, कुमार जी. इफेक्ट ऑफ ग्लुकोमा ऑन द क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ यांग पेशेंट्स। इनवेस्ट ऑफ्थलमॉल विस साइं 2011; 52: 8433-7.

432. गुप्ता वी, गुप्ता एस, धवन एम, शर्मा ए, कपूर के एस, सिहोता आर. एक्सटेंट ऑफ एजमेट्री एंड यूनिलेटेरालिटी अमंग जुवेनिल ऑनसेट प्राइमरी ऑपन एंगल ग्लुकोमा पेशेंट्स। क्लिन एक्सपेरिमेंट ऑफ्थालमॉल 2011; 39: 633-8.

433. गुप्ता वी, ओव एम, राव ए, शर्मा ए, सिहोता आर. लॉन्ग - टर्म स्ट्रेक्चरल एंड फंक्शनल आउटकम्स ऑफ थैरेपी इन जुवेनिल - ऑनसेट प्राइमरी ओपन - एंगल ग्लुकोमा : ए फाइव - ईयर फॉलो - अप। ऑफ्थालमोलॉजिक 2012; 228: 19-25.

434. गुप्ता वी, यादव टी पी, पांडे आर एम, सिंह ए, गुप्ता एम, कनौजिया पी, एट अल. रिस्क फैक्टर्स ऑफ डेंगू शॉक सिंड्रोम इन चिल्ड्रन। जे ट्रॉप पीडियट्र 2011; 57: 451-6.

435. गुप्ता वाई के, पेशिन एस एस. डू हर्बल मेडिसिन्स हेव पोटेशियल फॉर मैनेजिंग स्नेक बाइट एंवेनोमेशन? टॉक्सीकॉल इंट 2012; 19: 89-99.

436. गुरेजे ओ, ओलेडेजी बी, ह्वांग आई, चिऊ डब्ल्यू टी, केसलर आर सी, सैम्पसन एन ए, एट अल. पैरेंटल साइकोपैथोलॉजी एंड द रिस्क ऑफ सुसाइडल बिहेवियर इन देयर ऑफस्प्रिंग : रिजल्ट्स फ्रॉम द वर्ल्ड मेंटल हेल्थ सर्वेस। मॉल साइकट्री 2011; 16: 1221-33.

437. गुरनानी एन, श्रीवास्तव ए. मॉस्ट ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग ट्रायल हेव ए फ्लावेड डिजाइन। इंडियन जे सर्ज 2011; 73: 419-22.

438. हड्डा वी, खिलानी जी सी, कुमार ए डिंडा ए के. नोडुलर प्लेराल थिकेनिंग इन ए यांग वॉमैन। बीएमजे. 2011; 343: डी3758.

439. हाडी आर, मोहंती बी के, पथी एस, शुक्ला एन के, देव एस वी, शर्मा ए, एट अल. डिजीज प्रोफाइल एंड ट्रीटमेंट रिजल्ट्स ऑफ एनाल केनल एससीसी : एक्सपीरिएंस फ्रॉम एम्स, न्यू देल्ही। गल्फ जे ऑन्कोलॉग 2011; 1: 27-32.

440. हग्गर ए, नेरलिच ए, कुमार आर, अब्रहम वी जे, ब्रहमदथन के एन, रे पी, एट अल. क्लिनिकल एंड माइक्रोबायोलॉजिक कैरेक्टरस्टीक्स ऑफ इनवेसिव स्ट्रेप्टोकोकस प्योजीनस इंफेक्शन्स इन नॉर्थ एंड साउथ इंडियन जे क्लिन माइक्रोबायोल 2012; 50: 1626-31.

441. हघीघी आर आर, चटर्जी एस, व्यास ए, कुमार पी, थुल्कर एस. एक्स-रे एटेन्यूशन कोइफिसिएंट ऑफ मिक्सट्र्स : इनपुट्स फॉर डुअल - एनर्जी सीटी. मेड फिजि 2011; 38: 5270-9.

442. हल्दर एस, बोस एम, चक्रबती पी, दागिनवाला एच एफ, हरिनाथ बी सी, कश्याप आर एस, एट अल. इम्प्रोव्ड लैब्रोटरी डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस - द इंडियन एक्सपीरिएंस। ट्यूबरकुलोसिस (ईडनिब) 2011; 91: 414-26.

443. हल्दर ए, जैन एम, चौधरी आई, वर्मा बी. क्रोमोसोम 22क्यू11.2 माइक्रोडिलेशन इन मोनोज्यगोटिक ट्वीन्स विद् डिसकोर्डेंट फेनोटाइप एंड डिलेशन साइज। मॉल कायटोजेनेट 2012; 5: 13.

444. हरि पी, बग्गा ए. कॉ-एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ अल्बुमिन एंड फॉरोसेमाइड इन पेशेंट्स विद् द नेफ्रोटिक सिंड्रोम। साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ला 2012; 23: 371.2 लेखक उत्तर 372-3.

445. हरि पी, सिन्हा ए. हायपरटेंसिव इमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 569-75.

446. हरिप्रसाद जी, कुमार एम, श्रीनिवासन ए, कौर पी, सिंह टी पी, जितेश ओ. स्ट्रक्चरल एनालसिस ऑफ ए ग्रूप III ग्लु62-फोस्फोलिपस ए2 फ्रॉम द स्कोर्पियन, मेसोबुथस टमुलुस : ट्रगेटिंग एंड रिवर्जिबल इहैबिशन बाय नेटीव पेप्टाइडस। इंट जे बायोल माक्रोमॉल 2011; 48: 423-31.

447. हर्षवधन आर, आर्य एस के, सिंह आई बी, गुप्ता एस के. एन एप्रोच टू जेरिट्रिक हेल्थ केयर सेंटर प्लानिंग। जे इंडियन एकैड जेरियट्रिक्स 2012; 8: 4.

448. होई ई टी, गुलाटी जी एस, गणेशन ए, वाटकिन आर डब्ल्यू, सिम्पजन एच, शर्मा एस. कार्डियोवेस्कुलर एमआरआई फॉर एसेसमेंट ऑफ इंफेक्शस एंड इंफ्लैमेटोरी कंशिन्स ऑफ द हार्ट। एजेआर एम जे रोएंटजिनोल 2011; 197: 103-12.

449. होई ई टी, गुलाटी जी एस, सिंह एस, वाटकीन आर डब्ल्यू, नजीर एस, गणेशन ए, एट अल. द रोल ऑफ मल्टी - मॉडिलिटी इमेजिंग फॉर सिन्स ऑफ वैलसल्व एन्यूरिज्म। इंट जे कार्डियोवेस्क इमेजिंग 2012; 28: 1725-38.

450. हॉलेनबैक जे ए, मैक एस जे, गौराउद पी ए, सिंगल आर एम, माइयर्स एम, मिडलेटोन डी, एट अल. ए कम्युनिटी स्टैंडर्ड फॉर इम्युनोजेनोमिक डेटा रिपोर्टिंग एंड एनालसिस : प्रोपोजल फॉर ए स्ट्रेनथेनिंग द रिर्पोटिंग ऑफ इम्युनोजेनोमिक स्टडीज स्टेटमेंट। टिशू एंटीजन्स 2011; 78: 333-44.

451. होते एम पी, गर्ग एस, चौधरी एम, राघु एम जी. ओपन वर्टिकल वेन इन नॉन-ऑब्स्ट्रेटेड सुपरकार्डियक टीएपीवीसीः मेरिट्स एंड फैट। एशियन कार्डियोवेस्क थोरक एना 2012; 20: 114-9.

452. हुफमैन एम डी, प्रभाकरन डी, ऑस्मांड सी, फॉल सी एच, टंडन एन, लक्ष्मी आर, एट अल. इंसिडेंस ऑफ कार्डियोवेस्कुलर रिस्क फैक्टर्स इन एन इंडियन अर्बन कोहार्ट रिजल्ट्स फ्रॉम द न्यू देल्ही बर्थ कोहार्ट। जे एम कोल कार्डियोल 2011; 57: 1765-74.

453. इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च टास्क फोर्स। एसेसमेंट ऑफ इफेक्ट्स ऑन हेल्थ डु टू कंजम्पशन ऑफ बिटर बॉटल गोर्उ (लैजेनरिया साइकेरिया) जूस। इंडियन जे मेड रेज 2012; 135: 49-55.

454. इंडियन डायबेटिस कंर्जोटियम इंडिको : द डेवलपमेंट ऑफ ए रिसोर्स फॉर एपिजेनोमिक स्टडी ऑफ इंडियन्स अंडरगोइंग सोशियोइकानोमिक ट्रांजिशन। हुगो जे 2011; 5: 65-9.

455. इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियट्रिक नैफ्रोलॉजी, विजयकुमार एम, कांतिकर एम, नमालवर बी आर, बग्गा ए. रिवाइज्ड स्टेटमेंट ऑन मैनेजमेंट ऑफ यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन्स। इंडियन पीडियट्र 2011; 48: 709-17.

456. इंदु बी, अरविंद चतुर्वेदी. वट यॉर कोलुगस सेज ... बेसिक एनेस्थेटिक कंसिडरेशन्स इन न्यूरोसर्जरी। इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1: 66-71.

457. जैकयरी आर, सिंह जी, जैन एस, जैनुअल अबिद सी के वी, सिंह एच. बायोकंजुगेटेड क्वांटम डॉट्स बेस्उ रैपिड डिटेक्शन ऑफ पैथोजेनिक बैक्टीरियम फ्रॉम वॉटर स्पलाई। इंट जे नैनोसाइं 2011; 10: 199-203.

458. जैकयरी आर, जैनुअल अबिद सी के वी, सिंह जी, जैन एस, चट्टोपाध्याय एस, सपराब एस, एट अल.ए सिलेक्टीव कैप्चरिंग एंड डिटेक्शन ऑफ सलमोनेला टायफी ऑन पॉलीकार्बोनेट मेम्ब्रन यूजिंग बायोकंजुगेटेड क्वांटम डॉट्स. टेलेंट 2011; 84: 952-62.

459. जगन्नाथन एस, गमनगट्टी एस, गोयल ए. म्यूस्कुलोकेलेटल मैनीफेस्टेशन्स ऑफ हिमोफिलियाः इमेजिंग फीक्चर्स। करं प्रोब्ल डायग्न रेडियोल 2011; 40: 191-7.

460. जगन्नाथन एस, गोयल ए, गदोदिया ए, रस्तोगी एम, मित्तल आर, गमनगट्टी एस. स्पेक्ट्रम ऑफ सायनोवियल पैथोलॉजीः ए पिक्टोरियल एजी। करंट प्रोब्ल डायग्न रेडियोल 2012; 41: 30-42.

461. जगन्नाथन एन आर, भुजवाल जे एम. ट्यूमर माइक्रोएनावार्यमेंट इन कैंसर ट्रीटमेंट एंड मेटास्टेसिस। एनएमआर बायोमेड 2011; 24: 559-60.

462. जगन्नाथन एन आर. ब्रेस्ट टिशू कैरेटाराइजेशन बाय इन विवो मैग्नेटिक रिसोनांस स्पेक्ट्रोस्कोपी (एमआरएस)। स्पेक्ट्रोस्कोपी 2011; 25: 251-60.

463. जैन ए, शर्मा एम सी, सरकार सी, भाटिया आर, सिंह एस, गुलाटी एस, एट अल. डिटेक्शन ऑफ द मेम्ब्रन अटैक कॉप्लेक्स एज ए डायनोस्टीक टूल इन डर्माटोमायोसाटिस। एक्टा न्यूरोल स्कैंड 2011; 123: 122-9.

464. जैन पी, रमेश के, मोहमद ए, कुमार ए, गुलाटी एस. टीचिंग न्यूरोइमेजेस : डिस्टीनेक्ट न्यूरोइमेजिंग फिक्चर्स ऑफ फ्यूकोसिडोसिस। न्यूरोलॉजी 2012; 78: ई33.

465. जैन पी, योगनाथन एस, शर्मा एस, मोटवानी जे, कुमार ए, काबरा एम, एट अल. कंजेनाइटल थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोकायटोपेनिक पोरपर एसोसिएटेड विद् मोयामोया सिंड्रोम इन ए 3-ईयर - ओल्ड गर्लः ए केस रिपोर्ट। जे चाइल्ड न्यूरोल 2012; 27: 1331-5.

466. जैन आर, बल्हारा वाई पी, झंजी एस, सेठ एच. कंकोर्डेंस बीटवीन यूरिनरी कोटिनाइन लेवल्स एंड सेल्फ - रिपोर्टेड टोबेको यूज अमंग ड्रग - डिपेंडेंट पर्सनः ए पायलट स्टडी। सबस्ट एब्यूज 2012; 33: 99-102.

467. जैन आर, पटनायक आर डी. पैटर्न को कंसेक्यूटीव यूरिनालयसिस रिजल्ट्स फॉर ओपियॉइड डिपेंडेंट पेशेंट्स ऑन डिक्स्ट्रोप्रोपोक्सीफेनः डू पेशेंट्स कम्पली? एडिक्टीव डिऑर्ड देयर ट्रीट 2011; 10: 180-90.

468. जैन एस, दास जे, पति एच पी. ट्रांसफ्यूजन एसोसिएटेड पीक इन एचबी एचपीएलसी क्रोमोटोजर्म - ए केस रिपोर्ट मेडिटेर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस 2012; 4: ई2012006.

469. जैन एस, शर्मा एम, जसमिता, त्यागी एस. कॉमन पैरासाइट विद् अनकॉमन एसोसिएटशन्स। मेडिटर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस 2011; 3: ई2011015.

470. जैन एस बी, विज एन, नागपाल एस जे, मिश्रा एन, वाजपेयी एम, गुलेरिया आर, एट अल. एवल्युशन ऑफ द करंट मैनेजमेंट प्रोटोकॉल्स फॉर प्रोफायलक्सीस अगेंस्ट नियोमोकायस्टीस जिरोवेसी निमोनिया एंड अदर ऑर्प्टनिस्टीक इंफेक्शन्स इन पेशेंट्स लिविंग विद् एचआईवी / एड्स। एड्स केयर. 2011; 23: 846-50.

471. जैन वी, अग्रवाल एस, भटनागर वी, गुप्ता ए के, कुमार आर, बाल सी एस. लॉन्ग टर्म आउटकम ऑफ मैनेजमेंट ऑफ एंटेनटली डायग्नोज्ड पेल्वी - यूरेटेरिक जंक्शन आब्स्ट्रक्शन। इंडियन जे पीडियट्र 2012; 79: 769-73.

472. जैन वी, चेन एम. हायपरएंड्रोजेनिज्म इन ए सेट ऑफ ट्रिप्लेट्स विद् मॉडिफिकेशन ऑफ क्लिनिकल कोर्स बाय हायपरथायरोडिज्म। जे पीडियट्र एंडोक्राइनोल मेटाब 2011; 24: 1055-7.

473. जैन वी, गुप्ता एन, कलाईवेणी एम, जैन ए, सिन्हा ए, अग्रवाल आर. विटामिन डी डिफिसिएंसी इन हेल्थी ब्रेस्टफीड टर्म इंफैंट्स एट 3 मंथस एंड देयर मादर्स इन इंडियाः सीजनल वरिएशन एंड डिटर्मिनेंट्स। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 133: 267-73.

474. जैन वी, कानन एल, कुमार पी. कंजेनाइटल हायपोपिट्टरिज्म प्रेजेटिंग एज डिलेटेड कार्डियोमायोपैथी इन ए चाइल्ड। जे पीडियट्र एंडोक्राइनोल मेटाब 2011; 24: 767-9.

475. जैन वी, मोथुर वी पी, कुमार ए. ए प्रीलिमिनरी स्टडी टू फाइंड ए पोजिबल एसोसिएशन बीटवीन ओकुजल वेयर एंड मैक्समम बाइट फोर्स इन ह्यूमन्स। एक्टा ओडोनटोल स्कैड 2013; 71: 96-101.

476. जैन वी, मेथेरल एल ए, डेविड ए, शर्मा आर, शर्मा पी के, क्लार्क ए जे, एट अल. नियोनेटल प्रेजेंटेशन ऑफ फैमिलियल ग्लुकोकार्टिकॉयड डिफिसिएंसी रिल्टजिंग फ्रॉम ए नोवेल स्पलिक म्यूटेशन इन द मलानोकार्टिन 2 रिसेप्टर एसेसरी प्रोटीन। यूर जे एंडोक्राइनोल 2011; 165: 987-91.

477. जैन वी, रथ जी पी, दास एच एच, बिठाल पी के, चौहान आर एस, सूरी ए. स्टेलेट गैंग्लियोन ब्लॉक फॉर ट्रीटमेंट आूफ केरेब्रल वेसोस्पैज्म इन पेशेंट्स विद् न्यूरिज्मल सबरक्नोइड मोरफिज - ए प्रीलिमिनरी स्टडी। जे एनास्थेसियोल क्लिन फार्माकॉल 2011; 27: 516-21.

478. जैन वी सोखल एन, रथ जी पी, गोयल के. ट्रेकियल इंटुबेशन विद नासल स्पेकुलुम इन सिट्। साउदी जे एनास्थ 2011; 5: 440-1.

479. जयसवाल ए, तबस्सुम आर, पोदर ए, घोष एस, टंडन एन, भारद्वाज डी. इलेवटेड लेवल ऑफ सी-रिएक्टीव प्रोटीन इन एसोसिएटेड विद् रिस्क ऑफ प्रीडायबिटीज इन इंडियन्स। एथेरोस्क्लेरोसिस 2012; 222: 495-501.

480. जयसवाल ए के, आदर्श के, मिश्रा एस. डिटेक्शन ऑफ बुटेक्लर इन विस्केरा बाय थिन लेयर क्रोमोटोग्राफी। जे इंडियन सोश टॉक्सीकॉल 2011: 7: 38-40.

481. जयसवाल ए के, कौशल पी, धर पी, मिलो टी, मूर्ति ओ पी. माइक्रोवेव डिगेस्टर एंड इटस फारेंसिक एप्लीकेशन - ए रिव्यू। जे फॉरेंसिक मेड टॉक्सीकोल 2011; 28: 65-73.

482. जयसवाल ए के, कुमार ए, मिश्रा एस. डिटेक्शन ऑफ बुटेक्लर इन विस्केरा बाय थिन लेयर क्रोमोटोग्राफी। जे इंडियन सोश टॉक्सीकॉल 2011; 7: 38-40.

483. जायसवाल ए के, मोहिनेश, जय राज, लाल एन. प्रेर्जेवेशन ऑफ बायोलॉजिकल स्पाइसमैन्स फॉर टॉक्सीकोलॉजिकल एनालयसिस इन मेडिको - लीगल ऑटोप्सी केस : ए रिव्यू। जे इंस्ट कैमिस्ट 2011; 83: 93-6.

484. जायसवाल ए के, शर्मा के, लुकोसा एस, मिलो टी, मूर्ति ओ पी. टॉक्सीकोलॉजी मैनुअल सीरिज -XVI, स्क्रीनिंग / स्पॉट टेस्ट ऑफ बर्बिट्यूरेट्स। आईजेएमटीएलएम 2011; 14: 84-8.

485. जायसवाल ए के, शर्मा के, लुकोसा एस, मिलो टी, मूर्ति ओ पी. टॉक्सीकोलॉजी मैनुअल सीरिज -XIV, स्क्रीनिंग / स्पॉट टेस्ट ऑफ एल्कालॉयड्स। आईजेएमटीएलएम 2011; 13: 68-74.

486. जायसवाल ए के, शर्मा के, लुकोसा एस, मिलो टी, मूर्ति ओ पी. टॉक्सीकोलॉजी मैनुअल सीरिज -XV, स्क्रीनिंग / स्पॉट टेस्ट ऑफ ट्रांक्वालाइजर्स। आईजेएमटीएलएम 2011; 13: 30-9.

487. जायसवाल ए के, शर्मा के, पॉल आर, लुकोसा एस, मिलो टी, मूर्ति ओ पी. टॉक्सीकोलॉजी मैनुअल सीरिज -XVII, स्क्रीनिंग / स्पॉट टेस्ट ऑफ पार्टी ड्रग। आईजेएमटीएलएम 2011; 14: 68-74.

488. जायसवाल एम, डिंडा ए के, कौल वी. सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ सेमी - इंटरपेनेट्राटिंग पॉलीमेरिक नेटवर्क (सेमी-आईपीएन) ऑफ पॉली - (अर्यालिक एसिड - हेमा) / गेलटीन फॉर ड्रग रिलीज एप्लीकेशन। जे बायोमेटिरियल्स एप्ली 2011 डीओआईः 10.1177/0885328211428524.

489. जायसवाल एम, कौल वी, डिंडा ए के, मोहंती एस, जैन के जी. सेल एडहेशन एंड प्रोलिफेरेशन स्टडीज ऑन सेमी-इंटरपेनेट्राटिंग पॉलीमेरिक नेटवर्क (सेमी-आईपीएन) ऑफ पॉलीएरिलैमाइड एंड ग्लेटिन। जे बायोमेड मैटर रेज बी एप्ली बायोमैटर 2011; 98बीः 342-50.

490. जायसवाल एस, जयसवाल ए के, पॉल एल, बिहारी एस, महापात्रा ए के. न्यूरोइंटेरिक कायस्ट इन द रिजन ऑफ कंजूमेडुलरिस। पैन अर्ब जे न्यूरोसर्ज 2011; 15: 80-2.

491. जालान डी, गर्ग बी, मैरिमुतु के, कोतवाल पी, जाइंट लिपोमा : एन अनयूजअल एक्यूज ऑफ कार्पल ट्यूनल सिंड्रोम। पेन अर्फ मेड जे 2011; 9: 29.

492. जमशेद एन, भसीन ए, एक्का एम, अग्रवाल पी. यांग मैन विद् स्कीन डिसकोलोरेशन। एक्यूट रेडिएशन सिंड्रोम एक्यूज्ड बाय एक्सपोजर टू रेडियोएक्टीव कोबल्ट। एना इमर्जे मेड 2011; 58: 395-406.

493. जाना एम, गमनगट्टी एस, कुमार ए. एक्स्ट्रपेरिटोनियल ब्लैडर रिप्यूटर कॉम्यूनिकेटिंग विद् द हिप जोइंट। जे ट्रॉमा 2011; 70: 1576.

494. जाना एम, गामनगट्टी एस, कुमार आर, अग्रवाल एस. पेल्विक न्यूरोफाइब्रोमा एरिसाइन फ्रॉम प्रोस्टेट इन ए केस ऑफ न्यूरोफाइब्रोमोटोसिस-1. इंडियन जे यूरोल 2011; 27: 415-7.

495. जाना एम, गामनगट्टी एस, मुकुंद ए, पॉल एस, गुप्ता पी, गर्ग पी, एट अल. एंडोवेस्कुलर मैनेजमेंट इन एब्डोमिनल विस्केरल अर्टेरियल एन्यूरिज्मः ए पिक्टोरियल इजी। वर्ल्ड जे रेडियोल 2011; 3: 182-7.

496. जाना एम, गामनगट्टी एस. मैग्नेटिक रिसोनांस इमेजिंग इन ग्लेनोह्यूमेरल इंस्टाबिलिटी। वर्ल्ड जे रेडियोल 2011; 3: 224-32.

497. जाना एम, गामनगट्टी एस आर, कुमार ए, मिश्रा बी. ट्रॉमेटिक एसोफेगो - ब्रोनकोप्लेयूरल फिस्टुला - सीटी फाइंडिंग एंड ट्रीटमेंट यूजिंग ग्लू: ए प्रोसेडुर नॉट सो कॉमनली पेर्फोमेंड। लॉन्ग इंडिया 2011; 28: 303-5.

498. जाना एम, हरि एस. एक्यूट एपेडिसिटीज कॉम्प्लीकेटेड बाय सेप्टीक मेसेंटेरिक वेन थ्रोम्बोफ्लेबिटीज इन एन एडल्ट। इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल 2011; 30: 244.

499. जाना एम, हरि एस. ट्रॉमेटिक डायफर्गमेटिक रिप्यूटर कॉम्प्लीकेटेड बाय इंटरकोस्टल ट्यूब इंर्जेशन इनटू द स्टामक। सर्जरी 2011; 150: 570-1.

500. जाना एम, श्रीवास्तव डी एन, शर्मा आर, गामनगट्टी एस, नाग एच मित्तल आर, एट अल. स्पेक्ट्रम ऑफ मैग्नेटिक रिसोनांस इमेजिंग फाइंडिंग्स इन क्लिनिकल ग्लेनोह्मेरल इंस्टेबिलिटी। इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग 2011; 21: 98-106.

501. जाना आर, रॉय टी एस. वरिएंट इंर्जेशन ऑफ द फाइबुलेरिस टेर्टियस मस्कल इज एन एविडेंस ऑफ द प्रोग्रेसिव एवालुशनरी एडप्टशन फॉर द बिपीडल गाइट। क्लिन प्रैक्ट 2011; 1: 169-71.

502. जट के आर, लोढा आर, काबरा एस के. अर्थमियस इन चिल्ड्रन। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 211-18.

503. जावेद ए, पाल एस, अहुजा वी, रमन एम, सुब्बाराव के सी, साहनी पी, एट अल. मैनेजमेंट ऑफ पेरिस्टोमल पयोडर्मा गैंग्रेनोज्म - टू डिफरेंट एप्रोचेस फॉर द सम क्लिनिकल प्रोब्लम। ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल 2011; 32: 153-6.

504. जावेद ए, पाल एस, चट्टोपाध्याय टी के. कायलोलिम्फेटिक कयस्ट्स ऑफ द मेसेंटेरी। ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल 2011; 32: 219-21.

505. जावेद ए, पाल एस, दास एन आर, अहुजा वी, मोहंती बी के, विष्णुभाटला एस, एट अल. पैलिएटीव स्टेंटिंग विद् ऑर विदआउट रेडियोथैरेपी फॉर इनयोपेरबल एसोफेगल कार्सिनोमा : ए रैंडोमाइज्ड ट्रायल। जे गैस्ट्रोइंटेस्ट कैंसर 2012; 43: 63-9.

506. जावेद ए, पाल एस, दास एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के. आउटकम फॉलोविंग सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ कॉरोसिव स्ट्रेक्चर्स ऑफ द एसोफेगस। एना सर्ज 2011; 254: 62-6.

507. जयराज पी, सेन एस, शर्मा ए, चोसडोल के, कश्यप एस, राय ए, एट अल. एपिजेनेटिक इंएक्टीवेशन ऑफ द ईकैथेरिन जीन इन आईलाइड सेबैसेयस ग्लैंड कार्सिनोमा। ब्र जे डर्माटोल 2012; 167: 583-90

508. जीमोन पी, प्रभाकरन डी, हुफमैन एम डी, रामकृष्णन एल, गोयनका एस. थानकपान के आर, एट अल. डिस्ट्रीबुशन ऑफ 10-ईयर एंड लाइफटाइम प्रीडिक्टेड रिस्क फॉर कार्डियोवेस्कुलर डिजीज इन द इंडियन सेटिंनेल सारवाइलेंस स्टडी पोपुलेशन (क्रॉस - सेक्शनल सर्वे रिजल्ट्स) बीएमजे ओपन 2011; 1: ई000068.

509. झा डी, देव एस वी एस, शुक्ला एन के, खन्ना पी, रमननाथ पी, डोज 'पीडीओ- डर्जेव टी4बी स्टेट्स इन अर्ली ब्रेस्ट कैंसर? यू जे कैंसर 2012; 48 (सप्ली 1): एस112.

510. झा पी, झा पी, पाठक पी, चोसडोल के, सूरी वी, शर्मा एम सी, एट अल. टीपी53 पॉलीमॉर्फिज्म इन ग्लियोमास फ्रॉम इंडियन पेशेंट्स : स्टडी ऑफ कोडोन 72 जीनोटाइप, आरएस1642785ए आरएस1800370 एंड 16 बेस पेयर इंर्जेशन इन इंट्रोन-3. एक्स्प मॉल पैथोल 2011; 90: 167-72.

511. झा पी, सूरी वी, शर्मा वी, सिंह जी, शर्मा एम सी, पाठक पी, एट अल. आईडीएच1 म्यूटेशन्स इन ग्लियोमासः फार्स्ट सीरिज फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर सेंटर इन इंडिया विद् कॉम्प्रीहांसिव रिव्यू ऑफ लिटरेचर। एक्स्प मॉल पैथोल 2011; 91: 385-93.
512. झा पी, सूरी वी, सिंह जी, झा पी, पुरकैत एस, पाठक पी. एट अल. कैरक्टेराइजेशन ऑफ मॉलीकुलर जेनेटिक अल्टेरेशन्स इन जीबीएम हाईलाइट्स ए डिस्टींक्टीव मॉलीकुलर प्रोफाइल इन यांग एडल्ट्स। डायग्न मॉल पैथोल 2011; 20: 225-32.
513. झांजी एस, लाल टी, मंडल ए, जैन के. हिरोइन - डिपेंडेंट फैमिली : ए बायोसाइकोसोशियल कंटेस्क्ट। सबस्ट एबुज 2011; 32: 157-8.
514. झांजी एस, सेठी एच. टोबको यूज इन ड्रग डिपेंडेंट पेशेंट्सः एन ईवन ग्रेटर डिलेमा। इंडियन जे मेड स्पेसियलिटीज 2011; 2: 165-6.
515. झांजी एस. प्रोवाइडिंग ड्रग एब्यूज ट्रीटमेंट इन प्रीसनः ए कॉल फॉर एक्शन। एशियन जे साइकेट्री 2012; 5: 114-5.
516. झांजी वी, कॉन्स्टेटिनो एम, बेल्ट्ज जे, वाजपेयी आर बी. एवल्युशन ऑफ पोस्टेरियर वोंड प्रोफाइल आफ्टर पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी यूजिंग एंटेरियर सेगमेंट ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी। कोरनिया 2011; 30: 277-80.
517. झांजी वी, नैथनी पी, लैमोरेक्स ई, अग्रवाल टी, शर्मा एन, वाजपेयी आर बी. इम्युनाइजेशन एंड न्यूट्रिशनल प्रोफाइल ऑफ केस विद् अट्रायूमेटिक माइक्रोबियल केराटाइटिस इन प्रीस्कूल एज ग्रूप। म जे ऑफ्थलमॉल 2011; 151: 1035-1040.ई2.
518. झांजी वी, शर्मा एन, वाजपेयी आर बी. मैनेजमेंट ऑफ इंट्राऑपेरेटिव मियोसिस डुरिंग पेडियट्रिक कैटरेक्ट सर्जरी यूजिंग हिमोन 5. मीडिल ईस्ट अफर जे ऑफ्थालमॉल 2011; 18: 55-7.
519. झांजी वी, शर्मा एन, वाजपेयी आर बी. मैनेजमेंट ऑफ केराटोकोनस : करंट सीनेरियो। ब्र जे ऑफ्थालमॉल 2011; 95: 1044-50.
520. झांजी वी, यांग ए एल, मेहता जे एस, शर्मा एन, अग्रवाल टी, वाजपेयी आर बी. मैनेजमेंट ऑफ कोरनियल परफोरेशन। सर्व ऑफ्थालमॉल 2011; 56: 522-38.
521. जिंदल टी, दत्ता आर, कुमार ए, कुमार आर, कुमार एन, चौधरी एसके, प्राइमरी पल्मोनरी साइनोविल सेल सार्कोमा : रेडियोलॉजिकल फाइंडिग्स एण्ड मैनेजमेंट. एशियन कार्डियोवेस थौरैक एनुअल 2011;19:72-5
522. जिंदल टी, शर्मा एन, कुमार ए, अय्यर वी के, पल्मोनरी हिमेर्टोमा विद ट्यूबरकुलोसिस मेस्वार्डिंग एज मेटास्टेसिस. अनुअल थौरैक 2011; 19: 72-5
523. जोस बी, जैन वी, विक्रम एनके, अग्रवाल एस, सैनी एस. सीरम मैग्नम इन ओवर वेट चिल्ड्रन. इंडियन पीडियाट्रिक 2012; 49 : 109-12
524. जोसेफ एए, कुलश्रेष्ठ बी, मेहता एम, अम्मिनी एसी. सेक्स ऑफ रीयरिंग सीम्स टू एक्सर्ट ए पावरफुल इंफ्लुएंस ऑन जेंडर आइडेंटी इन द एब्सेस ऑफ स्ट्रॅान्ग होर्मोनल इंफ्लुएंस : रिपोर्अ ऑफ टू सिब्लिंग विद पीएआईएस असाइन डिफरेंट सेक्स ऑफ रियरिंग. जे पीडिया ट्रिक एंडोक्राइनो मेटालैब 2011; 24:1071-5
525. जोसेफ एल, वसीर जेएस, मिश्रा ए, विक्रम एन के, गोयल के, पाण्डे आरएम, इट. एल. एप्रोप्रिएट वेल्यूज ऑफ एडिपॉजिटी और लीन बॉडी मैस इंडेक्स टू डिटेक्ट कार्डियोवेस्कुलर रिक्स फैक्टर्स इन एशियन इंडियन्स डायबिटीज टेक्नोल थेर 2011; 13:899-906
526. जोशी ए, ली एस, पवार डी. एन ऑप्टिनम टाइम फॉर इंट्रावेनस केनुलेशन आफ्टर इंडक्शन विद सेवोफ्लुरेंस इन चिल्ड्रन. पीडियाट्रिक एनेस्थि 2012; 22:445-8८८
527. जोशी डी, रिबेरियो आर, श्रीवास्तव एस, आनंद एस, मजुमदार डी. गेट कोर्डिनेशन : पोटेंशियल मार्कर फॉर मेंटल स्टेट. इंट जे मेड इंजी इंफॉर्मेटिक्स 2011; 3:30-9
528. जोशी एस, खान आर, शर्मा एम, कुमार एल, शर्मा ए. एंजियोप्रोटीन-2 : ए पोटेंशियल नोवल डायग्नोस्टिक मार्कर इन मल्टीपल माइलोमा. क्लिन बायोकैम 2011; 44:590-5
529. जोशुआ एस पी, अग्रवाल डी, सत्यारथी जी डी, गुप्ता डीके, सिन्हा एस. क्राइनोप्लास्टी एज ए सरोगेट मार्कर फॉर एक्सीलेंट आउटकम इन सर्वर हैड इंजरी. इंडियन जे न्यूरोट्रॉमा 2011; 8:7-9
530. जोशुआ एस पी, अग्रवाल डी, शर्मा बी एस, महापात्रा. पेपिलियोडेमा एज ए नॉन-इंवेसिव मार्कर फॉर रेस्ड इंट्रा-क्राइनल प्रेशर फ्लोइंग डिकोम्प्रेसिव क्रेनीएक्टॉमी फॉर सर्वर हैड इंजरी. क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2011; 113:635-8
531. जोरा ईए, गार्लेंड एस एम, पावोनेन जे, फेरिस डीजी, पेरेज जी, एल्ट केए, इट एएल. इफेक्ट ऑफ द ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एसपीवी) क्वाड्रीवेलेंट वैक्सीन इन ए सबग्रुप ऑफ वुमेन विद सर्वाइकल एण्ड वुलवार डिजीज : रेट्रोस्पेक्टिव पूलेड एनालाइसिस ऑफ ट्रायल डेटा. बीएमजे 2012; 344 :ई1401
532. जुलका पीके, चाको आरटी, नाग एस, प्रसाद आर, नायर ए, कोपीकेर सीबी, इट. एल. ए फेस 2 स्टडी ऑफ सीक्वेंशियल नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी विद गेम्सिटेबिन एण्ड डोक्सोरुबिसिन फ्लोइड बाय गेम्सिटेबिन एण्ड सिस्प्लैटिन इन पेशेंट्स विद लार्ज और लोकली एडवांस्ड ऑपरेबल ब्रेस्ट कैंसर : रिजल्ट फ्रॉम लॉग-टर्म फ्लो अप. ब्रेस्ट कैंसर 2012

533. ज्योत्सना वी पी, नसीर ए, श्रीनिवास वी, गुप्ता एन, दीपक केके. इफेक्ट ऑफ कुशिंग्स सिंड्रोम - एंडोजीनस हाइपरकार्टिसोलेमिया ऑन कार्डियोवेस्कुलर ऑटोनॉमिक फंक्शन्स. ऑटोनॉमिक न्यूरोसाइं. : बेसिक क्लिन 2011; 160 :99-102

534. ज्योत्सना वी पी, साहू ए, कश एसए, श्रीनिवास वी, गुप्ता एन. बोन मिनरल डेंसिटी इन पेशेंट्स ऑफ ग्रेव्स डिजीज प्री- एण्ड पोस्ट ट्रीटमेंट इन ए प्रीडॉमिनेंटली विटामिन डी डिफिसिएंट पॉपुलेशन. इंडियन जे मेड रेस 2012; 135 :36-41

535. काबरा एस के, जैन वी, काबरा पी. प्रोस्थेटिक रिहेबिलिटेशन ऑफ पेशेंट्स विद डेंटिनोजेनेसिस इम्परफेक्ट : क्लिनिकल कॉन्सीडरेशन एण्ड केसर रिपोर्ट. जे इंडियन प्रोस्थोडोंटिक सोक 2011; (पूरक 1) : 119-25

536. काबरा एस के, कैनवाल के, वर्मा आई सी. द इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स : न्यू इनीशिएटिव्स. इंडियन जे पीडियाट्रि 2011; 78 : 1244-5

537. कक्कड़ ए, सूरी वी, झा पी, श्रीवास्तव ए, शर्मा वी, पाठक पी, इट एल. लोस ऑफ हिटेरोजाइगोसिटी ऑन क्रोमोसोम 10क्यू इन ग्लियोब्लास्टोमा, एण्ड इट्स एसोसिएशन विद अदर जेनेटिक अल्टरेशन एण्ड सर्वावल इन इंडियन पेशेंट्स. न्यूरोल इंडिया 2011; 59 : 254-61

538. कक्कड़ एके, सिमिनिलो सी. गोल्डहाबेर एस जेड, परखा आर, वैंग एस, बर्गमेन जेएफ, आदि लो- मॉलीक्यूलर - वेट हिपेरिन एण्ड मोर्टेलिटी इन एक्यूटली इल मेडिकल पेशेंट्स. एन इंग्ल जे मेड 2011; 365 : 2463-72

539. कलाइसेल्वी एस, गुप्ता एस के. डस जिंक सप्लीमेंटेशन प्रीवेंट एक्यूट लोअर रेस्पीरेटरी ट्रेक्ट इंफेक्शन्स इन चिल्ड्रन नेट मेड जे इंडिया 2011; 24 : 288-9

540. काले एस एस, ऐलावधि पी, येरामेनी वी के, चंद्र पी एस, कुमार आर, शर्मा बी एस, आदि पीडियाट्रिक बोनी क्रेनीओवर्टेब्रेल जंक्शन एब्नॉर्मेलिटेस : इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस ऑफ 10 इयर्स. जे पीडियाट्रिक न्यूरोसाइंस 2011; 6 (पूरक 1) : एस91-5

541. कल्याणपुर ए ए, शुक्ला एनके, देव एस वी, यादव पी, मुडेली डी, यादव आर, आदि अपडेट ऑन द मल्टीमोडेलिटी मैनेजमेंट ऑफ डेस्मोप्लास्टिक स्मॉल राउंड सेल ट्यूमर. जे सर्ज ओंकोल 2012; 105 : 617-21

542. कंचेरला आर, सेंकीनेनी एस, त्रिखा वी, कुमार आर, मल्होत्रा आर. कमेंट ऑन स्टर्न आदि : प्रोस्पेक्टिव रेडमाइज्ड स्टडी कम्पेरिंग स्क्रू वर्सेस हेलिकल ब्लेड इन द ट्रीटमेंट ऑफ लो-एनर्जी ट्रोकैंटेरिक फ्रेक्चर्स. इंट ऑर्थो 2012; 36 : 1109 - 10; ऑर्थर रिप्लाइ 1111

543. कंडार एके, सिन्हा आर, शर्मा एन, जेम्स के एम, बाली एस जे, टिटियाल जे एस. स्क्रोफ्लोडर्मा एण्ड बाइलेटरल इंटीरियर स्टेफिलोमा ऑफ आइ : एन अनयुजअल एसोसिएशन. मिडिल इस्ट अफेर जे ऑफ्थेलमोल. 2011; 18 : 71-3

544. कंदासामी डी, शर्मा आर, सेठ भल्ला ए, गामनागट्टी एसआर, श्रीवास्तव डीएन, साहनी पी, आदि एमआर एवेल्यूएशन ऑफ बाइलरी - एंटेरिक एनास्टोमोटिक स्ट्रीक्चर : डोस कंट्रास्ट - एनहांस्ड टी1डब्ल्यू एमआर प्रोवाइड एडिशनल इंफॉर्मेशन? क्लिन रेस हिपेटोल गैस्ट्रोइंटेरोल 2011; 35 : 563-71

545. कांडवाल पी, गर्ग बी, उपेन्द्र बी, चौधरी बी, जयासवाल ए. आउटकम ऑफ मिनीमैली इंवेसिव सर्जरी इन द मैनेजमेंट ऑफ ट्सयूबरकुलस स्पॉन्डलाइटिस. इंडियन जे ऑर्थो 2012; 46 : 159-64

546. कांग यू, मैकविनी ए जे, मौर्या एम, शॉ बीई, मेड्रिगल जे ए, मेहरा एन के. ए नोवल एचएलए-डीपीबी1 एलेले, डीपीबी1 125 : 01, आइडेंटीफाइ बाय सिक्वेंस बेस्ड टाइपिंग इन एन इंडियन इंडीविजुअल. टिशू एंटीजन्स 2011; 77 : 85-7

547. कांगा यू, मौर्या एम, सेठ टी, जॉर्ज जे, सूद पी, शर्मा आर, आदि रोल ऑफ किलर इम्युनोग्लोबुलिन-लाइक रिसेप्टोरलिगैंड इंटरेक्शन इन ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन-मैच्ड सिब्लिंग हिमेटोपोएटिक स्टीम सेल ट्रांसप्लांटेशन. ट्रासप्लांट प्रोक. 2012; 44 : 919-21

548. कानन ए, कंचेरला आर, मैकॉन एस, हावडॉन जी, सोराल ए, मल्होत्रा आर. आर्थ्रोप्लास्टी ऑप्शन्स इन फिमोरल-नेक फ्रेक्चर : आंसर फ्रॉम द नेशनल रजिस्ट्रीज़. इंट. ऑर्थो 2012; 36 : 1 - 8

549. कानन एल, लोधा आर. एप्रोप्रिएट फ्लुड फॉर इंट्रावेनस मेंटेनस थैरेपी इन हॉस्पीटलाइजेशन चिल्ड्रन - करंट स्टेट्स. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2011; 78 : 357-9

550. कपिल यू, जैन के. मैग्नीट्यूड ऑफ जिंक डेफिशिएंसी अमंगस्ट अंडर फाइव चिल्ड्रन इन इंडिया. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2011; 78 : 1069-72

551. कपिल यू, सचदेव एच पी. ओवर एस्टीमेशन ऑफ प्रीवेलेंस ऑफ विटामिन ए डेफिशिएंसी अमंग रूरल प्री स्कूल चिल्ड्रन ऑफ पश्चिम बंगाल, इंडिया. इंडियन पीडियाट्रिक 2011; 48 : 653; ऑथर रिप्लाइ 653-4

552. कपिल यू, सचदेव एच पी. प्रीवेलेंस एस्टीमेशन ऑफ विटामिन ए डेफिशिएंसी इन इंडिया बाय एनएनएमबी सर्वे. इंडियन पीडियाट्रिक 2011; 48 :655-6

553. कपिल यू, टूटेजा जी एस, राव एस, पाण्डे आर एम. जिंक डेफिशिएंसी अमंगस्ट एडोलसेंअ इन इंडिया. इंडियन पीडियाट्रिक 2011; 48 : 981-2
554. कपिल यू, त्यागी एम, इटियोलॉजी ऑफ सर्वर एनीमिया अमंगस्ट एडोलसेंट चिल्ड ्रन. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2012; 79 : 401; ऑथर रिप्लाइ 402
555. कपिल यू, कम्बेटिंग एनीमिया : द ग्रेस्टेस्ट चैलेंज टू द मेडिकल. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2011; 78 : 469-70
556. कपिल यू, कंटीनुएशन ऑफ हाइ गॉयटर प्रीवेलेंस ऑफ रीजन्स विद सेक्सेसफुल साल्ट आयोडिजेशन प्रोग्राम. इंडियन पीडियाट्रिक 2011; 48 : 443-4
557. कपिल यू, प्रीसेंस ऑफ सर्वर आयोडिन डेफिशिएंसी इन एरियाज विद एडिक्वेट साल्ट आयोडिजेशन. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2011; 78 : 1299; ऑथर रिप्लाइ 1299-300
558. कपूर पी, मंडल बी, चौधरी यू, सिंह एस, किरन यू, चेंज इन मायोकार्डियल लेक्टेट, पाइरूवेट एण्ड लेकअेट - पाइरूवेट रेटियो ड्यूरिंग कार्डियोपल्मोनरी बायपास फॉर इलेक्टिव एडल्ट कार्डियक सर्जरी : अर्ली इंडिकेटर ऑफ मोर्बिडिटी. जे एनेस्थिसियोल क्लि. फार्माकोल 2011; 27 : 225-32
559. कपूर एस, भूषण एस, घोष वीबी, पाण्डे आर एम, कलाईवानी एम. नार्मेटिव डेटा फॉर एंर्थोपोमेट्रिक पैरामीटर्स यूज्ड इन डेलिएशन ऑफ डिस्मॉर्फेस फीचर्स इन नॉर्थ इंडियन चिल्ड्रन. इंड्रिय जे. पीडियाट्रिक 2012; 79 : 619-31
560. कपूर वी, जहारिएवा एम एम, दास एस एन, बर्गर एम आर इरुफोसिन सिमुले इंड्यूस्ड एपॉप्टॉसिस एण्ड ऑटोग्राफी बाय मॉड्यूलेटिंग द एकेटी-एमटीओआर सिगनलिंग पाथवे इन ओरल स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा कैसर लेट 2012; 319 : 39-48
561. कपूर एन, ठकराल डी, दुर्गपाल एच, पांडा एसके. हिपेटाइटिस ई वायरस एंटर्स लिवर सेल थ्रू रिसेप्टर -डिपेंडेंट क्लेथ्रिन-मेडिएटिड एंडोसाइटोसिस. जे. वायरल हिपे. 2012; 19 : 436 - 48
562. कर्माकर एस, शर्मा एस के, आर वशिष्ट, शर्मा ए, रंजन एस, गुप्ता डी, आदि क्लिनिक करेक्टराइस्टिक ऑफ ट्यूबरकुलोसिस - एसोसिएटिड इम्युन रीकॉन्स्टीट्यूशन इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन ऑफ एचआईवी / एड्स पेशेंट्स रिसिविंग हार्ट. क्लिन डेव इम्युनोल 2011; 2011 : 239021
563. कार्तिकेयन जी, इकेलबूम जेडब्ल्यू. एपिक्सबन इन एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम. कार्डियोवेस थेर 2011; 29 : 285 - 90
564. कार्तिकेयन जी, मैथ्यू एन, मठ आरएस, देवसेनापति एन, कोठारी एएस, बहल वीके. टाइमिंग ऑफ एडवर्स इवेंट्स ड्यूरिंग फाइब्रिनोलाइक्टिक थैरेपी विद स्ट्रेप्टोकाइनेस फॉर लेफ्ट-साइड्स प्रोस्थेटिक वॉल्व थ्रोम्बोसिस. जे थोम्ब थ्रोम्बोलाइसिस 2011; 32 : 146-9
565. कार्तिकेयन जी, यादव आर, नारंग आर, भार्गव बी. डस द मिट्रल वॉल्व रिकॉइल आफ्टर परक्यूटेनस ब्लून वॉल्वोटॉमी? कार्डियोवेस रिवास मेड 2011; 12 : 147-51
566. कार्तिकेयन जी, जुहल्के एल, एंजल एम, रंगाराजन एस, युसूफ एस, टियो के, आदि रेशनल एण्ड डिजाइन ऑफ ए ग्लोबल रिह्यूमेटिक हार्ट डिजीज रजिस्ट्री : दे रेमेडी स्टडी. एम हार्ट जे 2012; 163 : 535-40
567. कार्तिकेयन जी. विदआउट एविडेंस वी आर इंडीड डूमेड! नेट मेड जे इंडिया 2012; 25 : 55
568. कश्यप एस, मील आर, पुष्कर एन, सेन एस, बक्शी एस, श्रीनिवास वी, आदि क्लिनिकल पीडिक्टर्स ऑफ हाइ रिक्स हिस्टोपैथोलॉजी इन रेटिनोब्लास्टोमा. पीडियाट्रिक ब्लूड कैंसर 2012; 58 : 356-61
569. कश्यप एस, सेटी एस, मील आर, पुष्कर एन, सेन एस, बजाज एमएस आदि ए हिस्टोपैथोलॉजिक एनालाइसिस ऑफ आइज प्राइमरली यून्यूक्लिएटेड फॉर एडवांस्ड इंट्राऑक्युलर रिटनोब्लास्टोमा फ्रॉम ए डेवलपिंग कंट्री. आर्क पैथो लैब मेड 2012; 136 : 190-3
570. कासलीवाल एम के, अग्रवाल डी, शर्मा बी एस. फ्रंटल इंट्रा-एक्सियल मैस लेसन्स इन एन एडल्ट. इंवेसिव एस्परजिलस. जे क्लिन न्यूरोसाइंस 2011; 18 : 1230, 1283
571. काताकी एसी, सिमोस एम जे दास, एके शर्मा के, महेरा एनके, नैसोफ्रेंजियल कार्सिनोमा इन द नार्देन स्टेट ऑफ इंडिया. क्लिन जे कैंसर 2011; 30 : 106-13
572. कटारिया जे, रुकमनगदाचर एल ए, हरी प्रसाद जी, त्रिपाठी एम, श्रीनिवासन ए. टू डिमेंशिनल डिफरेंस जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस एनालाइसिस ऑफ सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूड इन ट्यूबरकुलोसिस मेनिनजाइटिस पेशेंट्स. जे प्रोटियोमिक्स 2011; 74: 2194-203.
573. कटारिया के, सागर एस, सिंघल एम, यादव आर, प्रेशर सोर एट एन अनयुजअल साइट-द बाइलेटरल पॉपलिटेल फूस्सा : ए केस रिपोर्ट. ओमान मेड जे 2012; 27.

574. कटारिया के, श्रीवास्तव ए, सूरी वी, सिंह एल, यादव आर, जायंट मायोफाइब्रोब्लास्टोमा ऑफ मेल ब्रेस्ट : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. मलेशिया जे मेड साइंस 2012; 19: 74-6.

575. कथूरिया एस, खैतान बीके, रमाम एम, शर्मा वीके. सेगमेंटल विटिलिगो : ए रेडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल टू एवॉल्युएट एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ 0.1 प्रतिशत टेक्रोलिमस ऑइंटमेंट वर्सिस 0.05 प्रतिशत फ्लुटिकासोन प्रोपियोनेट क्रीम. इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2012; 78: 68-73.

576. कत्याल जे, गुप्ता वीके. डोपामाइन रिलीज इन इंवॉल्व्ड इन एंटीनोसिोप्टिव इफेक्ट ऑफ थियोफिलाइन इंट जे न्यूरोसाइं 2012; 122: 17-21.

577. कत्याल जे, सारांगल वी, गुप्ता वी के. इंटरेक्शन ऑफ हाइड्रोलकोहोलिक एक्स्ट्रेक्ट ऑफ एकूरूस कैलेमस लिनन. विद सोडियम वेलप्रोरेट एण्ड कार्बामाजेपाइन. इंडियन जे एक्सप. बायोल 2012; 50: 51-5.

578. कौर जी, कुमार एन, नंदकुमार आर, रेप्थैब सीसी, शर्मा जी, नेयोलिया एस, आदि युटिलिटी ऑफ सेलिवा एण्ड हेयर फोलिकल्स इन डोनोर सिलेक्शन फॉर हिमेटोपोइटिक स्टीम सेल ट्रांसप्लांटेशनल एण्ड काइमेरिज्म मॉनिटरिंग. काइमेरिज्म 2012; 3: 9-17.

579. कौर एच, चौधरी आर. प्रोबायोटिक - रिसेंट अपडेट. जीवाणु टाइम 2011; 11: 4-5

580. कौर जे, मोहंती बीके. ट्रांसिशन फ्रॉम क्यूरेटिव टू पेलिएटिव केयर इन कैंसर. इंडियन जे पेलिएट केयर 2011; 17: 1-5.

581. कौर एम, गुप्ता बी, बिंद्रा ए. इंट्रा ओरल ट्यूब किनकिंग-ए प्रीवेंटेबल प्रोबलम. अपडेट एनेस्थिसिया 2011; 27: 51-2.

582. कौर एम, कत्याल एस, काथूरिया एस, सिंह पी. ए कम्प्रेटिव एवॉल्युएशन ऑफ इंट्राएथिकल ब्यूपिवेकाइन एलॉन, सूफेंटेनिल और ब्यूटूरफिनॉल इन कॉम्बीनेशन विद ब्यूपिवेकाइन फॉर एंडोस्कोपिक यूरोलॉजिकल सर्जरी. साउदी जे एनेस्थ 2011; 5: 202-7.

583. कौर एन, गौतम ए, कुमार एस, सिंह ए, सिंह एन, शर्मा एस, आदि बायोकैमिकल स्टडी एण्ड क्रिस्टल स्ट्रक्चर डिटरमिनेशन ऑफ डिहाइड्रोडिपिकोलिनेट सिंथेस फ्रॉम स्यूडोमोनास एयरूजिनोसा 2011; 48: 779-87.

584. कौर टी, शर्मा आर, हसन एम आर, सराया ए, चट्टोपाध्याय टीके, गुप्ता एसडी आदि ओवर एक्सप्रेशन ऑफ ए वेरिएंट स्पाइलिक वेरिएंट ऑफ ओंकोस्टेटिन एम रिसेप्टर बीटा इन ह्यूमर इसोफेजियल स्क्वैमस कार्सिनोमा. सेल ओंकोल (डोड्र) 2011; 34: 177-87.

585. कौशल एस, माथुर एस आर, मलिक एस आर, रमाम एम. डिसेमिनेटिड क्यूटेनियस, लेरिंजियल, नैसोफेरिंजियल एण्ड रिकरंट ऑब्स्ट्रेक्टिव नेसल राइनोस्पोरिडोसिस इन एन इम्युनोकॉम्पीटेंट एडल्ट : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. इंट जे डर्मेटोल 2011; 50: 340-2.

586. कौशल एस, माथुर एस आर, विजय एम, रस्तोगी ए. कैल्सीफाइंग एपिथैलियल ओडोंटोजेनिक ट्यूमर (पिंडबोर्जट्यूमोर) विदआउट कैल्सीफिकेशन : ए रेयर इंटिटी. जे ओरल मैक्सीलोफोक पैथोल 2012; 16: 110-2.

587. कौशल एस, शर्मा एम सी, माथुर एस आर, रस्तोगी एस, बाल सी एस, चुम्बेर एस. एनाप्लास्टिक ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ मेटास्टेटिक पेपिलरी थाइरॉइड कार्सिनोमा एट शोल्डर मिमीकिंग सॉफ्ट टिशू सार्कोमा. इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2011; 54: 796-9.

588. कौशल एस, शर्मा एमसी, रमाम एम, कुमार यू. मल्टीफोकल क्यूटेनियस एपिथेलॉइड एंजियोमेटस नोड्यूल्स ऑफ द पेनिस. जे क्यूटेन पैथोल 2011; 38: 369-71.

589. कौशिक एम के, कुमार वीएम, मलिक एच एन. ग्लूटामेट माइक्रोइनजेक्शन एट द मेडिकल प्रिऑप्टिक एरिया एनहांसिस स्लो वेव स्लीप इन रेट्स, बिहेवियरल ब्रेन रिसर्च 2011; 217: 240-3.

590. कायल एस, सिंघल बी, ठुलकर एस, मिश्रा जे, कुमार आर, बक्शी एस. एक्यूट बुड्ड- चिरी सिंड्रोम इन पीडियाट्रिक एक्यूट प्रॉमीइलियोसाइटिक ल्यूकेमिया. ल्यूक लिम्फोमा 2011; 52: 1611-4.

591. खैरा ए, महाजन एस, खत्री पी, भौमिक डी, गुप्ता एस, अग्रवाल एस के. डिप्रेशन एण्ड मेरिटल डिसेस्टीफेक्शन अमंग इंडियन हिमोडायलिसिस पेशेंट्स एण्ड देयर सपोस : ए क्रॉस- सेक्शनल स्टडी. रेन फेल 2012; 34: 316-22.

592. खैरा ए, महाजन एस, कुमार ए, प्रकाश एस, सराया ए, सिंह बी, आदि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, एंडोथिलियल फंक्शन, कैरोटिड आर्टरी इंटिमल थिकनेस एण्ड देयर कोरेलेटस अमंग क्रोनिक पेरीटोनियल डायलाइसिस पेशेंट्स. इंडियन जे नेफ्रोल 2011; 21: 264-9.

593. खैरा ए, महाजन एस, कुमार ए, सराया ए, तिवारी एससी, प्रकाश एस, आदि एंडोथिलियल फंक्शन एण्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन क्रोनिक किडनी डिजीज ऑफ वेरिंग सेवरिटी एण्ड द इफेक्ट ऑफ एक्यूट हिमोडायलिसिस. रेन फेल 2011; 33: 411-7.

594. खजुरिया आर, गुप्ता एन, सप्रा एस, गुलाटी एस, घोष एम, कालरा वी, आदि नोवल नॉन-आइडेंटिकल एमईसीपी2 म्यूटेशन्स इन रैट सिंड्रोम फैमिली : ए रेयर प्रसेंटेशन. ब्रेन डेव 2012; 34: 28-31.

595. खजुरिया आर, गुप्ता एन, सप्रा एस, गुलाटी एस, घोष एम, कालरा वी, आदि नोवल एमईसीपी2 चेंज इन एन इंडियन ऑय विद वेरिएंट रैट फिनोटाइप एण्ड कॉन्जेनाइटल ब्लाइंडनेस : इम्प्लीकेशन्स फॉर जेनेटिक काउंसलिंग एण्ड प्रीनेटल डायग्नोसिस. जे चाइल्ड न्यूरोल 2011; 26: 209-13.

596. खाखा डीसी. कर्बिंग स्टिग्मा : ए प्रोमिसिंग स्टेप फॉवर्ड इन द फाइट एगेंस्ट एचआईवी / एड्स. नर्सिंग जे इंडिया 2011; 102: 308-9.

597. खलिल ए हुफ्फमान एमडी, प्रभाकरण डी, ओस्मोड सी, फॉल सीएच, टंडन एन, आदि प्रीडिक्टर्स ऑफ कैरोटिड इंटिमा-मीडिया थिकनेस एण्ड कैरोटिड प्लेक्यू इन यंग इंडियन एडल्ट्स : द नई दिल्ली बर्थ कोहार्ट. इंट जे कार्डियोल 2012. (मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन)

598. खान जेए, मंडल टीके, दास टीके, सिंह, पिल्लई बी, मेटी एस. मैग्नेटाइट (आयरन ऑक्साइड) नैनोक्रिस्टल्स इफेक्ट द एक्सप्रेशन ऑफ जीन इनवॉल्व्ड इन द टीजीएफ-बीटा सिगनलिंग पाथवे मोल बायोसिस्टे 2011; 7: 1481-6.

599. खान आर, गुप्ता एस, शर्मा ए. करिकुलेटरी लेवल्स ऑफ टी-सेल साइटोकाइन (इंटरल्यूकाइन (आईएल)-2, आईएल-4, आईएल-17 एण्ड ट्रांसफॉर्मिंग ग्रोथ फेक्टर-?) इन पेशेंट्स विद विटिलिगो. जे एनम एकैड डर्मेटोल 2012; 66: 510-1.

600. खंडेलवाल ए, अहमद एस, महापात्रा ए. के. सस्पेक्टिड सस्पेक्टिड चाइल्ड एब्यूज - इमेज इन न्यूरोसर्जरी पैन एब्रा जे न्यूरोसर्ज 2011; 15: 102.

601. खंडेलवाल ए, टंडन वी, महापात्रा एके. एन अनयुजअल केस ऑफ 4 लेवल स्पाइनल डिसरेफिज्म : मल्टीपल कम्पोसाइट टाइप 1 एण्ड टाइप 2 स्प्लिट कॉर्ड मैलफॉर्मेशन, डोर्सल मायलोसिस्टोसील एण्ड हाइड ्रोफेलेस. जे पीडियाट्रिक न्यूरोसाइं 2011; 6: 58-61.

602. खंडेलवाल डी, भट्टाचार्य एस, गडोडिया ए, खाडगावत आर, टंडन एन, अम्मिनी एसी. मेटाबोलिक बोन डिजीज एज ए प्रीसेंटिंग मैनीफिकेशन ऑफ प्राइमरी सोग्रेन सिंड्रोम : थ्री केस एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब 2011; 15: 341-5.

603. खंडेलवाल डी, गडोडिया ए, सूद आर, विक्रम एन के, सिंह पी, कुमार आर. डिसेमेनेटिड जाइगोमाइकोसिस विद रीनल इंवॉल्वमेंट सिमुलेटिंग मैलीगेन्सी इन ए डायबेटिक पेशेंट. इंडियन जे यूरोल 2012; 28: 347-9.

604. खंडेलवाल डी, खडगावत आर, मुकुंद ए, सूरी ए. एक्रोमेगली विद नो पिट्यूटेरी एडोमा एण्ड नो एविडेंस ऑफ इटोपिक स्रोत. इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब 2011; 15 (पूरक 3): S250-2.

605. खंडेलवाल डी, टंडन एन. ओवर्ट एण्ड सबक्लिनिकल हाइपोथाइरोडिज्म : हू टू ट्रीट एण्ड हाउ ड्रग 2012; 72: 17-33.

606. खंडेलवाल ई, जरयाल एके, दीपक के के. कार्डियोवेस्कुलर ऑटोनॉमिक फंक्शन्स एण्ड सेरेब्रल ऑटो-रेगुलेशन इन पेशेंट्स विद ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन. इंडियन जे मेड रेस 2011; 134: 463-9.

607. खंडेलवाल ई, जरयाल एके, दीपक के के. पैटर्न एण्ड प्रीवेलेंस ऑफ कार्डियोवेस्कुलर ऑटोनॉमिक न्यूरोपैथी इन डायबेटिक्स विजिटिंग ए टर्शियरी केयर रेफरल सेंटर इन इंडिया. इंडियन जे फिजियोल फार्मोकोल 2011; 55: 119-27.

608. खांडपुर एस, गुप्ता एस, डिसफिगरिंग मोर्फोलॉजी ऑफ ट्यूबेरस स्केलरोसिस. इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2011; 77: 403-4.

609. खांडपुर एस, कुमार ए, खडगावत आर. कॉग्जेनाइटल जर्नलाइज्ड लिपोडिस्ट्रॉफी ऑफ बेरारडिनेलीसिप टाइप : ए रेयर केस. इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2011; 77: 402.

610. खांडपुर एस, शर्मा वी के. कम्पेरिसन ऑफ क्लोबेटासोल प्रोपियोनेट क्रीम प्लस कोलतार वर्सिस टॉपिकल सोरालेन एण्ड सोलर अल्ट्रावॉलेट ए थैरेपी इन पल्मोप्लांटर सोरेसिस. क्लिन. एक्सप डर्मेटोल 2011; 36: 613-16.

611. खांडपुर एस, सिंघल वी, शर्मा वी के. पल्मोप्लांटर इनवॉल्वमेंट इन सोरेसिस : ए क्लिनिकल स्टडी. इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2011; 77: 625.

612. खांडपुर एस, वर्मा पी. ब्यूलस पेम्फिगोइड. इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2011; 77: 450-5.

613. खन्ना पी, गर्ग आर, रॉय के, पुंज जे, पाण्डे आर, डारलॉन्ग वी. एमर्जेंसी सीजेरियन डिलीवरी इन प्रीमिग्रेविडा विद पोर्टल हाइपरटेंशन वेरिसेस एण्ड प्रीक्लेम्सिया. एएएनए जे 2012; 80: 379-84.

614. खरे वी, संतोष जे, आनंद एस, भाटिया एम. ब्रेन कम्प्यूटर इंटरफेस बेस्ड रीयल टाइम कंट्रोल्ड ऑफ व्हीलचेयर यूजिंग इलेक्ट्रोएंसेफेलोग्राम. इंट जे सॉफ्ट कम्प्यूटिंग इंजीनियरिंग 2011; 1: 41-5.

615. खत्री आर, मुखोपाध्याय के, वर्मा के के, सेतुरमन जी, शर्मा ए. जेनेटिक्स प्रेडिस्पोलिशन टू पार्थेनियम डर्मेटाइटिस इन एन इंडियन कोहार्ट ड्यू टू लोवर-प्रोड्यूसिंग जीनोटाइप ऑफ इंटरल्यूकाइन-10 (-) 1082 जी>ए एण्ड (-) 819 सी>टी लोकाई बट नो एसोसिएशन विद इंटरफेरॉन-? (+) 874 ए>टी लोकस. ब्र जे. डर्मेटोल 2011; 165: 115-22.

616. खेतान पी, सेतुरमन जी, खैतान बी के, शर्मा वी के, गुप्ता आर, ढींडा एके, आदि एन इटियोलॉजिकल एण्ड क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी ऑन क्यूटेनस वेस्कुलेटिस. इंडियन जे मेड रेस 2012; 135: 107-13.

617. खिलनानी जी, मौली वी, सूद एस. डायनेमिक ऑफ कॉमेंसल फ्लोरा एण्ड डेवलपमेंट ऑफ हॉस्पीटल एक्वायर्ड इंफेक्शन्स (एचएआई) इन क्रिटिकली इल. चेस्ट जे 2011; 140: 989A-A.

618. खिलनानी जी सी, अरताफ टी के, हड्डा वी, कपिल ए, सूद एस, शर्मा एसके. कम्पेरिसन ऑफ ब्रोंकोस्कोपिक एण्ड नॉन-ब्रोंकोस्कोपिक टेक्नीक्स फॉर डायग्नोसिस ऑफ वेंटीलेटर एसोसिएटिड निमोनिया. इंडियन जे क्रिट केयर मेड 2011; 15: 16-23.
619. खिलनानी जी सी, हड्डा वी. कोर्टिकोस्टीरॉइड एण्ड एआरडीएस : ए रिव्यू ऑफ ट्रीटमेंट एण्ड प्रीवेंशन एविडेंस. लंग इंडिया 2011; 28: 114-9.
620. खिलनानी जी सी, जैन एन, हड्डा वी, अरावा एस के, एंटीरियर मेडिस्टिनल मैस : ए रेयर प्रसेंटेशन ऑफ ट्यूबरकुलोसिस. जे ट्रॉप मेड 2011; 2011: 635385.
621. खुराना डी, अहमद ए, राणा एस पी, गुप्ता आर, भटनागर एस, मिश्रा एस. इंडिडेंस ऑफ फैंटॉम लिम्ब पैन अमंग एम्प्यूटेटिड कैंसर पेशेंट्स - ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालाइसिस. एएसए 2011: 15-19.
622. किनरा एस, एंड ्रेसेन ई, बेन-श्लोमो वाय, बोवाइन एल, लिंगडोह टी, प्रभाकरण डी, आदि एसोसिएशन बिटविन अर्बन लाइफ - इयर्स एण्ड कार्डियोमेटाबोलिक रिक्स : द इंडियन माइग्रेशन स्टडी. एम जे एपिडेमियोल 2011; 174: 154-64.
623. किरन एन ए, कासलीवाल एम के, सूरी ए, महापात्रा ए के. जायंट पोस्टीरियर फोस्सा आर्कानॉइड सिस्ट एसोसिएटिड विद सिरिंजियोमिलिया. क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2010; 112: 454-5.
624. किशोर के, गुलाटी जी एस. सोलिटरी पल्मोनरी मैस इन मिट्रल वॉल्व डिजीज. हार्ट लंग सर्क 2011; 20: 374-5.
625. कोणांकी आर, शर्मा एस, गर्ग ए, गुलाटी एस, काबरा एम. बाइलेटरल फ्रेंटो-पेरिटियल पॉलीमाइक्रोजिरिया इन एन इंडियन इंफेंट. जे पीडियाट्रिक न्यूरोल 2011; 9: 251-3.
626. कोठारी एस एस, रामाकृष्णन एस, बिसोइ ए के. एमर्जेंसी मैनुअल सिस्टेमिक-टू-पल्मोनरी आर्टरी ऑटोट्रांसफ्यूजन फॉर सर्वर साइनोटिक स्पैल. कैथेटर कार्डियोवेस्क इंवेरव 2011; 78: 280-1.
627. कोठारी एस एस, रामाकृष्णन एस, सेन्गुट्टुवेन एनबी, गुप्ता एसके, बिसोइ एके. डक्टल रिकैनलाइजेशन एण्ड स्टेंटिंग फॉर लेट प्रीसेंटर्स विद टीजीए इंटेक्ट वेंट्रीकुलर स्पेक्टम. एन्न पीडियाट्रिक कार्डियोल 2011; 4: 135-8.
628. कोठारी एस एस. क्लिनिकल एररर्स. एन्न पीडियाट्रि कार्डियोल 2012; 5: 1-2.
629. कोठारी एसएस. हाउ डू वी डिफाइन सेक्सस इन पीडियाट्रिक कार्डियक केयर? एन्न पीडियाट्रि कार्डियोल 2011; 4: 101-2.
630. कोतवाल पी पी. एंडेमिक स्केलेटल फ्लुरोसिस (बुक रिव्यू). इंडियन जे मेड रेस 2011; 134: 242-3.
631. कॉल पी ए, मिर एम ए, बाली एन के, चावला एम, सरकार एम, कौशिक एस, आदि पेंडेमिक एण्ड सीजनल इंफ्लुएंजा वायरस अमंग पेशेंट्स विद एक्यूट रेस्पीरेटरी इलनेस इन कश्मीर (इंडिया) इंफ्लुएंजा अदर रेस्पी वायरस 2011; 5: e521-7.
632. कृपलानी ए, अवस्थी डी, कुलश्रेष्ठ वी, अग्रवाल एन. इफीकैसी ऑफ द लिवोर्नोजेस्ट्रल-रीलिसिंग इंट्रायूटेराइन सिस्टम इन यूटेराइन लियोमायोमा 2012; 116: 35-8
633. कृपलानी ए, लुकाड ए एस, शर्मा एम, अम्मिनी ए सी. रिकरंट इक्टॉपिक प्रेगनेंसी विद हिटेरोटोपिक प्रेगनेंसी इन ए पेशेंट्स ऑफ हाइपोगोनेडोट्रॉपिक हाइपोगोनेडिज्म : ए केस रिपोर्ट. जे रिप्रॉड मेड 2011; 56: 274-6.
634. कृपलानी ए, मीथे आर, अग्रवाल एन, भाटला एन, यादव आर, सिंह एम के. लेपेरोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ जुवेनाइल सिस्टिक एडेनोमायोमा : फोर केस. जे मिनिम इनवेसिव गायनेको 2011; 18: 343-8.
635. कृष्णा ए, मिश्रा ए सी, बंसल वी के, कुमार एस, राजेश्वरी एस, छाबड़ा ए. लेपेरोस्कोपिक इंगुविनल हर्निया रिपेयर : ट्रांसब्डोमिनल प्रीपेरिटोनियल (टीएपीपी) वर्सिस टोटली एक्स्ट्रापेरिटोनियल (टीईपी) एप्रोच : ए प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. सर्ज एंडोस्क 2012; 26: 639-49.
636. कृष्णा मूर्ति वी, शर्मा ए, अग्रवाल ए, कुमार यू, एमिन एस, राव यू आर, आदि इंडियन रिह्यूमेटोलॉजी एसोसिएशन गाइडलाइन्स फॉर मैनेजमेंट ऑफ ग्लूकोकार्टिकॉइड - इंड्यूस्ड ओस्टियोपोरोसिस. इंडियन जे रिह्यूमेटोल 2011; 6: 68-75.
637. कृष्णन ए, अमरचंद आर, हू किल्ड क्लिनिकल मेडिसिन? एन एलेगोरिकल मर्डर माइस्टेरी. इंडियन जे मेड एथिक्स 2012; 9: 121-3.
638. कृष्णन ए, गुप्ता वी, ऋत्विक, नॉन्गनीह बी, ठाकुर जे. हाउ टू इफेक्टली मॉनिटर एण्ड एवेल्युएट एनसीडी प्रोग्राम्स इन इंडिया. इडियन जे कम्युनिटी मेड 2011; 36 (पूरक 1): S57-62.
639. कुकरेती बी बी, रामकृष्णन एस, भार्गव बी. सिटु इनवर्सिस विद लेवोकार्डिया एण्ड कॉन्गजेनाइटली करेक्टिड ट्रांसपोजिशन ऑफ ग्रेट वीसल्स विद रिह्यूमेटिक ट्रिकुस्पिड वॉल्व स्टेनोसिस एण्ड रिगर्गिटेशन. हार्ट व्यू 2011; 12: 178-80.
640. कुलश्रेष्ठ पी, गुप्ता आर, यादव आरके, बिजलानी आर एल, दीपक के के. इफेक्ट ऑफ लो-डज अमीट्रिप्टीलाइन ऑन ऑटोनॉमिक फंक्शन एण्ड पेरिफेरल ब्लड फ्लो इन फाइब्रोमैलिग्या : ए पायलट स्टडी. पैन मेड (मेलडेन, मैस) 2012; 13: 131-6.

641. कुलश्रेष्ठ पी, कृपलानी ए, अग्रवाल एन, सिंह यू बी, राणा टी. जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस अमंग इंफर्टियल वुमेन एण्ड फर्टिलिटी आउटकम आफ्टर एंटीट्यूबरकुलोसिस थैरेपी. इंट जे गायनीकोल ऑब्स्टेट 2011; 113: 229-34.

642. कुलसुम यू, सिंह वी, शर्मा एस, श्रीनिवास ए, सिंह टीपी, कौर पी. आरएएसओएनडी-ए कम्प्रेहेंसिव रिसोर्स एण्ड सर्च टूल फॉर आरएएस सुपरफैमिली ओंकोजीन्स फ्रॉम वेरियस स्पीसीज. बीएमसी जीनोमिक्स 2011; 12: 341.

643. कुमार ए, चंद्र पी एस, बिष्ट ए, गर्ग ए, महापात्रा एके, शर्मा एमसी. सेक्ससफुल सर्जिकल एक्सिसियोन ऑफ ए नॉनडिस्रेफिक होलोडोर्सल इंट्रामेडुलेरी लिपोमा इन ए 14-मंथ-ओल्ड चाइल्ड. पीडियाट्रि न्यूरोसर्ज 2011; 47: 272-4.

644. कुमार ए, देवन आर, सूरी जे, कोहली एस, शेखर एस, ढोल बी, आदि एबोलिशन ऑफ एंडोक्राइन डिर्मोफिज्म इन हाइपरथाइरॉइड मेल्स? एन आरग्यूमेंट फॉर द पॉजिटिव फीडबैक इफेक्ट ऑफ हाइपरोस्ट्रोजिनेमिया ऑन एलएच सीक्रिशन. एंड्रोलोगिया 2012; 44: 217-25.

645. कुमार ए, गोगिया वी, शाह वी एम, नाग टी सी. कम्पेरेटिव एवॉल्युएशन ऑफ एनाटोमिकल एण्ड फंक्शनल ऑटोकम्स यूजिंग ब्रिलिएंट ब्ल्यू जी वर्सिस ट्राइएमसिनोलिन असिस्टेडड आईएलएम पीलिंग इन मैक्युलर होल सर्जरी इन इंडियन पॉपुलेशन. ग्रेफिस आर्क क्लिन एक्स्प ऑफ्थेल्मोल 2011; 249: 987-95.

646. कुमार ए, गोगिया वी, शाह वी एम, सिन्हा एस. बिलिएंट ब्ल्यू जी वर्सिस ट्राइएमसिनोलिन असिस्टेडड आईएलएम पीलिंग : ए कम्पेरेटिव एवॉल्युएशन इन मैक्युलर होल सर्जरी. वर्ल्ड जे रेटिना विट्रेयस 2011; 1: 1-4.

647. कुमार ए, नारंजे एस, गुप्ता एच, खान एस ए, यादव सीएस, रस्तोगी एस, आदि ए सिंगल इनसिजन सर्जिकल न्यू एंटीरियर टेक्नीक फॉर फोरक्वार्टर एम्प्यूटेशन. आर्क आर्थ्रोप ट्रॉमा सर्ज 2011; 131: 955-61.

648. कुमार ए, रानी एल, ढोल बी, चतुर्वेदी पीके. ऑक्सीजन एज ए रेगुलेटर ऑफ एमए-10 सेल फंक्शन्स : इफेक्ट ऑफ कोबाल्ट क्लोराइड ऑन वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रोथ फेक्टर प्रोडक्शन. एंड्रोलोगिया 2012; 44 (पूरक 1): 615-20.

649. कुमार ए, सिंह एन, यादव आर, कुमार पी आर, शर्मा एस, अरोड़ा ए, आदि क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ पेप्टीडिल -टीआरएनए हाइड्रोलेस फ्रॉम माइकोबैक्टीरियम स्मेगमेटिस रिवेयल्स नोवल फीचर्स रिलेटिड टू एंजाइम डायमेक्सि. इंट जे बायोकैम मोल बायोल. 2012; 3: 58-69.

650. कुमार बी, गुप्ता एस के, नाग टीसी, श्रीवास्तव एस, सक्सेना आर. ग्रीन टी प्रीवेंट्स हाइपरग्लाइसेमिया- इंड्यूस्ड रेटिनल ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड इंफ्लेमेशन इन स्ट्रेप्टोजोटोसिन-इंड्यूस्ड डायबेटिक रैट्स, ऑफ्थेलेमिक रेस 2012; 47: 103-8.

651. कुमार डी, कुमार वी एम, मलिक एचएन. वार्म सेंसिटिव न्यूरॉन्स ऑफ द प्रोऑप्टिक एरिया रेगुलेट एम्बिएंट टेम्प्रेचर रिलेटिड चेंज इन स्लीप इन द रेट. इंडियन जे फिजियोल फार्माको 2011; 55: 262-71.

652. कुमार जी, गुप्ता वाई के. मॉनिटरिंग ऑफ मर्करी, आर्सेनिक, कैडिमियम एण्ड लैड इन आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन मार्केटिड इन दिल्ली बाय फ्लेम एएएस एण्ड कॉनफिर्मेशन बाय आईसीपी-एम. फूड एडिटिव्स कोंटामिनेंट्स : पार्ट बी 2012; 5: 2.

653. कुमार जी, श्रीवास्तव ए, शर्मा एस के, गुप्ता वाय के, सेफ्टी एवॉल्युएशन ऑफ एन आयुर्वेदिक मेडिसिन, आरोग्यवर्धिनी वेटी ऑन ब्रेन, लिवन एण्ड किडनी इन रैट्स. जे एथनोफार्माकोल 2012; 140: 151-60.

654. कुमार जे, युवनम एस, बासु टी, घोष ए, गर्ग जी, कार्तिकेयन जी, आदि एसोसिएशन ऑफ पॉलीमॉर्फिज्म इन 9पी21 रिजन विद कैड इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन : रिप्लीकेशन्स ऑफ एसएनपी आइडेंटीफाइड थ्रू जीडब्ल्यूएएस, क्लिन. जेनेट 2011; 79: 588-93.

655. कुमार के, तंवर एम, नैथानी पी, इन्सान आर, गर्ग एस, वेंकटेश पी, आदि पीएएक्स6 जीन एनालाइसिस इन आइरिडो-फंडल कोलोबोमा. मोल. विस 2011; 17: 1414-9.

656. कुमार के, वेंकटेश एस, शर्मा पी आर, तिवारी पी के, दादा आर. डीएजेडएल 260ए>जी एण्ड एमटीएचएफआर 677सी>टी वेरिएंट इन स्पर्म डीएनए ऑफ इंफर्टियल इंडियन मेन. इंडियन जे बायोकेम बायोस्फी 2011; 48: 422-6.

657. कुमार एल, मलिक पी एस, प्रकाश जी, प्रभु आर, राधाकृष्णा वी, कत्याल एस, आदि ऑटोलोगस हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन- वॉट डिटर्मिनेस द आउटकम : एन एक्स्पीरियसं फ्रॉम नार्थ इंडिया. एन्न हिमेटोल 2011; 90: 1317-28.

658. कुमार एम, कुमार आर, तंवर एम, घोष एस, कौर जे, दादा आर. साइटोजेनेटिक एण्ड क्लिनिकल असेसमेंट ऑफ ए फैमिली विद ट्रेचर कोलिन्स सिंड्रोम. केस रिपोर्ट मेड 2011; 2011: 708450.

659. कुमार एम, मल्होत्रा एम, हनिफ एम, त्यागी जे एस. एक्स्पोजर ऑफ स्पुटम टू फिनोल डिसिंफेक्टेंट इन कंजक्शन विद यूनिवर्सल सैम्पल प्रोसेसिंग सॉल्यूशन्स प्रोवाइड सेफ्टी टू लेबोरेटरी वर्कर्स ड्यूरिक स्मीयर माइक्रोस्कोपी. जे. मेड माइक्रोबायोल 2011; 60: 1410-2.

660. कुमार एम, पाठक डी, वेंकटेश एस, कृपलानी ए, अम्मिनी ए सी, दादा आर. क्रोमोसोमल एब्नोमैलिटिस एण्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन वुमेन विद प्रेमेचर ओवेरियन फेल्योर (पीओएफ). इंडियन जे मेड रेस 2012; 135: 92-7.

661. कुमार एम, शर्मा, श्रीनिवास ए, सिंह टीपी, कौर पी. स्ट्रक्चर -बेस्ड इन-सिलिको रेशनल डिजाइन ऑफ ए सिलेक्टिव पेप्टाइड इंहिबिटर फॉर थिमिडाइन मोनोफॉस्फेटस काइनेस ऑफ मायोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस. जे. मोल मॉडेल 2011; 17: 1173–82.

662. कुमार एन, अग्रवाल, एस, आहुजा ए, दास पी आइरॉन बी, रे आर. स्पेक्ट्रम ऑफ कार्डियक ट्यूमर्स एक्सक्लुडिंग मायोक्सोमा : एक्सपिरियंस ऑफ ए टर्शियरी सेंटर विद रिव्यू ऑफ द लिटरेचर. पैथोल रेस प्रेक्ट 2011; 207: 769–74.

663. कुमार एन, चड्ढा आर के. ऑगमेंटेशन इफेक्ट ऑफ रिपेटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन ओवर द सप्लीमेंटरी मोटर कोर्टेक्स इन ट्रीटमेंट रिफेक्टरी पेशेंट्स विद ऑब्सेसिव कम्पलसिव डिस्ऑर्डर. इंडियन जे साइक्याट्री 2011; 53: 340–2.

664. कुमार एन, दास पी, आहुजा ए, गुप्ता सी, रस्तोगी एस, रे आर. प्राइमरी राब्डोमायोसार्कोमा ऑफ प्रॉक्सिमल टिबिया इन एन एडल्ट : ए रेयर इंटिटी. इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2011; 54: 653–4.

665. कुमार एन, कौर जी, टंडन एन, मेहरा एन. ट्यूमर नेक्रोसिस फेक्टर - एसोसिएटिड susceptibility सस् टू टाइप 1 डायबिटीज इज कौज बाय लिंकेज डिसइक्विलिब्रियम विद एचएलए-डीआर3 हैप्लोटाइप्स. हम इम्युनोल 2012; 73: 566–73.

666. कुमार एन, गुप्ता एन, कुमार पी, जानी के के, किशोर जे. रिक्स एप्रोच फॉलो बाय कॉम्बीनेशन ऑफ थ्री मेडालिटिज़ (वाया बिमैनुअल पेलविक एक्जामिनेशन, अल्ट्रासोनोग्राफी, सीए125) ऑफ स्क्रीनिंग वुड बी यूजफुल फॉर डिटेक्शन ऑफ ओवेरियन कैंसर. लैटर टू एडिटर. ब्रे मेड जे 2011: 342.

667. कुमार एन, गुप्ता एन, कुमार पी. एसेसिंग द हेल्थ नीड्स ऑफ द इंडीविजुअल्स एण्ड केटरिंग टू देम ऑन वन टू वन बेसिस इन द कम्युनिटी : ए प्रेक्टिकल एप्रोच. ब्रे मेड जे 2012.

668. कुमार एन, रे आर. माइक्रोफाब्रिल्लर कार्डियोमायोपैथी : ए रेयर केस. इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2011; 54: 790–2.

669. कुमार एन, तनेजा के के, कालरा वी, बेहरा एम, अनेजा एस, बंसल एसके. जीनोमिक पोफाइलिंग आइडेंटिफाइस नोवल म्यूटेशन्स एण्ड एसएनपी इन एबीसीटी1 जीन : ए मॉलीक्यूलर, बायोकेमिकल एण्ड क्लिनिकल एनालाइसिस ऑफ एक्स-एएलडी केस इन इंडिया. पीएलओएस वन 2011; 6: e25094.

670. कुमार पी, चावला डी, देवरारी ए. लाइट - इमिटिंग डायोड फोटोथैरेपी फॉर अनकंजुगेटिड हाइपरबिलिरुबिनेमिया इन नियोनेट्स 2011; 12: CD007969.

671. कुमार पी, शंकर एजे, देवरारी ए, आजाद आर, चंद्र पी, अग्रवाल आर, आदि रिक्स फेक्टर्स फॉर severe सेवेर रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्युरिटी इन प्रीटर्म लो बर्थ वेट नियोनेट्स. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2011; 78: 812–6.

672. कुमार आर, आनंद ए, सक्सेना वी, सेठ ए, डोगरा पीएन, गुप्ता एनपी. सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ पीसीएनएल फॉर मैनेजमेंट ऑफ स्टेगहॉर्न कैलकुली इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स. जे पीडियाट्रिक यूरोल 2011; 7: 248–51.

673. कुमार आर, कार्तिकेयन सी वी, सिंह ए सी, प्रीतम सी, सिक्का के. आइट्रोजेनिक फेशियल नर्व प्लासी 'प्रेवेंशन इज बैटर देन क्योर' - एनालाइसिस ऑफ फोर केस. इंडियन जे ऑटोल : 2011; 17: 170–2.

674. कुमार आर, करुणानिथि एस, जुआंग एच, अलावी ए. असेसमेंट ऑफ थैरेपी रिस्पॉन्ड्स बाय एफडीजी पीईटी इन इंफेक्शन एण्ड इंफ्लेमेशन. पीईटी क्लिनिक्स 2012; 7: 233–43.

675. कुमार आर, मिश्रा पी. नॉलेज, एटीट्यूड एण्ड प्रेक्टिस रिकार्डिंग एंटी-तम्बाकू मेजर्स एमंग मेम्बर्स ऑफ पंचायती राज इंस्टीट्यूशन इन ए रूरल एरिया ऑफ हरियाणा. इंडिया जे पब्लिक हेल्थ 2011; 55: 339–40.

676. कुमार आर, नेहरा ए. सेंट्रल नर्व सिस्टम एजेंट्स एण्ड इरेक्टाइल डिस्फंक्शन. यूरोल क्लिन नॉर्थ एएम 2011; 38: 165–73.

677. कुमार आर, सैकिनेनी एस, रस्तोगी एस, प्रकाश एस, बक्शी एस, शर्मा एम एस आदि एक्सप्रेशन ऑफ वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रोथ फेक्टर इन विंग सार्कोमा. इंट ऑर्थो 2012; 36: 1669–72.

678. कुमार आर, सक्सेना वी, शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, दादा आर. हर्बो -मिनरल सप्लीमेंटेशन इन मेन विद इडियोपैथिक ओलिगोस्थेनोटेराटोस्पर्मिया : ए डबल ब्लाइंड रेंडोमाइज्ड प्लासेबो- कॉन- ट्रोल्ड ट्रायल. इंडियन जे यूरोल 2011; 27: 357–62.

679. कुमार आर, शालीमार, शर्मा एच, गोयल आर, कुमार ए, खनल एस, आदि प्रोस्पेक्टिव डेरिवेशन एण्ड वेलिडेशन ऑफ अर्ली डायनेमिक मॉडल फॉर प्रेडिक्टिंग आउटकम इन पेशेंट्स विद एक्यूट लिवर फेल्योर. गट 2012; 61: 1068–75.

680. कुमार आर, शालीमार, शर्मा एच, प्रकाश एस, पांडा एस के, खनल एस. आदि पर्सिस्टेंट हाइपराम्मोनेमिया इज एसोसिएटिड विद कॉम्प्लीकेशन्स एण्ड पूअर आउटकम्स इन पेशेंट्स विद एक्यू लिवर फैल्योर. क्लिन गैस्ट्रोइंटेरोल हिपेटोल 2012; 10: 925–31.

681. कुमार आर, शमीम एसए, संदल वी, शर्मा पी, गडोदिया ए, मल्होत्रा ए. एफडीजी पीईटी / सीटी इन डिटेक्शन ऑफ एड्रेनल मेटोस्टेसिस इन पेशेंट्स विद रीनल सेल कार्सिनोमा. क्लिन न्यूक्लि मेड 2011; 36: 513–7.

682. कुमार आर, शर्मा पी, गर्ग पी, करुणानिथि एस, नस्वा एन, शर्मा आर, आदि रोल ऑफ (68) गा-डीओटीएटीओसी पीईटी-सीटी इन द डायग्नोसिस एण्ड स्टेगिंग ऑफ पैनक्रिएटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स. इयूर रेडियोल 2011; 21: 2408–16.

683. कुमार आर, शर्मा पी, कुमारी ए, हालानेक डी, मल्होत्रा ए. रोल ऑफ 18एफ-एफडीजी पीईटी / सीटी इन डिटेक्टिंग रिकरंट गॉलब्लेडर कार्सिनोमा. क्लिन न्यूक्लि मेड 2012; 37: 431–5.

684. कुमार आर, सिंह एसएस, प्रणव, रे एसबी. निमोडिपाइन पोटेंटियाटेस द एनालेजिक इफेक्ट ऑफ मोर्फाइन इन द रेट हॉट - प्लेट टेस्ट : इम्प्लीकेशन्स इन द ट्रीटमेंट ऑफ पैन. इंडियन जे एनेस्थिसिया 2011; 55: 413–6.

685. कुमार आर, सिंघल यू, महापात्रा एके. इंट्राक्रेनियल रोसाई - डोर्फमैन सिंड्रोम. पैन आरब जे न्यूरोसर्ज 2011; 15: 58–63.

686. कुमार आर, त्रिपाठी वी, अहमद एम, नाथ एन, मिर आरए, चौहान एसएस आदि सीएक्ससीआर7 मेडिएटिड Giá गिया इंडिपेंडेंट एक्टिवेशन ऑफ ईआरके एण्ड एकेटी प्रोमोट्स सेल सर्वाइवल एण्ड कीमोटैक्सिस इन टी सेल्स. सेल इम्युनोल 2012; 272: 230–41.

687. कुमार आर. मेल इंफर्टिलिटी - करंट कॉन्सेप्ट. इंडियन जे यूरोल 2011; 27: 39–40.

688. कुमार आर, सर्जरी फोर एजूस्पर्मियाइन द इंडियन पेशेंट्स : वाय इज इट डिफेंट? इंडियन जे यूरोल 2011; 27: 98–101.

689. कुमार आर वी, भास्कर एस. चैलेंजिस फॉर द रिसर्च एक्सप्लोरिंग रिलेशनशिप बिटविन डायबिटीज़ एण्ड कैंसर : कंक्लुशन ऑफ द कॉनसेन्सस रिपोर्ट बीएमजे 2010 (सीरियल ऑनलाइन) 2012.

690. कुमार आर वी, भास्कर एस. डार्क चॉकलेट एण्ड इट्स हेल्थ इम्प्लीकेशन्स. बीएमजे (सीरियल ऑनलाइन) 2012.

691. कुमार आर वी, भास्कर एस. डायबिटीज एण्ड कैंसर : एब्स्ट्रेक्ट ऑफ कॉन्सेन्सस रिपोर्ट. 2010 बीएमजे (सीरियल ऑनलाइन) 2012

692. कुमार आर वी, भास्कर एस. रिलेशनशिप बिटविन एंटी-डायबेटिक एजेंट्स एण्ड कैंसर रिस्क. बीएमजे (सीरियल ऑनलाइन) 2012

693. कुमार एस, गुलेरिया आर, मोहन ए, सिंह वी, भारती एसी, दास बीसी. एफिकेसी ऑफ प्लाज्मा टीजीएफ-बीटा1 लेवल इन प्रेडिक्टिंग थैरेप्यूटिक एफिकेसी एण्ड प्रोग्नोसिस इन पेशेंट्स विद एडवांस्ड नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर. कैंसर इंवेस्टीगेशन 2011; 29: 202–7.

694. कुमार एस, कर्माकर डी, शर्मा जेबी, काशीनाथ जेए. ट्रीटमेंट ऑफ टाइफॉइड पफकर्शन ड्यूरिंग प्रेगनेंसी एण्ड द पोस्टपैर्ट्यूम पीरियड. इंट जे ग्यानेकोल ऑब्स्टेट 2011; 115: 72–3.

695. कुमार एस, कुमार ए, त्रिखा ए, आनंद एस, गंटला पी. हिगुची फ्रेक्टल डाइमेंशन एज ए मेजर ऑफ एनालजेसिया. इंट. जे. ऑफ मेडिकल इंजीनियरिंग एण्ड इंफॉर्मेटिक्स 2012; 4: 66–72.

696. कुमार एस, कुमार एल, कर्माकर डी, सफाया आर, दुर्गापाल पी. डिस्गेर्मिनोमा इन द यूटरोइन सर्विक्स ंट जे ग्यानेकोल ऑब्स्टेट 2012; 116: 83–4.

697. कुमार एस, नकवी आर ए, खन्ना एन, पाठक पी, राव डीएनए. टीएच3 इम्युन रिस्पॉन्स इन द प्रोग्रेशन ऑफ लेपेरॉक्सी वाया मॉलीक्यूलर क्रॉस - टॉक्स ऑफ टीजीएफ-â, सीटीएलए-4 एण्ड सीबीएल-बी. क्लिन इम्युनोल 2011; 141: 133–42.

698. कुमार एस, नकवी आर ए, खन्ना एन, राव डीएनए. डिसर्प्शन ऑफ एचएलए-डीआर रेफ्ट, डिरेगुलेशन ऑफ लैक-जेडएपी-70-सीबीएल-बी क्रॉस टॉक एण्ड एमआईआर181ए टूवर्ड्स टी सेल हाइपोरिस्पोसिवनेस इन लेप्रोसी. मोल इम्युनोल 2011; 48: 1178–90.

699. कुमार एस, पाण्डे ए के, शर्मा पी, मल्होत्रा ए, कुमार आर. ऑप्टिमाइजेशन ऑफ द सीटी एक्वेसिटेशन प्रोटोकॉल टू रिड्यूस पेशेंट्स डज विदआउट कम्प्रोमिसिंग द डायग्नोस्टिक क्वालिटी फॉर पीईटी-सीटी : ए फैंटोन स्टडी. न्यूक्लिन मेड कम्युनि. 2012; 33: 164–70.

700. कुमार एस, सागर एस, सुब्रामणियन ए, अल्बर्ट वी, पाण्डे आरएम, कपूर एन. एवॉल्युएशन ऑफ एमीलेस एण्ड लाइपेस इन ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमेन पेशेंट्स. जे इमर्जे ट्रॉमा शॉक 2012; 5: 135–42.

701. कुमार एस, शर्मा जेबी, कर्माकर डी, रॉय केके, सिंह एन. कम्बाइंड इंट्रो एब्डोमिनल पेलविक पैकिंग ड्यूरिंग साइटोरिडक्टिव सर्जरी इन एडवांस्ड एपिथिलियल ओवेराइन कैंसर : ए केस सीरिज आर्क ग्यानेकोल ऑब्स्टेट 2012; 285: 1125–32.

702. कुमार एस, शर्मा एस, नारबो टी, डोल्मा डी, नोरबा ए, स्तोबदन टी, आदि पॉपुलेशन बेस्टड स्टउी टू एसेस प्रीवेलेंस एण्ड रिक्स फेक्टर्स ऑफ गेस्ट्रोइसोफेजियल रिफ्लक्स डिजीज इन ए हाइ एल्टीट्यूड एरिया. इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरोल 2011; 30: 135–43.

703. कुमार एस, शर्मा वी, फारुखी के, ट्रीटमेंट ऑफ पोस्टिरियर क्रूसिएट एवेल्युशन फ्रेक्चर्स यूजिंग बर्क्स एण्ड शैफर एप्रोच - केस सीरिज ऑफ 18 पेशेंट्स विद 12 मंथ फॉलोअप. इयूर जे ऑर्थो सर्ज ट्रामाटोल 2011; 21: 587–92.

704. कुमार एस, तोमर ए के, सिंह एस, सारस्वत एम, सिंह एस, सिंह टीपी आदि ह्यूमर सीरम एल्बुमिन एज ए न्यू इंट्राक्टिंग पटर्नर ऑफ प्रोलेक्टिन इंड्यूसिबल प्रोटीन इन ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा. इंट जे बायोल मैक्रोमोल 2012; 50: 317–22.

705. कुमार यू, सेतुरमन जी, वर्मा पी, दास पी, शर्मा वीके. सोरियास्फिॉर्म, टाइप ऑफ लिचेन स्क्रोफुलोसोरम क्यूल टू डिस्मेनेटिड ट्यूबरकुलोसिस, पीडियाट्रिक डर्मेटोल 2011; 28: 532–4.

706. कुमार वीएल, चौधरी पी, रोमॉस एमवी, मोहन एम, माटोस एमपी. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ प्रोटीन्स ड्राइव्ड फ्रॉम द लेटेक्स ऑफ कैलोट्रॉपिस प्रोकेरा एगेंस्ट इंफ्लेमेटरी हाइपरैलजेसिया इन मोनोआर्थिट्रिक रेट्स. फिटोथेर रेस, 2011.

707. कुमार वीएल, गुरूप्रसाद बी, कुमार वी. हर्बल मेडिसिन्स अफेक्टिंग एंजियोजेनेसिस. रिसेंट प्रोग मेड प्लांट्स 2012; 32: 127–150.

708. कुमार वीएल, पाधी बीएम. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ एक्वस सस्पेंशन ऑफ ड्राइड लेटेक्स ऑफ कैलोट्रॉपिस प्रोकेरा एगेंस्ट ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड रीनल डेमेज इन डायबेटिक रैट्स. बायोसेल 2011; 35: 63–9.

709. कुमावत एम के, खांडपुर एस. एक्यूट ग्राफ्ट वर्सेस होस्ट डिजीज. इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2011; 77: 217–9.

710. कुरापति एस, वाजपेयी एम, रैना एम, विष्णु भाटला एस. एडोलसेंट लिविंग विद एचआईवी : एन इंडियन प्रोफाइल. एडीएएस रेस ट्रेट 2012; 2012: 576149.

711. कुरवले एन एस, अग्रवाल डी. फेस-कॉन्ट्रेस्ट मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग ऑफ इंट्राक्रेनिल शंट ट्यूब : ए वेल्यूएबल एडजंक्ट इन द डायग्नोसिस ऑफ वेंट्रीकुलोपेरिटोनियल शंट मैलफंक्शन. क्लि. न्यूरोसर्ज 2011; 58: 138–42.

712. कुरवले एन एस, अहमद एफ, सूरी ए, काले एसएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके, आदि पोस्ट ऑपरेक्टिव पिट्यूटरी एपोप्लेक्सी : प्रियोपेरेक्टिव कंसीडरेशन टूवर्ड प्रीवेंटिंग नाइटमेर. ब्र. जे न्यूरोसर्ज 2012; 26: 59–63.

713. कुरवले एन एस, सूरी वी, सूरी ए, सरकार सी, गुप्ता डी के, शर्मा बीएस आदि प्रेडिक्टिव फेक्ट्र्स फॉर अर्ली सिम्प्टोमेटिक रिकरेंस इन पिलोसाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा : सोस एजियोजेनेसिस हैव ए रोल टू प्ले? जे क्लिन न्यूरोसाइंस 2011; 18: 472–7.

714. कुश्वाह जी एस, पाण्डे एन, सिन्हा एम, सिंह एस बी, कौर पी, शर्मा एस आदि क्रिस्टल स्ट्रक्चरर्स ऑफ ए टाइप -1 रिबोसोम इंएक्टिवेटिंग प्रोटीन फ्रॉम मोमोरेडिका ब्लासेमिना इन द बाउंड एण्ड अन बाउंड स्टेट्स. बायोकेमि बायोस्फी एक्टा 2012; 1824: 679–91.

715. कुसुमा वाई एस, बाबू बी वी, एन एथनोग्राफिक नोट ऑन खोंध, प्रीमिटिव ट्राइब एण्ड वाल्मिकी, एन एक्यूलट्यूरिजिंग ट्राइब फ्राम आंध्र प्रदेश. इंडिया एंट्रोकॉम- द ऑनलाइन जे एंर्थोपोलॉजी 2011; 7: 263–70.

716. लक्ष्मी आर, माथुर पी, गुप्ता आर, शाह बी, आनंद के, मोहन वी, आदि मेजरमेंट ऑफ कोलेस्टेरॉल एण्ड ट्रिग्लीसेरिडेस फ्रॉम ए ड्राइड ब्लड स्पॉट इन एन इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च - वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन मल्टीसेंट्रिक सर्वे ऑन रिक्स फेक्टर्स फॉर नॉनकम्युनिकेबल डिजीज इन इंडिया. जे क्लिन लिपिडोल 2012; 6: 33–41.

717. लाल एस, कृपलानी ए, भाटला एन, अग्रवाल एन. इंवेसिव कार्सिनोमा ऑफ सर्विक्स ड्यूरिंग प्रेगनेंसी - ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे इंडियन मेड एसोसि2011; 109: 751–2.

718. लालवानी एस, माथुर पी, जैन एन, बेहरा बी, मिश्रा एमएस. स्पाइनल कॉर्ड इंजरी. जे न्यूरोसर्ज स्पाइन 2011; 15: 576–7.

719. लामी ए, देवरॉक्स पी जे, प्रभाकरण डी, टैगर्ट डीपी, हु एस, पायोलेसो ई, आदि ऑफ-पंप और ऑन-पंप कोरोनरी - आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग एट 30 डेज़. एन इंग्ल. जे मेड 2012; 366: 1489–97.

720. लाजरौस जे पी, विभा डी, हांडा केके, सिंह एस, गोयल वी, श्रीवास्तव टी आदि ए स्टडी आफ वॉइस प्रोफाइल्स एण्ड एक्योस्टिक साइन इन पेशेंट्स विद पार्किन्सन डिजीज इन नॉर्थ इंडिया. जे क्लिन न्यूरोसाइंस 2012; 19: 1125–9.

721. लिम बी, पवार डी, एन जी ओ. प्रेशर सपोर्ट वेंटिलेशन वर्सिज स्पॉनटेनियस वेंटिलेशन वाया प्रो सील™ लेरिंजियल मास्क एयरवे इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स अंडर गोइंग एम्बुलेटरी सर्जरी : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. पीडियाट्रिक एनेस्थिसिया 2012; 22: 360–4.

722. लोधा आर, काबरा एस के. डायग्नोसिस ऑफ वेंटीलेटर एसोसिएटिड निमोनिया : इज देयर ए सिम्पल सोल्यूशन? इंडियन पीडियाट्रिक 2011; 48: 939–40.

723. लोधा आर, ओलेटी टी पी, काबरा एसके. मैनेजमेंट ऑफ सेप्टिक शॉक. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2011; 78: 726–33.

724. लिम बी, दास एम के, सिंह एन, देव वी, खान डब्ल्यू, शर्मा वाय. मल्टीपल ओरिजिन्स ऑफ प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम डिहाइड्रोप्टेरोटे सिंथेटस मूटेंट एलिल एसोसिएटिड विद सल्फेडोक्सिन रेसिटेंस इन इंडिया. एंटीमाइक्रोब एजेंट्स कीमोथैरेपी 2011; 55: 2813–7.

725. लुम्ब वी, मदन आर, दास एम के, रावत वी, देव वी, खान डब्ल्यू आदि डिफरेंशियल जेनेटिक्स हिट्चिंग अराउंड म्यूटेंट पीएफसीआरटी एलिल इन द इंडियन प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम पॉपुलेशन. जे एटीमाइक्रोब कीमोथैरेपी 2012; 67: 600–8.

726. लुम्ब वी, शर्मा वाई डी. नोवल के 540एन म्यूटेटिशन इन प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम डीहाइड्रोप्टेरोटे सिंथेटेस कंफर्स ए लोवर लेवल ऑफ सल्फा ड्रग रेसिटेंस देन डोज ए के540ई म्यूटेटिशन एटीमाइक्रोब एजेंट्स कीमोथैरेपी 2011; 55: 2481–2.

727. मैक डॉगाल एम, मोहन ए, मिल्स जे, मुनाव्वार एम. रेंडोमाइज्ड कम्पेरिजन ऑफ 2 डिफरेंट मैथड्स ऑफ इंट्राब्रोंकियल लिडोकाइन डिलिवरी ड्यूरिंग फ्लेक्सीबल ब्रोंकोस्कोपी : ए पायलट स्टडी. जे. ब्रोंकोल इंटर पल्मोनोल 2011; 18: 144–8.

728. माचा एम ए, माट्टा ए, कौर जे, चौहान एसएस, ठकर ए, शुक्ला एन के, आदि प्रोग्नोस्टिक सिग्नीफिकेंसी ऑफ न्यूक्लियर पीएसटीएटी3 इन ओरल कैंसर. हैड नेक 2011; 33: 482–9.
729. महाजन ए, जैसवाल ए, तबस्सुम आर, पोड्डेर ए, घोष एस, मधु एस वी आदि इलेवेटिड लेवल्स ऑफ सी-रीएक्टिव प्रोटीन एज ए रिक्स फेक्टर फोर मेटोबोलिक सिंड्रोम इन इंडियन्स. एथेरोस्क्लेरोसिस 2012; 220: 275–81.
730. महाजन ए, तबस्सुम आर, छावली एस, द्विवेदी ओपी, चौहान जी, घोष एस, आदि कॉमन वेरिएंट्स इन सीपीआर एण्ड एलईपीआर इंफ्लुएंस हाइ सेंसिटिविटी सी-रीएक्टिव प्रोटीन लेवल्स इन नॉर्थ इंडियन्स. पीएलओएस वन 2011; 6: e24645.
731. महाजन सी, रथ जीपी, दास एचएच, बिट्ठल पीके. पेरियोपेराटिव मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद एनसिफेलोसील : एन इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस. जे. न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोलॉजी 2011; 23: 352–6.
732. महाजन सी, रथ जीपी, शर्मा वीबी, चंद्र एनएस. वेनस एयर एम्बोलिज्म ड्यूरिंग रिलीज ऑफ टीड्र्ड स्पाइनल कॉर्ड इन प्रोन पॉजिशन. न्यूरोल इंडिया 2011; 59: 777–8.
733. महाजन सी, रथ जी पी, इफेक्ट ऑफ सर्जिकल आउटकम ऑन साइकोलॉजिक आसपेक्ट ऑफ पैन. एनेस्थि पैन मेड 2011; 1: 98–9.
734. महाजन सी, रथ जीपी, इंटुबेटिंग चिल्ड्रन विद जायंट ओसिपिटल एनसिफेलोसील इन लेटरल पॉजीशन : राइट एण्ड लेफ्ट साइड? जे एनेस्थिसियोलॉजी क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 575.
735. महापात्रा ए के. एंटीरियर एनसिफेलोसील - एम्स एक्सपीरियंस ए सीरिज ऑफ 133 पेशेंट्स. जे पीडियाट्रिक न्यूरोसाइं 2011; 6 (पूरक 1): S27–30.
736. महापात्रा ए के. स्पाइनल डायस्फ्रिज्म कंट्रोवर्सिज़ : एम्स एक्सपीरियंस एण्ड कंट्रीब्यूशन. इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1: 4–8.
737. महापात्रा ए के. स्प्लिट कॉर्ड मैलफॉर्मेशन - ए स्टडी ऑफ 300 केस एट एम्स - 1990-2006. जे पीडियाट्रिक न्यूरोसाइं 2011; 6 (पूरक 1): S41–5.
738. माजी के आर, सूद एम, सागर आर, खंडेलवाल एस के. ए फॉलोअप स्टडी ऑफ फैमिली ब्रूडेन इन पेशेंट्स विद बाइपोलर इफेक्टिव डिस्ऑर्डर. इंट जे साइको साइक्याट्री 2012; 58: 217–23.
739. मजुमदार पी, चड्ढा आरके, गोयल पी, मित्तल ए, कुमार एन. क्लोजापिन इंड्यूस्ड इयोसिनोफिलो. इंडियन जे साइक्याट्री 2011; 53: 152–3.
740. मखारिया जी, कैटासी सी, गोह एलके, मुंदर सीज. सेलियाक डिजीज. गेस्ट्रोइंटेरोल रेस प्रेक्ट 2012; 2012: 7585–60.
741. मखारिया जीके, वर्मा एके, अमरचंद आर, भटनागर एस, दास पी, गोस्वामी ए, आदि प्रीवेलेंस ऑफ सेलियाक डिजीज इन द नार्दन पार्ट ऑफ इंडिया : ए कम्युनिटी बेस्ड स्टडी जे.गेस्ट्रोइंटेरोल हिपेटोल 2011; 26: 894–900.
742. मखारिया जीके, इज देयर टू जेंडर डिफरेंस ऑफ इरिटेबल बोवेन सिंड्रोम इन एशिया? ऑथर रिप्लाय. जे. न्यूरोगेस्ट्रोइंटेरोल मोटिल 2011; 17: 208.
743. मखारिया जीके, अंडरस्टैंडिंग एण्ड ट्रेटिंग एब्डोमिनल पैन एण्ड स्पैमस इन ऑर्गेनिक गेस्ट्रोइंस्टेस्टाइनल डिजीज : इंफ्लेमेटरी बोवेल डिजीज एण्ड बाइलरी डिजीज. जे क्लिन गेस्ट्रोइंटेरोल पूरक 2011; 45 (पूरक): S89–93.
744. मालवीय एएन, कांग यू, अग्रवाल डी, शर्मा ए, रावत आर, कपूर एस, आदि रूटिन लेबोरेटरी टेस्टिंग फॉर एचएलए-बी*27 जीन : फ्लोसाइटोमेटरी - बेस्ड टेक्नीज़ गिव्ज़ ओकेशनल फाल्से नेगेटिव रिजल्ट. इंड जे ऑफ रिह्यूमेटोलॉजी 2011; 6: 161–3.
745. मल्होत्रा एन, कर्माकर डी, त्रिपाठी वी, लुथरा के, कमार एस. कोरलेशन ऑफ एंजियोजेनिक साइटोकाइन - लेप्टिन एण्ड आईएल-8 इन स्टेज, टाइप एण्ड प्रजेंटेशन ऑफ एंडोमेट्रियोसिस. ग्यानेकोल एंडोक्राइनोल 2012; 28: 224–7.
746. मल्होत्रा एन, शर्मा वी, बहादुर ए, शर्मा जेबी, रॉय केके, कुमार एस. द इफेक्ट ऑफ ट्यूबरकुलोसिस ऑन ओवेरियन रिजर्व अमंग वुमेन अंडरगोइंग आईवीएफ इन इंडिया. इंट जे ग्यानेकोल ऑब्स्टेट 2012; 117: 40–4.
747. मल्होत्रा आर, कनन के, कंचरेला आर, खत्री डी, कुमार वी. फिमोरल हैड-नेक ऑफसैट इन द इंडियन पॉपुलेशन : ए सीटी बेस्ड स्टडी. इंडियन जे ऑर्थो 2012; 46: 212–5.
748. मल्होत्रा आर. बोन टर्नओवर मार्कर्स - वॉट दे टेल एण्ड वॉट दे कैन डू? ऑर्थेपेडिक्स टुडे 2012; 14: 6–9.
749. मल्होत्रा आर. ब्रींगिंग ऑर्थोपेडिक कम्युनिटिज़ क्लोजर - फस्ट इंडो ब्रिटिश जॉइंट नी मीटिंग. ऑर्थेपेडिक्स टुडे 2011; 13: 96–8.
750. मल्होत्रा आर. पेरियोपेराटिव कॉम्प्लीकेशन्स फलोइंग जॉइंट रिप्लेसमेंट. ऑर्थेपेडिक्स टुडे 2011; 13: 52–6.
751. मल्होत्रा आर. पेरिप्रोस्थेटिक जॉइंड इंफक्शन रिडिफाइंड. ऑर्थेपेडिक्स टुडे 2011; 13: 140–1.
752. मलिक एम, चौहान एस, घरादे पी, मलिक वी. वॉट न्यू विल इयूरो स्कोर 2010 ऑफर? अन्न. कार्ड एनेस्थि, 2011; 14: 60–1.

753. मलिक एम, चौहान एस, विजयाकांति बी, तलवार एस, नायर वीवी, वासदेव एस. ए कम्पेरिजन ऑफ एक्स्टर्नल एण्ड इंटर्नल जुगलर वेनस प्रेशर टू मॉनिटर पल्मोनरी आर्टरी प्रेशर आफ्टर सुपीरियर कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस इंटरेक्ट कार्डियोवेस थोरैक सर्ज 2011; 13: 566–8.

754. मलिक एम, मलिक वी, चौहान एस, धवन एन, किरण यू. केटामिन - इटोमिडेट फॉर चिल्ड्रन अंडरगोइंग कार्डियक कैथेटराइजेशन. एशियन कार्डियोवेस थोरैक अन्न 2011; 19: 143–8.

755. मलिक पीएस, ब्रूर एस, बक्शी एस. एच1एन1 इंफेक्शन इन चिल्ड्रन विद हिमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी इंडिया पीडियाट्रिक, 2011; 48: 971–3.

756. मलिक एस, शर्मा एके, भारती एस, नेपाल एस, भाटिया जे, नाग टीसी आदि इन विवो कार्डियोप्रोटेक्शन बाय पिटावेस्टेटिन फ्रॉम इस्चेमिक-रिपरफ्यूजन इंजरी थ्रू सप्रेशन ऑफ आईकेके/एनएफ-ĸबी एण्ड अपरेगुलेशन ऑफ पीएकेटी-ई-एनओएस. जे. कार्डियोवेस फार्मामैकोल 2011; 58: 199–206.

757. मलिक एस, श्रीवास्तव वीके, सामंतराय जेसी, ह्यूमन बर्टिलेयोसिस फ्रॉम नार्थ इंडिया. इंडियन जे पीडिटि ्रक 2012.

758. मलिक वी, पाण्डे ए, चौहान एस, आइरेन बी. यूज ऑफ एक्स्ट्राकोरपोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजेनेटर सपोर्ट टू सालवेज एन इंफेंट विद एनोमैलस लेफ्ट कोरोनरी आर्टरी फ्रॉम पल्मोनरी आर्टरी. अन्न कार्ड एनेस्थि 2011; 14: 51–4.

759. मंडल पीके, आकोलकर एच, त्रिपाठी एम. मैपिंग ऑफ हिप्पोकैम्पल पीएच एण्ड न्यूरोकैमिकल्स फ्रॉम इन विवो मल्टी-वोक्सेल 31पी स्टडी इन हेल्दी नॉर्मल यंग मेल / फिमेल, मिल्ड कॉग्नेटिव इम्पेयरमेंट एण्ड अल्जाइमर डिजीज. जे अल्जाइमर डिस 2012; 31 (पूरक 3): S75–86.

760. मंडल पीके, त्रिपाठी, सुगुनान एस. ब्रेन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस : डिटेक्शन एण्ड मैपिंग ऑफ एंटी-ऑक्सीडेंट मार्कर 'ग्लूटेथियोन' इन डिफरेंट ब्रेन रिजन्स ऑफ हेल्दी मेल / फिमेल, एमसीआई एण्ड अल्जाइमर पेशेंट्स यूजिंग नॉन-इनवेसिव मैगनेटिक रिसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी. बायोकेम बायोस्फी रेस कम्युन 2012; 417: 43–8.

761. मंडल एस, नैथानी पी, वेंकटेश पी, गर्ग एस. इंट्राविट्रियल बेवासिजुमैप (एवास्टिन) फॉर सरकमस्क्राइब्ड कोरोआइडल हेमैंगियोमा. इंडियन जे ऑफ्थेल्मोल 2011; 59: 248–51.

762. मंडल एस, सिन्हा एस, अब्बास जेड, वेंकटेश पी. इंट्राविट्रियल बेवासिजुमैप फॉर सबफोवइल कोरोआइडल नियोवेस्कुलेराइजेशन कॉम्प्लीकेटिंग एक्टिव सेंट्रल सरियस कोरियोरेटिनोपैथी. इंडियन जे ऑफ्थेल्मोल 2011; 59: 338–9.

763. मंडल एस, सिन्हा एस, वेंकटेश पी, वशिष्ट एन. इंट्राविट्रियल बेवासिजुमैप इन कोरोआइडल नियोवेस्कुलेराइजेशन एसोसिएटिड विद बेस्ट विटेलिफॉर्म डायस्ट्राफी. इंडियन जे ऑफ्थेल्मोल 2011; 59: 262–3.

764. मंधानिया एस, इकबाल एस, शराफत एस के, एक्सेस आइ, बक्शी एस. डायग्नोसिस इन इनवेसिव फंगल इंफेक्शन्स यूजिंग रीयल-टाइप पीसीआर एस्से इन पीडियाट्रिक एक्यूट ल्यूकेमिया इंडक्शन. माइकोसिस 2012; 55: 372–9.

765. मंधानिया एस, स्वरूप सी, ठुलकर एस, विष्णुभाटला एस, काबरा एसके, एक्सेस आई, आदि ओरल वोरिकोनाजोल वर्सिस इंट्रावेनस लो डज एम्फोट्रिकिन बी फॉर प्राइमरी एंटीफंगल प्रोफाइलेक्सिस इन पीडियाट्रिक एक्यूट ल्यूकेमिया इंडक्शन : ए प्रोस्पेक्टिव, रेंडोमाइज्ड, क्लिनिकल स्टडी. जे पीडियाट्रिक हिमेटोल ओंकोल 2011; 33: e333–41.

766. मंगला वी, सिंगला वी, पाल एस. पोर्टल बिलियोपैथी : डायग्नोसिस बाय एंडोसोनोग्राफी. क्लि गेस्ट्रोइंटरोल हिपेटोल 2012; 10: A34.

767. मंजुनाथन वायसी, गमनागट्टी एस, कांडासामी डी, कुमार आर, केदिया एस, पॉल एस बी आदि आरटेरियोबाइलरी फिस्टुला : एन अनयुजूअल कॉम्प्लीकेशन ड्यूरिंग ट्रांसार्टियल कीमोएम्बोलाइजेशन. इयू एशियन जे हिप गेस्ट्रो 2011; 1: 31–4.

768. मननान आर, झांजी वी, शर्मा एन पूर्ति वी, वाजपेयी आरबी. स्पॉनटेनियस वुंड डेहीसेंस आफ्टर अर्ली सुट्रू रिमोवल आफ्टर डीप एंटीरियर लेमेलर केरेटोप्लास्टी. आइ कॉन्टेक्ट लेंस 2011; 37: 109–11.

769. मननान आर, सिन्हा आर, शर्मा एन, पूर्ति ए, तितियाल जेएस, वाजपेयी आरबी. इंट्रास्क्लेरल रिवर्स पॉकेट एप्रोच टू ट्रांसकॉनजंक्टाइवल ट्रांसस्क्लेरल सलक्स फिक्सेशन ऑफ इंट्राऑक्युलर लेनस इन आइस विद ऑक्युलर ट्रामा. आइ कॉन्टेक्ट लेंस 2011; 37: 316–9.

770. मनोरजन ए, सुगुमर एम, कुमार ए. फिनोटाइप एण्ड मॉलीक्युलर करेक्टराइजेशन ऑफ एएमपीसी बीटा-लेक्टामेसेस अमंग इस्चेरिकिया कोलाई, क्लेबेसिएला स्प. एण्ड इंटरोबैक्टर स्प. फ्रॉम फाइव इंडियन मेडिकल सेंटर. इंडियन जे मेड रेस 2012; 135: 359–64.

771. मनोरजन ए, जुल्का पीके, रथ जीके. डिस्क्रिप्टिव इपिडेमियोलॉजी ऑफ प्राइमरी ब्रेन एण्ड सीएनएस ट्यूमर्स इन दिल्ली, 2003–2007. एशियन पैक जे कैंसर प्रेव 2012; 13: 637–40.

772. मनसूरी एन, त्रिपाठी एम, लुथरा के, आलम आर, लक्ष्मी आर, शर्मा एस आदि एमटीएचएफआर (677 और 1298) और आईएल-6-174 जी / सी जीन इन पैथोजेनेसिस ऑफ अल्जाइमर एण्ड वेस्कुलर डिमेंशिया एण्ड देयर एपिस्टेटिक इंटरेक्शन. न्यूरोबायो एगिंग 2012; 33: 1003.e1–8.

773. मारोसी के, फेल्सजीघी के, मेहरा आरडी, रादक जेड, न्याकास सी. आर द न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स ऑफ एस्ट्राडियोल एण्ड फिजिकल एक्सरसाइज कम्पेरेबल ड्यूरिंग एगेइंग इन फिमेल रेट्स? बायोगेरोंटोलॉजी 2012; 13: 413–27.

774. मारवाह आरके, खाडगावत आर, टंडन एन, कंवर आर, नारंग ए, शास्त्री ए, आदि रिफरेंस इंटरवल्स ऑफ सीरम लिपिड प्रोफाइल इन हेल्दी इंडियन स्कूल चिल्ड ्रन एण्ड एंडोलसेंट. क्लिन बायोकेम 2011; 44: 760–6.

775. मारवाह आरके, पुरी एस, टंडन एन, धीर एस, अग्रवाल एन, भद्रा के, आदि इफेक्ट्स ऑफ स्पोर्ट ट्रेनिंग एण्ड न्यूट्रिशन ऑन बोन मिनिरल डेंसिटी इन यंग इंडियन हेल्दी फिमेल्स. इंडियन जे मेड रेस 2011; 134: 307–13.

776. मारवाह आरके, टंडन एन, चोपड़ा एस, अग्रवाल एन, गर्ग एमके, शर्मा बी, आदि विटामिन डी स्टेट्स इन प्रेगनेंट इंडियन वुमेन एक्रॉस ट्रिमेस्टेर्स ऑफ डिफरेंट सीजन्स एण्ड इट्स कोरेलेशन विद नियोनेटल सीरम 25-हाइड्रोक्सीविटामिन डी लेवल्स. ब्र. जे. न्यूट्रि 2011; 106: 1383–9.

777. मारवाह आरके, टंडन एन, देसाई एके, कंवर आर, शास्त्री ए, नारंग ए, आदि ए इवॉल्युएशन ऑफ थाइरॉइड फंक्शन विद पुबेर्टी. क्लिन. एंडोक्राइनो (ऑक्स) 2012; 76: 899–904.

778. मारवाह आरके, टंडन एन, गर्ग एमके, देसाई एके, कंवर आर, शास्त्री ए, आदि थाइरॉइड स्टेट्स टू डिकेडेस आफ्टर साल्ट आइयोडाइजेशन : कंट्री-वाइड डेटा इन स्कूल चिल्ड्रन फ्रॉम इंडिया. क्लिन. एंडोक्राइनो (ऑक्स) 2012; 76: 905–10.

779. मारवाह आर के, टंडन एन, गर्ग एम के, देसाई ए के, कंवर आर, शास्त्री ए, आदि बोन हेल्थ इन हेल्दी इंडियन पॉपुलेशन एज्ड 50 इयर्स एण्ड एबव. ऑस्टियोपोरोस इंट 2011; 22: 2829–36.

780. मारवाह आर के, टंडन एन, गर्ग एम के, देसाई ए के, कंवर आर, शास्त्री ए, नारंग ए, आदि डिसलिपिडेमिशन इन सबक्लिनिकल हाइपोथिरोडिज्म इन एन इंडियन पॉपुलेशन. क्लिनिक बायोकेम 2011; 44: 1214–7.

781. मारवाह आरके, टंडन एन, शास्त्री ए, भ्रदा के, नारंग ए, आदि इस्टेबिलिशमेंट ऑफ एज-स्पेसिफाइड बोन मिनरल डेंसिटी रेफरेंस रेंज फॉर इंडियन फिमेल्स यूजिंग डुएल-एनर्जी एक्स-रे एर्ब्सोप्टियोमेट्री. जे क्लिन डेंसिटोम 2012; 15: 241–9.

782. मठ आर सी, शर्मा जी, कोठारी एस एस, कलाइवानी एम, सक्सेना ए, कुमार एएस, आदि प्रोस्पेक्टिव स्टडी इन इंफेक्टिव एंडोकेराडिटिज़ फ्रॉम ए डेवलपिंग कंट्री. एएम हार्ट जे 2011; 162: 633–8.

783. मैथ्यू ए, डेनियल सीआर, फेररुस्सी एल एम, सेठ टी, देवास एस एस, जॉर्ज पी एस, आदि असेसटमेंट ऑफ फॉलो-अप, एण्ड द कम्प्लीटनेस एण्ड एक्यूरेसी ऑफ कैंसर केस एसेर्टेनमेंट इन थ्री एरियाज ऑफ इंडिया. कैंसर इपिडेमियोल 2011; 35: 334–41.

784. माथुर पी, जेन एन, गुप्ता ए, गुंजियाल जे, नायर एस, मिश्रा एमसी. हैंड हाइजीन इन डेवलपिंग नेशन्स : एक्सपीरियंस एट ए बजी लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. एनएम जे इंफेक्ट कंट्रोल 2011; 39: 705–6.

785. माथुर पी, हैंड हाइजीन : बैक टू द बेसिस ऑफ इंफेक्शन कंट्रोल. इंडियन जे मेड रेस 2011; 134: 611–20.

786. माथुर आर, गुप्ता एसके, माथुर एसआर, वेलपाडियन टी. कैलोट्रॉपिस प्रोकेरा रूट एक्स्ट्रेक्ट ब्लॉक वीईजीएफ-इंड्यूस्ड एंजियोजेनेसिस : क्वांटिटेटिव एनालाइसिस. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55: 5–12.

787. मेवड़ एस, गुप्ता एस, महाजन एस. नॉन-कॉम्प्लायंस टू द कंटीन्यूअस एम्बुलेटोरी पेरिटोनियल डायलिसिस प्रोसिजर इंक्रीज द रिक्स ऑफ पेरिटोनिटिस. इंट यूरो नेफ्रोल, 2012; 44: 1243–9.

788. मेवड़ एस, नॉन कॉम्प्लायंस टू द कंटीन्यूअस एम्बुलेटोरी पेरिटोनियल डायलिसिस प्रोसिजर इंक्रीज द रिक्स ऑफ पेरिटोनिटिस. इंट यूरो नेफ्रोल 2011 DOI 10. 1007/s 11255-011-0079-7.

789. मील आर, सेठी एस, पुष्कर एन, घोष एस. 15-दिन- ओल्ड नियोनेट विद साइटिक स्वेलिंग. जे. पीडियाट्रिक ऑफ्थेल्मोल स्ट्रेबिसमस 2011; 48: 333–4.

790. मील आर, ठुलकर एस, शर्मा एमसी, जगदेसन पी, मोहंती बीके, शर्मा एससी, आदि चाइल्डवुड ऑस्टियोसार्कोमा ऑफ ग्रेटर विंग ऑफ स्फेनॉइड : केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे. पीडियाट्रिक हिमेटोल ओंकोल 2012; 34: e59–62.

791. मील आर, मिश्रा ए, विक्रम एन, अली एस, पाण्डे आरएम, लुथरा के. कोलेस्टेरॉल एस्टर ट्रांसफर प्रोटीन एण्ड एपोलिपोप्रोटीन ई जीन पॉलीमॉर्फिज्म इन हाइपरलेपिडेमिया एशियन इंडियन्स इन नॉर्थ इंडिया. मोल सेल बायोकेम 2011; 352: 189–96.

792. मेहला जे, पहुजा एम, डेथ एसएम, अग्रवाल ए, गुप्ता वायके. एम्लियोरेशन ऑफ इंट्रासेरेब्रोवेंट्रिक्युलर स्ट्रेप्टोजोटोसिन इंड्यूस्ड कंजेक्टिव एम्पायरमेंट बाय एवॉलव्यूलस एलसिनॉडेस इन रेट्स : इन विवो एण्ड इन विवो एविडेंस. न्यूरोकेम इंट 2012; 61: 1052–64.

793. मेहला जे, पहुजा एम, गुप्ता वायके. स्ट्रेप्टोजोटोसिन - इंड्यूस्ड स्पोरेडिक अल्जाइमर डिजीज : सिलेक्शन ऑफ एप्रोप्रिएट डोस. जे अल्जाइमर डिस 2013; 33: 17–21.

794. मेहंदीरत्ता एम, पलानीचामी जे के, पाल ए, भगत एम, सिंह ए, सिन्हा एस, आदि सीपीजी हाइपरमेथीलेशन ऑफ द सी-एमवायसी प्रोमोटर बाय डीएसआरएनए रिजल्ट इन ग्रोथ सप्रेशन. मोल फार्मा डोस 2011; 8: 2302–9.
795. मेहरा एन के, सूद पी. रिकॉम्बीनेंट एंटीबॉडीज़ फॉर इम्युनोथैरेपी (एड. मेलवीन लिटिल, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, कैम्ब्रिज) बुक रिव्यू. इंडियन जे मेड रेस 2012; 135: 434.
796. महरोत्रा एस, जुनेजा आर, नायक एन, पवरी बीबी. सक्सेसफुल यूज ऑफ कुनैन इन द ट्रीटमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल स्ट्रोम इन ए चाइल्ड विद ब्रूगाडा सिंड्रोम. जे कार्डियोवेस इलेक्ट्रोफिजियोल 2011; 22: 594–7.
797. मेहता एम, सेठी एस, पुष्कर एन, कश्यप एस, सेन एस, बजाज एमएस, आदि रेटिनोब्लास्टोमा. सिंगापुर मेड जे 2012; 53: 128–35.
798. मेहता पी, सिन्हा ए, सामी ए, हरी पी, कलाइवैनी एम, गुलाटी ए आदि इंसीडेंस ऑफ एक्यूट किडनी इंजरी इन हॉस्पीटलाइजिड चिल्ड्रन. इंडियन पीडियाट्रिक 2012; 49: 537–42.
799. मेंडेलॉ एडी, ग्रेग्सन बी ए, मिटचेल पीएम, मरेरी जीडी, रावन ईएन, गोलकार एआर, आदि सर्जिकल ट्रायल इन लोबार इंट्रोसेब्रल हिमोरेज (एसटीआईसीएच ।।) प्रोटोकॉल. ट्रायल्स 2011; 12: 124.
800. मेहंदीरत्ता एस, वाजपेयी एम, मजुमदार के, चौहान एनके, श्रीनिवास वी. पॉलीफंक्शनल एनालाइसिस ऑफ गैद एन नेफ स्पेसिफिक सीडी8+टी-सेल रिसपॉन्स इन एचआईवी-। इंफेक्टिड इंडियन इंडीविजुअल्स. वैक्सीन 2011; 29: 1150–8.
801. मेंडोंका एस, गुप्ता एस, गुप्ता ए. एक्स्ट्राकोरपोरीयल मैनेजमेंट ऑफ पाइजनिंग. साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल 2012; 23: 1–7.
802. मेनन बी के, स्मिथ ईई, मोदी जे, पटेल एस के, भाटिया आर, वॉट्सन टीडब्ल्यू, आदि रीजनल लिप्टोमेनिनजियल स्कोर ऑन सीटी एंजियोग्राफी प्रेडिक्ट्स क्लिनिकल एण्ड इमेजिंग आउटकम इन पेशेंट्स विद एक्यू एंटीरियर करक्युलेशन ऑक्युलेशन. एजेएनआर एम जे न्यूरोरेडियोल 2011; 32: 1640–5
803. मेनन केसी, स्कैफ एसए, थोम्सन सीडी, ग्रे एआर, फर्ग्यूसन ईएल, जॉडपी एस, आदि द इफेक्ट ऑफ मेटेरनल आयोडीन स्टेट्स ऑन इंफेंट ऑउटकम्स इन एन आयोडीन - डेफिसिएंट इंडियन पॉपुलेशन. थाइरॉइड 2011; 21: 1373–80.
804. मेनन पीआर, लोधा आर, सिंह यू, काबरा एसके. ए प्रोस्पेक्टिव असेसमेंट ऑफ द रोल ऑफ ब्रोंकोस्कॉपी एण्ड ब्रोंकोएल्वियोलर लेवेज इन एवॉल्युएशन ऑफ चिल्ड्रन विद पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस जे ट्रॉप पीडियाट्रिक 2011; 57: 363–7.
805. मेनन वी, सक्सेना आर, मिश्रा आर, फुलझेल सए. मैनेजमेंट ऑफ ऑप्टिक न्यूट्रियस. इंडियन जे ऑफ्थेल्मोल 2011; 59: 117–22.
806. मेराज ए, खान जेएस, ग्युडिस एलसी, मित्तल एस, कुमार एस, गुप्ता एसडी, आदि सीडीएनए-बेस्ड ट्रांसक्रिप्ट एनालाइसिस ऑफ ऑटोलोगस इयूटूपिक एण्ड एक्टॉपिक एंडोमेट्रियम ऑफ वुमेन विद मॉडीरेट एण्ड सेवर एंडोमेट्रियोसिस. जे. एंडोमेट्रियोसिस 2011; 3: 8–33.
807. मिलान जेड, दास एस, कोकारेव एम, रेवारी वी. इज सिंगल - शूट एपिड्यूरल एनालजेसिया मोर इफेक्टिव देन मॉर्फीन पेशेंट - कंट्रोल्ड एनालजेसिया फॉर डोनर नेफ्रोक्टॉमी? ट्रांसप्लांट प्रोक 2011; 43: 3588–92.
808. मिलान जेड, रेवारी वी. इंट्राऑपरेटिव कार्डियोवेस्कुलर मॉनिटरिंग इन हाइपरटेंसिव पेशेंट्स पेरियोडिकम बायोलोगरम 2011; 113: 335–40
809. मिलान जेड, डंकेन बी, रेवारी वी, कोकारेव एम, कॉलिन आर. सबकोस्टल ट्रांसवेर्सिस एब्डोमिनस प्लेन ब्लॉक फॉर पोस्टऑपरेटिव एनालजेसिया इन लिवर ट्रांसप्लांट रेसिपिएंट्स. ट्रांसप्लांट प्रोक 2011; 43: 2687–90.
810. मिर एम ए, लाल आरबी, सुलेंदर डब्ल्यू, सिंह वाय, गर्टेन आर, कृष्णा ए आदि जेनेटिक डायवर्सिटी ऑफ एचए1 डोमेन ऑफ हिमाग्लुटिनिन जीन ऑफ पेंडेमिक इंफ्लुएंजा एच1एन1 पीडीएमए09 वायरस इन नई दिल्ली, इंडिया. जे. मेड वायरोल 2012; 84: 386–93.
811. मिर एम ए, चौहान एस एस. डाउन रेगुलेशन ऑफ एमेट्रिक्स डिगार्डिंग सिस्टीन प्रोटेस कैथास्पिन एल, एल एसिटिल्डिहाइड : रोल ऑफ सी / ईबीपी पीएलओएस वन 2011; 6: e20768. doi: 10.1371/journal.pone.0020768.
812. मिर्जा एस, शर्मा जी, प्रसाद आर, श्रीवास्तव ए, गुप्ता एसडी, रलहन आर. क्लिनिकल सिग्नीफिकेंस ऑफ प्रोमोटर हाइपरमेथिलेशन ऑफ ईआरबीटा एण्ड आरएआर बीटा2 इन ट्यूमर एण्ड सीरम डीएनए इन इंडियन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स. एन्नल्स ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी 2012; 19: 3107–15.
813. मिश्रा डी, कालरा वी, वेंकटेश पी, सेठ आर, गुलाटी एस. फंडल चेंज इन चिल्ड्रन रिसीविंग विगाबाट्रिन. इंडियन जे पीडियाट्रि 2011; 78: 1281–3.
814. मिश्रा डी, सिंगल एम, रोधा एम एस, सुब्रामणियन ए. सबक्यूटेनस फियोफायोमाइकोसिस ऑफ फूट इन एन इम्युनोकॉम्पीटेंट होस्ट. जे लैब फिजिशियन 2011; 3: 122–4.
815. मिश्रा जे, चोपड़ा ए, गोगिया ए, कुमार आर. सीमिगली इनसिग्नीफिकेंट, बट क्रूकियल मोर्फोलॉजिकल लीड्स इन द डायग्नोसिस ऑफ नॉन-सेकेटोरी मल्टीपल माइलोमा इ एन एंडोलसमेंट. इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2012; 55: 130–2.

816. मिश्रा एन, नागपाल एस एस, चड्ढा आरके, सूद एम. हेल्प-सीकिंग बिहेवियर ऑफ पेशेंट्स विद मेंटल हेल्थ प्रोबलम्स विजिटिंग ए टर्शियरी केयर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया. इंडियन जे साइक्यात्री 2011; 53: 234–8.
817. मिश्रा आरके, रे एआर. सिंथेसिस एण्ड करेक्टराइजेशन ऑफ पॉली {N–[3–(डिमेथिलेमिनो) प्रॉपिल] मेथेक्रिलेमाइड-को-इटाकोनिक एसिड} हाइड्रोजेल फोर ड्रग डिलीवरी. जे. एप्पल पॉलीमर साइं 2011; 119: 3199–206.
818. मिश्रा एस, बेहरा डी के, बाबू बी के, कुसुमा वाय एस. एनकाउंटर्स विद टाल्सा : वॉर्शिप एण्ड हीलिंग प्रेक्टिक्स फोर मीजल्ज अमंग ए रूरल-अर्बन माइग्रेंट सेंटल ट्राइबल कम्युनिटी इन उड़ीसा, इंडिया मैकिंड क्वार्टर्ली 2012; 52: 311–22.
819. मिश्रा एस, भटनागर एस, गुप्ता डी, ठुलकर एस. एंटीरियर अल्ट्रासाउंड-गाइड सुपीरियर हाइपोगेस्ट्रिक प्लेक्सस न्यूरोलिसिस इन पेलविक कैंसर पैन. एनेस्थि इंटेंसिव केयर 2008; 36: 732–5.
820. मिश्रा एस, मिश्रा आरसी, सुब्बाराव केसी, शर्मा एमसी. इंट्रापैरनकाइमल मेसेंकाइमल कोंड्रोसार्कोमा इन एन अनयुजअल लोकेशन. न्यूरोल इंडिया 2012; 60: 121–2.
821. मिश्रा ए, निगम पी, हिल्स ए पी, चड्ढा डीएस, शर्मा वी, दीपक केके आदि कॉन्सेंसस फिजिकल एक्टीविटी गाइडलाइन्स फॉर एशियन इंडियन्स. डायबेटिक्स टेक्नोल थेर 2012; 14: 83–98.
822. मिश्रा ए, शाह पी, गोयल के, हाजरा डी के, गुप्ता आर, सेठ पी आदि द बूरडेन ऑफ ऑबेसिटी एण्ड एब्डोमिनल ऑबेसिटी इन अर्बन इंडियन स्कूल चिल्ड्रन : ए मल्टीसेंट्रिक : ए मल्टीसेंट्रिक स्टडी ऑफ 38296 चिल्ड्रिन एन्न न्यूट्रि मेटाब 2011; 58: 203–11.
823. मिश्रा ए, शर्मा आर, गुलाटी एस, जोशी एस आर, शर्मा वी, घाफूरनिस्सा, आदि कॉन्सेंसस डायटरी गाइडलाइन्स ऑफ हेल्दी लिविंग एण्ड प्रीवेंशन ऑफ ऑबेसिटी, द मेटाबोलिक सिंड्रोम, डायबिटीज, एण्ड रिलेटिड डिस्ऑर्डर्स इन एशियन इंडियन्स. डायबिटीज टेक्नोल थेर 2011; 13: 683–94.
824. मिश्रा पी, उपाध्याय आर पी, कृष्णा ए, विक्रम एन के, सिन्हा एस. ए कम्युनिटी-बेस्ड स्टडी ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम एण्ड इट्स कम्पोनेंट अमंग वुमेन ऑफ रूरल कम्युनिटी इन बल्लभगढ़, हरियाणा मेटाब सिंड्रोम रेलेट डिस्ऑर्डर 2011; 9: 461–7.
825. मिश्रा पी, उपाध्याय आर पी, मिश्रा ए, आनंद के. ए रिव्यू ऑफ द एपिडेमियोलॉजी ऑफ डायबिटीज इन रूरल इंडिया. डायबिटीज रेस क्लिन प्रेक्ट 2011; 92: 303–11.
826. मित्तल के, गुप्ता एन, काबरा एम, जुयाल आर, थेल्मा बी के. डिस्टिनेक्ट डी नोवो डिलीशन इन ए ब्रदर-सिस्टर पेयर विद आरटीटी : ए केस रिपोर्ट. अम जे मेड जेनेट बी न्यूरोसाइक्यात्री जेनेट 2011; 156B: 859–63.
827. मित्तल के, काबरा एम, जुयाल एस. डी नोवो डिलीशन इन एमईसीपी2 इन ए मोनोजिगोटिक ट्विन पेयर : ए केस रिपोर्ट. बीएमसी मेड जेनेट 2011; 12: 113.
828. मित्तल आर, बनर्जी एस. प्रोक्सीमल फिमोरल फ्रैक्चर : प्रिंसिपल ऑफ मैनेजमेंट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे क्लिन ऑर्थो ट्रॉमा 2012; 3: 15–23.
829. मित्तल आर, शर्मा वी. सर्वाइकल स्पाइन इंजरी - ए रेयर कॉज ऑफ टॉर्टिकॉलिस. इंडिया पीडियाट्रि 2011; 48: 989–90.
830. मित्तल एस, अग्रवाल पी, दढवाल वी. मेडिकल एबॉर्शन इन वुमेन विद इम्पेयर्ड रीनल फंक्शन. इंट. जे ग्यानेकोल ऑब्स्टेट 2011; 114: 76–7.
831. मित्तल एस, सहगल आर, अग्रवाल एस, अरुणा जे, बहादुर ए, कुमार जी. सर्वाइकल प्रीमिंग विद मिसोप्रोस्टॉल बिफोर मैनुअल वेक्यूम एस्पीरेटेशन वर्सिस इलेक्ट्रिक वेक्यूम एस्पीरेटेशन फॉर फर्स्ट-ट्रिमेस्टर सर्जिकल एबॉर्शन. इंट जे ग्यानेकोल ऑब्स्टेट 2011; 112: 34–9.
832. मोहन ए, नायक एस, पाण्डे आरएम, मिल्स जे, मुनाव्वार एम. डायग्नोस्टिक युटिलिटी ऑफ एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड गाइड ट्रांसब्रोंकियल नीडल एस्पीरेटेशन फॉर मीडियास्टाइनल लेशन्स : ए प्रोस्पेक्टिव थ्री इयर, सिंगल सेंटर एनालाइसिस. थोरेसिक कैंसर 2011; 2: 183–9.
833. मोहंती बी के, मुखोपाध्याय ए, दास एस, शर्मा के, दास एस. एस्टीमेटिंग द इकोनॉमिक बूरडेन ऑफ कैसर एट ए टर्शियरी पब्लिक हॉस्पीटल : ए स्टडी एट द ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस. ईकॉन पॉल विकली 2011; 46 (43): 46.
834. मोहंती बी के. रिसर्च फोकस इन पेल्लियाटिव केयर. इंडियन जे पेल्लियाट केयर 2011; 17 (पूरक): S8–S11.
835. मोहंती के, मिश्रा एस, दादा आर, दादा टी. जेनेटिक्स कॉम्प्लेक्सिटी ऑफ प्राइमरी ओपन-एंगल ग्ल्यूकोमा. जेओसीजीपी 2011; 5: 31–9.
836. मोहंती एस, बोस एस, जेन केजी, भार्गव बी, आयरन बी. टीजीएफए1 कंट्रीब्यूट्स टू कार्डियोमायोजेनिक-लाइक डिफरेंसिएशन ऑफ ह्यूमन बोन मैरो मेसेंकाइमल स्टेम सेल. इंट जे कार्डियोल 2013; 163: 93–9.
837. मोहंती एस, कुमार ए, धवल जे, श्रीनिवास वी, गुप्ता एस. नॉन कल्वरड एक्स्टेक्टिड हेयर फॉइलिकल आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन फॉर ट्रांसप्लांटेशनल इन विटिलिगो. ब्र जे डर्मेटोल 2011; 164: 1241–6.

838. मजुमदार के, वाजपेयी एम, चौहान एनके, सिंह ए, सिंह आर, कुरापति एस. लोस ऑफ सीडी127 एण्ड इंक्रीज्ड इम्युनोसेन्सस्केन्स ऑफ टी सेल सबसेट इन एचआईवी इंफेक्टिड इंडीव्युजुअल. इंडियन जे मेड रेस 2011; 134: 972–81.

839. मजुमदार के, वाजपेयी एम, चौहान एनके, सिंह ए, सिंह आर, कुरापति एस. एल्टरेड टी सेल डिफरेंसिएशन एसोसिएटिड विद लोस ऑफ सीडी27 और सीडी28 इन एचआईवी इंफेक्टिड इंडियन इंडीव्युजुअल साइटोमेट्री बी क्लिन साइटोम 2012; 82: 43–53.

840. मंडल डी, जाना एम, जुल्का पीके. सुप्रेटेंटोरियल एटाइपिकल रेबडॉइड ट्यूमर : एन अनकॉमन चाइल्डवुड ट्यूमर. जे पीडियाट्रि न्यूरोसाइंस 2011; 6: 90–1.

841. मंडल के, शर्मा एस, एनेजा एस, कुमार ए. अनएक्स्प्लेंड क्राइंग स्पैल्स इन ए यंग चाइल्ड. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2012; 79: 132–3.

842. मंडल एस, वर्मा एस, बामोला वीडी, नायक एसके, मिर्धा बीआर, पधी एमएम, आदि डबल- ब्लाइंडिड रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल फॉर इम्युनोमॉड्यूलेटरी इफेक्ट्स ऑफ तुलसी (ओक्यूमम सैंक्टम लिनन) लीफ एक्स्ट्रेक्ट ऑन हेल्दी वॉल्टीयर्स. जे. इथनोफार्माकोल 2011; 136: 452–6.

843. मून एसएस, वांग वाय, शाने एएल, नगुयेन टी, रे पी, डेननेही पी. आदि इंहिबिटरी इफेक्ट ऑफ ब्रेस्ट मिल्क ऑन इंफेक्टिविटी ऑफ लाइव ओरल रोटावायरस वैक्सीन. पीडियाट्रिक इंफेक्ट डिस जे 2010; 29: 919–23.

844. मूरे एससी, गुंटर एमजे, डेनियल सीआर, रेड्डी केएस, जॉर्ज पीएस, युरगलेक्टिच एस आदि कॉमन जेनेटिक वेरिएंट्स एण्ड सेंट्रल एडिपॉसिटी अमंग एशियन- इंडियन्स. ऑबेसिटी (सिल्वर स्प्रिंग) 2012; 20: 1902–8.

845. मोटला एम, मानाकटाला एस, गुप्ता वी, अग्रवाल एस, भोइ एसके, अग्रवाल पी आदि सोनोग्राफिक एविडेंस ऑफ असिटेस, प्लूरा-पेरीकार्डियल एफ्यूशजन एण्ड गॉलब्लेडर वॉल एडेमा फॉर डेंगू फीवर. प्रेहोस्प डिजास्टर मेड 2011; 26: 335–41.

846. मौली वीपी, आहुजा वी. प्रोटॉन पंप इंहिबिटर्स : कंसर्न ओवर प्रोलोंग्ड यूज. ट्रॉप गेस्ट्रोइंटेराल 2011; 32: 175–84.

847. मौली वीपी, आहुजा वी. क्वेशनायर बेस्ड गेस्ट्रोइसोफेजियल रिफ्लक्स डिजीज (जीईआरडी) असेसमेंट स्केल्स. इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरोल 2011; 30: 108–17.

848. मुडुली डी, देव एस, सुबी टीएस, कल्याणपुर ए, शुक्ला एन. एन अपडेट इन द मैनेजमेंट ऑफ मेलिग्नेंन प्लूरल एफ्यूशजन. इंडियन जे पिलेट केयर 2011; 17: 98–103.

849. मुडुली डी, देव एसवीएस, शुक्ला एनके, शर्मा डीएन, रैना वी. एक्स्ट्रा-कैप्सुलर एक्स्टेंशन ऑफ एक्सीलरी नोडल मेटोस्टेसेस इन ब्रेस्ट कैंसर : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियसं ऑफ 209 पेशेंट्य. इयूर जे कैंसर 2012; 48 (पूरक1): S137

850. मुडुली डीके, देव एसवीएस, शुक्ला एनके, यादव आर, कल्याणपुर एए, समानतारा एस. बेसल सेल एडिनोकार्सिनोमा ऑफ लेक्राइम ग्लैंड. ऑर्बिट 2011; 30: 300–2.

851. मुडुली डीके, कल्याणपुर एए, देव एसवीएस, शुक्ला एनके, कपिल एएस, यादव आर. प्राइमरी लेइयोमायोसार्कोमा ऑफ एपिडिडिमिस. जे. कैंसर रेस थेर 2012; 8: 109–11.

852. मुखर्जी ए, लोधा आर, काबरा एसके. चेजिंग ट्रेंड्स इन चाइल्डवुड ट्यूबरकुलोसिस. इंडियन जे पीडियाट्रिक2011; 78: 328–33.

853. मुखर्जी ए, सूद एस, बाला एम, सतपथी जी, महाजन एन, कपिल ए आदि द रोल ऑफ द कर्मिशियल एंजाइम इम्युनो अससे एंटीजन डिक्टेशन सिस्टम फॉर डायग्नोसिस ऑफ सी. ट्रेकोमेटिस इन गेंटियल स्वैब सैम्पल्स. इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल 2011; 29: 411–3.

854. मुखर्जी डी, कौशिक एमके, जरयाल एके, कुमार वीएम, मलिक एचएन. ग्लूटामेट माइक्रोइंजेक्शन इन द मिडिल सेप्टम ऑफ रेट्स डिक्रीज पैराडॉक्सिकल स्लीप एण्ड इंक्रीज स्लो वेव स्लीप न्यूरो रिपोर्ट 2012; 23: 451–6.

855. मुखोपाध्याय एस, फेरवेर सीएफ, वेसजार एलटी, डेम्प्सी ओजे, पॉप्पर एचएच, मनी एच आदि कॉज ऑफ पल्मोनरी ग्रेन्यूलोमास : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ 500 केस फ्रॉम सेवन कंट्रीज. जे क्लिन पैथोल 2012; 65: 51–7.

856. मुक्कन्नावर एस बी, चौधरी एसके, तालवार एस, मखीजा एन, गुलाटी जी एस, काबरा एसके. न्यूरीस्मल करक्यूफ्लेक्स ऑटोरिक. जे. कार्ड सर्ज 2011; 26: 515–8.

857. मुकुंद ए, गमनागट्टी एस, सराया ए. क्रॉनिक पैनक्रियाटिस कॉजिंग थर्मोबोटिक ऑक्ल्युशन ऑफ आईवीसी एण्ड रीनल वेनस. ट्रॉप गेस्ट्रोइंटेरोल 2011; 32: 337–8.

858. मुकुंद ए, गमनागट्टी एस. इमेजिंग एण्ड इंटरवेंशन्स इन बुड-चैरी सिंड्रोम. वर्ल्ड जे रेडियोल 2011; 3: 169–77.

859. मुकुंद ए, गुप्ता पी, गमनागट्टी एस. टॉनी किडनी इन ए चाइल्ड : क्ल्यू टू ए रेयर डायग्नोसिस इंडियन जे नेफ्रोल 2011; 21: 295–6.

860. मुकुंद ए, खुराना आर, भल्ला एएस, गुप्ता एके, काबरा एसके. सीटी पैटर्न्स ऑफ नोडल डिजीज इन पीडियाट्रिक चेस्ट ट्यूबरकुलोसि. वर्ल्ड जे रेडियोल 2011; 3: 17–23.

861. मुंघाटे जी एस, अग्रवाल एस, भटनागर वी. प्राइमरी योल्क सेक टुमोर ऑफ द कॉमन बाइल डक्ट. जे पीडियाट्रिक सर्ज 2011; 46: 1271–3.

862. मुराली एम, मंजरी टी, माधुरी बी, राघवन एस, जैन डी सी, विवेकानंदन एस. जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज्म ऑफ एनएटी2 मेटोबोलिजिंग एंजाइम्स ऑन फीनोटोइन फार्माकोकिनेक्टिस इन इंडियन एपिलेप्टिक पेशेंट्स डेवलपिंग टॉक्सीसिटी. सीएनएस न्यूरोसाइंस थोर 2012; 18: 350–8.

863. मुरुगेसन ए, श्रीवास्तव डीएन, बल्लेहनिना यू के, चुम्बर एस, धर ए, मिश्रा एमसी आदि डिटेक्शन एण्ड प्रीवेंशन ऑफ पोस्ट-ऑपरेटिव डीप वेन थर्मोबोसिस (डीवीटी) यूजिंग नेड्रोपैराइन अमंग पेशेंट्स अंडरगोइंग मेजर एब्डोमिनल ऑपरेशन्स इन इंडिया; ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. इंडियन जे सर्ज 2010; 72: 312–7.

864. नाग एचएल, नारंजे एस. मैनस्कल इंजरी एण्ड मैनेजमेंट. जेआईएमएसए 2011; 24: 29–35.

865. नाग एचएल, समीर एन. ट्यूबरकुलोसिस ऑफ नी मिमिकिंग सिनोरियल मैलिग्नेंसी : ए डायग्नोसिस डेलेम्मा, इयूर जे ऑर्थोप सर्ज ट्रॉमाटोल 2011; 7: 531–4.

866. नाग टीसी, वाधवा एस, अल्लादी, सनयाल टी. लोकलाइजेशन ऑफ 4-हाइड्रॉक्सी 2 - नियोनल इम्युनोरेक्टीविटी इन एजिंग ह्यूमर रेटिनल मुलर सेल. अन्न एना 2011; 193: 205–10.

867. नाग टीसी, वाधवा एस. ऑक्युमुलेशन ऑफ लिपिड इंक्युशन इन एस्ट्रोसाइटिस ऑफ एगिंग ह्यूमन ऑप्टिक नर्व. एक्टा बायोल हंग 2012; 63 (पूरक 1): 54–64.

868. नागपाल एसजे, मिश्रा एन, चड्ढा आरके, सूद एम, गर्ग आर. चेजिंग ट्रेंड्स ऑफ सर्विस यूज एज फर्स्ट कॉन्टेक्ट बाय पेशेंट्स विद मेंटल हेल्थ प्रोब्लम्स. नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 148–50.

869. नागराल ए, मेवावल्ला पी, जगदीश एस, काबरा एम, फादके एसआर, वर्मा आईसी आदि रिकॉम्बीनेंट माइक्रोफेज टारगेटिड एंजाइम रिप्लेसमेंट थैरेपी फॉर गुचेर डिजीज इन इंडिया. इंडियन पीडियाट्रिक 2011; 48: 779–84.

870. नायक जी, गोयल एन, अग्रवाल डी. पिन साइट बाइलेटरल एपिड्यूरल हिमेटोमा - ए रेयर कॉम्प्लीकेशन ऑफ यूजिग माइफाइड क्लैम्प इन न्यूरोसर्जरी. न्यूरोल इंडिया 2011; 59: 649–51.

871. नायर एच, ब्रूक्स डब्ल्यूए, कातज एम, रोका ए, बेरक्ली जेए, आदि ग्लोबल बूरडेन ऑफ रेस्पीरेटरी इंफेक्शन्स ड्यू टू सीजनल इंफ्लुएजा इन यंग चिल्ड्रन : ए सिंथेमेटिक रिव्यू एण्ड मेटा-एनालाइसिस. लैनेक्ट 2011; 378: 1917–30.

872. नायर एम, प्रभाकरण डी, नारायण के एम, सिन्हा आर, लक्ष्मी आर, देवसेनापति एन, आदि एचबीए (1सी) वेल्यूज फॉर डिफाइनिंग डायबिटीज एण्ड इम्पेयर्ड फास्टिंग ग्लूकोज इन एशियन इंडियन. प्रिम केयर डायबिटीज 2011; 5: 95–102.

873. नायर एस, सिंह एमबी, शर्मा एसके, पाण्डे आरएम, कपिल यू. ए मल्टीसेंट्रिक स्टडी ऑन वेलिडेशन ऑफ स्पॉट टेस्टिंग किट. इंडियन जे पेडियाट्रिक 2012; 79: 751–4.

874. नायर वी, कुमार आर, सिंह एस, गुप्ता वाय के. इंवेस्टीगेशन इंटु द एंटी-इंफ्लेमेटरी एण्ड एंटीग्रेन्यूलोमा एक्टिविटी ऑफ कॉलचियम ल्यूटियम बेकर इन एक्सपेरिमेंटल मोडल्स. इंफ्लेमेटशन 2012; 35: 881–8.

875. नायर वी, सिंह एस, गुप्ता वाई के. इवॉल्यएुशन ऑफ डिजीज मोडिफाइंग एक्टिविटी ऑफ कोरिएड्रम सेटिवुम इन एक्सपेरिमेंटल मोडल्स. इंडियन जे मेड रेस 2012; 135: 240–5.

876. नैथानी पी, पुरानिक एस, वशिष्ठ एन, खंदुजा एस, कुमार एस, गर्ग एस. रोल ऑफ टॉपिकल नेपेफेंक इन प्रीवेंशन एण्ड ट्रीटमेंट ऑफ मॉलीक्यूलर एडेमा आफ्टर विट्रेयोरेटिनल सर्जरी, रेटिना 2012; 32: 250–5.

877. नैथानी पी, वशिष्ट एन, खंदुजा एस, सिन्हा एस, गर्ग एस. ब्रिलिएंट ब्ल्यू जी- असिस्टेड पीलिंग ऑफ द इंट्रनल लिमिटिड मेम्ब्रेन इन मैक्युलर होल सर्जरी. इंडियन जे ऑफ्थेल्मोल 2011; 59: 158–60.

878. नंदा ए, जेन वी, नक्रिया ए. लाइट इन राइट - वेरियस टेक्नीजृ टू फेब्रिकेट होलोउ ऑब्ट्यूरेटर्स : आइडियाज एन इनोवेशन्स. क्लेफ्ट पेलेट क्रेनियोफेक जे 2011.

879. नंदा ए, जेन वी, श्रीवास्तव ए. एन इलेक्ट्रोमायोग्राफिक स्टडी टू असेस द मिनिमल टाइम ड्यूरेशन फॉर यूजिंग द स्प्लिंट टू रेसे द वर्टिकल डिमेंशन इन पेशेंट्स विद जर्नलाइजेशन एट्रिशन टू टीथ. इंडियन जे डेंट रेस 2011; 22: 303–8.

880. नंदा ए, जेन वी. सिम्प्लिस्टिक पार्टिली लिमिटिंग सर्जिकल गाइड फॉर फ्लेप्लेस इम्प्लांट प्लेसमेंट : ए केस रिपोर्टःॠ जे ओरल इम्प्लांटोल 2012; 38: 639–41.

881. नसीम एस, कौर एस, गुप्ता आर, कश्यप आर, नित्यानंद एस. प्लाज्मा सेल ल्यूकेमिया : केस सीरिज फ्रॉम ए टर्शियरी सेंटर विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर. इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्क 2011.

882. नसवा एन, बाल सीएस. डाइवर्जेंट रोल ऑफ (68) गा-लेबेलेड सोमेटोस्टेटिन एनालोगस इन द वर्कअप ऑफ पेशेंट विद एनईटी : एम्स एक्सपीरियसं. रीसेंट रिजल्ट कैंसर रेस 2013; 194: 321–51.

883. नसवा एन, शर्मा पी, कुमार ए, नजर एनएच, कुमार आर, चुम्बर एस. आदि ग्लियम-68-डीओटीए-एनओसी पीईटी / सीटी ऑफ पेशेंट्स विद गेस्ट्रोइंटेरोपैनक्रियाटिस न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स : ए प्रॉस्पेक्टिव सिंगल-सेंटर स्टडी. एजेआर एम जे रोइंटेजिनॉल 2011; 197: 1221–8.

884. नसवा एन, शर्मा पी, कुमार ए, सुंदरराजन आर, कुमार आर, मल्होत्रा ए, आदि वी एक्स जीए-डीओटीएएनओसी पीईटी / सीटी इन पेशेंट्स विद कार्सिनोमा ऑफ अनॉन प्राइमरी ऑफ न्यूरोएंडोक्राइन ऑर्गिन क्लिन न्यूक्लि मेड 2012; 37: 245–51.

885. नसवा एन, शर्मा पी, नजर एएच, अग्रवाल केके, कुमार आर, अम्मिनी एसी, आदि प्रॉस्पेक्टिव इवेल्यएुशन ऑफ वी एक्स जीए-डीओटीएएनओसी पीईटी-सीटी इन फियोक्रोमोसाइटोमा एण्ड पैरागैंगलियोमा : प्रीलिमिनेरी रिजल्ट फ्रॉम ए सिंगल सेंटर स्टडी. इयूर रेडियोल 2012; 22: 710–9.

886. नाथ एमपी, मखिजा एन, किरन यू, धवन एन, वेलायुगम डी. लेफ्ट जुक्स्टापॉस्ड आर्टियल एप्पेंडागेस इन द पेशेंट्स विद डेक्स्ट्रोकार्डिया एण्ड ट्राइक्सपिड आट्रेसिया : टीईई इमेज. अन्न कार्ड एनेस्थि 2011; 14: 150–1.

887. नायक बी, रे एआर, पांडा एके, रे पी. इम्प्रूव्ड इम्युनोजेनिसिटी ऑफ बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर प्रेक्टिकल्स इंट्राप्पेड रोटावायरस वैक्सीन. जे बायोमेटर एप्प्ल 2011; 25: 469–96.

888. नायक एन, सतपति जी. फंगल एंडोफ्लेमिटिस. इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी 2012; 3: 106–12.

889. नायक एन, सतपति जी, नाग एच एल, वेकंटेश आर, रामाकृष्णा एस, नाग टीसी आदि स्लाइम प्रोडक्शन इज इनीशियल फॉर द एड्रेरेंस ऑफ स्टेफिलोकोकस एपिडर्मिडिस इन इम्प्लांट-रिलेटिड इंफेक्शनल. जे हॉस्प इफेक्ट 2011; 77: 153–6.

890. नायक एन, सतपति जी, प्रसाद एस, तितियाल जे एस, पाण्डे आरएम, जायपेयी आरबी. मॉलीक्यूलर करैक्टराइजेशन ऑफ ड्रग-रेसीस्टेंट एण्ड ड्रग-सेंसिटिव एर्स्पजिलस आइसोलेट कॉजिंग इंफेक्शस केराटिस. इंडियन जे ऑफ्थेलमोल 2011; 59: 373–7.

891. नायक आर के, पतिहार एस, अग्रवाल वी, महापात्रा एके, जायंट फ्रंटल एंसिफेलोसेल. पैन आर्ब जे न्यूरोसर्ज 2011; 15: 55–7.

892. नायर आर, चावडा एस, सिंह पी, गुप्ता एन पी. मिस्ड डायग्नोसिस ऑफ एंटीरियर यूरेथ्रेल वॉल्व कॉम्प्लीकेटिड विद द फोर्जन बॉडी : ए कॉज फॉर कंसर्न. आर्फ जे पीडियाट्रिक सर्ज 2011; 8: 89–91.

893. न्योगी डीएस, अजय के के, त्रिखा वी, यादव एससी. ऑथर्स रिप्लाय. इंडियन जे ऑर्थोप 2011; 45: 285.

894. नियोह सी एफ, लियुग एल, मिश्रा ए, वाजपेयी आर बी, देविस जी एफ, फुलिनफा आरओ आदि पेनेट्रेशन ऑफ टॉपिकली एडमिनिस्टेरेड 0.5 - पर्सेंट कैस्पोफंगिन आइज ड्रॉप्स इनटू ह्यूमन एक्वस हुमोर एंटीमाइक्रोब एंजेट्स कीमोथैर 2011; 55: 1761–3.

895. नियोह सी एफ, लियुग एल, वाजपेयी आर बी, स्टेवार्ट के, कॉन्ग डीसी. ट्रीटमेंट ऑफ आल्टेनेरिया केराटिटिस विद इंट्रास्ट्रोमल एण्ड टॉपिकल कैस्पोफंगिन इन कॉम्बीनेशन विद इंट्रास्ट्रोमल, टॉपिकल एण्ड ओरल वोरिकोनाजोल. एन्न फार्माकोथैर 2011; 45: e24.

896. नगान एच वाई, गार्लैंड एसएम, भाटला एन, पेगलुइसी एसआर, चान केके, चेयुग एएन आदि एशिया ओशिनिया गाइडलाइन्स फॉर द इम्प्लीमेंटेशन ऑफ प्रोग्राम्स फॉर सर्वाइकल कैंसर प्रीवेंशन एण्ड कंट्रोल. जे कैंसर एपिडेमियोल 2011; 2011: 794861.

897. निर्मल जे, वेलापांडियन टी, सिंह एसबी, बिस्वास एनआर, थावराज वी, अजाद आर आदि डेवलपमेंट एण्ड वेलिडेशन फॉर द हाइली सेंसिटिव एलसी-एमएस / एमएस मेथड फॉर ऑर्गेनिक कैशन ट्रांसपोर्टर (ओसीटी) सबस्ट्रेट टेराएथिलेम्मोनियम (टीईए) इन रैबिट्स. जे क्रोमोटोगर बी एनालिट टेक्नोल बायोमेड लाइफ साइंस 2011; 879: 585–90.

898. निर्मल एस, त्रिपाठी एम, शास्त्री एसएस, सागर आर. एसोसिएशन फॉर जियोटेंसिन-कंवर्टिंग एंजाइम इंसर्शन (आई) / डिलेशन (डी) जीनोटाइप इन अल्जाइमर डिजीज पेशेंट्स ऑफ नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन. इंट जे न्यूरोसाइंस 2011; 121: 557–61.

899. नॉगकिन्रह बी, आनंद के, गुप्ता एस, पांडव सीएस, अंडर ग्रेजुएट टीचिंग ऑफ पब्लिक हेल्थ इन मेडिकल कॉलेज ऑफ इंडिया. पब्लिशिड ऑन 20 अप्रैल 2011, एट http://www.siicsalud.com/dato/ experto.php/111940.

900. नोरिस एसए, ओस्मोंड सी, गिगांटे डी, कुजवा सीडब्ल्यू, रामाकृष्णा एल, ली एनआर, रेमिरेज-जी एम, रिचटेर एलएम, स्टीन एडी, टंडन एन, फॉल सीएच; सीओएचओआरटीएस ग्रुप. साइज एट बर्थ, वेट गेन इन इंफेंसी एण्ड चाइल्डवुड, एण्ड एडल्ट डायबिटीज़ रिक्स इन फाइव लो- और मिडिल-इनकम कंट्री बर्थ कोहार्ट. डायबिटीज केयर 2012; 35: 72–9.

901. न्यामाथी ए, एक्स्ट्रेंड एम, जोल्ट-गिलबूरने जे, गांगुली के, सिन्हा एस, रामाकृष्णा पी आदि कोरेलेटस ऑफ स्टिग्मा अमंग रूरल इंडियन वुमेन लिविंग विद एचआईवी / एड्स. एड्स बिहेव 2013; 17: 329–39.

902. न्यामाथी ए, हेरेवियन ए, जोल्ट-गिलबूरने जे, सिन्हा एस, गांगुली के, लुइ ई आदि कोरेलेटस ऑफ डिस्प्रेशन अमंग रूरल वुमेन लिविंग विद एड्स इन साथरेन इंडिया. इशूज मेंट हेल्थ नर्स 2011; 32: 385–91.

903. न्यामाथी एएम, सिन्हा एस, गांगुली केके, विलियम आरआर, हेरेवियन ए, रामाकृष्णा पी, आदि चैलेंज एक्सपीरियंस्ड बाय रूरल वुमेन इन इंडिया लिविंग विद एड्स एण्ड एम्प्लीकेशन्स फोर द डिलीवरी ऑफ एचआईवी / एड्स केयर. हेल्थ केयर वुमेन इंट 2011; 32: 300–13.

904. पाधी बीएम, गुप्ता पी, गुप्ता वायके. एनालाइसिस ऑफ द कॉम्प्लेंस ऑफ इंफोर्म्ड कॉन्सेंट डॉक्यूमेंट्स विद गुड क्लिनिकल प्रेक्टिस गाइडलाइन. कंटेम्प क्लिन ट्रायल 2011; 32: 662–6.

905. पाधी बीएम, गुप्ता वाई के. ड्रग रिपॉजिशनिंग : री-इंवेस्टिगेटिंग एक्सीटिंग ड्रग फोर न्यू थैराप्यूटिक इंडीकेशन्स. जे. पोस्टग्रेड मेड 2011; 57: 153–60.

906. पदमा श्रीवास्तव एमवी, भसिन ए, भाटिया आर, गर्ग ए, गैकवाद एस, प्रसाद के आदि एफिकैसी ऑफ मिनोसाइक्लिन इन एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक : ए सिंगल-ब्लाइंडिड, प्लासेबो-कंटोल्ड ट्रायल. न्यूरोल इंडिया 2012; 60: 23–8.

907. पहुजा एम, मेहला जे, कुमार गुप्ता वाय. एंटीकॉन्वुल्सेंट एण्ड एंटीऑक्सीडेटिव एक्टिविटी ऑफ हाइड्रोएल्कोहोलिक एक्स्ट्रेक्ट ऑफ ट्यूबर ऑफ ऑर्किस मस्कुला इन पेंटीलेंटेट्राजोल एण्ड मैक्सिमल इलेक्ट्रोशॉक इंड्स्यूड सीजरेस इन रैट्स. जे इथियोफार्माकोल 2012; 142: 23–7.

908. पहुजा एम, मेहला जे, रीटा केएच, जोशी एस, गुप्ता वायके. हाइड्रोएल्कोहोलिक एक्स्ट्रेक्ट ऑफ जिजीफुस जुजुबा एम्लियोरेटस सीजरेस, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, एण्ड कॉग्नेटिव इम्पायर्डमेंट इन एक्सपेरिमेंटल मोडल्स ऑफ एपिलेप्सी इन रैट्स. एपिलेप्सी बिहेवि 2011; 21: 356–63.

909. पहुजा एम, मेहला जे, रीटा केएच, जोशी एस, गुप्ता वायके. रूट एक्स्ट्रेक्ट ऑफ एनासाइक्लस प्रीथेरम एम्लियोरेटस सीजरेस, सीजरे-इंड्यूस्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड कॉग्नेटिव इम्पायर्डमेंट इन एक्सपेरिमेंटल एनिमल्स. एपिलेप्सी रेस 2012; 98: 157–65.

910. पहुजा एसके, आनंद एस, सेनगुप्ता ए. इलेक्ट्रिकल इम्पेडेंस टोमोग्राफी बेस्ड इमेज रिकंस्ट्रक्शन एण्ड फिटो - मेटर्नल मॉनिटरिंग इन प्रेगनेंसी. हेल्थ 2011; 3: 482–6.

911. पहुजा एसके, आनंद एस, सेनगुप्ता ए. नोवल मैथड ऑफ फिटो-मेटर्नल मॉनिटरिंग यूजिंग म्यूजिक थैरेपी- ए नॉन सट्रेस टेस्ट. इंट जे एडवांस्ड रेस कम्प्यूटर साइंस 2011; 2: 472–4.

912. पहवा पी, कौशल एस, गुप्ता एस, खैतान बीके, शर्मा वीके, सेतुरमन जी. लिनियर सिरिंजियोसिस्टेडोमा पेपिलिफेरम : एन अनयुजुअल लोकेशन. पीडियाट्रि डर्मेटोल 2011; 28: 61–2.

913. पहवा पी, मीना डी, तंवीर एन, शर्मा वी के, सेतुरमन जी. पंक्यूएट वेस्कुलर पैपुलस ऑन द टंग एण्ड स्कोर्टम. इंडियन जे डर्मेटोल 2012; 57: 228–9.

914. पहवा पी, सेतुरमन जी. सेगमेंटल बेकर्स नेवी विद म्यूकोसल इंवॉल्वमेंट. पीडियाट्रिक डर्मेटोल 2012; 29: 670–1.

915. पहवा पी, शर्मा वी के, चौहान के, शुक्ला बी. स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा प्रेजेंटिंग एज मल्टीपल डिस्चार्जिंग सिनूसेस ऑन द चिन. क्लिन एक्स डर्मेटोल 2011; 36: 641–4.

916. पाल आर, चंद पी, टेयोटिया एके, जैसवाल एके. मॉलीक्यूलर मशीन ऑफ एल्युमिनियम एण्ड जिंक फॉस्फाइड टॉक्सीसिटी : फोकस ऑन एनालाइटिकल टेक्नीक्स यूज्ड फोर देयर फोरेंसिक एनालाइसिस. आईजेएमटीएलएम 2011; 13: 19–27.

917. पाल एस, करंट रोल ऑफ सर्जरी इन पोर्टल हाइपटेंशन. इंडियन जे सर्ज 2012; 74: 55–66. doi: 10.1007/s12262-011-0381-8.

918. पालेनिवल सी, कुलकर्णी वी, कलाइसेल्वी एस, नॉगकिन्रह बी. वैक्सीन वेस्टेज असेसमेंट इन ए प्राइमरी केयर सीटिंग इन अर्बन इंडिया. जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक साइंस 2012; 4: e119.

919. पालिवाल पी, गुप्ता जे, टंडन आर, कश्यप एस, सेन एस, अग्रवाल ए, बक्शी आर, शर्मा ए. ए नोवल टीजीएफबीआई फीनोटाइप विद एमाइलॉइड डिपॉजिट एण्ड आर्ग124ल्यू म्यूटेशन. ऑफ्थेल्मिक रेस 2011; 46: 164–7.

920. पालिवाल पी, शर्मा ए, बिरला एस, कृपलानी ए, खाडगावत आर, शर्मा ए. आइडेंटीफिकेशन ऑफ नोवल एसआरवाय म्यूटेशन्स एण्ड एसएफ1 (एनआर5ए1) चेंज इन पेशेंट विद प्योर गोनाडल डिस्जेनेसिस एण्ड 46, एक्स वाय कार्योटाइप. मोल हम रिप्रोड 2011; 17: 372–8.

921. पालिवाल पी, शर्मा ए, टंडन आर, शर्मा एन, तितियाल जेएस, सेन एस. आदि मॉलीक्यूलर जेनेटिक एनालाइसिस ऑफ मैक्यूलर कोरनियल डिस्ट्रॉफी पेशेंट्स फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. ऑफ्थेलेमिक रेस 2012; 48: 28–32.

922. पालिवाल पी, टंडन आर, दुबे डी, कौर पी, शर्मा ए. फैमिलियल सेग्रेगेशन ऑफ ए वीएसएक्स1 म्यूटेशन एड्स ए न्यू डिमेंशन टू इट्स रोल इन द कोजेशन ऑफ केरोटोकोनस. मोल विस 2011; 17: 481–5.

923. पल्लावा ए, चड्ढा आर के, सूद एम, लक्ष्मी आर. मेटाबोलिक सिंड्रोम इन शाइजोफर्निया : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ एंटीसाइकोटिक-फ्री/ नेव एण्ड एंटीसाइकोटिक-ट्रेटेड पेशेंट्स फ्रॉम इंडिया. नॉर्ड जे साइक्याट्री 2012; 66: 215–21.

924. पाण्डे एच, अर्जुमन ए, रॉय के के, चंद्र एन सी. रेसिप्रोकल कॉर्डिनेशन ऑफ ए कॉम्बीनेशन ओरल कंट्रासेप्टिव कंटेनिंग डिसोजिस्ट्रेल+एथिनिल नो द एक्सप्रेशन ऑफ एलओएक्स-1 एण्ड एलडीएलआर इन प्लासेंटल ट्रोफोब्लास्ट सेल्स. कंट्रासेप्शन 2011; 84: e43–9.

925. पाण्डे एम, गुप्ता एन, काबरा एम, कुमार ए, दत्ता वी, सैली ए. वाइडमैन-रॉटेंस्ट्रेच सिंड्रोम : फर्स्ट इंडियन केस. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2011; 78: 1552–5.

926. पाण्डे आर, गर्ग आर, डारलॉन्ग वी, पुंज जे, चंद्रलेखा, कुमार ए. अनप्रेडिक्टेड न्यूरोलॉजिकल कम्पलीकेशन्स आफ्टर रोबोटिक लेपेरोस्कोपिक रेडिकल साइक्टॉमी एण्ड एलिल कंड्यूट फॉर्मेशन इन स्टीप ट्रेडेलेंबर्ग पॉजिशन : टू केस रिपोर्ट. एक्टा एनेस्थिसियोलॉजी बेल्ज 2010; 61: 163–6.

927. पाण्डे आर, कुमार ए, गर्ग आर, खन्ना पी, दारलॉन्ग वी. पेरियोऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट विद अल्काप्टोनूरिया एण्ड एसोसिएटिड मल्टीपल कमोर्बिडिटिज. जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 259–61.

928. पाण्डे आरएम, गुप्ता आर, मिश्रा ए, मिश्रा पी, सिंह वी अग्रवाल ए आदि डिटर्मिनेंट्स ऑफ अर्बन - रूरल डिफरेंस इन कार्डियोवेस्कुलर रिक्स फेक्टर्स इन मिडल-एज्ड वुमेन इन इंडिया ‘ ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी. इंट जे कार्डियोल 2011; 163: 157–62.

929. पाण्डे एस, रंजन आर, टोटेजा जीएस, राव एस, मिश्रा आरएम, पाण्डे स्व, आदि माइक्रोन्यूट्रिएंट्स स्टेटस एलॉन्ग विद हिमेटोलॉजिकल एण्ड बायोकमिकल पैरामीटर्स इन सिकली सबटाइप्स : प्रीलिमिनेरी रिपोर्ट फ्रॉम इंडिया. रेव हिमेटोल मैक्स 2011; 12: 131–7

930. पाण्डे एस, सेठ टी, मिश्रा आरएम, सक्सेना आर. इंक्रीज रिक्स ऑफ हिमेट्यूरिया एण्ड यूरिनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन इन सिकली सेल ट्रेट्स. जे. क्लिन डाग रेस 2012; 6: 153

931. पांडियन एमपी, बिठल पीके, दास एचएच, चतुर्वेदी ए. कम्पेरेटिव इंसिडेंस ऑफ कार्डियोवेस्कुलर चेंज ड्यूरिंग वेनस एयर एम्बोलिज्म एज डिटेक्टिड बाय ट्रांसइसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी एलॉन और इन कॉम्बीनेशन विद एण्ड टिडल कार्बन डिऑक्सीडे टेंशन मॉनिटरिंग. जे. क्लिन न्यूरोसाइंस 2011; 18: 1206–9.

932. पांडियन जेडी, ज्योत्सना आर, सिंह आर, सेलजा पीएन, विजया पी, पदमा एमवी आदि प्रीमोर्बिड न्यूट्रिशन एण्ड शॉर्ट टर्म आउटकम ऑफ स्ट्रोक : ए मल्टी सेंटर स्टडी फ्रॉम इंडिया. जे न्यूरोल न्यूरोसर्ज साइक्याट्री 2011; 82: 1087–92.

933. पांडियन जेडी, कौर ए, ज्योत्सना आर, सेलजा पीएन, विजया पी, पदमा एमवी आदि कॉम्प्लीकेशन्स इन एक्यूट स्ट्रोक इन इंडिया (सीएएसटी-1) : ए मल्टीसेंटर स्टडी. जे स्ट्रोक सेरेब्रोवेस डिस 2012; 21: 695–703.

934. पंदिता डी, आहुजा ए, लैथर वी, बेंजामिन बी, दत्ता टी, वेलपांडियन टी आदि डेवलपमेंट ऑफ लिपडि-बेस्ड नैनोप्रोक्टिकल्स फॉर एंहासिंग द ओरल बायोवेलिबिलिटी ऑफ पैस्लीटेक्सेल. एएपीएस फार्मोकोल साइं टेक 2011; 12: 712–22.

935. पाणी सीके, महापात्रा एस, सामंतराय जेसी, बक्शी एस. विसेरल लिशमानियासिस एज ए कॉज ऑफ प्रेसिटेंट फीवर इन पीडियाट्रिक हॉडकिन लिम्फोमा. पीडियाट्रि इंफेक्ट डिस J 2011; 30: 630–1.

936. पाठक डी, नायक बी, सिंह एम, शर्मा एन, टंडन आर, सिन्हा आर आदि मिटोकोंड्रियल कॉम्प्लेक्स 1 जीन एनालाइसिस इन केरेटोकोनस. मॉल विस 2011; 17: 1514–25.

937. पाठन आरए, भंडारी यू, जादव एस, नाग टीसी. एंटी-एपॉप्टॉटिक पोटेंशियल ऑफ ग्यानेमिक एसिड फॉस्फोलिपिड कॉम्प्लेक्स प्रीट्रीटमेंट इन विस्टर रैट्स विद एक्सपेरीमेंटल कार्डियोमायोपैथी. इंडियन जे एक्स बायो 2012; 50: 117–27.

938. पठनिया एस, थुलकर एस, आहुजा ए, बक्शी एस. प्राइमरी मीडियास्टाइनल न्यूरोएंडोक्राइनल कार्सिनोमा इन चाइल्ड विद डाउन सिंड्रोम. पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2011; 57: 530–1.

939. पतिदार एबी, एंड्रूज जीआर, सेठी एस. प्रीवेलेंस ऑफ ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया, एसोसिएटिड रिक्स फेक्टर्स, एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ अमंग इंडियन कांजेस्टिव हार्ट फेल्योर पेशेंट्स : ए क्रॉस-सेक्शनल सर्वे. जे कार्डियोवेस न्यूर 2011; 26: 452–9.

940. पटनायक आरडी, मंडल ए, सागर आर. पैथोलॉजिकल स्टेलिंग इन ए पेशेंट्स विद सिस्टेमिक ल्युप्स इरीथेमेटोसस : रेयर और चिल्ड्रन? ल्युप्स 2011; 20: 1001–2.

941. पटनायक आरडी, जेना आर, विभा डी, खंडेलवाल एसके, त्रिपाठी एम. कॉपिंग एण्ड इट्स रिलेशनशिप टू क्वालिटी ऑफ लाइफ इन डेमेंशिया 2011; 4: 499–508.

942. पटनायक आरडी, सागर आर, जैन आर. पीरेसिव्ड हेल्थ रिक्स, एप्टीट्यूड एण्ड रेडिनेस टू क्वाइट तम्बाकू अमंग इयूथेमिक बाइपोलर डिस्ऑर्डर पेशेंट्स इन रेगुलर कॉन्टेक्ट विद मेंटल हेल्थ सर्विस : एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी फ्रॉम इंडिया. जे मेंट हेल्थ 2012; 21: 83–90.

943. पटनायक आरडी, सागर आर, मेहता एन, कॉग्नेटिव डिस्फंक्शन एज ए ट्रेट मार्कर ऑफ बाइपोलर डिस्ऑर्डर : ए क्रिटिकल रिव्यू. जे मेंट ह्यूमन बिहेवि 2011; 16: 3–10.

944. पटनायक आरडी, सागर आर, मेहता एम. न्यूरोकॉग्निशन इन अनफेक्टिड फर्स्ट डिग्री रिलेटिव्स ऑफ पेशेंट्स विद बाइपोलर डिस्ऑर्डर टाइप 1 फ्रॉम इंडिया : ए पोटेंशियल वलनेरेबिलिटी मार्कर? एसएजीए ओपन 2012: 2 doi: 10.1177/2158244011436351.

945. पटनायक आरडी, सागर आर, मेहता एम. न्यूरोसाइकोलॉजिकल परफॉर्मेंस इन इथिमिक इंडियन पेशेंट्स विद बाइपोलर डिस्ऑर्ड्स टाइप 1 : कोरेलेशन बिटविन क्वालिटी ऑफ लाइफ एण्ड ग्लोबल फक्शनिंग 2012; 66: 553–63.

946. पटनायक आरडी, सागर आर, मेहता एम. सिम्पल ऑर्बजवेशन, ग्रेट ब्रेकथ्रू : इंस्पिरेशन फ्रॉम हिस्ट्री. जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेवि 2011: 16: 54–5.

947. पटनायक आरडी, सागर आर. ए क्वालिटेटिव स्टडी ऑफ पर्सप्शन्स रिलेटिड टू फैमिली रिक्स ऑफ बाइपोलर डिस्ऑर्डर अमंग पेशेंट्स एण्ड फैमिली मेम्बर्स फ्रॉम इंडिया. इंट जे साइक साइक्याट्री 2012; 58: 463–9.

948. पटनायक आरडी, सागर आर. डिप्रेशन इन डेमेंटिया पेशेंट्स : इशूज एण्ड चैलेंज फॉर ए फिजिशियन. जे एसोस फिजिशियन इंडिया 2011; 59: 650–2.

949. पटनायक आरडी, सागर आर. इंस्प्रेशन फ्रॉम हिस्ट्री. सिम्पल ऑर्बजवेशन, ग्रेट इंस्प्रेशन-।। : जॉन कैड. जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेवि 2011; 16: 126–8.

950. पटनायक आरडी, सागर आर. ट्रेकिंग द हिस्ट्री ऑफ जर्नल पेरेसिस ऑफ द इनसेन : लिक्स टू साइक्याट्री. जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेवि 2012; 17: 81–3.

951. पटवर्धन एसडी, आजाद आर, गोगिया वी, चंद्र पी, गुप्ता एस. प्रीवेलिंग क्लिनिकल प्रेक्टिस रिगार्डिंग स्क्रीनिंग फॉर रेटिनोपैथी ऑफ प्रेमेच्युरिटी अमंग पीडियाट्रियाशियन इन इंडिया : ए पायलट सर्वे. इंडियन जे ऑफ्थेल्मोल2011; 59: 427–30.

952. पॉल बीएस, भाटिया आर, प्रसाद के, पदमा एमवी, सिंह एमबी. क्लिनिकल प्रेडिक्टर्स ऑफ मेकेनिकल वेंटिलेशन इन गुलियन-बेरे सिंड्रोम. न्यूरोल इंडिया 2012; 60: 150–3.

953. पॉल एसबी, गामनगट्टी एस, श्रीनिवास वी, चंद्रशेखर एसएच, मुकुंद ए, गुलाटी एमएस आदि ट्रांस-आर्टियल कीमोएम्बोलाइजेशन (टीएसीई) इन पेशेंट्स विद अनरिसेक्टेबल हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा : एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शियरी केयर सेंटर इन इंडिया. इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग 2011; 21: 113–20.

954. पॉल एसबी, गामनगट्टी एसआर, अनीश एमके, अचार्य एसके. पेरक्यूटेनियस एब्लेटिव थैरेपी फॉर हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोना. नेट मेड जे इंडिया 2011; 24: 347–55.

955. पॉल एसबी, गामनगट्टी एसआर, मुकुंद ए अब्बास, एसके. ट्रांसआर्टियल कीमोएम्बोलाइजेशन फॉर हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा : सिग्नीफिकेंस ऑफ एक्ट्राहिपेटिक कोलेट्रल सप्लाई. इंडियन जे कैंसर 2011; 48: 339–44.

956. पवार डी. हेव टेक्नोलॉजिकल एडवांस्ड डीक्रीस्ड आवर क्लिनिकल स्किल? इंडियन जे एनेस्थि 2011; 55: 448–50.

957. पिल्लई एमएस, शंकर एमजे, मणि के, अग्रवाल आर, पॉल वीके, देवरारी एके. क्लिनिकल प्रीडिक्टशन स्कोर फॉर नेसल सीपीएपी फेल्योर इन प्री-टर्म वीएलबीडब्ल्यू नियोनेटस विद अर्ली ओनसेट रिस्पिरेटरी डिस्ट्रेस. जे ट्रॉप पीडियाट्रिक 2011; 57: 274–9.

958. प्रभाकर एच, बिंद्रा ए, सिंह जीपी, कलाइवानी एम. प्रोपोफॉल वर्सिस थियोपेंटल सोडियम फोर द ट्रीटमेंट ऑफ रेफ्रेक्टरी स्टेट्स एपिलेप्टिकस. कोकरेन डेटाबेस सिस्ट रिव 2012; 8: CD009202.

959. प्रभाकर एच, सिंह जीपी. एब्सॉल्युट एल्कोहल एम्बोलाइजेशन ऑफ सिम्प्टोमेटिक वर्टेब्रल हिमेंजियोमास मे नॉट बी एब्सॉल्युटली सेफे ड्यूरिंग इंट्राऑपरेटिव पीरियड! न्यूरोसर्जरी 2011; 69: E502; ऑथर रिप्लाय E502.

960. प्रभाकर एच, अली जेड, सिंह जीपी, कलाइवानी एम. फार्माकोलॉजिकल एण्ड नॉन-फार्माकोलॉजिकल इंटरवेंशन्स फॉर रीड्यूसिंग रोक्यूरोनियन ब्रोमाइड इंड्यूस्ड पैन ऑन इंजेक्शन इन चिल्ड्रन एण्ड एडल्ट्स. कोकरेन डेटाबेस सिस्ट रिव 2011; 10: CD009346.

961. प्रभाकर एच, रथ जीके, हर्ष केपी, मनोरहन एल, लावीराज एमए, राजेन्द्र एम. आदि ए स्टडी ऑन द ट्यूमर वॉल्यूम कम्प्यूटेशन बिटविन डिफरेंट 3डी ट्रीटमेंट प्लानिंग सिस्टम्स इन रेडियोथैरेपी. जे कैंसर रेस थेर 2011; 7: 168–73.

962. प्रभाकर एच, रथ जीके. ए सिम्पल प्लान इवेल्युएशन इंडेक्स्ड बेस्ड ऑन द डोस टू क्रिटिकल स्ट्रचर्स इन रेडियोथैरेपी. जे मेड फिजि 2011; 36: 192–7.

963. प्रभु एसबी, गुप्ता पी, दुर्गापाल एच, रथ एस, गुप्ता एसडी, आचार्य एसके आदि स्टडी ऑफ सेल्युलर इम्युन रिस्पॉन्स एगेंस्ट हिपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी). जे वायरल हिपेट,2011; 18: 587–94.

964. प्रभु आर, ठुलकर एस, शर्मा एमसी, मोहंती बीके, धवन डी, बक्शी एस. पीएनईटी स्पाइन : मोर्बिड एण्ड मोर्टेल, बट इग्नॉर्ड टिल लेट. जे पीडियाट्रिक हिमेटोल ओंकोल 2012; 34: e164–9.

965. प्रजापति एससी, चौहान एसस, डिपेप्टिडाइल पेप्टाइडेस ।।। : ए मल्टीफेक्टिड ओलिगोपेप्टाइड एन-एण्ड कटर. एफईबीएस जे 2011; 278: 3256–76.

966. प्रकाश जी, अग्रवाल एस, चित्रागर एस, रे आर, ठुलकर, बक्शी एस. सोलिटेरी रेट्रोवेसिकल लेशन इन ए न्यूबॉर्न. जे पीडियाट्रि हिमेटोल ओंको 2012; 34: 159, 160–1.

967. प्रकाश जी, बक्शी एस, रैना वी, भटनागर एस, शर्मा ए, कुमार एल आदि करैक्टराइटिस एण्ड पैटर्न ऑफ मोर्टेलिटी इन कैंसर पेशेंट्स एट ए टर्शियरी केयर ओंकोलॉजी सेंटर : रिपोर्ट ऑफ 259 केस. एशियन पैक जे कैंसर प्रेव 2010; 11: 1755–9.

968. प्रकाश जी, शर्मा ए, रैना वी, कुमार एल, शर्मा एमसी, मोहंती बीके. बी सेल नॉन-हॉडकिन लिम्फोमा : एक्सपीरियसं फ्रॉम ए टर्शियरी केयर कैंसर सेंटर. एन्न हिमेटोल 2012; 91: 1603–11.

969. प्रकाश जी, शर्मा ए, सक्सेना आर, चौधरी वी, तितियाल जेएस. ए प्रोपोस्ड रिग्रेशन एनालाइसिस-बेस्ड मैथड फॉर असेसमेंट ऑफ हायर ऑर्डर एबेरेशन इंटररिलेशनशिप इन ऑक्युलर वेवफ्रंट सैट फ्रॉम एपरेंटली सिमलर ऑर्गिन्स. आइ कॉन्टेक्ट लेंस 2011; 37: 11–5.

970. प्रकाश एसएस, एंडराबी आर, कुमार आर, काबरा एसके, लोधा आर, वाजपेयी एम, आदि बाइंडिंग एंटीबॉडी रिसपॉन्सेस टू द इम्युनोजेनिक रिजन्स ऑफ वायरल एनवलप इन एचआईवी-1-इंफेक्टिड इंडियन चिल्ड्रन. वायरल- इम्युनोल 2011; 24: 463–9.

971. प्रकाश एसएस, चौधरी एके, लोधा आर, काबरा एसके, वाजपेयी एम. हजारिका ए, आदि इफिशिएंट न्यूट्रालाइजेशन ऑफ प्राइमरी आइसोलेट्स बाय द प्लाज्मा फ्रॉम एचआईवी-1 इंफेक्टिड इंडियन चिल्ड्रन. वायरल इम्युनोल 2011; 24: 409–13.

972. प्रमाणिक डीडी, भटनागर वी, सुब्बाराव केसी, शर्मा एमसी, अग्रवाल एस, गुप्ता एके. एंटेनेटॉली डिटेक्टिड मेच्योर टेराटोमा इन एन अनडेस्केंड टेस्टिस. इयूर जे पीडियाट्रिक सर्ज 2011; 21: 209–10.

973. प्रसाद जी, गर्ग आर. द डबल टेक्नीक : एन इनोवेटिव टेक्नीक फॉर कंफर्मिंग करेक्ट नेसोगेस्ट्रिक ट्यूब प्लेसमेंट. जे क्लिन एनेस्थ 2011; 23: 84–5

974. प्रसाद के, दास डी, कुमार ए. वेलेडेशन ऑफ द हिन्दी वर्जन ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ स्ट्रोक स्केल. न्यूरोल इंडिया 2012; 60: 40–4.

975. प्रसाद के, कॉल एस, पदमा एमवी, गोरथी एसपी, खुराना डी, बक्शी ए. स्ट्रोक मैनेजमेंट. एन्न इंडियन अकैड न्यूरोल 2011; 14 (पूरक 1): S82–96.

976. प्रसाद के, कुमार ए, साहू जेके, श्रीवास्तव एमवी, मोहंती एस, भाटिया आर आदि मोबिलाइजेशन ऑफ स्टेम सेल यूजिंग जी-सीएसएफ फॉर एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड, पायलट स्टडी. स्ट्रोक रेस ट्रीट 2011; 2011: 283473.

977. प्रसाद के, मोहंती एस, भाटिया आर, श्रीवास्तव एमवी, गर्ग ए, श्रीवास्तव ए, आदि ऑटोलोगस इंट्रावेनस बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर सेल थैरेपी फॉर पेशेंट्स विद सबक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक : ए पायलट स्टडी, इंडियन जे मेड रेस 2012; 136: 221–8.

978. प्रसाद के, राय एनके, कुमार ए. यूज ऑफ कोर्टिकोस्टेरॉइड एण्ड अदर एडजंक्ट थैरेपिस फॉर एक्यूट बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस इन एडल्ट्स. क्यूर इंफेक्ट डिस रीप 2012; 14: 445–53.

979. प्रसाद के. एविडेंस - बेस्ड मेडिसिन इन इंडिया. जे क्लिन एपिडेमियोल 2013; 66: 6–9.

980. प्रसाद के, ट्रांजिएंट इस्चेमिक अटैक : एन अपडेट. गंगा राम हॉस्पीटल जे 2011: 1: 128–37.

981. प्रसाद केआर, कुमार ए, गमनगट्टी एस, चंद्रशेखर एस एच. सीटी इन पोस्ट - ट्रॉमेटिक हाइपोपरफ्यूजन कॉम्प्लेक्स - ए पिक्टोरियल रिव्यू. एमर्जे रेडियोल 2011; 18: 139–43.

982. प्रसाद आर, कॉल वी. ट्रांसडर्मल डिलीवरी ऑफ मेटोट्रेक्सटे : पास्ट, प्रजेंट एण्ड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स. थेर डिलीव 2012; 3: 315–25.

983. प्रवीण ईपी, खुराना एमएल, कुलश्रेष्ठ बी, द्विवेदी एसएन, प्रभाकरण डी, खाडगावत आर आदि प्लाज्मा टेस्टोस्टेरॉन इन एडल्ट नॉर्मोग्लाइकेमिक मेन : इम्पेक्ट ऑफ हाइपरइंसुलिनेमिया. एंड्रोलोगिया 2012; 44: 293–8.

984. प्रवीण ईपी, कुलश्रेष्ठ बी, खुराना एमएल, साहू जे, गुप्ता एन, कुमार जी. आदि लो एचडीएल-कोलेस्ट्रॉल अमंग नॉर्मल वेट, नॉर्मोग्लाइकेमिक ऑफस्प्रिंग ऑफ इंडीव्युजुअल विद टाइप 2 डायबिटीज मिलेटस. होर्मोन्स (एनेस्थ) 2011; 10: 57–66.

985. प्रवीण ईपी, साहू जे, खुराना एमएल, कुलश्रेष्ठ बी, खाडगावत आर, गुप्ता एन आदि इंसुलिन सेंसिटिविटी एण्ड ए-सेल फंक्शन इन नॉर्मोग्लाइकेमिक ऑफस्प्रिंग ऑफ इंडीव्युजुअल विद टाइप 2 डायबिटीज मिलेटस : इम्पेक्ट ऑफ लाइन ऑफ इंहेरिटेंस. इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब 2012; 16: 105–11.

986. प्रवीण ईपी, साहू जेपी, कुलश्रेष्ठ बी, खुराना एमएल, खाडगावत आर, गुप्ता एन, द्विवेदी एस एन आदि मॉर्निंग कोर्टिसॉल इज लोवर इन ओबेस इंडीव्युजुअल विद नॉर्मल ग्लूकोस टोलेरेंस. डायबेटिज मेटाब सिंड्रोम ऑबेस 2011; 4: 347–52.

987. प्रीतम सी, वर्मा आर, ठाकुर ए सिक्का के. टिम्पैनोमोस्टॉइड ऑब्लीटेरेशन फॉर रिकैसिट्रेंट एट्टिको-एनाट्रल क्रोनिक सुप्ररेटिव ओटिटिस मीडिया. इंडियन जे ओटियोलॉजी 2011; 17: 26–29.

988. परुथी जी, जेन वी, प्रकाश एच. मैंडीबुलर गाइडेंस प्रोस्थेसिस : एन इजी एण्ड नोवल एप्रोच जे इंडियन प्रोस्थेडोंटिक सोसाइटी. 2011; (पूरक 1): 150–53.

989. पुनिया उएस, दास एम, बेहरी एम, दिहाना एम, गोविंदप्पा एसटी, मूथाने यूबी, आदि लीड्स फ्रॉम एक्सेनोबायोटिक मेटाबोलिज्म जीन फॉर पार्किन्सन्स डिजीज अमंग नॉर्थ इंडियन. फार्माकोगेनेट 2011; 21: 790–7.

990. पुंज जे, बत्रा एम, दारलॉन्ग वी, पाण्डे आर. लेक इन सर्किट : एन युजुअल कॉज. जे एनेस्थिसियोलॉजी क्लिन फार्माको 2012; 28: 133–4.

991. पुरी के, सिंह पी, दास आरआर, सेठ आर, गुप्ता आर. डायग्नोस्टिक डिलेम्मा ऑफ जेएमएमएल कोएक्सिटिंग विद सीएमवी इंफेक्शन. इंडियन जे पीडियाट्रिक 2011; 78: 485–7.

992. पुरी टी, गोयर एस, गुप्ता आर, जुल्का पीके, रथ जीके प्राइमरी रीनल ऑस्टियोसार्कोमा विद सिस्टेमिक डिस्मेंशन. साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ला 2012; 23: 114–6.

993. पुष्कर एन, मील आर, कश्यप एस, बजाज एमएस, सेन एस. इंवेसिव स्पेरग्लियोसिस ऑफ ऑरबिट इन इम्युनोकॉम्प्टेंट पेशेंट्स : ट्रीटमेंट एण्ड आउटकम. ऑफ्थेल्मोलॉजी 2011; 118: 1886–91.

994. पुष्कर एन, मील आर, शर्मा एस, बजाज एम एस, कश्यप एस, सेन एस. जायंट ऑर्बिटल श्वानोमा विद फ्लुड - फ्लुड लेवल्स. ब्र जे ऑफ्थेल्मोल 2011; 95: 1168, 1180–1.

995. पुष्कर एन, श्रे डी, बक्शी एस, खुराना एस, सेन एस, चावला बी. इंफेंटियल हिमेंजियोपैरीसाइटोमा ऑफ द ऑरबिट ट्रीट विद प्राइमरी कीमोथैरेपी. जे पीडियाट्रिया ऑफ्थेल्मोल स्ट्रेबिस्मस 2012; 49: e23–5.

996. पुष्पलता के, कुमार एस, ढींडा ए के, शर्मा जे बी. सिप्लास्टिक लियोमायोमा ऑफ युटेरस - ए क्लिनिक- पैथोलॉजिकल डिलेम्मा. बीएमजे केस रिप 2011; 2011.

997. कुरेशी आर, जैन आर, पटनायक आरडी. लेबोरेटरी प्रोफाइल ऑफ करंट इंजेक्टिंग ड्रग यूजर सीकिंग ट्रीटमेंट एट ए टर्शियरी केयर सेंटर इन इंडिया : वॉट डू द रेगुलर ब्लड टेस्ट एण्ड एचआईवी स्क्रीनिंग? एडिक्ट डिस्ऑर्ड देयर ट्रीट 2011; doi: 10.1097/ADT.0b013e3182404043.

998. कुरेशी आर, लक्ष्मी आर, लुथरा के, मुखोपाध्याय ए के, जैखानी बीएल, एपो ई जीनोटाइपिंग फ्रॉम ब्लड स्टोर ऑन फिल्टर पेपर. इंडियन जे मेड रेस 2012; 135: 318–21.

999. पाण्डे आर, गर्ग आर, दारलॉन्ग वी, पुंज जे, खन्ना पी. रिकरंट सीजरेस इन प्रेगनेंसी - एपिलेप्सी और एक्लेम्प्सिया, ए डायग्नोसिस डिलेम्मा? ए केस रिपोर्ट. एएएनए जर्नल 2011; 79: 388–90

1000. राधाकृष्णा वी, कौशिक पी, बक्शी एस. ट्रांसफ्युजन रिलेटिड एक्यूट लंग इंजरी इन ए चाइल्ड विद ल्यूकेमयि. इंडियन पीडियाट्रिक 2012; 49: 154–5.

1001. राधाकृष्णा वी, कश्यप एस, सिंह एल, बक्शी एस. वीईजीएफ एक्सप्रेशन इन रिजिड्युअल ट्यूमर सेल इन ओर्बिटल रेटिनोब्लास्टोमा (आईआरएसएस स्टेज ।।।) ट्रीट विद एनएसीटी : प्रॉस्पेक्टिव स्टडी. पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2012; 59: 567–9.

1002. राधाकृष्णा वी, कुमार आर, मल्होत्रा ए, बक्शी एस. रोल ऑफ पीईटी / सीटी इन स्टेगिंग एण्ड इवेल्युएशन ऑफ ट्रीटमेंट रिसपॉन्स आफ्टर 3 साइकल्स ऑफ कीमोथैरेपी इन लोकली एडवांस्ड रेटिनोब्लास्टोमा : ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी. जे न्यूक्लि मेड 2012; 53: 191–8.

1003. राधाकृष्णा वी, रस्तोगी एस, बक्शी एस. विंग सार्कोमा ऑफ द क्लेविकल : ए केस सीरिज. इंडियन पीडियाट्रिक 2011; 48: 133–4.

1004. राघवन एम. टंडन एन, भटनागर वी. एक्स्ट्रॉफी ब्लेडर : इफेक्ट ऑफ सिगमॉइड कोलोसाइटोप्लास्टी ऑन फिजिकल ग्रोथ एण्ड बोन मिनरल डेंसिटी. जे इंडियन एसोसि पीडियाट्रिक सर्ज 2011; 16: 45–9.

1005. रहमान एसएम, कर्माकर डी, मल्होत्रा एन, कुमार एस. टाइमिंग ऑफ इंट्रायूटेराइन इंसेमिनेशन : द एन अटैम्प्ट टू यूनरेवल द इनिगम. आर्क ग्यानेको ऑब्स्टेट 2011; 284: 1023–7.

1006. राय एके, ठाकुर सी पी, सेठ टी, मित्रा डी के. अर्ली एक्टिवेटिड टीएच-1 टाइप एण्ड डोमिनेंटली डिवर्स नेचुरल किलर टी (CD3z CD161z Vá24{) सेल इन बोन मैरो अमंग विस्केरल लिशमानियासिस पेशेंट्स. इंट जे पैरास्टिॉल 2011; 41: 1069–77.

1007. राय एके, ठाकुर सी पी, सेठ टी, मित्रा डी के. इनरिचमेंट ऑफ इनवेरिएंट नेचुरल किलर टी सेल्स इन द बोन मैरो ऑफ विस्केरल लिशमानियासिस पेशेंट्स. पैरासाइट इम्युनोल 2011; 33: 688–91.

1008. राय एके, ठाकुर सी पी, सिंह ए, सेठ टी, श्रीवास्तव एस के, सिंह पी. आदि रेगुलेटरी टी सेल्स सुप्रीस टी सेल एक्टिवेशन एट द पैथोलॉजिक साइट ऑफ ह्यूमन विस्केरल लिशमानियासिस. पीएलओएस वन 2012; 7: e31551.

1009. राय एके, ठाकुर सी पी, वेलापाडियन टी, शर्मा एस के, घोष बी, मित्रा डी के. हाइ कॉन्सीट्रेशन ऑफ एंडेनोसिन इन ह्यूमन विस्केरल लिशमानियासिस डिस्पिट इनक्रीज्ड एडीए एण्ड डीक्रीज्ड सी73 पैरासाइट इम्युनोल 2011; 33: 632–6.

1010. राय एन के, चौधरी आर, भाटिया आर, सिंह एम बी, त्रिपाठी एम, प्रसाद के, आदि क्लेमिडिया निमोनिया सेरोप्रॉस्टीविटी इन एडल्ट्स विद एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक : ए केस - कंट्रोल स्टडी. एन्न इंडियन एकैड न्यूरोल 2011; 14: 93–7.

1011. राय एन के, श्रीवास्तव ए के, पाहवा एस, गर्ग ए. इडियोपैथिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरपुरा एण्ड न्यूरोपैथी : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू. न्यूरोलॉजी एशिया 2012; 17: 63–6.

1012. राय एस के, दास गुप्ता आर, दास एम के, सिंह एस, देवी आर, अरोड़ा एन के. डिटर्मिनेंट्स ऑफ यूटिलाइजेशन ऑफ सर्विस अंडर एमएमजेएसएसए स्कीम इन झारखण्ड 'साइलेंट पर्सपेक्टिव' : ए क्वालिटेटिव स्टडी एन ए लो परफॉर्मिंग स्टेट ऑफ इंडिया. इंडियन जे पब्लिक हेल्थ 2011; 55: 252–9.

1013. रैना ए, यादव बी, अली एस, डोगरा टी डी. आइडेंटिफिकेशन ऑफ ट्यूमर स्पेसिमिन बाय डीएनए एनालाइसिस इन ए केस ऑफ हिस्टोसाइटोलॉजिकल पैराफिन टिशू ब्लॉक स्वैपिंग. क्रोट मेड जे 2011; 52: 410–4.

1014. रैना वी, कुंजहारी एम, शुक्ला एन के देव एस वी एस, शर्मा ए, मोहंती बी के आदि आउटकम ऑफ कम्बाइंड मोडेलिटी ट्रीटमेंट इंक्ल्युडिंग नियोएडुवेंट कीमोथैरेपी ऑफ 128 केस ऑफ लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर : डेटा फ्राम ए टर्शियरी कैंसर सेंटर इन नार्दन इंडिया. इंडियन जे कैंसर 2011; 48: 80–5.

1015. राज डी, गुलाटी एस, लोधा आर. स्टेट्स एपिलेप्टिकस. इंडियन जे पीडियाट्रि 2011; 78: 219–26.

1016. राज पी, प्रकाश आर, मिश्रा एस, सिंह टी डी पुजारी एस, मेहरा एन के आदि प्रेवेलेंस ऑफ स्मीयर - पॉजीटिव पुल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस इन डिफरेंट एथनिक ग्रूप्स इन इंडिया : इवेल्युएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ. पब्लिक हेल्थ 2012; 126: 295–9.

1017. राज आर, श्रीनिवास वी, मेहता एम, गुप्ता एस. हेल्थ - रिलेटिड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन इंडियन पेशेंट्स विद थ्री वायरल सेक्चुयली ट्रांसमिटिड इंफेक्शन : हर्पिस सिम्प्लेक्स वायरस-2, जेनाइटल ह्यूमन पेपिलोमा वायरस एण्ड एचआईवी. सेक्स ट्रांस्म इंफेक्ट 2011; 87: 216–20.

1018. राजेश्वरी एम आर, डीएनए ट्रिप्लेक्स स्ट्रक्चर्स इन न्यूरोडिजनरेटिव डिसऑर्डर, फ्रेंड्रिच एटेक्सिया. जे बायोसाइंस 2012; 37: 519–32.

1019. राजू के एन, चौधरी एन, गुलाटी एस, काबरा एम, जरयाल ए के, दीपक के के, आदि कम्पेरिजन ऑफ हार्ट रेट वेरियाबिलिटी अमंग चिल्ड्रन विद वेल कंट्रोल्ड वर्सिस रीफ्रेक्टरी एपिलेप्सी : ए क्रॉस-सेक्शनल स्टडी. एपिलेप्सी रेस 2012; 101: 88–91.

1020. राजू के एन, गुलाटी एस, काबरा एम, अग्रवाल ए, शर्मा एस, पाण्डे आरएम, आदि एफिकैसी ऑफ 4 : 1 (क्लासिक) वर्सिस 2.5 : 1 किटोजेनिक रेटियो डाइट्स इन रेफ्रेक्टरी एपिलेप्सी इन यंग चिल्ड्र ए रेंडोमाइज्ड ओपर लेबेलेड स्टडी. एपिलेप्सी रेस 2011; 96: 96–100.

1021. कार आर, ढींगरा बी, विभा डी, महापात्रा एम, सेठ टी, त्यागी एस. टी-एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया इन ए यंग एडल्ट कॉम्प्लीकेटिड विद अनयुजुअल फाइंडिंग्स : एन इंटरस्टिंग केस. इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट ्रांसफ्यू 2011: 1–3.

1022. राम जे, मिश्रा एसके, जैसवाल एके. ए कम्प्लीट एनालाइसिस ऑफ पोस्ट मोर्टेन मटीरियल्स रिसिव्ड इन फोरेंसिक टॉक्सीकोलॉजी लेबोरेटरी. आईजेएमटीएमएल 2011; 13: 53–63.

1023. राम प्रभु एमपी, ठुलकर एस, रे आर, बक्शी एस. प्राइमरी कार्डियक एंजियोसार्कोमा विद गु रिसपॉन्स टू पेक्लिटेक्स्ल. जे. थोरेक ओंकोल 2011; 6: 1778–9.

1024. कंचरेला आर पी, सोरल ए, मल्होत्रा आर. फुट एण्ड एंकले एंजुरिज - ए केस ऑफ कंर्सन इन सोकेर प्लेयर्स. ऑर्थोपेडिक्स टुडे 2011; 13: 159–62.

1025. कंचरेला आर पी, कनन ए, मल्होत्रा आर : लेब्रल पैथोलॉजिस (एक्टाबुलर लेब्रल टीयर्स - एन एबस्ट्रस सोर्स ऑफ हिप पैन) ऑर्थोपेडिक्स टुडे 2011; 13: 109–12.

1026. कंचरेला आर पी, मल्होत्रा आर. सर्जिकल ट्रीटमेंट ऑफ ऑस्टियोपोरोटिक फ्रेक्चर्स अराउंड हिप - ए रिव्यू. ऑर्थोपेडिक्स टुडे 2011; 13: 65–9.

1027. रामचंद्र आर, रेवाड़ी वी, त्रिखा ए. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स विद पेरीपैटर्न कार्डियोमायोपैथी. जे. ऑब्स्टेट एनेस्थि क्रिट केयर 2011; 1: 5–12

1028. रामकृष्णा जी, अर्जुमन ए, सुनेजा एस, दास सी, चंद्रा एन सी. द एसोसिएशन बिटविन इंसुलिन एण्ड लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन रिसेप्टर्स. डाब वैस डिस रेस 2012; 9: 196–204.

1029. रामकृष्णा एल, सचदेव एच एस, शर्मा एम, अब्रहम आर, प्रकाश एस, गुप्ता डी, आदि रेलिशेनशिप ऑफ एपीओए5, पीपीएआरए एड एचएल जीन वेरिएंट्स विद सीरियल चेंज इन चाइल्डहुड बॉडी मैस इंडेक्स एण्ड कोरोनरी आर्टरी डिजीज रिक्स फैक्टर्स इन यंग एडल्टहुड. लिपिड्स हेल्थ डिस 2011; 10: 68.

1030. रामकृष्णा एस, खेरा आर, जेन एस, सक्सेना ए, कैलाश एस, कार्तिकेयन जी, आदि जेंडर डिफरेंसेस इन द युटिलाइसेशन ऑफ सर्जरी फॉर कंजेनाइटल हार्ट डिजीज इन इंडिया हार्ट 2011; 97: 1920–5.

1031. रामकृष्णा एस, व्यास सी, कोठारी एस एस, भार्गव बी, कुकरेती बी बी कलाइवेनी एम. आदि एक्यूट एण्ड शॉर्ट-टर्म हिमोडायनेमिक इफेक्ट्स ऑफ मेटोप्रोलोल इन इसेमेंजर सिंड्रोम : ए प्रीलिमिनरी ऑब्जर्वेशनल स्टडी. एएम हार्ट जे 2011; 161: 938–43.

1032. रामम एम, कृष्णा एस जी. ए नोवल कॉज ऑफ इकोनॉमिक लोस ड्यू टू हैंड डर्मेटाइटिस. आर्क डर्मेटोल 2011; 147: 753.

1033. रामम एम, कृष्णा एस जी. मेश्योरिंग द सवेरिटी ऑफ विटिलिगो. इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2012; 78: 5–7.

1034. रामम एम, मल्होत्रा ए, तेजस्वी टी, मनचंदा वाई, शर्मा एस, मित्तल आर, आदि हाउ यूजफुल इज द मेंटॉक्स टेस्ट इन द डायग्नोसिस ऑफ डाउटफुट केस ऑफ क्यूटेनॉइस ट्यूबकुलोसिस? इंट जे डर्मेटोल 2011; 50: 1379–82.

1035. रामम एस, श्रीनिवास वाय, फुलीयेल जे एम, कुमार एन. कम्पेरिजन ऑफ एलर्ट वर्बल पैनफुल अनरेस्पॉन्सीवेनेस स्केल एण्ड द ग्लासगो कोमा स्कोर. इंडिया पीडियाट्रिक 2011; 48: 331–2.

1036. रामदुर्ग एस, गोयल एस, गोयल पी, सागर आर, शरण पी. साइकोडेमोग्राफिक प्रोफाइल, क्लिनिकल फैक्टर्स एण्ड मोड ऑफ अटैम्प्ट इन सुसाइड टैम्पटर्स इन कंसुलेशन लेसन साइक्याट्री इन द टर्शियरी केयर सेंटर. इंडियन जे साइक्याट्री 2011; 20: 11–6.

1037. रामदुर्ग एस आर, गुप्ता डी के, सुरी ए, शर्मा बी एस, महापात्रा ए के. कैलवायरल ट्यूबरकुलोसिस : अनकॉमन मैनेफिस्टेशन ऑफ कॉमन डिजीज - ए सीरिज ऑफ 21 केस. ब्र जे न्यूरोसर्ज 2010; 24: 572–7.

1038. रमेश के, शर्मा एस, राजू वी, कुमार ए, गुलाटी एस. रीनल एजेनेसिस एण्ड एक्सटर्नल इलियाक आर्टरी स्टेनोसिस इन एन इंफेंट विद मोयामोया डिजीज. ब्रेन डेव 2011; 33: 612–5.

1039. राणा एन, मिश्रा एस, भटनागर एस, पॉल वी देवरारी ए के, अग्रवाल आर. एफिकैसी ऑफ जिंक इन रिड्यूसिंग हाइपरबिलिरुबिनेमिया अमंग एट - रिक्स नियोनेटस : ए रेंडोमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसेबो-कंट्रोल्ड ट्रायल. इंडियन जे पीडियाट्रि 2011; 78: 1073–8.

1040. राणा एस, गुप्ता आर, चौधरी पी, खुराना डी, मिश्रा एस, भटनागर एस. कैंसर पैन मैनेजमेंट : बेसिक इंफॉरर्मेशन फॉर द यंग पैन फिजिशियन. इंडियन जे पैलियट केयर 2011; 17: 127–30.

1041. राणा टी, सिंह यूबी, कुलश्रेष्ठा वी, कौशिक ए, पोरवल सी, अग्रवाल आदि युटिलिटी ऑफ रिजर्व ट्रांसक्रिप्टेस पीसीआर एण्ड डीएनए-पीसीआर इन द डायग्नोसिस ऑफ फिमेल जेनाइटल ट्यूबरकुलोसिस. जे. मेड माइक्रोबायोल 2011; 60: 486–91.

1042. राव ए, गुप्ता एस, ढींडा ए के, शर्मा ए, शर्मा वी के, कुमार जी आदि स्टडी ऑफ क्लिनिकल, बायोकेमिकल एण्ड इम्युनोलॉजिकल फैक्टर्स डिटर्मिनिंग स्टेबिलिटी ऑफ डिजीज इन पेशेंट्स विद जर्नलाइजेशन विटिलिगो अंडर गोइंग मेलेनोसाइट ट्रांसप्लांटेशन. ब्र. जे डर्मेटोल 2012; 166: 1230–6.

1043. राव ए, गुप्ता वी, भाडंगे वाय, शर्मा आर, शेल्डस जे ए. आइरिस साइटिस : ए रिव्यूः सेमिन ऑफ्थेल्मोल 2011; 26: 11–22.

1044. राव पी एल, प्रकाश एच, जैन वी, रौत ए. प्रोस्थेटिक रिहेबिलिटेशन ऑफ ए पेशेंट्स विद ए लार्ज मिड फेस डिफेक्ट सेकंडरी टू बेसल सेल कार्सिनोमा. जे इंडियन प्रोस्थोडोंट साइक, 2011; 11: 137–41.

1045. राव आर, अम्बेडकर ए, यादव एस, सेठी एच, धवन ए. स्लो-रीलीज ओरल मोर्फिन एज ए मेंटनेस एजेंट इन ओपियॉड डिपेंडेंस सिंड्रोम : एन एक्स्लोरेटरी स्टउी फ्रॉम इंडिया. जे सबस्ट यूज 2011; 17; 294–300.

1046. राव आर, पंघाटे ए, चंदनवाले ए, सरदार आई, घोष एम, रॉय एम, आदि क्लिनिकल कम्परेटिव स्टडी : एफिकैसी एण्उ टोलेराबिलिटी ऑफ टोलेपेरिसन एण्ड थियोकोलचिकॉसाइड इन एक्यूट लो बैक पैन एण्ड स्पाइनल मसल्स स्पेस्टीसिटी. एशियन स्पाइन जे 2012; 6: 115–22.

1047. रास्कोल ओ, बारोन पी, बिहारी एम, एमरे एम, गिलादी एन, ओलेनाउ सीडब्ल्यू आदि पेराम्पेनल इन पार्किन्सन डिजीज फ्लुचुएशन : ए डबल-ब्लाइंड रेंडोमाइज्ड ट्रायल विद प्लेसेबो एण्ड एंटासेपोन. क्लिन न्यूरोफार्माकोल 2012; 35: 15–20.

1048. रामचंद्रन आर, सिंह पी एम, बत्रा एम, पहवा डी. एनेस्थिसिया फॉर एंडोस्कोपिक एंडोनेसल सर्जरी. ट्रेंड्स एनेस्थिसिया क्रिट केयर 2011; 1: 79–83.
1049. रथ जी, चंद्र एन एस. इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजिकल मॉनिटरिंग बाय एनेस्थिसियोलॉजिस्ट मिनेरवा एनेस्थिसियोल 2011; 77: 857–8.
1050. रथ जी के. कंसर्वेशन विद डॉ. जी. के. रठ (इंटरव्यू बाय सपना गुप्ता) जे. कैंसर रेस थेर 2011; 7: 235–6.
1051. रथ जी पी, चावला आर. रिपोर्ट ऑन द सैकंड कॉन्फ्रेंस ऑफ एशियन सोसाइटी फॉर न्यूरोएनेस्थिसिया एण्ड क्रिटिकल केयर (एएसएनएसरसर इंडिया) एण्ड ट्यूवेल्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी 2011). जे. न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल 2011; 23: 274–5.
1052. राठौर वाय एस, चंद्र पी एस, कुमार आर, सिंह एम, शर्मा एम एस, सूरी ए आदि मॉनिटोर्ड ग्रेड्यूल ऑक्युलेशन ऑफ द इंटर्नल कैरोटिड आर्टरी फ्लॉइड बाय लिगेशन फॉर जायंट इंटर्नल कैरोटिड आर्टश्री न्यूरोसिम्स. न्यूरोल इंडिया 2012; 60: 174–9.
1053. राठौर वाय एस, गुप्ता डी, महापात्रा ए के. ट्रांससेलर ट्रांसस्फेनॉइडल एंसिफेलोसेल : ए केस रिपोर्ट पीडियाट्रि न्यूरोसर्ज 2010; 46: 472–4.
1054. रविन्द्रन आर डी, वशिष्ट पी, गुप्ता एस के, यंग आई एस मरैनी जी, कैम्पेरिनी एम. आदि इनवर्स एसोसिएशन ऑफ विटामिन सी विद कैटारेक्ट इन ओल्डर पीपल इन इंडिया ऑफ्थेल्मोलॉजी 2011; 118: 1958–65.e2.
1055. रविन्द्रन आर डी, वशिष्ट पी, गुप्ता एस के, यंग आई एस मरैनी जी, कैम्पेरिनी एम. आदि प्रीवेलेंस एण्ड रिक्स फैक्टर्स फॉर विटामिन सी डेफिशिएंसी इन नॉर्थ एण्ड साउथ इंडिया : ए टू सेंटर पॉपुलेशन बेस्ड स्टडी इन पीपल एज 60 इयर्स एण्ड ओवर. पीएलओएस वन 2011; 6: e28588.
1056. रेवाल बी, रिबिरयो आर, मल्होत्रा आर, भटनागर एन. एंथ्रोप्रोमेट्रिक मेश्योरमेंट टू डिजाइन बेस्ट-फिट फिमोरल स्टेम फॉर द इंडियन पॉपुलेशन. इंडियन जे ऑर्थो 2012; 46: 46–53.
1057. रेवाल बी आर, रिबिरयो आर, मल्होत्रा आर, भटनागर एन. डिजाइन एण्ड मैनूफेक्चरिंग ऑफ फिमोरल स्टेम फॉर द इंडियन पॉपुलेशन. जे मैनूफेक्चरिंग प्रोसेस 2012; 14: 216–23.
1058. रेवाल एस, बाली के, उपेन्द्र बी, गर्ग बी, यादव सी एस, जयासवाल ए. डिस्प्लेस्ड फिमोरल नीक फेक्टर्स इन द यंग : सिग्नीफिकेंस ऑफ पोस्टीरियर कम्युनिकेशन एण्ड रेस्ड इंट्राकैप्सूलर प्रेशर. आर्क ऑर्थो ट्रॉमा सर्ज 2012; 132: 73–9.
1059. राय बी आर, खन्ना पी, रेवाड़ी वी, सिन्हा आर, अरविंदन ए, त्रिखा ए. मिसोप्रोस्टॉल - इंड्यूस्ड पल्मोनरी एडेमा इन ए परट्यूरेंट विद पोस्टपैटर्म कार्डियोमायोपैथी. जे. ऑब्स्टेट एनेस्थि क्रिट केयर 2011; 1: 85–7.
1060. राय पी, रतागिरी वी एच, काबरा एस के, लोधा आर, शर्मा एस, शर्मा बी एस आदि चिकनगुनिया इंफेक्शन इन इंडिया : रिजल्ट अझॅफ ए प्रॉस्पेक्टिव हॉस्पीटल बेस्ड मल्टी-सेंट्रिक स्टडी. पीएलओएस वन 2012; 7: e30025.
1061. राय आर, धवन ए. डायग्नोस्टिक ऑफैन्स. एडिक्शन 2011; 106: 891–2; डिसक्शन 895–7.
1062. रीस एल, अजोकार एम, ब्रोजिक डी, वॉटस्न एआर, ब्रशर ए, इडेफोंटी ए, आदि इंटरनेशनल पीडियाट्रिक पेरिटोनियल डायलिसिस नेटवर्क (आईपीपीएन) रजिस्ट्री. ग्रोथ इन वेरी यंग चिल्ड्रन अंडरगोइंग क्रोनिक पेरिटोनियल डायलिसिस. जे एएम साइक नेफ्रोल 2011; 22: 2303–12.
1063. रीटा के एच, मेहला जे, पहुजा एम, गुप्ता वाय के. फार्माकोकिनेटिक एण्ड फार्माकोडायनेमिक्स इंटरेक्शन्स ऑफ वेलप्रोएट, फीनीटोइन, फीनोबार्बिटोन एण्ड कार्बमाजेपिन विद करक्यूमिन इन एक्सपेरिमेंटल मॉड्ल्स ऑफ एपिलेप्सी इन रैट्स, फार्माकोल बायोकेम बिहेवियरथ्ठ 2011; 99: 399–407.
1064. रेमेंनी बी, बिलसन एन, स्टीर ए, फेरियरा बी, कैडो जे, कुमार के आदि वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन क्राइटेरिया फॉर इकोकार्डियोग्राफिक डायग्नोसिस ऑफ रिह्यूमेटिक हार्ट डिजीज- एन एविडेंस- बेस्ड गाइडलाइन. नेट रे. कार्डियोल 2012; 9: 297–309.
1065. रेवाड़ी वी, मिलन जेबी, अटिया एम, डेविस एम. रिकॉम्बीनेंट ह्यूमन एक्टिवेटिड प्रोटीन सी इन ए लिवर ट्रांस्प्लांट रिसिपेंट इन द इमिडेट पोस्टऑपरेटिव पीरियड. एनेस्थि इंटेंसिव केयर 2011; 39: 771–2.
1066. रिजवान एस ए, नॉन्गकिनरीह बी. एवेल्युएशन ऑफ नेवर रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट फॉर थाइरॉइड फीवर. नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 357–9.
1067. रॉय के के, गोयल एम, सिंगल एस, शर्मा जे बी, मल्होत्रा एन, कुमार एस. ए प्रॉस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड स्टडी टू टोटली लेपेरोस्कोपिक हिस्टेक्टॉमी, लेपेरोस्कोपिकैली असेस्टिड वेंजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी एण्ड नॉन-डिसेंट वेंजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ बेनिंग डिजीज फॉर द यूटेरस आर्क ग्यानेकोल ऑब्स्टेट 2011; 284: 907–12.

1068. रॉय के के, सब्बेह एम, सिंगल एस, कुमार एस, शर्मा जे बी, मित्रा डी के. रोल ऑफ सीरम इंटरल्यूकिन - 6 इन कम्पेरिंग सर्जिकल स्ट्रेस आफ्टर लेपेरोस्कोपिक - असेस्टिड वेंजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी एण्ड नॉन-डिसेंट वेंजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी फॉर लार्ज यूटेरी. आर्क ग्यानेकोल ऑब्स्टेट 2012; 285: 671–6.

1069. रुकमनगदाचर एल ए, कटारिया जे, हरीप्रसाद जी, सामंतराय जे सी, श्रीनिवासन ए. टू डिमेंशियन डिफरेंस जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस (डीआईजीई) एनालाइसिस ऑफ सीरा फ्रॉम वेस्केरल लिशमानियासिस पेशेंट्स क्लिन प्रोटियोमिस 2011; 8: 4.

1070. सचदेव आर, बंसल एस, सिन्हा आर, शर्मा एन, तितियाल जे एस. बाइलेटरल माइक्रोबायल केराटेटिस इन हाइली एक्टिव एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी-इंड्यूस्ड स्टेवेनस7जोनसन सिंड्रोम एण्ड टॉक्सिक एपिडर्मल न्यूरोलाइसिस : ए केस सीरिज. ऑक्युल इम्युनोल इंफ्लेम 2011; 19: 343–5.

1071. सचदेव आर, तंवर वी, जियोलेछा एम, सिद्दिकी के एम, नाग टी सी, राय आर, आदि क्रोकस सेटिवस एल. (सैफेरॉन) अटेनॉटस आइसोप्रोटेरेनॉल - इंड्यूस्ड मायोकार्डियल इंजरी वाया प्रीसर्विंग कार्डियक फंक्शन एण्ड स्ट्रेंग्थेनिन एंटीटॉक्सीडेंट डिफेंस सिस्टम. एक्स टॉक्सीकोल पैथोल 2012; 64: 557–64.

1072. सागर आर, पटनायक आर डी, मेहता एम. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ मूड डिसऑर्डर्स इन चिल्ड्रन इंडियन पीडियट्र 2012; 49: 21–3.

1073. सागर आर. चाइल्ड एंड एडोलसेंट मेटल हेल्थः नीड फॉर ए पब्लिक हेल्थ एप्रोच। जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेव2011; 16: 1–4.

1074. सागर आर. स्ट्रेस एंड सुसाइडस अमंग मेडिकल स्टूडेंट्सः टाइम टु एक्ट? जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेव 2012; 17: 1–4.

1075. सागर आर. टेपिंग द पोटेंशियल ह्यूमन रिसोर्स : ए प्रेगमेटिक विजन टू प्रोमोट मेंटल हेल्थ; जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेव 2011; 16: 65–8.

1076. साह आर जी, शर्मा यू, पार्षद आर, सीनु वी, मथुर एस आर, जगननाथन एन आर. एसोसिएशन ऑफ एस्ट्रोजीन रिसेप्टर, प्रोग्रस्टेरोन रिसेप्टर, एंड ह्यूमन एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर 2 स्टेट्स विद् टोटल कोलाइन कंसेंट्रेशन एंड ट्यूमर वॉल्यूम इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्सः एन एमआईआई एंड इन विवो प्रोटोन एमआरएस स्टडी। मैग्न रिसों मेड 2012; 68: 1039–47.

1077. साहरन एस, लोढा आर, काबरा एस के. सर्पाटिव केयर ऑफ ए क्रिटिकली इल चाइल्ड। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 585–92.

1078. सहाय एस, गुप्ता सी, कुमार आर. इलियल कंडुइट स्टोमा साइट मेटास्टेसिस इन स्क्वामस सेल कार्सिनोमा ऑफ यूरिनरी ब्लैडर। बीजेयू इंट वेब 2011; डीओआई: 10.1002/बीजेयूआईडब्ल्यू–2011–029–वेब.

1079. सहाय एस सी, गुप्ता एन पी, सिंह पी. कम्पेरिजन ऑफ पेल्विक प्लेक्सस ब्लॉकेड टू अदर कंवेंशनल टेक्नीक्स ऑफ एनालजेसिया इन ट्रांस - रिक्टयल अल्ट्रासाउंड गाइड प्रोस्टेट बायोप्सी। अफ्रजे यूरोलॉजी 2011; 17: 48–55.

1080. सहाय एस सी, अय्यर वी के, कुमार आर. डिसकॉर्डेंट क्लिनिकल एंड हिस्टोलॉजिकल फाइंडिंग प्रीडिक्ट फैलियर ऑफ रिकंस्ट्रक्शन इन सस्पेक्टेड ऑब्स्ट्रेक्टीव एजूस्पेर्मिया। इंडियन जे यूरोल 2012; 28: 43–6.

1081. साहू आर के, शर्मा ए. सिनुसोइडल ऑब्स्ट्रेक्शन सिंड्रोम डुरिंग इंडुक्शन थैरेपी फॉर एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्युकेमिया मैनेज्ड विद् एन-एसेटयल सायस्टेइन। पीडियट्र ब्लड कैंसर 2011; 57: 700.

1082. साहू एस एस, गुप्ता डी, महापात्रा ए के. ट्रॉमेटिक पराप्लेगियाः आउटकम स्टडी ऑफ एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर। इंडियन जे न्यूरोट्रॉमा 2011; 8: 33–6.

1083. साहू जे के, चौधरी ए, घोष आई, गुलाटी एस, काबरा एम, तकटानी टी, एट अल. हायपरकप्लेक्सीया मैस - क्यूरेडिंग एज एपिलेप्सी। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 757.

1084. साहू जे के, प्रसाद के. द ऑप्सोक्लोनस - मायोक्लोनस सिंड्रोम। प्रैक्ट न्यूरोल 2011; 11: 160–6.

1085. सैकिया के के, बेवाल आर, बंसल डी, कपिल ए, सूद एस, अरोड़ा एन के, एट अल. मल्टी लोकस सिक्वेंस टाइप कंप्रीजन ऑफ इंवैसिव एंड कमेंसल हैमोफिल्यूस इंफ्लूंजा आइसोलेट फ्रॉम दिल्ली। इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल 2011; 29: 158–60.

1086. सलाहुद्दीन एस, भार्गव बी. कार्डियोजेनिक शॉक इन एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम - माइल टू गो? इंडियन हार्ट जे 2012; 64: 159–61.

1087. सलाहुद्दीन एस, भार्गव बी. अनयूजअल डोप्लर ट्रेस इन मिट्रल स्टेनोसिसः प्रोमिनेंट आयोवोलुमिक रिलेक्शन फ्लो। हार्ट 2012; 98: 172.

1088. सालवे एच, गोस्वामी के, नॉन्गकिनरिह बी, सागर आर, श्रीनिवास वी. प्रीवलेंस ऑफ साइकाइट्रीक मार्डिबिटी मोबाइल हेल्थ क्लिनिक इन एन अर्बन कम्युनिटी इन नॉर्थ इंडिया। जीन हॉस्प साइकाइट्री 2012; 34: 121–6.

1089. समैया एम, बक्शी एस, शुक्ला ए ए, कुमार एल, चौहान एस एस. एपिजेनेटिक रेगुलेशन ऑफ कैथेप्सिन एल एक्सप्रेशन इन क्रॉनिक मायलॉयड ल्युकेमिया। जे सेल मॉल मेड 2011; 15: 2189–99.

1090. समीम एम, प्रशांत सी के, डिंडा ए के, मैत्रा ए एन, अरोड़ा आई. सिंथेसिस एंड कैरेटाइजेशन ऑफ गोल्ड नैनोरॉयड्स एंड देयर एप्लीकेशन फॉर फोटोथेमल सेट डेमेज। इंट जे नैनोमेडिसिन 2011; 6: 1825–31.

1091. समतानी आर, बाजपेयी एम, वशिष्ठ के, घोष पी के, सरसवती के एन. हायपोस्पाडियस रिस्क एंड पॉली-मॉर्फिज्म इन एसआरडी5ए2 एंड सीवाईपी17 जीन्स : केस-कंट्रोल स्टडी अमंग इंडियन चिल्ड्रन। जे यूरोल 2011; 185: 2334–9.
1092. संघेरा डी के, बीन एल एफ, रलहान एस, वांडर जी एस, मेहरा एन के, सिंह जे आर, एट अल. जीनोम - वाइड लिंकेज स्कैन टू एडेंटिफाई लोकाई एसोसिएटेड विद् टाइप 2 डायबिटीज एंड ब्लड लिपिड फेनोटाइप्स इन द सिख डायबिटीज स्टडी। पीएलओएस वन 2011; 6: ई21188.
1093. संख्यान एन, चक्रबर्ती बी, शर्मा एस, रमेश के, गुलाटी एस. लिम्ब - गिरडी माइएस्थेनिया ग्रैविस इन ए 10-ईयर ओल्ड गर्ल : ए केस रिपोर्ट। जे चाइल्ड न्यूरोल 2011; 26: 1434–7.
1094. संख्यान एन, शर्मा एस, चौधरी ए, गुलाटी एस, शर्मा एम सी, पाठक पी, एट अल. प्रोग्रेसिव वीकनेस इन ए 12-ईयर - ओल्ड बॉय। जे क्लिन न्यूरोसाइं 2011; 18: 1686, 1751.
1095. संख्यान एन, शर्मा एस, कुमार ए, गुलाटी एस. सेंट्रल पोनटाइन एंड एक्स्ट्रापोंटाइन मायलिनोसिस इन ए चाइल्ड विद् ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी। जे चाइल्ड न्यूरोल 2011; 26: 792–3.
1096. संतरा ए, कुमार आर, शर्मा पी, बाल सी, जुल्का पी के, मल्होत्रा ए. डिटेक्शन ऑफ रिकरेंसी इन ग्लियोमा : ए कंपरेटीव प्रोस्पेक्टीव स्टडी बीटवीन टीस-99एम जीएचए एसपीईसीटी एंड एफ-18 एफडीजी पीईटी/सीटी क्लिन न्यूक्ल मेड 2011; 36: 650–5.
1097. संतरा ए, कुमार आर, शर्मा पी, बाल सी, जुल्का पी के, मल्होत्रा ए. एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी फॉर प्रीडिक्टींग सरवाइवल इन पेशेंट्स विद् रिकरंट ग्लियोमाः ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी। न्यूरोरेडियोलॉजी 2011; 53: 1017–24.
1098. संतरा ए, कुमार आर, शर्मा पी, बाल सी, कुमार ए, जुल्का पी के, मल्होत्रा ए. ए-18 एफडीजी पीईटी-सीटी इन पेशेंट्स विद् रिकंरट ग्लियोमाः कम्पेरिजन विद् कंट्रस्ट एहांसड एमआरआई। यूर जे रेडियोल 2012; 81: 508–13.
1099. संतरा ए, शर्मा पी, कुमार आर, बाल सी, कुमार ए, जुल्का पी के, एट अल. कम्पेरिजन ऑफ ग्लुकोहेप्टोनेट सिंगल फोटोन एमिशन कंप्यूटेड टोमोग्राफी एंड कंट्रस्ट - एंहांसड एमआरआई इन डिटेक्शन ऑफ रिकरंट ग्लियोमा। न्यूक मेड कम्युन 2011; 32: 206–11.
1100. सारंगी एस सी, रीटा के एच, अग्रवाल एस के, कलीकल टी, गुलेरिया एस, गुप्ता वाई के. ए पायलट स्टडी ऑन एरिया अंडर कुर्वे ऑफ मायकोफेनोलिक एसिड एज ए गाइड फॉर इटस ऑप्टिमल यूज इन रिनल ट्रांसप्लांट रिसिपिएंट्स। इंडियन जे मेड रेजी 2012; 135: 84–91.
1101. सरिन एस के, कुमार ए, अंगुस पी डब्ल्यू, बैजल एस एस, बैक एस के, बाइराकटार वाई, एट अल. एशियन पैसिफिक एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ द लिवर (एपीएएसएल) वॉर्किंग पार्टी ऑन पोर्टल हायपरटेशन। डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वरिसीयल ब्लीडिंग : एशियन पैसिफिक एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ द लिवर रिकमेंडेशन्स। हिपटोल इंट 2011; 5: 607–24.
1102. सरकार एन एन. द इमर्जेंसी कंट्रासेप्टीव ड्रग, लेवोनोर्जेस्ट्रेलः ए रिव्यू ऑफ पोस्ट-कोइटल ऑरल एंड पेरी - कॉइटल विजाइनल एडमिनिस्ट्रेशन फॉर प्रीवेंशन ऑफ प्रेगनेंसी। जे ऑब्स्टेट ग्यानोकॉल 2011; 31: 703–7.
1103. सरकार एन एन, द स्टेट-ऑफ-द-आर्ट ऑफ इमर्जेंसी कंट्रासेप्शन विद् द क्यूटिंग एडज ड्रग। जेर मेड साइं 2011; 9: 16.
1104. सरकार एन एन, यूज ऑफ इमर्जेंसी कंट्रासेप्शन बाय द एडोलसेंट एंड यांग एडल्ट वॉमैन। इंट मेड जे 2012; 19: 241
1105. सरकार एस, चड्डा आर के, कुमार एन, नारंग आर. एनक्सीटी एंड डिप्रेशन इन पेशेंट्स विद् मायोकार्डियल इंफ्राक्शन : फाइंडिंग्स फ्रॉम ए सेंटर इन इंडिया। जीन हॉस्प साइकाइट्री 2012; 34: 160–6.
1106. सरकार एस, सूद एम. ए पेशेंट्स ऑफ मल्टीड्रग ट्यूबरकुलोसिस ऑन केटेगरी IV ट्रीटमेंट रिजीमैन प्रेजेंटिंग विद् साइकोसिस। नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 244–5.
1107. सरकारी ए, गुप्ता डी, सिन्हा एस, महापात्रा ए के. मिनिमली इंवेसिव सर्जरी इन एक्यूट डोरजोलुमबर ट्रॉमा। एन एक्सपीरिएंस ऑफ 14 केस। इंडियन जे न्यूरोट्रॉमा 2011; 8: 93–8.
1108. सरथी एम, लोधा आर, काबरा एस के. सिस्टेमिक एंटीफंगल थैरेपी इन चिल्ड्रन : ए रिव्यू। पीडियट्रिक्स टुडे 2010; 13: 17–25.
1109. सरूप्रिया ए, कपूर पी एम, किरन यू, होते एम. मल्टीपल रूपट्यूरड एनेयूरसम ऑफ लेफ्ट सिनम ऑफ बलसल्वा : ए रेअर इनटाइटी। ऐन कार्डियक एनेस्थ 2011; 14: 48–50.
1110. सासी ए, देवरारी ए. पेटेंट डक्ट्स एर्टेरियस इन प्रीटर्म इंफैंट्स। इंडियन पीडियट्र 2011; 48: 301–8.
1111. सत्पथी जी, मिश्रा ए के, टंडन आर, शर्मा एम के, शर्मा ए, नायक एन, एट अल. एवल्युशन ऑफ टीयर सैम्पल्स फॉर हरपीस सिम्प्लेक्स वायरस 1 (एचएसवी) डिटेक्शन इन सस्पेक्टेड केसेज ऑफ वायरल केराटाइटिस यूजिंग पीसीआर इजी एंड कंवेंशनल लैब्रोटरी डायग्नोस्टि टूल्स। ब्र जे ऑफ्थलमॉल 2011; 95: 415–8.

1112. सत्यम ए, सिंह पी, बडजटिया एन सेठ ए, शर्मा ए. ए डिप्रोपोरेशन ऑफ टीएच1 / टीएच2 साइटोकाइन्स विद् प्रोडोमिनॉस ऑफ टीएच2, इन यूरोथेलियल कार्सिनोमा ऑफ ब्लैडर। यूरोल ऑन्कोल 2011; 29: 58–65.

1113. सत्यम ए, सिंह पी, शर्मा एम, सेठ ए, शर्मा ए. सीवाईएफआरए 21-1ः ए पोटेंशियल मॉलीकुलर मार्कर फॉर नॉनिनवेसिव डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ यरोथेलियल कार्सिनोमा ऑफ ब्लैडर। बायोमार्कर्स 2011; 16: 413–21.

1114. सौरभ जी, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, सागर एस, सिंघल एम, एट अल. स्प्लेनिक ट्रॉमा - यॉर एक्सपीरिएंस एट ए लेवल आई ट्रॉमा सेंटर। अल्यूस ट्रवम एसिल केराही डर्ग 2011; 17: 238–42.

1115. स्वाहने सी, कौर एम, मिश्रा बी, गुप्ता ए, भुतिया एम. कारिनल इंजरीः एन एयरवे चलेंज फॉर एनस्थेसियोलॉजिस्टस। साउदी जे एनेस्थ 2012; 6: 69–72.

1116. सक्सेना ए, अग्रवाल एन, गुप्ता पी, जुनेजा आर, कोठारी एस एस, मैथ आर. प्रीडिक्टर्स ऑफ इम्बोलिक इवेंट्स इन पीडियट्रिक इंफेक्टीव एंडोकार्डिटिस। इंडियन हार्ट जे 2011; 63: 237–40.

1117. सक्सेना ए, पानीग्राही ए, गुप्ता एस, डिंडा ए के, गुलेरिया एस, ठाकुर बी, एट अल. फ्रीक्वेंसी ऑफ टी सेल एक्सप्रेसिंग टीएच1 एंड टीएच2 एसोसिएटेड कीमोकाइन रिसेप्टर इन पेशेंट्स विद् रिनल अलोग्राफ्ट डायसफंक्शन। ट्रांसप्लांट प्रोक 2012; 44: 290–5.

1118. सक्सेना ए, रामाकृष्णन एस, रॉय ए, सेठ एस, कृष्णन ए, मिश्रा पी, एट अल. प्रीवलेंस एंड आउटकम ऑफ सबक्लिनिकल रियूमेटिक हार्ट डिजीज इन इंडिया : द रियूमेटिक (रियूमेटिक हार्ट इको यूटीलाइजेशन एंड मॉनिटरिंग अक्टूरियल ट्रेंड्स इन इंडियन चिल्ड्रन) स्टडी। हार्ट 2011; 97: 2018–22.

1119. सक्सेना ए. पल्मोनरी हायपरटेंशन - "स्टेट ऑफ द आर्ट" मैनेजमेंट इन 2012. इंडियन हार्ट जे 2012; 64: 60–73.

1120. सक्सेना ए. स्ट्रेटेजीस फॉर द इम्प्रोवमेंट ऑफ कार्डियक केयर सर्विसेज इन डेवलपिंग कंट्रीजः वाट डोज द फ्यूचर होल्ड? फ्यूचर कार्डियोल 2012; 8: 29–38.

1121. सक्सेना पी, कौर जे. डिफरेंशियल एक्सप्रेशन ऑफ जीन्स इन रेटिनोब्लास्टॉमा। क्लिन कीम एक्टा 2011; 412: 2015–21.

1122. सक्सेना एस, राय ए आर, कपिल ए, पैवॉन - जेविड जी, लेटोरनर डी, गुप्ता बी, मेडाही - पीले ए. डेवलपमेंट ऑफ ए न्यू पॉलीप्रोप्लीन - बेस्ड स्ट्क्चर : प्लाज्मा ग्राफ्टिंग, सरफेस ट्रीटमेंट, कैरेटराइजेशन एंड बायोकॉम्पटिबिलिटी स्टडीज। मैक्रोमॉल बायोसाइं 2011; 11: 373–82.

1123. सजवाल एस, राठी एस, चिक्करा एस, चौबे आर, सेठ टी, सराय ए, एट अल. जेएके2 म्यूटेशन इन पेशेंट्स विद् स्प्लाकनिक वेनोयस थ्रोम्बोसिसः ए पायलट स्टडी फ्रॉम इंडिया। इंडियन जे मेड रेजी 2012; 135: 429–31.

1124. सहगल आर, शर्मा एस, संख्यान एन, कुमार ए, गुलाटी एस. सिलेक्टीव कॉर्टिकोस्पाइनल ट्रक्ट इंवोल्वमेंट इन लेट - ऑनसेट क्रबे डिजीज। न्यूरोलॉजी 2011; 77: ई20.

1125. सेन एस, शर्मा एस, गुप्ता ए, गुप्ता एन, सिंह एच, रॉयचौधरी ए, एट अल. मॉलीकुलर कैरेटाराइजेशन एक्सप्लांट कल्चरड ह्यूमन ओरल म्यूकोसल एपिथेलियल सेल्स। इंवेस्ट ऑफ्थालमॉल विस साइं 2011; 52: 9548–54.

1126. सेनबगावाली पी, कुमार एन, कौर जी, मेहरा एन के, गीता एस टी, रामानाथन वी डी. मेजर हिस्टोकम्पेबलीटी कॉम्पलेक्स क्लस- (सी2, सी4, फैक्टर बी) एंड सी3 जीन वेरिएंट्स इन पेशेंट्स विद् पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस। ह्यू इम्युनोल 2011; 72: 173–8.

1127. सेनगुप्ता जे खान एम ए, हुप्परट्ज बी, घोष डी इन विट्रो इंफेक्ट्स ऑफ द एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड एएल8, 13, 18-मैगेनीन-2 एमिड ऑन आइसोलेटेड ह्यूमन फर्स्ट ट्रिमेस्टर विलोवस ट्रोफोब्लास्ट सेल्स। रिप्रोडक बायोल एंडोक्राइनॉल 2011; 9: 49.

1128. सेनगुट्टुवन एन बी, कर्तिकेयन जी. इमेजीस इन क्लिनिकल मेडिसिन। जुगुलर वेनोयस सी-वी वेव इन सिरियस ट्रिकुस्पिड रेगुग्रिडेशन। एन एंग्ल जे मेड 2012; 366: ई5.

1129. सेनगुट्टुवन एन बी, कुमार जे, कोठारी एस एस. "ट्रीटेबल" डिफ्यूज पल्मोनरी अर्टेरियोवेनस फिस्टुला - एन अनयूजअल एक्यूज। एना पीडियट्र कार्डियोल 2011; 4: 215-6.

1130. सेंगुतुवन एन बी, पाटिल एन सी, कोठारी एस एस. अयोर्टा टू राइट वेंट्रिकुलर टर्नलः ए रेयर एक्यूज ऑफ होलोडिएस्टोलिक फ्लो रिवर्सल इन अयोर्टा इन ए इनफेंट। यूर जे इकोकार्डियोग्र 2011; 12: 882.

1131. सेठ आर, कपिल ए, बोथरा एम, वर्मा के. रेटियोनल मैनेजमेंट एंड प्रीडिक्टर्स ऑफ एडर्वेज आउटकम्स ऑफ फेब्रिल नियोट्रोपेनिक एपिसोडस इन चाइल्डहुड। पीडियट्रिक ब्लड कैंसर 2011; 57: 823.

1132. सेठ आर, भट ए एस. मैनेजमेंट ऑफ कॉमन ऑन्कोलॉजिक इमर्जेंसिस। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 709.17.

1133. सेठ आर, बोलिया आर, जैन आर, चोपड़ा ए, सिंह एस, कुमार आर. सुपिरियर मेडिएस्टाइनल सिंड्रोमः ए रेयर प्रेजेंटिंग फिक्चर्स ऑफ एक्यूट मायलॉयड ल्युकेमिया। इंडियन जे पीडियट्र 2013; 80: 165.7.

1134. सेठ आर, कुमार आर, चोपड़ा ए, द्विवेदी एस एन, काबरा एस के. डिटेक्शन ऑफ माइनिमल रिसिडुअल डिजीज इन बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक एट एंड ऑफ इंडक्शन बाय 7 फ्लोकायटोमेट्री : एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टेर्टियरी सेंटर इन इंडिया। पीडियट्र ब्लड कैंसर 2011; 57: 882.

1135. सेठ टी, कांगा यू, सूद पी, शर्मा वी, मिश्रा पी, महापात्रा एम. ऑडिट ऑफ पेरिफेरल स्टेम सेल ट्रांसपलांटेशन फॉर एप्लास्टिक एनिमिया इन मल्टीट्रांसफ्यूज्ड इंफेक्टेड पेशेंट्स। ट्रांसप्लांट प्रोक 2012; 44: 922-4.

1136. सेतुरमन जी, चौहान के, कौशल एस, शर्मा वी के. फैब्री डिजीज। लैंकेट 2011; 378: 1254.

1137. सेतुरमन जी, शर्मा वी के, पाहवा पी, खेतान पी. एक्यूस्टीव ड्रग्स एंड क्लिनिकल आउटकम इन स्टेवेंस जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस), टॉक्सिक एपिडर्मल निक्रोलयसिस (टीईएन), एंड एसजेएस-टीईएन ओवरलैप इन चिल्ड्रन। इंडियन जे डर्माटोल 2012; 57: 199-200.

1138. शाह बी एम, शर्मा पी, मेनान वी सक्सेना आर, सिंह जे पी. कम्पेरिंग हिमेट्रापाइन एंड एट्रपाइन इन पीडियट्रिक कायक्लोप्लेजिक रिफ्रेक्शन्स। जे एएपीओएस 2011; 15: 245-50.

1139. शाह एन, लोगानी ए. इंटरनेशनल रिप्लांटेशन : ए वाइबल ट्रीटमेंट ऑप्शन फॉर स्पेसिफिक एंडोडोंटिक कंडिशन्स। रूट्स 2012; 8: 10-12.

1140. शाह एन, लेखक उत्तर। जे कर्जेव डेंट 2012; 15: 93-4.

1141. शाह एन, एथिकल इशू इन बायोमेडिकल रिसर्च एंड पब्लिकेशन। जे कर्जेव डेंट 2011; 14: 205-7.

1142. शाह टी, जयसुंदर आर, सिंह वी पी, सरकार सी. इन विवो एमआरएस स्टडी ऑफ इंट्रावेट्रिकुलर ट्यूमर्स। जे मैग्न रिजन इमेजिंग 2011; 34: 1053-9.

1143. शाह टी, जयसुंदर आर, सिंह वी पी, सरकार सी. एमआरएस कैरेटराइजेशन ऑफ सेंट्रल न्यूरोकायटोमास यूजिंग ग्लयसिन। एनएमआर बायोमेड 2011; 24: 1408-13.

1144. शमीम एस ए, कुमार आर, शांडल वी, हलानैक डी, कुमार जी, बाल सी एस, एट अल. एफडीजी पीईटी/सीटी एवल्युशन ऑफ ट्रीटमेंट रिस्पोंस इन पेशेंट्स विद् रिकरंट कोलोरेक्टल कैंसर। क्लिन न्यूक्ल मेड 2011; 36: 11-6.

1145. शाम्सी एम बी, इमाम एस एन, दादा आर. स्पेरम डीएनए इंटेग्रिटी एजी: डायग्नोस्टिक एंड प्रोग्नोस्टीक चेलेंजीस एंड इम्पलीकेशन्स इन मैनेजमेंट ऑफ इंफर्टिलिटी। जे एसिस्ट रिप्रोड जेनेट 2011; 28: 1073-85.

1146. शाम्सी एम बी, वेंकटेश एस, पाठक डी, डेका डी, दादा आर स्पेरम डीएनए डेमेज एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन रिकरंट स्पोंटेनियस एबोर्शन (आरएसए)। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 133: 550-1.

1147. रमन वी एस, सुगांधी एन, भटनागर वी. रोल ऑफ द एसोफेगस इन सर्जरी फॉर ट्रेकियल एजेनेसिस। यूर जे पीडियट्र सर्ज 2011; 21: 198-200.

1148. शरन पी, अनीश पी के. बुक रिव्यू : प्रोब्लम - बेस्ड साइकायट्री। सेकेंड एडिशन: नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 238.

1149. शरन पी, मजुमदार पी. बुक रिव्यू : बेसिक नोट्स इन साइकायट्री। नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 310.

1150. शरन पी. चाइल्ड साइकायट्री ट्रेनिंग इन मेडिकल अंडरग्रेजुएशन। जे इंडियन एसो चाइल्ड एडोलसेंट मेटल हेल्थ 2008; 4: 73-4.

1151. शर्मा ए, बहल ए रैना वी, कुमार एल, गुप्ता आर. डासटिनिब इन क्रॉनिक मायलॉयड ल्युकेमिया: ए लिमिटेड इंडियन एक्सपीरिएंस। एशियन पैक जे क्लिन ऑन्कोल 2012; 8: 375-9.

1152. शर्मा ए, गुप्ता आर, सेठी एस के, बग्गा ए, डिंडा ए के. जाइंट सेल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ पोडोकायटेस : ए यूनिक हिस्टोलॉजिकल फिक्चर एसोसिएटेड विद् कायस्टीनोसिस। इंडियन जे नेफ्रोल 2011; 21: 123-5.

1153. शर्मा ए, गुप्ता आर, तिवारी एस सी, अग्रवाल एस के, डिंडा ए के. लोकालाइजेशन ऑफ इम्युन कॉम्प्लेक्स डिपोजिट्स यूजिंग इम्युनोफ्लोरसेंस माइक्रोस्कोपी इन रिनल बायोप्सीज : डिमोंस्ट्रेशन ऑफ ए सिम्पल इमेज इवर्जेन टेक्नीक। साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ला 2011; 22: 566-70.

1154. शर्मा ए, महाजन सी, रथ जी पी, मोहपात्रा एस, पाधी यू पी, कुमार एल. न्यूरोकायस्टीसेर्कोसिस: एक्यूट प्रेजेंटेशन एंड इंटेंसिव केयर मैनेजमेंट ऑफ टू केस। इंडियन जे क्राइट केयर मेड 2011; 15: 185-7.

1155. शर्मा ए, मथुर वी पी. रिफ्रैक्टरी एपिलेप्सी एंड द कायटोजेनिक डाइट: पैथोफिजियोलॉजिकल एस्पेक्ट्स एंड पॉसिबल इम्प्लीकेशन्स इन डेंटल प्रैक्टीस। जे इंडियन सोश पेडोड प्री डेंट 2011; 29: 188-92.

1156. शर्मा ए, राधाकृष्णन वी. गैस्ट्रीक कैंसर इन इंडिया। इंडियन जे मेड पीडियट्र ऑन्कोल 2011; 32: 12-6.

1157. शर्मा ए, रथ जी के, चौधरी एस पी, ठाकर ए, मोहंती बी के, बहादुर एस. लैक्टोबसिलियस ब्रेविस सीडी2 लोजेंजेस रिडयूस रैडिएशन एंड कीमोथैरेपी - इंडुस्ड म्यूकोसाइटिस इन पेशेंट्स विद् हैड एंड नीक कैंसरः ए रैंडोमाइज्ड डबल-बलाइंड प्लासेबो - कंट्रोल्ड स्टडी। यूर जे कैंसर 2012; 48: 875-81.

1158. शर्मा ए के, भारती एस, भाटिया जे, नेपाल एस, मलिक एस, राय आर, एट अल. सीसमोल एलेविट्स डायट-इंडुस्ड कार्डियोमेटाबोलिक सिंड्रोम इन रेट्स वाइव अप - रेगुलेटिंग **PPARÎ³, PPARÎ±** और ई-एनओएस. जे न्यूट्र बायोकेम 2012; 23: 1482-9.

1159. शर्मा ए के, भारती एस, ओझा एस, भाटिया जे, कुमार एन, राय आर, एट अल. अप-रेगुलेशन ऑफ **PPARÎ³,** हीट शॉक प्रोटीन-27 एंड-72 बाय नरिगिंन एटेन्यूट्स इंसुलिन रेजिस्टेंस, **Î²**-सेल डायसफंक्शन, हेपेटिक स्टेयाटोसिस एंड किडनी डेमेज इन ए रेट मॉडल ऑफ टाइप 2 डायबिटिज, ब्र जे न्यूट्र 2011; 106: 1713-23.

1160. शर्मा ए के, पांडिया एम पी, बिठल पी के, दास एच एच, अग्रवाल ए. ए केस ऑफ एन एब्नॉर्मल वेन ऑफ द हैंड विद् कैरेटाइरास्टीक्स ऑफ अर्टेरी। जे एनेस्थ 2011; 25: 312-3.

1161. शर्मा बी, श्रीवास्वत एस, सिंह एन, सचदेव वी, कपूर एस, सराय ए. रोल ऑफ प्रोबायोटिक्स ऑन गट पेरमेबिलिटी एंड एंडोऑक्सीमिया इन पेशेंट्स विद् एक्यूट पैनक्राइटिसः ए डबल - ब्लाइंड रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। जे क्लिन गैस्ट्रइंटेरोल 2011; 45: 442-8

1162. शर्मा सी, वेलपांडियन टी, सिंह एस बी, बिश्वास एन आर, वाजपेयी आर बी, घोष एस. इफेक्ट ऑफ फ्लोरोक्वानोलोनेस ऑन द एक्सप्रेशन ऑफ मैट्रिक्स मेटालोप्रोटेनायस इन डिब्रिडेड कोरनिया ऑफ रेट्स। टॉक्सीकोल मैक मैथड्स 2011; 21: 6-12.

1163. शर्मा सी, वेलपांडियन टी, बिश्वास एन आर, नायक एन, वाजपेयी आर बी, घोष एस. डेवलपमेंट ऑफ नोवेल इन सिलिको मॉडल टू प्रोडक्ट कोरनियल पेरमेबिलिटी फॉर कंजेनेरिक ड्रग्सः ए क्यूएसपीआर एप्रोच। जे बायोमेड बायोटेक्नोल 2011; 2011: 483869.

1164. शर्मा डी एन, रथ जी के, कुमार आर, मल्होत्रा ए, कुमार एस, पैडजेटचरम जे, एट अल. पॉस्ट्रिोन इमिशन टोमोग्राफी स्कैन फॉर प्रीडिक्टींग क्लिनिकल आउटकम ऑफ पेशेंट्स विद् रिकरंट सर्विकल कार्सिनोमा फॉलोविंग रैडिएशन थैरेपी। जे कैंसर रेज थेर 2012; 8: 23-7.

1165. शर्मा डी एन, रथ जी के, कुमार एस, भाटला एन, गांधी ए के, शर्मा पी, एट अल. पोस्टऑपरेटिव रैडियोथैरेपी फॉलोविंग इंएडवेंटेंट सिम्पल हायस्टेरेक्टोमी वर्सिस रेडिकल हायस्टेरेक्टोमी फॉर सर्विकल कार्सिनोमा। एशियन पैक जे कैंसर प्री 2011; 12: 1537-41.

1166. शर्मा डी एन, रथ जी के, कुमार एस, कुमार एल, भाटला एन, गांधी ए के, एट अल. क्लिनिकल आउटकम ऑफ पेशेंट्स विद् यूटेराइन सार्कोमस। जे कैंसर रेज थेर 2011; 7: 270-4.

1167. शर्मा डी एन, रथ जी के, थुल्कर एस, बहल ए, पंडित एस, जुल्का पी के. कंप्यूटेराज्ड टोमोग्राफी - गाइडेड पेरक्यूटेनियस हाई - डोज - रेट इंटेर्स्टिशियल ब्रेकीथैरेपी फॉर मैलिगनेंट लांग लेशन्स। जे कैंसर रेज थेर 2011; 7: 174-9.

1168. शर्मा जी, सेनगुट्टवन एन बी, जुनेजा आर, बहल वी के. न्यूरोकार्डियाजेनिक सायंकोप डुरिंग ए रूटिंग कोलोनोस्कोपी : ए अनकॉमन मैलिगनेंट प्रेजेंटेशन। इंटर्न मेड 2012; 51: 891-3.

1169. शर्मा जी, कौर जी, मेहरा एन. जेनेटिक कोरेलेट्स इंफ्लुएंसिंग इम्युनोपैथोजेनेसिस ऑफ एचआईवी इंफेक्शन। इंडियन जे मेड रेज 2011; 134: 749-68.

1170. शर्मा जे बी, कर्मकार डी, हरि एस, सिंह एन, सिंह एस पी, कुमार एस, रॉय के के. मैग्नेटिक रिसोनांस इमेजिंग फाइंडिंग्स अमंग वॉमैन विद् ट्यूबरकुलर ट्बो - ओवरिएन मैसेज। इंट जे ग्यानकोल आब्स्टेट 2011; 113: 76-80.

1171. शर्मा जे बी, कर्मकार डी, कुमार आर, शमीम एस ए, कुमार एस, सिंह एन. एट अल. कम्पेरिजन ऑफ पीईटी/सीटी विद् अदर इमेजिंग मॉडलिटिस इन वॉमैन विद् जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस। इंट जे ग्यानोकॉल ऑब्स्टे 2012; 118: 123-8.

1172. शर्मा जे बी, मोहनराज पी, जैन एस के, रॉय के के. इंक्रिज्ड कम्प्लीकेशन रेट्स इन विजाइनल हायस्टेरेक्टोमी इन जेनिटल ट्यूबकुलोसिस। आर्च ग्यनाकोल ऑब्स्टेट 2011; 283: 831-5.

1173. शर्मा जे बी, रॉय के के, पुष्पराज एम, कर्मकार डी, कुमार एस, सिंह एन. इंक्रिज्ड डिफिकलटिस एंड कम्प्लीकेशन्स इनकाउंटेरेड डुरिंग हायस्टेरोस्कोपी इन वॉमैन विद् जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस। जे मिनिम इंवेसिव ग्यानकोल 2011; 18: 660-5.

1174. शर्मा के के, वत्स एम. डोमेस्टिक वायोलेंस अगेंस्ट नर्से बाय देयर मर्टियल पार्टनर्स : ए फैसिलिटी बेस्ड स्टडी एट ए टेर्टियरी केयर हॉस्पीटल। इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2011; 36: 222-7.

1175. शर्मा एम, दास जे, ढिंगरा बी, सक्सेना आर. जी6पीडी डिफिसिएंसी इन फिमेल्स स्क्रीन्ड एट टेर्टियरी केयर हॉस्पीटल। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2011; 54: 850-1.

1176. शर्मा एस, दास जे, त्यागी एस. एटीआरए इडस्ड रिएक्टीव हिमोफगोकायटोसिसः ए केस रिपोर्ट : मेडिटेर जे हिमटोल इंफेक्ट डिस 2011; 3 : ई2011034.

1177. शर्मा एम, दायमा ए जैन एस, सक्सेना आर. एएमएल एसोसिएटेड विद् एक्सटेंसिव एरिथ्रफगोकायटोसिस एंड टेट्राप्लॉयड। यूर जे हिमेटोल 2011; 87: 286.

1178. शर्मा एम, मिश्रा ए, विक्रम एन, सूर्याप्रकाश बी, छाबरा एस, गर्ग एस, गर्ग एन, एट अल. जीनोटाइप ऑफ द एलएमएनए 1908सी>टी एरिएंट इन एसोसिएटेड विद् जर्नलाइज्ड ऑबसिटी इन एशियन इंडियन्स इन नॉर्थ इंडिया। क्लिन एंडोक्राइनॉल (ऑक्स्फ)2011; 75: 642-9.

1179. शर्मा एम, राजाप्पा एम, सत्यम ए, शर्मा ए. एन इम्बलेंस इन ऑक्सीडेंट / एंटीऑक्सीडेंट डायनमिक्सः कोरिलेशन विद् थेराप्यूटिक रिस्पोंस इन पेशेंट्स विद् कार्सिनोमा ऑफ पोस्टेरियर वन थर्ड ऑफ द टंग। ऑन्कोल रेजी 2011; 19: 365-73.

1180. शर्मा एम, सचदेव वी, सिंह एन, भारद्वाज पी, पाल ए, कपूर एस, एट अल. एल्टरेशन्स इन इंटेस्टाइनल पेरमेबिलिटी एंड एंडोटॉक्सीमिया इन सीरियस एक्यूट पैनक्रिटाइटिस। ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल 2012; 33: 45-50.

1181. शर्मा एम बी, चौधरी आर, तबस्सुम आई, अहमद एन एच, साहू जे के, धवन बी, एट अल. द प्रेजेंस ऑफ मायकोप्लाज्मा निमोनिया इंफेक्शन एंड जीएमआई गैंग्लियोसाइड एंटीबॉडी इन गुलयन - बेरे सिंड्रोम। जे इंफेक्ट डेव क्टरेज 2011; 5: 459-64.

1182. शर्मा एम एम, सूरी ए, चंद्र पी एस, काले एस एस, कपिल ए, शर्मा बी एस, एट अल. कॉस्ट एंड यूज पैटर्न ऑफ एंटीबॉडीस इन टेर्टियरी केयर न्यूरोसर्जिकल यूनिट। इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1: 41-7.

1183. शर्मा एम एस, सिंह आर, काले एस एस, अग्रवाल डी, शर्मा बी एस, महापात्रा ए के. ट्यूमर कंट्रोल एंड हियरिंग प्रीर्जेवेशन आफ्टर गामा नाइफ रेडियोसर्जरी फॉर वेस्टीबुलर स्कैवनौमास इन न्यूरोफाइब्रोमाटोसिस टाइप 2. जे न्यूरोऑनकोल 2010; 98: 265-70.

1184. शर्मा एन, अग्रवाल पी, सिन्हा आर, टिटियाल जे एस, वेलपांडियन टी, वाजपेयी आर बी. एवल्युशन ऑफ इंट्रास्ट्रोमल वॉरिकॉनाजॉल इंजेक्शन इन रिकैलकिट्रन डीप फंगल केराटाइटिस : केयर सीरिज। ब्र जे ऑफ्थालमॉल 2011; 95: 1735-7.

1185. शर्मा एन, अग्रवाल पी सी, कुमार सी एस, मनन आर, टिटियाल जे एस. माइक्रोबियल क्रेटाइटिस आफ्टर डिस्केमेट स्ट्रिपिंग ऑटोमेटेड एंडोथेलियल क्रेटोप्लास्टी। आई कंटेक्ट लेन्स 2011; 37: 320-2.

1186. शर्मा एन, गोयल एम, वेलपांडियन टी टिटियाल जे एस, टंडन आर, वाजपेयी आर बी. एल्युशन ऑु अमबिलिकल कोर्ड सीरम थैरेपी इन एक्यूट ऑकुलर कैमिकल बर्नस। इंवेस्ट ऑफ्थलमॉल विस साइं 2011; 52: 1087-92.

1187. शर्मा एन, सचदेव आर, टिटियाल जे एस, टंडन आर, वाजपेयी आर बी. पेनेट्रटिंग ऑटोकेराथेप्लास्टी फॉर अनलेटेराल कोरनियल ऑपैसिफिकेशन। आई कंटेक्ट लेन्स 2012; 38: 112-5.

1188. शर्मा पी, दुबे डी, सिंह ए, मिश्रा बी, सिंह एन, सिन्हा एम, एट अल. स्ट्रेक्चरल बेसिस ऑफ रिकंजेनिशन ऑफ पैथोजीन - एसोसिएटेड मॉलीकुलर पैटर्नस एंड इनहैबिशन आूफ प्रोइंफ्लामेट्री कायटोकाइन्स बाय केमल पेप्टिडोग्लायन रिकॉगनाइजेशन प्रोटीन। जे बायोल केम 2011; 286: 16208-17.

1189. शर्मा पी, दुबे डी, सिन्हा एम, डे एस, कौर पी, शर्मा एस, एट अल. स्ट्रक्चरल बेसिस ऑफ हिपेरिन बाइंडिंग टू केमल पेप्टिडोग्यकान रिकॉगनाइजेशन प्रोटीन-एस। इंट जे बायोकेम मॉल बायोल 2012; 3: 86-94.

1190. शर्मा पी, दुबे डी, सिन्हा एम, मिश्रा बी, डे एस, माल जी, एट अल. मल्टीलैजेंड स्पेसिफिसिटी ऑफ पैथोजीन - एसोसिएटेड मॉलीकुलर पैटर्न - बाइंडिंग साइट इन पेप्टिडोग्यकैन रिकॉगनाइजेशन प्रोटीन। जे बायोल केम 2011; 286: 31723-30.

1191. शर्मा पी, गुप्ता ए, पटेल सी, बक्शी एस, मल्होत्रा ए, कुमार आर. पेडियट्रिक लिम्फोमा : मेटाबोलिक ट्यूमर बर्डन एज ए क्वाटिटेटीव इंडेक्स फॉर ट्रीटमेंट रिपोंस एवल्युशन। एना न्यूकल मेड 2012; 26: 58-66.

1192. शर्मा पी, कुमार आर, दास के जे, सिंह एच, पाल एस, पार्षद आर. एट अल. डिटेक्शन एंड लॉकलाइजेशन ऑफ पोस्ट- ऑपरेटीव एंड पोस्ट - ट्रॉमेटिक बाइल लीकः हायब्रिड एसपीईसीटी-सीटी विद् 99एमटीसी-मेब्रोफेनिन। एब्ड इमेजिंग 2012; 37: 803-11.

1193. शर्मा पी, कुमार आर, सिंह एच, बाल सी, जुल्का पी के, थुल्कर एस, एट अल. इंडेटेमाइनट लेसियोन्स ऑन प्लेनर बोन स्किनटिग्राफी इन लंग कैंसर पेशेंट्स : एसपीईसीटी, सीटी या एसपीईसीटी-सीटी? स्केलेटल रेडियोल 2012; 41: 843-50.

1194. शर्मा पी, कुमार आर, सिंह एच, जेफ एस, पेटनेचा एम, रेड्डी आर एम. एट अल. इमेजिंग थ्रोम्बस इन कैंसर पेशेंट्स विद् एफडीजी पीईटी-सीटी। जेप्न जे रेडियोल 2012; 30: 95-104.

1195. शर्मा पी, कुमार आर, सिंह एच, जेफ एस, शर्मा जे बी, जैन एस के, एट अल. रोल ऑफ एफडीजी पीईटी-सीटी इन डिटेक्टिंग रिकरंस इन पेशेंट्स विद् अटेरिन सार्कोमा : कम्पेरिजन विद् कंवेंशनल इमेजिंग। न्यूकल मेड कॉम्युन 2012; 33: 185-90.

1196. शर्मा पी, पटेल सी डी, करुनानिती एस, महारजन एस, मल्होत्रा ए. कम्प्रेटीव एक्वेरिस ऑफ सीटी एटेनशन-कोरेक्टेड एंड नॉन-एटेनशन-कोरेक्टेड एसपीईसीटी मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग। क्लिन न्यूक्ल मेड 2012; 37: 332-8.

1197. शर्मा पी, पति एच पी, मिश्रा पी सी, डिंडा ए के. गुप्ता आर, शर्मा ए, एट अल. इनबिलिटी ऑफ इम्युनोमॉर्फोमेट्रिक एसेसमेंट ऑफ एंजियोजेनेसिस टू डिस्टीगुश प्राइमरी वर्सिस सेकेंडरी मायालोफाब्रोसिस। एनाल क्वांट कायटोल हिस्टोल 2011; 33ः 236-44.

1198. शर्मा पी, शर्मा आर. टॉक्सी ऑप्टिक न्यूरोपैथी। इंडियन जे ऑफ्थालमॉल 2011; 59ः 137-41.

1199. शर्मा पी, सिंह एच, कुमार आर, बाल सी, थुल्कर एस, सीनु वी, एट अल. बोन स्किंटिग्राफी इन ब्रेस्ट कैंसर। एडिड वेल्यू ऑफ हायब्रिड एसपीईसीटी-सीटी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन पेशेंट्स मैनेजमेंट। न्यूक्ल मेड कॉम 2012; 33ः 139-47.

1200. शर्मा पी के, अहुजा वी, मदन के, गुप्ता एस, रायजादा ए, शर्मा एम पी. प्रीवलेंस, सीरियस, एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ सिम्प्टोमैटिक गैस्ट्रोएसोफगल रिफ्लुक्स डिजीज अमंग इम्प्लोइस ऑफ ए लार्ज हॉस्पीटल इन नॉदर्न इंडिया। इंडियन जे गैस्ट्रोइंटेरोल 2011; 30: 128-34.

1201. शर्मा पी के, शंकर एम जे, सपरा एस, सक्सेना आर, कार्तिकेयन सी वी, देवरारी ए, एट अल. ग्रोथ एंड न्यूरोसेंसरी आउटकम्स ऑफ प्रीटेर्म वेरी लो बर्थ वेट इंफैंट्स एट 18 मंथस ऑफ कोररेक्टेड एज। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 1485-90.

1202. शर्मा आर के, बलहरा वाई पी, सागर आर, दीपक के के, मेहता एम. हार्ट रेट वरिएबिलिटी स्टडी ऑफ चाइल्डहुड एंक्सीटी डिऑडर्स। जे कार्डियोवेस्क डिस रेजी 2011; 2: 115-22.

1203. शर्मा आर के, सागर आर, दीपक के के, मेहता एम, बलहरा वाई पी. क्लिनिकल एंड ऑटोनोमिक फंक्शन्स : ए स्टडी ऑफ चाइल्डहुड एंक्सीटी डिसऑर्डर्स। एना साउदी मेड 2011; 31: 250-7.

1204 शर्मा एस, आर्य आर, राजू के एन, कुमार ए, चेपर जी सी, वन दर कनाप एम एस, एट अल. वैनिशिंग व्हाइट मैटर डिजीज एसोसिएटिड विद् प्टोसिस एंड मायोक्लोनिक सीजर्स। जे चाइल्ड न्यूरोल 2011; 26: 366-8.

1205. शर्मा एस, दास पी, दत्ता गुप्ता एस, कुमार एल, गुप्ता डी के. लिवर एंड पोर्टल हिस्टोपैथोलॉजिकल कॉरिलेशन विद् एज एंड सरवाइवल इन एक्स्ट्रा हेपेटिक विलिएरी एट्रेसिया। पेडिएट्र सर्ज इंट. 2011; 27: 451-61.

1206. शर्मा एस, गुलाटी एस, काबरा एम, कालरा वी, वशिष्ट एस, गुप्ता वाई के. ब्लड अमोनिया लेवल्स इन एपिलेप्टिक चिल्ड्रन ऑन 2 डोज रेंजीज ऑफ वप्रोक एसिड मोनोथैरेपी : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी। जे चाइल्ड न्यूरोल 2011; 26: 109-12.

1207. शर्मा एस, गुलाटी एस. द काटोजेनिक डाइट एंड द क्यूटी इंटरवल। जे क्लिन न्यूरोसाइं 2012; 19: 181-2.

1208. शर्मा एस, जाना एम. टीचिंग न्यूरोइमेजीसः काउडल रिग्रेशन सिंड्रोम। न्यूरोलॉजी 2011; 77: ई149.

1209. शर्मा एस, कोचर जी एस, संख्यान एन, गुलाटी एस. एप्रोच टू द चाइल्ड विद् कोमा-ऑथर्स रिप्ले टू रोसिवल वी. एप्रोच टू द चाइल्ड विद् कोमा : कॉरिस्पोडेंस। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 890-1.

1210. शर्मा एस, कुमार ए, गामनगट्टी एस, शर्मा वी, ज्योति के. टू एंड हाफ क्लविक्लेस - ए केस रिपोर्ट इमर्जे रेडियोल 2011; 18: 491-3.

1211. शर्मा एस, कुमार एल, मोहंती एस, कुमार आर, गुप्ता एस डी, गुप्ता डी के. बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर स्टेम सेल इंफ्यूजन इम्प्रूव्स बायोकैमिकल पैरामीटर्स एंड साइन्टीग्राफी इन इनफैन्ट्स विद् बिलिएरी अट्रेसिया। पीडियट्र सर्ज इंट 2011; 27: 81-9.

1212. शर्मा एस, लाल आर. वॉलटाइल सबस्टेंस मिसयूज अमंग स्ट्रीट चिल्ड्रेन इन इंडियाः ए प्रीलिमिनरी रिपोर्ट। सबस्ट यूज मिसयूज 2011; 46 (सप्ली 1): 46-9.

1213. शर्मा एस, मोहंती एस, गुप्ता डी, जसाल एम, अग्रवाल ए के, टंडन आर. सेलुलर रिपोंस ऑफ लिम्बल एपिथेलियल सेल्स ऑन इलेक्ट्रॉस्पॉन पॉली-?-कैप्रोलेक्टोन नैनोफाब्रोयस स्कैफफोल्ड फॉर ऑकुलर सरफेस बायोइंजीनियरिंग : ए प्रीलिमिनरी इन विट्रो स्टडी। मॉल विस 2011; 17: 2898-910.

1214. शर्मा एस, नाकागोमी टी, नाकागोमी ओ, पॉल वी के, भान एम के, राय पी. कॉन्वेलेसेंट फेस सेरा फ्रॉम चिल्ड्रन इंफक्टेड विद् जी12 रोटावायरस क्रॉस - न्यूट्रालाइज रोटावायरस स्ट्रैन्स बिलॉनगिंग टू द वा जीनोग्रूप। जे जीन विरोल 2010; 91: 1794-9.

1215. शर्मा एस, संख्यान एन, गुलाटी एस, अग्रवाल ए. यूज ऑफ द मॉडिफाइड एटकिन्स डाइट इन इंफैनटाइल स्पैज्म्स रिफ्रेक्टरी टू फर्स्ट-लाइन ट्रीटमेंट। सीजर 2012; 21: 45-8.

1216. शर्मा एस, संख्यान एन, कुमार ए, सचेपर जी सी, वन डर कनाप एम एस, गुलाटी एस. ल्यूकोएंसेफल - ऑपथी विद् ब्रेन स्टेम एंड स्पाइनल कोर्ड इवोलवमेंट एंड हाई लैक्टेट : ए जेनटिकली प्रोवन एक्यूज विद्आउट एलीवटेड व्हाइट मैटर लैक्टेट। जे चाइल्ड न्यूरोल 2011; 26: 773-6.

1217. शर्मा एस, संख्यान एन, रमेश के, गुलाटी एस. चाइल्ड न्यूरोलॉजी : एपिलेप्सी ऑफ इंफैंसी विद् मिग्रेटिंग फोकल सीजर्स। न्यूरोलॉजी 2011; 77: ई21-4.

1218. शर्मा एस, टंडन आर, मोहंती एस, शर्मा एन. सेन एस, कश्यप एस, एट अल. कल्चर ऑफ कोरनियल लिम्बल एपिथेलियल स्टेम सेल्सः एक्सपीरिएंस फ्रॉम बैंक्टोप टू बेडसाइट इन ए टेर्टियरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया। कोरनिया 2011; 30: 1223-32.

1219. शर्मा एस के, अग्रवाल एन, मुखर्जी ए, सेठ टी, मिश्रा पी, एक्सेस आई, एट अल. कॉइक्सीस्टिंग पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस एंड म्यूकोरमायकोसिस इन ए पेशेंट विद् एप्लास्टीक एनिमिया पोस्ट एलोजेनिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन। मीडिटर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस 2011; 3: ई2011036.

1220. शर्मा एस के, अग्रवाल एस, दामोदरन डी, श्रीनिवास वी, काधीरवन टी, लक्ष्मी आर, एट अल. सीपीएपी फॉर द मेटाबोलिक सिंड्रोम इन पेशेंट्स विद् ऑब्स्ट्रेक्टीव स्लीप एपनिया। एन इंगल जे मेड 2011; 365: 2277-86.

1221. शर्मा एस के, गुप्ता एन, अराव एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, एट अल. पल्सलेस राइट अपर लिम्ब एन अनयूजअल मैनीफेस्टेशन ऑफ इनवेसिव पल्मोनरी एस्पेग्रिलोसिस इन एक्यूट मायलॉयड ल्युकेमिया। जे एसो फिजिशियन्स इंडिया 2012; 60: 119-22.

1222. शर्मा एस के, गुप्ता एन, सेठ टी, श्रीनिवास एम, मिश्रा पी, महापात्रा एम. सक्सेसफुल मैनेजमेंट ऑफ रिफ्रेक्ट्री क्रॉनिक इम्युन थ्रोम्बोकायटोनिया विद् इंट्राक्राइनियल हिमोरहेज बाय इमर्जेंसी स्प्लेनेक्टोमी। इंडियन जे पीडियट्र 2012; 79: 397-8.

1223. शर्मा एस के, गुप्ता एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, सिंह एम के, एट अल. ल्यूकेमिया क्यूटिस : एन अनयूजअल प्रेजेंटेशन। इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यू 2012; 28: 175-7.

1224. शर्मा एस के, सेठ टी, अग्रवाल एन, महापात्रा एम, मिश्रा पी. इम्युन थ्रोम्बोकायटोनिक पुरपर फॉलोविंग एंटी-रेबीज वैक्सीन्स। प्लेटलेट्स 2012; 23: 317-8.

1225. शर्मा एस के, सेठ टी, मिश्रा पी, गुप्ता एन, अग्रवाल एन, बरुर एस, एट अल. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ डेंगू इंफेक्शन इन पेशेंट्स विद् हिमेटोलॉजिकल डिजीज। मेडिटर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस 2011; 3: e2011039.

1226. शर्मा एस के, सेठ टी, मिश्रा पी, माहपात्रा एम. बोन इंफ्रक्ट्स इन ए केस ऑफ क्रॉनिक मायलॉयड ल्युकेमिया : क्रॉनिक फेज इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यू 2012; 28: 187-8.

1227. शर्मा एस के, शर्मा एम, सेठ टी, मिश्रा पी, चौधरी एम, महापात्रा एम, एट अल. क्लिनिकल प्रोफाइल एंड आउटकम ऑफ पेशेंट्स ऑफ एक्यूट मायलॉयड ल्युकेमिया विद् हाई हायपरडिप्लोयडी। लेयूक रेजी 2012; 36: ई60-1.

1228. शर्मा एस के, सोनेजाएम. एचआईवी एंड इम्युन रिकंस्टीट्यूशन इंफ्लेमेट्री सिंड्रोम (आईआरआईएस)। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 134: 866-77.

1229. शर्मा यू, बीक एच एम, सु एम वाई, जगन्नाथन एन आर. इन विवो 1एच एमआरएस इन द एसेसमेंट ऑफ द थेरप्यूटिक रिस्पोंस ऑफ ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स। एनएमआर बायोमेड 2011; 24: 700-11.

1230. शर्मा यू, शाह आर जी, पार्षद आर, शर्मा आर, सीनू वी, जगन्नाथन एन आर. रोल ऑफ एपरेंट डिफ्यूजन कोइंफिसिएंट वेल्यूस फॉर द डिफरेंशिएशन ऑफ वाइबल एंड निक्राटिक एरियास ऑफ ब्रेस्ट कैंसर एंड इट्स पोटेंशियल यूटिलिटी ऑफ गाइड वॉक्सेल पोजिशिनिंग फॉर एमआरएस इन द अबसेंस ऑफ डायनामिक कंट्रास्ट - एंहांसड एमआरआई डेटा मैग रिजन इमे 2012; 30: 649-55.

1231. शर्मा वी, सिंह डी पी, फारूक के. ट्रोकनटेरिक ओस्टेयोटोमी। पंजाब जे ऑर्थोप 2011; 12: 1-4.

1232. शर्मा वी के, कृषणन एस जी, गुप्ता सी, कुमावत एम. क्यूटेनियस एजपेग्रिलोमा इन एन इम्युनोकोम्पेटेंट पेशेंट ट्रीएटेड विद् इंट्राकोनजोल। इंडियन जे डर्माटोल लेप्रोल 2011; 77: 626.

1233. शर्मा वी के, सेठी पी के, डोगरा पी एन, सिंह यू, दास पी. प्राइमरी ट्यूबरकुलोसिस ऑफ ग्लांस पेनिस आफ्टर इंट्रावेसिकल बैसिलस कैलमेट गुरिन इम्युनोथैरेपी। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरियोल लेप्रोल 2011; 77: 47-50.

1234. शर्मा वाई डी. मॉलीकुलर सरवाइलैंस ऑफ ड्रग रेजिस्टेंट मलेरिया इन इंडिया। करंट साइं 2012; 5: 696-703.

1235. शर्मा वाई आर, प्रुथी ए, आजाद आर वी, कुमार ए, मनान आर. इम्पैक्ट ऑफ अर्ली राइज ऑफ इंट्रायोकुलर प्रेजर ऑन विजुअल आउटकम फॉलोविंग डायबेटिक विट्रेक्टोमी। इंडियन जे ऑफ्थालमॉल 2011; 59: 37-40.

1236. शेखरयादव सी, बाजपेयी एम, कुमार वी, अहमद आर एस, गुप्ता पी, बनर्जी बी डी. पॉलीमॉर्फिज्म इन सीवाईपी1ए1, जीएसटीएमआई, जीएसटीटीआई जीन्स एंड ऑर्गनोक्लोरिन पेस्टीसाइड्स इन द एटियोलॉजी ऑफ हायपोस्पाडियस। ह्यू एक्स टॉक्सीकॉल 2011; 30: 1464-74.

1237. शोभा एन, भाटिया आर, बॉयको एम, त्यामचुक एस, कुमारपिलाई जी, स्मिथ ई, डेमचुक ए एम. आउटकम्स इन एक्यूटआइकेमिक स्ट्रॉक्स प्रेजेंटिंग विद् डायब्लिंग न्यूरोलॉजिक डेफिसिट्स विद्आउट इंटथक्रानियल वेस्कुलर ओकुलेशन। इंट जे स्ट्रॉक 2011; 6: 392-7.

1238. श्रीवास्तव एम, दास टी के, बिहारी एम, पति यू, विवेकानंदन एस. अल्ट्रास्ट्रक्चरल वरिएशन्स इन प्लेटलेट्स एंड प्लेटलेट माइटोकोंड्रियाः ए नोवेल फिक्चर इन मायोट्रोफिक लेटेरल स्क्लेरोसिस। अल्ट्रास्ट्रक्ट पैथोल 2011; 35: 52-9.

1239. शुक्ला जी, गुप्ता एस, गोयल वी, सिंह एस, श्रीवास्तव ए, बिहारी एम. एब्नॉर्मल सिम्पथेटिक हायपररिएक्टीविटी इन पेशेंट्स विद् मायस्थेनिया ग्रविसः ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2013; 115: 179-86.

1240. शुक्ला जे, अरोड़ा जी, कोतवाल पी पी, कुमार आर, मल्होत्रा ए, बंदोपाध्याय जी पी. रेडियोलेबल्ड ऑलियोसैकराइड्स नैनोप्राब्स फॉर इंफेक्शन इमेजिंग। हेल जे न्यूक्ल मेड 2010; 13: 218-23.

1241. शुक्ला एन के, देव एस वी एस. सॉट टिशू सार्कोमा - रिव्यू ऑफ एक्सपीरिएंस एट ए टेर्टियरी केयर कैंसर सेंटर इंडियन जे सर्ज ऑन्कोल 2011; 2: 309-12.

1242. शुक्ला एन के, हजारिका एस, देव एस वी एस, कर एम, कुमार एस, समैया ए, एट अल. सलिवरी ग्लैंड ट्यूमर्स प्रोफाइल एंड मैनेजमेंट एट ए टर्शरी कैंसर सेंटर। जे इंडियन जे मेड एसो 2011; 109: 381-5.

1243. शुक्ला पी, गुप्ता एन, घोष एम, वशिष्ठ एस, गुलाटी एस, बालाकृष्णन पी, एट अल. मॉलीकुलर जेनेटिक स्टडीज इन इंडियन पेशेंट्स विद् मैगालेंसेफलिक ल्यूकोनसेफलोपैथी। पीडियट्र न्यूरोल 2011; 44: 450-8.

1244. शुक्ला पी, गुप्ता एन, गुलाटी एस, घोष एम, वशिष्ठ एस, शर्मा आर, एट अल. मॉलीकुलर एनालसिस ऑफ एबीसीडी1 जीन इन इंडियन पेशेंट्स विद् एक्स-लिंकेड एड्रेनोथ्लयूकोडायस्ट्रॉफी। क्लिन कैमि एक्टा 2011; 412: 2289-95.

1245. शुक्ला पी, वशिष्ठ एस, श्रीवास्तव आर, गुप्ता एन, घोष एम, कुमार एम, एट अल. मॉलीकुलर एंड स्ट्रक्चरल एनालसिस ऑफ मेटाक्रॉमेटिक ल्युकोडायस्ट्रॉफी पेशेंट्स इन इंडियन पोपुलेशन। जे न्यूरोल साइं 2011; 301: 38-45.

1246. शुन्यु एन बी, गुप्ता एस डी, ठाकर ए, शर्मा एस सी. हिस्टोलॉजिकल एंड इम्युनोहिस्टोकैमिकल स्टडी ऑफ पर्सटेंसा रिट्रक्शन पॉकेट ऑटोलेरयंजोल हैड नीक सर्ज 2011; 145: 628-34.

1247. सिद्दीकी एस एम, अरोड़ा एस, सागर एस, क्रांडल एम, स्वरूप एम. सर्वेइंग एटीट्यूड्स एंड इंलूएंसेज ऑफ फीमेल पिल्लियोन राइडर्स इन न्यू देल्ही, इंडिया। जे सर्ज रेजी 2012; 172: 348.

1248. सिहोता आर, गोयल ए, कौर जे, गुप्ता वी, नाग टी सी. स्कैनिंग एलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी ऑफ द ट्रेबुकुलर मेशावार्कः अंडरस्टेडिंग द पैथोजेनेसिस ऑफ प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा। इंडियन जे ऑथलमॉल 2012; 60: 183-8.

1249. सिहोता आर, विशिष्ट पी, शर्मा ए, चक्रबर्ती एस, गुप्ता वी, पांडेय आर एम. एंटेरियर सेगमेंट ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी कैरेक्टरस्टिक्स इन एन एशियन पोपुलेशन। जे ग्लुकोमा 2012; 21: 180-5.

1250. सिहोता आर. क्लासिफिकेशन ऑफ प्राइमरी एंगल क्लोजर डिजीज। करं ऑपिन ऑथलमॉल 2011; 22: 87-95.

1251. सिक्का आर, कुमार आर, कुमार आर, सागर पी, सिंह एल. मायक्सोमा ऑफ द टेम्पोरल बोनः ए रेयर नियोप्लाज्मा इंडियन ऑटोल 2011; 17: 170-2.

1252. सिलन वी, कांत एस, गोस्वामी के, राय एस, मिश्रा पी. एचआईवी रिस्क विहेवियर एंड प्रीवलेंस ऑफ सेल्फ रिपोर्टेड सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डजीज अमंग मैन हु हेव सेक्स विद् मैन, रजिस्टरड विद् सिलेक्टेड नॉन-गर्वनमेंट ऑर्गनाइजेशन्स इन देल्ही, इंडिया। जे एपिडेमियोल कम्युनिटी हेल्थ 2011; 65: ए352

1253. सिंह ए, चितरगर एस एस, धवल वी, जिंदल वी एल, शर्मा ए के, सूरी वी, एट अल. वेस्कुलर हर्माटोमा : एन अनयूजअल एक्यूज ऑफ स्लिटोरोमेगाली इन एन 18-ईयर-ओल्ड पेशेंट। जे लॉ जेनिट ट्रेक्ट डिस 2012; 16: 325-7.

1254. सिंह ए, दिलनवाज एफ, मेवार एस, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, साहू एस के. कम्पोसाइट पॉलीमेरिक मैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स फॉर को-डिलीवरी ऑफ हायड्रोफोबिक एंड हायड्रोफिलिक एंटीकैंसर ड्रग्स एंड एमआरआई इमेजिंग फॉर कैंसर थैरेपी। एसीएस एप्ली मैटर इंटरफेसेज 2011; 3: 842-56.

1255. सिंह ए, गोयल एन, गुप्ता डी के, महापात्र ए के. एन ओवरव्यू ऑफ स्पाइनल इनजरीस इन चिल्ड्रन। सीरिज ऑफ 122 केस। इंडियन जे न्यूरोट्रॉमा 2011; 8: 25-32.

1256. सिंह ए, लोगानी ए, शाह एन. एन एक्स विवो कम्परेटीव स्टडी ऑन द रिटेंशन ऑफ कस्टम एंड प्रीफैब्रिकेटेड पोस्ट्स। जे कंर्जेव डेंट 2012; 15: 183-6.

1257. सिंह ए, शर्मा पी, कर एच के, शर्मा वी के, टेम्बरे एम के, गुप्ता एस, एट अल. एचएलए एलेलेस एंड एमिनो एसिड सिगनेंचर ऑफ द पेप्टाइड - बाइंडिंग पॉकेट्स ऑफ एचएलए मॉलीकुलेस इन विटिलिगो। जे इंवेस्ट डर्माटोल 2012; 132: 124-34.

1258. सिंह ए, वाजपेयी एम, अली एस ए, मजुमदार के, चौहान एन के, सिंह आर. एचआईवी-1 डिजीज प्रोग्रेशन एसोसिएटेड विद् लॉस ऑफ टीएच17 सेल्स इन सबटाइप 'सी' इंफेक्शन। कायटोकाइन 2012; 60: 55-63.

1259. सिंह ए के, कांत एस, पार्षद आर, बनर्जी एन, डे एस. एवल्युशन ऑफ ह्यूमन एलओएक्स -12 एज ए सीरम मार्कर फॉर ब्रेस्ट कैंसर। बायोकेम बायोफिजि रेजी कम्युन 2011; 414: 304-8.

1260. सिंह ए के, पांडेय एन, सिन्हा एम, कौर पी, शर्मा एस, सिंह टी पी. स्ट्रक्चरल एविडेंस फॉर द ऑर्डर ऑफ प्रीफरेंस ऑफ इनोर्गनिक सबस्ट्रेटस इन मामालियन हीम पीरोक्सीडेसेजः क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ द कॉम्प्लेक्स ऑफ लैक्टोपेरोक्सीडेज विद् फॉर इनऑर्गनिक सबस्ट्रेटस, एससीएन, आई, ब्र एंड सी1. इंट जे बायोकेम मॉल बायोल 2011; 2ः 328-39.

1261. सिंह ए के, पार्षद आर, पासी एस, माधवन टी, दास एस एन, मिश्रा बी, एट अल. प्रोग्नोस्टीक सिगनिफिकेंस ऑफ कायक्लोऑक्सजीनेस -2 एंड रिस्पांस टू कीमोथैरेपी इन इनवेसिव डक्टल ब्रेस्ट कार्सिनोमा पेशेंट्स बाय रियल टाइम सरफेस प्लाजमोन रिसोनांस एनालसिस। डीएनए सेल बायोल 2011; 30ः 801-7.

1262. सिंह ए के, सिंह आर, नाज एफ, चौहान एस एस, डिंडा ए, शुक्ला ए ए, गिल के, कपूर वी, डे एस. स्ट्रक्चर बेस्ड डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ पेप्टाइड इंहैबिटर ऑफ ह्यूमन एलओएक्स-12ः इन विट्रो एंड इन विवो एनालेसिस ऑफ ए नोवेल थैरेप्यूटिक एजेंट फॉर ब्रेस्ट कैंसर। पीएलओएस वन 2012; 7ः ई32521.

1263. सिंह ए एन, बंसल वी के, मिश्रा एम सी, कुमार एस, राजेश्वरी एस, कुमार ए, एट अल. टेस्टीकुलर फंक्शन्स, क्रॉनिक ग्रोइन पैन, एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ आटर लैपरोस्कोपिक एंड ओपन मेस रिपेयर ऑफ इंगुइनल हार्नियाः ए प्रोस्पेक्टीव रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। सर्ज एंडोस्क 2012; 26ः 1304-17.

1264. सिंह बी, गुप्ता ए, महाजन एस, गुप्ता आर. ए एक्यूट कोर्टिकल निक्रोसिस एंड कॉलैपसिंग ग्लोमेरूलोपैथी इन एन एचआईवी-इंफेक्टेड पेशेंटः ए रेयर क्लिनिकल सिनेरियो साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल 2012; 23ः 363-6.

1265. सिंह डी, पुष्कर एन, बजाज एम एस, सक्सेना आर, शर्मा एस, घोष एस. विजुअल फंक्शन अल्टरेशन्स इन ऑटिल ट्यूमर्स एंड फैक्टर्स प्रीडिक्टींग विजुअल आउटकम आटर सर्जरी। आई (लॉन्ड) 2012; 26ः 448-53.

1266. सिंह डी, सक्सेना आर. एवाइंडिंग पिटफॉल्स कंक्यूरिंग फियर्स। एक्सपार्ट रिव ऑथलमॉल 2012; 7ः 13-5

1267. सिंह जी, जाइदी एन एच, सोनी यू, गौतम एम, जैकेयरी आर, सिंह एच, स्परा एस. डिटेक्शन ऑफ बायोकंजुगेटेड क्वांटम डॉट्स पैसिवेटेड विद् डिफरेंट लिगैंड्स फॉर बायो-एप्लीकेशन्स। जे नैनोसाइं नैनोटेक्नोल 2011; 11ः 3834-42.

1268. सिंह जी, अग्रवाल एस, अय्यर वी के, शर्मा ए, चोपड़ा ए, मथुर एस आर. इयूजन कायटोलॉजी ऑफ ग्रनुलोकायटिक सार्कोमा इन एन अनयूजअल क्लिनिकल सीनिरियोः ए डायग्नोस्टीक चैलेंज। एक्टा कायटोल 2012; 56ः 315-20.

1269. सिंह जी, अग्रवाल एस, शर्मा एम सी, सूरी वी, सरकार सी, गर्ग ए, काले एस एस. स्पाइंडल सेल ऑकोकायटोमा ऑफ द एडेनोहायपोफिजिसः रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2012; 114ः 267-71.

1270. सिंह जी, मलिक एस, शर्मा वी, जोशी एन, पुरकैत एस, झा पी, एट अल. ए स्टडी ऑफ क्लिनिको - पैथोलॉजिकल पैरामीटर्स एंड ओ6 - मायलगुनिन डीएनए मायलट्रांसफेरेस (एमजीएमटी) प्रोमोटर मायथलेशन स्टेट्स इन द प्रोग्नोस्टीकेशन ऑफ ग्लिोसार्कोमा न्यूरोपैथोलॉजी 2012; 32ः 534-42.

1271. सिंह जी, शर्मा एम सी, अग्रवाल एस, प्रसाद जी एल, मिश्रा एस, सिंह एम एम, एट अल. एपिथेलियल - मायोएपिथेलियल कार्सिनोमा ऑफ द लैक्राइमल ग्लैंड : ए रेयर केस। एना डायग्न पैथोल 2012; 16ः 292-7.

1272. सिंह जी पी, प्रभाकर एच, बिठ्ठल पी के, दास एच एच. ए रेट्रोस्पेक्टीव एनालसिस ऑफ पेरिऑपरेटीव कॉम्प्लीकेशन्स डुरिंग इंट्राक्राइनल न्यूरोएंडोस्कोपिक प्रोडक्टर्स : अवर इंस्टीट्यूशनल एक्सपेरिएंस। न्यूरोल इंडिया 2011; 59ः 874-8.

1273. सिंह जी पी, प्रभाकर एच, रेड्डी बी के. मालपॉजिशन ऑफ इंटरनल जुगुलर वेन कैथेटर इनटू कंट्रालेटेरल इंटरनल जुगुलर वेनः एन अनकॉमन पॉजिशन। इंडियन जे एनास्थ 2012; 56ः 205-7.

1274. सिंह एच, शर्मा पी, सिंगल एस, अग्रवाल के के, सुमन के एस, चंद्र खंगेम्बम बी, एट अल. 99एमटीसी सलफुर कोलोयड लिम्फोसाइंटिग्राफी डेमोनस्ट्रेटिंग पटेंसी ऑफ ए लिम्फोवेनस शांट। क्लिन न्यूकल मेड 2012; 37ः 766-7.

1275. सिंह आई के, भटनागर वी, गुप्ता ए के, सेठ ए. कोरिलेशन ऑफ स्प्लेनिक वॉल्यूम विद् हिमेटोलॉजिकल पैरामीटर्स, स्प्लेनिक वेन डायमीटर, पोर्टल प्रेजर एंड ग्रेड ऑफ वरिसेस इन एक्सट्रहिपेटिक पोर्टल वेन ऑब्स्ट्रक्शन इन चिल्ड्रन। पीडियट्र सर्जर इंट 2011; 27ः 467-71.

1276. सिंह के, कुमार वी, भास्कर एस, मोहंती बी के. कार्सिनोमा सेर्विक्स विद् मेटास्टेसिस टू द ऑर्बिटः ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेक्चर। जे कैंसर रेजी थेर 2011; 7ः 357-8.

1277. सिंह के पी (सह-लेखक). प्रीपरेशन ऑफ नोबेल प्राइज फॉर इंडिया। स्कोलर्ली जे बिजनेस एडमिन 2011; 1ः 37-40.

1278. सिंह के पी, श्रीवास्तव पी. ऑनलाइन पब्लिक एसेस कैटलॉग (ओपीएसी)। इनः नेशनल कांग्रेस ऑन डिजिटल लाइब्रेरी मैनेजमेंट एंड चैलेंजीस, एसीसीएमएएन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्रेटर नोएडा, 19 नंवबर 2011; पीपी. 274-6.

1279. सिंह के पी. इंफॉर्मेशन लिटरेसी स्कील्स इन डिजिटल एनावर्यमेंट। इनः एकनॉलेडज मैनेजमेंट एंड इनफॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी। एशियन बुक्स प्रा. लि.; 2011: 307-11.

1280. सिंह के पी. न्यू इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी फॉर लाइब्रेरी ऑपरेशन एंड सर्विसेज डिजिटल लाइब्रेरी मैनेजमेंट एंड चैलेंजीस, नेशनल कांग्रेस ऑन डिजिटल लाइब्रेरी मैनेजमेंट एंड चैलेंजीस, एसीसीएमएएन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्रेटर नोएडा, ए 19 नंवबर 2011; पीपी. 551-4.

1281. सिंह के पी. यूज ऑफ इ-रिर्सोसेज इन बी. बी. दीक्षित लाइब्रेरी (एम्स): ए केस स्टडी। रिसेंट ट्रेंड्स इन लाइब्रेरी सर्विसेज। वायू एजुकेशन ऑफ इंडिया, 2011ए पीपी 142-53.

1282. सिंह एम, देव एस वी, शुक्ला एन के, पंडित ए. कायलोस फिस्टुअल आटर एक्सीलरी लिम्फा नोड डिससेक्शनः इंसिडेंस, मैनेजमेंट, एंड पॉसिबल एक्यूज। क्लिन ब्रेस्ट कैंसर 2011; 11: 320-4.

1283. सिंह एम बी, शर्मा एस के, नायर एस, पांडेय आर एम, कपिल यू, सिंह सी. स्टेट्स ऑफ आयोडिन कंटेंट ऑफ सॉल्ट इन फॉर रिजन्स ऑफ इंडिया। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 684-7.

1284. सिंह एन, बहादुर ए, मित्तल एस, मल्होत्रा एन, भट ए. प्रीडिक्टीव वेल्यू ऑफ एंडोमेट्रियल थिकनेस, पैटर्न एंड सब-एंडोमेट्रियल ब्लड लोस ऑन द डे ऑफ एचसीजी बाय 2डी डोपलर इन इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन साइकिलः ए प्रोस्पेक्टीव क्लिनिकल स्टडी फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर यूनिट। जे ह्यूम रिप्रोड साइं 2011; 4: 29-33.

1285. सिंह एन, गुप्ता पी, मित्तल एस, मल्होत्रा एन. कोरिलेशन ऑफ बॉडी मैस इंडेक्स विद् आउटकम ऑफ इन विट्रो फार्टिलाजेशन इन ए डेवलपिंग कंट्री। एर्च ग्यनोकोल ऑब्स्टेट 2012; 285: 259-63.

1286. सिंह एन, कर्माकर डी, सिंगल एस, रॉय के के, कुमार एस. सक्सेसफुल आउटकम फॉलोविंग एंटेपर्टम एमनियोइंयूजन इन प्रेगनेंसी कॉम्प्लीकेटेड विद सीरियर ऑलिगोहायड्रमनियोस विद् एपीएलए सिंड्रोम। जे साउथ एशियन फेड ऑब्स्टेट ग्यानकोल 2011; 3: 109-11.

1287. सिंह एन, कुमार एस, रॉय के के, शर्मा वी, जालाक ए. सक्सेसफुल मेटरनल एंड फेटल आउटकम इन ए रेयर केस ऑफ एसेनटियल थ्रोम्बोकायथेमिया विद् प्रेगनेंसी यूजिंग इंटरफरोन अल्फा। प्लेटलेट्स 2012; 23: 319-21.

1288. सिंह एन, शर्मा बी, शर्मा एम, सचदेव वी, भारद्वाज पी, मणि के, एट अल. एवल्युशन ऑफ अर्ली इंटरल फीडिंग थ्रु नासोगैस्ट्रीक एंड नसोजेजुनल ट्यूब इन सीरियर एक्यूट पैनक्रिएटाइटिसः ए नोनिनफेरियोरिटी रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल पैक्रियास 2012; 41: 153-9.

1289. सिंह एन, शर्मा वी, कुमार एस. सक्सेसफुल पेरिनेटल आउटकम इन ए रेयर केस ऑफ प्रेगनेंसी विद् एसेनटियल थ्रोम्बोकायथेमिया (ईटी) यूजिंग इंटरफेरोन अल्फाः ए केस रिपोर्ट। जे प्लेटलेट्स 2011

1290. सिंह पी, डोगरा पी एन, गुप्ता एन पी, नायर आर, सेठ ए, जवाली टी डी, एट अल. कोरिलेशन बीटवीन द प्रीऑपरेटिव सीरम प्रोस्टेट स्पेसिफिक एंटीजन, ग्लेसन स्कोर, एंड क्लिनिकल स्टेगइंग विद् पैथोलॉजिकल आउटकम फॉलोविंग रोबॉट - एसिस्टेड रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमीः एन इंडियन एक्सपीरिएंस। इंडियन जे कैंसर 2011; 48: 483-7.

1291. सिंह पी, डोगरा पी एन, कुमार आर, गुप्ता एन पी, नायक बी, सेठ ए. आउटकम्स ऑफ रोबॉट - एसिस्टेड लैपरोस्कोपिक पायलोप्लास्टी इन चिल्ड्रनः ए सिंगल सेंटर एक्सपीरिएंस। जे एंडोयूरोल 2012; 26: 249-53.

1292. सिंह पी, कपिल यू, शुक्ला एन, देव एस, द्विवेदी एस. एसोसिएशन ऑफ ओवरवेट एंड ऑब्सिटी विद् ब्रेस्ट कैंसर इन इंडिया। इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2011; 36: 259-62.

1293. सिंह पी, कपूर पी एम, देवगुरू वी, भुवन वी, किरन यू. यूज ऑफ इंटेग्रेटेड एक्स्ट्राकोरेपोरियल मेम्ब्रन ऑक्सीजेनेटर इन एनोमालोस लेट कोरोनरी अर्टेरी टू पल्मोनरी अर्टेरीः बैटर सरवाइवल बेनेफिट। एना कार्ड एनास्थ 2011; 14: 240-2.

1294. सिंह पी, कुमार आर. एंडोयूरोलॉजी फॉर अपर ट्रेक्ट लेशन्स। जे इंट मेड साइं एकाड 2011; 24: 127-30

1295. सिंह पी, मिर्धा बी आर, अहुजा वी, सिंह एस. एल्युशन ऑफ स्मॉल - सबुनिट आरआरएनए टचडाउन पॉलीमेर्स चेन रिएक्शन फॉर डायरेक्ट डिटेक्शन ऑफ एंटमोइबा हिस्टोलायटिका इन ह्यूमन पुस सैम्पल फ्रॉम पेशेंट्स विद् एमोबिक लिवर अबसेस। इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल 2011; 29: 141-6.

1296. सिंह पी के, खंडेलवाल ए, सिंह ए, अइलावाधी पी, गुप्ता डी, महापात्रा ए के. लॉन्ग-सेगमेंट टाइप 1 स्पलिट कोर्ड मैलफॉर्मेशन विद् टू - लेवल स्पिलट कोर्ड मैलफॉर्मेशन एंड ए सिंगल डुरल सेक एट द लोअर स्पिलट पीडियट्र न्यूरोसर्ज 2011; 47: 227-9.

1297. सिंह आर, बेनेर ए, सिंह के, द्विवेदी एस एन. चाइल्ड सरवाइवल मॉडल इन रेफरेंस टू फस्ट बर्थ ऑर्डर स्टेटीस्टीकल वेलीडेशन एंड प्रीडिक्शन। करं पीडियट्र रेजी 2012; 16: 19-25.

1298. सिंह आर, चंद्र पी, सिंह के, अहुजा आर के, द्विवेदी एस एन. इंटरल वैलीडेशन फॉर कोक्स प्रोपोशनल हाजार्ड मॉडल यूजिंग बूटस्ट्रप रि-सैम्पलिंग टेक्नीक। जे बायोस्टेटिस 2011; 5ः 35-48.

1299. सिंह आर, त्रिपाठी वी, सिंह के, अहुजा आर के, वेनी एम के, द्विवेदी एस एन. ब्रेस्टफीडिंग्स एज ए टाइम - वरिइंग टाइम-डिपेंडेंट फैक्टर फॉर बर्थ स्पेसिंग : मल्टीवेरिएट मॉडल्स विद् वैलीडेशन्स एंड प्रीडक्शन्स वर्ल्ड हेल्थ पोपुल 2012; 13ः 28-51.

1300. सिंह आर, वर्मा आर, कौशिक ए, सुमन जी, सूद एस, गुप्ता आर के, मल्होत्रा बी डी. चिटोसन - आयरन ऑक्सीड नैना-कम्पोसाइट प्लेटफॉर्म फॉर मिसमैच - डिसक्रामिनटिंग डीएनए हायब्रिडिजेशन फॉर नेसेरिया जोनोरहोजी डिटेक्शन क्यूजिंग सेक्सीअली ट्रांसमिटेड डिजीज। बायोसेंस बायोइलेक्ट्रॉन 2011; 26ः 2967-74.

1301. सिंह आर, वर्मा आर, सुमन जी, श्रीवास्वत ए के, सूद एस, गुप्ता आर के, एट अल. नैनोबायोकाम्पोसाइट प्लेटफॉर्म बेस्ड ऑन पॉलीनिलाइन - आयरन ऑक्सीड-कार्बोन नैनोट्यूब्स फॉर बैक्टीरियल डिटेक्शन। बायोइलेक्ट्रोकेम 2012; 86ः 30-7.

1302. सिंह आर आई, एक्सेज आई, मथुर पी, बेहरा बी, गुप्ता बी, मिश्रा एम सी. एपिडर्मियोलॉजी ऑफ कार्डिडेमिया इन क्रिटीकली इल ट्रॉमा पेशेंट्सः एक्सपीरिएंसेज ऑफ ए लेवल आई ट्रॉमा सेंटर इन नॉर्थ इंडिया। जे मेड माइक्रोबायोल 2011; 60 (पाठ तीन) 342-8.

1303. सिंह आर आर, अम्बेडकर ए. ऑपियाइड सबस्टीट्यूशन ट्रीटमेंट इन ए पब्लिक हेल्थ सेटिंग : ए कॉलेबोरेशन बीटवीन हॉस्पीटल्स एंड एनजीओ इन द पंजाब। इंट जे ड्रग पॉलिसी। 2012; 23ः 170-1.

1304. सिंह एस, खन्ना एन, कुमार एल. बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन इम्प्रूव्स सिम्प्टोम्स ऑफ कंजुनाइटल एर्थोपोइटिक पोफायरिया ईवन वेन डन पोस्ट पबेर्टी। इंडियन जे उर्माटोल वेनेरियोल लैप्रोल 2012; 78ः 108-11.

1305. सिंह एस, नायर वी, गुप्ता वाई के. एंटीथराइटिक एक्टीविटी ऑफ मजून सरनजन (ए पॉलीहर्बल यूनानी फॉर्म्युलेशन) इन रेट। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 134ः 384-8.

1306. सिंह एस, नायर वी, गुप्ता वी के. एवल्युशन ऑफ द अरोडिसिक एक्टीविटी ऑफ ट्रिबुलस टेरेस्ट्रीज लिनन। इन सेक्सुअली सलुगिश मैल एल्बिनो रेट्स। जे फार्माकोल फार्माकैथेर 2012; 3ः 43-7.

1307. सिंह एस, नायर वी, गुप्ता वाई के. लिनसीड ऑयलः एन इनवेस्टीगेशन ऑफ इट्स एंटीअर्थराइटिक एक्टीविटी इन एक्सपीरिमेंटल मॉड्ल्स। फायटोथेर रेजी 2012; 26ः 246-52.

1308. सिंह एस पी, चौहान एस, चौधरी एम, वसदेव एस, तलवार एस. रिकॉम्बिनेंट एक्टीवेटेड फैक्टर फॉर हिमोरहज आटर पीडियट्र कार्डियक सर्जरी। एशियन कार्डियोवेस्क थाराक एना 2012; 20ः 19-23.

1309. सिंह एस पी, चौहान एस, तलवार एस. सिन्यूस वेनोसस अर्टियल स्पेटल डिफेक्ट इन ए पेशेंट्स पेनटालॉजी ऑफ फैलोट। एना कार्ड एनास्थ 2012; 15ः 166-8.

1310. सिंघल जी, अखतर एम जेड, स्टेर्न डी एफ, गुप्ता एस डी, अहुजा ए, शर्मा यू, एट अल. डीएनए ट्रिप्लेक्स - मीडिएटेड इंहेबिशन ऑफ एमईटी लीड्स टू सेल डेथ एंड ट्यूमर रिग्रेशन इन हिपटोमा। कैंसर जीन थेर 2011; 18ः 520-30.

1311. सिंघल एम, बक्शी एस. बीयूज लाइन्स। जे एसो फिजिशियन्स इंडिया 2011; 59ः 248.

1312. सिंघल एम, कुमार एम वी, प्रकाश पी, गुप्ता ए, कुमार एस, सागर एस. रेयर केस ऑफ इम्प्लेमेंट ऑफ टू आसूपेंट्स ऑफ ए वाइकल बाय द सेम ऑब्जेक्टः इनसाइट्स इनटू द मैनेजमेंट ऑफ कॉम्प्लेक्स थोरेसिस इम्प्लीमेंट्स। चेन जे ट्रॉमाटोल 2012; 15ः 50-3.

1313. सिंघल एन, मिश्रा ए, शाह पी, गुलाटी एस, भट एस, शर्मा एस, एट अल. इम्पैक्ट ऑफ इंटेंसिव स्कूल - बेस्उ न्यूट्रिशन एजुकेशन एंड लाइफस्टाइल इंटेर्वेशन्स ऑन इनसुलिन रेजिस्टेंस, बीटा-सेल फंक्शन, डिसपोजिशन इंडेक्स, एंड सबक्लिनिकल इंलमेशन अमंग एशियन इंडियन अडोलेसेंट्सः ए कंट्रोल्ड इंटर्वेशन स्टडी। मेटाब सायड्र रिलेट डिसकोर्ड 2011; 9ः 143-50.

1314. सिंगल एस, कुमार एस. वुलवल फाइलेरिससः सक्सेसफुल मेडिकल मैनेजमेंट। इंडिया जे ऑब्स्ट ग्यान 2011; 32-4.

1315. सिन्हा ए, बग्गा ए, गुलाटी ए, हरि पी. शॉर्ट-टर्म एफिसेसी ऑफ रिटुक्सीमाब वर्सेस टैक्रोलिमस इन स्टेरॉयड - डिपेंडेंट नेफ्रोटिक सिंड्रोम। पीडियट्र नेफ्रोल 2012; 27ः 235-41.

1316. सिन्हा ए, बाजपेयी एम, पांडा एस, राजन एस, शर्मा एम सी. यूनिलेटरल यूरेटेरिक ऑब्स्ट्रक्शन : रोल ऑफ रिनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम ब्लॉकड ऑन रिनल रिकवरी : एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी। जे इंडियन एसो पीडियट्र सर्ज 2012; 17ः 49-53.

1317. सिन्हा ए, कृष्णन वी, सेठ टी, रॉय एस, घोष बी, लोढा आर, एट अल. मेटाबोलोमिक सिगनेचर्स इन न्यूक्लेयर मेग्नेटिक रिसोंनस स्पेक्ट्रा ऑफ एक्सहलेड ब्रीथ कंडेंसेट एडेंटिफाइ अस्थमा। यूर रेस्पेयर जे 2012; 39ः 500-2.

1318. सिन्हा ए, लिनिका पी, बासु बी, गुलाटी ए, हरि पी, बग्गा ए. जिटेलमैन सिंड्रोमः नोवेल म्यूटेशन एंड लॉन्ग टर्म फॉलो-अप। क्लिन एक्स नेफ्रोल 2012; 16ः 306-9.

1319. सिन्हा सी, गुप्ता बी, कौर एम, कुमार ए, डे सी के. प्रोटेयस सिंड्रोम : ए मेडिकल रेरिटी। साउदी जे अनास्थ 2011; 5: 233-4.

1320. सिन्हा एन, गुप्ता ए, लोगानी ए, शाह एन. रिमिनरालाइजिंग एफिसेसी ऑफ सिल्वर डायमिन लोराइड एंड ग्लास आसोनोमर टाइप टप्प फॉर देयर प्रोपोस्ड यूज एज इनडायरेक्ट पल्प कैपिंग मैटिरियल्स - पार्ट 2 (क्लिनिकल स्टडी) जे कर्जेव डेंट 2011; 14: 233-6.

1321. सिन्हा आर, बाली एस जे, शर्मा एन, टिटियाल जे एस. फाइब्रिन ग्लु - एसिस्टेड फिक्सशन ऑफ डिसेंटरेड प्रोस्टेरियॉर चेम्बर इंट्राओकुलर लेन्स। आई कंटेक्ट लेन्स 2012; 38: 68-71.

1322. सिन्हा आर, चंद्रलेखा, राय बी आर. एवल्युशन ऑफ एयर - क्यू इंट्यूबेटिंग लेयर्नजीयल एयरवे एज ए कंड्यूट फॉर ट्रेकियल इंट्यूबेशन इन इंफैंट्स - ए पायलट स्टडी। पीडियट्र एनास्थ 2012; 22: 156-60.

1323. सिन्हा आर, डायनियल सी आर, देवसेनापति एन, शेट्टी एच युर्गलेविटच एस, फेरूसी एल एम, एट अल. मल्टी - सेंटर फीसिबिलिटी स्टडी एवल्युटिंग रिक्यूटमेंट, वरिएबिलिटी इन रिस्क फैक्टर्स एंड बायोमार्कर्स फॉर ए डायट एंड कैंसर कोहोर्ट इन इंडिया। बीएमसी पब्लिक हेल्थ 2011; 11: 405.

1324. सिन्हा आर, गर्ग आर. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट फॉर लैप्रोस्कोपी सर्जरी इन ए पेशेंट विद् रिसिडुअल कोरक्टेशन ऑफ अयोर्टा एंड मिल्ड आयोर्टिक स्टेनोसिस। जे एनास्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 412-13.

1325. सिन्हा आर, रजन राय बी. कंयूजन डु टू साइट ऑफ ट्रेकियल ट्यूब साइज मर्किंग। एनास्थिसिया 2012; 67: 72.

1326. सिन्हा आर, राय बी आर, डे डी, स्वेता एस. फैल्ड इंर्जेशन ऑफ एंडोट्रेकियल ट्यूब थ्रु क्लासिक लेयनजीयल मास्क एयरवे जे एनास्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 423.

1327. सिन्हा आर, शादांगी बी, गर्ग आर, राजेश्वरी एस, कुमार एन. इंटरनल जुगुलर वेनोयस कैथेराइजेशन : ओपन टेक्नीक एज एन अल्ट्रानेटीव इन पेशेंट्स ऑन हेपारिन इंयूजन। एनास्थेसिया, पैन इंटेंस केयर 2011; 15: 197.

1328. सिन्हा आर, शर्मा एन, अहुजा आर, कुमार सी, वाजपेयी आर बी. लेजर इन सिट्य केराटोमिलेसिस फॉर रिफ्रेक्टीव एरर फॉलोविंग रेडियल केराटोटोमी। इंडियन जे ऑथलमोल 2011; 59: 283-6.

1329. सिन्हा आर, थांगास्वामी सी आर, मुथइह टी, चंद्र पी, सुब्रमणियम आर. प्रोलोंगेड पोस्टऑपरेटिव डेसट्यूरेशन इन ए चाइल्ड विद् डाउन सिंड्रोम एंड अर्टियल स्पेटल डिफेक्ट। इंडियन जे एनास्थ 2011; 55: 608-10.

1330. सिन्हा आर, त्रिखा ए, लाहा ए, रविराज आर, कुमार आर. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए पेशेंट विद् जीएपीओ सिंड्रोम फॉर ग्लुकोमा सर्जरी। पीडियट्र एनास्थ 2011; 21: 910-2.

1331. सिन्हा आर. डालेमा ऑफ गम ब्लीडिंग आटर लेक्सीबल लेयरनजीयल मास्क एयरवे इंर्जेवेशन इन चिल्ड्रन जे एनास्थेसियोल क्लिन फार्माकोल 2011; 27: 292-3.

1332. सिन्हा ए, अहमद एच, शेखर आर सी, कुमार एन, दर एल, सामंतरे जे सी, एट अल. प्रीवलेंस ऑफ एचआईवी ड्रग रेजिस्टेंस म्यूटेशन्स इन टाइप 1 आसोलेट्स इन एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी नेवी पोपुलेशन फ्रॉम नॉर्दन इंडिया। एड्स रेजी ट्रीट. 2012; 2012: 905823. कवपः 10.1155ध्2012ध्905823.

1333. सिन्हा एस, धूरिया एस, कुमार एस, शाह एन, वेलपंडियन टी, रवि ए, एट अल. द एंटीरेट्रोवायरल एफिसेसी ऑफ हाइली एक्टीव एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी एंड प्लाज्मा नेविरेपिन कंसेंट्रेशन्स इन एचआईवी-टीबी को-इंफेक्टेड इंडियन पेशेंट्स रिसिविंग रिफैम्पिसिन बेस्ड एंटीट्यूबरकुलोसिस ट्रीटमेंट। एड्स रेजी थेर 2011; 8: 41.

1334. सिन्हा एस, शर्मा बी एस. इंट्रावेंट्रीकुलर न्यूरोसायस्टीसेर्कोसिसः ए रिव्यू ऑफ करंटस्टेट्स एंड मैनेजमेंट इशू ब्र जे न्यूरोसर्ज 2012; 26: 305-9.

1335. सिन्हा टी पी, भोई एस, कुमार एस, रामचंदनी आर, गोस्वामी ए, कुरेय एल, एट अल. डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ बेडसाइट इमर्जेंसी अल्ट्रासाउंड स्क्रीनिंग फॉर फ्रैक्चर्स इन पीडियट्रिक ट्रॉमा पेशेंट्स। जे इमर्जे ट्रॉमा शॉक 2011; 4: 443-5.

1336. सिवनंदन एस, सिन्हा ए, जैन वी, लोढा आर. मैनेजमेंट ऑफ डायबिटिक केटोसिडोसिस। इंडियन जे पीडियट्र. 2011; 78: 576-84.

1337. सोनेजा एम, बत्रा ए, विक्रम एन के, अहुजा ए, मोहन ए, सूद आर. एक्टीनोमायकोसिस एंड नोकार्डियोसिस का-इंफेक्शन इन क्रॉनिक ग्रानुलोमटोयस डिजीज। जे एसो फिशियन्स इंडिया 2012; 60: 66-8.

1338. सोनी के डी, गुप्ता बी, अग्रवाल पी, डिसूजा एन, सिन्हा सी. एन अनकॉमन एक्यूज ऑफ इंट्राऑपरेटिव एयरलीक। इंडियन जे क्रिट केयर मेड 2011; 1: 237-8.

1339. सोनी के डी, साहनी सी, कौर एम, रामचंदनी एस, सिंघल एम. स्टेलेट गैंग्लियोन ब्लॉक एज ए लिम्ब सलवेजिंग टेक्नीक। इंडियन जे एनास्थेसिया 2012; 56: 307-8.

1340. सोनी ए, नागराज जी, रामचंद्रन आर. सायम्प्टोमेटिक एपिग्लोटिक कायस्टः ए रेयर एक्यूज ऑफ अनएंटीसेपटेड डिफिकल्ट इंट्यूबेशन मीडिल ईस्ट जे एनास्थेसियोल 2011; 21: 119-20

1341. सूद ए, रेवनासिद्दीह एस, कुमार आर. न्यूक्लियर मेडिसिन इन मायलोमा : द स्टेट ऑफ द साइंस एंड इर्मेजिंग ट्रेंड्स हेल जे न्यूक्ल मेड 2011; 14: 2-5.

1342. सूद एम, अग्रवाल ए, सिवरमन एस, खंडेलवाल एस के. डायग्नोस्टिक डिलेमा : ए केस ऑफ सेल्फ - इंजेरियस बिहेवियर। इंडियन जे साइकाइट्री 2011; 53: 159-62.

1343. सूद एम, अम्बेकर ए. 'फ्रेश फ्रूट जूस' - ए मेटाफोर फॉर गिविंग एक्स्ट्रा केयर टू ए पेशेंट बाय फैमली मेम्बर्स / केयरटेकर्स। नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 375.

1344. सूद एम, शरन पी. ए प्रेगमेटिक एप्रोच टू इंटेग्रेटिंग मेंटल हेल्थ इन अंडरग्रेजुएट ट्रेनिंग : द एम्स एक्सपीरिएंस एंड वर्क इन प्रोग्रेस। नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 108-10.

1345. सूद एम, शरन पी. अंडरग्रेजुएट ट्रेनिंग इन साइकाइट्री एट एम्सः इंटेग्रेशन विद् कम्युनिटी मेडिसिन। इंडियन जे साइकाइट्री 2012; 54: 93-4.

1346. सूद एम. बूक रिव्यू : पेरसुशन इन क्लिनिकल प्रैक्टिस : हेल्पिंग पीपल मेक चेंजस। नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 240.

1347. सूद आर, अनंतकृष्णन एन. रिफॉर्मिंग मेडिकल करिकुलम इन इंडिया इन रिसेंट ईयर्सः कंफिलक्ट्स ऑफ पॉलिटिकल, रेगुलेटर, एजुकेशनिस्ट एंड प्रोफेशनल नेचरर्स एंड स्ट्रेटेजीस फॉर देयर रिसोलुशन। इंट जे यूजर डरावेन हेल्थकेयर 2012; 1: 1-13.

1348. सूद आर. डोज मेडिकल स्कूल ट्रेनिंग डिसेंसिटाइज यांग डॉक्टर्स? नेटल मेड जे इंडिया। 2011; 24: 124.

1349. सूद आर. हव टू सारवाइव इन मेडिसिन : पर्सनली एंड प्रोफेशनली (बीएमजे पब्लिकेशन) बुक रिव्यू इंडियन जे मेड रेजी 2011; 133: 449-50.

1350. सूद एस, खरबांदा ओ पी, दुग्गल आर, सूद एम, गुलाटी एस. मस्कल रिस्पोंस डुरिंग ट्रीटमेंट ऑफ क्लास 2 डिविजन 1 मैलोक्लुजन विद् फार्सेस फाटिग रेजिस्टेंट डिवाइस। जे क्लिन पीडियट्र डेंट 2011; 35: 331-8.

1351. सूद एस, खरबांदा ओ पी, दुग्गल आर, सूद एम, गुलाटी एस. न्यूरोमस्कुलर एडेप्टेशन्स विद् लेक्सीबल फिक्स्ड फंक्शनल एप्लाइंस - ए 2 - ईयर फॉलो-अप स्टडी। जे ओरोफैक ऑथोप 2011; 72: 434-45.

1352. सोरल ए, कंचेरला आर पी, मल्होत्रा आर. एवल्युशन एंड डिजाइन रेटियोनल ऑफ टोटल नीक प्रोस्थेसिस ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2011; 13: 142-5.

1353. स्पाइरिव टी, प्राभकर एच, संदू एन तजेकोव सी, कोंडोफ एस. लालेव एल, एट अल. यूज ऑफ हायड्रोजीन पेरोक्साइड इन न्यूरोसर्जरी : केस सीरिज ऑफ कार्डियोवेस्कुलर कॉम्प्लीकेशन्स। जेआरएसएम शॉर्ट रिप 2012; 3: 6.

1354. श्रीजीतेश पी आर, शुक्ला जी, श्रीवास्तव ए, गोयल वी, सिंह एस, बिहारी एम. वेलिडिटी ऑफ द बेर्लिन कोशननायर इन एडेंटिफाइंग ऑब्स्ट्रक्टीव स्लीप एपनिया सिंड्रोम वेन एडमिनिस्टेरेड टू द इंफॉर्मेंट्स ऑफ स्ट्रॉक पेशेंट्स। जे क्लिन न्यूरोसाइं 2011; 18: 340-3.

1355. श्रीनिवासन के, गदोदिया ए, भल्ला ए एस, चौधरी ए आर, भुतिया ओ, गुप्ता ए, एट अल. मैगनेटिक रिसोंनस इमेजिंग ऑफ मैंडिबुलर हिमोफिलिक सेयूडोट्यूमर एसोसिएटेड विद् फैक्टर 9 डेफिसिएंसीः रिपोर्ट ऑफ केस विद् रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे ओरल मैक्सीलोफेस सर्ज 2011; 69: 1683-90.

1356. श्रीनिवासन के, गदोदिया ए, कुमार ए, गामनगट्टी एस. मल्टीडिटेक्टर कम्प्यूटेड टोमोग्राफी ऑफ स्पाइनल ट्रॉमा : ए पिक्टोरियल रिव्यू। करं प्रोब्ल डायग्न रेडियोल 2011; 40: 181-90.

1357. श्रीनिवासन के, सेठ ए, गदोदिया ए, शर्मा आर, कुमार ए, रॉयचौधरी ए, भुतिया ओ. एवल्युशन ऑफ द इंफेरियर कैनल फॉर कायस्ट्स एंड ट्यूमर्स ऑफ द मैंडिबल - कम्पेरिजन ऑफ मल्टीडिटेक्टर कम्प्यूटेड टोमोग्राफी एंड 3-डिमेंसिनल वॉल्यूम इंटरपोलेटेड ब्रेथ - होल्ड एक्सजमिनेशन मैगनेटिक रिसोंनस स्किवेंस विद् कर्वड मल्टीप्लानर रिफॉर्मेटेड रिकंस्ट्रक्शन्स। जे ओरल मैक्सीलोफेस सर्ज 2012; 70: 2327-32.

1358. श्रीनिवासन के, सेठ भल्ला ए, शर्मा आर, कुमार ए, रॉयचौधरी ए, भुतिया ओ. डियूजन वेटेड इमेजिंग इन द एवल्युशन ऑफ ऑडोन्टोजेनिक कायस्ट्स एंड ट्यूमर्स। ब्र जे रेडियोल 2012; 85: म864-70.

1359. श्रीवास्वत ए, बुडकूक जे पी, मनसेल आर ई, वेबस्टर डी जे टी, लैडलेर पी, हुग्स एल ई, एट अल. डॉप्लर अल्ट्रासाउंड लोवमेट्री प्रीडक्ट्स 15 ईयर आउटकम इन पेशेंट्स विद् स्कीन मेलनोमा। इंडियन जे सर्ज 2012; 74: 278-83.

1360. श्रीवास्तव एम वी पी, भासीन ए, मोहंती एस, शर्मा एस, किरन यू, बाल सी एस, एट अल. रेस्टोरेटीव थैरेपी यूजिंग ऑटोलोगोस बोन मैरो डेराइव्ड मोनोन्यूलेयर सेल्स इंयूजन इंट्रा अर्टेरियली इन पेशेंट्स विद् सेरेब्रल प्लसी : एन ओपन लेबल फिसिबिलिटी स्टडी। न्यूरोल एशिया 2011; 16: 231-9.

1361. स्टेलिन पी, कृष्णन ए, राय एस के, अग्रवाल आर के. आशा इनवोलवमेंट इन न्यूबॉन केयरः ए फिसिबिलिटी स्टडी। इंडियन पीडियट्र 2011; 48: 897-9.

1362. सुबियह वी, भारद्वाज डी, धरन एम, सागर आर. जेनेटिक पॉलीमोर्फिज्म ऑफ द ड्रग मेटाबोलाइजिंग एनज्मा सीवाईपी1ए2 इन साइजोफरेनिया पेशेंट्स अंडरगोइंग ट्रीटमेंट विद् क्लोजपाइन इन ए नॉर्थ इंडियन पोपुलेशन। इंट क्लिन साइकोफार्माकोल 2011; 26: म163.

1363. सुब्रमणियम आर. फेयोक्रोमोकायटोमा - करंट कंसेप्ट्स इन डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट। ट्रेंड्स एनास्थ क्रिट केयर 2011; 1: 104-11.

1364. सुब्रमणियम आर. एक्यूट अपर एयरवे ऑब्स्ट्रक्शन इन चिल्ड्रन एंड एडल्ट्स। ट्रेड्स एनास्थ क्रिट केयर 2011; 1: 67-73.

1365. सुब्रमणियम एस, शंकर एम जे, देवरारी ए के, वेलपांडियन टी, कन्नन पी, प्रकाश जी वी, एट अल. एवल्युशन ऑफ फोटोथैरेपी डिवाइस यूज्ड फॉर नियोनेटल हायपरबिलिरूबिनिमिया। इंडियन पीडियट्र 2011; 48: 689-96.

1366. सुगांधी एन, मुंघटे जी, मलाकर डी पी, दास एस, बिसोई ए के, गुप्ता ए के, एट अल. पीडियट्र क्लियर सेल सार्कोमा ऑफ द किडनी विद् सावोट्रायल थ्रोम्बस। जे पीडियट्र सर्ज 2011; 46: 2387-90.

1367. सुगांधी एन, शर्मा पी, अग्रवाल एस, काबरा एस के, गुप्ता ए के, गुप्ता डी के. एसोफेगल लंगः प्रेजेंटेशन, मैनेजमेंट, एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे पीडियट्र सर्ज 2011; 46: 1634-7.

1368. महाजन एस, मल्होत्रा आर. करंट कंसेप्ट्स इन इंटेरट्रोकेनटेरिक फ्रेक्चर्स। ऑर्थोपीडिक्स टूडे 2011; 13: 99-108.

1369. महाजन एस, कुमार वी, मल्होत्रा आर. ट्रांसकुटेनियस इलेक्ट्रीकल नर्वे स्टीम्यूलेशन (टीईएनएस)। ऑर्थोपीडिक्स टुडे 2011; 13: 57-60.

1370. सुंदर कुमार डी के, भल्ला ए एस, शर्मा आर, गुप्ता ए के, काबरा एस के, जागिया पी. मल्टीडिटेक्टर कम्प्यूटेड टोमोग्राफी इमेजिंग ऑफ कंजेनिटल एनोमलियस ऑफ मेजर एयरवेजः ए पिक्टोरियल एजी। वर्ल्ड जे रेडियोल 2011; 3: 289-97.

1371. सुंरदकुमार डी के, भल्ला ए एस, शर्मा आर, हरि एस, गुलेरिया आर, खिलनानी जी सी. मल्टीडिटेक्टर सीटी एवल्युशन ऑफ सेंट्रल एयरवेज स्टेनोसेसः कम्पेरिजन ऑफ वरटुअल ब्रोनकोस्कोपी, मिनिमल - इंटेंसिटी प्रोजेक्शन, एंड मल्टीप्लेनर रिफॉर्मेटेड इमेजीस। इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग 2011; 21: 191-4.

1372. सुदरसेन पी, रविंद्रन आर डी, वशिष्ट पी, शंकर ए, निटच डी, तलवार बी, एट अल. ईपीएचए2 पॉलीमॉर्फिज्म एंड एज - रिलेटेड कंस्ट्रक्ट इन इंडिया। पीएलओएस वन 2012; 7: म33001.

1373. सुनेजा एस, रामाकृष्णन जी, टंडन एन, चंद्र एन सी. मॉड्यूलेशन बाय इंसुलिन ऑफ द को-लोकालाइज्ड एलडीएल रिसेप्टर इन नॉर्मल एंड टाइप-1 डायबेटिक सबजेक्ट्स। इंट जे क्लिन मेड 2011; 2: 231-45.

1374. सूरी वी, झा पी, अग्रवाल एस, पाठक पी, शर्मा एम सी, शर्मा वी एट अल. मॉलीकुलर प्रोफाइल ऑफ ऑलिगोडेंड्रोग्लियोमास इन यांग पेशेंट्स। न्यूरो ऑन्कोल 2011; 13: 1099-106.

1375. स्वामीनाथन एस, काबरा एस के. चाइल्डहुड ट्यूबरकुलोसिस चेलेजीस एंड वे फॉवर्ड। इंडियन जे पीडियट्र 2011; 78: 319-20.

1376. स्वरूप वी, श्रीवास्तव ए के, पद्मा एम वी, राजेश्वरी एम आर. क्वांटिफिकेशन ऑफ सर्कुलटिंग प्लाज्मा डीएनए इन फ्रेएड्रइचस एटक्सीया एंड स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सीया टाइपस 2 एंड 12. डीएनए सेल बायोल 2011; 30: 389-94.

1377. स्वरूप वी, श्रीवास्तव ए के, राजेश्वरी एम आर. एडेंटिफिकेशन एंड क्वांटिफिकेशन ऑफ डिफरेंशिअली एक्सप्रेस्ड प्रोटीन्स इन प्लाज्मा ऑफ स्पिनोसेरेबुलर एटाक्सिया टाइप 12. न्यूरोसाइं रेजी 2012; 73: 161-7.

1378. तबस्सुम आर, महाजन ए, चौहान जी, द्विवेदी ओ पी, दुबे एच, शर्मा वी, एट अल. नो एसोसिएशन ऑफ टीएनएफआरएसएफ1बी वरिएंट्स विद् टाइप 2 डायबिटीज इन इंडियन्स ऑफ इंडो - यूरोपियन ओरिजन। बीएमसी मेड जेनेट 2011; 12: 110.

1379. तबस्सुम आर, महेंद्रन वाई, द्विवेदी ओ पी, चौहान जी, घोष एस, मरवाहा आर के. एट अल. कॉमन वरिएंट्स ऑफ आईएल6, एलईपीआर एंड पीबीईएफ1 आर एसोसिएटेड विद् आबसिटी इन इंडियन चिल्ड्रन। डायबिटीज 2012; 61: 626-31.

1380. तलवार पी, रेवाड़ी वी, सिन्हा आर, त्रिखा ए. सीरियस ओवरियन हायपरस्टीम्यूलेशन सिंड्रोम : इंटेंसिव केयर मैनेजमेंट ऑफ टू केस। जे ऑब्स्टेट एनास्थ क्रिट केयर 2011; 1: 92-5.

1381. तलवार एस, अहमद टी, चौधरी एस के, चौहान एस, आर्यन बी. अंडरस्टेडिंग द फिजियोलॉजी एंड मॉडलिंग ऑफ द फोन्टन पथवे। इंट जे इमर्जिंग मल्टीडिसिप्लिन यूइड साइं 2011; 3: 1-20.

1382. तलवार एस, चौहान एस, चौधरी एस के, आर्यन बी. ए सिम्पल टेक्नीक टू फैसिलिटेट द राइट वेंट्रिकुलर आउटलो ट्रेक्ट रिकंस्ट्रक्शन डुरिंग द एर्टेरियल स्विच ऑपरेशन। हार्ट लंग सार्क 2011; 20: 777.

1383. तलवार एस, चौधरी एस के, आर्यन बी. पैलिटीव एर्टेरियल स्विच फॉर ट्रांसपॉजिशन ऑफ द ग्रेट एटेरिस, वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट, एंड पल्मोनरी वेस्कुलर ऑब्स्ट्रक्टीव डिजीज। जे थोरेक कार्डियोवेस्क सर्ज 2011; 141: 848; लेखक के उत्तर 848-9.

1384. तलवार एस, चौधरी एस के, गर्ग एस, सक्सेना ए, रामाकृष्णन एस, कोठारी एस एस, एट अल. यूनिडायरेक्शनल वेलवेड पेच क्लोजर ऑफ वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट्स विद् सीरियस पल्मोनरी अर्टेरियल हायपरटेंशन। इंटरेक्ट कार्डियोवेस्क थोरक सर्ज 2012; 14: 699-702.

1385. तलवार एस, चौधरी एस के, मुकनवर एस बी, आर्यन बी. डायफार्गमेटिक फेनेस्ट्रेशन फॉर रेजिस्टेंट प्लेयूरल इफ्युशन्स आटर द फोंटन ऑपरेशन। जे थोरक कार्डियोवेस्क सर्ज 2012; 143: 244-5.

1386. तलवार एस, गर्ग पी, कोठारी एस एस, गुलाटी जी एस, एर्डसन आर एच, आर्यन बी. अयोर्थोपल्मोनरी विंडो विद् एब्सेंस ऑफ द लिट पल्मोनरी अर्टेरी। वर्ल्ड जे पीडियट्र कंजेनिटल हार्ट सर्ज 2012; 3: 389-91.

1387. तलवार एस, खडगावत आर, संदीप जे ए, श्रीनिवास वी, चौधरी एस के, गुप्ता एन, एट अल. कार्डियोपल्मोनरी बायपास एंड सीरम थायरॉयड होर्मोन प्रोफाइल इन पीडियट्रिक पेशेंट्स विद् कंजेनिटल हार्ट डिजीज। कंजेनिट हार्ट डिस 2012; 7: 433-40.

1388. तलवार एस, कोठारी एस एस, अहमद टी, चौधरी एस के, आर्यन बी. यूनिडायरेक्शनल वलवेड पेच क्लोजर ऑफ वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट विद् अर्टेरियल स्विच ऑपरेशन इन द पेशेंट्स विद् डि-ट्रांसपोजिशन ऑफ ग्रेट एर्टेरिस विद् सीरियस पल्मोनरी हायपरटेंशन। जे कार्ड सर्ज 2011; 26: 234-6.

1389. तलवार एस, कोठारी एस एस, शर्मा पी, चौहान एस, गुलाटी जी एस, चौधरी एस के. एट अल. सक्सेसफुल सर्जिकल करेक्शन ऑफ एनोमालोयस ऑरिजिन ऑफ द राइट पल्मोनरी अर्टेरी फ्रॉम द एयोर्टा इन एन एडल्ट। जे कार्ड सर्ज 2011; 26: 201-4.

1390. तलवार एस, मलांकर डी, गर्ग एस, चौधरी एस के, सक्सेना ए, वेलायोधम डी, एट अल. अयोर्टिक वेल्व रिप्लेसमेंट विद् बायोलोजिकल सबस्टीट्यूट्स इन चिल्ड्रन। एशियन कार्डियोवेस्क थोरक एना 2012; 20: 518-24.

1391. तलवार एस, नायर वी वी, चौधरी एस के, गुलाटी जी एस, एंडरसन आर एच, आर्यन बी. कंकोर्डनट वेंट्रिकुलोएर्टेरियल कनेक्शन्स विद् पैरेलाल अर्टेरियल ट्रंक्स, डिवाइड लिट एर्टियम, एंड जुक्सटापोज्ड अर्टियल एपेंडेजीस। वर्ल्ड जे पीडियट्र कंनेनिटल हार्ट सर्ज 2012; 3; 260-3.

1392. तलवार एस, नायर वी वी, चौधरी एस के, आर्यन बी. अर्टियल स्विच ऑपरेशन इन द करंट एरा मॉडिफिकेशन्स एंड पिटफॉल्स। वर्ल्ड जे पीडियट्र कंजेनिटल हार्ट सर्ज 2012; 3: 96-103.

1393. तलवार एस, नायर वी वी, कोठारी एस एस, गुलाटी जी एस, चौधरी एस के, आर्यन बी. आयोर्टिको - राइट वेंट्रिकुलर ट्यूनल विद् एनोमालोस राइट कोरोनरी अर्टेरी। जे कार्ड सर्ज 2011; 26: 521-6.

1394. तलवार एस, शर्मा पी, चौधरी एस के, कोठारी एस एस, गुलाटी जी एस, आर्यन बी. ली-कॉम्प्टेस मनेवेर फॉर रिलीफ ऑफ ब्रोनकियल कम्प्रेशन इन अर्टियल सेप्टल डिफेक्ट। जे कार्ड सर्ज 2011; 26: 111-13.

1395. तलवार एस, शर्मा पी, मिश्रा एस, चौधरी एस के, गुलाटी जी एस, आर्यन बी. ए मॉडिफाइड टेक्नीक फॉर पुल्मोनरी वेल्व रिप्लेसमेंट विद् ए हामोग्राट। जे कार्ड सर्ज 2011; 26: 144-7.

1396. तलवार एस, सिंघी ए. सिलेक्टेड समरिज। एना पीडियट्र कार्डियोल 2012; 5: 100-2.

1397. तलवार एस, उपाध्याय एम, रामाकृष्णन एस, घराडे पी, चौधरी एस के, आर्यन बी. विंडो - टाइप पेटेंट डक्ट्स एर्टेरियस विद एक्वार्ड हेयूमेटिक मिट्रयल सटेनोसिस। कंजेनिट हार्ट डिस 2012; 8: ई10-2.

1398. टंडन एन, अली एम के, नारायण के एम, फार्माकोलोजिक प्रीवेंशन ऑफ माइक्रोवेस्कुलर एंड माइक्रोवेस्कुलर कॉम्प्लीकेशन्स इन डायबिटीज मेलिट्सः इम्प्लीकेशन्स ऑफ द रिजल्ट्स ऑफ रिसेंट क्लिनिकल ट्रायल्स इन टाइप 2 डायबिटीज। एम जे कार्डियोवेस्क ड्रग्स 2012; 12: 7-22.

1399. टंडन एन, फॉल सी एच, ओमोंड सी, सचदेव एच पी, प्रभाकरन डी, रामाकृष्णन एल, एट अल. ग्रोथ फ्रॉम बर्थ टू एडल्टहुड एंड पीक बोन मास एंड डेंसिटी डेटा फ्रॉम द न्यू देल्ही बर्थ कोहोर्ट आूस्टेयोपोरोस इंट 2012; 23: 2447-59.

1400. टंडन आर, गुप्ता एन, कलाईवेणी एम, शर्मा एन, टिटियाल जे एस, वाजपेयी आर बी. एमनियोटिक मेम्ब्रन ट्रांसप्लांटेशन एज एन एडजुंक्ट टू मेडिकल थैरेपी इन एक्यूट ऑस्यूलर बर्नस। ब्र ऑथलमॉल 2011; 95: 199-204.

1401. टंडन आर के, गर्ग पी के. ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस इन क्रॉनिक पैनक्रिएटाइटिस : पैथोफायसियोलॉजिकल रिलेवेंस एंड मैनेजमेंट एंटीऑक्साइड रिडोक्स सिगनल 2011; 15: 2757-66.

1402. टंडन वी, महापात्रा ए के. मैनेजमेंट ऑफ पोस्ट-ट्यूबरकुलर हायड्रोसेफलस। चिल्ड्रेन नर्वे सिस्ट 2011; 27: 1699-707.

1403. टंडन वी के, महापात्रा एस, महापात्रा ए के. नोवेल थेरेपिस फॉर हाई ग्रेड ग्लिोमास : ए विजन फॉर यूचर। इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1: 54-60.

1404. तपास एस, कौशल पी, धर पी. बाइलेटरल एसेसरी थोरकोडोर्सल एर्टेरी : ए केस रिपोर्ट। इंट मेड जे 2012; 19: 75-6.

1405. टेकनुकुल टी, सेतुरमन जी, जलोटोगोर्स्की ए, होरेव एल, मैकरोव एम, ट्रेनर ए, एट अल. नोवेल एंड रिकरंट एफईआरएमटी1 जीन म्यूटेशन्स इन किंडल्र सिंड्रोम। एक्टा डर्म वेनेरियोल 2011; 91: 267-70.

1406. तेजवानी एन, त्यागी एस दास जे. एप्लास्टिक एनिमिया विद् माइक्रोफिलेरिया इन मरोव एस्पिरेट। मीडिटेर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस 2012; 4: ई2012019.

1407. तेजवानी पी एल, श्रीवास्तव ए, नेरकर एच, धर ए, हरि एस, थुल्कर एस, एट अल. सेंटक्रोमैन रिग्रेसेस मास्टलगियाः ए रैंडोमाइज्ड कम्पेरिजन विद् डैनजोल। इंडियन जे सर्ज 2011; 73: 199-205.

1408. तिवारी ए, बेहरा बी, मथुर पी, एक्सेस आई. कम्परेटीव एनालसिस ऑफ द विटेक 2 एंटीफंगल ससेप्टीबिलिटी सिस्टम एंड ई-टेस्ट विद् द सीएलएसआई एम27-ए3 ब्रोथ माइक्रोडिल्यूशन मैथड फॉर ससेप्टीबिलिटी टेस्टिंग ऑफ इंडियन क्लिनिकल आयोलेट्स ऑफ क्रायप्टोकोकस नियोफॉर्मेंस। मायकोपैथेलॉजिया 2012; 173: 427-33.

1409. ठाकर ए, गुप्ता जी, भल्ला ए एस, जैन वी, शर्मा एस सी, शर्मा आर, एट अल. एडजुवेंट थैरेपी विद् लुटामाइड फॉर प्रीसर्जिकल वॉल्यूम रिडक्शन इन जुवेंनियल नैसोफारयंजीयल एंजियोफाब्रोमा। हैड नीक 2011; 33: 1747-53.

1410. ठाकर ए, लाल पी, दिवाकर एम, बहादुर एस. ऑप्टिक नर्वे कम्प्रेशन इन एलर्जिक फंगल सिनुसाइटिस। जे लार्यनगोल ऑटोल 2011; 125: 381-5.

1411. ठाकर ए, सिक्का के, वर्मा आर, प्रीतम सी. क्राइकोथायरॉयड एपरोक्सीमेशन फॉर वॉइस एंड स्वालॉविंग रिहेबिलिटेशन ऑफ हाई वेगल पैरालसिस सेकेंडरी टू स्कुल बेस नियोप्लाज्मा। यूर अर्च ऑटोथिनोलायंगोल 2011; 268: 1611-16.

1412. ठाकर एम आर, अब्राहम पी आर, अरोड़ा एस, बालकृष्णन पी, बंधोपाध्याय बी, जोशी ए ए, एट अल. इस्टेबलिशमेंट ऑफ रेफरेंस सीडी4 टी सेल वेल्यूस फॉर एडल्ट इंडियन पोपुलेशन। एड्स रेजी थेर 2011; 8: 35.

1413. ठुकराल एन के, राय ए आर, बार-शालोम डी, एरिकसन ए एच, मजुमदार डी के. द क्यूस्ट फॉर टर्गेटेड डिलीवरी इन कोलोन कैंसरः म्योकधेसिव वेलडिकोक्सीब माइक्राफेरेस। इंट जे नैनोमेडिसिन 2011; 6: 1057-68.

1414. ठाकुर एन, टंडन वी, चंद्र पी एस, मॉडीफिकेशन ऑफ पेंफिल्ड डिसेक्टर एज मोनोपोलर एक्यूटरी पाइंट फॉर ट्रांसोरैलोडोंटोडेक्टोमी। इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1: 89.

1415. थापा ए, चंद्र एस पी, सिन्हा एस, श्रीनिवास वी, शर्मा बी एस, त्रिपाठी एम. पोस्ट - ट्रॉमेटिक सीजरस - ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी फ्रॉम ए टर्शरी लेवल ट्रॉमा सेंटर इन ए डेवलपिंग कंट्री। सीजर 2010; 19: 211-16.

1416. थेरोन जी, पिंटो एल, पीटर जे, मिश्रा एच के, मिरा एच के, वेन जयल -समित आर, एट अल. द यूज ऑफ द ऑटोमेटेड क्वांटिटेटीव पॉलमर्ज चेन रिएक्शन (एक्सपार्ट एमटीबी / आरआईएफ) टू प्रीडक्ट द स्पटम सीमर स्टेट ऑफ ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट्स। क्लिन इंफेक्ट डिस 2012; 54: 384-8.

1417. थेरोन जी, पूरन ए, पीटर जे वेन जयल-समित आर, मिश्रा एच के, मेलडु आर, एट अल. डू एडजुंक्ट ट्यूबरकुलोसिस टेस्ट्स, वेन कम्बाइंड विद् एक्सपार्ट एमटीबी / आरआईएफ, इम्प्रूव एक्वारेसी एंड द कॉस्ट ऑफ डायग्नोसिस इन ए रिसोर्स - पुअर सेटिंग? यूर रेपेयर जे 2012; 40: 161-8.

1418. थुल्कर जे, कृपलानी ए, अग्रवाल एन. सरवाइकल ल्युकोरही इज कोरिलेटेड विद् बैक्टीरियल वैगिनोसिस। इंट जे ग्यानकोल ऑब्स्टेट 2011; 113: 85-6.

1419. थुल्कर एस, चावला एम, शर्मा पी, मल्होत्रा ए, कुमार आर. 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी इन एवल्युशन ऑफ रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन ऑफ लिवर मेटास्टेसिस क्लिन न्यूकल मेड 2012; 37: 498-501.

1420. थुल्कर एस, नमुर जी, हुस्टीनेक्स आर, भल्ला ए एस, कुमार ए. मल्टीमॉडिलिटी सटेजिंग ऑफ लंग कैंसर। पीईटी क्लिन 2011; 6: 251-63.

1421. तिलक ए आर, कुमार एस, जैन एम, एट अल. एसोसिएशन ऑफ फंक्शनली इम्पॉर्टेंट पॉलीमॉर्फिज्म ऑफ माइक्रोसोमल एपोक्साइड हायड्रोलेस जीन (ईपीएचएक्स1) विद् लंग कैंसर सबसेप्टीबिलिटी। कैंसर इन्वेस्ट 2011; 29: 411-18.

1422. तिवारी पी, द्विवेदी आर, मनसूरी एन, अलम आर, चौहान यू के, त्रिपाठी एम, एट अल. डू जीन पॉलीमॉर्फिज्म इन आईएल-1बीटा, टीएनएफ-अल्फा एंड आईएल - 6 इंलुएंजा थेराप्यूटिक रिपोंस इन पेशेंट्स विद् ड्रग रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी? एपिलेप्सी रेजी 2012; 101: 261-7.
1423. तिवारी पी, सोनेजा एम, शर्मा एस के. ट्यूबरकुलोसिस मैनेजमेंट - टाइम फॉर पाराडिग्मा शिट? इंडियन जे ट्यूबेरक 2011; 58: 97-101.
1424. तिवारी वी, कपिल ए, मोगांती आर आर. कार्बापेनिम - हायड्रोलायजिंग ऑक्ससिलिनस इन हाई रेजिस्टेंट स्ट्रेंस ऑफ एसिनेटोबैक्टर बयूमनांई आसोलेटेड फ्रॉम इंडिया। माइक्रोब पैथोज 2012; 53: 81-6.
1425. तिवारी वी, नागपाल आई, सुब्बराव एन, मोगांती आर आर. इन सिलिको मॉडलिंग ऑफ ए नोवेल ओएक्सए-51 फ्रॉम बीटा-लैक्टम-रेजीस्टेंट एसिनेटोबैक्टर बयूमनांई एंड इट्स इंटरएक्शन विद् वेरियस एंटीबायोटिक्स। जे मॉल मॉडल 2012; 18: 3351-61.
1426. तिवारी वी, वशिष्ठ जे, कपिल ए, मोगांती आर आर. कम्पेरेटीव प्रोटेयोमिक्स ऑफ इनर मेम्ब्रन फ्रेक्शन फ्रॉम कार्बापेनियम - रेजिस्टेंट एसिनेटोबैक्टर बयूमनांई विद् ए रेफरेंस सट्रेन। पीएलओएस वन 2012; 7: ई39451.
1427. तोमर ए के, सोच बी एस, राज आई, सिंह एस, सिंह टी पी, यादव एस. आइसोलेशन एंड एडेंटिफिकेशन ऑफ कंकैनावेलिन ए बाइडिंग ग्लायकोप्रोटीन्स फ्रॉम ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा: ए स्टेप टूवर्ड्स एडेंटिफिकेशन ऑफ मेल इंफेर्टिलिटी मार्कर प्रोटीन्स। डिस मार्कर्स 2011; 31: 379-86.
1428. तोमर ए के, सोच बी एस, यादव एस. कम्प्यूटेशनल एनालसिस ऑफ कॉन्कानवलिन ए बाइंडिंग ग्लायकोप्रोटीन्स ऑफ ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा बायोइंफॉर्मेशन 2011; 7: 69-75.
1429. तोमर एन, कौशल ई, दास एम, गुप्ता एन, बेटेर्ले सी, गोस्वामी आर. प्रीवलेंस एंड सिगनिफिकेंस ऑफ एनएएलपी5 ऑटोएंटीबॉडीज इन पेंशेंट्स विद् आडियोपेथिक हायपोपैराथियरोडिज्म। जे क्लिन एंडोक्राइनॉल मेटाब 2012; 97: 1219-26.
1430. त्रिखा ए. द 'बथ' ऑफ ए न्यू ऑब्स्टेट्रिक एनास्थेसिया जर्नल। जे ऑब्स्टेट एनास्थ क्रिट केयर 2011; 1: 3-4.
1431. त्रिखा वी, गोयल टी, झा आर के. पोस्टेरियर डिसलोकेशन ऑफ द हिप विद् आइपिसलेटरल डिसप्लेस्ड फेमोरल नीक फ्रैक्चर। चेन जे ट्रॉमाटोल 2011; 14: 104-6.
1432. त्रिखा वी, यादव एस. हेज द रोल ऑफ एक्सचेंज नैलिंग इन फेमोरल नोन्यूनियन डिमिनिशड? इंट ऑर्थोप 2011; 35: 1899; लेखक उत्तर 1901.
1433. त्रिपाठी एम, जैन डी सी, देवी एम जी, जैन एस, सेक्सेना वी, चंद्र पी एस, एट अल. नीड फॉर ए नेशनल एपिलेप्सी कंट्रोल प्रोग्राम एना इंडियन एकाड न्यूरोल 2012; 15: 89-93.
1434. त्रिपाठी एम, पांधी यू पी, विभा डी, भाटिया आर, पद्म श्रीवास्तव एम वी, सिंह एम बी, एट अल. प्रीडक्टर्स ऑफ रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी इन नॉर्थ इंडिया। ए केस-कंट्रोल स्टडी सीजर 2011; 20: 779-83.
1435. त्रिपाठी एम, त्रिपाठी एम, विभा डी, गोवडा एन, बाल सी, मल्होत्रा ए. टीसी-99एम एथयलेकास्टेनेट डिमर एसपीईसीटी इन द डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ डिमेंटिज न्यूरोल इंडिया 2010; 58: 857-62.
1436. त्रिपाठी एम, विभा डी, गुप्ता पी, भाटिया आर, श्रीवास्वत एम वी, विवेकनाधन एस, एट अल. रिस्क फैक्टर्स ऑफ डिमेंटिया इन नॉर्थ इंडिया: ए केस-कंट्रोल स्टडी। एजइंग मेंट हेल्थ 2012; 16: 228-35.
1437. त्रिपाठी एस सी, कौर जे, मित्रा ए, गोव एक्स सुन बी, चौहान एस एस, एट अल. लोस ऑफ डीएलसी1 इन एन इंडिपेंडेंट प्रोग्नोस्टिक फैक्टर इन पेशेंट्स विद् ओरल स्वामस सेल कार्सिनोमा। मोड पैथोल 2012; 25: 14-25.
1438. त्रिपाठी एस सी, मट्टा ए, कौर जे, ग्रिगुल जे, चौहान एस एस, ठाकर ए, एट अल. ओवरएक्सप्रेशन ऑफ प्रोथयमोसिन अल्फा प्रीडिक्ट्स पुअर डिजीज आउटकम इन हैड एंड नीक कैंसर। पीएलओएस वन 2011; 6: ई19213.
1439. त्यागी ए के, मिर्धा बी आर, लुथरा के, एट अल. निमोकायस्टीस जिरोवेसाई डिहायड्रोप्टेरोट सिंथेस (डीएचपीएस) जीनोटाइप्स इन नॉन - एचआईवी - इम्युनोकम्प्रोमाइज्ड पेशेंट्स : ए टेर्टियरी केयर रेफरेंस हेल्थ सेंटर स्टडी। मेड मायकोल 2011; 49: 167-71.
1440. उदुपी बी पी, चौहान आर एस, दास एच एच, बिठल पी के, प्रभाकर एच. कम्परेटिव एवल्युशन ऑफ पेरक्यूटेनियस रेट्रागेसेरियन ग्लायसेरोल रिजोलयसिस एंड रेडियोफ्रिक्वेंसी थेर्मोकोगुलेशन टेक्नीक्स इन द मैनेजमेंट ऑफ ट्रिगमिनल न्यूरालगिया। न्यूरोसर्जरी 2012; 70: 407-12; चर्चा 412-3.
1441. उपाध्याय आर पी, द्विवेदी पी आर, राय एस के, मिश्रा पी, कलाईवेणी एम, कृष्णन ए. डिटर्मिनेंट्स ऑफ नियोनेटल मार्टिलिटी इन रूरल हरियाणा: ए रेट्रोस्पेक्टीव पोपुलेशन बेस्ड स्टडी। इंडियन पीडियट्र 2012; 49: 291-4.
1442. उपाध्याय आर पी, मिश्रा पी. विटामिन ए सप्लीमेंटेशन डोज नॉट इम्प्रूव मेटरनल सरवाइवल। नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 161-2.
1443. उपाध्याय आर पी, सिंह बी, राय एस के, आनंद के. रोल ऑफ कल्चरल बिलिस इन इंलुएंसिंग सिलेक्टेड न्यूबर्न केयर प्रैक्टिस इन रूरल हरियाणा। जे ट्रॉप पीडियट्र 2012; 58: 406-8.

1444. उपादा एस बी, भट ए ए, साह ए, डोंथमशेट्टी आर एन. एंहांस्ड ह्यूमोरल एंड म्यूकोसल इम्युन रिस्पोंसेस आटर इंट्रानसल इम्युनिजेशन विद् चिमेरिक मल्टीपल एंटीजन पेप्टाइड ऑफ एलसीआरवी एंटीजीन एपिटोपेस ऑफ येरसिनिया पेसटीस काप्लड टू पालमिटेट इन माइक। वेक्सीन 2011; 29: 9352-60.
1445. जैन वी, मल्होत्रा आर. रोल ऑफ पेशेंट स्पेसिफिक इंस्ट्रुमेंटेशन इन टोटल नीक अर्थोप्लास्टी। ऑर्थोपेडिक्स टुडे 2011: 13; 156-8.
1446. वाजपेयी एम, मोहन टी. करंट प्रैक्टिस इन लैब्रोरेटरी मॉनिटरिंग ऑफ एचआईवी इंफेक्शन। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 134: 801-22.
1447. वाजपेयी एम, सिंह ए, अली एस ए, चौहान एन के, सिंह आर. इम्युनोडायमिक्स ऑफ टीएच17 सेल्स इन एचआईवी - 1 सबटाइप सी इंफेक्शन। बीएमसी इंफेक्ट डिस 2012; 12 ;सप्ली 1द्धः व्3.
1448. वेन जयल - समित आर एन, बिंडर ए, मेलडु आर, मिश्रा एच, सेमप्ल पी एल, थेरोन जी, एट अल. कम्पेरिजन ऑफ क्वाटिटेटीव टेक्नीक्स इंक्लुडिंग एक्सपार्ट एमटीबी/आरआईएफ टू एवल्यूट माइकोबैक्टीरियल बर्डन। पीएलओएस वन 2011; 6: ई28815.
1449. वर्मा एस पी, कुमार ए, कपूर एन, दुर्गापाल एच, आचार्य एस के, पांडा एस के. हेपेटाइटिस ई वायरस रिप्लीकेशन इनवॉल्वस एल्टरनेटिंग नेगेटिव एंड पॉजिटीव - सेंस आरएनए सिंथेसिस। जे जीन विरोल 2011; 92 ;पीटी 3द्धः 572-81.
1450. वर्मा - बसिल एम, कुमार एस, अरोड़ा जे, अंगरूप ए, जोजियो टी, बैनवेलिकर जे एन, एट अल. कम्पेरिजन ऑफ स्पोलिगोटाइपिंग मायकोबैक्टीरियल इंटेरस्पेरस्ड रिपेटिटीव यूनिट्स टाइपिंग एंड आईएस6110-आएफएलपी इन ए स्टडी ऑफ जीनोटाइप डायवर्सिटी ऑफ मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस इन देल्ही, नॉर्थ इंडिया। मेम इंस्ट ऑसवाल्डो क्रूज। 2011; 106: 524-35.
1451. वशिष्ठ जे, तिवारी वी, दास आर, कपिल ए, राजेश्वरी एम आर. एनालेसिस ऑफ पेनिसिलिन - बाइंडिंग प्रोटीन्स (पीबीपी) इन कार्बापेनेम रिजिस्टेंट एसिनेटोबैक्टर बायुमनाई। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 133: 332-8.
1452. वशिष्ठ पी, सिंह एस, गुप्ता एन, सक्सेना आर. रोल ऑफ अर्ली स्क्रीनिंग फॉर डायबेटिक रेटिनोपैथी इन पेशेंट्स विद् डायबिटीज मेलिट्स : एन ओवरव्यू। इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2011; 36: 247-52.
1453. वसुदेवन एस के, गुप्ता वी, क्रोवस्टोन जे जी. न्यूरोप्रोटेक्शन इन ग्लुकोमा। इंडियन जे ऑथलमॉल 2011; 59 सप्लीः 102-13.
1454. वेमुरू रेड्डी एस के, गुलेरिया एस, ऑकेचुकवु ओ, सागर आर, भौमिक डी, महाजन एस, लाइव रिलेटेड डोनर्स इन इंडिया। देयर क्वालिटी ऑफ लाइफ यूजिंग वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन क्वालिटी ऑफ लाइफ ब्रीफ क्वाश्ननायर। इंडियन जे यूरोल 2011; 27: 25-9.
1455. वेंकटेश पी, रामनजुलु आर, आजाद आर, वोहरा आर, गर्ग एस. सबथ्रेशोल्ड माइक्रोप्लस डियोडे लेयर एंड डबल फ्रिक्वेंसी नियोडायमियम : वाईएजी लेजर इन ट्रीटमेंट ऑफ डायबेटिक मायकुलर एडेमाः ए प्रोस्पेक्टीव, रैंडोमाइज्ड स्टडी यूजिंग मल्टीफोकल इलेक्ट्रोरेटिनोग्राफी। फोटोमेड लेजर सज 2011; 29: 727-33.
1456. वेंकटेश एस, दादा आर. एन एवोलुशनरी इनसाइट इनटू म्यूटेशन ऑफ एटीपेज6 जीन इन प्राइमरी ओवरियन इंसफिसिएंसी अर्च गायनाकोल ऑब्स्टेट 2011; 284: 251-2.
1457. वेंकटेश एस, कुमार आर, डेका डी, डीकारमन एम, दादा आर. एनालसिस ऑफ सीरम न्यूलेयर प्रोटीन जीन पॉलीमॉर्फिज्म एंड डीएनए इंटग्रेटी इन इंफर्टिल मैन। सिस्ट बायोल रिप्रोड मेड 2011; 57: 124-32.
1458. वेंकटेश एस, शाम्सी एम बी, डेका डी, सक्सेना वी, कुमार आर, दादा आर. क्लिनिकल इम्प्लीकेशन्स ऑफ ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस एंड स्पेरम डीएनए डेमेज इन नार्मोजूस्पेमिक इंफार्टिल मैन। इंडियन जे मेड रेजी 2011; 134: 396-8.
1459. वेंकटेश एस, शाम्सी एम बी, दुडेजा एस, कुमार आर, दादा आर. रिएक्टीव ऑक्सीजन स्पेसिस मैजरमेंट इन नेट एंड वशाड सीमेनः कम्परेटीव एनालसिस एंड इट्स सिगनिफिकेंस इन मेल इंफार्टिलिटी एसेसमेंट। अर्च ग्यानकोल ऑब्स्टेट 2011; 283: 121-6.
1460. वेंकटेश एस, सिंह ए, शाम्सी एम बी, थिलागावती जे, कुमार आर, मित्रा डी के, एट अल. क्लिनिकल सिगनिफिकेंस ऑफ स्पेरम डीएनए डेमेज थ्रेशोल्ड वेल्यू इन द एसेसमेंट ऑफ मेल इंफार्टिलिटी। रिप्रोड साइं 2011; 18: 1005-13.
1461. वेंकटेश एस, थिलागवती जे, कुमार के, डेका डी, तलवार पी, दादा आर. कायटोजेनेटिक, वाई क्रोमोसोम माइक्रोडिलेशन स्पेरम क्रोमेटिन एंड ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस एनालसिस इन मेल पेंशेंट्स ऑफ कप्लस एक्सपीरिएंसिंग रिकरंट स्पोंटनस एर्बोशन्स। अर्च ग्यानकोल ऑब्स्टेट 2011; 284: 1577-84.
1462. वर्मा एन, वर्मा आर, सूद एस, दादा बी के, सिंह पी, कुमार ए, एट अल. प्राइमरी मैनिगोकोसल पॉलीआर्थाराइटिस इन ए यांग मैन। नेटल मेड जे इंडिया 2011; 24: 278-9.
1463. वर्मा पी, दलाल के. एडीएएमटीएस-4 एंड एडीएएमटीएस-5 : की एनाजाइम इन ऑस्टेयोरार्थिटीस। जे सेल बायोकेम 2011; 112: 3507-14.
1464. वर्मा आर, अहुजा वी, पॉल जे. डिटेक्शन ऑफ सिंगल - न्यूक्लेयोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म इन द इंट्रोन 9 रिजन ऑफ द न्यूलेयोटाइड ऑलिगोमेराइजेशन डोमेन - 1 जीन इन अल्सरेटिव कोलिटीस पेशेंट्स ऑफ नॉर्थ इंडिया। जे गैस्ट्रोएंटेरोल हिपेटोल 2012; 27: 96-103.

1465. वर्मा आर, प्रीतम सी, सिक्का के, ठाकर ए. नसल हिरूडिनिसिस : एन अनकॉमन एक्यूज ऑफ यूनिलेचरल नेसल ऑब्स्ट्रक्शन एंड एपिस्टक्सीस। क्लिन रिनोल 2011; 4: 13-14.

1466. वर्मा आर, सूद एस, बाला एम, महाजन एन, कपिल ए, शर्मा वी के, एट अल. एवल्युशन ऑफ एन ओपा जीन - बेस्ड न्यूक्लक एसिड एम्पीफिकेशन टेस्ट फॉर डिटेक्शन ऑफ नाइसेरिया जोनोहीज इन यूरोजेनिटल सैम्पल्स इन नॉर्थ इंडिया। एपिडर्मियोल इंफेक्ट 2012; 140: 2110-16.

1467. वर्मा आर, वेंकट कार्तिकेयन सी, कुमार आर, सिक्का के, कौशल एस. वेल डिफरेंटिटेड कार्सिनॉयड ट्यूमर ऑफ द सबग्लोटिस। जे लार्यगोल वाइस 2011; 1: 63-5.

1468. वर्मा वी के, तनेजा वी, जायसवाल ए, शर्मा एस, बेहरा डी, श्रीनिवास वी, एट अल. प्रीवलेंस डिस्ट्रीबुशन एंड फंक्शनल सिगनिफिकेंस ऑफ द - 237सी टू टी पॉलीमॉर्फिज्म इन द आईएल-12आरबीटा2 प्रोमोटर इन इंडियन ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट्स। पीएलओएस वन 2012; 7: ई34355.

1469. विभा डी, भाटिया आर, प्रसाद के, श्रीवास्वत एम वी, त्रिपाठी एम, कुमार जी, एट अल. वैलीडेशन ऑफ डायनोस्टीक एल्गोरिथम टू डिफरेंशिएट बीटवीन ट्यूबरकुलोस मैनिंजाइटिस एंड एक्यूट बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2012; 114: 639-44.

1470. विभा डी, शुक्ला एस, गोयल वी, सिंह एस, श्रीवास्तव ए के, बिहारी एम. आरबीडी इन पार्किसन डिजीज : ए क्लिनिकल केस कंट्रोल स्टडी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2011; 113: 472-6.

1471. विजय एम के, दास पी, प्रभु एस बी, मौली पी, आचार्य एस के, मथुर एस आर. प्लेयोमोर्फिक जाइंट सेल-रिच हिपेटोसेलुलर कार्सिनोमा प्रेजेंटेड एज ए राइट अर्टियल मास। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2011; 54: 632-4.

1472. विजयन एल, बंसल डी, राय एस बी. निमोडिपाइन डाउन-रेगुलेट्स सीजीआरपी एक्सप्रेशन इन द रेट ट्रिगमिनल न्यूलेयस कार्डियलिस। इंडियन जे एक्स बायोल 2012; 50: 320-4.

1473. विक्रम एन के, भट एस पी, भूषण बी, लुथरा के, मिश्रा ए, पोदार पी के, एट अल. एसोसिएशन्स ऑफ - 308जी/ए पॉलीमार्फिज्म ऑफ ट्यूमर नेर्कोसिस फैक्टर (टीएनएफ)-अल्फा जीन एंड सीरम टीएनएफ-अल्फा लेवल्स विद् मैजर्स ऑफ ऑबेसिटी, इंट्रा- अब्डोमिनल एंड सबक्यूटेनियस एब्डोमिनल फैट, सबक्लिनिकल इंलेमेशन एंड इनसुलिन रेजिस्टेंस इन एशियन इंडियन्स इन नॉर्थ इंडिया। डिस मार्कर्स 2011; 31: 39-46.

1474. वाधवान एन, खरबांदा ओ पी. एन एयरवे स्टउी ऑफ डिफरेंट मैक्सीलियरी एंड मैनडिबुलर सेगिटल पॉजिशन्स। यूर जे ऑर्थोप 2012.

1475. वाधवा एन, नटचु यू सी, सोमरफेल्ट एच स्ट्रांड टी ए, कपूर वी, सैनी एस, एट अल. ओआरएस कंटेनिंग जिक डोज नॉट रिडक्ट डुरिंग ऑर स्टूल वॉल्यूम ऑफ एक्यूट डायरिया इन हॉस्पीटलाइज्ड चिल्ड्रन। जे पीडियट्र गैस्ट्रोएंटेरोल न्यूट्र 2011; 53: 161-7.

1476. वॉन्ग सी एक्स, एबेड एच एस, मॉली पी, नेलसन ए जे, ब्रुक्स ए जी, शर्मा जी. पेरिकार्डियल फैट इज एसोसिएटेड विद् अर्टियल फाइब्रिलेशन सीरियस एंड एब्लेशन आउटकम। जे एम कॉल कार्डियोल 2011; 57: 1745-51.

1477. वूउवार्ड एम, पटेल ए, जांगगैस एस, लियू एल, पेन सी, पॉउल्टर एन, एट अल. डोज ग्यालसेमिक कंट्रोल ऑफर सिमिलर बेनिफिट्स अमंग पेशेंट्स विद् डायबिटीज इन डिफरेंट रिजीन्स ऑफ द वर्ल्ड? रिजल्ट्स फ्रॉम द एडवांस ट्रायल डायबिटीज केयर 2011; 34: 2491-5.

1478. एक्सेस आई, मोहपात्रा एस, शिवप्रकाश एम आर, चक्रबर्ती ए, बेनी जी एल, ओ'डनेल के, एट अल. एविडेंस इम्प्लीकेटिंग थामनोस्टयम लुकनोवेंस एज एन एटियोलॉजिकल एजेंट ऑफ रिनो - ऑर्बिटल म्यूकोमायकोसिस। जे क्लिन माइक्रोबायोल 2012; 50: 1491-4.

1479. यादव बी, रैना ए, डोगरा टी डी. हायलोटाइप डायवर्सिटी ऑफ 17 वाई - क्रोमोसोमल एसटीआर इन सरासवत ब्राह्मिन कम्युनिटी ऑफ नॉर्थ इंडिया। फोरेंसिक साइं इंट जेनेट 2011; 5: ई63-70.

1480. यादव सी एस, वाजपेयी एम, कुमार वी, दत्ता एस के, गुप्ता पी, अहमद आर एस, एट अल. पॉलीमॉर्फिज्म इन द पी450 सी17 (17-हायड्रोक्सीलेस / 17, 20-लेजर) जीन : एसोसिएशन विद् एस्ट्रडियोल एंड टेस्टोस्टेरोन कंसेट्रेशन इन हायपोसपाडियास यूरोलॉजी 2011; 78: 902-7.

1481. यादव के, श्रीवास्तव आर, कुमार आर, चिंनाकल पी, राय एस के, कृष्णन ए. सिगनिफिकेंट वैक्सीनेशन डेली कैन ऑक्कुर ईवन इन ए कम्युनिटी विद् वेरी हाई वेक्सीनेशन कावरेज : एविडेंस फ्रॉम बल्लाभगढ़ इंडिया। जे ट्रॉप पीडियट्र 2012; 58: 133-8.

1482. यादव एन, कांजिराकुजियाल एस, रामाकृष्णन एम, दास टी के, मुखोपाध्याय ए. फैक्टर 8 कैन बी सिंथेसाइज्ड इन हिमोफिलिय ए माइक लिवर बाय बोन मैरो प्रोजेनिटर सेल-डायराइव्ड हिपटोकायटस एंड सिनुसोइडल एंडोथेलियल सेल्स। स्टेम सेल्स डेव 2012; 21: 110-20.

1483. यादव पी, दास पी, मिर्धा बी आर, गुप्ता एस डी, भटनागर एस, पांडे आर एम, एट अल. करंट स्पेक्ट्रम ऑफ मालाबसोर्पोशन सिंड्रोम इन एडल्ट्स इन इंडिया। इंडियन जे गैस्ट्रोइंटेरोल 2011; 30: 22-8.

1484. यादव पी, मंजुनाथ एन, देव एस, शुक्ला एन, दुर्गापाल पी, मुडुली डी के. रोल ऑफ सर्जरी इन ब्रेस्ट मेटास्टेसिस फ्रॉम कार्सिनोमा ऑफ द सेर्विक्स। इंडियन जे पलियट केयर 2011; 17: 74-6.

1485. यादव आर, चतुर्वेदी ए, रथ जी पी, गोयल के. एप्लीकेशन ऑफ इंडिजेनयस कंटीन्यूयस पॉजिटीव एयरवे प्रेजर डुरिंग वन लंग वेंटिलेशन फॉर थोरेसिस सर्जरी। साउदी जे एनास्थ 2011; 5: 438-9.

1486. यादव आर, कटारिया के, मथुर एस आर, सीनू वी. लेईयोमयोसर्कोमा ऑफ इंफेरियर वेन केवा : ए केस सीरिज ऑफ फॉर केस। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2012; 55: 83-5.

1487. यादव आर, शुक्ला जी, गोयल वी, सिंह एस, बिहारी एम. ए केस कंट्रोल स्टडी ऑफ वॉमैन विद् पार्किंसन डिजीज एंड देयर फर्टिलिटी कैरेक्टरस्टीक्स। जे न्यूरोल साइं 2012; 319: 135-8.

1488. यादव आर के, मागन डी, मेहता एम, मेहता एन, महापात्रा एस सी. ए शॉर्ट - टर्म, कम्प्रीहेंसिव, योगा - बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इज इफिकेसियस इन रिडुसिंग एंक्सीटी, इम्प्रुविंग सबजेक्टीव वेल - बाइंग एंड पर्सनलिटी। इंट जे योगा 2012; 5: 134-9.

1489. यादव एस, थुल्कर ए, शंकर एम जे, श्रीनिवास वी, देवरारी ए के, पॉल वी के, एट अल. बुबल वास कंवेंशनल कंटीन्यूयस पॉजिटीव एयरवे प्रेजर फॉर प्रीवेंशन ऑफ एक्सटूबेशन फैलियर इन प्रीटेम वेरी लो बर्थ वेट इंफैक्ट्स: ए पायलट स्टडी। इंडियन जे पीडियट्र 2012; 79: 1163-8.

1490. यादव एस, तोमर ए के, जितेश ओ, खान एम ए, यादव आर एन, श्रीनिवास ए, एट अल. पुरिफिकेशन एंड पार्टिकल कैरेक्टेराइजेशन ऑफ लो मॉलीकुलर वेट विसिलिन - लाइक ग्लायकोप्रोटीन फ्रॉम द सीड्स ऑफ सिट्रुलस लैंट्स। प्रोटीन जे 2011; 30: 575-80.

1491. यादव वी के, कुमार वी, छिकारा एन, कुमार एस, मैनरल पी, केशव टी, एट अल. पुरिफिकेशन एंउ कैरेक्टराजेशन ऑफ ए नेटीव जिंक - बाइंडिंग हाई मॉलीकुलर वेट मल्टीप्रोटीन कॉम्प्लेक्स फ्रॉम ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा। जे सेप साइं 2011; 34: 1076-83.

1492. यादुवंशी बी, मथुर आर, मथुर एस आर, वेलपांडियन टी. एवल्युशन ऑफ वॉन्ड हीलिंग पोटेंशियल ऑफ टॉपिकल फॉरम्यूलेशन ऑफ लीफ जूस ऑफ ट्रीडक्स प्रोकुम्बेंस एल. इन माइक। इंडियन जे फार्मा साइं 2011; 73: 303-6.

1493. येरामनेनी वी के, चंद्र पी एस, काले एस एस, लिथलिंग आर के, महापात्रा ए के. ए 6-ईयर एक्सपीरिएंस ऑफ 100 केस ऑफ पीडियट्रिक बोन कार्नियोवेटेब्रल जंक्शन एब्नोमालिटीस : ट्रीटमेंट एंड आउटकम। पीडियट्र न्यूरोसर्ज 2011; 47: 45-50.

1494. जांजमेरा पी, शुक्ला जी, गुप्ता ए, सिंह एच, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, एट अल. मार्कडली डिस्टुर्बेड स्लीप इन मेडिकली रिफ्रैक्टरी कम्परेड टू कंट्रोल्ड एपिलेप्सी: ए क्लिनिकल एंड पॉलीसोमनोग्राफी स्टडी। सीजर 2012; 21: 487-90.

1495. जांजमेरा पी, श्रीवास्तव पी, गर्ग ए, भाटिया आर, सिंह एम, त्रिपाठी एम, एट अल. प्रीडक्शन ऑफ स्ट्रॉक आउटकम इन रिलेशन टू अल्बर्ट स्ट्रोक प्रोग्राम अर्ली सीटी स्कोर (एएसपीईसीटीएस) एट एडमिशन इन एक्यूट आइसकेमिक स्ट्रॉक : ए प्रोस्पेटिव स्टडी फ्रॉम टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया। न्यूरोल एशिया 2012; 17: 97-103.

1496. जोका एम, रेवाड़ी वी. एपिडुरल्स फॉर लिवर ट्रांसप्लांटेशन - वेयर आर वी? पेरियोडिकम बायोलोगोरम 2011; 113 : 163-6.

सार

1. अब्राहम आर, लक्ष्मी आर, तारिक एम, बहल वी के, प्रसाद आर, डेका पी. एसोसिए नऑफ ट्रांस फैटी एसिड एंड मारकर्स ऑफ सिस्टेमिक इंफलामेशन इन एशियन इंडियंस. सरकुलेशन 2012; 125: पी 644.

2. अग्रवाल एन, कृपलानी ए, कुलश्रेष्ठ वी, भाटला एन. लोकल इंट्राकार्डिक केल विद सिस्टेमिक मेल्ट्रोट्रीएट्स वर्सेस मेथलवेक्जट अलॉन इंन मैनेजमेंट ऑफ लाइव इकटोपिकप्रेगनेंसी. जे ऑब्सटेट गायनेकोल 2011; 31 सप्ल 1 : 29.

3. अग्रवाल एन, कुलश्रेष्ठ वी, कृपलानी ए, कछवा जी. विकली 70 एम जी ओरल अलेनड्रोनेट थेरेपी इन पोस्ट मेनोपौजल ओस्टेपोरिक वोमेन. जे ऑब्सटेट गायनीकोल 2011; 3 सप्ल 1 : 42.

4. अग्रवाल एम, शर्मा ए, खान आर, अरोड़ा आर, शर्मा एम, स्टडी ऑफ एंजियोगेनिक फैक्टर्स एंड लामिनिन इन इंडियन पेसेन्टस ऑफ एडवांस्ड सरवाइकल कार्सिनोमा. प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इंन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेनसन टू थेरेपी. 2011; ए44: 79.

5. अग्रवाल एन, ि शवानंद जी, पाल एस, दाश एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के. मैनेजमेंट ऑफ सप्लांचनिक सेउडोन्यूराइज्मस इन द एरा ऑफ इंडोवैक्यूलर थेरेपी. ट्रोप गैस्ट्रोइंट्रोल 2011; 32 (सप्ल 3): एस 99- एस 100.

6. अग्रवाल एन, राय एस, सलुजा एस एस, सांयाल एस, दाश एन आर, पाल ए, एट ऑल. रैन्डोमाइज्ड ट्रायल कंपैरिंग साइड-टू-साइड स्टैप्लड एंड हैंड- सेवन एसोफैगोगैस्ट्रीकएनैस्टोमोसिक इन नेक. ट्रोप गैस्ट्रोइंट्रोल 2011; 2 (सप्ल 3): एस 15.

7. अहमद ए, राना एस पी, खुराना डी, मिश्रा एस, भटनागर एस, गोगिया वी. प्रेवैलेंस ऑफ फैन्टोम ब्रेस्ट फेनोमेनन अमॉग पोस्ट-मास्टेकटोमाइज्ड पेसेंट्स विद ब्रेस्ट कैंसरः ए प्रोसपेक्टिव स्टडी. ए एस ए 2011; 15-19ः ए033.

8. एलावधी पी, अग्रवाल डी, महापात्रा ए के. प्राइमरी टेथर्ड कोर्ड सिन्ड्रोम मैनिफेस्टेशन डायग्नोसिसएंड मैनेजमेंटः ए प्रोसपेक्टिव स्टडी. चाइल्ड नर्व सिस्ट 2011; 27ः 1777.

9. अखतर एन, आनंद वी, राय एम, वर्मा के के, शर्मा ए. डिटरमिनेशन ऑफ टेलोमर्स एक्टिविटी एंड टेलोमेरे लेंथ इन टी हेल्पर सेल्स ऑफ पारथेनियम डरमैटिटिस पेसेन्ट्स. एलर्जी 2011; 66 सप्ल 94ः 164-319.

10. आनंद वी, अखतर एन, राय एम, वर्मा के के, शर्मा ए. अयुग्मेनटेड टेलोमेरस एक्टिविटी एंड सायकोटिन्स इन टी एच सेल्स ऑफ पारथेनियम डरमैटिटिस पेसेन्ट्स. एलर्जी 2011; 66 सप्ल 94ः 482-642

11. आनंद वी, आसोथी आर, खांडपुर एस, शर्मा ए. रोल ऑफ टी एच 17 सेल्स इन ऑटोइम्युन स्किन डिजीजः पेम्फ्यूरस वुल्गारिस. प्रोसिडिंग्स ऑफ फिफ्थ कांग्रेस ऑफद फेडरेशन ऑफ इम्युनोलॉजिकल सोसाइटिज ऑफ एशिया ओसेनिया (एफ आई एम एस ए) 2012 नई दिल्ली, 14-17 मार्च 2012.

12. अंद्राबी आर, बाला एम, कुमार आर, लुथरा के. इपिटोप कैरेक्ट्राइजेशन ऑफ ब्रोडली न्यूट्रलाइजिंग प्लाजमा ऑफ एच आई वी- 1 सबटाइप- सी इनफेक्टेड इनडिविजुअल्स फ्रॉम इंडिया सजेस्ट एम पी ई आर डायरेक्टेड न्यूट्राइलेजशन एच आई वी वैक्सीन 2012; (टेन 5)ः पी पी 84.

13. अंद्राबी आर, बाला एम, लुथरा के. क्रॉस क्लोद रिएक्टिव प्लाजमा एंटी- वी3 एंटीबोडिज इन ह्यूमन इम्युनोडेफिसिएंसी वायरस टाइप- 1 इनफेक्टेड इनडिविजुअल्स डेवलप विद टाइम. बी एम सी इनफेक्ट डिस 2012; 12 (सप्ल 1)ः पी24.

14. अरूल्सेलवी एस. रोल ऑफ इम्योचोर प्लेटलेट फ्रैक्शन एज ए मेजर ऑफ थ्रोमबोसाइटोपेनिया एंड इंट्स रिलेसन विद आर्गन फेल्योर इन ब्रेन इनज्यूरी पेसेन्ट्स विदइन 24 आवर्स आफ्टर इनज्यूरी. ब्रेन इंज्यूरी 2012; 26ः 0899.

15. आर्य एस, रायचौधरी ए, भुटिया ओ, ट्रिखा ए. स्टडी ऑफ इफिकेसी ऑफ बायोरेसोरबेबल प्लेट्स इन द ऑस्टिओसिंथेसिस ऑफ मांडिबुलर फ्रैक्चर्स विदाउट पोस्टोपेरेटिव मैक्सीलोमंडीबुलर फिक्सेसन (ए एम एफ). जे ओरल मैक्सीलोफेस सर्ज 2011; 69ः 9.

16. अश्लेश पी, सूद एस के, गोयल वी. बेरेथसफेटस पोसेनसियल इन पारकिन्सनस डिजीजड्यूरिंग डीप ब्रेन स्टीमुलेशन ऑफ सबथेलमिक न्यूक्लेस. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्लीमेंट)ः 271.

17. असोथाई आर, आनंद वी, खांडपुर एस, शर्मा ए डिफेक्टिव होमिंग ऑफ टी रेगुलेटरी सेल्स फ्रॉम सरकुलेशन टू स्किन इन पेमफिगुस वुलागरिस. प्रोसिडिंग्स ऑफ फिफ्थ कांग्रेस ऑफ द फेडरेशन ऑफ इम्युनोलॉजिकल सोसायटिज ऑफ एशिया ओसियानिया(एफ आई एम एस ए), नई दिल्ली.2012 मार्च 14-17.

18. बाबू बी, गुप्ला, ए, जखल ए, कुमार एस, चौहान एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी. पैटर्न एंड सेवेरिटी ऑफ इनज्यरिजऑफ पेडेस्ट्रेन्स इनवल्वड इन रोड ट्रैफिक इनसिडेन्ट्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॅामा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर.एम्स, नई दिल्ली,इंडिया. 9-13 नवम्बर 2011. पेज 63.

19. बाबू बी, बंसल वी के, मिश्रा एम सी, सिंघल पी, कुमार एस. कम्प्रीजन ऑफ लॉग टर्म आउटकम एंड क्यू ओ एल फालोइंग लैप्रोस्कोपिक रिपेयर ऑफ इनसिसिनल एंड वेन्ट्रलहर्निस विद टैक्कर और सक्चर मेश फिक्सेशन- ए प्रोस्पेक्टिव आर सी टी- सेलसिकॉन 2011, प्रोसिडिंग्स ऑफ फोर्थ नेशनल कांफ्रेंस ऑफ सेल्सी एटअहमदाबाद, 8-10 अक्टूबर 2011.

20. बाजपेयी डी, बनर्जी ए, जैन एस के, सिंह एन. पोलिमोरफिज्म इन एक्स आर सी सी आई ई आर सी सी4, ई आर सी सी1 एंड ई आर सी सी4 डी एन रिपेयर गेन्स एंड सर्वाइकल कैंसर रिस्क इन इंडियन पोपुलेशन. प्रोसिडिंग्स इंटल. साइम्पोजियम ऑन मोलेक्यूलर पैथोलॉजी, न्यू दिल्ली, 28-29 जनवरी 2012 (अब्सट्रेक्ट).

21. बाजपेयी डी, जैन एस के, सिंह एन. डी एन ए रिपेयर, गेने पोलीमर्फिज्न्स, एंड सर्वाइकल कैंसर रिस्कः ए केस कंट्रोल स्टडी इन इंडिया. प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आरइंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इंन कैंसर रिवर्चः बायोलॉजी टू प्रीवेंसन टू थेरेपी. 2011; ए 76ः पेज 89 (अब्सट्रेक्ट).

22. बाल एस, मेनन बी, अल्मेखलाफी एम, गोयल एम, हिल एम, भाटिया आर, एट आल. एंटेरियर कोराइडल आर्टेरी इंवालमेंट इज प्रेडिक्टर ऑफ पुअर न्यूरोलॉजिकल आउटकम्स इन डिसटल कैरोटिड ओक्यूजन्स. स्ट्रोक 2012; 43ः ए 3998.

23. बालामुरगन ई, अग्रवाल एम, त्रिपाठी एम, ट्रिगेरिंग फैक्टर ऑफ सेज्यूर्स इन द पिपुल विद इपिलेप्सी. प्रोसिडिंग्स ऑफ एटिन्थ इंटरनेशलन इपिलेप्सी कांग्रेस, कोच्ची, 25-26 फरवरी 2012 (अब्सट्रेक्ट).

24. बल्लाल एस, पटेल सी, सिंगला एस, शर्मा पी, मल्होत्रा ए. कम्प्रीजन ऑफ एमोरी, सेडरसैनी, 4डी- एम एस पी ई सी टी एंड माइओमेट्रिक्स कार्डिक सॉफ्टवेयर फॉर द एसेसमेंट ऑफ लेफ्ट वेन्ट्रीकुलर इजेक्सन फ्रैक्सन चूजिंग टीसी 99 मेटेट्रोफोजमिन गैटेडएस पी ई सी टी विद इक्यूलिबिरियम रैडियोन्यूक्लाइड एंजियोकार्डियोग्राफी. रिजल्टस इन इंडियन पेसेन्ट पोपुलेशन. मीटिंग अब्सट्रैक्टस जे न्यूकल मेड 2011; 52: 245.

25. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, कपूर ए, गर्ग पी, कुमार एस, राजशेखर एन. रोल ऑफ इमैजिंग मोडलिटिज एंड स्टैगिंग लैप्रोस्कोपी इन मैनेजमेंट ऑफ पेसेन्टस विद परिएमपुल्लरी कारसिनोमाज. सल्सीकॉन 2011. प्रोसिडिंग्स ऑफ फोर्थ नेशलन कांफ्रेंस ऑफ सेल्सी, अहमदाबाद, 8-10 अक्टूबर2011.

26. भगत ओ एल, जारयाल ए के, दीपक के के. ह्यूमन वॉयस बेस्ड इंस्ट्रक्सन सिस्टम फोररिसपेरेटरीमोड्यूलेशन एट वेरिड रिसपेरेटरी फ्रिक्वेसिज. इंडियन जे फिजिओल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 230.

27. भगत ओ एल, कच्चावा जी, खंडेलवाल ई, जरयाल ए के, दीपक के के. चंगेस इन आरटेरियल स्टिफनेस इन पोलीसाइसटिक ओवरेन सिंड्रोम. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल):133.

28. भागीरथ डी, अब्रोल एन, चुग एस, सेठ ए, शर्मा एम, शर्मा ए, मोलक्यूलर एंड सरकुलेटरी एक्सप्रेसन ऑफ सी डी 147, बी आई जी एच3 एंड स्थामिन इन इंडियन पेसेन्टस ऑफ उरोथेलियल कारसिनोमा ऑफ ब्लाडर. प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेन्सन टू थेरेपी. 2011; ए45: 79.

29. भारती एस जे, पांडिया एम पी, रथ जी पी, दाश एच एच. पेरियोप्रेटिव कम्प्लीकेसन्स एंड इट्स इफेक्ट ऑन पेसेन्ट आउटकम इन ब्रेनस्टेम लेजियन सर्जरी. जे न्यूरोसर्ज एनिस्थेसिओल 2011; 23: 427.

30. भाटिया आर, भसीन ए, मोहंती एस, कुमारन एस, पदमा श्रीवास्तव एम वी. स्टेम सेल्स एज रिजेनरेटिव थेरेपी इन स्ट्रोकः ए केस कंट्रोल स्टडी. स्ट्रोक 2012; 43: ए3337

31. भाटला एन, वशिष्ट एस, माथुर एस, राय एस, कृपलानी ए, सिंह एन, एट आल. एवालुएशन ऑफ ए ‘स्क्रिन-वैसिनेट’ स्ट्रेटजी इन ए लो रिसोर्स सेटिंग. प्रोसिडिंग ऑफ27 इंटल. पापिलोमावायरस कान्फ. एंड क्लिनीकल वर्कशॉप, बर्लिन, जर्मनी, 17-22 सितम्बर 2011; पी-09, 18: पेज 182.

32. भट्ट के, रायचौधरी ए, भुटिया ओ, आर्य एस. रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ मंडीबुलर एंगल फ्रैक्चर्स ट्रिएटेड विद 3 डिफरेंट फिक्सेसन सिस्टम्स. जे ओरल मैक्सीलोफेक सर्ज 2011; 69: 9.

33. भौमिक ए एस, अरूल्सेल्वी एस, पति एच पी, शर्मा एस, अग्रवाल डी, आहूजा आर, एट आल. इम्मेचूर प्लेटलेट फ्रैक्शन एज ए मेजर ऑफ थ्रोमबोसायटोपेनिया इन ट्रॉमा पेसेन्टस एंड इट्स कट ऑफ वैल्यू विद सेवरिटी ऑफ थ्रोम्बोसाइटोपेनिया. ब्लड (ए एस एच एनुअल मीटिंग अब्सट्रैक्ट) 2011; 118: 4681.

34. काबरा जी, अरूसेल्वी एस, अग्रवाल डी सिन्हा एस, मुखोपाध्याय ए के, शर्मा एस. एवाल्यूएशन ऑफ कोगुलेशन इन आइसोलेटेड हेड इंज्यूरी पेसेन्टस, जे पी एन ए टी सी, एम्स, दिल्ली, इंडिया. एर जे न्यूरोल स्पेशल इ यू. 2011; 18 सप्ल एस2: 1-684.

35. चक्रवर्ती ए, सूद एस के, सागर आर, श्रीवास्तव ए. इफेक्ट ऑफ रैपिड एंड शॉर्ट डूरेशन प्रजेंटेशन ऑफ स्पीच साउंड्स एंड प्योर टोन्स ऑन प्रेपल्स इनहिबेशन इन डायसलेक्सीक चिल्ड्रेन. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 300.

36. चक्रवर्ती एम, सूद एस के, श्रीवास्तव ए. प्रेपल्स इनहिबेसन ड्यूरिंग आटोमेटिक एंड सेलेक्टिव अटेंसन. इंडियन जे फिजियाल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 257.

37. चन्दर एस, पथी एस, मोहंती बी के, अग्रवाल एस, यादव वी, बख्शी एस. मल्टीडिसिपलिनरी अप्रोच टू ट्रिटमेंट ऑफ विल्मस' ट्यूमर– एम्स एक्सपिरियंस. प्रोसिडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ पेडियाट्रिक्स ओंकोलॉजी. 2011.

38. चन्द्रा एस, नेहरा एम, अग्रवाल डी, मोहन ए, डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ एंडोब्रोंचिल अल्ट्रासाउंड गाइडेड ट्रांसब्रोंचिल निउल एसपिरेशन इन मेडिएशिनल लाइमफडेनोपैथीः ए सिस्टमेटिक रिव्यू एंड मेटा– एनालायसिस. चेस्ट 2011; 140: 603ए.

39. चौबाल जी एन, पाल एस, दाश एन, शिवानंद जी, लालवानी एस, कुमार जी, एट आल. ए न्यू फार्मूला टू एस्टीमेट लिवर वैल्यूम इन द इंडियन पोपुलेशन. ट्रोप गैस्ट्रोइंटेरोल 2011; 32 (सप्ल 3): ए53.

40. चौधरी ओ, बाला एम, सिंह जे, हजारिका ए, कुमार आर, लुथरा के. रिलेटिव रिडक्शन ऑफ प्लाजमासाइटोयड डेनड्रिटिक सेल्स विद शिफ्ट इन टी एच1 टू टी एच2 रेसपोंस इन एच आई वी– 1 इंफेक्टेड पेसेन्टस गए कंपेयरड टू हाई रिस्क एंड हेल्दी नोर्थ इंडियनंस. बी एम सी इंफेक्ट डिस 2012; 12 (सप्ल 1)ः 020.

41. चौधरी पी, मोहन एम, रामोस एम वी, ओलिवेरिया आर एम, कुमार वी एल. इफेक्ट ऑफ लाटेक्स प्रोटेनिस (एल पी) ऑफ कालोट्रोपिसप्रोसेरा ऑन 2011; 55 (सप्ल 2)ः 22.

42. चौहान एस, गुप्ता ए, जखल ए, मिश्रा बी, चौहान ए, संगी एस, मिश्रा एम सी. पैटर्न ऑफ इंज्यूरी सेवरिटी एंड प्रोबेबिलिटी ऑफ सर्वाइवल ऑफ रेड ट्रिएग्ड पेसेन्टस इन एन एपेक्स लेवल 1 ट्रॉमा सेन्टर. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर, एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया. 9–13 नवम्बर 2011, पेज 66.

43. चौहान एस, गुप्ता ए, जखल ए, सागर एस, बाबू बी, मिश्रा बी, मिश्रा एम सी. पैटर्न एंड सेवरिटी ऑफ इंज्यूरिज सस्टैन्ड बाई विक्टिम्स ऑफ मोटोराइज्ड टू व्हीलर एक्सीडेंटस. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनशनल कान्फ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर, एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011. पेज 61.

44. चौधरी एस, कुमार एल, जैन एस के, सिंह एन. एनालायसिस ऑफ बायोमार्कर्स इन ब्लड डायग्नोसिस प्रोगनोसिस ऑफ एपिथेलियाल ओवरिअन कैंसर. प्रोसिडिंग्स ऑफ इंटेल. साइमपोजियम ऑन मोलक्यूलर पैथोलॉजी, न्यू दिल्ली, 28–29 जनवरी 2012 (अब्सट्रैक्ट).

45. चौधरी एस, मुमार एल, कुमार एस, सिंह एन. एनालायसिस ऑफ ब्लड–बेस्ड बायोमार्कर्स एज पोटेंसियल डायग्नोस्टिक एंड प्रोग्नोस्टिक टूल्स इन एपिथेलियाल ओवेरियन कैंसर. प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटेल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेंसन टू थेरेपी. 2011; बी16ः पेज 99 (अब्सट्रेक्ट).

46. चौधरी टी, प्रभाकर एच, बिट्ठल पी के, दाश एच एच. इफेक्ट ऑफ निट्रोस ऑक्साइड ऑन कोगनिटिव फंक्शनंस इन पेसेन्टस अंडरगोइंग ट्रांस सफेनोआइडल रिमूवल ऑफ पिट्यूटरी ट्यूमर. एनेस्थेसिओलॉजी 2011; ए256.

47. चुग एस, लक्ष्मण सी, शर्मा एम, सेठ ए, शर्मा ए. रोल ऑफ टीएच17 सेल्स इन ट्रांसेशनल सेल कारकिनोमा ऑन यूरिनरी ब्लाडर. प्रोसिडिंग्स ऑफ फिफ्थ कांग्रेस ऑफ द फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटीज ऑफ एशिया ओसियानिया (एफ आई एम एस ए), न्यू दिल्ली, 14–17 मार्च 2012.

48. डारलोंग वी, पांडेय आर के, चन्द्रलेखा, पूंज जे. हेमोडायनामिक चेन्जस ड्यूरिंग प्नेयुमोपेरिटोन्यूम एंड स्टिप ट्रेंडेलेनबर्ग पोजिसन इन पेसेन्ट्स अंडरगोइंग रोबोट एजसिस्ट्ड लैप्रोस्कोपिक रैडिकल प्रोस्टैटेकटोमीः ए स्टडी यूजिंग सेमी–इनवैसिव प्लस कंट्योर एनालायसिस डिवाइस (फ्लोट्रैक / विजिलेओ टी एम) बीआर जे एनेस्थेसिया 2012य 108 (एस2)ः पप127–28.

49. दाष एन आर, जॉर्ज जे, मंगल वी. स्पोंटन्यूअस प्रोटोबिलियरी फिस्टुलाः टू केसेज. एच पी बी 2011; 13 (सप्ल3)ः 201.

50. दाश एन आर, कुमारन ई, मंगला वी, राजेश, पाल एस, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के. एन एनालायसिस ऑफ रिविजन हेपाटिकोजेजूनोस्टोमी फॉर रिकरेंट बिनिग्न बिलियरी स्ट्रीक्चरस. एच पी बी 2011; 13 (सप्ल 3)ः 138.

51. धर ए, आदिमुलाम जी, श्रीवास्तव ए, सिंघल एम. एसेसमेंट ऑफ कौसमेटिक आउटकम इन इंडियन पेसेन्टस ट्रिएटेड विद ब्रेस्ट कंजरवेटिव सर्जरी. वर्ल्ड जे सर्ज 2011; 35ः ए1–461.

52. धर ए, श्रीवास्तव ए, जुल्का पी के, शर्मा एम सी. इज इंट्रामाम्मेरी नोड ए सेनटिनल नोड? वर्ल्ड जे सर्ज 2011; 35ः ए1–461.

53. धर पी, कौषल पी, मेहरा आर डी. न्यूरोप्रोटेक्टिव रोल ऑफ अल्फा विपोइस सीड (ए एल ए) इन आर्सेनिक (एज) इंड्यूस्ड डेवलपमेंटल न्यूरोटाक्सिसिटी इन रैट पप्स. एफ ए एस ई बी जे 2012; 26ः 921.9.

54. ढिंगरा आर. वरगीज बी, कालरा आर, लुथरा के, भाटला एन, कुमार आर. मैटरनल सेरम ऑफ वुमेन विद प्रीक्लैम्पसिया इंड्यूसेज प्लेसेंटल ऑक्सीडेटिव स्ट्रेजः इविडेंस फॉर इंक्रिज्ड सेनलिटीविटी टू द सोल्यूबल वी ई जी एफ रिसेप्टर एस फलट–1. प्लेसेंटा 2011; 32ः ए88.

55. दीक्षित बी, अग्रवाल एन, मदन ई, सरकार सी, चट्टोपाध्याय पी, सिन्हा एस, एट आल. नॉकडाउन ऑफ एफ ए टी1 इंहिबिट्स ग्लिओमा सेल माइग्रेशन एंड इंवैसन. प्रासिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेंसन टू थेरेपी. 2011; ए73ः पेज 88.

56. दीक्षित बी, मदन ई, सरकार सी, गुप्ता डी, चंद्रा पी एस, चट्टोपाध्याय पी, एट आल. आंकोजेनिक रोल ऑफ ड्रोसोफिला ट्यूमर सप्रेसर गने 'फैट' हामोलॉग, एफ ए टी1 इन ह्यूमन ग्लिओमा. प्रोसिडिंग्स ऑफ 31 एनुअल कन्वेंसन ऑफ इंडियन एसोसिएषन फॉर कैंसर रिसर्च (आई ए सी आर) एंड एन इंटरनेशनल सायमपोजियम ऑन 'कैंसर जेनोमिक्स एंड इट्स इंपेक्ट इन द क्लिनीक्स' 26–29 जन 2012, मुम्बई, इंडिया.

57. दीक्षित बी, सरकार सी, चट्टोपाध्याय पी, सिन्हा एस, चोस्डोल के. ओवरएक्सप्रेसन ऑफ एफ ए टी1 इन ह्यूमन जी बी एम (ग्लिओब्लासटोमा मल्टीफोर्म) एंड हाई ग्रेड ग्लिओमा सेल लाईन्स. प्रोसिडिंग्स इन ए ए सी आर सेकेन्ड इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन 'फ्रांटियर्स इन बेसिक कैंसर रिसर्च', 15–18 सित. 2011, सन फ्रांसिसको, सी ए, यू एस ए.

58. दीक्षित बी, सरकार सी, चट्टोपाध्याय पी, सिन्हा एस, चोस्डोल के. हाई एफ ए टी1 एक्सप्रेसन इन ह्यूमन जी बी एम (ग्लिओब्लासटोमा मल्टीफोर्म) एंड हाई ग्रेड ग्लिओमा सेल लाईन्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ सेकेंड इंट. कान्फ. ऑन स्टेम सेल्स एंड कैंसर (आई सी एस सी सी– 2011): प्रोलिफरेसन, डिफरेशन एंड अपोप्टोसिस, पुने, 15–18 अक्टूबर 2011.

59. डोगरा पी, सैनी ए, जवाली टी, सिंह पी, सक्सेना वी. एक्सट्रापेरिटोनियल रोबोट–एसिस्टेड रैडिकल प्रोस्टैटेक्टोमी रिविजिटेड. यूरोलॉजी 2011: 78 (3ए): एस176.

60. डोगरा पी, सैनी ए, सिंह पी, सक्सेना वी, नायक बी. रोबोटिक एसिस्टेड इंग्यूनियल लायम्फ नोड डिसेक्सन (आर ए आई एल एन डी): प्रीलिमिनरी रिपोर्ट. यूरोलॉजी 2011: 78 (3ए): एस162.

61. दौलतशाही डी, अविव आर, रोड्रिग्यूज डी एल, मोलिना सी, ब्लास वाई एस, डजिआलोवास्की आई,कृकृ, पदमा एम वी, राय जे, कृकृकृकृ भाटिया आर, एट आल. स्मॉल इंट्रासेरेब्रल हेमाटोमस हैव ए लो स्पॉट साईन प्रेविलेंस एंड आर अनलाइकली टू एक्पैंड. स्ट्रॉक 2012; 43: ए100.

62. दूबे एस के, प्रभाकर एच, सिंह जी पी, बिठ्ठल पी के, बिन्द्रा ए. अल्ट्रेसन इन कोआगुलेसन पैरामीटर्स आफ्टर कंबिनेसन ऑफ मैन्निटोल एंड हायड्रोक्सयेथल स्टार्च इन पेसेन्टस अंडरगोइंग सुपरअंटेनटोरियल क्रानियोटॉमी. जे न्यूरोसर्ज एनेसथेसियेअ 2011; 23:281.

63. फ्रांसिस पी, जखल ए, गुप्ता ए, सागर एस, मैथ्यू ए एस, सांगी एस, एट आल. एपिडेमिओलॉजी ऑफ ट्रऑमा इन वुमेन एट ए लेवल 1 ट्रॉमा सेन्टर ऑफ इंडिया. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011. पेज 64.

64. गांधी ए के, शर्मा डी एन, रथ जी के. इंटरस्टाइटिल ब्राचीथेरेपी फ़ूर सोलिटरी मेटास्टैटिक लजियंस ऑफ लंग एंड लिवर. रेडिओथर ओंकोल 2011; 99: एस270–1.

65. गोयल पी, चावला एम, अग्रवाल एस, कुमार आर, गुप्ता डी के. एफ डी जे–पी ई टी–सी टी रिस्पोंस कोरेलेसन विद क्लिनीकल आउटकम इन न्यूरोब्लासटोमा. इंडियन जे मेड पेडियाटर ओंकोल 2011; 32: ए–17 (अब्सट्रैक्ट).

66. गोगिया वी, शर्मा ए, अहमद ए, मिश्रा एस, भटनागर एस. ग्लोस्सोफ्रांयगल कैंसर पेसेन्टसः ए प्रोसपेक्टिव रैंडोमाइज्ड स्टडी. ए एस ए 2011; 15–19: ए034.

67. गोयल के, प्रभाकर एच, चतुर्वेदी ए, दाश एच एच. फैक्टरर्स प्रेडिक्टिंग द आउटकम ऑफ पेसेन्टस अंडरगोइंग कौरेक्टिव सर्जरी फॉर क्रानियोसायनोसटोसिस. एनेस्थेसियोलॉजी 2011, (सप्ल): ए258.

68. गोयल के, प्रभाकर एच, चतुर्वेदी ए, कुमार आर. लारंगल मोरबिडिटी एसोसिएटेड विद फाइबरोप्टिक इंटोबेसियन अंडर जनरल एनेस्थेसिया विद एंड विदाउट मस्कल रिलैक्सैंट. एनेस्थेसियोलॉजी 2011; (सप्ल): ए553.

69. गोयल एन, सिंह पी, शर्मा एम, महापात्रा ए के. इंट्राक्रानियल टेराटोमस इन चिल्ड्रेनः ए सिरिज ऑफ 10 केसेज. चाइल्डस नर्व सायस्ट 2011; 27: 1837.

70. गुलाटी जी एस, कुमार पी, रामाकष्ण्नन एस, जगिया पी, शर्मा एस. कार्डिक मैग्नेटिक रेसोनांस (सी एम आर) एंड थ्री डिमेंसिओनल इकोकार्डियोग्राफी (3डी ई) इन कम्प्लीट एवालुएसन ऑफ एबस्टिन एनोमली. जे कार्डियोवैक मैग्न रिजन 2012; 14 सप्ल 1: पी109.

71. गुलेरिया आर, अरोड़ा एस, कुमार जी, मोहन ए. एक्यूट फेज प्रोटैंस कैन प्रेडिक्ट सर्वाइवल इन वेनटिलेटेड पेसेन्टस विद एक्यूट एक्सएक्रिबेसन ऑफ क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव एयरवे डिजीज (सी ओ पी डी). चेस्ट 2011; 140: 873ए.

72. गुप्ता ए, शुक्ला जी, मोहम्मद ए, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, बेहरी एम. इज रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम एन इम्पोर्टेन्ट प्रेडिक्टर ऑफ सबक्रोटिकल स्ट्रॉक? – ए प्रोसपेक्टिव स्टडी ऑन 117 स्ट्रॉक पेसेन्टस. स्लीप मेड 2011; 12 सप्ल 1: एस1–एस130.

73. गुप्ता ए, सिंघल एम, कुमार एस, सागर एस, प्रकाश पी, माधुरी वी के एस. कम्पलेक्स ट्रांसथोरासिस इम्पालमेंटः लेसन्स फॉर डेवलपिंग हाई क्वालिटी ट्रॉमा केयर सिस्टम्स इन डेवलपिंग कंट्रीज. अब्सट्रैक्ट बुल ऑफ फ्रॉम राडसाइड टू रिकवरी – सक्सेजफुल सिस्टम्स ऑफ ट्रॉमा केयर, एनुअल कांफ्रेंस ऑफ द नेशलन ट्रॉमा रिसर्च इंस्टीट्यूट, 18–19 नवम्बर 2011, मेलबोर्न, विक्टोरिया, आस्ट्रेलिया.

74. गुप्ता ए, कुमार एस, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा बी, मिश्रा एम सी. डेवलपमेंट ऑफ ए फस्ट हॉस्पिटल बेस्ड ट्रॉमा रजिस्ट्री एट जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर, इंडिया. प्री हॉस्पिटल डिजास्टर मेड 2011; (सप्ल1)26ः एस–22.

75. गुप्ता ए. इंटरनेशनल परसपेक्टिवस ऑन ट्रॉमा रिसर्च इंस्टीट्यूट, 18–19 नवम्बर 2011, मेलबोर्न, विक्टोरिया, आस्ट्रेलिया.

76. गुप्ता डी, मिश्रा ए, महापात्रा ए के. स्टडी ऑन फैक्टर रिस्पोंसिबल फॉर मोर्टलिटी अमौंगस्ट चिल्ड्रेन विद क्रानिओसपिनल ट्रॉमा इन न्यूरोइंटेंसिव यूनिट. चाइल्ड नव्र एस यस्ट 2011; 27ः 1817.

77. गुप्ता टी आर, गुप्ता ए, जखल ए, कुमार एस, कोन्द्रू एस सांगी एस, मिश्रा एम सी. एपिडेमिओलॉजी ऑफ इंज्यूरिज ड्यू टू फॉल. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा, 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011, पेज 67.

78. गुरूप्रसाद बी, चौधरी पी, कुमार वी एल. सब–फ्रैक्संस ऑफ मेथानॉल एक्सट्रैक्ट ऑफ ड्रायड लैटेक्स ऑफ कालोट्रोपिसप्रोसेरा, एफ8 एंड एफ9 एटैन्यूट एक्यूट इंफ्लामेसन बाई इंहिबिटिंग वेरियस इंफ्लामेट्री मीडियाटर्स एंड एटैन्यूटिंग ऑक्सीडेटिव स्ट्रीज. इंडियन जे फिजियोअ फार्माकॉल 2011; 55 सप्ल 2ः 28.

79. इरशाद के, मिश्रा एस, गर्ग एच, सरकार सी, गुप्ता डी, चन्द्रा पी एस, एट आल. हाइपोक्सिया अपरेगुलेट्स द एक्सप्रेसन ऑफ नॉक्च सिंग्नलिंग गेनेस इन ह्यूमन ग्लिओमा. प्रोसिडिंग्स ऑफ 31 एनुअल कवेंसन ऑफ इंडियन एसोसिएषन फॉर कैंसर रिसर्च (आई ए सी आर) एंड एन इंटरनेशलन साइमपोजियम ऑन 'कैंसर जेनोमिक्स एंड इट्स इंपैक्ट इन द क्लिनिक्स' 26–29 जन 2012, मुम्बई, इंडिया.

80. इरशाद के, मिश्रा एस, गर्ग एच, सरकार सी, गुप्ता डी, चन्द्रा पी एस, एट आल. आवरएक्सप्रेसन ऑन नॉक्च सिंग्नलिंग गेनेस कोरेलेट्स विद हाइपोक्सिया इन प्राइमरी ह्यूमन ग्लिओमा. प्रोसिडिंग्स ऑफ सेकेंड इंटल. कान्फ. ऑन स्टेम सेल्स एंड कैंसर (आई सी एस सी सी–2011)ः प्रोलिफरेसन, डिफरनेसन एंड एपोप्टोसिस, पुने, 15–18 अक्टूबर 2011.

81. इरशाद के, मिश्रा एस, गर्ग एच, सरकार सी, गुप्ता डी, चन्द्रा पी एस, एट आल. प्राइमरी ग्लिओब्लासटोमा मल्टीफॉर्म विद अपरेगुलेटेड एच आई एफ 1ए एंड पी जी के1 शो इंक्रिज्ड एक्सप्रेसन ऑफ नॉक्च सिंग्नलिंग मोलक्यूल्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेंसन टू थेरेपी. 2011; ए 39ः पेज 104.

82. जना एम, गामनगट्टी एम, कुमार ए, गुप्ता ए के, मुकुंद ए, मिश्रा बी, एट आल. बलंट पैंक्रियाटिक ट्रॉमाः डायग्नोस्टिक रोल ऑफ एम डी सी टी एंड एम आर आई. प्रोसिडिंग्स ऑफ 64 नेशनल कांफ्रेंस ऑफ द इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमैजिंग एसोसिएशन, 28–31 जनवरी 2012, न्यू दिल्ली.

83. जंगिद एम, सिंघल एम, सोखी के के, मीनाक्षी. डज इंवालवमेंट ऑफ वुंड केयर नर्स इम्प्रुवस पेसेन्ट सटिसफैक्सन एंड वुंड हेलिंग? प्रोसिडिंग्स ऑफ 8 एशिया–पैसिफिक बर्न कांग्रेस एंड थर्ड कांग्रेस ऑफ द एशियन वोंड हिलिंग एसोसिएशन, हेल्ड एट बैंकाक, अक्टू 2011.

84. जावेद ए, पाल एस, चौबल जी एन, कष्ण ई के, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के. सर्जिकल मैनेजमेंट एंड आउटकम ऑफ सेवर गैस्ट्रोइंटेसिनल इंज्यरीज ड्यू टू कोरोसिव इंज्यूरिज. ट्रोप गैस्ट्रोइंट्रोल 2011; 32 (सप्ल 3)ः एस20.

85. जोशी पी, ठुकराल ए, जोशी एम, देवरारी ए के, वत्स एम. कम्पेरिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ वेबिनर एंड पार्टिसिपैटरी लर्निंग ऑन ई एन बी सी इन द क्लासरूम इन टर्मस ऑफ एक्यूजिसन ऑन नॉलेज एंड स्किल्स ऑन स्टूडेंट नर्सेजः ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. प्रोसिडिंग्स ऑफ 8. थर्टी वन एनुअल कंवेंसन ऑफ नेशनल नेओनैटोलॉजी फोरम, चेन्नई, दिसम्बर 2011. अब्सट्रैक्ट पोस्टर पी/165/मिस. पीपी. 177.

86. कायस्थ एस, पाल एस, दाश एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के. रैंडोमाइज्ड स्टडी कम्पैरिंग प्राइमरी एंड सरकमफ्रेंशियल सबकटिक्यूलर क्लोजर टेक्निक्स आफ्टर इलियोस्टॉमी क्लोजरः एन अंतरिम एनालायसिस. ट्रोप गैस्ट्रोइंट्रोल 2011; 32 (सप्ल 3)ः एस102–103.

87. कक्कड़ ए, मोहंती एस, बोस एस, कांथैयाह वाई वी, भार्गव बी, ऐरन बी. एस्टाबलिस्मेंट ऑफ प्राइमरी कार्डियोमायकाट कलचर फ्रॉम कार्डियक बायोप्सीः ए रिसर्च टूल फॉर कार्डिक डिफरेंसन ऑफ स्टेम सेल. प्रोसिडिंग्स ऑफ कार्डियोवैक्यूलर रिसर्च कन्वर्जेंस, एम्स फरवरी. 2012.

88. कक्कड़ ए, शर्मा पी, निकिता, खरबन्दा ओ पी, भार्गव बी, ऐरन, बी. कम्परेटिव एवालुएशन ऑफ डिफरेंशन पोसेंसियल आर्फ मेसेनकायमल स्टेम सेल्स फ्रॉु टू डिफरेंट सोर्सेज. प्रोसिडिंग ऑफ फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटी ऑफ एशिया–ओसिनिया, न्यू दिल्ली मार्च. 2012.

89. कर आर, बनर्जी ए, चट्टोपाध्याय पी पी, जैन एस के, सिंह एन. कुरकुमिन पोसेंटिएट्स द रिस्पोंस ऑफ प्राइमरी कल्चर्स ऑफ ओवरैन कैंसर सेल्स टू कार्बोप्टिन एंड पैक्लिटैक्सेलः एन इन विट्रो स्टडी. प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेंसन टू थेरेपी. 2011; ए30ः पेज 74 (अब्सट्रैक्ट).

90. कर आर, सिंह एन, मोडुलटिंग सर्वाइविन एक्सप्रेसन टू ओवरकम कीमोरेस्टेंस इन प्राइमरी कल्चर्स ऑफ ओवरैन कैंसर सेल्स– ए स्टेप टूवार्डस पेसेन्ट टेलरर्ड थेरेपी. प्रोसिडिंग्स ऑफ सेकेंड इंटेल. कान्फ. ऑन स्टेम सेल्स एंड कैंसर (आई सी एस सी सी–2011). प्रोलिफरेसन, डिफरेंसन एंड एपोप्टोसिस, पुने, 15–18 अक्टूबर 2011 (अब्सट्रैक्अ).

91. कटारिया के, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी. डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी इन एबडोमिनल ट्रॉमा–एक्सपिरियंसेज ऑफ ए लेवल वन ट्रॉमा सेन्अर. प्रोसिडिंग्स ऑफ फिफ्थ एम्स सर्जिकल वीक एंड इंडोसर्ज–2011, इंटरनेशनल सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप. 11–13 मार्च 2011, एम्स, न्यू दिल्ली.

92. कौर एच, सांगी एस, गुप्ता ए, जखल ए, सिंघल एम, चौहान एस, मिश्रा एम सी. इन हॉस्पिटल रुटिन ट्रैग ऑफ ट्रॉमा पेसेन्टस इन ए एपेक्स लेवल 1 ट्रॉमा सेन्टर ऑफ इंडिया. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सी एम ई कम लाई वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिलली इंडिया 9–13 नवम्बर 2011. पेज 69.

93. कौर एम, लाल सी, भौमिक डी, जरयाल ए के, दीपक के के. रिवर्सल ऑफ सिस्टेमिक आरटेरियल स्टिफनेस आफ्टर रीनल ट्रांसप्लांटेसन. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्लीमेंट): 105

94. कौशल आर, धार ए, श्रीवास्तव ए, गामनगट्टी एस, सेठ एस, जगिया पी. पैटर्न ऑफ पेरिफेरल आर्टेरियल डिजीज इन इंडियन स्केनैरिओ. वल्ड जे सर्ज 2011; 35ः एस1–461.

95. खान एम ए, मन्ना एस, मल्होत्रा एन, राय के के, मित्तल एस, सेनगुप्ता जे, एट आल. गेने एक्सप्रेसन प्रोफाइलिंग ऑफ इंडोमेट्रियोसिस. इंडियन जे फिजियोज फार्माकोल 2011; 5 (सप्लीमेंट): 79–80

96. खान आर, शर्मा एम, कुमारी आर, कुमार एल, शर्मा ए. टीएच17/ट्रेग साइटोकिन इम्बलांस एंड इट्स रिलेशनसिप टू एंजियोगेनिक फैक्टर्स इन मल्टीपल मायलोमा. प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटेल. कांन्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेंसन टू थेरेपी. 2011; ए490ःपेज80.

97. खरबंदा ओ पी, इंप्लांट एंड होस्ट रिलेटेड कंसिडरेसंस फॉर द सक्सेज ऑफ मिनिस्क्रिव ट्रिटमेंट. कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स 2010, पेज नं. 56, वल्ड इंप्लांट ऑर्थोडोंटिक कान्फ्रेंस (अब्सट्रैक्ट)

98. खरे पी, तलवार ए, दीपक के के, गुलेरिया आर, जरयाल ए के. एसेसमेंट ऑफ इंडोथेलियल फंक्शन इन सी ओ पी डी पेसेन्टस. इंडियन जे फिजिओल फार्माकोल 2011; 55 (सप्लीमेंट): 106

99. किलाम्बी आर, बंसल वी के, तमांग टी, मिश्रा एम सी, कुमार एस. लैप्रोस्कोपिक सटरिंग स्किल्स एक्विजिसन– ए कम्प्रिजन बिटवीन ट्रेन्ड एंड नोविक सर्जन्स दिल्ली स्टेट चाप्टर ऑफ ए एस आई, आर एम एल हॉस्पिटल, न्यू दिलली, फरवरी 2011.

100. कोन्दू एस, जखल ए, गुप्ता ए, कुमार एस, गुप्ता टी आर, मिश्रा एम सी. रेलवे ट्रैक इंज्यूरी– ए सिग्निफिकेंट काउज ऑफ मार्बिडिटी एंड मोर्टिलिटी इन ए सिविलियन ट्रॉमा सेन्टर. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिलली इंडिया 9–13 नवम्बर 2011. पेज 62.

101. कष्ण कुमार एस, तलवार ए, शर्मा आर, गुलेरिया आर. पिक ऑक्सिजन अपटेक (पिक वीओ2) एज ए मार्कर ऑफ डिजीज सेवरिटी इन क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुलमोनरी डिजीज. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 308.

102. कुमार एल, भुटिया ओ, त्रिखा ए. फेसियल नर्व मोर्बिडिटी इन द मैनेजमेंट ऑफ मंडीबुलर सबकोंडीलर फ्रैक्चर थ्रो रेट्रोमंडीमुलर ट्रांसपरोटिड प्रोसपेक्टिव क्लिनिकल स्टडी. जे ओरल मैक्सीलोफेस सर्ज 2011; 69:9.

103. कुमार आर, अंद्राबाई आर, तिवारी ए, प्रकाश एस एस, विग एन, दत्त डी, एट आल. जेनरेसन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ ह्यूमन मोनोक्लोनल सिंगल चेन वैरिएबल फ्रैगमेंट्स (एससीएफवीएस) अगेंस्ट इंवेलप थर्ड वेरिएबल रिजन (वी3) ऑफ एच आई वी–1 क्लैड सी. बी एम सी इंफेक्ट डिस 2012; 12 (सप्ल 1): पी11.

104. कुमार आर, जवाली टी, द्विवेदी डी के, जगन्नाथन एन आर, थुलकर एस टी, डिन्डा ए के. मैग्नेटिक रिसोनेंस स्पेकट्रोस्कोपी इमैजिंग डायरेक्टेड ट्रस बायोप्सी इंक्रीज प्रोस्टेट कैंसर डिटेक्सन इन मेन विद पी एस ए बिटवीन 4–10 एनजी/एमएल एंड ए नार्मल डिजीटल रेक्टल एक्जामिनेशन. जे मेन्स हेल्थ 2011; 8: 223.

105. कुमार आर, सहाय एस सी, अय्यर वी के. डिसकोर्डेंट क्लिनिकल एंड हिस्टोलॉजिकल फाइंडिंग्स प्रेडिक्ट फेल्योर ऑफ रिकंस्ट्रक्शन इन सस्पेक्टेड ऑब्सट्रक्टिव गाजूस्पेरिमि या. जे मेन्स हेल्थ 2011; 8:218.

106. कुमार आर, वधवा एस, सिंह यू, यादव एस एल. ए स्टडी ऑफ इफेक्टस ऑन इंटरवेंसन ऑफ बोटुलिनम टॉक्सिन ए ऑन लोवर लिम्ब इन चिल्ड्रेन विद स्पेटिक सेरेब्रल पाल्सी (आब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिज मेड रिहैब 2011; 22: 76–7.

107. कुमार आर, वर्गेस बी, कालरा आर, लुथरा के, भाटला एन, ढिंगरा आर. द इफेक्ट ऑफ प्रिक्लैम्पिटक सेरा ऑन ट्रोफोब्लास्ट वायबिलिटी: एन इन विट्रो स्टडी. प्लेसेटा 2011; 32: ए89.

108. कुमार एस, मुखर्जी ए, सागर एस, गुप्ता ए, सिंघल एम. रोल ऑफ निगेटिव प्रेसर वुंड थेरेपी इन ट्रिटमेंट ऑफ कटेनियस मुकोरमाइसिस. प्रोसिडिंग्स ऑफ द 8 एशिया–पैसिफिक बर्न कांग्रेस एंड द थर्ड कांग्रेस ऑफ द एशियन वुंड हेलिंग एसोसिएशन, बैंकाक, अक्टू 2011.

109. कुमार एस, मिश्रा एम सी, सांगी एस, गुप्ता ए. कैपसिटी बिल्डिंग फॉर ट्रॉमा केयर इन इंडिया: स्टेटस ऑफ ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स एंड फ्यूचर डायरेक्संस. प्रोसिडिंग्स ऑफ एनुअल कांफ्रेंस ऑफ नेशनल ट्रॉमा रिसर्च इंस्टीट्यूट, 18–19 नवम्बर 2011, मलबोर्न, विक्टोरिया, आस्ट्रेलिया.

110. कुमार एस, पाल ए, जैन एस, वेलपांडियन टी, ग्रासिमेनको वाई पी, अवेल्व वी डी, एट आल. क्रोनिक एक्सपोजर टू मैग्नेटिक फिल्ड रिड्यूस पेन इन कंप्लीट स्पाइनल कोर्ड इंज्यूर्ड रैट्स. इंडियन फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 275.

111. कुमार एस, यादव आर, मगन डी, यादव आर के, मेहता एन, महापात्रा एस सी. कार्डियोवैक्यूलर डिजीज रिस्क फैक्टर्स आर रिडयूस्ड बाई शॉर्ट टर्म योगा बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंसन इन ओवरवेट/ ओब्स मेल सब्जेक्ट्स. इंडियन जे फिजिओल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 65

112. कुमार एस. रोल ऑफ थोरैकटोमाई इन ब्लिडिंग इनटू चेस्ट. प्रोसिडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल सर्जिकल कांग्रेस ऑफ सोसायटी ऑफ सर्जन्स ऑफ बांगलादेश, 10–12 दिसम्बर 2011, ढाका, बांगलादेश.

113. लालवानी एस, सावनी सी, गुप्ता बी, डिसूजा एन, बालाकष्णन आई एम, विज ए. ऑर्गन डोनेसन इन ब्रेन डेड ट्रॉमा पेसेन्टस: आवर एक्सपिरियंस. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, 9–13 नव 2011.

114. मदन ई, दीक्षित बी, अग्रवाल एन, चट्टोपाध्याय पी, सिन्हा एस, चोस्डोल के. एक्सप्रेसन ऑफ फैट1 एंड इट्स इंफ्लूएंस ऑन एस डब्ल्यू एच (सलवाडोर वार्टस हिप्पो) पाथवे इन ह्यूमन ग्लिओमा सेल लाइन्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ द 31 एनुअल कंवेंसन ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (आई ए सी आर) एंड एन इंटरनेशलन सायम्पोजियम ऑन 'कैंसर जेनोमिक्स एंड इट्स इम्पैक्ट इन द क्लिनिक्स' 26–29 जन. 2012 मुम्बई, इंडिया.

115. महापात्रा ए के. एनसेफालोसेल 110 पेसेन्टस एट एम्स ओवर 8 इयर्स पिरिअड (2002–2009). चाइल्डस नर्व सिस्ट 2011; 27: 1821–2.

116. मैखुरी आर, विज ए, अग्रवाल डी, सेठ एस. इम्प्रोविंग यिल्ड ऑफ ऑर्गन डोनेसंस: सक्सेजफुल एक्सपिरियंस एट लेवल–1 सेन्टर. प्रोसिडिंग्स ऑफ कांफ्रेंस ऑफ इंडियन सोसायटी ऑन ऑर्गन ट्रांसप्लांट, 7–9 अक्टूबर 2011.

117. मंडेलिया ए, अग्रवाल एस, बख्शी एस, श्रीनिवास एम, भटनागर वी, एट आल. न्यूरोब्लास्टोमा: आउटकम ओवर ए 14 इयर पिरियड फ्रॉम एम्स एन बी 96 प्रोटोकॉल. पेडियाटर ब्लड कैंसर 2011; 57: 754 (ऑब्सट).

118. मंडेलिया ए, पांडा एस, अग्रवाल एस, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, भटनागर वी, एट आल. पुलमोनरी मेटास्टेसेकटोमी इन पेडियाट्रिक सोइल्ड ट्यूमर्स. पेडियाअर ब्लड कैंसर 2011; 57: 753 (अब्सट्र).

119. मंडेलिया एस, स्वरूप सी, थुलकर एस, विष्णुभाटला एस, काबरा एस के, जेक्स आई, एट आल. ओरल वोरिकोनाजोल वर्सेस इंट्रावेनस लो डोज एम्फोटेरिसीन बी फॉर प्राइमरी एंटीफंगल प्रोफलैक्सिस इन पेडियाट्रिक एक्यूट ल्यूकेमिया इंडक्सन: ए प्रोसपेक्टिव, रैनडोमाइज्ड, क्लिनिकल स्टडी. जे पिडियाटर हेमाटोल ओंकोल 2011; 33: ई333–41.

120. मंगला वी, जॉर्ज जे, पास एस, दाश एन आर, साहनी पी, आचार्य एस के, एट आल. लॉग–टर्म रिजल्टस ऑफ मोडिफाइड हैजसाब्स प्रोसिड्यूर इन पेसेन्टस विद एक्स्ट्राहेपैटिक पोर्टल वेनस ऑब्सट्रक्सन. ट्रॉप गैस्ट्रोइंटोल 2011; 32 (सप्ल 3): एस49.

121. मन्ना एस, खान एम ए, मल्होत्रा एन, मित्तल एस, सेनगुप्ता जे, घोष डी. होल–ट्रोसक्रिपटोम प्रोफाइलिंग ऑफ ह्यूमन फस्ट ट्रिमेस्टर प्लेसमेंटल विली. इंडियन जे फिजिओल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 160–1.

122. मैथ्यू ए एस, गुप्ता ए, सांगी एस, मिश्रा बी, फ्रांसिस पी, जखल ए, मिश्रा एम सी. इंज्यूरी सर्विलांस एनालायसिस ऑफ पेडियाट्रिक एंड एडोलेसेंस ट्रॉमा फ्रॉम लेवल 1 ट्रॉमा सेन्टर ऑफ इंडिया. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिलली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011, पेज 65.

123. मेहरा आर डी. एक्सट्रोजेन एंड सेलेक्टिव एसट्रोजेन रिसेप्टर मोड्यूलर (एस ई आर एम) मेडिएटेड न्यूरोप्रोटेसन एंड साइंपटिक प्लास्टिसीटी इन रैल ब्रेन. जे अनंत सोस इंडिया 2011; 60: 103.

124. मिश्रा एस, भटनागर ए, महमूद एस, खुराना डी, भटनागर एस. रेट्रोस्पेक्टिव एनालायसिस ऑफ कारसिनोमा ऑफ लंग पेसेन्टस, सिकिंग पालिएटिव केयर कंसलटेशन इन टेरिटरी केयर सेन्टरः फ्रॉम साइमपोटोम्स मैनेजमेंट टू साइकोलॉजिकल काउंसलिंग एंड आउटकम. प्रोसिडिंग्स ऑफ द फिफटिन्थ एनुअल इंटरनेशनल साइम्पोजियम, पैलिएटिव मेडिसिन एंड सपोर्टिव ओंकोलॉजी, 2012, की लार्गो, फ्लोरिडा, यू एस ए, 23–25 फरवरी 2012.

125. मिश्रा एम सी, बंसल वी के, कुमार एस, खान आर, कुमार एल. इफैक्सी ऑफ लो कोस्ट पोलीप्रोप्लाइन मेश इन लैप्रोस्कोपिक इंकिसिनल हर्निया रिपेयर. सेलसिकॉन 2011, प्रोसिडिंग्स ऑफ फोर्थ नेशनल कांफ्रेंस ऑफ सेल्सी एट अहमदाबाद, 8–10 अक्टूबर 2011.

126. मिश्रा एम सी, बंसल वी के, जोनाथल वी, कुमार एस, राजेश्वरी, सागर आर. ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी कंपेरिंग क्रोनिक ग्रोइन पेन एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ आफ्टर लैप्रोस्कोपिक टेप वीएस टैप रिपेयर फॉर ग्रोइन हर्निया. सेलिकॉन 2011, प्रोसिडिंग्स ऑफ द फोर्थ नेशनल कांफ्रेंस ऑफ सेल्सी एट अहमदाबाद, 8–10 अक्टूबर 2011.

127. मित्रा डी, सिंह ए, डे ए बी, मोहन ए. पी डी–1+ टी सेल्स इन द ब्रोनकोलवेलर लवेग (बी ए एल) ऑफ मिलियरी ट्यूबरकुलोसिसः इंपैक्ट ऑन होस्ट टी सेल रिस्पोंस. चेस्ट 2011; 140: 1017ए.

128. मित्रा डी, सिंह ए, डे ए बी, मोहन ए. रेस्ट्रोसन ऑफ इफेक्टर टी सेल रिस्पोंस इन ह्यूमन ट्यूबरकुलोसिसः इंवाल्वमेंट ऑफ ट्रेग सेल्स एंड पी डी–1 पी पैथवे इन रेसक्यूइंग आई एफ एन– ही प्रोडक्सन बाई एंटीजन रिएक्टिव टी सेल्स. चेस्ट 2011; 140: 1017ए.

129. मोहन ए, अंसारी ए, गुलेरिया आर. एक्यूट चेन्जस इन फिजियोलॉजिकल पैरामीटरस एंड पुलमोनरी फंक्सन ड्यूरिंग एंड आफ्टर फाइब्रोप्टिक ब्रोंसकोपी. इयूर रेसपिर जे 2011.

130. मोहन ए, प्रसाद डी, शर्मा ए, अरोड़ा एस, पांडे आर एम, गुलेरिया आर. एसोसिएशन ऑफ सिस्टेमिक इंफ्लामेसन विद क्लिनिककल रिकवरी इन पेसेन्टस विद एक्यूट एक्सब्रेसन ऑफ सी ओ पी डी. इयूर रेसपिर जे 2011; 628एस.

131. मोहन ए, जॉर्ज जी, महमूद ए, पांडे आर एम. इवालुवेसन ऑफ इंहेलर अस्ग टेक्निक एंड रिस्पोंस टू एजुकेशनल ट्रेनिंग इन ए टेरटियरी हेल्थ केयर सेन्टर. एम जे रिसपिर क्रिट केयर मेड 2012; 185: ए3328.

132. मुंघटे जी, अग्रवाल एस, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, भटनागर वी, गुप्ता डी के. एड्रेनोक्रोटिकल ट्यूमर्स इन चिल्ड्रेनः एम्स एक्सपिरियंस. पेडियाटर ब्लड कैंसर 2011; 57: 754 (अब्सट्र).

133. मुंघटे जी, सिन्हा ए, अग्रवाल एस, बख्शी एस, अय्यर वी के, माथुर एस, एट आल. क्लियर सरकोमा ऑफ किडनीः ए सिंगल सेन्टर एक्सपिरियंस. पेडियाटर ब्लड कैंसर 2011; 57: 751 (अब्सट्र).

134. नजवा ए आर, सेनगुप्ता जे, घोष डी. ए सिस्टम बायोलॉजी अप्रोच टूवार्डस अंडरस्टैंडिंग द प्रोसेस ऑफ ब्लास्टोकाइस्ट इंप्लांटेसन. इंडियन जे फिजिओल फार्माकोल 2009; 53: 197–208.

135. नेताम आर के, मगन डी, यादव आर के, मेहता एन, महापात्रा एस सी. इफिसिएसी ऑफ ए शॉट टर्म योगा बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंसन ऑन रिडयूसिंग द रिस्क फैक्टरस फॉर टाइप 2 डाइबिटिज मेलिट्स. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 61–2.

136. पहवा एस, गामनगट्टी एस, कुमार ए, कुमार एस, फैजी एन, गुप्ता पी. रेट्रोपेरिटोनल इंज्यूरिज इन ब्लंट ट्रॉमाः इमैजिंग फिचर्स एंड इंप्लिकेसंस. प्रोसिडिंग्स ऑफ रेडियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका 97 सांइटिफिक असेम्बली एंड एनुअल मीटिंग, सिकागो, यू एस ए, 27 नवम्बर–2 दिसम्बर 2011.

137. पाल ए, कुमार एस, माथुर आर, जैन एस. रिकवरी इन स्पाइनल कोर्ड ट्रांसेक्टेड रैट्स फ्लोइंग इंप्लांटेसन ऑफ सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोपारटिकल्स एंड मैग्नेटिक फिल्ड एक्सपोजर. इंडियन जे फिजियोज फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 276.

138. पांडे आर के, अशरफ एच, भाला ए पी, दारलॉग वी, गर्ग आर. टू स्टडी द सक्सेज रेट ऑफ रैडियल आर्टेरी कैथरिजेसन एट वरियस डिग्री ऑफ रिस्ट एंगुलेसंस – ए रैंडोमाइज्ड, प्रोस्पेक्टिव स्टडी. बीआर जे ऐनेस्थ 2012; 108 (एस2): ii 128.

139. पांडिया एम, भारती एस, रथ जी, बिट्ठल पी, दाश एच. रेस्पिरेटरी कंप्लीकेसंस इन द अर्ली पोस्ट– ऑपरेटिव पिरियड फॉलोइंग इलेक्टिव कारिनियोटोमाइज. बीआर जे एनेस्थ 2012; 108 (सप्ल 2): ii 65–ii 74.

140. पाठक एस, भाटला एन, सिंह एन. एसोसिएशन ऑफ सर्वाइकल कैंसर रिस्क विद वन–कार्बन मेटाबोलिजम (एब्स). प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोंस इन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेंसन टू थेरेपी. 2011; ए61: पेज 84.

141. पैथी एस, मोहंती बी के, बख्शी एस. आउटकम ऑफ मल्टीमोडलिटी ट्रिटमेंट ऑफ पेडियाट्रिक इविंग्स सरकोमा/ पी एन ई टी. कैंसर रेस 2011; 71 (18 सप्ल 2).

142. पॉल एम, गुप्ता ए, गर्ग डी, सागर एस, मिश्रा बी, कुमार एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी. इनॉमिनेट आरट्रेरी इंज्यूरीः ए कैटस्ट्रोफिक कंप्लीकेसन ऑन इमरजेंसी ट्रैकोस्टोमी. ऑपरेटिव प्रोसिड्योर रिहवजिटेड. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011. पेज 52.

143. पॉल एम, गुप्ता ए, कुमार एस, मिश्रा बी, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी. ट्रॉमेटिक डियाफ्राग्मेटिक इंज्यूरीः ए मार्कर ऑफ सिरियस इंज्यूरी चैलेंजिंग ट्रॉमा सर्जन्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011. पेज 75.

144. प्रभाकर एच, बिन्द्रा ए, चौहान आर एस, चन्द्रा पी एस, त्रिपाठी एम. कंप्रीजन ऑफ इफेक्ट्स ऑफ डिफरेंट एनेस्थेटिक टेक्निक्स ऑन इलेक्ट्रोकोरटिकोग्राफी इन पेसेन्टस अंडरगोइंग इपिलेप्सी सर्जरी. यूर जे एनेस्थिसिओल 2012; (सप्ल): ए54.

145. प्रभाकर एच, गोयल के, चतुर्वेदी ए. फैक्टर्स इफेक्टिंग आउटकम ऑफ पेसेंटस अंडरगोइंग कोरेक्टिव सर्जरी फॉर क्रानियोसायनोस्टोसिस. चाइल्डस नर्व सिस 2011; 27: 1772–3.

146. प्रभाकर एच, सिंह जी पी, बिन्द्रा ए, बिट्ठल पी के, कैलैवानी एम. कोआगुलेशन इफेक्टस ऑफ कंबिनेशन ऑफ मैन्निटोल एंड 0. 9% नॉर्मल सेलाइन और हायड्रोएक्सथली स्टार्च इन न्यूरोसर्जिकल पेसेंटस. यूर जे एनेस्थेसियल 2012; (सप्ल): ए74.

147. प्रभाकर पी, रीता के एच, मौलिक एस के, सिंह एस, गुप्ता वाई के. थाइमोक्यूनॉन अमेलियोरेटस हाई फ्रुक्टोज डायट इंड्यूस्ड मेटाबोलिक सिन्ड्रोम इन रैट्स. इंडियन फिजिओल फार्माकोल 2011; 55: 234–5.

148. प्रजना रंजनी एम, वधवा एस, सिंह यू, कुमार यू, पांडेय आर एम. ए स्टडी ऑफ इफेक्टस ऑफ होम बेस्ड एक्सरसाइज थेरेपी ऑन स्पाइलन मोबिलिटी, फैटिग्यू, क्वालिटी ऑफ लाइफ, डिजीज एक्टिविटी एंड फंक्शनल कैपसिटी इन पेसेन्टस सफरिंग फ्रॉम अंकायलोसिंग स्पोंडीलायटिस (अब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिजि मेड रिहैब 2011; 22: 72.

149. प्रकाश एस एस, अंद्राबाई आर, कुमार आर, लोढा आर, काबरा एस के, वाजपेयी एम, एट आल. एंटीबॉडी रिस्पोंसेज टारगेटिंग द इम्मूनोजेनिक रिजन्स ऑफ विरल इंवेलप इन एच आई वी–1 इंफेक्टेड इंडियन चिल्ड्रेन. प्रोसिडिंग्स ऑफ फिफ्थ कांग्रेस ऑफ द फेडरेसन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सासायटिज ऑफ एशिया ओसिनिया, (एफ आई एम एस ए), 2012; 46: पी पी 84.

150. प्रकाश एस एस, चौधरी ए के, अंद्राबाई आर, कुमार आर, लोढा आर, काबरा एक के, एट आल. कैरेक्टराइजेशन ऑफ द न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडी रिस्पोंसेज इन एच आई वी–1 इंफेक्टेड इंडियन चिल्ड्रेन. एच आई वी वैक्सिन (एक्स 5) मार्च 2012; पी पी 125.

151. प्रसाद के. स्टेम सेल थेरेपी फॉर ब्रेन डिसऑर्डर्सः ह्वाई रिजल्टस आर डिसकोर्डेंट? न्यूरोल इंडिया 2011; 59:553–4.

152. प्रिंसेज एम एस, गुप्ता ए, जखल ए, सिंघल एम, शोकीन एस, मिश्रा एम सी. इपिडिमिओलॉजी ऑफ ट्रॉमा पेसेन्टस ब्रॉट डेड टू द ई डी ऑफ लेवल 1 ट्रॉमा सेन्टर ऑफ इंडिया. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011. पेज 68.

153. पुरी के, जैन वी, अरोड़ा एस, सपरा एस. कॉगनिटिव फंक्शन, विहेवियर प्रोफाइल एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ एंड वेल– बिइंग इन चिल्ड्रेन विद टाइप 1 डायबिटिज (अब्सट्रैक्ट). पेडियाटर डायब 2011; 12 (सप्ल 15): 79.

154. पुष्कर एन, गुप्ता पी, कौर जे, दादा आर, कश्यप एस. कांग्निटल यिल्ड एनोमालिज– ए क्लिनिकल एंड जेनेटिक एनालायसिस. प्रोसिडिंग्स ऑफ 69 ए आई ओ सी 2011; 891–5.

155. राजू जे पी, ठुकराल ए, वल्स एम. ब्रेस्टफिडिंग प्रोबलम्स ड्यूरिंग फस्ट थ्री पोस्टनैटर डेज इन ए टेरटियरी केयर न्यूनैटल यूनिटः ए प्रोसपेक्टिव कोहोर्ट स्टडी. प्रोसिडिंग्स ऑफ 31 एनुअल कवेंसन ऑफ नेशनल न्योनैटोलॉजी फोरम, चेन्नई, दिसम्बर 2011.

156. रमोट आर, गहलोत एम, शमा वी, राजपूत आर, खडगावत आर. रिस्क फैक्टर्स फॉर फ्रैगलिटी हिप फ्रैक्चर्स इन एलड्रेली एशियन–इंडियन. आस्टेपेरोसिस इंट 2011; 22 (सप्ल 4): एस 658.

157. रमोट आर, शर्मा वी, गमांगट्टी एस, गहलोत एम, खडगावत आर. प्रेवलेंस ऑफ वर्टेब्रल फ्रैक्चर्स अमॉग अलडेरली एशियन एस इंडियन प्रेजेंटिंग विद फ्रैगलिटी हिप फ्रैक्चर. ओसटियोपोरोसिस इंट 2011; 22 (सप्ल 4): एस659.

158. रंजनी पी. एन अनयूजुवल केस ऑफ यूनिलैटरल अपर लिम्ब विकनेस–ए डायग्नोस्टिक डायलेम्मा (अब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिजि मेड रिहैब 2011; 22: 125.

159. रथ जी पी, यादव आर, चतुर्वेदी ए, दाश एच एच. इफेक्ट्स ऑफ प्रेगाब्लिन ऑन पोस्टपेरेटिव पेन एंड प्रेपरेटिव एनेक्जिटी इन पेसेन्टस अंडरगोइंग लम्बर डिस्कटॉमीत्र यूर जे एनेस्थिसिओल 2012; 29 (सप्ल 49): एस19.

160. रथ जी पी, यादव आर, चतुर्वेदी ए, दाश एच एच. इफेक्टस ऑफ प्रेगैब्लिन ऑन पोस्टपेरेटिव पेन एंड प्रेऑपरेटिव एनेक्जिटी इन पेसेन्टस अंडरगोइंग स्पाइन सर्जरी. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थेसिओल 2011; 23: 415.

161. राठौर वाई एस, चन्द्रा पी एस, महापात्रा ए के. पेडियाट्रिक लैटरल वेनट्रिकल ट्यूमर्सः एन इंस्टीयूशनल एक्सपिरियंस ऑफ 10 इयर्स. चाइल्डस नर्व सिस्ट. 2011; 27: 1790–1.

162. रेशनल मैनेजमेंट एंड प्रेडिक्टर्स ऑफ एडवर्स आउटकम्स ऑफ फेबरिल न्यूट्रोपेनिक एपिसोड्स इन चाइल्डहूड. पेडियाट्र ब्लड कैंसर 2012; 57: 705–897.

163. रीता के एच, पाहूजा एम, गुप्ता वाई के. एंटीकॉनवुलसांट इफेक्ट ऑफ हाइड्रोअल्कोहलिक एक्सट्रैक्ट ऑफ जिजाइफुस्जुजुबाः फार्माकोडायनमिक एंड फार्माकोकिनेटिक इंट्रैक्सन विद फेनीटोइन. यूर न्यूरोसाइकोफार्माकोल 2011; 21: एस274.

164. राय एस, नाग टी सी, माथुर आर, जैन एस. मोडुलेसन ऑफ विसुल सिस्टम डेवलपमेंट बाई प्रीनेटल ऑडिटरी स्टिमुलेसन इन चिक्स (गल्लुस डोमेस्टिकस). इंडियन जे फिजियोल फार्माकॉल 2011; 55 (सप्ल): 263.

165. सागर एस, कुमार एस, सिंगल एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी. इज डिजिटल इमेज एनफ इविडेंस टू सर्व एज ए टूल फॉर इंज्यूरी मैपिंग इन सर्जिकल ट्रॉमा पेसेन्ट? प्रोसिडिंग्स ऑफ द सेकेंड इंटरनेशलन कांफ्रेंस ऑन मेडिकल नेगलिजेंस एंड लाइटिगेसन इन मेडिकल प्रैक्टिस 21–22 फरवरी 2011, गोवा, इंडिया.

166. सागर एस, सिंघल एम, कटारिया के, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी. बर्डेन ऑफ मैक्सिलोफेसियल ट्रॉमा एट लेवल 1 ट्रॉमा सेन्टर. प्रीहॉस्पिटल डिजास्टर मेड 2011; 26 (सप्त एस 1): एस20–21.

167. सागर एस. इनिसियल एजेस्मेंट एंड मैनेजमेंट ऑफ ट्रॉमा पेसेन्ट. प्रोसिडिंग्स ऑफ मेडिकॉन 2011. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, सहारनपुर ब्रांच, एनुअल मीटिंग, सहारनपुर, 18 दिसम्बर 2011.

168. सागर एस. वुंड कवरेज इश्यू इन ट्रॉमा. प्रोसिडिंग्स ऑफ 12 इंटरनेशनल सर्जिकल कांग्रेस एंड मीटिंग ऑफ सोसायटी ऑफ सर्जन्स ऑफ बांगलादेश, 10–13 दिसम्बर, ढाका, बांगलादेश.

169. शंकरन पी एस, अंद्राबाई आर, कुमार आर, लोढ़ा आर, काबरा एस के, वाजपेयी एम, एट आल. क्रॉस–क्लैड न्यूट्रलाइजेसन पोसेनिसियल ऑफ द प्लाजमा ऑफ एंटीरेट्रोविरल नैव एच आई वी– 1 इंफेक्टेड चिल्ड्रेन फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. बी एम सी इंफेक्टेड डिज 2012; 12 (सप्ल 1): पी87.

170. सन्याल टी, नाग टी सी, वधवा एस. स्टेरियोलॉजिकल एस्टिमेसन ऑफ वाल्यूम, टोटल न्यूरॉन नम्बर एंड न्यूरोनल न्यूक्लियर एरिया ऑफ चिक ब्रेनस्टेम ऑडिटरी न्यूक्लाइ एंड हिप्पोकैम्पस फॉलोइंग प्रीनेंटल पैटर्नड एंड अनपैटर्नड साउंड स्टिमूलेसन. इंटल जे डेव न्यूरोसाइ 2012; 3: 18.

171. सरदाना आर, यादव एस एल, सिंह यू, वधवा एस, हांडा जी, मेहता एम, पांडेय आर एम. वर्डेन एंड स्ट्रेस इन केयर–गिवर्स ऑफ चिल्ड्रेन विद सेरेब्रल पाल्सी (अब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिज मेड रिहैब 2011; 22: 75–6.

172. सरदाना आर. एन इंपोर्टेंट काउज ऑफ शोल्डर पेन एंड विकनेस–यूजुअली ओवरलुक्ड (अब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिज मेड रिहैब 2011; 22: 111.

173. सरकारी ए, सिन्हा एस, महापात्रा ए के. माइक्रोसर्जिकल ट्रिटमेंट ऑफ जिएंट पिटयूटरी एडिनोमस इन चिल्ड्रेन एंड एडोलेसेन्टस. चाइल्डस नर्व सिस्ट 2011; 27: 1789–90.

174. ससी ए, देओरारी ए के, सक्सेना ए, कलैवानी एम, अग्रवाल आर, पॉल वी के. क्लिनिकल प्रीडिक्सन ऑफ हेमोडायनामिकली सिग्निफिकेंट पेटेंट डक्टस आरटेरिओसस इन प्रीटर्म. एब्सट्रैक्ट 752573, एस पी आर मीटिंग, कोलारडो, यू एस ए, मई 2011.

175. ससी ए, पॉल वी के, देवरारी ए के, चन्द्रकुमार एन, श्रीनिवास वी, अग्रवाल आर. ग्रेडेड ऑक्सिजन डिलेवरी यूजिंग लो फ्लो रोटामीटर ड्यूरिंग पोजिटिव प्रेसर वेटिंलेशन यूजिंग सेल्फ इंफ्लाटिंग बैग्स–एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी. अब्सट्रैक्ट 752565, एस पी आर मीटिंग, कोलारडो, यू एस ए, मई 2011.

176. सेन एस, शर्मा सी, पाल ए, कार आर, चट्टोपाध्याय पी पी, सिंह एन. केमोप्रेवेनटिव कुरकुमिन इंड्यूसेज डी एन ए डैमेज एंड एंटीओक्सिडेंट प्रोटिन इन स्कयूमस सेल लंग कारसिनोमा इन विट्रो (अब्सट्रैक्ट). प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोंस इन कैंसर रिसर्चः बायोलोजी टू प्रेवेंसन टू थेरेपी. सी89ः पेज 144:2011.

177. सेनगुप्त जे, घोश डी. एंटीमाइक्रोबियल पेप्टिड्स एंड अर्ली प्लेसनेशन. इंडियन ज फिजिओल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 17.

178. सेठ ए, भागिरथ डी, अब्रोल एन, शर्मा ए. एक्सप्रेसन ऑफ सी डी 147 इन पेसेन्टस विद नॉन–मसल इंवैसिव ट्रांसिटिओनल सेल कारसिनोमा ऑफ यूरिनरी ब्लाडरः यूटिलिटी एज ए मार्कर ऑफ प्रेजेन्स ऑफ ट्यूमर. यूरोलॉजी 2011; 78 (सप्ल 3ए): एस195.

179. सेठ ए, सैनी ए, सिंह पी, अग्रवाला एस, डोगरा पी. मैनेजमेंट ऑफ ब्लाडर एक्ट्रोफी एपिस्पेडियास कंप्लेक्स इन पेसेन्टस प्रेजेटिंग इन एडल्टहूड. यूरोलॉजी 2011: 78 (3ए): एस118.

180. शर्मा सी, सिंह एन. जेनेरेशन ऑफ एच पी वी 16 किमेरिक वायरस–लाइक पारटिकल्सः ए प्रूफ ऑफ कांसेप्ट (अब्सट्रेक्ट). प्रोसिडिंग्स ऑफ ए ए सी आर इंटल. कान्फ. ऑन न्यू होरिजोन्स इन कैंसर रिसर्चः बायोलॉजी टू प्रेवेंसन टू थेरेपी. 2011; ए59: पेज 83.

181. शर्मा जी, सिंह एच, पटेल सी, राय ए, शर्मा पी, एट आल. शॉट टर्म इफेक्ट ऑफ राइट वेन्ट्रीकलर आउटफ्लो ट्रैक्ट कंपेयरड विद कंवेंसनल एपिकल पासिंग ऑन लेफ्ट वेन्ट्रिकुलर फंक्शन एंड सायक्रोनी इन पेसेन्टस विद नॉर्मल बेसलाईन कार्डिक फंक्शन. पी ए सी ई 2011; 34: 1342.

182. शर्मा एम, अग्रवाल एस, नायर यू, मिश्रा ए, विक्रम एन, लुथरा के. रेड्यूस्ड एक्सप्रेसन ऑफ आई आर एस1 इन ह्यूमन एडिपोज टिश्यू विद नो मार्कड डिफरेंस बिटवीन सबुकेटेनियस एंड वि विजसेजल फैट डिपोट्स इन मोरबिड ओबसे डायबेटिक सब्जेक्टस ऑफ नॉर्थ एशियन इंडियंस. प्रासिडिंग्स ऑफ कंप्लीकेसंस ऑफ डायबिटिजः मैकानिज्म ऑफ इंज्यूरी एंड फेल्योर ऑफ रिपेयर. मार्च 2012, पी पी 305

183. शर्मा एम, रानी आर, लियान टी सी, मिश्रा डी, पंवार एच, अरूलसेल्वी एस, एट आल. ट्रॉमा पैथोलॉजी एक्सपिरियंस इन ए टेरटियरी केयर सेन्टर ओवर ए पिरियड ऑफ 20 मंथ्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, 9–13 नव 2011.

184. शर्मा पी, पटेल सी, महार्जन एस, सेलम के, मल्होत्रा ए. डज सी टी बेस्ड एटेनुएसन कॉरेक्शन ऑफ प्रोवाइड एनी इंक्रिमेंटल वैल्यू ओवर कंवेंशनल माईओकार्डियल परफ्यूजन स्पेक्ट फॉर डिटेक्शन ऑप इंफेरिअर वाल परफ्यूजन एबनॉर्मलिटिज? जे न्यूकल मेड मीटिंग अब्सट्रैक्ट 2011; 52: 439.

185. शर्मा एस, नाग टी सी भारद्वाज डी, ठक्कर ए, राय टी एस. ए स्टेरियोलॉजिकल थ्री–डिमिनेशनल रिकंस्ट्रक्शन ऑफ द ह्यूमन कोक्लियर न्यूक्लियर कंप्लेक्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ 41 एनुअल मीटिंग ऑफ द सोसायटी फॉर न्यूरोसाइंस, 2011 वाशिंगटन डी सी, ऑनलाइन, 12–16 नवम्बर 2011.

186. शर्मा एस, शर्मा आर, त्रिपाठी एम. ई ई जी कोहरेंस ड्यूरिंग वर्किंग टास्क इन पेसेन्टस विद मिल्ड कोग्निटिव इम्पैरमेंट एंड एल्जाइमर्स डिजीज. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 275.

187. शोकीन एस, जखल ए, गुप्ता ए, सागर एस, प्रिंसेज एम एस, सांगी एस, एट आल. रेफरल पैटर्न ऑफ केसिज रेफर्ड टू द एपेक्स लेवल 1 ट्रॉमा सेन्टर ऑफ इंडिया. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011. पेज 70.

188. शुक्ला जी, गुप्ता ए, पांडेय आर एम, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, बेहरी एम. वॉट फिचर्स डिफरेंटिएट यूनिलेटरल फ्रॉम बिलेटरल रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम? ए कम्पेरेटिव ऑब्जरवेशनल स्टडी ऑफ 195 पेसेन्टस. स्लीप मेड 2011; 12 सप्ल 1:एस1–एस130.

189. शुक्ला जी, कटोच जे, गोयल वी, श्रीवास्तव वी, बेहरी एम. लांग–टर्म इफेक्टिवनेस ऑफ क्लोबजाम इन पेसेन्टस विद रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सीः ए रिट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑन 165 इंडियन पेसेन्टस. एपिलेप्सी कुर्र 2012; 12 सप्ल 1: 2.267.

190. सिंह ए, पालानिकैमी जे से, कसाब एम ए, वर्मा पी, रामालिगम पी, भगत एम, एट ऑल. ट्रांसक्रिप्सनल साइलेंसिंग एंड हिस्टोन मेथीलेजन इंड्यूस्ड बाई डीएस आर एन ए टारगेटेड टू द एच आई वी– 1सी 5′ लीटर प्रोमोटर रिजन. एच आई वी वैक्सिन (एक्स5) मार्च 2012; पी पी 131.

191. सिंह ए एन, बंसल वी के, मिश्रा एम सी, कुमार एस, सागर आर. कंप्रीजन ऑफ क्रोनिक ग्रोइन पेन, टेस्टीकुलर फंक्संस एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ आफ्टर ओपेन एंड लैप्रोस्कोपिक इंग्यूनल हर्निया रिपेयर– ए प्रोसपेक्टिव रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. प्रोसिडिंग्स ऑफ दिल्ली स्टेट चाप्टर ऑफ ए एस आई, आर एम एल हॉस्पिटल, न्यू दिल्ली, फरवरी 2011.

192. सिंह ए एन, बंसल वी के, मिश्रा एम सी, कुमार एस, सिंह आर, कुमार ए, कुमार एस. टेस्टीक्यूलर फंक्संस, क्रोनिक ग्रोइन पेन एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ आफ्टर लैप्रोस्कोपिक एंड ओपेन मेश रिपेयर ऑफ इंग्यूनल हर्नियाः ए प्रोसपेक्टिव रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. सेल्सीकॉन 2011. प्रोसिडिंग्स ऑफ फोर्थ नेशनल कान्फ्रेंस ऑफ सेल्सी एट अहमदाबाद, 8–10 अक्टूबर 2011.

193. सिंह एच, सिंघल ए, पटेल सी, शर्मा पी, मल्होत्रा ए. क्वांटिटिव एसेसमेंट ऑफ वेनट्रीकुलर सायनक्रोनी यूजिंग इक्यूलिबरियम रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोग्राफी इन नॉर्मल सब्जेक्टस. जे न्यूकल मेड 2011; 52 (सप्ल 1): 1157.

194. सिंह एच, पटेल सी, शर्मा जी, नायक एन, मल्होत्रा ए. कंप्रीजन ऑफ इफेक्ट ऑफ राइट वेन्ट्रीक्यूलर आउटफ्लो ट्रैक्ट एंड एपिकल पासिंग ऑन लेफ्ट वेन्ट्रक्यूलर फंक्शन एंड सायनक्रोनी यूजिंग फेज एनालायसिस ऑन इक्यूलिबरिअम रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोग्राफी– ए सिक्स मंथ फॉलो–आप. जे न्यूक्ल मेड 2011; 52 (सप्ल 1): 167.

195. सिंह आई, फारूक एम, श्रीवास्तव ए के, सिंह एस, मुखर्जी एम. माइटोकोंड्रियल डी–लूप वैरीएशसंस इन इंडियन पेसेन्टस विद फ्रेंडरिच्स एटैक्सिया (एफ आर डी ए) मुटेसनः आडेन्टिफिकेशन ऑफ नोवेल मारकर्स. मुवमेंट डिसऑर्डर्स 2011; 26 सप्ल 2: एस10.

196. सिंह एल पी, दीपक के के, भारद्वाज ए. कार्डिक अटोनोमिक टोन ऑफ वकर्स इंगेज्ड इन कास्टिंग एंड फॉरगिंग इंडस्ट्रीः ए स्टडी इन इंडिया. इंडियन जे फिजियोअल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 105.

197. सिंह एम, गुप्ता वी, सुरी ए, कुमार आर, ठक्कर ए, महापात्रा ए के. क्रानियोफेसियल रेसक्शन फॉर स्कल बेस लेजियन पेडियाट्रिक पेसेन्टस. चाइल्डस नर्व सिस्ट 2011; 27: 1771–2.

198. सिंह एम, पदमा एम, प्रसाद के, बिहारी एम, भाटिया आर. टेकिंग द क्लिनिक टू द पेसेन्ट – ग्लिम्पसेज ऑफ एपिलेप्सी केयर बाई द लाइफलाइन एक्सप्रेस इन रूरल इंडिया. न्यूरोलॉजी 2012; 78:पी07. 118.

199. सिंह एम बी, भाटिया आर, पदमा एम वी, त्रिपाठी एम, प्रसाद के, बिहारी एम. काउजेज ऑफ ट्रिटमेंट गैप इन ए रूरल इंडियन पोपुलेशन इन द इयर 2011: शुड वी कंटिनियू टू ब्लेम इट ऑन लैक ऑफ अवेयरनेस? एपिलेप्सी 2011; 52 (सप्ल 6): 23–263 (पी363).

200. सिंह पी, नायक बी, डोगरा पी एन, सेठ ए, कुमार आर. यूरेटेरोवेशिकल टंगलः टेक्निक्स टू हैंडल. इंडियन जे यूरोल 2011; 27 (सप्ल 1): एस46.

201. सिंह वाई, शर्मा आर. रिलेशनसिप बिटवीन जेनरल इंटेलिजेंस, इमोशनल इंटेलिजेंस, स्ट्रेस लेवल्स एंड स्ट्रेस रिएक्टिविटी. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 255.

202. सिंघल एम, जानगिड एम, सोखी के के, बंकर एस, चौहान जी, कटारिया के. पेनलेस रिमोवल ऑफ वैक्यूम एसिस्टेड क्लोजर ड्रेसिंग, नेवर टेक्निक. प्रोसिडिंग्स ऑफ द 8 एशिया–पैसिफिक बर्न कांग्रेस एंड द थर्ड कांग्रेस ऑफ द एशियन वुंड हिलिंग एसोसिएशन, बैंकाक, अक्ट 2011.

203. सिंघल एम, सागर एस, कटारिया के, जंगिड एम, सोखी के. मदुरा फुट नो लॉगर ए नाइटमेयर. प्रोसिडिंग्स ऑफ द 8 एशिया–पैसिफिक बर्न कांग्रेस एंड द थर्ड कांग्रेस ऑफ द एशियन वुंड हिलिंग एसोसिएशन, बैंकाक, अक्ट 2011.

204. सोखी के, कटारिया के, सिंघल एम, सागर एस, जंगिड एम, गुप्ता ए, मिश्रा एम सी. प्रेसर सोर एट अनयूजुअल साइट– ए केस रिपोर्ट. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर, एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011. पेज 71.

205. सोखी के, गर्ग के, जंगिड एम, शीजा, सिंघल एम. इंसिडेंस ऑफ एनोरेक्सिया इन पेसेन्टस विद कंप्लेक्स ट्रॉमेटिक वुंडस. प्रोसिडिंग्स ऑफ द 8 एशिया–पैसिफिक बर्न कांग्रेस एंड द थर्ड कांग्रेस ऑफ द एशियन वुंड हिलिंग एसोसिएशन, बैंकाक, अक्टूबर 2011

206. सोखी के के, जंगिड एम, गर्ग के, सिंघल एम. प्रेवेलेन्स ऑफ प्रेसर सोर्स इन ट्रैकेस्टोमाइज्ड पेसेन्टस एंड इफेक्ट ऑफ एजुकेशन ऑन प्रेवेंसन. प्रोसिडिंग्स ऑफ द 8 एशिया–पैसिफिक बर्न कांग्रेस एंड द थर्ड कांग्रेस ऑफ द एशियन वुंड हिलिंग एसोसिएशन, बैंकाक, 2011

207. श्रीवास्तव ए के, फारूक एम, सिंह एस, झा पी, मुखर्जी एम, बिहारी एम. जिनोम वाइड एनालायसि ऑफ स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया 12 (एस सी ए 12) सबफेनोटाइप्स रिवेल्ड कार्ल क्यू21.3 रिजन एज ए पोटेंसिअल कैंडिडेट जेनेटिक मोडीफायर. मुवमेंट डिसऑर्डर्स 2011; 26 सप्ल (2): एस10–11.

208. श्रीवास्तव ए के, घोस डी, सेनगुप्त जे. डज डिपेंडेंट रिस्पोंस ऑफ ह्यूमन कोरिओनिक गोनाडोट्रोपिन ऑन ट्रांसक्रिप्टोमिक्स ऑफ ह्यूमन एंडोमेट्रियम सेल्स थ्री डिमेनसिओनली कल्चर्ड ऑन कोलाजेन बायोमैट्रिक्स फॉर 24 आवर्सः ए सिस्टम्स बायोलॉजी अप्रोच. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 80.

209. सुमलथा के बी, धीरज ए, सिंह यू. पैचीडर्मेडक्टायली (अब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिजि मेड रिहैब 2011; 22: 76.

210. सुमलथा. कंप्रेटिव स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ डाइक्लोफेंस एलॉन वर्सेस डाइक्लोफेंस विद अल्ट्रासाउंड थेरेपी इन पेसेन्टस विद प्लांटर फैसिटीज यूजिंग पेडोग्राफी (अब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिज्स मेड रिहैब 2011; 22:112.

211. सुनीथा एस, तलवार ए, महापात्रा एस सी, शर्मा आर. इफेक्ट ऑफ ओसिमम सैंक्टम लिन्न (तुलसी) लीफ एक्सट्रैक्ट ऑन कॉगनिसन (वर्किंग मेमोरी एंड सेलेक्टिव एटेंसन) इन हेल्दी ह्यूमन एडलट्स. इंडियन जे फिजिओल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 24.

212. सुरी ए, बंसल एस, महापात्रा ए के, सिंह एम, जुगुलर फोरमेन सकोनोमस : सिंगल इंस्टीट्यूशनल एक्सपिरियंस ऑफ 28 केसिज. जे न्यूरोल सर्ज बी 2012; 73: ए222.

213. सुरी ए, बंसल एस, शर्मा बी, महापात्रा ए के, काले एस एस, चन्द्रा पी एस, सिंह एम, कुमार आर, शर्मा एम एस. हाइपोग्लोस्सल सकोवानोमसः सिंगल इंस्टीट्यूशनल एक्सपिरियंस ऑफ 14 केसिज. जे न्यूरोल सर्ज बी 2012; 73: ए129.

214. सुरी ए. एक्स्ट्राड्यूरल ट्रांसकैवेरनोअस अप्रोच टू कैवरनोअस सिनुस हेमांगिओमास. स्कल बेस 2012; 22 सप्ल 1: 20

215. सुरी ए. पोस्टेरियर कैवरनोस इंटेरियर ट्रांसपेटरोजल पोस्टेरो–मेडियल रोमबोएड (डोलेंस–कवेस रोमबोएड) अप्रोच टू पोस्टेरियर कैवेरनोस एंड पेट्रोक्लिवल लेजियंस. जे न्यूरोल सर्ज बी 2012; 73: ए051.

216. सुरी वी, कुमार एस, मोहन एल, भगत यू, सुरी ए, शर्मा एम सी, सरकार सी. इवेलुएशन ऑफ मोलिक्यूलर अल्ट्रेसंस इन पेट्रोक्लिवालमेनिंगिओमस एंड देअर कोरिलेसन विद एक्सटेंट ऑफ ट्यूमर रिसेक्सन. जे न्यूरोल सर्ज बी 2012; 73: ए058.

217. तलवार ए, खरे पी, कष्ण कुमार एस. इफेक्ट ऑफ रिपेटिटिव एफोर्टस ऑन रेसपिरेट्री मस्कल स्ट्रेंथ टेस्टिंग इन नॉर्मल इंडियन सब्जेक्टस. एम जे रेसपिर क्रिट केयर मेड 2012; 185: ए5812.

218. टंडन वी, गर्ग के, महापात्रा ए के. माइलोसायसटिकल ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ 13 कंसरकुटिव केसिज ऑफ एम्स, एन डी, चाइल्डस नर्वस सिस्ट 2011; 27: 1830.

219. तेवतिया पी, बोस एस, मोहंती एस, भार्गव बी, ऐरन बी. प्रोमोटर ड्राइवेन एस्से फॉर एफिसिएंट इंरिचमेंट ऑफ प्योर कार्डियोमाइओसाइट्स फ्रॉम बोन मैरो डिराइवड मेसनचायमल स्टेम सेल्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ कार्डियावैसक्यूलर रिसर्च कंवर्जेस, एम्स फरवरी 2012.

220. तेवतिया पी, मोहंती एस. भार्गव बी, ऐरन बी. इन विट्रो डिफरेसंन पोटेंसिअल ऑफ ह्यूमन मेसिनकाइमल स्टेम सेल्स इनटू मेसोडर्मल लाइनेज; हेपैटोसाइट्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ फेडरेसन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटी ऑफ एशिया–ओसियानिया, न्यू दिल्ली मार्च 2012.

221. ठक्कर ए, महापात्रा ए के. इंडिकेसंस एंड इफिकेसी ऑफ ऑप्टिक नर्व डिकंप्रेसन फॉर ट्रॉमेटिक ओपटिक न्यूरोपैथी. आस्ट्रेलियन सोसायटी ऑफ ओटोलारिगोलॉजी हेड–नेक सर्जरी, 2012 एनुअल साइंटिफिक मीटिंग, अब्सट्रैक्ट बुक, पी 92.

222. ठक्कर ए, महापात्रा ए के. ऑप्टिक नर्व डिकंप्रेसन– रेशनल, इंडिकेसन, कोसंस, टाइमिंग, टेक्निक एंड रिजल्टस. फस्ट कांग्रेस ऑफ सी ई–ओ आर एल– एच एन एस (कांफेडरेसन ऑफ यूरोपीयन ओटोरिनोलारिंगोलॉजी हेड–नेक सर्जरी)– 2011 अब्सट्रैक्ट सी डी, इंस्ट्रक्शनल कोर्स आई सी 061, पेज 658;

223. ठक्कर ए, सिक्का के. क्राइकोथायरॉयड एपसेक्सिमेसन फॉर स्वालोविंग एंड स्पीच रिहैबिलिटेसन ऑफ हाई वैगल पैरालायसिस एसोसिएटेड विद स्कल बेस नियोप्लाज्मस. आस्ट्रेलियन सोसायटी ऑफ ओटोलारयंगोलॉजी हेड–नेक सर्जरी, 2012 एनुअल साइंटिफिक मीटिंग, अब्सट्रैक्ट बुक, पी 95.

224. ठक्कर ए, सिक्का के, वर्मा आर, प्रीतम सी. मैनेजमेंट ऑफ जुगुलोटाइपमेनिक पारागंगलिओमासः आवर एक्सपिरियंस इन इंडिया; स्कल बेसः एन इंटरडिसिपलिनरी अप्रोच. 2012, 22 एस1: पी 94

225. ठक्कर ए, सिक्का के. आइसोलेटेड क्राइकोथायरॉयड एप्रोक्सिमेसन फॉर वॉयस एंड स्वालोविंग रिहैबिलेसन ऑफ हाई वैगल पैरालायसिस. फस्ट कांग्रेस ऑफ सी ई– ओ आर एल– एच एन एस (कंफेडरेसन ऑफ यूरोपीयन ओटोरिनोलारयंगोलॉजी हेड–नेक सर्जरी)– 2011 अब्सट्रैक्ट सी डी, इवाइनटिड लेक्चर, के एन 077, पेज 642–3.

226. थरेजा जे, सागर एस, गर्ग डी, सिंघल एम, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा एम सी. एन अनयूजुअल मैक्सिलोफेसियल इंज्यूरी – ए केस रिपोर्ट. प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रॉमा 2011, फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, सी एम ई कम लाइव वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाई आई एस टी ए सी एंड जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेन्टर. एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 9–13 नवम्बर 2011. पेज 51.

227. त्रिवेदी एम, गुरूप्रसाद बी, चौधरी पी, फातमी एस एम ए, कुमार वी एल. एंटी–इंफ्लामेटरी इफेक्ट ऑफ एसटेसुमेट इन कैरागीनान इंड्यूस्ड पा एडेमा मॉडल. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 सप्ल 2: 18–19.

228. उप्पल एच, हांडा जी, सिंह यू, वधवा एस, यादव एस एल, पांडेय आर एम. कंप्रीजन ऑफ एंटिरियर एंड पोस्टेरियर एंकल फुट ओर्थोसिस इन फुट ड्रॉप पेसेन्टस बाई मेटाबोलिक एनालायसिस (अब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिजि मेड रिहैब 2011; 22: 75.

229. उप्पल एच. इम्पलसिव डिसिजन– ए लाइफ–लांग रिग्रेट (अब्सट्रैक्ट). इंडियन जे फिजिकल मेड रिहैब 2011; 22: 129.

230. वर्गिस बी, कालरा आर, लुथरा के, भाटला एन, कुमार आर, ढिंगरा आर. द इफेक्ट ऑफ सरकुलेटिंग एंजियोजेनेटिक फैक्टर्स ऑन ट्रोफोब्लासट एपोप्टोसिस: एस इन विट्रो स्टडी. प्लेसेंटा 2011; 32: ए148.

231. वर्मा एच, विल्सन वी, प्रभाकर पी, गुलाटी जी एस, सेठ एस, मौलिक एस के, एट आल. सिरियल इकोकार्डियोग्राफिक एसेसमेंट ऑफ चेंजिज इन लेफ्ट वेन्ट्रीकुलर फंक्सन ओवर लांग टर्म इन रैट मोडल्स ऑफ मायोकार्डियल इंफ्रैक्सन प्रोसिडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कार्डियोवास्सकुलर रिसर्च कनवरजेंस, एम्स, न्यू दिल्ली, इंडिया, 17–18 फरवरी, 2012

232. विवेकानांथ एस, सूद एस के, सेंथिल के एस, श्रीवास्तव ए. न्यूरल कोरिलेट्स ऑफ प्रिमिंग इन फेस वर्ड स्ट्रूप टास्क यूजिंग फंक्सनल इमैजिंग. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55 (सप्ल): 253.

233. वधवा एस, सान्याल चटर्जी टी, जैन एस, नाग टी सी. प्रीनैटल एक्सपोजर टू पैटर्नड एंड अनपैटर्नड नोआइज डिफरेंसियली इंफ्लूएंसेज स्पैसियल विहैवियर, मार्फोलॉजिकल एंड मोलिकुलर चेंजिज इन द चिक ब्रेन'. इंटल जे देव न्यूरोसाइ 2012; 03:305.

234. विल्सन वी, गुप्ता एन, रीता के एच, लक्ष्मी आर, सेठ एस, भाल वी के, मौलिक एस के. प्लाजमा एपेलिन रिस्पोंसेज इन पुलमोनरी आरट्री हाइपरटेंसन. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2011; 55: 103.

235. यादव आर, रायचौधरी ए, भुटिया ओ. मंडीबुलर लेंगथेनिंग बाई डिस्ट्रैक्सन ओस्टेओजेनेसिस इन रेट्रोजेनेथिक टेम्पोरोमंडिबुलर ज्वाइंट अंकीलोसिस पेसेन्टस सफरिंग फ्रॉम अब्सट्रक्टिव स्लीप अपनिया. जे ओरल मैक्सिलोफेक सर्ज 2011;.

236. जंजमेरा पी, शुक्ला जी, गुप्ता ए, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, बिहारी एम. इंप्रुवड स्लीप क्वालिटी इन मेडिकली रिफ्रैक्टरी पेसेन्टस अंडरगोइंग एपिलेप्सी सर्जरी– ए क्लिनिकल एंड पॉलीसोमनोग्राफिक स्टडी. एपिलेप्सिया 2011; 52 (सप्ल. 6): 151.

237.

पुस्तकों में अध्याय

1. अदकोली बी वी, दीपक के के. ब्लू प्रिंटिंग इन एसेसमेंट. इन: सिंह टी, अंशु (ईडीएस). प्रिंसिपल्स ऑफ एसेसमेंट इन मेडिकल एजुकेशन. न्यू दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012: 205–13.

2. अदकोली बी वी. एसेसमेंट ऑफ प्रोफेसनलिज्म एंड एथिक्स. इन: सिंह टी, अंशु (ईडीएस). प्रिंसिपल्स ऑफ एसेसमेंट इन मेडिकल एजुकेशन. न्यू दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012: 180–90.

3. अग्रवाल डी, महापात्रा ए के. बायोमैकेनिक्स ऑफ हेड इंज्यूरी. इन: टंडर पी एन, रामामूर्ति आर (ईडीएस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्ली: जेपी पब्लिशर्स; 2012: 314–17.

4. अग्रवाल डी, महापात्रा ए के. माइनर हेड इंज्यूरी. इन: महापात्रा ए के. टेक्सटबुक और ट्रॉमेटिक ब्रेन इंज्यूरी. फस्ट एड. न्यू दिल्ली: जेपी पब्लिशर्स; 2012: 84–6.

5. अग्रवाल डी, महापात्रा ए के. ट्रॉमेटिक ब्रेनस्टेम हेमैटोमा. इन: टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (ईडीएस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्ली: जेपी पब्लिशर्स; 2012: 453–6.

6. अग्रवाल डी, महापात्रा ए के. ट्रॉमेटिक ड्यूरल वेनस साइनस थ्रोमबोसिस. इन: महापात्रा ए के. टेक्सटबुक ऑफ ट्रॉमेटिक ब्रेन इंज्यूरी. फस्ट एड. न्यू दिल्ली: जेपी पब्लिशर्स; 2012: 253–4.

7. अहलूवालिया जी, शर्मा एस के. पुलमोनरी डिसऑडर्स– डायग्नोस्टिक प्रोसिडयोर्स. इन: मुंजाल वाई पी, शर्मा एस के (ईडीएस). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन, नाइंथ एड. न्यू दिल्ली: जेपी ब्रदर्स; 2012: 1695–700.

8. एलावधी पी, गुप्ता डी के, महापात्रा ए के. पेडियाट्रिक हेड इंज्यूरी. इन: सिंह एम (ईडीएस). टेक्सटबुक ऑफ पेडियाट्रिक इमरजेंसीज. 2012.

9. अली आर, राव डी एन. रिजेन्ट एडवांसमेंट इन डेवलपमेंट ऑफ वैक्सिंस अगेंस्ट वाई. पेस्टिस–ए पोसेंसल एजेंट ऑफ बायोटेरोरिज्म. इनः मोर्स एस ए (ईडीएस). बायोटेरोरिज्म. इंटेक ओपेन साइंस, चाप्टर–5, 83–106. आई एस बी एन 973–953–51–0205–2.
10. अरूलसेल्वी एस. ब्लड प्रोडक्ट ट्रांसफ्यूजन– द सोल्यूसन टू द कंफ्यूजन. मेडिसिन अपडेट 2011.
11. एसेसमेंट टूल्स फॉर अल्जाइमर्स एंड अदर डेमेनटिअस – एज पर इंडियन सेटिंग. इनः क्लिनिकल हैंडबुक ऑन डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ डेमेनटिया. कांनटेंट वोर्क्स पब्लिशर्स; 2012.
12. आजाद आर वी, चन्द्रा पी. स्क्रिनिंग रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्यूरिटी. इन आजाद आर वी, ट्रेस एम टी (ईडीएस). टेक्सटबुक ऑफ रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्यूरिटी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः वोल्टर्स क्लुवर (इंडिया) प्राइवेट लि., 2011: 87–100.
13. बाजपेयी ए, चन्द्रशेखर एस आर, जैन वी, भट्टाचार्य एस एस, मेनन पी एस एन. प्रोटोकॉल्स इन इंडोक्रिनोलॉजी. इनः उन्नी जे. आई ए पी ड्रग फर्मुलरी. थर्ड एड. (आई ए पी पब्लिकेशन); 2012
14. बाजपेयी जी, त्रिपाठी एम. मेन्सट्रल माइग्रेन. इनः मशरम सी. इंडियन क्लिनिकल अपडेट हैंडबुक्स न्यूरोलॉजी. अपडेट्स ऑन माइग्रेन स्पेशल सिचुएशंस. वायली इंडिया प्राइवेट लि. 2012: 14–16.
15. बाल सी एस, साहू एम. रोल ऑफ रेडिओइसाटोपोस इन थायरॉयड. इनः जयकुमार आर वी (एड). आई टी एस क्लिनिकल मैनुअल ऑफ थायरॉयड डिसऑडर्स. फस्ट एस. एल्सवेयर इंडिया. 2012:48–59.
16. बाल सी एस. रेडियोआयोडाइन इन हाइपरथायरॉयडिज्म. इनः जयकुमार आर वी (एड). आई टी एस क्लिनिकल मैनुअल ऑफ थायरॉयड डिसऑडर्स. फस्ट एड. एल्सवेयर इंडियाः 119–28.
17. बाल सी एस. रेडियोआयोडाइन इन थायरॉयड कैंसर. इनः जयकुमार आर वी (एड). आई टी एस क्लिनिकल मैनुअल ऑफ थायरॉयड डिसऑडर्स. फस्ट एड. एल्सवेयर इंडियाः 2012: 189–97.
18. भल्ला ए एस, गडोडिया ए. कंवेंसनल रेडियोलॉजी. इनः मुजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2012: 64–77.
19. भल्ला ए एस, कुमार ए, गुप्ता ए के, मुखोपाध्याय एस. इमैजिंग ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रेन. इनः सेठ वी, काबरा एस के (एड). एसेंसियल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रेन. फोर्थ एड. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 344–66
20. भल्ला ए एस, थुलकर एस. इमैजिंग ऑफ शॉफ्ट टिश्यू लेजियंस. इनः चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन (एड). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजीः मुस्कुलोस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमैजिंग. थर्ड एड. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 462–81.
21. भाटिया जे, आर्य डी एस. एंटीमाइक्रोबियल थेरेपी – एन ओवरव्यू. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012: 1051–7
22. भाटिया आर, कौल बी, दाश डी. सेरेब्रल वेनस थ्रोमबोसिस. इनः भाटिया आर, सिंह एम बी (एड). इमरजेंसीज इन न्यूरोलॉजी. न्यू दिल्लीः बाईवर्ड पब्लिशर्स; 2011.
23. भाटिया आर, सिंह एम बी, विभा डी, गर्ग ए. न्यूरोइमैजिंग, सी एस एफ, ई ई जी इन न्यूरोलॉजी इमरजेंसी. इनः भाटिया आर, सिंह एम बी (एड). इमरजेंसीज इन न्यूरोलॉजी. न्यू दिल्लीः बाईवर्ड पब्लिशर्स; 2011.
24. भाटिया आर, नंदावर एस, पबलो जी बी, दर डी. इंट्रासेरेब्रल हेमोरहग. इनः भाटिया आर, सिंह एम बी (एड). इमरजेंसीज इन न्यूरोलॉजी. न्यू दिल्लीः बाईवर्ड पब्लिशर्स; 2011.
25. भाटिया आर, सिंह आर बी. अप्रोच टू ए न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसी. इनः भाटिया आर, सिंह एम बी (एड). इमरजेंसीज इन न्यूरोलॉजी. न्यू दिल्लीः बाईवर्ड पब्लिशर्स; 2011.
26. भाटला एन, दाश बी बी. हूमैन पापिल्लोमावायरस एंड पारवोवायरस इंफेक्शन. इनः मुंजाल वाई पी शर्मा एस के (एड). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. वाल्यूम 2. न्यू दिल्लीः जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड; 2012: 1151–4.
27. भटनागर वी. सर्जिकल डिसऑडर्स. इनः श्रीवास्तव आर एन, काबरा एस के (एड). पेडियाट्रिक्स. न्यू दिल्लीः एल्सवेयर; 2011: 269–73.
28. चन्द्रा पी, आजाद आर वी. रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्यूरिटी. हिस्टोरिकल एस्पेक्टस. इनः आजाद आर वी, ट्रेस एम टी (ईडीएस). टेक्सटबुक ऑफ रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्यूरिटी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः वोल्टर्स क्लुवर (इंडिया); 2011: 1–12.
29. चन्द्रा पी एस, मेहता वी एस. ब्रेनस्टेम ग्लिओमस. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जे पी पब्लिशर्स; 2012: 1536–45.

30. चन्द्रा पी एस, टंडन पी एन. ब्रेन ट्यूमर्स. ए पी आई टेक्सटबुक, 2011.
31. चन्द्रा पी एस, येरामनी वी. इंज्यूरीज ऑफ द क्रायनिओवरटेब्रल जंक्शन एंड अपर सर्वाइकल स्पाइन. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जे पी पब्लिशर्स; 2012: 567–78.
32. चट्टोपाध्याय टी के. एडवांसेज इन गैस्ट्रोइंटेंशियल सर्जरी. इनः चट्टोपाध्याय टी के, साहनी पी, पाल एस (एड). जी आई सर्जरी एनुअल, वाल. 17. न्यू दिल्ली5 इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी; 2011: 106–52.
33. चौधरी आर, चौरसिया बी के, दास ए. माइकोप्लाजमा. इनः लियू डी (एड). मोलिक्यूलर डिटेक्शन ऑफ ह्यूमन बैकटेरियल पैथोजेंस. न्यू साउथ वाल्स, आस्ट्रेलियाः टेलर एंड फ्रांसिस; 2011.
34. चौधरी आर, शर्मा एन. बैक्टेरॉयड्स. इनः लियू डी (एड). मोलिक्यूलर डिटेक्शन ऑफ ह्यूमन बैक्टेरियल पैथोजेंस. न्यू साउथ वाल्स, आस्ट्रेलियाः टेलर एंड फ्रांसिस; 2011.
35. छाबरा जी, रंगराजन के, सुब्रमणियन ए, अग्रवाल डी. ह्वाइट ब्लड सेल्स इन हेड इंज्यूरी. इनः ब्रेन इंज्यूरी. बुक 1. आई एस बी एन 978–953–307–614–0.
36. दादा आर. डेवलपमेंट ऑफ गोंड्स एंड जर्म सेल्स. इनः तलवार पी, शर्मा आर के (एड). मैनुअल ऑफ एसिस्टड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजिस एंड क्लिनिकल इम्ब्रोलॉजी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2011: 3–15.
37. दाश जे, सक्सेना आर. फ्लो साइटोमेट्री इन नन–मलिगनांट हेमैटोलॉजिकल डिसऑडर्स. इनः रथी, अग्रवाल एम बी (एड). हेमैटोलॉजी टूडे. वाल्यूम 44. मुम्बईः डॉ. एम बी अग्रवाल; 2012: 657–70.
38. दीपक के के. हर्ट रेट वैरियबिलिटीः मोलिक्यूलर मेकनिज्म एंड क्लिनिकल इंप्लीकेशंस. इनः त्रिपाठी ऑन एट आल. (एड) हर्ट रेट एंड रायथम. बर्लिन, हेडिलबर्गः स्प्रिंगर– वर्लेग; 2011: 119–32.
39. धवन ए, देब के एस. सिच्यूशन अपडेट ऑन द एक्सटेंट, पैटर्न ऑफ ड्रग एबयूज इन स्ट्रीट चिल्ड्रेन. इनः ए ट्रेनर्स मैनुअल इन ड्रग यूज प्रेवेंसन, ट्रीटमेंट एंड केयर फॉर स्ट्रीट चिल्ड्रेन. न्यू दिल्लीः यू एन ओ डी सी–आर ओ एस एः 2011.
40. धवन ए, प्रशांत आर. ब्रिफ ओरिएंटेशन टू मेडिकल मैनेजमेंट ऑफ ड्रग एबयूज अमॉग स्ट्रीट चिल्ड्रेन. इनः ए ट्रेनर्स मैनुअल इन ड्रग यूज प्रेवेंसन, ट्रीटमेंट एंड केयर फॉर स्ट्रीट चिल्ड्रेन. न्यू दिल्लीः यू एन ओ डी सी–आर ओ एस एः 2011.
41. द्विवेदी एस एन. यूज ऑफ हियरैचिकल मोडल्स इन एनालाएसिस ऑफ पब्लिक हेल्थ डाटा. इनः भट्टाचार्या डी, रायचौधरी एस (एड). स्टैटिक्स इन सोसल साइंस एंड एग्रीकल्चर रिसर्च. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः कांसेप्ट पब्लिसिंग कंपनी; 2012: 96–108.
42. फारूक एम, मित्तल यू, श्रीवास्तव ए के, मुखर्जी एम. हरडिट्री स्नाइनोसेरेबेल्लर एटैक्सिस इन इंडिया. इनः कुमार डी (एड). जेनोमिक्स एंड हेल्थ इन द डेवल्पिंग वल्ड. चेन्नईः न्यूगेन पब्लिशंग एंड डाटा सर्विसेज; अक्टूबर 2011; चाप्टर 88.
43. गामनगट्टी एस, शर्मा आर. अप्रोच टू फोकल बोन लेजिओनः कंवेंशनल रेडियोग्राफी, सी टी, एम आर आई. इनः चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल (एड). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजीः मुसकुलोस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमैजिंग. थर्ड एड. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 3–19.
44. गर्ग बी, मल्होत्रा आर. इवोलुशन ऑफ स्पाइनल इंस्ट्रूमेंशन. मस्टेरिंग ऑर्थोपेडिक टक्निक्स – स्पाइन सर्जरी. संत लुईस, एन. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012; 1–26.
45. गीतालिसा ए ए, आजाद आर वी. पैथोजेनेसिस ऑफ रोप. इनः आजाद आर वी, ट्रेस एम टी (एड). टेक्सटबुक ऑफ रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्यूरिटी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः वल्टर्स कलुवर (इंडिया); 2011: 27–37.
46. गोपीशंकर एन, विवेकानन्दन एस, जिरासेक ए, काले एस एस, रथ जी के, थुलकर एस, सुब्रमनी वी, सेंथिल कुमारन एस, बिष्ट आर के. डिजिटल फिलटरिंग टेक्निक्स टू रेड्यूस इमेज नॉज एंड इमप्रोव डज रिसोलुशन इन एक्स–रे सी टी बेस्ड नॉरमोस्सिक जेल डोसीमेट्री. इनः गोपीशंकरन एन (एडिस). मोडर्न प्रैक्टिसेज इन रेडिएशन थेरेपी. इन टेक; 2012
47. गुलाटी जी, बग्गा ए. रिनल वैस्कुलिटिज एंड सिस्टेमिक ल्यूप्स एरायथेमाटोसस. इनः वासुदेव ए एस (एड). आई ए पी स्पेशलिटी सिरिज ऑन पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. सेकेंड एड. ग्वालियरः आई ए पी पब्लिशिंग हाऊस; 2012:182–90.
48. गुलेरिया आर, कुमार जे. एक्यूट रेस्पिरेट्री फेल्योर. इनः चावला आर, टोडी एस (एडिस). आई सी यू प्रोटोकॉल्स. न्यूयार्कः स्प्रिंगर; 2012: 17–22.
49. गुलेरिया आर, कुमार जे. हेमोपैथिसिस. इनः मुंजाल वाई पी (एडिस). ए पी आई टैक्सबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. 2012: 29–31.

50. गुप्ता डी, महापात्रा ए के. एंडोक्रिन एबनॉरमलिटिज फॉलोइंग ट्रॉमेटिक ब्रेन इंज्यूरीज. इनः टंडन पी एन, राममूर्ति आर (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः पेजी पब्लिशर्स; 2012: 502–12.
51. गुप्ता डी के, महापात्रा ए के. पेडियाट्रिक हेड इंज्यूरी. इनः सिंह एम (एड). टेक्सटबुक ऑफ पेडियाट्रिक इमरजेंसीज.
52. गुप्ता जी, टंडन आर. क्रोनियल डायस्ट्रोफिज. इनः चौधरी जेड, वनिथी एम (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ पोस्टग्रेजुएट ओपथालमोलॉजी. न्यू दिल्लीः जेपी–हाइलाइट्स मेडिकल पब्लिशसर्स, 2012: 430–50.
53. गुप्ता एस, कुमार बी. इंग्यूनल एंड फेमोरल बुबोज. इनः गुप्ता एस, कुमार बी (एडिस). सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्संस. न्यू दिल्लीः एल्सवेयर; 2012: 683–7,
54. गुप्ता वी, शंकरन पी, वासुदेवन एस. हाइप्रोस्मोटिक एजेंट्स. इनः अग्रवाल आर, अग्रवाल पी (एडिस). एसेंसियल ओकुलर फार्माकोलॉजी. फस्ट एड. 2011.
55. गुप्ता वी, शर्मा एस के. हिटेड हुमिडिफर. इनः एसक्यूंस ए एम (एउ). हुमिडिफिकेशन इन द इंटेंसिव केयर यूनिट. लंदन, यू केः स्प्रिंगर हिडलबर्ग डोरड्रेक्ट; 2012: 17–26.
56. हल्दर ए. क्लिनिकल एंड मोलिकुलर सायटोजेनेटिक्स. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. वोल 1. नाइंथ एड. 2012: 180–8.
57. हरि पी. यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन. इनः वासुदेव एज (एड). आई ए पी स्पेशलिटी सिरिज ऑन पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. सेकेंड एड. ग्वालियरः आई ए पी पब्लिशिंग हाऊस; 2012: 191–203.
58. हरि एस, भल्ला ए एस, थुलकर एस. बेनिग्न एंड मलिग्नैंट लेजियंस ऑफ द ब्रेस्ट. इनः चौधरी वी, गुप्ता ए के, खेडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजीः मुस्कुलोस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमैजिंग. थर्ड एड. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 482–507.
59. हरि एस, थुलकर एस, गुप्ता ए के. ए सिस्टमेटिक अप्रोच टू इमैजिंग ऑफ ब्रेस्ट लिजियंस. इनः चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजीः कुसुकुलोस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमैजिंग. थर्ड एड. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 451–81.
60. हेगड़े टी, चन्द्रा पी एस, एवालुएशन ऑफ न्यूरोसर्जिकल टेक्निक्स. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 3–17.
61. हेगड़े टी, चन्द्रा पी एस, हिस्ट्री ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 18–24.
62. जैन ए, शर्मा एम सी, सुरी वी, सरकार सी. मार्कर्स ऑफ रेक्रेंस इन मेनिंगियोमास. इनः बनर्जी डी, पौराणिक ए (एडिस). प्रोग्रेस इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज. वोल 26. 2012: 95–114.
63. जैन वी, अग्रवाल आर, देवरारी ए के, पॉल वी के. कांगेनिटल हायपोथायरॉयडिज्म. इन प्रोटोकॉल्स इन नियोनैटोलॉजी, थर्ड एड. इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स; 2012.
64. जैन वी, चेन एम, मेनन आर. डिसऑडर्स ऑफ कार्बोहाइड्रेट मेटाबोलिज्म. इनः ग्लेसन सी ए, देवासकर एस यू (एडिस). एवरिज डिजीज ऑफ द न्यूबोर्न. नाइंथ एड. फिलाडेल्फिया, पी एः एल्सवेयर; 2011.
65. जयसुन्दर आर. कंट्रास्टिंग अप्रोचेज टू हेल्थ एंड डिजीजः आयुर्वेद एंड बायोमेडिसिन, इनः सुजाता वी, अब्राहम एल (एडिस). मेडिकल प्लुरालिज्म इन कंटेम्परिरी इंडिया. ओरियंट ब्लैकस्वान, 2012: 37–58.
66. काबरा एस के, लोढ़ा आर. डेंगू हेमोरहैजिक फिवर एंड डेंगू शॉक सिंड्रो. इनः चौधरी पी, बग्गा ए, चुघ के, रामजी एस, गुप्ता पी (एडिस). प्रिंसिपल ऑफ पेडियाट्रिक एंड नियोनैटल इमरजेंसिज. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2011: 364–9.
67. काबरा एस के, शाह डी, गुप्ता पी. रेसपिरेट्री एंड कार्डियोवेसकुलर डिसऑडर्स. इनः गुप्ता पी (एड). एसेंसियल पेडियाट्रिक नर्सिंग. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः सी बी एस; 2011: 463–81.
68. कश्यप एस. इलुस्ट्रेटिव ओक्यूलर पैथोलॉजी. इनः पोस्ट ग्रेजुएट ओपैथलमोलॉजी फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012: 251–76.
69. कौर जी, मेहरा एन के. साइटोकिन गेने पोलीमोरफिज्मः मेथड्स ऑफ डिटेक्शन एंड बायोलॉजिकल सिग्निफिकेंस. इनः क्रिश्चियनसेन एफ, टैट बी (एडिस). इम्मुनोजेनेटिक्सः मेथड्स एंड एपलिकेशंस इन क्लिनिकल प्रैक्टिस. न्यूयार्कः स्प्रिंगर प्रोटोकॉल्स, ह्यूमन प्रेस; 2012: 549–68.
70. खादिलकर वी, जैन वी, एट आल. पेडियाट्रिक इंडोक्रिनोलॉजी सेक्शन. इनः पार्थसारथी ए, अग्रवाल आर, शाह एन के, येवाले वी एन (एडिस). आई ए पी कलर एटलस ऑफ पेडियाट्रिक्स. जेपी एंड आई ए पी पब्लिकेशंस; 2012

71. खाखा डी. साइकोसोशल एसपेक्ट ऑफ एच आई वी / एड्स. कोर्स II ब्लॉक 2, यूनिट 4. मैनुअल फॉर डिप्लोमा इन साइकिट्रिक नर्सिंग. न्यू दिल्लीः इग्नू; 2011.
72. खाखा डी. एनेक्जिटी डिसऑडर्स एंड फोबिक डिसऑडर्स थ्योरी. कोर्स II ब्लॉक 4, यूनिट 1. मैनुअल फॉर डिप्लोमा इन साइकिट्रिक नर्सिंग. न्यू दिल्लीः इग्नू; 2011.
73. खांडपुर एस, पहवा पी. कुटानियस ड्रग रिएक्शंस. इनः आई ए डी वी एल टेक्सटबुक ऑफ डर्मेटोलॉजी फॉर अंडरग्रेजुएट्स, फस्ट एड. 2012.
74. खांडपुर एस. क्रायोथेरेपी एंड स्कलेरोथेरेपी फॉर वैस्कुलर मालफोर्मेशंस. इनः मैसूर वी (एड). ए सी एस आई टेक्सटबुक ऑफ कुटानिअस एंड एस्थेटिक सर्जरी. फस्ट एड. जेपी ब्रदर्स; 2012.
75. खांडपुर एस. इंटरलेजिनल थेरेपी. इनः सहगल वी एन (एडिस). डरमेटोलॉजिक सर्जरी मेड एसे. सेकेंड एड. जेपी; 2012.
76. खिलनानी जी सी, हड्डा वी. मैकेनिकल वेंटीलेशनः जेनरल प्रिंसिपल एंड मोड्स. इनः जिंदल एस के (एड). टेक्सटबुक ऑफ पुलमोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशस (पी) लिमिटेड; 2011: 1799–817.
77. खिलनानी जी सी, हड्डा वी. नोनिनवैसिव वेंटीलेशन इनः जिंदल एस के (एड). टेक्सटबुक ऑफ पुलमोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशस (पी) लिमिटेड; 2011: 1818–32.
78. कष्पलानी ए, अवस्थी डी. फर्टिलिटी प्रेजर्वेसन इन एडोलेसेंट गर्ल्स मैकेनिकल वेंटीलेशनः जेनरल प्रिंसिपल एंड मोड्स. इनः जिंदल एस के (एड). टेक्सटबुक ऑफ पुलमोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशस (पी) लिमिटेड; 2011: 1799–817.
79. कष्पलानी ए, अवस्थी डी. सेकेंड ट्रिमेस्टर एबोर्सन – ओपटिमल यूज ऑफ प्रोस्टैगलैंडिंग्स. फोग्सी फोकस एस कंपरहैंसिव एबोर्सन केयर एंड पोस्ट एबोर्सन कंटर्सेप्सन, 2012:31–3.
80. कष्पलानी ए, कर्माकर डी. इंडोमेट्रियोसिस इन इंफर्टिलिटी. फोग्सी फोकस ऐज एडवांस्ड इंफर्टिलिटी मैनेजमेंट, 2011:44–7.
81. कुमार ए, गुप्ता ए के. इमैजिंग ऑफ अपेनिडीकुलर ट्रॉमा. इनः चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजीः मुस्कुलोस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमैजिंग. थर्ड एडेन. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012.
82. कुमार आर, हेमल ए के. रोबोटिक सर्जरी फॉर यूरोलिथिएसिस. इनः हेमल ए के, मेनन एम (एडिस). रोबोटिक्स इन गेनिटोयूरिनरी सर्जरी. न्यूयार्कः स्प्रिंगर; 201: 467–75.
83. कुमार आर, शांदल वी, शमिम एस. रेडियोन्यूकलाइड बोन इमैजिंग इन स्केलटल ट्यूबरकुलोसिस. इनः फोगेलमैन ई आई, ग्नानसेगरन जी, वेंडर माल एच. रेडियोन्यूकलाइड एंड हाइब्रिड बोन इमैजिंग. लंदनः स्प्रिंगर; 2011.
84. कुमार आर, शर्मा पी, मल्होत्रा. न्यूकिलियर मेडिसिन इमैजिंग टेक्निक्स. इनः गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन, चौधरी वी (एडिस). स्केलेटल इमैजिंग. जेपी ब्रदर्स; 2011.
85. कुमार आर, शर्मा पी, मल्होत्रा. पी ई टी–सी टी इन ब्रेस्ट कैंसर इमैजिंग टेक्निक्स. इनः गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन, चौधरी वी (एडिस). स्केलेटल इमैजिंग. जेपी ब्रदर्स; 2012.
86. कुमार यू. सजोग्रेन्स सिंड्रोमः इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. मुंबईः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड; 2012: 857–8.
87. महापात्रा ए के, गुप्ता डी. आप्टिक नर्व इंज्यूरी. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 513–30.
88. महापात्रा ए के, अग्रवाल डी. एंटेरिअर इनसेफलोसेल्स. इनः आई एस पी एन टेक्सटबुक ऑफ पेडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी. http://guide.ispneurosurgery.org/.
89. महापात्रा ए के, शर्मा एम एस, काले एस एस, खंडेलवाल ए, अग्रवाल डी. गामा नाइफ इन चिल्ड्रेन. इनः शर्मा एस (एड). प्रोसिडिंग्स बुक. थर्ड एनुअल कांफ्रेंस एंड वर्कशॉप ऑन रिसर्च, आई ए पी एस, 2011: 41–3.
90. महापात्रा ए के, वैद्ध वी, राजकुमार. एक्सट्राड्यूरल हेमाटोमस. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 440–5.
91. महापात्रा ए के. इनसेफालोकोएल्स. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 195–207.

92. महापात्रा एम, डोलाई टी के, राथोड एन. एप्लास्टिक एनिमियाः इश्यू इन मैनेजमेंट. इनः सक्सेना आर, पति एच, महापात्रा एम (एडिस). रिसेंट एडवांसेज इन हेमेटोलॉजीः 3. न्यू दिल्लीः जेपी; 2011: 187–193.
93. महापात्रा एम, सक्सेना आर. क्रोनिक लाइमफोसाइटिक लेयुकेमिया. इन मुंजाल वाई (एड). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. 2011: 970–3.
94. महापात्रा एम, राठी एस. अप्रोच टू पॉलीसाइथेमिया. इनः सक्सेना आर, पति एच, महापात्रा एम (एडिस). रिसेंट एडवांसेज इन हेमेटोलॉजीः 3. न्यू दिल्लीः जेपी; 2011: 194–210.
95. महापात्रा एम, सिंह ए. एप्लास्टिक एनिमियाः करेंट मैनेजमेंट इश्यू. इनः ठाकुर बी बी (एड). पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन. 26. 2012; 608–15.
96. महापात्रा एम, प्रवास एम. एलॉजेनिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांसन इन एप्लास्टिक एनिमिया. इनः महापात्रा एम (एड). हेमैटोलॉजी–2012; 2012; 23–6.
97. महापात्रा आर, नोरेगा डी सी. कंट्रोल्ड वर्टेब्रल आग्युमेंटेसनः स्पाइनजैक प्रोसिजर. इनः मास्ट्रिंग ऑर्थोपेडिक टेक्निक्स – स्पाइन सर्जरी. संत लुइस, एन. दिल्ली जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012; 327–40.
98. मल्होत्रा आर, सहगल आर. द न्यू फ्रांटियर्स ऑफ बोन फॉरमेसनः ए ब्रेकथ्रो इन पोस्टमेनोपॉजल ओस्टेओपोरोसिस मैनेजमेंट. इनः डेका डी (एड). रिसेंट एडवांसेज इन ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012.
99. मेहरा एन के, कौर जी. जेनामिक डाइवर्सिटी ऑफ एच एल ए इन द इंडियन पोपुलेशन, इनः कुमार डी (एड). जेनोमिक्स एंड हेल्थ इन द डेवलपिंग वल्ड. न्यूयार्कः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस; 2012: 908–15.
100. मेहरा एन के, सिद्दिकी जे ए. इमुनोलॉजी ऑफ आर्गन एंड हैमाटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रोसप्लांटेशन. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. मुम्बईः एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया; 2011: 164–8.
101. मेहरा आर डी, वार्ष्णेय एम के, कुमार पी. एस्ट्रॉर्जन मेडिएटेड न्यूरोप्रोटेक्सनः होप टू कम्बैट न्यूरोनल डेगनेरेशन एंड साइनेप्टिक प्लास्टिसीटी पोस्ट–मेनोपॉज. इनः ठाकुर एम के, रत्तन एस आई एस (एड). ब्रेन एगिंगः थेरापियूटिक इंटरवेंसंस. एम्सटर्डमः स्प्रिंगर; 2011.
102. मेन्निन एस, बर्च वी, कविजेरा ई, ट्रोंकॉन ई ए, सिंह टी, सूद आर. कल्चर, मेडिकल एजुकेशन एंड एसेसमेंट. इनः एमसी गही डब्ल्यू (एडिस). इंटरनेशनल बेस्ट प्रैक्टिसेज फॉर इवालुएशन इन हेल्थ प्रोफेशंस, ऑक्सओन, यू केः रेडक्लिफ पब्लिशिंग लिमिटेड; 2012.
103. मोहन ए, शर्मा एस के. एसिड–बेस डिसऑडर्स. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2012: 239–45.
104. मोहन ए, शर्मा एस के. सेप्सिस एंड अक्यूट रेसपिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2012: 256–62.
105. मोहन ए. लेजर थेरेपी. इनः पोप जे, तुचिन ए, चियू ए, हेनेमान्न एस (एड). हैंडबुक ऑफ बायोफोटोनिक्स. वोल.2: फोटोनिक्स फॉर हेल्थ केयर. फस्ट एस. विले–वी सी एच वर्लग जी एम बी एच एंड को, के जी ए ए; 2012: 491–502.
106. मोहंती बी के. इनः हैंडबुक फॉर सर्टिफिकेट कोर्स ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पालिएटिव केयर (आई ए पी सी). फोर्थ एड. 2011.
107. मूर्ति जी वी एस, गुप्ता एस के. कम्युनिटी ऑपथालमोलॉजी. इनः शर्मा पी (एड). एसेंशियल ऑफ ऑपथालमोलॉजी. न्यू दिल्ली टॉप पब्लिशिंअ कंपनी; 2011: 367–85.
108. नाग एच एल, नरंजे एस. इम्पोर्टेंस ऑफ फ्लेक्सिबिलिटी एक्सरसाइज. इनः मेदुरई एन (एड). वाकिंग, ब्रिस्क वाकिंग, जोगिंग, रनिंग. न्यू दिल्लीः टाइम्स ग्रुप बुक्स; 2012.
109. नाग एच एल, नरंजे एस. वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज सप्लीमेंटरी टू रनिंग. जॉगिंग एंड वाकिंग. इनः मेदुरई एन (एड). वाकिंग, ब्रिस्क वाकिंग, जोगिंग, रनिंग. न्यू दिल्लीः टाइम्स ग्रुप बुक्स; 2012.
110. न्यूरोसाइकोलॉजिकल रिहैबिलेशनः क्रिटिकल एनालायसिस. इनः न्यूरोसाइकोलॉजिकल रिहैबिलेशनः प्रिंसिपल्स एंड एप्लीकेशन. एल्सवेयर पब्लिकेशंस.
111. पैट्रिक एफ, गुप्ता एस, कुमार बी. इंफेक्टियस साइफिलिस. इनः गुप्ता एस, कुमार बी (एडिस). सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस. न्यू दिल्लीः एल्सवेयर; 2012: 429–57.

112. पट्टनायक आर डी, मेहता एम. चाइल्डहूड एंड एडोलेसेंट डिप्रेसन इनः नायर यू (एड). इंटरनेशनल हैंडबुक ऑन मेंटल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रेन एंड एडोलेसेंट्सः कल्चर, पॉलिसी एंड प्रैक्टिसेज. सगे इंडिया पब्लिशर्स; 2012.

113. पवार डी एडजुवांट्स टू लोकल एनेस्थेटिक्स इन पेडियाट्रिक एनेस्थिसिया. इनः बिस्सोनिटी बी (एड). पेडियाट्रिक एनेस्थेसियाः बेसिक प्रिंसिपल्स–स्टेट ऑफ द आर्ट–फ्यूचर. यू एस एः पिपुल्स मेडिकल पब्लिशिंग हाऊस; 2011: 473–90.

114. राय एस के. इनः तनेजा डी के. हेल्थ पॉलिसीज एंड प्रोग्राम्स इन इंडिया. टेंथ एड. न्यू दिल्लीः डॉक्टर पब्लिकेशन; 2012.

115. राजकुमार, कालरा एस, महापात्रा ए के. क्लिनिकल एसेसमेंट ऑफ ए हेड इंज्यूर्ड पेसेन्ट. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 406–10.

116. राजकुमार, कालरा एस, महापात्रा ए के. एपिडेमिओलॉजी ऑफ हेड इंज्यूरी. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 309–13.

117. राजकुमार, महापात्रा ए के. एडजुवांट थेरेपीज फॉर मलिगनांट ब्रेन ट्यूमरर्स. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 1596–600.

118. राजकुमार, वैद वी, महापात्रा ए के. डिफ्यूज एक्सोनल इंज्यूरी. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 370–7.

119. रंजन आर, ठाकुर ए, फिलस डी, वरगीज बी. न्यूप्लाजम्स ऑफ द नोज एंड पैरा नेजल सिनुसेज; इनः स्टाफिरी ए, सेबस्टियन पी, कापरे एम, वर्गेश बी, काजी आर (एडिस). एसेंसियल ऑफ हेड–नेक कैंसर. दिल्लीः बाईवड बुक्स; 2011: 150–60.

120. रथ जी के, शर्मा डी एन, बहल ए, हरेश के पी, जुल्का पी के. इंटरस्टिशियल ब्रेचीथेरेपी इन कैंसर कर्विक्स. इनः राजाराम एस, चित्रतारा के, महेश्वरी ए. सर्वाइकल कैंसरः कंटेम्परोरी मैनेजमेंट. फस्ट एड. जेपी पब्लिशर्स; 2012.

121. रथ जी के. प्रिंसिपल्स ऑफ रेडियोथेरेपी. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एडिसन. 2011.

122. रथ जी पी. रेटिओनल फॉर पेरियोपेरेटिव न्यूरोप्रोटेक्शन. इनः चन्द्रा यू, कुमरा वी पी, राधाकष्ष्णन बी, बसु एस एम, सहगल आर (एडिस). इयरबुक ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी (वोल्यूम 1). हैदराबादः पारस मेडिकल पब्लिशर्स; 2012: 123–35.

123. राय आर, दास पी. पैथोलॉजिकल एसपेक्ट्स ऑफ रिहैमटिक मिट्रल स्टेनोसिस. इनः हरिकष्ष्णन एस. परसुटानिअस मिअरल वालवोटोमी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2012: 24–33.

124. राय आर, धवन ए. सब्सटेंस डिपेंडेंसः नेशनल पॉलिसीज एंड प्राइओरिटीज. इनः कुल्हारा पी, अवस्थी ए, थिरूनावुकारसु एम, ग्रोवर एस, चंक्रवर्ती एस (एडिस). देम्स एंड इश्यूज इन कंटेम्पोरेरी इंडियन साइकेट्री. पब्लिकेशन कमिटी, इंडियन साइकेट्रिक सोसायटी 2011: 70–101.

125. रेड्डी बी एस एन, खांडपुर एस. गोनोकोक्कल इंफेक्शंस. इनः गुप्ता एस, कुमार बी (एडिस). सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस. न्यू दिल्लीः एल्सवेयर; 2012: 683–7.

126. रेड्डी बी एस एन, खांडपुर एस. लाइंफाग्रानुलोमा वेनेरिअम. इनः गुप्ता एस, कुमार बी (एडिस). सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस. न्यू दिल्लीः एल्सवेयर; 2012: 429–57.

127. सागर आर, कैलाश एस. कपल थेरेपी इन प्राइमरी केयर सेटिंग. इनः राव टी एस एस, राव पी, स्वामीनाथ (एडिस). आर्ट ऑफ साइकेट्री–रिलेशनसिप मैटर्स. इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकेट्री, 2011.

128. सागर एस, असुरी के, सिंघल एम. इनिसियल मैनेजमेंट ऑफ लाइफ थ्रिएटेनिंग वुंड्स. इनः साराभाई एस, तिवारी वी के (एडिस). प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिस ऑफ वुंड केयर. जेपी; 2012: 59–67.

129. सरकार सी, शर्मा एम सी. एम्ब्रायोनल ट्यूमर्स ऑफ द सेन्ट्रल नर्वस सिस्टम. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 1380–90.

130. सरकार सी, सूरी वी, शर्मा एम सी. ट्यूमर्स मारकर्स इन ट्यूमर्स ऑफ नर्वस सिस्टम. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर; 2012: 1439–45कृ

131. सक्सेना आर, महापात्रा एम. अप्रोच टू एडल्ट पेसेन्अ विद एनिमिया. इनः मुंजल वाई पी. ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. जेपी पब्लिशर्स; 2012: 922–5.

132. सक्सेना आर, सिन्हा ए. मैनेजमेंट ऑफ पैरालाटिक स्ट्राबिस्मस. इनः सर्जिकल टेक्निकस इन ऑपथलमोलॉजीः पेडियाट्रिक ऑपथालमिक सर्जरी. जेपी ब्रदर्स मिडिकल पब्लिशर्स; 2011: 798–812.

133. सक्सेना आर. हाइपरकोएगुलेबल डिजीज इन चिल्ड्रेन एंड इट्स डायग्नोस्टिक अप्रोच. इनः सचदेवा ए. प्रैक्टिकल हेमैटोलॉजी. जेपी पब्लिशर्स; 2012: 153–5.
134. सक्सेना आर. टी ए एफ आईः एन इंपोर्टेंट कंट्रीब्यूसन इन फाइब्रिनोलाइटिक सिस्टम. इनः रिसेंट एडवांस इन हेमैटोलॉजी. जेपी पब्लिशर्स; 2011: 60–6.
135. सक्सेना आर. फिजियोलॉजी ऑफ हेमोस्टेटिसः अप्रोच टू ए ब्लिडिंग डिसऑडर. इनः पार्थसारथी ए (एड). आई ए पी टेक्सबुक ऑफ पेडियाट्रिक्स. फोर्थ एड. जेपी पब्लिशर्स; 2011. 828–30.
136. सेठ आर, भाट ए एस. ऑंकोलॉजिक इमरजेंसीज. इनः काबरा एस के, लोढ़ा आर. पेडियाट्रिक इंटेंसिव केयर प्रोटोकॉल्स ऑफ एम्स. फस्ट एड. इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स; 2012. 136–52.
137. सेठ आर, होडगकिन लाइमफोमा. इनः सचदेवा ए, दत्त ए के. एडवांसेज इन पेडियाट्रिक्स. सेकेंड एड. जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012: 666–70.
138. सेठ आर, हेमैटोलॉजिकल इमरजेंसीज इन चिल्ड्रेन. इनः सिंह एम (एड). मेडिकल इमरजेंसीज इन चिल्ड्रेन. फिफ्थ एड. 2012; 620–36.
139. सेठ आर. ट्यूबरकुलोसिस एंड चाइल्डहूड मलिग्नैंसी. इनः सेठ वी काबरा एस के. एसेंसिएल्स ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रेन. फोर्थ एड. जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2011: 241–5.
140. सेठी एस, मेहता एम, शर्मा एस, पुश्कर एन. इमैजिंग ऑफ द आई एंड ओरबिट इन चिल्ड्रेन. इनः चौधरी जेड, वनाथी एम (एडिस). पोस्टग्रेजुएट ऑपथालमोलॉजी. वोल 1. फस्ट एड. दिल्लीः जेपी हाइलाइट्स मेडिकल पब्लिशर्स लिमिटेड; 2011: 1835–50.
141. सेथुरमन जी. जेनेटिक डिसऑर्डर्स ऑफ पिग्मेंटेसन. इनः स्केचनर एल ए, हंसेन आर सी (एड). पेडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी. न्यूयार्कः मोसबाई; 2011.
142. शम्सी एम बी, दादा आर. ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड ए आर टी. इनः तलवार पी, शर्मा आर के (एडिस). मैनुअल ऑल एसिस्टेड रेप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजीज एंड क्लिनिकल एंब्रोलॉजी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर; 2011: 86–93.
143. शरन पी. साइकोलॉजिकल हेल्थ. इनः इंटरनेशनल ट्रावेल एंड हेल्थ. जेनेवाः डब्ल्यू एच ओ; 2011
144. शर्मा ए. सेल साइकिल एंड बेसिक जेनेटिक्स. इनः कुमार आर टेक्सटबुक ऑफ ह्यूमन एम्ब्रोलॉजी. सेकेंड एड. न्यू दिल्लीः टॉप पब्लिशिंग हाऊस; 2011: 269–82.
145. शर्मा ए. इमुनोग्लोबिंसः स्ट्रक्चर एंड फंक्शन्स. इनः गुप्ता बी के, शर्मा ए (एड). इमुनोलॉजीः द बेसिक कांसेप्ट्स. न्यू दिल्लीः पीपी पब्लिशसर्स; 2012: 48–58.
146. शर्मा ए. इमुनोग्लोबिंस–जेनेटिक्स. इनः गुप्ता बी के, शर्मा ए (एड). इमुनोलॉजीः द बेसिक कांसेप्ट्स. न्यू दिल्लीः पीपी पब्लिशसर्स; 2012: 69–82.
147. शर्मा बी एस, चन्द्रा पी एस, साइस्टिसेरोकोसिस. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशसर्स; 2012: 778–93.
148. शर्मा बी एस, रामदुर्ग एस, चन्द्रा पी एस. ट्रिगमिनल सचवोनोमस. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशसर्स; 2012: 1792–6.
149. शर्मा बी एस, सिन्हा एस. इंट्राक्रानियल मेलानोसाइटिक ट्यूमर्स. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशसर्स; 2012.
150. शर्मा जी बी, शंकर एम. एनिमिया अपडेट इन प्रेगनेंसी. इनः मेहता एस, राजाराम एस, गोयल एन (एडिस). एडवांस इन ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी. फस्ट एड. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड; 2011: 3–27.
151. शर्मा जी बी, कर्माकर डी. एनिमिया इन प्रेगनेंसी. इनः मल्होत्रा एन, सुरी आर, मल्होत्रा जे (एडिस). डोनल स्कूल मैनुअल ऑफ प्रैक्टिकल प्रोब्लम्स इन ऑब्सट्रेटिक्स. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स लिमिटेड; 141–51.
152. शर्मा एम, अग्रवाल ए. पेडियाट्रिक्स. इनः कृष्णास्वामी एस, कृष्णन डी. क्लिनिकल डायटिटिक्स मैनुअल. इंडियन डायटिटिक्स एसोसिएशन; 2011: 88–120.
153. शर्मा एम, कपूर आर, सक्सेना आर. थ्रोमबोसाइटोपेनिया इन द एल्डर्ली. इनः रथी, अग्रवाल एम बी (एड). हेमैटोलॉजी टूडे. मुम्बईः डॉ. एम बी अग्रवाल; 2012; 115–22.
154. शर्मा एम सी, सरकार सी. न्यूरोनल एंड मिक्सड न्यूरोनल ग्लियल ट्यूमर्स. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 1461–76.

155. शर्मा एम सी, सरकार सी. पैथोलॉजी ऑफ हेड इंज्यूरी. इनः महापात्रा ए के, कुमार आर, कमल आर (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ ट्रॉमेटिक ब्रेन इंज्यूरी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्रा. लिमिटेड; 2012: 18–25.

156. शर्मा आर, गडोडिया ए. मैग्नेटिक रिसोनेंस इमैजिंग. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2012.

157. शर्मा आर, गामनगट्टी एस. मुस्कुलोस्केलेटल एम आर आईः प्रोटोकॉल्स, स्कैनिंग टेक्निक्स. इनः चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजीः मुस्कुलेस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमैजिंग. थर्ड एड. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 20–34.

158. शर्मा एस के, मोहन ए. मिलिअरी ट्यूबरकुलोसिस. इनः स्कॉल्सबर्ग डी (एड). ट्यूबरकुलोसिस एंड ननट्यूबरकुलोस माइकोबैक्टिरियल इंफेक्शंस. सिक्स्थ एड. वाशिंगटन, डी सीः ए एस एम प्रेस; 2011: 415–35.

159. शर्मा एस के, सोनेजा एम. डेंगू पनेउमोसोकल वैक्सिन – क्लिनिकल यूटिलिटी. इनः कामथ एस, नादकर एम वाई (एडिस). मेडिसिन अपडेट. एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया; 2012: 397–400.

160. शर्मा एस के. ए सोलिटरी रेडियोग्राफिक पुलमोनरी लेजियन. इनः स्ट्रैचन एम डब्ल्यू जे, शर्मा एस के, हंटर जे ए ए (एडिस). डेविडसंस 100 क्लिनिकल केसेज. सेकेंड एड. एडिनबर्ग, यू केः चर्चिल लिविंग्स्टन एल्सवेयर; 2012: 107–11.

161. शर्मा एस के. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुलमोनरी डिजीज. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2012: 1711–18.

162. शर्मा एस के. हेमोपैथीसिस. इनः स्ट्रैचन एम डब्ल्यू जे, शर्मा एस के, हंटर जे ए ए (एडिस). डेविडसंस 100 क्लिनिकल केसेज. सेकेंड एड. एडिनबर्ग, यू केः चर्चिल लिविंग्स्टन एल्सवेयर; 2012: 104–6.

163. शर्मा एस के. प्लेउरल इफ्यूजन. इनः स्ट्रैचन एम डब्ल्यू जे, शर्मा एस के, हंटर जे ए ए (एडिस). डेविडसंस 100 क्लिनिकल केसेज. सेकेंड एड. एडिनबर्ग, यू केः चर्चिल लिविंग्स्टन एल्सवेयर; 2012: 112–15.

164. शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर. क्रैक्टराइजेशन ऑफ ब्रेस एंड प्रोस्टेट टिश्यू बाई इन–वाइवो प्रोटॉन (1एच) एम आर स्पेकट्रोस्कोपी. इनः खेट्रापल सी एल, कुमार ए, रामानाथन के वी (एडिस). फ्यूचर डायरेक्संस ऑफ एन एम आर. स्प्रिंगर; 2011: 66–7.

165. शुक्ला जी. डिसऑडर्स ऑफ ऑटोनोमिक फंक्शन. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. जेपी ब्रदर्स मेड पब प्रा. लि; 2012.

166. सिंह एन, गुप्ता पी. हाइड्रोसलपिंक्स ए आर टी. इनः तलवार पी (एड). मैनुअल ऑफ एसिस्ट्ड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजीज एंड क्लिनिकल एम्ब्रोलॉजी. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा) लि; 2012: 811–14.

167. सिन्हा ए, बग्गा ए. पैथोजेनेसिस एंड जेनेटिक्स ऑफ नेफ्रोटिक सिंड्रोम. इनः श्रीवास्तव आर एन (एड). ई सी ए बी क्लिनिकल अपडेटः नेफ्रोलॉजी. न्यू दिल्लीः एल्सवेयर; 2011.

168. सिन्हा एस, रेवारी बी बी. मैनेजमेंट ऑफ एच आई वी एंड एच सी वी को–इंफेक्सन. मेडिसिन अपडेट, ए पी आई वोल. 21. 2011: 516–22

169. शिवानंदन एस, सिन्हा ए, जैन वी, लोढ़ा आर. मैनेजमेंट ऑफ डाइबेटिक केटाएसिडोसिस. इनः काबरा एस के, लोढ़ा आर (एडिस). पी आई सी यू प्रोटोकॉल्स ऑफ एम्स. इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स, 2010–11.

170. सूद आर. डेंगू फिवर. इनः कुमार एंड क्लार्कस क्लिनिकल मेडिसिन, एट एड.

171. सूद एस, भट एस, सिंघल आर, कुमार आर. इनोकुलम प्रेपरेशन. इनः मू– योंग एम (एड.) कंप्रहेंसिव बायोटेक्नोलॉजी. सेकेंड एड. स्पाइनः एल्सवेयर; 2011: 151–64.

172. श्रीनिवास एम, भटनागर वी. ऑब्सट्रेक्टिव नेफ्रोपैथी. इनः श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए (एडिस). पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, फिफ्थ एड. न्यू दिल्लीः जेपी; 2011: 433–50.

173. श्रीवास्तव ए के, अभिषेक. साइकोजेनिक पसेडोउडोसिजर्स. इनः बनर्जी डी पौराणिक ए (एड). प्रोग्रेस इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज. वोल 20. दिल्लीः बाईवड बुक्स प्राइवेट लि; फॉर न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; 2012: 151–63.

174. श्रीवास्तव ए के, फारूक एम. एटैक्सिया. इनः सिन्हा के के, सिन्हा डी के. मूवमेंट डिसऑडर्स. रांची फॉर द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, कॉलेज ऑफ फिजिशियंस. कैथोलिक प्रेस; 2012: 329–73.

175. श्रीवास्तव डी एन. एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंसंस इन मुस्कुलोस्केलेटल लेजियंस. इनः चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजीः मुस्कुलोस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमैजिंग. थर्ड एडन. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 49–63.

176. सुब्रमणियम ए, अग्रवाल डी, पोडेय आर एम, निमिया एम, अल्बर्ट वी. द लेयूकोसाइट काउंट, इमैच्योर ग्रानुलोसाइट काउुट एंड इमिडिएट आउटकम इन हेड इंज्यूरी पेसेन्ट्स. इनः अग्रवाल ए. ब्रेन इंज्यूरी – पैथेजेनेसिस, मॉनिटरिंग, रिकवरी एंड मैनेजमेंट. क्रोएटियाः इंटेक पब्लिशर्सस; 2012: 139–52. आई एस बी एन 978–953–307–614–0

177. सूरी ए, बोरकर एस, मिश्रा, एन के. पोस्टेरियर सरकुलेशन एनेयूराइस्म्स. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशसर्स; 2012. 996–1007.

178. सूरी ए, मिश्रा एस, गर्ग ए. अदर इंट्राक्रानियल सचवानोमा. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशसर्स; 2012. 1811–15.

179. सूरी ए, मिश्रा एस, गर्ग ए. स्पाइनल एपिडूरल एंड इंट्रामेडुलरी अब्सेस. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशसर्स; 2012. 718–22.

180. टंडन आर, सक्सेना आर, फुलिझेले एस. न्यूरो–ओपथलमोलॉजी. इनः टंडन पी एन, रामामूर्ति आर (एडिस). टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशसर्स; 2012. 54–67.

181. थुलकर एस, हरि एस. ब्रेस्ट इंटरवेंसंस. इनः चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजीः मुस्कुलोस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमैजिंग. थर्ड एड. दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2012: 5058–25.

182. त्रिखा ए, राजागणेश आर. मैनेजमेंट ऑफ वेस्ट एनेस्थेटिक गेसेज. इनः चन्द्रा यू. (एड). इयरबुक ऑफ एनेस्थेसिया वोल्यूम 1. हैदराबादः पारस मेडिकल पब्लिशर्स; 2012: 180–8.

183. त्रिपाठी एम, गुप्ता पी, सरत चन्द्र पी. इलेक्ट्रोडायग्नोसिस. इनः मुरली मनोहर एस, जैन पी के, कुगाटी जी. टेक्सटबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. थर्ड एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशसर्स (पी) लिमिटेड; 2012: 25–42.

184. त्रिपाठी एम, विभा डी. सोलिटरी स्मॉल इंहैंसिंग सी टी लेजियन. इनः मेडिसिन अपडेट. ए पी आई टेक्सटबुक. 2011: 248–52.

185. त्रिपाठी एम, विभा डी. डेमेनटियस. इनः टंडन पी एन, त्रिपाठी आर सी, श्रीनिवासन एन (एड). एक्सपेंडिंग होरिजोंस ऑफ द माइंड सोइंसेज. नोवा साइंस पब्लिशसर्स; 2012: 339–61.

186. त्यागी जे एस. वैल्यू ऑफ स्पुटम माइक्रोस्कोपी इन टी बी डायग्नोसिस एंड मेथड्स ऑफ इंप्रूविंग इट्स सेंसिटिविटी एंड दैट ऑफ एक्सट्रापुलमोनरी टी बी डायग्नोसिस. इनः प्रोसिडिंग्स ऑफ द इलेवेंथ सर दोराबजी टाटा साइम्पोजियम ऑफ डायग्नोस्टिक्स इन इंफेक्शंस. 2011: 164–8.

187. त्यागी एस, दास जे, शर्मा एम. थालास्सेमिया एंड हिमोग्लोबिनोपैथी. इनः अग्रवाल एम बी (एड) हेमैटोलॉजी टूडे. 2011.

188. त्यागी एस, शर्मा पी. सेकेंडरी ल्यूकेमिया. इनः रिसेंट एडवांसेज इन हेमैटोलॉजी– 3. 2011.

189. त्यागी एस, गुप्ता एस. मिनिमल रेसिड्यूल डिजीज (एम आर डी) डिटेक्शन इन एक्यूट ल्यूकेमिया. इनः रिसेंट एडवांसेज इन हेमैटोलॉजी–3; 2011.

190. त्यागी एस, जैन एस. प्लेटलेट फंक्शन टेस्ट्स इन जेनेटिक एंड एक्वायर्ड ब्लिडिंग डिसऑडर्स. इनः अग्रवाल एम बी (एड) हेमैटोलॉजी टूडे. 2012.

191. उधानी पी एम, गुलाटी एस, सेठ आर, कालरा वी, सेठ वी. केस स्टडीज. इनः सेठ वी, काबरा एस के. इसेंसियल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रेन. फोर्थ एड. जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2011: 180–99.

192. वेंकटेश पी. लेजर्स इन द पोस्टेरियर सेग्मेंट ऑफ द आई. इनः पोस्टग्रेजुएट ओपथालमोलॉजी. जेपी ब्रदर्स; 2011.

193. वेंकटेश पी. रेटिनल वैस्कुलर डिसऑडर्स. इनः पोस्टग्रेजुएट ओपथालमोलॉजी. जेपी ब्रदर्स; 2011.

194. वर्मा एस, गुप्ता एस. केलाइड एंड हाइपरथोरेपिक स्कार इनः मैसूर वी (एड). ए सी एस आई टेक्सटबुक ऑन कुटानिअस एंड एस्थेटिक सर्जरी. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012. 498–512.

195. विभा डी, शुक्ला जी. लाइम्फोसाइटिक कोरियोमेनिंगिटिस एंड अदर एरेना वायरस इंफेक्शंस. इनः मुंजाल वाई पी (एडिस). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. जेपी ब्रदर्स मेड पब प्रा. लि; 2012.

196. वैप्पलर ई ए, फेल्सजेघी के, वार्सेनी एम के, मेहरा आर डी, न्याकास सी, नैगी जेड. ब्रेन प्लास्टिसिटी फॉलोइंग इस्केमियाः इफेक्ट ऑफ एस्ट्रोजेन एंड अदर सेरेब्रोप्रोटेक्टिव ड्रग्स. इनः बलेस्ट्रिनो एम (एड). एडवांसेज इन द ट्रिटमेंट ऑफ इस्केमिक ट्रिटमेंट. क्रोएटियाः इंटेक पब्लिशर्स; 2012: 89–114.

पुस्तकें/मोनोग्राफ्स

1. अम्बेकर ए, यादव डी (एडिस). प्रोब्लम्स ऑफ सब्सटांस एब्यूज (ब्लॉक 1), एम सी एफ टी ई–003, सब्सटांस एब्यूज काउंसलिंग एंड थेरेपी. न्यू दिल्लीः इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू); 2011.
2. अम्बेकर ए, यादव डी (एडिस). थेरैपेयूटिक इंटरवेंसंस (ब्लॉक 2), एम सी एफ टी ई–003, सब्सटांस एब्यूज काउंसलिंग एंड थेरेपी. न्यू दिल्लीः इग्नू; 2011.
3. अम्बेकर ए. नॉर्थइस्ट इंडियाः फैक्टर्स इंफ्लूएंसिंग परफामेंस ऑफ आई डी यू टी आईएस – ए स्टडी रिपोर्ट (सबमिटेड टू यू एन ओ डी सी–आर ओ एस ए). न्यू दिल्लीः एन डी डी टी सी, एम्स; 2012.
4. अम्बेकर ए. रिचिंग आउट टू फिमेल पार्टनर्स ऑफ इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्सः ए ट्रेनिंग मैनुअल. न्यू दिल्लीः यू एन ओ डी सी 2011.
5. आजाद आर, ट्रेस एम टी. टेक्सटबुक ऑफ रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्यूरिटी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः वालल्टर्स क्लुवर (इंडिया); 2011.
6. बग्गा ए (सेक्सन एडिटर). सेक्सन ऑफ नेफ्रोलॉजी. पार्थसारथी ए (एड). आई ए पी टेक्सटबुक ऑफ पेडियाट्रिक्स. फिफ्थ एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिकेशंस; 2011.
7. बग्गा ए सिन्हा ए, गुलाटी ए. प्रोटोकॉल्स इन पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2011.
8. बिस्वास एन आर, गुप्ता वी (सेक्सन एडिटर्स). ओपथालमिक फार्माकोलॉजी. दूबे ए (एड) टेक्सटबुक ऑफ फार्माकोलॉजी. थर्ड एड. 2011.
9. चन्द्रा पी एस, टंडन पी एन. ब्रेन ट्यूमर्स. ए पी आई टेक्सटबुक, 2011
10. चट्टोपाध्याय टी के, साहनी पी, पाल एस (एडिस). जी. आई. सर्जरी एनुअल. ऑपरेटिव सप्लीमेंट. लिवर. न्यू दिल्लीः इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी; 2011.
11. चट्टोपाध्याय टी के, साहनी पी, पाल एस (एडिस). जी. आई. सर्जरी एनुअल. वोल. 17. न्यू दिल्लीः इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी; 2011.
12. गाले आर, सूद आर. मॉड्यूल 6. बुकलेटः मैनेजिंग मीटिंग्स एंड ग्रुप डिसिजन मेकिंग. देम 2ः एजुकेशनल मैनेजमेंट एंड लिडरशिप. डिस्टेंस लर्निंग रिसोर्सेज फॉर मेडिकल एजुकशन. लंदनः सेन्टर फॉर मेडिकल एजुकेशन इन कांटेक्सट (सेनमेडिक) एंड एफ ए आई एम ई आर सेन्टर फॉर डिस्टेंस लर्निंग; 2011.
13. गर्ग बी, मल्होत्रा आर (एडिस). मास्ट्रिंग ऑथ्रोपेडिक टेक्निक्स–स्पाइन सर्जरी. संत लुइस, न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012.
14. गुलाटी एस. टेन ट्रेनिंग मॉड्यूल्स फॉर न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑडर्स एज ए पार्ट ऑफ ए रिसर्च प्रोजेक्ट. टू डेवलप ए कंप्रहेंसिव ट्रेनिंग पैकेज फॉर होलिस्टिक एवालुएशन एंड मैनेजमेंट ऑफ चाइल्डहूड न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑडर्स. द डिसऑडर्स आर (i) एपिलेप्सी, (ii) सेरेब्रल प्लासी, (iii) न्यूरोमसकुलर डिसऑडर्स, (iv) ऑटिज्म, (v) एटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑडस (ए डी एच डी), (vi) लर्निंग डिसऑडर्स, (vii) हियरिंग इंपेरमेंट, (viii) विजन इंपरमेंट, (ix) स्पीच एंड लंगुएज डिसऑडर्स, एंड (x) इंटेलेकचुअल डिसएबिलिटीज (अर्लियर कॉल्ड मेंटल रेटर्डेसन).
15. गुप्ता एस एस, वशिष्ठ पी. रिपोर्ट ऑन रिच इन प्रोग्राम फॉर कैटरैक्ट स्क्रिनिंग एंड सर्जिकल सर्विसेज एट आर. पी. सेन्टर, एम्स, मार्च 2012.
16. जगन्नाथन एन आर, भुजवल्ला जेड एम (स्पेशल इश्यू एडिटर्स). ट्यूमर माइक्रोइंवारमेंट इन कैंसर ट्रिटमेंट एंड मेटास्टैसिस. एन एम आर बायोमेड 2011; 24ः 559–764.
17. खाखा डी. नीड्स एंड कंसर्नस ऑफ एडोलेसेन्ट्स. फंडामेंटल्स ऑफ एडोलेसेंस. फस्ट एड. न्यू दिल्लीः इग्नू; 2011.
18. मैथ्यू के जी, अग्रवाल पी. प्रेप मैनुअल फॉर अंडरग्रेजुएट–मेडिसिन. फोर्थ एड. दिल्लीः एल्सवेयर पब्लिकेसंस; 2012.
19. राय आर, धवन ए, अम्बेकर ए, इंप्लेमेंटिंग ओ एस टीः ए ट्रेनिंग मैनुअल फॉर सर्विस प्रोवाइडर्स. न्यू दिल्लीः डीएफआईडी टीएएसटी एंड नाको; 2011.
20. रेफ्रेंस मैनुअल ऑन ओरल हेल्थ फॉर एलोपैथिक एंड आयुश प्रैक्टिशनर्स. डेवलप्ड अंडर जीओआई–डब्ल्यू एच ओ कॉलाबोरेटिव प्रोग्राम (बाईएनिअम 2010–11). सेन्टर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, न्यू दिल्ली. 2011
21. रिपोर्ट ऑफ द एक्सपर्ट कमिटी ऑन द इश्यू ऑफ सेफ्टी ऑफ कंसप्सन ऑफ लौकी जूस. इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ रिसर्च, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फेमिली वेल्फेयर, न्यू दिल्ली, अगस्त 2011

22. सागर आर, देब के एस. रिव्यू ऑफ मेंटल हेल्थ सर्विसेज इन मालदीव्सः रिपोर्ट सबमिटेड डब्ल्यू एच ओ कंट्री ऑफिस, मालदीव्स एंड मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फेमिली, मालदीव्स; 2012.
23. सागर आर, यूकिल बी. एन एपिडेमिओलॉजिकल स्टडी टू ऐसेस द साइकेट्रिक मॉरबिडिटी इन सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स पर्सनल, सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सी आर पी एफ). मिनिस्ट्री ऑफ होम एफेयर्स एंड डिपार्टमेंट ऑफ साइकेट्री, एम्स; 2011.
24. सागर एस, कटारिया के, सिंघल एस. जेनरल मैनेजमेंट ऑफ बर्न पेसेंट. इनः चावला आर, तोडी एस (एडिस). आई सी यू प्रोटोकॉल्सः ए स्टेपवाइज अप्रोच. स्प्रिंगर, 2012: 535–43.
25. सक्सेना आर, पाती एच पी, महापात्रा एम. एटलस ऑफ डायग्नोस्टिक हेमैटोलॉजी. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2011.
26. सक्सेना आर, पाती एच पी, महापात्रा एम. रिसेंट एडवांसेज इन हेमैटोलॉजी–3. न्यू दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स; 2011.
27. सेठ आर. चाइल्डहूड कैंसरः ह्वाट पैरेन्ट्स मस्ट नो. ए मैनुअल फॉर पैरेन्ट्स. 2012.
28. शाह एन. टोबैको डिपेंडेंस ट्रिटमेंट गाईडलाइंस. नेशनल टोबैको कंट्रोल प्रोग्राम ऑफ द डाइरेक्ट्रेट जेनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फेमिली वेल्फेयर, गवर्मेंट ऑफ इंडिया; 2011
29. शरन पी, सागर आर. क्रॉस–कल्चरल डेवलपमेंट ऑफ ए डिप्रेसन आइडेंटीफिकेशन इंस्ट्रूमेंट फॉर एस ई ए आर ओ– फेज 5. डिपार्टमेंट ऑफ साइकेट्री, एम्स एंड डब्ल्यू एच ओ– एस ई ए आर ओ; 2011
30. शर्मा आर (सेक्सन एडिटर). रेडियोलॉजी. इनः मुंजाल वाई पी (एड). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2012.
31. सिंह एस, गुप्ता एस के, कांत एस. हॉस्पिटल इंफेक्सन कंट्रोल गाइडलाइंस. प्रिंसिपल एंड प्रैक्टिस. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2011. आई एस बी एन नंञ्ञः 978–93–5025–906–1.
32. स्टैंडर्ड ट्रिटमेंट प्रोटोकॉल्स फॉर हेल्थ प्रोफेशनल्स वर्किंग एट स्मॉल हॉस्पिटल्स इन एस ई ए आ ओ रिजन फॉर डब्ल्यू एच ओ (आर बिइंग पाइलट टेस्टेड).
33. स्ट्राचन एम डब्ल्यू जे, शर्मा एक के, हंटर जे ए ए (एडिस). डेविडसंस क्लिनिकल केसेज (सेकेंड एड). एडिनबर्ग, यू केः चर्चिल, लिविंग्सटन एल्सवेयर; 2011.
34. वशिष्ठ पी, गुप्ता एन, राव जी वी. रिपोर्ट ऑन कंप्रहेंसिव आई केयर स्ट्रेटेजिक प्लान फॉर मध्य प्रदेश. 2012. फैसिलिटेटेड बाई विजन 2020, राइट टू साइट इंडिया.
35. वर्मा आई सी, काबरा एस के (एडिस). एडवांसेज इन पेडियाट्रिक्स. वॉल्यूम 3. न्यू दिल्लीः इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स; 2011.
36. विज ए. ए ट्रिब्यूट टू लाइफ. (बुक ऑन ऑर्गन एंड टिश्यू डोनेशन); 2011.
37. वेबिनसर्ह ऑन सिक न्यूबोर्न केयर एंड ऑडिया विजुअल पोडकास्ट ऑन न्यूनैटल इक्विपमेंट फ्रिली एविलेवल ऑन www.newbornwhocc.org
38. वल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन. डब्ल्यू एच ओ मेंटल हेल्थ एटलस–2011. जेनेवाः डब्ल्यू एच ओ (शरन पी कंट्रीब्यूटेड टू टेक्निकल एडिटिंग).
39. यादव डी, अम्बेकर ए, धवन ए, अग्रवाल ए, मेहरा जे, सेठी एच. ओ एस टी प्रोग्राम इन गवर्मेंट हेल्थ केयर सेटिंग्सः ट्रिटमेंट कंप्लायंस एंड रेटेंसन (रिपोर्ट सबमिटेड टू डीएफआईडी टीएएसटी एंड नाको). न्यू दिल्लीः एन डी डी टी सी, एम्स; 2011.
40. मुंजाल वाई पी (एड). शर्मा एस के (एक्सक्यूटिव एड). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2011.
41. चन्द्रा पी एस. गाइडलाइंस फॉर पेसेंट्स विद नेक पेन. द 'हिल' प्रोग्रामः पेसेंट इंफार्मेशन हैंडबुक पब्लिशड इन कॉलबोरेसन विद सीमेट एम्स.
42. चन्द्रा पी एस. टेकिंग केयर ऑफ योर बैक. द 'हिल' प्रोग्रामः पेसेंट इंफार्मेशन हैंडबुक पब्लिशड इन कॉलबोरेसन विद सीमेट एम्स.
43. कुमार आर. टेक्सटबुक ऑफ ह्यूमन एम्ब्रोलॉजी. सेकेंड एड. न्यू दिल्लीः टॉप पब्लिशिंग हाऊस; 2011.
44. सिंघल एम, सागर एस (एडिस). वुंड एवालुएशन एंड ट्रिटमेंट स्किल्स. 2012.

13.1 वित्त प्रभाग

वरिष्ठ वित्त सलाहकार

श्री संदीप लाल

वित्त सलाहकार

श्रीमती बसंती दलाल

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

श्री सुनील कुमार | श्री सतीश खुराना

लेखा अधिकारीगण

श्री डी. पी. गंगल	श्री भौमसिंह	श्री एस. एस. यादव
श्री एम. एस. नेगी	श्री एम. जे. राजदान	श्री एम. के. भट्ट
श्री आर. के. शर्मा	श्री एस. के. जैन	श्री ए. के. शर्मा
	श्री एस. के. टीकू	

संस्थान भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से "योजना" एवं "गैर-योजना" शीर्ष के तहत अनुदान प्राप्त करता है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार, वी.वी.आई.पी. उपचार एवं नर्सिंग महाविद्यालय आदि के लिए भी अलग से योजना अनुदान प्राप्त किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु आई.सी.एम.आर, डी.एस.टी, सी.एस.आई.आर., डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, डी.बी.टी. आदि जैसी विभिन्न बाह्य फंडिंग एजेंसियों से बाहरी अनुदान भी प्राप्त होता है। भारत सरकार एवं अन्य एजेंसियों से योजना एवं गैर-योजना अनुदान के रूप में प्राप्त अनुदानों को अति विशिष्ट केंद्रों /विभागों / अनुसंधान अनुभाग को उनकी परियोजनाओं / आवश्यकताओं के अनुसार आगे आबंटित किया जाता है।

संस्थान का वित्त प्रभाग संबद्ध केंद्रों / यूनिटों / विभागों से मासिक व्यय विवरण मंगाकर उपर्युक्त निधियों / बजट के निष्पादित व्यय की निगरानी / नियंत्रण करता है और दिन प्रतिदिन के वित्तीय मामले, संकाय एवं स्टाफ को वेतन का भुगतान, व्यक्तिगत दावों का भुगतान, संस्थान के संबंधित कर्मचारियों की पेंशन एवं सामान्य भविष्य निधि तथा ठेकेदारों / सप्लायरों को भुगतान का भी संचालन करता है। भुगतान करते समय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित सभी जांच-बिंदुओं का संबद्ध आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा पालन किया जा रहा है। वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी और लेखा अधिकारी द्वारा जब भी आवश्यकता होती है वित्तीय परामर्श भी प्रदान किया जाता है।

उपर्युक्त सभी कार्यों को वित्त सलाहकार, वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारियों (एफ एंड सीएओ) / लेखा अधिकारियों द्वारा वरिष्ठ वित्त सलाहकार के समग्र नियंत्रण में निष्पादित किया जाता है। समीक्ष्य वर्ष 2011-12 के दौरान उक्त अधिकारियों के सम्मुख दर्शाये अनुसार पदों का कार्यभार संभाला।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के लिए

वर्ष 2010-11 एवं 2011-12 हेतु वास्तविक व्यय के आँकड़े तथा वर्ष 2012-13 का बजट आकलन

(रुपये करोड़ में)

शीर्ष/उपशीर्ष	वास्तविक व्यय						स्वीकृत बजट आंकलन		
	2010-11			2011-12			2012-13		
	योजना		गैर-योजना	योजना		गैर-योजना	योजना		गैर-योजना
	राजस्व (छ)	पूंजी(ढ)		राजस्व (छ)	पूंजी(ढ)		राजस्व (छ)	पूंजी(ढ)	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
क. (मुख्य संस्थान)									
वेतन एवं भत्ते सहित एलएस एवं पीसी वृत्तिका आदि	13.99	-	265.31	12.72	-	290.64	16.90	-	291.00
लघु निर्माण	22.40	-	-	27.41	-	-	25.00	-	-
बड़े निर्माण		40.84	-	-	93.22	-	-	70.00	-
मशीनरी एवं उपकरण	-	86.74	5.72	6.60	74.21	2.68	6.50	100.00	1.80
सामग्री एवं आपूर्ति	-	-	150.6	-	-	161.96	-	-	92.07
भवन अनुरक्षण	-	-	9.52	-	-	12.14	-	-	5.40
पेंशन एवं अन्य पेंशन लाभ	-	-	41.73	-	-	49.53	-	-	50.00
वसूलनीय अग्रिम	-	-	-	-	-	0.45	-	-	0.45
भवन निर्माण अग्रिम	-	-	-	-	-	0.07	-	-	0.18
संस्थान अनुसंधान अनुदान	-	-	-	2.94	-	-	4.00	-	-
पुस्तकें एवं प्रकाशन (सामग्री एवं आपूर्ति)	5.39	-	-	6.74	-	-	6.50	-	-
सम्मेलन/संगोष्ठी	-	-	-	1.17	-	-	2.25	-	-
आवर्ती निधि	-	-	6.13	-	-	-	-	-	-
कंप्यूटरीकरण	1.07	-	-	9.60	-	-	18.50	-	-
कुल क	**42.85**	**127.58**	**479.01**	**67.18**	**167.43**	**517.47**	**79.65**	**170.00**	**440.90**
ख. अतिविष्टिताएं									
ह.तं. केंद्र	10.17	52.50	105.05	8.55	28.61	116.74	16.80	40.00	105.10
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्र	4.03	21.95	55.35	8.52	27.36	59.41	10.40	30.00	45.20
डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कें.अ.	1.70	12.15	41.69	2.02	5.00	51.18	2.05	10.00	43.40
जे.पी.एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	64.26	37.43	-	80.45	15.78	-	93.00	15.00	-
दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	4.79	2.21	-	4.29	0.60	-	5.10	2.00	-
कुल ख	84.95	126.24	202.09	103.83	77.35	227.33	127.35	97.00	193.70
कुल (क एवं ख)	**127.80**	**253.82**	**681.10**	**171.01**	**244.78**	**744.80**	**207.00**	**267.00**	**634.60**
ग राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र	7.90			9.00					
महायोग	**135.70**	**714.85**	**681.10**	**253.82**	**681.10**	**744.80**	**246.45**	**610.00**	

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अप्रैल 2011 से मार्च 2012 तक राजस्व प्राप्ति दर्शाने वाला विवरण

(रु. लाख में)

अ.भा.आ.सं.(मुख्य)	ह.तं.केंद्र	रा.प्र.केंद्र	डॉ.बी.आर.अ. सं.रो.कें.अ.	जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	कुल
6981.81	827.88	1743.88	239.79	323.52	15.85	10132.73
6981.81	**827.88**	**1743.88**	**239.79**	**323.52**	**15.85**	**10132.73**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

वर्ष 2011-2012 का

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

अ. भा. आ. सं. (मुख्य) (क) (राशि रुपयों में)

	प्राप्तियां		2011-12	2010-11
1	**अथशेष**			
क.	**बैंक में नकद**			
i)	(क) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	452534434		
	(ख) अ. भा. आ. सं. (मुख्य) के पास बचे हुए विशेष अनुदानों का अव्ययित शेष	408232569	860767003	835060477
	ii) स्कीम सेल		62074945	168733316
ख.	**नकद राशि (अग्रदाय)**			
i)	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	क) कोषाध्यक्ष की रोकड़ पुस्तक के अनुसार शेष	599950		
	ख) कोषाध्यक्ष द्वारा भुगतान की गई अतिरिक्त राशि	307426	292524	281524
ग.	**अवितरित राशि**			
i)	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
ii)	स्कीम सेल		384882	325606
घ.	**निर्धन रोगी खाता**			
i)	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	क) नकद / बैंक		1475638	1175983
	ख) एफ. डी. आर.		984180	984180
ङ.	**रोगी उपचार खाता**			
	अ. भा. आ. सं.		64128212	49928749
च	**छात्रावास**			
	क) नकद राशि		32881	18666
	ख) बैंक में नकद		322179	304695
	ग) एफडीआर		4121000	3792601
छ	**जराचिकित्सा विभाग**			
	क) बैंक में नकद		0	
2	**भारत सरकार से अनुदान**			
क)	योजना			
	i) पूंजी परिसंपति (नई) का सृजन		2464500000	2490000000
	ii) सहायता अनुदान सामान्य (योजना)		1659000000	1310000000
ख)	सहायता अनुदान (गैर योजना)		6500000000	6050000000
ग)	एन. डी. डी. टी. सी.		90000000	79000000
घ)	चूक समिति		1055100000	317500000
3	विविध प्राप्तियां		250076174	149321385

	भुगतान		2011-12	2010-11
1	**केन्द्रों /स्कीम सेल को अंतरित अनुदान**			
क.	**डॉ. रा. प्र. केन्द्र**			
i)	योजना			
	क) पूंजी परिसंपत्ति (नई) का सृजन	273600000		200000000
	ख) सहायता अनुदान सामान्य	85200000		45000000
ii)	सहायता अनुदान (गैर योजना)	500000000	858800000	428500000
ख.	**हृदय तंत्रिका केन्द्र**			
i)	योजना			
	क) पूंजी परिसंपत्ति (नई) का सृजन	250000000		534110000
	ख) सहायता अनुदान सामान्य	85600000		100000000
ii)	सहायता अनुदान (गैर योजना)	1050065000		974600000
iii)	अ.भा.आ.सं. (मुख्य) की प्राप्तियों से अंतरण	20000000	1405665000	
ग.	**राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र**			
i)	योजना		90000000	79000000
घ.	**स्कीम सेल**			
i)	प्राप्तियों के लिए अनुदान		694691738	370844809
ii)	राष्ट्रीय सेवा योजना हेतु गैर-योजना अनुदान			
iii)	संस्थान अनुसंधान अनुदान		28403000	
ङ.	**डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.**			
i)	योजना			
	क) पूंजी परिसंपत्ति (नई) का सृजन	50000000		118000000
	ख) सहायता अनुदान सामान्य	20500000		17000000
ii)	सहायता अनुदान (गैर योजना)	466000000		388600000
iii)	अ.भा.आ.सं. (मुख्य) की प्राप्तियों से अंतरण	20000000	556500000	
च.	**जे. पी. एन. एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र**			
	योजना			
	i) पूंजी परिसंपत्ति (नई) का सृजन	158900000		360000000
	ii) सहायता अनुदान सामान्य	804700000	963600000	649600000
छ.	**दन्त शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र**			
	योजना			
	i) पूंजी परिसंपत्ति (नई) का सृजन	6000000		28000000
	ii) सहायता अनुदान सामान्य	42962000	48962000	46900000
2	**प्रशासनिक व्यय**			
	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	क) वेतन एवं भत्ते		2779826670	2546333850

4	अस्पताल प्राप्तियां	126446267	129321693
5	ब्याज	166972091	59429152
6	लाइसेंस शुल्क	23076241	21945641
7	शिक्षण शुल्क / परीक्षा शुल्क	22658306	13364877
8	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ई.एच.एस.)	36062621	29459258
9	बर्तन निधि	28740	407585
10	कर्मचारी बीमा योजना	15700661	15509969
11	सामान्य भविष्य निधि	390137488	358861099
12	बाह्य वसूलियां	380407494	302996544
13	जमानत जमा / बयाना राशि	55438282	39561396
14	अवधान राशि	19375	45300
15	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	1327296	
16	वसूलनीय अग्रिम		
	क) कार	751328	909476
	ख) स्कूटर / मोटर साइकिल	621528	653059
	ग) साइकिल	5980	7740
	घ) भवन निर्माण अग्रिम	3435779	3659377
	ङ) कंप्यूटर	1287845	1205970
	च) त्योहार	2629675	1665700
17	प्रसवोत्तर कार्यक्रम (प्रोत्साहन राशि)	400000	600000
18	विशिष्ट उद्देश्यों हेतु प्राप्त अनुदान परिशिष्ट - क (स्कीम सेल)	627878595	513437406
19	योजनाएं		
i)	प्राप्ति के बदले अनुदान	686816150	370844809
ii)	एम्स से अंतरित अनुदान गैर योजना		
iii)	प्रत्यक्ष प्राप्त	58934952	42186657
iv)	एम्स से आईआरजी अनुदान	28403000	
20	विविध दान (परिशिष्ट - घ)	425337	290450
21	आवर्ती निधि	72098705	70164253
22	नई पेंशन योजना	44190751	32865457
23	कोकलियर इम्पलांट रोगी उपचार खाता	34829450	36724000

	ख) यात्रा भत्ते		29040465	20592177
	ग) छात्रवृत्ति		14872905	12510578
	घ) अवकाश वेतन एवं पेशन अंशदान		4375538	3264658
	ङ) पेंशन लाभ		495281233	417243159
3	कार्यालय आकस्मिकता		413065126	390215797
4	सामग्री एवं आपूर्ति (गैर योजना)		1106674133	1072307522
5	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण		26774871	57160004
6	भवन अनुरक्षण		121365634	95161141
7	कर्मचारी बीमा योजना		12378868	15725503
8	सामान्य भविष्य निधि		390137488	358861099
9	वसूलनीय अग्रिम			
	क) कार		180000	180000
	ख) स्कूटर / मोटर साइकिल		658000	628000
	ग) साइकिल		9000	6000
	घ) भवन निर्माण अग्रिम		702539	2525300
	ङ) कंप्यूटर		720000	750000
	च) त्योहार		2984250	2400000
10	विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान में से व्यय (स्कीम सेल)			
	i) परिशिष्ट - क	635004546		
	ii) वर्ष 2010-2011 की अवितरित जमा राशि का भुगतान अब	384882		
	iii) वर्ष 2011-12 की अवितरित न्यून राशि	197351	635192077	519630561
11	प्रसवोत्तर कार्यक्रम (प्रोत्साहन राशि)		545175	684780
12	फर्नीचर एवं उपस्कर		1517285	2339116
13	पुस्तकें एवं प्रकाशन		25508255	16783481
14	योजना			
	क) वेतन		127190439	117141981
	ख) स्पेयर एवं एसेसरीज		65991491	22803071
	ग) मशीनरी एवं उपकरण		216031990	375775377
	घ) सं. रो. कैं. अ. प्राप्ति से मूत्र रोग विज्ञान का व्यय		1000000	
	ङ) भवन निर्माण			-
	i) बड़े कार्य		109914765	67506447
	ii) लघु कार्य		272586165	200344038
	च) संस्थान अनुसंधान अनुदान		989933	
	छ) कंप्यूटरीकृत		700309	
	ज) यात्रा भत्ते		11692798	

24	जमा कार्य		
(क)	श्री साईं विश्राम सदन	75000	
(ख)	एमटीएनएल को आयुर्विज्ञान नगर में केबल के लिए	42000	
25	कोषाध्यक्ष द्वारा अतिरिक्त भुगतान की वसूली		
	क) वसूली		307426
	ख) ब्याज		175542
26	जननी सुरक्षा योजना (जे.एस.वाई)	26000	26000
27	मूत्ररोग विज्ञान हेतु सं. रो. कै. अ. के तहत (योजना) से प्राप्त	1000000	
28	ट्रॉमा केंद्र द्वारा जमा किया गया सीमा शुल्क	20000000	
29	यात्र अनुदान	233271	
30	यू.एन.डी.सी.पी. अनुदान	219584	
31	एच.एस.सी.सी. से प्राप्त (निर्माण) अग्रिम अव्ययित शेष	299943	
32	मानदेय हेतु टी.सी.आई.एल. भुगतान	394875	
33	ट्राइबल कार्य मंत्रालय से छात्रवृत्ति	75400	
34	जी.एस.आई.एल. परिशोधन	20320	
35	रोगी उपचार हेतु प्राप्ति	617753	
36	सम्मेलन हेतु प्राप्ति	886500	

15 वाहनों की खरीद		
क) परिवहन कार्यालय		
ख) अस्पताल भंडार	637563	
16 अग्रिम भुगतान		
क) विदेशी खरीद हेतु सामग्री एवं आपूर्ति (गैर योजना)	9737625	13495899
ख) विदेशी खरीद हेतु मशीनरी एवं उपकरण (योजना)	418748632	420062408
ग) भंडार की प्राप्ति हेतु पी. ए. ओ.	4000000	4000000
घ) अस्थायी / आकस्मिक अग्रिम	32084006	22974388
ङ) भंडार हेतु निजी कंपनी		3037061
च) मशीनरी एवं उपकरण हेतु सीमा शुल्क	105144337	79870853
छ) पुस्तकों एवं पत्रिकाओं हेतु	41877157	37080547
ज) नेशनल इन्फोर्मेटिक सेंटर्स इंक कंप्यूटरीकरण के लिए	95293333	
झ) एचएससीसी मास्टर प्लान सर्जिकल ब्लॉक चरण -।। की तैयारी हेतु (चूक)	5868950	
छ) एचएससीसी पीसी एवं टीचिंग ब्लॉक चरण -।। हेतु (चूक)	83814950	
ट) एचएससीसी, एम्स परिसर में छात्रावास ब्लॉक के निर्माण हेतु (चूक)	55699950	
ठ) मै. इंडियन ऑयल कोर्परेशन लूबरीकेंट डीजल ऑयल के लिए (लघु कार्य)		2487842
ड) मै. इंडियन ऑयल कोर्परेशन लूबरीकेंट डीजल ऑयल के लिए (बड़े कार्य)		457695
ढ) मै. एचएससीसी मास्टर प्लान की तैयारी हेतु (बड़े कार्य)		105874500
ण) मै. एचएससीसी राजकुमारी अमृतकौर ओपीडी की मरम्मत एवं नवीनीकरण (बड़े कार्य)		136540015
त) मै. एचएससीसी सरलीकरण ब्लॉक हेतु (बड़े कार्य)		14500000
थ) मै. एचएससीसी पीसी शिक्षण ब्लॉक का निर्माण (बड़े कार्य)		3000000
द) मै. एल्पिन इंडस्ट्रीज पी/ओ एसी यूनिट हेतु (बड़े कार्य)		36918
ध) मै. एल्पिन इंडस्ट्रीज पी/ओ एसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)		285376
न) मै. सिदवाल रैफ्रीजरेशन पी/ओ एसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)		290518
प) मै. सिदवाल रैफ्रीजरेशन पी/ओ एसी यूनिट हेतु (बड़े कार्य)		481289
फ) मै. कोहली एंड कं. एसी हेतु (लघु कार्य)		253034
ब) मै. विडियोकॉन इंड. लि. पी.ओ. एसी हेतु (लघु कार्य)		59622
भ) मै. अणु सोलर पावर (पी.) लि. एसी हेतु (लघु कार्य)		1495194
म) मै. अणु सोलर पावर (पी.) लि. एसी हेतु (बड़े कार्य)		6454930
य) मै. यूनिवर्सल कम्फर्ट एसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)		1513900
र) मै. एल.जी. इलैक्ट. पी/ओ एसी हेतु (बड़े कार्य)		1310504
ल) मै. एल.जी. इलैक्ट. पी/ओ एसी हेतु (लघु कार्य)		335815
व) एक्स. इंजीनियरिंग एस. जे. एच. (सी. पी. डब्ल्यू. डी.) सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु (लघु कार्य)		12500000
स) एक्स. इंजीनियरिंग एस. जे. एच. (सी. पी. डब्ल्यू. डी.) अतिरिक्त लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		4868896

ष) एक्स. इंजीनियरिंग सी. पी. डब्ल्यू. डी. वार्ड ब्लॉक में लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)			1000000
ह) एक्स. इंजीनियरिंग सी. पी. डब्ल्यू. डी. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु (बड़े कार्य)			10900000
क क) एक्स. इंजीनियरिंग सी. पी. डब्ल्यू. डी. नाला ढकने हेतु चरण-।। (बड़े कार्य)			50000000
क ख) एक्स. इंजीनियरिंग एम्स सी. पी. डब्ल्यू. डी. छात्रावास निर्माण हेतु (बड़े कार्य)			5000000
क ग) मै. हीटेची होम्स सोल्यूशन्स पी/ओ एसी हेतु (लघु कार्य)			3823111
क घ) मै. हीटेची होम्स सोल्यूशन्स पी/ओ एसी हेतु (बड़े कार्य)			488308
क ङ) मै. गुरू देव सिंह सन्स एसी हेतु (लघु कार्य)			302357
क च) मै. उषा इंटरनेशनल लि. एसी हेतु (लघु कार्य)			315020
क छ) एचएससीसी राजकुमारी अमृतकौर ओपीडी की मरम्मत हेतु (बड़े कार्य)		16899950	
क ज) एचएससीसी एक्स इंजीनियर, दिल्ली जल सेवा हरियाणा सरकार (बड़े कार्य)		50000000	
क झ) राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई) (बड़े कार्य)		900000	.
क ञ) डीएमआरसी एम्स और ट्रॉमा केंद्र को जोड़ने वाली सुरंग हेतु (बड़े कार्य)		250000000	
क ट) सीपीडब्ल्यूडी लिफ्ट हेतु (बड़े कार्य)		10000000	
क ठ) सीपीडब्ल्यूडी नाला ढकने हेतु चरण -।। (बड़े कार्य)		100000000	
क ड) एचएससीसी भूमिगत पार्किंग हेतु (बड़े कार्य)		299499950	
क ढ) एचएससीसी आउटरीच ओपीडी बादशा (हरियाणा) हेतु (बड़े कार्य)		95000000	
क ण) महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लि. पी/ओ ट्रेक्टर हेतु (लघु कार्य)		431510	
क त) सीड एडवांस तबस्सुम कंस्ट्रक्शन कं. हेतु (लघु कार्य)		680408	
क थ) हीटेची होम्स पी/ओ स्पलिट एसी हेतु (लघु कार्य)		204423	
क द) हीटेची होम्स डब्ल्यूटीसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)		196328	
17 जमानत जमा / बयाना राशि			
(i) वर्ष 2010-2011 तक की प्राप्तियों से किया गया भुगतान	41809764		
(ii) वर्ष 2011-12 से संबद्ध	6125000	47934764	34796812
18 बाह्य वसूलियां		395397593	308313139
19 विविध दान (परिशिष्ट - घ)		343550	198250
20 आवर्ती निधि		54064822	61303001
21 नई पेंशन योजना			
i) नेशनल सिक्योरिटी डिपोजिटरी लि. के लिए		20408372	
ii) सा. भ. नि. अनुभाग के लिए		102158307	102906967
22 कोकलियर इम्पलांट रोगी खाता		34722600	37227550
23 जमा कार्य			
क) श्री साईं विश्राम सदन		74500	
ख) एमटीएनएल को आयुर्विज्ञान नगर में केबल हेतु		41888	
24 बीमा योजना से जुड़ी हुई जमा राशि		1223614	402697
25 चूक समिति			
क) बड़े कार्य		21681424	317499700
ख) वेतन एवं भत्ते		102100000	55100000

			ग) मशीनरी एवं उपकरण (भंडार)	38263518	
			26 वीवीआईपी		1086213
			27 डब्ल्यूएचओ-इन-कंट्री फैलोशिप	73772	345012
			28 सीमा शुल्क खाते में अंतरण	20000000	
			29 जननी सुरक्षा योजना (जे.एस.वाई)	25000	25000
			30 यात्रा अनुदान	233271	
			31 निर्माण अग्रिम का अव्ययित शेष सं. रो. कै. अ. के लिए अंतरण	299943	
			32 यूएनडीसीपी अनुदान	219584	
			33 मानदेय हेतु टीसीआईएल भुगतान	394875	
			34 जीएसएलआई परिशोधन	20320	
			35 ट्राइबल कार्य मंत्रालय से छात्रवृत्ति	75400	
			36 रोगी उपचार हेतु वापसी	617753	
			37 सम्मेलन हेतु वापसी	886500	
निर्धन रोगी खाता			**निर्धन रोगी खाता**		
क) अ. भा. आ. सं.	244600	367194	1 अ. भा. आ. सं.	90295	109930
ख) ब्याज	274404	42391			
ग) एफ. डी. आर.					
रोगी उपचार खाता			**रोगी उपचार खाता**		
(क) अ. भा. आ. सं.	95637076	72062707	1 अ. भा. आ. सं.	71234407	59859552
(ख) ब्याज	2951433	2000738	2 बैंक निकासी प्रभार	18248	4430
छात्रावास			**छात्रावास**		
i) जमानत जमा	1517000	1415000	1 जमानत वापसी	1165500	1127000
ii) विविध प्राप्तियां	74535	57575	2 विविध व्यय		27960
iii) अर्जित ब्याज	521583	42483			
जरा चिकित्सा विभाग			**जरा चिकित्सा विभाग**		
i) सहायता अनुदान	36687600		1 बैंक प्रभार	1188	
ii) निदेशक (मुख्य) से प्राप्त निधि	1000				
iii) प्राप्त किया गया ब्याज	267477				
			अंतशेष		
			क **बैंक में नकद**		
			1 क) अ. भा. आ. सं. (मुख्य) 1171035301		
			ख) अ. भा. आ. सं. (मुख्य) के पास बचे हुए विशिष्ट अनुदान का अव्ययित शेष 341419426	1512454727	860767003
			2 स्कीम सेल	201224501	62074945
			ख **नकद राशि (अग्रदाय)**		
			1 अ. भा. आ. सं. (मुख्य) क) कोषाध्यक्ष की रोकड़ पुस्तक के अनुसार शेष	683950	292524
			ग **अवितरित राशि**		
			1 अ. भा. आ. सं. (मुख्य)		
			2 स्कीम सेल	197351	384882
			घ **निर्धन रोगी खाता**		
			1 अ. भा. आ. सं. (मुख्य)		
			क) नकद / बैंक	1685917	1475638
			ख) एफ. डी. आर.	1202610	984180
			ङ **रोगी उपचार खाता**		
			अ. भा. आ. सं.	91464066	64128212
			च **छात्रावास**		
			1 नकद राशि	-	32881
			2 बैंक में नकद	396906	322179
			3 एफ. डी. आर.	5026772	4121000
			छ **जरा चिकित्सा विभाग**		
			बैंक में नकद	36954889	
उप - कुल (क)	**15956310909**	**13579041106**		**15956310909**	**13579041106**

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र (ख)

	अथशेष			
क	बैंक में नकद		64667551	57013488
ख	**नकद**			
i)	अग्रदाय		20000	20000
ग	**निर्धन रोगी खाता**			
	नकद / बैंक		186104	104014
II	**सहायता अनुदान**			
i)	पूंजी (नई)	273600000		200000000
ii)	राजस्व सामान्य	85200000		45000000
iii)	गैर-योजना	500000000	858800000	428500000
III	प्राप्त जमानत जमा		55000	35000
IV	एनएसपीबी			4000000
V	**सहायता अनुदान (गैर - रा. प्र. के. योजना)**			
1	ए बी एन एमरो नेत्र रक्षा			..
2	एक्यूएट बैक्ट्रियल कंजेक्टिविटिस			..
3	परियोजनाओं से प्राप्त प्रशासनिक प्रभार		1469266	1658011
4	एक्रोसॉफ़्ट 6 बोस्च एंड लोम्ब			..
5	ए एम डी व्यू स्टडी		1430441	3972557
6	बैक्ट्रियल कार्नियल अल्सर आई		36000	97200
7	ब्रीमिरीडाइन डीएस / डीडीएस		39366	208980
8	मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)		189346	556152
9	नैदानिक मूल्यांकन पोलिहर्बल एओडी		150000	..
10	ब्लिंक एंड क्लिन (एएमओ) का नैदानिक मूल्यांकन			50000
11	नैदानिक मूल्यांकन ओजोन			..
12	केराटिटिस कंजक्टिविटिस का नैदानिक अध्ययन (एलर्जन इंडिया प्रा. लि.)			..
13	सी. आर. पी.			..
14	सी. एस. आई. आर.		2554352	2766856
15	डी. बी. टी. / एम. ए.			..
16	डी. सी. डी. आर. एफ.		35000	10000
17	डी.ई.जी.ए.एस		131400	926550
18	डी. एम. ई.		263988	1052055
19	डी.एस.टी. साइटोसपोरिन			..
20	डी.एस.टी. आंसू तरल का मूल्यांकन			375000
21	डी.एस.टी. / एफ.आई.एस.टी			250000
22	इंड्योर अध्ययन		308400	545400
23	ई.एस.जी. ग्लूकोमा का मूल्यांकन अध्ययन			
24	एफ.ए.एम.ई अध्ययन			615075
25	एफ.टी.जी.		96090	189595
26	हाई प्रीसीजन बिल एनेलिटियल (एचपी-बीएएफ)		342700	412421
27	आई.सी.एम.आर		7430522	12081998
28	इंडेजेन (एलएसटीएम)			..
29	इंडिये			..
30	इनमास बायोमेडिकल डिस्पेंसिंग उत्पाद			460000
31	इनमास मानव भ्रोजगुण विज्ञान			475000
32	एलसीआईएफ			..
33	लक्स 201 ओमनी केयर			187704

I क	वेतन एवं भत्ते		388802680	352614026
ख	वेतन एवं भत्ते (राजस्व सामान्य)		44766275	24777754
ग	दैनिक मजदूरी			
II	यात्रा व्यय		3230618	2382037
III	कार्यालय व्यय		13506571	15905165
IV	पूंजीगत कार्य (राजस्व सामान्य)		12174067	15514496
V	भवन अनुरक्षण		8406039	5584625
VI	**सामग्री एवं आपूर्ति**			
	क) सामग्री एवं आपूर्ति	188531971		160058074
	ख) अग्रिम भुगतान	8149089	196681060	16508202
VII	जमानत की वापसी		25000	285000
VIII	क) मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं रखरखाव (गैर - योजना)		60055	465472
IX	**मशीनरी एवं उपकरण (योजना)**			
i)	वास्तविक भुगतान	7188237		42312873
ii)	विदेशी खरीद हेतु किया गया अग्रिम भुगतान	263349489	270537726	175006602
iii)	व्यापक वार्षिक अनुरक्षण संविदा (सीएएमसी) (आरजी)		28259658	
X	वाहन खरीद			1606756
XI	फर्नीचर एवं उपस्कर		3062274	558173
XII	एनएसपीबी			3999173
XIII	**गैर रा. प्र. केंद्र योजनाओं के लिए भुगतान**			
1	ए बी एन एमरो नेत्र रक्षा		19989	..
2	एक्यूएट बैक्ट्रियल कंजेक्टिविटिस			55633
3	प्रशासनिक प्रभार		653453	585284
4	एक्रोसॉफ़्ट 6 बोस्च एंड लोम्ब			798
5	ए एम डी व्यू स्टडी		11155862	3495439
6	बैक्ट्रियल कार्नियल अल्सर आई		37827	200133
7	ब्रीमिरीडाइन डीएस / डीडीएस		208770	20899
8	मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)		304786	315588
9	नैदानिक मूल्यांकन एओडी		242150	74402
10	ब्लिंक एंड क्लिन (एएमओ) का नैदानिक मूल्यांकन			50000
11	नैदानिक मूल्यांकन ओजोन			..
12	केराटिटिस कंजक्टिविटिस का नैदानिक अध्ययन (एलर्जन इंडिया प्रा. लि.)			..
13	सी. आर. पी.			1194
14	सी. एस. आई. आर.		2554352	2766856
15	डी. बी. टी. / एम. ए.			211848
16	डी. सी. डी. आर. एफ.		35000	10000
17	डी.ई.जी.ए.एस		265439	922073
18	डी. एम. ई.		513609	1180927
19	डी.एस.टी. साइटोसपोरिन			22186
20	डी.एस.टी. आंसू तरल का मूल्यांकन			375000
21	डी.एस.टी. / एफ.आई.एस.टी			250000
22	इंड्योर अध्ययन		478020	375780
23	ई.एस.जी. ग्लूकोमा का मूल्यांकन अध्ययन			5800
24	एफ.ए.एम.ई अध्ययन			1940465
25	एफ.टी.जी.		165987	119698
26	हाई प्रीसीजन बिल एनेलिटियल (एचपी-बीएएफ)		237612	233851
27	आई.सी.एम.आर		11004659	5199984
28	इंडेजेन (एलएसटीएम)		9617	20897
29	इंडिये			3559
30	इनमास डिस्पेंसिंग बायोमेडिकल उत्पाद			859958
31	इनमास मानव भ्रोजगुण विज्ञान			480549
32	एलसीआईएफ			3044
33	लक्स 201 ओमनी केयर		83977	147930

34	लक्स 211 पी. आर. ए. इंटरनेशनल			..
35	एम.ए. फाउंडेशन		600000	308400
36	एमबीडीएल आईएलएलवाई-एलआईएलएलवाई			207720
37	मायोपिया अध्ययन		1000000	
38	एम.के. मीडिया कॉर्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)			..
39	मल्टीफोकल आई. ओ. एल.			..
40	एन.ए.बी.		720000	500000
41	एन.सी.डी.आर.सी.			..
42	नीमा इंटरनेशनल			..
43	नावर्टिस शील्ड अध्ययन		8000	157500
44	नावर्टिस विसूडिम			179551
45	एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस. प्रशिक्षण			976050
46	एनपीसीबी नेत्र शिविर गोड्डा झारखंड		142165	248642
47	एनपीसीबी/डीबीसीएस		50000	877250
48	एनपीसीबी - एनएसयू			300000
49	एनपीसीबी - एसएसयू		157935	303385
50	ओ.ई.यू.		330570	340054
51	ओर्बिस पीईसीपी			114956
52	फार्माकोकिनेटिक कुइनेकरिन			443765
53	फेज-।। ऐजरिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मेनेट स्ट्डी (एआरएमडी)		424800	849815
54	पिंक आई (बोसच एंड लॉम्ब)			..
55	पोलिहर्बल मूल्यांकन डीईएस			..
56	पोसूडुरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल		216641	358262
57	पीवीडी/वीआरटी अध्ययन			..
58	रिलायंस रलिनेत्र			80100
59	आरओपी मेक्यूजन			..
60	आरओपी कार्यशाला			187042
61	आरटीआई			..
62	दृष्टि सेवर			583750
63	एसएसएमआई - वीएफए		674000	585864
64	संगोष्ठी वर्कशॉप			60000
65	अंतरराष्ट्रीय एलर्जन शुल्क नेत्र का उपचार			..
66	शुल्क नेत्र की व्यापकता		207000	..
67	वि.स्वा.सं. मेलेसिया		455600	..
68	वि.स्वा.सं. गुजरात सर्वे		-	-
69	वि.स्वा.सं. एसईआईएनडी			..
70	वि.स्वा.सं. अल्पावधिक प्रशिक्षण		148500	..
71	ओजूरडेक्स परियोजना		180000	..
VI	एनआईएएफ			30000
VII	विभिन्न किटो सहित अस्पताल प्राप्तियां		147015616	130553120
VIII	वसूलनीय अग्रिम पर ब्याज		1170522	411582
IX	विविध प्राप्तियां		1815142	3665349
X	प्राप्त की गई अ.भा.आ.सं. वसूलियां		94624196	84312643
XI	प्राप्त की गई बाह्य वसूलियां		32796569	25223098
XII	सी एल टी डी का ब्याज		24387210	5177059
XIV	**<u>वसूलनीय अग्रिम</u>**			
	क) कार	86580		
	ख) स्कूटर	46500		
	ग) साइकिल			
	घ) भवन निर्माण अग्रिम	210115		
	ङ) कंप्यूटर	62500		
	च) त्योहार	732825	1138520	899456
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
	प्राप्तियां			
	क) ब्याज		9801	5507
	ख) दान		267740	174295
	ग) विविध प्राप्तियां			497

34	लक्स 211 पी. आर. ए. इंटरनेशनल		47810
35	एम.ए. फाउंडेशन	385067	158681
36	एमबीडीएल आईएलएलवाई-एलआईएलएलवाई		239777
37	मायोपिया अध्ययन	829542	
38	एम.के. मीडिया कॉर्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)	475218	556388
39	मल्टीफोकल आई. ओ. एल.		4675
40	एन.ए.बी.	1513620	261065
41	एन.सी.डी.आर.सी.		..
42	नीमा इंटरनेशनल		14343
43	नावर्टिस शील्ड अध्ययन	14870	237930
44	नावर्टिस विसूडिम		184943
45	एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस. प्रशिक्षण	416720	470501
46	एनपीसीबी नेत्र शिविर गोड्डा झारखंड	142165	248642
47	एनपीसीबी / डीबीसीएस	809221	115600
48	एनपीसीबी - एनएसयू	162210	10000
49	एनपीसीबी - एसएसयू	274114	163250
50	ओ.ई.यू.	355234	378852
51	ओर्बिस पीईसीपी		87268
52	फार्माकोकिनेटिक कुइनेकरिन	283583	154313
53	फेज -।। ऐजरिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मेनेट स्ट्डी (एआरएमडी)	653692	839650
54	पिंक आई (बोसच एंड लॉम्ब)		..
55	पोलिहर्बल मूल्यांकन डीईएस		2323
56	पोसूडुरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल	694253	243940
57	पीवीडी / वीआरटी अध्ययन		936058
58	रिलायंस रेलिनेत्र		154375
59	आरओपी मेक्यूजन		2335
60	आरओपी कार्यशाला		214661
61	आरटीआई		..
62	दृष्टि सेवर		749327
63	एसएसएमआई - वीएफए	667386	269984
64	संगोष्ठी वर्कशॉप		60800
65	अंतरराष्ट्रीय एलर्जन शुल्क नेत्र का उपचार		28400
66	शुल्क नेत्र की व्यापकता	101700	..
67	वि.स्वा.सं. मेलेसिया	455600	
68	वि.स्वा.सं. गुजरात सर्वे		15956
69	वि.स्वा.सं. एसईआईएनडी		12050
70	वि.स्वा.सं. अल्पावधिक प्रशिक्षण		1191
71	ओजूरडेक्स परियोजना	18000	..
XII	एनआईएएफ	3417	3372
XIII	एम्स वसूलियों की छूट	94624196	84311143
XIV	बाह्य वसूलियों की छूट	32796569	25223098
XV	नामे / जमा परामर्श का अंतर		..
XVI	**<u>वसूलनीय अग्रिम</u>**		
	क) कार	150000	
	ख) स्कूटर		
	ग) साइकिल		
	घ) भवन निर्माण अग्रिम		
	ङ) कंप्यूटर		
	च) त्योहार	795000	795000
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>		
	भुगतान	131255	98209

XVII	**अंत शेष**			
	क) बैंक में नकद	112157899		64667551
	ख) नकद (अग्रदाय)	20000	112177899	20000
	निर्धन रोगी खाता			
	नकद / बैंक		332390	186104

उप-कुल (ख)	**1246746053**	**1019677768**	**1246746053**	**1019677768**

हृदय वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र (ग)

1	**अथशेष**			
क	**बैंक में नकद**			
i)	ह. तं. केन्द्र		171455298	168444476
ii)	सी. टी. रोगी खाता			
	क) बैंक		21625780	19675665
	ख) एफ. डी. आर.		299400000	306900000
iii)	एंजियोग्राफी खाता			
	क) बैंक		14744516	13114110
	ख) एफ. डी. आर.		79200000	74300000
iv)	गामा नाईफ रोगी खाता			
	क) बैंक		57268485	27927424
	ख) एफ. डी. आर.		126400000	136800000
v)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता			
	क) बैंक		9915213	3410417
	ख) एफ. डी. आर.		31800000	31800000
ख	**नकद राशि (अग्रदाय)**			
i)	ह. तं. केन्द्र		41000	40000
ii)	कोषाध्यक्ष के पास नकद राशि		0	1000
ग	**निर्धन रोगी खाता**			
i)	ह. तं. केन्द्र			
	क) नकद / बैंक		101932	104900
2	सहायता अनुदान			
	क) पूंजी परिसंपति (नई)		250000000	534110000
	ख) राजस्व सामान्य (योजना)			
	i) राजस्व सामान्य	85600000		100000000
	ii) पुर्जे एवं अनुशंगी हेतु रोगी खाते से निधि अंतरण	61400000	147000000	
	ग) गैर - योजना		1070065000	974600000
3	क) विविध प्राप्तियां		9933823	10633920
	ख) प्राइवेट वार्ड		31161758	28539346
	ग) एक्सरे		810210	1046825
	घ) सी. टी. स्कैन प्रभार		2638500	2022170
	ङ) अल्ट्रासाउंड		148800	106405
4	ब्याज		20925401	22141634
5	जमानत जमा / बयाना राशि		3254000	10110000
6	दान		5100	6020
7	वापसी एवं वसूली		1419213	1833470

1	प्रशासनिक व्यय		
	क) वेतन एवं भत्ते (गैर-योजना)	880425417	801287255
	ख) मजदूरी	6604688	4157262
	ग) यात्रा भत्ते	3045724	1648750
2	भंडार (गैर - योजना)		
	क) मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	2916862	12608203
	ख) सामग्री एवं आपूर्ति	229005920	199659278
3	भंडार (योजना)		
	क) मशीनरी एवं उपकरण (अग्रिम भुगतान)	153787789	458864463
	ख) मशीनरी एवं उपकरण (भारतीय मुद्रा)	131089332	64861614
	ग) फर्नीचर एवं उपस्कर	1236790	1258424
	घ) पुर्जे एवं अनुशंगी	51484534	20678764
	ङ) उपभोज्य पुर्जे एवं अनुशंगी / अनुरक्षण	9118213	
	च) वेतन (योजना)	47576479	38956350
4	भवन अनुरक्षण	28200134	20853476
5	भवन निर्माण (योजना)		
6	लघु कार्य (राजस्व सामान्य)	37948823	42103117
7	कार्यालय आकस्मिकताएं	14176979	10281555
8	वसूलनीय अग्रिम (गैर - योजना)		
	क) कार	0	180000
	ख) स्कूटर / मोटर साइकिल	360000	150000
	ग) भवन निर्माण अग्रिम	1082500	648500
	घ) कंप्यूटर	300000	270000
	ङ) साइकिल	3000	0
	च) त्योहार	1317000	1116000
9	जमानत जमा की वापसी	5980000	6634000
10	दान	746020	272190
11	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता	10365366	14416146
12	रक्त जांच / प्रयोगशाला प्रभार	9500531	9526353
13	हृदय जांच	3573871	3335063
14	थैलियम जांच	3641495	168525
15	पी.ए.ओ. हेतु भेजी गई राशि (सा.भ.नि.)		395500

8	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता		13424932	15034509
9	थैलियम जांच		3429000	1799000
10	लेवी प्रभार		81500	275240
11	किराया प्रभार/लाइसेंस शुल्क		922483	748467
12	सा. भ. नि.		103067871	94856524
13	नई पेंशन योजना		19196423	16209625
14	<u>वसूलनीय अग्रिम</u>			
	क) साइकिल		1200	0
	ख) स्कूटर		297536	331608
	ग) कार		89592	97320
	घ) भवन निर्माण		1009540	1103545
	ङ) कंप्यूटर		210310	208900
	च) त्योहार		1097075	1005450
15	हृदय जांच		4420820	4326420
16	रक्त जांच / प्रयोगशाला प्रभार		8316255	6864220
17	कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा		5175330	4935070
18	बाह्य वसूली		107474672	85387354
19	जल प्रभार		552023	41366
20	बर्तन निधि		35540	35592
21	संस्थान वसूली (कंप्यूटर अग्रिम)		27971	17866
22	एन.ए.सी.ओ. निधि		99900	100000
23	संस्थान वसूली (स्कूटर अग्रिम)		5060	14300
24	संस्थान वसूली भ. नि. अग्रिम		22000	11000
25	परिवहन		0	1516
26	प्रधानमंत्री राहत कोष		0	804279
27	संस्थान वसूली (त्योहार अग्रिम)		2500	0
	<u>सी. टी. रोगी खाता</u>			
1	क) वर्ष 2011-2012 के दौरान रोगियों से प्राप्तियां	298999803		
	ख) रोगियों को वापसी वर्ष 2011-2012	54398077		
	ग) वर्ष 2011-2012 के दौरान अर्जित ब्याज में से निर्धन रोगियों का उपचार जमा	15020203	259621929	236995666
2	क) वर्ष 2011-12 के दौरान ब्याज	25107237		
	ख) निर्धन रोगियों का उपचार व्यय वर्ष 2011-12 (न्यून)	15020203	10087034	12186189
3	रद्द किये गये चैक		1877563	2827600
	<u>ऐंजियोग्राफी रोगी खाता</u>			
1	क) रोगियों से प्राप्तियां वर्ष 2011-12	219873093		
	ख) रोगियों को वापसी	35615995		
	ग) वर्ष 2011-12 के दौरान अर्जित ब्याज में से निर्धन रोगी उपचार जमा	6288293	190545391	171709833
2	क) वर्ष 2011-12 के दौरान ब्याज		5361074	3206393
3	रद्द किये गये चैक		9348657	1188603

16	i) सा.भ.नि.	102655871		
	ii) पी.ए.ओ. हेतु भेजी गई राशि (सा.भ.नि.)	412000	103067871	94461024
17	नई पेंशन योजना			
	(i) एनपीएस (अंशदान)	13829672		
	(ii) एनपीएस (कर्मचारी अंश)	5366751	19196423	16209625
	(iii) एनपीएस (सरकारी)		5366751	0
18	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना		5136325	4934945
19	<u>बाह्य वसूली</u>			
	क) बाह्य वसूली	107473232		
	ख) पीएओ को भेजी गई राशि (ईआईएस)	1440	107474672	85385914
20	पीएओ को भेजी गई राशि (ईआईएस)			1440
21	बर्तन निधि		35540	35592
22	जल प्रभार		552023	41366
23	संस्थान वसूली (कंप्यूटर अग्रिम)		27971	15400
24	पी. ए. ओ. को भेजी गई राशि (कंप्यूटर अग्रिम)		0	2466
25	एन.ए.सी.ओ. निधि		99900	100000
26	डीएआरसी गाजियाबाद हेतु भेजी गई राशि (निर्माण अग्रिम)		0	12000
27	संस्थान मुख्य को भेजा गया भवन निर्माण अग्रिम		22000	11000
28	संस्थान मुख्य को भेजा गया कंप्यूटर अग्रिम		5060	2300
29	प्रधानमंत्री राहत कोष		0	804279
30	संस्थान वसूली (त्योहार अग्रिम)		2500	0
	<u>सी. टी. रोगी खाता</u>			
1	भंडार की खरीद		324435514	255304927
2	नए चैक		1853681	2254413
3	अ.भा.आ.सं. के ह. तं. कें. खाते में किया गया अंतरण		42500000	
	<u>ऐंजियोग्राफी रोगी खाता</u>			
1	भंडार हेतु खरीद		200286819	168999058
2	नये चैक		985379	575365
3	अ.भा.आ.सं. के ह.तं. केंद्र खाते में किया गया अंतरण		17500000	
4	वर्ष 2011-12 के दौरान निर्धन रोगी उपचार व्यय		6288293	

	गामा नाइफ रोगी खाता					**गामा नाइफ रोगी खाता**		
1	रोगियों से प्राप्तियां				1	भंडार हेतु खरीद		2188300
	वर्ष 2011-12	24543535						
					2	एम. आर. आई. प्रभार		885000
	रोगियों को वापसी	1595985	22947550	12800000				
					3	नये चैक		75000
	2 ब्याज		7037522	9289361				
					4	बैंक प्रभार	438	
	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता					**तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता**		
1	क) रोगियों से प्राप्तियां				1	भंडार हेतु खरीद	53998610	47702234
	वर्ष 2011-12	67039105						
	ख) रोगियों को वापसी	9445231			2	बैंक प्रभार		195
	ग) वर्ष 2011-12 के							
	दौरान अर्जित ब्याज में से				3	नये चैक	186830	207081
	निर्धन रोगी उपचार							
	जमा	1726772	59320646	54283479	4	अ.भा.आ.सं. के ह.तं. केंद्र खाते		
						किया गया अंतरण	15000000	
2	सावधि / सी. एल. टी. डी.							
	क) ब्याज वर्ष 2011-12	2213780						
	ख) निर्धन रोगी							
	उपचार व्यय							
	वर्ष 2011-12	1726772	487008	29514				
3	रद्द किये गये चैक		451253	101313				
	निर्धन रोगी खाता					**निर्धन रोगी खाता**		
	तंत्रिका विज्ञान केन्द्र					तंत्रिका विज्ञान केन्द्र		
	दान		35179	6232		व्यय	3988	9200
						अंत शेष		
					क	**बैंक में नकद**		
					i)	तंत्रिका विज्ञान केन्द्र	103302133	171455298
					ii)	सी. टी. रोगी खता		
						क) बैंक	53823111	21625780
						ख) एफ. डी. आर.	170000000	299400000
					iii)	एंजियोग्राफी खाता		
						क) बैंक	54339147	14744516
						ख) एफ. डी. आर.	19800000	79200000
					iv)	गामा नाइफ रोगी खाता		
						क) बैंक	16353119	57268485
						ख) एफ. डी. आर.	197300000	126400000
					v)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता		
						क) बैंक	16888680	9915213
						ख) एफ. डी. आर.	15900000	31800000
					ख	**ह. तं. केन्द्र**		
					i)	अग्रदाय	41000	41000
					ii)	कोषाध्यक्ष के पास नकद राशि		
					ग	**निर्धन रोगी खाता**		
					i)	ह. तं. केन्द्र		
						बैंक में नकद	133123	101932
	उप - कुल (ग)		**3185394368**	**3206501136**			**3185394368**	**3206501136**

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

1	**अथशेष**			1	वेतन एवं भत्ते	283883913	249539942
क	**बैंक में नकद**	28911048	46936817	2	त्योहार अग्रिम	326250	213000
				3	टी. ए. / डी. ए. के तहत व्यय	2584133	2417297
ख	**निर्धन रोगी खाता**			4	आकस्मिक बिल	2989491	2507227
	क) नकद / बैंक	2546411	2419552	5	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	1497848	1144373
				6	आर. टी. आवर्ती निधि	6976699	4416053
ग	**रोगी उपचार खाता**			7	भवन अनुरक्षण	10812820	10772244
	क) नकद / बैंक	30746984	32686499	8	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	12491605	7856542
	ख) अल्पावधिक निवेश			9	कंप्यूटर अग्रिम	0	60000
	ग) एफ. डी. आर.	6000000	6000000	10	स्कूटर / मोटर साइकिल अग्रिम	54000	60000

				11	सामग्री एवं आपूर्ति	180078844	124918747
घ	**<u>एच एम सी पी एफ खाता</u>**			12	बाह्य स्रोत	18528948	18889519
क)	नकद/बैंक	996555	40463	13	ई.एम.डी. / एस.डी. की वापसी	24980	10000
ख	**<u>सहायता अनुदान</u>**			14	**<u>योजना</u>**		
1	पूंजी परिसंपति का सृजन (नई)	50000000	118000000	(i)	मशीनरी एवं उपकरण हेतु विदे ी		
	सहायता अनुदान सामान्य (योजना)	20500000	17000000		खरीद के लिए अग्रिम भुगतान	19599500	90877918
2	गैर - योजना	486000000	388600000	(ii)	मशीनरी एवं उपकरण	20363041	15235705
3	आई. सी. एम. आर.	375000	375000	(iii)	सीमा शुल्क एवं पीडीए (अग्रिम)	10000000	15415762
4	प्राप्त ब्याज	3643558	1936937	(iv)	फर्नीचर एवं उपस्कर	32671	19795
5	विविध अस्पताल प्राप्ति	17064366	13454596		राजस्व सामान्य (योजना)		
6	आर. टी. आवर्ती निधि	2760458	2824110		क मशीनरी एवं उपकरण		
7	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	511460	609725		का व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनु.	17172166	13413900
8	कंप्यूटर अग्रिम वसूलियां	82200	69800		ख लघु निर्माण	3051258	3523029
9	कार अग्रिम वसली	16500	18000				
10	त्योहार अग्रिम वसली	108750	180300				
11	स्कूटर / मोटर साइकिल अग्रिम वसूलियां	58616	102816				
12	ईएमडी एवं जमानत जमा		94000				
13	एच. एस. सी. सी.	299943					
14	एम्स वसूलियों की छूट	37698656	30752418	15	एम्स वसूलियों की छूट	37698656	30752418
15	बाह्य वसूलियों की छूट	30030758	26502822	16	बाह्य वसूलियों की छूट	30030758	26502822
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>				**<u>निर्धन रोगी खाता</u>**		
क)	सं. रो. कैं. अ.	925731	442981	क)	वर्ष 2011-12 के दौरान	565510	632962
ख)	एफ. डी. आर. पर ब्याज	549175	316840	ख)	विविध		2000
ग)	अधिक जमा		2000				
	<u>रोगी उपचार खाता</u>				**<u>रोगी उपचार खाता</u>**		
	वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्ति	55378949	36393493	क)	वर्ष 2011-12 के दौरान	44700161	38089221
क)	चैक रद्द किये गए	284382	114324	ख)	विविध	53279	362700
ख)	ब्याज	6143	4589				
	<u>एचएमसीपीएफ खाता</u>				**<u>एचएमसीपीएफ खाता</u>**		
क)	वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्ति	2027331	3000000	क)	वर्ष 2011-12 के दौरान	1422162	2063808
ख)	बैंक से प्राप्त चैक पुस्तक एवं खाता			ख)	विविध	685	650
	रखने वाला प्रभार		20550				
ग)	रद्द किये गये चैक	15056					
					<u>अंत शेष</u>		
				क	**<u>बैंक में नकद</u>**	19863732	28911048
				ख	**<u>निर्धन रोगी खाता</u>**	3455807	2546411
				ग	**<u>रोगी उपचार खाता</u>**		
				क)	नकद / बैंक	41663018	30746984
				ख)	एफ. डी. आर.	6000000	6000000
				घ	**<u>एचएमसीपीएफ खाता</u>**		
					नकद / बैंक	1616095	996555
	उप - कुल (घ)	**777538030**	**728898632**			**777538030**	**728898632**

<u>राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र एवं यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना (ङ)</u>

1	**<u>अथशेष</u>**						
क	**<u>बैंक में नकद</u>**			1	वेतन एवं भत्ते	51898392	49627028
i)	क) एन. डी. डी. टी. सी.	1257618	11047879	2	सामग्री एवं आपूर्ति	24021782	24684784
	ख) यू. एन. डी. सी. पी.	7474748	464680	3	मजदूरी	4247851	4226506
				4	पुस्तकें एवं प्रकाशन	3407107	423698
1	सहायता अनुदान (डी. ए. सी.)	90000000	79000000	5	फर्नीचर	382286	
2	अस्पताल प्राप्ति	341880	309370	6	मशीनरी एवं उपकरण	1592075	3932193
3	विविध प्राप्ति	15586	56298	7	जमानत वापसी	5000	5000
4	यू.एन.डी.सी.पी. के तहत वसूल की गई निधि	57000		8	अस्थायी अग्रिम	65000	48932
5	जमानत बयाना राशि	140000		9	पुस्तकें एवं प्रकाशन अग्रिम		2538050
6	यू.एन.डी.सी.पी. खाता प्राप्ति अशुद्धि से जमा	632		10	सीमा शुल्क अग्रिम		
				11	मोटर वाहन		3669738
				12	जीआईएफ : एचआईवी खाते का अंतरण	11000	
				13	एनपीएस के लिए कर्मचारी अंशदान	164060	
	<u>संस्थान वसूली</u>				**<u>संस्थान वसूली की छूट</u>**		
1	सा. भ. नि. अंशदान एवं अग्रिम	8048251	7502439	1	सा. भ. नि. अंशदान एवं अग्रिम	8048251	7502439

2	वाहन	17924	15190	2	वाहन	17924	15190
	3 भवन निर्माण अग्रिम	68640	68640	3	भवन निर्माण अग्रिम	68640	68640
4	लाइसेंस शुल्क	84273	47182	4	लाइसेंस शुल्क	84273	47182
5	ऑफिसर एसोसिएशन	2200	2360	5	ऑफिसर एसोसिएशन	2200	2360
6	कर्म. बीमा योजना	43360	42465	6	कर्म. बीमा योजना	43360	42465
7	कर्म. स्वा. योजना	263200	253775	7	कर्म. स्वा. योजना	263200	253775
8	कंप्यूटर वसूली	19200	11870	8	कंप्यूटर वसूली	19200	11870
9	फैकल्टी क्लब	3000	700	9	फैकल्टी क्लब	3000	700
10	प्रधानमंत्री राहत कोष		28461	10	नई पेंशन योजना		549038
11	नई पेंशन योजना	667826	549038	11	प्रधान मंत्री राहत कोष		28461
				12	नई पेंशन योजना	667826	
	बाह्य वसूली				**बाह्य वसूली**		
1	आयकर	3121053	2882758	1	आयकर	3117821	2882758
	2 जीवन बीमा निगम	48141	48492	2	जीवन बीमा निगम	48141	48492
3	कोर्ट वसूली	154496	51996	3	कोर्ट वसूली	154496	51996
4	सोसायटी	3246763	2895684	4	सोसायटी	3246763	2895684
5	टी.डी.एस.	53522		5	टी.डी.एस.	53522	
	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार				**राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार**		
	केन्द्र (एन. डी. डी. टी. सी.)				**केन्द्र (एन. डी. डी. टी. सी.)**		
	(यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना)				**(यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना)**		
1	सहायता अनुदान	3246094	7525450	1	क) टी. ए.	2255000	170000
					ख) टी. ए अग्रिम	34000	
2	विविध प्राप्ति	2695359	37808		ग) वेतन एवं भत्ते	358315	21400
				2	क) कार्यालय आकस्मिकता	71905	231073
					ख) जलपान	194145	28900
					ग) आवास प्रभार	285860	68727
					घ) आवास प्रभार हेतु अग्रिम	100000	
					ङ) वेतन		
					च) परिवहन	166777	33090
					छ) दवाई		
					ज) प्रशिक्षण	2294250	
					झ) प्रशिक्षण अग्रिम	3809250	
				3	डब्ल्यू. एच. ओ. हेतु वापसी	898097	
				4	एन. डी. डी. टी. सी. हेतु अंतरित	57000	
				5	आरटीजीएस	150	
				6	एनडीडीटीसी में जमा किया गया अशुद्ध रूप से अंतरित बैंक खाता	632	
					अंत शेष		
				क	**बैंक में नकद**		
				i)	एन. डी. डी. टी. सी.	6021395	1257618
				ii)	यू. एन. डी. सी. पी.	2890820	7474748
	उप - कुल (ङ)	**121070766**	**112842535**			**121070766**	**112842535**

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र (च)

				1	(क) भवन निर्माण - लघु कार्य	11991319	21279035
1	**अथ शेष**				ख) इंजीनियरिंग अनुरक्षण आदि	90421117	84730316
	बैंक में नकद	21126261	7809730		ग) एनडीएमसी हेतु जमानत जमा		5979000
2	**सहायता अनुदान**				घ) आईजीएल हेतु जमानत जमा		1200000
i)	पूंजी परिसंपति का सृजन (नई)	158900000	360000000		ङ) आईजीएल हेतु 50 प्रतिशत जमानत जमा		104680
ii)	सहायता अनुदान (सामान्य)	804700000	649600000		च) "ट्राइजन" हेतु अग्रिम भुगतान (ऊर्जा मंत्रालय) एम.ओ.यू.अनुसार)		1170000
					छ) एच.एस.सी.सी. हेतु भुगतान		13500000
3	**अन्य प्राप्तियां**						
	क) अस्पताल प्राप्ति	8098590	18574399	**2**	**श्रम शक्ति**		
	ख) सुरक्षा जमा	6184000	7648000		क आवर्ती एवं बाह्य स्रोत	38555013	35875309
	ग) टी. डी. आर. पर ब्याज	15907532	3665413		ख वेतन एवं भत्ते	437532803	290394817
	घ) विविध प्राप्ति				ग त्योहार अग्रिम भुगतान	40500	30000
	रोगी खाता एटलस / अन्य अंतरणीय देयताएं)	8345772	1722781		घ सामग्री एवं आपूर्ति	208603969	196834112
	त्योहार अग्रिम वसूलियां	39150	9600		ङ आकस्मिकता	16300208	
				3	फर्नीचर एवं उपस्कर	1102741	342449

				4	**मशीनरी एवं उपकरण**		
					मशीनरी एवं उपकरण	75772233	110222922
					क) विदेशी खरीद हेतु किया गया		
					अग्रिम भुगतान	52525026	184766328
					ख) सीमा शुल्क के रूप में अग्रिम भुगतान	20000000	70000000
					ग) पी.डी.ए. के रूप में अग्रिम भुगतान	9500000	500000
				5	**वापसी**		
					क) जमानत वापसी	3888000	5970000
					ख) रोगी खाता एटलस / अन्य अंतरणीय देयताएं	3525050	5004694
				6	**अंत शेष**		
					बैंक में नकद	53543326	21126261
	उप-कुल (च)	**1023301305**	**1049029923**			**1023301305**	**1049029923**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (छ)

क	**बैंक में नकद**			1	वेतन एवं भत्ते	15794316	11775860
(i)	सी. डी. ई. आर.	9822091	2107815		कार्यालय व्यय	2039776	1691812
	नकद राशि	5000	5000		बैंक प्रभार	7840	3175
				2	सामग्री एवं आपूर्ति	19740541	23408061
1	**सहायता अनुदान**			3	(क) भवन अनुरक्षण		
i)	पूंजी (नई)	6000000	28000000		ख) अनुरक्षण	5778794	5282751
ii)	राजस्व सामान्य	42962000	46900000		ग) पूंजीगत कार्य	2242533	5770563
2	जमानत जमा	310000	755000				
				4	मशीनरी एवं उपकरण		
3	एस. टी. डी. आर. पर ब्याज	59176	1499528		(i) वास्तविक भुगतान	3919729	22067175
					(ii) विदेशी खरीद हेतु		
4	विविध प्राप्ति	8800	25900		किया गया अग्रिम भुगतान		
				5	एन. डी. एम. सी. हेतु अग्रिम भुगतान		
5	अस्पताल प्राप्ति	1517180	1628070	6	वोल्टास लि. हेतु अग्रिम भुगतान		
				7	जमानत वापसी	699845	1094825
					अंत शेष		
				क	बैंक में नकद	10455873	9822091
				ख	नकद राशि (अग्रदाय)	5000	5000
	उप - कुल (छ)	**60684247**	**80921313**			**60684247**	**80921313**
	महा योग (क) से (छ)	**22371045678**	**19776912413**			**22371045678**	**19776912413**

ह.	ह.	ह.
वित्त सलाहकार	**वरिष्ठ वित्त सलाहकार**	**निदेशक**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

वर्ष 2011-2012 का

आय एवं व्यय लेखा

अ. भा. आ. सं. (मुख्य) (क) — (राशि रुपयों में)

	व्यय		2011-12	2010-11		आय	2011-12	2010-11
	गैर - योजना					**सहायता अनुदान**		
1	वेतन एवं भत्ते		2779826670	2546333850		चूक समिति (योजना)	55100000	
						सहायता अनुदान सामान्य (योजना)	140573479	117141981
2	वृत्तिका		14872905	12510578		सहायता अनुदान सामान्य (गैर-योजना)	4483935000	4258300000
						राजस्व प्राप्तियां		
3	यात्रा भत्ते		29040465	20592177				
					1	अस्पताल प्राप्तियां	127236649	129405501
4	पेंशन लाभ		495281233	417243159				
					2	शिक्षण शुल्क एवं		
5	सामग्री एवं आपूर्ति					परीक्षा शुल्क	22658306	13364877
	i) वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय	1106674133						
	ii) अग्रिमों का समायोजन	14892477			3	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	36062621	29459258
	iii) अग्रिमों का समायोजन	120343						
	iv) अग्रिमों का समायोजन	1952013			4	लाइसेंस शुल्क	23076241	21945641
	v) अग्रिमों का समायोजन	1976445	1125615411	1100081001				
					5	ब्याज	166972091	59604694
6	कार्यालय आकस्मिकता							
	i) वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय	413065126			6	विविध प्राप्तियां	250076174	149321385
	ii) अग्रिमों का समायोजन	23624452	436689578	398106891				
7	मशीनरी एवं उपकरण की							
	मरम्मत एवं अनुरक्षण		26774871	57160004				
8	भवन अनुरक्षण		121365634	95161141				
9	नई पेंशन							
	योजना	122566679						
	i) न्यून प्राप्तियां	44190751	78375928	70041510				
10	अवकाश वेतन एवं							
	पेंशन अंशदान	4375538						
	i) न्यून प्राप्तियां	1327296	3048242	3264658				
11	बीमा योजना से							
	जुड़ी हुई जमा		1223614	402697				
12	अंतरित प्राप्ति :-							
	i) ह.तं. केंद्र		20000000					
	ii) डॉ. बी. आर. अ. स. रो. कैं. अ.		20000000					
	योजना							
13	वेतन एवं भत्ते		127190439	117141981				
14	यात्रा भत्ते		11692798					
15	संस्थान अनुसंधान अनुदान		989933					
16	कंप्यूटरीकरण		700309					
17	**चूक समिति**							
	वेतन एवं भत्ते		102100000	55100000				
	छात्रावास					**छात्रावास**		
1	विविध व्यय		-	27960	1	विविध प्राप्तियां	74535	57575
					2	ब्याज	521583	42483
	जराचिकित्सा विभाग					**जराचिकित्सा विभाग**		
	i) बैंक प्रभार		1188			i) सहायता अनुदान	36687600	
						ii) ब्याज	267477	
	व्यय पर आय की अधिकता					**आय पर व्यय की अधिकता**		
1	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)				1	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)	89097469	114596310
2	छात्रावास		596118	72098				
3	जराचिकित्सा विभाग		36953889					
	उप - कुल (क)		**5432339225**	**4893239705**			**5432339225**	**4893239705**

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (ख)

1	i) वेतन एवं भत्ते		388802680	352614026	1	सहायता अनुदान			
	ii) वेतन एवं भत्ते (राजस्व सामान्य)		44766275	24777754		i) गैर - योजना		500000000	428500000
	iii) पुर्जे एवं अनुशंगी (आरजी)		28259658			ii) वेतन एवं भत्ते (राजस्व सामान्य)		73025933	24777754
2	दैनिक मजदूरी								
					2	अस्पताल प्राप्तियां आई/सी किट्स		147015616	130553120
3	यात्रा व्यय		3230618	2382037					
					3	वसूलनीय अग्रिमों पर ब्याज		1170522	411582
4	सामग्री एवं आपूर्ति				4	विविध प्राप्तियां		1815142	3665349
i)	रिग. भुगतान	188531971			5	सी. एल. टी. डी. पर ब्याज		24387210	5177059
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान								
	प्राप्त सामग्री	4611078	193143049	175038001					
5	कार्यालय व्यय		13506571	15905165					
6	भवन अनुरक्षण		8406039	5584625					
7	i) मशीनरी एवं उपकरण की								
	मरम्मत एवं अनुरक्षण		60055	465472					
	व्यय पर आय की अधिकता								
	डॉ. रा. प्र. केंद्र		67239478	16317784					
	उप - कुल (ख)		**747414423**	**593084864**				**747414423**	**593084864**

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (ग)

	गैर - योजना				1	**सहायता अनुदान**			
1	वेतन एवं भत्ते एवं मजदूरी		887030105	805444517		(क) योजना (राजस्व सामान्य)		47651177	38956350
						(ख) उपभोज्य हेतु रोगी खाते			
2	यात्रा व्यय		3045724	1648750		से निधि का अंतरण			
						पुर्जे एवं अनुशंगी/अनुरक्षण		9915466	
3	सामग्री एवं आपूर्ति		231790718	199659278		(ग) गैर - योजना		1070065000	974600000
4	कार्यालय आकस्मिकता		14176979	10280555	2	**राजस्व प्राप्तियां**			
						क) अस्पताल प्राप्तियां	34759268		
5	मशीनरी एवं उपकरण की					ख) वर्ष 2011-12 में बाहृय			
	मरम्मत एवं अनुरक्षण		2916862	12608203		रोगियों से प्राप्त राशि	57010		
						ग) 2011-12 में देय राशि	256350	34958608	31868381
6	भवन अनुरक्षण		28200134	20853476					
					3	विविध प्राप्तियां		9933823	10633920
7	उपभोज्य हेतु								
	पुर्जे एवं अन्नुांगी / अनुरक्षण		9118213		4	किराया प्रभार/लाइसेंस शुल्क		922483	748467
8	वेतन योजना(राजस्व सामान्य)		47576479	38956350	5	वापसी एवं वसूली		1419213	1833470
9	नई पेंशन योजना		5366751	0	6	ब्याज		20925401	22141634
					7	लेवी प्रभार		81500	275240
					8	परिवहन		0	1516
	सी. टी. रोगी खाता					**सी. टी. रोगी खाता**			
1	भंडार हेतु खरीद		324435514	255304927	1	रोगियों से प्राप्तियां		259621929	236995666
2	बैंक प्रभार				2	वर्ष 2011 - 2012 के			
						दौरान ब्याज		10087034	12186189
3	ह. तं. कें. खाता एम्स								
	में अंतरित		42500000		3	रद्द चैक		1877563	2827600
	एंजियोग्राफी रोगी खाता					**एंजियोग्राफी रोगी खाता**			
1	भंडार हेतु खरीद		200286819	168999058	1	रोगियों से प्राप्तियां		190545391	171709833
2	निर्धन रोगी उपचार व्यय		6288293		2	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान ब्याज		5361074	3206393
3	ह. तं. कें. खाता एम्स				3	रद्द चैक		9348657	1188603
	में अंतरित		17500000						
	गामा नाइफ रोगी खाता					**गामा नाइफ रोगी खाता**			
1	भंडार हेतु खरीद			2188300	1	रोगी प्राप्तियां		22947550	12800000
2	एम. आर. आई. प्रभार			885000					
3	नये चैक			75000	2	ब्याज		7037522	9289361
4	बैंक प्रभार		438						
	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता					**तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता**			
1	भंडार की खरीद		53998610	47702234	1	रोगियों से प्राप्तियां		59320646	54283479

2	बैंक प्रभार		195	2	सावधि / सी. एल. टी. डी. ब्याज	487008	29514
3	ह. तं. कें. खाता एम्स			3	रद्द चैक	451253	101313
	में अंतरित	15000000					
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
1	सी. टी. रोगी खाता			1	हृ. त. केंद्र	33349294	8392151
2	एंजियो रोगी खाता		7105771	2	सी. टी. रोगी खाता	95348988	3295472
3	गामा नाइफ रोगी खाता	29984634	18941061	3	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	8739703	
4	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता		6711877	4	एंजियो रोगी खाता	18819990	
	उप - कुल (ग)	**1919216273**	**1597364552**			**1919216273**	**1597364552**

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

1	वेतन एवं भत्ते	283883913	249539942	1	सहायता अनुदान (गैर - योजना)	486000000	388600000
2	टी. ए. / डी. ए. व्यय	2584133	2417297	2	सहायता अनुदान सामान्य (योजना)	17448742	
3	सामग्री एवं आपूर्ति	180078844	124918747	3	विविध अस्पताल प्राप्तियां	17064366	13454596
4	भवन अनुरक्षण	10812820	10772244	4	आई. सी. एम. आर.	375000	375000
5	बाह्य स्रोत	18528948	18889519	5	ब्याज प्राप्तियां	3643558	1936937
6	आकस्मिक व्यय	2989491	2507227				
7	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	12491605	7856542				
8	मशीनरी एवं उपकरण की						
	व्यापक वार्षिक अनुरक्षण निविदा	17172166					
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
	सं. रो. कैं. अ.				सं. रो. कैं. अ.	4010254	12534985
	उप - कुल (घ)	**528541920**	**416901518**			**528541920**	**416901518**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना (ङ)

1	वेतन एवं भत्ते	51898392	49627028	1	सहायता अनुदान (योजना)	84618532	68436321
2	मजदूरी	4247851	4226506	2	अस्पताल प्राप्ति	341880	309370
3	i) सामग्री एवं आपूर्ति व्र्ा 2011-12	24021782	24884784	3	विविध प्राप्ति	15586	56298
	ii) अग्रिम से प्राप्त सामग्री	28932					
4	जीआईएफ - एचआईवी खाते में अंतरण	11000		4	यूएनडीसीपी सें अंतरण	57000	
5	एनपीएस	164060					
	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन. डी. डी. टी. सी.) (यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना)				**राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन. डी. डी. टी. सी.) (यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना)**		
1	टी. ए. समायोजित	2255000	170000	1	सहायता अनुदान (योजना)	3246094	7525450
2	विविध / कार्यालय आकस्मिकता	71905	231073				
				2	विविध प्राप्ति	2695359	37808
3	एन. डी. डी. टी. सी. खाते में अंतरण	57000					
4	वि.स्वा.सं. को वापसी	898097					
5	वेतन एवं भत्ते	358315	21400				
6	आवास समायोजित	285860	68727				
7	जलपान	194145	28900				
8	परिवहन	166777	33090				
9	प्रशिक्षण अग्रिम समायोजित	2294250					
11	आरटीजीएस	150					
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
1	एन. डी. डी. टी. सी.	4660981		1	एन. डी. डी. टी. सी.		9936329
2	यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना		7010068	2	यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना	640046	
	उप - कुल (ङ)	**91614497**	**86301576**			**91614497**	**86301576**

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (च)

1	सामग्री एवं आपूर्ति / आकस्मिकता	224904177	196834112	1	सहायता अनुदान राजस्व (सामान्य) (श्रम शक्ति / अनिवार्य सेवाएं)	792708681	600535586
2	श्रम शक्ति / बाह्य स्रोत	38555013	35875309				
				2	अस्तपाल प्राप्तियां	8098590	18574399
3	वेतन एवं भत्ते	437532803	290394817				
				3	टी. डी. आर. पर ब्याज	15907532	3665413
4	इंजी. अनुरक्षण आदि	90421117	84730316				
	व्यय पर आय की अधिकता						
	जे. पी. एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	25301693	14940844				
	उप - कुल (च)	**816714803**	**622775398**			**816714803**	**622775398**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (छ)

1	वेतन एवं भत्ते	15794316	11775860	1	सहायता अनुदान (योजना) (आरजी)	42962000	46900000
2	सामग्री एवं आपूर्ति	19740541	23408061	2	बैंक द्वारा एस.टी.डी.आर. पर ब्याज	59176	1499528
3	भवन अनुरक्षण	5778794	5282751	3	विविध प्राप्तियां	8800	25900
4	कार्यालय व्यय	2039776	1691812	4	अस्पताल प्राप्तियां	1517180	1628070
5	बैंक प्रभार	7840	3175				
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	1185889	7891839				
	उप - कुल (छ)	**44547156**	**50053498**			**44547156**	**50053498**
	महा योग (क) से (छ)	**9580388297**	**8259721111**			**9580388297**	**8259721111**

ह.	ह.	ह.
वित्त सलाहकार	**वरिष्ठ वित्त सलाहकार**	**निदेशक**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2012 के अनुसार तुलन - पत्र

अ. भा. आ. सं. (मुख्य) (क) (राशि रुपयों में)

	देयताएं अ. भा. आ. सं. (मुख्य)		2011-12	2010-11
1	शेष			
क)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं (स्कीम सेल)		197351	384882
2 क)	भारत सरकार से पूंजी अनुदान			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	10330885907		
ii)	क) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	2179893684		
	ख) डॉ.बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ. से प्राप्त	1000000		
iii)	क) वर्ष 2011 - 12 के दौरान निराकृत मशीनरी एवं उपकरण के कारण न्यून	67852104		
iv)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान छटनी की गई न्यून पुस्तकें	5935		
v)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान निराकृत फर्नीचर के कारण न्यून	829994		
vi)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान निराकृत वाहनों के कारण न्यून	2116599	12440974959	10330885907
B)	चूक समिति			
	i) वर्ष 2010-11 तक अनुदान	317500000		
	ii) वर्ष 2011-12 के दौरान	1000000000	1317500000	317500000
3	पी. एम. आर. ए. डी. आई. पी. स्कीम हेतु कल्याण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान		1218	1218
4	केंद्रीयकृत दुर्घटना एवं अभिघात सेवाएं		29142	29142
5	मधुमेह नियंत्रण		420000	420000
6	एड्स		2400000	2400000
7	गैर - संस्थान योजनाएं विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदानों का अव्ययित शेष (परिशिष्ट - क)		546782088	473784355
8	दान किए गए वाहन			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक	3508197		
ख)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
ग)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान निराकृत वाहन		3508197	3508197
9	दान की गई पुस्तकें			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक	166238		
ख)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान	18415	184653	166238
10	दान			

	परिसंपत्तियां अ. भा. आ. सं. (मुख्य)		2011-12	2010-11
1	नकद राशि			
क)	अग्रदाय (एम्स कोषाध्यक्ष)		683950	292524
ख)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं (स्कीम सेल)		197351	384882
2	बैंक में नकद			
क)	(i) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	1171035301		
	(ii) अ. भा. आ. सं. (मुख्य) के पास बचे हुए विशिष्ट अनुदानों का अव्ययित शेष	341419426	1512454727	860767003
ख)	स्कीम सेल		201224501	62074945
3	जी.पी.एफ. बैंक खाता		61154988	67558097
4	एन. पी. एस. बैंक खाता		16386441	10867288
5	निवेश (परिशिष्ट - ग)		3572687823	3014594656
6	रजत जयंती निधि		200000	200000
7	विविध देनदार स्कीम सेल (परिशिष्ट - ख)		4138161	3476841
8	विविध जमा (परिशिष्ट -ङ)		330986	330986
9	वसूलनीय अग्रिम			
i)	कार		1235461	1806789
ii)	मोटर साइकिल - स्कूटर		1100576	1064104
iii)	साइकिल		132311	129291
i v)	कंप्यूटर अग्रिम		2823419	3391264
v)	भवन निर्माण अग्रिम		12119401	14852641
VI)	त्योहार		2106250	1751675
10	बाह्य वसूलियां			
11	कर्मचारी बीमा योजना			814015
12	फर्नीचर एवं उपस्कर (एम्स)			
क)	वर्ष 2010 - 2011 तक	724085		
ख)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	1517285		
ग)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान निराकृत फर्नीचर	829994	1411376	724085
13	मशीनरी एवं उकपरण			

	(परिशिष्ट - ग)		10902514	10902514
11	विविध दान (परिशिष्ट - घ)			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक	2873476		
ख)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान प्राप्तियां	425337		
ग)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान न्यून व्यय	343550	2955263	2873476
12	कर्मचारी बीमा योजना		2507778	
13	बाह्य वसूलियां		26577498	41567597
14	जमा कार्य			
क)	स्टार फोर्ड इंडिया		1589098	1589098
ख)	राजगढ़िया विश्राम सदन		1483711	1483711
ग)	सुरेखा विश्राम सदन		1985	1985
घ)	श्री साईं विश्राम सदन		500	
ङ)	आयुर्विज्ञान नगर केबल हेतु एमटीएनएल		112	
15	जमानत जमा / बयाना राशि			
क)	वर्ष 2010 - 2011 तक	96914713		
ख)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	55438282		
ग)	वर्ष 2010 - 2011 तक की प्राप्तियों पर भुगतान	41809764		
घ)	वर्ष 2011 - 2012 तक की प्राप्तियों पर भुगतान	6125000	104418231	96914713
16	अवधान राशि			
क)	वर्ष 2010 - 2011 तक	1324433		
ख)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्तियां	19375	1343808	1324433
17	सा.भ.नि. खाता (परिशिष्ट च)		3123324387	2729734329
18	एन. पी. एस. (परिशिष्ट च)		516386441	352767288
19	बर्तन निधि			
	i) वर्ष 2010 - 11 तक	1963377		
	ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	28740	1992117	1963377
20	नाको			
क)	मशीनरी एवं उपकरण	-	1932605	1932605
21	आवर्ती निधि			
	क) वर्ष 2010 - 2011 तक	115504453		
	i) वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्ति	72098705		
	ii) वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय	54064822		
	iv) "प्राप्ति" के अनुसार अंतरित एसएफसी अनुमोदन अनुसार	102168000	31370336	115504453
22	प्रसवोत्तर कार्यक्रम			
	क) वर्ष 2010 - 2011 तक	565050		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के			

क.	**अ. भा. आ. सं. (मुख्य)**			
	क) वर्ष 2010 - 11 तक	5654728224		
	ख) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान			
	i) मशीनरी एवं उपकरण	216031990		
	ii) पुर्जे एवं अनुशंगी	65991491		
	ग) सं.रो.कैं.अ. प्राप्तियों से मूत्र रोग विज्ञान व्यय (योजना)	1000000		
	घ) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त उपकरण	280815023		
	ङ) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान निराकृत मशीनरी	67852104	6150714624	5654728224
ख.	**एड्स**		820600	820600
ग.	नाको खरीदी गई मशीनरी एवं उपकरण		1932605	1932605
14	**अग्रिम भुगतान**			
क	सामग्री एवं आपूर्ति (गैर - योजना)			
	i) वर्ष 2010 - 11 तक	7352511		
	ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	9737625		
	iii) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त न्यून सामग्री एवं आपूर्ति	14892477	2197659	7352511
ख.	**मशीनरी एवं उपकरण की विदेशी खरीद हेतु (योजना)** (योजना)			
	i) वर्ष 2010 - 11 तक	255710106		
	ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	418748632		
	iii) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त न्यून उपकरण	282791468	391667270	255710106
ग	भवन सामग्री की खरीद हेतु पी. एंड. ए. ओ को अग्रिम भुगतान			
	i) वर्ष 2011 - 2012 तक	35479228		
	ii) वर्ष 2011-2012 के दौरान समायोजन	9609605	25869623	35479228
घ	अस्थायी आकस्मिक अग्रिम			
	i) वर्ष 2010-2011 तक	23624452		
	ii) वर्ष 2011-2012 के दौरान	32084006		
	iii) गत वर्ष 2011-2012 के दौरान समायोजन	23624452	32084006	23624452
ङ	भंडार हेतु प्राइवेट फर्म			
	i) वर्ष 2010 - 2011 तक	3609320		
	ii) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान			
	iii) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान समायोजन न्यून	120343	3488977	3609320
च	विद्युत कनेक्शन के लिए जमानत हेतु सचिव, एन.डी.एम.सी.		670950	670950
छ	पी. एंड ए.ओ. (भंडार प्राप्ति हेतु)			
	i) वर्ष 2010-2011 तक	3234257		
	ii) वर्ष 2011-2012 के दौरान	4000000		
	iii) वर्ष 2011-2012 के दौरान समायोजन न्यून	1952013	5282244	3234257
ज	मशीनरी एवं उपकरण हेतु सीमा शुल्क			
	i) वर्ष 2010-2011 तक	129982816		
	ii) वर्ष 2011-2012 के दौरान जमा	105144337	235127153	129982816

	दौरान प्राप्तियां	400000		
	ग) वर्ष 2011 - 12 के दौरान व्यय	545175	419875	565050
23	वी. वी. आई. पी.		120842	120842
24	संसद भवन एनेक्सी पर वी. वी. आई. पी. उपचार वर्ष 2011 - 12 तक		7600	7600
25	कॉक्लियर रोगी उपचार खाता			
	वर्ष 2010 - 2011 तक	811576		
	क) वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्ति	34829450		
	ख) वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय	34722600		
	ग) अग्रिम भुगतान से व्यय		918426	811576
26	जननी सुरक्षा योजना (जे.एस.वाई) खाता			
	क) वर्ष 2010 - 2011 तक	26000		
	ख) वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्ति	26000		
	ग) वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय	25000	27000	26000
27	वि. स्व. सं.-इन-कंट्री फैलोशिप खाता			
	क) वर्ष 2010 - 2011 तक	794259		
	ख) वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्ति	-		
	ग) वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय	73772	720487	794259

झ	पुस्तकें एवं पत्रिकाओं हेतु			
	i) वर्ष 2010 - 2011 तक	40772821		
	ii) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान जमा	41877157		
	iii) गत वर्षों में किया गया अग्रिमों का समायोजन	25357839	57292139	40772821
ञ	कंप्यूटरकरण हेतु नेशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर सर्विसिज इंक		95293333	
ट	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएचपीडी को नाला हेतु			
	i) वर्ष 2010 - 2011 तक	118000000		
	ii) वर्ष 2011-2012 के दौरान समायोजन	68000000	50000000	118000000
ठ	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएचपीडी को डॉक्टर छात्रावास हेतु		1181250	1181250
ड	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएचपीडी को सब-स्टेशन के निर्माण हेतु		5000000	5000000
ढ	मै. दिल्ली मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन			
	i) वर्ष 2010 - 2011 तक	60842700		
	ii) वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	842700	60000000	60842700
ण	नई दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन को पूर्वी एवं पश्चिमी परिसर में एलटी - लाइन के आवर्धन हेतु		12755500	12755500
त	नई दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन को एच टी ट्रांसफॉर्मर एवं केबल डालने हेतु		7463500	7463500
थ	नाला ढकना			
	i) वर्ष 2010 - 2011 तक	153383000		
	ii) वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	141011943	12371057	153383000
द	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को लिफ्ट हेतु		14000000	14000000
ध	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को शल्य चिकित्सा वार्ड हेतु		1711770	1711770
न	भवन निर्माण हेतु कैरियर इक्यूपमेंट इंडिया प्राइवेट लि.		192602	192602
प	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को लुबरिकेंट डीजल ऑयल हेतु			
	i) वर्ष 2010-2011 तक	7895039		
	ii) वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	7612565	282474	7895039
फ	नई दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को भवन निर्माण हेतु		18733600	18733600
ब	अ.भा.आ.सं. में इंजीनियरिंग सेवा विभाग का अपग्रेडिंग आर्किटेक्चरल सेल		45132	45132
भ	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. दीपक इले. कं.) विद्युत कार्य हेतु		190890	190890
म	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. सेनिको इंड.) विद्युत कार्य हेतु		98486	98486
य	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. सूर्य रोशनी) विद्युत कार्य हेतु		266165	266165
कक)	मै. ब्लू स्टार लि.			

	(वातानुकूलन कार्य हेतु) अनुरक्षण के लिए		1742488	1742488
क ख)	मै. ब्लू स्टार लि. (वातानुकूलन कार्य हेतु) निर्माण के लिए			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	222853		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	222853	0	222853
क ग)	मै. कंप्टन ग्रीव्ज लि. (विद्युत कार्य हेतु)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	180807		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	180807	0	180807
क घ)	मै. यूनिवर्सल कंफर्ट (वातानुकूलन कार्य हेतु)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	1262512		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	987411	275101	1262512
क ङ)	मै. कैरियर एयर कंडीशनिंग (वातानुकूलन कार्य हेतु)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	2415422		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	1831187	584235	2415422
क च)	मै. वीडियोकॉन इंड. लि. (वातानुकूलन कार्य हेतु)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	1083247		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	523406	559841	1083247
क छ)	मै. वोल्टास लि. वातानुकूलन कार्य हेतु			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	859688		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	397855	461833	859688
क ज)	मुख्य लेखा नियंत्रक भंडार की खरीद हेतु		3343957	3343957
क झ)	मै. इंद्रप्रस्थ सी.एन.जी. पाइप लाइन हेतु		10405000	10405000
क ञ)	आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय, मै. रश्मि इंडस्ट्री, वातानुकूलन कार्य हेतु		2976242	2976242
क ट)	मै. एल. जी इलेक्ट्रिक स्पिलिट एसी, वातानुकूलन एवं विद्युत कार्य हेतु			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	1192355		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	930095	262260	1192355
क ठ)	एक्स. इंजी. एस. जे एच (सी.पी.डब्ल्यू. डी.) सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु		11344542	11344542
क ड)	मै. हिटेची फ्लेक्स (वातानुकूलन कार्य हेतु)			
i)	वर्ष 2010-2011 तक	1032950		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	1032950	0	1032950
क ढ)	मै. एच. एस. सी. सी. लि., निर्माण हेतु		1000000	1000000
क ण)	न्यायमूर्ति लोकेश्वर प्रसाद, को मध्यस्थता शुल्क हेतु			
i)	वर्ष 2010-2011 तक	22201		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	22201	0	22201
क त)	कुल सचिव, गुरू गोविंद सिंह विश्वविद्यालय परामर्श शुल्क हेतु		18000	18000
क थ)	मै. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, लुबरिकेंट डीजल ऑयल हेतु (लघु कार्य)		2487842	2487842
क द)	मै. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, लुबरिकेंट डीजल ऑयल हेतु (बड़े कार्य)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	457695		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	457695	0	457695

क ध)	मै. एचएससीसी, मास्टर प्लान की			
	तैयारी हेतु (बड़े कार्य)		105874500	105874500
क न)	मै. एचएससीसी, राजकुमारी अमृत कौर			
	ओ.पी.डी. की मरम्मत एवं नवीकरण		136540015	136540015
	हेतु (बड़े कार्य)			
क प)	मै. एचएससीसी, सरलीकरण ब्लॉक			
	हेतु (बड़े कार्य)		14500000	14500000
क फ)	मै. एचएससीसी, पीसी शिक्षण			
	खंड का निर्माण (बड़े कार्य)		3000000	3000000
क ब)	मै. एल्पाइन इंडस्ट्री, पीओ एसी यूनिट			
	हेतु (बड़े कार्य)		36918	36918
क भ)	मै. एल्पाइन इंडस्ट्री, पीओ एसी यूनिट			
	हेतु (लघु कार्य)		285376	285376
क म)	मै. सिदवाल रैफ्रीजिरेशन, पीओ एसी यूनिट			
	हेतु (लघु कार्य)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	290518		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	68488	222030	290518
	समायोजन			
क य)	मै. सिदवाल रैफ्रीजिरेशन, पीओएसी यूनिट			
	हेतु (बड़े कार्य)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	481289		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	481289	0	481289
	समायोजन			
ख क)	मै. कोहली एंड कं., वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	253034		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	28198	224836	253034
	समायोजन			
ख ख)	मै. वीडियोकॉन इंड. लि. पीओ एसी हेतु			
	(लघु कार्य)		59622	59622
ख ग)	मै. अणु सोलार पावर (पी.) लि.			
	वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	1495194		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	1495194	0	1495194
	समायोजन			
ख घ)	मै. अणु सोलार पावर (पी.) लि.			
	वातानुकूलन हेतु (बड़े कार्य)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	6454930		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	6454930	0	6454930
	समायोजन			
ख ङ)	मै. यूनिवर्सल कंफर्ट			
	वातानुकूलन यूनिट हेतु (लघु कार्य)			
i)	वर्ष 2010-2011 तक	1513900		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	1513900	0	1513900
	समायोजन			
ख च)	मै. एल.जी. इलैक्ट., पीओ एसी हेतु			
	(बड़े कार्य)		1310504	1310504
ख छ)	मै. एल.जी. इलैक्ट., पीओ एसी हेतु			
	(लघु कार्य)		335815	335815
ख ज)	एक्स. इंजी. एस. जे एच (सीपीडब्ल्यूडी)			
	सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु (लघु कार्य)		12500000	12500000
ख झ)	एक्स. इंजी. एस. जे एच (सीपीडब्ल्यूडी)			
	अतिरिक्त लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		4868896	4868896
ख ञ)	एक्स. इंजी. सीपीडब्ल्यूडी, वार्ड ब्लॉक में			
	लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		1000000	1000000
ख ट)	एक्स. इंजी. सीपीडब्ल्यूडी,			
	सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु (बड़े कार्य)		10900000	10900000
ख ठ)	एक्स. इंजी. सीपीडब्ल्यूडी,			
	नाला ढकने हेतु चरण-।। (बड़े कार्य)		50000000	50000000
ख ड)	एक्स. इंजीनियरिंग एम्स सी. पी. डब्ल्यू. डी.,			
	छात्रावास निर्माण हेतु (बड़े कार्य)		5000000	5000000

ख ढ)	मै. हीटेची होम्स सोल्यूशन्स पी/ओ एसी हेतु (लघु कार्य)			
i)	वर्ष 2010 - 2011 तक	3823111		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान समायोजन	3645524	177587	3823111
ख ण)	मै. हीटेची होम्स सोल्यूशन्स पी/ओ एसी हेतु (बड़े कार्य)		488308	488308
ख त)	मै. गुरू देव सिंह सन्स, वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)		302357	302357
ख थ)	मै. उषा इंटरनेशनल लि., वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)		315020	315020
ख द)	एचएससीसी मास्टर प्लान सर्जिकल ब्लॉक की तैयारी हेतु चरण -।। (चूक)		5868950	
ख ध)	एचएससीसी पीसी एवं शिक्षण खंड चरण -।। हेतु (चूक)		83814950	
ख न)	एचएससीसी, एम्स परिसर में छात्रावास ब्लॉक के निर्माण हेतु (चूक)		55699950	
ख प)	एचएससीसी राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी की मरम्मत हेतु (बड़े कार्य)		16899950	
ख फ)	एचएससीसी एक्स इंजीनियर, दिल्ली जल सेवा हरियाणा सरकार (बड़े कार्य)		50000000	
ख ब)	नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियर रेस. इनस्टिटूयूट(एनईईआरआई) (बड़े कार्य)		. 900000	
ख भ)	डीएमआरसी एम्स और ट्रॉमा केंद्र के बीचे जोड़ने वाली सुरंग हेतु (बड़े कार्य)		250000000	
ख म)	सीपीडब्ल्यूडी लिफ्ट हेतु (बड़े कार्य)		10000000	
ख य)	सीपीडब्ल्यूडी नाला ढकने हेतु चरण -।। (बड़े कार्य)		100000000	
ग क)	एचएससीसी भूमिगत पार्किंग हेतु (बड़े कार्य)		299499950	
ग ख)	एचएससीसी आउटरीच ओपीडी बाढ़सा (हरियाणा) हेतु (बड़े कार्य)		95000000	
ग ग)	महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लि. पी/ओ ट्रेक्टर हेतु (लघु कार्य)		431510	
ग घ)	सीड एडवांस तबस्सुम कंस्ट्रक्शन कं. हेतु (लघु कार्य)		680408	
ग ङ)	हीटेची होम्स पी/ओ स्पलिट एसी हेतु (लघु कार्य)		204423	
ग च)	हीटेची होम्स डब्ल्यूटीसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)		196328	
15	पुस्तकें एवं प्रकाशन			
i)	पुस्तकें एवं पत्रिकाएं (खरीदी)			
	क) वर्ष 2010 - 11 तक	304030643		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	25508255		
	ग) वर्ष 2011- 12 के दौरान छंटाई की गई न्यून पुस्तकें	5935		
	घ) गत वर्ष में किये गए अग्रिमों का समायोजन	25357839	354890802	304030643
ii)	दान की गई पुस्तकें			
	क) वर्ष 2010 - 11 तक	166238		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	18415	184653	166238
16	भवन निर्माण			
	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक	2800271854		
ख)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान	382500930		
ग)	अग्रिमों का समायोजन	9609605		
घ)	अग्रिमों का समायोजन	68000000		
ङ)	अग्रिमों का समायोजन	141011943		
च)	अग्रिमों का समायोजन	842700		
छ)	अग्रिमों का समायोजन	7612565		

निर्धन रोगी खाता

1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	
	क) अथ शेष	
	i) नकद / बैंक	1475638
	ii) एफ. डी. आर.	984180
	ख) प्राप्तियां	
	i) अनुदान	244600
	ii) ब्याज	274404
	iii) भुगतान	90295
	ग) अंत शेष	

ज)	अग्रिमों का समायोजन	222853		
झ)	अग्रिमों का समायोजन	180807		
छ)	अग्रिमों का समायोजन	987411		
ट)	अग्रिमों का समायोजन	1831187		
ठ)	अग्रिमों का समायोजन	523406		
ड)	अग्रिमों का समायोजन	397855		
ढ)	अग्रिमों का समायोजन	930095		
ण)	अग्रिमों का समायोजन	1032950		
त)	अग्रिमों का समायोजन	22201		
थ)	अग्रिमों का समायोजन	457695		
द)	अग्रिमों का समायोजन	68488		
ध)	अग्रिमों का समायोजन	481289		
न)	अग्रिमों का समायोजन	28198		
प)	अग्रिमों का समायोजन	1495194		
फ)	अग्रिमों का समायोजन	6454930		
ब)	अग्रिमों का समायोजन	1513900		
भ)	अग्रिमों का समायोजन	3645524		
			3430123580	2800271854
18	**अग्रिम भुगतान**			
i)	इंडियन आयरन एंड स्टील कं.		572139	572139
ii)	टाटा आयरन एंड स्टील कं.		654154	654154
iii)	हिंदुस्तान स्टील लि.		520295	520295
iv)	इंडियन आयरन एंड स्टील कं.		594000	594000
19	**भूमि लेखा**			
	वर्ष 2011 - 12 तक		112832263	112832263
20	**वाहन**			
क	वाहन (एम्स) हेतु खरीद			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक	31015554		
ख)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
i)	परिवहन कार्यालय			
ii)	अस्पताल भंडार	637563		
ग)	वर्ष 2011-12 के दौरान निराकृत न्यून वाहन	2116599	29536518	31015554
ख	अ.भा.आ.सं. हेतु दान किए गए वाहन			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक	3508197		
ख)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
ग)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान निराकृत वाहन		3508197	3508197
21	बाह्य रोगियों से वसूलनीय अस्पताल प्राप्तियां			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक	4379079		
ख)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान	3316084		
ग)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान वसूल की गई राशि	2525702	5169461	4379079
22	चूक समिति			
क)	बड़े कार्य			
	i) वर्ष 2010-11 तक	317499700		
	ii) वर्ष 2011-12 के दौरान	21681424	339181124	317499700
ख)	मशीनरी एवं उपकरण (भंडार)		38263518	

निर्धन रोगी खाता

1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)		
	क) नकद / बैंक	1685917	1475638
	ख) एफ. डी. आर.	1202610	984180

	i) नकद / बैंक		1685917	1475638					
	ii) एफ. डी. आर.		1202610	984180					
	<u>रोगी उपचार खाता</u>					**<u>रोगी उपचार खाता</u>**			
1	अ. भा. आ. सं.					अ. भा. आ. सं.		91464066	64128212
	क) अथशेष	64128212							
	ख) प्राप्तियां								
	i) अनुदान	95637076							
	ii) ब्याज	2951433							
	iii) भुगतान	71234407							
	iv) बैंक प्रभार	18248							
	ग) अंत शेष		91464066	64128212					
	<u>छात्रावास</u>					**<u>छात्रावास</u>**			
	<u>जमानत जमा</u>				1	नकद राशि		-	32881
	i) वर्ष 2010 - 11 तक	2227780							
	ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान				2	बैंक में नकद		396906	322179
	प्राप्तियां	1517000							
	iii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान				3	एफ. डी. आर.		5026772	4121000
	न्यून वापसी	1165500	2579280	2227780					
	<u>जरा चिकित्सा विभाग</u>					**<u>जरा चिकित्सा विभाग</u>**			
1	निदेशक हेतु देय राशि (मुख्य)		1000			बैंक में नकद राशि		36954889	
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>								
1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)								
	i) वर्ष 2010 - 11 तक	94514989							
	ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान								
	आय पर व्यय की अधिकता न्यून	91929632							
	iii) "प्राप्ति" अनुसार जमा की गई आवर्ती								
	निधि, एसएफसी के अनुमोदन अनुसार	102168000	104753357	94514989					
2	छात्रावास								
	i) वर्ष 2010 - 11 तक	2248280							
	ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	596118	2844398	2248280					
3	जरा चिकित्सा विभाग								
	i) वर्ष 2011 - 12 तक		36953889						
	उप - कुल (क)		**18382482739**	**14655543924**				**18382482739**	**14655543924**

<u>डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (ख)</u>

I	<u>भारत सरकार से पूंजी अनुदान</u>				1	<u>नकद राशि</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	1084453974				क) अग्रदाय		20000	20000
ii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान	273600000							
iii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान (आरजी)	12174067			2	बैंक में नकद		112157899	64667551
iv)	वर्ष 10-11 दौरान निराकृत फर्नीचर	305305			3	वसूलनीय अग्रिम			
v)	निराकृत मशीनरी एवं उपकरण वर्ष 11-12	53416408	1316506328	1084453974	**क)**	**कार**			
II	गत वर्ष के अनुसार एन. पी. सी. बी.		25629000	25629000	i)	वर्ष 2010 -11 तक	98532		
III	दान किए गए वाहन				ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान भुगतान	150000		
	(व्र्रा 2011 - 12 तक)		896357	896357	iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान वसूली	86580	161952	98532
IV	डी.बी.सी.एस. / एन.पी.सी.बी. के तहत								
	वाहन खरीद (व्र्रा 2011 - 12 तक)		455574	455574	**ख)**	**स्कूटर**			
					i)	वर्ष 2010-11 तक	62284		
V	**गैर - रा. प्र. केंद्र स्कीम**				ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान भुगतान	0		
1	**<u>एनबीएन एमरो नेत्र रक्षा</u>**				iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान वसूली	46500	15784	62284
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	82080							
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त				**घ)**	**भवन निर्माण अग्रिम**			
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	19989	62091	82080	i)	वर्ष 2010-11 तक	842205		
					ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान भुगतान			
2	**<u>एक्यूएट बैक्ट्रियल कंजेक्टिविटिस</u>**				iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान वसूली	210115	632090	842205
i)	वर्ष 2010 - 11 तक								
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त				**ङ)**	**कंप्यूटर अग्रिम**			
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय			0	i)	वर्ष 2010-11 तक	102000		
					ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान भुगतान			
3	**<u>प्रशासनिक प्रभार</u>**				iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान वसूली	62500	39500	102000
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	1243325							

ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	1469266		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	653453	2059138	1243325
4	<u>एक्रोसॉफ्ट (बाउच एंड लोम्ब)</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	0		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	..		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय			0
5	<u>ए एम डी व्यू स्टडी</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	10020067		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	1430441		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	11155862	294646	10020067
6	<u>बैक्ट्रियल कार्नियल अल्सर</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	1827		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	36000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	37827	0	1827
7	<u>ब्रीमिरीडाइन डीएस / डीडीएस</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	188081		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	39366		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	208770	18677	188081
8	<u>मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	240564		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	189346		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	304786	125124	240564
9	<u>नैदानिक मूल्यांकन एओडी</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	92150		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	150000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	242150	0	92150
10	<u>ब्लिंक एंड क्लिन में नैदानिक मूल्यांकन</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	-		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त			
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय		0	0
11	<u>प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा में सीजीडी</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	41445		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	..		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	..	41445	41445
12	<u>सी. एस. आई. आर.</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	0		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	2554352		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	2554352	0	
13	<u>डी. सी. डी. आर. एफ.</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	0		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	35000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	35000	0	0
14	<u>डी.ई.जी.ए.एस</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	318113		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	131400		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	265439	184074	318113

च)	**त्योहार अग्रिम**			
i)	वर्ष 2010-11 तक	433470		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	795000		
iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान वसूली	732825	495645	433470
4	<u>मशीनरी एवं उपकरण (योजना)</u>			
i)	वर्ष 2010 -11 तक	802641569		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	7188237		
iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्ति	175006602		
iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान निराकृत	53416408	931420000	802641569
5	<u>मशीनरी एवं उपकरण (गैर - योजना)</u>			
i)	वर्ष 2011 - 12 तक		5872266	5872266
6	<u>पूंजी परिसंपति (भवन)</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	113033138		
ii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान	12174067	125207205	113033138
7	एन. पी. सी. बी. (मशी. एवं उपकरण)		7002852	7002852
8	आई. सी. एम. आर. (मशी. एवं उपकरण)		605150	605150
9	<u>वाहन</u>			
क) i)	वर्ष 2010-11 तक रा. प्र. कें. के वाहन	4589299		
ii)	वर्ष 2011-12 में खरीदे गए वाहन			
iii)	निराकृत वाहन	0	4589299	4589299
ख)	दान किए गए वाहन वर्ष 2011 - 12 तक		1351931	1351931
10	**फर्नीचर एवं उपस्कर**			
i)	वर्ष 2010 -11 तक	3289249		
ii)	वर्ष 2011 -12 के दौरान	3062274		
iii)	वर्ष 11-12 के दौरान निराकृत फर्नीचर	305305	6046218	3289249
11	विविध देनदार		76253	76253
12	<u>विदेशी खरीद हेतु किये गए अग्रिम भुगतान</u>			
i)	वर्ष 2010 -11 तक	178120197		
ii)	वर्ष 2011 -12 के दौरान	263349489		
iii)	अग्रिम से प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण	175006602	266463084	178120197
13	<u>सामग्री एवं आपूर्ति (रा. प्र. के.)</u>			
i)	वर्ष 2010 -11 तक	4611078		
ii)	वर्ष 11-12 में विदेशी खरीद हेतु किये गए अग्रिम भुगतान	8149089		
iii)	वर्ष 11-12 के दौरान प्राप्त सामग्री (-)	4611078	8149089	4611078

15	**<u>डी. एम. ई.</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	258723		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	263988		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	513609	9102	258723
16	**<u>डी. एन. बी. जांच</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	5000		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	0	5000	5000
17	**<u>ई.एन.डी.यू.आर.ई.</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	169620		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	308400		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	478020	0	169620
18	**<u>एफ.टी.जी.</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	69897		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	96090		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	165987	0	69897
19	**<u>हाई प्रीसीजन बिल एनेलिटियल (एचपी-बीएएफ)</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	272380		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	342700		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	237612	377468	272380
20	**<u>आई.सी.एम.आर</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	9902792		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	7430522		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	11004659	6328655	9902792
21	**<u>इंडिजेन (एलएसटीएम)</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	125847		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	9617	116230	125847
22	**<u>लक्स 201 ओमनी केयर</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	1014374		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	83977	930397	1014374
23	**<u>एम.ए. फाउंडेशन</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	149719		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	600000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	385067	364652	149719
24	**<u>एम.के. मीडिया कॉर्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	762328		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	475218	287110	762328
25	**<u>एन.ए.बी.</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	1008648		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	720000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	1513620	215028	1008648
26	**<u>नावर्टिस शील्ड अध्ययन</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	6870		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	8000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	14870	0	6870
27	**<u>एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस. प्रशिक्षण</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	505549		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	416720	88829	505549
28	**<u>एनपीसीबी नेत्र शिविर गोड्डा झारखंड</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	..		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	142165		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	142165	0	0
29	**<u>एनपीसीबी / डीबीसीएस</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	774250		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	50000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	809221	15029	774250

30	**<u>एनपीसीबी - एनएसयू</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	290000		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	162210	127790	290000
31	**<u>एनपीसीबी - एसएसयू</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	142065		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	157935		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	274114	25886	142065
32	**<u>ओ.ई.यू.</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	116532		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	330570		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	355234	91868	116532
33	**<u>ओर्बिस पीईसीपी</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	71140		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	0	71140	71140
34	**<u>फार्माकोकिनेटिक कुइनेकरिन</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	289452		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	283583	5869	289452
35	**<u>फेज -।। ऐजरिलेटिड मेक्यूलर</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	228892		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	424800		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	653692	0	228892
36	**<u>पोसुडुरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	905164		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	216641		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	694253	427552	905164
37	**<u>ओजुर्डेक्स अध्ययन</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	0		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	180000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	18000	162000	
38	**<u>मायोपिया अध्ययन</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	0		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	1000000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	829542	170458	0
39	**<u>एसएसएमआई - वीएफए</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	315880		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	674000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	667386	322494	315880
40	**<u>शुल्क नेत्र का व्यापक उपचार</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	0		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	207000		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	101700	105300	0
41	**<u>वि.स्वा.सं. मेलेसिया</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	0		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	455600		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	455600	0	0
42	**<u>वि.स्वा.सं. अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	0		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	148500		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	0	148500	0
43	**<u>कार्यशाला</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	31600		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	0	31600	31600
VI	**<u>एनआईएएफ</u>**			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	1261193		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	3417	1257776	1261193

VII	**एनपीसीबी**						
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	827					
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	0					
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	0	827	827			
VIII	**जमानत जमा की वापसी**						
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	1821000					
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	55000					
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान व्यय	25000	1851000	1821000			
IX	**अ.भा.आ.सं. छूट**						
	वर्ष 2010 - 11 तक	215790					
	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	0	215790	215790			
X	**बाह्य वसूलियां**						
	वर्ष 2011 - 12 तक		11288	11288			
	निर्धन रोगी खाता				निर्धन रोगी खाता		
1	नकद	186104			नकद / बैंक	332390	186104
2	प्राप्तियां						
	i) ब्याज	9801					
	ii) दान	267740					
	iii) विविध प्राप्तियां						
	iii) भुगतान	131255					
3	अंत शेष		332390	186104			
XI	**व्यय पर आय की अधिकता**						
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	43029647					
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	67239478	110269125	43029647			
	उप - कुल (ख)		**1470638607**	**1187605128**		**1470638607**	**1187605128**

हृदय वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (ग)

1	राशि देय परंतु भुगतान नहीं				1	नकद राशि			
	(कोषाध्यक्ष)					क) अग्रदाय (कोषाध्यक्ष, ह. तं. केंद्र)		41000	41000
2	**भारत सरकार से पूंजी अनुदान**					ख) राशि देय परंतु भुगतान नहीं			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक	3900679137							
ख)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान				2	बैंक में नकद		103302133	171455298
	i) पूंजी परिसंपति (नई)	240703982							
	ii) राजस्व सामान्य	37948823			3	वसूलनीय अग्रिम			
	iii) पुर्जे एवं अनुशंगी/अनुरक्षण हेतु					क) कंप्यूटर		936140	846450
	रोगी खाते से निधि					ख) कार		606952	696544
	का अंतरण	51484534				ग) साइकिल		1800	-
ग)	मशीनरी एवं उपकरण की					घ) स्कूटर		834676	772212
	पिछली खरीद में शुद्धि न्यून	155963460	4074853016	3900679137		ङ) भवन निर्माण अग्रिम		6219470	6146510
						च) त्योहार अग्रिम		941585	721660
3	सं. रो. कैं. अ. से अंतरित राशि		1478400	1478400					
					4	मशीनरी एवं उपकरण			
4	साईं भक्त समाज द्वारा दान किये गए					i) वर्ष 2010 - 11 तक	3184929047		
	वाहनों की लागत		613384	613384		ii) वर्ष 2011-2012 के दौरान	131089332		
						iii) मशीनरी एवं उपकरण			
5	सी. टी. रोगी खाता मशीनरी एवं					के पुर्जे एवं अनुशंगी	51484534		
	उपकरण अंतरित साईं भक्त समाज		49025000	49025000		iv) अग्रिम भुगतान से प्राप्त			
						मशीनरी एवं उपकरण	156376451		
6	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता					v) मशीनरी एवं उपकरण			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	22511861				की पिछली खरीद में	155963460	3367915904	3184929047
						शुद्धि न्यून			
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	13424932							
iii)	वर्ष 11-12 में न्यून वापसी / व्यय	10365366	25571427	22511861	5	सी. टी. रोगी खाते से			
						अंतरित मशीनरी एवं उपकरण		49025000	49025000
7	बाह्य वसूलियां / संस्थान वसूली								
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	303170			6	विदेशी खरीद हेतु अग्रिम भुगतान			
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	39005	342175	303170		क) मशीनरी एवं उपकरण			
						i) वर्ष 2010 - 11 तक	138473223		
8	दान					ii) वर्ष 2011-2012 के दौरान	151002991		
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	2094072				iii) वर्ष 2011-2012 के दौरान			

ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	5100		
ii)	वर्ष 11-12 के दौरान व्यय न्यून	746020	1353152	2094072
9	<u>जमानत जमा</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	31490964		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त	3254000		
iii)	न्यून वापसी	5980000	28764964	31490964
10	<u>थैलियम</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	2404157		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	3429000		
iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय न्यून	3641495	2191662	2404157
11	<u>हृदय प्रतिरोपण दान</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	274919		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	0		
iii)	न्यून व्यय	0	274919	274919
12	<u>प्रयोगशाला जांच</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	3086695		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	8316255		
iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय न्यून	9500531	1902419	3086695
13	<u>हृदय जांच</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	7211482		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	4420820		
iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान व्यय न्यून	3573871	8058431	7211482
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
1	तंत्रिका विज्ञान केंद्र			
क)	नकद / बैंक	101932		
ख)	दान	35179		
ग)	भुगतान	3988		
घ)	अंत शेष		133123	101932
	<u>सी. टी. रोगी खाता</u>			
	<u>एंजियोग्राफी रोगी खाता</u>			
	<u>गामा नाइफ रोगी खाता</u>			
	<u>तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता</u>			
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>			
1	**<u>हृ. तं. केंद्र</u>**			
क)	वर्ष 2010 - 11 तक			
2	सी. टी. रोगी खाता			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	321025780		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 में आय पर व्यय की अधिकता न्यून	95348988		
iii)	रद्द चैक के लिए जारी किए गए नये चैक न्यून	1853681	223823111	321025780
3	एंजियोग्राफी रोगी खाता			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	97189957		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान आय पर व्यय की अधिकता	18819990		

	प्राप्त न्यून उपकरण	156376451	133099763	138473223
7	<u>भवन निर्माण / लघु कार्य</u>			
i)	वर्ष 2010-11 तक	285594650		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	37948823	323543473	285594650
8	कार्य के लिए अग्रिम		174596762	174596762
9	<u>बाह्य रोगियों से देय राशि</u>			
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	1606180		
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	256350		
iii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान प्राप्त न्यून राशि	57010	1805520	1606180
10	<u>वाहन</u>			
i)	एम्बुलेंस ओर्बो		1305522	1305522
11	फर्नीचर एवं उपस्कर			
i)	वर्ष 2010-11 तक	2603929		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	1236790		
iii)	निराकृत फर्नीचर		3840719	2603929
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
1	तंत्रिका विज्ञान केंद्र			
क)	नकद / बैंक		133123	101932
	<u>सी. टी. रोगी खाता</u>			
1	सावधि जमा		170000000	299400000
2	बैंक में नकद		53823111	21625780
	<u>एंजियोग्राफी रोगी खाता</u>			
1	श्री डालचंद वर्मा, कोषाध्यक्ष से वसूलनीय नकद		3245441	3245441
2	सावधि जमा		19800000	79200000
3	बैंक में नकद		54339147	14744516
	<u>गामा नाइफ रोगी खाता</u>			
1	सावधि जमा		197300000	126400000
2	बैंक में नकद		16353119	57268485
	<u>तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता</u>			
1	सावधि जमा		15900000	31800000
2	बैंक में नकद		16888680	9915213
	<u>आय पर व्यय की अधिकता</u>			
1	**<u>हृ. तं. केंद्र</u>**			
i)	वर्ष 2010-11 तक	2359254		
ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान	24053276	26412530	2359254

iii)	रद्द चैक के लिए					
	जारी किए गए नये चैक न्यून	985379	77384588	97189957		
4	गामा नाइफ रोगी खाता					
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	183668485				
ii)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	29984634	213653119	183668485		
5	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता					
i)	वर्ष 2010 - 11 तक	41715213				
ii)	वर्ष 2011 - 2012 में आय					
	पर व्यय की अधिकता	8739703				
iii)	नए चैक न्यून	186830	32788680	41715213		
	उप - कुल (ग)		**4742211570**	**4664874608**	**4742211570**	**4664874608**

डॉ. बी. आर. अं. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

1	पूंजी अनुदान			
	क) वर्ष 2010 - 11 तक	1570673895		
	ख) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	50000000		
	ग) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान न्यून			
	राजस्व सामान्य (योजना)	10362642		
	घ) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान			
	निराकृत मशीनरी एवं उपकरण न्यून	12796593		
	ङ) वर्ष 2011 - 2012 के दौरान			
	निराकृत न्यून फर्नीचर	112496	1597402164	1570673895
2	आर टी आवर्ती निधि			
(i)	वर्ष 2010 -11 तक	5928010		
(ii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान जमा	2760458		
(iii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
	न्यून भुगतान	6976699	1711769	5928010
3	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान आवर्ती निधि			
(i)	वर्ष 2010 -11 तक	1459007		
(ii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान जमा	511460		
(iii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
	न्यून भुगतान	1497848	472619	1459007
4	ई.एम.डी. एवं जमानत जमा			
(i)	वर्ष 2011 - 2012 के दौरान	164000		
(ii)	वर्ष 2011-12 के दौरान न्यून भुगतान	24980	139020	164000

1	**बैंक में नकद**		19863732	28911048
2	**राजस्व सामान्य (योजना)**			
	लघु कार्य			
	क) वर्ष 2010 - 11 तक	28574428		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	3051258	31625686	28574428
3	कंप्यूटर अग्रिम			
	(i) वर्ष 2010 - 11 तक	275977		
	(ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
	(iii) वर्ष 2011-12 के दौरान	82200	193777	275977
	न्यून वसूलियां			
4	**भवन निर्माण अग्रिम**			
	वर्ष 2011 - 12 तक		87750	87750
5	**कार / स्कूटर अग्रिम**			
	i) वर्ष 2010 -11 तक	113755		
	ii) वर्ष 2011-12 के दौरान जमा	54000		
	iii) वर्ष 2011-12 के दौरान	75116	92639	113755
	न्यून वसूलियां			
6	**अग्रिम भुगतान**			
	मशीनरी एवं उपकरण			
	क) वर्ष 2010 -11 तक	73256360		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के	19599500		
	दौरान जमा			
	ग) वर्ष 2011-12 के दौरान	78459002	14396858	73256360
	अग्रिमों (एलसी) का समायोजन			
7	**मशीनरी एवं उपकरण**			
	क) वर्ष 2010 -11 तक	1105743874		
	ख) वर्ष 2011-12 के	7364903		
	दौरान जमा			
	ग) वर्ष 2009-10 के दौरान अग्रिमों			
	(एलसी) का समायोजन जमा	78459002		
	घ) सीडीए / पीडीए का	8279312		
	समायोजन जमा			
	ङ) वर्ष 2011-12 के दौरान निराकृत			
	न्यून मशीनरी एवं उपकरण	12796593	1187050498	1105743874
8	**जमानत जमा एनडीएमसी**		2626000	2626000
9(i)	**भवन निर्माण**			
	वर्ष 2011 -12 तक	294456915		
	वर्ष 2011-12 के दौरान न्यून प्राप्ति	299943	294156972	294456915
10	**वाहन**			
	क) वर्ष 2011 -12 तक		1603082	1603082
11	**फर्नीचर एवं उपस्कर**			
	क) वर्ष 2010 -11 तक	10920197		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	32671		
	ग) वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
	निराकृत न्यून फर्नीचर	112496	10840372	10920197

				12 **सीमा शुल्क एवं पीडीए खाते हेतु**			
				अग्रिम भुगतान			
				(i) वर्ष 2010 - 11 तक	21185342		
				(ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान जमा	9584238		
				(iii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान समायोजित न्यून सीमा शुल्क	8279312	22490268	21185342
				13 **त्योहार अग्रिम**			
				i) वर्ष 2010 -11 तक	132000		
				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	326250		
				iii) वर्ष 2011-12 के दौरान न्यून वसूलियां	108750	349500	132000
निर्धन रोगी खाता				**निर्धन रोगी खाता**			
डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.				डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.			
क) नकद / बैंक	2546411			क) नकद / बैंक		3455807	2546411
प्राप्तियां							
i) अनुदान	925731						
ii) ब्याज	549175						
iii) अधिक जमा							
iv) भुगतान	565510						
ग) अंत शेष							
नकद / बैंक		3455807	2546411				
रोगी उपचार खाता				**रोगी उपचार खाता**			
डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.				डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.			
क) अथशेष	30746984			क) नकद / बैंक		41663018	30746984
ख) अल्पावधिक निवेश				ख) अल्पावधिक निवेश			
ग) एफडीआर	6000000			ग) एफडीआर		6000000	6000000
घ) प्राप्तियां							
i) अनुदान	55378949						
ii) रद्द चैक	284382						
iii) विलंब का ब्याज							
iv) ब्याज	6143						
v) भुगतान	44700161						
vi) विविध भुगतान	53279						
ग) अंतशेष							
i) नकद / बैंक		41663018	30746984				
ii) अल्पावधिक निवेश							
iii) एफडीआर		6000000	6000000				
एचएमसीपीएफ खाता				**एचएमसीपीएफ खाता**			
अथ शेष	996555			नकद / बैंक		1616095	996555
प्राप्तियां	2027331						
वापसी							
रद्द चैक	15056						
भुगतान	1422162						
विविध	685	1616095	996555				
व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**			
i) वर्ष 2010 - 11 तक				i) वर्ष 2010 -11 तक	10338184		
				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	4010254	14348438	10338184
उप - कुल (घ)		**1652460492**	**1618514862**			**1652460492**	**1618514862**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं यूएनडीसीपी परियोजना (ङ)

1 पूंजी निधि वर्ष 2010 - 11 तक	166682002			1 बैंक में नकद		6021395	1257618
क) वर्ष 2011 - 12 के दौरान पूंजी निधि							
ख) मशीनरी एवं उपकरण	1592075			2 मशीनरी एवं उपकरण			
ग) फर्नीचर	382286			क) वर्ष 2010-11 तक	34175761		
घ) पुस्तकें एवं प्रकाशन	3407107			ख) वर्ष 2011-12 के दौरान	1592075	35767836	34175761
ङ) पुस्तकें एवं प्रकाशन अग्रिम			166682002				
च) सीमा शुल्क अग्रिम				3 पुस्तकें एवं प्रकाशन			
का समायोजन	400000	172463470					

2	संस्थान वसूली			
	i) वर्ष 2011 - 12 तक		113215	113215
3	सुरक्षा जमा			
क)	वर्ष 2010 -11 तक	250000		
ख)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान	140000		
ग)	वर्ष 2011 - 12 में जमानत वापसी	5000	385000	250000
4	यूएनडीसीपी के लिए अंतरणीय		632	
	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन.डी.डी.टी.सी.) (यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना)			
	अथ शेष		464680	464680
	व्यय पर आय की अधिकता			
1	एनडीडीटीसी			
	वर्ष 2010 -11 तक	1692673		
	वर्ष 2011 - 12 के दौरान	4660981	6353654	1692673
2	एनडीडीटीसी (यू.एन.डी.सी.पी परियोजना)			
	i) वर्ष 2010 -11 तक	7010068		7010068
	ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
	आय पर व्यय की अधिकता न्यून	640046	6370022	
	उप - कुल (ङ)		**186150673**	**176212638**

	क) वर्ष 2010 -11 तक	18584407		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	3407107	21991514	18584407
4	फर्नीचर एवं उपस्कर			
	क) वर्ष 2010 -11 तक	3478648		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	382286	3860934	3478648
5	भवन निर्माण			
	क) वर्ष 2011 -12 तक		101953715	101953715
6	वाहन			
	क) वर्ष 2010 -11 तक	9033101		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	0		
	ग) निराकृत वाहन		9033101	9033101
7	बाह्य वसूली			
	क) वर्ष 2010 -11 तक	40708		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान न्यून	3232	37476	40708
8	कार अग्रिम			
	क) वर्ष 2010 -11 तक			
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
9	सामग्री एवं आपूर्ति हेतु अग्रिम			
	क) वर्ष 2010 -11 तक	213932		
	ख) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	65000		
	ग) वर्ष 2011 - 12 के दौरान प्राप्त न्यून सामग्री एवं आपूर्ति	28932	250000	213932
10	सीमा शुल्क अग्रिम		400000	
	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन.डी.डी.टी.सी.) (यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना)			
	क) टी.ए. अग्रिम बकाया		34000	
	ख) प्रशिक्षण अग्रिम बकाया		3809250	
	ग) आवास अग्रिम बकाया		100000	
	घ) एनडीडीटीसी से वसूलनीय राशि		632	
	अंत शेष		2890820	7474748
			186150673	**176212638**

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (च)

1	भारत सरकार से पूंजी अनुदान			
(i)	वर्ष 2010 -11 तक	2061295400		
(ii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान			
	क) पूंजी परिसंपति (नई)	158900000		
	ख) राजस्व सामान्य	11991319	2232186719	2061295400
2	जमानत / बयाना राशि जमा			
(i)	वर्ष 2010 -11 तक	6157968		
(ii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान प्राप्ति	6184000		
(iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान न्यून वापसी	3888000	8453968	6157968
3	(रोगी खाता एटीएलएस)			
(i)	वर्ष 2010 -11 तक	842972		
(ii)	वर्ष 2011 - 12 के दौरान प्राप्ति	8345772		
(iii)	वर्ष 2011-12 के दौरान न्यून वापसी	3525050	5663694	842972

1	बैंक में नकद		53543326	21126261
	मै. एचएससीसी			
	बकाया (2010-11) समायोजन		6500000	6500000
	एनडीएमसी के लिए जमानत जमा		5979000	5979000
	आईजीएल के पास जमानत जमा		1304680	1304680
	"ट्राइजन" को अग्रिम भुगतान		1170000	1170000
	(एम.ओ.यू. के अनुसार ऊर्जा मंत्रालय			
2	मशीनरी एवं उपकरण			
	i) वर्ष 2010 - 11 तक विदेशी खरीद हेतु किये गए अग्रिम भुगतान	75258078		
	ii) वर्ष 11-12 के दौरान एल.सी अग्रिम	52525026		
	iii) वर्ष 11-12 में समायोजित अग्रिम न्यून	62943221	64839883	75258078

				3 <u>सीमा शुल्क अग्रिम</u>			
				i) वर्ष 2010 -11 तक	58422024		
				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	20000000		
				iii) वर्ष 11-12 में समायोजित न्यूज	24133124	54288900	58422024
				4 <u>पीडीए अग्रिम</u>			
				i) वर्ष 2010 -11 तक	597845		
				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान अग्रिम	9500000		
				iii) वर्ष 11-12 में समायोजित न्यून	203660	9894185	597845
				5 <u>भवन निर्माण</u>			
				i) वर्ष 2010 -11 तक पूंजीगत कार्य		663099432	663099432
				ii) वर्ष 2011-12 के दौरान लघु कार्य		11991319	
				iii) एम्स को अंतरित भूमि खाता		54310794	54310794
				5 <u>त्योहार अग्रिम</u>			
				i) वर्ष 2010 -11 तक	20400		
				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	40500		
				iii) वर्ष 11-12 के दौरान वसूली	39150	21750	20400
				6 <u>मशीनरी एवं उपकरण</u>			
				i) वर्ष 2010 -11 तक	1160983416		1160983416
				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	75772233		
				iii) वर्ष 11-12 में प्राप्त मशी. एवं उप.	62943221		
				iv) सीमा शुल्क का समावेशन			63673345
				क) वर्ष 2011-12 के दौरान	87806469		
				ख) वर्ष 2011-12 तक पीडीए	3177235	1390682574	2973575
				7 फर्नीचर एवं उपस्कर			
				i) वर्ष 2010 -11 तक	6674314		
				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	1102741	7777055	6674314
<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>							
i) वर्ष 2010 -11 तक	53796824						
ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान जमा	25301693	79098517	53796824				
उप - कुल (च)		**2325402898**	**2122093164**			**2325402898**	**2122093164**

<u>दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (छ)</u>

1 **<u>पूंजी अनुदान</u>**				1 नकद राशि		5000	5000
(i) एम्स मुख्य खाते से अंतरित				2 बैंक में नकद		10455873	9822091
वर्ष 2010 - 11 तक	487260204						
(ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	6000000	493260204	487260204	3 मशीनरी एवं उपकरण			
				i) वर्ष 2010 -11 तक	179627779		
2 जमानत जमा				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	3919729		
(i) वर्ष 2010 - 11 तक	2441090			iii) वर्ष 10-11 के दौरान अग्रिमों			
(ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	310000			से प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण			
(iii) वर्ष 2011 - 12 के				जमा		183547508	179627779
दौरान न्यून वापसी	699845	2051245	2441090				
				4 विदेशी खरीद हेतु किये गए अग्रिम भुगतान			
				i) वर्ष 2010 - 11 तक	0		
				ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	-		
				iii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान समायोजित अग्रिम न्यून			0
				5 भवन			
				(i) एम्स मुख्य खाते से अंतरित वर्ष 2010 - 11 तक	259804427		
				(ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	2242533		
				(iii) अग्रिम भुगतान पर पूंजीगत कार्य			
				(iv) वोल्टास लि. को अग्रिम भुगतान से प्राप्त मद	184589		

				(v) एनडीएमसी को नये कनेक्शन शुल्क के लिए अग्रिम से पूर्ण कार्य	40000	262271549	259804427
				6 एचएससीसी को अग्रिम भुगतान		45668116	45668116
				(i) एनडीएमसी को अग्रिम भुगतान वर्ष 11-12 तक		2364500	2364500
				(ii) एनडीएमसी में जमानत जमा वर्ष 11-12 तक		3000000	3040000
				(iii) डीजीएस एंड डी को अग्रिम भुगतान वर्ष 11-12 तक		469471	469471
				(iv) क) वोल्टास को अग्रिम भुगतान वोल्टास वर्ष 10-11 तक	184589		
व्यय पर आय की अधिकता				ख) वर्ष 11-12 के दौरान समा. अग्रिम	184589	0	184589
i) वर्ष 2010 -11 तक	11284679						
ii) वर्ष 2011 - 12 के दौरान	1185889	12470568	11284679				
उप - कुल (छ)		**507782017**	**500985973**			**507782017**	**500985973**
महायोग (क) से (छ)		**29267128996**	**24925830297**			**29267128996**	**24925830297**

टिप्पणी :-

1 खातों को वास्तविक प्राप्तियों एवं व्यय के आधार पर तैयार किया गया है।

2 मशीनरी एवं उपकरण, वाहनों आदि पर कोई मूल्य ह्रास प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि संस्थान भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्त पोाित है।

3 वर्ष 2010-12 के दौरान विभिन्न परियोजनाओं में अन्वेषकों द्वारा दर्शाया गया विवरण परिशिष्ट - क - । में संलग्न है। यह वर्णित किया जाता है कि अनुसंधान परियोजनाओं के पूर्ण होने पर उपकरणों को या तो वित्त पोषित एजेंसियों को लौटा दिया जाता है या उनको विभागों द्वारा प्रयोग में लाया जाता है।

4 संस्थान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 8 जी (5) (vi) के तहत आयकर से छूट प्राप्त है।

5 चार रोगी खाते अर्थात सीटी रोगी खाता, एंजियो रोगी खाता, एन.एस. रोगी खाता तथा गामा नाइफ रोगी खाते में तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष की तरफ दर्शाई गई राशि व्यय पर आय की अधिकता को प्रस्तुत करती है और यह राशि सावधि में निवेश की गई है। वर्ष 1995 में पैकेज प्रभारों की शुरूआत पर गत वर्षों के दौरान राशि संचित की गई है। पैकेज को रोगियों की सुविधा के लिए आरंभ किया गया और उचित दरों पर प्रयोग की जाने वाली गुणवत्ता उत्पादों को सुनिश्चित किया गया। पैकेज दरों में सेवा प्रभार तथा आईसीयू प्रभार सम्मिलित थे जिन्हें स्थायी वित्त समिति द्वारा अनुमोदित एवं शासी निकाय द्वारा अनुसमर्थित किया गया। बाद में यह निर्णय लिया गया कि रोगियों से ऐसे प्रभार न लिये जाएं और वर्ष 2000 में इसे वापस ले लिया गया। उस अवधि (1995-2000) के दौरान बकाया राशि को संचित किया गया और सावधि जमा पर अर्जित ब्याज को निवेश किया गया। तथापि उस ब्याज का एक भाग निर्धन रोगियों के उपचार हेतु उपयोग किया गया जैसा कि प्राप्ति एवं भुगतान लेखा में दर्शाया गया है। संचित की गई बकाया राशि को पिछले वर्षों के दौरान प्रयोग में नहीं लाया गया क्योंकि इसके प्रयोग के सबंध में किसी प्रकार के दिशा दिर्नेश नहीं थे। उपभोक्ता प्रभारों एवं उस पर ब्याज के कारण संचित बकाया राशि के उपयोग संबंधी मामले को दिनांक 11.11.2010 को आयोजित स्थायी वित्त समिति की बैठक में चर्चा की गई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि संस्थान का समेकित बजट तैयार होने से पहले सभी केंद्र अपने-अपने उप-बजट (वित्त वर्ष 2011-12 से आगे) तैयार करेंगे। वर्ष 2011-12 के बजट में हृद तंत्रिका केंद्र योजना शीर्ष के तहत अपनी योजना आधारित विकास गतिविधियों हेतु संचित बकाया के उपयोग हेतु प्रस्ताव रख सकता है। इसे शासी निकाय द्वारा दिनांक 27.11.2010 को आयोजित बैठक में अपनी पुष्टि प्रदान की गई। तदनुसार, हृद तंत्रिका केंद्र ने चालू वित्त वर्ष 2011-12 के दौरान एंजियो रोगी खाता, सी.टी. रोगी खाता एवं तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता के तहत संचित बकाया मे से रुपये 6.14 करोड उपयोग किये।

6 चालू वर्ष के लिए रु. 5.51 करोड़ की राशि को प्राप्ति के रूप में दर्शाया गया है। दिनांक 30.03.2011 को वर्ष 2010-2011 के लिए चूक समिति की सिफारिशों के तहत श्रम शक्ति आवश्यकता के लिए भुगतान करने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राशि को स्वीकृत किया गया था तथा दिनांक 04.04.2011 को क्रेडिट प्राप्त किया गया था। समीक्ष्य वर्ष के दौरान रु. 10.21 करोड़ की राशि को भी चूक समिति के तहत श्रम शक्ति के भुगतान हेतु उपयोग किया गया। उसी के लिए मंत्रालय से मांग की गई। मंत्रालय ने मांग को नोट कर लिया था और आवश्वासन दिया गया कि वित्त वर्ष की समाप्ति तक संस्थान को रु. 10.21 करोड़ की राशि आबंटित कर दी जाएगी। तथापि, ऐसी कोई राशि मंत्रालय द्वारा आबंटित नहीं की गई। तब से चूक समिति के लिए नियुक्त पदाधिकारियों को नियमित रूप से वित्त वर्ष के दौरान भुगतान किया जा रहा है। संस्थान के पास उपलब्ध बकाया से मांग पूरी की गई। तथापि, मंत्रालय ने निश्चित किया है कि वर्ष 2012-13 के वित्त वर्ष के दौरान रु. 10.21 करोड़ आबंटित किये जाएंगे।

7 एम्स में वित्तीय विषय पर प्रबंधन समिति द्वारा अनुशंसा की गई थी कि आवर्ती / रोगी निधि को अंत तक खुला न रहने दें। बकाया शेष को अगले चक्र की प्रारंभिक सेवाओं की लागतों की ''स्टार्ट - अप'' राशि को छोड़ कर संस्थान के सामान्य राजस्व में अंतरित कर लिया जाए। इस विषय पर दिनांक 11.11.2010 को आयोजित हुई स्थायी वित्त समिति की 197वीं बैठक में विचार विमर्श किया गया और यह निर्णय लिया गया कि वित्त वर्ष की समाप्ति के बाद दो महीनों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु एक पर्याप्य ''स्टार्ट-अप'' राशि की संबंधित विभाग के पास रखा जाए और अतिरिक्त निधि को संस्थान के संबद्ध मुख्य लेखा में सामान्य प्राप्ति के रूप में अंतरित कर दिया जाए। इसे दिनांक 27.11.2010 को शासी निकाय द्वारा अनुसमर्थित किया गया था। तदनुसार, आवर्ती निधियों के संचित बकायों में से रुपये 102168000/- की बकाया राशि संस्थान के मुख्य लेखा में प्राप्ति के रूप में अंतरित कर दी गई है और वर्ष के दौरान राशि का उपयोग कर लिया गया है।

ह.	ह.	ह.
वित्त सलाहकार	**वरिष्ठ वित्त सलाहकार**	**निदेशक**

परिशिष्ट-क

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

वर्ष 2011 - 12 का विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु प्राप्त अनुदान के व्यय को दर्शाने वाला विवरण

		अथ शेष							समायोजन	शेष	
क्र.सं.	वित्त पोषित एजेंसी	जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	स्थापना	व्यय	जमा नामे	जमा	नाम
	संस्थान अनुसंधान अनुदान	0.00		28,403,000.00	28403000.00	2372190.00	0.00	2372190.00		26030810.00	
1	आई.सी.एम.आर.	80,294,340.00		231,116,346.00	311410686.00	206760400.00	7,538,230.00	214298630.00		97112056.00	
2	सी.एस.आई.आर.	16,955,514.00		34,842,440.00	51797954.00	32140796.00	119,538.00	32260334.00		19537620.00	
3	डी.एस.टी.	47,418,982.00		45,966,725.00	93385707.00	72743230.00	1,560,754.00	74303984.00		19081723.00	
4	यूनिसिफ	278,421.25		1,032,856.00	1311277.25	765862.00	51,642.00	817504.00		493773.25	
5	डी.बी.टी.	140,443,265.00		136,344,620.00	276787885.00	110223530.00	5,169,094.00	115392624.00		161395261.00	
6	विश्व स्वास्थ्य संगठन	14,188,160.00		6,760,201.00	20948361.00	6679910.00	201,773.00	6881683.00		14066678.00	
7	यू.जी.सी.	7,350,696.00		6,291,367.00	13642063.00	12184537.00	0.00	12184537.00		1457526.00	
8	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	882,873.00		3,383,265.00	4266138.00	4077887.00	52,167.00	4130054.00		136084.00	
9	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय	172,326.00		1,047,200.00	1219526.00	660094.00	31,416.00	691510.00		528016.00	
10	डाबर अनुसंधान संस्था	508,578.00		0.00	508578.00	0.00	0.00	0.00		508578.00	
11	इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग	56,370.00		0.00	56370.00	0.00	0.00	0.00		56370.00	
12	हिमालय औषध कं.	74,494.00		1,291,742.00	1366236.00	0.00	0.00	0.00		1366236.00	
13	अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी	1,646,296.00		0.00	1646296.00	1341187.00	53,012.00	1394199.00		252097.00	
14	कॉनवेटी साइब	2,328.00		0.00	2328.00	0.00	0.00	0.00		2328.00	
15	राजीव गांधी संस्था		-989.00	0.00	-989.00	0.00	0.00	0.00			-989.00
16	शिक्षा निदेशालय (एनएसएस)	29,598.00		0.00	29598.00	6799.00	0.00	6799.00		22799.00	
17	टोरंट फार्मा	1,350,000.00		0.00	1350000.00	84671.00	0.00	84671.00		1265329.00	
18	इंडो-यू.एस.	749,033.00		0.00	749033.00	0.00	0.00	0.00		749033.00	
19	फोर्ड फाउंडेशन	458,594.00		0.00	458594.00	0.00	0.00	0.00		458594.00	
20	फुलफोर्ड इंडिया लि.	274,523.00		579,375.00	853898.00	464722.00	17,381.00	482103.00		371795.00	
21	राष्ट्रीय थैलेसेमिया कल्याण सोसायटी	71,019.00		50,000.00	121019.00	118600.00	1,500.00	120100.00		919.00	
22	इन्कलेन		-118,368.00	0.00	-118368.00	0.00	0.00	0.00			-118368.00
23	यू.के. कैंसर अनुसंधान संस्थान समन्वय समिति		-7,209.00	0.00	-7209.00	0.00	0.00	0.00			-7209.00
24	केंद्रीय योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद	328,754.00		239,554.00	568308.00	623781.00	7,187.00	630968.00			-62660.00
25	रेनबेक्सी / इलीलिली एवं प्रा. कंपनी लि.	1,895,062.00		446,581.00	2341643.00	341146.00	38,268.00	379414.00		1962229.00	
26	राट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यूएसए	6,643,639.00		3,601,083.00	10244722.00	5167820.00	143,569.00	5311389.00		4933333.00	
27	एन.आई.ई.	32,665,302.00		21,747,307.00	54412609.00	11045168.00	0.00	11045168.00		43367441.00	
28	साराभाई कैमिकल्स		-4868	0.00	-4868.00	0.00	0.00	0.00			-4868.00
29	आई.एन.एस.ए.	25,331.00		0.00	25331.00	0.00	0.00	0.00		25331.00	
30	एस.आर.बी. नैदानिक भेषजगुण विज्ञान		-3,154,100.00	0.00	-3154100.00	0.00	0.00	0.00			-3154100.00
31	पेनेसिया बायोटेक लि.	27,876.00		0.00	27876.00	19792.00	0.00	19792.00		8084.00	
32	औषध / एसएनएमसी हेतु आवर्ती निधि	195,710.00		0.00	195710.00	0.00	0.00	0.00		195710.00	
33	परमाणु ऊर्जा नियंत्रण बोर्ड	403,629.00		0.00	403629.00	-6000.00	0.00	-6000.00		409629.00	
34	फाइजर लि.	1,882,218.85		687,748.50	2569967.35	800185.00	20,632.00	820817.00		1749150.35	
35	नाटको फार्मा इंडिया	24,579.00		0.00	24579.00	0.00	0.00	0.00		24579.00	
36	मैरीलैंड विश्वविद्यालय	90,282.00		0.00	90282.00	0.00	0.00	0.00		90282.00	
37	ग्लैक्सो इंडिया लि.	217,377.00		0.00	217377.00	0.00	0.00	0.00		217377.00	
38	रक्षा मंत्रालय (डी.आर.डी.ओ.)	1,286,072.00		0.00	1286072.00	979687.00	0.00	979687.00		306385.00	
39	एम बी आई किट्स	8,867.00		0.00	8867.00	0.00	0.00	0.00		8867.00	
40	नोवा नॉर्डिक्स इंडिया प्रा. लि.	303,321.00		0.00	303321.00	0.00	0.00	0.00		303321.00	
41	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	222,292.00		640,700.00	862992.00	712642.00	32,035.00	744677.00		118315.00	
42	सिस्टिक फिबरोसिस / वर्ल्ड वाइड, यू.एस.ए	14,605.00		0.00	14605.00	0.00	0.00	0.00		14605.00	
43	कोनार्ड, यूएसए	591.00		0.00	591.00	0.00	0.00	0.00		591.00	

44	कैंसर फाउंडेशन	44,245.00		0.00	44245.00	0.00	0.00	0.00	44245.00	
45	नोवर्टिस इंडिया लि.	3,550,796.53		1,643,972.94	5194769.47	2446070.00	92,372.00	2538442.00	2656327.47	
46	महर्षि आयुर्वेद	163400		0.00	163400.00	49075.00	0.00	49075.00	114325.00	
47	यू. एन. अंतरराष्ट्रीय औषध एवं अपराध नियंत्रक	438,126.00		2,473,352.00	2911478.00	874372.00	12,367.00	886739.00	2024739.00	
48	रसन फार्मा. लि. मुंबई	5,425.00		0.00	5425.00	0.00	0.00	0.00	5425.00	
49	केंद्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद	1,504,846.00		913,040.00	2417886.00	1613029.00	27,391.00	1640420.00	777466.00	
50	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय	77,882.00		0.00	77882.00	0.00	0.00	0.00	77882.00	
51	क्विंटिलस स्पेक्ट्रल इंडिया	3,025,329.86		1,149,453.10	4174782.96	1030396.00	34,485.00	1064881.00	3109901.96	
52	सूचना एवं प्रौद्योगिकी और संचार मंत्रालय	387,830.00		0.00	387830.00	440387.00	0.00	440387.00		-52557.00
53	बरगेन विश्वविद्यालय, नार्वे	2,195,628.00		3,235,245.00	5430873.00	3533871.00	97,057.00	3630928.00	1799945.00	
54	जाइड्स हेल्थ केयर लि.		-398.00	0.00	-398.00	0.00	0.00	0.00		-398.00
55	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.	2,587,013.00		1,474,693.78	4061706.78	2218076.00	44,241.00	2262317.00	1799389.78	
56	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान संघ		-276.00	0.00	-276.00	0.00	0.00	0.00		-276.00
57	एमिल फार्मास्युटिकल इंडिया लि.		-331.00	0.00	-331.00	0.00	0.00	0.00		-331.00
58	फार्मेसिया इंडिया प्रा.लि.	837.00		0.00	837.00	0.00	0.00	0.00	837.00	
59	आई.एन.सी.टी.आर. यू.एस.ए	291,378.00		714,362.00	1005740.00	1041558.00	0.00	1041558.00		-35818.00
60	एम्क्योर फार्मास्युटिकल लि.	49869.00		0.00	49869.00	56249.00	0.00	56249.00		-6380.00
61	दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स	125,118.00		415,805.00	540923.00	423724.00	0.00	423724.00	117199.00	
62	भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि.	12,241.00		0.00	12241.00	0.00	0.00	0.00	12241.00	
63	एल.जी. केमिकल्स इंडिया प्रा.लि.		-668.00	0.00	-668.00	0.00	0.00	0.00		-668.00
64	वॉकहार्ड मुंबई	749,459.00		0.00	749459.00	0.00	0.00	0.00	749459.00	
65	एन एस डी (जमानत जमा)	2,667,350.00		2,041,000.00	4708350.00	604000.00	0.00	604000.00	4104350.00	
66	सनोफी पाश्चुर इंडिया प्रा.लि.	123,346.00		0.00	123346.00	0.00	0.00	0.00	123346.00	
67	हेल्पेज इंडिया			873,500.00	873500.00	1300000.00	0.00	1300000.00		-426500.00
68	जॉनसन एंड जॉनसन	25,391.90		372,788.65	398180.55	340821.00	11,183.00	352004.00	46176.55	
69	बीजिंग तोशीबी फार्मास्युटिकल कं. लि.	180,235.00		0.00	180235.00	0.00	0.00	0.00	180235.00	
70	सी. पी. डब्ल्यू. डब्ल्यू. जेरूसलम	6,534.00		0.00	6534.00	0.00	0.00	0.00	6534.00	
71	एवेंटिस फार्मास्युटिकल, यू.एस.ए	14,135.00		0.00	14135.00	0.00	0.00	0.00	14135.00	
72	डॉ. रेड्डीज. लैब. प्रा. लि.	16,456.00		490,000.00	506456.00	368995.00	32,536.00	401531.00	104925.00	
73	हिंदुस्तान लेटैक्स परिवार नियोजन प्रोत्साहन		-7,020.00	0.00	-7020.00	0.00	0.00	0.00		-7020.00
74	सिरो क्लिन फार्मा. प्रा. लि.	2,204,368.00		561,535.00	2765903.00	1218432.00	26,846.00	1245278.00	1520625.00	
75	चरक फार्मा (प्रा.) लि.	139,299.00		0.00	139299.00	57300.00	0.00	57300.00	81999.00	
76	इन्कलेन एवं यू.एस.ए. आई.डी.	24.00		0.00	24.00	0.00	0.00	0.00	24.00	
77	सेविंग न्यूबोर्न लाइव्स यू.एस.ए.		-10898	0.00	-10898.00	0.00	0.00	0.00		-10898.00
78	दानिदा अनुसंधान परिषद	19.00		0.00	19.00	0.00	0.00	0.00	19.00	
79	दि माइक्रो न्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया		-4,702.00	0.00	-4702.00	0.00	0.00	0.00		-4702.00
80	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	449,074.00		3,280,115.00	3729189.00	3534387.00	58,356.00	3592743.00	136446.00	
81	एलबामा विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.	34,753,611.00		76,713,302.00	111466913.00	41417911.00	2,301,399.00	43719310.00	67747603.00	
82	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद	4,920.00		0.00	4920.00	0.00	0.00	0.00	4920.00	
83	स्टर्लिंग सिनर्जी सिस्टम (प्रा.) लि.	63,580.00		0.00	63580.00	5000.00	0.00	5000.00	58580.00	
84	रिलाएंस नैदानिक अनुसंधान सेवाएं (प्रा.) लि.	2,718,777.64		230,769.00	2949546.64	654322.00	6,923.00	661245.00	2288301.64	

85	के.एल.पी.एफ., यू.एस.ए	16,473.00		0.00	16473.00	0.00	0.00	0.00	16473.00	
86	वुलीमिनी रामालिंगास्वामी फाउंडेशन		-6,508.00	0.00	-6508.00	0.00	0.00	0.00		-6508.00
87	टेक्सस ए. एंड एम. अनुसंधान फाउंडेशन (टीएएमआरएफ) यू.एस.ए	16,237.00		0.00	16237.00	0.00	0.00	0.00	16237.00	
88	बायोमेरियोक्स इंडिया (प्रा.) लि.	12,011.00		0.00	12011.00	0.00	0.00	0.00	12011.00	
89	मीडिया लैब एशिया		-11,301.00	0.00	-11301.00	0.00	0.00	0.00		-11301.00
90	वारविक विश्वविद्यालय, यू.के.		-1061	0.00	-1061.00	0.00	0.00	0.00		-1061.00
91	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन	56.00		0.00	56.00	0.00	0.00	0.00	56.00	
92	भारत सीरम एंड वैक्सिन लि.		-10,000.00	0.00	-10000.00	0.00	0.00	0.00		-10000.00
93	सी डी फार्मा इंडिया प्रा. लि.	357,698.00		1,468,823.00	1826521.00	915498.00	146,882.00	1062380.00	764141.00	
94	कोडमेन एंड शुर्टलिफ, इंक., यू.एस.ए	42,138.00		0.00	42138.00	0.00	0.00	0.00	42138.00	
95	खंडेलवाल लेबोरेट्रीज लि.	805.00		0.00	805.00	0.00	0.00	0.00	805.00	
96	स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय	1,250,047.00		0.00	1250047.00	1307314.00	0.00	1307314.00		-57267.00
97	लाजोला फार्मस्युटिकल कं., कैलिफोर्निया	454,411.00		0.00	454411.00	59074.00	0.00	59074.00	395337.00	
98	इंस्टीट्यूट डे रिर्चेज इंटरनेशनल सर्वर (आईआरआईएस), फ्रांस		-2034	0.00	-2034.00	0.00	0.00	0.00		-2034.00
99	बोन एवं ज्वाइंट डिकेड इंडिया	130.00		0.00	130.00	0.00	0.00	0.00	130.00	
100	एंटीसेंस फार्मा.जी.एम.बी.एच., जर्मनी	3,339.00	575,649.00	578988.00	444614.00	57,564.00	502178.00		76810.00	
101	आई एस एच टी एम	691,310.00		600,000.00	1291310.00	1260202.00	18,000.00	1278202.00	13108.00	
102	राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) हैदराबाद	109.00		0.00	109.00	0.00	0.00	0.00	109.00	
103	वीथ फार्मास्यूटिकल्स इंक			2,656,942.00	2656942.00	79969.00	79,708.00	159677.00	2497265.00	
104	पेरेग्राइन फार्मस्युटिकल, यू.एस.ए	783,913.00		297,000.00	1080913.00	618665.00	8,910.00	627575.00	453338.00	
105	बी ए आर सी		-1210	278,759.00	277549.00	270264.00	8,363.00	278627.00		-1078.00
106	ओजोन फार्मस्युटिकल लि.	107,209.00		123,640.00	230849.00	101990.00	3,709.00	105699.00	125150.00	
107	ओवेशन फार्मस्युटिकल, यू.एस.ए	39,827.00		0.00	39827.00	0.00	0.00	0.00	39827.00	
108	दिल्ली तपेदिक उन्मूलन समिति	10,824.00		0.00	10824.00	0.00	0.00	0.00	10824.00	
109	जॉन हॉपकिन्स बलूम्बर्ग पब्लिक स्वास्थ्य विद्यालय (जे.एच.बी.एस.पी.एच.)	713,149.00		4,535,285.00	5248434.00	4572371.00	136,059.00	4708430.00	540004.00	
110	क्लिनजीन अंतराष्ट्रीय प्रा. लि.	738,022.00		0.00	738022.00	12313.00	0.00	12313.00	725709.00	
111	डीआरडीओ	827,378.00		1,699,000.00	2526378.00	861596.00	84,950.00	946546.00	1579832.00	
112	फ्रीडम ट्रायल	86,253.00		0.00	86253.00	0.00	0.00	0.00	86253.00	
113	डायजिन कॉर्पोरेशन, यू.एस.ए	42,184.00		0.00	42184.00	0.00	0.00	0.00	42184.00	
114	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष)	467,023.00		9,720,249.00	10187272.00	8583414.00	476,603.00	9060017.00	1127255.00	
115	कोब, जापान	10,221.00		0.00	10221.00	0.00	0.00	0.00	10221.00	
116	आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	36,017.00		503,718.00	539735.00	506939.00	15,112.00	522051.00	17684.00	
117	ट्रोका फार्मा लि.	25,414.00		25,000.00	50414.00	15000.00	2,500.00	17500.00	32914.00	
118	इंटरनेशनल पेडिएट्रिक्स नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन	615,762.00		0.00	615762.00	152803.00	0.00	152803.00	462959.00	
119	नेशनल पेरीनेटल एपिडेमियोलॉजी यूनिट,	687,797.00		4,249,124.50	4936921.50	2814407.00	127,474.00	2941881.00	1995040.50	
120	एबॉट वेस्कूलर, यू.एस.ए	482,902.00		0.00	482902.00	0.00	0.00	0.00	482902.00	
121	यूरोपियन कमीशन	1,958,286.00		2,566,604.00	4524890.00	2269645.00	76,998.00	2346643.00	2178247.00	
122	सिनेर्जी नेटवर्क इंडिया प्रा. लि.	551.00		0.00	551.00	0.00	0.00	0.00	551.00	
123	सोल्वे फार्मा लि.	13,465.00		0.00	13465.00	0.00	0.00	0.00	13465.00	
124	रेलिसिस मेडिकल डिवाइसिज लि.		-3,433.00	0.00	-3433.00	0.00	0.00	0.00		-3433.00
125	पीपीडी फार्मस्युटिकल डेवलपमेंट इंडिया प्रा. लि.		-15,050.00	70,497.00	55447.00	76000.00	2,115.00	78115.00		-22668.00
126	ऑक्सीलियम टेक्नीकल एण्ड मेनेजमेंट	400.00		0.00	400.00	0.00	0.00	0.00	400.00	

127	मै. एसप्रिवा फार्मेस्युटिकल कॉर्पोरेशन, कनाडा		-41,266.00	0.00	-41266.00	0.00	0.00	0.00		-41266.00
128	क्लिनिरक्स रिसर्च प्रा. लि., गुड़गांव हरियाणा	119,602.00		593,221.00	712823.00	183263.00	17,797.00	201060.00	511763.00	
129	सेनोफी-एवंटिस			43,950.00	43950.00	0.00	4,395.00	4395.00	39555.00	
130	केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	551,024.00		2,432,000.00	2983024.00	1157185.00	112,600.00	1269785.00	1713239.00	
131	क्लिनसाइट, यू.एस.ए	665.00		0.00	665.00	0.00	0.00	0.00	665.00	
132	मै. मार्केन्सस अनुसंधान प्रभाग		-4,745.00	0.00	-4745.00	0.00	0.00	0.00		-4745.00
133	थ्रैसहोल्ड फार्मस्युटिकल, यू.एस.ए		-3,136.00	0.00	-3136.00	0.00	0.00	0.00		-3136.00
134	लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, यू.के.	137,225.00		0.00	137225.00	-9000.00	0.00	-9000.00	146225.00	
135	ग्लैक्सो स्मिथ क्लिन एशिया प्रा. लि.	998,675.00		1,976,391.00	2975066.00	276325.00	59,292.00	335617.00	2639449.00	
136	एजिनोमोटा कं. जापान	43,855.00		442,475.00	486330.00	411001.00	44,247.00	455248.00	31082.00	
137	दि इंटरनेशनल सोसायटी फॉर पेडिएट्रिक न्यूरोसर्जरी (आईएसपीएनई)	408.00		0.00	408.00	0.00	0.00	0.00	408.00	
138	एम.एस.डी. (इंडिया) प्रा. लि.	768,394.00		174,150.00	942544.00	644293.00	5,224.00	649517.00	293027.00	
139	सोलूमिक्स हर्बेस्युटिकल लि.	13.00		0.00	13.00	0.00	0.00	0.00	13.00	
140	केडिला हेल्थ केयर लि.	52,751.00		59,000.00	111751.00	52611.00	5,900.00	58511.00	53240.00	
141	ए. ओ. स्पाइन इंटरनेशनल, यूएसए	373,985.00		262,241.00	636226.00	410208.00	7,867.00	418075.00	218151.00	
142	शिरे ह्यूमन जिनेटिक थिरेपीज, इंक, यू.एस.ए	2,666,470.00		1,956,071.30	4622541.30	2176843.00	58,682.00	2235525.00	2387016.30	
143	सेंटोकोर रिसर्च एंड डेवलपमेंट, यूएसए	55,079.00		0.00	55079.00	50282.00	0.00	50282.00	4797.00	
144	नीमान मेडिकल इंटरनेशनल एशिया लि.	237,385.00		0.00	237385.00	0.00	0.00	0.00	237385.00	
145	एपोथेकेरिज लि.	435.00		0.00	435.00	0.00	0.00	0.00	435.00	
146	परेक्सल इंटरनेशनल लि., यू.के.	2,078,615.27		1,562,516.00	3641131.27	791691.00	46,875.00	838566.00	2802565.27	
147	ऑक्सीजन, यूएसए	215,126.84		0.00	215126.84	0.00	0.00	0.00	215126.84	
148	हिंदुस्तान लेटेक्स लि.	237,387.00		415,000.00	652387.00	202033.00	21,903.00	223936.00	428451.00	
149	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	122,761.00		0.00	122761.00	109839.00	0.00	109839.00	12922.00	
150	ओवरसीज एसोसिएट	190.00		0.00	190.00	0.00	0.00	0.00	190.00	
151	ग्लेक्सो स्मिथ क्लिन	330,916.00		220,635.00	551551.00	19100.00	22,063.00	41163.00	510388.00	
152	आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, यू. के.		-550	78,539.00	77989.00	68897.00	2,356.00	71253.00	6736.00	
153	बायोजेन इडेक लि., यू.के.	392,923.00		1,185,219.00	1578142.00	933736.00	115,055.00	1048791.00	529351.00	
154	ग्लोबल कैंसर कंसर्न इंडिया	3,647.00		0.00	3647.00	0.00	0.00	0.00	3647.00	
155	एन.सी. प्रा. लि.	37,117.00		0.00	37117.00	0.00	0.00	0.00	37117.00	
156	एन.सी.टी.	69,344.00		0.00	69344.00	35760.00	0.00	35760.00	33584.00	
157	एन.ए.आई.पी.	195,574.00		598,112.00	793686.00	776578.00	17,944.00	794522.00		-836.00
158	केलगेरी विश्वविद्यालय, कनाडा	57,187.00		0.00	57187.00	0.00	0.00	0.00	57187.00	
159	कोर्वेटिंस, यूएसए	452,301.00		0.00	452301.00	144167.00	0.00	144167.00	308134.00	
160	ब्रिटिश काउंसिल, यू.के.	674,328.00		3,601,206.00	4275534.00	3535775.00	108,036.00	3643811.00	631723.00	
161	दि सर्विस डि डर्मेटोलॉजी, फ्रांस		-8,445.00	0.00	-8445.00	0.00	0.00	0.00		-8445.00
162	मर्क सिरोनो इंटरनेशनल एस. ए. स्विजरलैंड	29,902.00		1,919,594.00	1949496.00	1882394.00	57,590.00	1939984.00	9512.00	
163	वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय	6,180.00		0.00	6180.00	6180.00	0.00	6180.00	0.00	
164	चिरकारी रोग नियंत्रण केंद्र	410.00		0.00	410.00	0.00	0.00	0.00	410.00	
165	लूपिन लि.	18,386.00		0.00	18386.00	0.00	0.00	0.00	18386.00	
166	कोलोप्लास्ट		-5,775.00	0.00	-5775.00	0.00	0.00	0.00		-5775.00
167	पीरामल लाइफ साइंसेज़	58,453.00		60,072.00	118525.00	69846.00	1,802.00	71648.00	46877.00	
168	क्रिटेरियम	641,436.00		0.00	641436.00	172390.00	0.00	172390.00	469046.00	
169	मै. आर्कमिडिज डेवलपमेंट लि., यू.के.	57,100.00		0.00	57100.00	9896.00	0.00	9896.00	47204.00	
170	नोटिंघम विश्वविद्यालय, यू.के.	113,059.00		0.00	113059.00	105923.00	0.00	105923.00	7136.00	

171	ब्रीस्टोल मेयर स्क्यूइब इंडिया प्रा. लि.	11,652.00		220,608.00	232260.00	205417.00	6,619.00	212036.00	20224.00	
172	ब्रेन्स गेट लि. इजराइल	132.00		0.00	132.00	0.00	0.00	0.00	132.00	
173	केंद्रीय हामियोपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), जनकपुरी, नई दिल्ली	687,150.00		0.00	687150.00	617406.00	0.00	617406.00	69744.00	
174	जीव दया फाउंडेशन	698,016.00		1,306,079.50	2004095.50	1590034.00	66,531.00	1656565.00	347530.50	
175	क्यूएड फार्मेस्युटिकल सर्विसेज़ प्रा. लि.	577,043.00		0.00	577043.00	0.00	0.00	0.00	577043.00	
176	एमजेन टेक्नोलॉजी प्रा. लि.	790,862.00		283,894.00	1074756.00	61000.00	8,517.00	69517.00	1005239.00	
177	एसीई फार्मेस्युटिकल बी. वी. नीदरलैंड	219,361.00		1,444,616.00	1663977.00	1194908.00	43,340.00	1238248.00	425729.00	
178	एक्टेलियन फार्मेस्युटिकल लि. स्वीटजरलैंड	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
179	मेक्लियोड्स फार्मेस्युटिकल लि.	18.00		0.00	18.00	0.00	0.00	0.00	18.00	
180	स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग, रोग नियंत्रण केंद्र यूएसए	9,147,937.00		15,660,765.00	24808702.00	15354437.00	469,823.00	15824260.00	8984442.00	
181	फार्म ओलम इंटरनेशनल लि.	16,923.00		0.00	16923.00	0.00	0.00	0.00	16923.00	
182	मर्क एंड कं., इंक. यू. एस. ए.	2,192,188.00		1,007,500.00	3199688.00	2391940.00	30,225.00	2422165.00	777523.00	
183	केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन	135,557.00		0.00	135557.00	0.00	0.00	0.00	135557.00	
184	एम सी मास्टर विश्वविद्यालय, कनाड़ा	216,540.00		699,262.00	915802.00	226098.00	20,978.00	247076.00	668726.00	
185	जिनोमिक्स एंड इंटेगरेटिव जीव विज्ञान संस्थान	1,917,584.00		3,146,586.00	5064170.00	3697878.00	94,398.00	3792276.00	1271894.00	
186	इंडिया मेडट्रोनिक प्रा. लि.	6,379.00		103,080.00	109459.00	52540.00	4,136.00	56676.00	52783.00	
187	अमेरिकन गेस्ट्रोइनटेस्टिनल एंड इंडोस्कॉपी सर्जन सोसायटी	35,501.00		0.00	35501.00	0.00	0.00	0.00	35501.00	
188	सन फार्मेस्युटिकल्स	3,384.00		0.00	3384.00	0.00	0.00	0.00	3384.00	
189	राष्ट्रीय ज्ञान आयोग	8,988,535.00		0.00	8988535.00	3709928.00	0.00	3709928.00	5278607.00	
190	जी. डब्ल्यू फार्मा. लि. यू. के.	9,261.00		0.00	9261.00	0.00	0.00	0.00	9261.00	
191	लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट		-500.00	96,000.00	95500.00	80000.00	0.00	80000.00	15500.00	
192	लीवर फाउंडेशन	323,069.00		773,926.00	1096995.00	862101.00	23,217.00	885318.00	211677.00	
193	ई. एम. एम. ई. एस. कॉर्पोरेशन, मेरीलैंड, यू. एस. ए.	3,297.00		0.00	3297.00	0.00	0.00	0.00	3297.00	
194	फ्लेमंत्रा ए.जी. स्वीजरलैंड	532,821.00		549,300.00	1082121.00	710203.00	16,479.00	726682.00	355439.00	
195	ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान	54,220.00		0.00	54220.00	46445.00	0.00	46445.00	7775.00	
196	मोर्फोटेक इंक, यूएसए	20,602.98		1,096,843.30	1117446.28	367845.00	32,904.00	400749.00	716697.28	
197	एलबर्ट डेविड लि.	57,147.00		100,000.00	157147.00	20000.00	3,000.00	23000.00	134147.00	
198	सानाट प्रोडक्ट लि.	5,758.00		0.00	5758.00	0.00	0.00	0.00	5758.00	
199	आई सी जी ई एंड बी	105,947.00		0.00	105947.00	92453.00	0.00	92453.00	13494.00	
200	आई ए डी वी एल	296,758.00		0.00	296758.00	274429.00	0.00	274429.00	22329.00	
201	कैमिकल एंड पेट्रोकैमिकल्स मंत्रालय	494650		0.00	494650.00	275341.00	0.00	275341.00	219309.00	
202	राष्ट्रीय भैषिजिक शिक्षा और अनुसंधान संस्थान	2743177		0.00	2743177.00	2092142.00	0.00	2092142.00	651035.00	
203	मैक्स नीमान इंटरनेशनल	35920		0.00	35920.00	16100.00	0.00	16100.00	19820.00	
204	द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल हेल्थ, ऑस्ट्रेलिया	90487		394,702.93	485189.93	343537.00	26,547.00	370084.00	115105.93	
205	अपोथेकेरीज प्रा. लि.	91318		1,062,000.00	1153318.00	132094.00	106,200.00	238294.00	915024.00	
206	बी.आर.एन.एस., मुंबई			1,305,600.00	1305600.00	570346.00	65,280.00	635626.00	669974.00	
207	चिरकारी रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	138589		561,000.00	699589.00	409733.00	56,100.00	465833.00	233756.00	
208	बी.आर.आई.डी.जी.ई.एस., यूएसए	1037756		1,289,530.00	2327286.00	699640.00	128,953.00	828593.00	1498693.00	
209	डी.आर.डी.ई. (ग्वालियर)			100,000.00	100000.00	159866.00	5,000.00	164866.00		-64866.00
210	सी.ए.एन.एन.ई.सी.टी. आई.एन., कनाडा			677,774.00	677774.00	173000.00	33,889.00	206889.00	470885.00	
211	एल.जी. लाइफ साइंसिज इंडिया प्रा. लि.	234174		607,117.00	841291.00	628245.00	60,711.00	688956.00	152335.00	

212	मर्क फार्मास्यूटिकल्स लि.	33867		0.00	33867.00	29400.00	0.00	29400.00			4467.00	
213	केनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाडा		-52000	257,565.00	205565.00	187720.00	12,878.00	200598.00			4967.00	
214	सैंट जुडे मेडिकल हाँग काँग			556,885.00	556885.00	0.00	27,843.00	27843.00			529042.00	
215	अंतरराष्ट्रीय कैंसर विरोधी यूनियन (यूआईसीसी)	607972		0.00	607972.00	351261.00	0.00	351261.00			256711.00	
216	क्यूजेन इंक इंडिया	405000		96,327.00	501327.00	139792.00	9,633.00	149425.00			351902.00	
217	आईपीसीए लेबोरेट्रीज	436772		493,585.00	930357.00	546700.00	49,359.00	596059.00			334298.00	
218	फंडाजीओन एंजिलो बिआंची बोनोमी			221,869.00	221869.00	0.00	22,187.00	22187.00			199682.00	
219	जिनोटेक	73898		82,108.00	156006.00	87114.00	8,210.00	95324.00			60682.00	
220	फार्माकोसमोस ए/एस, डेनमार्क			81,000.00	81000.00	72900.00	8,100.00	81000.00			0.00	
221	राष्ट्रीय सूचना केंद्र			1,530,000.00	1530000.00	436224.00	76,500.00	512724.00			1017276.00	
222	आरओसीएचई प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्रा. लि.			241,178.00	241178.00	0.00	24,118.00	24118.00			217060.00	
223	हेमिल्टन स्वास्थ्य विज्ञान कॉर्पोरेशन, कनाडा			535,762.00	535762.00	274229.00	49,648.00	323877.00			211885.00	
224	स्मिथ एंड नेफ्यू हेल्थ केयर प्रा. लि.			102,594.00	102594.00	0.00	10,259.00	10259.00			92335.00	
225	एब्बोट हेल्थ केयर प्रा. लि.			547,400.00	547400.00	319314.00	54,740.00	374054.00			173346.00	
226	न्यू कास्टल विश्वविद्यालय, यूके			107,462.00	107462.00	0.00	5,373.00	5373.00			102089.00	
227	क्लिनिकल मार्केटिंग प्रा. लि.			750,000.00	750000.00	400000.00	75,000.00	475000.00			275000.00	
228	टोरंट फार्मास्यूटिकल लि.			187,729.00	187729.00	15000.00	18,773.00	33773.00			153956.00	
229	भू-विज्ञान मंत्रालय			82,116.00	82116.00	0.00	4,106.00	4106.00			78010.00	
230	बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूएसए			975,468.00	975468.00	818831.00	97,547.00	916378.00			59090.00	
		473784355.12	**-3476841.00**	**707340958.50**	**1177648472.62**	**613409496.00**	**21595050.00**	**635004546.00**	**0**	**0**	**546782087.62**	**4138161.00**

ह. /-

(श्रीमती बसंती दलाल)

वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - क 1

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसंधान अनुभाग

वित्त वर्ष 2011 - 2012 के दौरान उपकरण खरीदने के लिए किये गए व्यय का विवरण

क्रम. सं.	कोड सं.	परियोजना अन्वेषक का नाम	माह	राशि
1	टी106	डॉ. ए. के. देओरारी	सितंबर 2011	41,664
2	आई684	डॉ. ए. के. डिंडा	मई 2011	112,370
3	आई684	डॉ. ए. के. डिंडा	अगस्त 2011	527,554
4	आई684	डॉ. ए. के. डिंडा	अक्टूबर 2011	720
5	आई684	डॉ. ए. के. डिंडा	फरवरी 2012	3,366
6	आई684	डॉ. ए. के. डिंडा	मार्च 2012	39,497
7	डी221	डॉ. ए. के. महापात्रा	अगस्त 2011	399,988
8	एन1215	डॉ. ए. के. महापात्रा	जनवरी 2012	58,000
9	एन1215	डॉ. ए. के. महापात्रा	फरवरी 2012	21,000
10	एन1124	डॉ. आरती कपिल	नवंबर 2011	-375,939
11	एन1124	डॉ. आरती कपिल	फरवरी 2012	222,749
12	आई644	डॉ. अरविंद जायसवाल	अगस्त 2011	48,510
13	आई644	डॉ. अरविंद जायसवाल	दिसंबर 2011	20,903
14	आई644	डॉ. अरविंद जायसवाल	फरवरी 2012	25,290
15	एन1123	डॉ. बलराम भार्गव	दिसंबर 2011	97,119
16	एन1123	डॉ. बलराम भार्गव	जनवरी 2012	159,443
17	एन1181	डॉ. सी. एस. बाल	जुलाई 2011	76,000
18	एन1073	डॉ. डी. एन. राव	मार्च 2012	911
19	एन1310	डॉ. डी. एन. राव	मार्च 2012	180,695
20	एन1278	डॉ. एस. बी. रे	अगस्त 2011	29,295
21	एन1278	डॉ. एस. बी. रे	सितंबर 2011	124,155
22	एन1278	डॉ. एस. बी. रे	अक्टूबर 2011	363,236
23	एन1278	डॉ. एस. बी. रे	नवंबर 2011	2,602,041
24	एन1278	डॉ. एस. बी. रे	दिसंबर 2011	6,373
25	एन1278	डॉ. एस. बी. रे	मार्च 2012	-9,731
26	डी265	डॉ. जी. पी. बंदोपाध्याय	फरवरी 2012	-308,448
27	डी265	डॉ. जी. पी. बंदोपाध्याय	मार्च 2012	1,950
28	एन1287	डॉ. एच. एन. मल्लिक	फरवरी 2012	44,776
29	आई532	डॉ. के. आनंद	मई 2011	149,730
30	आइ532	डॉ. के. आनंद	जून 2011	59,115
31	डी281	डॉ. कल्पना लूथरा	अक्टूबर 2011	15,678
32	डी281	डॉ. कल्पना लूथरा	नवंबर 2011	7,138
33	डी281	डॉ. कल्पना लूथरा	दिसंबर 2011	462,740
34	डी281	डॉ. कल्पना लूथरा	फरवरी 2012	555,475
35	डी281	डॉ. कल्पना लूथरा	मार्च 2012	16,409
36	एन1163	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	सितंबर 2011	453,184
37	एन1163	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	दिसंबर2011	199,800
38	एन1163	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	जनवरी 2012	25,000
39	एन1163	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	मार्च 2012	-27,274
40	डी266	डॉ. एम. आर. राजेश्वरी	मार्च 2012	-59,058
41	डी280	डॉ. एम. आर. राजेश्वरी	जुलाई 2011	119,562
42	डी280	डॉ. एम. आर. राजेश्वरी	दिसंबर 2011	3,656,200
43	डी280	डॉ. एम. आर. राजेश्वरी	मार्च 2012	272,277
44	डी222	डॉ. एम. वी. पदमा	जून 2011	198,400

45	डी273	डॉ. मधुलिका काबरा	सितंबर 2011	168,625
46	डी273	डॉ. मधुलिका काबरा	नवंबर 2011	5,187
47	डी273	डॉ. मधुलिका काबरा	मार्च 2012	9,356
48	डी269	डॉ. माधुरी बिहारी	मई 2011	51,049
49	एन1239	डॉ. मनोज के. सिंह	मार्च 2012	469,641
50	आई 671	डॉ. कंचन मित्तल	जून 2011	17,430
51	आई 671	डॉ. कंचन मित्तल	जुलाई 2011	87,150
52	आई 713	डॉ. कंचन मित्तल	अगस्त 2011	28,995
53	आई 713	डॉ. कंचन मित्तल	सितंबर 2011	94,815
54	आई 658	डॉ. एन. सी. चंद्रा	जून 2011	6,287
55	आई 698	डॉ. निखिल टंडन	फरवरी 2012	18,701
56	आई 698	डॉ. निखिल टंडन	मार्च 2012	44,438
57	एन 1234	डॉ. नसीम शाह	जनवरी 2012	12,800
58	आई 715	डॉ. गोविंद के. मखारिया	अक्टूबर 2011	17,557
59	एन 1229	डॉ. गोविंद के. मखारिया	अक्टूबर 2011	53,000
60	आई 702	डॉ. प्रमोद गर्ग	मार्च 2012	261,718
61	आई 718	डॉ. रविन्द्र गोस्वामी	नवंबर 2011	172,116
62	डी 274	डॉ. राजेश सागर	जून 2011	11,200
63	डी 274	डॉ. राजेश सागर	सितंबर 2011	9,800
64	आई 630	डॉ. राकेश कुमार	फरवरी 2012	73,500
65	एन 1112	डॉ. राकेश कुमार	दिसंबर 2011	84,714
66	आई 696	डॉ. रमा चौधरी	मार्च 2012	397,688
67	एन1235	डॉ. रमा जयासुंदर	अक्टूबर 2011	395,548
68	एन1235	डॉ. रमा जयासुंदर	नवंबर 2011	2,001,510
69	एन1235	डॉ. रमा जयासुंदर	दिसंबर 2011	3,883,954
70	एन1235	डॉ. रमा जयासुंदर	मार्च 2012	168,336
71	एन980	डॉ. रणदीप गुलेरिया	अगस्त 2011	1,950
72	एन980	डॉ. रणदीप गुलेरिया	मार्च 2012	24,668
73	डी270	डॉ. रत्ना शर्मा	अगस्त 2011	5,457,000
74	डी270	डॉ. रत्ना शर्मा	अक्टूबर 2011	775
75	डी270	डॉ. रत्ना शर्मा	दिसंबर 2011	4,885
76	डी270	डॉ. रत्ना शर्मा	मार्च 2012	-805,907
77	एन1198	डॉ. एस. के. मौलिक	दिसंबर 2011	551,250
78	एन1209	डॉ. एस. के. पांडा	अगस्त 2011	-2,894
79	एन1209	डॉ. एस. के. पांडा	अक्टूबर 2011	10,752
80	एन1209	डॉ. एस. के. पांडा	फरवरी 2012	13,007
81	एन1209	डॉ. एस. के. पांडा	मार्च 2012	62,537
82	आई 643	डॉ. एस. के. शर्मा	मार्च 2012	13,164
83	आई 725	डॉ. एस. के. शर्मा	फरवरी 2012	50,675
84	एन1184	डॉ. एस. एस. चौहान	अक्टूबर 2011	21,465
85	एन1184	डॉ. एस. एस. चौहान	दिसंबर 2011	57,994
86	एन1184	डॉ. एस. एस. चौहान	मार्च 2012	-28,344
87	एन1249	डॉ. सरमन सिंह	दिसंबर 2011	91,655
88	डी022	डॉ. शशि वाधवा	अक्टूबर 2011	11,039
89	डी022	डॉ. शशि वाधवा	नवंबर 2011	13,802
90	डी022	डॉ. शशि वाधवा	दिसंबर 2011	3,846
91	डी022	डॉ. शशि वाधवा	मार्च 2012	1,869
92	डी022क	डॉ. शशि वाधवा	अक्टूबर 2011	281,740
93	डी022क	डॉ. शशि वाधवा	नवंबर 2011	933,326
94	डी022क	डॉ. शशि वाधवा	फरवरी 2012	11,323
95	डी022क	डॉ. शशि वाधवा	मार्च 2012	17,623,888
96	एन1085	डॉ. शशि वाधवा	मार्च 2012	61,875

97	आई639	डॉ. शोभा बरूर	मई 2011	100,170
98	आई639	डॉ. शोभा बरूर	जून 2011	32,000
99	आई639	डॉ. शोभा बरूर	अक्टूबर 2011	18,225
100	आई639	डॉ. शोभा बरूर	नवंबर 2011	567,667
101	आई639	डॉ. शोभा बरूर	मार्च 2012	-25,523
102	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	नवंबर 2011	567,667
103	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	दिसंबर 2011	2,581
104	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	फरवरी 2012	54,275
105	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	मार्च 2012	1,175
106	एन1207	डॉ. शोभा बरूर	जनवरी 2012	131,681
107	एन1207	डॉ. शोभा बरूर	मार्च 2012	-367
108	डी268	डॉ. सुजाता शर्मा	फरवरी 2012	2,290
109	डी268	डॉ. सुजाता शर्मा	मार्च 2012	800
110	डी272	डॉ. सुजाता शर्मा	जून 2011	53,550
111	डी279	डॉ. सुजाता शर्मा	अगस्त 2011	150,930
112	एन1272	डॉ. सुजाता शर्मा	जुलाई 2011	102,465
113	एन1272	डॉ. सुजाता शर्मा	अक्टूबर 2011	144,000
114	एन1272	डॉ. सुजाता शर्मा	फरवरी 2012	21,196
115	एन1272	डॉ. सुजाता शर्मा	मार्च 2012	1,753
116	आई013	डॉ. सुनीता मित्तल	जून 2011	1,900
117	आई472	डॉ. उमेश कपिल	मार्च 2012	5,800
118	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	अप्रैल 2011	155,960
119	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	जून 2011	203,997
120	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	जुलाई 2011	175,374
121	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	अगस्त 2011	394,657
122	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	सितंबर 2011	318,092
123	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	अक्टूबर 2011	6,317
124	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	जनवरी 2012	2,437,454
125	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	फरवरी 2012	124,555
126	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	मार्च 2012	81,310
127	एन1226	डॉ. वी. के. पॉल	मार्च 2012	174,320
128	एन995	डॉ. वाई. के. गुप्ता	अगस्त 2011	73,648
129	एन995	डॉ. वाई. के. गुप्ता	सितंबर 2011	215,542
130	एन999	डॉ. वाई. के. गुप्ता	नवंबर 2011	110,998
131	आई654	डॉ. ललित दर	अगस्त 2011	-2,724
132	आई654	डॉ. ललित दर	मार्च 2012	270
133	एन1273	डॉ. बी. आर. मिर्धा	मार्च 2012	11,411
134	एन1190	डॉ. मंजरी त्रिपाठी	फरवरी 2012	23,231
135	आई694	डॉ. अरविंद बग्गा	मार्च 2012	3,950
136	एन1261	डॉ. अरविंद बग्गा	जनवरी 2012	60,900
137	एन1261	डॉ. अरविंद बग्गा	मार्च 2012	44,940
138	आई642	डॉ. रीमा दादा	मई 2011	1,347
139	आई642	डॉ. रीमा दादा	मार्च 2012	-27,502
140	एन1202	डॉ. रीमा दादा	मई 2011	3,927
141	एन1202	डॉ. रीमा दादा	मार्च 2012	-132,008
142	एन1232	डॉ. जी. कार्तिकेयन	जुलाई 2011	6,700
143	एन000	श्री ए. के. शर्मा	सितंबर 2011	613,556
144	एन1220	डॉ. पी. पी. कोतवाल	सितंबर2011	29,400
145	एन1149	डॉ. सीमा सूद	अगस्त 2011	232,536
146	एन1149	डॉ. सीमा सूद	फरवरी 2012	5,244
147	एन1149	डॉ. सीमा सूद	मार्च 2012	21,014
148	एन1291	डॉ. वी. के. शर्मा	अक्टूबर 2011	15,677

149	एन1291	डॉ. वी. के. शर्मा	फरवरी 2012	10,598
150	एन1291	डॉ. वी. के. शर्मा	मार्च 2012	2,497,689
151	आई627	डॉ. अनुप सराया	अक्टूबर 2011	44,823
152	एन1155	डॉ. अनुप सराया	नवंबर 2011	484,965
153	एन1155	डॉ. अनुप सराया	मार्च 2012	18,088
154	डी255	डॉ. सुमन जैन	अप्रैल 2011	997,328
155	डी255	डॉ. सुमन जैन	फरवरी 2012	37,222
156	डी255	डॉ. सुमन जैन	मार्च 2012	-186,199
157	आई626	डॉ. पूनम मल्होत्रा कपूर	जुलाई 2011	105,052
158	एन1211	डॉ. संजीव सिन्हा	अक्टूबर 2011	391,321
159	एन1211	डॉ. संजीव सिन्हा	दिसंबर 2011	32,298
160	एन824	डॉ. संजीव सिन्हा	मार्च 2012	-286
161	एन975	डॉ. संजीव सिन्हा	जून 2011	5,286
162	एन975	डॉ. संजीव सिन्हा	जुलाई 2011	1,310
163	एन975	डॉ. संजीव सिन्हा	मार्च 2012	16,800
164	आई672	डॉ. सीमा सेन	अक्टूबर 2011	15,678
165	आई672	डॉ. सीमा सेन	नवंबर 2011	7,139
166	आई672	डॉ. सीमा सेन	दिसंबर 2011	16,400
167	एन1266	डॉ. अनंत मोहन	अक्टूबर 2011	183,750
168	एन1231	डॉ. सुमन भाकर	नवंबर 2011	36,800
169	एन1231	डॉ. सुमन भाकर	मार्च 2012	28,400
170	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	जून 2011	8,400,250
171	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	अक्टूबर 2011	15,678
172	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	नवंबर 2011	4,729
173	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	दिसंबर 2011	98,778
174	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	फरवरी 2012	55,927
175	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	मार्च 2012	546,669
176	आई709	डॉ. एस. विवेकानंदन	फरवरी 2012	2,103,195
177	आई709	डॉ. एस. विवेकानंदन	मार्च 2012	3,392
178	एन1238	डॉ. रचना सेठ	दिसंबर 2011	28,400
179	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	अगस्त 2011	1,950
180	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	दिसंबर 2011	358,233
181	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	जनवरी 2012	734,001
182	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	फरवरी 2012	32,649
183	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	मार्च 2012	-105,213
184	आई720	डॉ. तनुज दादा	दिसंबर 2011	44,067
185	आई730	डॉ. तनुज दादा	दिसंबर 2011	44,168
186	आई730	डॉ. तनुज दादा	फरवरी 2012	10,598
187	आई730	डॉ. तनुज दादा	मार्च 2012	423,234
188	डी226	डॉ. पूनीत कौर	फरवरी 2012	79,840
189	एन867	डॉ. दीपक कुमार गुप्ता	फरवरी 2012	17,500
190	आई706	डॉ. राजेश खड़गावत	अक्टूबर 2011	293,238
191	एन1204	डॉ. राजेश खड़गावत	मार्च 2012	45,570
192	एन912	डॉ. जे. बी. शर्मा	अक्टूबर 2011	18,800
193	एन912	डॉ. जे. बी. शर्मा	जनवरी 2012	185,724
194	एन1066	डॉ. वी. के. बहल	नवंबर 2011	9,000
195	एन1147	डॉ. आशीष सूरी	मार्च 2012	1,600
196	एन1223	डॉ. पी. शरत चंद्र	अगस्त 2011	49,988
197	डी284	डॉ. वीना जैन	अक्टूबर 2011	15,678
198	डी284	डॉ. वीना जैन	नवंबर 2011	7,138
199	डी284	डॉ. वीना जैन	फरवरी 2012	122,045
200	आई670	डॉ. अल्पना शर्मा	सितंबर 2011	180,849

201	आई670	डॉ. अल्पना शर्मा	नवंबर 2011	199,125
202	आई670	डॉ. अल्पना शर्मा	दिसंबर 2011	2,898
203	आई670	डॉ. अल्पना शर्मा	फरवरी 2012	753
204	आई670	डॉ. अल्पना शर्मा	मार्च 2012	13,630
205	एन1268	डॉ. अल्पना शर्मा	दिसंबर 2011	44,168
206	एन1268	डॉ. अल्पना शर्मा	मार्च 2012	467,903
207	सी619	डॉ. संदीप आर. माथुर	जनवरी 2012	187,931
208	एन1091	डॉ. शशांक शरद काले	दिसंबर 2011	73,500
209	एन1216	डॉ. टी. के. दास	फरवरी 2012	10,598
210	एन1216	डॉ. टी. के. दास	मार्च 2012	13,164
211	आई688	डॉ. सोमेश गुप्ता	फरवरी 2012	29,953
212	एन1115	डॉ. राकेश गुप्ता	दिसंबर 2011	5,500
213	एन1115	डॉ. राकेश यादव	मार्च 2012	120,000
214	एन1200	डॉ. राकेश यादव	मई 2011	2,800
215	एन1200	डॉ. राकेश यादव	फरवरी 2012	15,400
216	आई602	डॉ. अनिता सक्सेना	जनवरी 2012	10,500
217	आई602	डॉ. अनिता सक्सेना	फरवरी 2012	10,600
218	आई646	डॉ. अनिता सक्सेना	जून 2011	2,581
219	आई646	डॉ. अनिता सक्सेना	नवंबर 2011	-194
220	आई646	डॉ. अनिता सक्सेना	मार्च 2012	6,513
221	एन1265	डॉ. पारथअप्रासस चटोपाध्याय	जनवरी 2012	915,710
222	एन1140	डॉ. राजीव कुमार	फरवरी 2012	52,300
223	एन1183	डॉ. अजय लोगानी	अक्टूबर 2011	18,945
224	एन1284	डॉ. सुमित सिन्हा	सितंबर 2011	210,940
225	एन1284	डॉ. सुमित सिन्हा	अक्टूबर 2011	215,481
226	एन1284	डॉ. सुमित सिन्हा	फरवरी 2012	2,958
227	एन1284	डॉ. सुमित सिन्हा	मार्च 2012	-12,080
228	एन1315	डॉ. सुमित सिन्हा	मार्च 2012	612,275
229	आई710	डॉ. वाई. एस. कुसुम कुमारी	नवंबर 2011	25,000
230	आई717	डॉ. हिमांशु प्रभाकर	अक्टूबर 2011	190,344
231	एन893	डॉ. पी. चटोपाध्याय	अगस्त 2011	-195,000
232	एन893	डॉ. पी. चटोपाध्याय	सितंबर 2011	176,000
			कुल	**72,950,979**

ह. /-
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - ख

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

विविध देनदारों की सूची (स्कीम सेल)

क्र.स.	वित्त पोषित एजेंसी	नामे
1	राजीव गांधी फाउंडेशन	989
2	इन्कलेन	118368
3	यू. के. कैंसर अनुसंधान संस्थान समन्वय समिति	7209
4	केंद्रीय योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद	62660
5	एनआईई	4868
6	एसआरबी - नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3154100
7	सूचना और संचार एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	52557
8	जाइडस हेल्थ केयर लि.	398
9	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञानी फेडरेशन	276
10	एमिल फार्मेस्यूटिकल इंडिया लि.	331
11	आईएनसीटीआर यूएसए	35818
12	एम्क्योर फार्मास्यूटिकल इंडिया लि.	6380
13	एल. जी. केमिकल्स इंडिया प्रा. लि.	668
14	हेल्पेज इंडिया	426500
15	हिंदुस्तान लेटेक्स परिवार नियोजन प्रोत्साहन	7020
16	सेविंग न्यू बोर्न लिव्ज, यूएसए	10898
17	दि माइक्रोन्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया	4702
18	वुलिमिनी रामालिंगा स्वामी फाउंडेशन	6508
19	मीडिया लैब एशिया	11301
20	यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक यू के	1061
21	भारत सीरम एंड वैक्सिन लि.	10000
22	स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय	57267
23	डी रिचर्चस इंटरनेशनल सर्वियर संस्थान (आईआरआईएस), फ्रांस	2034
24	बीएआरसी	1078
25	रेलीसिस मेडिकल डिवाइसिज लि.	3433
26	पीपीडी फार्मस्युटिकल डिवेल्पमेंट इंडिया प्रा. लि.	22668
27	मै. एस्प्रेवा फार्मस्युटिकल कॉर्पोरेशन, कनाडा	41266
28	मै. मार्केन्सस अनुसंधान प्रभाग	4745
29	थ्रेसहोल्ड फार्मस्युटिकल, यू एस ए	3136
30	एनएआईपी	836
31	दि सर्विस डे डरमेटोलॉजी, फ्रांस	8445
32	कॉलोप्लास्ट	5775
33	डीआरडीओ (ग्वालियर)	64866
	कुल	**4138161**

ह. /-
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - ग

दिनांक 31.03.2012 को दान एवं निवेश दर्शाने वाला विवरण

क्रम. सं.	निवेश का विवरण एवं प्रकार	दान की राशि	निवेश की राशि
1	एम्स रोटरी कैंसर अस्पताल	700000	700000
2	विविध दान - रुधिर विज्ञान	8000	8000
	डॉ. ए. के. सराया के अंतर्गत		
3	डॉ. ए. के. सराया		
4	अनाम दानदाता	70000	70000
5	डॉ. बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय	10000	13700
6	चाचामा दानदाता	150000	199600
7	मेजर जनरल एस. एल. भाटिया	10000	9800
8	मेजर जनरल अमीर चंद	150000	149660
		100000	100000
9	सरूप चंद हंसराज	20000	19500
10	राजकुमारी अमृतकौर	25000	25000
11	कैथरिन सोरेल फ्रायमेन	5000	5000
12	डॉ. एस. एल. कालरा	6000	5800
13	आर. एल. राजगढ़िया	850000	850000
14	श्रीमती प्रकाशवती दान	13800	13800
15	श्रीमती कृपाल कौर (यूनिट ट्रस्ट)	6000	5908
16	लाला खुशीराम	247753	247753
17	एस. पी. विरमानी (सावधि जमा)	1500	1500
18	ईस्ट इंडिया कमर्शियल प्रा. लि. कलकत्ता (सावधि जमा)	3200000	2800000
	एस. आर. बी.		
19	डॉ. कांति कपिला (यूनिट ट्रस्ट)	10079	10002
20	डॉ. वी. रामालिंगास्वामी (यूनिट ट्रस्ट)	8000	7996
21	एस आर एस सभरवाल (यूनिट ट्रस्ट)	10000	9951
22	डॉ. एन. एच. केसवानी (यूनिट ट्रस्ट)	10000	9990
23	डॉ. वी. हिंगोरानी	15000	15000
24	कुमुदिनी कृष्णामूर्ति	15000	15000
25	जी डी. राधाकृष्ण (सर्वेश्वरी स्मारक व्याख्यान, यूनिट ट्रस्ट)	20000	19987
26	पी एल टंडन (सावधि जमा)	15000	15000
27	15वां अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा सम्मेलन (यूनिट ट्रस्ट)	40000	40000
28	राम लुभाया दान (सावधि जमा)	15000	15000
29	सुभाष मेमोरियल फाउंडेशन (वी एल तेलेकर दान)	10101	10101
30	श्रीमती इंदिरा सत्यानंद	10000	10000
31	श्री के. वी. सुबाराव	10000	10000
32	न्यूजीलैंड उच्च आयोग	10000	10000
33	अखिलेश मित्तल (सुमित मोहन सदन दयाल ट्रस्ट)	20000	20000
34	प्रेमलता कपूर	10000	10000
35	द्वारका प्रसाद ट्रस्ट	50000	50000
36	स्व. श्री डी. आर. बाहरी	15000	15000
37	सेवा राम	15000	15000
38	संकाय परोपकारी निधि	60065	60065
39	वी. रंगा मेमोरियल ट्रस्ट	50000	50000
40	श्री दोराबजी ट्रस्ट	10000	10000

41	कॉर्पस निधि	30000	30000
42	एम्सोनियन्स	10000	10000
43	सरला आत्म प्रकाश	15000	15000
44	के. एल. विग रिसर्च फाउंडेशन	100000	100000
45	वी. के. मित्तल	130000	130000
46	स्नेह लता सोनी	15000	15000
47	एम्सोनियन ऑफ अमेरिका	129850	129850
		151630	151630
		126471	126471
48	श्रीमती लीलावती सलवान	15000	15000
49	डॉ. डी. के गुप्ता	100000	100000
50	जे. आर. चावला	15000	15000
51	श्याम शर्मा के सदंर्भ में उर्मिल शर्मा	15000	15000
52	श्रीमती सुशीला वती मल्होत्रा	500000	500000
53	बसंती कुमारी	100000	100000
54	अस्थि रोग विज्ञान निधि	250000	250000
55	डॉ. एस. बी. रॉय	125000	125000
56	श्री आर. वी कंधारी	100000	100000
57	डॉ. बी. के कपूर	125000	125000
58	श्रीमती सावित्री उग्रसेन	100000	100000
59	विमल लोमस	200000	200000
60	श्रीमती प्रमदा बजाज	200000	200000
61	डॉ. वी. रामालिंगास्वामी	100000	100000
62	डॉ. एन. सी. नायक	100000	100000
63	डॉ. एच. डी. टंडन	100000	100000
64	आचार्य एन. गोपीनाथ (सी. टी. वी. एस.)	1200000	1200000
65	आचार्य एल. के भुटानी ओरेशन	500000	500000
66	बिन्य रोहतगी एवं श्रीमती शकुन्तला	36000	.
67	डॉ. के. एल. विग (एस.बी.आई)	36990	37000
68	जेनिथ फाइनेंस एंड कं. (एस. बी. आई.)	17000	17000
69	कामनी चैरिटी ट्रस्ट (एस. बी. आई.)	15000	15000
70	श्रीमती कौशल्या थापर (यूनिट ट्रस्ट)	12000	12017
71	श्रीमती बृजरानी साहनी (यूनिट ट्रस्ट)	22501	22472
72	कमला बी. के. आनंद	100000	100000
73	श्री जी. डी. झांगिनी	25500	25602
74	डॉ. बी. के. आनंद (यूनिट ट्रस्ट)	5000	4995
75	आर. एस. नंदा	78274	78274
76	जीपीएफ निवेश		3062169399
77	एनपीएस निवेश		500000000
	कुल	**10902514**	**3572687823**

ह./-
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - घ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2012 को विविध दान का विवरण

क्रम सं.	विभाग	अथ शेष 1.4.2011 के अनुसार	अनुदान	कुल	व्यय	अंत शेष 31.3.2012 के अनुसार
1	आर एंड ए एल	19475		19475		19475
2	मनोचिकित्सा	28495		28495		28495
3	रुधिर विज्ञान	12380		12380		12380
4	अस्थि रोग	65586		65586		65586
5	प्रतिरक्षा विज्ञान	824		824		824
6	बाल शल्य चिकित्सा	32041		32041		32041
7	संस्थान विविध	137338		137338		137338
8	त्वचा रोग विज्ञान	15974		15974		15974
9	सं. रो. कैं. अ. डॉ. वी. कोचुपिल्लै	10460		10460		10460
10	कुष्ठ रोगी	115785		115785		115785
11	सं. रो. कैं. अ. डॉ. ए. के. बासु	17651		17651		17651
12	हृदय तंत्रिका केंद्र	20418		20418		20418
13	बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय	3324		3324		3324
14	कर्मचारी कल्याण निधि	125139		125139		125139
15	पीएमआर निर्धन निधि	34199		34199		34199
16	शल्य चिकित्सा	501		501		501
17	के. एल. विग सीमेट	12021		12021		12021
18	नाभिकीय चिकित्सा	19571		19571		19571
19	सी.ई.यू	30000		30000		30000
20	डॉ. एन. के. मेहरा	597235		597235		597235
21	आई.सी.जी.ई.बी. डॉ. टी.पी. सिंह	444630		444630		444630
22	डॉ. वीना कालरा	74682		74682		74682
23	लीवर क्लिनिक-जठरांत्र रोग	2865		2865		2865
24	डॉ. एन.पी. गुप्ता-मूत्र रोग विज्ञान	4982		4982		4982
25	डॉ. एन. कोचुपिल्लै-निर्धन रोगी	120000		120000		120000
26	बाल आनुवंशिकी	605760	425337	1031097	343550	687547
27	श्रीमती उषा शर्मा	176600		176600		176600
28	विविध प्राप्ति	145540		145540		145540
		2873476	**425337**	**3298813**	**343550**	**2955263**

ह. /-

(श्रीमती बसंती दलाल)

वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - ङ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2012 को विविध जमा का विवरण

2011-2012

क्र. सं.	विभाग का नाम	राशि
1	मुद्रण एवं लेखन सामग्री नियंत्रक	16076
2	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग शिमला	70432
3	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग	7096
4	दिल्ली नगर निगम	33750
5	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	4250
6	नई दिल्ली नगर पालिका परिषद	173242
7	डाक-तार परिमंडल प्रभाग	12796
8	भारतीय दूरभाष उद्योग	13344
	कुल	**330986**

ह. /-
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - च

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

सामान्य भविष्य निधि निवेश का विवरण

2011-2012

दिनांक 1.4.2011 के अनुसार निवेश का अथशेष	2662176232
वर्ष 2011 - 2012 के दौरान निवेश	1006814167
रोकड़ पुस्तिका का अंतशेष जमा	61154988
	3730145387
वर्ष 2011 - 2012 के दौरान परिपक्व निवेश	606821000
	3123324387

नई पेंशन योजना निवेश का विवरण

2011-2012

दिनांक 1.4.2011 के अनुसार निवेश का अथशेष	341900000
वर्ष 2011 - 2012 के दौरान निवेश	2445000000
	2786900000
वर्ष 2011-12 के दौरान परिपक्व निवेश	2286900000
	500000000
दिनांक 31.3.2012 के अनुसार रोकड़ पुस्तिका का अंतशेष	16386441
	516386441

ह. /-
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - च-1

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

सामान्य भविष्य निधि अनुभाग

31 मार्च, 2012 को समाप्ति वर्ष हेतु अ.भा.आ.सं. की सामान्य भविष्य निधि की प्राप्तियां एवं भुगतान

प्राप्तियां	**राशि**	**भुगतान**	**राशि**
रोकड़ पुस्तिका अथशेष	67558097	आहरण	489844548
प्राप्ति (अंशदान / प्राप्ति)	606498937	समीक्ष्य वर्ष 2011-12 के दौरान निवेश	1006814167
जमा ब्याज प्राप्त किया	276935669	रोकड़ पुस्तिका अंतशेष	61154988
जमा निवेश परिपक्वता	606821000		
कुल	**1557813703**	**कुल**	**1557813703**

दिनांक 31 मार्च, 2012 के अनुसार अ.भा.आ.सं. की सामान्य भविष्य निधि का तुलन-पत्र

देयताएं	**राशि**	**परिसंपतियां**	**राशि**
सामान्य भविष्य निधि		निवेश	
अथ शेष	2729734329	अथ शेष	2662176232
समीक्ष्य वर्ष 2011-12 के दौरान जमा प्राप्ति	606498937	समीक्ष्य वर्ष 2011-12 के दौरान जमा निवेश	1006814167
जमा ब्याज प्राप्त किया	276935669	जमा रोकड़ पुस्तिका अंत शेष	61154988
	3613168935		3730145387
न्यून आहरण	489844548	न्यून परिपक्वता	606821000
कुल	**3123324387**	**कुल**	**3123324387**

माह	**प्राप्तियां**	**भुगतान**
अप्रैल	48803989	40290242
मई	48492131	30900437
जून	50044362	41450262
जुलाई	49418930	43110611
अगस्त	49316159	41158284
सिंतबर	50063800	45677564
अक्टूबर	49306310	38534377
नवंबर	51518758	33501558
दिसंबर	51899298	39154611
जनवरी	52330618	45034345
फरवरी	53076612	46689966
मार्च	52227970	44342291
	606498937	**489844548**
कुल अंशदान जमा		606498937
कुल पिछला शेष		2729734329
कुल ब्याज भुगतान किया		227370982
कुल शुद्ध		3563604248
कुल आहरण		489844548
महायोग		**3073759700**

ह. /-
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - च-1

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

सामान्य भविष्य निधि अनुभाग

31 मार्च, 2012 को समाप्ति वर्ष हेतु अ.भा.आ.सं. की सामान्य भविष्य निधि की प्राप्तियां एवं भुगतान

प्राप्तियां	**राशि**	**भुगतान**	**राशि**
दिनांक 01.04.11 के अनुसार रोकड़ पुस्तिका		अंतिम भुगतान सम्मिलित करते हुए आहरित	
अथशेष	67558097	सा.भ.नि.	489844548
सा.भ.नि. अंशदान / अग्रिमों की वसूली	606498937	वर्ष 2011-12 के दौरान निवेश	1006814167
जमा ब्याज प्राप्त किया	276935669	रोकड़ पुस्तिका अंतशेष	61154988
जमा निवेश परिपक्वता	606821000		
कुल	**1557813703**	**कुल**	**1557813703**

दिनांक 31 मार्च, 2012 के अनुसार अ.भा.आ.सं. की सामान्य भविष्य निधि का तुलन पत्र

देयताएं	**राशि**	**परिसंपतियां**	**राशि**
सामान्य भविष्य निधि		निवेश	
अथशेष	2729734329	अथशेष	2662176232
वर्ष 2011-12 के दौरान जमा प्राप्ति	606498937	वर्ष 2011-12 के दौरान जमा निवेश	1006814167
न्यून आहरण / अग्रिम	489844548	न्यून परिपक्व	606821000
जमा ब्याज प्राप्त किया	276935669		3062169399
		जमा रोकड़ पुस्तिका अंत शेष	61154988
कुल	**3123324387**	**कुल**	**3123324387**

ह. /-

(श्रीमती बसंती दलाल)

वित्त सलाहकार

13.2 लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने एम्स अधिनिमय 1956 की धारा 18(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत 31 मार्च 2012 की स्थिति के अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), के संलग्न तुलन-पत्र तथा उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखाकरण व्यवहारों, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटन मानदंडों आदि के साथ केवल वर्गीकरण, समनुरूपता के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां निहित है। कानून, नियमों तथा विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह-निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो तो, के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखापरीक्षा अवलोकन को निरीक्षण रिपोर्टो/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से सूचित किए गए हैं।

3. हमने भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा का निष्पादन किया है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकार से लेखापरीक्षा आयोजित तथा निष्पादित करें कि यह युक्तियुक्त आश्वासन प्राप्त हो सकें कि वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण भ्रामक विवरणों से मुक्त है। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण आधार पर, राशियों तथा प्रकटनों को समर्थित करने वाले साक्ष्यों की जांच की जानी शामिल है। लेखापरीक्षा में प्रबंधकों द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन किया जाना तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया जाना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय संबंधी तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि :

i हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक हैं।

ii इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र एवं आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार नहीं किए गए हैं।

iii हमारी राय में, हमारी ऐसी पुस्तकों की जांच से प्रतीत होता है कि एम्स अधिनियम 1956 की धारा 18(2) के तहत अपेक्षित अनुसार एम्स द्वारा लेखों की उचित पुस्तकें एवं अन्य संबद्ध रिकॉर्डों का अनुरक्षण किया गया है।

iv हम आगे यह सूचित करते हैं कि :

क. सामान्य

क. 1 रोगी उपचार खाता

रोगियों के उपचार हेतु विभिन्न विभागों / संगठनों से प्राप्त निधि "रोगी उपचार खाते" में जमा की गई और उपचार समाप्त होने पर संबद्ध विभाग / संगठन को अप्रयुक्त शेष राशि वापस कर दी गई। रोगी के उपचार अवधि के दौरान इस शीर्ष के तहत निधि का अर्जित ब्याज गैर - प्रत्यर्पणीय होता है जो इस प्रकार से संस्थान की आय होती है।

समीक्ष्य वर्ष 2011-12 के दौरान "रोगी उपचार खाते में प्राप्त जमा राशि पर अर्जित रु. 29.51 लाख की ब्याज राशि को संस्थान के आय एवं व्यय लेखा में आय के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया और देयता के रूप में दर्शाया गया।

संस्थान द्वारा इस शीर्ष के तहत खाते में रु. 9.14 करोड़ के तुल्य संचित देयता दर्शायी गई थी परंतु देयता एवं निवेश से वर्षो से अर्जित ब्याज का विवरण नहीं दर्शाया गया था।

क.2 वार्षिक लेखों से बाहर बैंक खाते

अ.भा.आ.सं. ने विभिन्न केंद्रों द्वारा पीडीए / सीमा शुल्क अग्रिमों के भुगतान अनुसार रु. 32.22 करोड़ की राशि चित्रित की है जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

क्र.सं.	केंद्र का नाम		परिसंपति पक्ष में दर्शायी गई राशि में "पीडीए / सीडी अग्रिम
1.	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)		235127153
2.	डॉ.बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ.		22490268
3.	रा.औ.नि.उ. केंद्र		400000
4.	जे.पी.एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र		64183085
	सीमा शुल्क अग्रिम	54288900	
	पी.डी.ए. अग्रिम	9894185	
	कुल		**32,22,00,506**

आगे यह प्रकट किया कि संस्थान द्वारा बताये गए प्रयोजनार्थ दो बैंक खाते खोले हुए हैं और इन बैंकों को एम्स के वार्षिक लेखों से बाहर रखा है। आँकड़ों को खाते में समाधान एवं समावेश करने की आवश्यकता है।

क.3 स्थायी परिसंपति

संस्थान को स्थायी परिसंपति मूल्यह्रास उपलब्ध नहीं कराया गया। आगे, वर्ष के दौरान अथशेष, जोड़ / विलोपन, मूल्यह्रास एवं अंतशेष को दर्शाने वाली स्थायी परिसंपतियों की केंद्र वार सूची तैयार नहीं की गई है।

ख. सहायता अनुदान

संस्थान मुख्यतः भारत सरकार के अनुदान से वित्त पोषित है। समीक्ष्य वर्ष 2011-12 के दौरान संस्थान द्वारा रु. 1176.86 करोड़ (योजना रु. 412.35 करोड़, गैर योजना रु. 650 करोड़) चूक समिति (योजना) रु. 105.51 करोड़ एवं एन डी डी टी सी (योजना) रु. 9 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया था। संस्थान की रु. 157.26 करोड़ की अपनी आय भी थी। योजना व्यय में विभिन्न प्रयोजन हेतु अग्रिम राशि रु. 415.79 करोड़ सम्मिलित थी। कुल गैर योजना व्यय में रु. 744.80 करोड़ थे और रु. 4.58 करोड़ सप्लायर आदि को अग्रिम के रूप में दिये गए थे। संस्थान ने विभिन्न योजनाओं हेतु रु. 70.73 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया तथा इसमें से रु. 61.34 करोड़ का व्यय उपगत हुआ।

ग. प्रबंधन पत्र

जिन त्रुटियां को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है उनको उपचारी / शुद्धि कार्रवाई हेतु पृथक रूप से जारी किये गए प्रबंधन पत्र के द्वारा काउंसिल की जानकारी में लाया गया है।

v पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारे अवलोकनों के अधीन हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट में दिये गए तुलन-पत्र तथा आय और व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखा पुस्तकों के समनुरूप हैं।

vi हमारी राय में तथा हमारी समान सूचना के अनुरूप और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में वर्णित लेखाकरण नीतियों तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित महत्वपूर्ण मामलों तथा अन्य मामलों के विषय में भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

क. यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च 2012 तक के तुलन-पत्र, उसकी कार्य स्थिति से संबंधित है; तथा

ख. उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए तथा उनकी ओर से

स्थान : नई दिल्ली **महानिदेशक लेखापरीक्षा**

दिनांक : 19.11.2012 **केन्द्रीय व्यय**

लेखा परीक्षा रिपोर्ट के लिए संलग्नक

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता**

   वर्ष 2011-12 के दौरान, 85 यूनिटों में से 35 यूनिटों की आंतरिक लेखापरीक्षा विंग द्वारा लेखा परीक्षा निष्पादित की गई।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता**

   संस्थान की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त थी।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन को प्रारंभ से संचालित नहीं किया गया था।

4. **संपति सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   वर्ष 2011-12 के लिए लेखन सामग्री, पुस्तकों और प्रकाशनों एवं उपभोज्य मदों का भौतिक सत्यापन को संचालित किया गया।

5. **सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता**

- खातों के अनुसार 6 महीने से अधिक की कोई सांविधिक देयताएं बकाया नहीं थी।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष के खातों के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट के उत्तर / टिप्पिणयां

क.1. रोगी उपचार खाता

लेखा परीक्षा द्वारा उठाये गए प्रश्न को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया है।

क.2. वार्षिक लेखों से बाहर बैंक खाते

वर्ष 2011-12 की वार्षिक लेखों में लेखा परीक्षा द्वारा अंकित किये गए आँकड़े पहले से ही सम्मिलित एवं दर्शाये हुए हैं। तथापि, उन आँकड़ों को लेखा परीक्षा द्वारा सुझाव दिये गए अनुसार वर्ष 2012-13 के वार्षिक लेखों में भी पृथक रूप से दर्शाया जाएगा।

क.3. स्थायी परिसंपतियां

भारत सरकार की प्रथा का पालन करते हुए मशीनरी एवं उपकरण, वाहनों आदि पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि संस्थान पूर्णतः भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। तथापि, नियंत्रक एवं महा लेखा परीक्षक कार्यालय के निर्देशानुसार, संस्थान वार्षिक लेखों की तैयारी के लिए रोकड़ आधार (एकल प्रविष्टि प्रणाली) से संभूति आधार (दोहरी प्रविष्टि प्रणाली) तक परिवर्तन करने की प्रक्रिया में है। लेखा की संभूति प्रणाली मूल्यह्रास के लिए उपलब्ध कराने की प्रणाली है। ज्यों ही यह कार्यान्वित होती है, मूल्यह्रास को संस्थान के वार्षिक लेखों में उपलब्ध कराया जाएगा।

क.4. सहायता अनुदान

वास्तविक व्यय : कोई टिप्पणी नहीं